संपादन उपसमिति

श्री कृष्णदेवप्रसाद गौड़—संयोजक

श्री डा वासुदेवशरण अग्रवाल

श्री डा जगन्नाथप्रसाद शर्मा

श्री डा राय गोविंदचंद्र

~ श्री पं शिवप्रसाद मिश्र

~ श्री डा भोलाशंकर व्यास

~ श्री देवकीनंदन केडिया

~ श्री पं विद्याभूषण मिश्र—संयो

~ श्री प इंद्रचंद्र नारंग

श्री डा भगीरथ मिश्र

~ श्री पं कमलापति त्रिपाठी

~ श्री पं सुधाकर पांडेय

श्री डा त्रिभुवनसिंह

संवत् २ २१ वि से

~ संवत् १८ से २ २ वि तक

संवत् २ १८ से अब तक

आमुख

काशी नागरीप्रचारिणी सभा की स्थापना १८९३ ई० में हुई थी। इस समय तक हिंदी में न तो कोई अच्छा कोश था न व्याकरण उचित रीति से संपादित प्राचीन ग्रंथ भी अलभ्य थे और फलतः साहित्य के उच्चस्तरीय पठन पाठन की कोई व्यवस्था भी नहीं थी। अपनी स्थापना के समय ही सभा की दृष्टि इन त्रुटियों की ओर गई और उनकी पूर्ति करने का निश्चय उसने किया। ऐसा ही एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य था हिंदी के उन प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों की ढूँढ खोज और उद्धार करना जो भिन्न भिन्न गाँवों और नगरों में बस्तों में बँधे पड़े कीड़े मकोड़ों का भोज्य बनते जा रहे थे। ऐसी कितनी सामग्री नष्ट होकर सदा के लिये लुप्त हो चुकी इसका कोई लेखा जोखा भी आज उपलब्ध नहीं है। ऐसी जो कुछ भी सामग्री शेष रह गई हो उसका पता लगाने और उसकी सूचना जिज्ञासुओं तक पहुँचाने के उद्देश्य से हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों की खोज का कार्य इस सभा ने सन् १९   में आरंभ किया था और तब से लेकर अब तक अनवरत रूप से वह यह कार्य करती आ रही है।

इसी खोज का परिणाम है कि अनेक अज्ञात लेखकों का और ज्ञात लेखकों के अनेक अज्ञात ग्रंथों का परिचय हिंदी जगत् को मिला और आरंभ से लेकर अब तक प्रवहमान साहित्यधारा के विस्तार और गहराई का स्वरूप स्थिर किया जा सका। सभा की यह खोज ही हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास प्रस्तुत करनेवाले विद्वानों के लिये मूलाधार रही है। हिंदी के प्राचीन साहित्य का अध्ययन अनुशीलन करनेवाले विद्वानों के लिये तो खोज के ये विवरण पग पग पर अनिवार्यतः आवश्यक हो जाते हैं।

सन् १९   से लेकर अब तक की खोज की रिपोर्टों के रूप में लगभग दस सहस्र पृष्ठों की सामग्री प्रस्तुत हो चुकी है। संदर्भ के रूप में इस प्रभूत राशि का उपयोग करना स्वभावतः अत्यंत श्रमसाध्य और असुविधाजनक है। अतः सन् १९२१ में सभा ने १९११ तक की प्रकाशित खोज रिपोर्टों का एक संक्षिप्त विवरण प्रकाशित करके अध्येताओं का कार्य सरल कर दिया था। तब से लेकर अब तक यह कार्य बहुत आगे बढ़ चुका। अतएव १९   से १९५५ ई० तक हुई खोज की रिपोर्टों का यह संक्षिप्त विवरण पुनः अध्येताओं के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। हमें विश्वास है, प्राचीन साहित्य का अध्ययन अनुशीलन करनेवाले साहित्यरसिकों के लिये यह विवरण यथावत् उपयोगी सिद्ध होगा।

कार्तिक पूर्णिमा
सं २ २१ वि

कमलापति त्रिपाठी
सभापति
नागरीप्रचारिणी सभा
काशी

प्रकाशकीय

नागरीप्रचारिणी सभा ने अपनी स्थापना के साथ ही न केवल हिंदी साहित्य एवं देवनागरी लिपि के प्रचार प्रसार के लिये उद्योग आरंभ किया, अपितु ऐसे गुरु गंभीर आयोजन भी आरंभ किए जिनके कारण हिंदी साहित्य का केवल अभ्युदय एवं विकास मात्र ही नहीं हुआ, प्रत्युत उसके विकास की नई दृढ़ वैज्ञानिक भित्ति निर्मित हुई, जिसके बल पर हिंदी का साहित्य दिनोत्तर समृद्ध होता चला जा रहा है। परंपरा से प्राप्त हिंदी साहित्य की अतुल संपदा देश की अराजक अनिश्चित राजनीतिक स्थिति के कारण या तो नष्ट भ्रष्ट हो चुकी थी, अथवा वेठना में पड़ी पड़ी एकांत धरती में गड़े धन की भाँति निरर्थक कालोन्मुख हो रही थी। अंग्रेजी राज्य की पूर्ण स्थापना के उपरांत सन् १८६८ ई० से संस्कृत के ग्रंथों की खोज का कार्य बंगाल, बंबई एवं मदरास के प्रेसीडेंसी शासनों ने आरंभ किया। इस संदर्भ में बंगाल एशियाटिक सोसाइटी की तत्कालीन सेवाएँ अभिनंदनीय हैं।

संस्कृत की पुस्तकों की खोज तो आरंभ हुई पर हिंदी की पुस्तकों की खोज की ओर किसी ने भी, सभा की स्थापना के पूर्व तक, ध्यान नहीं दिया। अपनी स्थापना के साल भर बाद ही, सन् १८९४ ई० में, हिंदी पुस्तकों की खोज की दिशा में सभा ने सक्रिय चरण उठाए। संयुक्त प्रांत की सरकार से उसने जहाँ एक ओर इस कार्य के लिये आर्थिक सहायता की याचना की, वहीं दूसरी ओर संस्कृत पुस्तकों की खोज में मिली हिंदी पुस्तकों की सूची के प्रकाशन का आग्रह भी बंगाल एशियाटिक सोसायटी से किया। सन् १८९५ में एक वर्ष में प्राप्त ६०० हिंदी ग्रंथों की सूची प्रकाशित कर सोसायटी ने इस कार्य की इतिश्री कर दी। किंतु सभा अपने प्रयत्न में निष्ठापूर्वक लगी रही और अंततोगत्वा सन् १८९९ ई० में संयुक्त प्रांत से प्राप्त ४०० रु० वार्षिक अनुदान से यह महत्वपूर्ण कार्य आरंभ किया। आधुनिक हिंदी के निर्माता डा० श्यामसुंदरदास के संयोजकत्व में सन् १९०० से अलग विभाग की स्थापना कर सभा ने खोज कार्य को व्यवस्थित किया। तब से निरंतर यह कार्य सभा निष्ठापूर्वक करती चली आ रही है।

तत्कालीन प्रशासकीय स्थिति के कारण सन् १९२५ तक ये खोज रिपोर्टें अंग्रेजी में सरकार द्वारा प्रकाशित होती रहीं। किंतु इसके पश्चात् सभा ने खोज विवरणों का प्रकाशन स्वयं हिंदी में आरंभ किया और सन् १९४३ तक के खोज विवरण अब तक

प्रकाशित हो चुके हैं। इन खोज विवरणों के प्रकाशन का व्यय बराबर उत्तर प्रदेश शासन देता रहा है। सन् ४१ के बाद के खोज विवरण भी संपादित हो चुके हैं और उत्तर प्रदेश सरकार से इनके लिए अनुदान की याचना भी की जा चुकी है। आशा है उत्तर प्रदेश सरकार इस उपयोगी कार्य के प्रति पूर्ववत् अनुदान देकर हिंदी-हित-चिंतन में योग देगी।

विस्तृत खोज विवरणों के प्रकाशन के साथ ही साथ सभा इनके संक्षिप्त विवरण भी प्रकाशित करती रही है। प्रारंभिक ११ वर्षों का संक्षिप्त विवरण डा० श्यामसुंदरदास जी के संपादन में प्रकाशित हुआ था। उसके बाद सभा ने ४४ वर्षों का खोज विवरण प्रकाशित करने का आयोजन किया था जिसका कुछ अंश छप भी चुका था। किंतु इस कार्य में यथासामर्थ्य व्यय करने के बाद भी सभा इसे पूर्णता मूर्त रूप न दे सकी। अंततोगत्वा केंद्रीय सरकार के १) के अनुदान से ५५ वर्षों का यह संक्षिप्त खोज विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यदि केंद्रीय सरकार की यह समयोचित सहायता न मिली होती तो कभी यह कार्य कथमपि पूरा न होता। सरकार ने केवल सहायता ही नहीं दी अमूल्य हितकारी सुझाव भी प्रस्तुत किए एवं शासन के अधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बराबर सहयोग भी दिया विशेषकर भूतपूर्व शिक्षामंत्री श्री डा० कालूलाल जी श्रीमाली वर्तमान उपशिक्षामंत्री माननीय श्री भक्तदर्शन जी एवं संयुक्त सचिव श्री रमाप्रसन्न जी नायक और उपसचिव श्री प्रेमनाथ जी धीर ने। सभा उनके प्रति कृतज्ञ है।

इन ५५ वर्षों में सभा ने खोज संबंधी कार्यों में लगभग [illegible] लाख १८ हजार रुपए व्यय कर ६५६ ग्रंथकारों एवं १५८८२ ग्रंथों के विवरण एकत्र किए। ये ग्रंथ १ वीं शताब्दी से लेकर वर्तमान शताब्दी तक के हैं। साहित्य एवं साहित्यशास्त्र की सभी विधाओं के अतिरिक्त संगीत नीति वैद्यक धनुर्विद्या आचार, ज्योतिष शालिहोत्र लेखाशास्त्र पाकशास्त्र पशुचिकित्सा कामशास्त्र भूगोल तंत्र मंत्र यंत्र रसायन शिकार वनस्पति रत्नपरीक्षा वास्तुविद्या आदि विषयों के भी महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रंथों के विवरण इस खोज के परिणामस्वरूप उपलब्ध हो सके।

खोज के संबंध में सभा के कार्यकर्ता देश के विभिन्न अंचलों में नाना प्रकार की कठिनाइयों का सामना करते हुए गाँव गाँव और कस्बे कस्बे जा जाकर गत ५४ वर्षों से कार्य करते चले आ रहे हैं और हिंदी के गंभीर विद्वान् सभा के संपादक सहायकों के सहयोग से उन प्राप्त विवरणों का संशोधन संपादन करते रहे। इन कार्यकर्ताओं और विद्वानों के प्रति सभा कृतज्ञ है। उन विद्वानों तथा उन ग्रंथकारों के प्रति भी सभा कृतज्ञ है जिन्होंने खोज विवरणों में परिष्कार एवं सुधार के लिये समय समय पर सुझाव दिए। उन कृतिकारों के प्रति सभा हृदय से कृतज्ञ है जिनकी कृतियों से संशोधन संपादन के कार्य में योगदान मिला है।

यद्यपि हिंदी में खोज का यह कार्य जिस व्यापक पैमाने पर होना चाहिए, नहीं हुआ, तो भी सभा द्वारा किया गया इस क्षेत्र में यह प्रयास हिंदी 'अनुसंधान एवं अनुशीलन जगत् का मूलाधार रहा है। इन खोज विवरणों के आधार पर ही मिश्रबंधु विनोद' एवं आचार्य रामचंद्र शुक्ल का 'हिंदी साहित्य का इतिहास' जैसे प्रमाणिक और श्रेष्ठ ग्रंथ प्रस्तुत हो सके। १६ खंडों में प्रकाशित हो रहे 'हिंदी साहित्य के बृहत् इतिहास' के लेखन में भी इसका योगदान महत्वपूर्ण है। अनुशीलन के क्षेत्र में शायद ही कोई ऐसा शोध प्रबंध या गंभीर ग्रंथ हो जिसमें इसका उपयोग न हुआ हो।

आशा है, इस महत्वपूर्ण संदर्भग्रंथ के प्रकाशन से हिंदी अध्ययन एवं अनुशीलन जगत् का हित होगा।

कार्तिक पूर्णिमा
सं० २०२१ वि०,

सुधाकर पांडेय
प्रकाशन मंत्री,
नागरीप्रचारिणी सभा,
काशी।

संकेत सूची

अनु	अनुमान से
अप्र	अप्रकाशित (खो वि सन् १९४१ ४१ के अप्रकाशित विवरण पत्र)
उप	उपनाम
खो वि	खोज विवरण
गो	गोस्वामी
टि	टिप्पणी
ठा	ठाकुर
दि	दिल्ली खोज विवरण सन् १९११
पं	पंजाब खोज विवरण सन् १९२२–२४
परि	परिशिष्ट
प्रा	प्राप्तिस्थान
मा वि हिं	दी माडर्न वर्नाक्यूलर लिटरेचर आफ हिंदुस्तान
मि वि	मिश्र बंधु विनोद
मु का सं	मुद्रण काल संवत्
र का सं	रचना काल संवत्
लि का सं	लिपि काल संवत्
वि	विवरण
सं	संवत्
सं का सं	संग्रह काल संवत्
सं वि	संक्षिप्त विवरण
स्व	स्वर्गीय
स्वा	स्वामी
ति	तिवारी
→	देखिए

००	सन् १६००	का वार्षिक खोज विवरण
०१	,, १६०१	,, ,, ,,
०२	,, १६०२	,, ,, ,,
०३	,, १६०३	,, ,, ,,
०४	,, १६०४	,, ,, ,,
०५	,, १६०५	,, ,, ,,
०६	,, १६०६-८	,, त्रैवार्षिक ,,
०६	,, १६०६-११	,, ,, ,,
१२	,, १६१२-१४	,, ,, ,,
१७	,, १६१७ १६	,, ,, ,,
२०	,, १६२०-२२	,, ,, ,,
२३	,, १६२३-२५	,, ,, ,,
२६	,, १६२६-२८	,, ,, ,,
२६	,, १६२६-३१	,, ,, ,,
३२	,, १६३२-३४	, ,, ,,
३५	,, १६३५-३७	,, ,, ,,
३८	,, १६३८-४०	,, ,, ,,
४१	,, १६४१-४३	,, ,, ,,
सं० ०१	संवत् २००१-२००३ (सन् १६४४-४६)	,,
सं० ०४	,, २००४-२००६ (,, १६४७-४६)	,,
सं० ०७	,, २००७-२००६ (,, १६५०-५२)	,,
सं० १०	, २०१०-२०१२ (,, १६५३-५५)	,,

[इस संक्षिप्त विवरण में खोज विवरणों के संकेतित सन् या संवत् के साथ आई दूसरी संख्या वह क्रमांक सूचित करती है जहाँ संबद्ध ग्रंथ या ग्रंथकार के विवरण खोज विवरण में दिए गए हैं। जैसे → १७-८६ का तात्पर्य यह है कि सन् १६१७-के खोज विवरण की ८६वीं क्रमसंख्या देखें।]

उपोद्घात

अंग्रेजी शासन में आधुनिक पद्धति पर प्राचीन ग्रंथों की खोज की ओर १९वीं शती से ही ध्यान दिया।

सन् १८६८ ई० में सरकार द्वारा संस्कृत के हस्तलिखित प्राचीन ग्रंथों की देशव्यापी खोज प्रारंभ हुई। बंगाल एशियाटिक सोसाइटी तथा बंबई और मद्रास की सरकारें इस कार्य में अग्रसर थीं। अनेक शोधसंस्थाओं और विद्वानों द्वारा भी खोज में उपलब्ध ग्रंथों के संरक्षण तथा प्रकाशन की स्थायी व्यवस्था की गई थी। पर इन प्रयत्नों की सीमा संस्कृत तक ही रही। हिंदी के प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों की खोज की ओर किसी का ध्यान न था। हिंदी ग्रंथों की इस उपेक्षा की ओर काशी नागरीप्रचारिणी सभा के अधिकारियों का ध्यान गया।

पर उस समय सभा की ऐसी आर्थिक स्थिति न थी कि वह इस काम को सुचारुरूप से संपन्न कर लेगी, क्योंकि इसके लिये पर्याप्त धन अपेक्षित था। फिर भी संस्कृत हस्तलिखित ग्रंथों की खोज के अनुकरण पर सभा कुछ प्रयत्न करती रही। १२ मई सन् १८९४ ई० को सभा ने संयुक्तप्रांत (अब उत्तरप्रदेश) शासन को इस कार्य में आर्थिक सहायता के लिये लिखा। साथ ही बंगाल एशियाटिक सोसाइटी से भी आग्रह निवेदन किया कि संस्कृत ग्रंथों की खोज में यदि हिंदी के ग्रंथ मिलें तो उनकी भी सूची प्रकाशित कर दी जाय। एशियाटिक सोसाइटी ने सानंद सहकार्य किया। फलतः १८९५ ई० में हिंदी की हस्तलिखित पुस्तकों की सूची प्रकाशित की गई। इससे सभा के खोजकार्य को आगे बढ़ाने में बड़ी सहायता मिली।

अपनी कठिनाइयों के कारण सोसाइटी ने अगले वर्ष से ही सूची का प्रकाशन बंद कर दिया। पर इस कार्य को अग्रसर करने के लिये सभा बराबर प्रयत्नशील रही। फलतः सन् १८९९ ई० में उस समय के संयुक्तप्रांत शासन से ४००) की वार्षिक अनुदान प्राप्त हुआ। इस अनुदान के साथ खोजसामग्री के प्रकाशन की व्यवस्था का आश्वासन भी सरकार से मिला। इस दिशा में अन्य प्रयत्न भी सफल हुए। देश के राजा महाराजा सेठ तथा हिंदी के अन्यान्य प्रेमी शुभचिंतकों ने भी खोजकार्य के लिये दान दिया।

इसी अल्प धन के सहारे सभा से (सन् १९०० ई०) विधिवत् खोजविभाग की स्थापना हुई। सर्वप्रथम डा० श्यामसुंदरदास इसके संयोजक एवं निरीक्षक चुने गए। प्रारंभिक खोजकार्य के दो वर्षों के खोजविवरण प्रकाशित हुए। इन खोजविवरणों

खो० वि० सि० खं० १–२ (११ –१४)

की देश विदेश में सराहना, प्रशंसा एवं प्रसिद्धि हुई। इस कार्य की गरिमा से प्रभावित होकर तत्कालीन शासन ने सन् १६०२ ई० में सभा को ५०० रु० का वार्षिक अनुदान दिया।

सभा ने समस्त हिंदी भाषी प्रदेशों में यथासंभव खोजकार्य कराने का बहुत पहले से ही निश्चय कर लिया था। उसकी इच्छा थी कि हस्तलिखित ग्रंथ एकत्र किए जायँ, उनकी सुरक्षा की व्यवस्था हो और सुविधानुसार उनका प्रकाशन हो। सरकारी अनुदान के बल पर खोजकार्य चलता रहा। प्रतिवर्ष खोज का वार्षिक संक्षिप्त विवरण तैयार होता था और प्रति तीसरे वर्ष विस्तार के साथ खोज का परिणाम सरकार को सूचित करना पड़ता था। उत्कृष्ट एवं नवोपलब्ध खोजसामग्री का ब्यौरा भी नागरीप्रचारिणी पत्रिका में प्रकाशित किया जाता था।

बाद में सरकारी सहायता बंद होने के कारण खोज का कार्य रुका रहा, यद्यपि सभा कुछ दिनों तक स्वयं अपने बल पर यह कार्य करती रही। सं०१६७०-७१ वि० में अर्थसंकट के कारण कई वर्षों तक के लिये खोजकार्य रुक गया।

खोजकार्य में सभा को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। धनाभाव तो था ही, खोज का कार्य करनेवाले प्रशिक्षित व्यक्ति भी नहीं मिलते थे। जिनके पास हस्तलिखित ग्रंथ थे, उनमें बहुत से ऐसे थे जो ग्रंथ देने की बात कौन कहे, दिखाते भी नहीं थे। खोज करनेवालों को बाहर रहने में भी कठिनाई होती थी। वेतन तो अल्प था ही।

इन कठिनाइयों का सामना करते हुए खोज का कार्य चलता रहा। सभा ने प्रत्येक प्राचीन हस्तलिखित पुस्तक को विवृत करके सभा में देने पर ।।) पारितोषिक देने की भी घोषणा की। इस योजना से कुछ लाभ अवश्य हुआ, किंतु उद्देश्य की पूर्ति में अधिक सहायक न होने के कारण यह योजना भी समाप्त हो गई। अंत में सभा ने अनुभव किया कि अपने अन्वेषकों द्वारा ही खोज का कार्य सुचारु रूप से चलाया जा सकता है।

अपने अपूर्ण साधनों से सभा कई वर्षों तक खोज का कार्य करती रही। हिंदी प्रांतों बिहार, राजपूताना, मध्यभारत, (मध्यप्रदेश), पंजाब तथा बृहद हिंदू रियासतों में एक साथ कार्य करने का विचार भी किया गया। अनेक कठिनाइयों के कारण यह योजना भी वास्तविक उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक सिद्ध न हो सकी।

सन् १६१४ ई० के आसपास विषम आर्थिक परिस्थिति उत्पन्न हो गई। इससे बहुत दिनों तक खोजकार्य न हो सका। संयुक्त प्रांत शासन से आर्थिक सहायता के लिये बार बार लिखा पढ़ी की गई। संचित खोज सामग्री के बारे में भी सूचना भेजी गई। इसका प्रभाव सरकार के ऊपर पड़ा। कार्य की गुरुता तथा परिणाम के महत्व की ओर सरकार का ध्यान गया। और सन् १६१६ ई० में १००० रु० का अनुदान दिया। अगले वर्षों में सभा जैसे जैसे अपने कार्य में सफल होती गई वैसे वैसे अनुदान भी उत्तरोत्तर बढ़ता गया। ५ वर्षों में सभा द्वारा बहुत प्रभाव-

स्थायी ढंग से खोजकार्य किया गया। इससे सरकार अत्यधिक प्रभावित हुई। फलतः सन् १९२१ ई० में २ ... रु० का वार्षिक अनुदान मिलने लगा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से सरकारी अनुदान में आशातीत सफलता मिली। पहले विदेशी शासन के अनुदान से खोजविवरण अंग्रेजी में प्रकाशित होते थे। स्वदेशी शासन के अनुदान तथा प्रोत्साहन से खोजविवरण हिंदी में प्रकाशित किए जाने लगे। अब सभा स्वयं ही खोज विवरणों को हिंदी में प्रकाशित कर रही है। अंग्रेजी में अनूदित खोज विवरणों के हिंदी रूपांतर प्रकाशित किए गए। १९२९ ई० से आगे के सभी खोजविवरण हिंदी में प्रकाशित किए जा रहे हैं। अब शासन से खोजकार्य के लिये अनुदान मिलता है। खोजविवरणों के प्रकाशनार्थ भी अतिरिक्त अनुदान मिलता है। सं० २०१२ वि० से उत्तरप्रदेश शासन द्वारा सभा को ५ ... रु० का वार्षिक एवं स्थायी अनुदान मिल रहा है।

खोजकार्य में भी अब कठिनाइयाँ कम हो गई हैं। विदेशी शासनकाल में ही तथा के २५ वर्षों में खोजविवरण प्रकाशित हुए थे। उस समय के सरकारी प्रबंध में सरकारी प्रेस में बहुत दिनों तक विवरण पड़े रहते थे और प्रकाशन विलंब से होता था।

प्रारंभिक खोज के समय विवरण लेने का कोई नियमानुसार ढंग न था। कोई कार्यक्षेत्र भी निश्चित नहीं था। संपूर्ण हिंदी प्रांतों में जहाँ जिस शासन के द्वारा प्राचीन सामग्री मिल जाती थी उसे सहर्ष स्वीकार करके संचित कर लिया जाता था। व्यक्तिगत, सार्वजनिक संग्रह राजपुस्तकालयों तथा बड़े बड़े नगरों और उपनगरों के पुस्तकालयों तक ही खोजकार्य के क्षेत्र की सामान्य सीमा मान ली गयी थी।

इस विस्तृत खोज में कुछ नई बातें सामने आईं। उनको दृष्टि में रखकर कार्य क्षेत्र सीमित स्थान में नियत किया गया। क्षेत्र सीमित कर देने से कई लाभ हुए। जिस स्थान में निवास करनेवाले कवि का काव्य विवृत किया जाता था वहाँ उसके बारे में परंपरा से कही सुनी जानेवाली बातों का संग्रह किया जा सकता था। उसके बारे में उल्लेख करने योग्य सभी प्रकार के ज्ञातव्य एवं निरपेक्ष तथ्य जाने जा सकते थे। उसकी वंशपरंपरा एवं लिखित तथा मौखिक समग्र सामग्री तथा विवरण एकत्र किए जा सकते थे। रचना तथा रचयिता के संबंध में दूर दूर और समीप की प्रतिक्रिया एवं प्रभाव की जानकारी भी पाई जा सकती थी। इन बातों से संबंध रखनेवाली अन्य शोध सामग्री भी संगृहीत की जा सकती थी। एक ही नियत क्षेत्र में काम कराने से उपर्युक्त लाभ के अतिरिक्त एक क्षेत्र के काम के बारे में पूरी जानकारी भी मिल जाती थी। कभी यहाँ कभी वहाँ काम करने से किसी क्षेत्र के बारे में पूर्ण खोज के निश्चय का सदा अभाव बना रहता था। इस अनुभव से सभा ने नियत कार्यक्षेत्र के बारे में नया निश्चय किया।

सन् १९१७ से त्रैवार्षिक अवधि में एक जिले की खोज की सीमा बाँध दी गई। इस प्रकार दूर दूर के हिंदी प्रधान प्रांतों में खोज करने का कार्य समाप्त हो गया। जिले

बार खोजक्षेत्र भी संयुक्तप्रांत (उत्तरप्रदेश) में ही चुना गया, क्योंकि अनुदान की व्यवस्था इसी प्रदेश में थी।

जिस प्रकार खोजक्षेत्र के बारे में परिवर्तन किया गया, उसी प्रकार खोज-विवरणों के प्रकाशनक्रम में भी परिवर्तन कर लिया गया। प्रारंभिक प्रकाशनक्रम में विवरण प्रतिवर्ष अलग अलग प्रकाशित हुआ करते थे। उधर खोज का कार्य भी बराबर आगे चलता रहता था। पहले वर्ष की प्रकाशन सामग्री के विपरीत खोज सामग्री अगले वर्ष भी मिल जाया करती थी। ऐसे ही कुछ और भी कारण थे जिससे संशोधन परिवर्द्धन की समस्या प्रतिवर्ष के प्रकाशन में आती रहती थी। व्यर्थ के श्रम और समय से बचने के लिये खोज विवरणों का प्रकाशन क्रम ५ वर्ष की प्रारंभिक खोज के बाद त्रैवार्षिक कर दिया गया। त्रैवार्षिक प्रकाशन से सभी खोज विवरणों के समन्वय का अवसर मिलने लगा। बार बार खटकनेवाली अनेक त्रुटियाँ भी दूर हो गईं।

पहले इस बात की चर्चा आ चुकी है कि खोज के प्रारंभिक प्रकाशन से पर्याप्त प्रसिद्धि और सुझाव मिले थे। अनेक वैज्ञानिक सुझाव तथा संशोधन आदि के आँकड़े भी संचित किए गए थे। सबसे अधिक वैज्ञानिक सुझाव जार्ज ग्रियर्सन के थे। सभा ने उनको सहर्ष स्वीकार किया और खोज की अपनी कार्यपद्धति में तदनुसार आमूल परिवर्तन कर लिया। आज भी उसी परिवर्तित पद्धति पर खोजकार्य हो रहा है। जार्ज ग्रियर्सन[1] के सुझाव के अनुसार विवरण लेने में अन्य निम्नांकित बातों का भी समावेश किया गया—

"ग्रंथ और ग्रंथकार का नाम, ग्रंथकार का निवास स्थान, ग्रंथ किस पर लिखा है, पत्रसंख्या, औसत पत्रों की इंचों में लंबाई चौड़ाई, औसत प्रतिपृष्ठ पंक्तियों की संख्या, ग्रंथ कहीं प्रकाशित है या नहीं, यदि हाँ तो कहाँ, पूरे ग्रंथ की अनुष्टुप छंदसंख्या, पूर्ण, अपूर्ण, रूप, गद्य या पद्य अक्षर, रचनाकाल, लिपिकाल, ग्रंथस्वामी का पूरा पता, ग्रंथ के आदि, मध्य तथा अंत का अपेक्षित उद्धरण, पूर्ण विवरण के साथ विषय, ग्रंथकार का वृत्त, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक ज्ञातव्य विवरण के साथ साथ ग्रंथ का मौलिक महत्व एवं उससे संबंधित तुलनात्मक खोजसामग्री, प्राप्त हस्तलिखित ग्रंथों का संग्रह, संरक्षण, प्रकाशन, त्रैवार्षिक क्रम से खोज विवरणों का संपादन प्रकाशन।" यथासमय सभा ने यह भी निश्चय किया कि सं० १९३७ वि० के बाद की हस्तलिखित रचनाएँ विशेष परिस्थिति को छोड़कर विवृत न की जाँय।

जार्ज ग्रियर्सन के सुझाव मान लेने पर सभा के खोजकार्य में काफी विस्तार हो गया। इसके पूर्व भी विभिन्न परिस्थितियों में यथासमय परिष्कार एवं परिवर्द्धन किया जाता रहा। कम से कम ६ वर्षों तक के लिये विद्वान अनुभवी निरीक्षकों का कार्यकाल चुना गया। योग्य और टिकनेवाले कष्टसहिष्णु अन्वेषक नियुक्त किए

---

१ देखें परिशिष्ट १

गए। अन्वेषकों के समान पाम्य निरीक्षक के विषय में भी विचार किया गया। परंतु आर्थिक कठिनाइयों के कारण वह विचार पूरा न हो सका। निरीक्षक अन्वेषक के पारस्परिक व्यवहार संबंध नियम एवं कर्तव्य की सीमा बाँधी गई। तदनुसार अन्वेषक ६ मास तक बाहर भ्रमण करता था और ६ मास अपने निरीक्षक के साथ खोज विवरणों के संपादन में सहायक हुआ करता था।

आगे चलकर सभा का खोजकार्य संबंधी संपादन प्रकाशन आदि विधिवत चलने लगा। इस कार्य का प्रभाव अन्यान्य हिंदी प्रधान प्रांतों पर भी पड़ा। तदर्थ पंजाब प्रांत में खोज के लिये ५ ८ वार्षिक अनुदान मिलने लगा। दिल्ली के चीफ कमिश्नर ने भी इसी हेतु ५ २ का वार्षिक अनुदान दिया। पंजाब में बहुत दिनों तक खोजकार्य चलता रहा। बाद में अनुदान रुक जाने के कारण वहाँ का काम स्थगित कर दिया गया। दिल्ली के अनुदान की भी यही दशा हुई। अतएव दिल्ली प्रांत में केवल ८ महीनों तक ही कार्य हो सका जिसमें १ ७ ग्रंथ विवृत किए गए। पंजाब और दिल्ली की खोज विवरणिकायें क्रमशः सन् १९२२ ई० और सन् १९३१ ई० में डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल और चंद्रधर शर्मा गुलेरी के संपादन द्वारा सभा से प्रकाशित की गईं।

सभा द्वारा खोजकार्य की १ वर्ष की अवधि में हिंदी उत्थान की बहुमूल्य सामग्री एकत्र की जा चुकी थी। हिंदी का इतिहास और समालोचना शास्त्र भी लिखना संभव हो गया। मिश्रबंधु विनोद तथा हिंदी साहित्य के अन्य इतिहास इस खोज सामग्री के आधार पर लिखे गए। १९२२ ई० तक की खोजसामग्री का सदुपयोग आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने इतिहास में किया। सभा की खोजसामग्री का अन्यान्य स्थानों के हिंदी अनुशीलनकर्ताओं एवं शोधार्थियों ने विशेष उपयोग किया।

समुचित खोज के अभाव में हिंदी साहित्य का काल विभाजन भी त्रुटिपूर्ण था। सिद्धों नाथों, योगियों निर्गुनियों निरंजनियों जैनियों धामियों प्रेमकथानक आदि की कड़ियाँ हिंदी साहित्य की वृहद परंपरा में समाविष्ट नहीं की जा सकी थीं।

हिंदी समालोचना शास्त्र में अनेक तथ्यों और व्यक्तियों का सामंजस्य नहीं किया जा सका था जैसे अकबरकालीन गंग के बारे में तो भूरि भूरि प्रशंसा की गई थी। पर उन्हीं के समान अपरिमित प्रतिभा संपन्न दूसरे गंग की चर्चा तक न थी। श्रीमद्गीता के सुआ (ब्रजनिवासी) उदयराम थे। "बीजकटीकाकार उदयनाथ कबींद्र को मान लिया गया था। आलम को अकबर और मुअज्जमशाह दोनों के समसामयिक माना गया था। आलम दो नहीं एक ही थे और वे अकबर के समय में थे। सतनामी पंथ के प्रवर्तक जग जीवन साहब को दादू का अनुयायी और शिष्य माना गया था। वे विसेसरपुरीवाले बुल्लासाहब के शिष्य थे। इस प्रकार अनेक ऐसे तथ्य सभा की खोज में पाए गए

वार खोजक्षेत्र भी सयुक्तप्रात (उत्तरप्रदेश) मे ही चुना गया, क्योंकि अनुदान की व्यवस्था इसी प्रदेश में थी।

जिस प्रकार खोजक्षेत्र के बारे में परिवर्तन किया गया, उसी प्रकार खोज-विवरणों के प्रकाशनक्रम में भी परिवर्तन कर दिया गया। प्रारभिक प्रकाशनक्रम में विवरण प्रतिवर्ष अलग अलग प्रकाशित हुआ करते थे। उधर खोज का कार्य भी बराबर आगे चलता रहता था। पहले वर्ष की प्रकाशन सामग्री के विपरीत खोज सामग्री अगले वर्ष भी मिल जाया करती थी। ऐसे ही कुछ और भी कारण थे जिससे सशोधन परिवर्द्धन की समस्या प्रतिवर्ष के प्रकाशन में आती रहती थी। व्यर्थ के श्रम और समय से बचने के लिये खोज विवरणों का प्रकाशन क्रम ५ वर्ष की प्रारभिक खोज के बाद त्रैवार्षिक कर दिया गया। त्रैवार्षिक प्रकाशन से सभी खोज विवरणों के समन्वय का अवसर मिलने लगा। बार बार खटकनेवाली अनेक त्रुटियाँ भी दूर हो गई।

पहले इस बात की चर्चा आ चुकी है कि खोज के प्रारभिक प्रकाशन से पर्याप्त प्रसिद्धि और सुझाव मिले थे। अनेक वैज्ञानिक सुझाव तथा सशोधन आदि के आँकडे भी सचित किए गए थे। सबसे अधिक वैज्ञानिक सुझाव जार्ज ग्रियर्सन के थे। सभा ने उनको सहर्ष स्वीकार किया और खोज की अपनी कार्यपद्धति में तदनुसार आमूल परिवर्तन कर लिया। आज भी उसी परिवर्तित पद्धति पर खोजकार्य हो रहा है। जार्ज ग्रियर्सन[1] के सुझाव के अनुसार विवरण लेने मे अन्य निम्नाकित बातों का भी समावेश किया गया—

"ग्रथ और ग्रथकार का नाम, ग्रथकार का निवास स्थान, ग्रथ किस पर लिखा है, पत्रसख्या, औसत पत्रों की इचों में लबाई चौड़ाई, औसत प्रतिपृष्ठ पक्तियों की सख्या, ग्रथ कहीं प्रकाशित है या नहीं, यदि हाँ तो कहाँ, पूरे ग्रथ की अनुष्टुप छदसंख्या, पूर्ण, अपूर्ण, रूप, गद्य या पद्य, अक्षर, रचनाकाल, लिपिकाल, ग्रथस्वामी का पूरा पता, ग्रथ के आदि, मध्य तथा अत का अपेक्षित उद्धरण, पूर्ण विवरण के साथ विषय, ग्रथकार का वृत्त, ऐतिहासिक, सास्कृतिक ज्ञातव्य विवरण के साथ साथ ग्रथ का मौलिक महत्व एव उससे सबधित तुलनात्मक खोजसामग्री, प्राप्त हस्तलिखित ग्रथों का संग्रह, सरक्षण, प्रकाशन, त्रैवार्षिक क्रम से खोज विवरणों का सपादन प्रकाशन।" यथासमय सभा ने यह भी निश्चय किया कि स० १६३७ वि० के बाद की हस्तलिखित रचनाएँ विशेप परिस्थिति को छोड़कर विवृत न की जाँय।

जार्ज ग्रियर्सन के सुझाव मान लेने पर सभा के खोजकार्य में काफी विस्तार हो गया। इसके पूर्व भी विभिन्न परिस्थितियों में यथासमय परिष्कार एव परिवर्द्धन किया जाता रहा। कम से कम ६ वर्षों तक के लिये विद्वान अनुभवी निरीक्षकों का कार्यकाल चुना गया। योग्य और टिकनेवाले कष्टसहिष्णु अन्वेषक नियुक्त किए

---

१ देखें परिशिष्ट १

गए। अन्वेषकों के समान योग्य निरीक्षक के विषय में भी विचार किया गया। परंतु आर्थिक कठिनाइयों के कारण वह विचार पूरा न हो सका। निरीक्षक अन्वेषक के पारस्परिक व्यवहार संबंध नियम एवं कर्तव्य की सीमा बाँधी गई। तदनुसार अन्वेषक ६ मास तक बाहर काम करता था और ६ मास अपने निरीक्षक के साथ खोज विवरणों के संपादन में सहायक हुआ करता था।

आगे चलकर सभा का खोजकार्य संबंधी संपादन प्रकाशन आदि विधिवत चलने लगा। इस कार्य का प्रभाव अन्यान्य हिंदी प्रधान प्रांतों पर भी पड़ा। तदर्थ पंजाब प्रांत में खोज के लिये ५ ह वार्षिक अनुदान मिलने लगा। दिल्ली के चीफ कमिश्नर ने भी इसी हेतु ५ रु का वार्षिक अनुदान दिया। पंजाब में बहुत दिनों तक खोजकार्य चलता रहा। बाद में अनुदान बंद आने के कारण वहाँ का काम स्थगित कर दिया गया। दिल्ली के अनुदान की भी यही दशा हुई। अतएव दिल्ली प्रांत में केवल ८ महीनों तक ही कार्य हो सका जिसमें २ ७ ग्रंथ विवृत किए गए। पंजाब और दिल्ली की खोज विवरणिकाएँ क्रमशः सन् १९११ ई और सन् १९१९ ई में डा पीतांबरदत्त बड़थ्वाल और चंद्रधर शर्मा गुलेरी के संपादन द्वारा सभा से प्रकाशित की गईं।

सभा द्वारा खोजकार्य की ६ वर्षीय अवधि म हिंदी ड्यान का बहुमूल्य सामग्री एकत्र की जा चुकी थी। हिंदी का इतिहास और समालोचना शास्त्र भी लिखना संभव हो गया। मिश्रबंधु विनोद तथा हिंदी साहित्य के अन्य इतिहास इस खोज सामग्री के आधार पर लिखे गए। १९२१ ई तक की खोजसामग्री का सदुपयोग आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने इतिहास में किया। सभा की खोजसामग्री का अन्यान्य स्थानों के हिंदी अनुशीलनकर्ताओं एवं शोधार्थियों ने विशेष उपयोग किया।

समुचित खोज के अभाव में हिंदी साहित्य का काल विभाजन भी त्रुटिपूर्ण था। सिद्धों नाथों, योगियों निर्गुणियों निरंजनियों जैनियों चारणियों प्रेमाख्यानक आदि की कवियों हिंदी सा।हत्य की वृहत् परंपरा में समाविष्ट नहीं की जा सकी थीं।

हिंदी समालोचना शास्त्र में अनेक तथ्यों और व्यक्तियों का सामंजस्य नहीं किया जा सका था जैसे अकबरकालीन गंग के बारे में तो भूरि भूरि प्रशंसा की गई थी। पर उन्हीं के समान अपरिमित प्रतिभा संपन्न दूसरे गंग की चर्चा तक न थी। जोगलीला के रचा (ब्रजनिवासी) उदयराम थे। 'जोगलीलाकार' उदयनाथ कवींद्र को मान लिया गया था। आलम को अकबर और मुअज्जमशाह दोनों के समसामयिक माना गया था। आलम दो नहीं एक ही थे और वे अकबर के समय में थे। सतनामी पंथ के प्रवर्तक जग जीवन साहब को दादू का अनुयायी और शिष्य माना गया था। वे विसेसरपुरीवाले बुल्लासाहब के शिष्य थे। इस प्रकार अनेक ऐसे तथ्य सभा की खोज में पाए गए

जिनके द्वारा समय समय पर भ्रांतियाँ दूर की गई। नवनवोपलब्धि से प्राचीन हिंदी साहित्य की श्रीवृद्धि होती रही।

सभा द्वारा खोजकार्य का प्रभाव केवल हिंदी साहित्य और समालोचना शास्त्र तक ही सीमित नहीं रहा। भारतीय शिक्षा एवं शिक्षण परंपरा पर भी प्रभाव पड़ा। साधारण शिक्षण संस्थाओं से लेकर विश्वविद्यालयीय शिक्षण पद्धति तक प्रभावित हुई। सभा की खोज में प्राप्त नए नए हिंदी ग्रंथ रत्नों का प्रकाशन और प्रचार किया गया। हिंदी की विविध विधाओं का पठनपाठन आरंभ हो गया।

सभा के सर्वप्रथम खोज निरीक्षक डा० श्यामसुंदरदास थे। सभा के दूसरे निपुण खोज निरीक्षक डा० पीतांबरदत्त बड़थ्वाल थे। आज भारत में शायद ही कोई ऐसा विश्वविद्यालय मिलेगा जहाँ हिंदी विभाग न हो, और हिंदी की विविध विधाओं पर शोध-प्रबंध न लिखे जाते हों। भारत और भारत के बाहर के समस्त हिंदी चिंतकों का सभा की खोजसामग्री से संबंध हो गया है। प्रतिवर्ष देशविदेश से शोधछात्रों के आने का क्रम लगा रहता है। ६४ वर्षों से सभा द्वारा हिंदी खोज का कार्य निरंतर होता आ रहा है।

अब पहले के समान हिंदी हस्तलिखित पुस्तकों की खोज और विवरण आदि लेने का कार्य कठिन नहीं रहा। सभा द्वारा खोजकार्य के अनुकरण एवं उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में अन्य संस्थाएँ भी कार्य करने लगीं। उनके प्रयत्न से प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों की सूचियाँ प्रकाशित हुई। संक्षिप्त रूप में खोज विवरण और प्राचीन ग्रंथ भी प्रकाशित किए गए।

सभा का खोजकार्य अपने ढंग का है। इन शोध संस्थानों से भी सभा के खोज कार्य के बहुत से उद्देश्यों को पूर्ण करने में सहायता ली गई है। वस्तुतः सभा की खोज का बहुत बड़ा परिमाण संचित हो चुका है। हिंदी के उत्थान एवं विकास में उसका बहुत बड़ा योगदान है।

नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा ५५ वर्षों तक जिन भिन्न स्थानों में खोज हुई है, उनमें हिंदी के प्रायः सभी प्रांत न्यूनाधिक रूप में संमिलित हैं। सबसे अधिक व्यवस्थित और नियमित रूप से खोज उत्तरप्रदेश में होती आ रही है। ६५ वर्षों की खोज में १८ खोज विवरण (६ वार्षिक १२ त्रैवार्षिक) प्रकाशित किए जा चुके हैं। १८ खोज विवरणों के अतिरिक्त ४ खोज विवरण विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक क्रम से संपादित एवं उत्तरप्रदेश सरकार के अनुदानाश्रित अप्रकाशित पड़े हैं। ५५ वर्षों में २२ खोज विवरणों द्वारा प्राप्त खोज सामग्री बड़े बड़े जिलों नगरों आदि स्थानों में पाई गई है। जिन स्थानों की खोज से उपर्युक्त २२ खोज विवरण प्रस्तुत किए गए हैं उनके नाम ये हैं —

बनारस	काँगड़ा	एटा	गढ़वाल	बहराइच
रीवाँ•	पन्ना•	इटावा	नैनीताल	बाराबंकी
जयपुर•	चरखारी•	अलीगढ़	अलमोड़ा	रायबरेली
नागौर•	दतिया•	बुलंदशहर	सीतापुर	प्रतापगढ़
लखनऊ	छतरपुर•	मेरठ	गोंडा	दिल्ली•
असनी	आजमगढ़	मुजफ्फरनगर	धर्मशाला•	बलिया
आगरा	प्रयाग	सहारनपुर	गुलेर•	इलाहाबाद
मथुरा	फतहपुर	देहरादून	हरिपुर•	कालाकाँकर
जोधपुर•	झाँसी	बिजनौर	नगरौटा•	भरतपुर•
कलकत्ता•	जालौन	मुरादाबाद	नाहन•	हरदोई
अयोध्या	कानपुर	बरेली	पटियाला•	खीरी
बाँदा	उन्नाव	पीलीभीत	नारनौल•	जौनपुर
मिर्जापुर	फर्रुखाबाद	शाहजहाँपुर	फैजाबाद	बस्ती
गोरखपुर	मैनपुरी	बदायूँ	सुलतानपुर	गाजीपुर आदि

इसमें गाँवों की नामावली छोड़ दी गई है। ऊपर के पुष्पांकित खोजक्षेत्रों के नाम उत्तरप्रदेश से बाहर के हैं। १५ वर्षों की अवधि में जितने स्थानों में खोज कार्य हुआ है वह बहुत थोड़ा है। कुछ स्थानों को छोड़कर शेष जिन स्थानों की खोज के आधार पर ११ खोज विवरण प्रस्तुत किए गए हैं वे उत्तर प्रदेश के ही हैं।

वस्तुतः हिंदी की बहुत बड़ी गहराई के तथ्य को सदियों से छिपा रखनेवाले राजपूताना मध्यप्रदेश हैदराबाद गुजरात आदि स्थानों में तथा बड़ी बड़ी हिंदू रियासतों में सभा के ढंग से काम नहीं किया गया है। व्यक्तिगत संकीर्णताएँ खोज के मार्ग में आरंभिक अवरोधक रही हैं। किंतु अब वे संकीर्णताएँ शिथिल हो चुकी हैं यद्यपि मठों मंदिरों एवं राजदरबारों में जो विशाल संग्रह भरा पड़ा है उसको दिखाने में अभी भी संकोच किया जाता है। जैनियों वैष्णवों के मंदिरों में विवरण लेने की सुविधा प्राप्त होने लगी है। खेद है ऐसा राजदरबार जहाँ विवरण लेने की असुविधा आज तक बनी है। शताब्दियों से हिंदी की मूल्यवान खोज सामग्री सड़ गलकर नष्ट होती आ रही है। बड़े बड़े हिंदी साहित्य भंडारों तथा गाँव गाँव में बिखरी-छिपी हिंदी निधियों को बचाया जा सकता है।

सभा द्वारा खोज की संपूर्ण संचित सामग्री तथा अनुभव से अनेक तथ्य ज्ञात हुए हैं। वैज्ञानिक विश्लेषण पद्धति द्वारा खोज का व्यापक कार्य शेष है। प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों के विवरणों में अनेक रचनाएँ संदिग्धपरिचय भ्रष्टपाठ और कालविहीन हैं। उनके समाधान में विलंब हो रहा है। बहुत सी अज्ञात रचनाएँ और अज्ञातनामा ग्रंथकार पदकार शब्दकार संदर्भकार मिले हैं। खोज में उपलब्ध रचनाओं का ध्वनि रस रीति अलंकार आदि काव्य सौष्ठव की दृष्टियों से अनुशीलन बाकी है। बहुत

पहले जो ग्रंथ विवृत किए गए थे वे अब मूलत: लुप्त हो गए हैं। उनके ग्रंथ स्वामी भी चल बसे हैं। ऐसी चिंतनीय खोज सामग्री के अध्ययन की सुविधा नहीं रही।

सभा द्वारा ५५ वर्षीय हिंदी खोज कार्य में प्रचुर विपुल की सामग्री विवृत की गई है। तथोक्त अवधि में सभा के खोज कार्य पर ८१३८१ ७२ रु० व्यय किए गए। परिणामत: १५५८२ ग्रंथों के विवरण लिए गए। उनमें ६५६० ग्रंथकारों की संख्या थी। सभा संग्रहालय को २१३७ ग्रंथ मिले।

ग्रंथों एवं ग्रंथकारों की विक्रमाब्दीय समय सारणी इस प्रकार है—

शताब्दी	वि० १०	वि० ११	वि० १२	वि० १३	वि० १४	वि० १५	वि० १६	वि० १७	वि० १८	वि० १९	वि० २०	अज्ञात	योग
ग्रंथकार	१	१	८	२	५८	१७	३६३	८२२	१२७०	१३६८	१३६	२५११	६५६०
ग्रंथ	१	१	१०	२	८५	१७२	१०८८	१६१०	२६६५	२६६६	२६५	६६५७	१५५८२

प्रस्तुत समय सारणी से ज्ञात होता है कि १८ वीं शताब्दी से लेकर १६ वीं शताब्दी तक पर्याप्त मात्रा में हिंदी के ग्रंथ लिखे गए। २० वीं शताब्दी के प्रारंभ से छपाई होने लगी थी। अतएव हिंदी में हस्तलिखित ग्रंथों के लिखने की परिपाटी बंद सी हो गई। इस प्रकार १४वीं शताब्दी से १६वीं शताब्दी तक का समय हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों का स्वर्णकाल कहा जाय तो अनुचित न होगा। वैसे हिंदी में लिखित साहित्य का आभास ८ वीं शताब्दी से मिलता है।

५५ वर्षों की खोज में उपलब्ध ग्रंथों के निम्नलिखित विषय हैं—

भक्ति
कोश
कथा
स्वरोदय
योग
पुराण
चरित
उपदेश
वैद्यक
रीति
पिंगल
स्तुति
धनुर्विद्या
अलंकार
महाकाव्य
वेदांत
जैनागम
ज्योतिष
शालिहोत्र
शृंगार
नीति
इतिहास
संगीत
वंशावली
सदाचार
प्रेम
राजनीति
वैराग्य
आत्मज्ञान
नाटक
उपन्यास
काव्य
शकुन
मुनीमी
पाकशास्त्र
पशुचिकित्सा
धार्मिक
षट्ऋतु
नखशिख
कामशास्त्र
भूगोल
तंत्र
मंत्र
यंत्र
संग्रह
रसायन
दर्शन
सामुद्रिक
रमल
पहेली
व्याकरण
मृगया
मनोरंजन
वनस्पति शास्त्र
रत्नपरीक्षा
बागबानी
लोकोक्ति
माहात्म्य
स्वप्नविचार
वार्ता
विरुदावली
यात्रा
वास्तुविद्या
भजन
मुकरी
विविध आदि

संक्षिप्त विवरण

१५ वर्षों में सभा के द्वारा जो खोजकार्य हुआ है, प्रसंगानुसार अब तक उसी की संक्षिप्त चर्चा की गई है। इस खोजकार्य की महत्वपूर्ण उपलब्धि में जिन्होंने सहायता दी है सभा उनकी आभारी है। विशेषरूप से उत्तरप्रदेश सरकार हिंदीप्रेमी समाज, खोज विभाग के निरीक्षक गण गाँवों के रईस जमींदार, ग्रंथस्वामी अध्यापक समाज व्यापारी राजकर्मचारी आदि सभी के प्रति सभा चिरऋणी रहेगी। इनकी यथासमय की सहायता से ही हिंदी सेवा का इतना बड़ा कार्य हो सका।

प्रारंभिक पाँच वर्षों की खोज के अनंतर, जिसमें वार्षिक खोज विवरण प्रकाशित किए गए—त्रैवार्षिक खोज विवरणों का प्रकाशन किया जाता रहा है। त्रैवार्षिक खोज विवरणों के अध्ययन से बराबर नई बातों की जानकारी होती रही। अनेक कवियों तथा लेखकों के बारे में ऐसी नई बातें ज्ञात हुईं जो पहले के विवरणों में नहीं थीं। विभिन्न खोज विवरणों में बिखरी हुई नवोपलब्धियों को एक कड़ी में मिलाने के लिये अनुसंधायकों का समस्त खोज विवरण जो अलग अलग प्रकाशित थे—देखने पड़ते थे। इसके साथ ही किसी कृतिकार की समस्त कृतियों को देखने के लिये भी खोज विवरणों का अलग अलग देखा जाना आवश्यक था। इससे अनुसंधायकों को अनावश्यक श्रम तो करना ही पड़ता था समय भी नष्ट होता था और कठिनाई भी होती थी।

११ वर्षों में ८ खोजविवरण प्रकाशित किए जा चुके थे। इस अवधि में १४५ कवियों और आश्रयदाताओं के साथ २०५१ ग्रंथ विवृत किए गए थे। सर्वप्रथम इसी खोजसामग्री के आधार पर संक्षिप्त विवरण संपादित करने का लक्ष्य बनाया गया। इसके संपादन और प्रकाशन का भार डा श्यामसुंदरदास के ऊपर सौंपा गया। यह संक्षिप्त विवरण सं १९८८ वि में प्रथम भाग के रूप में प्रकाशित हुआ। प्रति १५वें वर्ष संक्षिप्त विवरण प्रकाशित करने का निश्चय भी किया गया।

सं वि प्रथम भाग के प्रकाशित होते ही उपर्युक्त कठिनाइयाँ दूर हो गई। खोज संबंधी परिमार्जित सामग्री का भी पता लगा। अनेक भूलों का भी खंडन किया गया। उदाहरणस्वरूप भागवत दशमस्कंध के निर्माता भूपति कवि लालकवि चंद्रहित चंदलाल रतनकवि कवींद्र गौरी कवि मानसिंह गुमकरण अनाथदास रतनपाल आदि कवि और भूषण मतिराम चिंतामणि जटाशंकर इन चारों के पारस्परिक संबंध के बारे में पाई जानेवाली भाँति भाँति की भ्रांतियाँ दूर की गई। एक कवि के नाम पर दूसरे कवि की प्रसिद्धि पानेवाली रचना का खंडन किया गया। आश्रित कवियों एवं आश्रयदाताओं के संबंध में ऐसी भ्रांतियाँ भी दूर की गई। संक्षिप्त विवरण प्रथम भाग के द्वारा जो लाभ हुआ उसका विस्तृत विवरण उसकी भूमिका में दे दिया गया है। पुनरुक्ति और स्थान संकोच के कारण उसके बारे में यहाँ नहीं लिखा जा रहा है।

सभा द्वारा खोज कार्य के १९२५ ई तक के विवरण पूर्व की भाँति अंग्रेजी में छप चुके थे। आगे अप्रकाशित व प्रकाशित विवरण अप्राप्य हो गए। सं वि का

प्रकाशन भी समाप्तप्राय हो गया। [illegible] प्रकाशित [illegible] के साथ मिलना कठिन हो गया। उधर आगे का खोज कार्य [illegible] जारी रहा। [illegible] पर्याप्त मात्रा में विवरण संचित हो गए जिनमें [illegible] और [illegible] हुआ। इस नवीन सामग्री के सर्वसुलभ न होने के कारण [illegible] विद्वानों और अनुसंधायकों के अध्ययन में पुनः कठिनाई पड़ने लगी।

ऐसी स्थिति में पूर्व प्रकाशित सं० वि० का [illegible] परिवर्तन [illegible] के साथ विस्तार से पुनः प्रकाशन आवश्यक हो गया। [illegible] पूर्व प्रकाशित सं० वि० की पद्धति में भी परिवर्तन अपेक्षित समझा गया।

पर्याप्त मात्रा में खोज विवरण भी इकट्ठे हो चुके थे। उनका प्रकाशन स्वयं सरकार किया करती थी। सरकारी तौर पर प्रकाशन बहुत देर और [illegible] उपेक्षा के साथ होता था। अर्थाभाव के कारण सभा खोजविवरणों का [illegible] प्रकाशन नहीं करा सकती थी। खोज का अनुदान भी बड़ी देर से मिला करता था। इन विवशताओं की स्थिति में हिंदी सेवा का काम आगे बढ़ाने और आवश्यकताओं की कठिनाइयों को दूर करने के लिये सभा ने नया निश्चय किया।

प्रकाशन के लिये सरकारी प्रेस में चिरकाल से पड़े हुए १९२९-२८ ई० के खोजविवरण को सभा ने बड़े खेद के साथ वापस मँगा लिया। यह खोजविवरण बड़ी नष्ट भ्रष्टावस्था में मिला। सभा ने निश्चय किया कि खोजविवरणों का प्रकाशन वह स्वयं करेगी। अंग्रेजी (ईस्वी) त्रैवार्षिक क्रम के बजाय विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक क्रम से विवरण छपेंगे। उनका प्रकाशन केवल हिंदी में होगा। अंग्रेजी में संपादित खोजविवरण हिंदी में अनूदित करके प्रकाशित किए जाएँगे। विक्रमाब्दीय त्रैवार्षिक संवत्सर क्रम में पहले की अपेक्षा ४ मास के अधिक खोजविवरण सम्मिलित करने पड़े। इस निश्चय की पक्की रूपरेखा सं० २००८ वि० में तैयार की गई।

पर खोज विवरणों को प्रकाशित करने के लिये सभा के पास अपेक्षित द्रव्य न था। खोज विवरणों के अप्रकाशित पड़े रहने से हिंदी की बड़ी हानि हो रही थी। विवश होकर सभा ने नया मार्ग निकाला और त्रैवार्षिक खोज विवरणों के प्रकाशन के बजाय संपूर्ण खोज विवरणों की विस्तृत रूप से एक अनुक्रमणी (संक्षिप्त विवरण) तैयार करने का विचार किया। सन् १९०० ई० से १९४३ ई० तक ४४ वर्षों की खोज सामग्री प्रस्तुत अनुक्रमणी के लिये तैयार थी।

४४ वर्षों की खोज सामग्री पर तैयार होनेवाला यह संक्षिप्त विवरण हिंदी का कार्य करनेवालों और अनुसंधित्सुओं के लिये अत्यंत उपयोगी था। नई पद्धति होने से इसमें सूचनाएँ भी अधिक संकलित की गई थीं और रचनाकारों एवं रचनाओं विषयक सामग्री भी अधिक उपलब्ध हो गई थी।

योजना की रूपरेखा तैयार हो जाने के बाद कार्य आरंभ हो गया और रचनाओं, रचनाकारों तथा आश्रयदाताओं की अनुक्रमणी तैयार की जाने लगी।

१ माघ संवत् १९९९ वि का सभा की प्रबंध समिति ने संक्षिप्त विवरण के विषय में पुनः निश्चय किया। अनंतर उसी निश्चय के अनुसार संपादन कार्य आरंभ हुआ।

४४ वर्षीय इस दूसरे संक्षिप्त विवरण में ११७१७ प्राचीन हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों के विवरण संमिलित थे। १५ के लगभग ग्रंथ भी प्राप्त किए जा चुके थे। ४४ वर्षों के खोज कार्य पर सभा का तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त ११८१४॥≡)॥। २३ व्यय हुआ जिसका ब्योरा यह है—

९८१४ ॥≡)॥। २३ सभा

१७४	*उत्तरप्रदेश सरकार
१५	*पंजाब सरकार
५	दिल्ली चीफ कमिश्नर
११	जनता

११८१४ ॥≡)॥। २३

अर्थाभाव के कारण इस संक्षिप्त विवरण का कुछ अंश ही छप सका। आगे के अनेक वर्षों तक संक्षिप्त विवरण का प्रकाशन स्थगित रहा। इससे शोधकर्ताओं को अत्यंत कठिनाई का अनुभव होने लगा।

अप्रकाशित संक्षिप्त विवरण के प्रकाशन के विषय में बार बार विचार होता रहा। सभा की स्वर्णजयंती (सं २ वि) के समय इसके प्रकाशन की रूपरेखा पुनः तैयार की गई और केंद्रीय शासन से इसके प्रकाशनव्यय की प्रार्थना की गई।

सभा द्वारा माँगी गई अनुदान राशि को सरकार ने संशोधित शर्तों के साथ स्वीकार किया। उसने कुछ सुझाव भी दिए, जिनका संक्षिप्त विवरण के संपादन में परिपालन किया गया। सं २ १४ वि में केंद्रीय शासन से ५ किस्तों में भुगतान होनेवाले १ ८ के अनुदान की स्वीकृति मिली।

अबकी बार की बृहद् योजना में सन् १९ से १९५५ तक की खोज सामग्री संमिलित की गई। तदनुसार कुछ दिनों तक कार्य चला किंतु कतिपय कारणों से फिर शिथिलता आ गयी।

मार्गशीर्ष सं २ १७ वि में संक्षिप्त विवरण के लिये सुदृढ़ व्यवस्था अपनाई गई और नये सिरे से कार्य आरंभ हुआ। इस बात की चर्चा की जा चुकी है कि इसके पूर्व भी संक्षिप्त विवरण को प्रस्तुत करने के लिये दो बार प्रयत्न किए गए थे, जिनमें प्रथम प्रयत्न तो पूरा हो गया था पर दूसरी बार कुछ अंश ही छप कर रह गया था। सन् १९०० से १९५५ तक के इस संक्षिप्त विवरण में पूर्व के संक्षिप्त विवरणों की सामग्री का समाहार था। इस प्रकार कुल मिलाकर रचनाओं और रचनाकारों के विषय में प्रभूत मात्रा में सामग्री संचित हो गई थी। यह सामग्री संदर्भ तो थी ही संशोधन सापेक्ष भी थी—

विशेष रूप से मूल खोज विवरणों के सदर्भ में जिनके आधार पर सक्षिप्त विवरण का निर्माण हो रहा था। इस प्रकार दो कार्य प्रमुख रूप से सामने आए—

(१) खडखड सामग्री को एक क्रम में समन्वित करना और (२) समस्त सामग्री का मूल खोज विवरणो से मिलान करना।

प्रारभ में दूसरा कार्य अर्थात् सक्षिप्त विवरण मे प्रस्तुत की जानेवाली समस्त सामग्री का खोज विवरणों मे मिलान किया गया। इस कार्य में ध्यान यह रखा गया कि रचनाकारो और उनकी समस्त रचनाओं को एक साथ रखकर खोज विवरणों से मिलान किया जाय —रचनाकारो का मिलान खोज विवरणों के परिशिष्ट स० २ की परिचय टिप्पणियों से और रचनाओ तथा उनके रचनाकाल, लिपिकाल विषय तथा प्राप्ति स्थान आदि का मिलान खोज विवरणो के परिशिष्ट स० ३ के ग्रथ विषयक विवरणों से। इसके लिये सन् १९०० से १९४३ तक के सक्षिप्त विवरण की समस्त सामग्री, जो कापियों मे थी परचियो के रूप मे तैयार की गयी और प्रत्येक रचनाकार तथा प्रत्येक रचना के लिये अलग अलग परचियाँ लिख ली गई। सन् १९४४ से ५५ तक की परचियाँ पहले से तैयार थीं--थोड़ी सी ही परचियाँ इस क्रम में तैयार करनी पड़ीं।

प्रारंभिक दौर में इस प्रकार सपूर्ण सामग्री परचियों के रूप में तैयार कर ली गई।

फिर खोज विवरणों से मिलान का कार्य आरभ हुआ। पद्धति आदि के विषय में जो कठिनाइ सामने आई उसको खोज उपसमिति के सामने रखा गया और उसका निराकरण प्राप्त किया गया।

प्रस्तुत संक्षिप्त विवरण की रचना प्रक्रिया में मिलान का कार्य ही सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम था, क्योंकि इससे अनेक भ्रातियों का परिमार्जन हुआ और तथ्यों में परिवर्तन तथा परिवर्द्धन हुए। मूल खोज विवरणों पर निर्भर रहते हुए भी यत्रतत्र से जो तथ्य मिले, उनका भी यथास्थान उपयोग किया गया। रचनाओं और रचनाकारों को एक साथ रखकर मिलान करने के फलस्वरूप उन समस्त परचियों को अलग कर दिया गया जो किंचित् नामातर से पुनरुक्त हो गई थीं।

मिलान कार्य समाप्त हो जाने के बाद खंड खड सामग्री को एक क्रम में समन्वित किया गया अर्थात् १९०० से १९४३ और १९४४ से १९४६ तथा १९५० से १९५५—इन तीन खडों में बँटी हुई सामग्री का एक साथ अकारादि क्रम लगाकर व्यवस्थित किया गया।

सवत् २०१७ से २०२१ की अवधि में यह कार्य हुआ।

मिलान और अकारादिक्रम का महत्वपूर्ण कार्य समाप्त हो जाने के बाद प्रेस कापी तैयार करने और अंतिम रूप से सक्षिप्त विवरण की सामग्री में समन्वय करने का कार्य शुरू किया गया।

क्रमशः यह कार्य भी समाप्त हुआ और फिर प्रेस कापी तैयार हो जाने के बाद प्रकाशन प्रारंभ हो गया।

सन् १९ –१९५५ के इस 'बृहद्' संक्षिप्त विवरण की सामग्री को आधिक्य के कारण दो खंडों में प्रस्तुत किया गया है। खोज विषयक अन्य जानकारी के परिशिष्ट दूसरे खंड में रखे गए हैं।

कार्य के चालू वर्ष में श्री पं० विद्याभूषण जी मिश्र के विदेश चले जाने के कारण खोज विभाग का निरीक्षण मुझे सौंपा गया। मेरी देख रेख में यह संक्षिप्त विवरण सभा से सांगोपांग एवं बृहदाकार प्रकाशित किया जा रहा है।

प्रस्तुत संक्षिप्त विवरण सभा के १९ –१९५५ के खोज कार्य का ऐसा संक्षेप है जिसमें मूल खोज विवरणों की तात्विक बातों को समाहार के साथ ले लिया गया है। सभा से प्रकाशित खोजविवरणों को देखने में यह अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह सभा की खोज का आकार ग्रंथ है जो विशाल खोज का संक्षिप्त रूप में दिग्दर्शन कराएगा। जो खोज विवरण अब दुर्लभ हो गए हैं उनके विषय में भी सम्यक सूचनाएँ होने से यह और भी उपयोगी हो गया है। इस संक्षिप्त विवरण को प्रस्तुत करने में बहुत कुछ करना पड़ा है जिसका उल्लेख संक्षेप में किया गया है। डा० श्यामसुंदरदास के संपादन में प्रथम बार संक्षिप्त विवरण (प्रथम भाग) प्रकाशित हुआ जो ११ वर्षीय खोज के आधार पर था। अनंतर काफी अंतराल के बाद ४४ वर्षों की खोज सामग्री के आधार पर दूसरी बार संक्षिप्त विवरण तैयार करने का आयोजन हुआ पर कुछ अंश ही छपकर रह गया।

तीसरी बार संक्षिप्त विवरण अपने विशाल रूप में प्रकाशित हो रहा है। इसके विशाल कलेवर में पूर्व के सभी प्रयास परिवर्तन और परिवर्द्धन के साथ संमिलित हो गए हैं। प्रथम संक्षिप्त विवरण में सूचनाएँ कम थीं। ४४ वर्षों के संक्षिप्त विवरण में उन्हें बढ़ा दिया गया। पुनः १९ से ५५ तक के संक्षिप्त विवरण में और वृद्धि की गई। परिमार्जन भी हुआ है। इस प्रकार काफी सावधानी से कार्य किया गया है। किंतु फिर भी सुधार की गुंजाइश संभव है। इस दिशा में जो सामग्री या सुझाव उपलब्ध होंगे उनका यथा योग्य आगे के प्रकाशन में उपयोग किया जाएगा।

वस्तुतः यह संक्षिप्त विवरण सन् १९ –१९५५ तक की अवधि में सभा द्वारा किए गए खोज कार्य की वृहदानुक्रमणी ही है। इसमें संमिलित की गई खोज सामग्री के तीन भाग हैं—

(१) रचनाकार
(२) रचना
(३) आश्रयदाता

रचनाकार के साथ खोज में उपलब्ध यथासंभव संक्षिप्त परिचय है। इसके अनंतर अनुक्रम के साथ उसकी समस्त रचनाओं की नाम सूची है।

रचना के साथ रचना के नाम के बाद ये बातें हैं—गद्य में है या पद्य में, रचनकार का नाम, रचनाकाल, लिपिकाल, विषय और उक्त रचना का प्राप्ति स्थान। यदि किसी रचनाकार के अनेक हस्तलेख हैं तो उनको लि० का० या खोज विवरणों के प्रकाशन क्रम से उपस्थित किया गया है, और सभी के प्राप्ति स्थान भी दिए गए हैं, जिससे अनुसंधायक संक्षिप्त विवरण के आधार पर ही यथास्थान हस्तलेख को प्राप्त कर सके।

रचनाओं और रचनाकारों के विषय में कुछ ऐसे तथ्य भी मिले जो खोज विवरणों में अशुद्ध रूप में प्रकाशित हैं। जैसे सन् १६२६ के खोज विवरण में 'भानुकीति' भाऊ कवि के रूप में हैं। अथवा कोई कोई रचना आश्रयदाता के नाम पर प्रकाशित है। ऐसी भ्रांतियों का निराकरण परवर्ती खोज या अन्यत्र की शोध सामग्री से करके टिप्पणियों के अंतर्गत दे दिया गया है।

अज्ञातनामा ग्रंथों का पूर्ण परिचय भी अनुक्रम में दिया गया है।

आश्रयदाताओं का संक्षिप्त परिचय भी आवश्यक रूप से दिया गया है, क्योंकि आश्रयदाता रचनाओं के प्रेरक ही नहीं होते थे, रचना की प्रकृति को प्रभावित भी करते थे। ऐसी स्थिति में उनके परिचय का शोध महत्व हो जाता है।

इसके अतिरिक्त भी यदि कुछ ज्ञातव्य बातें पाई गई हैं, तो उनका यथावकाश समावेश किया गया है।

संपूर्ण सामग्री अनुक्रम में होने से, उसके देखने में किसी प्रकार की कठिनाई भी नहीं है।

इस रूप में प्रस्तुत यह संक्षिप्त विवरण हिंदी साहित्य के विद्वानों, विद्यार्थियों तथा अनुसंधायकों के लिये अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा, ऐसी मेरी धारणा है।

कृष्णदेव प्रसाद गौड़
निरीक्षक, खोज विभाग,
नागरीप्रचारिणी सभा,
वाराणसी।

खोज में उपलब्ध

हस्तलिखित हिंदी ग्रंथों

का

संक्षिप्त विवरण

[सन् १६०० से १९५५ ई० तक]

अंककौतूहल (पद्य)—अन्य नाम 'अंकफलीलावती'। पीतमदास कृत। र० का० सं० १८८८। वि० गणित।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिसरवलिया, डा० बहुनगर (बस्ती)। →सं० ४-२ क।

अंकविधिविलोक—गोरखनाथ कृत। गोरखबोध में संगृहीत। → २-४१ (बारह)।

अंकावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। लि० का० सं० १९११। वि० ज्ञान।
प्रा०—श्री मथुराप्रसाद शिवप्रसाद साहु, आजमगढ़। → ६-१२१ ए।

अंगद (शास्त्री)—बदौमर्दपुर निवासी। विश्वामित्रपुर के राजा बलकृष्ण के पुत्र गिरिप्रसाद के आश्रित।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (गद्य)→२६ १६।

अंगद जी—संभवतः नाभादास जी के 'भक्तमाल' में उल्लिखित रायसेनगढ़ के राजा सलाहदी के काका अंगद जी।
पद (पद्य)→सं० ७-१।

अंगद जी (गुरु)—जन्म सं० १५६१ (१५६०)। सं० १६ ९ में विपाशा नदी के तीरवर्ती मेराडाल के पास खडूर नामक स्थान में मृत्यु। गुरु नानक के बाद सिक्खों के गुरु पद पर आसीन हुए। इनकी कुछ रचनाएँ 'गुरुग्रंथ साहब' में भी संकलित हैं।
जनमसाखी (गद्यपद्य)→२१-११।

अंजननिदान (गद्यपद्य)—आनंदसिद्धि कृत। लि का सं १८८५। वि वैद्यक।
प्रा —श्री गिरिधारीलाल चौबे पंदवार डा फिरोजाबाद (आगरा)।
→२९-१४।

अंजननिदान (गद्य)—वंशीधर कृत। र का सं १९११। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १९१२।
प्रा —ठा पीतमसिंह बहना का नगरा मा अलीगंज (एटा)। →२९-२६ बी।
(ख) लि का सं १९१४।
प्रा —पं बेनीदीन तिवारी माधोपुर डा बिसराम (एटा)। →२९-२६ ए।
(ग) लि का सं १९१८।
प्रा —ठा मानसिंह, पाली (हरदोई)। →२९-२६ डी।
(घ) लि का सं १९३५।
प्रा —पं शिवरामा वैद्य बासूपुर डा फरौली (एटा) →२९-२६ सी।

अंजननिदान टीका (पद्य)—रामनाथ (नागर) उप राम कवि कृत। र का सं १८३४। वि अंजननिदान नामक वैद्यक ग्रंथ की टीका। →पं २२-९४।

अंजनासुंदरी कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १७५२। वि अंजनी के गर्भ से हनुमान का जन्म।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →४१-१२५।

अंजनीदास—(?)
सूरजपुराण (पद्य) →सं १ -१।

अंजीररास (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि धामी पंथ का विवेचन।
(क) लि का सं १७५१।
प्रा —अमीरुद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय कैसरबाग लखनऊ। →२१-११८।
(ख) लि का सं १८४ ।
प्रा —बाबा सुदर्शनदास आचार्य, गोंडा। →२ -१२६।
(ग) लि का सं १८५१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं १ २१९।

अंजुलिपुराण (गद्य)—अन्य नाम 'रसुलपुराण' और 'वैद्यकचौरासी'। कनाम साहब कृत। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १८७०।
प्रा —ठा हरिनामसिंह धाईपुर डा अतरौली (अलीगढ़)। →२९-११बी।
(ख) लि का सं १८९७।
प्रा —श्री देवीदयाल आयुर्वेदाचार्य कामेर (आगरा)। →२९-११ ए।
(घ) लि का सं १९१५।

प्रा०—पं० काशीप्रसाद सर्राफ, बिजावर। →०६-१६६ (विवरण अप्राप्त)।
(एक अन्य प्रति गौरीशंकर कवि, रतिया के पास है)।
(घ) प्रा०—बाबू मनोहरदास रस्तोगी, धुंधीकटरा, मिरजापुर। →०२-११२।
(ङ) प्रा०—श्री गयाप्रसाद पाठक, मई, डा० किराकत (जौनपुर)।
→सं० ०१-३०।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ के रचयिता को भूल से पराशरी हकीम माना गया है, जो रचयिता के पिता थे।

अंतःकरणप्रबोध (गद्य)—गुसाँइ जी कृत। वि० भक्ति और ज्ञान।
प्रा०—पं० रमनलाल, श्रीनाथजी का मंदिर, राधाकुंड, मथुरा। →३५-२२ ए।

अँतरिया की कथा (पद्य)—मेड़ईलाल (अवस्थी) कृत। र० का० सं० १९०५।
वि० अँतरिया (इकतरा) ज्वर की कथा।
प्रा०—पं० त्रिभुवनदत्त, फखरपुर (बहराइच)। →२३-२७७।

अंतर्लापिका (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० चित्रकाव्य।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४-६६।

अंतर्लापिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कूटकाव्य।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१-३२६।

अंबरदास→'अमरदास' ('भक्तविरुदावली' के रचयिता)।

अंबरीपचरित्र (पद्य)—चिंतामणिदास कृत। वि० राजा अंबरीप की कथा।
प्रा०—महंत व्रजलाल, सिराथू (इलाहाबाद)। →०६-५१।

अंबाआरती (पद्य)—शिवानंद (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला दरबारीलाल, डा० बरालोकपुर (इटावा)। →३८-१४२।

अंबिकाचरित्र (पद्य)—भगीरथप्रसाद (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १९६६।
वि० देवी चरित्र।
प्रा०—श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी, निगोहाँ, डा० तिनेरा (रायबरेली)।
→सं० ०४-२५२।

अंबिकादत्त (व्यास)—काशी निवासी दुर्गादत्त व्यास के पुत्र। हिंदी के प्रसिद्ध लेखक।
१९वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में वर्तमान। →०६-७६।

अंबिकास्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५३। वि० भगवती की स्तुति।
प्रा०—श्री रोशनलाल बोहरे, सुरीर (मथुरा)। →३५-११२।

अंबुसागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९६२।
प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता, लखनऊ।
→सं० ०७-११ क।

अक्षर अनन्य—उप० अनन्य। कायस्थ। जन्म सं० १७१०। दतिया रियासत के अंतर्गत सेनुहरा के निवासी। कुछ दिनों तक दतिया के राजा पृथ्वीसिंह के दीवान रहे। फिर विरक्त होकर पन्ना में रहने लगे। सुप्रसिद्ध महाराज छत्रसाल के गुरु। सं० १७५४ तक वर्तमान।

अनन्यपचासिका (पद्य)→०६–२ ई।
अनन्यप्रकाश (पद्य)→०६–८ ए।
अनुभवतरंग (पद्य)→०६–२ ए, २६–७ डी।
उत्तमचरित्र (पद्य)→०६–२ एन, २३–७ डी, ई, एफ, जी, २६–१४ ए, जी, २६–७ आई, सं० ०८–१ ग, सं० १ –२।
कविता (पद्य)→०६–२ एफ।
ज्ञानबोध (पद्य)→०६–२ डी, २३–७ ए, सं० ०८–१ क।
ज्ञानयोग सर्व उपदेश (पद्य)→४१–४७१ (अप्र०)।
ज्ञानयोग सिद्धांत (पद्य)→२६–७ ह।
देवशक्ति पचीसी (पद्य)→०६–२ जी, ०६–८ सी।
प्रेमदीपिका (पद्य)→०५–१, ०६–२सी, २०–४ ए, २६–१४ बी, सी, डी, २६–७ एफ, जी, एच।
ब्रह्मज्ञान (पद्य)→०६–८ डी।
भवानीस्तोत्र (पद्य)→०६–२ आई।
योगशास्त्र (पद्य)→०६–२ के।
राजयोग (पद्य)→०५–२, ०६–२ बी, २०–४ बी, २३–७ बी, सी, २६–७ ए, बी, सी, सं० ०८–१ ख।
विज्ञानयोग (पद्य)→२३–७ एच।
विवेकदीपिका (पद्य)→०६–८ बी।
वैराग्यतरंग (पद्य)→०६–२ जे।
शिक्षा (पद्य)→२०–४ सी।
सिद्धांतबोध (पद्य)→२६–१४ ई, एफ।

अक्षरखंड की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ सी।

अक्षरभेद की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ बी।

अक्षरशब्द प्रपाटिका (पद्य)—भागवतशरण (पांडेय) कृत। वि० धर्मोपदेश।
प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़)।→२६–५३ ए।

अखंडदास—अचलदास के गुरु। सं० १६०० के पूर्व वर्तमान।→२६–२।

अर्थप्रकाश (पद्य)—नरराम कृत। वि० ग्रन्थक्रम।
(क) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—पं० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट वाराणसी।→ ६–३७२ ए।
(ख) लि० का० सं० १६६ १
प्रा०—पं० रघुराज वैद्य त्रिपाठी सुदासी (आजमगढ़)।→सं० १–४१७।
अर्थबोध (पद्य)—ज्ञानवीदास कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० वेदांत।
प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास अहियापुर इलाहाबाद।→ ६–११५।
अर्थानंद—स्वामी रामदास के शिष्य। सं० १८८१ में वर्तमान।
ब्रह्मविनोद (पद्य)→१७–५ ए।
ब्रह्मानन्दगीता (पद्य)→११–५ बी।
अमरावट (पद्य)—मलिकमुहम्मद जायसी कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १६४१।
प्रा०—मालवी सेराफन्दुल्ला, पुनियार्टोला, मिरजापुर।→ २–१ ८।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ४–१८७ क।
(ग) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, मधुरावाँ (रायबरेली)।→सं० ४–१८७ ख।
अमराबट या अमरावटी→'अमरावत (कबीरदास कृत)।
अमरावत (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद शर्मा बरतरा डा० कोटला (आगरा)।→११–१७८ ए।
(ख) लि० का० सं० १८७५।
प्रा०—श्री देवकीनंदन शुक्ल रामपुरसबरासी डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→२६–२१४ ए।
(ग) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—श्री रामसिंह मकरंद डा० बेहरा (बहराइच)।→२३–१६८ ए।
(घ) लि० का० सं० १६४२।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–४७७ क (अप्र०)।
(ङ) प्रा०—श्री रेवतीराम रुनकुता (आगरा)।→२६–१७८ बी।
(च) प्रा०—पं० चंद्रशेखर तिवारी बाह (आगरा)।→२६–१७८ सी।
(छ) प्रा०—पं० रामलाल शर्मा डा० उरावर (मैनपुरी)।→१२–१ १ बी।
(ज) प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत मूर्ति नंदपुर डा० भेरगढ़ (मैनपुरी)।→१२–१ १ सी।
(झ) प्रा०—श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद जायसवाल मछिलीशहर बाजार (जौनपुर)।→सं० ४–२४ क।
अमरावती (पद्य)—नवाज कृत। र० का० सं० १८७ । वि० वेदांत।
प्रा०—पं० ब्रजमोहन व्यास अहियापुर इलाहाबाद।→ ६–२१७।

अखरावती→'अखरावत' (कबीरदास कृत)।

अखरावती→'अखरावली' (रामसेवक महात्मा कृत)।

अखरावती या अखरावत→'अखरावट' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत)।

अखरावली (पद्य)—गंगाधरदास कृत। र० का० सं० १८८६। लि० का० सं० १९-८५। वि० योग।

प्रा० - पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)। →२६–१२१।

अखरावली (पद्य)—अन्य नाम 'अखरावती', 'शब्दअखरावली बानी' और 'शब्दमंगलबालम'। रामसेवक (महात्मा) कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—श्री रामनाथ हलवाई, इन्हौना (रायबरेली)। →सं० ०४–३४३।

(ख) लि० का० सं० १९३८।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमंऊ (बाराबंकी)। →२६–२९२।

(ग) लि० का० सं० १९४५।

प्रा०—कबीरदास का स्थान, मगहर (बस्ती)। →०९–२५८।

अखैराम—मथुरा जिले के अंतर्गत चूननगर (?) के निवासी। गर्ग गोत्रीय ब्राह्मण। भरतपुर नरेश सुजानसिंह (सूरजसिंह) के आश्रित। भागवत के अनुवादक भीष्म के वंशज। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान। →१७–२५, २९–४६।

प्रेमरस सागर (पद्य) →३८–१ सी।

मुहूर्तचिंतामणि (पद्य) →३८–१ ए।

रत्नप्रकाश (पद्य) →१२–२, ३८–१ डी।

लघुजातक (पद्य) →३८–१ ची।

विक्रमबत्तीसी (पद्य) →३२–४ बी, सं० ०१–२।

वृंदावनसत (पद्य) →३२–४ सी।

स्वरोदय (पद्य) →३२–४ ए।

हस्तामलकवेदांत (पद्य) →१७–४।

अखैराम - सुप्रसिद्ध स्वामी चरणदास के शिष्य गुरुछौना इनके गुरु थे। सं० १८३२ के लगभग वर्तमान।

गंगामाहात्म्य (पद्य) →सं० ०१–१।

अगरदास→'अग्रदास' ('रामजेवनार' के रचयिता)।

अगरवाल - वास्तविक नाम अज्ञात। जैन। पिता का नाम मालू। माता का नाम गौरी। वनगिरि (बड़गढ) निवासी।

आदित्यवार कथा (पद्य) →२३–३।

अगरवाल—वास्तविक नाम अज्ञात। जैन मतावलंबी अग्रवाल। जन्मस्थान आगरा।

सं १४११ के लगभग वर्तमान।

प्रद्युम्न चरित्र (पद्य) →२१-२।

अगहन माहात्म्य (गद्य)—बैकुंठमणि (शुक्ल) कृत। लि का सं १८२५। वि० अगहन मास के स्नानादि का माहात्म्य।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़। → ६-५ बी।

अगाधअभिराम योग (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि का सं १८३८। वि ब्रह्म विवेचन।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी। →५५-११ ए।

अगाधबोध (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८३८। वि निर्गुण ज्ञान।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी। →५५-८९ बी।

अगाधबोध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८१। वि अध्यात्म।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या। →१७-१ (परि १)।

अगाधमंगल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि योगाभ्यास।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) →०६-१४१ ए।

अगुनसगुन निरूपन कथा (पद्य)—शिवानंद कृत। र का सं १८४६। लि का सं १८८६। वि वेदांत।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। → १-७७।

अग्निभू—(?)

भक्तिमयहार स्तोत्र (पद्य) → ४१।

अघहारी विलास (पद्य)—रतनराम कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री हजारीलाल त्रिवेदी कुकहा रामपुर, डा शिवरतनगंज (रायबरेली) →सं ४-११५।

अग्रअली—सखी संप्रदाय के वैष्णव।

अष्टयाम (पद्य) → ६-२।

अग्रज्ञान (पद्य)—करीमा साहब कृत। लि का सन् ११४२ साल। वि ज्ञानोपदेश

प्रा —पं हरिहर चरपौका डा हरखा (बस्ती)। →सं ४-१५४ क।

अग्रदास—(?)

रामजेवनार (पद्य)→सं ४-२।

अग्रदास (स्वामी)—वैष्णव। कृष्णदास पयहारी के शिष्य। नाभादास के गुरु। गलता आमेर (जयपुर) निवासी। सं १६१२ के लगभग वर्तमान। → २-१७ ६-१४ ६-२ २ ०२-२११ १७-११७ २०-१११।

कुंडलिया (पद्य) → १-१ ; ६-२११ बी १७-१, २ -१ ए।

ध्यानमंजरी (पद्य) → -०० ६-१२१ ए, १०-१ बी पं २१-१ २१-४

२६–४ ए, बी, सी, २६–३ ए, बी, सी, दि० ३१–३ ।
पद (पद्य) →स० ०७–२ ।

अग्रनारायण—वैष्णवदास (दृष्टांतकार) के समकालीन । रामानुज संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।
भक्तरसबोधिनी टीका (गद्यपद्य) →०४–८८ ।
टि० प्रस्तुत टीका के अंत में वैष्णवदास का दृष्टांतकार के रूप में उल्लेख है ।

अग्रस्वामी—संभवत. युगलप्रिया (जीवाराम) के गुरु । →१७–९० ।
गुरु अष्टक (पद्य) →स० ०१–३ ।

अघनासन (पद्य)—दीनदास (बाबा) कृत । लि० का० सं० १९४२ । वि० सतनामी संतों का चरित्र वर्णन ।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) । →स० ०४–१५६ ख ।

अघविनास (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १७८० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८४६ ।
प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० शाहिमऊ (रायबरेली) ।
→स० ०४–१०५ घ ।
(ख) लि० का० सं० १८८८ ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) । →२३–१७५ ए ।
(ग) लि० का० सं० १९०३ ।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर) ।
→२३–१७५ बी ।
(घ) लि० का० सं० १९०३ ।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परबतपुर (सुलतानपुर) । →स० ०४–१०५ ख ।
(ङ) लि० का० सं० १९८७ ।
प्रा०—श्री रामनाथ हलवाई, इन्होना (रायबरेली) । →सं० ०४–१०५ क ।
(च) लि० का० सं० २००० ।
प्रा०—मु० बोधप्रसाद श्रीवास्तव, रामपुरटढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) ।
→स० ०४–१०५ ग ।

अघासुरवध लीला (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत । लि० का० सं० १९१७ । वि० कृष्ण द्वारा अघासुर का वध ।
प्रा०—पं० बेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० बिलराम (एटा) । →२६–५७ एफ ।

अघासुरमारन लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा । →३२–२२३ ए ।

अघोरि मंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि अघोर मंत्रों की प्रयोग विधि ।
प्रा०—पं अमावर शर्मा, कोयला (आगरा) । →२९–११२ ।

अचलकीर्ति—जैन आचार्य । नारनौल (दिल्ली) निवासी । सं १७१५ के लगभग वर्तमान ।
विषापहार स्तोत्र (पद्य)→ –१ १ वि ११–१ १२–१ ।

अचलकीर्ति—फिरोजाबाद निवासी ।
अठारह नाते (पद्य)→सं १–४ ।

अचलदास—जन्मस्थान बराहिमपुर (फैजाबाद) । सूरजपुर बहरेल (बाराबंकी) की गद्दी के वैष्णव महंत । अर्लडदास के शिष्य । सं १६२७ में देहांत ।
अमुभव प्रकाश (पद्य)→२६–२ बी ।
अमरावली (पद्य)→२६–२ ए ।
नामसागर (पद्य)→२६–२ सी ।
रत्नसागर (पद्य)→२६–२ ई ।
रामावली (पद्य)→२६–२ डी ।
शब्दशृंगार (पद्य)→२६–२ एफ ।
शब्दसागर (पद्य)→२६–२ जी ।

अचलदास—ज्ञानदास के गुरु । सं १६११ के पूर्व वर्तमान । →२६–२ ह ।

अचलदास खीची री बात (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८४१ ।
वि अचलदास का युद्ध में मरना और उनकी दो स्त्रियों का सती होना ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर । →४१–१२७ ।

अचलसिंह—बीरसाहि के पुत्र । छत्रसाहि के पौत्र । डौंडियाखेरा के राजा । शंभुनाथ त्रिपाठी और दयानिधि के आश्रयदाता । सं १८ ७ के लगभग वर्तमान ।
→ ६–२१४; ६–९२; ६–२०४ २ –१०१; २१–८६ २१–१०१; २६–४२१; सं १–४ ८ सं ४–१७० ।

अचलसिंह—अलीपुर (बुंदेलखंड) के जागीरदार । तीर्थराज के आश्रयदाता । सं १८ ७ के लगभग वर्तमान । → ६–११५ २ –१८४ २१–४१८ २१–४८१ ।

अजगरनाथ—अकबारा (फाराखली) निवासी । सं १६ ४ के लगभग वर्तमान ।
हरिप्रेम मुक्तावली (पद्य)→सं १–५ ।

अजब उपदेश (पद्य)—कबीरदास कृत । वि उपदेश ।
प्रा —श्री रामचंद सैनी कमलगंज आगरा । →१२–१ १ ए ।

अजबदास—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । कावरमों की बलिया (सुलतानपुर) में जन्म । वैष्णव । पिता का नाम मधुरदास । पुत्र का नाम जानकीदास जो अच्छे कवि थे । सं १६४ में अयोध्या में देहांत ।
मूलना (ककहरा) (पद्य) →१२–१ २१–६ ए, बी; २६–५ ए, बी; सं ४–१ क ।

दोहा और कवित्त (पद्य)→स० ०४–३ ख।
शब्दावली (पद्य)→२६–५ सी।
अजबदास के झूलना→'झूलना (ककहरा)' (अजबदास कृत)।
अजवेश—नरहरि भाट के वंशज। महापात्र। पिता का नाम शिवनाथ, जो अच्छे कवि थे। रीवाँ नरेश महाराज जयसिंह तथा महाराज विश्वनाथसिंह के आश्रित। सं० १८६२ के लगभग वर्तमान। इनके वंशज असनी (फतेहपुर) में वर्तमान हैं। →२०–१८२।
बघेलवंश वर्णन (पद्य)→०१–१५।
बिहारी सतसई की टीका (गद्य)→२०–३।
अजमति खाँ यश वर्णन (पद्य)—बलदेव (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८७२ (लगभग)। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ। →४१–१५० ख।
अजयपाल→'अजैपाल' ('सबदी' के रचयिता)।
अजयराज (?)—सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान।
भाषा सामुद्रिक (पद्य)→२६–४ ए, दि० ३१–४।
विजय विवाह (पद्य)→२६–४ बी।
अजापुत्र राजेंद्र की चौपाई (पद्य)—धर्मदत्त कृत। र० का० सं० १५६१। वि० राजेंद्र की कथा।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली। →दि० ३१–२८।
अजामिल कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अजामिल चरित्र।
प्रा०—श्री छोटकधर द्विवेदी, अढनी, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद)। →सं० ०१–४६६।
अजामिल चरित्र (पद्य)—व्रजवल्लभदास कृत। वि० अजामिल की कथा।
प्रा०—महंत व्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)। →०६–३५ सी।
अजामेल (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८३६। वि० अजामिल की कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →सं० ०७–२१८।
अजीतसिंह (महाराज)—जोधपुर नरेश महाराज जसवंतसिंह के पुत्र। राज्यकाल सं० १७३५–८१। ये अपने को हिंगुलाज देवी का अवतार कहते थे।
अजीतसिंह (महाराज) जी रा कह्या दुहा (पद्य)→०२–८५।
गुणसागर (गद्यपद्य)→०२–८३।
दुर्गापाठ (भाषा) (पद्य)→०२–४०।
दुहा श्री ठाकुराँ रा (पद्य)→०२–८६।
निर्वाणि दुहा (पद्य)→०२–८४।
भवानी सहस्रनाम (पद्य)→०२–८७।

अजीतसिंह (महाराज)—रीवाँ नरेश। महाराज जयसिंह के पिता। सं १८५१ के लगभग वर्तमान। → ०-४१ १७-५१।

अजीतसिंह (महाराज) की रा कथा दुहा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि जोधपुर के महाराज अजीतसिंह की जन्म कथा।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ ९-८५।

अजीतसिंह (मेड़ता)—जैसलमेर राज्य के दीवान। सं १९१८ के लगभग वर्तमान।
विद्याबत्तीसी (पद्य)→२६-६ ई, एफ जी २९-५ सी।
शिक्षाबत्तीसी (पद्य)→२६-६ ए, बी, सी, डी; २९-५ ए, बी।

अजीतसिंह (राजा)—सिलोई (प्रतापगढ़) के राजा। अध्यापक शंकरदत्त के आश्रयदाता। सं १९२१ के लगभग वर्तमान।→२६-४२५।

अजीतसिंह (राजा)—पटियाला नरेश राजा कर्मसिंह के भाई। गोपालराय भाट के आश्रयदाता। सं १८८५ के लगभग वर्तमान। →१२-६१।

अजीतसिंह फते (ग्रंथ) (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। र का सं १८५१। वि रीवाँ नरेश अजीतसिंह और महादजीराव पेशवा के युद्ध का वर्णन।
(क) लि का सं १९४२।
प्रा —श्री कवि दिनेश रीवाँ।→ -४१।
(ख) मु का सं १९ २।
प्रा —राजपुस्तकालय किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं ४-११२।

अजीरन मंजरी (पद्य)—निज (कवि) कृत। लि का सं १८८५। वि अजीर्ण रोग की चिकित्सा।
प्रा —श्री नौबतराम गुलजारीलाल जी फिरोजाबाद (आगरा)।→ २९-२५२ बी।

अजीर्ण मंजरी (गद्य)—बख्तराम (माथुर) कृत। र का सं १९११। वि अजीर्ण रोग की चिकित्सा।
(क) लि का सं १९१ ।
प्रा —वैद्य रामकृष्ण जी जमुनिया (हरदोई)।→२६-७९ ए।
(ख) लि का सं १९४५।
प्रा —हकीम रामदयाल मुबारकपुर डा शाहपुर (सीतापुर)।→२६-६२ ए।

अजैपाल (अजयपाल)—संभवतः लालमणि या लक्ष्मणनाथ (बालनाथ या बालगुसाई) के गुरु। गढ़वाल के राजा (?)।
सबदी (पद्य)→सं १ -१।

अजैपाल—गोरखनाथ के साथ संगृहीत।→४१-१।

अटकपचीसा (पद्य)—देवीदत्त कृत। र का सं १८ ९। वि शृंगार।
(क) लि का सं १९११।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (बनारस)।→ ४-८५।

(ख)→पं० २२–२६ ।

अठपहरा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० भक्तों की दैनिक परिचर्या ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६–१७७ टी (विवरण अप्राप्त) ।

अठारह नाते (पद्य)—अचलकीर्ति कृत । वि० धर्म ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–४ ।

अठारहनाते को चोढाल्यो (पद्य)—लोहट कृत । वि० जैन धर्म ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स० ०१–३८१ ।

अठारह पुराण और पचीस अवतारों के नाम (पद्य)—महेशदत्त कृत । लि० का० स० १६३६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—प० रामविलास, मदारनगर, डा० बथर (उन्नाव) ।→२६–२८५ ।

अडत्त जी (भाई)—कृपाराम के गुरु । सेवापथी संप्रदाय के अनुयायी ।→०२–११ ।

अढाईदीप की पूजा (पद्य)—जवाहिरलाल कृत । र० का० स० १८८७ । वि० जैन धर्मानुसार पूजापाठ का विधान ।

(क) लि० का० स० १६०८ ।

प्रा०—श्री जैनमदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३–१८६ ।

(ख) लि० का० स० १६४० ।

प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मुहल्ला, लखनऊ । → स० ०४–१२१ ।

अढाईदीप पूजन→'अढाईदीप की पूजा' (जवाहिरलाल कृत) ।

अढाईपर्व पूजा (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० जैनों की अढाई पर्व पूजा ।

प्रा०—श्री जैन मदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३२–५८ ए ।

अणभै विलास (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० स० १८७५ । लि० का० स० १६०१ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—बाबा परमानददास, मुरसानकुटी, डा० मुरसान (अलीगढ) । →२६–२८१ जी ।

अतनलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।

प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५४ एफ।

अतरियादेव की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८८३ । वि० अतरियादेव की प्रार्थना ।

प्रा०—प० मधुसूदन वैद्य, पुराना सीतापुर, सीतापुर । →२६–१ (परि० ३) ।

अतिवल्लभ—राधावल्लभी सप्रदाय के वैष्णव । स० १७३२ के लगभग वर्तमान ।

मत्रध्यान पद्धति (पद्य)→१२–८ ए ।

वृंदावन अष्टक (पद्य)→१२–८ बी ।

अथ श्री महाराजा श्री अजीतसिंह जी कृत दुहा श्री ठाकुरॉ रा→'दुहा श्री ठाकुरॉ रा' (अजीतसिंह कृत) ।

अद्हमनामा (पद्य)—रसालीनदास (रमजान शेख) कृत। र० का० सं० १६१६। वि० प्रेम कहानी।
प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब रसूलमियां मकतब पाइकनगर (प्रतापगढ़)। →२६-१८४ ए।

अद्भुत ग्रंथ (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० ज्ञान वैराग्य और भक्ति।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह विशारद सुलतानपुर। →सं० १-४५२ ख।

अद्भुत रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १८८१। लि० का० सं० १६३१। वि० रामजानकी की कथा।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर। →०५-२८।

अद्भुत रामायण (पद्य)—वदीरत्न (द्विज) कृत। वि० सीता जी द्वारा सहस्रबाहु रावण के मारे जाने का वर्णन।
प्रा०—श्री महादेव मिश्र बरसरा डा० कसिया (गोरखपुर)। →सं० १-२३६।

अद्भुत रामायण (पद्य)—भवानीलाल कृत। र० का० सं० १८४ । लि० का० सं० १८६६। वि० राम रावण युद्ध और महामाया सीता का चंडी रूप में क्रोध।
प्रा०—ठा० हुँवरसिंह महैम डा० राया (मथुरा)। →३५-११।

अद्भुत रामायण (पद्य)—रामजी (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८४१। लि० का० सं० १६१२। वि० वाल्मीकि रामायण का अनुवाद।
प्रा०—पं० छत्तीप्रसाद मिश्र, मौगाँव (मैनपुरी)। →३५-८१।

अद्भुत रामायण (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। र० का० सं० ८६ । वि० राम कथा।
प्रा०—ठा० महाराज दीनसिंह प्रतापगढ़। → १-२६५।

अद्भुत रामायण→ जानकीविजय रामायण (मधिक कृत)।

अद्भुत रामायण→ शक्तिप्रभाकर (गोकुल कायस्थ कृत)।

अद्भुतकथा (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—बाबा वंशीदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)। →१२-१५४ ब।

अद्भुत विलास (पद्य)—ठाकुर कृत। र० का० सं० १६५१। वि० इंद्रजाल।
(क) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं० १-१४ क।
(ख) प्रा०—श्री पौहारीशरण चौबे मसौली डा० हैसरबाजार (बस्ती)। →सं० ४-१४ ।

अद्वैत प्रकाश (पद्य)—बलिराम (बली) कृत। वि० वेदांत।
(क) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—श्री अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' सदावर्ती आजमगढ़। →४१-२११ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १८११।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद । →४१-५२२ (अप्र०) ।

(ग) लि० का० स० १८८५ ।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या । →१७-१७ ।

(घ) प्रा०—प० गोपालदत्त, शीतलाघाटी, मथुरा । →३८-१५६ ए ।

अधीन—वास्तविक नाम भागीरथीप्रसाद । चौंकीभौली (अवध) निवासी ।

शभु पचीसी (पद्य) →२३-४६ ।

अध्यात्मगर्भसार स्तोत्र→'योगसारार्थ दीपिका' (वासुदेव सनाढ्य कृत) ।

अध्यात्म पचाध्यायी (पद्य)—नददास कृत । वि० श्रीकृष्ण की महिमा । →प० २२-७२ ए ।

अध्यात्म पचासिका (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० आत्मविचार ।

प्रा०—लाला बाबूराम जैन, फरहल (मैनपुरी) । →२२-५८ बी ।

अध्यात्म प्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । र० का० स० १७५५ । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—प० चद्रभाल, पर्वतपुर, डा० सूरतगज (बाराबकी) । →२३-४१२ बी ।

(ख) लि० का० स० १८४५ ।

प्रा०—प० रामस्वरूप मिश्र, पडित का पुरवा, डा० सग्रामगढ (प्रतापगढ) । →२६-४६५ ए ।

(ग) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—लक्ष्मण किला, अयोध्या । →१७-१८३ ए ।

(घ) लि० का० स० १८६७ ।

प्रा०—ठा० रामअधार, मिथौरा (बहराइच) । →२३-४१२ सी ।

(ङ) लि० का० स० १८७० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६-२४० सी (विवरण अप्राप्त) । (दो अन्य प्रतियाँ—एक लि० का० स० १६०७ की प० भगवानदीन, अजयगढ के पास और दूसरी दतियानरेश के पुस्तकालय में है ।)

(च) लि० का० स० १६२१ ।

प्रा०—महत जवाहिरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच) । →२३-४१२ डी ।

(छ) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—महत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या (फैजाबाद) । →२०-१८७ बी ।

(ज) लि० का० स० १६४५ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर । →०५-६७ ।

(झ) लि० का० स० १६४६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२३–४१२ ई ।
(म) प्रा —पं महादेवप्रसाद चतुर्वेदी कान्यकुब्ज अश्विनीकुमार मंदिर, असनी (फतहपुर)।→२ –१८७ ए।
(ट) प्रा०—पं शिवनारायण बाजपेयी वाजपेयी का पुरवा डा सिसैया (बहराइच)।→२३–४१२ ए।
(ठ) प्रा —पं गजाधर चौबे बंडा डा गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६–४६५ बी ।
(ड) प्रा०—श्री चंडीप्रसाद पंण्ड्या डा चिताही (बस्ती)।→सं ७–१६५।
(ढ) प्रा —पं रामस्वरूप बंगमैन एण्ड कंपनी, चाँदनी चौक, दिल्ली। →दि ११–८ ए।

अध्यात्म प्रकाश→'अमर प्रकाश (रचयिता अज्ञात)।

अध्यात्म बारहखड़ी या मक्खराक्षरमालिका बावनी स्तवन (पद्य)—दौलतराम (जैन) कृत। लि का सं १९१८। वि जैनेंद्र के सहस्रनाम।
प्रा —श्री दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर। → सं १०–६ क।

अध्यात्मबोध (पद्य)—साधुशरण कृत। लि का सं १८६१। वि वेदांत।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१–२८२।

अध्यात्मबोध→'मनमैप्रमोध (ग्रंथ)' (स्वा गरीबदास कृत)।

अध्यात्म रामायण (गद्य)—उमादत्त (त्रिपाठी) कृत। लि का सं १९१६। वि अध्यात्म रामायण का अनुवाद।
प्रा —पं शिवदुलारे बाजपेयी मीरमपुर डा नेमगाँव (खीरी)। →२६–४८८।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—किशोरीदास (महंत) कृत। लि का सं १९१२। वि अध्यात्म रामायण का अनुवाद।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़। → ६–६१ बी।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—गुलाबसिंह कृत। लि का सं १९११। वि दशरथ और वशिष्ठ का पुत्रोत्पत्ति विषयक प्रश्नोत्तर।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–५३।

अध्यात्म रामायण (पद्य)—भवानसिंह (प्रधान) कृत। वि अध्यात्म रामायण के अयोध्याकांड का अनुवाद।
प्रा०—श्री भवानी हलवाई, चौपड़बाजार छतरपुर।→ १–७६ एस।

अध्यात्म रामायण (बाल तथा अयोध्याकांड) (पद्य)—माधवदास कृत। वि रामचरित।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १–२८४।

अध्यात्म लीला (पद्य)—मोहनदास कृत । वि० कृष्ण का उद्धव को उपदेश देना ।
प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→४१–५१७ (अप्र०) ।

अध्यात्म लीलावती (गद्यपद्य)—सत या सतन (कवि) कृत । वि० गणित ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–३६७ ।

अनगरग टीका (उत्तरार्ध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कोकशास्त्र ।
प्रा०—श्री राधाचद्र वैद्य, चटेचौबे, मथुरा । →१७–५ (परि० ३) ।

अनत (कवि)—सभवत डा० ग्रियर्सन द्वारा उल्लिखित शृगारी कवि अनत ।
कवित्त सग्रह (पद्य)→२३–१७ ।

अनतचतुर्दशी की कथा (पद्य)—हरिकृष्ण (पाडेय) कृत । र० का० स० १८५५ ।
लि० का० स० १९८२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री सुगनचद जैन, नरहौली, डा० चद्रपुर (आगरा) ।→३२–८० ए ।

अनतदास—वैष्णव साधु । विनोददास के शिष्य । स० १६४५ के लगभग वर्तमान ।
कबीरसाहब की परिचइ (पद्य)→०६–५ बी, २३–१८ ए, स० ०७–३ क ।
त्रिलोचनदास की परिचई (पद्य)→०६–५ सी, स० ७–३ ख ।
धनाजी की परिचई (पद्य)→४१–२, स० ०७–३ ग ।
नामदेव आदि की परची सग्रह (पद्य)→०१–१३३, २३–१८ बी,
स० ०७–३ घ, ट ।
पीपाजी की परिचइ (पद्य)→०६–१२८ ए, २३–१८ सी, स० ०१–६,
स० ०७–३ च, छ ।
राँकाबाँका की परिचई (पद्य)→४१–२, स० ०७–३ ज ।
रैदास की परिचई (पद्य)→०६–१२८ बी, ०६–५ ए, स० ०७–३ झ, ञ ।
सेऊसमन की परिचई (पद्य)→३२–६, ४१–२, स० ०४–४, स० ०७–३ ट ।

अनतराम—जयपुर नरेश महाराज सवाइ प्रतापसिंह के आश्रित । १८वीं शताब्दी के
अत में वर्तमान ।
वैद्यक ग्रथ की भाषा (गद्य) →०६–६ ।

अनतराय—कौलापुर (पाटन) के राजा । स० १३४७ के लगभग वर्तमान । →०१–२६ ।

अनतरायसाँखला री वार्ता (गद्यपद्य)—नैवाट (सरवरिया) कृत । र० का० स०
१८५४ । वि० कौलापुर (पाटन) के राजा अनतराय का वृत्तात ।
प्रा—एशियाटिक सोसाइटी आफ बगाल, कलकत्ता ।→०१–२६ ।

अनतव्रत कथा (गद्य)—हरिवशराय कृत । लि० का० स० १८३४ । वि० अनत
भगवान के व्रत की कथा ।
प्रा०—लाला राजकिशोर, जाहिदपुर, डा० अतरौली (हरदोई) ।
→२६–१४८ एफ ।

अनद→'नद और मुकुद' ('आसनमजरी सार' आदि के रचयिता) ।

अनन्दराम→'आनंदराम' ('रामसागर' के रचयिता)।
अनन्य→'अक्षर अनन्य' ('अनन्य पंचासिका' आदि के रचयिता)।
अनन्यअली—सं० १७८२ के लगभग वर्तमान। दोहा छंद १ ग्रंथों के रचयिता।
अनन्यअली की बानी (पद्य)→१२–९।
अनन्यअली की बानी (पद्य)—अनन्यअली कृत। र० का० सं० १७८२। लि० का० सं० १९६७। वि० राधाकृष्ण लीला।
प्रा०—बाबा वंशीदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१२–६।
अनन्य चंद्रिका (पद्य)—दयाराम (भाट) कृत। वि० भगवान की सेवा पद्धति।
प्रा०—सरस्वती भंडार विद्याविभाग, कांकरोली।→सं० १–१८९ ख।
अनन्य चिंतामणि (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १९५७। वि० रामभक्ति।
(क) प्रा०—लाला परमानंद पुरानी टहरी, टीकमगढ़।→ ६–२०९ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–९९ एच।
अनन्य निश्चयात्मक (ग्रंथ) (पद्य)—अन्य नाम निश्चयात्मक ग्रंथ (उत्तरार्ध)। भगवतरसिक कृत। वि० वैष्णव संप्रदाय के सिद्धांत और ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ –२६ –११।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–४३६ (अप्र०)।
अनन्य पंचासिका (पद्य)—अन्य नाम ज्ञानपचासा। अक्षर अनन्य कृत। लि० का० सं० १९५८। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—लाला परमानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→ ६–२ ड़।
अनन्य प्रकाश (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। लि० का० सं० १९२२। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—बाबा लक्ष्मीगिरि गोसाईं कुपटी (मैनपुरी)।→ ६–८ ए।
अनन्यमाल (पद्य)—हित उत्तमदास कृत। लि० का० सं० १९६६। वि० भगवतमुदित कृत 'रसिक अनन्यमाल' के आधार पर हितहरिवंश और उनके शिष्यों का चरित्र वर्णन।
प्रा०—गो० हितरूपलाल श्री राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→ १८–१५८।
अनन्य मोहिनी (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० राधाकृष्ण की अनन्य भक्ति।
(क) लि० का० सं० १८२६ (लगभग)।
प्रा०—बाबा वंशीदास श्री निम्बार्क कुटीया गऊघाट वृंदावन (मथुरा)।→४१–३१२ क (अप्र०)।
(ख) प्रा०—बाबा वंशीदास गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा)।→२६–२७१ ए।
अनन्य रसिक→'भगवतरसिक' ('अनन्य रसिकाभरण' आदि के रचयिता)।
अनन्य रसिकाभरण (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ –११।

अनन्य सभामडल सार (पद्य)—गुलाबलाल (गोस्वामी) कृत। वि० राधावल्लभी सप्रदाय की रसिक अनन्यता।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मन्दिर, निमुहानी, मिरजापुर। →०६–१००।

अनन्यसार→'रसिक अनन्यसार' (जनतलाल कृत)।

अनभय बानी (पद्य)—लौनीनराम कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७—१७७ क।

अनभे कृत्याध्यात्म→'साखी' (दादूदयाल कृत)।

अनभेप्रमोद (ग्रथ) (पद्य)—अन्य नाम 'अध्यात्मबोध'। गरीबदास (स्वामी) कृत। वि० सृष्टितत्व और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १७०६।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→ ०२–६५।
(ख) लि० का० स० १७७१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० १०–२४ क।
(ग) लि० का० स० १७६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० ०७–३० क।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४८७ (अप्र०)।

अनभो प्रकाश (पद्य)—नवलीदास (बाबा) कृत। र० का० स० १८५० (लगभग)। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग।→स० ०१–२२६।
(ख) लि० का० स० १६८६।
प्रा०—महत चद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबकी)।→३५–७।
(ग) लि० का० सं० १६६२।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबकी)। →स० ०४–२२६ ख।
(घ) प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, बछरौंवा (रायबरेली)।→स० ०४–२२६ क।

अनभौ प्रकाश→'अनुभव प्रकाश' (दीप कृत)।

अनभौप्रोक्त (गद्य)—शकराचार्ज कृत। लि० का० स० १६५१। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—श्री गोपालचद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), प्रातीय सचिवालय, लखनऊ। →स० ०७–१८४ क।

अनभौशास्त्र (ग्रथ) →'साखी' (दादूदयाल कृत)।

अनरुद्धसिंह—'कलाभास्कर' ग्रथ के प्रणेता रणजीतसिंह के पिता। सभवत कुशल मिश्र के आश्रयदाता।→०६–१०२।

अनरुद्धसिंह—धामी। स्योहरी (आगरा) निवासी। ठा अमरसिंह के पुत्र। कुशल मिश्र के आश्रयदाता। → —५७।

अनरुद्धसिंह (राजा)—बुद्धराव के पिता। सं १७६१ के पूर्व वर्तमान। → ०—८१ १७-९१।

अनवर खाँ—राजगढ़ (भोपाल) के पठान सुलतान या नवाब मुहम्मद खाँ के छोटे भाई। शुभकरन कवि के आश्रयदाता। 'अनवर चंद्रिका' की रचना इन्हीं के नाम पर हुई है। → ४-१' १-११ २१-४१ ।

अनवर चंद्रिका (पद्य)—शुभकरन (कवि) कृत। र का सं १७७१। वि बिहारी सतसई की टीका।

(क) लि का सं १८११।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →४१-५६५ (अप्र)।

(ख) लि का सं १८५५।

प्रा —पं श्रीपाल त्रिपुरी, ग्रा गौरीगंज (सुलतानपुर)। →२१-८ १।

(ग) लि का सं १८५६।

प्रा —बाबू कामताप्रसाद प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। → १-११ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि का सं १८५८।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ८-११।

(ङ) लि का सं १८६१।

प्रा —पं मधुसूदन वैद्य सीतापुर। →२१-८१ ।

अनहद बिसाम (पद्य)—गूँगदास कृत। र का सं १८५८। लि का सं १९ १। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत मथुरादास कुटी गूँगदास पंचपेड़वा (गोंडा)। → सं ७—१४ क।

अनाथ→'अनाथदास' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता)।

अनाथदास—अप नाथ। अन्य नाम अनाथ अनअनाथ या अनाथपुरी। चंदेरी के निवासी। स्वामी रामानंद की शिष्य परंपरा में हरिदास मौनी के शिष्य। सं १७२६ के लगभग वर्तमान।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→०६-११' १२-७ २ -८ ए, ०६- ५ एच ४१-१ क ख सं ७-४ क।

रामरक्षावली (पद्य)→ १-१२६ ए।

विचारमाला (पद्य)→ ६-१२६ बी १-२६५, ६-७ २०-८ बी; पं २२-७ ए बी; ११-१६; २६-१५ ए, बी २६-१५ ए से बी तक सं ७-८ ख ग।

अनाथपुरी→ अनाथदास ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता)।

अनित्य मोदिनी→'अनन्य मोदिनी' (प्रियादास कृत)।
अनुगीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाभारत के अश्वमेधपर्व (अनुगीता) का अनुवाद।
प्रा०—प० रामदत्त शर्मा, बह्मनीपुर (इटावा)।→३५—११३।
अनुपानवगको (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० औषधि अनुपान।
प्रा०—मु० विहारीलाल पटवारी, रतौली, डा० नारखी (आगरा)।→२६—३३८।
अनुप्रास (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत। र० का० स० १७७७। लि० का० स० १८७४। वि० अनुप्रास के भेद।
प्रा०—प० शिवदुलारे दूबे, हुसेनगज, फतेहपुर।→०६—३०४ बी।
अनुभवआनद सिंधु (पद्य)—सदाराम कृत। लि० का० स० १८७३। वि० ससार की उत्पत्ति, स्थिति और प्रलय का वर्णन।
प्रा०—प० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी।→०६—२७२ सी।
अनुभव ग्रथ (पद्य)—अन्य नाम 'एकादशपुराण'। ज्ञानदास कृत। र० का० स० १६२७। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमदिर, डा० सहादतगज (लखनऊ)।→ २६—२०६ ए।
अनुभवज्ञान (पद्य)—नोहरदास कृत। वि० रामनाम की महिमा।
प्रा०—महत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→२०—१२२।
अनुभवतरग (पद्य)—अन्य नाम 'अनुभवतरग सिद्धात'। अक्षर अनन्य कृत। वि० आत्मज्ञान।
(क) लि० का० स० १८२०।
प्रा०—प० गोकुलप्रसाद, मिहावा, डा० इरादतनगर (आगरा)।→२६—७ डी।
(ख) प्रा०—लाला कुदनलाल, बिजावर।→०६—२ ए।
अनुभवतरग सिद्धात→'अनुभवतरग' (अक्षर अनन्य कृत)।
अनुभवपर प्रदर्शिनी टीका (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। र० का० स० १८६१। लि० का० स० १६०५। वि० कबीरदास की १२ पुस्तकों—आदिमगल या बीजक, रमैनी, शब्द, ककहरा, वसत, चौतीसी, विप्रबत्तीसी, वेलि, चाचरि, हिंटोल, विरहली और साखी की टीका।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३—२२।
अनुभव प्रकाश (पद्य)—अचलदास कृत। वि० इश्वर महिमा और भक्ति निरूपण।
प्रा०—बाबा साहबदास, गणेशमदिर, सहादतगज, लखनऊ।→२६—२ बी।
अनुभव प्रकाश (पद्य)—जसवतसिंह (महाराज) कृत। वि० वेदात।
(क) प्रा०—प० पूनमचद, जोधपुर।→०१—७२।
(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२—१५।
अनुभव प्रकाश (गद्य)—दीप कृत। वि० अध्यात्म।

(क) लि का सं १९११।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर खाजूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं १ -५८ क।
(ग) लि का सं १९५८।
प्रा०—लाला सूरजभान जैन, महाना न्य हरीवा (लखनऊ)।→२६-६२।
(घ) लि का सं १९८२।
प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर खाजूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -५८ ग।
अनुभव प्रमाद→'अनभै प्रमोद (ग्रंथ) (रता गर्गावदास कृत)।
अनुभव वानी (पद्य)—रसिक नादन कृत। वि गुरु महिमा और भगवान का महत्व।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→२०-४१।
अनुभवरस अष्टयाम तथा चतुष अष्टयाम (पद्य)—हित दीवान जी कृत। वि श्री राधाकृष्ण की अष्टयाम सेवा।
प्रा —पं माधवप्रसाद ज्योतिषाचार्य, राधाकुंड मथुरा।→१८ ६५ ए, बी।
अनुभव सागर (पद्य)—नवल कृत। लि का सं १८२७। वि ब्रह्मज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७ ६८।
अनुभव हुलास (पद्य)—भगवान (?) कृत। लि का सं १८६५। वि अनुभव ज्ञान द्वारा ब्रह्म विचार।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→१८ ६।
अनुभव हुलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वर्णन।
प्रा —श्री किशोरीलाल पुजारी मंदिर श्री राधाकृष्ण जी फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-११७।
अनुभा हुलास→'अनुभव हुलास (रचयिता अज्ञात)।
अनुरागबाग (पद्य)—बानरदास (गिरि) कृत। र का सं १८८८। वि राधाकृष्ण विहार।
(क) लि का सं १८८९।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ९-४।
(ग) लि का सं १९ १।
प्रा —पं गंगासागर त्रिवेदी चन्दनर्मज वाराणसी।→२१-१ ९८।
(ग) प्रा —महाराज रावेंद्रबहादुरसिंह भिनगा (बहराइच)।→२१-१ ४ बी।
अनुराग भूषण (पद्य)—भीषमदास कृत। र का सं १८६१। लि का सं १८६१ (१७२६ शाके)। वि प्रेम के द्वारा ब्रह्म ज्ञान।
प्रा —बाबा मानसरदास उजेहनी डा फतेहपुर (रायबरेली)।
→१५-१४ बी।
अनुरागरस (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत। वि भक्ति नीति गुण दोष और उपदेश आदि।
(क) लि का सं १९१८।

प्रा०—पं० रामलाल गौड़, नारायणपुर डा० हाथरस (अलीगढ़)।→२६-२८० ए।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० विष्णुभरोस, बहादुरपुर, पोस्ट नानुरा (हरदोई)।→२६-२४७ बी।

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामशरण वाजपेयी, महावीर के वाजपेयी का पुरवा, डा० निगोया (बहराइच)।→२३-२६६।

अनुरागलता (पद्य)—सुखराम कृत। वि० हितप्रकाश के सिद्धान्त और सेवाभाव वर्णन।

(क) प्रा०—बा० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६-७३ जी।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कांकरोली।→सं० ०१-१०४ क।

अनुराग विलास ? (पद्य)—चन्द्र कृत। वि० कृष्ण के मथुरा चले जाने पर गोपियों का विरह।

प्रा०—पं० रामानंद, दौलतपुर, डा० नौझील (मथुरा)।→३८-२१।

अनुराग विलास (पद्य)—दिग्विजयसिंह कृत। वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।

प्रा०—श्री सुदर्शनसिंह रईस, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६-१०६।

अनुरागविवर्द्धक रामायण (पद्य)—बनादास कृत। लि० का० सं० १६०० । वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक डी० ए० वी० हाइस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१-२३० क।

अनुराग सागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८१७।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ एफ।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-११ ख।

(ग) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—लाला गंगादीन, डा० गुलामअलीपुर (बहराइच)।→२३-१६८ बी।

(घ) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर)।→०६-१७७ के (विवरण अप्राप्त)।

अनूपगिरि (गोसाँई)→'हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि' ('रसरंग' के रचयिता)।

अनूपगिरि हिम्मतबहादुर की विरदावली→'हिम्मतबहादुर विरुदावली' (पद्माकर कृत)

अनूप प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अनूपगिरि हिम्मतबहादुर का इतिहास।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटैंट), छतरपुर।
→ ५-६१।

अनूपसिंह—बीकानेर नरेश महाराज कर्णसिंह के पुत्र। लालचंद्र कवि के आश्रयदाता।
→ ९-७१।

अनेकप्रकाश (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। र का सं १७८१। वि ज्ञान, योग और भक्ति आदि।
(क) प्रा —महंत हितलाल मंदिर हरमैया नयाघाट अयोध्या।→२-२६ ए।
(ख) प्रा —पं अच्युतकुमार, उत्तरपारा (रायबरेली)।→२१-७४ ए।

अनेकार्थ→'अनेकार्थ मंजरी (नंददास कृत)।

अनेकार्थ नाममाला→'अनेकार्थ मंजरी (नंददास कृत)।

अनेकार्थ मामावली (गद्यपद्य)—संभवतः जोधपुर निवासी जालंधरनाथ के किसी भक्त की या जोधपुर के तत्कालीन महाराज मानसिंह की रचना। वि पर्याय शब्दकोश।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-४६।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—उद्योत (कवि) कृत। वि कोश।
प्रा॰—श्री सीताराम दर्शौंधी महटौह डा मछियाहूँ (जौनपुर)।
→सं ४-२२।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'अनेकार्थ' अनेकार्थ नाममाला और अनेकार्थ (भाषा)। नंददास कृत। र का सं १६२४। वि अनेकार्थक कोश।
(क) लि का सं १७७६।
प्रा —ठा रघुबीरसिंह जमींदार, लालीपुर डा तालाब बक्शी (लखनऊ)।
→२६-३१६ बी।
(ख) लि का सं १८१२।
प्रा॰—पं देवकीनंदन लतिया डा अलीगंज बाजार (सुलतानपुर)।
→२१-२६४ ए।
(ग) लि का सं १८११।
प्रा —श्री स्वामी ब्रह्मचारी जी द्वारा लाला ललिताप्रसाद खजांची सिधौली (सीतापुर)।→२६-३१६ ई।
(घ) लि का सं १८१४।
प्रा॰—पं श्रीराम शर्मा मह डा बटेश्वर (आगरा)।→२६-२४४ ए।
(ङ) लि का सं १८२७।
प्रा॰—श्री विश्वनाथ कैमहरा (खीरी)।→२६-३१६ ए।
(च) लि का सं १८५२।
प्रा —ठा प्रतापसिंह रसौली डा बौलीपुरा (आगरा)।→२६-२४४ सी।
(छ) लि का सं १८५८।
प्रा॰—पं लक्ष्मणवल्लभ पाठेय अनूपशहर (बुलंदशहर)।→२०-११६ ई।

प्रा०—पं० रामलाल गौड़, बादलपुर, डा० हाथरस (अलीगढ़)।→२६-२८७ ए।

(ख) लि० का० सं० १६३०।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, बेहटा, गाकुल (हरदोई)।→२६-२८७ बी।

(ग) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, महाराज के वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-२६६।

अनुरागलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हितसंप्रदाय के सिद्धांत और सेवाभाव वर्णन।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६-७३ जी।

(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्या विभाग, काँकरौली।→सं० ०१-१०८ फ।

अनुराग विलास ? (पद्य)—चंद कृत। वि० कृष्ण के मथुरा चले जाने पर गोपियों का विरह।

प्रा०—पं० रामानंद, दौलतपुर, डा० नोहझील (मथुरा)।→३८-२१।

अनुराग विलास (पद्य)—दिग्विजयसिंह कृत। वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।

प्रा०—श्री सुदर्शनसिंह रईस, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६-१०६।

अनुरागविवर्द्धक रामायण (पद्य)—बनादास कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामचरित्र।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसादसिंह, प्रधानाध्यापक, डी० ए० वी० हाइस्कूल, बलरामपुर (गोंडा)।→सं० ०१-२३० क।

अनुराग सागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८४७।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ एफ।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-११ ख।

(ग) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—लाला गंगादीन, डा० गुलामअलीपुर (बहराइच)।→२३-१६८ बी।

(घ) लि० का० सं० १६२०।

प्रा०—महंत जगन्नाथदास, मऊ (छतरपुर)।→०६-१७७ के (विवरण अप्राप्त)।

अनूपगिरि (गोसाँई)→'हिम्मतबहादुर नरेंद्रगिरि' ('रसरंग' के रचयिता)।

अनूपगिरि हिम्मतबहादुर की विरदावली→'हिम्मतबहादुर विरुदावली' (पद्माकर कृत)

अनूप प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अनूपगिरि हिम्मतबहादुर का इतिहास।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।
→०५-६१।

अनूपसिंह—बीकानेर नरेश महाराज कर्णसिंह के पुत्र। लालचंद कवि के आश्रयदाता।
→ २-७१।

अनेकप्रकाश (पद्य)—परशुराम (स्वामी) कृत। र का सं १७८१। वि ज्ञान, योग और भक्ति आदि।
(क) प्रा —महंत शिवलाल मंदिर बरमंगा नयाघाट, अयोध्या।→२ –१६ ए।
(ख) प्रा —पं अम्बुजकुमार उत्तरपाल (रायबरेली)।→२३–७४ ए।

अनेकार्थ→'अनेकार्थ मंजरी (नंददास कृत)।

अनेकार्थ नाममाला→'अनेकार्थ मंजरी (नंददास कृत)।

अनेकार्थ नामावली (गद्यपद्य)—संभवतः जोधपुर निवासी चालंधरनाथ के किसी भक्त की या जोधपुर के तत्कालीन महाराज मानसिंह की रचना। वि पर्याय शब्दकोश।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→ २–६६।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—उद्योत (कवि) कृत। वि कोश।
प्रा०—श्री सीताराम दर्जीजी मार्फत ग्रा मछियाहूँ (जौनपुर)।
→ं ४–२२।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'अनेकार्थ' 'अनेकार्थ नाममाला' और 'अनेकार्थ (भाषा)'। नंददास कृत। र का सं १६२४। वि अनेकार्थक कोश।
(क) लि का सं १७७६।
प्रा —ग रघुबीरसिंह जमींदार ग्रा नानीपुर डा तालाब बख्शी (लखनऊ)।
→१६–३११ बी।
(ख) लि का सं १८१२।
प्रा०—पं देवकीनंदन खनिया डा अलीगंज बाजार (सुलतानपुर)।
→२३–२६४ ए।
(ग) लि का सं १८१३।
प्रा —श्री स्वामी ब्रह्मचारी जी द्वारा लाला ललिताप्रसाद लखाची सिधौली (सीतापुर)।→२६–३१६ इ।
(घ) लि का सं १८१४।
प्रा०—पं श्रीराम शर्मा मऊ डा बटेश्वर (आगरा)।→१६–२४४ ए।
(ङ) लि का सं १८१७।
प्रा —श्री विश्वनाथ कैमहरा (खीरी)।→२६–३११ ए।
(च) लि का सं १८५९।
प्रा —ठा प्रतापसिंह रठौली डा होलीपुरा (आगरा)।→२६–२४४ सी।
(छ) लि का सं १८५८।
प्रा —पं लक्ष्मणवल्लभ पाठेय अनूपशहर (बुलंदशहर)।→२०–३११ ई।

(ज) लि० का० स० १८६८ ।

प्रा०—ठा० यदुनाथबख्शसिंह रईस, हरिहरपुर ।→२३-२६४ बी ।

(झ) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद दीक्षित, सीकरा, डा० तंबौर (सीतापुर) ।

→२६-३१६ बी ।

(ञ) लि० का० स० १६०१ ।

प्रा०—श्री रामदास वैद्य, बाबुलपुर, डा० बेरा (अलीगढ़) ।→२६-२११ बी ।

(ट) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—पं० शिवलाल बाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-११३ बी ।

(ठ) लि० का० स० १६१३ ।

प्रा०—श्री ललिताप्रसाद बजाजची, मिश्रौली (सीतापुर) ।→२६-३१६ एफ ।

(ड) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—श्री बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ) ।

→२६-३१६ एच ।

(ढ) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर । →०२-१८ ।

(ण) प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर) । →
०६-२०८ डी ।

(त) प्रा०—पं० सत्यनारायण, कठगर, रायबरेली ।→२३-२६४ सी ।

(थ) प्रा०—ठा० यदुनाथबख्शसिंह, हरिहरपुर (बाराबंकी) ।→२३-२६४ डी ।

(द) प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ) ।
→२६-३१६ सी ।

(ध) प्रा०—पं० उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
→२६-३१६ टी ।

अनेकार्थमंजरी नाममाला→'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेकार्थ मानमंजरी →'अनेकार्थ मंजरी' (नंददास कृत) ।

अनेमानंद (स्वामी)—सं० १८३७ के लगभग वर्तमान ।

अष्टावक्र (भाषा) (पद्य)→पं० २२-८ बी ।

नाटकदीप (पद्य)→०१-४६, पं० २२-८ ए ।

अन्नकूट लीला→'महामहोत्सव' (ईश या व्यंकटेश कवि कृत) ।

अन्योक्ति कल्पद्रुम→'अन्योक्तिमाला' (दीनदयाल गिरि कृत) ।

अन्योक्तिमाला (पद्य)—अन्य नाम 'अन्योक्ति कल्पद्रुम' । दीनदयाल (गिरि) कृत । र०
का० सं० १६१२ । वि० अन्योक्ति काव्य ।

(क) लि० का० सं० १६०३ ।

प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-१०४ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—पं गंगासागर त्रिवेदी, कल्याणगंज बाराबंकी ।→२१-१ ४ डी।

(ग) प्रा०—लाल श्रीकंठनाथसिंह, अनुगावाँ (बस्ती)।→सं ४-१५७ क।

अपभ्रंश की रचना (सूक्तिकाव्य) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि सूक्ति वर्णन।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ८-६८७ ।

अपराधसूदन स्तोत्र (भाषा) (पद्य)—जुगराजसिंह कृत । लि का सं १९५१।

वि शंकर स्तुति ।

प्रा —भैया शंकरवक्षसिंह, गुठरा (बहराइच)।→२१-१६७ ए।

अपराध सिद्धांत (पद्य)—मर्दनसिंह (महाराज) कृत। वि धर्म प्रचार का महत्व विचार।

(क) लि का सं १७८४ ।

प्रा —श्री शिवनाथ वैमहरा द्वारा सर्गीमपुर (गोंडी)।→२६-२ १ ए।

(ग) प्रा०—पं पूनमचंद जोधपुर ।→ १-७१ ।

(ग) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ ०-१८।

अपरोक्षानुभव ग्रंथ (भाषा) (गद्यपद्य)—ज्ञानदास कृत । र का सं १८१८ ।

वि मोक्ष वैराग्य इत्यादि । (शंकराचार्य की संस्कृत पुस्तक 'अपरोक्षानुभूति' का अनुवाद)

प्रा —पं रामसिंह मंडोली द्वारा शाहदरा (दिल्ली)।→दि ३१-८७।

अपजसीकथवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८७५ । वि अशुभ ।

प्रा —पं रामाधार मदुपा द्वारा बाह (आगरा)।→२६-११ ।

अब्दुर्रहमान (मिर्जा)—उप प्रेमी । फरुखसियर के समकालीन और आश्रित मंसबदार । सं १७७ के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→ १-५ ।

अब्दुर्रहीम खानखाना—उप रहीम । हिंदी और फारसी के प्रसिद्ध कवि । जन्म सं १६१ । मृत्यु सं १६८१ । अकबर के दरबारी और जागीरदार । दान कवि के आश्रयदाता ।→ १-११८ ।

बरवैनायिका भेद (पद्य)→ ६-१ ।

मदनाष्टक (पद्य)→२०-१४ ।

अब्दुलमजीद—दिल्ली निवासी । सं १८१ के पूर्व वर्तमान ।

कलेशभंजनी (पद्य)→२६-१ ए, बी; २६-१ ।

अब्दुलशरीफ—(?)

मारफुलहुदार (पद्य)→सं ७-५ ।

अब्दुलहादी (मौलवी)—सं १९१ के लगभग वर्तमान । इन्होंने अनुराग कवि को 'गुलिस्तां' का 'बर्तविहार नीति' नामक हिंदी अनुवाद करने में सहायता दी थी ।→ ८-१ ।

अभयराम—कुलपति मिश्र के पूर्वज। आगरा निवासी।→००–७२।

अभय विलास (पद्य)—पृथ्वीराज (गाँदू) कृत। वि० जोधपुर के महाराज अभयसिंह का गुणगान।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१३६।

अभयसिंह—जोधपुर नरेश। राज्यकाल सं० १७८१–१८०५। कवि माधवराम के आश्रयदाता। रसचंद, रसपुंज, सेवक प्रयाग, मुंशी मोहनदास, भींवा, सामतसिंह, रतनू वीरभाण, देवीचंद महात्मा, सेवक पेमचन्द, सेवक शिवचन्द, अनंदराम, सेवक गुलालचंद, कविया करणीदान, मथेना भीकचन्द और साधू पृथ्वीराज भी इन्हीं के समय में वर्तमान थे।→०२–४०, ०२–७२।

अभयसोम—सं० १७२० के लगभग वर्तमान।

मानतुंगमानवती चउपई (पद्य)→४१–८।

अभिप्राय दीपक (पद्य)—शिवलाल (पाठक) कृत। वि० रामायण की कथा।

(क) लि० का० सं० १६०२।

प्रा०—श्री रणवीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)।→२६–४४६।

(ख) लि० का० सं० १६२५।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–११२।

अभिमन्यु कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उत्तरा अभिमन्यु की कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३२८।

अभिमन्युवध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३२६।

अभिलाप बत्तीसी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। वि० विनय।

(क) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–३६ बी।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६–४३ एफ।

अभिलापमाला (पद्य)—किशोरीशरण कृत। वि० राधाकृष्ण विनय।

प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६–१५३।

अभिलापलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति।

प्रा०—बाबू संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५४ पी।

अभैमात्रा—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२–६१ (नौ)।

अभैसिंघ रा कवित्त (पद्य)—बख्ता (खड़िया) कृत। वि० अभयसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–४०।

अमनशाह—मखदूमशाह दरियाबादी के पिता। सं० १७६३ के पूर्व वर्तमान।→२६–२८७।

आज्ञा से तथा उन्हीं के नाम से किया था। इसीलिये खो० वि० २३-३६७ ए, में पर राजा शिवसिंह का नाम रचयिता के रूप में आया है।

अमरकोष (भाषा) (पद्य)—हरिजू (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६२। लि० का० सं० १८६१। वि० अमरकोष का अनुवाद।

प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़।→०६-११२।

अमरकोष (भाषानुवाद) (गद्य)—महेशदत्त कृत। र० का० सं० १९३१। लि० का० सं० १९४०। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० जयरामसिंह, वजीरनगर, डा० माधोगंज (हरदोई)। →२६-२२० ए।

अमरचंद्रिका (पद्य)—अमरसिंह कृत। वि० 'बिहारी सतसई' की टीका।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-३ ए।

टि० प्रस्तुत खोज विवरण में इनके 'सुदामाचरित्र' का भी नामोल्लेख है।

अमरचंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम 'बिहारी सतसई की टीका'। सुरति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७९४। वि० 'बिहारी सतसई' की टीका।

(क) लि० का० सं० १८३२।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर)।→०६-३१८ सी।

(ख) लि० का० सं० १८५८।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४७४ आई।

(ग) लि० का० सं० १८६७।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२४३ सी (विवरण अप्राप्त)।

(घ) लि० का० सं० १९६८।

प्रा०—ठा० बलवंतसिंह, लोमामऊ, डा० सडीला (हरदोई)।→२६-४७४ ए।

(ङ) लि० का० सं० १९७३।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-४१९ सी।

अमरतिलक (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। वि० 'अमरकोष' का अनुवाद।

प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→२६-६१ ए, बी।

अमरदास—लखनऊ निवासी। सं० १८१५ के लगभग वर्तमान।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)→सं० ०१-७।

अमरदास—अन्य नाम अबरदास। जन्म सं० १७१२।

भक्त विरुदावली (पद्य)→०६-१२०, २०-५, २६-८ ए, बी, २९-६ ए, बी।

अमरदास—रघुनाथदास और रूपदास के गुरु। सेवादास के शिष्य। सं० १८३२ के पूर्व वर्तमान।→०६-२३६, ०९-२६८, सं० ०७-१५८।

अमरनाथ—सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।

संग्रह (पद्य)→पं० २२-३।

अमरप्रकाश (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८३६। वि० 'अमरकोष' का अनुवाद।

(क) लि का सं १९ ७।
प्रा —बाबू कामताप्रसाद प्रधान अकलेलक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ६–८६।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ १–७४।

अमरप्रकाश (गद्य)—अन्य नाम 'अध्यात्मप्रकाश'। रचयिता अज्ञात। वि आध्यात्मिक ज्ञान।
प्रा०—मास्टर रामस्वरूप जी मौंट (मथुरा)।→१८–१६६।

अमरबोध शास्त्र (पद्य)—परसुराम कृत। वि आध्यात्मिक रूपकों में माया वर्णन।
प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →१२–१११ ए।

अमरमूल (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ब्रह्मज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १९१६।
प्रा —महंत कामताप्रसाद मठ (छतरपुर)।→ ६–१७७ जे (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि का सं १९९२।
प्रा०—बाबा सेवादास गिरधारी साहब की समाधि नोबस्ता (लखनऊ)।→ सं ७–११ ग।

अमरराज विलास→ राजनीतिविलास भाषा कुंडलिया (श्रीकृष्ण चैतन्यदेव कृत)।
अमरलोक अखंडधाम→ 'अमरलोक लीला (स्वामी परशुराम कृत)।
अमरलोक निजधाम लीला→'अमरलोक लीला (स्वामी परशुराम कृत)।

अमरलोक लीला (पद्य)—अन्य नाम अमरलोक अखंडधाम 'अमरलोक निजधाम लीला तथा 'अमरलोक वर्णन। परशुराम (स्वामी) कृत। वि गोलोक और राधाकृष्ण प्रेम वर्णन।
(क) लि का सं १९ १।
प्रा —बाबा रामदास बड़ोगीरपुर डा फतौली (एटा)।→२१–६५ ए।
(ख) लि का सं १९२८।
प्रा०—पं राधावल्लभ खैराबाद डा राजपुर (उन्नाव)।→२६–८८ ए।
(ग) प्रा०—महंत कामताप्रसाद कबीरपंथी मठ (छतरपुर)।→ ६–१४७ एफ (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१८ ए।
(ङ) प्रा —बाबू शिवकुमार वकील लखीमपुर (खीरी)।→२६–६५ बी।

अमरलोक वर्णन→'अमरलोक लीला (स्वामी परशुराम कृत)।

अमरविनोद (गद्यपद्य)—अमरसिंह कृत। वि वैद्यक।
(क) लि का सं १८६ ।

अमरसिंह—गढ़वारा (जौनपुर) निवासी शाहबदीन के पिता। सं १६ ५ के पूर्व वर्तमान।→ ४–१ ८–११।

अमरसिंह (राणा)—मेवाड़ के महाराणा। दयालदास के आश्रयदाता। सं १६७१ के लगभग वर्तमान।→ —१४।

अमरावली (पद्य)—अचलदास कृत। र का सं १६ ८। वि रामनाम महिमा।
प्रा०—बाबा शारदादास गणेशमंदिर रकाबगंज, लखनऊ।→२१–२ ए।

अमरावली (पद्य)—भीखमदास कृत। र का सं १८६२। लि का सं १८२९। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबा परागसरनदास उमेहनी, डा फतेहपुर (रायबरेली)।→ १५–१४ ए।

अमरेश (अमरचंद)—दीवान। नाथूलाल जैन के आश्रयदाता।→सं १ –७२।

अमरेशकुमार—शाहपुर के राजकुमार। सं १९२१ के लगभग वर्तमान।
राधाकृष्णस्वरूपयुगल विलास (पद्य)→सं १–८।

अमरेश विलास (पद्य)—नीलकंठ कृत। र का सं १६९८। लि का सं १८ ८। वि 'अमरुक शतक' के १ ८ श्लोकों का अनुवाद। आदि में राजा वीरसिंह की प्रशस्ति।
प्रा०—पं शिवराम का पुस्तकालय गुलेर (काँगड़ा)।→ १–१।

अमल की कविता (पद्य)—बंशीदान कृत। अफीम खानेवालों की दशा का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१–१४।

अमान—गुमान कवि के भाई। महोबा निवासी। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।
→०५–९१।

अमानसिंह—पन्ना नरेश राजा सभासिंह के पुत्र। अपने बड़े भाई हिंदूपति द्वारा निहत। राज्यकाल सं १८ ६–१८१५। करण भट्ट और हंसराज बख्शी के आश्रयदाता।
→ ४–१५ ६–७५ ६–५७ ६–१ २६–१६५।

अमीर—मुसलमान। संभवतः १६ वीं शताब्दी में बुंदेलखंड के किसी राजा के आश्रित।
रिसाला तीरंदाजी (पद्य)→ ६ ८।

अमीर खाँ—दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के कृपापात्र। सं १७८८–१८ तक इलाहाबाद के सूबेदार। देव कवि के आश्रयदाता।→ ६–१६५।

अमीरदास—संभवतः भोपाल निवासी। सं १८८७ के लगभग वर्तमान।
कृष्णोल्लास (पद्य)→ ६–१२४ बी।
सभामंडन (पद्य)→ ६–१२४ ए।

अमृत (कवि)—अमेठी के राजा (?) महेंद्र हिम्मतसिंह देव के आश्रित। सं १८११ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→१७–६।

प्रा०—पं० रामदुलारे वैद्य, मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६–१० ए।

(ख) लि० का० सं० १८७० ।

प्रा०—ठा० शिवपालसिंह, रामनगर, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६–७ ए

(ग) लि० का० सं० १६०७ ।

प्रा०—ठा० जोधसिंह, मिछलिया, डा० ईसानगर (खीरी)।→२६–७ बी।

(घ) लि० का० सं० १६०६ ।

प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद वैद्य, बकौटी, डा० सिकंदरापुर (सीतापु →२६–१० बी ।

(ङ) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—पं० गणपति द्विवेदी, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर) २६–७ सी ।

(च) लि० का० सं० १६१६ ।

प्रा०—लाला कन्हैयालाल, बहुराजपुर, डा० कासगंज (एटा)।→२६–१०

(छ) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० यशोदानंद, कौंथा (उन्नाव)।→२३–१० ए।

(ज) प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुड़ावपुरा, डा० चिलब (बहराइच)।→२३–१० बी ।

अमर वैद्यक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।

प्रा०—बाबू मनोहरलाल, बरोस, डा० खनोली (मथुरा)।→३५–१११ ।

अमरसार (पद्य)—दरिया साहब कृत । लि० का० सं० १६४६ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–५५ ए।

अमरसिंह—कायस्थ । राजनगर (छतरपुर) निवासी । जन्म सं० १८२० । मृत्यु १८६७ । कुँवर सोनेजू के दीवान ।

अमरचंद्रिका (गद्यपद्य)→०६–३ ए।

अमरविनोद (गद्यपद्य)→२३–१० ए, बी, २६–७ ए, बी, सी, २६–१० ए, बी, सी ।

टि० खो० वि० ०६–३ में इनके 'सुदामाचरित्र' का भी नामोल्लेख है।

अमरसिंह—सं० १८६६ के लगभग वर्तमान ।

स्वप्नभेद (पद्य)→सं० ०४–१ ।

अमरसिंह—पटियाला नरेश । राज्यकाल सं० १८२२–१८३८ । केशवदास के आश्रयद →पं० २२–५५ ।

अमरसिंह—महाराज हिंदूपति के चचेरे भाई और यशवंतसिंह के पिता । पन्ना (बु खंड) निवासी । सं० १८२१ के पूर्व वर्तमान ।→०६–११६ ।

अमरसिंह—जोधपुर के दीवान सूरति मिश्र के आश्रयदाता । अठारहवीं शता तीसरे चरण में वर्तमान । →२३–४१६ ।

अमरसिंह—गढ़वारा (जौनपुर) निवासी शाहबदीन के पिता। सं० १६ ५ के पूर्व वर्तमान।→ ४-१ ८-११।

अमरसिंह (राणा)—मेवाड़ के महाराणा। दयालदास के आश्रयदाता। सं० १६७१ के लगभग वर्तमान।→ ०—१४।

अमरावती (पद्य)—अचलदास कृत। र० का० सं० १६ ८। वि० रामनाम महिमा। प्रा०—बाबा शाहदास गयाशर्मदिर सम्राटगंज, लालगंज।→२६-२ ए।

अमरावती (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० सं० १८६२। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबा परागशरनदास ठगेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)। → १५-१४ ए।

अमरेश (अमरचंद)—दीवान। नाथूलाल जैन के आश्रयदाता।→सं० १ -७२।

अमरेशकुमार—शाहपुर के राजकुमार। सं० १६११ के लगभग वर्तमान।
राजाकृष्णकृपाकुल विलास (पद्य)→सं० १-८।

अमरेश विलास (पद्य)—नीलकंठ कृत। र० का० सं० १६१८। लि० का० सं० १८ ८। वि० 'अमरुक शतक' के १ ८ श्लोकों का अनुवाद। आदि में राजा बीरसिंह की प्रशस्ति।
प्रा०—पं० शिवराम का पुस्तकालय गुलेर (काँगड़ा)।→ १-१।

अमल की कविता (पद्य)—चंडीदान कृत। अफीम खानेवालों की दशा का वर्णन।
प्रा० —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-१४।

अमान—गुमान कवि के भाई। महोबा निवासी। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।
→०५-२१।

अमानसिंह—पन्ना नरेश राजा सभासिंह के पुत्र। अपने बड़े भाई हिंदूपति द्वारा निहत। राज्यकाल सं० १८ ६-१८१५। करण भट्ट और हंसराज बख्शी के आश्रयदाता।
→ ८-१५ ६-४१ ६-५७ ६-१ २६-१६५।

अमीर—मुसलमान। संभवतः १६ वीं शताब्दी में बुंदेलखंड के किसी राजा के आश्रित।
रिसाला तीरंदाजी (पद्य)→ ६-४।

अमीर खाँ—दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के कृपापात्र। सं० १७८८-१८ तक इलाहाबाद के सूबेदार। देव कवि के आश्रयदाता।→ ६-१५५।

अमीरदास—संभवतः भोपाल निवासी। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।
वृत्तचंद्रोदय (पद्य)→ ६-१२४ बी।
सभामंडन (पद्य)→०६-१२४ ए।

अमृत (कवि)—अमेठी के राजा (?) महेंद्र हिम्मतसिंह देव के आश्रित। सं० १८११ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→१७-६।

अमृत उपदेश (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० स० १८८४। लि० का० स० १६००। वि० ईश्वरोपदेश।
प्रा०—बाबा विहारीदास, रजगढ़ी, डा० बिसवाँ (अलीगढ़)। →२६-२८१ ई।

अमृतखंड (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० स० १८४१। लि० का० स० १६५२। वि० श्री रामचंद्र का जीवन चरित्र और पिंगल।
प्रा०—प० लक्ष्मणशरणदास, कामदकुंज, श्री तुलसीपत्र कार्यालय, अयोध्या।→ २०-१४५ ए।

अमृतधारा (पद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत। र० का० स० १७२८। वि० वेदांत।
(क) लि० का० स० १६०८।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१३६ (विवरण अप्राप्त)।
(स० १६२६ की एक अन्य प्रति गौरहारनरेश के पुस्तकालय में है।)
(ख) लि० का० स० १६०४।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-४८।
(ग) प्रा०—श्री वासुदेव वैश्य हकीम, बसई, डा० ताँतपुर (आगरा)। →२६-३६ डी।

अमृतनाद बिंदूपनिषद् (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य समेलन प्रदर्शनी, इंदौर। → १७-४ (परि० ३)।

अमृत मंजरी (गद्य)—काशीनाथ कृत। लि० का० स० १८३१। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० रामेश्वरप्रसाद तिवारी, छीकनटोला, फतेहपुर।→२०-७८।

अमृत मंजरी (पद्य)—जयदेव (?) कृत। वि० स्त्रियों के जाति भेद और नवरस।
प्रा०—श्री वंशीधर, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२-८१।

अमृतरास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० तंत्रमंत्र।
प्रा०—स्वामी निर्भयानंद, कुटी, स्वामी जी अमेठी, डा० अमेठी (लखनऊ)। →२६-३३५।

अमृतराय—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। स० १६१६ के लगभग वर्तमान। ये 'महाभारत' के नौ अनुवादकों में से एक हैं।→०४-६७।

अमृतलाल—जैन। रतनपुरी निवासी। स० १६०७ के लगभग वर्तमान।
आत्मविचार वैराग (गद्य)→४१-५।

अमृत संजीवनी (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत। लि० का० स० १६५६। वि० वैद्यक। (संस्कृत से अनूदित)।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६-१२ बी।

अमृतसागर (गद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० स० १८३६। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० स० १८४५।

प्रा —सेठ गोविंदराम भगवतराम मारवाड़ी अमिसिला (उन्नाव)।→२६-१५२ ए।

(ख) लि का सं १८०७ ।

प्रा०—श्री राममनूपदत्त वैद्य धनकौली डा मवई (उन्नाव)।→२६-१५२ बी।

(ग) लि का सं १८८७।

प्रा —श्री देवीप्रसाद शास्त्री सकरिया डा महोली (सीतापुर)।→२६-१५२सी।

(घ) लि का स १६ ।

प्रा —श्री रामदास शर्मा वैद्य निशानगंज डा धूमरी (एटा)।→२६-२७२।

(ङ) लि का सं १६२१।

प्रा —पं मखपति द्विवेदी नयागाँव डा शाहरपुर (सीतापुर)।→२६-१५२डी।

(च) प्रा —ठा हिम्मतसिंह बड़ाकुआँ रायबरेली।→२६-१२२ ए।

अमृतसागर (पद्य)—जैसरावसिंह कृत। वि वैद्यक।

प्रा०—ठा विक्रमपालसिंह अध्यापक, सुरासाही डा सिरसागंज (मैनपुरी)।

→१२-१६५ ए, बी सी।

अमृतसागर का प्राकृत तथा वैद्यक वचनिका (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।

प्रा०—कुँवर महादेवसिंह वर्मा चंद्रसेनी होलीपुरा (आगरा)।→२६-११६।

अमोलक—आगरा के निकट के निवासी। सं १७८७ के लगभग वर्तमान।

लवास खाँ की कथा (पद्य)→पं २२-४ २१-१२ २६-६।

अमोलक (शानाध्यक्ष)—बूँदर के आश्रयदाता। सं १६ के लगभग वर्तमान।→

पं २२-१ १।

अयोध्या (गिरि)—(?)

पद (पद्य)→सं १-६।

अयोध्याकांड→'रामचरितमानस' (गो तुलसीदास कृत)।

अयोध्याकांड की टीका→'मानसप्रकाशिनी टीका (संतसिंह कृत)।

अयोध्या पचीसी (और) मिथिला पचीसी (पद्य)—मेदराम (बारैठ) कृत।

लि का सं १६७१। वि *अयोध्या और मिथिला की महिमा।*

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →४१-२ २।

अयोध्याप्रसाद—रामकिशोरलाल के पिता। घनश्यामपुर (जौनपुर) निवासी।→

६-२८२।

अयोध्याप्रसाद (बाजपेयी)—उप औध। पिता का नाम नंदकिशोर। माइयों के नाम लक्ष्मणप्रसाद चतुर्भुज और भारत। सैंतनपुरवा (रायबरेली) के निवासी। अंतिम समय अयोध्या म बीता। महाराज हरिवंशसिंह रियासत बौंडी (बहराइच), राजा सुदर्शनसिंह, चंद्रापुर महाराज दिग्विजयसिंह बलरामपुर (गोंडा), पांडेय कृष्णदत्त, गोंडा और मुनीश्वरबक्ससिंह रियासत मल्लाँपुर मे इनको भूमि और धन आदि देकर सम्मानित किया था। महाकवि पद्माकर से इनका परिचय था।

जन्म सं० १८६० । मृत्यु सं० १६४२ । वंशज चंदापुर (बहराइच) और वाजपेयी का पुरवा (बहराइच) में वर्तमान हैं ।
अवधशिकार (पद्य)→२३-२४ ए, ई, २६-२१ ।
रघुनाथशिकार (पद्य)→२३-२४ बी, सं० ०४-६ ।
रागरत्नावली (पद्य)→२३-२४ सी ।
साहित्यसुधा सागर (पद्य)→२३-२४ टी ।
सुंदरशिकार (पद्य)→२३-२४ ई ।
टि० छंदानंद, शंकरशतक, नजाप्या, और चित्रकाव्य नामक इनके ग्रंथ अनुपलब्ध हैं ।

अयोध्याबिंदु (पद्य)—देव स्वामी कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० राम कथा ।
प्रा०—पं० रामशंकर वाजपेयी, बहोरिका पुरवा वाजपेयी, डा० सिसैया (बहराइच) । →२३-६३ ।

अयोध्याबिंदु (पद्य)—रामदेव कृत । वि० रामचरित ।
(क) प्रा०—महंत लखनलालशरण, अयोध्या ।→०६-२४६ ।
(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१४५ ।

अयोध्या माहात्म्य (गद्य)—उमापति कृत । र० का० सं० १६२४ । लि० का० सं० १६२४ (?) । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-३१ ।

अयोध्या माहात्म्य (पद्य)—खैरातीलाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, भुसौलामाफी, डा० लोटन (वस्ती) ।→ सं० ०४-१० ।

अयोध्या माहात्म्य (पद्य)—सहायराम कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० शिवकुमार उपाध्याय, द्वारा श्री इंद्रजीतसिंह वकील, वाह (आगरा) । →२६-३०१ ।

अरण्यकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत) ।

अरसअइनि बानी (पद्य)—मोहन (साँई) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) ।→सं० ०४-३०६ क ।

अरसअरिल ककहरा (पद्य)—मोहन (साँई) कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३०६ ख ।

अरसअरिल बानी (पद्य)—मोहन (साँई) कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—मुं० देवनारायण श्रीवास्तव, रामपुरटढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →सं० ०४-३०६ ग ।

अरसआशिक गदा (पद्य)—अहमकसाह कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—मुं देवनारायण श्रीवास्तव रामपुरठेढ़ डा शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं ६-६।

अरसआशिक विनय (पद्य)—महाआनंदप्रसाद कृत। वि सौंई मत के अनुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —मुं देवनारायण श्रीवास्तव रामपुरठेढ़, डा शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं ६-२१ क ख।

अरसनाम ककहरा (पद्य)—मोहन (सौंई) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा —मुं देवनारायण श्रीवास्तव रामपुरठेढ़ डा शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं ४-१ ६ ग।

अरसपिया पाती (पद्य)—मोहन (सौंई) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—मुं केवलबहादुर श्रीवास्तव उप मलूक, पुरेविंधाप्रसाद दीवान डा तिलोई (रायबरेली)। →सं ४-१ ६ क।

अरसभक्ति बोध (पद्य)—मोहन (सौंई) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १६६१।
प्रा०—मुं केवलबहादुर श्रीवास्तव उप मलूक पुरेविंधाप्रसाद दीवान डा तिलोई (रायबरेली)।→सं ४-१०६ ख।
(ख) प्रा —मुं देवनारायण श्रीवास्तव रामपुरठेढ़ डा शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं ४-१ ६ ग।

अरिमिर्दनसिंह (राजा)—हरिदास कवि के आश्रयदाता। सं १८११ के लगभग वर्तमान।
→ ६-७२।

अरिल्ल (पद्य)—चंदन (गोसाँई) कृत। वि कृष्ण और गोपियों का प्रेम।
(क) लि का सं १७०६।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-१६।
(ख) लि का सं १८१८।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१ ६।

अरिल्ल (पद्य)—परशरामदास कृत। र का सं १८०७ (लगभग)। लि का सं १६८। वि ज्ञान भक्ति आदि।
प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरानपाडे, डा सिलोर (रायबरेली)।
→२६-१४ ए।

अरिल्ल (पद्य)—वाजिद कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा —श्री रामधर सैनी बेलनगंज, आगरा।→२६-१२७ ए।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१११ क।

अरिल्ल भक्तमाल (पद्य)—मलूकीनदास कृत। वि भक्त माहात्म्य।
प्रा०—गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिर्जापुर।
→ ६-१८ बी।

अरिल्लाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । वि० कृष्ण लीला ।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→०१-१२१ (ग्यारह) ।

अरिल्लें (पद्य)—अन्य नाम 'रसनिधि की अरिल्ल और माँझ' । पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । वि० कृष्ण का रूप माधुर्य ।
(क) लि० का० स० १८७४ ।
प्रा०—गो० गोविंददास, दतिया ।→०५-७३ ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-६५ एल ।

अरिल्लें (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि० सदाचार ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२०६ श्री (विवरण अप्राप्त) ।

अरुणमणि—गोवर्द्धनदास के पुत्र । देवीदास के भाई । स० १७१८ के पूर्व वर्तमान ।
चाणक्य राजनीति (गद्यपद्य) →२३-२८ ।

अरुभद्र—जहाँगीर के समकालीन । स० १६७८ में वर्तमान ।
कोकसामुद्रिक (पद्य)→२६-१७ ।

अर्कप्रकाश (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रावण (?) कृत संस्कृत 'अर्कप्रकाश' (वैद्यक) का अनुवाद ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-१०४ ।
(प्रस्तुत पुस्तक की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है ।)

अर्जनामा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० विनय ।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ जी ।

अर्जपत्रिका (पद्य)—बनादास कृत । र० का स० १६०८ । वि० भक्ति विषयक संस्कृत ग्रंथ 'हरिमंजरी' का अनुवाद ।
प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या ।→२०-११ ए ।

अर्जुन—नरवर (ग्वालियर राज्य) के राजा माधवसिंह के आश्रित । स० १८८० के लगभग वर्तमान ।
भर्तृहरिसार (पद्य)→०६-१३१ ।

अर्जुन—उप० ललित ।
अर्जुन के कवित्त (पद्य) →०६-६ ।

अर्जुन के कवित्त (पद्य)—अर्जुन (ललित) कृत । वि० महाभारत के योद्धाओं का पराक्रम वर्णन ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-६ ।

अर्जुनगीता (पद्य)—आनंद कृत । र० का० स० १८३५ के लगभग । वि० संस्कृत ग्रंथ 'अर्जुनगीता' का अनुवाद ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-१४ ।

अर्जुनगीता (पद्य)—अन्य नाम 'गीताज्ञान' और 'रामरतन गीता' । कुशलसिंह कृत । वि० भगवद्गीतांतर्गत कृष्णार्जुन संवाद ।

(क) लि का सं १८२२।
प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर कौंथा (उन्नाव) ।→२३–१४७ बी।
(ख) लि का सं १८३७।
प्रा —पं गयाप्रसाद तिवारी, दोस्तपुर (सुलतानपुर) ।→२३–१४७ ए।
(ग) लि का सं १८८७।
प्रा –ठा बलवन्तसिंह, मिठौरा डा केसरगांव (बहराइच) ।→२३–२११।
(घ) लि का सं १८८६।
प्रा —ठा चंद्रभानसिंह रसड़ा (बलिया) ।→४१–१ ख।
(ङ) लि का सं १८६६।
प्रा —श्री महावली जी त्रिवेदी डा बछरावाँ (रायबरेली)।→सं ८–१८ क।
(च) लि का सं १६२२।
प्रा —श्री गयादीनसिंह नौहर हुसेनपुर डा रतहा (प्रतापगढ़)।
→२६–२५४ ए।
(छ) लि का सं १६४१।
प्रा —पं भानुदत्त सुनरा डा करछना (इलाहाबाद) ।→२०–६७।
(ज) प्रा०—श्री रामबरा अध्यापक प्राइमरी स्कूल डा गड़वारा
(प्रतापगढ़) ।→२६–२५४ बी।
(झ) प्रा —पं राजाराम पंडित का पुरवा डा मटरामपुर (इलाहाबाद)।
→४१–१ क।
(ञ) प्रा०—श्री शिवदासराय सिकन्दर डा सिकंदरपुर (बलिया)।
→४१–४८१ (भ्रम)।
(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१।
टि खो वि २ –६७ पर गुरुप्रसाद को और २३–१४७ पर रामरतन को भूल से रचयिता मान लिया गया है।

अर्जुनगीता (पद्य)—रामप्रसाद कृत। र का सं १६१२। लि का सं १६१३। वि कृष्णार्जुन संवाद।
प्रा —श्री गोपालचंद्रसिंह एम ए सिविललाइन सुलतानपुर।→सं १–१५।

अर्जुनगीता (पद्य)—सूरदास कृत। लि का सं १६१६। वि विविध भावों के कारण तथा भक्ति विषयक उपदेश।
प्रा०—श्री भगमूरतसिंह गुड़वारा डा परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→२६–४७२।

अर्जुनगीता→'भगवद्गीता (अनुवाद कृत)।

अर्जुनदास—भगवानदास निरंजनी के गुरु। खेतवास निवासी। सं १७२२ के पूर्व वर्तमान। → ६–११६।

अर्जुनदेव (गुरु)—ये सिख परंपरा में पाँचवें गुरु थे। पिता श्री रामदास के बाद गुरु

पद पर आसीन हुए। 'गुरुग्रंथसाहब' के संग्रहकर्ता। सं० १६३८–१६६३ तक वर्तमान। →२६–१६।

अर्जुन विलास (पद्य)—मदनगोपाल कृत। र० का० सं० १८७६। वि० व्याकरण, नीति, न्याय, ज्योतिष, काव्य और वैद्यक आदि।

(क) लि० का० सन् १२७० फसली।

प्रा०—राजपुस्तकालय, किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं० ०९–१७८।

(ख) लि० का० सं० १९२१।

प्रा०—परसेंडीनरेश का पुस्तकालय, परसेंडी (सीतापुर)।→२३–२५०।

अर्जुनसिंह—संभवतः वाराणसी (बनारस) निवासी। किसी नारायण नामक गुरु के शिष्य।

कृष्ण रहस्य (पद्य)→०६–१०।

अर्जुनसिंह (राजा)—लक्ष्मणसिंह प्रधान के आश्रयदाता। सं० १८६० में वर्तमान। संभवतः मदनगोपाल के आश्रयदाता भी यही थे।→०६–६६, २३–२५०।

अर्द्धकथानक (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। र० का० सं० १६९८। लि० का० सं० १८००। वि० आत्मचरित।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–८४ क।

अर्थपंचक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १९३७। वि० राम महिमा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२०६ क।

अर्थपंचक विवेक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विशिष्टाद्वैत के अनुसार ईश्वर, जीव तथा प्रकृति निरूपण।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागंज, प्रयाग।→४१–३३०।

अर्बुद विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० वैद्यक।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–२८ ई।

अलंकार (पद्य)—गुविंद कृत। वि० अलंकार विवेचन।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५४ क।

अलंकार (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १८४०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→३२–१९७ बी।

(ख) लि० का० सं० १८४५।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६८ क।

अलंकार→'काव्यनिर्णय' (भिखारीदास 'दास' कृत)।

अलंकार ग्रंथ (पद्य)—अन्य नाम 'चित्रचंद्रिका (?)'। ईश्वर (कवि) कृत।

र० का० सं० १६१७। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १९१९।
प्रा०—पं० चंद्रभाल ओझा प्रधानाध्यापक माइनर हाईस्कूल गोरखपुर।→ सं० १-२४।
(ग)→पं० २२-११७ ए।

अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)—गुलशान (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—गो० माधोकृष्ण बिहारीजी का मंदिर, महाजनीटोला इलाहाबाद।→ ४१-२१।

अलंकार आभा (पद्य)—चतुर्भुज (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १९७७।
प्रा०—पं० मदनमोहनलाल आयुर्वेदाचार्य भरतपुर।→१८-२७।
(ग) प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर।→१७-३१।

अलंकार आशय (गद्यपद्य)—उत्तमचंद (भंडारी) कृत। वि० अलंकार, ध्वनि आदि।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-१८।

अलंकार कलानिधि (पद्य)—श्रीकृष्ण भट्ट (कलानिधि) कृत। लि० का० सं० १६२५। वि० अलंकार।
प्रा०—श्री वंशीधरलाल टिमौरा गोकुल (मथुरा)।→१२-९६ ए।

अलंकार चंद्रोदय (पद्य)—रसिकसुमति कृत। र० का० सं० १७८५। लि० का० सं० १९११। वि० अलंकार।
प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ६-२६५।

अलंकार चिंतामणि (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८६४। लि० का० सं० १८६४। वि० अलंकार।
प्रा०—कवि काशीप्रसाद चरखारी।→ ६-९१ ई। (कवि की स्वहस्त लिखित प्रति)

अलंकार दर्पण (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १६ ।
प्रा०—पं० रामकृष्ण शुक्ल, सुदर्शनभवन सुरजकुंड प्रयाग। → ४१-४६ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १६५१।
प्रा०—सेठ बलदेवदास तालुकेदार कसरा सीतापुर।→१२-६८।

अलंकार दर्पण (पद्य)—देवीदत्त (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १६१ । लि० का० सं० १६१ । वि० अलंकार।

प्रा०—श्री छोटेलाल मिश्र, इसराजपुर, डा० होलागढ (इलाहाबाद)।→ स० ०१–१६३ स।

अलकार दर्पण (पद्य)—रतन (कवि) कृत। र० का० स० १८२७। लि० का० स० १६०१। वि० अलकार।
प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ।→०६–१०३।

अलकार दर्पण (पद्य)—विश्वनाथ कृत। र० का० स० १८७२। वि० अलकार।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़गाँवाँ (सीतापुर)।→१२–१६५ सी।

अलकार दर्पण (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १८६८। लि० का० स० १६५४। वि० अलकार।
प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी।→०६–४६ सी।

अलकार दर्पण (पद्य)—हरिनाथ कृत। र० का० स० १८२७। लि० का० सं० १६१४। वि० अलकार।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६–१७० (विवरण अप्राप्त)।

अलकार दीपक (गद्यपद्य)—दिलेराम कृत। र० का० स० १८४५। वि० अलकार।
प्रा०—श्री विहारी जी का मदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१–१०४।

अलकार दीपक (पद्य)—शभुनाथ (मिश्र) कृत। वि० अलकार।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–२७।
(ख) लि० का० स० १६०४।
प्रा०—प० शिवाधार पाडेय, प्राध्यापक, म्योर कालेज, इलाहाबाद। →१७–१६७।
(ग) लि० का० स० १६५८।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर। →०६–२३३ (विवरण अप्राप्त)।

अलकारनिधि (पद्य)—जुगलकिशोरी (भट्ट) कृत। र० का० सं० १८०५। वि० अलकार।
प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगज, बलरामपुर (गोंडा)।→०६–१४२।

अलकार पचाशिका (पद्य)—मतिराम कृत। र० का० स० १७४७। वि० अलकार। →प० २२–६४ ए।

अलकार प्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (जगदीश) कृत। लि० का० स० १८२३। वि० अलकार।
प्रा०—श्री मगन उपाध्याय भट्ट, मथुरा।→१७–७८ ए।

अलंकार प्रदीप (पद्य)—भोगीलाल कृत । वि अलंकार ।
प्रा —पं मातादीन द्विवेदी कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२१–५६ ।

अलंकारबोध संग्रह (गद्य)—दौलतराम कृत । वि अलंकार ।
प्रा —पं कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतहपुर) ।→२ –१५ ए ।

अलंकार भ्रम भंजन (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि अलंकार ।
(क) लि का सं १६२२ ।
प्रा —श्री रामगोपाल हरिनंद चांचरी कोठी (मथुरा) ।→१७–६६ ए ।
(ख) लि का सं १६२१ ।
प्रा०—श्री रामनिवास पोद्दार, स्वामीघाट, मथुरा ।→११–७१ ए ।
(ग) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०६–१२ ।

अलंकार भ्रम भंजन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि अलंकार ।
प्रा —महाराज श्री महेंद्रमानसिंह, महाराज मदावर, मीगवाँ (आगरा) ।
→२६–३११ ।

अलंकार मणि मंजरी (पद्य)—ऋषिनाथ (ब्रह्मभट्ट) कृत । र का सं १८३१ ।
वि अलंकार ।
(क) लि का सं १८८४ ।
प्रा —पं राजीवलोचन वाजपेयी असनी (फतेहपुर) ।→२ –१६६ ।
(ख) लि का सं १८८ ।
प्रा —राय अम्बिकानाथसिंह मायन रियासत का सूची (रायबरेली) ।→
सं ४–२१ क ख ।

अलंकार महोदधि (पद्य)—कालीप्रतापसिंह (भैया) कृत । लि का सं १८८६ ।
वि अलंकार ।
प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा ।→२१–२ २ ।

अलंकारमाला (पद्य)—सुरति (मिश्र) कृत । र का सं १७६६ । लि का सं
१८ ५ । वि अलंकार ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ३–१ ४ ।
(इसी पुस्तकालय में सं १८१६ की एक प्रति और है ।)

अलंकार मुक्तावली (गद्यपद्य)—धीरसिंह (महाराज) कृत । वि अलंकार ।
(क) लि का सं १८५२ ।
प्रा०—राजा भगवानबख्श अमेठी (सुलतानपुर) ।→२१–१ २ ।
(ख) लि का सं १८५२ ।
प्रा —दरम दरस अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→सं ४ १७४ ।

(ग) लि० का० स० १६०८ ।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर । →०५–३५ ।

अलकार रत्नाकर (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'भाषाभूषण' । दलपतिराम (राय) कृत ।
र० का० स० १७६१–६८ । वि० अलकार ।
(क) लि० का० स० १८१० ।
प्रा०—महाराज राजद्रबहादुरसिंह, भिनगाराज (बहराइच) ।→२३–८२ ए ।
(ख) लि० का० स० १८३० ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिह जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर) ।→१२–१८ ।
(ग) लि० का० स० १८३५ ।
प्रा०—मु ० ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ । →२६–८६ बी ।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१३ ।
(ट) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा) ।→१२–८५ ।
(च) प्रा०—महाराजा श्रीप्रकाशसिह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–८६ ए ।
(छ) →२३–८२ बी ।

अलकार रत्नावली (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० सोदाहरण अलकार वर्णन ।
प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ ।→स० १०–१५० ।

अलकार वर्णन (पद्य)—भूप (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० शकरदेव, सेई, डा० छाता (मथुरा) ।→३८–१४ ।

अलकार वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३३१ ।

अलकार शिरोमणि →'टिकैतराय प्रकाश (बेनी कवि कृत) ।

अलकार शृगार (टीका सहित) (गद्यपद्य)—शिवदास कृत । लि० का० स० १६४२ ।
वि० अलकार ।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर) ।
→स० ०४–३८२ ।

अलकारसाठि दर्पण (पद्य)—जगतसिह कृत । र० का० स० १८६४ । लि० का० स० १८६५ । वि० अलकार ।
प्रा०—महाराज राजेंद्रप्रसादसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१७६ ए ।

अलकारादर्श (पद्य)—विश्वनाथ कृत । र० का० स० १८७२ । लि० का० स० १६२४ ।
वि० अलकार ।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिह जमींदार, बड़गवाँ (सीतापुर) । →१२–१६५ ए ।

अलकृतमाला (पद्य)—शकरदयाल कृत । वि० अलकार ।
प्रा०—प० परमेश्वरदत्त, दरियाबाद (बाराबकी) ।→०६–२८० ।

अलफनामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि का सं १७७७ । वि शृंगार ।
    प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→सं १-१२६ ह ।
अलखप्रकाश→'दोहावली (बाबा मंगलदास) कृत ।
अलखबानी (पद्य)—मलूकदास कृत । वि तत्वज्ञान ।
    प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-१६४ डी (विवरण अप्राप्त) ।
अलफ खाँ—जान कवि (न्यामत खाँ) के पिता ।→सं १-१२६ ।
अलफनामा (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का सं १६५१ । वि ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —श्री गोपालचंद्रसिंह, विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), प्रांतीय सचिवालय लखनऊ ।→सं ७-११ म ।
अलबेलीअलि (?)—संभवतः जयपुर के पास तरकुरी गाँव के निवासी गौड़ ब्राह्मण । अनंतर वृंदावन में रहने लगे । जन्म सं अनुमानतः १८१ । गो वंशीअलि के शिष्य । संस्कृत एवं गान विद्या में निपुण ।
    अलबेलीअलि ग्रंथावली (पद्य)→१५-२ ए ।
    गुसाईजी को मंगल (पद्य)→१५-२ बी ।
    विनय कुंडलिया (पद्य)→१५-२ सी ।
अलबेलीअलि ग्रंथावली (पद्य)—अलबेलीअलि कृत । वि राधा जी की लीला ।
    प्रा —श्री राधावल्लभ जी का मंदिर वृंदावन (मथुरा) ।→१५-२ ए ।
अलबेलेलालजी के छप्पय (पद्य)—सेवादास कृत । र का सं १८४ । लि का सं १८४५ । वि श्रीकृष्ण के शृंगार का वर्णन ।
    प्रा —श्री मयाशंकर याज्ञिक गोकुल (मथुरा) ।→१२-१६७ ए ।
अलबेलेलालजी को नखसिख→'नखशिख' (सेवादास कृत) ।
अलावक्श—फाजिलशाह के भाई । सं १६०५ के लगभग वर्तमान ।→ ५-५६ ।
अलिफनामा (पद्य)—हममुदीन (शाह) कृत । वि ईश्वर महिमा, गुरु महिमा और भक्ति ।
    प्रा०—श्री चेतनशाह औशियापुरा डा तहररगांव (बाराबंकी) ।→२१-१७२ ।
अलिफनामा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —श्री भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-१४१ डी ई ।
अलिफनामा (पद्य)—दरिया साहब कृत । लि का सं १८८ । वि ईश्वर महिमा ।
    प्रा —श्री मुन्नूलाल पुस्तकालय सुराजपुर (गया) ।→१६-८८ ।
अलिफनामा (पद्य)—रामचरण कृत । लि का सं १६५ । वि ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —महंत गुरुप्रसादराय बहरावाँ (रायबरेली) ।→सं ४-१४१ ।
अलिफनामा→'अवदननामा (बबदनशाह) कृत ।

अलिफनामा (भाषा) (पद्य)—आनदगिरि कृत । लि० का० स० १६२० । वि० उपदेश ।
(ककहरे के ढग पर फारसी वर्णमाला के अनुसार) ।→प० २२-६ ।

अलिरसिकगोविंद→'रसिकगोविंद' ('युगलरसमाधुरी' के रचयिता) ।

अलिसियारसिक→'रामरत्न' ('सियालाल समय रसवर्द्धिनी कवित्तदाम' के रचयिता) ।

अलीबहादुर खाँ—नवाब जुलफिकारखाँ के पिता । बुदेलखड के शासक । स० १६०३ के पूर्व वर्तमान ।→०४-२० ।

अलीमुहिब्ब खाँ—उप० प्रीतम । आगरा निवासी । सुप्रसिद्ध कवि सूरति मिश्र के शिष्य । स० १७६७ के लगभग वर्तमान ।
खटमल बाईसी (पद्य)→०३-७० ।
रसधमार (पद्य)→स० ०१-१० ।

अलीरँगीली—(?)
रासपचाध्यायी (पद्य)→स० ०१-११ ।

अवगत उल्लास (पद्य)—अन्य नाम 'आत्मप्रकाश' और 'सर्वसार सग्रह' । दयालनेमि कृत । वि० तत्वज्ञान ।
प्रा०—श्री विहारी जी का मदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद ।→४१-६७ ।

अवतार गीता (पद्य)—अन्य नाम 'अवतार चरित्र' और 'विजैअवतार गीता' । नरहरिदास (बारहट) कृत । र० का० स० १७३३ । वि० अवतारों का वर्णन ।
(क) लि० का० स० १७६७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-१८० क ।
(ख) लि० का० स० १८१२ ।
प्रा०—श्री राचद्र टडन, एम० ए०, एल० एल० बी०, १०, साउथरोड, इलाहाबाद ।→स० ०१-१८० ख ।
(ग) लि० का० स० १८३३ ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-८८ ।
(घ) लि० का० स० १८५८ ।
प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना (जयपुर) ।→०६-२१० ।

अवतार गीता (पद्य)—माधवदास कृत । वि० अवतारो की कथाएँ तथा ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १८६८ ।
प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद मिश्र, कटेला चिलवलिया (बहराइच) ।→२३-२५४ ।
(ख) लि० का० स० १६१३ ।
प्रा०—प० गणेशीलाल उपाध्याय, नगीना (बिजनौर) ।→१२-१०४ ए ।

अवतार चरित्र (पद्य)—शिव कृत । वि० भगवान के चौबीस अवतारों का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-३८१ ।

अवतार चरित्र→'अवतार गीता' (नरहरिदास बारहट कृत) ।

अवतार चेतावनी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि विभिन्न अवतारों का वर्णन ।
प्रा —बिजावर नरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→ ६-१ जे ।

अवतारमालिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि अवतारों की कथाएँ ।
प्रा —श्री तुलसीदासजी का बड़ा स्थान, दारागंज प्रयाग ।→४१-११२ ।

अवधप्रसाद—कायस्थ । टीकमगढ़ निवासी । मानिकलाल के पुत्र और प्रयागीलाल के बड़े भाई ।→०५-२१ ।

अवधप्रसाद (बाबा)—सोमवंशी क्षत्रिय । महात्मा दूलनदास (सतनामी) के वंशज ।
सदीपुर (रायबरेली) में सं १८८८ के लगभग जन्म । पुरइन ग्राम (बस्ती) के निवासी । सं १९६६ में ८० वर्ष की अवस्था में देहावसान ।
जगजीवन अष्टक (पद्य)→१२-५ ए ।
रत्नावली (पद्य)→१२-५ बी ।
विनय शतक (पद्य)→१२-५ सी सं ४-७ ।

अवधबिहारीदास—कायस्थ । बिसौली (सुलतानपुर) निवासी । प्रतापगढ़ राजकीय विद्यालय के अध्यापक । सं १९९७ के लगभग वर्तमान ।
भास्करखंड (पद्य)→२६-१९ ए, बी ।
नामरहित ग्रंथ (पद्य)→२६-१९ डी ई ।
बारहमासा (पद्य)→२६-१९ सी ।

अवध बिलास (पद्य)—लालदास कृत । र का सं १७३२ । वि रामकथा—जन्म से वनवास तक ।
(क) लि का सं १८५१ ।
प्रा —बाबू गंगाबख्शसिंह सिनैया (बहराइच) ।→२६-२१९ ए ।
(ख) लि का सं १९०५ ।
प्रा —श्रीमती महंतिन लक्ष्मणदासी कुटी बाबा भजनदास डा जगेसरगंज (सुलतानपुर) ।→२६-२१९ बी ।
(ग) लि का सं १९ ७ ।
प्रा०—निंबार्क पुस्तकालय माधवदास का मंदिर नानपारा (बहराइच) ।→ २६-२१९ सी ।
(घ) लि का सं १९३ ।
प्रा —मुंशी अशरफीलाल पुस्तकालयाध्यक्ष बलरामपुर नरेश का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा) ।→०२-१५९ ।
(ङ) लि का सं १९१४ ।
प्रा —श्री रामदुलारे मिश्र गनेशपुर डा मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६-२१२ ए ।
(च) प्रा —एशियाटिक सोसायटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-१२ ।
(छ) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मशिक्षक (हेड एकाउंटेंट),

छतरपुर ।→०६-१६० सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ज) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१०७ ।

अवधशिकार (पद्य)—अन्य नाम 'मुगयाशिकार' और 'रघुनाथसवारी' । अयोध्याप्रसाद (वाजपेयी) कृत । र० का० सं० १६०० । वि० श्रीरामचन्द्र का शिकार और सवारी वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १६४३ ।

प्रा०—लाला मुकुन्दीलाल रामप्रसाद, फतेगंजबाजार, नवाबगंज (बाराबंकी) । →२०-३८ ई ।

(ग) लि० का० सं० १६५८ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुजौली, डा० चौड़ी (बहराइच) ।→२३-२८ ए ।

(ग) प्रा०—श्री रणधीरसिंह जमींदार, गनीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ) । →२६-२१ ।

अवधि सागर (पद्य)—जानकीरसिकशरण कृत । र० का० सं० १७६० । वि० सीताराम की आठों पहर की लीलाएँ ।

(क) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-८१ ।

(ख) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मणकिला, अयोध्या ।→२०-६७ ।

अवधू—जैन सं० १८२५ के पूर्व वर्तमान ।

बारहअनुप्रेक्षा भावना (पद्य)→१७-१० ।

अवधू की बाराखड़ी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।→३५-४६ ए ।

अवधूत गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० योग और ब्रह्मज्ञान ।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, साहीपुर (नौलखा), डा० हँडिया (इलाहाबाद) । →सं० ०१-४६७ ।

अवधूत गीता (भाषा टीका) (पद्य)—सज्यानाथ कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० अवधूत गीता का अनुवाद ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं० ०१-४३३ ।

अवधूत भूषण (पद्य)—देवकीनंदन कृत । र० का० सं० १८५६ । वि० अलंकार और पिंगल ।

(क) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—पं० मन्नू मिश्र, निलगवाँ, डा० नीलगाँव (सीतापुर) ।→२३-६० ए ।

(ख) लि० का० सं० १६४१ ।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ ।→०६-६५ बी ।

अवधूतसिंह—तिकमाँ निवासी । शाक्त । सं० १८४४ के लगभग वर्तमान ।

मानलदाफ (पद्य)→१७ ११ बी।
सदाशिव पंकर (पद्य)→१७–११ सी।
मुरापचीसी (पद्य)→१७–११ डी।
हुक्का मुराहिया (पद्य)→१७–११ ए।
अवधेरा—(?)।
कवित्त (पद्य)→सं ४–८।
अवपद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७४। वि शकुन विचार।
प्रा०—पं राजकुमार त्रिवेदिप्रसाद रामबीरपुर डा माधोगंज (प्रतापगढ़)।
→२६-२ (परि ३)।
अवलिपदर्वनामा (पद्य)—खेमदास कृत। लि का सं १९६७। वि बीबी रानिया और एक दरवेश के प्रश्नोत्तर रूप म ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–९७ क।
अवक्रियाशाल—बरमन के गुरु। सन् ११२१ हिजरी के लगभग वर्तमान।→ सं ४–२१४।
अवलिसिलूक (ग्रंथ) (गद्य)—गोरखनाथ कृत। लि का सं १८११। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–३६ क।
अशरफ जहाँगीर—मलिकमुहम्मद जायसी के गुरु।→ ०–५४।
अशरफ जहाँगीर (सय्यद)—कड़ा (इलाहाबाद) निवासी। जायस कवि के गुरु।→ → ४–७९।
अशौचविचार भाषा तथा मुंडन नखच्छेद निर्णय (गद्य)—बल्ला (भट्ट) कृत। लि का सं १८७ । वि धर्मशास्त्रानुसार सूतक मुंडन और नखच्छेद का निर्णय।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१८१।
अश्वचिकित्सा (पद्य)—गिरिधारीलाल कृत। र का सं १९१७। लि का सं १९२०। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —मास्टर रामप्रताप कौशिका (आगरा)।→२६–११६।
अश्वचिकित्सा→ शालिहोत्र' (रत्ननिधि कृत)।
अश्वमेध (भारत) (पद्य)—बीरभान (चौहान) कृत। वि जैमिनिपुराण का अनुवाद।
प्रा —श्री लालबहादुरसिंह शिवपुर डा बदलापुर (जौनपुर)।
→सं १–१६५।
अश्वमेध (भाषा) (पद्य)—हरकरन कृत। र का सं १७२६। वि नाम से स्पष्ट।→पं २२–११ ए, बी।
अश्वमेध चंदेटिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १९३४। वि अश्वमेध यज्ञ।
प्रा —श्री उमाशंकर दूबे हरदोई।→२६–२ (परि ३)।

अश्वमेध जैमनीय (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाभारतांतर्गत राजा युधिष्ठिर के यज्ञ का वर्णन ।
    प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-३३३ ।

अश्वमेध पर्व (पद्य)—घनश्यामदास कृत । र० का० सं० १८६५ । लि० का० सं० १९१४ । वि० महाभारत के अश्वमेध पर्व का अनुवाद ।
    प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी ।→०६-३६ ए ।

अश्वविनोद→'शालिहोत्र' (ताराचंद या चेतनचंद कृत) ।

अष्टक (पद्य)—गुलाबलाल (गोस्वामी) कृत । वि० गोस्वामी हित हरिवंश जी की स्तुति ।
    प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-६७ ।

अष्टक (पद्य)—जमुनादास कृत । लि० का० सं० १९६८ । वि० राधाकृष्ण की प्रेम क्रीड़ाएँ ।
    प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →३८-६६ ।

अष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'हिताष्टक' । नागरीदास कृत । वि० हित हरिवंश जी की प्रशंसा ।
    प्रा०—गो० युगलवल्लभ राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२-११६ ए ।

अष्टक (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० सेवक जी की गो० हित हरिवंश जी के प्रति भक्ति ।
    प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२-१३७ बी ।

अष्टक (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । लि० का० सं० १९५३ । वि० कृष्ण की भक्तवत्सलता ।
    प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी ।→०६-१०० के ।
    (एक अन्य प्रति बिजावरनरेश के पुस्तकालय में है) ।

अष्टक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० गो० हितहरिवंश जी की वंदना ।
    प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१५४ टी ।

अष्टक (पद्य)—रसिकमुकुंद कृत । वि० राधावल्लभ की वंदना ।
    प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →१२-१५६ ।

अष्टक (पद्य)—श्रीकृष्णदास कृत । लि० का० सं० १९६८ । वि० राधाजी की भक्ति ।
    प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →३८-८३ ।

अष्टक (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि० का० सं० १८३६ । वि० ज्ञानोपदेश ।
    प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-१६३ क ।

अष्टक (पद्य)—हरिवंशअली कृत । वि० राधाकृष्ण शृंगार एवं वंदना ।
    प्रा०—पं० हृदयराम, अगरवाला, डा० छाता (मथुरा) ।→३८-६३ ।

अष्टकर्मदहन विधान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९५६ । वि कर्मों के विधान ।

प्रा —सरस्वती भंडार जैन मंदिर खुर्जा ।→१७–७ (परि १) ।

अष्टक संग्रह (पद्य)—अनेक कवियों के संस्कृत और हिंदी अष्टकों का संग्रह । वि कृष्ण लीला ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद । →४१-४१६ (अप्र) ।

अष्टकाल (गद्यपद्य)—राधामंजरी कृत (टीका) । वि राधाकृष्ण की आठों पहर की क्रीडाएँ । (गो रूपसनातन के संस्कृत ग्रंथ 'अष्टकाल' का अनुवाद) ।

प्रा —पं दीपचंद, नानेरा, डा पहाड़ी (भरतपुर) ।→४१–२१२ ।

अष्टकाल की लीला (पद्य)—रत्नसखि कृत । र का सं १८३६ । वि कृष्णलीला ।

प्रा —श्री दौलतराम पांडेय सहिबाबपुर (इलाहाबाद) ।→सं १-२४७ ।

अष्टकाल समय ध्यान विधि (पद्य)—कृपानिवास कृत । वि राधाकृष्ण विषयक शृंगार ।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–९६ बी ।

अष्टछाप—स्वा वल्लभाचार्य जी के उपरांत उनके पुत्र स्वा विट्ठलनाथ जी ने अष्टछाप के नाम से कृष्ण भक्ति के आठ कवियों की प्रतिष्ठा की—१-सूरदास २-कुंभनदास ३-परमानंददास ४-कृष्णदास ५-छीतस्वामी ६-गोविंदस्वामी ७-चतुर्भुजदास ८-नंददास । ये सभी कृष्ण भक्ति के सरस और सुंदर कवि थे तथा १६ वीं शताब्दी में वर्तमान थे ।

अष्टछाप के कविया की वार्ता (पद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि अष्टछाप की कविता का जीवनवृत्त ।

प्रा —डा दीनदयालु गुप्त अध्यक्ष, हिंदीविभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→सं ४–७५ ।

टि प्रस्तुत पुस्तक रचयिता कृत चौरासी वैष्णवों की वार्ता के अंतर्गत है ।

अष्टछाप संग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य) कृत । वि हिंडोरा बारहमासी कर्मधर्म आदि ।

प्रा —पं देवकीनंदन चंद्रसरोवर, डा गोवर्धन (मथुरा) ।→३५–११९ ।

अष्टयाम प्रकाश→'अष्टयाम प्रकाश' (गोकुल कायस्थ कृत) ।

अष्टयाम सेवाप्रकरण (पद्य)—व्रजदास कृत । लि का सं १८७१ । वि राधा कृष्ण की सेवाविधि ।

प्रा०—पं शिवा मिश्र बेलहर (बस्ती) ।→सं ८–११६ ।

अष्टदृष्टि भेद (पद्य)—परमानंद कृत । वि दर्शनशास्त्र विषयक आठ प्रकार की दृष्टियों का वर्णन ।

प्रा —श्री डूँगर पंडित पनवारी डा रुनकुता (आगरा) ।→३२–५ ए ।

अश्वमेध जैमनीय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाभारतातर्गत राजा युधिष्ठिर के यज्ञ का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३३३।

अश्वमेध पर्व (पद्य)—घनश्यामदास कृत। र० का० स० १८९५। लि० का० स० १६१४। वि० महाभारत के अश्वमेध पर्व का अनुवाद।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–३६ ए।

अश्वविनोद→'शालिहोत्र' (ताराचद या चेतनचद कृत)।

अष्टक (पद्य)—गुलाबलाल (गोस्वामी) कृत। वि० गोस्वामी हित हरिवश जी की स्तुति।
प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–६७।

अष्टक (पद्य)—जमुनादास कृत। लि० का० स० १६६८। वि० राधाकृष्ण की प्रेम क्रीड़ाएँ।
प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मदिर, वृदावन (मथुरा)।→३८–६६।

अष्टक (पद्य)—अन्य नाम 'हिताष्टक'। नागरीदास कृत। वि० हित हरिवश जी की प्रशसा।
प्रा०—गो० युगलवल्लभ राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–११६ ए।

अष्टक (पद्य)—प्रियादास कृत। वि० सेवक जी की गो० हित हरिवश जी के प्रति भक्ति।
प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–१३७ बी।

अष्टक (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। लि० का० स० १६५३। वि० कृष्ण की भक्तवत्सलता।
प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी।→०६–१०० के।
(एक अन्य प्रति बिजावरनरेश के पुस्तकालय में है)।

अष्टक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० गो० हितहरिवश जी की वदना।
प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–१५४ टी।

अष्टक (पद्य)—रसिकमुकुद कृत। वि० राधावल्लभ की वदना।
प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–१५६।

अष्टक (पद्य)—श्रीकृष्णदास कृत। लि० का० स० १६६८। वि० राधाजी की भक्ति।
प्रा०—गो० हितरूपलाल, अधिकारी श्री राधावल्लभ मदिर, वृदावन (मथुरा)।→३८–८३।

अष्टक (पद्य)—सुन्दरदास कृत। लि० का० स० १८३६। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१६३ क।

अष्टक (पद्य)—हरिवशअली कृत। वि० राधाकृष्ण शृगार एव वदना।
प्रा०—प० हृदयराम, अगरवाला, डा० छाता (मथुरा)।→३८–६३।

अष्टयाम (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि राधाकृष्ण की आठ पहर की दिनचर्या ।
(क) लि का सं १८४४ ।
प्रा —बाबू कृष्णबलदेव वर्मा कैसरबाग, लखनऊ ।→ –५१ ।
(ख) लि का सं १८७७ ।
प्रा॰—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज अयोध्या ।→२ –१६ बी ।
(ग) लि का सं १८७७ ।
प्रा –नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२१–८६ ए ।
(घ) लि का सं १८८१ ।
प्रा —पं रेवतीराम शर्मा कन्हवा कोठी डा बारली (आगरा) ।
→२६–८ डी ।
(ङ) लि का सं १८८४ ।
प्रा —पं छोटेलाल शर्मा बाह डा बाह (आगरा) ।→२६–८ ए ।
(च) लि का सं १८८५ ।
प्रा॰—रा चंद्रिकाबख्शसिंह बड़ागाँव डा काकोरी (लखनऊ) ।→२६–८ सी
(छ) लि का सं १९११ ।
प्रा —पं रामाधीन मिश्र नौआबाद डा बाबूपुर (प्रतापगढ़) ।→२१–६५ ए ।
(ज) लि का सं १९४२ ।
प्रा॰—पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज लखनऊ ।→२१–८६ बी ।
(झ) प्रा —पं रामदेव ब्रह्मभट्ट नुनरालामऊ डा बनी (सुलतानपुर) ।
→२१–८६ सी ।
(ञ) प्रा॰—श्री बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→२१–८६ डी ।
(ट) प्रा॰—पं अयोध्याप्रसाद सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर ।
→२१–८६ इ ।
(ठ) प्रा॰—बाबू चंद्रिकाप्रसाद बजाज गणेशगंज लखनऊ ।→२१–८६ एफ ।
(ड) प्रा —श्री रामाज्ञा शर्मा बड़ागाँव डा कमतरी (आगरा) ।
→२६–८ बी ।

अष्टयाम (पद्य)—नाभादास (नारायणदास) कृत । वि रामचंद्रादि चारों भाइयों की
आठ पहर की दिनचर्या ।
(क) लि का सं १८८ ।
प्रा॰—लाला रामाधीन वैद्य वाराबंकी ।→२१–२८७ ए ।
(ख) लि का सं १९ ।
प्रा —पंचावती ठाकुरद्वारा बबुरा (फतेहपुर) ।→२ –१११ ।

अष्टयाम (पद्य)—रसरंगमणि (नारायणप्रसाद) कृत । लि का सं १६१ । वि
श्री रामचंद्र की आठ पहर की दिनचर्या ।
प्रा —पं गुनवारीलाल मिश्र शाहाबाद (हरदोई) ।→१९–१५२ ।

अष्टदेश (भाषा) (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत। वि० राधाकृष्ण शृंगार वर्णन (आठ भाषाओं में)।

प्रा०—बाबू रामनारायण, मिर्जापुर।→ ६–१२६ बी (विवरण अप्राप्त)।

अष्टपदी जोग (ग्रंथ) (पद्य ?)—हरिदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १५७० से सं० १५८० के बीच में। वि० वेदांत।→पं० २२–३७ ए।

अष्टपदी रमनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–१६ डी।

अष्टपदी वनयात्रा (पद्य)—सूरदास कृत। लि० का० सं० १६३० । वि० ब्रज वर्णन।

प्रा०—डा० जगदेवसिंह, मरौंवाँ भवानीतर्गी, डा० मिसरिख (सीतापुर)।→२६–४७१ ए।

अष्टपाहुड ग्रंथ की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १८६७। वि० अष्टपाहुड (दर्शन, सूत्र, चारित्र, बोध, भाव, मोक्ष, लिंग और शील) का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आनूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ क।

(ख) लि० का० सं० १६३७।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आनूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ ख।

(ग) लि० का० सं० १६५६।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आनूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ ग।

(घ) लि० का० सं० १६७२।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आनूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३६ घ।

अष्टमुदरा (?)—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत। →०२–६८ (सात)।

अष्टयाम (पद्य)—अग्रअली कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० राम जानकी की आठ पहर की दिनचर्या।

प्रा०—श्री मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–२।

अष्टयाम (पद्य)—खुमान (मान) कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० सं० १८७८। वि० चरखारी के राजा विक्रमसाहि की दिनचर्या।

प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६–७० जे।

अष्टयाम (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि० सीताराम की आठ पहर की दिनचर्या।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–८३ ए।

अष्टयाम (गद्य)—जीवाराम महंत (युगलप्रिया) कृत। वि० श्री सीताराम की अष्टयाम लीला।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–६० बी।

(घ) लि का सं १६१२।
प्रा —पं विष्णुदत्त (पुत्री महाराज), मौली का तालाब नवाबी (लखनऊ)।
→२६-१७८ ए।

(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-१७८ बी।

अष्टसखागण→ अष्टछाप।

अष्टांगजोग (पद्य)—चरनदास (स्वामी) कृत। वि अष्टांग योग का वर्णन।

(क) लि का सं १८२६।
प्रा —बाबा रामदास बहाँगीरपुर फतेहौली (एटा)।→०६-६५ सी।

(ख) लि का सं १६४१।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।
→०५-१७।

(ग) प्रा —पं रामप्रसाद पुजारी रामेश्वर का मंदिर बुलंदशहर।→
१२-३६ बी।

(घ) प्रा०—पं श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर।→सं ७-८५।

अष्टांगजोगरतन (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सन् १२१६ (?) के लगभग।
वि अष्टांग योग।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -२५१।

अष्टांगजोग साधन विधि→ गोरखबोध (गोरखनाथ कृत)।

अष्टांगयोग (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १०८७। वि कबीरपंथी
मतानुसार अष्टांग योग का वर्णन।
प्रा —काशी हिंदूविश्वविद्यालय का पुस्तकालय वाराणसी।→१५-८६ सी।

अष्टांगयोग (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। वि योगाभ्यास।
प्रा —विद्याधरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-११६ (विवरण अप्राप्त)।

अष्टाक्षरमंत्र की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि पुष्टिमार्गी मंत्रों की
व्याख्या।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-८८६ ग घ।

अष्टादश रहस्य (पद्य)—कृपाराम कृत। र का सं १८ १। वि अठारह प्रकार
के साधु गुरुमहिमा तथा धर्मादि का गुणगान।
प्रा —लाला रामाधीन वैद्य मवाबगंज वाराबंकी।→२३-२०६।

*अष्टावक (गद्य)—मोहन (सहजसनेही) कृत। र का सं १६६७। लि का
सं १७१८। वि तत्वविचार अद्वैत वर्णन, और मायावाद।*
प्रा —भट्ट विद्याधरराव का पुस्तकालय गुलेर (काँगड़ा)।→ ३-८।

अष्टावक (भाषा) (पद्य ?)—अमलानंद (स्वामी) कृत। वि वर्णन। →
पं २२-८ बी।

अष्टयाम (पद्य)—रामगोपाल कृत। लि० का० सं० १८८३। वि० श्री सीताराम की आठ पहर की लीला।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७–१८६।

अष्टयाम (पद्य)—रूपमंजरी कृत। वि० राधाकृष्ण की आठ पहर की लीला।
प्रा०—गो० रणछोड़लाल, मुजफ्फरगंज, मिरजापुर। →०६–२८६।

अष्टयाम (पद्य)—शीलमणि कृत। वि० सीता राम और लक्ष्मण आदि की दिनचर्या।
प्रा०—महंत लक्ष्मणशरणदास, कामकुंज, अयोध्या। →२०–१७७।

अष्टयाम (पद्य)—हरिआचार्य कृत। लि० का० सं० १९०३। वि० सीताराम की दिनचर्या।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–२६२ (विवरण अप्राप्त)।

अष्टयाम (आह्निक) (पद्य)—कृपानिवास कृत। लि० का० सं० १८६८। वि० राम और सीता की दिनचर्या।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया। →०६–२७६ ड (विवरण अप्राप्त)।

अष्टयाम का आह्निक (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १८८७। वि० सीताराम की दिनचर्या।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय, रीवाँ। →००–४३।

अष्टयाम प्रकाश (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० सं० १९१६। वि० बलरामपुर के राजा दिग्विजयसिंह की दिनचर्या आदि विविध विषय।
(क) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, रईस तालुकेदार, सीतापुर। →२६–१४३ ए।
(ख) लि० का० सं० १९२१।
प्रा०—श्री रामसिंह, मकरदा, डा० बेहड़ा (बहराइच)। →२३–१२६।

अष्टयाम समय प्रबंध (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८३०। वि० श्री राधाकृष्ण की सेवा विषयक कृत्यों के आठ पहरों का वर्णन।
प्रा०—पं० भगवतप्रसाद ज्योतिषरत्न, राधाकुंड, मथुरा। →३८–१६४ बी।

अष्टयाम सेवा विधि (पद्य)—अन्य नाम 'हृदयमानसी पूजा'। रामचरणदास कृत। वि० श्री रामचंद्र की सेवा करने की विधि।
(क) लि० का० सं० १८६०।
प्रा०—श्री बच्चनप्रसाद दूबे, बेलवाना, डा० बढेरी (जौनपुर)। → सं० ०४–३२७ ज।
(ख) लि० का० सं० १८६१।
प्रा०—ठाकुरद्वारा, खजुहा, फतेहपुर। →२०–१४५ जी।
(ग) लि० का० सं० १९३०।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)। →०६–२४५ एफ।

अहमदुल्ला—उप   रहस्य। महरिवाबाद निवासी। मुहम्मदशाह के समकालीन। सं १७७९ के लगभग वर्तमान।

रहस्य विलास (पद्य)→१७-१।

अहरावन लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत। लि   का   सं   १९१   । वि अहिरावण की कथा।

प्रा०—पं मेवीराम, जोधपुर डा फरैह (मथुरा)।→१८-१५६ ए।

अहलादास—चंदेसबशी क्षत्री। स्वा जगजीवनदास के भतीजे। कोटवा (बाराबंकी) के निवासी। सं १७२८ के लगभग वर्तमान।

ज्ञानचेटक (पद्य)→सं   १-१२।

बानी या शब्द (पद्य)→सं   ८-१ क।

शब्द सूक्षना (पद्य)→१५-१ सं   ८-१ ग।

अहलादास—अयोध्या से पूर्व महुली राज्यान्तर्गत मलाभम नगर के निवासी। संभवतः महुली के सूर्यवंशी राजा सर्वराज और उनके पुत्र राजा रामशरणबहादुरपाल के आश्रित। सं १८१४ के लगभग वर्तमान।

विचाराम गुणानुवाद (पद्य)→सं   ४-११।

अहलादास—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं १८८४ के लगभग वर्तमान।

सीरप के पंवा (पद्य)→सं   ४-११६।

अहलाद साहब→'अहलादास' (ज्ञानचेटक आदि के रचयिता)।

अहिल्यापूर्व प्रसंग (पद्य)—नरहरिदास (बारहट कृत)। वि गौतम की पत्नी अहिल्या की कथा।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-५ ।

अहोरवा अष्टक (पद्य)—बालदास (महात्मा) कृत। र का० सं १८८९ (लगभग)। लि का सं १९४ । वि अहोरवा देवी की स्तुति।

प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पुरेपरानपांडे डा तिलोई (रायबरेली)। →२९-२४ बी।

आंदोलरहस्य दीपिका (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि का सं १९१ । वि रामजानकी लीला।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी)।→ ९-१३४ आई।

आकाशपंचमी की कथा (पद्य)—खुशालचंद कृत। र का सं १७८५। लि का सं १९९५। वि जैनधर्म की एक कथा।

प्रा —श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२१-२११ ए।

आचार्यजी की बधाई (पद्य)—विविध कवि (हरिजीवन गोपालदास आसकरन आदि) कृत। वि वल्लभाचार्य जी का जन्मोत्सव।

प्रा —स्वा मनीराम वैश्य आन्यौर डा गोवर्धन (मथुरा)।→१५-१ ई।

अष्टावक्र (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अष्टावक्र वेदांत का अनुवाद।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–२१६।

अष्टावक्र (भाषा)→'वेदांत रहस्य' (रचयिता अज्ञात)।

अष्टावक्र गीता (पद्य)—अखंडानंद कृत। र० का० सं० १८६३। वि० राजा जनक और अष्टावक्र का संवाद। ('अष्टावक्र गीता' का अनुवाद)।
प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–५ बी।

अष्टावक्र वेदांत की भाषा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२०। वेदांत।
प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)। →२६–४ (परि० ३)।

अष्टावक्रोक्ति (भाषा) (पद्य)—सदासुख (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० वेदांत।→२०–१७०।

अष्टोत्तर वैष्णव धौल (पद्य)—गहरगोपाल कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय के पुष्टिमार्गी भक्तों के नाम।
प्रा०—श्री कीरतराम हलवाई, शमशाबाद (आगरा)।→३२–५६ डी।

असगरहुसेन—पूरा नाम हकीम शेखमुहम्मद असगरहुसेन। सं० १६३२ के लगभग वर्तमान।
यूनानीसार (गद्य)→२६–१८, २६–१८।

असकंधगिरि (कुँवर)—राजा हिम्मतबहादुर के शिष्य। गोसाँई समाज के संचालक और आचार्य। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।
रसमोदक (पद्य)→०५–३२।

अस्फुट कवित्त (पद्य)—गोपाललाल कृत (संग्रह)। सं० का० सं० १६१२। वि० देव, गिरधर, प्रताप आदि अनेक कवियों द्वारा वर्णित यमुना, रामचंद्र आदि की स्तुतियाँ।→पं० २२–११६ ए।

अस्वपति रिषीसुर—(?)
शालिहोत्र (गद्य)→४१–६।

अहमकसाइ—गुरु का नाम मोहनसाँईं। साँईं मत के अनुयायी।
अरसआशिक गदा (पद्य)→सं० ०४–६।

अहमद—(?)
अहमदी बारहमासी (पद्य)→३२–२।

अहमद→'ताहिर' ('अद्‌भुतविलास' आदि के रचयिता)।

अहमदी बारहमासी (पद्य)—अहमद कृत। वि० विरह मिलन वर्णन।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–२।

आतम प्रभातम (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि अध्यात्म।
प्रा०—गुसाँई रामस्वरूपदास कुटी सठवाँव, डा महानागंबरोड (आजमगढ़)। →र्स १-४९८।

आतमप्रबोध→'आत्मप्रबोध (वेंकटेश स्वामी) कृत।

आतमबोध—गोरखनाथ कृत। गोरखबोध में संग्रहीत।→ २-६१ (पंद्रह)।

आतमबोध→'आत्मबोध (हरिनाम कृत)।

आत्मकर्म (पद्य)—मलूकदास कृत। वि ज्ञान।
(क) लि का सं १६१।
प्रा —पं जयमंगलप्रसाद वाजपेयी रसूलाबादपुरवा (फतेहपुर)।→२ -१२४ ए।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→र्स ४-२ १ क।

आत्मज्ञान (पद्य)—सेवादास कृत। लि का सं १८५६। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४ -२६६ क।

आत्मदर्शन (पद्य)—नाथूराम (जैन) कृत। लि का सं १९८०। वि आत्मज्ञान।
प्रा०—श्री ज्योतिप्रसाद जैन यूनियन मेडिकल स्टोर, कैसरबाग लखनऊ। →र्स ७-१।

आत्मप्रकाश (पद्य)—आत्माराम कृत। मु का सं १९१५। वि वैद्यक।
प्रा —ठा जयरामसिंह सिहिसा डा सेमरी महमूदपुर (सुलतानपुर)। →र्स १-११।

आत्मप्रकाश→'भगवतउल्लास' (दयालनेमि कृत)।

आत्मप्रकाश→'आत्मविचार (प्रकाश) (रघुवरदास कृत)।

आत्मप्रबोध (गद्य)—वेंकटेश (स्वामी) कृत। वि वेदांत।
(क) लि का सं १९५।
प्रा०—विजावरनरेश का पुस्तकालय विजावर।→ ६-१४१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—ठा रघुराजसिंह माथुरसाधीन डा विठवारा (प्रतापगढ़)। →२९-४२४।

आत्मबोध (पद्य)—बनादास कृत। वि आत्मज्ञान और वैराग्य।
प्रा०—पुजारी मोहनदास भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०-११ बी।

आत्मबोध (पद्य)—हरिनाम कृत। वि निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१२ ख।

आत्मबोध टीका (गद्य)—परमानंद कृत। वि आत्मज्ञान।
प्रा —श्री महानंद पांडे वैद्य पंडित का पुरा (गढ़वा), डा हँडिया (इलाहाबाद)।→र्स १-२ १ क।

आत्मविचार→'मायाबोध' (मायाक कृत)।

आचार्यजी की वंशावली (पद्य)—केशवकिशोर कृत। वि० श्रीवल्लभाचार्य जी की वंशावली।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरौली।→सं० ०१-१७।

आचार्यजी की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य जी की वंशावली—जन्मतिथियों के साथ।

प्रा०—पं० केदारनाथ ज्योतिषी, मारूगली, मथुरा।→३५-११०।

आचार्यजी महाप्रभु को स्वरूप→'महाप्रभु को स्वरूप' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता→'महाप्रभून की द्वादश निज वार्ता' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून को निजवार्ता तथा घरूवार्ता→'महाप्रभून की निज वार्ता तथा घरूवार्ता' (हरिराय कृत)।

आचार्यजी महाप्रभून की वंशावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९२१। वि० वल्लभ संप्रदाय के आचार्य महाप्रभुओं की वंशावली।

प्रा०—मथुरा संग्रहालय, मथुरा।→१७-१ (परि० ३)।

आचार्यजी महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता → 'महाप्रभून के सेवक चौरासी वैष्णव की वार्ता' (हरिराय कृत)।

आजम खाँ—आजमगढ के संस्थापक। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के आश्रित। हरिजू मिश्र और सभानंद के आश्रयदाता। सं० १७८६ के लगभग वर्तमान। →०६-११२, ०६-२७०।

शृंगार दर्पण (पद्य)→०६-११।

आजमशाह—बादशाह औरंगजेब के पुत्र। नेवाज कवि के आश्रयदाता। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान।→०३-७५, १७-१२६।

आठप्रहर मूलचेत प्रसंग (भा० १-२) (पद्य)—जुगतानंद कृत। वि० आठ प्रहरों के कृत्यों का वर्णन।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ०१-१३२।

आठों सात्विक (पद्य)—सुखसखी कृत। लि० का० सं० १८५१। राधाकृष्ण के हावभाव।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-३०६ बी।

आतम—मारवाड़ निवासी। सं० १७८१ के पूर्व वर्तमान।→२३-२२।

हरिरस (पद्य)→०२-३६।

आतम (कवि)—गोड़वा ग्राम (हरदोई) के निवासी।

शिवविनय पचीसी (पद्य)→२३-२२।

आत्माराम—महाकाशी (काँगड़ा पंजाब) निवासी। गोविंदराम सौम के मित्र। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।
बिहारी सतसई की टीका (संस्कृत में)→पं० २२-६।

आत्माराम—स्वा० परमहंस के शिष्य। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।→ १-७ २ -२६।
स्वातिग सुमतविन (पद्य)→४१-८।

आत्माराम—संभवतः राजस्थानी।
मरसुराम पद (पद्य)→सं० ४-१२ क।
ब्रजलीला (पद्य)→सं० ४-१२ ख।

आदित्य कथा (पद्य)—भानुकीर्ति कृत। र० का० सं० १६७८। वि० आदित्यवार कथा का विधान और फल।
प्रा०—पं० शिवकुमार उपाध्याय बाह का बाह (आगरा)।→२६-४१।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत रचना को भूल से भाऊ कृत मान लिया गया है।

आदित्य कथा (बड़ी) (पद्य)—भाऊ (कवि) कृत। लि० का० सं० १७६५। वि० सूर्यनारायण के व्रत की कथा।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ ०-११४।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को भूल से गौरी कृत मान लिया गया है।

आदित्यवार कथा (पद्य)—अगरवाल कृत। वि० जैनधर्म की एक कथा।
प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), वाराणसी।→२३-१

आदिनाथ स्तवन (पद्य)—विजयतिलक (उपाध्याय ?) कृत। वि० जैनधर्म का स्तोत्र।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-६१।

आदिनाथ स्तोत्र→ भक्तामर स्तोत्र (भाषा) (हेमराज जैन कृत)।

आदि पर्व→'महाभारत'।

आदिपुराण (पद्य)—जिनेंद्रभूषण कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १९११।
वि० जैन आदिपुराण की कथा।
प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), वाराणसी।→२३-१६१ ए।

आदिपुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन आदिपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबर जैनमंदिर अहियागंज, डालगंज मोहल्ला लखनऊ।→सं० ४-४४६।

आदिपुराण की बालबोध भाषा वचनिका (गद्यपद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८२४। वि० जैन आदिपुराण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→सं० ४-११८ क।

आत्मविचार (प्रकाश) (पद्य)—रघुवरदास कृत । र० का० स० १८०३ । लि० का० स० १८८० । वि० वेदांत ।
प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, विलारा, डा० त्रिसावर (मथुरा) ।→३५–७८ ।

आत्मविचार वैराग (गद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानब्रहोत्तरी' । अमृतलाल कृत । र० का० स० १६०७ । लि० का स० १६२६ । वि० जैनागम के अनुसार मोक्ष के साधन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–५ ।

आत्मसंबंध दर्पण (गद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत । लि० का० स० १६३० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→०६–१३४ ई ।

आत्मानुशासन की भाषा वचनिका (गद्य)—सूमाज (जैन) कृत । लि० का० स० १६६४ । वि० आत्मतत्व ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर,आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–१३२ ।

आत्मानुशासन ग्रंथ की भाषा टीका (गद्य)—टोडरमल कृत । र० का० स० १८१८ । वि० आत्मज्ञान ।
(क) लि० का० स० १८२५ ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१३४ ।
(ख) लि० का० स० १८८२ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→१०–४६ क ।
(ग) लि० का० स० १८६० ।
प्रा०—जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ ।→२६–४८२ ।
(घ) लि० का० स० १६१८ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–४६ ख ।
(ङ) लि० का० स० १६५५ ।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→ स० १०–४६ ग ।
(च) लि० का० स० १६५७ ।
प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–४६ घ ।

आत्माराम—जूनिया नगर के निवासी । इनकी गुरुपरंपरा इस प्रकार है—
दादू > गोरखप्रकाश > वेणीदास > गंगाराम > भगतराम > नारायणदास > दौलतिराम > आत्माराम ।
आत्मप्रकाश (पद्य)→स० ०१–१३ ।

आत्माराम—उप० राम । उज्जैन निवासी । जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के आश्रित । स० १७७१ के लगभग वर्तमान ।
जयसिंह प्रकाश (पद्य)→४१–७ ।

आनंद—अन्य नाम गंगाराम और कृष्णानंद। सारस्वत ब्राह्मण। काशी निवासी। जन्म भूमि दिल्ली। ये पहले दिल्ली से वृंदावन गए। अनंतर काशी में रहने लगे। सं० १८९५ के लगभग वर्तमान।

अर्जुन गीता (पद्य)→सं० १-१४।
आनंदानुभव (पद्य)→ १-१७।
दानलीला (पद्य)→ ६-४ बी।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→ ६-४ सी।
भगवद्गीता (पद्य)→ ६-४ ए।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→२०-७।
रासपंचाध्यायी (पद्य)→४१-९।

आनंद—वास्तविक नाम दुर्गासिंह। विकौलिया (सीतापुर) निवासी। सं० १६१७ के लगभग वर्तमान।

प्रह्लाद चरित्र (पद्य)→२३-१ ६।

आनंद→'सिंधु (कवि)' ('दिनमनि वंशावली गुलकथन' के रचयिता)।
आनंद (आनद)→ नंद और मुकुंद' ('आयनमंकरी सार आदि के रचयिता)।
आनद (कवि)—(?)

आनंद विलास (पद्य)→सं० १-१५ क।
कल्पवली (पद्य)→सं० १-१५ ख।

आनदकिशोर—बेतिया के राजा। रामप्रसाद कविक के आश्रयदाता। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।→२६-३८९।
आनंदकिशोर→'नवलकिशोर (रागमाला के रचयिता)।
आनंदगिरि (स्वामी)—पंजाबी। परिव्राजक स्वामी मलूकगिरि (दीक्षागुरु) के शिष्य। इनके विद्यागुरु पंडितराज मोहनलाल (मोहनगिरि यति) थे। कोई स्वामी आत्मगिरि इनके सहायक थे। सं० १९१५ में वर्तमान।

अलिफनामा (भाषा) (पद्य)→पं० २२-१।
आनंदामृतवर्षिणी (गद्य)→३२-८।
परमानंदप्रकाशिका टीका (गद्य)→सं० १०-५।

आनंदघन—अन्य नाम घनानंद। कायस्थ। जन्म सं० १७१५। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के मीर मुंशी। अंतिम समय में वृंदावन में रहने लगे थे। संभवतः नादिरशाह के आक्रमण में सं० १७९६ में हत। गुरु का नाम हरिदास। रीवाँ नरेश महाराज रघुराजसिंह ने अपने 'भक्तमाल' में इनका वर्णन किया है।

आनंदघन के कवित्त (पद्य)→ —०९ १-१२५ २६-१२ ए, ४१-१ ख।
आनदघनजू की पदावली (पद्य)→२६-१२ बी; दि० ११-६।
इश्कलता (पद्य)→१२-४ए, ३२-७ ए।

(ख) लि० का० स० १६०० ।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।
→स० ०४-१६८ ख ।
(ग) लि० का० स० १६११ ।
प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३-८५ ए ।
(घ) लि० का० स० १६७० ।
प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरपुरनगर ।
→स० १०-६० ख ।

आदिमगल (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० कबीर कृत बीजक की टीका ।
प्रा०—महत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या →०६-३२६ ए ।

आदिरामायण (पद्य)—अन्य नाम 'माधवमधुर रामायण' । माधवदास कृत । लि० का० स० १६०४ । वि० रामचरित्र ।
प्रा०—प० छोटेलाल शर्मा, कचौराघाट (आगरा) ।→२६-२१७ ।

आदिबाणी जुगलसत सिद्धात (पद्य)—श्रीभट्ट कृत । वि० निंबार्क सप्रदायानुसार कृष्णभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२७१ ।

आदिविज्ञान (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अद्वैत दर्शन ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-२ (परि० ३) ।

आदिशक्ति के कवित्त (पद्य)—मोहन (कवि) कृत । वि० आदिशक्ति देवी की स्तुति ।
प्रा०—ठा० रतिभानसिंह, रुस्तमपुरकलाँ, डा० अजगैन (उन्नाव) ।
→२६-३०५ ए ।

आदिसर रेखता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६६७ । वि० जिन भगवान की स्तुति ।
प्रा० – नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३३४ ।
टि०—श्री मुनिकातिसागर के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक सहस्रकीर्ति कृत है ।

आधार (मिश्र)—स० १६०८ के पूर्व वर्तमान ।
धातुमारन विधि (पद्य)→२६-२ ए ।
मदनुस्खफा (गद्य)→२६-२ डी ।
वैद्यक (कठिन रोगों की औषधि) (गद्य)→२६-२ बी ।
वैद्यकजोग सग्रह (गद्यपद्य)→२३-१ ए, बी, सी, २६-३ ए, बी, सी, ४१-४७४ (अप्र०) ।
वैद्यकविलास संग्रह (गद्य)→२६-२ सी ।

आनंददास—निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव।
आनंद विलास (पद्य)→१२-१।
आनंददास—(?)
सुदामाचरित (पद्य)→सं १-१७।
आनंददास परमहंस→'आनंद' ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' के रचयिता)।
आनंदप्रकाश (पद्य)—आनंदसिंह (गुरु) कृत। र का सं १६१४। लि का सं १९१४। वि वैद्यक।
प्रा —श्री रामनाथलाल वाराणसी।→२१-२६।
आनंदमंगल (पद्य)—मनीराम कृत। लि का सं १८२६। वि भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→ ६-२९ (विवरण अप्राप्त)।
(एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।
आनंदमंजरी (पद्य)—रघुवरशरण ? (राम) कृत। लि का सं १८२८। वि भगवती की स्तुति।
प्रा —श्री राधावल्लभ, खेराबाद, डा रानेपुर (उन्नाव)।→२६-३९८।
आनंदमसीह—ये पहले हिंदू थे। सं १८८८ में ईसाई हो गए। इनके अन्य कुटुंबी अपने पहले धर्म में ही रहे। इनके पुत्र ने मंगराज विवरण नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की थी।→ १-४१।
आनंदरघुनंदन नाटक (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि रामचंद्र जी का चरित्र। (ब्रजभाषा का पहला नाटक)।
(क) लि का सं १८८७।
प्रा॰— महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१८।
(ख) लि का सं १९१९।
प्रा —लाला मुन्नीलाल रामप्रसाद कसेरा बाजार नवाबगंज बाराबंकी।→ २१-४४५ बी।
(ग) प्रा॰—पं रामनेत्र मंत्री दरबार टीकमगढ़।→ ६-२४९ बी (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच)।→२१-४४५ ए।
आनंदरस (पद्य)—शीतलसिंह कृत। लि का सं १९४२। वि रामनाम की महिमा।
प्रा॰—भैया मदुनाथसिंह रईस रेहुआ डा बौरी (बहराइच)।→२६-४८७।
आनंदरस कल्पतरु (पद्य)—रामप्रसाद (कवि) कृत। र का सं १८७०। वि नायिकाभेद की भाँति नायक भेद वर्णन।
प्रा॰—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर (गया)।→१६-१८२।
आनंदरसलहरी (पद्य)—रूपनाथ कृत। लि का सं १८७५। वि पिंगल।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→५१-२५१ क।

कवित्त (पद्य)→२६–११५ डी, ४१–४६२ क, ख (अप्र०), स० ०४–१४ क।
कवित्त सग्रह (पद्य)→३२–७ बी, टी।
कृपाकद निबध (पद्य)→०३–६६।
जमुनाजस (पद्य)→४१–१० क।
प्रीतिपावस (पद्य)→१७–८ ए, २६–११५ ए।
वियोगवेलि (पद्य)→१७–८ बी, २६–११५ सी।
वृदावनसत (पद्य)→३२–७ ई।
सुजानविनोद (पद्य)→२३–१४।
सुजानहित (पद्य)→१२–४ बी, २६–११५ बी, स० ०४–१४ ख, ग।
स्फुट कवित्त (पद्य)→३२–७ सी।

आनदघन (मुनि)—जैन साधु।
आनदघन चौबीस स्तवन (पद्य)→४१–११।

आनदघन के कवित्त (पद्य)—आनदघन कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला तथा शृगार।
(क) लि० का० स० १६३६।
प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)→२६–१२ ए।
(ख) प्रा०—पं० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा।→००–७६।
(ग) प्रा०—दातियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१२५ (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–१० ख।

आनदघन चौबीस स्तवन (पद्य)—अन्य नाम 'जिनचौबीसी'। आनदघन (मुनि) कृत। वि० वैराग्य।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–११।

आनदघनजू की पदावली (पद्य)—आनदघन कृत। वि० श्री राधाकृष्ण लीला।
(क) प्रा०—श्री शारदाप्रसाद, सतना।→२६–१२ बी।
(ख) प्रा०—श्री कृष्णगोपाल, दी यग फ्रेंड ऐंड क०, चाँदनी चौक, दिल्ली। →दि० ३१–६।

आनदचद (जैन)—(?)
राजिल पचीसी (पद्य)→स० १०–६।

आनददशा विनोद (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
(क) प्रा०—भारतेंदु हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखबा, वाराणसी।→००–१३ (छोटे छोटे १४ ग्रथों का सग्रह)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर, मिरजापुर।→०६–७३ सी।

आनंदवर्द्धन बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र० का० सं० १८३० ।
वि० राधाकृष्ण लीला तथा भक्ति ।
प्रा०—लाला नानकचंद, मथुरा ।→१७–३४ बी ।

आनंदवद्धिनी (पद्य)—अन्य नाम बानी । फकीरदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १८८५ । वि० ईश्वराराधना के भजन ।
(क) लि० का० सं० १९२७ ।
प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० बेहड़ा (बहराइच) ।→२६–११६ ए ।
(ख) लि० का० सं० १९३४ ।
प्रा०—बाबा रामदास, हरदूपुर, डा० मानपारा (बहराइच) ।→२६–६७ बी ।
(ग) लि० का० सं० १९४ ।
प्रा०—श्री जवाहरदास महंत, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट बेहरा (बहराइच) ।
→२६–१११ ए ।

आनंद विलास (पद्य)—आनंद (कवि) कृत । वि० भक्ति और शृंगार ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→द० १–१५ क ।

आनंद विलास (पद्य)—आनंददास कृत । वि० राधाकृष्ण की लीलायें ।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन, मथुरा ।→१२–१ ।

आनंद विलास (पद्य)—जसवंतसिंह कृत । र० का० सं० १७२४ । वि० वेदांत ।
(क) प्रा०—पं० पूनमचंद, जोधपुर ।→ १–७१ ।
(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ २–१७ ।

आनंद सागर (पद्य)—पूरनप्रताप (खत्री) कृत । र० का० सं० १८२४ । वि० वेदांत (नाटक रूप में) ।
प्रा०—पं० शंभुदयाल अध्यापक, साहिबपुर (बाराबंकी) ।→२३–३२४ ।

आनंद सिंधु (पद्य)—मकरंद कृत । वि० ईश्वर विनय ।
प्रा०—गो० राधाचरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–३ ।

आनंदसिंह (गुरु)—आजमगढ़ निवासी । सं० १९१४ के लगभग वर्तमान ।
आनंदप्रकाश (पद्य)→२३–१९ ।

आनंदसिद्धि—सं० १८८५ के पूर्व वर्तमान ।
प्रश्नसिद्धान (गद्यपद्य)→२६–१४ ।

आनंदांबुनिधि (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १९११ । वि० भागवत का अनुवाद ।
(क) लि० का० सं० १९१८ ।
प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, रमेश पुस्तकालय, कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।
→२६–३७१ ए ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (बनारस) ।→
१–१७ ए ।

आनदराम—स० १७६१ के लगभग वर्तमान।

भगवद्गीता सटीक (गद्यपद्य)→०१–८४, ०६–१२७, १२–५, १७–६ ए, बी, सी, २३–१५ ए, बी, सी, २६–१३, २६–१२ ए से जे तक, स० ०७–६।

आनदराम(अनदराम)—जयपुर निवासी। जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। स० १८७६ के लगभग वर्तमान। विविध कवि कृत 'शकरपचीसी' में भी इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं।→०२–७२ (बारह)।

रामसागर (पद्य)→०१–५६।

आनद रामायण (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० स० १८८०–१८६०। वि० अयोध्याकाड से उत्तरकाड तक की राम कथा।

प्रा०—लाला रामसिंह, कृपालपुर (रीवाँ)।→०१–६।

आनदलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर, मिरजापुर।→०६–७३ डी'।

(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ क (अप्र०)।

आनदलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।

प्रा०—बाबा सतदास, राधावल्लभ का मदिर, वृदावन (मथुरा)।→१२–१५४ डी।

आनदलहरी (पद्य)—कृष्णसिंह कृत। लि० का० स० १७६४। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री ईश्वरीप्रसाद वैद्य, होलीपुरा (आगरा)।→३२–१२६।

आनंदलहरी (पद्य)—केशवगिरि कृत। वि० दुर्गास्तुति।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–१४८।

आनदलहरी (पद्य)—मोहन कृत। लि० का० स० १७८६। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–३०७ क।

आनदलहरी (दशमस्कध भाषा) (पद्य)—रतन कृत। वि० भागवत के दशमस्कध क अनुवाद।

प्रा०—पं० कृष्णलाल, नसीठी, डा० माट (मथुरा)।→३८–१२६।

आनदलाल—कामवन (भरतपुर) निवासी। शोभाराम महाराज के आश्रयदाता →सं० ०१–४२४।

आनदलाल (गोस्वामी)—हित हरिवश जी के वशज। गो० चतुरशिरोमणि के पुत्र प्रवीन कवि के आश्रयदाता।→सं० ०४–२१५।

आनदलाल (नदलाल)–(?)

देवीचरित्र (पद्य)→सं० ०७–७।

(ख) लि का सं १८८५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१४४।
(ग) प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-२२२ क।

आभूषण मंत्र (गद्य)—रामानंद (स्वामी) कृत। वि मंत्र।
प्रा —साह रामदास कुर्मी महेरू, डा बेलाखारा (रायबरेली)।→सं ४-१४६ क।

आयामल्ल—कृष्ण कवि के आश्रयदाता। सं १७९२ के लगभग वर्तमान।
→पं २२-५६।

आयुर्वेद विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा)। लि का सं १६ ७। वि वैद्यक।
प्रा —गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार।→६-२८ बी।
(एक प्रति श्री गौरीशंकर कवि बतिया के पास भी है)।

आरण्यकांड→ रामचरितमानस (गो तुलसीदास कृत)।

आरतमोचन (पद्य)—भगवानदास कृत। र का सं १८८५। वि रामभक्ति।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद बरमपुर डा परशुरामपुर (बस्ती)।→सं ४-२५१।

आरती (पद्य)—कबीरदास कृत। वि गुरु की आरती उतारने की विधि।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→६-१४१ एच।

आरती (पद्य)—गरीबदास कृत। वि ब्रह्मज्ञान।
प्रा —ठा कुलुकसिंह, कुड़ासर डा बलरई (इटावा)।→१५-२०।

आरती (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि का सं १८८५। वि निरंजन की आरती।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१९ ल।

आरती (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। लि का सं १९४८। वि जगजीवनदास के गुरु की आरती।
प्रा —ठा गंगादीन उदरपुर डा बरनापुर (बहराइच)।→११-१७५ सी।

आरती (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि राम तथा अन्य अवतारों की स्तुति।
प्रा —पंचायती ठाकुरद्वारा लखुहा (फतहपुर)।→१ -१९६ सी।

आरती (पद्य)—दत्त जी कृत। लि का सं १८८५। वि निरंजन की आरती।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-७९।

आरती (पद्य)—ललना जी कृत। लि का सं १८८५। वि भगवान की आरती।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१२६ क।

आरती (पद्य)—संतदास कृत। लि का सं १८८५। वि गुरु और भगवान की आरती।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१८८।

आरती जगजीवन (पद्य)—रामबख्श कृत। लि का सं १९४८। वि जगजीवन दास की स्तुति और उनके शिष्यों की नामावली।

आनंदानुभव (पद्य)—आनद कृत। र० का० स० १८४२। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-३७।

आनदामृतवर्षिणी (गद्य)—आनदगिरि कृत। र० का० स० १६१५ (?)। लि० का० स० १६१७ (?)। वि० गीता और वेद का तुलनात्मक ज्ञान।
प्रा०—श्री ओंकारनाथ शर्मा वैद्य, अवैधापुरा, डा० फिरावली (आगरा)। →३२-८।

आनदाष्टक (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११७ झ।
(ख) प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-११७ ञ।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली। स० ०१-१७४ ख।
टि० खो० वि० ४१-११७ ञ की प्रति में 'भजनाष्टक' भी समिलित है।

आनदी (कवि)—(?)
गीत सग्रह (पद्य) →२६-१३।

आनदीदीन (आनदी)—अहमामऊ (लखनऊ) के पास के निवासी। वहीं के जमींदार ठा० जगबहादुरसिंह के मदिर के पुजारी।
प्रार्थना (पद्य)→२६-११ बी।
हनुमतयश (पद्य)→२६-११ ए।

आन्हिक→'अष्टयाम (आन्हिक)' (कृपानिवास कृत)।

आन्हिकतिलक प्रकाश (गद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० स० १६०७। वि० राम के आठो याम के जीवन का वर्णन।
प्रा०—लाल श्रीकठनाथसिंह, घेनुगवॉं (बस्ती)।→स० ०४-३६६।

आपत बत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अमल (अफीम) के अवगुणों का वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३३५।

आबाल चिकित्सा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० बाल चिकित्सा।
प्रा०—प० रेवतीराम चतुर्वेदी, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-३३१।

आभास प्रथम पद को तथा पद (गद्यपद्य)—हित वृदावनदास (चाचा) कृत। वि० वृदावन की शोभा, राधाकृष्ण श्रृगार तथा हित हरिवशजी की वदना।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२५७ क।

आभास रामायण (पद्य)—प्रेमरग कृत। र० का० स० १८५८। वि० वाल्मीकि रामायण के आधार पर रामचरित्र वर्णन।
(क) लि० का० स० १८६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० ०१-२२२ ख।

सुदामाचरित (पद्य)→१६–४ सं १–१८ प ।
स्नामसनेही (पद्य)→१२–६ सं ४–१५ ख ।
आलम (चाँदसुत सैयद)—ब्रज निवासी । पिता का नाम चाँद (?) । संभवतः विक्रम की अठारहवीं शताब्दी के तीसरे या चौथे चरण में वर्तमान ।
संजीवन (वैद्यक) (गद्यपद्य)→१५–३ ।
आलम कवि की कविता (पद्य)—आलम कृत । वि विविध ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ ६–३ ।
आलम के कवित्त (पद्य)—आलम कृत । वि भक्ति और शृंगार ।
(क) प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट बी ए प्राध्यापक, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→२३–६ बी, सी ।
(ख) प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, हाईविन इंस्टीच्यूट मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं ४–२५ क ।
आलमकेलि (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि का सं १८५१ । वि राधाकृष्ण की लीला ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर वाराणसी ।→ १–११ ।
आलुर्मंदार स्तोत्रस्य गूढ़ शब्द दीपिका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । लि का सं १९०६ । वि आलुर्मंदार स्तोत्र की टीका ।
प्रा —पं लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह डा बाह (आगरा) ।→२६–१ एफ ।
आलोचना बत्तीसी (पद्य)—रामवल्लभ कृत । र का सं १९९८ । वि जैन धर्मोपदेश ।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि ३१–७६ ।
आल्हा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि आल्हा और पृथ्वीराज की लड़ाई ।
प्रा —श्री सेवरीराम अध्यक्ष, बरई, डा सौंतिपुर (आगरा) । →२६–११४ ।
आल्हाखंड (पद्य)—अवधबिहारीलाल कृत । वि आल्हा ऊदल की कथा ।
(क) प्रा०—श्री अवधबहादुरलाल प्रतापगढ़ ।→२६–१६ ए ।
(ख) प्रा०—ठा कन्हैयासिंह पनिवागार डा कटरा मेदिनीगंज (प्रतापगढ़) ।→२६–१६ बी ।
आल्हाखंड (पद्य)—इलियट (सी ई) द्वारा संग्रहीत । लि का सं १९३१ । वि आल्हा ऊदल की कथा ।
प्रा —लाला नारायणप्रसाद हलवाई महोना (सीरी) ।→२६–११८ ।
आल्हाखंड (आल्हा निकासी) (पद्य)—हजारीलाल (लाला) कृत । वि आल्हा-ऊदल की कथा ।
प्रा —ठा रामलालसिंह, शेरपुरकलां डा निगोहां (लखनऊ) ।→२६–१५२ ।

प्रा०—ईश्वरी गंगादीन मुराव, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। →२३–३५०।

आरती मंगल संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९२९। वि० भजन संग्रह।

प्रा०—हिंदी साहित्य समिति, भरतपुर।→१७–६ (परि० ३)।

आराधना कथा कोश (पद्य)—बख्तावरमल या रतनलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र और सम्यक तप का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९३७।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–८२ क।

(ख) लि० का० सं० १९५७।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं १०–८२ ख।

आरामचंद्र (पंडित)—काशी निवासी। मनियार कवि गुरुभाव से इनकी सेवा करते थे।→०३–४७।

आर्जा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० फलित एवं गणित ज्योतिष।

प्रा०—श्री गंगाप्रसाद पांडे, अशोकपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ)। → २६–३ (परि० ३)।

आलम—कविता काल सं० १६४०–१६८० तक। ये ब्राह्मण थे। पर शेख नाम की एक रंगरेजिन स्त्री पर आसक्त होने के कारण मुसलमान हो गए। अकबर बादशाह के समकालीन। कुछ लोगों के अनुसार आलम और शेख एक ही हैं।

अकार के कवित्त (पद्य)→सं० ०१–१८ ग।

आलम कवि की कविता (पद्य)→०६–३

आलम के कवित्त (पद्य)→२३–२६ बी, सी, सं० ०४–१५ क।

आलमकेलि (पद्य)→०३–३३।

कविता संग्रह (पद्य)→सं० ०१–१८ ख।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४–१५ ख।

कवित्त चतुःशती (पद्य)→सं० ०१–१८ क।

कवित्त शेखसाँई (पद्य)→सं० ०४–१५ घ।

कवित्त संग्रह (पद्य)→४१–१२।

छप्पय (पद्य)→२३–६ ए।

माधवानल कामकंदला (पद्य)→०४–६, २३–८, २६–८, ४१–४७५ (अप्र०), सं० ०१–१८ ङ, च, छ, ज, झ, ञ, सं० ०४–१५ ङ, च।

रसकवित्त (पद्य)→सं० ०४–१५ ग।

संग्रह (पद्य)→२३–६ डी।

सुदामाचरित्र (पद्य)→१५-४ सं १-१८ च ।

स्यामसनेही (पद्य)→१२-६ सं ४-१५ ख ।

आलम (चाँदसुत सैयद)—ब्रज निवासी । पिता का नाम चाँद (?) । संभवतः विक्रम की अठारहवीं शताब्दी के तीसरे या चौथे चरण में वर्तमान ।

संजीवन (वैद्यक) (गद्यपद्य)→१६-१ ।

आलम कवि की कविता (पद्य)—आलम कृत । वि विविध ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४६-१ ।

आलम के कवित्त (पद्य)—आलम कृत । वि भक्ति और शृंगार ।

(क) प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट बी ए प्राध्यापक लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→२१-६ बी सी ।

(ख) प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, हाइजिन इंस्टीट्यूट, मेडिकल कालेज, लखनऊ ।→सं ४-१५ क ।

आलमकेलि (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि का सं १७५३ । वि राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर, वाराणसी ।→ १-११ ।

आलुर्मदार स्तोत्रस्य गूढ़ शब्द दीपिका (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत । लि का सं १६ ६ । वि आलुर्मदार स्तोत्र की टीका ।

प्रा —पं लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह डा बाह (आगरा) ।→२६-१ एफ ।

आलोयण बत्तीसी (पद्य)—समयसुंदर कृत । र का सं १६६८ । वि जैन धर्मोपदेश ।

प्रा•—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली ।→दि ११-७६ ।

आल्हा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि आल्हा और पृथ्वीराज की लड़ाई ।

प्रा —श्री केसरीराम ब्रह्मभट्ट, बरार, डा सैंतपुर (आगरा) ।→२६-११४ ।

आल्हाखंड (पद्य)—भजनबिहारीलाल कृत । वि आल्हा ऊदल की कथा ।

(क) प्रा•—श्री भजनबहादुरलाल प्रतापगढ़ ।→२६-१६ ए ।

(ख) प्रा•—ठा कलेक्टरसिंह पनिहागार डा कटरा मेदिनीगंज (प्रतापगढ़) ।→२६-१६ बी ।

आल्हाखंड (पद्य)—ललितपद (सी ई) द्वारा संग्रहीत । लि का सं १६१ । वि आल्हा ऊदल की कथा ।

प्रा —लाला नारायणप्रसाद हलवाई, महेवा (खीरी) ।→२६-११८ ।

आल्हाखंड (आल्हा निकासी) (पद्य)—हजारीलाल (लाला) कृत । वि आल्हा ऊदल की कथा ।

प्रा —ठा रामलालसिंह शेरपुरलवल डा निगोहा (लखनऊ) ।→२६-१५२ ।

आल्हाखंड रामायण (पद्य)—ललितप्रसाद कृत। र० का० सं० १९५४। वि० राम कथा।

प्रा०—श्री व्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ।→२६–२६५।

आल्हा भारत (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १९२२। लि० का० सं० १९२३। वि० महाभारत की कथा।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी, दतिया।→०६–७६ ओ।

आल्हा रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १९२२। लि० का० सं० १९३७। वि० रामकथा।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी, दतिया।→०६–७६ एन।

आल्हासिंह—पटियाला नरेश। चंद्रशेखर के आश्रयदाता। सं० १८९२ के लगभग वर्तमान।→०३–१०२।

आशलदीन—रामप्रसाद कथिक के भाई। बेतिया (बिहार) निवासी। सं० १८७७ के लगभग वर्तमान।→२६–३८९।

आशानंद→'लालचदास (हलवाई)' ('हरिचरित्र' के रचयिता)।

आश्चर्य अद्भुत (ग्रंथ) (गद्य)—रामदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री डूँगर पंडित, पनवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–१७६ ए।

आश्रमवासिक पर्व→'महाभारत (भाषा)' (सबलसिंह चौहान कृत)।

आश्रय के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री बिहारीलाल, नई गोकुल (मथुरा)।→३५–११५।

आषाढभूत चरित्र→'आषाढभूत चौपाई' (कनकसोम कृत)।

आषाढभूत चौपाई (पद्य)—अन्य नाम 'आषाढभूत चरित्र'। कनकसोम कृत। र० का० सं० १६३८। वि० आषाढभूत नाम के किसी जैन महापुरुष का चरित्र।

(क) लि० का० सं० १७८२।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२० क।

(ख) लि० का० सं० १८३१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२० ख।

आषाढभूत स्तवन (पद्य)—मुनि (साहब) कृत। वि० किसी आषाढ मुनि की प्रशस्ति।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनीचौक, दिल्ली।→दि० ३१–६०।

आसकरन—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ ०२–१३ (तीन)।

आसन को मंत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विष उतारने के समय का आसन मंत्र।

प्रा०—पं० भीनारायण, भाइरी, डा० शिकोहाबाद, मैनपुरी।→३५–११८।

आसनमंजरी सार (पद्य)—नर शांग गुरु कृत। लि० का० सं० १८२८। वि० कामशास्त्र।

प्रा —लाला शानीराम पटवारी दयानगर डा सिकन्दराराऊ (अलीगढ़)। →२६-११ एच।

आसानंद—उपनाम राजस्थान निवासी। निर्गुन मतावलंबी और सिद्ध संत।
पद (पद्य)→सं १ –७।

आसानदेव—प्रतापशाहि सेंगर (इहार देश असकन्द के राजा) के आश्रित एक प्रसिद्ध कवि। →सं १-१७२।

इंद्रकुमारी (बाई)—चरणदास जी के गुरु की पुत्री। श्यामादासी बाई की बहिन। सं १८१ के लगभग वर्तमान। चरणदास ने इनके पढ़ने के लिये एक ग्रंथ की रचना की थी। →१२-३७।

इंद्रजाल (पद्य)—आनंद (अनंद) कृत। लि का सं १८७५। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं अयोध्याप्रसाद सहायक विद्यालय निरीक्षक बीकानेर। →२३-११ ए।

इंद्रजाल (पद्य)—जीनाराम कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—पं नृसिंह चौबे मोहल्ला गोवर्धनदास का पुरा गाजीपुर। →सं ७-१८।

इंद्रजाल (पद्य)—देवदत्त कृत। वि तंत्र मंत्रादि।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →४१-१ ८।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—राजाराम कृत। वि औषधिशास्त्र (विशेषतः पुंस्त्व चिकित्सा) और तंत्र मंत्र।
प्रा —पं भवानीबख्श डाकघर ना मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। →२३-३३६।

इंद्रजाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार मानीपुर डा तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-६ (परि १)।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—पं श्रीराम चौधरी (आगरा)। →२६-१९ ।

इंद्रजाल (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—पं दीनदयाल द्वारकाप्रसाद मिश्र आगारोड (आगरा)। →२३-३६१।

इंद्रजाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि औषध तंत्र और मंत्र।
प्रा —पं महेशप्रसाद मिश्र सिकन्दरा डा अकबरपुर (इलाहाबाद)। →४१-३३६।

इंद्रजाल (मंत्रावली) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—पं विश्वेश्वरीप्रसाद मिश्र अध्यापक संस्कृत पाठशाला गोवा डा माधोगंज (प्रतापगढ़)। →२९-५ (परि १)।

इंद्रजाल विद्या (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—पं ब्रजलाल मिश्र टीकरनटोला डा महोराबाद (लखनऊ)। →२६-५ (परि ७)।

इद्रजीत—भट्टारक जिनेंद्रभूषण के शिष्य। स० १८४० के लगभग वर्तमान।
उत्तरपुराण (भाषा) (पद्य)→स० ०४–१६।

इद्रजीत—(?)
भजन खिमटा (पद्य)→२०–६१।

इद्रजीतलाल—कायस्थ। टीकमगढ निवासी। प्रयागीलाल के पितामह और माणिकलाल के पिता।→०५–५१।

इद्रजीतसिंह—ओड़छा नरेश मधुकरशाह के कनिष्ठ पुत्र। केशवदास के आश्रयदाता।
→००–५२, ०३–८६, ०६–५८।

इद्रदत्त—(?)
पद सग्रह (पद्य)→४१–१३।

इद्रमती—कवि प्राणनाथ की पत्नी। स० १७०७ के लगभग वर्तमान। इनकी कविताएँ इनके पति के साथ 'पदावली' मे सगृहीत हैं।→०६–२२५।

इद्रावत (पद्य)—नूरमुहम्मद कृत। र० का० स० १७९६। वि० सूफी प्रेम कथा।
(क) लि० का० स० १९५९।
प्रा०—मौलवी अब्दुल्ला, धुनियाटोला, मिरजापुर।→०२–१०९।
(ख) प्रा०—शेख अब्दुलहमीद साहब, चितारा, डा० सुरहन (आजमगढ)।
→स० ०१–१९८।

इद्रावती→'प्राणनाथ' (धमामीपथ के प्रवर्तक)।

इआरी साहब→'यारी साहब' ('यारीसाहब के शब्द' के रचयिता)।

इआरी साहब के शब्द→'यारीसाहब के शब्द' (यारी साहब कृत)।

इकतार की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद मुखिया, फुलरई, डा० बलरई (इटावा)।→३५–४९एन।

इकतालीस शिक्षापत्र टीका→'शिक्षापत्र टीका' (गोपेश्वर कृत)।

इच्छादास—कुशल मिश्र के गुरु। स० १८२६ के लगभग वर्तमान।→१७–१०१।

इच्छागिरि—लायुपुर (गोमती के तीर) के निवासी। अतीथ। बनारसगिरि के नाती। आगरा (अकबराबाद) के पडित डालचद (काव्य गुरु) के शिष्य। बूढा जहानाबाद के सूबा राजउल्लाहीखान के आश्रित। स० १८३७ के लगभग वर्तमान।
कामकला सार (पद्य)→स० ०४–१७।

इच्छागिरि (गोसाईं)—स० १८४८ के लगभग वर्तमान।
शालिहोत्र (पद्य)→०६–१२१ बी।
टि० खो० वि० मे भूल से इन्हें इच्छाराम माना गया है।

इच्छाराम—ब्राह्मण। रामानुज सप्रदाय के वैष्णव। वीरराघव वेदात महागुरु के शिष्य। लखनपुर निवासी। स० १८०२ के लगभग वर्तमान।
गोविंदचद्रिका (पद्य)→०६–१६३ ए, २३–१७१, २६–१५७।

प्रथम प्रेमावली (पद्य)→ ६-१२१ ए।
हनुमंत पचीसी (पद्य)→ ६-२६१ सी।
इच्छाराम—वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
निरपद (नि-पद) (पद्य)→१५-८२।
इच्छाराम—(?)
शालिहोत्र (गद्य)→१७-७५।
इतिहास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि अध्यात्म विचार।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१ (परि १)।
इतिहास (भाषा) (पद्य)—अन्य नाम 'इतिहास समुच्चय' और 'इतिहाससार समुच्चय'।
लालदास (वैश्य) कृत। र का सं १६४३। वि महाभारत (शांतिपर्व) की कथा।
(क) लि का सं १७२३।
प्रा —लाला रामदयाल नेरापुरवा डा सेरी (सीतापुर)।→२६-२६१ ए।
(ख) लि का सं १७४ ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→२ -२६ ४१-५५६ (अप्र)।
(ग) लि का सं १७८५।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-१११।
(घ) लि का सं १८३१।
प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ।→ १-१ ।
(ङ) लि का सं १८७१।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१७६।
इतिहास समुच्चय→'इतिहास (भाषा)' (लालदास वैश्य कृत।)
इतिहाससार समुच्चय→'इतिहास (भाषा) (लालदास वैश्य कृत)।
इमामुद्दीन (शाह)—सैदनपुर (वाराणसी) निवासी फकीर।
आशिकनामा (पद्य)→२१-१७२।
इरशादनामा (गद्यपद्य)—शाह बुरहानउद्दीन जानमाँ कृत। लि का सं १६६५।
वि सूफीमत का प्रतिपादन।
प्रा —डा मुहम्मदहफीज सैयद चैयरमनहाउस इलाहाबाद।→४१-१६६।
इलाहीबख्श—उप रसवामघोल। सं १८८६ में वर्तमान।
अदहमनामा (पद्य)→२६-१८४ ए।
कुरहेव बमबीर (पद्य)→२६-१८४ सी।
रमजाननामा (पद्य)→२६-१८४ डी।
छदापकीरी (पद्य)→२६-१८४ ई।
इमनामा (पद्य)→२६-१८४ बी।

इलियट (सी० ई०)—फरुखाबाद के कलक्टर। आल्हाखंड के संग्रहकर्ता।
आल्हाखंड (पद्य)→२६–११८।

इश्कगर्क (ग्रंथ) (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आइ० टी० कालेज, लखनऊ।
→सं० ०४–२०५ क।

इश्कचमन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८४२।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३–२९०।
(ख) प्रा०—बाबू काशीप्रसाद, चौगवा, वाराणसी।→०१–१३१।

इश्कनामा (पद्य)—अन्य नाम 'बिरही सुभान दंपति विलास'। बोधा (कवि) कृत।
वि० प्रेम।
(क) प्रा०—स्वामी रामवल्लभशरण, सद्गुरुसदन, अयोध्या।→१७–३०।
(ख) प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, कामदकुंज, अयोध्या।→२०–२१।

इश्कपचा (पद्य)—मुसाफिर कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल, मड़ियाहूँ बाजार (जौनपुर)।→
→सं० ०४–३०५।

इश्कमाल (पद्य)—अन्य नाम 'माँझभक्तमाल'। व्रजजीवनदास कृत। वि० भक्तों का माहात्म्य।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→
०६–३४ आई।

इश्करंग (पद्य)—ललनपिया कृत। र० का० सं० १९३०। लि० का० सं० १९४०।
वि० शृंगार।
प्रा०—पं० शिवनारायण, बड़ैला, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–२६४।

इश्कलता (पद्य)—आनंदघन (घनानंद) कृत। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
(क) लि० का० सं० १९००।
प्रा०—श्री रामचंद्र सेनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–७ ए।
(ख) लि० का० सं० १९०६।
प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर।→१२–४ ए।

इश्कलतिका (पद्य)—शीलमणि कृत। लि० का० सं० १९०१। वि० श्री सीताराम की शोभा और प्रेम।
प्रा०—बाबू रामसुंदरसिंह जमींदार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१७१।

इश्कशतक (पद्य)—बख्तसिंह (राजा) कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२२८।

इश्कचमन पचीसी (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि भक्ति और ज्ञान।
　　प्रा०—लाला नानकचंद मथुरा।→१७-१४ एच।
इसरदास→ईश्वरदास ('अंगदपैज' आदि के रचयिता)।
ईसुफपुराण→अंयुसिपुराण (कनाथ साहब कृत)।
ईश—(?)
　　शिवर्शतिका स्तोत्र (पद्य)→सं १-२।
ईश (कवि)—अन्य नाम श्यंकरेश। गोकुल निवासी तैलंग ब्राह्मण मोहन भट्ट के पुत्र। वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी और संभवतः उक्त संप्रदाय के गोस्वामीवर महाराज के शिष्य। सं १८७५ के लगभग वर्तमान।
　　महामहोत्सव (पद्य)→३२ ६ सं १-११।
ईशुप्रभ प्रकाश (पद्य)—कृष्ण (कवि) कृत। वि इश्क रस का विवेचन।
　　प्रा —पं प्रभुदयाल शर्मा दर्शनप्रेस, इटावा।→३८-८४ बयू।
ईश्वर (कवि)—परियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह और धौलपुर के महाराजा भगवंतसिंह के आश्रित। सं १९११-३ के लगभग वर्तमान।
　　अलंकार (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-११७ए, सं १-२४।
　　नरेंद्रभूषण (पद्य)→पं २२-११७बी।
　　भक्तिरत्नमाला (पद्य)→२६-१५८ ए, बी।
　　मनप्रबोध (पद्य)→२६-१५८ सी।
ईश्वरदास—अन्य नाम इसरदास। दिल्ली के आसपास योगिनीपुर के निवासी। शाह सिकंदरलोदी (सं १५४६-७४ वि) के समकालीन।
　　अंगदपैज (पद्य)→सं १-२१।
　　भरतविलास (पद्य)→२१-१७१ २६-१८५ ए, सं १-२१ क, ख ग घ सं १-१४१ घ ङ च ई ४-१८ क ख ग सं ४-१४६।
　　सत्यवती कथा (पद्य)→सं १-२२।
ईश्वरदास—खरे सक्सेना कायस्थ। पिता का नाम लोकमणिदास। निवास स्थान आगरा। सं १७५९ में वर्तमान। प्रस्तुत ग्रंथ गोपाचल (ग्वालियर) में निर्मित।
　　मरफत विचार (पद्य)→२६-१५६।
ईश्वरदास—अन्य नाम संभवतः रामप्रसाद।
　　महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→२६-१८५।
ईश्वरदास (गोसाँई)—सं १६११ के पूर्व वर्तमान।
　　युधिष्ठिर यज्ञ (पद्य)→सं ४-१६।
ईश्वरदास (गढ़वी)→ईसरदास (गढ़वी) ('गुणहरीरस' के रचयिता)।
ईश्वरनाथ—सं १६११ के पूर्व वर्तमान।
　　सत्यनारायण की कथा (पद्य)→२६-१६०।

ईश्वरनाथ (गर्ग)—सरेठी निवासी। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।
रणभूषण (पद्य)→२३–१७४।

ईश्वर पच्चीसी (पद्य)—अन्य नाम 'कलि पच्चीसी'। पद्माकर कृत। वि० ईश्वर वंदना।
(क) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—मु० देवीप्रसाद, जोधपुर। →०१–८५।
(ख) लि० का० सं० १९७६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–५१२ (अप्र०)।

ईश्वरपार्वती संवाद (मूलस्तंभ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सृष्टि की उत्पत्ति और प्रलय का वर्णन।
प्रा०—पं० रघुवरदयाल, दलेलनगर (इटावा)।→३८–१७५।

ईश्वरसेवा सिद्धांत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० माध्व संप्रदाय की सेवा विधि।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–३३७।

ईश्वरीप्रसाद (त्रिपाठी)—कश्यप गोत्रीय ब्राह्मण। पीरनगर (लखनऊ ?) के निवासी। सं० १९१६ के लगभग वर्तमान।
रामविलास रामायण (पद्य)→२६–१८६, २६–१६१ ए से डी तक।

ईश्वरीप्रसाद (बोहरे)—धौलपुर निवासी।
मदनविनोद निघंटु (गद्य)→३२–६२ ए।
वैद्यजीवन (गद्य)→३२–६२ बी।

ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह (महाराज)—काशी नरेश। राज्यकाल सं० १८६२–१९४६। काष्ठजिह्वा स्वामी (देव) के शिष्य। सरदार कवि, वंदन पाठक, गणेशप्रसाद और दर्शनलाल के आश्रयदाता। इन्हीं के कहने से महाराज रघुराजसिंह ने 'रामस्वयंवर' की रचना की थी।→०१–७, ०१–१४, ०३–६२, ०६–१७६, ०६–५६, ०६–८३, ०६–२८३, २०–१७४, २०–२०१, २६–६७।

ईसख (मिरजा)—साहि सहरुल के वंश में निजामत खाँ के पुत्र। वासुदेव ब्राह्मण के शिष्य। सं० १८५६ के पूर्व वर्तमान।
ईसख प्रकाश (पद्य)→३८–६७।

ईसख प्रकाश (पद्य)—ईसख (मिरजा) कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० सामुद्रिक।
प्रा०—पं० हनुमानप्रसाद, नेरा, डा० बलदेव (मथुरा)।→३८–६७।

ईसरदास (गढवी)—पीतांबरदास के शिष्य।
गुणहरीरस (पद्य)→३२–६१ ए, बी।
टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये चारण थे तथा रोहड़िया शाखा से संबद्ध थे। जोधपुर के समीप भाद्रेस के निवासी थे। इनका जन्म सं० १५६५ में हुआ था और मृत्यु सं० १६७५ में। चालीस वर्ष तक ये जामनगर में रहे थे और वहाँ के राज परिवार से इन्हें यथेष्ट सम्मान भी मिला था। ये परम भगवद्भक्त कवि थे।

ईसवी खाँ (नवाब)—नरवर (ग्वालियर) के राजा छत्रसिंह के आश्रित। सं १८ ६ के लगभग वर्तमान।
रसचंद्रिका (गद्यपद्य)→४१-१४ क, ख; सं ४-२ ।

ईसाधर्म वर्णन सार (पद्य)—केवलकृष्ण कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं मनदेव शर्मा कुरावली (मैनपुरी)।→१८-८४ पी।

ईश्वरनंद—(?)
बानी (पद्य)→सं ७-८।

उग्र→ नारायणदास (रामाश्वमेध के रचयिता)।

उग्रगीता (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ब्रह्मज्ञान।
(क) लि का सं १८३६।
प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ९-१७० एच (विवरण अप्राप्त)।
(ख) लि का सं १८७१।
प्रा०—श्रीमती महंतिन लक्ष्मणदासी बाबा मनसाराम की कुटी, डा बनोसरगाँव (सुलतानपुर)।→२१-१९८ पी।
(ग) लि का सं १९ ६।
प्रा —लाला गयादीन कहँदू गुलामअलीपुरा (बहराइच)।→२१-१९८ क्यू।
(घ) प्रा —पं कृपानारायण शुक्ल मुंशीगंज कटरा डा मलीहाबाद (लखनऊ)।→२६-२१४ ई।
(ङ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-४७७ ख (अप्र)।

उग्रज्ञान (पद्य)—जगजीवन (स्वामी) कृत। र का सं १८११। लि का सं १९४ । वि भक्ति और ज्ञान।
प्रा —महंत गुरुप्रसाददास हरिगाँव डा बनोसरगाँव (सुलतानपुर)।
→२६-१९२ के।

उग्रज्ञान मूलसिद्धांत दशमात्रा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १९१८। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत जगन्नाथदास मक्त (छतरपुर)।→ ९-१७० एल (विवरण अप्राप्त)।

उछबमाला→ उत्सवमाला (नागरीदास कृत)।

उजागर प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९११। वि ज्ञान और भक्ति।
प्रा०—श्री भोलानाथ (मौरेलाल) ज्योतिषी बाबा (फतेहपुर)।
→सं १-४९६।

उजियारेलाल—सनाढ्य ब्राह्मण। वृंदावन निवासी। नवलशाह के पुत्र और नंदलाल के पौत्र। सं० १८३७ के लगभग वर्तमान।
गंगालहरी (पद्य)→१७–१६६।
जुगल प्रकाश (पद्य)→१२–२२४।

उड्डुदाय प्रदीप→'पाराशरी जातक' (परमसुख दैवज्ञ कृत)।

उड्डीस (गद्य)—वीरभद्र कृत। वि० तंत्र मंत्र।
प्रा०—पं० श्यामचरण ज्योतिषी, करौंदिया, डा० हलिया (मिरजापुर)।→२६–४६७।

उड्डीसतंत्र (गद्य)—नित्यनाथ कृत। वि० तंत्र मंत्र।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—श्री रतनसिंह, मनी, डा० किरावली (आगरा)।→२६–२५५ ई।
(ख) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० नत्थीभट्ट, गोवर्द्धन (मथुरा)।→१७–१२६।
(ग) प्रा०—ठा० सूरजबख्शसिंह, कठघर (रायबरेली)।→सं० ०४–१६२।

उड्डदाय प्रदीप→'पारासरी (भाषा)' (हनुमंत कवि कृत)।

उत्कंठामाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० केदारनाथ पाठक, वलेजलीगंज, मिरजापुर।→०२–१०४ (चार)।
टि० प्रस्तुत पुस्तक के साथ अन्य संगृहीत पुस्तकें हैं—१ श्री राधारमनविहार माधुरी, २ भँवरगीत, ३ बंसीबटविलास माधुरी, ४ वृंदावनकेलि–माधुरी, ५ वृंदावनविहार माधुरी, ६ दानमाधुरी, ७ मानमाधुरी, ८ संग्रह।

उत्कंठा माधुरी (पद्य)—हित चंदलाल कृत। र० का० सं० १८३५। वि० राधाकृष्ण का विहार।
(क) प्रा०—गो० गिरधारीलाल, झाँसी।→०६–४३ बी।
(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)।→१२–३५ एफ।

उत्तमकाव्य प्रकाश (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'उत्तमव्यंग्य काव्य प्रकाश' और 'ध्वनि प्रकाश'। विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० व्यंग्य काव्य।
(क) लि० का० सं० १८६५।
प्रा०—बकसी गयाप्रसाद, उपरहटी, रीवाँ। →सं० १०–१२२।
(ख) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–५३।

उत्तमचंद—राजा दिलीपसिंह के आश्रित। सं० १७६० के लगभग वर्तमान।
दिलीपरंजिनी (पद्य)→१७–२०१।

उत्तमचंद—श्रीवास्तव कायस्थ। रामप्रसाद के पिता। सतपुरा (दिल्ली) निवासी। सं० १७७६ के पूर्व वर्तमान।→१७–१५४।

रतनचंद (भंडारी)—जन्म सं १८११। मृत्यु सं १८६४। राजा मानसिंह (?) और जोधपुर नरेश महाराज भीमसिंह (?) के मंत्री।
अलंकार आशय (गद्यपद्य)→ २-१८।
नाममंद्रिका (पद्य)→ १-६६।
टि रचयिता की तीन पुस्तकें और हैं—तारकतत्व नीति की बात तथा रतना (रत्न) हमीर की बात।→ १-६६ २-१८।

रतनचरित्र (पद्य)—अन्य नाम दुर्गापाठ (भाषा) और 'सुंदरीचरित्र'। अक्षर अनन्य कृत। वि दुर्गासप्तशती का अनुवाद।
(क) लि का सं १८६४।
प्रा०—पं केदारनाथ संस्कृताध्यापक सनातनधर्म उच्चतरमाध्यमिक विद्यालय मुजफ्फरनगर।→सं १-२।
(ख) लि का सं १८७।
प्रा —बाबा वैजनाथदास रामनगर डा नाखेड़ा (एटा)।→२१-७ आई।
(ग) लि का सं १८९।
प्रा —पं भगवतीप्रसाद चंदेरमा डा भेरीघाट (बहराइच)।→२१-७ डी।
(घ) लि का सं १९१४।
प्रा —ठा रामसिंह रघुनाथपुर डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२१-७ई।
(ङ) लि का सं १९१७।
प्रा —ठा जगदेवसिंह गुर्वाली डा बाढ़ी (बहराइच)।
→२१-७ एफ।
(च) लि का सं १९११।
प्रा —महंत ज्ञानदत्त मिश्र शंकरपुर डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-१४ ए।
(छ) लि का सं १९५१।
प्रा०—लाला हरलाल चौकी नवीत बरसारी।→ ६-२ एच।
(ज) लि का सं १९५१।
प्रा —श्री बनारिसलाल पेशकार दरबार बरसाती बरगारी।→२६-१४ बी।
(झ) प्रा —पं मनोहरानंद तिवारी कौंवा (उन्नाव)।→२१-७ बी।
(ञ) प्रा —श्री लाला श्री कंठनाथसिंह चेनुगावाँ (बस्ती)।→सं ८-१ ग।

रतनदास—अन्य नाम उमरावसिंह। जाति के कायस्थ। पिता का नाम धनिलाल वा धनपति जो कवि थे। बराऊँ (बेरामऊ) में अगरिया नगरी के निवासी। छोटे *भाई का नाम कंवरराय। सं १९ ४ के लगभग वर्तमान।*
सुंदरमहोदधि पिंगल (गद्यपद्य)→सं ८-११।

रतनदास—(?)
सामुद्रिक (पद्य)→२-२।
को सं वि ११ (११ -१४)

उत्तमदाम (मिश्र)—हीरामणि मिश्र के पुत्र।
शालिहोत्र (पद्य)→०६–३८० बी।
स्वरोदय (पद्य)→०६–३८० ए।

उत्तमनीति चंद्रिका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'ध्रुवाष्टक' और 'ध्रुवाष्टक नीति'। विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० रचयिता के आचार और नीति संबंधी 'ध्रुवाष्टक' ग्रंथ की विस्तृत व्याख्या।
(क) लि० का० सं० १६०८।
प्रा०—राय साहब बहादुर, चरखारी।→०६–२४६ ए (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (स्टेट एकाउंटेंट), छतरपुर।
→०६–२४६ टी (विवरण अप्राप्त)।

उत्तममंजरी (पद्य)—जगतसिंह कृत। वि० 'बिहारी सतसई' के १८ दोहों की टीका।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३–१७६ ओ।

उत्तम व्यंग्य काव्य प्रकाश→'उत्तम काव्य प्रकाश' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत)।

उत्तम सबदा (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ जे।

उत्तरकांड→'रामचरितमानस' (गो० तुलसीदास कृत)।

उत्तरपुराण (पद्य)—खुशालचंद (खुस्याल) कृत। र० का० सं० १७६६। वि० जैन उत्तरपुराण (राम कथा) का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–५८ ख।
(ख) लि० का० सं० १८८२।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–२० क।
(ग) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।
→सं० ०१–१८ क।

उत्तरपुराण (पद्य)—देवदत्त (कवि) कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० जैन उत्तरपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबरजैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–१६४।

उत्तरपुराण (भाषा) (पद्य)—इंद्रजीत कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १८६७। वि० जैन उत्तरपुराण का अनुवाद।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं० ०४–१६।

उत्थापन पचीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६७। वि विविध कवियों का संग्रह।

प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर।→१७-१ २ (परि १)।

उत्पत्ति अगाधबोध (पद्य)—प्रेम कृत। लि का सं १८५१। वि ब्रह्मज्ञान और वैराग्य आदि।

प्रा —श्री मदोशीलाल स्वर्णकार माट (मथुरा)।→१२-१६६।

उत्पत्ति अद्वैत ज्ञान (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि का सं १८१८। वि ब्रह्मज्ञान।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी।→१५-२६ बी।

उत्पलारण्य माहात्म्य→ 'ब्रह्मावर्त माहात्म्य' (शिवदत्त रामप्रसाद कृत)।

उत्सव के पद (पद्य) विविध कवि (सूरदास आदि) कृत। वि कृष्णलीला राम नवमी और रथयात्रा आदि का वर्णन।

प्रा —श्री महामसूजी की बैठक चंद्रसरोवर, डा गोवर्धन (मथुरा)। →१५-१११।

उत्सव के प्रकार (गद्यपद्य)—गोविंद द्वारा संगृहीत। वि वैष्णव संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉंकरोली।→सं १-६५।

उत्सव निर्णय (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि पुष्टिमार्ग के सिद्धांतानुसार उत्सवों का वर्णन।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉंकरोली।→सं १-२ ७ ड।

उत्सव प्रणालिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९११। वि वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-११८।

उत्सव मल्लिमाला (पद्य)—रूपरसिक कृत। वि बसंत होली वर्षा राधाकृष्ण विवाह आदि का वर्णन।

प्रा॰—पं हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश' श्रीकृष्ण औषधालय डीग (मथुरा)। →१८-२११ बी।

उत्सवमाला (पद्य)—अन्य नाम 'उत्सवमाला'। नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। लि का सं १९०१। वि कृष्ण लीला।

प्रा॰—बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ १-११२ ४१-५ ६ (भ्रम)

उत्सवमाला (पद्य)—विविध कवियों (सूरदास कृष्णदास विहारिनदास नागरीदास रूपरसिक, और रूपलालहित आदि) की कृतियों का संग्रह। वि कृष्णचरित्र विषयक साँझी होली और रासोत्सव आदि।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१-४४० (अप्र०)।

उत्सव मालिका (पद्य) - विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० वर्ष भर के कृष्णोत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री प्रभूदयाल कीर्तनिया, तुलसी चबूतरा, मथुरा।→३५-३१४।

उत्सव मालिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३४०।

उत्सव मालिका (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सेवाभाव और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२०७ क।

उत्सव मालिका और सेवा प्रकार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सव और सेवा प्रकार का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३३६।

उत्सव मालिका श्री विट्ठलेश्वररायजी के घर की (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५००।

उत्सव विधान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदायांतर्गत वर्षोत्सव।

प्रा०—श्री रामस्वरूप पटवारी, बरौली, डा० बलदेव (मथुरा)।→३५-३१५।

उत्सवसेवा प्रणाली (उत्सव निर्णय सहित) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांतानुसार उत्सव और सेवाभाव का वर्णन।

(क) प्रा० श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-१३६ए।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२०७ ख।

उत्सवावली (गद्यपद्य)—रसिकगोविंद कृत। लि० का० सं० १६४०। वि० चैतन्य महाप्रभु के शिष्यों और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—पं० प्यारेलाल, नीवगाँव, डा० आयराखेड़ा (मथुरा)।→३५-३१।

उदय (?)—उदयपुर निवासी। सं० १७२५ के लगभग वर्तमान।

ककावली (पद्य)→४१-१५।

उदय (?)—सं० १७३६ के पूर्व वर्तमान।

ज्ञानबत्तीसी (पद्य)→३८-१५५।

उदय—(?)

रामरघुनाथ स्तोत्र (पद्य)→सं० ०१-२६।

उदय→'उदयनाथ' (कवींद्र)' ('रसचंद्रोदय' के रचयिता)।

उदय (कवि)—पूरा नाम उदयराम। वैश्य। व्रज निवासी। सं० १८५२ में वर्तमान। उदयनाथ कवींद्र से भिन्न। स्व० श्री गयाशंकरजी याज्ञिक के अनुसार 'नंददास जड़िया तो उदय पालसिया'।

अघासुरमारन लीला (पद्य)→१२-२२१ ए।
अहरावन लीला (पद्य)→१८-१५६ ए।
उदय ग्रंथावली (पद्य)→१५-१ २ बी।
कृष्ण परीक्षा (पद्य)→१५-१ २ ए।
गिरवरधर लीला (पद्य)→१२-२२१ बी।
गिरधर विलास (पद्य)→१२-२२१ ई।
चीरचिंतामणि (पद्य)→१२-२२१ सी।
चीरहरन लीला (पद्य)→१५-१ २ सी।
चोरमिहचनी (पद्य)→१८-१५६ बी।
जुगलगीत (पद्य)→१२-२२१ डी।
फागलीला (पद्य)→ ०-६८ ६-२ डी १२-२२१ एफ।
दानलीला (पद्य)→१२-२२१ जी।
दामोदरलीला (पद्य)→सं ?-२५।
मोहनीमाला (पद्य)→१२-२२१ एच।
रामकरुना नाटक (पद्य)→१२-२२१ आइ जे, के।
बंशी विलास (पद्य)→१ -२२१ श्रो।
सुमरखर्मगाथे (पद्य)→१२-२२१ एल।
सुमिरनसिंगार (पद्य)→१२-२२१ एम।
स्वामसगाई (पद्य)→१२-२२१ एन।
हनुमान नाटक (पद्य)→१५-१ २ डी।

उदय ग्रंथावली (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। र का सं १८५२। लि लेखक के कृष्ण प्रतीत परीक्षा रामकरुना और दानलीला ग्रंथों का संग्रह। प्रा०—पं इंद्र मिश्र ब्रह्मपुरी डा कोसीकलाँ (मथुरा)।→१५-? २ बी।

उदयचंद (चौबे)—आगरा निवासी। सं १८१ के लगभग वर्तमान।
रसरोवर (पद्य)→२३-४१४।

उदयनाथ—नमिसार या रहीमी (सीतापुर) के निवासी। सं १८४१ के लगभग वर्तमान।
शकुनविलास (पद्य)→१२-१६१ २३-४३१ २६-४८६।

उदयनाथ (कवींद्र)—उप उदय। त्रिवेदी ब्राह्मण के आश्रय। बनपुरा (दोआब) निवासी। सं १७०० के लगभग वर्तमान। कालिदास त्रिवेदी के पुत्र और दूलह कवि के पिता। अमेठी नरेश गुरुदत्तसिंह के आश्रित।
कुरपचीसी (पद्य)→१७-१६८।
रसचंद्रोदय (पद्य)→ १-४२ १-११८; ४-२८ ०५-१; ६-२४१; १२-१८२ २३-६ ही २३-४१५ ए, बी।

प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१-४४• (अप्र०)।

उत्सव मालिका (पद्य) - विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० वर्ष भर के कृष्णोत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री प्रभूदयाल कीर्तनिया, तुलसी चबूतरा, मथुरा।→३५-३१४।

उत्सव मालिका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३४०।

उत्सव मालिका (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सेवाभाव और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२०७ क।

उत्सव मालिका और सेवा प्रकार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सव और सेवा प्रकार का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३३९।

उत्सव मालिका श्री विट्ठलेश्वररायजी के घर की (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५००।

उत्सव विधान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदायांतर्गत वर्षोत्सव।

प्रा०—श्री रामस्वरूप पटवारी, बरौली, डा० बलदेव (मथुरा)।→३५-३१५।

उत्सवसेवा प्रणाली (उत्सव निर्णय सहित) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांतानुसार उत्सव और सेवाभाव का वर्णन।

(क) प्रा० श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२-१३९ए।

(ख) प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२०७ च।

उत्सवावली (गद्यपद्य)—रसिकगोविंद कृत। लि० का० सं० १९४०। वि० चैतन्य महाप्रभु के शिष्यों और उत्सवों का वर्णन।

प्रा०—पं० प्यारेलाल, नीवगाँव, डा० आयराखेड़ा (मथुरा)।→३५-३१।

उदय (?)—उदयपुर निवासी। सं० १७२५ के लगभग वर्तमान।

ककावली (पद्य)→४१-१५।

उदय (?)—सं० १७३९ के पूर्व वर्तमान।

ज्ञानबत्तीसी (पद्य)→३८-१५५।

उदय—(?)

रामरघुनाथ स्तोत्र (पद्य)→सं० ०१-२६।

उदय→'उदयनाथ' (कवींद्र)' ('रसचंद्रोदय' के रचयिता)।

उदय (कवि)—पूरा नाम उदयराम। वैश्य। ब्रज निवासी। सं० १८५२ में वर्तमान। उदयनाथ कवींद्र से भिन्न। स्व० श्री गयाशंकरजी याज्ञिक के अनुसार 'नंददास जड़िया तो उदय पालसिया'।

अघासुरमारन लीला (पद्य)→१२-२२१ ए।
अहरावन लीला (पद्य)→१८-१५६ ए।
उदय ग्रंथावली (पद्य)→१५-१ २ बी।
कृष्ण परीक्षा (पद्य)→१५-१ २ ए।
गिरधरधर लीला (पद्य)→१२-२२१ डी।
गिरधर विलास (पद्य)→१२-२२१ ई।
चीरचिंतामणि (पद्य)→१२-२२१ बी।
चीरहरन लीला (पद्य)→१५-१ २ सी।
चोरमिहचनी (पद्य)→१८-१५६ बी।
जुगलगीत (पद्य)→१२-२२१ जी।
जोगलीला (पद्य)→ -८८; ६-२ डी १२-२२१ एफ।
दानलीला (पद्य)→१२-२२१ सी।
दामोदरलीला (पद्य)→सं १-२५।
मोहनीमाला (पद्य)→१२-२२१ एच।
रामकरुना नाटक (पद्य)→१२-२२१ आइ जे के।
बंसी विलास (पद्य)→१ -२२१ ओ।
सुमरणमंगलो (पद्य)→१२-२२१ एल।
सुमिरनसिंगार (पद्य)→१२-२२१ एम।
स्यामसगाई (पद्य)→१२-२२१ एन।
हनुमान नाटक (पद्य)→१५-१ २ डी।

उदय ग्रंथावली (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। र का सं १८५२। लि
    लेखक के 'कृष्ण प्रतीत परीक्षा' रामकरुना और दानलीला ग्रंथों का संग्रह।
    प्रा०—पं हेर मिस्र ब्रह्मपुरी डा कोसीकलाँ (मथुरा)।→१५-१ २ बी।

उदयचंद (चौबे)—आगरा निवासी। सं १८३ के लगभग वर्तमान।
    स्वरोदय (पद्य)→२१-४१४।

उदयनाथ—नमिसार या रठौली (सीतापुर) के निवासी। सं १८४१ के लगभग
    वर्तमान।
    सगुनविलास (पद्य)→१२-१११ २१-४१६ २६-४८६।

उदयनाथ (कवींद्र)—उप उदय। त्रिवेदी ब्राह्मण के आश्रय। बनपुरा (दोआब)
    निवासी। सं १७७० के लगभग वर्तमान। कालिदास त्रिवेदी के पुत्र और दूलह
    कवि के पिता। अमेठी नरेश गुरुदत्तसिंह के आश्रित।
    जुगलचौसी (पद्य)→१७-१९८।
    रसचंद्रोदय (पद्य)→ १-८२ १-११८; ०४-१८; ०५-१ १-२४१
    १२-१९२; २१-१ सी; २१-४१५ ए, बी।

उदयराज—जैन। सोनागिरि (?) के राजा उदयसिंह चौहान के आश्रित। 'राजस्थान मे हिंदी क हस्तलिखित ग्रथा की खोज' (द्वितीय भाग, पृ० १४२) के अनुसार जन्म स० १६३१, पिता का नाम भद्रसार, माता का नाम हरगा, भाई सूरचद, निवास स्थान जोधपुर और पुत्र का नाम सूदन। स० १६७६ के लगभग वर्तमान।

उदैराज दोहावली (पद्य)→४१-१६।

गुण बावनी (पद्य)→४१-१७।

उदयराज—(?)

भगवद्गीता (भाषा) (पद्य)→२६-४८७।

उदयराज—छोटेलाल के भाई।→स० ०४-१०४।

उदयराम→'उदय (कवि), ('अघासुरमारन लीला' आदि के रचयिता)।

उदयसिंह—फलेस्वर (गोरखपुर) क राजा। स० १६२८ के पूर्व वर्तमान। →स० ०१-४८।

उदादास—गोरखनाथ की शिक्षाओ से प्रभावित उनके 'चेला' और 'हुकुमी बच्चा'। साध सप्रदायमाला के अनुसार कबीर के अवतार जो बिजेसर (नारनौल, दिल्ली के पास) मे उदादास नाम से प्रसिद्ध हुए। 'मालिक' के 'हुकुम' और 'सदेशवाहक' के रूप मे भी ख्यात।

नौनिधि (पद्य)→स० ०७-६ क, ख, ग, घ।

उदाहरण मजरी (गद्यपद्य)—लल्लूभाई कृत। र० का० स० १८३३। वि० अलकार ('भाषाभूषण' में वर्णित अलकारो से उदाहृत)।

(क) लि० का० स० १८३६।

प्रा०—श्री अद्वैतचरण गोस्वामी, राधारमण घेरा, वृंदावन (मथुरा)। →२६-२११।

(ख) लि० का० स० १८४०।

प्रा०-प० चुन्नीलाल वैद्य, दढपाणि का गली, वाराणसी।→०६-१७३।

उदितकीर्ति प्रकाश (पद्य)—व्रजलाल (भट्ट) कृत। र० का० स० १८७६। वि० काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६३। (कवि की हस्तलिखित प्रति)।

उदितनारायणसिंह (महाराज)—अन्य नाम उदितप्रकाशसिंह। काशी नरेश। राज्यकाल स० १८४२-१८६२। महाराज बरिबडसिंह के पुत्र। गोकुलनाथ, मणिदेव भट्ट, गोपीनाथ, ब्रह्मदत्त, व्रजलाल और रामसहायदास के आश्रयदाता।→०३-१५, ०३-४६, ०४-१६, ०४-६१, ०६-२५६, २६-२६३।

गीतशत्रुजय (पद्य)→०४-१०६।

उदित प्रकाशसिंह→'उदितनारायणसिंह (महाराज)' (काशी नरेश)।

उदैराज दोहावली (पद्य)—उदयराज कृत। वि संयोग वियोग और नखशिख।
    प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-१६।

उद्दोत (कवि)—काशी निवासी। जन्म स्थान टीकमगढ़ ग्वालियर। सनाढ्य ब्राह्मण। पिता का नाम संभवतः स्याम मिश्र। सुजुक (बिहार प्रांत के सूबा) के मंत्री उदयकरणराम के पुत्र पूरनमल्ल के आश्रित। औरंगजेब बादशाह (सं १७१५-६४ वि) के समय में वर्तमान। किसी रामसिंह ने इन्हें 'उद्दोत कवि' की उपाधि दी थी।
    अनेकार्थ मंजरी (पद्य)→सं [illegible] २२।

उद्योतसिंह (महाराज)—उप निमलप्रकाश। गोंडा के राजा। १८वीं शताब्दी में वर्तमान।
    भागवत बानी (पद्य)→२०-१२१।

उद्योतसिंह (महाराज)—ओड़छा नरेश। राज्यकाल सं १७४६-१७९२। कुँवर पृथ्वीराज (पृथ्वीसिंह) के पिता। धनराम और कोविद (चंदमणि) के आश्रयदाता।→ ३-१८, ६-११ ६-१५ ६-६२।

उपनामप्रसंग (पद्य)—धरनीदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११४ ग।

उपखान विवेक→'उपाख्यान विवेक' (महेशनाथनाथ कृत)।

उपखान सहित दशम की टीका→'भागवत (दशमस्कंध चरित्र उपाख्यान सहित)' (भगवानदास कृत)।

उपदेश चिकित्सा (गद्य)—रामचंद्र कृत। र का सं १९२७। लि का सं १९४। वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —हकीम रामदयाल मुबारकपुर डा लहरपुर (सीतापुर)।→२६-३७६।

उपदेश चिकित्सा (गद्य)—बिहारीलाल कृत। लि का सं १९१६। वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —श्री नानकचंद श्रीवास्तव कमलागढ़ी डा बबीरपुर (अलीगढ़)।→२९-१५१।

उपदेशादि (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत। वि उपदेश चिकित्सा (संस्कृत से अनूदित)।
    प्रा —श्री लक्ष्मीचंद पुस्तक विक्रेता अयोध्या।→ ९-१२८।

उपदेश (पद्य)—सद्गुरुप्रसादशरण (स्वामी) कृत। वि श्री राम की भक्ति और उनकी बाललीला।
    प्रा —श्री हनुमानशरण वैष्णव साधु कामदकुंज अयोध्या।→२०-१७५।

उपदेश षट्क (पद्य)—दामोदरदेव कृत। लि का सं १९२५। वि आचार संबंधी उपदेश।
    प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-२४ बी।

उपदेश चितावनी (पद्य)—फ़कीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—रामचन्द्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२-१०३ सी[२]।

उपदेश दोहा (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० उपदेश।
(क) लि० का० सं० १६१७।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६-३२३ जे।
(ख)→पं० २२-११२ एफ।

उपदेश दोहा (पद्य)—अन्य नाम 'व्यासजी के उपदेश'। व्यास जी कृत।
वि० उपदेश।→पं० २२-११४।

उपदेशनीति शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ग।

उपदेशसिद्धांत रत्नमाला ग्रंथ की वचनिका (गद्य)—भागचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १६१२। लि० का० सं० १६१५। वि० जैन सिद्धांत।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६६ क।

उपदेशावली (पद्य)—कुंदनदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० राम भजन का उपदेश।
प्रा०—पं० रामनारायण, अमौली, डा० बिजनौर (लखनऊ)।→२६-२०७ ए।

उपदेशावली (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ डी।

उपनिषद् भाष्य (गद्य) रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १७७६। लि० का० सं० १८६६। वि० दाराशिकोह की आज्ञा से सं० १७१२ में संस्कृत से फारसी में अनूदित पुस्तक का अनुवाद। इसमें निम्नलिखित उपनिषद हैं—
१ उपनिषद को पटग, २ शुकोपनिषद, ३ शिवसंकल्पोपनिषद, ४ शतरुद्री उपनिषद, ५ मैत्रायणी उपनिषद, ६ बृहदारण्यक, ७ कराली, ८ षडवल्ली, ९ मुंडक, १० कठोपनिषद, ११ कैवल्य, १२ अमृतविंदु, १३ अथर्व्यशिर, १४ आत्मप्रबोध, १५ सर्वोपनिषद, १६ नीलरुद्र, १७ तेजोविंदु, १८ हंसोपनिषद, १९ अथर्व्यशिखा, २० नृसिंहतापनीय उपनिषद।
(क) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१-३३।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-४१।

उपमालंकार नखशिख वर्णन (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख वर्णन'। बलबीर कृत। वि० नखशिख।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, हिम्मतपुर, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६-३८ ए।
(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा —पं रंगगोपाल, बीनापुर, डा उमरगढ़ (एटा) ।→२६–२२ सी ।

(ग) लि का सं १८७ ।

प्रा०—पं मुरलीनंदन वाजपेयी कुतुबनगर (सीतापुर) ।→२१–१४ बी ।

(घ) लि का सं १८७ ।

प्रा —पं जनार्दन भाले का बाजार लखनऊ ।→ १–३८ बी । ।

(ङ) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ २–२७ ।

उपवन विनोद (पद्य)—मोद (मौजराम) कृत । र का सं १८८४ । लि का सं १९ ४ । वि बागवानी । (शार्ङ्गधर के कुछ भागों का अनुवाद) ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर ।→ ६–१५ बी ।

उपसुधानिधि सटीक (पद्य)—हित चंद्रलाल (गोस्वामी) कृत । र का सं १८६१ । वि राधा जी की वंदना ।

(क) प्रा —पं जुगलिकशोर वैद्य संग्पादित श्री गली वाराणसी ।→ ६–११ ए ।

(ख) प्रा०—गो गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५ ए ।

उपाख्यान विवेक (पद्य)—अन्य नाम मसलेनामा । पहलवानदास कृत । र का सं १८६५ । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १८६८ ।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७–१११ ।

(ख) लि का सं १९५१ ।

प्रा०—श्री रतननारायण कादीराबापुर डा इन्हौना (रायबरेली) ।→ सं ४–२ ४ क ।

(ग) लि का सं १९७ ।

प्रा०—पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरानपांडे डा सिमोई (रायबरेली) । →२६–१४ सी ।

(घ) लि का सं १९९८ ।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद मीरीपुर ग रामाफतेपुर (रायबरेली) ।→ सं ४–२ ४ ख ।

(ङ) प्रा०—भैया तालुकदारसिंह मावड़ राज्य देवतलिया (गोंडा) । → ६–२२१ ।

(च) प्रा०—मुं विश्वेश्वरीप्रसाद पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) विभाग वाराणसी । →२१–१ ८ ।

(छ) प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बहुरौंवा (रायबरेली) ।→सं ४–२ ४ ग ।

उपाख्यान सहित बरामर्लंच चरित्र→'भागवत (बरामर्लंच चरित्र उपाख्यान सहित)' (ब्रजानंद कृत) ।

उपालंभ शत (पद्य)—भवानीप्रसाद (शुक्ल) कृत । लि का सं १९१९ । वि परमेश्वर को उपालंभ ।

प्रा०—पं० बनवारीलाल, हाथरस (अलीगढ़)।→१७-२४ बी।

उपालंभ शतक (पद्य)—रसरूप कृत। वि० उद्धव गोपी संवाद।

(क) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय, कालाकाँकर।→०६-२६४।

(ख) लि० का० सं० १८८६।

प्रा०—राजा अवधेशसिंह रईस, तालुकेदार, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→२६-४०३।

उपासना शतक (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि० वैराग्य और धर्म आदि।

प्रा०—पं० रामकिशोरशरण, रसूलाबाद (फैजाबाद)।→२०-१४५ सी।

उभयप्रबोधक रामायण (पद्य)—बनादास कृत। र० का० सं० १८३४। वि० राम कथा।

प्रा०—महंत भगवानदास, भवहरणकुंज, अयोध्या।→२०-११ सी।

उमरायसिंह—पैगू (मैनपुरी) निवासी।

संग्रह (गद्यपद्य)→३२-२२५।

उमराव—अन्य नाम जनउमराव।

भक्तगीतामृत (पद्य)→४१-१८।

उमराव (गिरि)—देवकीनंदन के आश्रयदाता कुँवर सरफराज गिरि के पिता।→०१-५७।

उमरावकोप→'अमरकोष' (सुवंश शुक्ल कृत)।

उमरावपुरी (गोसाँई)—शंकर दीक्षित के गुरु। सं० १६३२ के पूर्व वर्तमान।→२६-४१६।

उमराव वृत्ताकर (पद्य)– सुवंश (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १८६८। वि० पिंगल।

प्रा०—बाबू महावीरबख्शसिंह, रईस, कोठाराकलाँ (सुलतानपुर)।→२३-४२२ ई।

उमरावसिंह—भिनगा के रईस चौधरी शिवसिंह के पुत्र। बिसवाँ (विश्वनाथपुर) के जागीरदार। युवराजसिंह के पिता। सुवंश शुक्ल के आश्रयदाता। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।→०५-८८, २०-१६१, २३-१६७, २३-२०२, २६-४७५।

उमरावसिंह→'उत्तमदास' ('छंदमहोदधि पिंगल' के रचयिता)।

उमा—स्वामी रामचरण (रामसनेही पंथ के प्रवर्तक) के शिष्य रामजन की शिष्या। सं० १८३६ के लगभग वर्तमान।

पद (पद्य)→३८-१५७।

उमादत्त (त्रिपाठी)—(?)

अध्यात्म रामायण (गद्य)→२६-४८८।

उमादास—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह और कर्मसिंह के आश्रित। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान। ये महाभारत के अनुवादकों में से एक हैं।

कुरुक्षेत्र माहात्म्य (पद्य)→ ४–९१।
नवरत्न (पद्य)→ ४–९५।
पंचयज्ञ (पद्य)→ ४–९७।
पंचरत्न (पद्य)→ ४–९६।
महाभारत (भाषा) (पद्य)→ ४–९७।
माला (पद्य)→ ४–९४।

उमादास—(?)
नवरत्न कवित्त (पद्य)→ सं १–५७।

उमापति—अयोध्या निवासी प्रसिद्ध पंडित। सं १९२४ के लगभग वर्तमान।
अयोध्या माहात्म्य (गद्य)→ १–११।

उम्मेदसिंह—शाहिपुर के सरदार। देवकवि के आश्रयदाता। सं १८११ के लगभग वर्तमान।→१७–१६१।

उम्मेदसिंह (व्यास)—जन्म सं १८५१। गंगाप्रसाद व्यास के पिता। कृष्णभक्त। बिजकूट निवासी। 'नखशिख' और लीला (कृष्णचरित्र) नामक दो अनुपलब्ध ग्रंथों के रचयिता।→१७–५६।

उरहानो (पद्य) –नन्दु (कवि) कृत। लि का सं १७७२। वि राधा के शकुन और वियोग दुःख वर्णन द्वारा नायिका का नायक को विदेश जाने से रोकना।
प्रा —पं सियाराम शर्मा करैहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→१२–१५।

उरदाम—वास्तविक नाम दामोदर चौबे। ग्वाल कवि के समकालीन। मथुरा (गता भग टीला) के निवासी।
उरदाम प्रकाश (पद्य)→१७–२।

उरदाम प्रकाश (पद्य)—उरदाम (दामोदर चौबे) कृत। लि का सं १९४०। वि शृंगार।
प्रा —कवि नवनीत चौबे मथुरा।→१७–२।

उर्वशीतप (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→ ९–२५ (सी)।

उर्वशीमाला या उवशीनाममाला→'नाममाला (शिरोमणि मिश्र कृत)।

उल्था करीमा की→'नीतिप्रकाश' (बलदेव माथुर कृत)।

उल्था श्री सत्यनारायण→'सत्यनारायण (उल्था)। (विश्वेश्वर कवि कृत)।

उषा अनिरुद्ध का ब्याह (पद्य)—रामचरण कृत। र का सं १८५६। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —सेठ कौशलकिशोर श्रृंगारहाट, अयोध्या।→२०–१४४।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)—भारतदास कृत। र का सं १८६७। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामप्रताप, मोतमिदों का बाग।→ ६–२४ ए।

उषा अनिरुद्ध की कथा (पद्य)—रामदास कृत। र० का० स० १७०१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १८४३।
प्रा०—श्री रामप्रसाद गौतमिश्रों, अजयगढ।→०६–२१२ ए (विवरण अप्राप्त)। (दो प्रतियाँ क्रमश स० १८६१ की दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया म और स० १६४६ की बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर मे हैं)।
(ख) लि० का० स० १८६६।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→स० ०७–१६६।
(ग) लि० का० स० १६१८।
प्रा०—मुशी छेदीलाल, खेरागढ (आगरा)।→२६–२५६।
टि० खो० वि० २६–२५६ की प्रति मे पहाड़ कवि कृत 'विश्राम छद' भी समिलित है।

उषा अनिरुद्ध विवाह (पद्य)—चिंतामणि गुपाल कृत। लि० का० स० १८०२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) →३८–३२।

उषा कथा (पद्य)—लालदास कृत। लि० का० स० १८६६। वि० उषा और अनिरुद्ध विवाह की कथा।
प्रा०—प० चद्रशेखर पाडेय, असनी (फतेहपुर)।→०६–१७० ए।

उषा चरित्र (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० अवधविहारी मिश्र, धनौली (बाराबकी)।→२३–२२७ ए।

उषा चरित्र (पद्य)—जनकिशोर कृत। र० का० स० १७६४। लि० का० स० १८१६। वि० उषा अनिरुद्ध विवाह की कथा।
प्रा०—श्री विहारीजी का मदिर, महाजनीटोला, इलाहाबाद।→४१–२६।

उषा चरित्र (पद्य)—परशुराम कृत। र० का० स० १६३० (लगभग)। वि० उषा अनिरुद्ध की कथा।
(क) लि० का० स० १८२५।
प्रा०—प० भवानीबक्स, उलरा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। →२३–३११।
(ख) लि० का० स० १८७२।
प्रा०—प० मनिया मिश्र वैद्य, सुभानपुर (कानपुर)।→२६–३४४।
(ग) लि० का० स० २८७२।
प्रा०—प० शिवकठ मिश्र, गोपामऊ (हरदोई)।→२६–२६४ ए।

(घ) प्रा —पं बाबूलाल शर्मा सिमिक (क्लर्क), विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय, मेरठ। →१२-१२७।

(ङ) प्रा —पं सीताराम शर्मा ग्रा कमतरी (आगरा)।→२९-२१४ बी।

उषा चरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि उषा अनिरुद्ध की कथा।

प्रा०—सार्वजनिक पुस्तकालय, सादाबाद (मथुरा)।→१२-२८१।

उषा चरित्र→'उषा अनिरुद्ध की कथा' (रामदास कृत)।

उषा चरित्र (बारहखड़ी) (पद्य)—कुंजमन कृत। र का सं १८३१। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८८८।

प्रा —पं शिवरतन तिवारी बुरगौढ़ा (गोंडा)।→२०-९१।

(ख) लि का० सं १९४९।

प्रा०—लाला कुंजलाल बिसावर।→ ६-२८२ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) प्रा —लाला गंगाधरप्रसाद कूराडीह ग्रा परिवावाँ (प्रतापगढ़)। → २९-२५२ बी।

(घ)→पं १२-५८।

उषा हरण (पद्य)—देवीदास कृत। लि का सं १८४७। वि उषा और अनिरुद्ध का विवाह।

प्रा०—पं बाबूशंकर सादाबाद (मथुरा)।→१८-१६।

ऊसमान—उप मान। गाजीपुर निवासी। हुसेन (शेख) के पुत्र। सं १६७ के लगभग वर्तमान।

चित्रावली (पद्य)→ ४-३२।

ऊदा जी—दौलतराव सिंधिया के सरदार। लाडेराव के पौत्र और रानराव के पुत्र। पद्माकर भट्ट के आश्रयदाता। सं १८७७ के लगभग वर्तमान। →०६-४१।

रूपवल्लिका (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत। र का सं १६६। लि का सं १९६। वि उद्धव और गोपियों का संवाद।

प्रा —गो भगवानदास श्यामबिहारीलाल का मंदिर पीलीभीत।→१२-४१ बी।

रूपोजी की बारहखड़ी→ गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (संतदास कृत)।

रूपोदास—लालदास के पिता। आगरा निवासी। सम्राट अकबर के समकालीन। सं १६४१ के पूर्व वर्तमान।→ १-१ ; २-२६।

ऊधौ पचीसी (पद्य)—मधुक (?) कृत। वि उद्धव और गोपियों का संवाद।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलौत जोधपुर।→४१-१८०।

उमास्वामी (आचार्य)—श्री ज्योतिप्रसाद जी के अनुसार मूल संस्कृत ग्रंथ के रचयिता जैन आचार्य।

तत्वार्थाधिगम मोक्षशास्त्र (गद्य)→स० ०७–१० क, ख।

ऊषा कथा→'उषा अनिरुद्ध की कथा' (रामदास कृत)।

ऊषा चरित्र (पद्य)—मुरलीदास कृत। लि० का० स० १८८८। वि० उषा अनिरुद्ध कथा।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–३०१ क।

उषा चरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ऊषा अनिरुद्ध कथा।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–४५०।

ऊषा लीला (पद्य)—सुंदरलाल कृत। लि० का० स० १९४०। वि० उषा अनिरुद्ध विवाह की कथा।

प्रा०—प० विष्णुभरोसे, बहादुरपुर, डा० वेहटा गोकुल (हरदोई)। → २६–३१८ सी।

ऋतुराज—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। स० १९१० के लगभग वर्तमान।

बसंतविहार नीति (पद्य)→०४–१।

ऋतुराज मंजरी (पद्य)—ऋषिकेश कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला।

(क) प्रा०—प० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथजी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२–१९० ए।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–२६।

ऋतुराज शतक (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत। लि० का० सं० १९३९। वि० बसंत वर्णन।

प्रा०—ठा० दीनपालसिंह राठौर, भाभामऊ, डा० उमरगढ (एटा)।→ २६–१०१ सी।

ऋतुविनोद (पद्य)—गुरुदासशरण (स्वामी) कृत। लि० का० स० १९६९। वि० ऋतुओं का वर्णन।

प्रा०—साधु हनुमानशरण, कामदकुंज, अयोध्या।→२३–१४४।

ऋतुसंबंधी कवित्त→'षटऋतुसंबंधी कवित्त' (ग्वाल कवि कृत)।

ऋषभदास→'नंदलाल और ऋषभदास' (जयपुर निवासी)।

ऋषभदेव—(?)

रमल प्रश्नावली (पद्य)→२६–४०८।

ऋषभदेव की कथा (पद्य)—जयसिंह जू देव कृत। वि० भगवान ऋषभदेव की कथा।

प्रा०—बाधवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ→००–१५१।

ऋषिकेश—आगरा निवासी। स० १८०८ के लगभग वर्तमान।

कालज्ञान (पद्य)→३८–१२७।

स्वरोदय (षटप्रकाश) (पद्य)→०६–२२१, १७–१६५, स० ०१–२८।

ऋषिकेश—वृन्दावन निवासी।
    मतुराम मंजरी (पद्य)→११-१६ ए, स १-२६।
    शनि कथा (पद्य)→१२-१६ बी।
ऋषिबिंदु→'चिंतामणि (असमाला और योगबिंदु' के रचयिता)।
ऋषिनाथ—असमद्द। बनारस के राजा वरिवंडसिंह के दीवान दोहाराम के पुत्र रघुवर और भानजे सदाराम के आश्रित। असनी के निवासी। काशीराम के भाई देवकीनंदनसिंह के भी आश्रित। कवि सेवकराम के पितामह। सं १८१ के लगभग वर्तमान।→ ४-१८ ६-२८२।
    अलंकार मणिमंजरी (पद्य)→२ -१६६ स ४-२१ क, ख।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। लि का सं १७८१। वि ऋषिपंचमी की कथा (भविष्योत्तरपुराण से अनुदित)।
    प्रा —रतिधानरेश का पुस्तकालय वतिया→ १-१४ डी।
ऋषि पंचमी की कथा (पद्य)—गणपति कृत। र का सं १८६ । लि का सं १८६ । वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —श्री रामभरोसे निगोहाँ डा सिमेरा (रायबरेली)।→सं ४-५८।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)—भासीराम कृत। वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —श्री बदरी उपाध्याय नलवंशीपुर (समथर)।→ ६-१७।
ऋषिराव महाहुलास—जैन।
    सुदर्शन (सेठ) की चौपाई (पद्य)→दि ११-१५।
एकांतपद (पद्य)—गोविंददास कृत। लि का सं १९२६। वि राधाकृष्ण भक्ति।
    प्रा —श्री नत्थी भट्ट इमलिस्ता गोवर्धन (मथुरा)।→१७-६१।
एकाक्षर मंजरी (पद्य)—वीरभाद्र कृत। र का सं १७९९। वि माधवाचार्य कृत संस्कृत वेदाक्षर रत्नमाला का अनुवाद।
    प्रा —पं रामचंद्र पटवारी म्यामा (भरतपुर)।→१८-१७।
एकाक्षरी→ शब्दावली (तीवरदास कृत)।
एकादश (भाषा)→भागवत।
एकादशपुराण→अनुभव ग्रंथ (बालदास कृत)।
एकादशस्कंध (भाषा)→ भागवत (एकादश स्कंध) (चतुरदास कृत)।
एकादशी कथा (पद्य)—जगदीशलाल कृत। लि का सं १८८६। वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —श्री रामभजनलाल उपाध्याय सेलहरा डा चतरौलिया (आजमगढ़)।→ सं १-१२।
एकादशी कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९११। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा० –प० मिश्रीलाल, गढवार, डा० पारना (आगरा) ।→२६–३६६ ।

एकादशी कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० बारह मासो की एकादशी कथा ।
प्रा०—प० रामगोपाल, जहाँगीराबाद (बुलदशहर) ।→१७–२२ (परि० ३) ।

एकादशी कथा→'एकादशी माहात्म्य' (सूरजदास कृत) ।

एकादशी महाफल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० एकादशी व्रत का माहात्म्य ।
प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कुराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→२६-७ (परि० ३) ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—अमरदास कृत । र० का० स० १८१५ । लि० का० स० १८६६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री गोपालचद्रसिंह, सिविल जज, सुलतानपुर ।→स० ०१–७ ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—कर्तानद कृत । र० का० स० १८३२ । वि० चौबीसों एकादशियो के व्रत, कथा विधान और उनके फलादि का वर्णन ।

(क) लि० का० स० १६०० ।
प्रा०—श्री बनवारीलाल पुजारी, बाह्मनटोला मदिर, समाई, डा० एतमादपुर (आगरा) ।→२६–१८६ बी ।
(ख) लि० का० स० १६१८ ।
प्रा०—श्री सूर्यपाल, बड़ागाँव, डा० कमतरी (आगरा) ।→२६–१८६ ए ।
(ग) प्रा०—प० रेवतीराम शर्मा, कमतरी (आगरा) ।→२६–१८६ सी ।
(घ) प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१८६ डी ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—कृष्णदास कृत । लि० का० स० १८५० । वि० एकादशी व्रत कथा ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–६८ सी ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । लि० का० स० १८८५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर राज्य, नौगवाँ (आगरा) ।→२६–२२६ ।

एकादशी माहात्म्य (गद्य)—मेघराज (प्रधान) कृत । लि० का० स० १६२० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० देवीप्रसाद सनाढ्य, डा० शमसाबाद (आगरा) ।→२६–२३० ए ।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । लि० का० स० १७७६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—दतियारनरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२१८ ई (विवरण अप्राप्त ।

एकादशी माहात्म्य (गद्य)—वासुदेव (सनाढ्य) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य बाह, डा० बाह (आगरा)।→२६–१ बी।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→ ६–११७।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सदन कृत। लि० का० सं० १६ । वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० मदनराम सरसा डा० छोटी कोसी (मथुरा)।→१८–१३१।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—सुदर्शन (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६२२।
प्रा०—मुंशी रामबिहारीलाल अध्यापक टाउन स्कूल फतेहपुर (बाराबंकी)।→२१–४ ८।
(ख) प्रा०—पं० रघुवर पाठक पुजारी बिसवाँ (सीतापुर)।→१२–४७।
(ग) प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–४६१।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'एकादशी कथा'। सूरदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १७८६।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा सदावर्ती आजमगढ़।→४१–५७४ क (अप्र०) सं० १ १३१ क।
(ख) लि० का० सं० ११ १।
प्रा०—पं० श्रीनारायणदत्त मिश्र करैलिया डा० भिनगलिया (बहराइच)।→ २३–४१७ बी।
(ग) लि० का० सं० १६१४।
प्रा०—श्री भगवतलाल प्रतापगढ़।→२६–४७१ ए।
(घ) लि० का० सं० १६२१।
प्रा०—पं० जगन्नाथ महोरी तहसील करछना (इलाहाबाद)।→१७–१८७ बी।
(ङ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १०–१३१ ख।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—हीरामनि कृत। लि० का० सं० १८८ । वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० लक्ष्मीप्रसाद अवस्थी मढ़रा (बहराइच)।→२३–१६७।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री जानकीप्रसाद, बमरोली कटारा (आगरा)।→२६–१७ ।
एकादशी माहात्म्य (भाषा) (पद्य)—मनीराम (?) कृत। र० का० सं० १८८१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० टीकीलाल वैद्य मी बलदेव (मथुरा)।→१५–७१।

एकादशी व्रत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—लाला रघुवरदयाल, खिलहना, डा० दौरेली (आगरा) ।→२६–३७१ ।

एकादशीव्रत कथा (पद्य)—माधवराम कृत । लि० का० सं० १६०७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० सुदर्शन पाठक, पुरा गंगाधर, टिकरिया, डा० गौरीगंज (सुलतानपुर) ।→२३–२५७ ।

एकीभाव (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत । वि० जैनमत का धर्म ग्रंथ ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर ।→००–१०१ ।

एकोतरा सुमिरण (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १६०६ । वि० ओंकार और ईश्वर के भजन की महिमा ।
प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल, फौंदू, गुलाम अलीपुर (बहराइच) ।→२३–१६८ सी ।

ओंकार (भट्ट)—अस्थ (मालवा) निवासी । भूपाल राज्य के एजेंट विल्किंसन के आश्रित १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।
भूगोलसार (गद्य)→०६–२१६ ।

ओधवनी अरज (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गोपी उद्धव संवाद ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→सं० ०१–५०१ ।

ओनामासी, बाराखडी, पचपाटी, धातुरूप और लघुचाणक्य राजनीति (पद्य ?)—रचयिता अज्ञात । वि० राजनीति आदि ।
प्रा०—श्री गोस्वामी जी, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट, हुसैनगंज, लखनऊ ।→२३–५२३ ।

ओरछा समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत) ।

ओरीलाल (शर्मा)—संभवत उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।
चौताल पचासा (पद्य)→२६–२० ।
रमलताजक (पद्य)→०६–२१८, पं० २२–७६ ।

ओषधि तथा मंत्र और सगुनौती (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७४१ । वि० वैद्यक और मंत्र ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–५०२ ।

ओषा चरित्र→'उषा चरित्र' (रचयिता अज्ञात) ।

ओषाहरण (पद्य)—परमानंद कृत । र० का० सं० १५१२ । लि० का० सं० १६१३ । वि० ऊषा अनिरुद्ध विवाह वर्णन ।
प्रा०—पं० बलभद्र, दानोपुर, डा० बरसठी (जौनपुर) ।→सं० ०४–१६६ ।

ओषाहरण→'उषाहरण' (देवीदास कृत) ।

औतार सिद्धी (ग्रंथ) (गद्य)—यमुनाशंकर (नागर) कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० अवतारों की सिद्धि का वर्णन ।

प्रा —ठा परशुसिंह रामनगर, डा बारा (सीतापुर) ।→२९-१२९ ए ।

औध→ प्रयागप्रसाद (वाजपेयी) ('अवधशिकार' आदि के रचयिता) ।

औरंगजेब—प्रसिद्ध मुगल सम्राट । राज्यकाल सं १७१५-१७६४ । मतिराम, वृंद कवि, सुंदर कविदास और पार्सदेव के आश्रयदाता ।→ -४ १-९५; ९-१; २ -७५; पं २२-८१ ।

औरंगजेब बिलास (पद्य)—पार्सदेव कृत । वि संगीत ।→पं २२ ८१ ।

औषधियाँ (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं रामप्रकाश पांडे पुरहा, डा मार्तगंज (प्रतापगढ) । → २६ ११ (परि १) ।

औषधियाँ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि औषधियों के गुसगं ।

प्रा —कुँवर पदमसिंह पचौली डा मिढाकुर (आगरा) । →२६-३३९ ।

औषधियाँ (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि औषधि शास्त्र ।

प्रा —पं गौरीशंकर मढेपुरा (इटावा) ।→१५-१२ ।

औषधि यूनानी सार (गद्य)—शिवप्रकाश कृत । र का सं १८८८ । लि का सं १९ । वि वैद्यक ।

प्रा —श्री शिवदयाल वैद्य मीमकापुर डा अमाली (अलीगढ) ।→२६-१ ६ ।

औषधियों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा —पं तारानंद मुनीम द्वारा मुरलीधर महादेवप्रसाद सिरसागंज (मैनपुरी) ।→२६-६ (परि ३) ।

(ख) प्रा —पं गोरेलाल गोपालप्रसाद उपाध्याय सिरसागंज (मैनपुरी) । →२६-६ (परि १) । (दो प्रतियाँ) ।

औषधियों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।

प्रा —पं दामोदरप्रसाद आगरा डा मारगी (आगरा) ।→२६ १८ ।

औषधियों के नुसखे (गद्य)—बरसावर (चतुर्वेदी) कृत । र का सं १८९९ । लि का सं १८९९ । वि वैद्यक ।

प्रा —पं देवकीनंदन शर्मा रतनिया डा अलीगंज बाजार (सुलतानपुर) । →२३ १० ।

औषधिराग निदान (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।

प्रा —डा पूरनसिंह मौरोड (इलाहाबाद) ।→२१ १२१ ।

औषधि व नाममाला (पद्य)—दुर्गालाल (कायस्थ) कृत । वि वैद्यक ।

प्रा —श्री राधेबिहारीलाल दावर शर्मा डा मोतीपुर (प्रतापगढ) । → २६ १११ ए ।

औषधि विधि (गद्य)—धर्मेन्द्र (ब्रह्मचारी) कृत । लि का सं १८११ । वि वैद्यक ।

प्रा —पं अनुग्रह त्रिपाठी बुनार (मिर्जापुर) ।→ ६ ० ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—बाबूराम (पांडे) कृत । र० का० सं० १८०२ । लि० का० सं० १८०२ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० भगवानदत्त, बेनीपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ)।→२६-२२ ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—राधेकृष्ण कृत । र० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० माताप्रसाद दूबे, नटनपाड़ा, डा० फूलपुर (इलाहाबाद)।
→२०-१३७ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—हीरालाल (वैश्य) कृत । लि० का० सं० १६१२ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—ठा० जगदंबिकाप्रसादसिंह, गुदबापुर, डा० बिलबलिया (बहराइच)।
→२३-१६६ ए ।

औषधि संग्रह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा शास्त्र ।
प्रा०—पं० राजेराम, सहायक अध्यापक, ग्राममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)।
→२६-१० (परि० ३)।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा शास्त्र ।
प्रा०—बाबू रुद्रनारायणसिंह, अध्यापक, गवर्नमेंट हाईस्कूल, प्रतापगढ । →
२६-१० (परि० ३)।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० औषधियों और मंत्रों का संग्रह ।
प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, मीरकनगर, निगोहाँ (लखनऊ)।→२६-३४१ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा)।→३५-११७ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० रघुवरदयाल अध्यापक, जसवंतनगर (इटावा) ।→३५-११८ ।

औषधि संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० वैद्यक ।
प्रा०—पं० टीकमचंद शर्मा, लखुना (इटावा)।→३५-११६ ।

औषधि संग्रह कल्पवल्ली (गद्यपद्य)—राधाकृष्ण (द्विवेदी) कृत । लि० का० सं० १८६० । वि० वैद्यक ।
प्रा०—आशुतोष पुस्तकालय (संस्थापक, वृंदावन द्विवेदी), चौंदोपारा, डा० जलालपुर (इलाहाबाद)।→सं० ०१-३३६ ।

औषधिसार (पद्य)—छत्रसाल (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८४४ । वि० वैद्यक ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-२१ ए ।

औषधिसुधातरंगिणी (गद्य)—गदाधर (त्रिपाठी) कृत । र० का० सं० १६३१ । वि० वैद्यक निघंटु ।
(क) मु० का० सं० १६४१ ।
प्रा०—श्री गंगारतन दूबे, गौरा रुपई, डा० अँवारा पश्चिम (रायबरेली)।
→सं० ०४-६२ क ।
(ख) मु० का० सं० १६४१ ।

(प्रा०—श्री रामकरन शर्मा (डाक्टर), गमीरन बाजार, डा रानीपुर (झानिपुर)।
→र्स ४ ६१ ल।
ऑपिक पव (पद्य)—मणिराम (भट्ट) कृत। लि का सं १६१२। वि महाभारत के औपिक पव की कथा।
प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार खानीपुर डा तालाब पस्ती (लखनऊ)।
→२६-२६१ ए।
औसेरीलाल—सं १८८० के पूर्व वर्तमान।
यशोधर चरित्र (पद्य)→२१-२१।
कंगल या गंगल (भाट)—भूपति के पूर्वज।→१८-११।
कजरग—अन्य नाम दगार्डव। जैन कवि। मैनपुरी निवासी। सं १८१४ के लगभग वर्तमान।
वारांगकुमार चरित्र (पद्य)→२१-१ ८।
कंठ→'नीलकंठ' ('नायिकाभेद' के रचयिता)।
कंठमाल (विज्ञानपद कृपाराम जी) (पद्य)—कृपाराम (?) कृत। वि हरिभक्तों की महिमा।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१८।
कंठाभरण→'कविकुल कंठाभरण' (दूलह कृत)।
कंठाभरन टीका (गद्य)—मतिराम कृत। वि दूलह कवि कृत 'कंठाभरण' की टीका।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२६८।
कंथबोध—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संग्रहीत।→ २-४१ (बी)।
कंदुकक्रीड़ा (पद्य)—लोक (कवि) कृत। लि का सं १८ ८। वि कृष्ण जी की अपने साथियों के साथ गेंद खेलने की लीला।
प्रा०—पं कन्हैयालाल शर्मा फतहाबाद (आगरा)।→२६-२११।
कंदर्पकल्लोल (पद्य)—बान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि श्रृंगार।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ ख।
कंस की सभा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कंस की मथुरा के सौंदर्य का वर्णन।
प्रा०—पं अयोध्याप्रसाद, सरमना (इटावा)।→१८-१०६।
कंसचौंतीसी→'कृष्णचौंतीसी' (परमानंदकिशोर कृत)।
ककहरा (पद्य)—गंगादास कृत। वि भक्ति की ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं ७-६१।
ककहरा (पद्य)—जीवनदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-१४१।
ककहरा (पद्य)—दरसीदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११४ क।
ककहरा (पद्य)—नामदेव कृत। वि शिव विवाह।

प्रा०—श्री फल्लू पाडे, गोराजू, डा० पश्चिमशरीरा (इलाहाबाद)।→ स० ०१-१६०।

ककहरा (पद्य)—भीखा साहब कृत। लि० का० स० १८३८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१७४ क।

ककहरा (पद्य)—रामसहाय कृत। लि० का० स० १६३७। वि० उपदेश।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)। →०६-२५६।

ककहरा (पद्य)—अन्य नाम 'राधाब्रजराज जस'। लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८६६। लि० का० स० १६०७। वि० गोपियों का विरह शृगार।
प्रा०—श्री साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय, गढ, डा० खजुरी (रायबरेली)। →स० ०४-३५४ ख।

ककहरा (पद्य)—शिवप्रसाद (महत) कृत। लि० का० स० १६२४। वि० उपदेश और सतगुरु महिमा।
प्रा०—श्री गगादीन ईश्वरी, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)।→ २३-३६५।

ककहरा→'सुदामाजी की बारहखड़ी' (सुदामा कृत)।

ककहरा अरल के (पद्य)—पलटूदास कृत। लि० का० स० १६२२। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास मठाधीश, भनके गॉव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)। →स० ०४-२०३ ख।

ककहरानामा→'कहरनामा' (नवलदास कृत)।

ककहरा रसखान→'रसखान सग्रह' (रसखान कृत)।

ककाबत्तीसी (पद्य)—गोविददास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-८३।

ककाबत्तीसी (पद्य)—लैलीनराम कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१७७ ख।

ककाबत्तीसी (पद्य)—सूरतराम कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—प० भूदेव, छौली, डा० श्री बलदेव (मथुरा)।→३५-६७ बी।

ककाबत्तीसी→'ककावली' (उदय कृत)।

ककावली (पद्य)—आनद (कवि) कृत। वि० रासलीला वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉकरोली।→स० ०१-१५ ख।

ककावली (पद्य)—अन्य नाम 'ककाबत्तीसी'। उदय (?) कृत। र० का० स० १७२५। वि० उपदेश (ककारादि क्रम से)।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-१५।

ककोरा रामायण→'रामायण सूचनिका' (रसिकगोविंद कृत)।

कक्का पैंतीसी (पद्य)—चेतन कृत। लि० का० स० १८७०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६६ क।

कथानामा (गद्यपद्य)—देवीदास कृत। लि का सं १९२१। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री भोलानाथ (उप भैरोलाल) ज्योतिषी, माता (फतेहपुर)। → सं १-११४।

कटारमल्ल—(?)
निर्घंटुसारीत (गद्यपद्य)→१२-१११।

कठिन औषधि संग्रह (पद्य)—बलराम (गौड़) कृत। लि का सं १८८६। वि वैद्यक।
प्रा०—श्री बनजीवनलाल वैद्य नानेरा, डा हाथरस (अलीगढ़)। → २६-१७४ एफ।

कड़खा (पद्य)—रामदास (मौनी) कृत। लि का सं १८८६। वि भगवद्भक्ति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१६७ क।

कड़ेल (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत। वि निर्गुण भक्ति।
प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, क्राई टी कालेज लखनऊ। → सं ४-२ ५ ख।

कणेरी (कणेरीपाव)—अन्य नाम कन्हपा या कर्णपाद। नाथ सिद्ध। बालंधरपाद के शिष्य। 'आदिनाथ नाती मछिंद्रनाथ पूता। सिद्धों की बानी में भी संगृहीत। →४१-१६, ४१-१२ (आठ) सं १ -४१ सं १ -१ १।
सबदी (पद्य)→सं १ -८।

कथा अरदसेर पातिसाह की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६६। लि का सं १७८४। वि अरदसेर पातसाह की कथा।
प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं -१२६ ए।

कथा कँवलावती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७०। लि का सं १७७८। वि राजकुमार इंदवदन और राजकुमारी कँवलावती की प्रेम कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ च।

कथा कनकावती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७५। लि का सं १७७८। वि राजकुमार परसरूप और राजकुमारी कनकावती की प्रेम कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ र।

कथा कर्पूर की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १७ १। वि कर्पूर की कथा।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ म।

कथा कलावंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७ । लि का सं १७७८। वि राजकुमार पुरंदर और राजकुमारी कलावंती की कथा।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ ट ।

कथा कामरानी व पीतमदास की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० १६६१ । लि० का० स० १७८४ । वि० राजकुमार पीतमदास और राजकुमारी कामरानी की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ त ।

कथा कामलता की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १६७ लि० का० स० १७७८ । वि० राजा रमाल और रानी कामलता की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ भ ।

कथा कुलवती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १६६ लि० का० स० १७७७ । वि० एक सौदागर की स्त्री कुलवती की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ म ।

कथा कौतूहली की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १६७ लि० का० स० १७७८ । वि० राजकुमार सरवगी और राजकुमारी कौतू की प्रेम कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ ल ।

कथा खिजिरखाँ शाहजादे व देवलदे की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृ र० का० स० १६६४ । लि० का० स० १७७८ । वि० शाहजादा खिजर राजकुमारी देवलदे की प्रेमकथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ य ।

कथा चद्रसेन राजा सीलनिधान (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० १६६१ । लि० का० स० १७८४ । वि० राजा चद्रसेन और राजकुमारी शी निधान की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ द ।

कथा चित्रगुप्त की (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चित्रगुप्त की कथा ।

प्रा०—श्री महाराजदीन जी, जमुनीपरि, डा० हनुमानगज (इलाहाबाद) स० ०१–५०३ ।

कथा छविसागर की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १७० लि० का० स० १७७८ । वि० रामपुरी की राजकुमारी छविसागर और जैत के राजकुमार गुनसागर के विवाह की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ ञ ।

कथा छीता की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १६६ लि० का० स० १७८४ । वि० देवगिरि की राजकुमारी छीता और पच्छिम दे के राजकुमार राम के विवाह की कथा ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ ज ।

कथा नलदमयती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स १०७२ हि० । लि० का० स० १७७८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

मा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ प।

कथा निरमल की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १७४।
 वि नाम से स्पष्ट।

मा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ फ।

कथा पुहुपबरिषा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६८८।
 लि का सं १७७८। वि राजकुमार पुरपति और राजकुमारी सुकेशी की
 प्रेम कथा।

मा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ ब।

कथामृत (पद्य)—गिरिधरदास (गोपालचंद) कृत। लि का सं १९११। वि
 मत्स्य, कच्छप, नृसिंहादि की पौराणिक कथाएँ।
 मा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-४६।

कथा मोहनी की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६९४।
 लि का सं १७८४। वि राजकुमार मोहन और राजकुमारी मोहनी की कथा।
 मा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ ड।

कथा रूपमंजरी (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६८६। लि
 का सं १७८४। वि राजकुमार ज्ञानसिंधु और राजकुमारी रूपमंजरी
 की प्रेम कथा।
 मा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ ठ।

कथा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि सौ कथाओं का संग्रह।
 मा —पं रामरत्न शुक्ल दरियाबाद (उन्नाव)।→२६-११ (परि १)।

कथा संग्रह (महाभारत) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि महाभारत की कथाएँ।
 मा —पं बद्रीसिंह, सालिगपुर ला जलवंतनगर (इटावा)।→१५-१८।

कथा सतवंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७८।
 लि का सं १७७७। वि मनसुर सौदागर और उसकी स्त्री सतवंती की कथा।
 मा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ म।

कथा सीलवंती की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६८४।
 लि का सं १७ ७। वि एक जौहरी की स्त्री शीलवंती की कथा।
 मा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ म।

कथा सुदामा→ सुदामाचरित्र (नरोत्तमदास कृत)।

कथा सुभटराइ की (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १७२।
 लि का सं १७८६। वि राजकुमार सुभटराइ की कथा।
 मा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ म।

को सं वि १४ (११ —२४)

कदम—बालकदास के गुरु।→०६–२३३।

कनककीर्ति—जैन। सं० १६६३ के लगभग वर्तमान।

द्रौपदी चौपाई (भाषा) (पद्य)→दि० ३१–४८।

कनकमंजरी (पद्य)—काशीराम कृत। लि० का० सं० १८३४। वि० रतपुर के धनपीर शाह की पत्नी कनकमंजरी की कथा।

प्रा०—भट्ट दिवाकरराम का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा)।→०३–७।

कनकसिंह—सं० १८५५ के पूर्व वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→२६–१८२।

कनकसिंह—(?)

अनुवाहन कथा (पद्य)→२६–२२१, ४१–४०६ (अप्र०)।

कनकसोम—माणिक्यसागर के शिष्य। सं० १६३८ के लगभग वर्तमान।

आषाढभूत चौपाई (पद्य)→४१–२० क, ग।

कनाय साहब—फरासीसी हकीम के पुत्र।

अगुलिपुराण (गद्य)→०२–११३, ०६–१६६, २६–६६ ए, बी, सं० ०१–३०।

कन्नौज समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदबरदाई कृत)।

कन्हपा या कर्णपाद→'फकीरी (फकीरीपाव)'।

कन्हैयाजू का जन्म (पद्य)—नजीर कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—मुंशी पद्मसिंह कायस्थ, कैथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६–२५१ ए।

कन्हैयाबख्शपाल—सूर्यवंशी क्षत्रिय। पूर्वज कुमायूँ निवासी। बाद में महुलीगढ चले आये थे।

कन्हैया रत्न मंजरी (पद्य)→२६–२२२।

कन्हैया रत्न मंजरी (पद्य)—कन्हैयाबख्शपाल कृत। वि० नायिकाभेद और रसादि।

प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्रधानाध्यापक प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ)।→२६–२२२।

कन्हैयालाल—कायस्थ। टीकमगढ निवासी। प्रयागीलाल के चाचा। सं० १८३० के पूर्व वर्तमान।→०५–५१।

कन्हैयालाल (भट्ट)—उप० कान्ह। जयपुर निवासी। मथुरा में भी रहते थे। किसी सरदार नरेश के आश्रित।

श्लेषार्थ विंशति (पद्य)→सं० ०१–३१।

कन्हैयालाल (लाला)—गोपाल वंशीय अग्रवाल वैश्य। साढ़ूपुर (मैनपुरी) के निवासी।

वैद्यसुधासागर (गद्य)→३२–१०६।

कपाली स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १८२१। लि का सं १८२१। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–४ ४।

कपिलदेव की कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि का सं १८२ । वि कपिल मुनि की कथा।
प्रा —वाघेश भारती भंडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→ –१४६।

कपीश विनय (पद्य)—अन्य नाम 'हनुमंत विनय । मोहन (कवि) कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।
(क) प्रा —लाला कन्नूमल गौरिखनाँ डा फतेहपुर (उन्नाव)। → २६–३१८ ए।
(ख) प्रा —बाबा मन्नूदास बादशाहनगर (लखनऊ)।→२६–३ ५ एफ।

कपूर (मिश्र)→'शिवराम (मिश्र) (मोहनदास मिश्र के पिता)।

कपूरचंद—उप चंद। ब्राह्मण। दिल्ली निवासी। सं १७ के लगभग वर्तमान।
रामायण (भाषा) (पद्य)→ ३–६६, २६–२२८।

कपोत लीला (पद्य)—मोहनदास कृत। लि का स १८३१। वि दत्तात्रेय के २४ गुरुओं में से एक कपोत का वर्णन।
प्रा —पं शीतलाप्रसाद फतेहपुर (बाराबंकी)।→२३–२८१।

कबीर (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि राधा का नखशिख।
प्रा —पं राधाकृष्ण पुरोहित तिवारी डा अलीपुरबाजार (सुलतानपुर)। →२३–४१६ सी।

कबीर अष्टक (पद्य)—कबीरदास कृत। वि ईश्वर प्रार्थना।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४१ डबल्यू।

कबीर और धर्मदास की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि आत्मज्ञान का संवाद।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–१७७ आई (विवरण अप्राप्त)।

कबीर और निरंजन ज्ञान गुष्टि (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १६ ८। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं गणेशशंकर शुक्ल मीरपुर डा हँडिया (इलाहाबाद)।→सं १–११ ल।

कबीर और शंकराचार्य की गोष्ठी (गद्यपद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८३१ (लगभग)। वि कबीर का शंकराचार्य को तत्वज्ञान का उपदेश देना।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–११ ब।

कबीर की कथा→'कबीरसाहब की परिचई (अनंतदास कृत)।

कबीर की बानी→'बानी (कबीरदास कृत)।

कबीर की साखी→'साखी (कबीरदास कृत)।

कबीर के दोहे→'दोहे' (कबीरदास कृत)।

कबीर के द्वादशपंथ (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर के मुख्य उद्देश्य की सिद्धि के बारह उपाय।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-५८ (विवरण अप्राप्त)।

कबीर के बीजक की टीका (गद्यपद्य)—पूरनदास कृत। र० का० सं० १८६१। लि० का० सं० १९२८। वि० नाम स्पष्ट।

प्रा०—महंत ललितादास कबीरपंथी, बाँसगाँव घाट।→०६-२०६ (विवरण अप्राप्त)।

कबीर के वचन (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० जवाहरलाल, डा० इरादतनगर (आगरा)।→२६-१७८ टी।

कबीर को मोंझयो (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४७७ ग (अप्र०)।

कबीर गोरख की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कबीर और गोरख का आध्यात्मिक वाद विवाद।

(क) प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ पी, यू।

(ख) प्रा०—श्री वासुदेव शर्मा, वमई, डा० ताँतपुर, खेरागढ (आगरा)।→२६-१७८ आइ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-४७७ छ (अप्र०)।

कबीरजी की परचई→'कबीरसाहब की परचई' (अनंतदास कृत)।

कबीरजी की साखी→'साखी' (कबीरदास कृत)।

कबीरजी के पद (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १९६६।

प्रा०—बाबा हरिहरदास, डा० छर्रा (अलीगढ)।→२६-१७८ एन।

(ख) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-५२।

(ग) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरी गद्दी, मेनली, डा० जगनेर (आगरा)।→३२-१०३ एन।

कबीरदास—जुलाहे। काशी निवासी। प्रसिद्ध महात्मा और कबीरपंथ के संस्थापक। जन्मकाल सं० १४५५। मृत्युकाल सं० १५०५। रामानंद के शिष्य। धर्मदास के गुरु।→०१-१३३, ०२-६८, ०६-१३८।

अंबुसागर (पद्य)→सं० ०७-११ क।

अक्षरखंड की रमैनी (पद्य)→०६-१४३ सी।

अक्षरभेद की रमैनी (पद्य)→०६-१४३ बी।

अगरावत (पद्य)→२३-१९८ ए, २६-२१४ ए, २६-१७८ ए, बी, सी, ३२-१०३ बी, सी, ४१-४७७ क (अप्र०), सं० ०४-२४ क।

सतनाम (पद्य)→ ६-१४१ क्यू ।

सतकबीर बंदी छोर (पद्य)→ ६-१७३ एस ।

सतसंग को अंग (पद्य)→ ६-१४१ आर ।

सप्तपदी रमैनी (पद्य)→१५-८६ यू ।

साँचगुंसार (पद्य)→ ६-१४१ ज २६-१७८ बी सं ७-११ न ।

साखी (पद्य)→०१-१५, २ ५१ ६-१७३ यो ६-१४१ बी पं २२-५१बी १२-१ १ बी बा जह ४१-४३३ प ह (अप्र) सं ७-११ फ, ब सं १०-६ ह ।

साध को अंग (पद्य)→ ६-१४१ एच ।

साधु महातम (पद्य)→२६-१७८ क्यू ।

सारभेद (पद्य)→सं ८-१४ ह ।

सीताबाग (ग्रंथ) (पद्य)→पं २२-५१ डी ।

सुरतध्यान (पद्य)→सं १-१२ ब सं ७-११ भ ।

सुरतनिरबान (पद्य)→४१-२१ ब ।

सुरतसागर (पद्य)→४१-२१ प ।

सुमिरन तालिका (पद्य)→२१-१६८ एन ।

सुरतिशब्द संवाद (पद्य)→२०-७४ सी २६-१७८ आर ।

सोलहकला तिथि (पद्य)→१५-८६ डब्ल्यू ।

स्वरोदय (पद्य)→४१-२१ भ ।

हंसमुक्तावली (पद्य)→ ६-१७७ एन ।

हनुमतबोध (पद्य)→सं १-१२ म ।

हिंडोल (पद्य)→१५-८६ एम ।

टि उपर्युक्त ग्रंथों में सभी को कबीरदास कृत नहीं मानना चाहिए । संभव है कुछ ग्रंथों की रचना कबीरदास के भक्तों ने की हो और उन्हें कबीर के नाम पर प्रचारित किया हो ।

कबीर दत्तात्रेय गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा०—लाला गंगादीन बिहारीलाल कौंधू गुलामअलीपुर (बहराइच) । → २१-१६८ एच ।

(ख) प्रा —महंत रामचरनदास कबीरपंथीमठ ढेंबगाँव डा बाजारशुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं ८-२४ ब ।

कबीर दोहावली→'दोहे । (कबीरदास कृत) ।

कबीर नानक गोष्ठी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८३४ । वि , नानक और कबीर का ब्रह्मज्ञान संबंधी वार्तालाप ।

सतनाम (पद्य)→ ६-१४१ क्यू ।

सतकबीर बंदी छोर (पद्य)→ ६-१०७ एच ।

सतसंग को अंग (पद्य)→ ६-१४१ आइ ।

सतपदी रमैनी (पद्य)→१५-८६ यू ।

सौंगिर्जुबार (पद्य)→ ६-१४१ ज २६-१७८ बी सं ७-११ न ।

साखी (पद्य)→०१-१५ २ ५३ ६ १०७ आ ६-१४१ बी दं २१-५१ बी १२-१ १ सी आइ जे ४१-४७७ प ए (प्राप्त) सं ७-११ म्ह, व सं १ -६ ए ।

साध को अंग (पद्य)→ ६-१४१ एम ।

साधु महातम (पद्य)→२६-१७८ क्यू ।

सारभेद (पद्य)→सं ८-२४ इ ।

सीपासाग (ग्रंथ) (पद्य)→सं २२-५१ नी ।

सुकृतध्यान (पद्य)→सं १-१२ ब सं ७-११ म ।

सुखनिधान (पद्य)→४ २१ ब ।

सुखसागर (पद्य)→४१-७१ प ।

सुमिरन साठिका (पद्य)→२१-१६८ एन ।

सुरतियम्न संवाद (पद्य)→२०-७४ सी २६-१७८ आर ।

सोलहकला तिथि (पद्य)→१५-८६ न्यक्यू ।

स्वरोदय (पद्य)→४१-२१ अ ।

हंसमुक्तावली (पद्य)→ ६-१०७ एन ।

हनुमतबाध (पद्य)→सं -२२ म ।

हिंडोल (पद्य)→१५-८६ एस ।

टि उपर्युक्त ग्रंथों में सभी को कबीरदास कृत नहीं मानना चाहिए । संभव है कुछ ग्रंथों की रचना कबीरदास के भक्तों ने की हो और उन्हें कबीर के नाम पर प्रचारित किया हो ।

कबीर रैदास गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा —लाला गंगाप्रसाद बिहारीलाल कौड़ी, गुलामअलीपुर (बहराइच) । → २१-१९८ एच ।

(ख) प्रा —महंत रामचरनदास कबीरपंथीमठ ऊँचगाँव डा बाजारशुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं ८-२४ ग ।

कबीर दोहावली→ दोहे । (कबीरदास कृत) ।

कबीर नानक गोष्ठी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का सं १८१४ । वि , नानक और कबीर का ब्रह्मज्ञान संबंधी वार्तालाप ।

(क) प्रा०—बाबू रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा। →१२-१ १ बी।

(ख) प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी मेठरी डा० बमरौली (आगरा)। →१२-१ १ एच।

कबीरसाहब की परिचई (पद्य)—अन्य नाम 'कबीर की कथा'। अनंतदास कृत। र० का० सं० १६४५। वि० कबीरदास का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १७४ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१ क।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-५ बी।

(ग) प्रा०—पं० नारायणप्रसाद, नारायनपुर डा० सिधौली (सीतापुर)।→ २१-१८ ए।

कबीरसाहबजी की आरती (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० परमात्मा की आरती।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-११ च।

कबीरसाहिब के पदों की टीका अर्थ सहित (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला मानसिंह लोहिया क्माना (भरतपुर)। →१८-१७७।

कबीर सुरति योग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० कर्मभेद से फलाफल का विचार।

प्रा०—श्री तुगादास साधु हाजी गुज डा० नगराम पुरवा (लखनऊ)।→ २६-१७८ एस।

कबीरस्तको (कबीर सतक या कबीराष्टक ?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६६ (?)। वि० कबीर नाम माहात्म्य।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं० ७-२२ ।

कबीर स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।

प्रा०—पं० गोपाल वैद्य डा० राछडी (मथुरा)।→१२-१ १ पी।

कबीर स्वरोदय (पद्य)—प्रागदास कृत। वि० श्वास प्रश्वास द्वारा शुभाशुभ फल वर्णन।

प्रा०—पं० तुलसीराम वैद्य मांट (मथुरा)। →१२-१३७ बी।

कबूतरनामा (पद्य)—काम कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० कबूतर का पालनपोषण और उसके रोगादि का उपचार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं० १-१२६ घ ।

कमरुद्दीन खाँ—अन्य नाम मीर मुहम्मद फ़ाज़िल। बादशाह मुहम्मदशाह के वजीर। सं० १८०५ में अहमदशाह अब्दाली द्वारा निहत। गंजन के आश्रयदाता। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान। → १-६५, १७-६२, २६-१२१।

कमरुद्दीन खाँ हुलास (पद्य)—गंजन कृत। र० का० सं० १७८६। वि० बहुधा दिल्ली राजमहल वजीर वंश वर्णन, रस और नायिकाभेद आदि।

(क) लि० का० सं० १७८६।

प्रा०—अखिल भारतीय हिंदी साहित्य समेलन प्रदर्शनी, इदौर ।→१७-६२ ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-६५ ।

(स० १८६१ की एक प्रति इस पुस्तकालय मे और है)

(ग) लि० का० स० १६४६ ।

प्रा०—प० कृष्णविहारी मिश्र, नया गाँव, माडल हाउस, लखनऊ । → २६-१२६ ।

(घ) लि० का० स० १६४६ ।

प्रा०—प० कृष्णविहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर) । →स० ०४-५७ ।

कमल→'कमलाजन' ('दस्तूरमालिका' के रचयिता) ।

कमलकलश सूरि--जैन । स० १८४२ के पूर्व वर्तमान ।

महावीर स्तवन (पद्य)→२०-७७ ।

कमलदास (वैष्णव)—स० १८८० के लगभग वर्तमान ।

ज्ञानमाला (गद्य)→२६-२१६ ए, वी ।

कमलध्वज→'पृथ्वीराज (राठौर)' (कल्याणमलराव के पुत्र) ।

कमलनयन—सक्सेना कायस्थ । काशीराम के पुत्र । करौल के राजा रणजीतसिंह के राज्य कालमें स० १८३५ के लगभग वर्तमान । इन्होंने अपने पुरोहित शभुराम के लिए ग्रथ की रचना की थी ।→०३-७, २३-२०६ ।

कमलप्रकाश (पद्य)→१७-६४ ।

कमलनयन—इटावा परगने के अतर्गत भीमगाँव क्षेत्र में मैनपुरी (?) के निवासी । पिता का नाम हरचदराय । भाई का नाम छत्रपति । नदराम और स्यामलाल क्रमश चाचा और चचेरे भाई । स० १८७० के लगभग वर्तमान ।

जिनदत्त चरित्र (भाषा) (पद्य)→स० ०४-२५, स० १०-१० ।

कमलनयन—उप० रससिंधु । गोकुल (मथुरा) निवासी । पिता का नाम गोकुलकृष्ण । बूँदी के महाराज रामसिंह के आश्रित ।

रामसिंह मुखारविंद मकरद (पद्य)→१२-६० ।

कमलनेत्र (भगवान) (पद्य)—दत्तदास कृत । वि० कृष्ण के नेत्रो की प्रशसा ।

(क) प्रा०—प० मन्नीलाल तिवारी गगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर) । →२६-६१ ए ।

(ख) प्रा०—श्री रामभूषण वैद्य, कामतापुर, डा० इटौंजा (लखनऊ) । →२६-६१ बी ।

कमल प्रकाश (पद्य)—कमलनयन कृत । र० का० स० १८३५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री राधाचद्र वैद्य, बडे चौवे, मथुरा ।→१७-६४ ।

कमलाकर (भट्ट)—रामकृष्ण भट्ट के पुत्र। नारायण भट्ट के पौत्र। सं १६२७ के पूर्व वर्तमान।
गोत्रप्रवर दर्पण (गद्य)→११–२२ ए, बी २६–१८१ बी।
भृगुवत्सगोत्र (गद्य)→२६–१८१ ए।

कमला जन—संभवतः कौंच या आसपास निवासी। सं १८८७ के लगभग वर्तमान।
रसपुरमालिका (पद्य)→ १–५६ २६–२१८।

कमलानंद—संभवतः सौ वर्ष या वर्ष पूर्व वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→१२–९२।

कमाल—कबीर के पुत्र। काशी निवासी। माता का नाम लाई। काशी में हरिश्चंद्र घाट के समीप 'कमाल की इमली' नामक स्थान अब भी प्रसिद्ध है जहाँ ये उपदेश दिया करते थे। संभवतः सं १५६४ के लगभग वर्तमान।→सं १ –६।
कमालजी की बानी (पद्य)→१२–१ ५।
पद (पद्य)→सं ७–१२ सं १ –११।

कमाल—संभवतः गुरु दत्तात्रेय अवधूत के उपासक। सं १८३३ के पूर्व वर्तमान।
सिद्धांतबाग (पद्य)→२३–२ ३।

कमालजी की बानी (पद्य)—कमाल कृत। वि ज्ञान।
प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा।→१२–१०५।

करना (पद्य)—मधुकरदास कृत। वि धार्मोपदेश।
प्रा —डा त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं ४–२८८ क।

करण (भट्ट)—वंशीधर पांडेय के पुत्र। क्रमशः पन्ना के महाराज सभासिंह अमानसिंह और हिंदूपति के आश्रित। सं १८५७ के लगभग वर्तमान।
रसकल्लोल (पद्य)→ ४–१५, १७–९५; २३–२ ४ ए, बी।
साहित्यचंद्रिका (गद्यपद्य)→ १–५७

करणसिंह—चित्तौर के महाराणा अमरसिंह के पुत्र। शाहजादा खुर्रम (शाहजहाँ) द्वारा राणा अमरसिंह के पराजित होने पर ये दिल्ली दरबार में उपस्थित हुए थे और बादशाह जहाँगीर ने इनका बहुत सत्कार किया था। सं १६७१ से १६७६ तक दिल्ली में रहे। दयालदास के आश्रयदाता।→ ०–९४; १—१ ०२–६१।

करणसिंह—बीकानेर नरेश राठौर अनूपसिंह के पिता। → २–७६।

करणीदान→करनीदान (चारण)।

करनेश (महापात्र)—राजा बलभद्रसिंह के आश्रित। सं १७१७ के लगभग वर्तमान।
बलभद्र प्रकाश (पद्य)→२६–१९५।

करतारम—ब्राह्मण। सिधुवा (गोरखपुर) निवासी। पडरौना के राजा मक्करराम और रणजीतराय के आश्रित। सं १८५४ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→४१-२२ क, ख, स० ०१-३४, स० ०४-२६ क, ख, ग, स० ०७-१३।

करताराम—सभवत. शालिहोत्र के रचयिता करताराम। → स० ०१-३४, स० ०४-२६।
दधिलीला (पद्य)→स० ०१-३३, स० ०४-२७।

करनाभरण (पद्य)—हरिगोविंद वाजपयी या गोविंद सुकवि कृत। र० का० स० १७६७।
वि० अलकार।
(क) लि० का० स० १८६१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० १०-१४० क।
(ख) लि० का० स० १६३५।
प्रा०—ठा० रामसिंह, रामकोट (सीतापुर)।→२३-१३७।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० १०-१४० ख।
(घ)→प० २२-३४।

करनीदान (कवि)—चारण। जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। स० १७८७ के लगभग वर्तमान। विविध कवि कृत 'शंकरपच्चीसी' में भी सगृहीत।→ ०२-७२ (पाँच)।
विरुदशृगार (पद्य)→०१-१०१, २६-१८१, ४१-४७८ (अप्र०)।
सूरज प्रकाश (पद्य)→४१-२४।

करनीसार जोग (ग्रथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरजनी) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८३८।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५-१०० सी।
(ख) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →स० ०७-७० क।

करमअली—स० १७३६ (१०६८ हि०) के लगभग वर्तमान।
निजउपाय (पद्य)→२६-१८४।

करमखड की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० छेदालाल तिवारी, उरई।→०६-१४३ एक्स।

करि कल्पद्रुम (पद्य)—अन्य नाम 'करि चिकित्सा'। रघुनाथसिंह कृत। र० का० स० १८८३। वि० हाथियों के भेद और चिकित्सा।
(क) लि० का० स० १६२०।
प्रा०—प० जनार्दन, भिटौरा, डा० मिसवाँ (सीतापुर)।→२३-३२६।
(ख) लि० का० स० १६५३।
प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकोलिया (सीतापुर)। →१२-१४१।

करि चिकित्सा→'करि कल्पद्रुम (रघुनाथसिंह कृत)।

करीमशाह—छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। फाजिलशाह के पिता।→०१–५१।

करीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)—देवीदास कृत। लि का सं १९ १। वि फारसी ग्रंथ करीमा का अनुवाद।
  प्रा —श्री बैजनाथप्रसाद हकीम महिवाहू बाजार (कानपुर)। → सं ४–१६५ क।

करुणा के पद→'विनय के पद (ब्रजदूलह कृत)।

करुणानंद (भाषा) (पद्य)—रसिकलाल (रसिकसुजान) कृत। र का सं १७२४। वि कृष्णभक्ति विषयक संस्कृत ग्रंथ करुणानंद का अनुवाद।
  (क) लि का सं १७७१।
  प्रा —गो मनोहरलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५७।
  (ख) लि का सं १८१७।
  प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १–११।

करुणा पचीसी (पद्य)—प्रेमनिधि कृत। लि का सं १८८१। वि विनय।
  प्रा —श्री लक्ष्मीकांत कोठीवाल मधुमापुर डा लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→ २६–३५७।

करुणा पचीसी (पद्य)—माधवदास कृत। वि ईश्वर विनय।
  प्रा०—गो बद्रीलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२–१ ४ सी।

करुणा बत्तीसी (पद्य)—माधवदास कृत। वि भक्ति और विनय।
  (क) लि का सं १८४१।
  प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर।→४१–५४१ (अप्र)।
  (ख) लि का सं १८७५।
  प्रा —पं बैनीपाल शर्मा सराय हरसेवा डा कसोरर (पत्ना)। → २६–२१५ बी।
  (ग) लि का सं १८७१।
  प्रा —राम परमानंद सीमरी डा पटियाली (एटा)।→२६–२१५ ई।
  (घ) लि का सं १९१२।
  प्रा०—ठा शिवसिंह विक्रमपुर डा ओयल (खीरी)।→२६–२०५ ए।
  (ङ) प्रा —श्री पुजारी श्री मंदिर बेरू, बेरू (जोधपुर)।→ १–७८।
  (च) प्रा —पं रमाकांत शुक्ल पुरवा गरीबदास डा गढ़वारा (प्रतापगढ़)। →२६–२७५ सी।
  (छ) प्रा —पं धर्मदीलाल दूबे बमरौली कटारा डा ताजगंज (आगरा)। →२६–२१५ सी।

(ज) प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, गैगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२१५ सी।

करुणावेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० सं० १८०४। वि० राधाकृष्ण की प्रार्थना।
प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१९६ एन।

करुणाभरण नाटक (पद्य)—लछिराम कृत। वि० कृष्ण चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७४३।
प्रा०—प० माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००-७४।
(ख) लि० का० सं० १७७२।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६२।
(ग) लि० का० सं० १९३३।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२८५ बी (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा०—प० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिशंकरी, गाजीपुर।→म० ०७-१७३।

करुणा विरह (प्रकाश) (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० सं० १८२२। वि० गोपी विरह वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—प० महावीरप्रसाद मिश्र, मुहल्ला हाथीपुर, लखीमपुर (खीरी)। →२६-३०४।
(ख) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—प० बलदेवप्रसाद अवस्थी, बनवाँपारा, डा० जैतपुर बाजार (बहराइच)। →२३-३८२।
(ग) लि० का० सं० १८९४।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर)।→१२-१७३।

करुणाष्टक (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १९६०। वि० स्तुति।
प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, मैलासरैया, डा० बोरी (बहराइच)। →२३-१७८ ए।

करुणाष्टक (पद्य)—माधोदास कृत। वि० कृष्णस्तुति।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-१९४।

करुणाष्टक (पद्य)—रमणविहारी (रमणेश) कृत। वि० स्तुति।
प्रा०—प० रामअधार मिश्र, नगर डा० लखीमपुर (खीरी)।→२६-३८८ ए।

कर्ण पर्व→'महाभारत'।

कर्णाभरण नाटक→'करुणाभरण नाटक'। (लछिराम कृत)।

कर्णार्जुन (कर्नआरजुनी) युद्ध→'महाभारत (कर्णार्जुन युद्ध)' (ठाकुर कवि कृत)।

कर्मानंद—फरूखाबाद (आगरा) निवासी। चरनदास की शिष्या सहजोबाई के शिष्य। सं १८३२ में वर्तमान।

एकादशी माहात्म्य (पद्य)→२६ १८६ ए, बी सी डी।

कर्मकांड (गद्य)—हेमराज कृत। लि जैन कर्मकांड।

प्रा —श्री मुलचंद जैन साधु नहराली डा चंद्रपुर (आगरा)।→१२-८७ बी।

कर्मदहन की पूजा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६१४। वि भक्ति।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी।→सं ७-२२१।

कर्मबत्तीसी (पद्य)—रामछमुद्र कृत। र का सं १६६६। वि कर्म की प्रधानता का वर्णन।

प्रा —स्वामी रविदत्त शर्मा नरेला दिल्ली।→दि ११-७।

कर्मबत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १७६५। वि जैनमतानुसार जीव और कर्म का बयान।

प्रा —विद्या प्रचारिणी जैन सभा जयपुर।→ -१ ७।

कर्मरेखा की चौपाई (पद्य)—अनंत जी (स्थविर) कृत। र का सं १६६४। लि का सं १६२८। वि आत्माभाग्य का वर्णन।

प्रा•—श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि ११-४२।

कर्मविपाक (पद्य)—गंगाराम (कायस्थ) कृत। र का सं १७११। लि का सं १८७१। वि संस्कृत ग्रंथ कर्मविपाक का अनुवाद।

प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-४४।

कर्मविपाक (पद्य)—शंकर कृत। लि का सं १८५ । वि पाप पुण्य विचार।

प्रा —श्री रामनारायण चौबे महाशी चौबे डा पनभरा (बस्ती)। →सं ४-१७१।

कर्मविपाक (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६१ । वि ज्योतिष।

प्रा —पं रामशरण जैन विद्यापुर डा फिरावली (आगरा)।→१२-२ १। टि प्रस्तुत पुस्तक को भूल से शिवदास कृत मान लिया गया है।

कर्मविपाक (४६ वाँ अध्याय) (पद्य)—चिंतामणि कृत। वि कर्मफल वर्णन (पद्मपुराण के आधार पर)।

प्रा•—पं सुखदेव शर्मा शेरगढ़ (मथुरा)।→१८-११।

कर्मविपाक (पद्य)—लाल कृत। लि का सं १८ २। वि ज्योतिष।

प्रा —भैया लालबहादुरसिंह नायब देवरहा (गोंडा)→ १-१ ५।

कर्मशतक (पद्य)—गोपालदास (भावुक) कृत। नि भक्ति में कर्म की प्रधानता का वर्णन।

भो सं नि १६ (११ ०-६४)

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-५७ क।

कर्मसिंह—पटियाला नरेश महाराज अजीतसिंह के भाई। कवि निहाल, उमादास, भूपति और गोपालराय भाट के आश्रयदाता। स० १८८३ के लगभग वर्तमान। →०३-१०५, ०४-२, ०५-६३, १२-६२।

कलेगी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० राधाकृष्ण लीला।

प्रा०—प० रामचद्र, नीलकठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२-१६१ सी।

कलाधर वशावली विधान (पद्य)—दुर्गालाल (कायस्थ) कृत। र० का० स० १६१६। लि० का० स० १६४३। वि० सोमवशी क्षत्रियो की वशावली।

प्रा०—श्री राधेविहारीलाल शायर, जूही, डा० साँगीपुर (प्रतापगढ)।→२६-१११ बी।

कलानिधि—अन्य नाम कृष्ण कवि कलानिधि, लाल कलानिधि और श्रीकृष्ण भट्ट। जगन्नाथ (जगदीश) के पिता। जयपुर नरेश जयसिंह (द्वितीय), महाराज कुमार प्रतापसिंह तथा बूँदी नरेश रावराजा बुद्धसिंह के आश्रित। स० १७६६ (?) के लगभग वर्तमान। 'राधागोविद सगीत सार' में भी ये सगृहीत हैं। →१२-१११, १७-७८।

अलकार कलानिधि (पद्य)→१२-१७६ ए।

दुर्गाभक्ति तरगिणी (पद्य)→स० ०१-४२७।

नखशिख (पद्य)→००-११२, ०५-४, १२-१७६ बी, २३-१६६।

नवसई (पद्य)→१७-६३ एच।

वाल्मीकि रामायण (पद्य)→१७-६३ बी, सी, डी।

रामचद्रोदय (लकाकाड) (पद्य)→३८-१४६।

रामायण सूचनिका (पद्य)→१७-६३ ई।

वृत्तचंद्रिका (पद्य)→००-८३, १७-६३ जी।

श्रृगाररस माधुरी (पद्य)→१७-६३ ए, १२-१७६ सी, ३२-२०६।

समस्यापूर्ति (पद्य)→१७-६३ एफ।

साँभरयुद्ध (पद्य)→०६-३०१।

कलाप्रवीन—उप० प्रवीन। स० १८३८ के लगभग वर्तमान।

प्रवीन सागर (पद्य)→०६-३०७।

कलाभास्कर (पद्य)—रणजीतसिंह कृत। र० का० स० १६००। लि० का० स० १६३२। वि० मल्ल विद्या।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१०२।

कलिकाल चरित्र (पद्य)—गगाप्रसाद कृत। वि० कलिकाल वर्णन।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-५७।

कलिकाल वर्णन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
    प्रा —पं विष्णुस्वरोप बेलासऊ, डा प्रसौन (उन्नाव) → २६-१४ (परि १) ।

कलिचरित्र (पद्य)—वाघ (कवि) कृत । र का सं १६७८ । वि कलियुग वर्णन ।
    प्रा॰—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया । → ६-११४ (विवरण अप्राप्त) ।

कलिचरित्र (पद्य)—रसिकराम कृत । वि कलियुग का प्रभाव वर्णन ।
    प्रा —श्री सरस्वती भण्डार विद्याविभाग कॉकरोली ।→सं १-१२६ ।

कलिचरित्र (पद्य)—समापंद कृत । र का सं १७ । वि नाम से स्पष्ट ।
    प्रा॰—पं महावीर मिश्र गुरटोला आजमगढ़ ।→ ९-२७ ।

कलियुग कथा (पद्य)—गुनदेव कृत । लि का सं १८८ । वि नाम से स्पष्ट ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→१२-६१ ।

कलियुग के कवित्त (पद्य)—अन्य नाम 'कलियुग लीला । गोविंदलाल कृत । वि कलियुग वर्णन ।
    (क) लि का सं १९१ ।
    *प्रा॰—मातादास रतन लाल काजी, गौंतीरी डा सलेमपर (अलीगढ़)।*२६-१२५ बी ।
    (ख) लि का सं १९१६ ।
    प्रा॰—पं शिवबिहारी गौड़ बैतपुर डा पिलखा (एटा)।→२६ १२५ ए ।
    (ग) प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-६९ ।

कलियुग लीला→'कलियुग के कवित्त (गोविंदलाल कृत)।

कलिपचीसी→'हरवर पचीसी (पद्माकर कृत)।

कलिप्रताप बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । र का सं १८१४ ।
    वि कलिदाप वर्णन ।
    प्रा॰—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-२५७ ख ।

कलियुग रासा (पद्य)—अलिरसिकगोविंद कृत । वि कलियुग के दूषित जीवन का वर्णन ।
    (क) लि का सं १८६१ ।
    प्रा —बाबू रामनारायण बिसावर ।→ ६-१२२ डी (विवरण अप्राप्त) ।
    (कवि की स्वहस्तलिखित प्रति)
    (ख) लि का सं १८०१ ।
    प्रा॰—पं रघुनाथराम शर्मा गायघाट वाराणसी ।→ ९-२६१ बी ।

कलीराम—माथुर चतुर्वेदी । मथुरा निवासी । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।
    सुदामाचरित्र (पद्य)→१८-७८ ।

कलेक्टर ? (आगरा)—सं० १९०३ में वर्तमान।

हिदायतनामा (गद्य)→३२-४६।

क्लेशभंजनी (गद्य)—अन्य नाम 'ताफतुलगुर्बा'। अब्दुलमजीद कृत। वि० वैद्यक (फारसी से अनूदित)।

(क) लि० का० सं० १८३०।

प्रा०—श्री रामरत्न वैद्य, नोभारा उमदादी, डा० मिसरीं (सीतापुर)→२६-१ ए।

(ख) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—पं० गणपति द्विवेदी वैद्य, नयागाँव, डा० सादरपुर (सीतापुर) ।→ २६-१ बी।

(ग) प्रा०—पं० प्रागदत्त दूबे, सिकन्दरपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)।→ २६-१।

कल्किअवतार कथा (पद्य)—अन्य नाम 'कल्किचरित्र'। प्राणनाथ (त्रिवेदी) कृत। र० का० सं० १७६५। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८४६।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०२-२६।

(ख) प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद, थैलिया, डा० कैरीघाट (बहराइच)।→ २३-३२०।

कल्किचरित्र→'कल्किअवतार कथा'। (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत)।

कल्प ग्रंथ (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६५। वि० कल्प (वृद्धावस्था से तरुणावस्था में परिवर्तन) के विषय में कबीर और महादेव का संवाद।

प्रा०—ठा० बद्रीप्रसाद वैद्य, चौबच्चा, मथुरा।→३८-१७८।

कल्याण (पुजारी)—राधावल्लभी संप्रदाय के वैष्णव। वनचंद्र अथवा आचार्य श्री सुंदरवर जी के शिष्य। वृंदावन निवासी। १७ वीं शती में वर्तमान।

कल्याण पुजारी की बानी (पद्य)→१२-८६, ४१-२३।

कल्याण (भट्ट)—प्राणनाथ भट्ट के पिता। सं० १८०७ के पूर्व वर्तमान।→१७-१३५।

कल्याणदास—(?)

सुदामाचरित्र (पद्य)→३५-५०।

सुदामाजी के सवैया (पद्य)→सं० ०१-३५।

कल्याणदास—प्रसिद्ध कवि केशवदास के भाई (?)। हरसेवक के प्रपितामह।→ ०६-५१।

कल्याण पुजारी की बानी (पद्य)—कल्याण (पुजारी) कृत। वि० राधाकृष्ण की रासलीला तथा संप्रदाय के सिद्धांत।

(क) प्रा०—राधावल्लभ जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा)।→१२-८६।

(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२३।

कल्याणमंदिर (भाषा) (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। वि स्तुति (संस्कृत के 'कल्याणमंदिर' का अनुवाद)।
(क) प्रा —विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→ -१ ४।
(ख) प्रा —श्री वेदप्रकाश गर्ग, १ सरीफान स्ट्रीट मुजफ्फरनगर।→ सं १ -८४ ख।
(ग) प्रा —श्री प्रहलाद शुक्ल, शाहदरा दिल्ली।→दि ११-११ ए।

कल्याणमल्ल (राव)—पृथ्वीराज राठौर और बीकानेर नरेश महाराज राव रायसिंह के पिता। सं १५९८ में सिंहासनासीन और अंत में राज्य का भार अपने ज्येष्ठ पुत्र राव रायसिंह को सौंपा। सं १६ ६ तक वर्तमान।→ ०-८७ दि ११-६१।

कल्याणसिंह—चौहान वंशीय क्षत्री। महाराज महासिंह और महाराज उद्योतसिंह के वंशज। अटेर (ग्वालियर) के राजा। इन्हीं के वंश ने भदौरिया क्षत्रिय के नाम से ख्याति प्राप्त की थी। छत्रसिंह (छत्र कवि) के आश्रयदाता। सं १७५७ के लगभग वर्तमान।→ ६-२१ दि ११-२१ २१-८४।

कल्यानदास—(?)
मथुरालीला (पद्य)→सं १-१६।

कल्यानदास—'समासटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → २-५७ (चौदह)।

कल्यानराइ—(?)
कलामेद (गद्य)→१५-५१।

कल्लोलकलि (पद्य)—मोहन (सदकसनेही) कृत। वि संयोग शृंगार।
(क) लि का सं १७८९।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली।→सं १-१ ७ ख।
(ख) लि का सं १९४८।
प्रा —पं राधाचंद्र वैद्य बड़े चौबे, मथुरा।→१७-११२।

कवरपुरंदर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कवर पुरंदर की कथा।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १०-१५२।

कविकुल कंठाभरण (पद्य)—अन्य नाम 'कंठाभरण'। दूलह कृत। र का सं १८ ७। वि अलंकार।
(क) लि का सं १९११।
प्रा०—राजा ललिताबख्शसिंह भीलवाँव राज्य (सीतापुर)।→११-१ ७ ए।
(ख) लि का सं १९१८।
प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच)।→२१-१ ७ बी।
(ग) लि का सं १९११।
प्रा —महाराज बलरामपुर (गौंडा)।→ ६-७७।

(घ) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—पं० बुद्धिसागर, गंगापुर (गोंडा) ।→२०–८१ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह, शेरपुर, डा० नीलगाँव (सीतापुर) । →२३–१०७ सी ।

(च) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—बाबू हनुमानप्रसाद, हरदपुर (रायबरेली) ।→२३–१०७ डी ।

(छ) लि० का० सं० १९५४ ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०–५१ ए ।

(ज) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (बनारस)→०३–८२ ।

(झ) प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि, दतिया ।→०६–१६८ (विवरण अप्राप्त) ।

कविकुल कल्पतरु (पद्य)—चिंतामणि कृत । र० का० सं० १७११ । वि० काव्य के गुण दोष ।

(क) लि० का० सं० १८३७ ।

प्रा०—ठा० गणेशसिंह, कटैला, डा० फखरपुर (बहराइच) ।→२३–८० बी ।

(ख) लि० का० सं० १८६४ ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, बहराइच ।→२३–८० सी ।

(ग) प्रा०—पं० रामनाथ शर्मा, चौड़ा रास्ता, जयपुर ।→००–१०७ ।

कविकुल कुमुद कलाधर (पद्य)—शिवनरेशसिंह कृत । र० का० सं० १९३१ । लि० का० सं० १९४९ । वि० पिंगल ।

प्रा०—श्री पुरुषोत्तम उपाध्याय, शेखपुरा, डा० बजीराबाजार (जौनपुर) । →सं० ०४–३८४ ।

कविकुल तिलक प्रकाश (पद्य)—महीपति (महीप) कृत । र० का० सं० १७६६ । वि० साहित्यशास्त्र ।

प्रा०—ददनसदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१–२८२ ।

कविकौतुक (पद्य)—दुःखभंजन कृत । र० का० सं० १९०७ । लि० का० सं० १९०७ । वि० ज्योतिष के अनुसार शुभाशुभ विचार ।

प्रा०—ठा० विंध्याचलशसिंह, ठिकरा, डा० धनौली (बाराबंकी) ।→२३–१०६ । (कवि की स्वहस्तलिखित प्रति) ।

कविजीवन (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र० का० सं० १९१८ । लि० का० सं० १९२८ । वि० पिंगल ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–७९ एम ।

कवितरंग (पद्य)—सीताराम (वैद्य) कृत । र० का० सं० १७६० । वि० वैद्यक (तिब्बसाहबी का अनुवाद) ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा —श्री फतेहचंद दूबे तरैया डा बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–४४१ ए।

(ख) लि का सं १८६१।

प्रा —शिवाश्रम पुस्तकालय, नारायनपुर, डा उमरगढ़ (एटा) ।→२६–१ ७ ए।

(ग) लि का सं १८८८।

प्रा —लाला हरिकृष्णराय वैश्य बाबमऊ, डा हाथरस (अलीगढ़)।→२६–२ ७ बी।

(घ) लि का सं १८२६।

प्रा —श्री रामजीवन वैद्य, पौंचौली डा मारहरा (एटा) ।→२६–१ ७ सी।

(ङ) लि का सं १६ ८।

प्रा०—पं विष्णुप्रसाद शर्मा कमारा डा मौरहरा (खीरी) ।→२६–४४१ बी।

(च)→पं २१-६ ए।

कवित्त (पद्य)—मधुर अनन्य कृत। वि विविध।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १–२ एफ।

कवित्त (पद्य)—बालाराम (दीनदास) कृत। लि का सं १६८८। वि उपदेशादि।

प्रा —पं श्रीकृष्ण महिंगलगंज (सीतापुर)।→२६–६ बी।

कवित्त कल्पतरु (पद्य)—सागर (कवि) कृत। र का सं १७८८। लि का सं १८८६। वि साहित्यशास्त्र।

प्रा०—लाल श्रीकन्तनाथसिंह भनुगावाँ (बस्ती)।→सं ४–४ १।

कवित्तरस विनोद (पद्य)—जनराज (जैरम) कृत। र का सं १८११। लि का सं १६ ६। वि रसादि काव्यांग।

प्रा०—श्री मथुरेश्वर वाटिका गोकुल (मथुरा)।→१२–८६।

कवितावली (पद्य)—अन्य नाम 'आरतावली'। जनकराजकिशोरीशरण कृत। वि राम विहार।

(क) लि का सं १८१।

प्रा —टीकमगढ़ नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ १–१८१ सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा —बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव झाँसी।→०१–११४ टी।

कवितावली (पद्य)—अन्य नाम 'कवित्त रामायण'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि संक्षिप्त रामकथा।

(क) लि का सं १७६७।

प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→२६–४८ बी।

(ख) लि का सं १८८।

प्रा —बाबू पद्मबक्ससिंह अमेठपुर (बहराइच)।→११–८१२ जेड।

(ग) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३-१२१ ।
(घ) लि० का० स० १८८६ ।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३-४३२ बाई ।
(ङ) लि० का० स० १६०० ।
प्रा०—बरगदिया बाबा, हिंडोलने का नाका, लखनऊ ।→२६-४८४ एफ[1] ।
(च) लि० का० स० १६०१ ।
प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, तालुकेदार, अमेगर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर) ।→ २३-४३२ ए[2] ।
(छ) लि० का० स० १६१६ ।
प्रा०—प० देवीदयाल मिश्र, ठाकुरद्वारा, खजुहा (फतेहपुर) । → २०-१६८ एफ ।
(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३-४३२ बी ।
(झ) प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, सैदपुर (गाजीपुर) ।→ २६-४८४ ई[1] ।
(ञ) प्रा०—श्री रामजी अध्यापक, डा० नारखी (आगरा) । → २६-३२१ आर[2] ।
(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५०० क (अप्र०) ।

कवितावली (पद्य)—दूलनदास कृत । र० का० स० १८२७ (लगभग) । लि० का० स० १६८५ । वि० विविध ।
प्रा०—प० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपाडे, डा० तिलोइ (रायबरेली)→ २६-६३ ए ।

कवितावली (पद्य)—परमेश्वरीदास कृत । वि० सीताराम की आठपहर की लीलाएँ ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१३२ ।

कवितावली (पद्य)—सरयूदास कृत । लि० का० स० १६८० । वि० धर्माचरण करने और कुकर्मों से बचने का उपदेश ।
प्रा०—श्री जानकीसिंह, उमरवल (सुलतानपुर) ।→२६-४३० ।

कविताधली (पद्य)—सहजराम कृत । वि० राम कथा ।
प्रा०—पं० रामजीवनलाल, दौलतपुर, डा० भिलहर (बाराबकी) । → २३-३६७ ए ।

कवितावली (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—श्री मगन उपाध्याय, मथुरा ।→१७-३७ (परि० ३) ।

कवितावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति, प्रेम, विरह, वसत आदि ।
प्रा०—पं० रघुवरदयाल, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा) ।→३५-२०२ ।

कवितावली भरगाथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विविध (अनेक कवियों का संग्रह)।
    प्रा —श्री सुदर्शनसिंह रईस ताल्लुकेदार, मुख्तार द्वा लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ़)।→२६–१५ (परि १)।

कवितावली पूर्ति प्रभाकर (पद्य)—सूपनारायणलाल कृत। लि का सं १६४५। वि समस्या पूर्तियों का संग्रह।
    प्रा —श्रीमती पं रामनारायण दूबे द्वा नगराम (लखनऊ)।→२६–११।

कवितावली रामायण (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि रामचरित्र वर्णन।
    (क) लि का सं १६७२।
    प्रा —सद्गुरु सदन अयोध्या।→१७– ४१ बी।
    (ख) प्रा —महंत जानकीदासशरण अयोध्या।→ ६–२४५ ब।

कवितावली रामायण→'कवितावली' (गो तुलसीदास कृत)।

कवितावली संग्रह (पद्य)—विविध कवि (मतिराम चिंतामणि आलम आदि) कृत।
    वि पटऋतु, नखशिख आदि।
    प्रा —पं महादेवप्रसाद कारिंदा बसरेहर (इटावा)।→१६–२ १।

कविता संग्रह (पद्य)—आलम और शेख कृत। वि शृंगार।
    प्रा॰—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१८ ख।

कवित्त (पद्य)—अवधेश कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
    प्रा —श्री रघोपाल द्विवेदी पश्चिमकिनारा द्वा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं ४–८।

कवित्त (पद्य)—आनंदघन (घनानंद)। कृत। वि शृंगार और भक्ति।
    (क) प्रा —श्री भवप्रताप हकीम बसई ग्रा ताँतपुर (आगरा)।→२६–११५ बी।
    (ख) प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–८६२ क ख (अप्र)।
    (ग) प्रा –श्री भवानीशंकर याज्ञिक हाम्भीन ग्रेंडीच्यूट, मेडिकल कालेज लखनऊ।→सं ४–१४ क।

कवित्त (पद्य)—आलम कृत। वि भक्ति और शृंगार।
    प्रा॰—श्री भवानीशंकर याज्ञिक, हाम्भीन ईस्टीच्यूट मेडिकल कालेज लखनऊ।→सं ४–१५ ख।

कवित्त (पद्य)—काशीप्रसाद (शुक्ल) कृत। वि भगवती की स्तुति।
    प्रा॰—पं कृष्णकुमार शुक्ल रामदयाल का पुरवा द्वा संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।→सं ४–११ क।

कवित्त (पद्य)—काशीराम कृत। लि का सं १७८७ (लगभग)। वि शृंगार।
    प्रा —पं अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' सदावर्ती आजमगढ़।→४१–२५।

कवित्त (पद्य)—केवलदीन (द्विज) कृत । वि० स्तुति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-१६ ।

कवित्त (पद्य)—केशोराम कृत । वि० शिक्षा ।
प्रा०—श्री विष्णुदेवमणि त्रिपाठी, ग्राम तथा डा० रामपुर कारखाना (गोरखपुर)। →स० ०१-६१ ।

कवित्त (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि० सिक्खों के अकाली दल और गुरुगोविंदसिंह की प्रशंसा ।
प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ़ ।→४१-५० ग ।

कवित्त (पद्य)—गोविंद (कवि) कृत । वि० किसी कायम खाँ का यश वर्णन ।
प्रा०—श्री शिवमंगलप्रसाद, झकरामी, डा० मुशीगंज (रायबरेली) ।→ सं० ०४-८० ।

कवित्त (पद्य)—छिसियावनदास (बाबा) कृत । वि० रामकृष्ण चरित्र वर्णन ।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद, जैतूपुर (रायबरेली) ।→स० ०४-८८ क ।

कवित्त (पद्य)—छैल कृत । वि० राजाराम कायस्थ और फतेह मुहम्मद के यश का वर्णन तथा शेखमुहम्मद द्वारा सिगड़ीगढ़ जीतने का उल्लेख ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-११७ ।

कवित्त (पद्य)—जयकृष्ण (कवि) कृत । वि० शृंगार । इसमें निम्नलिखित कवि संगृहीत हैं—
१ रसपुंज, २ रसचंद, ३ भूषण, ४ रामराय, ५ कुंदन, ६ मकरंद, ७ बलभद्र, ८ वृंद, ९ काशीराम ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-६८ ।

कवित्त (पद्य)—जानकीदास कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-१२५ क ।

कवित्त (पद्य)—दुखहरन कृत । वि० जीव की मुक्ति के लिये भगवान से प्रार्थना ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१०५ क ।

कवित्त (पद्य)—दूलनदास (बाबा) कृत । लि० का० स० १९५३ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री रामप्रताप श्रीवास्तव, रामपुर टढेई, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली) । →स० ०४-१६३ क ।

कवित्त (पद्य)—धारू कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-१७२ ।

कवित्त (पद्य)—नाथ (कवि) कृत । वि० वर्णाश्रम धर्म का मंडन ।
प्रा०—श्री विश्वनाथ दूबे, रेकवारडीह, डा० मऊ (आजमगढ़) । → सं० ०१-१८८ ।

कवित्त (पद्य)—नित्यानंद 'सुकवि' कृत । वि० राम और कृष्ण की वीरता का वर्णन ।
प्रा०—पं० रमाशंकर मिश्र गुरदौला आजमगढ़ ।→४१-१२६ ।

कवित्त (पद्य)—पंचमसिंह कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→ ६-८५ ।

कवित्त (पद्य)—परसन (मिश्र या द्विज) कृत । र० का० और लि० का० सं० १८८८ से १८८६ तक । वि० रामकृष्ण और शिवभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १-२ १ क प ।

कवित्त (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) उप० रसनिधि कृत । वि० शृंगार भक्ति आदि ।
(क) प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-६५ बी ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-६५ एम ।

कवित्त (पद्य)—प्रधान कृत । वि० मसौ पुर पंथी और वैश्यों का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० १-२१४ ।

कवित्त (पद्य)—प्रयागदत्त कृत । वि० किसी बदुनाथसिंह की वीरता और दानशीलता का वर्णन ।
प्रा०—श्री बलदेव पांडेय मुरेठा डा० अमोढ़ा (बस्ती) ।→सं० ४-२१४ क ।

कवित्त (पद्य)—प्रेमदास (प्रेम) कृत । वि० रामभक्ति ।
प्रा०—पं० भारतेंदु पांडेय धौरम (गाजीपुर) ।→सं० ७-१२२ ।

कवित्त (पद्य)—प्रेमनिधि कृत । वि० भक्ति ।
प्रा०—बाबरी माताबीन कंझरा डा० करहल (मैनपुरी) ।→१८-१११ ।

कवित्त (पद्य)—बालकराम कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० सं० १८६६ ।
प्रा०—बौहर रोशनलाल सुरीर (मथुरा) ।→१८-१ ।
(ख) लि० का० सं० १६०८ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० ७-११२ ।
(ग)→पं० २२-११ ।

कवित्त (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-८६ ।

कवित्त (पद्य)—माधन (भवानीप्रसाद) कृत । लि० का० सं० १८८१ । वि० शृंगार भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदीविभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ । →सं० ४-२६ क ।

कवित्त (पद्य)—मनसाराम कृत । वि० भक्ति आदि ।
प्रा०—पं० वामाभूषण शुक्ल रायबरेली ।→२३-२७१ ।

कवित्त (पद्य)—महाराज कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० शंकरलाल, ग्राम तथा डा० महरौली (दिल्ली)।→दि० ३१-५५।

कवित्त (पद्य)—माधवप्रसाद कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० वाणीभूषण, रायबरेली।→२३-२५५।

कवित्त (पद्य)—रंगपाल कृत। लि० का० सं० १९४९। वि० भक्ति।
प्रा०—ठा० कामदेवसिंह, भिटारी, डा० लालाबाजार (प्रतापगढ)।
→सं० ०४-३१३।

कवित्त (पद्य)—रघुनाथ (कवि) कृत। वि० रामजन्म और किसी बख्तावरसिंह एवं शारदाप्रताप नामक राजा के यश का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-३१७।

कवित्त (पद्य)—रघुवरदयाल कृत। वि० संसार की निस्सारता एवं गंगा महिमा।
प्रा०—ठा० बल्देवसिंह, धौरी, डा० माल (लखनऊ)।→सं० ०७-१५६ क।

कवित्त (पद्य)—रज्जब कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १७९७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१६० क।
(ख) लि० का० सं० १८३६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१११।
(ग) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। सं० ०१-३१७।

कवित्त (पद्य)—रसखान कृत। लि० का० सं० १९७६। वि० श्रृंगार और भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२१६ क।

कवित्त (पद्य)—रसिकराइ कृत। वि० श्रृंगार।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-२१९।

कवित्त (पद्य)—रामगरीब (चौबे) कृत। लि० का० सं० १९१७। वि० समाज सुधार।
प्रा०—श्री चंद्रभाल ओझा एम० ए०, एल० टी०, प्रधानाध्यापक, ब्राह्मण हाई स्कूल, गोरखपुर।→सं० ०१-३४१।

कवित्त (पद्य)—रामचंद्र कृत। वि० रामभक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-३४३।

कवित्त (पद्य)—रामचरण कृत। वि० गुरु की महिमा।
(क) प्रा०—पं० हुब्बलाल तिवारी, ग्राम तथा डा० मदनपुर (मैनपुरी)।
→३२-१७१ जे।
(ख) प्रा०—पं० पूरनमल, मौजुआ, डा० अराँव (मैनपुरी)।→३२-१७१ के।
(ग) प्रा०—लाला जयकुमार गुप्त, डा० फरीहा (मैनपुरी)।→३२-१७१ एल।

कवित्त (पद्य)—रामबक्स (मिश्र) कृत। वि० कृष्ण भक्ति तथा राम के जीवन की प्रमुख घटनाओं का वर्णन।

प्रा —पं सवेराराम ब्रह्मभट्ट बसई, डा तांतपुर (आगरा)। → २६-२८७ ए, डी।

कवित्त (पद्य)—रामसखे कृत। वि विविध।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१५८ बी।

कवित्त (पद्य)—लघुराम कृत। वि श्रीकृष्ण जी की स्तुति।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२८० ए (विवरण अप्राप्त)।

कवित्त (पद्य)—लछिमन कृत। वि शारदा और अन्नपूर्णा की स्तुति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ८-१५१।

कवित्त (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र का सं १८१२ (?)। वि काशी नरेश के पूर्वजों की प्रशंसा।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-११४।

कवित्त (पद्य)—देवमणि कृत। वि शृंगार और भक्ति।
प्रा —पं दयाशंकर मिश्र गुरदीक्षा प्रतापगढ़।→४१-१८४।

कवित्त (पद्य)—शंभुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि शृंगार आदि।
(क) प्रा —पं कान्हीभूषण रायबरेली।→२१-१७१ ए।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ८-१७७ क।

कवित्त (पद्य)—शिवराम कृत। वि भगवान कृष्ण के जन्म से पूतनावध तक की कथा।
प्रा —पं बालमुकुंद भट्ट मथुरा दरवाजा कामवन (भरतपुर)। →४१-२६८।
टि प्रस्तुत हस्तलेख में गुसाईं चंदलाल कृत 'भागवतसार पचीसी' सुखदेव कृत 'अध्यात्म प्रकाश' अकबर और बीरबल के परिहास तथा जहाँगीर शाहजहाँ और औरंगजेब विषयक कहानियाँ भी लिपिबद्ध हैं।

कवित्त (पद्य)—शिवाराम कृत। वि किसी हरबंससिंह की प्रशस्ति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१८५।

कवित्त (पद्य)—संगमलाल कृत। वि विविध।
प्रा —पं कान्हीभूषण रायबरेली।→२१-१७२।

कवित्त (पद्य)—सिद्धदास कृत। र का सं १८१। वि भक्ति ज्ञान वैराग्य आदि।
प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपगनपांडे डा शिवरी (रायबरेली)।→ २६-४१७ ए।

कवित्त (पद्य)—सुखरण कृत। वि ज्ञान भक्ति और शृंगार।
प्रा —श्री बलवर सूबे सबरिया डा मरकुआ (गोरखपुर)।→सं १-८५७।

कवित्त (पद्य)—सूरदास कृत। वि धर्म और ज्ञानोपदेश।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-८६ ।

कवित्त (पद्य)—सेनापति कृत। वि शृंगार।
(क) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२११ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→ ४१-२६७ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार ।
प्रा०—श्री श्यामसुन्दरलाल अग्रवाल, ग्राम तथा डा० जगनेर (आगरा) ।→ २६-४०८ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—पं० वेदनिधि चतुर्वेदी, ग्राम तथा डा० पारनो (आगरा) ।→२६-४०९ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० विविध ।
प्रा०—पं० गंगाधर, कोटला (आगरा) ।→२६-४१० ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार रस ।
प्रा०—पं० रघुवरदयाल, रजौरा, डा० मदनपुर (मैनपुरी) ।→३५-१८१ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति का उपदेश ।
प्रा०—तं० कृष्णाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) ।→३५-१८४ ।

कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० रामचरित्र और शृंगार वर्णन ।
प्रा०—डा० रघुनाथसिंह जंगबहादुरसिंह, ममोगरा, डा० नैनी (इलाहाबाद) ।→ स० ०१-१०४ ।

कवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—पं० लाड़लीप्रसाद, बलरई (इटावा) ।→३५-१८२ ।

कवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० भक्ति, विनय और शृंगार ।
प्रा०—चौहरे गजाधरप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५-१८३ ।

कवित्त (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—चौधरी मलिखानसिंह, कुरसेना, डा० जसवंतनगर (इटावा) । → ३५-१८५ ।

कवित्त (दयादेव के) (पद्य)—दयादेव कृत । लि० का० सं० १८१२ (लगभग) । वि० विप्रलंभ शृंगार ।
प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर ।→४१-९५ ।

कवित्त (नरहरि महापात्र के) (पद्य)—नरहरि कृत । वि० लोहे और सोने का संवाद आदि ।
प्रा०—संग्रहालय, हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग ।→४१-१२० ।

कवित्त (निपटजी के) (पद्य)—निपटनिरंजन कृत । वि० ज्ञान, भक्ति, वैराग्य आदि ।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-१२८ ।

कवित्त (फुटकर) (पद्य)—ठाकुर (कवि) कृत । वि० भक्ति और शृंगार ।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२-२१६ ।

कवित्त (फुटकर) (पद्य)—विविध कवि कृत । वि स्फुट ।
प्रा —बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट मथुरा ।→१७–१५ (परि १) ।

कवित्त (श्री माताजी रा) (पद्य)—रसपुंज कृत । वि दुर्गास्तुति ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→ २–८१ ।

कवित्त (श्री विन्ध्यवासिनीदेवीजी को) (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि विन्ध्यवासिनी देवी की स्तुति ।
प्रा —पं दयाशंकर मिश्र गुरुटोला आजमगढ़ ।→४१–५ ग ।

कवित्त (हजरतअली के) (पद्य)—नैन (कवि) कृत । वि हजरतअली की लैबर (?) की लड़ाई तथा उनकी करामतों का वर्णन ।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा ललनौर डा रामपुर (आजमगढ़) ।→ ४१–११ का ।

कवित्त (हनुमानजी के) (पद्य)—गुरुदत्त कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं दयाशंकर मिश्र गुरुटोला आजमगढ़ ।→४१–५ क ।

कवित्त कुसुम वाटिका (पद्य)—मुगेंद्र कृत । र का सं १६१० । वि षट्ऋतु तथा राधाकृष्ण का नखशिख वर्णन ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४–१ ।

कवित्त चतुःशती (पद्य)—आलम और शेख कृत । लि का सं १७१२ । वि शृंगार ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १–१८ क ।

कवित्त चयन (पद्य)—गहरगोपाल कृत । वि वल्लभ कुल के गुसाइयों तथा राधाजी का वर्णन आदि ।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) ।→१२–५६ ए ।

कवित्त चयन (अनु) (पद्य)—विविध कवि (रसलीन देव श्याम हरि आदि) कृत । वि शृंगार ।
प्रा०—पं मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) ।→१५–१८६ ।

कवित्त तथा भजन संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध ।
प्रा —श्री प्यारेलाल चाय, सुखियापुरा डा फिरावली (आगरा) । → २६–४१२ ।

कवित्त दोहरा संग्रह (पद्य)—विविध कवि (आलम कृष्णदास तुलाराम गंग एवं माघ रसिक सुंदर और मन्न आदि) कृत । वि शृंगार रस ।
प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर ।→४१–४४१ (अप्र) ।

कवित्त दोहा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।

प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा।→१७-२४ (परि० ३)।

कवित्त दोहा संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृंगार और भक्ति। (लगभग २५ कवियों का संग्रह)।

प्रा०—डा० दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०५-१०१।

कवित्त पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (४२ कवि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-११२ (अप्र०)।

कवित्त प्रबंध (गद्यपद्य)—माणिकदास कृत। वि० वेदांत तथा उपासना।

प्रा०—श्री आसतराम, महामंदिर जोधपुर।→०१-१३२।

कवित्त भाषा दूषण विचार (पद्य)—अन्य नाम 'भाषा काव्यप्रकाश'। बलभद्र कृत। र० का० सं० १७४४। वि० काव्य के लक्षण और गुण दोष।

(क) लि० का० सं० १८७४।

प्रा०—पं० शिवदुलारे दूबे, हुसैनगंज, फतेहपुर।→०६-१६।

(ख) प्रा०—ठा० महावीरबक्शसिंह, कोठारकलाँ (सुलतानपुर)।→२३-२६।

कवित्त रत्नमालिका (पद्य)—रामनारायण कृत। र० का० सं० १८७७। वि० भक्ति।

प्रा०—श्री लछमनदास, जोधपुर।→०१-६३।

टि० रचयिता के अतिरिक्त अन्य कवि भी संगृहीत हैं।

कवित्त रत्नाकर (पद्य)—सेनापति कृत। र० का० सं० १७०६। वि० शृंगारादि स्फुट।

(क) लि० का० सं० १६३८।

प्रा०—पं० मंगलीप्रसाद हिंदी शिक्षक, कन्नौज।→०६-२८७।

(ख) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-४३३ बी।

(ग) प्रा०—ठा० गणेशसिंह, करैला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३-३७६ बी।

(घ) प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र, रतनपुर, डा० अलीगंज (खीरी)।→२६-४३३ ए।

(ङ) लि० का० सं० १८८४।→२३-३७६ ए।

कवित्त राजनीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत)।

कवित्त रामायण (पद्य)—चंद (कवि) कृत। वि० राम कथा।

(क) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—लाला बेनीराम, गंगागंज, डा० सलेमपुर (अलीगढ)।→२६-६३।

(ख) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—बाबा रघुबरदास मानपुर, डा० बेवर (मैनपुरी)।→१२-१६।
(ग) प्रा०—श्री श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर।→सं० ७-४१।
कवित्त रामायण (पद्य)—मंगलदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६११। वि० रामचरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ४-२७१ ख।
कवित्त रामायण (पद्य)—लाल (कवि) कृत। वि० धनुर्यज्ञ वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२३८।
कवित्त रामायण (पद्य)—सैनापति कृत। वि० रामकथा।
प्रा०—श्री चुन्नीलाल अग्रवाल ताजपुरा मथुरा।→२२-३६ ए।
कवित्त रामायण (पद्य)—हरिदास (सुदामल ससाद) कृत। र० का० सं० १८८६। लि० का० सं० १८८६। वि० रामचरित्र।
प्रा०—ठं० राजकिशोर भगवानदास कायस्थ (रायबरेली)।→२६-१४१।
कवित्त रामायण→'कवितावली' (गो० तुलसीदास कृत)।
कवित्त लिलहारी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण की लिलहारी लीला का वर्णन।
प्रा०—पं० कृष्णाराम मिश्र करहरा डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→१५-१८७।
कवित्त वसंत→'षटऋतु संबंधी कवित्त' (ग्वाल कवि कृत)।
कवित्त विचार (पद्य)—चिंतामणि कृत। वि० पिंगल।
प्रा०—श्री कन्हैयालाल महापात्र असनी (फतेहपुर)।→२०-११।
कवित्त विरह (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—पं० बैजनाथ शर्मा जसवंतनगर (इटावा)।→१५-७३ डी।
कवित्त शृंगार पचीसी सटीका (गद्यपद्य)—अन्य नाम शृंगार पचीसी तिलक समेत। गोपाल (बक्शी) कृत। र० का० सं० १८८५। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों की प्रेमक्रीड़ा।
(क) लि० का० सं० १६ ६।
प्रा०—श्री राजा भगवानबक्शसिंह अमेठी (सुलतानपुर)।→२३-१३१।
(ख) लि० का० सं० १६ ६।
प्रा०—महाराज कुमार रणंजयसिंह अमेठी (सुलतानपुर)।→सं० ७-३०।
कवित्त शतसाई (पद्य)—आलम कृत। वि० भक्ति और शृंगार।
प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, हाउसीन गंजीपुर, मेडिकल कालेज लखनऊ।→सं० ४-१५ ग।
कवित्त संग्रह (पद्य)—सीतीराम कृत। (सैनापति देव पद्माकर और रसखान आदि कवियों का संग्रह)। वि० भरतपुर नरेश बलवंत बलवंत और जवाहिर की प्रशंसा आदि।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४६।

कवित्त संग्रह (पद्य)—अनंत (कवि) कृत। वि० शृंगार रस।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-१७।

कवित्त संग्रह (पद्य)—आनन्दराम कृत। वि० राधाकृष्ण की शोभा और शृंगार।

(क) प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-७ बी।

(ख) प्रा०—श्री शरणलाल दर्जी, बमई, डा० तौतपुर (आगरा)।→३२-७ डी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—आलम और शेख कृत। र० का० सं० १८वीं शताब्दी। वि० शृंगार।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-१८।

कवित्त संग्रह (पद्य)—किशोर कृत (और संग्रहीत)। वि० स्वरचित तथा पद्माकर, मदन, भूधर, महबूब और परमानंद का विविध विषयक संग्रह।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-२१२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० शृंगार, गजोद्धार, कलियुग एवं शांत रसादि का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० गंगाराम शर्मा, ग्राम तथा डा० उमरगर (मैनपुरी)।→२३-७३ बी।

(ख) प्रा०—चौधरी प्रसादराम शर्मा, भरथना (इटावा)।→३१-३३ डी, एफ।

(ग) प्रा०—श्री फूलचंद साधु, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३१-३३ ई।

(घ) प्रा०—पं० सोहनपाल, धनुवाँ, डा० बलरई (इटावा)।→३८-५५ डी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १६६०। वि० भक्ति, शृंगार और उपदेश।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, भैलासरैया, डा० चौरी (बहराइच)।→२३-१७८ बी।

कवित्त संग्रह (पद्य)—दुर्गादत्त कृत। वि० विनय और उपदेश।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ शर्मा, वैद्य, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-७६।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बीरबल (राजा) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-६७।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बेधा (?) कृत। र० का० सं० १८५८ के लगभग। वि० भक्ति और शृंगार।

प्रा०—श्री लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, वाजपेयीखेड़ा, डा० बेहटा (रायबरेली)।→सं० ०४-२४२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—बेनी (कवि) कृत । वि बेनी शिव परमेश और शंभु आदि कवियों का संग्रह ।
प्रा —ठा नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२१-१७ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—मैकू (कवि) कृत । र का सं १८७५ । लि का सं १८८ । वि विविध ।
प्रा —पं उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ २६-२५ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—मोहन कृत । वि शृंगार ।
प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→२१-२८ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि स्फुट ।
प्रा —पं श्रीरामलाल शर्मा कचौराघाट (आगरा) ।→१२-१६६ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—सीताराम (शुक्ल) कृत । र का सं १६१ । लि का सं १६१७ । वि कृष्णलीला एवं ऋतुवर्णन आदि ।
प्रा०—पं भोलानाथ शुक्ल गोनी डा अतरौली (हरदोई) ।→२६-४१६ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—दुलारी (?) कृत । वि भक्ति और वैराग्य । (अन्य संगृहीत कवि रसखानि, दयानिधि आलम कृष्णलाल टोडर भूधर और सुंदर आदि) ।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→४१-४४४ (अप्र) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि स्फुट ।
प्रा —भारती भवन इलाहाबाद ।→१७-११ (परि १) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध ।
प्रा —पं रमाकांत शुक्ल पुरवा गरीबदास डा गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→ २६-११ (परि १) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी किशोर और कालनाथ आदि) कृत । वि स्फुट ।
प्रा —पं लालनारायण त्रिपाठी बंडा डा गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-१७ (परि १) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर चिंतामणि कालिदास और मकरंद आदि) कृत । वि स्फुट ।
प्रा —पं रमाकांत त्रिपाठी बंडा डा गड़वारा (प्रतापगढ़) । → २६-१७ (परि १) ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध ।
प्रा —ठा कालकासिंह बैसवारा डा विजनौर (लखनऊ) ।→१६-४११ ।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (रसखान किशोर और आलम तथा अन्य दुर्लभ कवि) कृत । वि स्फुट ।

प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४३।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि (हरिचद, ठाकुर, रघुनाथ आदि प्रसिद्ध एव दुर्लभ कवि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४४।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि (भवानीराम, तुलसीदास और श्रीपति आदि ज्ञाता ज्ञात कवि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी, श्री गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४५।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि (सेनापति, पद्माकर और कविसिंह आदि ज्ञाताज्ञात कवि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—प० लक्ष्मण भट्ट, बीच चौक, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४६।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि (ग्वाल, मतिराम और देव आदि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—श्री जैन मदिर, कटवारी, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२-२४७।

कवित्त सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृगार और वैराग्य।

प्रा०—प० द्वारिकाप्रसाद, बकेवर (इटावा)।→३५-१८८।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० प्रेम, भक्ति और शृगार।

प्रा०—सारख, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३५-१८९।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—प० इच्छाराम मिश्र, करहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी)।→३५-१९०।

कवित्त सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।

प्रा०—प० लल्लूमल महेरे, बाउथ, डा० बलरई (इटावा)।→३५-१९१।

कवित्त सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृगार, करुण तथा शात रसादि का वर्णन।

प्रा०—चौ० जनकसिंह उर्फ तिलकसिंह रईस, जायमई, डा० भदान (मैनपुरी)। →३५-१९२।

कवित्त संग्रह (पद्य)—विविध कवि (परशुराम, गदाधर भट्ट, गोकुलनाथ आदि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—प० चक्रपाणि दूबे, बलरई (इटावा)। →३५-१९३।

कवित्त सग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, रसखान, बलदेव आदि) कृत। वि० स्फुट।

प्रा०—मु० बचनलाल, चकवाखुर्द, डा० बसरेहर (इटावा) →३५-१९४।

प्रा०—प० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४८।

कवित्तसार संग्रह (पद्य)—गुविंद (गोविंद) द्वारा संगृहीत। वि० ऋतु वर्णन। अन्य संगृहीत कवि देव, कालिदास, केशवदास, ठाकुर, भवानी, घासीराम आदि।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-१४ ख।

कवित्त हजरत अली शाह मरदान सेरे खुदा सलवातुलाह अले हवाल ही वोसलम की हाल गढ खैबर की लडाई का तथा कवित्त हजरत अली के माजिजा के (पद्य)—नैन (कवि) कृत। वि० हजरत अली की खैबर की लड़ाई तथा हजरत अली के माजिजा।
प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ)।→४१-१३० क।

कवित्तादि (पद्य)—दयाकृष्ण कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति।
प्रा०—प० परमानंद शर्मा, ग्राम तथा डा० बलदेव (मथुरा)।→१७-४६ ए।

कवित्तादि (पद्य)—सर्वसुखदास कृत। लि० का० स० १८८०। वि० राधावल्लभी भक्ति।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-२७८।

कवित्तादि प्रबंध (पद्य)—प्रेमसखी कृत। वि० सीताराम प्रेम वर्णन।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१३७ बी।

कवित्तावली (पद्य)—रामसखे कृत। वि० रामकथा और दानलीला आदि।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१५८ ई।

कवित्तावली→'कवितावली' (गो० तुलसीदास कृत)।

कवित्तावली→'कवितावली रामायण' (रामचरणदास कृत)।

कवित्तावली भक्तविलास (पद्य)—वासुदेव (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १६५२। वि० भक्ति और शृंगार।
प्रा०—ठा० दीपनारायणसिंह, महमूदपुर, डा० सेमरी महमूदपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०१-३८५।

कवित्तों का संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विविध।
प्रा०—प० श्यामलाल भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३५-१६८।

कवित्तों का स्फुट संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० सूरत, जानराय और घनानंद आदि ज्ञाताज्ञात कवियों का संग्रह।
प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३२-२४६।

कवित्तों की किताब (पद्य)—विविध कवि (केशव, देव, मतिराम आदि) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—पं० श्रीराम दूबे, ग्राम तथा डा० मदान (मैनपुरी)।→३५-२००।

कवित्तों की किताब (पद्य)—विविध कवि (देव पद्माकर, मतिराम आदि) कृत।
वि शृंगार, भक्ति, विनय आदि।
प्रा —पं गौरीशंकर लमीचा डा शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→१५-२ १

कवित्त की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि भक्ति शृंगार प्रेम आदि।
प्रा —पं जगन्नाथप्रसाद चातरी डा ठिलियानी (मैनपुरी)।→१५-१६६।

कविदर्पण (पद्य)—अन्य नाम 'भूषणदर्पण'। ग्वाल (कवि) कृत। र का सं १८९१। काव्य दोष निदर्शन।
(क) प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी।→ ६-१ २।
(ख) प्रा०—पं नवनीत चौबे कवि मारूगली मथुरा।→१७-६५ सी।

कविप्रमोद रस (पद्य)—मान जी (मुनि) कृत। र का सं १७४६। वि वैद्यक।
प्रा —श्री लल्लूलाल मिश्र मवैया (फतेहपुर)।→२०-१ १।

कविप्रिया (पद्य)—केशवदास कृत। र का सं १६५८। वि कवि शिक्षा।
(क) लि का सं १७२४।
प्रा०—बाबू बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→४१-८८१।
(ख) लि का सं १७१३।
प्रा०—प्रार्मेद भवन पुस्तकालय डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२११ सी।
(ग) लि का सं १८७९।
प्रा —श्री शिवनारायण वाजपेयी वाजपेयी का पुरवा डा तिसहवा (बहराइच)।→२१ २ ७ ए।
(घ) लि का सं १८८१।
प्रा —बाबू पद्मचन्द्रसिंह तालुकेदार जबेरपुर (बहराइच)।→२१-२ ७ बी।
(ङ) लि का सं १८८२।
प्रा —श्री कुंजीलाल भट्ट चौबिसा डा किरावली (आगरा)।→२६-२१२ ई।
(च) लि का सं १९ ६।
प्रा —पं ओंकारनाथ पांडेय अध्यापक संस्कृत पाठशाला चचेहरा डा कोडानौरिया (प्रतापगढ़)।→२६-२११ डी।
(छ) लि का सं १९१।
प्रा —राजपुस्तकालय किला प्रतापगढ़।→२६-२११ सी।
(ज) प्रा —बाबू कृष्णबलदेव वर्मा कैसरबाग लखनऊ।→ -२१।
(झ) प्रा —भारती भवन इलाहाबाद।→१०-६६ सी।
(ञ) प्रा —पं शिवलाल बाजपेयी असनी (फतेहपुर)।→ -८१ बी।
(ट) प्रा०—पं रामदत्त मिश्र मद डा बरहन (आगरा)।→२३-२ सी।
(ठ) प्रा —पं भवानीप्रसाद माढ़ा डा फिरोजाबाद (आगरा)।→२९-११९ डी।

कविप्रिया का तिलक (गद्यपद्य)—धीर कृत। र० का० स० १८७०। लि० का० स० १६३७। वि० 'कविप्रिया' की टीका।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६।

कविप्रिया की टीका (गद्य)—दौलतराम कृत। र० का० स० १८६७। लि० का० स० १८६७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर)। → २०–३५ बी।

कविप्रियाभरण (गद्यपद्य)—अन्यनाम 'कविप्रिया सटीक'। हरिचरणदास कृत। र० का० स० १८३५। वि० 'कविप्रिया' (के कठिन पद्यों) की टीका।
(क) लि० का० स० १८३७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–५८।
(ख) लि० का० स० १८८३।
प्रा०—पं० रामबरन उपाध्याय, टेलिग्राफ निरीक्षक, फैजाबाद।→०६–१०८।
(ग) प्रा०—श्री लालबिहारी दूबे, लछीपुर, डा० नेहरुथा (रायबरेली)। →स० ०४–४३१ क।

कविप्रियाभरणाख्या→'कविप्रियाभरण' (हरिचरणदास कृत)।

कविप्रिया सटीक (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १८५६।
प्रा०—श्री जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→१२–१८६।
(ख) प्रा०—ठा० ज्ञानसिंह, माधोपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–४१६ ए।

कविप्रिया सटीक→'कविप्रियाभरण' (हरिचरणदास)।

कवि बछ→'रामबछ' ('भागवत भाषा' के रचयिता)।

कविमुखमडन (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत। लि० का० स० १८७०। वि० अलंकार।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–३५।

कवित्तरत्नमालिका (पद्य)—रामनारायण ब्राह्मण (रसरासि) कृत। र० का० स० १८२७। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री लक्ष्मनदास, जोधपुर।→०१–६३।

कविराज (महापात्र)→'शिवराज (महापात्र)' ('रससागर' के रचयिता)।

कविराम→'राम (कवि)'।

कविलाल→'लाल (कवि)' ('अगदपैज' के रचयिता)।

कविवल्लभ (पद्य)—हरिचरणदास कृत। र० का० स० १८३५। वि० काव्य के दोषों का विवेचन।
(क) लि० का० स० १६००।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६–२५५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–४११ ख ।

कविविनाद (पद्य)—कृष्णदत्त कृत । र का सं १९२८ । वि ज्योतिष ।

प्रा —श्री नाथू बनिया पुरानी बस्ती कटनी (जबलपुर) ।→२६–२ ।

कविविनोद (पद्य)—मान कवि या मुनिमान कृत । र का स १७४५ । वि वैद्यक ।

(क) लि का स १८७६ ।

प्रा —कुँवर महतावसिंह रियासत मंदवारा डा मानिकपुर (मथुरा) ।→ ३५–६६ ।

(ख) लि का सं १८९१ ।

प्रा —श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य फिरोजाबाद (आगरा) ।→२६–१११ ए ।

(ग) प्रा —श्री सुरेंद्रनाथ पांडे संगदपुर डा पीरनगर (गाजीपुर) ।→सं १–२६१ ख ।

टि खो वि २०–११३ पर भूल से रचयिता का नाम गुरुप्रसाद मान लिया गया है ।

कविविनोद नाम भाषा निदान चिकित्सा→'कविविनोद (मान कवि या मुनिमान कृत)।

कविसर्वस्व (गद्यपद्य)—जयगोविंद (वाजपेयी) कृत । लि का सं १७६५ । वि काव्य प्रयोजन रसालंकार और नायिकाभेद आदि ।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय श्री गोकुलचंद्रमा जी का मंदिर कामवन (भरतपुर) ।→१८–७१ ।

कविहृदय विनोद (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । वि देव स्तुति षट्ऋतु और शृंगारादि वर्णन ।

(क) लि का सं १८८८ ।

प्रा०—सेठ अयोध्याप्रसाद शृंगार हाट अयोध्या ।→२०–५८ सी ।

(ख) प्रा —पं मन्मनराम चौक, लखनऊ ।→२१– ४६ ए ।

(ग) प्रा —पं वैजनाथ प्रसाद अमौली डा बिजनौर (लखनऊ) ।→ ३६–११५ बी ।

कवींद्र→'उदयनाथ (बानपुरा निवासी) ।

कवींद्र→'कवींद्र सरस्वती ('कविसार के रचयिता) ।

कवींद्र सरस्वती—उप कवींद्राचार्य सरस्वती । ऋग्वेदीय आश्वलायन शाखा के ब्राह्मण । पहले गोदावरी तट पर पश्चात् काशी में निवास । सं १६८० के ७१४ के लगभग वर्तमान ।

वसिष्ठसार (पद्य)→०१–२७६, २०–७६ ए, बी, पं० २२–१३, २६–१६० ए, बी, ४१–२७७, स० ०७–१४।

समरसार (पद्य)→०४–३६।

कवींद्राचार्य सरस्वती→'कवींद्र सरस्वती' ('वशिष्ठसार' के रचयिता)।

कशफुलवजूद अर्थात ब्रह्म निरूपण (पद्य)—बुरहानशाह कृत। वि० ब्रह्म निरूपण।
प्रा०—डा० मुहम्मद हफीज सैयद, १३, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–१६२क।

कसौंदी की लडाई (पद्य)—भेदीराम कृत। लि० का० स० १६४५। वि० गजमोतिन और मलहान के विवाहातर्गत कसौंदी की लड़ाई।
प्रा०—लाला रामस्वरूप, आमरी, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२–२३।

कहरनामा (ककहरानामा) (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० स० १८१८। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० स० १६२३।
प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)।→स० ०१–१८४।

(ख) लि० का० स० १६८२।
प्रा०—प० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरानपाडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→२६–२४६ बी।

कहरा (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महत लखनलालशरण, लक्ष्मणकिला, अयोध्या।→०६–३२६ ई।

कहरानामा (पद्य)—गोसाईंदास कृत। लि० का० स० १६६८। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबकी)।→स० ०४–८५ क।

कहरानामा (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० स० १८१०–१८१४ (लगभग)। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० स० १८४०।
प्रा०—महत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर)।→२६–१६२जी।

(ख) लि० का० स० १६२३।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबकी)।→स० ०४–१०५ च।

(ग) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—महत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर)।→२६–१६२ ई।

(घ) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर)।→२६–१६२ एफ।

कहरानामा (पद्य)—मलिकमुहम्मद जायसी कृत । वि ईश्वर स्तुति ।
  (क) लि का सं १७७ ।
  प्रा०—आर्यभाषा पुस्तकालय द्वारा बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–२०६ ए ।
  (ख) प्रा —महंत गुरुप्रसाददास, कहरावाँ (रायबरेली) ।→सं ४–२८७ बी ।

कहानियों का संग्रह (गद्य)—मोतीलाल कृत । लि का सं १९१ । वि सौ कहानियों का संग्रह ।
  प्रा०—पं रामभरोसे वैद्य जी द्वारा मारहरा (एटा) ।→२६–२१२ ।

कहारनामा या कहारनाम→'कहरानामा (मलिकमुहम्मद जायसी कृत) ।

कांतामूषण (पद्य)—गणेश कृत । लि का सं १८०१ । वि नायक नायिका भेद ।
  प्रा —पं शिवलाल वाजपेयी असनी (फतहपुर) ।→२ –१५६ ।

काकराम—(?)
  रामविवाह ? (पद्य)→सं १–१० ।

काजिमअली जवान—सं १८५७ के लगभग वर्तमान । इन्होंने लल्लू जी लाल की सहायता से ब्रजभाषा की सिंहासनबत्तीसी का खड़ी बोली में अनुवाद किया था ।
  सिंहासन बत्तीसी (गद्य)→ ६–१८ ।

काजी कायम जी और अन्य साधु (मासिक और साबुर)—संभवतः मुसलमान ।
  सारणी (पद्य)→सं १०–१२ ।

काजी महमूद—कोई संत । संभवतः पंजाब निवासी ।
  पद और साखी (पद्य)→सं १ –११ ।

काजी महमूद बहरी→'महमूद बहरी (काजी) ।

कादंबरी (पद्य)—नरदेव कृत । र का सं १८४१ । लि का सं १८४१ ।
  वि संस्कृत 'कादंबरी' का अनुवाद ।
  प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद छत्रपुर ।→०५–५८ ।

कादंबरी (गद्य)—रामचंद्र (बाबू) कृत । र का सं १९०४ । वि संस्कृत 'कादंबरी' का अनुवाद ।
  (क) लि का सं १९२७ ।
  प्रा —श्री हनुमंतसिंह रघुवंशी द्वारा मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–३७५ ए
  (ख) लि का सं १९२८ ।
  प्रा —श्री रामनारायण शास्त्री जानपुर द्वारा लखीमपुर (खीरी) ।→२६–३७५ बी ।
  (ग) लि का सं १९१२ ।
  प्रा —श्री बेचूसिंह रईस कासिमपुर द्वारा मछरेहटा (सीतापुर) ।→२६–३७५ सी ।
  (घ) लि का सं १९३६ ।
  प्रा —श्री विष्णुभरोसे पाठकपुर (उन्नाव) ।→२६–३७५ डी ।

कान्यकुब्ज दर्पण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४८। वि० कान्यकुब्ज वंशावली।
प्रा०—पं० रामदयाल शुक्ल, निगोहाँ (लखनऊ)।→२६–४०३।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—हरणीधर कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)।→२०–४२ बी।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—नारायणप्रसाद कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्रीमती रानी कुँअरि, भू० पू० अध्यापिका, कन्या पाठशाला, सिरसागंज (मैनपुरी)।→३२–१५४।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)—बाजीलाल (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–३६।
(ख) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—पं० गयादीन शुक्ल, मानपुर, डा० तबौर (सीतापुर)।→२६–२८।

कान्ह (कवि)—अन्य नाम कान्हर। वृंदावन निवासी। सं० १८०२ के लगभग वर्तमान।
देवीविनय (पद्य)→०६–२७७।
नखशिख (पद्य)→०३–६०, ३२–१०७ बी।
रसरंग (पद्य)→२६–१८३, ३२–१०७ ए, सं० ०४–२८।

कान्ह कवि या लघु कान्ह—पाली शहर निवासी। मनीराम के वंशज। अलवर नरेश विनेश के दरबारी हरिनाथ के आश्रित। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।
हरिनाथ विनोद (पद्य)→सं० ०१–३८।

कान्ह (द्विज)—सं० १६३५ के लगभग वर्तमान।
ज्योतिस्सारावली (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–२६।

कान्ह और व्यास—(?)
बिहारी सतसई (गोवर्द्धन सतसैया को सार) (पद्य)→सं० ०१–३६।

कान्ह को बारहमासी→'बारहमासा' (लखनसेनि कृत)।

कान्ह जी—साधो संप्रदाय के अनुयायी।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–१५।

कान्हर→'कान्ह (कवि)' (रसरंग' आदि के रचयिता)।

कान्हरदास (बाबा)—गोकुलपुरा (आगरा) निवासी। बीसवीं शताब्दी के आरंभ में वर्तमान।
पद रामायण (पद्य)→२६–२२३ ए, बी, सी।

कान्हाँ खाँ—कोई प्राचीन संत।
पद (पद्य)→सं ७-१६।
कापिरबोध (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १८३१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं ०-११ ग।
(ख)→ २-६१ (छह)।
कामकला सार (पद्य)—अन्य नाम 'कोकफला सार'। हंसागिरि कृत। र का सं १८३०। लि का सं १६२२। वि कामशास्त्र।
प्रा —श्री मनदत्त शुक्ल स्थान व डा बरहामानिकपुर (रायबरेली)।→ सं ४-१७।
कामतानाथ—रघुनाथ मिश्र के पुत्र और शिवप्रसाद मिश्र के पितृव्य। फतहपुर जिले के हाजीपुर ग्राम के निवासी। सं १६ के लगभग वर्तमान।
पाक संग्रह (गद्यपद्य)→१ -७६।
कामराज (गद्य)—माप कृत। लि का सं १८४ । वि कामशास्त्र और रसादि औषधियों का वर्णन।
प्रा —पं शारदाप्रसाद दूबे मथवों डा सैमुआ (सुलतानपुर)। → सं ४-१८०।
कामरूप का किस्सा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि राजकुमार कामरूप (गोरखपुर) और राजकुमारी कामकला (सारन) की प्रेम कहानी।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१४२।
कामरूप की कथा (पद्य)—हरिसेवक (मिश्र) कृत। वि राजकुमार कामरूप (वाराणसी) और राजकुमारी कामलता (सिंहलद्वीप) की कथा।
(क) प्रा —प्रा बाबू कामताप्रसाद प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५-८ ।
(ख) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-५१ बी।
कायम खाँ—संभवतः मालवा के सूबेदार बंगस (सं १७८) के पुत्र। गोविंद कवि के आश्रयदाता।→सं ४-८ ।
कायस्थोत्पत्ति कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १६ ६। लि का सं १६ ६। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं कन्हैयालाल शर्मा मितराम फतेहाबाद (आगरा)।→२६-४११।
कायापाँजी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का स १६ ४। वि योग।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-६१ बी।
कत्यापाली (पद्य)—धर्मदास कृत। लि का सं १८७४। वि कबीरपंथ के सिद्धांत।
प्रा —बाबू अमीरचंद गुप्त प्रबंधक, बी बी गुप्त एंड कंपनी चौक वाराणसी।
→११-१ प।

कायाबेलि (पद्य)—दादूदयाल कृत । लि० का० स० १६६० । वि० काया में समस्त ब्रह्मांड का दर्शन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–८१ क ।

कायाविलास (पद्य)—संतदास (हजारीदास) कृत । लि० का० स० १६६६ । वि० शारीरिक वायुओं और इंद्रियों के संबंध में गुरु शिष्य संवाद ।
प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर (बाराबंकी) ।→२६–४२७ ए ।

कार्तिकतरंग (पद्य)—रामदास कृत । वि० श्रीकृष्ण की कार्तिक लीलाओं का वर्णन ।
प्रा०—पं० द्वारिकाप्रसाद शुक्ल 'शंकर', अवकाशप्राप्त न्यायाधीश, प्रभुटाउन, रायबरेली ।→स० ०४–३३२ ।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—भगवानदास (निरंजनी) कृत । र० का० स० १७८२ । वि० कातिक महीने का धार्मिक महत्व वर्णन ।
(क) लि० का० स० १६७३ ।
प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगंज (आगरा) ।→ २६–३६ सी ।
(ख) लि० का० स० १८८१ ।
प्रा०—पं० हरवंशलाल, आयरा खेड़ा, डा० राया (मथुरा) ।→३८–१० बी ।
(ग) लि० का० स० १६०६ ।
प्रा०—पं० प्यारेलाल शर्मा, बसई मुहम्मदपुर (आगरा) ।→२६–३६ बी ।
(घ) लि० का० स० १६२६ ।
प्रा०—पं० लखमीचंद गौड़, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । → २६–३६ ए ।
(ङ)→पं० २२–१३ ।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रंगीलाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६८० ।
प्रा०—लाला गंगाबख्श, पिंडौरा (हरदोई) ।→२६–२६३ ए ।
(ख) लि० का० स० १६४० ।
प्रा०—लाला हरसुखराय, गंगाधरपुर, डा० जैथरा (एटा) ।→२६–२६३ बी ।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—गंधोदास (राघवदास) कृत । र० का० स० १८४८ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) । →स० ०१–३३१ क ।
(ख) प्रा०—श्री शिवबालकराम मिश्र, कपूरीपुर, डा० करहियाबाजार (रायबरेली) ।→स० ०४–३२२ ।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रामकृष्ण कृत । र० का० स० १७४२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा —श्री बनवारीदास पुजारी चामनढोला समाई, ग्रा पतमाबपुर (आगरा)। →२६-२८८ बी।

(ख) प्रा —पं शालिग्राम शर्मा मडुआ, ग्रा बैतपुरकलाँ (आगरा)।→ २९-२८८ ए।

(ग) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य वैद्य, ग्रा फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२८८ सी

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—गर्वतराम कृत। र का सं १६२५। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १६२६।

प्रा —पं शिवदुलारे लालनपुर ग्रा मगरैर (उन्नाव)।→२६-४६२ ए।

(ख) लि का सं १६२६।

प्रा०—पं बलदेवप्रसाद तिवारी वक्ता ग्रा कछवन (कानपुर)।→ २६-४६२ बी।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं महावीराम सरैनी ग्रा जगनेर (आगरा)।→२६-४ ५।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९ २। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा पं जयगोविंद मिश्र सरैनी ग्रा जगनेर (आगरा)।→२६-४ ६।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६१२। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं बाबूराम वैद्य डिस्ट्रिक्ट बोर्ड डिस्पैंसरी कोटला (आगरा)।→ २६-४ ७।

कार्तिक माहात्म्य कथा→कार्तिक माहात्म्य (भगवानदास निरंजनी कृत)।

कालचक्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि जन्म के नक्षत्रों से अवस्था की सीमा निश्चित करना।

प्रा —श्री वासुदेवसहाय, कमास ग्रा माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २६-१६ (परि १)।

कालज्ञान (पद्य)—अग्निवेश कृत। वि ज्योतिष।

प्रा —पं कृष्णप्रसाद कटबारा ग्रा मांट (मथुरा)।→१८-११७।

कालज्ञान (पद्य)—अन्य नाम 'कालज्ञान पंचमाला'। रामचरण (स्वामी) कृत। वि ज्योतिष।

(क) लि का सं १७९१।

प्रा —श्री रामसिंह विसिन ग्रा महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६ १७८।

(ख) लि का सं १७८८।

प्रा —श्री महंत गोपालदास निंबाना जोधपुर।→२६-१४ बी।

(ग) लि का सं १७८८।

कायाबेलि (पद्य)—दादूदयाल कृत। लि० का० स० १६६०। वि० काया में समस्त ब्रह्माड का दर्शन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–८१ क।

कायाविलास (पद्य)—सतदास (हजारीदास) कृत। लि० का० स० १६६६। वि० शारीरिक वायुओ और इंद्रियों के सबध में गुरु शिष्य सवाद।
प्रा०—महत चद्रभूषणदास, उमापुर (बाराबकी)।→२६–४२७ ए।

कार्तिकतरग (पद्य)—रामदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की कार्तिक लीलाओं का वर्णन।
प्रा०—प० द्वारिकाप्रसाद शुक्ल 'शकर', अवकाशप्राप्त न्यायाधीश, प्रभुटाउन, रायबरेली।→स० ०४–३३२।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—भगवानदास (निरजनी) कृत। र० का० स० १७८२। वि० कार्तिक महीने का धार्मिक महत्व वर्णन।
(क) लि० का० स० १६७३।
प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगज (आगरा)।→२६–३६ सी।
(ख) लि० का० स० १८८१।
प्रा०—पं० हरवशलाल, आयरा खेड़ा, डा० राया (मथुरा)।→३८–१० बी।
(ग) लि० का० स० १६०६।
प्रा०—प० प्यारेलाल शर्मा, बसई मुहम्मदपुर (आगरा)।→२६–३६ बी।
(घ) लि० का० स० १६२६।
प्रा०—प० लखमीचद गौड़, चदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–३६ ए।
(ङ)→प० २२–१३।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रगीलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—लाला गगाबख्श, पिंडौरा (हरदोई)।→२६–२६३ ए।
(ख) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—लाला हरसुखराय, गगाधरपुर, डा० जैथरा (एटा)।→२६–२६३ बी।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—राघोदास (राघवदास) कृत। र० का० स० १८४८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)। →स० ०१–३३१ क।
(ख) प्रा०—श्री शिवबालकराम मिश्र, कपूरीपुर, डा० करहियाबाजार (रायबरेली)।→स० ०४–३२२।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रामकृष्ण कृत। र० का० स० १७४२। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १६०६।

प्रा०—श्री बनवारीलाल पुजारी बाघनठोला समाई, डा एतमादपुर (आगरा)। →१६–२८८ बी।

(ग) प्रा०—पं शालिग्राम शर्मा मडुआ, डा बैंदपुरकलाँ (आगरा)।→ २६–२८८ ए।

(ग) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य हैगढ़, डा फिरोजाबाद (आगरा)।→१६–२८८ सी

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—बलवंतराय कृत। र का सं १६२५। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १६२६।

प्रा —पं शिवदुलारे लखनपुर, डा मगरैर (उन्नाव)।→२६–४६१ ए।

(ख) लि का सं १६२६।

प्रा०—पं बलदेवप्रसाद तिवारी भौंता डा ककवन (कानपुर)।→ २६–४६२ बी।

कार्तिक माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं महावीराम सरैंधी डा बमनेर (आगरा)।→२६–४ ५।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६ २। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा पं जयगोविंद मिश्र सरैंधी डा बमनेर (आगरा)।→२६–४ ६।

कार्तिक माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६१२। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं बाबूराम वैद्य डिस्ट्रिक्ट बोर्ड डिस्पेंसरी कोटला (आगरा)।→ १६–४ ७।

कार्तिक माहात्म्य कथा→कार्तिक माहात्म्य (भगवानदास निरंजनी कृत)।

कालचक्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि जन्म के नक्षत्रों से अवस्था की सीमा निश्चित करना।

प्रा —श्री वासुदेवशरण, कमाल डा माधौगंज (प्रतापगढ़)। → २६–१६ (परि १)।

कालज्ञान (पद्य)—भगिरथ कृत। वि ज्योतिष।

प्रा —पं कृष्णप्रसाद करपारा डा मांट (मथुरा)।→१८–१२०।

कालज्ञान (पद्य)—अन्य नाम कालज्ञान ग्रंथमाला। रामचरण (स्वामी) कृत। वि ज्योतिष।

(क) लि का सं १ ६१।

प्रा —श्री मुरलिसिंह सिसिरा डा महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६ १०६।

(ख) लि का सं १६०१।

प्रा —श्री महंत गायत्रीदास दिव्यधाम सीतापुर।→ १–२४ बी।

(ग) लि का सं १६०४।

प्रा०—प० नगेशर, बुबकापुर, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–३४० सी।

(घ)→प० २२–६२।

कालज्ञान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—प० महावीरप्रसाद तिवारी, रहीमाबाद (लखनऊ)।→स० ०७–२२२।

कालज्ञान ग्रंथमाला→'कालज्ञान' (स्वा० रामचरण कृत)।

कालिका (सेठ)—शाहजहाँपुर निवासी। स० १६१० के लगभग वर्तमान।

रतनविलास (पद्य)→२६–२१६।

कालिकाचरण—सं० १६११ के पूर्व वर्तमान।

कृष्णक्रीड़ा (पद्य)→२६–२१७ ए, बी, सी, २६–१७६ ए, बी।

कालिकाप्रसाद—(?)

नखशिख (पद्य)→२३–२०१।

कालिकाष्टक (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि० काली जी की महिमा।

प्रा०—श्री महेश्वरीप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ)।→ ४१–४७ क।

कालिकाष्टक (पद्य)—दलपति (मथुरिया) कृत। लि० का० स० १८४७। वि० कालिका देवी की वंदना।

प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई)।→१२–४४।

कालिदास—(?)

बसतराज (पद्य)→स० ०१–४० क, ख।

कालिदास—(?)

भ्रमरगीता (पद्य)→०६–१४४।

कालिदास (त्रिवेदी)—अतर्वेद निवासी। उदयनाथ (कवींद्र) के पितामह। बादशाह औरंगजेब तथा जम्बू नरेश जगजीतसिंह के आश्रित। स० १७५० के लगभग वर्तमान।→०३–४२, १२–१६२, १७–१६८, २३–४३५।

जंजीराबंद (पद्य)→०४–५, ०६–१७८ ए, २३–२०० डी।

राधामाधव मिलन बुधविनोद (पद्य)→०१–६८।

वधूविनोद (पद्य)→०६–१७८ बी, २०–७५, प० २२–५२, २३–२०० ए, बी, सी, ४१–४७६ (अप्र०)।

कालीचरण—भोजपुर के राजकुमार रामेश्वरसिंह के आश्रित। स० १६०२ के लगभग वर्तमान।

वृंदावन प्रकरण (पद्य)→०४–८१।

कालीदत्त (नागर)—उरइ (जालौन) के नागर ब्राह्मण। स० १६२१ के पूर्व वर्तमान।

कविरत्नम् (गद्यपद्य)→२६–२१५ ए।

रसिक विनोद (गद्यपद्य)→२६–२१५ बी, सी, डी।

कालीदमन (पद्य)—रामनाथ (बंदिय) कृत। वि० श्रीकृष्ण की कालीदमन लीला का वर्णन।

(क) प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल पुरा गरीबदास डा० गढ़वारा (प्रतापगढ़)।→ २९-३८५।

(ख) प्रा०—पं० अमरनाथ शुक्ल मउआ डौंडी बादशाहपुर (जौनपुर)।→ सं० ८-१११।

कालीनाथन लीला (पद्य)—सरस्वान (स्वामी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण चतुर्वेदी (इटावा)।→१५-१६ बी।

कालीप्रसाद—(?)

नरक के पापी (गद्य)→१६-१८।

कालीप्रसाद (वैद्य)—इसमऊ (रायबरेली) निवासी। सं० १९१० के लगभग वर्तमान।

वैद्य प्रकाश (गद्य)→सं० ८-१।

कालीप्रसादसिंह (भैया)—पिता का नाम शिवसिंह बिसेन। भिनगा राज के आश्रित।

अलंकार महोदधि (पद्य)→२१-२ २।

काशी विजय (पद्य)—शंभुनाथ (द्विज) कृत। र० का० सं० १९१२। वि० काशी विजय वर्णन।

(क) लि० का० सं० १९११।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह पिपराशंकरपुर डा० काकरगंज (बस्ती)।→ सं० ८-१३८ ग।

(ख) लि० का० सं० १९१२।

प्रा०—श्री ब्रजप्रसाद शुक्ल लक्ष्मीपुरी डा० सिंगरामऊ (जौनपुर)।→ सं० ४-१०८ क।

(ग) प्रा०—श्री केदारनाथ शुक्ल सुविधानगर डा० हरैया (बस्ती)।→ सं० ८-१०८ ग।

कासू—सैमरन बुंदेलखंड के निवासी।

कासू की वाणी (पद्य)→१२-१ ४।

कासू—(?)

गोपीचंदजी की महिमा के पद (पद्य)→सं० ७-१० क।

भरथरीजी की महिमा के पद (पद्य)→सं० ७-१० ख।

कासू की साखी (पद्य)—कासू कृत। वि० नीति के उपदेश।

प्रा०—श्री बालकराम महंत सेवली (आगरा)।→१२-१ ४।

काम्य अंग (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० काम के अंग तथा लक्षण आदि का वर्णन।

प्रा०—श्री रमनलाल हरीचंद चौधरी कोसी (मथुरा)।→१७-१८ (परि० १)।

काव्य कलाधर (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत। र० का० सं० १८०२। वि० अलंकार, नायिकाभेद आदि।
(क) लि० का० सं० १८३५।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-१४।
(ख) लि० का० सं० १९१०।
प्रा०—पं० गंगाचरण भट्ट, परसहटा, डा० मैगलगंज (सीतापुर)। → २६-३६६ बी।
(ग) लि० का० सं० १९१६।
प्रा०—पं० त्रिभुवनदास अवस्थी, कोटरा (सीतापुर)।→२६-३६६ सी।
(घ) लि० का० सं० १९१६।
प्रा०—ठा० नरेशसिंह, भज्जूपुर, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६-३६६ डी।
(ङ) प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-२३५ ए।
(च) प्रा०—महाराज राजेंद्रप्रसादसिंह, भिनगा राज्य, बहराइच। → २३-३२६ डी।

काव्यकला विलास→'काव्य विलास' (प्रतापसाहि कृत)।

काव्य कल्प तरु (पद्य)—अन्य नाम 'वंशावली तिलोई राज्य'। सीताराम (उपाध्याय) कृत। र० का० सं० १९२२। वि० तिलोई के राजाओं का इतिहास और वंशावली।
(क) लि० का० सं० १९३६।
प्रा०—तिलोईनरेश का पुस्तकालय, तिलोई (रायबरेली)।→२६-४४०।
(ख) प्रा०—श्री माताप्रसाद उपाध्याय, जगतपुर, डा० शिवरतनगंज (रायबरेली)। →सं० ०४-४१३ क।

काव्य कल्प द्रुम (पद्य)—बैजनाथ (कूर्म) कृत। र० का० सं० १९३५। लि० का० सं० १९४७। वि० पिंगल। (बोपदेव कृत संस्कृत 'काव्य कल्प द्रुम' का अनुवाद)।
प्रा०—पं० भगवतप्रसाद, सराय नूरमहल, डा० टूँडला (आगरा)।→२९-२०।

काव्यगुण निरूपण→'काव्यविनोद' (प्रतापसाहि कृत)।

काव्यदूषण प्रकाश (पद्य)—शिवसिंह कृत। वि० काव्य दोष वर्णन।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-३९७ एफ।

काव्य निर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। र० का० सं० १८३३। वि० काव्य के लक्षण और भेद।
(क) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-६१।

(ख) लि का सं १८७५ ।

प्रा —पं शिवदत्त वाजपेयी, मोहनलालगंज लखनऊ ।→२६-११ ई ।

(ग) लि का सं १८८९ ।

प्रा —ठा गुरुदेवबख्शसिंह ग्रहमामऊ डा गोसाईंगंज (लखनऊ)।→
२६-४४ ।

(घ) लि का सं १९ ४ ।

प्रा०—महाराज भगवानबख्शसिंह अमेठीराज्य (सुलतानपुर) ।→२१-४५ डी ।

(ङ) लि का स १९ ५ ।

प्रा —राजा लालतावख्शसिंह तालुकेदार नीलगाँव (सीतापुर) । →
२३-२५ ई ।

(च) लि का सं १९१६ ।

प्रा —पं रामशंकर, चरगपुर (गोंडा) ।→२ -१० ए ।

(छ) लि का सं १९२९ ।

प्रा —कुँवर नरहरदत्तसिंह संडीला डा मछरेहटा (सीतापुर) । →
२६-४१ एफ ।

(ज) लि का सं १९३६ ।

प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ ।→२६-४१ जी ।

(झ) लि का सं १९३९ ।

प्रा —श्री रामबहादुरसिंह, बढ़वा (प्रतापगढ़) ।→२६-४१ एच ।

(ञ) लि का सं १९५१ ।

प्रा०—पं कन्हैयालाल महाजन असनी (फतेहपुर) ।→१०-१० बी ।

(ट) प्रा —मुंशी भवानीबहादुरलाल प्रतापगढ़ ।→२६-४१ आई ।

(ठ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-२११ ख ।

(ड)→पं २२-२२ ।

वि नो वि सं ४-२११ ख काव्यनिर्णय का आठवाँ उल्लास है ।

काव्यपीयूष रत्नाकर→'पीयूष रत्नाकर (जगन्नाथ सुखसिंधु कृत) ।

काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)—धनीराम कृत । र का सं १८८८ । लि का सं १९ ४ ।

वि संस्कृत 'काव्यप्रकाश का अनुवाद ।

प्रा —पं मधुरीप्रसाद दीक्षित मई डा बटेश्वर (आगरा) ।→२३-९९ ।

काव्य प्रकाश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नायिका भेद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-३४१ ।

वि प्रस्तुत पुस्तक के प्रारंभ में समारस कवि के कुछ छंद और अंत में किसी
अन्य अज्ञात कवि का एक छंद संगृहीत है ।

काव्य प्रभाकर (पद्य)—*रामरतन (रामजन ?) कृत* । र का सं १८८८ । वि संस्कृत
'काव्यप्रकाश का अनुवाद ।

(क) लि० का० स० १६०४ ।

प्रा०—प० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–३६१ ए ।

(ख) लि० का० स० १६६३ ।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–३६१ बी ।

(ग) प्रा०—प० गौरीशकर साहित्याचार्य, निपनिया, रीवाँ ।→०६–३१५ (विवरण अप्राप्त) ।

काव्य मजरी (पद्य)—पदुमनदास कृत । र० का० स० १७३६ । वि० भावों और रसों आदि का वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१४ ।

काव्य रत्नाकर (गद्यपद्य)—रणधीरसिंह (राजा) कृत । र० का० स० १८६७ । वि० अलकार ।

(क) लि० का० स० १६२५ ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–३१६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३५२बी ।

काव्यरस (पद्य)—जयसिंह (राजा) कृत । लि० का० स० १८०२ । वि० रस और अलकार ।

प्रा०—प हरिकृष्ण वैद्य, 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (भरतपुर) ।→ ३८–७४ ।

काव्य रसायन (पद्य)—अन्य नाम 'शब्द रसायन' । देवदत्त (देव) कृत । वि० नायिकाभेद, अलकारादि काव्याग ।

(क) लि० का० स० १८६७ ।

प्रा०—प० विपिनविहारी मिश्र, श्री ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३–८६ आर ।

(ख) लि० का० सं० १८७३ ।

प्रा०—ठा० लखपतसिंह, गुदौरिया, डा० नरबलरोड (बहराइच) ।→ २३–८६ओ ।

(ग) लि० का० स० १६३२ ।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी) ।→२३–८६पी ।

(घ) लि० का० स० १६३३ ।

प्रा०—श्री ब्रजबहादुरलाल, प्रतापगढ ।→२६–६५डी ।

(ङ) लि० का० स० १६५५ ।

प्रा०—बाबू रामनारायण, नवाबगज, बाराबकी ।→०६–६४ ई ।

(च) लि० का० स० १६५८ ।

प्रा०—लाला जमुनाप्रसाद, किंदुरा डा बदार्कैसराय (बाराबंकी)।→ २१–८३ जमू।

(छ) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ५–२१।

(ज) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि रसिया।→ ६–१५१ (विवरण अप्राप्त)।

(झ) प्रा –पं कन्हैयालाल, महापात्र असनी (फतेहपुर)।→२ –१६ ई।

काव्य विनोद (पद्य)—अन्य नाम 'काव्यगुण निरूपण'। प्रतापसाहि कृत। र का सं १८८६। लि का सं १८८६। वि काव्यांग वर्णन।
प्रा —कवि काशीप्रसाद चरखारी।→ ६–८१एच।

काव्य विलास (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र का सं १८८६। वि लक्षणा व्यंजना और भावादि का वर्णन।
(क) लि का सं १८६४।
प्रा —कवि काशीप्रसाद, चरखारी।→ ६–८१बी।
(ख) लि का सं १८६६।
प्रा —रत्नाकर संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–५१६ (अप्र)।
(ग) लि का सं १६ १।
प्रा०—श्री जनार्दन लाल की बाजार, लखनऊ।→२६–१५१ए।
(घ) लि का सं १६ २।
प्रा —श्री कन्नूमल गौरीशंकरजी डा फतेहपुर (उन्नाव)।→२६–१५१बी।
(ङ) लि का सं १६२५।
प्रा०—पं रघुबरदयाल मिश्र इटावा।→२६–१५१सी।
(च) लि का सं १६८८।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र नयागाँव माडल हाउस लखनऊ।→२६–१५१डी।
(छ) लि का सं १६६१।
प्रा —पं रघुबरदयाल मिश्र अध्यापक मिडिल स्कूल कबीरचौरा वाराणसी।→ २६–१५१ ई।
(ज) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ५–४६।

काव्य शृंगार (पद्य)—रामचरणदयाल कृत। र का सं १८८२। वि जन्म से विवाह तक की राम कथा।
प्रा —ठा आर्यबलींद्र जमींदार, चतुर्दी डा दिलाई (रायबरेली)।→ २६–१७८ बी।

काव्य संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विविध।
प्रा०—पं लालमणि शर्मा बाउथ डा नरार्द (इटावा)→३५–१६७।

काव्य सरोज (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० काव्य रीति।
(क) लि० का० सं० १६४३।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२३-४०४ ए।
(ख) प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→०६-३०४ ए।
(ग) प्रा०—ठा० वीरसिंह, भूदरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४०४ बी।
(घ) प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-४५६।

काव्य सिद्धांत (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। वि० काव्य रीति और नायिकाभेद।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२४३ ई (विवरण अप्राप्त)

काव्य सुधाकर (पद्य)—श्रीपति (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७७७। वि० काव्यांग वर्णन।
प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)।→२३-४०४ सी।

काव्याभरण (पद्य)—अन्य नाम 'चंदन सतसई'। चंदन (कवि) कृत। र० का० सं० १८४५। वि० अलंकार।
(क) लि० का० सं० १६४४।
प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→०६-४०।
(बिहारी सतसई की पद्धति पर इनकी एक पुस्तक 'चंदन सतसई' भी है)।
(ख) लि० का० सं० १६४४।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, संपादक 'समालोचक' लखनऊ।→२३-७३ ए।
(ग) लि० का० सं० १६४४।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६-७७।
(घ) लि० का० सं० १६४४।
प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर)।→सं० ०४-६०।

काव्याभरण सटीक (गद्य)—शंकरसिंह कृत। लि० का० सं० १८७८। वि० अलंकार।
प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़गावाँ (सीतापुर)। →१२-१६८ ए।

काव्यामृत प्रवाह (पद्य)—गौरीशंकर (भट्ट) कृत। वि० कृष्ण की लीला और छै ऋतुओं का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० श्यामलाल भट्ट, गंगाखेड़ा, डा० माल (लखनऊ)।→२६-१०१ बी।
(ख) लि० का० सं० १६११।
प्रा०—ठा० नरेशसिंह, भज्जूपुरा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।→२६-१३३ ए।

काव्यार्णव (पद्य)—संग्रामसिंह (राजा) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० पिंगल, रस, काव्यदोष, भूगोल, खगोल आदि।

(क) लि का सं १८२१।
प्रा —महाराज वीरसिंह प्रतापगढ़।→ ६-२७१।
(ख) प्रा —पं महावीर पांडे, संग्रामपुर, डा माधोगंज (प्रतापगढ़)।
→२६-४२१।

काशिराज→'काशीराज (चित्रचंद्रिका के रचयिता)।

काशिराज प्रकाशिका (गद्यपद्य)—सरदार कृत। वि 'कविप्रिया' की टीका।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-५६।

काशिराज वंशावली (गद्यपद्य)—प्रयागदत्त (पाठक) कृत। र का सं १६६१।
लि का सं १६६१। वि काशी के नरेशों की वंशावली।
प्रा —पं नर्मदाप्रसाद पाठक, सेहुरा डा बिल्हौर (कानपुर)।→२६-३५४।

काशी और चिंतामणि—(?)
ग्राम सुरेसा (पद्य)→ १-२७८।

काशीखंड (पद्य)—श्रीमतराम (सभामराम) कृत। र का सं १८२७। वि काशी का आध्यात्मिक वर्णन।
(क) लि का सं १६५६।
प्रा॰—श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरानपांडे डा तिलोई (रायबरेली)।
→२६-१६५ ए।
(ख) लि का सं २ १।
प्रा —श्री हरिहरप्रसाद एम ए कमौली डा रानीकटरा (बाराबंकी)।
→सं ४-४६।

काशीखंड (भाषा) (पद्य)—जगनारायण कृत। वि संस्कृत काशीखंड का अनुवाद।
प्रा॰—कालाकाँकरनरेश का पुस्तकालय कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→ ६-११६।

काशीखंड कथा (पद्य)—विश्वेश्वरदयाल कृत। वि काशीखंड (स्कंदपुराणांतर्गत) का अनुवाद।
प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→४१-२५१।

काशीगिरि—उप बनारसी। काशी निवासी प्रसिद्ध लावनीबाज। सं १६३६ के पूर्व वर्तमान।
कृष्ण और शिव का अर्धांग स्वरूप (पद्य)→१८-७६।
जमाल मरहटी (पद्य)→२६-११७ बी; १२-१८७।
गंगालहरी (पद्य)→२६-१२७ ए।

काशीगिरि—(?)
भगवद्गीता (पद्य →१२-१ ८ सं १-८१।

काशीदास—(?)
ज्योतिष (भाषा) (गद्यपद्य)→२६-२२६।

काशीनाथ—स० १८०५ के लगभग वर्तमान।
अमृतमजरी (गद्य)→२०–७८।
भरथरी चरित्र (पद्य)→२६–२२६ ए, बी, सी, २६–१८८, ३२–१०६।

काशीनाथ—प्रसिद्ध कवि केशवदास के पिता।→००–५२।

काशीनाथ (भट्टाचार्य)—(?)
शीघ्रबोध (भाषा) (गद्य)→२६–२२८ ए, बी, सी, डी।

काशी पचरत्न (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। वि० काशी का माहात्म्य।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६१।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–१५७ ख।

काशीप्रसाद (शुक्ल)—रामदयाल का पुरवा (प्रतापगढ) के निवासी।
कवित्त (पद्य)→स० ०४–३१ क।
भगवती स्तुति (पद्य)→स० ०४–३१ ख।
शीतलाष्टक (पद्य)→स० ०४–३१ ग।

काशीयात्रा (गद्य)—माधवप्रसाद कृत। वि० काशी की षोडश यात्राओं में आनेवाले मदिरों और पुण्य स्थानों का वर्णन।
प्रा०—स० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१७८।

काशीराज—वास्तविक नाम बलवानसिंह। महाराज चेतसिंह के पुत्र। काशी निवासी। स० १८८६ के लगभग वर्तमान।
चित्रचद्रिका (गद्यपद्य)→०६–१४५, २३–२०५, २६–१८६ ए।
मुष्टिप्रकाप्रश्न (गद्य)→२६–१८६ बी।

काशीराम—सक्सेना कायस्थ। जन्म स० १७१५। कमलनयन के पिता। औरगजेब के सूबेदार नियामत खाँ के आश्रित (?)। स० १८३४ के लगभग वर्तमान।→१७–६४।
कनकमजरी (पद्य)→०३–७।
परशुराम सवाद (पद्य)→२३–२०६।

काशीराम—पाठक ब्राह्मण। काशी निवासी। स० १६७० के लगभग वर्तमान।
लग्नसुदरी (पद्य)→३२–११० ए।
जैमिनीयसूत्राणि सटीक (गद्य)→३२–११० बी।

काशीराम—सभवत' 'परशुराम सवाद' के रचयिता काशीराम।→२३–२०६।
कवित्त (पद्य)→४१–२५।

काशीराम—जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' नामक ग्रथ में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं।→०२–६८ (नौ)।

काशीराम—गगादास ('शब्द या बानी' के रचयिता) के गुरु।→स० ०१–६६।

काशी वर्णन (पद्य)—रामप्रगाश (गरि) कृत। वि० काशीस्थ विश्वनाथ का वर्णन।
प्रा० —श्री रामनरेश गिरि, दुरगुरी डा० केराकत (जौनपुर)।→सं० १-१४६क।

काष्ठजिह्वा (स्वामी)—उप० देव और देव कवि या देव स्वामी। काशी नरेश महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के गुरु तथा आश्रित। सं० १८८७ के लगभग वर्तमान।
अयोध्याबिंदु (पद्य)→२१-६१।
जानकीबिंदु (पद्य)→१९-६७ ४१-५ ५ (अप्र०)।
पदावली (पद्य)→ १-१४।
रामलगन (पद्य)→ ६-१७६।
रामायण परिचर्या (पद्य)→ ४-१६।

कासिदनामा (पद्य)—हैदर कृत। वि० एक प्रेमी का प्रेमिका के पास संदेश भेजना।
(क) लि० का० सं० १९ ।
प्रा० —लाला बेनीराम गंगागंज डा० सलेमपुर (अलीगढ़)।→२९-१३६ ए।
(ख) लि० का० सं० १९ ।
प्रा०—लाला हिलकुसराज नगरा भगत डा० परिहारी (एटा)।→२९-१३६बी।
(ग) लि० का० सं० १९१२।
प्रा० —लाला रामनारायण, नसीरपुर डा० सलीमपुर (खीरी)।→२६-१६२ ए।
(घ) लि० का० सं० १९१६।
प्रा०—ठा० अवधपालसिंह गंगीमऊ डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६-१६२ बी।

कासिम—मुसलमान कवि। पिता का नाम अमान उल्ला। हरिवाबाद (बाराबंकी) निवासी। सं० १७८८ के लगभग वर्तमान।
हंसजवाहिर (पद्य)→ २-१११ २६-२८७; सं० ४-११।

कासिम—पिता का नाम साबिर।
रसिकप्रिया सटीक (पद्य)→ ९-१४०।

कासिम—नरश्याम ('रागमाला' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० १-१ १।

कासीदास—आगरा निवासी। किसी बादशाह के आश्रित। बादशाह औरंगजेब के समकालीन। सं० १७२२ के लगभग वर्तमान।
सम्यक कौमुदी (भाषा) (पद्य)→सं० ४-११।

किंकर (किंकरराम)—(?)
गोपीवल्लभाक की बारामासी (पद्य)→१६-२४१।
महेश्वर महिमा (पद्य)→१८-८२।

किताब सिर्कदरी→ मदनुलशफा (मासार मिश्र कृत)।

किताबको (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रार्थना।
प्रा० —मह मगनलाल जी तुलसी चौतरा मथुरा।→१७-४ (परि० १)।

किनाराम→'कीनाराम' (महात्मा) ।

कित्त (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० स० १८५५ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२६६ ख ।

किवत→'सवइया' (मुकनदास कृत) ।

किशनसिंह—जैन । साँगानेर निवासी । स० १७८४ मे वर्तमान ।
क्रियाकोश (भाषा) (पद्य)→३२–११६ ए, बी, सी, डी ।

किशोर—जन्म स० १८०१ के लगभग । ये 'फुटकर कवित्त' में भी सगृहीत हैं । →
०२–५६ (चार) ।
कवित्त सग्रह (पद्य)→२३–२१२ ।

किशोरजन→'जनकिशोर' ('उषा चरित्र' के रचयिता) ।

किशोरदास—अयोध्या निवासी । समवत. १६वी शताब्दी में वर्तमान ।
रामलीला प्रकाशिका (बालकाड) (पद्य)→२०–८४ ।

किशोरदास—(?)
गीता (भाषा टीका) (गद्य)→स० ०१–४३ ।

किशोरदास (चौबे)—ओढ़छा के राजा विक्रमाजीत (लघुजन) के आश्रित । इन्होंने
तथा सरूपसिंह ने 'लघुसतसैया' की टीका की थी ।→०६–६७ ।

किशोरदास (द्विज)—ब्राह्मण । छतरपुर रियासत के निवासी ।
कवित्त सग्रह बसत के (पद्य)→स० ०४–३५ ।

किशोरदास (महत)—टीकमगढ निवासी । स्वामी हरिदास के अनुयायी ।
स० १६०० के लगभग वर्तमान ।
अध्यात्म रामायण (पद्य)→०६–६१ बी ।
गणपति माहात्म्य (पद्य)→०६–६१ ए ।
निजमत सिद्धात (पद्य)→१२–६३ ।
पचीसी (पद्य)→२३–२१३ ।

किशोरीअली—वशीअलि के शिष्य । सखी सप्रदाय के अनुयायी । स० १८३७ के
लगभग वर्तमान ।
किशोरीअली के पद (पद्य)→१२–६४ ।
भक्ति महिमा (पद्य)→३२–१२० बी ।
भागवत महिमा (पद्य)→३२–१२० ए ।
सत्सग महिमा (पद्य)→३२–१२० सी ।
सारचद्रिका (पद्य)→०६–१५१, १७–६७, ३२–१२० डी ।

किशोरीअली के पद (पद्य)—किशोरीअली कृत । वि० राधाकृष्ण की लीला ।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृदावन (मथुरा) ।→१२–६४ ।

किशोरीदास—वास्तविक नाम मनोहरदास। गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी। भक्तमाल के टीकाकार प्रियादास के गुरु। सं १७५७ के लगभग वर्तमान।
किशोरीदासजी की बानी (पद्य)→२६-१९८।
नंदजी की वंशावली (पद्य)→२१-२१४ ए।
राधारमण रस सागर लीला (पद्य)→ ६-१६१ १२-९ ६; १७-९८; ४१-१८९।
वंशावली वृषभानुराय की (पद्य)→ ६-१५९; २१-२१४ बी।
हरिकीर्तन (पद्य)→१२-१२१।

किशोरीदास—संभवतः राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
किशोरीदास के पद (पद्य)→ -५९।

किशोरीदास के पद (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि वर्षोत्सव में राधाकृष्ण विहार।
प्रा —पं राधाचरण गोस्वामी वृंदावन (मथुरा)।→ -५९।

किशोरीदासजी की बानी (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि कृष्ण और महाप्रभु चैतन्य की भक्ति।
प्रा —बाबा वंशीदास गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा)।→२६-१९८।

किशोरीलाल—(?)
वैराग्य कुंडावली (पद्य)→१५-५५ बी।
शृंगार कुंडावली (पद्य)→१५-५५ ए।

किशोरीलाल (गोस्वामी)→ किशोरीशरण ('अभिलाषमाला' के रचयिता)।

किशोरीशरण—अन्य नाम किशोरीलाल (गोस्वामी)। ब्रजवासी। वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।
अभिलाषमाला (पद्य)→ ९-१५३।

किशोरीशरण→जनकराजकिशोरीशरण (सिद्धांत मुक्तावली के रचयिता)।

किष्किंधाकांड→ रामचरितमानस (गो तुलसीदास कृत)।

किष्किंधाकांड सटीक→'रामानंद लहरी' (रामचरणदास कृत)।

किसन (कमकिसन)—(?)
रुक्मिणी विवाह (पद्य)→४१-२७।

किसन असतुति करी—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संग्रहीत। →
२-९१ (पद्यीय)।

किसनलाल—संभवतः भरतपुर के राजा रामसिंह के आश्रित।
वियोगमालती (पद्य)→सं १-४२।

किसनसिंह →कृष्णहरि (भोजनक्रिया भाषा के रचयिता)।

किसनिया—कदाचित राजस्थानी।
    किसनिया रा दूहा (पद्य)→४१–२८।

किसनिया रा दूहा (पद्य)—किसनिया कृत। वि० नीति।
    प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२८।

किसान सिपाही का झगरा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० किसान और पुलिस के सिपाही का अपने व्यवसाय संबंधी झगड़ा।
    प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–५०१।

किसोरीदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२–५७ (तेतालीस)।

किस्नहरि—अन्य नाम किसनसिंघ। नागरचाल देश (गुजरात ?) में नरवाड़ा गाँव के निकट रामपुरी के निवासी। पिता का नाम देव। पितामह का नाम रायवसत। सं० १७८३ के लगभग वर्तमान।
    त्रेपनक्रिया (भाषा (पद्य)→सं० १०–१८ क।
    भद्रबाहु चरित्र (पद्य)→सं० ०८–३८, सं० १०–१४ ग।

किस्सा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कथाओं का संग्रह।
    प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–३६ (परि०३)।

किस्साउल्ला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६। वि० एक कथा।
    प्रा०—लाला गौरीचरन, शिवगंज, डा० फरौली (एटा)।→२६–४१४।

कीता—अन्य नाम जनकीता। संभवत कोई राजस्थानी संत।
    पद (पद्य)→सं० १०–११।

कीनाराम—संभवत सुप्रसिद्ध औघड़पंथी कीनाराम।
    इंद्रजाल (पद्य)→सं० ०७–१८।

कीनाराम (औघड़बाबा)—महात्मा और अपने नाम के संप्रदाय के संस्थापक। रामनगर (वाराणसी) निवासी। शिवराम स्वामी के शिष्य। गुरु के शाप के कारण औघड़ हो गए थे। सं० १७८७ के लगभग वर्तमान।→०६–२६६, ४१–२६६।
    रामरसाल (पद्य)→०६–१५०।

कीमियासार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७२। वि० अध्यात्म।
    प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३४४।

कीरतसिंह—धौलपुर नरेश। बलदेवदास जौहरी के आश्रयदाता।→सं० ०४–२३०।

कीरतविलास (पद्य)—जानकीदास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० स्वा० जगजीवनदास (सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक) का जीवन वृत्त।
    प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)।→सं० ०४–१२७।

कीरतिसिंह—ग्वालियर (गोपाचल) नरेश और बैजनाथ के आश्रयदाता मानकुँवर के पिता।→सं० १-१४६।

कीर्तन (पद्य)—प्राणनाथ कृत। वि भजन।
प्रा०—विद्याधरनरेश का पुस्तकालय विजावर।→ ९-६ ए।

कीर्तन (पद्य)—अष्टछाप के कवियों का संग्रह। वि भक्ति।
प्रा —पं प्यारेलाल कुरसुँहा का विलास (मथुरा)।→१२-२२१ बी।

कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (विशेषतः अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त कवि) कृत।
वि कृष्ण जन्माष्टमी पालना छठी आदि।
प्रा —श्री मदनदास, मथा मंदिर गुजरातियों का गोकुल (मथुरा)।→१२-२५२।

कीर्तन के पद (पद्य)—व्रज के विशेषतः अष्टछाप के कवियों का संग्रह। वि राधाकृष्ण की लीलाएँ।
प्रा —बाबू बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→४१-४४० (अप्र)।

कीर्तन बानी (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि राधाकृष्ण की शोभा प्रेम आदि।
प्रा —पं मथाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५-२ ७।

कीर्तन रत्नावली (पद्य)—विविध कवि (रसिकप्रीतम गोविंदप्रभु, विट्ठल आदि) कृत।
वि कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५-२ ५।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। वि कृष्णभक्ति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१११ ख ग।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—रसिकदास कृत। वि श्रीकृष्ण भक्ति और लीलाएँ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१२८ क।

कीर्तन संग्रह (पद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि पुष्टिमार्गी मंदिरों में गाये जाने वाले पदों का संग्रह।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-४८६ ह।

कीर्तन संग्रह→ गोविंद स्वामी के पद (गोविंदस्वामी कृत)।

कीर्तन समूह (पद्य)—रसिकदास कृत। लि का सं १९१५। वि श्रीकृष्ण की भक्ति और लीलाएँ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१२८ ख।

कीर्तन सार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्णभक्ति।
प्रा —श्री शंकरलाल समाधानी श्री गोकुलनाथजी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५-२०६।

कीर्ति (मिश्र)→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)। →स० ०४–३६ ।

कीर्तिकेशव→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)।

कीर्तिलता (पद्य)—विद्यापति कृत। वि० तिरहुत के राजा गणेशसिंह के पुत्र कीर्तिसिंह का यश वर्णन।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद चतुर्वेदी, अश्विनीकुमार का मंदिर, असनी (फतेहपुर)। →२०–२०३ ।

कीर्ति शतक (पद्य)—गोपालदास (चारण) कृत। वि० ब्रह्मा, विष्णु, महेश की कीर्ति का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५७ ख।

कीर्तिसेन—(?)
राजनीति (भाषा) (पद्य)→२६–२४२ ।

कुंजकौतुक (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० राधाकृष्ण विहार।
(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर। →०२-६८ ।
(ख) प्रा०—महंत भगवानदास, टट्टीस्थान, वृंदावन (मथुरा)। → १२–१५४ डब्ल्यू।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर। →४१–१४६ (अप्र०)।

कुंजजन—अन्य नामक कुंजमणि या कुंजदास। सं० १८३१ के लगभग वर्तमान।
उषा चरित्र (बारहखड़ी) (पद्य)→०६–२८२, २०-६१, पं० २२–५८, २६–२५२ बी।
पत्तल (पद्य)→२६–२५२ ए।

कुंजमणि या कुंजदास→'कुंजजन' ('उषा चरित्र बारहखड़ी' के रचयिता)।

कुंडनिर्माण वार्तिक (गद्य)—श्रीकृष्ण गंगाधर कृत। र० का० सं० १७१६। लि० का० सं० १७१६। वि० यज्ञकुंड विधान वर्णन।
प्रा०—श्री छोटेलाल मिश्र, हंसराजपुर, डा० होलागढ (इलाहाबाद)। →सं० ०१–४२६ ।

कुंडलियाँ (पद्य)—देवकीनंदन साहब कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० वैराग्य तथा रामनाम का उपदेश।
प्रा०—महंत श्री राजाराम, मठ रामशाला, चिटबड़ागाँव (बलिया)। →४१–१०७ ग।

कुंडलिया (पद्य)—अन्य नाम 'कुंडलिया रामायण' और 'हितोपदेश उपाख्यान बावनी'। अग्रदास कृत। र० का० सं० १७ वीं शताब्दी। वि० उपदेश।
(क) लि० का० सं० १७५३ ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०३–६० ।

(ख) लि का सं १८१६।
प्रा —पंचायती ठाकुरद्वारा, भगुवा (फतेहपुर)।→२ -१ ए।
(ग) प्रा —लाला विद्याधर, हरिपुरा दतिया। → ६-१२१ बी।
(विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या। →१७-१।
कुंडलिया (पद्य)—गिरधर (कविराय) कृत। वि नीति और उपदेश।
(क) लि का सं १८१६।
प्रा —टीकमगढ़ नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-१६७ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा —पं रामविलास शर्मा वकील रायबरेली।→२३-१२६।
कुंडलिया (पद्य)—ग्रन्थ नाम शतपंचीसीत। तोंवरदास कृत। लि का सं १८३८। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बछरावाँ (रायबरेली)।→सं ४-१५।
कुंडलिया (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। लि का सं १८ । वि अन्योक्तियाँ।
प्रा —पं रमाशंकर वाजपेयी बहारिकपुर वाजपेयी का पुरवा डा सिसैया (बहराइच)।→२३-१ ४ ड।
कुंडलिया (पद्य)—रुद्रदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —लाला कमलेश्वरदयाल मऊ (गाजीपुर)।→ ६-२२२।
कुंडलिया (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि गुरुदेव की भक्ति।
प्रा —पं कुन्दनलाल तिवारी मदनपुर (मैनपुरी)।→१२-१७५ एम।
कुंडलिया (पद्य)—शिवबक्ससिंह कृत। लि का सं १८ १। वि भक्ति और नीति।
प्रा•—ठा रघुनाथसिंह बंगबहादुरसिंह समोगरा डा नैनी (इलाहाबाद)। →सं १-४१७ क।
कुंडलिया (पद्य)—सेवादास कृत। वि उपदेश।
(क) लि का सं १८५६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२६१ ग।
(ख)→पं २२-९६ बी।
कुंडलिया और पद (पद्य)→रामचरण (स्वामी) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी→सं ७-१६५ क।
कुंडलिया रामायण→कुंडलिया (अग्रदास कृत)।
कुंडलीचक्र (मंत्र) (पद्य)—रामकिंकर कृत। लि का सं १८२२। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-१६५।

कुंदन—जयकृष्ण (कवि) कृत 'कवित्त' नामक ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।
→०२-६८ (पाँच)।

कुंदनदास—हरेराम के शिष्य। सं० १८६१ के पूर्व वर्तमान।
उपदेशावली (पद्य)→२६-२०७ ए।
रामविलास (पद्य)→२६-२०७ बी।

कुंदनप्रसाद—(?)
रामायण माहात्म्य (पद्य)→२६-२५१।

कुंभनदास—क्षत्री। गोवर्द्धन के समीप जमनामतो नामक गाँव के निवासी। अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। परमानंददास के समकालीन। 'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२-१७ (तेरह)।
दानपद (पद्य)→३२-१२८।

कुंभनदास—संभवत अष्टछाप के सुप्रसिद्ध कवि कुंभनदास।
दानलीला (पद्य)→सं० ०१-४४ क, ख।

कुंभनदास की वार्ता चौरासी अपराध वर्णन (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत।
वि० पुष्टिमार्गी सेवापद्धति वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →सं० ०२-४८६ थ।

कुंभावली (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८८३।
प्रा०—महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर)।→सं० ०४-२४ घ।
(ख) लि० का० सं० १६००।
प्रा०—महंत जवाहिरदास, नरोत्तमपुर, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३-१६८ के।
(ग) प्रा०—पं० बैजनाथ भट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६-१७८ यू।

कुंभावली (पद्य)—धर्मदास कृत। लि० का० सं० १८७४। वि० कबीर पंथ के सिद्धांत।
प्रा०—बाबू अमीरचंद्र गुप्त, प्रबंधक, बी० डी० गुप्त ऐंड कं०, बहराइच। →२३-१०० बी।

कुँवरसेन (कायस्थ)—दिल्ली निवासी। सं० १८६४ के लगभग वर्तमान।
सांगीत गोवर्द्धनलीला (पद्य)→२६-२५३ बी।
सांगीत बालचरित्र (पद्य)→२६-२५३ ए।

कुँवर सदैवच्छ सावलिंग्यारी वार्ता (गद्यपद्य)—सूरसेन कृत। वि० कुँवर सदैवच्छ और साँवलिंग्यारी की कथा (डिंगल में)।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–४६५ ।

कुआला कथा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा —महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ ऊँचगाँव डा बाबारगंज (सुलतानपुर) ।→सं ८–२४ ग ।

कुतबन—चिश्ती वंश के शेख बुरहान के शिष्य । सहसराम के बादशाह हुसेनशाह के आश्रित । सं १५६६ के लगभग वर्तमान ।

मृगावती (पद्य)→ –८ ।

कुदरतीदास—ब्राह्मण । बराह गाँव (गोलाबाजार गोरखपुर) के निवासी । संतमत में दीक्षित होने पर इन्होंने अपना नाम कुदरतीदास रखा ।

रामायण (पद्य)→सं १–४५ क ।

विरहकारन (पद्य)→सं १–४५ ख ।

कुदरतउल्ला—फर्रुखाबाद निवासी । सं १९ ६ के पूर्व वर्तमान ।

बेलबंगाला (गद्य)→२९–२ ६ ए, बी ।

रागमाला (पद्य)→२९–२ ६ सी ।

कुंवरी संग विहार (बारहमासा) (पद्य)—प्रेमसागर कृत । लि का सं १९१४ ।

वि श्रीकृष्ण कुंवरी विहार का वर्णन ।

प्रा —पं गयादीन तिवारी बिसरिहा डा मानगाँव (सीतापुर) ।→२६–२५८ ।

कुबेर—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित । महाभारत के नौ अनुवादकों में एक ये भी हैं । सं १९११ के लगभग वर्तमान ।→ ४–६७ ।

कुबेरदास—गुरु का नाम बालदास । संभवतः कबीरपंथी ।

संत सहमनाम (पद्य)→सं ४–१७ ।

कुमारमणि—गोकुल (मथुरा) निवासी । हरिवल्लभ भट्ट के पुत्र । रतिया नरेश के आश्रित । सं १७७६ के लगभग वर्तमान ।

रसिकरसाल (गद्यपद्य)→०१ ५ ६–१८६ ? –१ २१–२२९ ।

कुमुटीपाव—संभवतः कुमरिया नाम के सिद्ध ।

योगीम्यास मुद्रा (गद्यपद्य)→१८–८५ ।

कुरम्हावली→ कुंभावली (कबीरदास कृत) ।

कुरसीनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि हित हरिवंश जी का वंश वृक्ष ।

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महाजनी टोला इलाहाबाद ।→४१–१४५ ।

कुरुक्षेत्र माहात्म्य (पद्य)—उमादास कृत । र का सं १८२४ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४–२१ ।

कुरुक्षेत्र लीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि राधाकृष्ण का कुरुक्षेत्र में संमिलन ।

कुसम विलास (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। लि का सं १८८१। वि नायिकाभेद।
    प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-३७।

कुसुमावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि पुष्प वर्णन के व्याज से भगवद्धाम रसरंग।
    प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-३४६।

कूट कवित्त (पद्य)—ठाकुर (कवि) कृत। लि का सं १८४२। वि नाम से स्पष्ट।
    प्रा —ठा नौनिहालसिंह काँथा (उन्नाव)।→२१-४२६।

कूरा जी—रामानुज संप्रदाय के आचार्य। इनकी गद्दी पर चौथी पीढ़ी में कवि भगवानदास हुए थे।→ —६१।

कूरौ— दयालजी का पद' संग्रह ग्रंथ में इनके पद संगृहीत हैं।→ २-६४ (उन्नीस)।

कूर (कवि)—सं १८ ७ के लगभग वर्तमान।
    जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→२१-२१ ।

कूर्मचक्र (पद्य)—निरानंद कृत। र का सं १८८५। लि का सं १८८७। वि ज्योतिष।
    प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →२६-३३७।

कूर्माष्टक (पद्य)—चतुरदास कृत। वि कूर्मदेव की स्तुति।
    प्रा —पं चक्रपाणि मिश्र विशारद सेनापति द्वा सिरसागंज (मैनपुरी)। →१२-४१ बी।

कृत्य (गद्य)—हरिकेश कृत। वि वल्लभ संप्रदाय के अनुसार श्री ठाकुर जी की पूजा।
    प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य गोकुल (मथुरा)।→१२ ५१।

कृपण सम्मानिक कथा (पद्य)—जसगुलाल कृत। र का सं १६७१। लि का सं १९२२। वि एक कृपण की कथा।
    प्रा०—श्री सुलचंद जैन साधु नहरौली द्वा चंद्रपुर (आगरा)।→१२-२२।

कृपाभिलाष बेलि (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत। र का सं १८१२। वि राधाकृष्ण केलि।
    प्रा —श्री राधाकृष्ण गोस्वामी बिहारी जी का मंदिर महाजनी टोला इलाहाबाद।→४१-२१७ ख।

कृपाकंद निबंध (पद्य) आनंदघन (घनानंद) कृत। वि शृंगार।
    प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ १-६६।

कृपा कल्पतरु (पद्य)—रूपरसिक कृत। वि भागवलीला।

प्रा०—प० हरिकृष्ण वैद्य 'कमलेश', श्रीकृष्ण औषधालय, डीग (मथुरा) →३८–१३१ ए।

कृपानाथ—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ०२–५७ (ग्यारह)।

कृपानिवास—अन्य नाम कृष्णनिवास और प्रकाशनिवास। मिथिला निवासी। स संप्रदाय के वैष्णव। गुरु का नाम हनुमानप्रसाद। सं० १८४३ के पूर्व वर्तमान

अनन्य चिंतामणि (पद्य)→०६–२७६ बी, १७–६६ एच।

अष्टकाल समय ज्ञानविधि (पद्य)→१७–६६ बी।

अष्टयाम या आन्हिक (पद्य)→०६–२७६ ई।

जानकी सहस्रनाम (पद्य)→१७–६६ जी।

झूलना (पद्य)→सं० ०४–३६ क।

प्रीति प्रार्थना (पद्य)→०६–१५४ सी।

भावना पच्चीसी (पद्य)→१७–६६ सी।

भावना सत (पद्य)→०६–२७६ टी, २०–८५ टी।

माधुरी प्रकाश (पद्य)→०६–२७६ सी, १७–६६ एफ, २३–२२५।

रामरसामृत सिंधु (पद्य)→०६–१५४ एफ।

रासपद्धति (पद्य)→०६–१५४ ए।

लगन पच्चीसी (पद्य)→०६–१५४ डी, १७–६६ आई, २६–२४४।

वर्षोत्सव (पद्य)→०६–१५४ ई।

संप्रदाय निर्णय और प्रार्थना शतक (पद्य)→०६–२७६ ए।

सद्गुरु महिमा (पद्य)→१७–६६ ए।

समय प्रबंध (पद्य)→०६–१५४ बी, १७–६६ डी, ई।

सिद्धांत पदावली (पद्य)→सं० ०४–३६ ख।

सीताराम रहस्य (पद्य)→०६–२७६ एफ।

कृपाराम—रामानुज संप्रदाय के साधु। नरनियापुर या नारायनपुर (गोंडा) निवासी। अनंतर चित्रकूट में रहकर ग्रंथ रचना की। सं० १८३५ के लगभग वर्तमान।

अष्टादश रहस्य (पद्य)→२३–२२६।

चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)→०६–१८३, सं० ०४–४०।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→०५–६, ०६–१५५।

भाष्य प्रकाश (पद्य)→०४–४६।

कृपाराम—नागर ब्राह्मण। जयपुर नरेश महाराज सवाई जयसिंह के आश्रित। सं० १७७२ के लगभग वर्तमान।

भागवत (एकादश स्कंध) (पद्य)→२६–२४५ ए, सं० ०१–४६।

समयबोध (पद्य)→०६–१५६, २६–२४५ बी।

कृपाराम—कायस्थ। शाहजहाँपुर निवासी। सं० १७६२ के लगभग वर्तमान।
रसातिर सार (माषा) (पद्य)→ ९–१८२।

कृपाराम—सेवा पंथी भाई अड्डन जी के शिष्य।
मुहम्मदगजाली किताब ऊपर भाषा पारस भाग (गद्य)→ २–११।

कृपाराम (?)—संभवतः 'प्रणवेश रहस्य' आदि के रचयिता कृपाराम।→ ४–८९
६–११५ २१–१९९।
वैराग्य का त्रिगुनपद (पद्य) ४१–१८।

कृपाराम—सं० १५९८ के लगभग वर्तमान।
हित तरंगिनी (पद्य)→ १–२८ ; ६–१५७।

कृपाराम—गौरखत ब्राह्मण। बीरबराम के पिता। सं० १८०१ के पूर्व वर्तमान।
→ ६–७२ १७–९६ पं० २२–२७।

कृपासहचरी—रामानुज संप्रदाय के सखी समाजी वैष्णव।
रहस्योपासना ग्रंथ (पद्य)→ १ २८ ।

कृष्ण—रघुवंशी राजा भीकपालसिंह (संभवतः करौली नरेश) के आश्रित। सं० १८४९
के पूर्व वर्तमान।
रागसमुद्र (पद्य)→१७–१ ।

कृष्ण—अन्य नाम बासुदेव (?)। सं० १७ ४ के लगभग वर्तमान।
लघु योगवाशिष्ठ सार (पद्य)→२१–२१६।

कृष्ण→ केशवकृष्ण (शर्मा) (कुरावली मैनपुरी निवासी)।

कृष्ण (कवि)—चनाक्ष ब्राह्मण। माथुर (आगरा) निवासी। आयामल्ल के आश्रित।
संभवतः सतसइकार बिहारी के शिष्य। सं० १७७५ के लगभग वर्तमान।
बर्मसंवाद (पद्य)→०५–८८ ९–६१ ए २ –८९ २१–२२२ बी दि ११–५१।
बिहारी सतसइ सटीक (पद्य)→ १–५२ २१–२२२ ए, २६–२८८ ए, बी;
२६–२०५ ए।
विदुरप्रजागर (पद्य)→०५–७; ९ ६१ बी पं० २२–५९ २६–२ ५ बी सी
डी सं ७–२१।

कृष्ण (कवि)→रामाकृष्ण (राग रत्नाकर के रचयिता)।

कृष्ण (भट्ट)—तैलंग ब्राह्मण। रतन भट्ट के पिता। नरवर निवासी। सं० १७७५ के पूर्व
वर्तमान→ ९–२१६।

कृष्ण और शिव का सर्वांग स्वरूप (पद्य)—कानीगिरि कृत। लि० काल से स्पष्ट।
प्रा —बीबे रामदयाल चतुर्वेदी ग्रा० बसंतनगर (इटावा)।→१८–७९।

कृष्ण कवि कलानिधि→कलानिधि (रामगीतगोविन्द आदि के रचयिता)।

कृष्ण कवि का संग्रह (पद्य)—केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि० विविध।
प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ ई।

कृष्ण कांड (पद्य)—निरंजनदास कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।
प्रा०—ठा० ललिताबख्शसिंह तालुकेदार, नीलगाँव (सीतापुर)।→१२-१२५।

कृष्ण काव्य (पद्य)—चंदन कृत। र० का० सं० १८१०। लि० का० सं० १९०१। वि० कृष्ण जन्म से लेकर कंसवध तक भागवत की कथा।
प्रा०—कुँवर नारायणसिंह, बड़गाँव (सीतापुर)।→१२-३४ ए।

कृष्णकिशोर—सरयू नदी के उत्तर गोपालपुर के स्वामी। सं० १८८० के लगभग वर्तमान श्रीगोविंद के आश्रयदाता।→०६-३००, २३-४०३।

कृष्ण केलि (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८३७। लि० का० सं० १८४१। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—बाबा परागदास, उजेहनी, डा० फतेहपुर (रायबरेली)।→३५-१४ डी।

कृष्ण क्रीडा (पद्य)—कालिकाचरण कृत। वि० कृष्णलीला।
(क) लि० का० सं० १९०१।
प्रा०—ठा० अजमेरसिंह, नगरारामू, डा० सराय अगत (एटा)।→२६-१७६ बी।
(ख) लि० का० सं० १९२०।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० बसोरा (सीतापुर)।
२६-२१७ ए।
(ग) लि० का० सं० १९२०।
प्रा —पं० दुलारेलाल, फतेहपुर, डा० बाँगरमऊ (उन्नाव)→२६-१७६ ए।
(घ) लि० का० सं० १९२५।
प्रा०—पं० शिवरतन, भज्जू का पुरवा, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)।
→२६-२१७ बी।
(ङ) लि० का० सं० १९३२।
प्रा०—श्री देवीदयाल, सलेमपुर, डा० ऐरा राज्य (खीरी)। →२६-२१७ सी।

कृष्ण खंड→'श्रीकृष्ण जन्मखंड' (बलदेवदास जौहरी कृत)।

कृष्ण गीतावली (पद्य)—अन्य नाम 'कृष्णचरित्र'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० कृष्ण चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७८८।
प्रा०—पं० रामनाथ शर्मा, चौका, डा० आरिफ (लखनऊ)। →२६-३२५ बी।[२]
(ख) लि० का० सं० १७९७।
प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-४८४ एच[१]।
(ग) लि० का० सं० १८१२।

प्रा —लाला रिखमुनराव गगशा भगत ग्रा पटिआरी (एटा)। → २६-१२५ यू[२]।

(ख) लि का सं १८७६।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१ ७।

(ङ) लि का सं १८८८।

प्रा —पं विष्णुमरोसे, बहादुरपुर, ग्रा भइयागोकुल (हरदोई)। → २६-१२५ टी।

(च) लि का सं १८९२।

प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)। → ९-१११ ई।

(छ) प्रा —श्री बैजनाथ हलवाई, असनी (फतेहपुर)।→२ -१९८ बी।

(ज) प्रा०—लाला तुलसीराम अग्रवाल रायबरेली।→२१-४१२ती[१]।

(झ)→पं २२-१११ टी।

कृष्ण गीतावली (पद्य)—महावीरप्रसाद कृत। र का सं १९१७। वि तुलसी और सूर के पदों का संग्रह।

(क) लि का सं १९११।

प्रा —पं शिवदुलारे बाजपेयी मीरनपुर ग्रा नौमगाँव (खीरी)। →२१-२८४ मी।

(ख) प्रा —राजा अमरसिंह मढ़रिया ग्रा बिसवाँ (सीतापुर)। → २६-१८४ ए।

कृष्ण गुण कर्म सुयश सुजन (पद्य)—अन्य नाम कृष्णचरित्र और देवचरित्र। देव (देवदत्त) कृत। वि कृष्ण चरित्र।

(क) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-१०५।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-५ ४ (अप्र)।

(ग) →पं २२-२४ बी।

कृष्ण ग्वालिनी का झगड़ा (पद्य)—रघुनाथ कृत। र का सं १८८४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री रामदत्त संडीला ग्रा महुरघड़ा (सीतापुर)। →२६-३९८।

कृष्णार्जुनजी की विनती (पद्य)—अज्ञात कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १९ ४।

प्रा —श्री रामलाल गौड़ मादलपुर ग्रा हाथरस (अलीगढ़)। → २६-२५४ बी।

(ख) लि का सं १९१४।

प्रा —लाला संपतराय ग्रा अलीगाँव (एटा)। →२६-२५४ एच।

(ग) प्रा०—लाला रामभरोसे, खड़की खेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव)।
→२६–२०४ डी।

कृष्णचद्र (अग्रवाल)—वल्लभकुल के गोस्वामी श्रीगुलालचद के पुत्र श्री द्वारिकानाथ के सेवक। स० १७६४ के लगभग वर्तमान।
कृष्ण विलास (पद्य)→स० ०१–४७।

कृष्णचद्र (हित)—उप० कृष्णदास। हित हरिवश के द्वितीय पुत्र। जन्म स० १६०६ के लगभग।
कृष्णदास के पद (पद्य)→२६–२०१।
धमारि (पद्य)→४१–३१ क।
सिद्धात के पद (पद्य)→१२–९५, ४१–३१ ख।
सेवक की बानी (पद्य)→३२–१२२।

कृष्णचद्रजी की बारहमासी→'कृष्णजी की बारहमासी' (जगन्नाथ कृत)।

कृष्णचद्रजू को नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख' और 'नखशिख बृजराज श्री कृष्णचद्रजी'। ग्वाल (कवि) कृत। र० का० स० १८७९ (१८८४)। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर।→०१–८६।
(कवि की स्वहस्तलिखित प्रति)।
(ख) प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →२०–५८ डी।
(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)→२३–१४६ जी।
(घ) प्रा०—ठा० हरिबख्शसिंह रईस, कथरिया (प्रतापगढ)। →२६–१६१ सी।
(ङ) लि० का० स० १९१८। →२९–१३५ सी।

कृष्णचंद्रलीला ललितविनोद (पद्य)—जनराज (वैश्य) कृत। वि० कृष्णलीला (भागवत दशमस्कध)।
प्रा०—प० उमाशकर द्विवेदी, आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृदावन (मथुरा)।
→३५–४६।

कृष्ण चद्रिका (पद्य)—गुमान (द्विज) कृत। र० का० स० १८३८। वि० पिंगल, परीक्षित की कथा, पाडवों की कथा, और दशमस्कध भागवत के पूर्वार्द्ध का अनुवाद।
(क) लि० का० स० १९२२।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६–४४ ए।
(स० १९३२ की एक प्रति श्री हनुमत मिरदहा, चरखारी के पास है)।
(ख) लि० का० स० १९६१।
प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह, छतरपुर।→०५–२३।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—बलिदेवदास कृत । वि श्रीकृष्ण चरित ।
प्रा०—राव अंबिकानाथसिंह (लाल साहब), नाइन स्टेट डा सूची (रायबरेली) । →सं ४-२११ ।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—मोहनदास (मिश्र) कृत । र का सं १८११ । लि का सं १६१८ । वि भागवत दशम स्कंध की कथा ।
प्रा —पं अयोध्याप्रसाद, सागर दरवाजा झाँसी ।→ ६-१६६ ए ।

कृष्ण चंद्रिका (पद्य)—रामप्रसाद कृत । र का सं १७७६ । वि नायक नायिका भेद ।
प्रा०—श्री रमनलाल हरिश्चंद्र चौधरी काशी (मथुरा) ।→१७-१५४ ।

कृष्ण चंद्रिका→ रत्नप्रकाश (प्रसेराम कृत) ।

कृष्ण चरित (पद्य)—रूपसिंह प्रज्ञात । वि कृष्ण लीला ।
प्रा —दामोदर बसइ डा वाँदपुर (आगरा) ।→२६-४१५ ।

कृष्ण चरितामृत ((पद्य)—खेमकरन (मिश्र) कृत । वि कृष्ण चरित्र ।
(क) लि का सं १६२६ ।
प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज लखनऊ ।→ ६-४१ ।
(ख) लि का सं १६२६ ।
प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, क्राई टी कालेज, लखनऊ ।→ सं ८-४६ क ।
(ग) लि का सन् १२८८ साल ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-८६ ख ।

कृष्ण चरितामृत कुंडी (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत । र का सं १६ ।
लि का सं १६ ५ । वि श्रीकृष्ण चरित्र ।
प्रा —महंत विट्ठलदास मिरजापुर (बहराइच) ।→२१-१११ बी ।

कृष्ण चरितामृत गीता (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरसखा) कृत । र का सं १९८६ ।
लि का सं १६ ७ । वि श्रीकृष्ण चरित्र ।
प्रा —महंत विट्ठलदास मिरजापुर (बहराइच) ।→२१-१११ सी ।

कृष्ण चरित्र (पद्य)—रामराय कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —पं महादेवप्रसाद अश्विनीकुमार मंदिर असनी (फतेहपुर) ।→ २ -१५० बी ।

कृष्ण चरित्र→'कृष्ण गीतावली (गो तुलसीदास) कृत ।

कृष्ण चरित्र→'कृष्ण गुप्त कर्म सूक्ष्म सूक्ष्म (देव कृत) ।

कृष्ण चरित्र→'भागवत (दशमस्कंध भाषा)' (गिरिधरदास कृत) ।

कृष्ण चरित्र कवितावली (पद्य)—गिरिधरदास (गोपालचंद्र कृत) । लि का सं १६२६ । वि श्रीकृष्ण विहार तथा राधा का मानहिल ।
प्रा —पं ज्वालाप्रसाद मिश्र दीनदारपुर (मुरादाबाद) ।→१२-५ ए ।

खो सं वि २१ (११ ०-६४)

कृष्णचैतन्यदेव (कृष्णचैतन्य निजदास)→'श्रीकृष्णचैतन्यदेव (निजजू)' ('रसकौमुदी' आदि के रचयिता)।

कृष्ण चौतीसी (पद्य)—अन्य नाम 'कस चौंतीसी'। परमानदकिशोर कृत। लि० का० स० १८५८। वि० कृष्ण का मथुरा गमन और कसवध।
प्रा०—प० पीताबर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ।→०६–३०६ (विवरण अप्राप्त)।
(प्रस्तुत पुस्तक की 'कस चौंतीसी' नाम से एक अन्य प्रति लाला कुदनलाल, बिजावर के पास है।)

कृष्ण जन्म (पद्य)—भोपत (भूपति) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–२७०।

कृष्ण जन्मोत्सव (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–२१८।

कृष्णजो का बारहमासा (पद्य)—हरदास कृत। लि० का० स० १९०४। वि० राधा विरह वर्णन।
प्रा०—श्री रामनाथ शुक्ल, शिवगढ, डा० सिधौली (सीतापुर)।→२६–१६६सी।

कृष्णजो की बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत। वि० राधा का विरह।
(क) लि० का० स० १८१०।
प्रा०—श्री गगादीन मुराऊ, लक्ष्मणपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–१६१ए।
(ख) प्रा०—सेठ गोविंदराम भगतराम मारवाड़ी, अमिलिहा (उन्नाव)।→२६–१६१ बी।

कृष्णजी की लीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १७९७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६६।

कृष्णजी की विनती→'कृष्णचदजी की विनती' (जयलाल कृत)।

कृष्णजीवन कल्याण—लछिराम (लच्छीराम) के पिता। स० १८९८ के लगभग वर्तमान।
→०६–२८५, २३–२३४।

कृष्णजीवन लछिराम→'लछिराम' (कृष्णजीवन कल्याण के पुत्र)।

कृष्ण जू (मिश्र)—स० १८४४ के पूर्व वर्तमान।
जोगिनीदशा विचार (पद्य)→३२–१२४ ए।
प्रश्न विचार (पद्य)→३२–१२४ बी।

कृष्णजू की पाती (पद्य)—हमराज (बख्शी) कृत। र० का० स० १७८९। लि० का० स० १८६६। वि० राधिका के नाम कृष्ण जी का प्रेमपत्र।
प्रा०-लाला कुदनलाल, बिजावर।→०६–४५ ए।

कृष्णाजू को नखशिख→ कृष्णचंद्रजू को नखशिख (ग्वाल कवि कृत)।

कृष्ण तरंगिणी (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। र का सं १८७१। लि का सं १९ ८। वि श्रीकृष्ण की बाललीला।
 प्रा —बांधवेश भारती भंडार (राज पुस्तकालय), रीवाँ।→ -११६।

कृष्णदत्त—ब्राह्मण। सं १८२८ के लगभग वर्तमान।
 कविविनोद (गद्य)→१६-२ ।

कृष्णदत्त—रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह के गुरु प्रियादास का विरक्त होने के पूर्व का वास्तविक नाम।→ १-१६।

कृष्णदत्त भूषण (पद्य)—गोकुलप्रसाद कृत। र का सं १९१७। वि नृप वंशावली धर्म नीति और वर्षा व्यवस्था आदि।
 (क) लि का सं १९५१।
 प्रा —श्री रामताप्रसाद पांडेय ग्राम डा रैंबीगारापुर (प्रतापगढ़)। →सं ४-७१ क।
 (ख) प्रा —श्री हरिमंगलप्रसाद त्रिपाठी कोरिया गढ़ारी डा पयराबाजार (बस्ती)। →सं ४-७१ ख।

कृष्णदत्तरास (पद्य)—शिवदीन कृत। र का सं १९ ?। वि लखनऊ के नवाब और मिनगा नरेश के युद्ध का बयान।
 प्रा —महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह साहब मिनगा राज्य (बहराइच)। → २१-१६ ।

कृष्णदास—निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। हरिभक्तदास अथवा नागरीदास के शिष्य। गिरधापत्तन (मिरजापुर का पुराना नाम) के निवासी। सं १८५२ के लगभग वर्तमान।
 कृष्णदास के मंगल (पद्य)→१२-९७ ए।
 भागवत (पद्य)→ ४१-४८२ क (अप्र)।
 भागवत भाषा (द्वादश स्कंध) (पद्य)→ ९-१५८ ए।
 भागवत भाषा (प्रथम स्कंध) (पद्य)→२०-८७।
 भागवत भाषा (संपूर्ण) (पद्य)→२३-२१८ ए से एल तक।
 भागवत माहात्म्य (पद्य)→०५-९ ९-१५८ बी।
 माधुर्यलहरी (पद्य)→१२-९७ बी ४१-४८२ ख (अप्र)।

कृष्णदास—सिवर जदुनंदनपुर के निवासी। पिता का नाम परान और पितामह का नाम बानो। पिता का जन्म सरजू और गंडक के संगम पर बसे कनेसर (गोरखपुर) स्थान में—जहाँ उदैसिंह नाम का राजा राज्य करता था—हुआ था। मुकुंद भक्तमनि और भैयार नाम के इनके तीन भाई थे। सं १६२८ के लगभग वर्तमान।
 जैमुनि कथा (पद्य)→सं १-८८।

कृष्णदास—ब्राह्मण। किसी बिहारीदास के शिष्य। दतिया निवासी। सं० १७३० के लगभग वर्तमान।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→०६-६४ डी।
एकादशी माहात्म्य (पद्य)→०६-६४ सी।
तीजा की कथा (पद्य)→०६-६४ ए।
महालक्ष्मी की कथा (पद्य)→०६-६४ बी।
हरिश्चन्द्र की कथा (पद्य)→०६-६४ ई।

कृष्णदास—ब्राह्मण। उज्जैन (मालवा) निवासी। राजा भीमसिंह के आश्रित।
विक्रम बत्तीसी (पद्य)→०६-१८४, २३-२२१।

कृष्णदास—गो० विनोदवल्लभ के शिष्य। वृंदावनदास के समकालीन।
वृंदावनाष्टक (पद्य)→१२-९८।

कृष्णदास—निंबार्क पंथानुयायी। संभवत 'कृष्णदास के मंगल' के रचयिता कृष्णदास। →१२-९७।
राधाकृष्ण विलास (पद्य)→२३-२२०।

कृष्णदास—(?)
ज्ञानप्रकाश (पद्य)→२६-२०३ ए, बी।

कृष्णदास—(?)
विरुदावली (पद्य)→सं० ०१-४६।

कृष्णदास—पंजाबी। हृदयराम के पिता। सं० १६८० के पूर्व वर्तमान। →०४-१७ पं० २२-४१, २३-१६६, २६-१८०।

कृष्णदास—'ख्याल टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। →०२-५७ (एक)।

कृष्णदास→'कृष्णचन्द्र (हित)' (स्वामी हित हरिवंश जी के द्वितीय पुत्र)।

कृष्णदास→'हरिकृष्णदास' ('रसमहोदधि' के रचयिता)।

कृष्णदास (कायस्थ)—रामपुर शमशाबाद (प्रतापगढ) निवासी। गुरु का नाम खेमकरन। हीरानंद (?) के मित्र।
रास पंचाध्यायी (पद्य)→२६-२०४, सं० ०१-५२, सं० ०४-४२।

कृष्णदास (जाड़ा)—ब्रज निवासी। विट्ठलनाथ जी के सेवक।
विद्रुमदेस (विदर्भदेश ?) (पद्य)→सं० ०१-५१।

कृष्णदास (पयहारी)—अष्टछाप के कवि। अनंतदास और गदाधर भट्ट के गुरु। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।→०६-१२१, ०६-१२८, ०९-८१, पं० २२-१, दि० ३१-३।
कृष्णसागर तथा फुटकर कीर्तन (पद्य)→सं० ०१-५०।

युगलमान चरित्र (पद्य)→०१-१ १।
दानलीला (पद्य)→२३-२१६ ए, बी २६-१४७ ए से ई तक।

कृष्णदास (द्वि)—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। गो गोवर्द्धनलाल के शिष्य। १७वीं शताब्दी में वर्तमान।
समय प्रबंध (पद्य)→१२-९६।

कृष्णदास और ललितकिशोरी—संभवतः नागरीदास के शिष्य कृष्णदास। →१२-९७।
मंगल संग्रह (पद्य)→२६-२ २।

कृष्णदास के पद (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —बाबा धर्मदास धनकुटी शिवर्गत चौरा डा गोंडा (अलीगढ़)। →२६-२ १।

कृष्णदास के मंगल (पद्य)—कृष्णदास और ललितकिशोरी कृत। वि हरिदास का यश वर्णन।
प्रा —श्री गोरेलाल की कुंज वृंदावन (मथुरा)। →१२- ९७ ए।

कृष्णदास गिरिधर—सं १६९२ के पूर्व वर्तमान।
रुक्मिणी ब्याहलो (पद्य)→१२-१२१।

कृष्णदासि→कृष्णाबाई (शरदनिसा की रचयित्री)।

कृष्णदेव—माथुर ब्राह्मण।
रास पंचाध्यायी (पद्य)→ ६-१५६।

कृष्णदेव—(?)
चतुरमोहन कथा (पद्य)→सं १-५१।

कृष्णदेव रुक्मिणी वेलि → श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी वेलि' (पृथ्वीराज राठौर कृत)।

कृष्णध्यान अष्टक (पद्य)—श्याम (कवि) कृत। लि का सं १७८५। वि कृष्ण का ध्यान वर्णन।
प्रा —पं बालमुकुंद चतुर्वेदी मानिक चौक मथुरा।→१८-१५ ।

कृष्ण ध्यानाष्टक (पद्य)—रामरतन साधुदास कृत। वि राधाकृष्ण की उपासना।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१५४ ख।

कृष्णनाम चंद्रिका (पद्य)—बधाराम भाट कृत। वि नाम माहात्म्य।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१४६ क।

कृष्ण निवास→कृपानिवास (मिथिला निवासी वैष्णव)।

कृष्ण पचोसी (पद्य)—बन (गूजर) कृत। वि रासलीला।
प्रा —वलिदानगंज का पुस्तकालय बलिया।→ ३-२७ (विवरण अप्राप्त)।

कृष्ण पदाष्टक (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत। वि कृष्ण विरह।
प्रा —पं देवीप्रसाद हरनामपुर (इटावा)।→१८ १६२ सी।

कृष्ण परीक्षा (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। वि० गोप वेश में राधिका का कृष्ण की परीक्षा लेना।
प्रा—प० मनोहरलाल, अध्यापक अ० प्रा० स्कूल, श्री बलदेव (मथुरा)।→ ३५-१०२ ए।

कृष्णपाद—प्रसिद्ध जलध्री पाद के शिष्य।→स० १०-४१।

कृष्ण प्रकाश (पद्य)—मेदिनीमल्ल जू देव (कुँवर) कृत। र० का० स० १७८७। लि० का० स० १९६२। वि० हरिवंश पुराण का अनुवाद।
प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह, छतरपुर।→०५-६६।

कृष्ण प्रतीत परीक्षा→'उदय ग्रंथावली' (उदय कृत)।

कृष्णप्रसाद (भट्ट)—गुजरात के भट्ट ब्राह्मण। चिंतामणि के पुत्र। गौड़ीय माध्व सम्प्रदाय के अनुयायी श्री राधागोविंद के शिष्य।
कृष्ण गीतामृत लहरी (पद्य)→४१-३२।

कृष्ण प्रेमसागर→'प्रेमसागर (विज्ञानखंड)' (जयदयाल कृत)।

कृष्ण प्रेमामृत (गद्य)—हरिराय कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा०—प० प्यारेलाल गुसाईं, सकेत, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३२-८३ए।
(ख) प्रा० —प० रामदत्त, हाँतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३५-३८ डी।

कृष्ण ब्रजलीला (पद्य)—बिहारीदास कृत। वि० कृष्ण और गोपियों की लीलाएँ।
प्रा०—प० रामधन वैद्य, रामदत्त की गली, रावतपाड़ा, आगरा।→३२-२८।

कृष्णफाग (पद्य)—जाहरसिंह कृत। लि० का० स० १९३२। वि० कृष्ण का होली खेलना।
प्रा०—लाला दीनदयाल, देवरिया, डा० बानीखेड़ा (उन्नाव)।→२६-१०६।

कृष्णमंगल (पद्य)—गंगादास कृत। वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा।
प्रा०—श्री महेशप्रसाद, रतिया, डा० त्रिसावर (मथुरा)।→३५-२५।

कृष्णमंगल (पद्य)—नंददास कृत। वि० कृष्ण जन्म की कथा।
प्रा०—पं० वेदनिधि शास्त्री, ब्रह्मप्रेस, इटावा।→३५-६७।

कृष्णमणि—इन्होंने हरिवल्लभ कृत 'भगवद्गीता (भाषा)' की प्रतिलिपि करके उसमें रचयिता के स्थान पर अपना नाम दिया है।→२६-२४६।

कृष्ण मोदिका (पद्य)—रघुनाथ कृत। र० का० स० १७४१। लि० का० स० १७६२। वि० कृष्ण और गोपियों की भेंट तथा राधा और सत्यभामा की बातचीत।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-९८।

कृष्ण रत्नावली (पद्य)—लक्ष्मीपति कृत। र० का० स० १८९३। लि० का० सं० १८९७। वि० गीता दर्शन।
प्रा०—प० शिवदीन वाजपेई, औरंगाबाद (सीतापुर)।→२६-२५७।

कृष्ण रहस्य (पद्य)—अर्जुनसिंह कृत । लि का सं १६३४ । वि कृष्ण चरित्र ।
प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गालागंज, लखनऊ ।→ ६-१ ।

कृष्णराम चरित्र (पद्य)—रामराम कृत । वि द्रौपदी चीरहरण राम वन गमन सीता हरण और राम विवाह आदि ।
प्रा —पं महादेवप्रसाद चतुर्वेदी अश्विनीकुमार मंदिर असनी (फतेहपुर) ।
→२०-१५७ ए ।

कृष्णराम संतोपिया (चक्रवर्ती)—(?)
गीता (भाषा टीका) (गद्य)→सं १-५४ ।

कृष्णलीला (पद्य)—केशव कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं शिवप्रसाद मिश्र मौजुमाबाद फतेहपुर ।→२ -८१ ।

कृष्णलीला (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि कृष्ण की माखन चोरी ।
प्रा —लाला राधिकाप्रसाद बिसावर ।→ १ १३ ग्री ।

कृष्णलीला (पद्य)—बलदेवदास कृत । र का सं १६ १ । लि का सं १६१७ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं मुन्नीलाल अवस्थी नारायनपुर डा गोला गोकर्णनाथ (खीरी) ।
→२९-११ ।

कृष्णलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —श्री बद्री चिरंजीलाल पालीवाल भैरोबाजार आगरा । →२६-४१७ ।

कृष्णलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७९० । वि व्रजराज मधुमंगल और राधा सहित कृष्ण लीला ।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर । →४१-३४७ ।

कृष्ण लीलामृत लहरी संग्रह (पद्य)—कृष्णप्रसाद (भट्ट) द्वारा संगृहीत । वि श्री कृष्ण लीला ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →४१-१२ ।

कृष्ण लीलावली पंचाध्यायी (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । र का सं १८ । वि श्री कृष्ण का गोपियों के साथ विहार ।
प्रा —श्री मन्नालीलाल चौबे विश्रामघाट, मथुरा । → ६-२६८ बी ।

कृष्णविनोद (पद्य)—चंदराव कृत । र का सं १८ ७ । लि का सं १८ ७ ।
वि भागवत (दशमस्कंध) का अनुवाद ।
प्रा —पं भैरोप्रसाद हँसुवा (फतेहपुर) ।→१ -२५ ए ।

कृष्णविनोद (पद्य)—साहिराम कृत । वि रस और नायिकाभेद ।
प्रा —श्री व्रजभूषण 'भूषण' सीतापुर डा हैदरगढ़ (बाराबंकी) ।→२३-३११ ।

कृष्णविलास (पद्य)—विनोदीलाल (राव) कृत । र का सं १८७६ । वि भागवत (दशमस्कंध) का अनुवाद ।

प्रा०—श्री प्रागराम कायस्थ, घनेराव, जोधपुर।→०२-१०२।

कृष्णविलास (पद्य)—कृष्णचंद्र (अग्रवाल) कृत। र० का० सं० १७६४। लि० का० सं० १८०४। वि० भागवत दशमस्कंध का अनुवाद।
प्रा०—श्री रामलोचन पांडेय, देवकली (गाजीपुर)।→सं० ०१-४७।

कृष्णविलास (पद्य)—नंका कृत। वि० कंसवध और कृष्णार्जुन संवाद।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१०।

कृष्णविलास (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। र० का० सं० १८१७। वि० कृष्णचरित्र।
(क) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर। →०६-१०० ए।
(सं० १८६७ की एक प्रति चरखारी के श्री स्वामीप्रसाद साँवले के पास है)।
(ख) प्रा०—श्री कामताप्रसाद दारोगा, अजयगढ।→०६-१६५ ए (विवरण अप्राप्त)।

कृष्णविलास (पद्य)—वृंदावनदास (जनविंदा) कृत। वि० राधाकृष्ण मिलन।
प्रा०—पं० दुलीचंद, ढानो, डा० कोसी (मथुरा)।→३८-१६३ ए।

कृष्णविलास (पद्य)—अन्य नाम 'भागवत (दशमस्कंध)'। शंभुनाथ (त्रिपाठी) 'शंभु' कृत। लि० का० सं० १६२३। वि० कृष्ण लीलाएँ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीशंकर वाजपेयी, वाजपेयीखेड़ा, डा० बेहटा (रायबरेली)। →सं० ०४-३७७ ख।

कृष्णविलास (पद्य)—शिवराज (महापात्र) कृत। वि० नायिकाभेद।
(क) लि० का० सं० १८००।
प्रा०—राजा भगवानबक्ससिंह, अमेठी (सुलतानपुर)।→२३-३६६।
(ख) प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर)।→सं० ०४-३८६ क।

कृष्णविलास (पद्य)—सवितादत्त कृत। र० का० सं० १७३५। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—लाला रामदयाल, नदापुरवा, डा० नेरी (सीतापुर)। →२६-४३२।

कृष्णविष्णु (पंडित)—सं० १६२१ के पश्चात वर्तमान।
संक्षेप तिमिरनाशक (पद्य) →सं० ०४-४३।

कृष्णविहारी—(?)
सर्व संग्रह (पद्य)→२६-२४६।

कृष्णवृत्त चंद्रावली (पद्य)—प्रवीन (कवि) कृत। वि० पिंगल।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२१७ फ।

कृष्णसंहिता (पद्य)—भुवनदास कृत। र० का० सं० १६२४। वि० भागवत कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१७५ क।

कृष्ण सागर तथा फुटकर कीर्तन (पद्य)—कृष्णदास (और अन्य) कृत। र का सं १६४ के पूर्व (अनु)। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१।

कृष्णसाहि—कोई राजकुमार। सबितादत्त के आश्रयदाता। सं १७१८ के लगभग वर्तमान। →२६-४१२।

कृष्णसिंह—सं १७२४ के पूर्व वर्तमान।
आनंद लहरी (पद्य)→१२-१२६।

कृष्णसिंह—सं १८६१ के पूर्व वर्तमान।
लग्नाध्याय (पद्य)→२१-२२८।

कृष्णसिंह (कविराम)—इन्होंने कर्नल टाड को पृथ्वीराजरासो पढ़ाया था।→ -६२।

कृष्णसुधा→युगलसुधा (विहारवनतीर्थ वेष कृत)।

कृष्णहरि→किसनहरि (भद्रबाहु चरित्र के रचयिता)।

कृष्णहोली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कृष्ण लीला।
प्रा —मुं हुक्मसिंह प्रधानाध्यापक करहरा डा मितावपुर (आगरा)। →२६-४१६।

कृष्णानंद—कोई संत।
पद (पद्य)→सं ७-२२ सं १-१६।

कृष्णानंद—(?)
रागसागर (पद्य)→१२-१९५।

कृष्णानंद→आनंद (अर्जुनगीता के रचयिता)।

कृष्णानंद व्यासदेव—अच्छे संगीतज्ञ और कृष्ण भक्त। सं १८६६ के लगभग वर्तमान। इन्होंने अपने ग्रंथ में ब्रजजीवनदास की चर्चा की है। → ६-१४।
राग कल्पद्रुम नित्यकीर्तन संग्रह (पद्य)→२१-२२१।
राग सागरोद्भव रागकल्पद्रुम संग्रह (पद्य)→१ -८८।

कृष्णाबाई—अन्य नाम कृष्णदासि। संभवतः वल्लभाचार्य जी की सेविका।
शरदनिशा (पद्य)→ १-५५।

कृष्णायन (पद्य)—जगन्नाथ कृत। र का सं १८४५। लि का सं १८८८।
वि कृष्ण चरित्र।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-१२८।

कृष्णावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि भजन और कृष्ण चरित्र।
प्रा —श्री चंद्रसेन पुजारी सुरजा।→१७-४२ (परि १)।

कृष्णावती—(?)

विवाह विलास (पद्य)→१२-६६ ।

कृष्णाष्टक (पद्य)—रामरत्न कृत । वि० कृष्ण स्तुति ।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायकनिरीक्षक, बीकानेर ।→२३-३४८ ।

केदारनाथ—इन्होंने लक्ष्मणदास के साथ ग्रंथ रचना की थी ।→२०-६२ ।

प्रह्लादचरित्र नाटक (गद्यपद्य)→२०-८० ।

केदारपथ प्रकाश (पद्य)—दास (कवि) कृत । र० का० सं० १६१० । केदारयात्रा वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०३-१०६ ।

केरल (प्रश्न दिवाकर) (गद्य)—अन्य नाम 'केरल (प्रश्न संग्रह)' । रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—पं० शिवमंगलप्रसाद मिश्र, उदयपुर, डा० अठेहा (प्रतापगढ़) । →२६-२० (परि० ३) (दो प्रतियाँ) ।

केरल (प्रश्न संग्रह)→'केरल (प्रश्न दिवाकर)' (रचयिता अज्ञात) ।

केलि कल्लोल→'कल्लोल केलि' (मोहन कृत) ।

केलिमाला (पद्य)—हरिदास (स्वामी) कृत । वि० राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०—गोरेलाल की कुंज, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-७२ ।

(ख) प्रा०—पं० शुकदेव ब्रह्मभट्ट, वासुदेव मई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →३२-७८ बी ।

केवलकृष्ण—राजा धर्मसिंह के दीवान । इन्हीं की आज्ञा से निधान ने 'बसंतराज' की रचना की थी । सं० १८३३ के लगभग वर्तमान ।→१७-१२७ ।

केवलकृष्ण (शर्मा)—उप० कृष्ण । ब्राह्मण । राजा लक्ष्मणसिंह (कुरावली) के पुरोहित । मकीट (एटा) और कुरावली (मैनपुरी) की कन्या पाठशालाओं के अध्यापक । कुरावली निवासी । स्वामी दयानंद का व्याख्यान सुनकर कट्टर आर्यसमाजी हो गये थे ।

ईशूधर्म प्रकाश (पद्य)→३८-८४ क्यू ।

ईसाईधर्म वर्णन सार (पद्य)→३८-८४ पी ।

उपदेशावली (पद्य)→३८-८४ डी ।

कृष्ण कवि का संग्रह (पद्य)→३८-८४ ई ।

दमयंती नल की कथा (पद्य)→३८-८४ एन ।

देवी अष्टक (गद्य)→३८-८४ बी ।

नीति पचीसी (पद्य)→३८-८४ आर ।

पंचरत्न (ग्रूस साहब की प्रशंसा) (पद्य)→३८-८४ के, एल ।

पदों का संग्रह (पद्य)→३८-८४ एफ ।

पनिहारिन वर्णन (पद्य)→१८-८४ डी।
ब्रह्मोपासना (पद्य)→१८-८४ एम।
बुधाष्टक (पद्य)→१८-८४ श्रो।
विनय निवेदन (गद्य)→१८-८४ ए।
संग्रह (पद्य)→१८-८४ बी एन।
संस्कृत के काम (गद्य)→१८-८४ आई।
संस्कृत व्याकरण (गद्य)→१८-८४ बे।

केवलदीन (द्विज)—(?)
कवित्त (पद्य)→सं १-५६।

केवलभक्ति (पद्य)—दयाराम कृत। वि कृष्ण भक्ति।
(क) प्रा —पं महादेवप्रसाद कारिंदा बसरेहर (इटावा)।→१८-११ ए।
(ख) प्रा॰—पं श्रमीप्रसाद मरकना (इटावा)।→१८-११ बी।
(ग) प्रा॰—लाला शंकरलाल महाजनी, ग्रा बसवंतनगर (इटावा)।
→१८-११ सी।

केवलराम—(?)
रासमान के पद (पद्य)→११-११४।

केवलराम वृंदावन जीवन—कदाचित पंजाब निवासी।
पदावली (पद्य)→४१-११।

केवली (गद्य)—गंगाचरित्रा (गंगाप्रसाद) कृत। लि का सं १६४१।
वि रमल।
प्रा॰—श्री बाबूराम मिश्री ककौडन मुजफ्फरनगर।→सं १ -२२।

केवली (गद्य)—पौकमल (ऋषि) कृत। र का सं १८८९। वि रमल।
प्रा॰—स्वामी रविदत्त शर्मा नरेला दिल्ली।→दि ११-१६।

केशरी—(?)
गवेश कथा (पद्य)→१८-८ ।

केशरीसिंह—उप नंद।
सगारथ लीला (पद्य)→०५-२७ ६-२११।

केशरीसिंह—गौड़ क्षत्रिय। मतिमंडन मिश्र के आश्रयदाता।→ ६-२११।

केशरीसिंह—संभव (राव) के आश्रयदाता। सं १८३२ के लगभग वर्तमान।
→२७-२७।

केशरीसिंह—राठौर। आसोप (जोधपुर) के जागीरदार। सागरदान चारण के
आश्रयदाता।→ १-८१।

केशव—उचहरा के पास मदनवार (मागौद राज्य) के निवासी। राजा बख्तावरसिंह के
समकालीन।
कृष्णलीला (पद्य)→१ -८१।

केशव—जैन। गोइदवाल (?) के निवासी। हसराजगणि के शिष्य। स० १७१२ के लगभग वर्तमान।

जबू के रेखते (पद्य)→४१-३४।

केशव—(?)

बलिचरित्र (पद्य)→०६-१४६ ए।

मनुमानजन्म लीला (पद्य)→०६-१४६ बी।

केशव—(?)

वैद्यक (गद्यपद्य)→२६-२३१।

केशव (गिरि)—(?)

आनदलहरी (पद्य)→०६-१४८।

केशव (मिश्र)→'केशवकीर्ति' ('सखीसमाज नाटक' के रचयिता)।

केशव (शास्त्री)→'केशवप्रसाद (दूवे)' ('अगस्फुरण' के रचयिता)।

केशवकिशोर—वल्लभ सप्रदाय के अनुयायी। गो० द्वारिकेश शिष्य। सभवत. स० १६०० से स० १६८० तक वर्तमान।

आचार्यजी की वशावली (पद्य)→स० ०१-५७।

केशवकीर्ति—अन्य नाम केशव मिश्र। वृदावन निवासी। स० १७६० के पूर्व वर्तमान।

सखीसमाज नाटक (गद्य)→स० ०४-३६।

केशवजस चद्रिका (पद्य)—हरिदेव (भट्टाचार्य) कृत। र० का० स० १८६६। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, भदावर राज्य, ग्राम तथा डा० नौगवाँ (आगरा)। →२६-१४२ बी।

केशवदास—हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि। सनाढ्य ब्राह्मण। ओड़छा (बुदेलखड) निवासी। काशीनाथ के पुत्र। बलभद्र के भाई। ओड़छा नरेश महाराज मधुकरशाह और उनके पुत्र महाराज इद्रजीतसिंह के आश्रित। स० १६३७-६६ के लगभग वर्तमान। →२६-२६।

कविप्रिया (पद्य)→००-५२, १७-६६ सी, २०-८२ बी, २३-२०७ ए, बी, सी २६-२३३ बी, सी, डी, २६-१६२ डी, ई, ४१-४८३ (अप्र०)।

जहाँगीर चद्रिका (पद्य)→०३-४०, ३२-११३।

रत्नबावनी (पद्य)→०६-५८ बी।

रसिकप्रिया (पद्य)→०३-८६, १७-६६ ए, बी, २०-८२ सी, पं० २२-५४ ए, २३-२०७ आई २६-२३३ एफ, जी, २६-१६२ एफ, ४१-४८५ क, ख (अप्र०), स० १०-१७ क।

रामचंद्रिका (पद्य)→ १-२१ २१-२ ७ बी से एच तक; २६-२३१ ई, २६-१६२ ए, बी, सी।

विज्ञानगीता (पद्य)→ -५५ २ -८२ ए, पं २२-५४ बी; २१-२ ७ के, के २६-२३१ एच आइ २६-१६२ बी सं १०-२७ ख।

विवेकदीपिका (वैराग्यशतक भाषा) (गद्य)→सं १-५८।

वीरसिंहदेव चरित्र (पद्य)→ ६-५८ ए।

केशवदास—पटियाला नरेश अमरसिंह के आश्रित। सं १८११ के लगभग वर्तमान।

वीर अमरसिंह (पद्य ?) →पं २२-५५।

केशवदास—निर्गुण पंथानुयायी। यारी साहब के शिष्य।

रासा (पद्य)→४१-३५।

केशवदास—संभवतः राजस्थान निवासी। सं १८४४ के पूर्व वर्तमान।

भ्रमरबत्तीसी (पद्य)→ २-१४ ४१-४८४ (अप्र)।

केशवदास—संभवतः राजस्थानी या गुजराती।

भागवत (पद्य)→४१-३६।

केशवदास—(?)

नखशिख (पद्य)→ १-२६।

केशवदास—(?)

बारहमासा वर्णन (पद्य)→२६-२३१ ए।

केशवदास—(?)

रामालंकृत मंजरी (पद्य)→ -५१ (चौथ)।

केशवदास—(?)

साखी (कबीरदास) (पद्य)→१२-११२।

केशवदास—हरसेवक मिश्र के भाई। परमेश्वरदास के पुत्र। सं १८ ८ के लगभग वर्तमान।→ ६-५१।

केशवदास—अन्य नाम केशवराज या केश। सरहिंद निवासी। नयनसुख के पिता। सं १६४२ के पूर्व वर्तमान। → -१४ १७-२२५ पं २२-७५।

केशवदास→'केशवराज ('गणेश कथा के रचयिता)।

केशवदास→'केसौदास (बाबा) (बाबा ब्रह्मदास के भतीजे)।

केशवदास (चारण)—मारवाड़ नरेश महाराज गजसिंह के आश्रित। सं १६८१ के लगभग वर्तमान।

महाराज गजसिंहजी का गुणरूपक बंध (पद्य)→ २-२ ।

केशवदास (पंडित)—क्षत्रिय। बलभद्र के पिता। विद्वान होने के कारण इन्हें पंडित की उपाधि मिली थी। सं १६६५ के पूर्व वर्तमान।→१२-८।

केशवदास नारायण—(?)

विवाह खेल (पद्य)→स० ०१-५६ ।

केशवप्रसाद (त्रिपाठी)—महामहोपाध्याय । जिला विद्यालय निरीक्षक । स० १६३६ के लगभग वर्तमान ।

भाषा लघुव्याकरण (दूसरा भाग) (गद्य)→सं० ०७-२४ ।

केशवप्रसाद (दूबे)—परमसुख के पुत्र । छोटे भाई का नाम बलदेव । आगरा निवासी । इनके पूर्वज कोई भवानीदत्त द्विवेदी थे जो पहले अयोध्या के निकट बैसवार के अंतर्गत जैराजमऊ में रहते थे । पर पीछे बिठूर के पास राधागाँव में जा बसे । अनंतर इनके पिता इनको लेकर आगरा चले आए और अध्ययन कार्य करने लगे । ये भी आगरा कालेज में संस्कृत के प्रथम अध्यापक हो गए । स० १८६७ के लगभग वर्तमान ।

अंगस्फुरण (गद्य)→२६-१६३ ए ।

केशव विनोद भाषा निघंटु (पद्य)→स० ०१-६० ।

ज्योतिष सार (गद्य)→२६-२३० ए, बी, २६-१६३ सी, डी, ई ।

पथ्यापथ्य विचार (गद्यपद्य)→२६-२३० इ, एफ ।

मयूरचित्रम (गद्य)→२६-२३० सी, डी ।

वैद्यकसार (गद्य)→२६-१६३ एफ, जी, एच ।

होरा या शकुन गमन (गद्य)→२६-१६३ बी ।

केशवराज→'केशवदास' (नयनसुख के पिता) ।

केशवराय—कायस्थ । माधवदास के पुत्र और मुरलीधर के भाई । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल और उनके पुत्र नरसिंहके आश्रित । स० १७५२ के लगभग वर्तमान । महाराज छत्रसाल से इन्हें एक गाँव मिला था ।

गणेश कथा (पद्य)→२६-२३२, २६-१६१ ए, बी, सी, डी ।

जैमुनि की कथा (पद्य)→०५-१० ।

केशवराय—जन्मकाल स० १७३६ । बघेलखंड निवासी ।

रसललित (पद्य)→०६-१४६ ।

केशव विनोद भाषा निघंटु (पद्य)—केशवप्रसाद (दूबे) कृत । र० का० सं० १८६७ । मु० का० स० १६ ० । वि० निघंटु ।

प्रा०—श्री ईश्वरदत्त तिवारी, लोहरा तिवारीपुरा, डा० मलाक हरहर (इलाहाबाद) ।→स० ०१-६० ।

केशवसिंह—तियरी (उन्नाव) के निवासी । स० १६३१ में वर्तमान ।

पशु चिकित्सा (पद्य)→२६-१६४ ए, बी, सी, डी ।

केशवानंददेव—रामचंद्र जैन के गुरु । स० १७६२ के पूर्व वर्तमान ।→३२-२३८ ।

केसोराम—(?)

कवित्त (पद्य)→सं १-११।

केसरीदास और मुनीदास—गुरु (आपापंथ के संस्थापक) मुनीदास और शिष्य केसरीदास।

शब्द (पद्य)→सं ७-२१।

केसरी प्रकाश (पद्य)—चंदन कृत। र का सं १८१७। लि का सं १८८२। वि रस और नायिकाभेद।

प्रा —सेठ बनवारीलाल तालुकेदार, कटरा (सीतापुर)।→१२-१४ बी।

केसरीसिंह—संभवतः किसी मधुकर नृप के आश्रित।

वाल्मीकि रामायण (पद्य) सं १ -१८।

केसवराइ (केसीराइ)—संभवतः काशी निवासी।

विराग शतक (पद्य)—सं ७-९५।

केसोदास—(?)

महाभारत (स्वर्गारोहण पर्व) (पद्य)→सं १-४२।

केसौदास (बाबा)—बाबा मलूकदास के भतीजे। मलूकदास की कुटी (सुलतानपुर) के प्रथम महंत। सं १८४ में उत्पन्न और सं १९ में मृत्यु।

शब्द और साखी (पद्य)—१९-४१ सं ४-४४।

कैमासवध→पृथ्वीराजरासो (चंदबरदाई कृत)।

कैलास भाषा (पद्य)—माधवानंद (भारती) कृत। र का सं १९२१। लि का सं १९२८। वि स्कंदपुराण के प्रश्नोत्तर खंड का अनुवाद।

प्रा०—श्री रामगोपाल वैश्य चौराहा डा महमूदाबाद (सीतापुर)।→ २१-२०७ ए।

कैवाट (सरवरिया) (?)—सं १८५४ के लगभग वर्तमान।

अनंतराय सांखला री वार्ता (गद्यपद्य)→ १-२९।

कोक (भाषा) (गद्यपद्य)—नंद और मकुन्द कृत। र का सं १६७२ (१६७५)। वि कामशास्त्र।

(क) लि का सं १८७६।

प्रा —पं रामकमल शर्मा (डाक्टर), गम्भिर बाजार डा रानीपुर (जौनपुर)। →सं ४-३ १।

(ख) लि का सं १९ ।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी।→ ३-१८१ ए।

(ग) लि का सं १९ ३।

प्रा०—श्री नंदबिहारी महापात्र बस्ती।→ ३-१८१ बी।

(घ) प्रा०—पं रामप्रपन्न मालवीय वैद्य सुलतानपुर।→२१-१९५।

(ट) प्रा०—श्री नारायणीदास पुजारी, बम्हनटोला मंदिर, ममाई, डा० एतमाद-पुर (आगरा)।→२६-२२४।

टि० खो० वि० २३-२६५ में भूल से रचयिता को पंडित नदकेश्वर मान लिया गया है।

कोककलाधर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६०७। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री सरजकुमार श्रोझा, ग्राम तथा डा० सिरसा (इलाहाबाद)।→सं० ०१-५०६।

कोककला सार→'कामकला सार' (छत्यागिरि कृत)।

कोकमंजरी (पद्य)—नंदसुर (कवि) कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री बाँकेलाल, फतेहाबाद (आगरा)।→२६-२४२।

कोकमंजरी→'कोकसार' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोकविद्या (गद्य)—कोका (पंडित ?) कृत। वि० कामशास्त्र।

(क) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—पं० रामरतन, द्वारा ठा० जगदेवसिंह रईस, गंगराल, डा० प्रयागपुर (बहराइच)।→२३-२१५।

(ख) प्रा०—पं० रामभजन वाजपेयी, सरायपेन, डा० सरौंढ (एटा)।→२६-१६६ बी।

कोकविलास→'कोकसार' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोकवैद्यक→'कोकविद्या' (कोका पंडित ? कृत)।

कोकशास्त्र (पद्य)—गजेंद्र कृत। कामशास्त्र।

प्रा०—श्री अमरनाथ मिश्र, असनरणपुर, डा० ओदना (जौनपुर)।→सं० ०१-७४।

कोकशास्त्र (पद्य)—ताहिर कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री बृजनन्दन पांडेय, लालगंज (रायबरेली)।→सं० ०४-१२६ क।

कोकशास्त्र (पद्य)—दरियावसिंह कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला भोजराज, रुद्रपुर, डा० नमनोई (अलीगढ)।→२६-७८ सी।

कोकशास्त्र (पद्य)—पमल कृत। वि० कामशास्त्र।

प्रा०—श्री चंद्रशेखर पांडेय, तालामझारा, डा० जलालगंज (जौनपुर)।→सं० ०१-२०४।

कोकशास्त्र (गद्यपद्य)—विप्र (?) कृत। र० का० सं० १६७५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० महादेवसिंह वैद्य, मलिकमऊ चौबारा (रायबरेली)।→सं० ०४-३६३।

कोकशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७२५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री गोविंदराम, अधिकारी, जोगमाया तथा नंदबाबा का मंदिर, महाबन (मथुरा)।→३८-१८०।

कोकशास्त्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८०३। वि० कोकदेव कृत 'कोकशास्त्र' का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३४८।

कोकशास्त्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९१ । वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं चंद्रभूषण त्रिपाठी गौड़ (रायबरेली)।→सं ७–२२१।

कोकशास्त्र→'कोक (माया)' (नंद और मुकुंद कृत)।

कोक संवाद (गद्य)—वरमसिंह (कवि) कृत। वि कोकशास्त्र।
प्रा०—श्री लड़ैतीलाल सैपउई (मथुरा)।→१२–५४।

कोक सामुद्रिक (पद्य)—प्रयमाग्र कृत। र का सं १६७८। लि का सं १८५ ।
हस्तरेखा द्वारा स्त्री पुरुष की पहचान।
प्रा —पं लक्ष्मीनारायण वैद्य शाह (आगरा)।→२६–१७।

कोकसार (गद्यपद्य)—दयाशील कृत। र का सं १७७५। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं मोहनदत्त शर्मा द्वारा पं नारायणदत्त वैद्य खुरजा (बुलंदशहर)।
→१७–४४।

कोकसार (पद्य)—अन्य नाम 'कोक मंजरी' 'कोक विलास' तथा 'मदन कोक'। नंद और मुकुंद कृत। र का सं १६६ । वि कामशास्त्र।

(क) लि का सं १७ ५।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१६ क।

(ख) लि का सं १७८१।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–५।

(ग) लि का स १७८१।
प्रा —महंत रामबिहारीशरण कामद कुंज अयोध्या।→९ –६ ए।

(घ) लि का सं १८९१।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १ १६ ख।

(ङ) लि का सं १८ ५।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६ १२६ ए (विवरण अप्राप्त)।
('कोकमंजरी' नामसे एक प्रति और है)।

(च) लि का सं १८० ।
प्रा —श्री रामभजन मिश्र, मौगावाँ डा मल्लावाँ (हरदोई)।→२६–११ बी।

(छ) लि का सं १८१२।
प्रा०—पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–७।

(ज) लि का स १८२८।
प्रा०—पं माताप्रसाददत्त (दुबिया), मऊ (बाराबंकी)।→११–१३ डी।

(झ) लि का सं १८३१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४–११ घ।

(ञ) लि का सं १८५१।

प्रा०—मुंशी जोरावरसिंह, सेकंड अध्यापक, प्रशिक्षण विद्यालय, मिढाकुर (आगरा)।→२६-११ डी।

(ट) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुरमथुरा, डा० चमारा (सीतापुर)।→ २६-१० ए।

(ठ) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—पं० रामदीन मिश्र, पंडित का पुरवा, डा० [illegible] (प्रतापगढ)।→ २६-१० बी।

(ड) लि० का० सं० १८५७।

प्रा०—पं० गोविंदप्रसाद, हिंगोट खेरिया (आगरा)।→२६-११ बी।

(ढ) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० नंदलाल शर्मा वैद्य, भैरूलाल भवन, अमीनाबाद, लखनऊ।→ २६-१० सी।

(ण) लि० का० सं० १८६२।

प्रा०—ठा० नेपालसिंह, मौली, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→ २६-१० डी।

(त) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—पं० विद्याविलास, सेमरपहा, लालगंज (रायबरेली)।→सं० ०४-१३ क।

(थ) लि० का० सं० १६०३।

प्रा०—लाला नागेश्वर, गुलाम अलीपुरा (बहराइच)।→२३-१३ ई।

(द) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-१३ एफ।

(ध) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—पं० रामभज ज्योतिषी, बिजयगढ (अलीगढ)→२६-११ ए।

(न) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—पं० केदारनाथ, संस्कृताध्यापक, सनातन धर्म उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-४।

(प) लि० का० सं० १६२३।

प्रा०—पं० छज्जूराम, बियारा, डा० अछनेरा (आगरा)।→२६-११ सी।

(फ) लि० का० सं० १६२६।

प्रा०—श्री ओंकरनाथ पांडेय, अध्यापक, संस्कृत पाठशाला, चचेहरा, डा० कोठा-नौरिया (प्रतापगढ)।→२६-१० ई।

(ब) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)। →२६-१० एफ।

(भ) लि का सं १६४१।
प्रा —पं शिवाधार, रायबरेली।→२१-११ बी।
(म) लि का सं १६४३।
प्रा —ठा शिवपालसिंह लतीफपुर, डा कोरला (आगरा)।→२६-११ ई।
(य) लि का सं १६५५।
प्रा०—पं वासुदेवसहाय कमाल, डा माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६-१ बी।
(र) लि का सं १६५८।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र संपादक 'माधुरी' लखनऊ।→२१ ११ एम।
(ल) लि का सं १६५८।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ।→२६-१ एम।
(व) लि का सं १६६७।
प्रा —लाल प्रविकाबक्शसिंह बारानथा कोट डा परशदेपुर (रायबरेली)।
→सं ४-११ग।
(श) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण परी डा करछना (इलाहाबाद)→
१७-८१ (परि १)।
(ष) प्रा —पं महादेवप्रसाद अश्विनीकुमार का मंदिर डा अम्बनी
(फतेहपुर)।→२०-६ बी।
(स) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२१-११ बी।
(ह) प्रा०—पं अयोध्याप्रसाद पुरवा स्वामी दयाल बाजपेयी डा सिसैया
(बहराइच)।→२१-११ सी।
(क) प्रा०—पं विभूतिप्रसाद द्वारा बौद्धभिक्षु का बंगला सहठ महेठ
(बहराइच)।→२१-११ आई।
(ख') प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट बी ए लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।
→२१-११ ब।
(ग) प्रा —भार्गव भवन पुस्तकालय बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-१ आर।
(घ) प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद त्रिगुणायत तरदहा डा पट्टी (प्रतापगढ़)।
→२६-१ के।
(ङ) प्रा०—लाला सीताराम वैश्य डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-१ के।
(च) प्रा —श्री गिरंधीलाल वैद्य बेलनगंज आगरा।→२१-११ एफ।
(छ') प्रा —श्री बदरीप्रसाद खरे, डा शिवरतनगंज (रायबरेली)।→
सं ४-११ख।
(ज) प्रा —श्री चंद्रशेखर पांडेय मनुहार डा करहिया बाजार (रायबरेली)।
→सं ४-११ज।
(झ') प्रा —शारदा सदन पुस्तकालय रायबरेली।→सं ४-१७६।

(ञ^1) प्रा०—प० रविदत्त शर्मा आयुर्वेद वैद्यभूषणभिषक, नरेला, दिल्ली। →दि० ३१–७।

(ट^1)→प० २२–५।

टि० १ खो० वि० १७–४१ (परि० ३) पर 'कामशास्त्र' नाम से प्रस्तुत हस्तलेख को अज्ञात कृत माना है। पर वह नद और मुकुद कृत ही है।

टि० २ प्रस्तुत ग्रथ की रचना में सभवत: नद के छोटे भाई मुकुद का भी सहयोग है।→स० ०४–१७६।

कोकसार (पद्य)—रामनाथ सहाय कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
पा०—मुशी शिवशकरलाल, टेडँआ (प्रतापगढ)।→२६–३८७।

कोकसार→'गुणसागर' (ताहिर कृत)।

कोकस्वरोदय वैद्यकी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८७४। वि० वैद्यक, यात्रा और कालज्ञान का वर्णन।
प्रा०—श्री परमहस निर्भयराम, सस्कृत पाठशाला, बीबीपुर खुटौली, डा० कधरापुर (आजमगढ)।→४१–३४६।

कोका पडित (?)—कामशास्त्र के प्रसिद्ध काश्मीरी आचार्य। कामशास्त्र सबधी अनेक पुस्तकें इनके नाम पर रची गई हैं।
कोकविद्या (पद्य)→२३–२१५, २६–१६६ बी।
सामुद्रिक नारीदूषण (पद्य)→२६–१६६ ए, सी।

कोटवा वदन (पद्य)—सतबख्श (कायस्थ) कृत। लि० का० स० १६२६। वि० सतनामी सप्रदाय के केंद्रस्थान कोटवा (बाराबकी) की प्रशसा और वर्णन।
प्रा०—श्री परागीदास मुराऊ, यादवपुर, डा० बरनपुर (बहराइच)।→ २३–३७३ बी।

कोविद—वास्तविक नाम चद्रमणि मिश्र। ओड़छा निवासी। ओड़छा नरेश महाराज उद्योतसिंह और महाराज पृथ्वीसिंह के आश्रित। स० १७७७ के लगभग वर्तमान।
मुहूर्त दर्पण (पद्य)→२६–६४।
रमल विचार (पद्य)→२६–२४३।
राजभूषन (पद्य)→०६–६२ ए।
हितोपदेश (भाषा) (पद्य)→०६–६२ बी।

कोविद—(?)
पद (पद्य)→४१–३७।

कोविद भूषण (पद्य)—हरिविलास कृत। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० स० १६२६।
प्रा०—ठा० छत्रसिंह, फटेला, डा० फखरपुर (बहराइच)।→२३–१६१।

(ख) लि का सं १६९ ।
प्रा —ठा बद्रीसिंह जमींदार सानीपुर डा तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-१७६ ।

कोश (गद्य)—शाहबसिंह (राय) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —लाला भगवतीप्रसाद अनूपशहर (बुलंदशहर) ।→१७-१६४ ।

कोश (हिंदी अंग्रेजी और फारसी)→'अंग्रेजी हिंदी फारसी बोली' (लल्लूलाल कृत) ।

कोशलखंड (पद्य)—रुद्रप्रतापसिंह कृत । र का सं १८७० । वि वाल्मीकि रामायणके प्रक्षेपभागांतर्गत कोशलखण्ड का अनुवाद ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-२५ ।

कौतुक चिंतामणि (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि इंद्रजाल तथा जादू टोना ।
प्रा —संग्रहालय हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→४१-१५ ।

कौतुक रत्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८४६ । वि तंत्र मंत्र ।
प्रा —भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ।→४१-१५१ ।

कौतुकलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि राधाकृष्ण क्रीड़ा ।
प्रा —बाबू संतदास राधावल्लभ का मंदिर वृंदावन (मथुरा) । → १२-१५४ आई ।

कौशलेंद्र रहस्य (पद्य)—अन्य नाम 'राम रहस्य । रामचरणदास कृत । लि का सं १८८६ । वि ज्ञान भक्ति प्रेम इत्यादि ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-६८ ।

कौशिल्या की बारामासी→ रामजी के बारहमासा (भवानी) कृत ।

कौशिल्याजी की बारहमासी (पद्य)—बेनीसिंह (राजा) कृत । वि राम बनगमन पर कौशिल्या की शोक संतप्त दशा का वर्णन ।
(क) लि का सं १९१४ ।
प्रा —पं गयादीन तिवारी बिलरिहा डा भानगाँव (सीतापुर) । → २६-१ १ ।
(ख) प्रा०—श्री परमेसर सुनार रामपुर अमेठी (सुलतानपुर) । → सं ४-१६७ ।

क्रियाकोश (भाषा) (पद्य)—किशनसिंह कृत । र का सं १७८४ । वि जैनधर्म के 'क्रियाकोश' नामक ग्रंथ की टीका ।
(क) लि का सं १८७७ ।
प्रा —श्री जैनमंदिर (मथा), सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२-११६ ए ।
(ख) लि का सं १८८९ ।
प्रा —श्री जैन मंदिर दिहुली डा बरनाहल (मैनपुरी) । →१२-११६ बी ।

रामगीतमाला (पद्य)→२३-२१७ ई; दि ३१-५२ ए, बी; सं १-११ ।

रामचरित वृत्त प्रकाश (पद्य)→२३-२२७ डी ।

लंगदास या लरगदास→ लड़गदास ('क्रियाशोधन की गायत्री' आदि के रचयिता) ।

लंगसेन→लड़गसेन (जैन), ('त्रिलोकदर्पण' के रचयिता) ।

लंछन—कायस्थ । पंचोभर या दिलीपनगर (दतिया) के निवासी । मलूक के पुत्र ।
दतिया के राजा रामचंद्र (सं १७ ६-१७९१) के समकालीन ।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→ ६-५६ ई ।
नामप्रकाश (पद्य)→ ६-५६ डी ।
भूषणदाम (पद्य)→०५-६९; ६-५६ सी ।
मोहमर्दन राजा की कथा (पद्य)→ ६-५६ बी ।
सुदामाचरित (पद्य)→ ६-५६ ए ।

लंदनसंग (पद्य)—बनादास कृत । वि धार्मिक लंदन मंडन ।
प्रा —महंत भगवानदास लक्ष्मणकुंज, अयोध्या ।→२ -११ डी ।

लखित ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत । वि उपदेश ।
(क) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→१८-७७ ए ।
(ख) प्रा —पं रामचंद्र शर्मा कन्हाई का मढ़ना (इटावा) ।→ १८-७७ बी ।

लगपति—कायस्थ । भारत (?) के पुत्र । सं १७ ७ के लगभग वर्तमान ।
गंगा की कथा (पद्य)→१८-८१ ए, बी ।

लटकस बाईसी (पद्य)—अलीमुहिब्ब खाँ (प्रीतम) कृत । र का सं १७८७ ।
वि लटकसों का हास्यपूर्ण बयान ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ १-७ ।

लड़गदास—अन्य नाम लंगदास या लरगदास । संभवतः कोई कबीरपंथी साधु ।
क्रियाशोधन की गायत्री (पद्य)→१५-५८ ए ।
ग्रंथावली (पद्य)→१२-११५ ए ।
शब्द (पद्य)→१२-११५ सी ।
शब्द रमैनी (पद्य)→१५-५४ डी ।
शब्द रेखता (पद्य)→१५-५४ बी सी ।
शब्द सुमरनी को अंग (पद्य)→१५-५८ ई ।
शब्द स्तोत्र विज्ञान (पद्य)→१२-११५ बी ।

लड़गराय→ लरगराय ('नायिका दीपक' आदि के रचयिता) ।

लड़गसेन—धर्मदास के पुत्र । सं १७ ९ के लगभग वर्तमान । इनके तीन भाई थे—गंग दलपति और श्रीपति ।→२ -८१; सं १-५६; सं १-१०२ ।

(ग) लि० का० स० १८६७ ।
प्रा०—श्री चद्रभान जैन, मँगूरा, डा० अछनेरा (आगरा) ।→३२-११६ सी ।
(घ) प्रा०—श्री जैन मदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा) । → ३२-११६ डी ।

क्रियाशोधन को गायत्री (पद्य)—खड्गदास कृत । वि० अजपाजप तथा सोह ज्ञान का वर्णन ।
प्रा०—बख्शी आज्ञाचरण, चतुर्वेदी पुस्तकालय के निकट, मैनपुरी । → ३५-५४ ए ।

क्रुम्हावली→'कुभावली' (धर्मदास) ।

क्षमाकल्याण गणि (वाचक)—जैन । स० १८५३ के लगभग वर्तमान ।
प्रश्नोत्तर सार्द्ध शतक (पद्य)→दि० ३१-८

क्षमाषोडशी की टीका (गद्य)—चक्रपाणि कृत । र० का० स० १८८२ । लि० का० स० १९०६ । वि० श्री रगाचार्य कृत सस्कृत के 'क्षमाषोडशी' स्तोत्र की टीका ।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-६२ ।

क्षमास्तोत्र की टीका→'क्षमाषोडशी की टीका' (चक्रपाणि कृत) ।

क्षेत्रकौमुदी (गद्यपद्य)—गोपाललाल कृत । र० का० स० १८४८ । वि० माप विद्या (गणित) ।
प्रा०—प० माताप्रसाद बजाज, रामबरेली ।→२३-१३४ ।

क्षेत्रपाल की आरती जयमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० तत्र मत्र और जैनधर्म सबधी क्षेत्रपाल की आरती और ओंकार गुण वर्णन ।
प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलदशहर) । → १७-१६ (परि० ३) ।

क्षेत्र भास्कर (गद्य)—लोकमणिदास (चतुर्वेदी) कृत । लि० का० स० १९३४ । वि० क्षेत्र (गणित) सबधी प्रश्नों का विवेचन ।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, ग्राम तथा डा० जसवतनगर (इटावा) ।→३८-६१ ।

क्षेमकरन (मिश्र)—मगधनौली (बाराबकी) निवासी । जन्म स० १७७१ । मृत्यु सं० १८६१ । गोकुलचद्र के आश्रित । 'भाषा काव्य सग्रह' के संग्रहकर्ता पं० महेशदत्त के मातामह के पिता ।
उषा चरित्र (पद्य)→२३-२२७ ए ।
कृष्ण चरितामृत (पद्य)→०६-८६, सं० ०४-४५ क ख ।
पक्षी चेतावनी (पद्य)→२६-२३५ ।
पदविलास (पद्य)→२३-२२७ बी ।
रघुराज घनाक्षरी (पद्य)→२३-२२७ सी ।

रामगीतमाला (पद्य)→२३–११७ ड़ दि ३१–५२ ए, बी; सं १–४३।

रामचरित वृत्त प्रकाश (पद्य)→२१–२२७ बी।

लंगदास या लरगदास→'लड़गदास ('क्रियागोचन की गायत्री आदि के रचयिता)।

लंगसेन→ लड़गसेन (जैन , ('त्रिलोकदर्पण के रचयिता)।

लंडन—कायस्थ। पंदोग्वर या दिलीपनगर (दतिया) के निवासी। मलूक के पुत्र। दतिया के राजा रामचंद्र (सं १७ ६–१७११) के समकालीन।

जैमिनी अश्वमेध (पद्य)→ ६–५६ ई।

नामप्रकाश (पद्य)→ ६–५६ डी।

मूसवाम (पद्य)→०५–६६ ६–५६ सी।

मोहमर्दन राजा की कथा (पद्य)→ ६–५६ बी।

सुदामाचरित्र (पद्य)→ ६–५६ ए।

लंडनलंग (पद्य)—मनादास कृत। वि धार्मिक लंडन मंडन।

प्रा —महंत भगवानदास भवहरलकुंज, अयोध्या।→२०–११ डी।

लंडित ग्रंथ (पद्य)—कबीरदास कृत। वि उपदेश।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→१८–७७ ए।

(ख) प्रा —पं रामचंद्र शर्मा कन्हाई का मरपना (इटावा)।→ १८–७७ बी।

लगपति—कायस्थ। भारत (?) के पुत्र। सं १७ ७ के लगभग वर्तमान।

गंगा की कथा (पद्य)→१८–८१ ए, बी।

लटमल बाईसी (पद्य)—अलीमुहिब्ब खाँ (प्रीतम) कृत। र का सं १६८७।

वि लटमलों का हास्यपूर्ण वर्णन।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ ३–७ ।

लड़गदास—अन्य नाम लंगदास या लरगदास। संभवतः कोई कबीरपंथी साधु।

क्रियागोचन की गायत्री (पद्य)→१५–५४ ए।

मंत्रावली (पद्य)→१२–११५ ए।

शब्द (पद्य)→१२–११५ सी।

शब्द रमैनी (पद्य)→१५–५४ डी।

शब्द रेख्ता (पद्य)→१५–५४ बी सी।

शब्द मुकरनी को मंत्र (पद्य)→१५–५४ इ।

शब्द स्तोत्र विज्ञान (पद्य)→१२–११५ बी।

लड़गराव→ लरगराव ('नायिका दीपक' आदि के रचयिता)।

लड़गसेन—अमरदास के पुत्र। सं १ ६ के लगभग वर्तमान। इनके तीन भाइ थे–संग दलपति और भीवति।→२ –४१ सं १–५६; सं १–१०१।

खड्गसेन (जैन)—बागड़ देश (संभवतः पंजाब) के अंतर्गत नारनौल के निवासी। पितामह का नाम भानुसिंह। पिता और पितृव्य के नाम क्रमशः लूणराज और ठाकुरसीदास। बड़े भाई का नाम धर्मदास। संभवतः गुरु का नाम चतुर्भुज बैरागी (आगरा निवासी)। सं० १७१३ के लगभग वर्तमान।

त्रिलोक दर्पण (पद्य)→२३-२०८, सं० १०-१६ क, ख।

खड़ियाखेमा→'खेमा (खड़िया)'।

खड़ियाखेमा का परिहा (पद्य)—खेमा (खड़िया) कृत। वि० शृंगार।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३६।

खड़ियाबख्ता→'बख्ता (खड़िया)'।

खड़ेचंद (खेदचंद)—(?)

चंदराजा की चौपाइ (पद्य)→दि० ३१-५०।

खतमुक्तावली (गद्यपद्य)—गंगाप्रसाद (माथुर) कृत। र० का० सं० १६००। लि० का० सं० १६००। वि० सत्रह प्रकार के फोड़ों का निदान और चिकित्सा। प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण नरोत्तमदास, बाह (आगरा)।→२६-११० सी।

खरगराय—उप० प्रवीणराय या प्रवीण। गोपालराय भाट के पिता। ओड़छा निवासी मदन भाट के पौत्र और भवानी भाट के पुत्र। पन्ना के महाराज कुमार हृदयशाह के आश्रित। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।→०६-६७, १२-६२, पं० २२-२२।

नायिका दीपक (पद्य)→१२-६२ बी।

पिंगल (पद्य)→१२-१३२।

रसदीपक (पद्य)→१२-६२ ए।

खर्ग (कवि)—(?)

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→३२-११६।

खवास खाँ की कथा (पद्य)—अन्य नाम 'सती स्तुति'। अमोलक कृत। वि० शेरशाह सूरी के एक सरदार खवास खाँ की कथा।

(क) प्रा०—पं० शिवदयाल दीक्षित, द्वारा पं० बद्रीनाथ भट्ट बी० ए०, लखनऊ विश्वविद्यालय या २६, लाटूशरोड, लखनऊ।→२३-१२।

(ख) प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, गोथनी, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-६।

(ग)→पं० २२-४।

खाँ खवास की कथा→'खवास खाँ की कथा' (अमोलक कृत)।

खाँ जहाँ—बादशाह औरंगजेब के वजीर। हिम्मत खाँ के पिता।→०१-८२।

खाडेराव—दौलतराव सिंधिया के सरदार ऊदाजी के पितामह तथा रानाराव के पिता।→०५-४३।

खाँ शुजा—दिल्ली के अमीर। जुगलकिशोर भट्ट के आश्रयदाता। सं० १८०५ के लगभग वर्तमान।→०६-१४२।

खानखाना कवित्त (पद्य)—गंग कृत। वि रहीम की प्रशंसा।
प्रा०—श्री भानुभूषसहाय बर्मा बाराबंकी।→१२-५५।

खासा→मदनगोपालसिंह (विनयपत्रिका के रचयिता)।

खासिफनामा (पद्य)—सुलेमान (शेख) कृत। वि पैगंबर मुहम्मद साहब का खुदा के पास जाना और अपनी मुक्ति माँगना।
प्रा०—पं मानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ९-२८६।

खिरदर्मशवली—शाहपुर निवासी। सं १८४८ के लगभग वर्तमान।
हिंदी महामसारीनी (पद्य)→२०-८१।

खींवड़ा (?)—राजपूताना निवासी। सं १८४१ के पूर्व वर्तमान।
खींवड़ा रा दूहा (पद्य)→४१-४१।

खींवड़ा रा दूहा (पद्य)—खींवड़ा कृत। लि का सं १८४१। वि नीति।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-४१।

खुमान—उप मान। बंदीजन। चरखारी (चरखारी) निवासी। ब्रजलाल भट्ट के पिता। चरखारी नरेश महाराज विक्रमसाहि के आश्रित। इनके पूर्वज महाराज छत्रसाल और उनके वंशजों के आश्रित थे। सं १८ ७-१८५२ के लगभग वर्तमान।→ ४-१६।
अमरप्रकाश (पद्य)→ १-७४ ०५-८१।
अष्टयाम (पद्य)→ ६-७ बी।
नीति विधान (पद्य)→ ६-७ एफ।
नृसिंह चरित्र (पद्य)→ ४-६८, ६-७ एच २६-२१० ती १२-१४ सी।
नृसिंह पचीसी (पद्य)→ ६-७ आइ।
राधाजी को नखशिख (पद्य)→१२-१४ डी।
रामराती (पद्य)→२६-२१७ नी।
लक्ष्मण शतक (पद्य)→ ६-७ नी २६-२१० ए, बी १२-१४ बी।
समरसार (पद्य)→ ६-७ जी।
हनुमत पचीसी (पद्य)→ ६-७ डी सी।
हनुमत शिखनख (पद्य)→ ६-७ इ ६-११ २६- १० इ।
हनुमान पंचक (पद्य)→०६-७ ए।
हनुमान पचासा (पद्य)→१२-१४ ए।
हनुमान विरुदावली (पद्य)→२ -१ ।

खुमान—खुमान कवि के भाइ। गोपालमणि त्रिपाठी के पुत्र। मरौंदा निवासी। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।→०१-२१।

खुमानरासो (पद्य)—दलपत (दौलतविजय) कृत। वि अल्लाउद्दीन का खुमान के साथ युद्ध (चित्तौड़ युद्ध) वर्णन।
खो० नं वि २६ (१ ०-१४)

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-६६ ।

खुमानसिंह—चरखारी (बुंदेलखंड) के राजा । दत्त (देवदत्त) और प्रयागदास के आश्रयदाता । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→०३-५५, ०३-६६, ०६-१६ ।

खुरशेद बेनजीर (पद्य)—इलाहीबख्श (रमजान शेख) कृत । र० का० सं० १६३२ । वि० खुरशेद और बेनजीर की कथा ।

प्रा०—मुहम्मद सुलेमान साहब, इस्लामिया मकतब, पाइकनगर (प्रतापगढ) । →२६-१८४ सी ।

खुर्रम (शाहजादा)—दिल्ली के बादशाह जहाँगीर के पुत्र जो बाद में शाहजहाँ के नाम से सम्राट हुए । राज्यकाल सं० १६८५-१७१५ । सुंदर कवि के आश्रयदाता । सं० १६७१ में चित्तौर के राणा अमरसिंह के साथ इनका युद्ध हुआ था । ये कुँवर करणसिंह को अपने साथ बादशाह जहाँगीर के दरबार में ले गए थे ।→००-६४, ००-१०६, ०२-३, ०६-२४१, दि० ३१-८७ ।

खुशाल (दूबे)—देव कवि (देवदत्त) पाँचवीं पीढी के वंशधर । सं० १८६३ के पूर्व वर्तमान ।

जातक (भाषा) (पद्य)→२६-२३८ ए ।

भवनसार संग्रह (पद्य)→२६-२३८ बी, सी, डी, सं० ०४-४६ ।

खुशालचंद (काला)—विसनसिंघ भूपति के पुत्र राजा जैसिंघ के राज्य में ढूँढाहर देश के अंतर्गत साँगावती (साँगानेर) ग्राम के निवासी । पहले होडो स्थान में रहते थे । पर पीछे जहानाबाद में बस गए । पिता का नाम सुंदर । माता का नाम सुजान । गोत्र काला । गुरु का नाम लक्ष्मीदास । सं० १७८३ के लगभग वर्तमान ।

आकाशपञ्चमी की कथा (पद्य)→२३-२११ ए ।

उत्तरपुराण (पद्य)→सं० ०४-४८ क, ख, सं० १०-२० क ।

धन्यकुमार चरित्र (पद्य)→२३-२११ बी ।

पद्मपुराण (भाषा) (पद्य)→सं० १०-२० ख ।

यशोधर राजा का चरित्र (पद्य)→३२-१३० ए ।

रामपुराण (पद्य)→२३-२११ सी, सं० ०४-४८ ग, घ, ङ ।

सुभाषितावली (पद्य)→२६-२३६, दि० ३१-७७, ३२-२३० ।

सुगंधदशमी कथा (पद्य)→सं० १०-२० ग ।

हरिवंशपुराण (पद्य)→सं० १०-२० घ ।

खुशाली (कवि)→'रुद्रनाथ' ('बारहमासा' के रचयिता) ।

खुशीलाल—कायस्थ । बरजीपुर (कानपुर) निवासी । देवीदयाल के पुत्र । सं० १६२५ के लगभग वर्तमान ।

रसतरंग (पद्य)→२६-१६७ ।

खुसियाल—(?)

कवित्त सवैया (पद्य)→सं० ०४-४७ ।

सुम्बास→'सुशालचंद (काला) ('उत्तरपुराण' आदि के रचयिता)।
सुम्याल (जन)—कायस्थ। मल्हईपुर (आरा) के निवासी। सं १८८२ में वर्तमान।
विपिन विनोद (पद्य)→१२-११८।
खूबचंद (स्वामी)—कायस्थ। मनीराम के आश्रयदाता। सं १८७४ के लगभग
वर्तमान।→१२-१२।
खपरनाथ→'भिखारी खेचर (नामदेव के गुरु)।
खर्तसिंह—कायस्थ (?) गिधारा (विन्ध्याचल) निवासी। रतिया नरेश परीक्षित के
आश्रित। सं १८७७ के लगभग वर्तमान।
चौंतीसी (पद्य)→ १-६ बी।
बारहमासी (पद्य)→ १-६ ए।
वैद्यप्रिया (पद्य)→ १-६ सी; १६-२१६ ए, बी; २६-१६६।
खेतसिंह (राजा)—पन्ना राजदरबार के कोई राजकुमार। बोधा कवि के आश्रयदाता।
अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान।→१७-१ ।
खेम (कवि)→'खेमदास ('अवशिपदतनौंमा' आदि के रचयिता)।
खेमदास—दादूपंथी। अलवाहा निवासी। मनोहरदास के शिष्य। सं १७ ६-१७१६ के
लगभग वर्तमान।
प्रेममंजरी (पद्य)→सं ७-२६ क।
मैना को सत (पद्य)→सं ७-२६ ख।
विवाह मंगल (पद्य)→सं ७-२६ ग।
खेमदास—अन्य नाम खेम। दादूपंथी। रज्जबदास के शिष्य। 'सर्वांगरूपिया' नामक
संग्रह ग्रंथ में भी संगृहीत।→ १-५७ (चवालीस)।
अवशिपदतनौंमा (पद्य)→सं ७-२७ क।
खेम बत्तीसी (पद्य)→सं १-१४।
गोपीचंद चरित्र (पद्य)→सं ७-२७ ख।
चिंतावणी (पद्य)→१२-११७ ४१-४२ सं ७ २७ ग घ।
यमसंवाद (पद्य)→सं १०-२१।
भक्ति पचीसी (पद्य)→११-१ ६ ए।
रसप्रेम पचीसी (पद्य)→२१-१ ६ बी।
गुरु संवाद (पद्य)→ १-११४ २-२४; सं ७-२७ ड च छ, ज।
खेमदास—अन्य नाम श्यामदास। अग्रकुल ब्राह्मण। कानाडीह हरचनापुर में सुरद
महल के बीच हरिशंकर के नीचे निवास करते थे। श्या काशीचंददास के
शिष्य। सं १८२७ के लगभग वर्तमान।
काशीकांड (पद्य)→२६-१६५ ए, सं ४-८१।
तत्वसार दोहावली (पद्य)→२६-१६५ सी।
रामावली (पद्य)→२६-१६५ बी।

खेम पचीसी (पद्य)—खेमदास (खेम कवि) कृत। वि० हनुमान चरित्र वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–६४।

खेमा (खड़िया)— (?)
खड़ियाखेमा का परिहा (पद्य)→४१–३६।

खेल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३३। वि० राधाकृष्ण विषयक शृंगार।
प्रा०—पं० त्रिदेश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक संस्कृत पाठशाला, गोंडा, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़)।→२६–२१ (परि० ३)।

खेल बंगाला (गद्य)—कुदरतुल्ला कृत। लि० का० सं० १८०८। वि० जादू के खेल।
प्रा०—ठा० डालसिंह, मनौना, डा० पटियाली (एटा)।→२६–२०६ ए, बी।

खैरातीलाल—(?)
अयोध्या माहात्म्य (पद्य)→सं० ०४–५०।

खैराशाह—मेरठ निवासी। कोई सूफी मुसलमान। संभवतः १६वीं शताब्दी में वर्तमान।
घड़ी खैरा की (पद्य)→सं० ०४–५१ क।
बारहमासा (पद्य)→१२–६१, २६–२३४ ए, बी, दि० ३१–४६, सं० ०४–५१ ख, सं० ०७–२८।

ख्यामदास→'खेमदास' ('काशीकांड' आदि के रचयिता)।

ख्याल (पद्य)—जयलाल कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० राम नाम माहात्म्य और शिवजी की विनती आदि।
प्रा०—बाबा जीवनदास, भैरूजी का मंदिर, टूचीगढ़ (अलीगढ़)।→२६–१७४ ई।

ख्याल (पद्य)—पन्नालाल कृत। वि० विविध।
प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्य, नूरी दरवाजा, आगरा।→३२–१६०।

ख्याल (पद्य)—पुरुषोत्तम (महाराज) कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–११६।

ख्याल ? (ख्या) (पद्य)—रसिक कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—पं० हरिराम, बठैन, डा० कोसी (मथुरा)।→३८—१२४।

ख्याल (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत। वि० ईश्वर महिमा, ज्योतिष और कृष्ण लीला आदि।
प्रा०—पं० रामचंद्र, नीलकंठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा।→३२–१६१ ए।

ख्याल (पद्य)—मुसलाल (कवि) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद, ग्राम तथा डा० जसवंतनगर (इटावा)। →३८–१४८ बी।

ख्याल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विरह, नखशिख शृंगार आदि ।
प्रा —पं रामकृष्ण शर्मा, बरनार का बलवंतनगर (इटावा) । → १५–२ ४ ।

ख्याल चिंतामणि (पद्य)—रूपराम कृत । वि नायिका वर्णन नखशिख भक्ति आदि ।
प्रा —पं रामचंद्र नीलकंठ महादेव सिटी स्टेशन आगरा । → १२–१६१ एफ ।

ख्याल चोरी को (पद्य)—भालीराम कृत । वि शृंगार ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । → सं ४–१९८ ख ।

ख्याल टिप्पा (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात । वि भक्ति ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर । → २–५७ ।
टि प्रस्तुत संग्रह ग्रंथ में निम्नांकित ५६ कवि संगृहीत हैं—
१ कृष्णदास २ रसिकप्रीतम ३ आसकरन ४ नंददास ५ श्रीभट ६ सूरदास ७ परमानंद ८ गोविंद ९ भीष्म १० हरिवंश, ११ कृपानाथ १२ दासमुरारि १३ कुंभनदास १४ चतुरबिहारी १५ हरिदास १६ चतुर्भुजदास १७ मानिरावा १८ गोपालदास १९ व्यास २० हरिजीवन २१ तुलसीदास २२ रसिक २३ मुकुंद २४ तानसेन २५ बिहारीदास २६ मीराँ २७ स्वामी हितहरिवंश २८ निर्मल २९ वल्लभदास ३० मुरारीदास ३१ रामराय ३२ श्रीभट्ट ३३ आनंदघन ३४ हितगुन ३५ घनविलोक ३६ श्यामदास ३७ दासमनोहरनाथ ३८ मानदास ३९ रसिकराय ४० गोवर्धन ४१ बनहरिया ४२ खेमदास ४३ किशोरीदास ४४ नागरीदास ४५ भगवान ४६ चंद्रावलि ४७ नामदेव ४८ रसखान ४९ मैन ५० प्रेम ५१ मंगल ५२ लखीराम ५३ मरंद ५४ कल्याणदास ५५ गदाधर ५६ अग्रदास ।

ख्याल त्रिया चरित्र (पद्य)—दौलतसिंह कृत । वि नारीचरित्र वर्णन ।
प्रा —पं सुखवासीलाल प्रायमरी स्कूल ढूँढला (आगरा) । → १२–५१ ।

ख्याल निर्गुन सर्गुन (पद्य)—तुलसीदास (कवि) कृत । वि निर्गुण और सगुण ज्ञान ।
प्रा —मुंशी सुखवासीलाल प्रधानाध्यापक, प्रायमरी स्कूल ढूँढला (आगरा) । → १२–२ ८ ए ।

ख्याल पचासा (पद्य)—परिहमान (द्विज) कृत । लि का सं १९२६ । वि कृष्ण लीला ।
प्रा —पं बैजनाथराम मंगलपुर का मारहरा (एटा) । → १९–२६ ए ।

ख्याल बंजारे को (पद्य)—भालीराम कृत । वि शृंगार ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । → सं ४–१९८ क ।

खेम पचीसी (पद्य)—खेमदास (खेम कवि) कृत । वि० हनुमान चरित्र वर्णन ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–६४ ।

खेमा (खड़िया)— (?)
खड़ियाखेमा का परिहा (पद्य)→४१–३६ ।

खेल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६३३ । वि० राधाकृष्ण विषयक शृंगार ।
प्रा०—प० विंदेश्वरीप्रसाद मिश्र, अध्यापक सस्कृत पाठशाला, गोंडा, डा० माधोगज (प्रतापगढ) ।→२६–२१ (परि० ३) ।

खेल बगाला (गद्य)—कुदरतुल्ला कृत । लि० का० स० १८०८ । वि० जादू के खेल ।
प्रा०—ठा० डालसिंह, मनौना, डा० पटियाली (एटा) ।→२६–२०६ ए, बी ।

खैरातीलाल—(?)
अयोध्या माहात्म्य (पद्य)→स० ०४–१० ।

खैराशाह—मेरठ निवासी । कोई सूफी मुसलमान । सभवत १६वीं शताब्दी में वर्तमान ।
घड़ी खैरा की (पद्य)→स० ०४–५१ क ।
बारहमासा (पद्य)→१२–६१, २६–२३४ ए, बी, दि० ३१–४६, स० ०४–५१ ख, स० ०७–२८ ।

ख्यामदास→'खेमदास' ('काशीकाड' आदि के रचयिता) ।

ख्याल (पद्य)—जयलाल कृत । लि० का० स० १६०१ । वि० राम नाम माहात्म्य और शिवजी की विनती आदि ।
प्रा०—बाबा जीवनदास, भेरूजी का मदिर, दूबीगढ (अलीगढ) ।→२६–१७४ ई ।

ख्याल (पद्य)—पन्नालाल कृत । वि० विविध ।
प्रा०—श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्य, नूरी दरवाजा, आगरा ।→३२–१६० ।

ख्याल (पद्य)—पुरुषोत्तम (महाराज) कृत । लि० का० स० १८७० । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→स० ०७–११६ ।

ख्याल ? (ख्या) (पद्य)—रसिक कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—प० हरिराम, बठैन, डा० कोसी (मथुरा) ।→३८—१२४ ।

ख्याल (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० ईश्वर महिमा, ज्योतिष और कृष्ण लीला आदि ।
प्रा०—प० रामचद्र, नीलकठ महादेव, सिटी स्टेशन, आगरा ।→३२–१६१ ए ।

ख्याल (पद्य)—सुखलाल (कवि) कृत । वि० शृंगार ।
प्रा०—प० महादेवप्रसाद, ग्राम तथा डा० जसवतनगर (इटावा) । → ३८–१८८ बी ।

ख्याल संग्रह (पद्य)—रूपरसिक कृत । वि ज्ञान ।
प्रा —श्री नत्थीलाल गोस्वामी बरसाना (मथुरा) ।→१२-१६१ ।

ख्याल संग्रह (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि शृंगार ।
(क) प्रा —पं रामचंद्र, नीलकंठ महादेव के सामने सिटी स्टेशन आगरा । →११-१६१ एच ।
(ख) प्रा —श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्यराज, वैद्यराज फार्मेसी, नूरीदरवाजा आगरा । →१२-१६१ आइ ।

ख्याल हफ्तजबान (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि सात भाषाओं (हिंदी, पंजाबी, पूर्बी, मराठी राजस्थानी बंगाली और पारसी) में वियोग वर्णन ।
प्रा —पं महावीर शुक्ल, शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-६४ ए ।

ख्याल हुलास (पद्य)—अन्य नाम 'ख्याल हुलास लीला । मुकुंदलाल कृत । वि राधा कृष्ण का गुणगान ।
(क) प्रा —पं पुरुषोत्तम वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी ।→ ६-७१ एक ।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-२ ७ ख (अप्र)।

ख्याल हुलास लीला→'ख्याल हुलास (मुकुंदलाल कृत) ।

ख्याली दंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि प्रेम ईश्वर प्रार्थना और विराग आदि ।
प्रा —श्री जगन्नाथप्रसाद वैद्य नूरीदरवाजा आगरा ।→१२-२५१ ।

ख्यालीदास—मथुरा निवासी । सं १६२१ के लगभग वर्तमान ।
नंगोलव लीला (पद्य)→२६-२४ ए, बी ।

ख्यालों की पुस्तक (पद्य)—अन्य नाम 'लावनी समस्त प्रकाश । गुलजारीलाल (कवि) कृत । वि दयानंद के मत का खंडन ।
(क) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→१८-१८८ ए ।
(ख) प्रा —पं महावीर शुक्ल शाहदरा दिल्ली ।→दि ३१-८५ ।

ख्वाजा मुहम्मद फाजिल→'मुहम्मद फाजिल (ख्वाजा) (तीरंदाजी रिसाला के रचयिता) ।

गंग—(१)
गोचारन लीला (पद्य)→सं १-६६ ।

गंग→ गंगाराम (पुरोहित) (हरिभक्ति प्रकाश' के रचयिता) ।

गंग (कवि)—भाट । जन्मकाल संभवतः सं १६६ । एकनोर (इटावा) निवासी । अकबरी दरबार के प्रसिद्ध कवि । बादशाह अकबर और खानखाना के आश्रित । सं १६६ के लगभग वर्तमान । जनश्रुति के अनुसार किसी नवाब या राजा के

ख्यालबाजी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० भक्ति आदि ।
प्रा०—पं० रामचन्द्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा । →३२-१६१ ए ।

ख्याल बारहखड़ी (पद्य)—दुर्गादास कृत । वि० ओंकार की उत्पत्ति वर्णन ।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रधानाध्यापक, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा) । →३२-५८ बी ।

ख्याल बारहखड़ी (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० अध्यात्म ।
प्रा०—पं० रामचन्द्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा । →३२-१६१ डी ।

ख्याल मंजूषा (पद्य)—रूपराम (रूपकिशोर) कृत । वि० गणेश वंदना, बरसाने की फाग, और शृंगार आदि ।
प्रा०—श्री रामचन्द्र, नीलकंठ महादेव के सामने, सिटी स्टेशन, आगरा । →३२-१६१ जी ।

ख्याल मरहठी (पद्य)—काशीगिरि (बनारसी) कृत । वि० देवी देवताओं की उपासना और ज्ञानोपदेश आदि ।
(क) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—पं० श्रीकृष्ण, मछिगलगंज (सीतापुर) । →२६-२२७ बी ।
(ख) लि० का० सं० १६४० ।
प्रा०—बाबा दुर्गादास, सरायल, डा० गजदुइबारा (एटा) । →२६-१८७ ।

ख्याल वर्षा (पद्य)—गिरिधारीसिंह कृत । वि० वर्षा वर्णन ।
प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली । →दि० ३१-३३ ।

ख्याल विनोद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधाकृष्ण लीला ।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा) । →१२-१६६ क्यू ।

ख्याल वियोग (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० वियोग वर्णन ।
प्रा०—पं० प्रह्लाद शुक्ल, शाहदरा, दिल्ली । →दि० ३१-६४ बी ।

ख्याल शहादत (पद्य)—सुखलाल कृत । वि० करबला नामक स्थान में कासिम की वीरता का वर्णन ।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा) । →३२-२०८ बी ।

ख्याल शिवाजी का (पद्य)—दुर्गादास कृत । वि० शिवाजी की महिमा ।
प्रा०—मुंशी सुखवासीलाल, प्रायमरी स्कूल, टूँडला (आगरा) । →३२-५७ ए ।

ख्याल संग्रह (पद्य)—भोलानाथ कृत । लि० का० सं० १६३२ । वि० श्रीकृष्ण और राधिका का झगड़ा ।
प्रा०—पं० शिवविहारी गौड़, जैतपुर, डा० पिलवा (एटा) । →२६-४७ एच ।

गंगसरन—(?)
मीर्जमीसा (पद्य)→सं १–१७।
गंगा—कोई दुरिसबंशी की कवि।
विष्णुपद (पद्य)→ ६–११।
गंगा की कथा (पद्य)—भगपति कृत। र का सं १७ ७ (?)। वि गंगावतरण की कथा।
(क) प्रा —पं रामचंद्र शर्मा नगला कंधाई डा मरथना (इटावा)। →१८–८१ ए।
(ख) प्रा —पं बैजनाथ ग्राम तथा डा बसवंतनगर (इटावा)। → १८–८१ बी।
गंगागिरि—संभवतः रामरसिक के गुरु।→ ६–२१५ सं १–१४५।
ज्ञानकथा रहस्य (गद्य)→सं १–१८ क।
ज्ञानकथा कर्म निर्णय (पद्य)→सं १–१८ ख।
गंगा चरित्र (पद्य)—सेवाराम (सेवादास) कृत। लि का सं १६२१। वि गंगावतरण की कथा।
प्रा —पं महाशाल कन्हैया डा श्री बलदेव (मथुरा)।→१८–११६ ए।
गंगाचरित्रा (गंगाराम)—(?)
केशवी (गद्य)→सं १ –२२।
गंगाजी का ब्याहला→ गंगा ब्याहलो (रामदास कृत)।
गंगाजी की स्तुति (पद्य)—पतितदास कृत। र का सं १८८७। लि का सं १६४८। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा•—महाराज श्रीप्रकाशसिंह मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–१४६ डी।
गंगाजी की स्तुति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि गंगा महिमा।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं ? –१५१।
गंगादास—सिरमौर (पंजाब) की रानी हृदयश्री के आश्रित। सं १८८६ के पूर्व वर्तमान।
लीलासागर (पद्य)→४१–४१।
गंगादास—चंदेल क्षत्रिय। हरीसिंह के पुत्र। नवलदास के शिष्य।
कक्हरा (पद्य)→सं ७–२२।
भक्त शिरोमणि (पद्य)→१२–५६।
महालक्ष्मी के पद (पद्य)→ ६–२५१ सी।
राम्अवतार बानी (पद्य)→ ६–२५१ बी।
संत सुमिरनी (पद्य)→ ६–२५२ ए।
गंगादास—कायस्थ। बलरामपुर (गोंडा) के महाराज के आश्रित। सं १८७६ के लगभग वर्तमान।

हाथी से चिरवा कर इनका वध कराया था ।

खानखाना कवित्त (पद्य)→१२–५१ ।

गंग पचीसी (पद्य)→२६–१२६ ए, बी, सी, २६–१०८ ।

गंग पदावली (पद्य)→३२–६२ ए ।

गंग रत्नावली (पद्य)→३२–६२ बी ।

चंदछंद बरनन की महिमा (गद्य)→०६–८४ ।

संग्रह (पद्य)→२३–११४ ।

गंग (कवि)—पिता का नाम धर्मदास । भाइयों के नाम खड्गसेन, दलपति, और श्रीपति । सं० १७१६ के लगभग वर्तमान ।→२०–४१ ।

महाभारत (पद्य)→सं० ०१–६१, सं० ०४–५२ ।

गंग (कवि)—संभवत: दादूपंथी ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→००–२६ ।

गंगदास—(?)

पिंगल (पद्य)→पं० २२–३० ।

गगन—गुरु का नाम गुरुछौना ।

राग बारामास का मंगल (पद्य)→सं० ०४–५३ ।

गंग पचीसी (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि० राधाकृष्ण की मुरली लीला आदि ।

(क) लि० का० सं० १८२६ ।

प्रा०—बाबा शिवपुरी, काश्मीरी मुहल्ला, लखनऊ ।→२६–१२६ ए ।

(ख) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—ठा० पीतमसिंह, बेहना का नगरा, डा० अलीगंज (एटा) ।→२६–१०८ ।

(ग) लि० का० सं० १८६८ ।

प्रा०—श्री रामलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (सीतापुर) ।→२६–१२६ बी ।

(घ) लि० का० सं० १८७४ ।

प्रा०—ठा० नरेशसिंह, रामनगर, डा० मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–१२६ सी ।

गंग पदावली (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि० विभिन्न विषय और समस्यापूर्ति ।

प्रा०—पं० देवदत्त अध्यक्ष, सादाबाद (मथुरा) ।→३२–६२ ए ।

गंग रत्नावली (पद्य)—गंग (कवि) कृत । वि० देवस्तुति विनय और राजाओं की प्रशंसा आदि ।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–६२ बी ।

गंगल—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२–५७ (इक्यावन) ।

गंगासरन—(?)
 चौरंगलीला (पद्य)→सं १-६७।
गंगा—काई बुंदेलखंडी स्त्री कवि।
 विष्णुपद (पद्य)→ ६-११।
गंगा की कथा (पद्य)—नगपति कृत। र का सं १७ ७ (?)। वि गंगावतरण की कथा।
 (क) प्रा —पं रामचंद्र शर्मा नगला कंवार डा मरथना (इटावा)। →१८-८१ ए।
 (ख) प्रा —पं बैजनाथ ग्राम तथा डा जसवंतनगर (इटावा)। →१८-८१ बी।
गंगागिरि—संभवतः रामरसिक के गुरु।→ ६-२१५ सं १-१५५।
 ज्ञानकथा रहस्य (गद्य)→सं १-६८ क।
 ज्ञानकथा कर्म निर्णय (पद्य)→सं १-६८ ख।
गंगा चरित्र (पद्य)—सेवाराम (सेवादास) कृत। लि का सं १९९१। वि गंगा अवतरण की कथा।
 प्रा०—पं मथुरालाल कठैला टा श्री बलदेव (मथुरा)।→१८-११६ ए।
गंगाचरित्र्या (गंगाचार्य)—(?)
 केवली (गद्य)→सं १-२२।
गंगाजी का ब्यावला→ गंगा ब्याहुली' (रामदास कृत)।
गंगाजी की स्तुति (पद्य)—पतितदास कृत। र का सं १८६७। लि का सं १९४८। वि नाम से स्पष्ट।
 प्रा०—महाराज भीमप्रकाशसिंह मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-३४६ बी।
गंगाजी की स्तुति (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि गंगा महिमा।
 प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं १-१५१।
गंगादत्त—सिरमौर (पंजाब) की रानी हरबभी के आश्रित। सं १८८८ के पूर्व वर्तमान।
 लीलासागर (पद्य)→४१-४२।
गंगादास—चंदेल क्षत्रिय। हरीसिंह के पुत्र। नवलदास के शिष्य।
 कक्हरा (पद्य)→सं ७-२१।
 भक्त शिरोमणि (पद्य)→१२-५१।
 महाप्रभुजी के पद (पद्य)→ ६-२५१ सी।
 रामस्तार बानी (पद्य)→ ६-२५१ बी।
 संत सुमिरनी (पद्य)→ ६-२५२ ए।
गंगादास—कायस्थ। बलरामपुर (गोंडा) के महाराज के आश्रित। सं १८०७ के लगभग वर्तमान।
 नो सं वि २७ (११००-६८)

सुमनचा (पद्य)→०६–८५ ।

गंगादास—सं० १६१८ के पूर्व वर्तमान ।

गीता (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–५८ क ।

पिंगल (पद्य)→सं० ०४–५८ ख ।

गंगादास—संभवत 'शब्द या बानी' के रचयिता गंगादास ।→सं० ०१–६६ ।

तिथि प्रबंध (पद्य)→सं० १४–७० क ।

दोहावली (पद्य)→सं० ०१–७० ख ।

गंगदास—किसी काशीराम के शिष्य ।

शब्द या बानी (पद्य)→सं० ०१–६६

गंगादास—(?)

कृष्णमंगल (पद्य)→३५–२१ ।

गंगादास→'गंगाराम (मिश्र)' (चँदेरी निवासी) ।

गंगादास (साधु)—रामानुज संप्रदाय के वैष्णव साधु । किसी तुलसीदास के शिष्य । सं० १९२४ के पूर्व वर्तमान ।

रामायण माहात्म्य और तुलसीचरित्र (पद्य)→सं० ०४–५५ ।

लगड़ी रंगत लावनी (पद्य)→२९–१२७ ए ।

लावनी (पद्य)→२९–१२७ बी, ३८–४६ ।

गंगाधर—उप० गणेश । मथुरा निवासी चौबे । मकरंद के पुत्र । सं० १७३६ के लगभग वर्तमान ।

राजयोग (भाषा) (पद्य)→३२–६३ ।

विक्रम विलास (पद्य)→०६–८६, १२–५६, १७–५६, २३–१२१, २६–११९ ए, बी ।

गंगाधर—(?)

गोवर्द्धन लीला (पद्य)→दि० ३१–३२, ३८–५० ए, बी ।

नाग लीला (पद्य)→२६–१०६, सं० ०४–५६ ।

गंगाधर—प्रसिद्ध कवि सेनापति के पिता । अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी । पिता का नाम परशुराम दीक्षित । सं० १६८४ के लगभग वर्तमान ।→०४–५१, ०६–२३१ ०६–२८७ ।

गंगाधर—स्वा० हरिदास (वृंदावन) के मातामह । वृंदावन निवासी । सोलहवीं शताब्दी में वर्तमान ।→००–३७ ।

गंगाधर (शास्त्री)—आगरा निवासी । संभवत आगरा कालेज के संस्थापक । सं० १८५४ के लगभग वर्तमान ।

सत्यनारायण कथा (गद्य)→२६–१२८ ।

गंगा नाटक (पद्य)—कुशल (मिश्र) कृत । र० का० सं० १८२६ । वि० गंगावतरण की कथा ।

(क) लि का सं १८६८।
प्रा —ठा उमरावसिंह बनैला (बुलंदशहर)।→१७-१ १।
(ख) लि का सं १९ १।
प्रा —पं श्रीधर पाठक आगरा।→ ०-५७।
(ग) प्रा —पं हरिवंशलाल पचोहरा ग्रा आवना (मथुरा)।→१८-८६ ए।
(घ) प्रा —पं सोहनपाल द्वारा पं लक्ष्मीनारायण पटवारी भनुर्मौ, ग्रा बसरई (इटावा)।→१८-८६ बी।
(ङ) प्रा —पं रतनलाल शर्मा ग्राम तथा ग्रा अहलादा (इटावा)। → १८-८६ सी।

गंगा पंचक (पद्य)—हजारीलाल कृत। लि का सं १९४२। वि गंगाजी की महिमा।
प्रा —पं बद्रीप्रसाद लामपुर ग्रा नरेला (दिल्ली)।→दि ३१-३७।

गंगा पुरान (गद्यपद्य)—मुकुंद (त्रिभुकुंद) कृत। वि नायिका भेद और ज्योतिष।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२६५।

गंगा पुष्पांजलि (पद्य)—शंकराचार्य कृत। वि गंगा की स्तुति।
प्रा०—पं अमरनाथ मिश्र धरवरनपुर ग्रा ओदना (जौनपुर। → सं १-८७ख।

गंगाप्रबोध गीता (पद्य)—हिम्मतसिंह कृत। र का सं १८२५। लि का सं १८५८। वि गंगा माहात्म्य।
प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह साहीपुर (नौलक्खा), ग्रा हँडिया (इलाहाबाद)। →सं १-४६।

गंगाप्रसाद—माथुर ब्राह्मण। मथुरा निवासी। रीवाँ दरबार के वैद्यराज और संस्कृत तथा हिंदी के कवि। महाराज विश्वनाथसिंह जू देव (रीवाँ नरेश) के आश्रित।
विश्वमोहन प्रकाश (गद्य)→ ६-११६ से १७-५८।

गंगाप्रसाद—चतुर्भुज के पुत्र। महावन (मथुरा) निवासी। अनंतर बदायूँ में निवास। सं १८८८ के लगभग वर्तमान।
सुबोध (पद्य)→११-५७।

गंगाप्रसाद—(?)
कलिकाल चरित्र (पद्य)→१७-५७।

गंगाप्रसाद→भुलाप्रसाद (रामचरित दोहावली के रचयिता)।

गंगाप्रसाद (सनेसिया)—ब्राह्मण। नमखर के राजा विष्णुसिंह के आश्रित। सं १८४४ के लगभग वर्तमान।
रामअनुराग (पद्य)→ ६-१४; १७-६।

गंगाप्रसाद (माथुर)—माथुर वैश्य। बाह (आगरा) के निवासी। पिता का नाम ऊधव।
खत मुक्तावली (गद्य)→२६–११० सी।
वटेश्वर माहात्म्य (पद्य)→२६–११० ए।
रामाश्वमेध (पद्य)→२६–११० बी।

गंगाप्रसाद (व्यास)—उम्मेदसिंह मिश्र के पुत्र। चित्रकूट निवासी। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।
विनयपत्रिका तिलकम् (गद्यपद्य)→१७–५६, २३–११६।

गंगाबाई—व्रजवासी। महावन (मथुरा) की रहनेवाली। गोसाईं विट्ठलनाथ की शिष्या।
गंगाबाई के पद (पद्य)→३५–२४।

गंगाबाई के पद (पद्य)—गंगाबाई कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नयामंदिर (गुजरातिया का), गोकुल (मथुरा)। →३५–२४।

गंगा ब्याहलो (पद्य)—रामदास कृत। वि० गंगाजी के ब्याह की कथा।
(क) प्रा०—पं० चतुर्भुज, भोजापुर, डा० गढ़वारा (प्रतापगढ़)।→२६–३८१।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–३४६।

गंगाभक्ति विनोद (पद्य)—रसिकसुंदर कृत। र० का० सं० १६०६। वि० गंगाजी की स्तुति। (पंडितराज जगन्नाथ कृत 'गंगालहरी' का अनुवाद)।
(क) प्रा०—पं० तुलसीराम पालीवाल, शहर नायन, डा० भदान (मैनपुरी)। →३५–८७ ए।
(ख) प्रा०—पं० डालचंद, ग्राम तथा डा० लखुना (इटावा)।→३५–८७ बी।

गंगाभरण (पद्य)—लेखराज कृत। र० का० सं० १६२६ (१६३५)। वि० गंगा जी की महिमा।
(क) लि० का० सं० १६३५।
प्रा०—परसेंदी राज्य पुस्तकालय, छोटे राजा साहिब, रामनाथीबक्ससिंह, परसेंदी (सीतापुर)।→२३–२४७।
(ख) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)→२६–२६७।

गंगा माहात्म्य (पद्य)—अखैराम कृत। र० का० सं० १८३२। लि० का० सं० १८४०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१।

गंगाराम—सं० १७०४ के लगभग वर्तमान। साँगानेर (जयपुर) नरेश महाराज रामसिंह के आश्रित।
सभाभूषण (पद्य)→०६–८७, १२–५८।

गंगाराम—पिता का नाम पुरुषोत्तम। सं० १७१४ के लगभग वर्तमान।
वैद्यकभाषा सार समह (गद्यपद्य)→ ६-२१४ २३-११६।

गंगाराम—सं० १८८३ के पूर्व वर्तमान। संभवतः गंगाराम मालवीय त्रिपाठी और ये एक ही हैं।→ ३-११।
शब्दसार जिज्ञासु (पद्य)→१७-६१।

गंगाराम—(?)
पोथी मैनसत के उत्तर (पद्य)→सं० १-७१।

गंगाराम—(?)
सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→ ३-९

गंगाराम→'आनंद' ('अर्जुनगीता' के रचयिता)।

गंगाराम (कायस्थ)—पटना निवासी। रामानंद के पुत्र। संभवतः किसी गर्जेद्र नाम के अधिपति के आश्रित। सं० १७१६ में वर्तमान।
कर्मविपाक (पद्य)→४१-४४।

गंगाराम (तिवारी)—प्रयाग के निवासी। महाराज हालचंद (?) के आश्रित।
फुटकर कवित्त (पद्य)→४१-४५ क।
बारहमासा (पद्य) ४१-४५ ख।

गंगाराम (त्रिपाठी)—मालवीय त्रिपाठी। सं० १८८६ में वर्तमान।
ज्ञानप्रदीप (पद्य)→ ३-१६।
देवीस्तुति और रामचरित्र (पद्य)→ ६-८८।

गंगाराम (पुरोहित)—उप० गंग। जैमिनि गोत्रीय सनाढ्य ब्राह्मण। करेली ग्राम के निकट सिवाली ग्राम के निवासी। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान।
हरिभक्ति प्रकाश (पद्य)→२५-२६।

गंगाराम (मिश्र)—अन्य नाम गंगादास। चँदेरी निवासी। जुगलाल मिश्र के पिता। सं० १८४४ के पूर्व वर्तमान।→ ६-२१।
चिंतामणि प्रश्न (पद्य)→२३-११८।
रमलसार (पद्य)→२३-११५।

गंगाराम (मिश्र)—कपूरथला निवासी। सं० १९ ४ के लगभग वर्तमान।
सतदेव स्तुति (पद्य)→२३-११ ।

गंगाराम (यति)—उप० पंडित कवि गंगा। श्वेतांबरी जैन साधु। अमृतसर निवासी। स्वा० सूरतराम यति के शिष्य। सं० १८७१ के लगभग वर्तमान।
भावनिदान (पद्य)→पं० २२-३१ सी।
लोलंबराज (भाषा) (पद्य)→पं० २२-३१ ए।
सूतप्रकाश (पद्य)→पं० २२-३१ बी।

गगालहरी (पद्य)—उजियारेलाल कृत । वि० गगा की स्तुति ।
प्रा०—श्री रमनलाल हरीचन्द चौधरी, कोसी (मथुरा) ।→१७-१६६ ।

गगालहरी (पद्य)—काशीगिरि कृत । लि० का० स० १६१८ वि० । गगा माहात्म्य ।
प्रा०—प० गयादीन त्रिपाठी, त्रिलरिहा, डा० भानगाँव (सीतापुर) ।→२६-२२७ ए ।

गगालहरी (पद्य)—पद्माकर कृत । वि० गगा माहात्म्य ।
(क) लि० का० स० १६०८ ।
प्रा०—प० हरस्वरूप वैद्य, रवा, डा० शाहजनपुर (हरदोई) ।→२६-२५७ ए ।
(ख) लि० का० स० १६१० ।
प्रा०—मु० अशर्फीलाल, पुस्तकालयाध्यक्ष, बलरामपुर महाराज का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) । →०६-२२० बी ।
(ग) लि० का० स० १६३२ ।
प्रा०—प० वशगोपाल, दीनापुर, डा० उमरगढ (एटा) ।→२६-२५७ बी ।
(घ) प्रा०—प० रामभौन मिश्र, नवाबाद (प्रतापगढ) ।→२६-३३८ ए ।

गगालहरी (पद्य)—रूपराम (जन) कृत । र० का० स० १८०० (?) । लि० का० स० १८६० । वि० गगा स्तुति ।
प्रा०—प० रेवतीनदन, बेरी (मथुरा) ।→३८-१३० ।

गगा शतक (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत । र० का० स० १६१६ । वि० गगा-स्तुति ('गगालहरी' के आधार पर) ।
प्रा०—श्री मदनलाल, आत्मज श्री पन्नालाल वैश्य, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→३२-३० बी ।

गगाष्टक (पद्य)—गरीबदास कृत । वि० गगाजी की महिमा ।
प्रा०—प० विश्वनाथ, कैमहरा, डा० लखीमपुर (खीरी) ।→२६-१३२ ।

गगाष्टक (पद्य)—जयमगलप्रसाद कृत । वि० गगा जी की महिमा ।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१२८ ।

गगाष्टक (गगाजी की भूलना) (पद्य)—रमताराम कृत । वि० गगा की स्तुति ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-३२० ।

गंगासुत—कड़ा मानिकपुर निवासी । मलूकदास के अनुयायी । स० १७०० के लगभग वर्तमान ।
भक्त माहात्म्य (पद्य)→२३-१२० ।

गनेश→'गगाधर' ('विक्रम विलास' के रचयिता) ।

गजन (कवि)—काशीवासी गुर्जर गौड़ ब्राह्मण । दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के वजीर कमरुद्दीनखाँ (मीरमुहम्मद फाजिल) के आश्रित । स० १७८५ के लगभग वर्तमान । इनके एक पुरखे रायमुकुट थे जिनके सिर पर अकबर बादशाह ने

कविराय का मुकुट बाँधा था। रायमुकुट के वंश में मानसिंह प्रसिद्ध व्यक्ति हुए, जिनके पुत्र गिरिधर और पौत्र मुरलीधर थे। इन्हीं मुरलीधर के वंश में गंजन कवि हुए।

कमरुद्दीन खाँ हुलास (पद्य)→ १-४५ १०-४२ २३-१२६ सं ८ ५७।

गंजनसिंह—कायस्थ। शिवप्रसाद के पुत्र। सं १८८ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→ ६-८६ सं १-७२।

गंजनामा (पद्य)—अन्य नाम 'गुलगंजनामा'। जगन्नाथ 'जन' कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १७९१।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४१ क।

(ख) लि का सं १८४०।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४१ ख।

गंजुलइसरार (पद्य)—अहमद चिश्ती (शाह) कृत। वि सूफी मत (दर्शन)।

प्रा —डा मुहम्मदहफीज सैयद चेयरमैन इलाहाबाद।→४१-२६०।

गऊ दुहावन की व्यवस्था (पद्य)—चतुरअलि कृत। लि का सं १८३६। वि श्रीकृष्ण के गाय दुहने के समय राधा का आना और उन्हें देखकर श्रीकृष्ण का व्याकुल होना।

प्रा —श्री गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२-३९ ए।

गजपति—(?)

गणेशजी की गुणमाला (पद्य)→१२ ६ ।

गज प्रकाश (गद्यपद्य)—महेश कृत। लि का सं १९५७। वि हाथियों की चिकित्सा।

प्रा —श्रीराम रघुवीर प्र. कुमारपुर [illegible]।→ ६-२२१ (विवरण अप्राप्त)।

(सं १६८९ की एक प्रति श्री सीताराम लमारी पन्ना के पास है।)

गजराज—वाराणसी (बनारस) निवासी। सं १९ १ के लगभग वर्तमान।

गुलजार (पद्य)→ १ ७ सं १-७१।

गर्भविलास (गद्यपद्य)—गोपाल कृत। वि हाथियों की चिकित्सा।

प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→ ६-४१।

गजसिंह—जोधपुर नरेश महाराज जसवंतसिंह के पिता। जहाँगीर और खुर्रम के युद्ध में इन्होंने जहाँगीर की सहायता की थी और भीमसिंह सिसोदिया का वध किया था। सं १६७४ में सिंहासनासीन। कवि केशवदास चारण और नरहरिदास बारहठ के आश्रयदाता।→ २-१८; ३-२ ६-११ ।

गजाधर—'बखान लिस्या' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → ६-२७ (पचपन)।

गजाधरदास—सरयूपारीण ब्राह्मण। हरिचंदपुर (बाराबंकी) के बाबा रामसेवकदास के शिष्य। भूलामऊ (सुलतानपुर) निवासी। सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।
अक्षरावली (पद्य)→२६–१२१।

गजाधरदास—हजारीदास (संतदास या शिवदास) के गुरु।→सं० ०४–४२७।

गजानंद—संभवत राजस्थानी।
नेमनाथ री धमाल (पद्य)→४१–४६।

गजेंद्र—(?)
कोकशास्त्र (पद्य)→सं० ०१–७४।

गजेंद्रमोक्ष (पद्य)—दुर्गाप्रसाद कृत। र० का० सं० १६२८। वि० गज और ग्राह की कथा। (संस्कृत से अनूदित)।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। →०५–५२।

गजेंद्रमोक्ष (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गजेंद्र मोक्ष की पौराणिक कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–१५४।

गजेंद्रमोक्ष कथा (पद्य)—बिहारीलाल कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० दौलतराम मटेले, तुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी)।→३२–२६।

गढपथैनारासो (पद्य)—अन्य नाम 'पथैनारासो'। चतुरराय कृत। वि० भरतपुर के अंतर्गत गढ पथैना पर अली सहादतखाँ के आक्रमण का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–१०६।

गणकआल्हादिका (पद्य)—रामहित (जन) कृत। र० का० सं० १८८४। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराव, पुरवा विश्रामदास, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)। →२६–१६६ ए।
(ख) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—ठा० रामकरनसिंह, सुदनापुर, डा० गौरा (सुलतानपुर)। → सं० ०१–३५८ ख।
(ग) लि० का० सं० १६१२।
प्रा०—श्री चक्रदीन त्रिपाठी, मानपुर (सीतापुर)।→२६–१६६ बी।
(घ) प्रा०—पं० मिट्ठूलाल मिश्र अध्यापक, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६–२८४ ए।
(ङ) प्रा०—पं० लखीमचंद मिश्र, गली मिश्रान, फिरोजाबाद (आगरा)। →२६–२८४ बी।

(क) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१५८ क ।

गणपत (पाडा)—आसब (पाडा) ।

रेवती की प्रकमा (परिक्रमा) (पद्य)→सं १ -२१ ।

गणपति—सं १८६ के लगभग वर्तमान ।

ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→सं ८-५८ ।

गणपति कृष्ण चतुर्थी व्रत कथा (पद्य)—हरिवंशराय कृत । वि गणेश चतुर्थी व्रत का माहात्म्य ।

प्रा —लाला जगतराय, सदर कचहरी, टीकमगढ़ ।→ ६-२६१ बी (विवरण अप्राप्त) ।

गणपति माहात्म्य (पद्य)—किशोरदास कृत । र का सं १९ । लि का सं १९११ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं पीतांबर भट्ट बानपुरा दरवाजा टीकमगढ़ ।→ ६-६१ ए ।

गणराम (ऋषि)—(?)

सगुनौटी (शकुनावली) (गद्य)→सं १-७६ ।

गण विचार (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । लि का सं १९१७ । वि पिंगल ।

प्रा -ठा अनिरुद्धसिंह सहायक प्रबंधक, नीलगाँव नीलगाँव राज्य (सीतापुर) ।→२१-८८ के ।

गणिका चरित्र (पद्य)—मंगलदेव कृत । र का सं १९१२ । लि का सं १९४ । वि गणिका के अवगुणों का वर्णन ।

प्रा —श्री चतुर्भुजराम मंगलपुर डा मारहरा (एटा) ।→२६-२९८ ।

गणित चंद्रिका (गद्यपद्य)—बीरबलसिंह कृत । लि का सं १८८६ । वि गणित ।

प्रा०—लाला जानकीप्रसाद सुजरपुर ।→ ६-६ ए ।

गणित निदान (गद्य)—मोहनलाल कृत । र का सं १९ ६ (१९११) । वि गणित ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा —रा हरिहरसिंह मुहल्ला छावनी एटा ।→२६-११२ बी ।

(ख) लि का सं १९११ ।

प्रा —लाला हरकिशनराय वैद्य चावमठ डा हाथरस (अलीगढ़)।→ २६-११२ सी ।

(ग) लि का सं १९१७ ।

प्रा —लाला रामदयाल पटवारी गुदरपुर डा खिलग्राम (एटा) ।→ २६-११२ ए ।

गणित पहाड़ो (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि गणित ज्योतिष और बारहमासी आदि ।

प्रा —श्री प्यारेलाल ठाकुर कुंडील डा बौली (आगरा) ।→२६-१७२ ।

गणित प्रकाश (गद्य)—श्रीलाल (पंडित) कृत। र० का० सं० १६०७ (प्रथम भाग), सं० १६१३ (द्वितीय भाग), सं० १६११ (तृतीय भाग)। वि० गणित।

प्रथम भाग

(क) लि० का सं० १६१० ।

प्रा०—पं० विष्णुभरोसे, देवीपुर, डा० मारहरा (एटा)।→२६-३१६ ए।

द्वितीय भाग

(ख) लि० का० सं० १६१७ ।

प्रा०—लाला रामदयाल पटवारी, गूदरपुर, डा० विलराम (एटा)।→ २६-३१६ बी।

(ग) मु० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१२३।

तृतीय भाग

(घ) लि० का० सं० १६१३ ।

प्रा०—लाला रामदयाल, राजनगर, डा० नौरोहा (एटा)।→२६-३१६ सी।

गणित बोधिनी (प्रथम भाग) (गद्यपद्य)—शोभाराम (महाराज) कृत। वि० गणित।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४२४।

गणित सार (पद्य)—भीमजू कृत। र० का० सं० १८७३। लि० का० सं० १६२६। वि० गणित और जमीन का हिसाब किताब।

प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ।→०६-१३७ (विवरण अप्राप्त)।

गणेश—कायस्थ। बनगारी (दतिया) निवासी। दतिया के राजा परीक्षित के आश्रित। सं० १८८२ के लगभग वर्तमान।

गुणनिधि सार (पद्य)→०६-३२ ए।

दफ्तरनामा (पद्य)→०६-३२ बी।

गणेश—भरतपुर नरेश महाराज बलवतसिंह (ब्रजेंद्र) के आश्रित। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।

ब्याहविनोद (पद्य)→१७-५४।

गणेश—मलामा (मलावाँ या मल्लावाँ) के निवासी। संभवत वहीं के राजा राजमनि के आश्रित। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।

रसवल्ली (पद्य)→०६-८२, २३-११२, सं० ०४-५६।

गणेश—आगरा निवासी। पिता का नाम जगन्नाथ। रामचंद्र के शिष्य। इन्होंने साँवलदास माहौर के पुत्र नत्थामल के लिये ग्रंथ रचना की थी। सं० १६२१ के लगभग वर्तमान।

परतत्व प्रकाश (पद्य)→२६-१२४ ए, बी, २६-१०५ ए, बी।

गणेश (कवि)—वास्तविक नाम गणेशप्रसाद। गुलाब कवि के पुत्र। लाल कवि के पौत्र। बंशीधर के पिता। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह और ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह के आश्रित। सं १८८६ में वर्तमान।→२-११।
कालिकाष्टक (पद्य)→४१-४७ क।
नखशिख वर्णन (पद्य)→४१-४७ ख।
मिरजीवन् के कवित्त (पद्य)→४१-४७ ग।
वाल्मीकि रामायण (श्लोकार्थप्रकाश) (पद्य)→ १-२४।
रामचंद्र वंश वर्णन और भाँकी वर्णन (पद्य)→४१-४७ घ।
हनुमत पचीसी (पद्य)→ ६-८१।

गणेश कथा (पद्य)—केहरी कृत। वि गणेश व्रत कथा।
प्रा —पं बनश्यामदास उदी अमारी (इटावा)।→१८-८।

गणेश कथा (पद्य)—अन्य नाम संकटचौथी महिमा। केशवराम कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८४।
प्रा—श्री शिवदुलारे बरनापुर डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-२११।
(ख) लि का सं १८४।
प्रा —पं राममवन मिश्र बेहरकला, डा संडीला (हरदोई)। →२०-१६१ बी।
(ग) लि का सं १८७०।
प्रा —पं दुर्गाप्रसाद शर्मा फतेहाबाद (आगरा)।→२६-१६१ ए।
(घ) प्रा —पं दामोदरप्रसाद शर्मा बोलरा डा कौमला (आगरा)।→२६-१६१ सी।
(ङ) प्रा —पं रामजी सारस्वत चौधरी डा मारसी (आगरा)। →२६-१६१ डी।

गणेश कथा (पद्य)—चिंतामणि (गुरु) कृत। र का सं १८७१। लि का सं १८७२। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, आई सी कालेज लखनऊ। →सं ४-६६।

गणेश कथा (पद्य)—अन्य नाम गणेशचौथ की कथा' 'गणेशपुराण' और गणेश माहात्म्य व्रत। मोतीलाल कृत। वि नाम से स्पष्ट। ('गणेशपुराण' का अनुवाद)।
(क) लि का सं १७६६।
प्रा —पं रामशरण मिश्र ठिकरापुर (इलाहाबाद)। →सं १-१६ क।
(ख) लि का सं १८६२।

प्रा०—पं० भवानीबक्स, उतारा, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)। → २३-२८२ ए।

(ग) लि० का० सं० १८७२।

प्रा०—पं० रामधन द्विवेदी, दीया, डा० पनौली (इलाहाबाद)। → सं० ०१-३०६ फ।

(घ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर)। →०६-२००।

(ङ) लि० का० सं० १८७५।

प्रा०—ठा० रामकरनसिंह, ढकवा, डा० श्रोयल (खीरी)। →२६-३०६ ए।

(च) लि० का० सं० १८६३।

प्रा०—ठा० महेशसिंह, कोठली निनहसिंह का पुरवा, डा० कैसरगंज (बहराइच)। →२३-२८२ सी।

(छ) लि० का० सं० १६०३।

प्रा०—ठा० माधोराम, नौतला, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-२८२ डी।

(ज) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—ठा० छत्रसिंह, फटैला, डा० फखरपुर (बहराइच)। →२३-२८२ बी।

(झ) लि० का० सं० १६३२।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बख्शी (लखनऊ)। →२६-३०६ बी।

(ञ) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-३०६ सी।

(ट) लि० का० सं० १६४३।

प्रा०—पं० कृपानारायण शुक्ल, मुशीगंज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →२६-३०६ डी।

(ठ) प्रा०—श्री पुजारी जी, मंदिर वेरू, जोधपुर। →०१-७६।

(ड) प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)। →२६-३०६ ई।

गणेश कथा (पद्य)—हुलासदास कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री देवनाथ उपाध्याय, खेतकुगी, डा० धमौर (सुलतानपुर)। → सं० ०१-४६३।

गणेशचतुर्थी रो व्रत (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गणेशचतुर्थी व्रत कथा।
प्रा०—श्री चंद्रसेन पुजारी, गंगाजी का मंदिर, खुरजा (बुलंदशहर)। → १७-२३ (परि० ३)।

गणेशचौथ की कथा→'गणेश कथा' (मोतीलाल कृत)।

गणेश जयति (पद्य)—रामरतन लघुदास कृत। लि० का० सं० १८६५। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री सद्गुरुप्रसाद श्रीवास्तव, किला (रायबरेली)। →सं० ०४-३३६ क।

गणेशजी की गुणमाला (पद्य)—गणपति कृत। र० का० सं० १७८२। वि० गणेश जी के गुण तथा नाम का वर्णन।
प्रा०—पं० मदनसिंह शर्मा, सौंदा, डा० बरहन (आगरा)।→२९–९।

गणेशजू की कथा (पद्य)—माखनलाल कृत। लि० का० सं० १९५३। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला कुंदनलाल विद्याधर।→ ६–४९ ए।

गणेशजू की कथा (पद्य)—हरिशंकर (द्विज) कृत। र० का० सं० १९५१। लि० का० सं० १८८५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–२५८ (विवरण अप्राप्त) (सं० १८७४ की एक प्रति और है)।

गणेशदत्त—सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
भागवत भक्तरसिका (पद्य)→१७–५५।

गणेशदत्त—राजगढ़ निवासी।
मुहूर्त मुक्तावली (गद्य)→१२–६१।

गणेशदत्त—सं० १९४ के पूर्व वर्तमान।
सत्यनारायण की कथा (भाषा) (पद्य)→२६–१ ६।

गणेशदत्त (मिश्र)—पिता का नाम भवानी शर्मा। बलरामपुर (गोंडा) के निवासी। पं० द्वारिकाप्रसाद पांडेय (जमींदार ललाही परगना बलरामपुर) के आश्रित। सं० १९५८ के पश्चात् वर्तमान।
वैष्णव विलास (पद्य)→सं० ४ ६।

गणेशदास—ब्राह्मण। रावी और चनाब के बीच में (माहदेश) का-ना नामक गाँव के निवासी। रामदास के पुत्र। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।
वैद्यप्रकाश (पद्य)→२६–१२१।

गणेशपुराण→'गणेश कथा (मोतीलाल कृत)।

गणेश पूजा तथा होम विधि (पद्य)—माखनलाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८
प्रा०—श्री जानकीलाल दूबे अमरौलीकटारा (आगरा)।→२९–२११ ए।
(ख) लि० का० सं० १९ ८।
प्रा०—लाला देवीराम पटवारी अगसौली (अलीगढ़)।→२९–२११ बी।

गणेशप्रसाद—फर्रुखाबाद निवासी। पिता का नाम सेवकराम। सं० १९ के लगभग वर्तमान।
गायन संग्रह (पद्य)→२६–१ ई।
रामलीला (पद्य)→२६–१ ७ सी।
देवस्तुति संग्रह (पद्य)→२६–१ ७ डी।
प्रेम गीता

बारहमासा विरहिनी (पद्य) २६–१०७ ए, स० ०४–६१ ।
बुद्धिविलास (पद्य)→२६–१२५ ए ।
भ्रमरगीत सवाद (पद्य)→२६–१०७ बी ।
मलका मुअज्जम का दरबार देहली (पद्य)→२६–१०७ जी ।
रागमनोहर (पद्य)→२६– ०७ आई ।
रागरत्नावली (पद्य)→२६–१२५ बी, २६–१०७ जे ।
रामकलेवा (पद्य)→२६–१०७ के ।
रुक्मिणी मगल (पद्य)→२६–१०७ एल ।
हिंडोला राधाकृष्ण (पद्य)→२६–१०७ एफ ।

गणेशप्रसाद→'गणेश (कवि)' (गुलाब कवि के पुत्र) ।

गणेश माहात्म्य व्रत→'गणेश कथा' (मोतीलाल कृत) ।

गणेश माहात्म्यातर्गत सकटव्रत कथा →'सकटव्रत कथा' (हरिशकर द्विज कृत) ।

गणेशव्रत कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८७० । वि० गणेश जी की उत्पत्ति, महिमा और फल वर्णन ।
प्रा०—सेठ मगनीराम सौदागर, लखीमपुर (खीरी)→२६–२२ (परि० ३) ।

गणेशव्रत कथा →'गणेश कथा' (केशवराय कृत) ।

गणेशशकर—स० १८४२ के लगभग वर्तमान ।
फुटकर सग्रह (पद्य)→२३–११३ ।

गणेश स्तोत्र (पद्य)—रत्न (द्विज) कृत । लि० का० स० १९४७ । वि० नाम से स्पष्ट
प्रा० –श्री सीताराम समारी, कला अध्यापक, हाईस्कूल, पन्ना ।→०६–३२ (विवरण अप्राप्त) ।
टि० पुस्तक के आरभ में उल्लिखित 'बिहारी' या तो कवि का उपनाम है या किसी अन्य व्यक्ति का नाम है ।

गणेशीलाल—(?)
भारत का इतिहास (पद्य)→२०–४६ ।

गदाधर (त्रिपाठी)—शाडिल्य गोत्रीय ब्राह्मण । बाँसी परगने के अतर्गत तिवाड़ीपुर ग्राम के निवासी । पिता का नाम सूर्यमणि और पितामह का नाम दलसिंगार प० रगीलाल माथुर और तिवाड़ीपुर के राजा रामसिंह के आश्रित । स० १९३१ के लगभग वर्तमान ।
औषधि सुधा तरगिणी (गद्य)→स० ०४–६२ क, ख ।

गदाधर (भट्ट)—अष्टछाप वाले कृष्णदास के शिष्य । वृदावन निवासी वैष्णव । स० १६३२ के लगभग वर्तमान ।
गदाधर भट्ट की बानी (पद्य)→००–३, ०६–८९, २६–१०० ४१–४८६ (अप्र०) ।
ध्यानलीला (पद्य)→१२–५४ ।

गरीब जू→'रामगरीब (चौबे)' ('कवित्त' के रचयिता)।

गरीबदास—संभवत गुलाल साहब के शिष्य।

मक्तन के नाममाला या भक्त बह्लावली (पद्य)→४ –४८।

गरीबदास—(?)

गंगाष्टक (पद्य)→२६–१३२।

गरीबदास—(?)

राग संग्रह (पद्य)→३२–६४।

गरीबदास (स्वामी)—दादूपंथी साधु। दादू जी के शिष्य और दादू के पश्चात गद्दी के महंत।

अनभैप्रमोद (ग्रंथ) (पद्य)→०२–६५, ४१–४८७ (अप्र०), सं० ०७–३० क, सं० १०–२४ क।

आरती (पद्य)→३५–२७।

चौबोला (पद्य)→सं० १०–२४ ख।

पद (पद्य)→सं० ०७–३० ख, सं० १०–२४ ग।

साखी (पद्य)→सं० ०७–३० ग, सं० १०–२४ घ।

गरुड़पुराण (गद्य)—बुलाकराम कृत। लि० का० सं० १८२६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० मटोलीराम मिश्र, ग्राम तथा डा० अछनेरा (आगरा)।→३२–३३।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६२४। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६४७।

प्रा०—पं० मुरलीधर दूबे, लहरपुर (सीतापुर)।→२६–२३ (परि० ३)।

(ख) प्रा०—लाला गंगोत्रीप्रसाद, आल्हापुरा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)।→२६–२३ (परि० ३)।

(ग) प्रा०—पं० महावीर पांडेय, संग्रामपुर, डा० माधोगंज (प्रतापगढ)।→२६–२३ (परि० ३)।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण वैद्य, डा० बाह (आगरा)→२६–३७७।

गरुणपुराण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री रामजी सारस्वत, ग्राम तथा डा० चौंधरी (आगरा)।→२६–३७६।

गरुणपुराण (भाषा) (गद्य)—बलदेव (सनाढ्य) कृत। लि० का० सं० १८११।

वि० गरुणपुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री चिरंजीलाल पुरोहित, ग्राम तथा डा० बरसाना (मथुरा)।→३५–८।

गरुणपुराण (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६१८।

वि० पुराण।

प्रा०—श्री गोविंदराम ब्राह्मण, हिंगोट खिरिया, डा० बमरौलीकटारा (आगरा)।→२६–३७५।

गरुणपुराण (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि पुराण ।
प्रा —श्री पं गिरधरलाल गौड़ डा बहरन (आगरा) ।→२६-१७४ ।

गरुणबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि गरुड़ ब्रह्म संवाद ।
(क) लि का सं १९११ ।
प्रा —लाला गंगादीन, सुल्तानपुर (बदायूं) । →२३-१८८ ई ।
(ग) लि का सं १९१८ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-८०७ च (अप्र) ।

गर्गप्रश्न (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।
प्रा —पं केशवदेव बगसर (आगरा) ।→२६-१७१ ।

गर्गसंहिता (भाषा)→प्रेमसागर (बलभद्र रा) (जगदयाल कृत) ।

गर्भगीता (गद्य)—मुरलीदास कृत । वि गुरु की महिमा ।
(क) लि का सं १८९१ ।
प्रा —लाला रामस्वरूप सर्राफ रा रामपुर (एटा)→२६-२१४ एफ ।
(ग) लि का सं १८८ ।
प्रा०—पं देवनंद मिश्र हवीबगंज अलीगढ़ ।→२६-२१४ डी ।
(घ) लि का सं १८८ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-५४४ (अप्र) ।
(च) लि का सं १८८१ ।
प्रा —पं रामअवतार अध्यापक, नगला वीरसिंह डा मारहरा (एटा) ।→
२६-२१४ ई ।

गर्भगीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि श्री कृष्ण का अर्जुन को ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १८१७ ।
प्रा —पं रामनाथ मिश्र, इमलिया डा लहरपुर (सीतापुर) ।→
२६-२४ (परि ३) ।
(ख) लि का सं १८७१ ।
प्रा —वैद्य रामसुभग अमतापुर डा इटौंजा (लखनऊ) । २६-२४ (परि ३) ।
(ग) प्रा —पं मन्नीलाल तिवारी गंगापुर मिश्रिख (सीतापुर) ।→
२६-२४ (परि ३) ।

गर्भगीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-५ ७ ।

गर्भचितामणि (पद्य)—बनवारीलाल कृत । वि गर्भ के कष्ट, जन्म के अनंतर प्राप्त होने
वाले सुख दुःख तथा वैराग्य का वर्णन ।
(क) लि का सं १९०४ ।
प्रा —लाला श्यामसुंदर पटवारी कराव रहमत खाँ डा सिकंदराबाद (अलीगढ़) ।
→२६-१७४ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६१४।

प्रा०—पं० गयादीन, खिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→२६-२०४ ए।

(ग) लि० का० सं० १६४१।

प्रा०—पं० शिवकंठ तिवारी, बरगदिया (सीतापुर)।→२६-२०४ बी।

(घ) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, सैंगई, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१७४ बी।

गल्लू जी (गोस्वामी)—(?)

राधारमण के नित्य कीर्तन के पद (पद्य)→२६-१२२।

गल्लू जी (महाराज)—उप० गुणमंजरीदास। गौड़ीय संप्रदाय के आचार्य। वृंदावन निवासी प्रसिद्ध कवि। गो० राधाचरण के पिता। सं० १६१० के लगभग वर्तमान।

मंगलआरती (पद्य)→२६-१०३ ए।

सुरमावारी (पद्य)→२६-१०३ बी।

गद्दरगोपाल—गोकुल (मथुरा) निवासी। वल्लभ संप्रदायानुयायी। कोटा नरेश विजयसिंह, अमेठी के बख्तेश तथा इच्छाराम के आश्रित। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

अष्टोत्तर वैष्णवधौल (पद्य)→३२-५६ डी।

कवित्त चयन (पद्य)→३२-५६ ए।

मन प्रबोध (पद्य)→३२-५६ सी।

शृंगार मंदार (पद्य)→३२-५६ बी।

संगीत पचीसी (पद्य)→३२-५६ ई।

गाँजर की लड़ाई (पद्य)—टिकैतराय कृत। लि० का० सं० १६१२। वि० आल्हाछंद में गाँजर की लड़ाई का वर्णन।

प्रा०—बाबा देवगिरि, रामगढ, डा० दतौली (अलीगढ)।→२६-३२३।

गाजरयुद्ध→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत)।

गाडूराम→'बागीराम और गाडूराम' (भाई भाई और सहयोगी कवि)।

गाने की पुस्तक→'रागसार' (हरिविलास कृत)।

गाने के पद→'रागसार' (हरिविलास कृत)।

गायनपद (पद्य)—रामचरण कृत। र० का० सं० १८३४। वि० संगीत।→ पं० २२-६१ बी।

गायन संग्रह (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० संगीत।

प्रा०—लाला गूजरमल, गढिया, डा० उमरगढ (एटा)।→२६-१०७ ई।

गायन संग्रह (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० संगीत।

प्रा०—श्री गंगासिंह चौधरी, विशुनपुर, डा० धूमरी (एटा)।→२६-२४७ सी।

गायन संग्रह (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि का सं १६२७। वि संगीत।
प्रा —पं शिवमोहन शिवपुर डा अलीगंज (एटा)।→२६–२८५।

गारी ज्ञान की (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत। र का सं १८८६। वि निर्गुण ज्ञान।
(क) लि का सं १६२७।
प्रा —बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा बहरा (बहराइच)।→२६–११६सी।
(ख) लि का सं १६६ ।
प्रा॰—बाबा रामगिरि महंत, फसोपुरा डा तंबौर (सीतापुर)।→२६–११६ बी।

गिरधर→ गिरिधर (कविराय)' ('कुंडलिया के रचयिता)।

गिरधरचंद्र—(?)
दानलीला (पद्य)→२६–१३६।

गिरधरजी की मुरली (पद्य)—हरदास कृत। र का सं १६२७। वि राधिका का विरह वर्णन।
(क) लि का सं १६२७।
प्रा॰—ठा गंगासिंह मक्खावाँ डा ओयल (खीरी)।→२६–१६६ ए।
(ख) लि का सं १६२७।
प्रा॰—पं रामनाथ पुजारी ग्राम तथा डा विसवाँ (सीतापुर)।→२६–१६६ बी।

गिरधरदास→'गिरधारी (गंगाराम के पुत्र)।

गिरधरदास—अठारहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान।
नायिकाभेद (पद्य)→२१–१११।

गिरधारी—पिता का नाम गंगाराम। कड़ा मानिकपुर (संत मलूकदास का निवास स्थान) के निवासी। सं १७७५ के लगभग वर्तमान।
भक्ति माहात्म्य (पद्य)→ ६–८४ २३–१२५ ए, बी ४१–४८६ (प्रप); सं ८–६५ क, ख ग; सं ७–११।

गिरधरदास—स्वा जगजीवनदास के पौत्र। पिता का नाम जलालीदास। सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। सं १८८८ के लगभग वर्तमान।
हीरफ के पंक्त (पद्य)→सं ४–११६।
बानी या शब्दावली (पद्य)→सं ४–६४ ग।
भक्तिविनय शब्दावली (पद्य)→२ –५ ; २३– १८ ए, बी; २६–१४१; सं ४–६४ क, ख।
शब्द (पद्य)→सं १–८१।

गिरधरधर लीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत। र का सं १८६१। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा॰—श्री रामचंद्र वैनी वेलनगंज आगरा।→११–२२१ बी।

गिरवर विलास (पद्य)—उदय (कवि) कृत । र० का० स० १८४५ । वि० कृष्ण का गोवर्धन पहाड़ उठाना ।
प्रा०—श्री रामचद्र सैनी, वेलनगज, आगरा ।→३२-२२३ ई ।

गिरिजाबख्शसिंह—पुरवा रणजीत (उन्नाव) निवासी । विधिरानी के पति ।→ २६-३३५ ।

गिरिजेद्रप्रसाद—अन्य नाम राजेंद्रप्रसाद ।
दानलीला (पद्य)→२३-१२७ ।

गिरिधर—वल्लभसप्रदाय की तृतीय पीठ (काँकरोली) के सस्थापक । गो० बालकृष्ण जी के पौत्र । गो० द्वारिकेश्वर जी के पुत्र । स० १६६२ से स० १७१६ तक वर्तमान ।
समर्पण श्लोक गद्यार्थ की टीका (गद्य)→स० ०१-७८ ।

गिरिधर—सभवतः होलपुर (बाराबकी) निवासी । स० १८४४ के लगभग वर्तमान ।
रसमसाल (पद्य)→०६-६२ ।

गिरिधर—(?)
शकुनावली (पद्य)→स० ०१-७६ ।

गिरिधर—हम्मीरपुर निवासी । सुदर्शन वैद्य के पिता । स० १७२६ के पूर्व वर्तमान । →०५-८७ ।

गिरिधर (कविराय)—कोई भाट । सभवतः स० १७७० में गगा यमुना के मध्यभाग में किसी स्थान में जन्म ।
कुडलिया (पद्य)→०६-१६७, २३-१२६ ।

गिरिधर (गोस्वामी)—गो० विट्ठलनाथ के पुत्र । जदुनाथ गोस्वामी के वशज । व्रज निवासी ।
मुहूर्त मुक्तावली (गद्य)→०६-१६८ ए ।

गिरिधर (भट्ट)—ब्राह्मण । गौरिहर (बाँदा) निवासी । सं० १८८६ के लगभग वर्तमान ।
भावप्रकाश (पद्य)→०६-३८ सी ।
राधानखशिख (पद्य)→०६-३८ ए ।
सुवर्णमाला (पद्य)→०६-३८ बी ।

गिरिधर (लाल)—गो० गोपाललाल के पुत्र । काशी के गोपाल मदिर के अध्यक्ष । वल्लभ सप्रदाय के वैष्णव । स० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→००-६ ।
मुकुदरायजी की वार्ता (गद्य)→ ०६-६३ ।

गिरिधरदास—उप० गोपालचद । भारतेंदु बाबू हरिश्चद्र के पिता । काशी निवासी । जन्मकाल स० १८८१ । केवल २७ या २८ वर्ष की अवस्था में स्वर्गस्थ । लगभग ४० ग्रथों के निर्माता ।
कथामृत (पद्य)→४१-४६ ।
कृष्णचरित्र कवितावली (पद्य)→१२-६० ए ।
नहुष नाट

बलराम कथामृतांतगत विदुरनीति (पद्य)→२६-१४ ।
बुद्धकथा (?) (पद्य)→१२-६ बी ४१-४८८ (प्रम)।
गिरिधरदास—उप गिरिधारी। संतनपुरवा (लालगंज रायबरेली) निवासी। यहाँ इनके वंशज अभी तक रहते हैं। सं १८८० के लगभग वर्तमान।
भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→ २-६१ २३- २४ ए, २६-१४१ सं ४-६६ ख ग घ।
रहस्यमंडल (पद्य)→२३-१२४ बी।
श्यामसखा चरित्र (पद्य)→२६-११७।
सुदामाचरित्र (पद्य)→२३-१२४ सी; सं ४-६६ क।
गिरिधरलाल (नाथ कवि)—(?)
रसिक श्रृंगार (पद्य)→१८-१२।
गिरिधरलाल (गोस्वामी)—काँकरोली निवासी। गो पुरुषोत्तम के पुत्र। सं १६११ के लगभग वर्तमान।
गिरिधरलालजी के वचनामृत (गद्य)→सं १-७६ ख।
द्वारिकानाथजी के घर की उत्सवमालिका (रीति) (गद्य)→सं १-७६ क।
गिरिधरलाल (गोस्वामी)—पिता का नाम ब्रजभूषण।
सर्वोत्तम स्तोत्र की संस्कृत टीका का हिंदी पद्यानुवाद (पद्य)→सं १-८ ।
गिरिधरलालजी के वचनामृत (गद्य)—गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत। र का सं १६११। वि धर्म विवेचन।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-७६ ख।
गिरिधारी—ये तथा इनके चार मित्र—गिरिधारीलाल रामकृष्ण सुखलाल और मनवाँ शुक्ल ख्याल लिखने में प्रसिद्ध थे।
ख्याल वर्षा पद्य)→दि ३१-३१।
गिरिधारी→'गिरधारी' ('भक्ति माहात्म्य के रचयिता)।
गिरिधारी→'गिरिधरदास ('भागवत दशमस्कंध भाषा के रचयिता)।
गिरिधारी→'गिरिधरदास (भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र के पिता)।
गिरिधारीलाल—कोरहा (आगरा) निवासी। सं १६२७ में वर्तमान।
अश्वचिकित्सा (पद्य)→२६-११३।
गिरिधारीलाल—आगरा निवासी। औरंगजेब के समकालीन। सं १७६६ के पूर्व वर्तमान।
किशलसार (पद्य)→२६-११८।
गिरिधारीलाल—कमाऊँ निवासी। सं १६३ में वर्तमान।
मात्रमर्म (पद्य)→२६-१६ ।
गिरिधारीलाल—गिरिधारीसिंह के मित्र। ख्याल लिखने में प्रवीण।→दि ३१-३१।

गिरिप्रसाद—विश्वामित्रपुर के राजा जयकृष्ण के पुत्र। अगद शास्त्री के आश्रयदाता।→ २६–१६।

गिरिराज वर्णन (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० गोवर्द्धन पर्वत की शोभा का वर्णन।

प्रा०—पं० हरिदत्त, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–१८६ ए।

गिरिवरसमौ (पद्य)—रूपराम कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३६४।

गींदोलो जगमाल रो वात (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० किसी बादशाह की पुत्री गींदोली और कुँवर जगमाल की कहानी।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–३५२।

गीत (पद्य)—रामसखे कृत। लि० का० सं० १६३१। वि० राम महिमा।

प्रा०—श्री रामकृष्ण ज्योतिषी, गौरद्वार।→०६–२१६ ए (विवरण अप्राप्त)।

गीतगुटका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णभक्ति।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–१६३।

गीतगोविंद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—पं० दयाशंकर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ।→४१–३५३।

गीतगोविंद (अमृत भाष्य) (गद्य)—भगवानदास कृत। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—पं० शिवपूजनप्रसाद मिश्र, मिश्र जी की मठिया, डा० चैरिया (बलिया)। →४१–१६६।

गीतगोविंद (भाषा) (पद्य)—वैष्णवदास कृत। र० का० सं० १८१४। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

(क) लि० का० सं० १८७०।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–३२४।

(ख) प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद।→ ४१–२५८।

गीतगोविंद (भाषा पद्यानुवाद) (पद्य)—मथुरानाथ कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२७१।

गीतगोविंद और फुटकर पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० विभिन्न कवियों का संग्रह।

प्रा०—बाबू रामचंद्र टंडन बी० ए०, रामभवन, शहजादपुर (फैजाबाद)।→ १७–२४ (परि० ३)।

गीतगोविंद की टीका (पद्य)—नारायण कृत। र० का० सं० १६२० (?)। वि० राधाकृष्ण की भक्ति और उनकी केलि क्रीडा।

प्रा —पं रामकुमार त्रिपाठी कन्हैयाला रोड पयागाग लखनऊ ।→सं ७१६।

टि प्रस्तुत प्रति संभवतः रचनाकार की स्वहस्तलिखित प्रति है।

गीतगोविंद टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९१ । वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —ठा महादेवसिंह रतनपुर (गंगासिंह का पुरवा), डा तिलोई (राय बरेली)।→सं ८-४९२।

गीतगोविंद सटीक (पद्य)—अन्य नाम 'गीतगोविंदार्थ सूचनिका'। चिंतामणि कृत। र का सं १८१६। वि 'गीतगोविंद' का अनुवाद।

(क) लि का सं १९१६।

प्रा —श्री हनुमानप्रसाद सहायक पोस्टमास्टर राया (मथुरा)।→२६–७१ ए।

(ख) प्रा —श्री पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर।→१७–४१।

गीतगोविंदादर्श (पद्य)—रामचंद्र (नागर) कृत। र का सं १८११। वि गीतगोविंद का अनुवाद।

(क) लि का सं १९ १।

प्रा —श्री जगदेवसिंह सरैयाँ भवानीतरी डा मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–४११ए।

(ख) लि का सं १९२६।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–१६९।

(ग) लि का सं १९१ ।

प्रा —श्री नारायण दुरसुरारपुर डा मौरावाँ (उन्नाव)।→२६–४११ बी।

(घ) लि का सं १९११।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७–१११।

(ङ) लि का सं १९४ ।

प्रा —रा रामचरनसिंह दफ्फा डा ओयल (खीरी)।→२६–४११ सी।

गीतगोविंदार्थ सूचिका→ गीतगोविंद सटीक (चिंतामणि कृत)।

गीतचिंतामणि (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत। (अनेक अप्रसिद्ध कवियों की कविताओं का संग्रह)। वि राधाकृष्ण चरित्र।

प्रा०—पं राधाचरण गोस्वामी वृंदावन (मथुरा)।→०–४१ १२–६६।

गीतमंजूषा (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि विवाह वल्लभाचार्य जी का अवतार और दीक्षिकोत्सव आदि।

प्रा —श्री शंकरलाल समाधानी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५–१७१।

गीतमालिका (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्ण भक्ति और शृंगार।

प्रा —श्री खेमचंद्र पाठी डा अडींग (मथुरा)।→१५–१०४।

गीत या चौबीस तीर्थंकर स्तवन (पद्य)—जिणराजसूरि (जिनराजसूरि) कृत। लि० का० सं० १७४७ के लगभग। वि० चौबीस जैन तीर्थंकरों की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-६२।

गीत रघुनंदन प्रमानिका टीका सहित (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० जमुनादास कृत 'गीतरघुनंदन' की टीका।
प्रा०—बाधवेश भारती भंडार (राजकीय पुस्तकालय), रीवाँ।→००-८८।

गीत रतन (पद्य)—रामभरोसेदास (बाबा) कृत। लि० का० सं० १६३६। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० ब्रह्मदेव शर्मा आचार्य, रतनपुरा (बलिया)।→४१-२२७ ग।

गीत शतक (पद्य)—धर्मकुँवरि कृत। वि० प्रेम तथा भक्ति।
प्रा०—पं० सियाराम हलवाई, बकेवर (इटावा)।→३८-४१।

गीत शत्रुंजय (पद्य)—उदितनारायणसिंह (महाराज) कृत। लि० का० सं० १६०४। वि० हनुमान जी की स्तुति।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०८-१०६।

गीत संग्रह (?) (पद्य)—आनंदी (कवि) कृत। वि० सीताराम और राधाकृष्ण का गुणानुवाद।
प्रा०—पं० जगन्नाथप्रसाद तिवारी, निगोहाँ (लखनऊ)।→२६-१३।

गीत संग्रह (पद्य)—पृथ्वीसिंह (राजा) (रसनिधि) कृत। वि० कृष्ण संबंधी गीतों का संग्रह।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→०६-६५ डी।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि (रसिकराइ, विट्ठल, गिरधर आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्रीगोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।
→३५-१७०।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० वसंत वर्णन, राधाकृष्ण विहार आदि।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५-१६७।

गीत संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—ला० सूर्यनारायण, अजीतमल (इटावा)।→३५-१७१।

गीत संग्रह (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण प्रेम, विवाहोत्सव आदि।
प्रा०—गोकुलविहारी का मंदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा)।→३५-१६८।

गीत संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम, मलहार, हिंडोरा आदि।

प्रा —श्री शंकरलाल चमाचामी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→१९-१६६ ।

गीत सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि राम कथा विवाहरामी गोवर्धनलीला आदि ।

प्रा —श्री शंकरलाल चमाचामी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→१६-१७२ ।

गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १०२६ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं बालमुकुंद चतुर्वेदी मानिक चौक मथुरा ।→१८-१७४ ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८६ (१ । वि गीता का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१५४ ।

टि इसमें गीता के १८ वें अध्याय का माहात्म्य और गर्भगीता भी है ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८२१ । वि गीता का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ८-४६१ ।

गीता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६-२५ (परि १) ।

गीता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं कथा पांडेय दुल्हनपुर डा बलनिया (गाजीपुर) ।→सं ७-२२४ ।

गीता→भगवद्गीता ।

गीता (भाषा) (पद्य)—गंगादास कृत । लि का सं १६१८ । वि गीता का अनुवाद ।

प्रा —श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी सेहरी डा इटवा (बस्ती) ।→सं ४-५४ क ।

गीता (भाषा) (पद्य)—प्रेमनाथ कृत । र का सं १५५७ । लि का सं १०२७ । वि गीता का अनुवाद ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१४६ ।

गीता (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८६१ । वि गीता माहात्म्य ।

प्रा —पं महादेवप्रसाद पुरोहित शाहजादपुर (फैजाबाद) ।→१७-२६ (परि १) ।

गीता (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८७४ । वि गीता का अनुवाद ।

प्रा —पं सदाशिव बदलापुर (जौनपुर) ।→सं १-५ ८ ।

गीता (भाषा)→गीता (भाषानुवाद) (रसिकबिहारीलाल कृत) ।

गीता (भाषा टीका) (गद्य)—विश्वेश्वरदास कृत । लि गीता का अनुवाद ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-४३ ।

गीता (भाषा टीका) (पद्य)—कृष्णराम संतोषिका (चक्रवर्ती) कृत । लि का सं १६२१ । वि नाम से स्पष्ट ।

खो सं वि १ (११ -९४)

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-५८ ।

गीता (भाषानुवाद) (पद्य)—रसिकबिहारीलाल कृत । लि० का० सं० १६२१ ।

वि० गीता का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १६२१ ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-२२० ।

(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४-५६ ।

टि० खो० वि० ०४-५६ में रचनाकार का नाम भूल से तुलसीदास मान लिया गया है ।

गीता का पद्यानुवाद→'भगवद्गीता (भाषा)' (हरिवल्लभ कृत) ।

गीता की टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८८६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामकुमार त्रिपाठी, कन्हैयालाल रोड, ऐशबाग, लखनऊ ।→सं० ०७-२२५ ।

गीता की टीका सुबोधिनी→'भागवत गीता (भाषा)' (जयराम कृत) ।

गीता के अठारहवें अध्याय का माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८६० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३५८ ।

गीता ग्रंथ सार (गद्यपद्य)—बलरामदास कृत । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२३२ ।

गीता ज्ञान→'अर्जुनगीता' (कुशलसिंह कृत) ।

गीता ज्ञान (भाषा)→'भगवद्गीता (भाषा)' (हरिवल्लभ कृत) ।

गीता ज्ञान सागर (पद्य)—बुलाकीनाथ (बाबा) कृत । लि० का० सं० १८३३ । वि० हरिहरपुराण के आधार पर केवट केवटनी, धरती, वनस्पति और पशुसंवाद आदि ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१६४ ग ।

गीता प्रकाश→'भगवद्गीता सटीक' (आनंदराम कृत) ।

गीता भाष्य→'भगवतगीता' (हरदेव गिरि कृत) ।

गीता माहात्म्य (पद्य)—अन्य नाम 'पद्मपुराण' । भगवानदास (निरंजनी) कृत । वि० पद्मपुराणांतर्गत गीता माहात्म्य का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १८८८ ।

प्रा०—पं० सरयूप्रसाद, महरू, डा० मटेरा (बहराइच) ।→२३-४२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा०—ठा० जगदेवसिंह, गुनौली, डा० नौढी (बहराइच) ।→२३-४२ बी ।

(ग) लि० का० सं० १६२७ ।

प्रा —ठा अनिरुद्धसिंह, सहायक व्यवस्थापक नौलगाँव राज्य (सीतापुर)। →२३-४२ सी।

(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं १-२५१।

गीता माहात्म्य (पद्य)—सेवादास (सेवाराम) कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं रामस्वरूप चौबे (मथुरा)।→१२-१६८ सी।

गीता माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८२१। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर महाजनीटोला इलाहाबाद। →४१-२५६।

गीता माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८२१। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं ४-२८४।

गीता माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६६। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा उमरावसिंह कसैय्या (बुलंदशहर)।→१७-२५ (परि १)।

गीता रामरक्षा →'अर्जुनगीता (कुशलसिंह कृत)।

गीतावली (पद्य)—अन्य नाम गीतावली रामायण रामगीता और राम गीतावली। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि रामचरित्र।

(क) लि का सं १७९७।

प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→२६-४८४ आर।

(ख) लि का सं १८२१।

प्रा —भारती भवन इलाहाबाद। →१७-१९६ ई।

(ग) लि का सं १८४।

प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय मिनगा (बहराइच)।→२३-४१२ पी।

(घ) लि का सं १८५१।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। → ४-६।

(ङ) लि का सं १८६।

प्रा —पं अमानंद मिश्र बाबूजी का फरस रामघाट वाराणसी। → ४१-१ ल (अप्र)।

(च) लि का सं १८८१।

प्रा —श्री बैजनाथ हलवाई, पुराना बाजार असनी (फतेहपुर)।→ २ -११८ आई।

(छ) लि का सं १८८१।

प्रा —पं भगवानदीन मिश्र वैद्य बहराइच। →२३-४१२ के।

(ज) लि का सं १८८१।

प्रा —पं संकठाप्रसाद अवस्थी कोदरा (सीतापुर)।→२६-४८४ एस।

(झ) लि० का० स० १६०२ ।

प्रा०—ठा० इन्द्रजीतसिंह, अटाडर, डा० नौडी (बहराइच) ।→२३–४३२ एन ।

(ञ) लि० का० स० १६०७ ।

प्रा०—ठा० सुमेरसिंह, मीटना, डा० फिरोजाबाद (आगरा) । → २६–३२५ एस ।

(ट) प्रा०—प० शिवसहाय, उलग, डा० मुसाफिरखाना (सुलतानपुर) । →२३–४३२ एल ।

(ठ) प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह रईस, जगनेर, डा० तिरमुटी (सुलतानपुर) । →२३–४३२ एम ।

(ड) प्रा०—प० रामसुन्दर मिश्र, फटपगी, डा० अकौना (बहराइच) । →२३–४३२ ओ ।

(ढ)→प० २२–११२ बी ।

गीतावली (पूर्वार्द्ध) (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । लि० का० स० १८८७ । वि० रामचद्र जी का यश, विहार और अयोध्यापुरी की शोभा ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४–११४ ।

गीतावली रामायण→'गीतावली' (गो० तुलसीदास कृत) ।

गीता वार्त्तिक (गद्य)—भगवानदास कृत । र० का० स० १७५६ । लि० का० स० १६१३ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—प० वैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) । →२६–३५ ।

गीतासार (पद्य)—नवनदास अलखसनेही कृत । लि० का० स० १६०६ । वि० भगवद्गीता का साराश ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया । →०६–३०८ (विवरण अप्राप्त) ।

गीतासार (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १८५६ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—श्री वेचनराम मिश्र, पडित का पुरवा, डा० जँघई (जौनपुर) । → स० ०१–५०६ ।

गीता सुबोधिनी टीका (गद्यपद्य)—माधव कृत । लि० का० स० १६१८ । वि० गीता का अनुवाद ।

प्रा०—श्री मिहीलाल शर्मा, वेगनपुर, डा० फतेहाबाद (आगरा) । →२६–२१४ ।

गीतों का सग्रह (पद्य)—छत्रसाल कृत । वि० राधाकृष्ण प्रेम ।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–२२ बी ।

गुजाकल्प (पद्य)—गौरा कृत । लि० का० स० १६१८ । वि० मारन मोहन, उच्चाटन, दृष्टिविस्तार आदि के प्रयोगों का वर्णन ।

प्रा०—श्री झिन्ना मिश्र, वेलहर (वस्ती) ।→ स० ०४–८६ ।

गुटका के पद्मावत की टीका (गद्य)—लक्ष्मीदास (चतुर्वेदी) कृत। र का सं १६३१। वि राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के गुटके के पद्मावत की टीका तथा पर्याय शब्दों का वर्णन।
प्रा —पं भवदत्त शर्मा, अब्सेलक (एकाउंटेंट) रियासत मुस्तई, डा कुरावली (मैनपुरी)। →२८-८८।

गुटका पूजन (पद्य)—द्यानतराय कुंवरलाल आदि कृत। लि का सं १६१२। वि जैनस्तोत्र।
प्रा॰—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा अछनेरा (आगरा)। →३२-५८ ई।

गुणचंद—जैन। वाराणसी (बनारस) निवासी।
रविव्रत कथा (पद्य)→३२-७।

गुणनिधि सार (पद्य)—गणेश कृत। र का सं १८८२। लि का सं १८८७। वि अलंकार नायिकाभेद सामुद्रिक, ज्योतिष वैद्यक आदि।
प्रा —लाला गिरधर, हीरीपुर रतिया। → ६-१२ ए।

गुण प्रकाश (पद्य)—ज्ञानसिंह कृत। र का सं १८७। वि गणित।
(क) लि का सं १८६८।
प्रा —पं मातप्रसाद दूबे चंदनपुर डा फूलपुर (इलाहाबाद)। → २-४८ बी।
(ख) प्रा॰—लाला देवीदीन अजमगढ़।→ ६-२१ बी।

गुण बावनी (पद्य)—उदयराज कृत। र का सं १६७६। लि का सं १७७१। वि ईश्वरस्तुति नीति और धर्मोपदेश आदि।
प्रा॰—श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर।→४१-२७।
टि खो वि में भूल से पुस्तक का नाम उदैराजबावनी मान लिया गया है।

गुणमंजरीदास→ मस्तू जी (महाराज)'।

गुणमाला संवाद जोग (ग्रंथ) (पद्य)—ध्यानदास कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १८६६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११६।
(ख) लि का सं १८६६।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१२ क।

गुणराजा री बात (पद्य)—अन्य नाम 'राजकीर्तन और 'गुणराजाकृत (कृत)'। कविर कृत। वि किसी राजा के पूर्वजन्म की कथा के माध्यम से ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १७ २।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-५२४ (अप्र)।
(ख) प्रा॰—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-७९।
(ग) प्रा —पं मदनगोपाल किवाड़ डा फिरावली (आगरा)। → १२-२१७ सी।

गुण रामरासो तथा रामरासो (पद्य)—अन्य नाम 'रामचंद्रजी रो रामरासो'। माधवदास (चारण) कृत। र० का० सं० १६७५। वि० राम चरित्र।
(क) लि० का० सं० १७७२।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५४१ (अप्र०)।
(ख) लि० का० सं० १८०१।
प्रा०—ठा० मोतीमलसिंह, जोधपुर।→०१–८०।
(ग) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–२८८।

गुण विलास (पद्य)—सागरदान (चारण) कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० आसोप (जोधपुर) के ठाकुर केशरीसिंह कूँपावत राठौर का यश और जीवन चरित।
प्रा०—महात्मा ज्ञानचंद, जोधपुर।→०१–८१।

गुण सागर (गद्यपद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं. १७५०। लि० का० सं० १७६६। वि० राजा सुमति और रानी सत्यरूपा की कथा।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–८३।

गुण सागर—वास्तविक नाम गोकुल। अर्यलपुरी के मागध। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान। संभवतः स्वप्न में गो० विट्ठलनाथ जी के शिष्य हुए थे।
गुण सागर (पद्य)→१२–६६।

गुण सागर (पद्य)—गुणसागर (गोकुल) कृत। र० का सं० १७६६। वि० वल्लभाचार्य की स्तुति।
प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२–६६।

गुण सागर (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि० का० सं० १८४२। वि० श्रीकृष्ण की महिमा और स्तुति।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव)।→२३–३४५।

गुण सागर (पद्य)—रामराइ कृत। र० का० सं० १६७८। वि० कामशास्त्र।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२२६।

गुण सागर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→४१–३६०।

गुण सागर (कोकसार) (पद्य)—ताहिर कृत। र० का० सं० १६७८। वि० कोकशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८११।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गंधौली (सीतापुर)।→०६–३१६।
(ख) लि० का० सं० १८२७।
प्रा०—पं० छोटेलाल पहलवान, खजुहा (फतेहपुर)।→२०–२ बी।
(ग) लि० का० सं० १८४७।
प्रा०—पं० जयमंगलप्रसाद बाजपेयी, रसुआ (फतेहपुर)।→२०–२ ए।
(घ) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री भवानीदयालसिंह ऐतवारा, डा० लविन (सुलतानपुर) ।→ ग्र ४-११९ ख।

(क) प्रा०—पं० रामसेवक मंत्री, टीकमगढ़ राज्य टीकमगढ़।→ ६-११५। (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री केदारनाथ मिश्र, मुलासपुरा, डा० मवाही (वाराणसी)।→ ग्र ४-११९ ग।

गुणसागर (जैन)—(?)।

सतर (सत्रह) भेद पूजा (पद्य)→ -९४।

गुणहरी रस (पद्य)—ईश्वरदास गढ़वी कृत। वि० विनय और भक्ति।

(क) प्रा०—पं० सीताराम ग्रामरी डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ १२-९१ ए।

(ख) प्रा०—लाला निन्नूमल अर्जुनलाल शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→ १२-९१ बी।

गुणाविबोध जोग (प्रबंध) (पद्य)—ध्यानदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-९२ ख।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११६।

गुणकठियारानामा (पद्य)—बाजिंद कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१११ ख।

गुणगंजनामा→'गंजनामा (जगन्नाथ जन' कृत)।

गुणदेव—(?)

कलियुग कथा (पद्य)→१२-६६।

गुननामा (गुणनिरंजननामा) (पद्य)—बाजिंद (बाबा) कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।

प्रा०—श्री दाताराम महंत भेवली डा० जगनेर (आगरा)।→१२-२१७ ए।

टि० प्रस्तुत हस्तलेख में 'निरंजनगुननामा' 'गुनबबेरा' और गुनविरहनामा' संग्रहीत हैं।

गुननिरंजननामा→ गुननामा (बाजिंद बाबा कृत)।

गुनमाला (पद्य)—रामसिंह भीमसेन कृत। र० का० सं० १७१५। वि० जैनदर्शन।

प्रा०—श्री राधेश्याम ज्योतिषी स्वामीघाट, मथुरा।→१२-१८९।

गुनराजा कृत (कृत्य)→गुनराजा री बात (बाजिंद कृत)।

गुनवती चंद्रिका (पद्य)—चंदनकुंवर कृत। वि० नखशिख और शृंगार।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-४१।

गुनीराम (श्रीवास्तव)—रूसदपुर (वाराणसी) निवासी। सं० १७४८ के लगभग वर्तमान।

भवानीचरित्र (भाषा) (पद्य)→२१-१४२।

गुन्नूलाल (उपाध्याय)—चाँदा निवासी। लक्ष्मणप्रसाद के पिता। सं० १६०० के पूर्व वर्तमान।→०६-१६२।

गुपाल→'गोपाल' ('मुग्धदुग्ध वर्णन' के रचयिता)।

गुप्तगीता (पद्य)—पतितदास कृत। वि० तंत्र, मंत्र, योग आदि।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१३३।

गुप्तरस टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के 'गुप्तरस' ग्रंथ का भाष्य।
प्रा०—पं० केशवदेव, माट (मथुरा)।→३५-१६४।

गुमानंद—सं० १८११ के पूर्व वर्तमान।
वध्याप्रकाश (गद्यपद्य)→२३-१४३।

गुमान (कवि)—(?)
रुक्मिणीमंगल (पद्य)→सं० ० –८२।

गुमान (द्विज)—त्रिपाठी ब्राह्मण। महोबा (बुंदेलखंड) निवासी। गोपालमणि त्रिपाठी के पुत्र। अन्य तीन भाई दीपसाहि, खुमान और अमान। सं १८३८ के लगभग वर्तमान।
कृष्णचंद्रिका (पद्य)→०५-२३, ०६-४४ ए।
छंदाटवी (पद्य)→०६-४४ बी।

गुमान (मिश्र)—शोभानाथ के पुत्र। पहले पिहानी के राजा अकबरअली खाँ के और अनंतर बिसवाँ (सीतापुर) के ताल्लुकेदार लाला आत्माराम गुलालचंद के आश्रित। काव्यकाल सं० १८०३–१८२०।
अलंकार दर्पण (पद्य)→१२-६८ ए, ४१-४६० (अप्र०)।
गुलाल चंद्रोदय (पद्य)→१२-६८ बी, २३-१४१ ए, २६-१५७ ए, बी।
नैषध (पद्य)→२३-१४१ बी।

गुमानकुँवरि—दतिया नरेश दलपतिराव की रानी। पृथ्वीसिंह (रसनिधि) की माता। सं० १७५० के लगभग वर्तमान।→२०-४।

गुमानसिंह—गोंडा के राजा। सुखलाल द्विज के आश्रयदाता (?)।→०६-३१०।

गुमानी—(?)
चाणक्य नीति (भाषा) (पद्य)→२६-१५८।

गुरचौबीस की लीला (पद्य)—जनगोपाल कृत। लि० का० सं० १७४०। वि० दत्तात्रय की कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२६ क।

गुरुअन्यास कथा (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७६१। वि० भक्ति और ज्ञान का उपदेश।
(क) प्रा०—श्री नकछेदीराम चर्मकार, सरयाँ, डा० फोरटाडीह (बलिया)।→४१-२६३ क।

(ख) प्रा —महंत श्री रामकिशोर रसवंड (बलिया) ।→४१–२११ ख ।

गुरु अष्टक (पद्य)—अग्रस्वामी कृत । वि स्वा रामानंद की स्तुति ।

प्रा —श्री जगधर दूबे मदरिया डा सरकुलवा (गोरखपुर) ।→सं १–१ ।

गुरु अष्टक (पद्य)—चंदनदास कृत । वि गुरु की स्तुति ।

प्रा —पं मुंशीलाल नेहपुर डा मैरगढ़ (मैनपुरी) ।→१२–४१ एफ ।

गुरुआयसु साहूनाथ→ साहूनाथ (जोधपुर नरेश महाराज मानसिंह के वंशज) ।

गुरु उपदेश और गुरु वंदना (पद्य)—देवीदास (बाबा) कृत । लि का सं १६११ ।

वि गुरु माहात्म्य ।

प्रा०—श्री हरिहरप्रसाद एम ए कमोली डा रानीकटरा (बाराबंकी) ।

→सं ८–१६६ क ।

गुरु उपदेश ज्ञान अष्टक (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७८ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१२१ म ।

(ख) लि का सं १७९७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१२१ ख ।

गुरु की महिमा (पद्य)—जगनाथ (रूपालो) कृत । र का सं १८४२ । वि नाम

से स्पष्ट ।→पं २२–४१ ।

गुरु की महिमा→ गुरुमहिमा (जगनाथ कृत कृत) ।

गुरु गैबी ग्रंथ (पद्य)—भगवान कृत । वि हनुमान विनय ।

प्रा —श्री दुर्गादास साधु हाजीगुंज डा नगरामपूरब (लखनऊ) ।→११–१४ ए ।

गुरुगोविंद—संभवतः सं १५५६ के लगभग वर्तमान ।

मयांक लीला (पद्य)→सं १–८१ ।

गुरु गोविंदसिंह→ 'गोविंदसिंह (गुरु) ।

गुरु गोष्ठी (पवनगुंजार) (पद्य)—भगवानदास कृत । लि का सं १८९४ । वि

भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —महंत आज्ञारामदास कुटी गूँगदास पंचपड़वा (गोंडा) ।→सं ४–२१ क ।

गुरु चरितामृत (पद्य)—ललनदास कृत । वि गुरु माहात्म्य ।

प्रा —गो रुपकिशोरलाल मुकरमपुरगंज (मिरजापुर) ।→०९–१६८ ।

गुरु चरित्र→'गुरुमहिमा (जगनाथ कृत कृत) ।

गुरुचेला का संवाद अष्टांगयोग→'अष्टांगयोग (स्वा चरणदास कृत) ।

गुरुचेला को गोष्ठी→'षट्कर्म शुद्धि (स्वा चरणदास कृत) ।

गुरुदत्त—ब्राह्मण । पिता का नाम विष्णुदत्त । पितामह का नाम दिनमणि ।

भक्तिमंजरी (पद्य)→सं ४–१७ सं ७–१२ ।

गुरुदत्त—(?)

कवित्त (पद्य)→४१–५ ग ।

कवित्त श्री विंध्याचल देवीजी को (पद्य)→४१–५० ख ।

कवित्त हनुमानजी के (पद्य)→४१–५० क ।

गुरुदत्त (शुक्ल)—मकरदनगर ? (फरुखाबाद) निवासी । देवकीनदन शुक्ल के भाई और शिवनाथ के पुत्र । सं० १८८३ के लगभग वर्तमान ।

पक्षी विलास (पद्य)→२३–१८५ ए, बी ।

गुरुदत्तदास—पुरवा देवीदास (बाराबकी) निवासी । सतनामी साधु । जन्म स० १८७७ । मृत्यु स० १९५८ ।

शब्दावली और दोहावली (पद्य)→२६–१५९ ।

गुरुदत्तसिंह—उप० भूपति । अमेठी (सुलतानपुर) के राजा । उदयनाथ (कवींद्र) के आश्रयदाता । स० १७८८ से १७९९ के लगभग वर्तमान ।

भूपति सतसई (पद्य)→२३–६० ए, बी, २६–६६ ।

रसरत्न (पद्य)→२३–६० डी, स० ०४–२६८ ।

गुरुदयाल (कायस्थ)—रानीकटरा (लखनऊ) निवासी । स० १८८९ के लगभग वर्तमान ।

रामायण (पद्य)→३२–७१ ए से ई तक ।

गुरुदास—(?)

फूलचेतनी (पद्य)→२०–५६ ।

गुरुदास→'गुरुप्रसाद' ('कविविनोद' आदि के रचयिता) ।

गुरुदासशरण (स्वामी)—महात्मा । इन्होंने हरदोई में एक तुलसी आश्रम की स्थापना की थी । स० १९६९ के पूर्व वर्तमान ।

ऋतुविनोद (पद्य)→२३–१४४ ।

गुरुदीन—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । सभवत: मोहनलालगज (लखनऊ) के निवासी । इनके भाई ईश्वरीप्रसाद के वशज अभी तक उक्त ग्राम में वर्तमान हैं ।

पिंगल मात्रा प्रस्तार (पद्य)→स० ०४–६९ ।

गुरुदीन—दास मनोहरनाथ के शिष्य । स० १८७८ के पूर्व वर्तमान ।

रामाश्वमेध यज्ञ या रामचरित्र (पद्य)→०९–१०१, २९–१३२ ।

श्री रामचरित्र रागभैरा (पद्य)→०५–२४ ।

गुरुदीन (पाडेय)—(?)

शालिहोत्र (पद्य)→स० ०१–८४ क, ख, स० ०४–६८ ।

गुरुदेव महिमा स्तोत्र अष्टक (पद्य)—सुदरदास कृत । वि० गुरु महिमा ।

(क) लि० का स० १७४० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१९३ ङ ।

(ख) लि० का० स० १७९७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–१९३ घ ।

गुरु नानक→'नानक (गुरु)' (सुप्रसिद्ध सिख गुरु) ।

गुरु नानक वचन (पद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि० नीति तथा भगवद्भक्ति ।

प्रा —श्री ब्रजकिशोर श्रीवास्तव छीपीटोला आगरा ।→१२-१५१ ।

गुरु नामावली (पद्य)—अन्य नाम 'गुरु नामावली तथा वाणी । हरिदास कृत । वि गुरु परंपरा तथा कृष्णलीला ।

(क) प्रा०—श्री रेवतीराम चतुर्वेदी तुली फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २९-१४ सी ।

(ख) प्रा —बाबा रामस्वरूप मठनागर भामरी डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१२-७७ बी ।

गुरु नामावली तथा वाणी→ गुरु नामावली (हरिदास कृत) ।

गुरु परंपरा (पद्य)—रघुवरदास (रघुवरलला) कृत । र का सं १९ ७ । लि का सं १९२८ । वि रामानुज संप्रदाय के गुरुओं का वर्णन ।

प्रा —महंत विट्ठलदास मिरजापुर पाटी सुलतानपुर (बहराइच) ।→२३-११३ बी ।

गुरुउपकारी भजन (पद्य)—गिरिधिलाल कृत । र का सं १७ ७ । वि गुरु की महिमा ।

प्रा —पं राधाचरण गोस्वामी वृंदावन (मथुरा) ।→ -८ १२-११५ ।

गुरु प्रणालिका (पद्य)—सहचरीशरण कृत । वि निंबार्क संप्रदाय के धार्मिक कृत्य ।

प्रा —महंत भगवानदास टट्टी स्थान वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१६१ ए ।

गुरु प्रताप (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुप्रताप लीला । दामोदरदास (हित) कृत । वि गुरु की महिमा ।

(क) लि का सं १८१४ ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-५ १ ख (अप्र) ।

(ख) प्रा —पो गोवर्द्धनलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२-४९ बी ।

गुरु प्रताप (पद्य)—मधुकरदास कृत । वि गुरु माहात्म्य ।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-१६४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

गुरु प्रताप महिमा (पद्य)—परमानंद (हित) कृत । लि का सं १८२८ । वि हितगुलाल (गुरु) की प्रशंसा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२ ४ सी (विवरण अप्राप्त) ।

गुरु प्रताप लीला→ गुरु प्रताप (दामोदरदास हित कृत) ।

गुरु प्रनाली (पद्य)—मोहनलाल कृत । वि मदनपंथ के प्रवर्तक श्री मदनलाल की गद्दी के महंतों का नामोल्लेख ।

प्रा०—पं केदारनाथ तरवरा डा पट्टी (प्रतापगढ़) ।→सं ४-१११ ।

गुरुप्रसाद—अन्य नाम गुरुदास । सं १७४५ के लगभग वर्तमान ।

कवि विनोद (पद्य)→१९-१३१ ए ।

रत्न परीक्षा (पद्य)→०९-९५, ३-१२९ ।

वैद्यकसार संग्रह (पद्य)→२९-१३१ बी ।

गुरुप्रसाद—(?)

आरोग्य (पद्य)→२६-१६०।

गुरुप्रसाद (पंडित)—(?)

योगरत्नसमुच्चय (भाषा) (गद्य)→२६-१३८।

गुरुप्रसादनारायण—नानकपंथी। आजमगढ़ निवासी। फतहसिंह के पुत्र और गुरुदयाल के पौत्र। सं० १६१२ के लगभग वर्तमान।

सन्निपात चंद्रिका (पद्य)→४१-३१।

गुरु भक्तमाल (पद्य)—व्रजजीवन कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० गुरु महिमा।

प्रा०—पं० श्यामसुंदर दीक्षित, हरिगवरी, गाजीपुर।→सं० ०७-१८०।

गुरुभक्ति चंद्रिका (पद्य)—गोपालदास कृत। वि० गुरुभक्ति।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरौली।→सं० ०१-६२ ग।

गुरुभक्ति प्रकाश→'मुक्ति मार्ग' (रामरूप कृत)।

गुरुभक्ति विलास (पद्य)—परमानंद (हित) कृत। लि० का० सं० १८६७। वि० गुरुभक्ति वर्णन (नारदपुराण के आधार पर)।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०४ बी (विवरण अप्राप्त)।

गुरुमंत्र जोग (ग्रंथ) (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुमहिमा जोग (ग्रंथ)।' सेवादास कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १८५५।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६६ घ, ङ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२०३ क।

(ग)→पं० २२-६६ ए।

गुरु महातम (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६३। वि० कबीर और धर्मदास के संवाद में गुरु माहात्म्य और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२२६।

गुरु महातम (पद्य)—पहलवानदास कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० सं० १६३१। वि० गुरु महिमा।

प्रा०—महंत चंद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबंकी)।→३५-७१।

गुरु महात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० दाताराम दीक्षित, जयनगर, डा० पैंतीखेड़ा (आगरा)।→२६-३८३।

गुरु महिमा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय, वाराणसी।→३५-४६ एल।

गुरु महिमा (पद्य)—अन्य नाम 'गुरु चरित्र'। जगन्नाथ (जन) कृत। र० का० सं० १७६०। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १७८६।

प्रा०—ठा बहादुरसिंह, सेंगुर, डा मुरादाबाद (हरदोई)। →२६-१११ बी।

(ल) लि का सं १८८८।

प्रा०—बाबा जीवनदास, भैरुजी का मंदिर दूधीगढ़ (अलीगढ़)। →२६-१११ ए।

(म) लि का सं १८८४ ।

प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी। →सं ७-५८।

(य) लि का सं १८८८ ।

प्रा —पं विष्णुस्वरूप शुक्ल, बरौरा (सीतापुर)। →२६-१८६ ए।

(र) लि का सं १८८८।

प्रा०—ठा शिवपतिंह रमई का पुरवा डा सिसैया (बहराइच)। → २१-१७५ ए।

(ल) लि का सं १८८८।

प्रा —ठा रामचोरसिंह पिथौरा डा केसरगंज (बहराइच)। → २१-१७६ बी।

(व) लि का सं १८८८।

प्रा —पं शालिग्राम सबैयापुरा (बहराइच)। →२१-१७६ सी।

(श) लि का सं १८९५।

प्रा —पं राधाचरण गोस्वामी वृंदावन (मथुरा)। → ६-१२६।

(ष) लि का सं १९१५।

प्रा —लाला गिरधर हरिपुरा दतिया। → १ २६६ (मिश्रबंधु प्रवास)।

(स) लि का सं १९४४।

प्रा —भाइ रामदास कुटी मदेरू, डा बेहाखारा (रायबरेली)। → सं ४-१ ७ क।

(ह) प्रा —पं गदाधर तिवारी बंडा डा गड़वारा (प्रतापगढ़)। → २६-१८८ बी।

(क) प्रा —श्री मंगलप्रसाद पांडेय रानीपुर, डा बरसठी (जौनपुर)। → सं ४-१ ७ ख।

(ख) प्रा —श्री महावीर पंडित खिचड़ीपुर डा शाहदरा (दिल्ली)। → दि ११-१८ ए।

(ग प्रा —पं बालीराम बाजार सीताराम ११५, दूँ धारारीदफेग बाबू मुक्ताराम का मंदिर दिल्ली। →दि ११-१८ बी।

दि खो वि १-२६६ के हस्तलेख में भगवद्गीता भी संगृहीत है।

गुरु महिमा (पद्य)—भगवानदास कृत। लि का सं १८७६। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत रामदास विगिमा ठाकुर डा दरवा (बस्ती)। → सं ४-२५ क।

गुरु महिमा (पद्य)—मुरली कृत । लि० का० स० १८२६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–३१२ ।

गुरु महिमा (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—प० पूरनमल, बैजुआ, डा० अरांव (मैनपुरी) ।→३२–१७५ एफ ।
(ख) प्रा०—प० हुब्बलाल तिवारी, ग्राम तथा डा० मदनपुर (मैनपुरी) । →३२–१७५ जी ।
(ग) प्रा०—गो० रघुवरदयाल, खुशहाली, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । →३२–१७५ एच ।
(घ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स००८–१६५ ख ।

गुरु महिमा (पद्य)—सुखदेव कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–४५४ ।

गुरु महिमा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६३० । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महत रामशरनदास, कबीरपथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर) ।→स० ०४–४५५ ।

गुरु महिमा जोग (ग्रथ)→'गुरुमत्रजोग (ग्रथ)' (सेवादास कृत) ।

गुरु महिमा प्रसाद वेलि (पद्य)—हितवृदावनदास (चाचा) कृत । र० का० स० १८२० । लि० का० स० १८६७ । वि० गुरु महिमा ।
प्रा०—गो० अद्वैतचरण, वृदावन (मथुरा) ।→२६–५८ बी ।

गुरु माहात्म्य→'गुरु महिमा' (जगन्नाथ जन कृत) ।

गुरु शतक (पद्य)—अन्य नाम 'गुरुसत' । हरिदेव कृत । र० का० स० १८८६ । वि० गुरु माहात्म्य ।
(क) लि० का० स० १८६० ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–४८५ क ।
(ख) लि० का० स० १८६८ ।
प्रा०—श्री मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३२–७६ ए ।

गुरुसत→'गुरु शतक' (हरिदेव कृत) ।

गुरुहरिभक्ति प्रकाश (पद्य)—गोपालदास कृत । वि० गुरुभक्ति का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–६२ क ।

गुर्रा मुहर्रम की (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शकुन ।
प्रा०—ठा० जगन्नाथसिंह कूर्म, जौखडी, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६–३८२ ।

गुलजार चमन (पद्य)—शीतलप्रसाद कृत । र० का० स० १७८० । वि० शृगार ।
(क) लि० का० स० १६४७ ।
प्रा०—पं महावीरप्रसाद, गाजीपुर ।→०६–२६२ ।

(ख) प्रा —पं रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-१७२ ।

(ग) प्रा —बाबू मुन्नालाल अध्यापक टाउन स्कूल अमीम्सा ।→२ -१७६ ।

गुलजारीलाल 'रसीले'—मरवल (कानपुर) निवासी । सं १६९८ के लगभग वर्तमान ।

रसीलेतरंग (पद्य)→२६ १६६; २६–१११ ।

गुलाब—गणेश कवि के पिता । लाल कवि के पुत्र और बंशीधर के पितामह । काशी निवासी ।→ १–२४; २ –१२ ।

गुलाब केवड़ा (गद्य)—गुलानंद कृत । लि का सं १६१७ । वि गुलाब और केवड़े की कथा ।

प्रा —श्री शिवराम, माधोपुर डा नैराबाद (सीतापुर) ।→२६–४६६ ।

गुलाबदास—सं १८ २ के लगभग वर्तमान ।

गीतबोध सटीक (गद्य)→२६–१३ १२–६८ ।

गुलाबराइ मोतीराइ—गुलाबराइ और मोतीराइ नाम के दो भाई । इटावा निवासी । गुरु का नाम संभवतः त्रिनेत्रभूषण ।

समेरशिखर (समेदशिखर ?) माहात्म्य (पद्य)→सं ४–७ ।

गुलाबराम—कायस्थ । सं १६ ८ के लगभग वर्तमान ।

हिसाब (गद्यपद्य)→२३–११८ ।

गुलाबलाल (गोस्वामी)—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । काशी निवासी गो गोवर्द्धन लाल के शिष्य (?) । सं १८२७ के लगभग वर्तमान ।

अनन्य सभामंडल सार (पद्य)→०६–१ ।

फाग (पद्य)→११–६७ ।

गुलाबलाल (हित)—हितहरिवंश जी के वंशज । वृंदावन निवासी । हित परमानंद के गुरु ।→ ६–२ ४ ।

बानी (पद्य)→ ६–२०१ ।

गुलाबसिंह—सिख । पिता का नाम गौरीराव । गुरु का नाम मानसिंह । सैलचमगर (संभवतः अमृतसर) के निवासी । सं १८१४ के लगभग वर्तमान ।

अध्यात्म रामायण (पद्य)→४१–५३ ।

भावरसामृत (पद्य)→सं ४–७१ सं ०–११ ।

मोक्षपावक पंथ (पद्य)→ १–७८; ०६–१६ ; ९ –१४ ।

टि तीसरी पुस्तक में मानसिंह का उल्लेख रचयिता के नाम का भ्रम उत्पन्न करता है ।

गुलामहसन (मीर)—मऊ आयमा (इलाहाबाद) के निवासी । नवाब आसफउद्दौला (सं १८३२) के समकालीन ।

सृष्टि की उत्पत्ति (?) (पद्य)→सं ८–७२ ।

गुलामनबी (रसलीन)—बिलग्राम (हरदोई) निवासी । मैंदबाकर के पुत्र । सं १७६८ के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→०५–१५, २३–१४० ए ।

रसप्रबोध (पद्य)→०५–१६, ०६–१६६, २३–१४० बी, सी, स० ०४–७३ ।

गुलाममुहम्मद—(?)

प्रेमरसाल (पद्य)→स० ०१–८५ ।

गुलाममुहम्मद—शेखनिसार ('यूसुफजुलेखा' के रचयिता) के पिता ।→स० ०१–४२२ ।

गुलालकीर्ति (भट्टारक)—जैन । इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली के निकट) के निवासी ।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)→२३–१३६ ।

गुलालचद—वल्लभकुल के गोस्वामी । द्वारिकानाथ जी के पिता ।→स० ०१–४७ ।

गुलालचद (सेवक)—जोधपुर नरेश अभयसिंह के आश्रित । विविध कवि कृत 'शकर-पचीसी' में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं ।→०२–७२ (तेरह) ।

गुलालचद्र—बिसवाँ (सीतापुर) के ताल्लुकेदार । गुमान मिश्र के आश्रयदाता । स० १८१८ के लगभग वर्तमान । →१२–६८, २३–१४१ ।

गुलाल चद्रोदय (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत । र० का० स० १८२० । वि० भावादि ।

(क) लि० का० स० १८२१ ।

प्रा०—प० रघुवर पाठक, पुजारी, बिसवाँ (सीतापुर) ।→१२–६८ बी ।

(ख) लि० का० स० १८२३ ।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–१५७ ए ।

(ग) प्रा०—प० विपिनबिहारी मिश्र, व्रजराज पुस्तकालय, गधौली, डा० सिधौली (सीतापुर) ।→२३–१४१ ए ।

(घ) प्रा०—आनदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–१५७ बी ।

गुलाल साहब—क्षत्रिय । बसहरी या भुड़कुड़ा (गाजीपुर) निवासी । बुल्ला साहब के शिष्य । जगजीवनदास के गुरु भाई भीखा साहब के गुरु । सतनामी सप्रदाय के अनुयायी । स० १८०० के लगभग वर्तमान ।→२०–२३ ।

बानी (पद्य)→२०–५५ ।

रामजी के सहस्रनाम (गद्य ?)→४१–५२ क ।

शब्द (पद्य)→४१–५२ ख ।

गुलालसिंह (बख्शी)—पन्ना (बुदेलखड) निवासी । स० १७५२ के लगभग वर्तमान ।

दफ्तरनामा (पद्य)→ ०५–२२ ।

गुविंद (कवि)—कालिदास, केशवदास, ठाकुर, भवानी, और घासीराम की कविता के सग्रहकर्ता ।

अलकार (पद्य)→४१–५४ क ।

कवित्तसार सग्रह (पद्य)→४१–५४ ख ।

गुसाई जी—वल्लभाचार्य जी के पुत्र विट्ठलनाथ अथवा गोकुलनाथ (?) ।

अत करण प्रबोध (गद्य)→३५–३२ ए ।

भक्ति वर्द्धिनी (गद्य)→१५-१२ बी।

विवेक धैर्याश्रय (गद्य)→१५-१२ डी।

गुसाईंजी की ब्रज चौरासी कोस की वनयात्रा (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि यात्रा विवरण।

(क) लि का सं १८२१।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली।→सं १-८८ क।

(ख) प्रा —ग्रा हरनामसिंह साईपुर डा ग्रकरौली (हरदोई)। → २६-१२१ बी।

गुसाईंजी की मंगल (पद्य)—ब्रजकेलीदासि कृत। वि शृंगार।

प्रा॰—राधावल्लभ जी का मंदिर वृंदावन (मथुरा)।→१५-२ बी।

गुसाईंजी विट्ठलनाथजी की वनयात्रा (पद्य)—हरिदास कृत। वि गो विट्ठल नाथ जी की वनयात्रा का वर्णन।

प्रा॰—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली।→सं १-५८३ ख।

गुसाइंजी सेवकन की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि गुसाईं जी के सेवकों का वर्णन।

प्रा —श्री गंगाराम ब्राह्मण इमलीवाले गोकुल (मथुरा)।→१५-१ ८।

गुसाईंराम→'रामनारायण ('सनेहलीलामृत पचीसी' के रचयिता हनुमंत के सहयोगी)।

गैंगदास—शाकद्वीपी ब्राह्मण। रामनगर के निवासी। अवधूत फकीर। रासी नदी के तट पर मारग में कुटी। सं १८४८ के लगभग वर्तमान। सन् १२२४ (?) साल में देहावसान।

अनहद विलास (पद्य)→सं ७-१४ क।

चेतसार (पद्य)→सं ७-१४ ख।

जीवउद्धार (पद्य)→सं ७-१४ ग।

सत्तसार (पद्य)→सं ७-१४ घ।

मुक्तसदन ग्रंथ (पद्य)→सं ७-१४ ङ।

गैंगदास—भगमदास (गुरु महिमा आदि ग्रंथों के रचयिता) के गुरु। → सं ४-२५।

गुरुग्रंथ (पद्य)—बाज कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि का सं १७७७। वि पहेलियाँ।

प्रा —हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद।→सं १-१२६ क[१]।

गुरुध्यान (पद्य)—रूपलाल गोस्वामी (हितरूपलाल) कृत। वि राधाकृष्ण विहार।

प्रा॰—गो पुरुषोत्तमलाल अठखंभा वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५८ बी।

गुरुलीला (पद्य)—मातीराम कृत। वि विविध।

प्रा —ठा मूरसिंह मेरा डा मारौल (मैनपुरी)।→१२-१५४ बी।

गूढशतक (पद्य)—वल्लभ कृत । वि० भगवान कृष्ण के शारीरिक सौंदर्य का वर्णन ।
प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्रामघाट, मथुरा ।→१७–१८ ।

गूढ़ार्थ कोष (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कोश ।
प्रा०—प० रामऔतार अध्यापक, नगला वीरसिंह, डा० मारहरा (एटा) ।
→२६–३८१ ।

गूदरसाह—माता का नाम जूही । औड़िहार-जौनपुर रेलमार्ग पर स्थित पतरही स्टेशन से दो तीन मील दूर गोमती तट पर बिलहरी गाँव की सीमा में गूदरसाह की तकिया में निवास । भगवती के भक्त । गुरु का नाम नूरअलीसाह (दिल्ली निवासी) । अनुमानत. १८वीं शती के अत और १६वीं शती के प्रारभ मे वर्तमान ।
गूदरसाह के गीत (पद्य)→स० १०–२६ ।

गूदरसाह के गीत (पद्य)—गूदरसाह कृत । लि० का० स० २००६ । वि० भक्ति, होरी और मलार ।
प्रा०—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी । स० १०–२६ ।

गूदरी→'ज्ञानगूदरी' (कबीरदास कृत) ।

गृहदीपक (गद्य)—भवानीचरण कृत । लि० का स० १६०४ । वि० वास्तु विद्या ।
प्रा०—श्री मुनेश्वर, डुभरा, डा० खलीलाबाद (बस्ती) ।→स० ०४–२५४ ।

गृहवस्तु प्रदीप (गद्य)—लक्ष्मीकात कृत । लि० का० स० १६०० । वि० घर बनाने की शास्त्रीय विधि ।
प्रा०—प० लक्ष्मीकात, अयोध्या ।→२०–६५ ।

गृहवैराग्य बोध (पद्य)—सुदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रथ ।→० २–२५ (बारह) ।

गृहस्थ धर्म (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० स० १८२४ । लि० का० सन् १२६१ साल । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती) ।→स० ०४–४५६ ।

गेंदलीला (पद्य)—अन्य नाम पचरतनी गेंदलीला' या 'पंचरतनी' । र० का० स० १८५४ । वि० श्रीकृष्ण की गेंद लीला ।
(क) लि० का० स० १६१७ ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीकात त्रिपाठी एम० ए०, डुकसहा, डा० कन्हैली (इलाहाबाद) ।
→स० ०१–२२१ ग ।
(ख) लि० का० स० १६२५ ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–५२० (अप्र०) ।
(ग लि० का० स० १६३४ ।
प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर ।→०६–६३ सी ।
(एक अन्य प्रति लाला कुदनलाल, बिजावर के पास है ।)

(ख) प्रा —ला भगवानदास पटवारी रामनगर तहसील (छतरपुर)।
→सं १–२२१ घ।

गेंदोराम (देव)—(?)
सुखपुराण (पद्य)→१६–११४।

गेवा—(?)
ज्योतिष (पद्य)→सं ४–७४।

गैबी जी (गबीजी)—कोई संत।
गबीजी की छबकी (पद्य)→सं ७–३५ क।
पद (पद्य)→सं ७–३५ ख।

गोकरणनाथ—नैमिषारण्य निवासी। सं १९११ के लगभग वर्तमान।
नैमिषारण्य महात्म्य (पद्य)→२६–१३३।

गोकर्ण महात्म्य (पद्य)—शिवसिंह (सेंगर) कृत। र का सं १९११। वि गोकर्ण महादेव की महिमा।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —ठा शिवसिंह जी का पुस्तकालय काँथा (उन्नाव)।→२६–४५२ ए।
(ख) लि का सं १९३७।
प्रा —श्री कुँवरलाल लखीपुर (उन्नाव)।→१६–४५२ बी।

गोकर्ण माहात्म्य (गद्य)—मक्खनलाल (खत्री) कृत। र का सं १९ ३। लि का सं १९१ । वि भक्ति और ज्ञान विषयक भागवत के कुछ अध्यायों का अनुवाद।
प्रा —पं रामनाथ शुक्ल खेड़वा डा मिश्रीखी (सीतापुर)। → २६–२८८ डी।

गोकुल→ गुणसागर (गुणसागर ग्रंथ के रचयिता)।

गोकुल (कवि)—वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी।
नखशिख (पद्य) →सं १–८६।

गोकुल (कायस्थ)—बलरामपुर (गोंडा) निवासी। महाराज दिग्विजयसिंह (बलरामपुर) तथा उनके ही के एक अन्य राजा कृष्णदत्त के आश्रित। सं १९११ के लगभग वर्तमान।
अष्टयाम प्रकाश (पद्य)→११–१२६; २६–१४१ ए।
कृष्णदत्त भूषण (पद्य)→सं ४–७५ क ख।
दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)→२६–१४१ बी।
नाम रत्नाकर (पद्य)→ ६–६५ ए।
नाम विनोद (पद्य)→ ६–६५ बी।
शक्ति प्रभाकर (पद्य)→सं १–८० क।
शोक विनाश (पद्य)→सं १–८० ख।

गोकुलकाड (पद्य)—दीनदास (दासाराम) कृत। लि० का० स० ८७५। वि० गोकुल में कृष्ण लीला।
प्रा०—नरसागी नरेश का पुस्तकालय, नरसागी।→०६–१६१ (विवरण अप्राप्त)।

गोकुल कृष्ण—कमलनयन के पिता। गोकुल (मथुरा) निवासी। स० १६०० के लगभग वर्तमान।→१२–६०।

गोकुलगोलापूरब—स० १८७१ में वर्तमान।
सुकमाल चरित्र (गद्य)→२६–१२८।

गोकुलचद—मथुरा निवासी। पिता का नाम हकीम रामचद। स० १६२७ के पूर्व वर्तमान।
सगुन परीक्षा (गद्य)→२६–१२७।

गोकुलचद्र प्रभाव→'उषाचरित्र' (क्षेमकरन मिश्र कृत)।

गोकुलजी के उपदेश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णभक्ति का उपदेश।
प्रा०—श्री अमोलकराम, न्योमेरस, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–१६६।

गोकुलनाथ (गोस्वामी)—गो० विट्ठलनाथ के पुत्र और वल्लभाचार्य के पौत्र। गोकुल (वृदावन) निवासी। वल्लभ सप्रदाय के अनुयायी। स० १६२५ मे वर्तमान।
अष्टछाप के कवियो की वार्ता (गद्य)→स० ०८–७६।
गुसाईजी की व्रज चौरासी कोस की वनयात्रा (गद्य) →२६–१२१ बी, स० ०१–८८ ज।
गोवर्द्धननाथ के प्रगटन समय की वार्ता (गद्य) →२६–१२१ ए, स० ०१–८८ झ।
चरणचिन्ह की भावना (गद्य)→स० ०१–८८ च।
चौरासी वैष्णवो की वार्ता (गद्य)→४१–५५ क, ख, ग, घ, स० ०१–८८ ङ।
त्रिविध भावना (भाषा) (गद्य)→स० ०१–८८ क।
नित्य सेवा शृगार की भावना (गद्य)→स० ०१–८८ ञ।
जप को प्रकार (गद्य)→स० ०१–८८ घ।
पुष्टिमार्ग के वचनामृत (गद्य)→३२–६५ ए।
रहस्य भावना (गद्यपद्य)→३२–६५ वी।
वल्लभाष्टक (गद्य)→३२–६५ ई।
वैष्णव लक्षण (ग्रथ) (गद्य)→स० ०१–८८ झ, ट।
व्रतचर्या की भाषा (गद्य)→३५–२८।
श्री आचार्य जी महाप्रभु जी की (प्राकट्य) वार्ता द्वादशकुज भावना (गद्य)→ स० ०१–८८ ग।
श्री महाप्रभुजी श्री गुसाँईजी के स्वरूप विचार (गद्य)→स० ०१–८८ ख।
सर्वोत्तम स्तोत्र (गद्य)→३२–६५ सी।
सिद्धात रहस्य (गद्य)→३२–६५ डी।

गोकुलनाथ (भट्ट)—काशी निवासी। रघुनाथ बंदीजन के पुत्र। मणिदेव और गोपीनाथ के पिता। काशी नरेश महाराज बलवंतसिंह महाराज चरितसिंह और महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित। सं १८१८ से १८७० के बीच वर्तमान।
अमरकोष (भाषा) (पद्य)→ -२ १-३६ ए।
कविमुख मंडन (पद्य)→०१-१५।
चेतचंद्रिका (पद्य)→ ४-१२ १-३६ बी; २ -८१; ११-११ ।
महाभारत दर्पण (पद्य)→ ४-६५; २६-१८४।
राधाकृष्ण विलास (पद्य)→ १-१५।
राधाकृष्ण नखशिख (पद्य)→ १-३६ सी।
सीताराम गुणार्णव रामायण लंकाकांड (पद्य)→ १-२१।
गोकुलप्रसाद→'गोकुल (कायस्थ)' ('ब्रजग्राम प्रकाश आदि के रचयिता)।
गोकुललीला (पद्य)—वृंदावनदास (चाचाजी) कृत। वि कृष्ण चरित्र।
प्रा —पं रमणलाल परीख (मथुरा)।→१८-११३ बी।
गोकुलाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि कृष्ण का गोपियों के साथ होली खेलना।
प्रा —पं भूपदेव शर्मा सिहामा डा भरना खुर्द (मथुरा)।→१८-१ १ डी।
गोकुलाष्टक की टीका (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि गोकुल माहात्म्य।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरौली।→सं १-४८६ ब।
गोकुलेशजी के घर की सेवा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वल्लभ संप्रदाय के विभिन्न उत्सव।
प्रा०—श्री शंकरलाल रामायणी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५-१६५।
गोगापैडी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि गोगा जी के जन्म की कथा।
प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-३९१।
गोगुहार (पद्य)—माधव कृत। वि गौ की दीन दशा का वर्णन।
प्रा —पं बोधसिंह श्रीछामई, डा शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→१५-१८।
गोचारण लीला (पद्य)—श्यामस्वरूप (त्रिपाठी) कृत। र का सं १६६७। लि का सं १६६७। वि भागवत दशमस्कंध के अनुसार श्री कृष्ण की गोचारण लीला।
प्रा०—पं रामकुमार त्रिपाठी मास्टर कन्हैयालाल रोड पेपरबाग लखनऊ।→सं ७-१८६।
गोत्रप्रवर दर्पण (गद्य)—अन्य नाम 'गोत्रप्रवर प्रकाशिका दर्पण'। कमलाकर (भट्ट) कृत। वि ब्राह्मणों के गोत्रों प्रवरों और विवाहादि संस्कारों का वर्णन।
(क) लि का सं १८२७।

प्रा०—प० दुर्गाप्रसाद मिश्र, एटा। →२६–१८१ बी।

(ख) लि० का० स० १६३०।

प्रा०—ठा० जोधासिंह, मिछलिया, डा० ईसानगर (खीरी)।→२६–२२० ए।

(ग) लि० का० स० १६४२।

प्रा०—श्री यज्ञदत्त शास्त्री, भानपुर, डा० महिंगलगज (सीतापुर)। → २६–२२० बी।

गोत्रप्रवर प्रकाशिका वर्णन→'गोत्रप्रवर दर्पण' (कमलाकर भट्ट कृत)।

गोदोहन लीला (पद्य)—गग कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोदोहन लीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–६६।

गोधन आगम (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० गोवर्द्धन पूजा।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी।→०१–१२१ (पाँच)।

गोप (कवि)—वास्तविक नाम गोपाल। जाति के भट्ट (भाट)। यदुराय भट्ट के पुत्र। निगम भट्ट के पौत्र। गोकुल निवासी। केशवराइ और बालकृष्ण नामक इनके दो भाई थे। ओड़छा के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। स० १७६७ के लगभग वर्तमान। इन्होंने गोकुल के एक प्रसिद्ध व्यक्ति बलभद्र दीक्षित का उल्लेख किया है, जिनके पिता का नाम रामकृष्ण और पितामह का नाम नदनाथ था तथा जिनके पाँव वल्लभ कुल के लोगों ने पूजे थे। नदनाथ दीक्षित दक्षिण से आये थे।

पिंगल प्रकरण (पद्य)→०६–३६ बी।

रामचद्राभरण (पद्य)→०६–३६ ए, स० ०४–७७।

गोपाल—अन्य नाम जनगोपाल या गोपालनाथ और जनजगन्नाथ। दादूदयाल जी के शिष्य। स० १६५७ के लगभग वर्तमान।

गुरुचौबीस की लीला (पद्य)→स० ०७–३६ क।

जड़भरथ चरित्र (पद्य)→००–२८, स० ०७ ३६ ख, ग।

दत्तात्रेय के चौबीस गुरु (पद्य)→२३–१८० ए।

दादूदयालजी की जन्मलीला (पद्य)→स० ०७–३६ घ, ङ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→००–२५, ०६–१७५, २३–१८० बी, २६–१२३ बी, सी, स० ०७ ३६ च, छ, ज।

पद (पद्य)→स० ०७–३६ झ।

प्रह्लाद चरित्र (पद्य)→००–२३, प० २२–४४, २३–१८० डी, २६–१२३ डी, स० ०७–३६ ञ, ट, ठ।

बारहमासा (पद्य)→१२–८३, स० ०७–३६ ड।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)→२६–१२३ ए, ४१–७४, स० ०७–५७ क, ख।

मोहविवेक की कथा (पद्य)→२३–१८० सी, स० ०७–३६ ढ।

गोपाल—सतनामी सप्रदाय के साधु। अग्निकुड (जयसिंहपुर) के निकट के निवासी। स० १८३१ के लगभग वर्तमान।

बोध प्रकाश (पद्य)→२१-१११ ।

गोपाल—कोर भट्ट । संभवतः चरखारी नरेश के आश्रित गोपाल (बंदीजन) । सं० १८५१ के लगभग वर्तमान ।

सुदामाचरित्र (पद्य)→ १-२५१ ।

गोपाल—कायस्थ । फतेहपुरसीकरी (आगरा) के निवासी । सं० १९ २ के लगभग वर्तमान ।

मदन विलास (पद्य)→२९-१२२ ।

गोपाल—प्रतापपुर (मारलपुर) निवासी । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।

भागवत (पद्य)→२६-१४६ सं० १-८९ ।

गोपाल—प्रकबगढ़ निवासी ।

गज विलास (गद्यपद्य)→०६-४१ ।

गोपाल—(?)

भाराधक शकुनावली (पद्य)→२ -५२ बी ।

रसलराज्य (भाषा) (पद्य)→२०-५२ ए ।

गोपाल→'गोप (कवि)' (गोकुल निवासी भाट) ।

गोपाल (कवि)—संभवतः श्यामदास के पुत्र गोपाल बंदीजन । महाराज भगवंतराय खींची के आश्रित । सं० १८५५ से १८७१ के लगभग वर्तमान ।→ ६-४ २३-४१ २६-१४७ ।

भगवंतराय की विरुदावली (पद्य)→ ६ ६८ ।

गोपाल (गुपाल)—(?)

मुलकुल बखान (पद्य)→१८-५४ ।

गोपाल (जन)—उप दास । मऊ रानीपुर (झाँसी) के निवासी । सं० १८११ के लगभग वर्तमान ।

चमत्कार (पद्य)→ १-१२ ४-१ ।

गोपाल (जन)—सिरसा (इलाहाबाद) निवासी ।

शिवाष्टक (पद्य)→सं० १-९ ।

हनुमताष्टक (पद्य)→सं० १-९ ।

गोपाल (जनगोपाल)—(?)

रासपंचाध्यायी (पद्य)→४१-५६ ।

गोपाल (दास गोपाल)—(?)

रामरसिक रागमाला (पद्य)→सं० ४-७८ ।

गोपाल (बकसी)—संभवतः बीकानेरेश महाराज विश्वनाथसिंह के मंत्री । सं० १८८८ के लगभग वर्तमान ।

कवित्त शृंगार पचीसी तिलक समेत (गद्यपद्य →२३-११२ सं० ७-१७ ।

गोपालअष्टक (पद्य)—नारायण (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १६२८। वि० कृष्ण स्तुति।

प्रा०—प० भैरवप्रसाद गौड़, भगवतपुर, डा० मेंडू (अलीगढ) ।→२६–२४७ डी।

गोपालगारी (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि० राधाकृष्ण विवाह।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–४६३।

गोपालचंद्र→'गिरधरदास' (भारतेंदु जी के पिता)।

गोपाल चरित्र (पद्य)—चंदेगोपाल कृत। वि० कृष्णचरित्र।

प्रा०—प० हरिहरप्रसाद बाजपेजी, डा० मोजुमाबाद (फतेहपुर)।→२०–२७।

गोपालजन→'गोपाल' (दादूदयाल के शिष्य)।

गोपालदत्त—(?)

शृंगार पचीसी (पद्य)→०६–२५४।

गोपालदास—वास्तविक नाम रामनारायण। गुरु का नाम सोहंगदास। ग्रंथ स्वामी के श्वसुर। भट्ट पुरवा ग्राम (रहीमाबाद, लखनऊ) के निवासी।

गोपाल सागर (पद्य)→सं० ०७–३८।

गोपालदास—गो० व्रजभूषण के शिष्य।

गुरुभक्ति चंद्रिका (पद्य)→सं० ०१–६२ ख।

गुरुहरिभक्ति प्रकाश (पद्य)→सं० ०१–६२ क।

गोपालदास—(?)

परमादि विनती (पद्य)→१७–६४।

गोपालदास—'ख्यालटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → २०–१७ (अठारह)।

गोपालदास (चारण)—छत्तीसगढ (मध्यप्रदेश) तथा रतनपुर (बिलासपुर) निवासी। गंगाराम के पुत्र। माखन के पिता। रतनपुर के राजा राजसिंह के यहाँ पिता और पुत्र चारण थे।

कर्म शतक (पद्य)→४१–५७ क।

कीर्ति शतक (पद्य)→४१ ५७ ख।

पुन्य शतक (पद्य)→४१–५७ ग।

विनोद शतक (पद्य)→४१–५७ घ।

वीर शतक (पद्य)→४१–५७ ङ।

शृंगार शतक (पद्य)→४१–५७ च।

गोपालदास (द्विज)—रामनगर के निकट लखनपुर के निवासी। सनातनी संप्रदाय के अनुयायी। रामकोटा की गद्दी के स्वामी रामप्रसाद के पूर्व गुरु। सं० १६०८ के लगभग वर्तमान।

रामगीता (पद्य)→२३–१३३ ए।

रामायण माहात्म्य (पद्य)→२३–१३३ बी, २६–१४८ ए, बी।

गोपालदास (स्वर्णकार)—किसी गंगाविष्णु के शिष्य।
गोवर्द्धन चरित्र (पद्य)→ई १-६१।

गोपालनाथ→'गोपाल (दादूदयाल के शिष्य)।

गोपाल पचीसी (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १९२२। वि० कृष्ण स्तुति।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-८६ बी।

गोपालयज्ञ (पद्य)—शंकर कृत। वि० चिमनसिंह नामक राजा के गोपाल यज्ञ का वर्णन।
प्रा०—पं० बाँकेबिहारीलाल श्री बिहारी जी का मंदिर खेरागढ़ (आगरा)।
→१२-१६५।

गोपालराय→'नवीन (कवि)' ('प्रबोधरस सुधासागर' के रचयिता)।

गोपालराय (भाट)—प्रवीणराय (नंगराय) के पुत्र। वृंदावन निवासी। चैतन्य
महाप्रभु के अनुयायी। रागवल्लभ भट्ट के शिष्य। पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह
के छोटे भाई राजा अजीतसिंह के आश्रित। सं० १८८५-१९०७ के लगभग
वर्तमान।
दंपति वाक्य विलास (पद्य)→१२-६२-ए; पं० २२-३२ बी।
दूषण विलास (पद्य)→१२-६२ एच।
ध्वनि विलास (पद्य)→१२-६२ ई।
भाव विलास (पद्य)→ २-६२ डी।
भूषण विलास (पद्य)→१२-६२ आई।
मान पचीसी (पद्य)→ ६-१०७ ए।
रससागर (पद्य)→१२-६२ बी १७-११२ पं० २२-३२ सी।
रासपंचाध्यायी सटीक (पद्य)→१२-६२ एफ पं० २२-३२ ए।
वंशीलीला (पद्य)→१२-६२ के।
यमयात्रा (पद्य)→१२-६२ सी।
वर्षोत्सव (पद्य)→१ ६२ एल।
वृंदावन धामानुरागावली (पद्य)→ ६ १०७ बी १२-६२ जे।
वृंदावन माहात्म्य (पद्य)→१२ ६२ टी।

गोपाललाल— बंदीजन। श्यामलाल के पुत्र। चरखारीनरेश राजा रत्नसिंह के आश्रित।
संभवतः मार्तंडराय गोस्वामी के भी आश्रित। इन्हें 'सुकवि' की उपाधि मिली थी।
सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।
चारौं विद्यार्थी के गुण दूषण (पद्य)→२६-१८७ ए, बी; २६-१०८।
शिक्षा सार (पद्य)→०६-८ ए।

गोपालदास—पटियाला निवासी। संभवतः वहीं के दरबार में सेवक। सं० १९११ के
लगभग वर्तमान।

अस्फुटिक कवित्त (पद्य)→पं० २२–११६ ए।

वैराग्यशति (पद्य)→प० २२–११६ बी।

गोपाललाल—गिरधर (लाल) के पिता। काशी के गोपालमदिर के अध्यक्ष। स० १८४८ के लगभग वर्तमान।→००–६।

क्षेत्रकौमुदी (गद्यपद्य)→२३–१३४।

गोपाललालजी काशी पधारे सो प्रकार (गद्य)—शिवदयाल कृत। लि० का० स० १९७६। वि० गोपाललाल जी के काशी में आने का वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२६२।

गोपाल सहस्रनाम सटीक (गद्य)—भवानीप्रसाद (ब्राह्मण) कृत। र० का० स० १९२१। लि० का० स० १९२१। वि० सस्कृत के 'गोपालसहस्रनाम' का अनुवाद।

प्रा०—प० गोविंदराम, हिंगोटखिरिया, डा० बमरौलीकटारा (आगरा)। →२६–४२।

गोपाल सागर (पद्य)—गोपालदास कृत। वि० सतमतानुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० चद्रभान बाजपेयी, भट्टपुरवा, डा० रहीमाबाद (लखनऊ)।→स० ०७–३८।

गोपालसिंह (कुँवर)—महाराज त्रिलोकसिंह के पुत्र। बुदेलखड निवासी। स० १७५८ के लगभग वर्तमान।→०६–३२१।

राग रत्नावली (पद्य)→०६–४२।

गोपिकालकार→'रसिकदास' ('कीर्तन सग्रह' के रचयिता)।

गोपिकालकार (गोस्वामी)—श्री वल्लभाचार्य के वशज। मथुरानाथ जी के पौत्र और द्वारिकेश जी के पुत्र। इनके एक पुरखे श्री वल्लभ जी थे जो काकावल्लभ जी के नाम से प्रसिद्ध थे।

श्रीनाथजी की सेवा विधि (गद्य)→स० ०१–६३।

गोपीकृष्ण की बारहखड़ी (पद्य)—अन्य नाम 'ऊधोजी की बारहखड़ी' और 'बारहखड़ी'। सतदास कृत। वि० शृगार।

(क) लि० का० स० १८६१।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→स० ०७–१८७।

(ख) लि० का० स० १८७३।

प्रा०—प० रामस्वरूप शुक्ल, सुभानपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–४२८ बी।

(ग) लि० का० स० १८८६।

प्रा०—श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान, दारागज, प्रयाग।→४१–५६६ (अप्र०)।

(घ) प्रा०—बाबू विश्वेश्वरनाथ, शाहजहाँपुर।→१२–१६६।

(ख) प्रा —महंत मोहनदास द्वारा बाबा पीतांबरदास गौनामऊ डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-४२८ ए।

गोपीचंद—बंगाल के राजा। माता का नाम मैनावैती (गोरखनाथ की शिष्या)। माता के उपदेश से विरक्त हुए। जालंधरनाथ के शिष्य। पूर्व नाम राजा गोविंदचंद्र। 'सिद्धों की बानी' में भी संग्रहीत। →४१-५६।

सबदी या माता मैनावँती गोपीचंद संवाद (पद्य) →सं १०-२७।

गोपीचंद (पद्य)—रामप्रसाद (?) कृत। वि धारानगर के राजा गोपीचंद के वैराग्य की कथा।

प्रा॰—पं महेश्वरप्रसाद गौड़ डा कोसी (मथुरा)।→१८—११७।

गोपीचंद का ख्याल (पद्य)—डूँगरलाल कृत। वि राजा गोपीचंद के योगी होने की कथा।

प्रा —पं शोभाराम दूबे उनियाकलाँ डा मैगालगंज (सीतापुर)। →२६-११।

गोपीचंद की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं सीताराम मानपुर, डा बारा (इलाहाबाद)। →सं १-५१।

गोपीचंद चरित्र (पद्य)—खेमदास कृत। लि का सं १७६७। वि राजा गोपीचंद की कथा।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी। →सं ७-२७ ख।

गोपीचंदजी की महिमा के पद (पद्य)—कालू कृत। लि का सं १८८६। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१० क।

गोपीचंद भरथरी→ गोपीचंद लीला (लछिमनदास कृत)।

गोपीचंद राजा की कथा (पद्य)—मैनावती कृत। लि का सं १९१७। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —महाराज महेंद्रमानसिंह जी ग्राम तथा डा नौगवाँ (आगरा)। →२६-२१७।

गोपीचंद लीला (पद्य)—अन्य नाम गोपीचंद भरथरी। लछिमनदास कृत। र का सं १९०५। वि राजा गोपीचंद की कथा।

(क) लि का सं १९१५।

प्रा —श्री रामस्नेही केशवपुर (खीरी)। →२६-२५५ ए।

(ख) लि का सं १९३३।

प्रा —लाला सीताराम सांगीतप्रका हीमापुर डा गोलागोकर्णनाथ (खीरी)। →२६-२५५ बी।

गोपीनाथ—गोकुलनाथ वदीजन (काशी निवासी) के पुत्र। काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के आश्रित। महाभारत के अनुवाद में गोकुलनाथ और मणिदेव के सहयोगी। स० १८७० के लगभग वर्तमान। →०४–६५, २६–२६३।

शातिपर्व (पद्य) →२६–१४६।

गोपीनाथ—हित हरिवंश के तृतीय पुत्र। हित लालस्वामी के गुरु। →१२–४६, १२–१०२।

गोपीनाथ (द्विज)—आगरा निवासी। पूर्वज दिहुली ग्राम (मैनपुरी) निवासी। गुरु का नाम चतुर्भुज मिश्र। स० १६३६ में वर्तमान।

भागवत (दशम स्कंध पूर्वार्द्ध भाषा) (पद्य) →२६–१२६।

गोपीनाथ (पाठक)—काशी निवासी। स० १६२१ के पूर्व वर्तमान।

तुलसीसतसई सटीक (गद्यपद्य) →२३–१३५।

गोपी पचीसी (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० गोपियों की विरह कथा।

(क) लि० का० स० १६२०।

प्रा०—बलरामपुर नरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →२०–५८ ए।

(ख) प्रा०—श्री ब्रह्मभट्ट नानूराम, जोधपुर। →०१–६०।

(ग) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कौंथा (उन्नाव)। →२३–१४६ सी।

(घ) प्रा०—ठा० हरिबक्ससिंह रईस, अथरिया, प्रतापगढ। →२६–१६१ ए।

(ङ) प्रा०—प० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६–१३५ ए।

(च) प्रा०—श्री गणपति शर्मा, शाहदरा, दिल्ली। →दि० ३१–३४।

गोपी बलदाऊ की बारामासी (पद्य)—किंकर (प्रभु) कृत। लि० का सं० १६१४। वि० गोपियों का विरह।

प्रा०—प० गयादीन तिवारी, बिलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)। →२६–२४१।

गोपी माहात्म्य (पद्य)—सुदरकुँवरि कृत। र० का० स० १८४६। वि० स्कदपुराण के आधार पर राधाकृष्ण विहार वर्णन।

प्रा०—साधु निर्मलदास, बेरू (जोधपुर)। →०१–१००।

गोपी विरह (पद्य)—बैजनाथ कृत। र० का० सं० १६१४ (?)। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० स० १६४७।

प्रा०—श्री अमरनाथ शुक्ल, नउआडीह, डा० बादशाहपुर (जौनपुर)। →स० ०१–२४४।

(ख) लि० का० स० १६४८।

प्रा०—ठा० रामपालसिंह, दातागाँव, डा० बरताल (सीतापुर)। →२६–२४ ए।

गोपीविरह छंदावली→'गोपीविरह' (बैजनाथ कृत)।

गोपीविरह माहात्म्य (पद्य)—रामाराम (दीनदास) कृत । र का सं १९१८ । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १९३६ ।
प्रा —लाला महावीरप्रसाद, कचहरी का घूमरी (एटा) ।→२६-६ बी ।
(ख) लि का सं १९४८ ।
प्रा —ठा रामपालसिंह ग्रामगाँव का बरताल (सीतापुर) ।→२६-६ ए ।

गोपीश्याम संदेश (पद्य)—हरिदास (जैन) कृत । र का सं १८७६ । वि गोपी उद्धव संवाद ।
प्रा —पं बद्रीप्रसाद शर्मा, सिहौरा, डा महावन (मथुरा) ।→१५-१७ ए ।

गोपी सागर (पद्य)—कुशलसिंह कृत । लि का सं १८८१ । वि गोपी उद्धव संवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-१८ ख ।

गोपी सागर (पद्य)—नारायणदास कृत । लि का सं १८९८ । वि कृष्ण संबंधी पौराणिक कथाएँ तथा गोपी उद्धव संवाद ।
प्रा —पं भवानीप्रसाद मिश्र कटैला डा मिहीपुरवा (बहराइच) । →२३-२६८ ।

गोपेश्वर—गो विट्ठलनाथ के वंशज । हरिराय के छोटे भाई । सं १५९७ के लगभग वर्तमान ।
शिक्षापत्र टीका (गद्य) →१७-८८ (परि १) १५-६६ ए, बी सी; १८-५१ ए, बी ।

गोपेश्वर अष्टक (पद्य)—मथुरदास कृत । वि गोपेश्वर महादेव की विनती ।
प्रा —रा देवीसिंह अहमदपुर डा सिकिमानी (मैनपुरी) ।→१२-४१ ए ।

गोमटसार की सम्यक ज्ञान चंद्रिका नाम टीका (पद्य)—टोडरमल कृत । र का सं १८१८ । वि जैन दर्शन के 'गोमटसार' नामक प्राकृत ग्रंथ की टीका ।
(क) लि का स १८२१ ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा) बाराबंकी ।→२३-४२६ ए ।
(ख) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १०-४६ क ।

गोमतीगिरि (परमहंस)—संभवतः अयोध्या निवासी गोमतीदास ।→ १-३ ।
तत्वज्ञान दीपक (पद्य)→२६-१४५ ।

गोमतीदास—अयोध्या निवासी । रामानुज संप्रदाय के वैष्णव । सं १९१५ के लगभग वर्तमान ।
रामायण (पद्य)→ १-६ ।

गोरक्षार्थ या योगशतक टीका (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १७३१ । वि योग ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२२७ ।

गोरखकबीर की गोष्ठी→'कबीरगोरख की गोष्ठी' (कबीरदास (कृत) ।

गोरख कुडली (गद्य)—गोरखनाथ कृत । लि० का० स० १८४५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉकरोली ।→स० ०१-१०० घ ।

गोरख गणेश गोष्ठी (गद्यपद्य)—मेवादास कृत । लि० का० स० १७६८ । वि० अध्यात्म सबधी प्रश्नोत्तर ।

प्रा०—श्री महत जी, डिडवाना राज्य (जोधपुर) ।→२३-२८१ बी ।

गोरखगणेश गोष्ठी→'गोरखगणेश सवाद' (गोरखनाथ कृत) ।

गोरखगणेश सवाद (गद्य)—अन्य नाम 'गोरखगणेश गोष्ठी' । गोरखनाथ कृत । वि० गणेश और गोरखनाथ के सवाद के रूप मे ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का स० १८३६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स० ०७-३६ घ ।

(ख)→०२-६१ (तीन) ।

(ग) →प० २२-३३ बी ।

गोरख ग्रथ (पद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्रीमती बच्ची मिश्राइन, रामपुर पंडितान, डा० रामदयालगज (जौनपुर) । →सं० ०१-१०० ख ।

गोरख चिंतामणि (गद्य)—गोरखनाथ कृत । वि० योग और इद्रजाल ।

प्रा० —प० श्यामसुदर, रारीजोत, डा० नरखुरिया (बस्ती) ।→स० ०७-३६ ङ ।

गोरखदत्त गोष्ठी—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में सगृहीत ।→०२-६१ (पाँच) ।

गोरखनाथ—सुप्रसिद्ध महात्मा । गोरखपथी सप्रदाय के सस्थापक । मत्स्येंद्रनाथ के शिष्य । कुछ लोगों के मत से उनके (मत्स्येंद्रनाथ के) पुत्र । सभवत गोरखपुर के प्रसिद्ध मदिर के सस्थापक । विक्रम की पद्रहवीं शती के आरभ म वर्तमान ।

अवलिसिलूक (ग्रथ) (गद्य) →स० ०७-३६ क ।

आरती (पद्य) →स० ०७-३६ ख ।

काफिरबोध (पद्य) →स० ०७-३६ ग ।

गोरखकुंडली (गद्य) →स० ०१-१०० घ ।

गोरखगणेश संवाद (गद्य)→०२-६१ (तीन), प० २२-३३ बी, स० ०७-३६ घ ।

गोरख ग्रथ (पद्य) →स० ०१ —१०० ख ।

गोरख चिंतामणि (गद्य) →स० ०७-३६ ङ ।

गोरखनाथ की तिथि वार ग्रह→प० २२-३३ सी ।

गोरखनाथ की बानी (गद्यपद्य) →०६-६६ ।

गोरखनाथजी का पद (पद्य) →पं० २२-३३ डी ।

गोरखनाथजी के पद (पद्य) →०२-६१ (तीन) ।

गोरखबोध (गद्यपद्य) →०२-६१, स० ०१-१०० ग ।

गोरखमहादेव संवाद (गद्य) → २–६१ (चार) पं २१–११ भ्राइ सं ७–१६ ध ।

गोरखशत (गद्य) →पं २२–११ एफ ३५–३ ए ।

गोरखलक्ष्मी →पं २२–११ ई ।

गोरखसार (गद्य) → १–८८ ।

योगमंजरी (गद्य) →३५–३ बी ।

योगेश्वरी साखी→ २–६१ (दो) ।

ज्ञानचौंतीसी→२–६१ (सत्रह) पं २२–११ बी ।

ज्ञानतिलक→ २–६१ (चार) पं २१–११ एच ।

ज्ञानसिद्धांत योग→ २–६१ (एक) ।

दत्तगोरख संवाद→ २–६१ (पाँच) ।

दयाबोध→ २–६१ (दस) पं २१–११ ए ।

नरवेबोध→ २–६१ (सात) २–६१ (ग्यारह) सं ७–१६ ड ।

निरंजनपुराण→पं २१–११ बे ।

पंद्रहतिथि ग्रंथ (पद्य)→सं ७–१६ च ।

रत्नमाला (पद्य) →सं ७ १६ झ ।

रोमावली (पद्य) →सं ७–१६ म ।

रोमावली (गद्य) सं ७–१६ ढ ।

विराटपुराण→ २–६१ (छै) ।

वेद गोरखनाथ कृत (पद्य) →सं १–२ क ।

शब्दसार (पद्य) सं ७–१६ ठ ।

सबदी (गद्यपद्य)→सं ४–७६ ।

साखी सबदी (पद्य)→सं ७–१६ ञ ।

सुमवेद (पद्य) →सं १०–१ ट ।

टि सो वि २–६१ का हस्तलेख छोटी छोटी २७ पुस्तकों का संग्रह ग्रंथ है ।

गोरखनाथ की तिथि वार प्रह—गोरखनाथ कृत ।→पं २२—११ सी ।

गोरखनाथ की बानी (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । र का सं १४ ७ । लि का सं १८५५ । वि ज्ञान वैराग्य ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४८–६६ ।

गोरखनाथजी का पद (पद्य)—गोरखनाथ कृत ।→पं २२ ११ डी ।

गोरखनाथजी की सतरा कला—गोरखनाथ कृत । गोरखबोध में संगृहीत । → २–६१ (चौदह) ।

गोरखनाथजी के पद (पद्य)—गोरखनाथ कृत ।→ २–६१ (तीन) ।

गोरखबोध (गद्यपद्य)—गोरखनाथ कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १८५६ ।

प्रा०—श्री बैजनाथ मिश्र, पंडितपुरा, डा० जॅफई (जौनपुर)।→स० ०१–१०० ग।

(ग) प्रा०—जोधपुर नरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-६१।

टि० खो० वि० ०२–६१ का हस्तलेख निम्नांकित छोटी छोटी २७ पुस्तकों का संग्रह है—१ गोरखबोध, २ रामबोध, ३ गोरखगणेश गोष्ठी, ४ महादेवगोरख गुष्ट, ५ गोरखदत्त गोष्ठी, ६ काफरबोध, ७ सिष्टपुराण, ८ पंचमात्रीजोग, ९ अभैमात्रा, १० दयाबोध, ११ नरवैबोध, १२ अवलिसिलूक, १३ सप्तवार, १४ गोरखजी की सतराकला, १५ आतमबोध, १६ प्राणसाँकली, १७ ज्ञानचौंतीसी, १८ ज्ञानतिलक, १९ मछींद्रबोध, २० रहरास, २१ नाथजोगी तिथ, २२ बत्तीसलच्छण, २३ अभयमात्राजोग, २४ ब्रत गोरखनाथजी का, २५ निरंजनस्तुति-करी, २६ सिद्धकर्चाय गोरखनाथजी का, २७ सिष्टपरमाँणु ग्रंथ।

गोरख महादेव संवाद (गद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–३६ न।

(ख)→०२-६१ (चार)।

(ग)→प० २२–३३ आइ।

गोरखशत (गद्य)—अन्य नाम 'गोरखसत पराक्रम (भाषा)' तथा 'अष्टांगजोग साधन विधि'। गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञान वैराग्य।

(क) प्रा०—डा० पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५–३० ए।

(ख)→प० २२–३३ एक।

गोरख शब्दी—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।→प० २२–३३ इ।

गोरखसत पराक्रम (भाषा)→'गोरखशत' (गोरखनाथ कृत)।

गोरखसार (गद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० योग साधन।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३–८५।

गोराबादल—चित्तौड़ के दो सैनिक। सं० १३६० के लगभग वर्तमान। ये सैनिक चित्तौड़ की लड़ाई में राणा रतनसेन की ओर से अलाउद्दीन से लड़कर मारे गये थे।→००–२४, ०१–४८।

गोराबादल की कथा (गद्यपद्य)—जटमल (जाट) कृत। र० का० सं० १६८०। वि० मेवाड़ की रानी पद्मावती की रक्षा के लिए गोराबादल का युद्ध।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–४८।

गोराबादल की वार्ता (पद्य)—जटमल (जाट) कृत। वि० रानी पद्मावती के लिये अलाउद्दीन के चढ़ाई करने पर गोरा बादल की वीरता का वर्णन।

प्रा०—पं० मदनलाल मिश्र ज्योतिषी, लक्ष्मण जी के मंदिर के पीछे, भरतपुर।→३८–७१।

गोरा बादल पद्मिनी चौपाई (पद्य)—हेमरतन कृत । र का सं १६४५ । वि पद्मिनी चरित्र वर्णन ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं १–४६४ ।

गोरा बादल रासव→'पद्मिनी चरित्र (लालचंद कृत) ।

गोरेलाल (पुरोहित)—उप लाल कवि । मऊ निवासी । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के आश्रित । सं १८२१ के लगभग वर्तमान ।
छत्रप्रकाश (पद्य)→ १–४२ बी २१–१५ ।
बरवै (पद्य)→ १–४१ ए ।
विष्णुविलास (पद्य)→२१–२४१ ।

गोलोक की खिचड़ी (पद्य)—मंगीलाल कृत । वि कृष्णावतार का वर्णन ।
प्रा —ठा महतावसिंह सींगेमइ डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२–१४१ ।

गोवर्द्धन— क्ष्मालतिका नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं ।→ २–५७ (चालीस) ।

गोवर्द्धन चरित्र (पद्य)—गोपालदास (स्वर्णकार) कृत । वि श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला ।
प्रा०—श्री कमलनयन हरगनिया गौड़ अहियापुर इलाहाबाद ।→सं १–९१ ।

गोवर्द्धनदास—राधावल्लभ संप्रदाय के साधु ।
गोवर्द्धनदास की बानी (पद्य)→२३–१३६ ।

गोवर्द्धनदास (सारस्वत)—कोटपुतली निवासी । सं १९१७ के लगभग वर्तमान ।
सुंदरीविलास (पद्य)→२६–१५२ ।

गोवर्द्धनदास की बानी (पद्य)—गोवर्द्धनदास कृत । वि भक्ति उपदेश आदि ।
प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→२३–१३६ ।

गोवर्द्धनधर (मिश्र)—किशौर (कानपुर) निवासी । सं १९२४ के लगभग वर्तमान ।
विष्णु विनोद (पद्य)→२६–१५१ सी ।
शिव विनोद (पद्य)→२६–१५१ बी ।
शिव विलास (पद्य)→२६–१५१ ए ।

गोवर्द्धननाथ के प्रगटन समय की वार्ता (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत ।
वि गोवर्द्धननाथ का प्रकट होना और उनका चरित्र वर्णन ।
(क) लि का सं १९ ४ ।
प्रा०—श्री रमाविलास पुस्तकालय आजमगढ़ राज्य (आजमगढ़) । → सं १–८८ ह ।
(ख) लि का सं १९२५ ।
प्रा०—पं विश्वेश्वरदयाल प्रधानाध्यापक, ग्राम तथा डा जैतपुरकलाँ (आगरा) →२९–१२१ ए ।

गोवर्द्धननाथजी की वार्ता प्रागट्य की→'गोवर्द्धननाथ के प्रकटन समय की वार्ता' (गो० गोकुलनाथ कृत)।

गोवर्द्धन पूजा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री गौरीशकर शुक्ल शास्त्री आयुर्वेदाचार्य, ग्राम तथा डा० जगनेर (आगरा)।→२६–३७६।

गोवर्द्धनरूप माधुरी (पद्य)—चतुर्भुजदास (चत्रभुजदास) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—प० दयानद, रामपुर, डा० छोटी कोसी (मथुरा)।→३८–२८।

गोवर्द्धनलाल (गोस्वामी)—कृष्णदास के गुरु। राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव।→१२–६६।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—गगाधर कृत। वि० कृष्ण के गोवर्द्धन धारण का वर्णन।
(क) प्रा०—प० रामदत्त त्रिपाटी, निधूना (इटावा)।→३८–५० ए।
(ख) प्रा०—श्री रामप्रसाद चौधरी, साम्हो (इटावा)।→३८–५० बी।
(ग) प्रा०—प० धन्नू महाराज, चिल्ला, डा० शाहदरा (दिल्ली)। → दि० ३१–३२।

गोवर्द्धनलीला (गद्यपद्य)—गोविंददास कृत (सगृहीत)। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–६५।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—गौरीशकर कृत। लि० का० स० १६३०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा नारायणाश्रम कुटी, डा० मोहनपुर (एटा)।→२६–१०२ बी।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—नारायणदास (ब्रजवासिया) कृत। लि० का० स० १८२८। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१६२ क।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—रामदास (बरसानिया) कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
(क) लि० का० स० १८२७।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–३४७ क।
(ख) प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → स० ०१–३४७ ख।
(ग) प्रा०—नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–३४७ ग।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—सूरदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
(क) प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन (भरतपुर)। → १७–१८६ ई।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–४६१ ट।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—हरिदास (हरिराय ?) कृत। वि० श्रीकृष्ण की गोवर्द्धन लीला।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली। [illegible]

गोवर्द्धनलीला (पद्य)—हरिनाम (मिश्र) कृत। लि का सं १९ ८। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं रेवतीरमण वरी डा बरारी (मथुरा)।→१८–५८ ए।

गोवर्द्धन समय के कवित्त (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि गोवर्द्धन लीला।

प्रा —पं भूपदेव शर्मा सिहाना डा भरनाकुर्द (मथुरा)।→१८–१ १ सी।

गोविंद—अन्य नाम गोविंददास। संभवतः मीरगहाँपुर (इलाहाबाद) के निवासी।

कवित्त (पद्य)→सं १–६४।

गोविंद—(?)

उत्सव के प्रकार वैष्णवों के नित्यकर्म गोवर्द्धन लीला (गद्यपद्य)→सं १–६५।

गोविंद—'पदावलटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। → २–५७ (आठ)।

गोविंद→ जयगोविंद (फतहदास के गुरु)।

गोविंद→ रसिकगोविंद (युगलरस माधुरी के रचयिता)।

गोविंद (कवि)—किसी कायम खाँ (संभवतः मालवा के सूबेदार मैं रू के पुत्र) सूबेदार के आश्रित। संभवतः सं १७८ के पश्चात् वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→सं ४–८ ।

गोविंद (कवि)—पंदेरी (?) के राजा काशीराम के आश्रित।

कंठाभूषण (पद्य)→सं ४–८१।

गोविंद (कवि 'मिस)—ब्राह्मण।

महाभारत (विराटपर्व) (पद्य)→सं ४–८२।

गोविंद (सुकवि)—(?)

राधामुख षोडशी (पद्य)→४१–६१।

गोविंद (सुकवि)→हरगोविंद (वाजपेयी) ('करुणाभरण' के रचयिता)।

गोविंदचंद (राजा)→ गोपीचंद ('सबदी' के रचयिता)।

गोविंदचंद्रिका (पद्य)—रामाराम कृत। र का सं १८७० (?) वि भागवत (दशमस्कंध) एवं एकादशीव्रत वर्णन।

(क) लि का सं १९ २।

प्रा —पं रामदुलारे, रेवा (बाराबंकी)।→२३–१७१।

(ख) लि का सं १९१७।

प्रा॰—श्री मोतीलाल ब्रासमत रायबहादुर मुंशी कन्हैयालाल विप्री क्वीकर एतमादपुर (आगरा)।→२६–१५७।

(ग) लि का सं १९११।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२६३ ए (विवरण अप्राप्त)।
(एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

गोविंददास—शिवसिंह सरोज मे उल्लिखित गोविंददास व्रजवासी और भक्तमाल में उल्लिखित गोविंददास भक्तमाली। नाभादास जी के शिष्य। स० १५१६ मे वर्तमान।
पद (पद्य)→स० ०७–४०।

गोविंददास—अयोध्या निवासी। सभवत. 'एकातपद' के रचयिता गोविंददास।
गोविंददास की बारहमासी (पद्य)→२६–१५४।
सीताराम की गीतहोली आदि (पद्य)→२०–५३।

गोविंददास—सभवत. अयोध्या निवासी गोविंददास।→२०–५३, २६–१५४।
ज्योनार (पद्य)→३२–६६ सी।
धमारि व चरचरी (पद्य)→३२–६६ बी।
बत्तीस अक्षरी (पद्य)→३२–६६ ए।
विष्णुपद तथा होरी आदि का सग्रह (पद्य)→३२–६६ डी।

गोविंददास—जन्मकाल स० १६७२ के लगभग। अयोध्या निवासी गोविंददास भी सभवत यही हैं।
एकातपद (पद्य)→१७–६३।

गोविंददास—(?)
ककाबत्तीसी (पद्य)→स० ०४–८३।

गोविंददास—(?)
शब्द विष्णु पद (पद्य)→स० ०१–६६।

गोविंददास—छविनाथ कवि ('माधव सुयश प्रकाश' के रचयिता) के पिता। बगसर (बैसवाड़ा) निवासी।→स० ०१–११५।

गोविंददास→'गोविंद' ('कवित्त' के रचयिता)।

गोविंददास की बारहमासी (पद्य)—गोविंददास कृत। लि० का० स० १६३५।
वि० राधाकृष्ण वियोग।
प्रा०—प० गोविंदलाल, निहालपुर, डा० नारायणदास का खेड़ा (उन्नाव)।→२६–१५४।

गोविंद पंडित (काश्मीरी)—काश्मीरी पंडित।
मुमोक्षशास्त्र (गद्य)→स० ०१–६७।

गोविंदप्रभु→'गोविंदस्वामी' ('गीतचिंतामणि' आदि के रचयिता)।

गोविंदप्रभु की बानी (पद्य)—गोविंदस्वामी कृत। वि० कृष्ण लीला।
(क) प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नयामदिर, गोकुल (मथुरा)→३२–६७ ए।
(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी।→४१–६० क।

गोविंदराम (सीम)—आत्माराम के मित्र । कोंयड़ा (पंजाब) निवासी । सं १८८१ के लगभग वर्तमान ।→पं २१-९ ।

गोविंदसाह—सं १९१ के पूर्व वर्तमान ।
  कलियुग के कवित्त (पद्य)→२१-१२५ ए, बी सं १-९६ ।

गोविंद विलास (पद्य)—अन्य नाम 'हरिविलासाष्टक । हरिविलास कृत । र का सं १९११ । वि राम और कृष्ण चरित्र ।
  (क) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-४८८ ।
  (ख) प्रा —राजपुस्तकालय किला प्रतापगढ़ ।→सं ४-४४१ ।

गोविंदसाहब—मीखादास के शिष्य । पलटूदास के गुरु । सं १७९२ के लगभग वर्तमान ।→२ -१८ ।

गोविंदसिंह (गुरु)—सिखों के नवें गुरु तेगबहादुर के पुत्र और दसवें तथा अंतिम गुरु । जन्म सं १७२१ । सं १७६५ में मृत्यु । इन्होंने सिख जाति को नवीन चेतना प्रदान की थी ।
  चंडीचरित्र (पद्य)→ १-५ ।
  त्रियाचरित्र (पद्य)→२६-१५५ ।

गोविंद स्तुति (पद्य)—भद्रकमनि कृत । वि स्तुति ।
  प्रा•—श्री महादेव मिश्र बड़हरा डा कसिया (गोरखपुर) ।→ सं १-२६७ ।

गोविंद स्वामी—अन्य नाम गोविंदप्रभु । संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी । अष्टछाप के कवि । जनश्रुति है कि वे पद बनाकर यमुना में बहा दिया करते थे । इनकी भक्तीजी ने २५२ पद और ११ धमार बचा लिए थे । र का सं १६ •–१६२५ ।
  गीतचिंतामणि (पद्य)→ –६१ १२–६६ ।
  गोविंदप्रभु की बानी (पद्य)→१२–६७ ए, ४१–६ क ।
  गोविंदस्वामी के पद (पद्य)→१२–६७ बी ४१–६ ग सं १–९८ क, ख ग सं ४–८४ ।
  पदावली (पद्य)→४१–६ ख ।
  श्रीनाथजी के शृंगारन के बरनन के नौ रंग (पद्य)→सं १–९८ घ ।

गोविंद स्वामी क कीर्तन या पद्→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत) ।

गोविंद स्वामी के दो सौ बावन कीर्तन→ गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत) ।

गोविंद स्वामी के पद (पद्य)—गोविंद स्वामी कृत । वि कृष्ण भक्ति ।
  (क) लि का सं १८८१ ।
  प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग कांकरौली ।→सं १–९८ ग ।
  (ख) प्रा•—श्री कमनाप्रसाद कीर्तनियाँ मथुरमंदिर गोकुल (मथुरा) । → १२–६७ बी ।
  (ग) प्रा•—श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर ।→४१–६ ग ।

(घ) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–६८ क ।
(ङ) प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–६८ ख ।
(च) प्रा०—डा० दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४–८४ ।

गोविंदानंदघन (पद्य)—रसिकगोविंद कृत । र० का० सं० १८५८ । वि० अलंकार और नायिका भेद ।
(क) लि० का० सं० १८७० ।
प्रा०—श्री श्यामलाल, आत्मज श्री पन्नालाल हवेलिया, बलदेवगंज, डा० कोसी (मथुरा) ।→३२–१८८ ।
(ख) प्रा०—बाबू रामनारायण, विजावर ।→०६–१२२ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ग) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६५ ।
(घ)→पं० २२–२ ।

गोविंदानंदघन गुणालंकार→'गोविंदानंदघन' (रसिकगोविंद कृत) ।

गोष्ठी गोरख कबीर की→'कबीरगोरख की गोष्ठी' (कबीरदास कृत) ।

गोष्ठी दरियासाहब और गणेश पंडित (पद्य)—दरियासाहब कृत । लि० का० सं० १९४९ । वि० दरिया साहब और गणेश पंडित का ब्रह्म विषयक संवाद ।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–५५ जी ।

गोसइयाँ के बयान (बआन) की किताब (गद्यपद्य)—हरिनाम कृत । वि० परमात्मा का स्वरूप वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३२० क ।

गोसाईंचरित (मूल) (पद्य)—बेनीमाधवदास (बाबा) कृत । र० का० सं० १६८७ । लि० का० सं० १८४८ । वि० गो० तुलसीदास का जीवनचरित्र ।
प्रा०—पं० रामाधारी पांडे, भरून, डा० ओबरा (गया) ।→२६–४४ ।

गोसाईं जी→'गुसाईं जी' ('अंत करण प्रबोध' के रचयिता) ।

गोसाईं जी→'विट्ठलनाथ (गोस्वामी)' (वल्लभाचार्य जी के पुत्र) ।

गोसाईंदास—सतनामी पंथ के प्रवर्तक स्वा० जगजीवनदास के शिष्य । कमोली (बाराबंकी) निवासी । सं० १७२७ के लगभग वर्तमान ।
कहरानामा (पद्य) →सं० ०४–८५ क ।
दोहा (पद्य)→सं० ०४–८५ ख ।
शब्दावली (पद्य)→२६–१५१ ।

गो स्तन शीतला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १९०७ । वि० चेचक के टीके का लाभ वर्णन ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–३६२ ।

गौहमुसलान—नागपुर निवासी। प्रेमचंद कवि के आश्रयदाता। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।→१२-११४।

गौतम(ऋषि)—(?)

गौतम सगुन परीक्षा (पद्य)→१२—६८।

रामाज्ञा (गद्य)→१८-५१।

गौतम सगुन परीक्षा (पद्य)—गौतम (ऋषि) कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० शकुनावली।

प्रा०—पं० बद्रीलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६८।

गौरगनदास—गौड़ीय संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी।

गौरांगभूषण विलास (पद्य)→२६-११२ बी।

शृंगाररसमंजरी (पद्य)→२६-११२ ए।

गौरांगभूषण विलास (पद्य)—गौरगनदास कृत। वि० गौरांग महाप्रभु की कथा।

प्रा०—बाबा वंशीदास गोविंदकुंड वृंदावन (मथुरा)।→२६-११२ बी।

गौरा—(?)

गुंजापुंज (पद्य)→सं० ४-८६।

गौरीबाई की महिमा (पद्य)—सुंदरसिंह कृत। वि० संत गौरीबाई का गुणगान।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→४४-७४।

गौरीशंकर (व्यास)—दुर्गाप्रसाद के पुत्र। कपसराय (शाहजहाँपुर) निवासी। सं० १९११ में वर्तमान।

ऊखलीला (पद्य)→११-६१ डी।

गोवर्द्धनलीला (पद्य)→२६-१ २ बी।

चीरहरणलीला (पद्य)→२६-१ २ ए।

दामरीलीला (पद्य)→१२-६१ ए।

बाँसुरीलीला (पद्य)→११-६१ बी।

मनिहारीलीला (पद्य)→२६-१ २ सी।

मानलीला (पद्य)→१२ ६१ सी।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→२६-१ २ डी।

श्यामविलास (पद्य)→२६-१ २ ई।

गौरीशंकर (भट्ट)—मलवानपुर (कानपुर) निवासी। लालताप्रसाद के पुत्र। सं० १९९८ के लगभग वर्तमान।

अनुराग शतक (पद्य)→२६-१ १ सी।

कृष्णामृत प्रवाह (पद्य)→२६-१११ ए, २६-१ १ बी।

वीरविनोद (पद्य)→२६-१ १ डी।

संगीत की पुस्तक (पद्य)→२६–१०१ डी, ई।

सांगीत विहार (पद्य)→२६–१३३ बी, २६–१०१ एफ।

होली संग्रह (पद्य)→२६–१०१ ए।

ग्याँनतिलोक—निरगुन पंथी कोई उच्च कोटि के संत। संभवत. राघवदास कृत 'भक्तमाल' के तिलोक सुनार।

पद (पद्य)→सं० १०–२८।

ग्रथमाँड्यो (पद और रमैणी) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२१० क।

ग्रहण विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार ग्रहण पर विग्रह शुद्धि की विधि।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३६३।

ग्रहणों की पोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६२८। वि० संवत् १६२६ से २०१२ तक के सूर्य और चंद्र ग्रहणों का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—पं० बद्रीप्रसाद, नवीनगर, डा० लहरपुर (सीतापुर)। → २६–२६ (परि० ३)।

(ख) लि० का० सं० १६३४।

प्रा०—पं० गंगाविष्णु ज्योतिषी, बथर वाले, बथर (उन्नाव)।→ २६–२६ (परि० ३)।

ग्रहफल विचार (पद्य)—ईश्वरदास कृत। र० का० सं० १७५६। लि० का० सं० १६०२। वि० ग्रहों के फलों का विचार।

प्रा०—बाबू केदारनाथ अग्रवाल, बाह (आगरा)।→२६–१५६।

ग्रहभाव फल (गद्य)—दलेलपुरी कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रमणलाल, फरैह (मथुरा)।→३८–३४।

ग्रहों के फलाफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० छोटेलाल अध्यापक, उमरैठा, डा० पिनाहट (आगरा)। → २६–३८०।

ग्राइबुलजुगद (गद्य)—अब्दुललतीफ कृत। लि० का० सं०–३२ (अपूर्ण)। वि० हिंदी फारसी कोश।

प्रा०—अमीर उद्दौला सार्वजनिक पुस्तकालय, लखनऊ।→सं० ०७–५।

ग्रीष्म विहार (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० ग्रीष्म ऋतु में कृष्णलीला।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी।→०१–१२१ (नौ)।

गोप्यादि प्रभुओं के कवित्त→परब्रह्म संबंधी कवित्त (ग्वाल कवि कृत)।
ग्वालिनी मगाड़ा (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला । रामकृष्ण कृत । वि श्रीकृष्ण की दानलीला का वर्णन ।
(क) लि का सं १८३६ ।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग ।→सं १-११८ ।
(ख) प्रा०—पं बाबूराम बित्थरिया सिरसागंज (मैनपुरी) ।→२६-१८१ ।
ग्वाल (कवि)—वृंदावन (मथुरा) निवासी । ब्रह्मभट्ट वंशीय बंदीजन सेवाराम के पुत्र । ब्रजभाषा के प्रसिद्ध कवि । महाराज जसवंतसिंह और स्वामी लछमनसिंह के आश्रित । सं १८७६-१९१६ के लगभग वर्तमान ।
अलंकार भ्रमभंजन (पद्य)→ ५-१२ १७-६५ ए, १२-७१ ए ।
कवित्त संग्रह (पद्य)→१२-७१ बी १५-११ बी ह एफ, बी १८-५५ बी ।
कविदर्पण (पद्य)→ ह-१ २ ७-६५ सी ।
कविहृदय विनोद (पद्य)→२ -५८ सी २१-१४६ ए, २६-११५ बी ।
कृष्णजू को नखशिख (पद्य)→ १-८८ २ -५८ डी ११-१८ बी २६-१६१ सी २६-११५ सी ।
गोपी पचीसी (पद्य)→ १-६ २ -५८ ए, ११-१८ सी २६-१६१ ए, २६-११५ ए, वि ११-१४ ।
जमुनालहरी (पद्य)→ १-८८ २०-५८ बी ।
प्रस्तार प्रकाश (पद्य)→१८-५५ ए ।
बंसीबीसा (पद्य)→१७-६५ डी १२-७१ ई ।
भक्तभावना (पद्य)→ ५-१४ १७-६५ बी ।
रसरंग (पद्य)→०५-११ १२-७१ डी ।
रसिकानंद (पद्य)→ ८४ २६-१६१ बी ।
राधिका अष्टक (पद्य)→१२-७१ सी ।
परब्रह्म संबंधी कवित्त (पद्य)→१२ ११ ए, बी सी १८ ५५ बी ।
हम्मीरहठ (पद्य)→ ५-११ ४१ ८१ (अप्र) ।
दोरी आदि का छंद (पद्य)→१८-५५ सी ।
ग्वाल कवि के कवित्त→कवित्त संग्रह (ग्वाल कवि कृत) ।
ग्वालपहेली (पद्य)—रघुराय कृत । लि का सं १८८ । वि कृष्ण लीला ।
प्रा —ला भगवानप्रसाद गजाधी तहसील राजनगर (छतरपुर) । → सं १-३१६ क ।
ग्वालपहेली लीला (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि पहेलियों का संग्रह ।
(क) लि का सं १८१४ ।
प्रा —बाबू भगवानप्रसाद प्रधान अध्यापक (हेड मास्टर), छतरपुर ।→ १ ६ सी ।
नो सं वि ३५ (११ ०-६४)

(ग) लि० का० सं० १८ ६ ।

प्रा०—[illegible] पुस्तकालय, [illegible] ।→०१-१० एन ।

ग्वालिनी झगरो (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १७—। लि० [illegible] का [illegible] हर [illegible] कृष्णा का [illegible] इत्यादि ।

प्रा०—श्री [illegible], [illegible], मथुरा ।→१७-८५ (परि० ३) ।

घट रामायण (पद्य)—तुलसी साहब कृत । वि० वेदान्तज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १६०१ ।

प्रा०—पं० बाबुराम शास्त्री, [illegible], ग्रा० [illegible] (पटना)→२६-२३६, बी (उत्तरार्ध और पूर्वार्ध) ।

(ख) लि० का० सं० १६३८ ।

प्रा०—पं० रामदत्त त्रिपाठी, [illegible] ।→३२-२१६ ।

घड़ी रमणी (पद्य)—[illegible] । लि० का० सं० १६३२ । वि० प्रेम और [illegible] ।

प्रा०—श्री [illegible] (प्र० [illegible]), प्रेम का पुरा, डा० लालगंज बाजार (प्रतापगढ़) ।→सं० ०४-३१ ए ।

घनआनंद—'आनंदघन' (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि) ।

घनश्याम (वैष्णव)—काशी निवासी कान्यकुब्ज ब्राह्मण । किसी राजा सुरजन के आश्रित । सं० १८५० के लगभग वर्तमान ।

नखशिख (पद्य)→सं० ०१-१०१ ।

घनराम—कायस्थ । ओड़छा के राजा उद्योतसिंह के आश्रित । सं० १७४८ के लगभग वर्तमान ।

लीलावती (पद्य)→०६-३५ ।

घनश्याम—आगरा (राजघाट) के निवासी । चतुर्भुज मिश्र के पुत्र । चिंतामणि मिश्र के शिष्य । किसी कासिम के आश्रित । सं० १७०० के लगभग वर्तमान ।

रागमाला (पद्य) →सं० ०१-१०२ ।

घनश्याम—सभक्त रामानुजी । रामपदारथलाल (गोरापारा आजमगढ़) के कहने से इन्होंने प्रस्तुत पुराण का अनुवाद किया था ।

नासिकेतपुराण (पद्य)→४१-६२ ।

घनश्याम—अन्य नाम श्यामदास ।

प्रह्लाद लीला (पद्य)→सं० ०१-१०४ ।

घनश्याम (त्रिवेदी)—(?)

मानस पर पद्यावली (प्रश्नावली) (पद्य)→०६-६० ।

घनश्याम (द्विज)—गौरीशंकर (आजमगढ़) के निकट निवास स्थान । रामानुजी संप्रदाय के अनुयायी । सं० १६१४ के लगभग वर्तमान ।

वैद्यजीवन (पद्य)→सं० ०१-१०३ ।

घनश्याम (व्यास)—ब्राह्मण । ज्योतिषी । सं १९२७ के लगभग वर्तमान ।
ज्योतिष की लावनी (पद्य)→२१-११५ ।

घनश्यामदास—कायस्थ । चरखारी नरेश रतनसिंह के आश्रित । सं १८९५ के लगभग वर्तमान ।
अश्वमेध पर्व (पद्य)→ १-११ ए ।
वसुदेवमोचनी लीला (पद्य)→ १-११ बी ।
साँझी (पद्य)→ १-११ सी ।

घनश्यामदास—गोवर्द्धन (ब्रज) निवासी ।
यमुनालहरी (पद्य)→सं १-१०५ ।

घनश्यामराय—उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।
स्वप्नपरीक्षा (गद्य)→२६-११४ ए, बी सी ।

घनश्यामलाल (गोस्वामी)—चतुरअलि के गुरु । राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव ।→
१२-११ ।

घनानंद→आनंदघन (सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि) ।
घनानंद कवित्त आनंदघन के कवित्त (आनंदघन कृत) ।
घसीटा→हरिवंश (नखशिख के रचयिता) ।

घासीराम—नस्य । मल्लावाँ (हरदोई) निवासी । जन्म समय सं १६२१ । सं १६८२ के लगभग वर्तमान ।
पक्षीविलास (पद्य)→ ६-६१ २१-१२२ २६-११६ सं ४-८७ ।

घासीराम—कान्यकुब्ज ब्राह्मण । निधान कवि के बड़े भाई । नंदराम के पुत्र । अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी । राजा धर्मसिंह के आश्रित । सं १८११ के लगभग वर्तमान ।→१७-१२७ ।

घासीराम (उपाध्याय)—समथर (बुंदेलखंड) निवासी ।
ऋषिपंचमी की कथा (पद्य)→ ६-३७ ।

घासीराम (जैन)—पिता का नाम बहालसिंह । मनरामलाल के मित्र । सिरसा (?) निवासी ।
मित्रविलास (पद्य)→सं १ -२१ ।

घिसियावनदास (बाबा)—अमिली गाँव (महाराजगंज तहसील रायबरेली) के निवासी । कान्यकुब्ज दुबे ब्राह्मण । लगभग सं १८८५ में उत्पन्न । विरक्त होने पर सेकरवा गंगापुर (सलोता रायबरेली) में कुटी बनाकर रहते थे ।
कवित्त (पद्य)→सं ४-८८ क ।
रामचरितामृत महोदधि (पद्य)→सं ४-८८ ख ।
रामरत्न (पद्य)→२६-११८; सं ४-८८ ग ।

घीसाराम—भटीपुर (मेरठ) निवासी । स० १६२४ के लगभग वर्तमान ।
रामायण का बारहमासा (पद्य)→२६–१३७ ।

घूँघटनावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि० का० स० १७७७ । वि० शृंगार ।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ इ ।

घूँघरा का पद (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० राधा के घुँघुरुओं का वर्णन ।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–२६५ ।

घोड़ाचोली—सिद्ध । मछिंद्रनाथ के 'दास' (शिष्य) । सभवत. आईपथ के प्रवर्तक । गोरखनाथ के गुरु भाई (?) 'सिद्धों की वाणी' में भी सगृहीत ।→४१–५६ स० १०–१०३ ।
घोड़ाचोली (गद्य)→४१–६३, स० ०४–८६ ।
सबदी (गद्य)→स० १०–३० ।

घोडाचोली (गद्य)—अन्य नाम 'घोड़ीचोली गुटिका' । घोड़ाचोली कृत । वि० घोड़ाचोली नामक औषधि के अनुपानभेद से अनेक प्रयोगों का वर्णन ।
(क) प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती, आजमगढ ।→४१–६३ ।
(ख) प्रा०—श्री आद्याशकर त्रिपाठी, रुधवली, डा० सरपतहा (जौनपुर) ।→सं० ०४–८६ ।

घोडाचोली गुटिका→'घोड़ाचोली' (घोड़ाचीली कृत) ।

घोड़ों का इलाज (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० राघवराय अध्यापक, प्राइमरी स्कूल, आममऊ, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) ।→३६–२७ (परि० ३) ।

चचल (जैन)—किसी रतनमुनि के शिष्य ।
बारहखड़ी (पद्य)→स० १०–३१ ।

चंडी चरित्र (पद्य)—गोविंददास (गुरु) कृत । लि० का० स० १८८० । वि० दुर्गा-स्तुति । (सस्कृत के दुर्गापाठ का अनुवाद) ।
प्रा०—भट्ट दिवाकरराय का पुस्तकालय, गुलेर (काँगड़ा) ।→०३–५ ।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख में दो ग्रथ हैं—'चडीचरित्र उक्त विलास' और 'चडीचरित्र नाटक' ।

चडी चरित्र (पद्य)—दयाल कृत । लि० का० स० १८८६ । वि० चडी महाकाली के युद्धों का वर्णन ।
प्रा०—प० श्रीधर, हसनपुर, डा० जरारा (मथुरा) ।→३८–३५ ।

चडी चरित्र (पद्य)—भैरवनाथ कृत । लि० का० स० १६३८ । वि० चडी की वदना ।
प्रा०—श्री भजनलाल सोनार, बाजार मियागज, अलीगढ ।→१२–२३ ।

चंडी चरित्र (पद्य)—मनीराम (शुक्ल) कृत। र का० सं १८५५। लि का सं १९ १। वि दैत्य और देवी का युद्ध।
मा —पं महावीरप्रसाद तिवारी रहीमाबाद (लखनऊ)।→सं ७-१४५।

चंडी चरित्र (पद्य)—मारकंडे (मिश्र) कृत। लि का सं १८९९। वि चंडी और मधुकैटम का युद्ध।
मा —पं महावीर मिश्र, गेराढोला आजमगढ़।→ ९-१९४।

चंडी चरित्र नाटक→ चंडी चरित्र (गुरु गोविंदसिंह कृत)।

चंडीदान—(?)
अमल की कविता (पद्य)→४१-१४।

चंद—बुंदेलखंड निवासी। सं १७१५ के लगभग वर्तमान।
नामलीला (पद्य)→ ९-१८ १६-७६।

चंद—सं १५६१ के लगभग वर्तमान।
हितोपदेश (पद्य)→ ७-१६ २ २८।

चंद—जयपुर के महाराज रामसिंह के आश्रित।
अनुराग विलास (पद्य)→१८-२१।
सुधाकर पिंगल (पद्य)→१८-२ ।

चंद—सं १८६ के लगभग वर्तमान।
कवित्त रामायण (पद्य)→२९-६२ ११-१६ सं ७-४१।

चंद—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं १९१६ के लगभग वर्तमान।
ये महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक हैं।→ ४ १०।

चंद—कायोरा भाट के पिता। सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है।→सं ४ ४ ६।

चंद→कपूरचंद (रामायण भाषा के रचयिता)।

चंद (कवि)—जयपुर नरेश महाराज रामसिंह सवाई के आश्रित। सं १९ ४ के लगभग वर्तमान।
भेदप्रकाश (पद्य)→०६-२४४।

चंद (कवि)—(?)
चंद (पद्य)→१८-२१।

चंद (पद्य)—चंद (कवि) कृत। वि राम कथा।
मा —पं रघुबरदयाल दीक्षित कसरा नाहरवाँ इटावा।→१८-२१।
टि प्रस्तुत पुस्तक खंडित है जिससे उसका पूरा नाम उपलब्ध नहीं हुआ है।

चंदछंद बरनन की महिमा (गद्य)—गंग (कवि) कृत। र का सं १६१७। लि का सं १९२९। वि बादशाह अकबर को गंग भाट का चंद कृत पृथ्वीराजरासो की कथा सुनाना।
मा —पं मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या मथुरा।→ ९-८४।

चद जू (गोसाईं)—बुदेलखड निवासी। स० १७८६ के पूर्व वर्तमान।
अरिल्ल (पद्य)→०६–१६, स० ०१–१०६।

चददास—सती। हँसुआ निवासी। स० १८०० के लगभग वर्तमान। हँसुआ में इनकी समाधि अभी भी वर्तमान है।
कृष्णविनोद (पद्य)→२०–२६ए।
भक्तविहार (पद्य)→२०–२६ बी।
रामरहस्य (पद्य)→२०–२६सी।

चदन (कवि)—बदीजन। पुवायाँ (शाहजहाँपुर) के निवासी। पिता का नाम धर्मदास। पुत्रों का नाम प्रेमराय और जीवन। राजा केशरीसिंह के आश्रित। स० १८०३–१८६५ तक वर्तमान।
काव्याभरण (पद्य)→०६–४० २३–७२ए, २६–७७, स० ०४–६०।
कृष्ण काव्य (पद्य)→१२–३४ए।
केशरी प्रकाश (पद्य)→१२–३४ बी।
तत्वसज्ञा (पद्य)→०१–२६, १७–३७।
नखशिख राधाजी को (पद्य)→१२–३४ ई, २३–७३ बी।
प्राज्ञ विलास (पद्य)→१२–३४सी, २३–७३ सी।
प्रीतमवीर विलास (पद्य)→१२–३४ डी।
रसकल्लोल (पद्य)→१२–३४ एफ।

चदन मलयगिरि कथा (पद्य)—अन्य नाम 'चदन मलयागिरि री बात'। भद्रसेन (मुनि) कृत। वि० चदन राजा और मलयागिरि रानी की कहानी।
(क) लि० का० स० १८७२।
प्रा०—प० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर) ।→ २०–१४।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५३१ (अप्र०)।

चदन मलयागिरि री बात (पद्य)→'चदन मलयगिरि कथा' (भद्रसेन मुनि कृत)।

चदराम—कविवर हरिकृष्ण के पौत्र और साहबराम के पुत्र। स० १८६७ के लगभग वर्तमान।
जलहरण दडक (पद्य)→स० ०४–६१ ख।
प्रश्नोत्तर विदग्ध मुखमडन (पद्य)→स० ०४–६१ क।

चदन सतसई→'काव्याभरण' (चदन कवि कृत)।

चदपरतिष—स० १८३२ के लगभग वर्तमान।
बूढारासो (पद्य)→स० ०१–१०७।

चंदबरदाई—जन्म भूमि लाहौर। जन्मकाल सं १२२५। मृत्यु सं १२५ में। दिल्ली के प्रसिद्ध हिंदू सम्राट महाराज पृथ्वीराज चौहान के मंत्री तथा संमानित राज कवि। वीरगाथा काल के प्रमुख और विवादास्पद कवि।

पृथ्वीराजरासो (पद्य)→ ०–११ ०–१२ ०–१३; १–१८, १–१६, –४ १–४१ १–४२ १–४३ १–४४ १–४५ १–४६ १–४७ १–७ १–१४६ए से बी तक १७–१५, १ –२५ए बी; २१–७९ए, बी सी डी ई, २६–७५ए, बी ४१–८११ क (प्रथ) से क (प्रथ) तक।

चंदरसकुर—(?)

गुनवती चंद्रिका (पद्य)→ ८–४१।

चंद्रायण (पद्य)—रामचरण कृत। वि गुरुदेव की भक्ति।

प्रा —पं दुबलाल तिवारी मदनपुर (मैनपुरी)।→१२–१४५ ए।

चंदराजा की चौपाई (पद्य)—लब्धचंद (लालचंद) कृत। वि मोहनविजय के प्राकृत ग्रंथ 'चंदचरित्र' का अनुवाद।

प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनीचौक, दिल्ली।→दि ११–५।

चंदलाल (हित)→ हितचंदलाल (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंदलेहा की चौपाई (पद्य)—रत्नवल्लभ कृत। र का सं १७९८। लि का सं १८१८। वि चंद्रलेहा (चंद्रलेखा) नामक एक नारी का चरित वर्णन।

प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली।→दि ११–७५।

चंदहित→'हितचंदलाल (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंदिगोपाल—संभवतः बुंदेलखंडी।

गोपालचरित्र (पद्य)→२ –२७।

चंद्र—संभवतः रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। सं १९४५ के पूर्व वर्तमान।

चंद्रप्रभा रसिकअनन्य शृंगार (पद्य)→ ९–४२।

चंद्र—जयपुर निवासी जैन। सं १८ ७ के लगभग वर्तमान।

चौबीस महाराज की विनती (पद्य)→१२–३७।

चंद्र→चंद ('हितोपदेश' के रचयिता)।

चंद्र→'चंद्रदास (नवाब मुहम्मद खाँ के आश्रित)।

चंद्र→'रामचंद्र (रामचंद्र)' ('सीताचरित्र के रचयिता)।

चंद (कवि)—चौबे सनाढ्य ब्राह्मण। हीराचंद के पुत्र। रामराम के पौत्र। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।

चंद्रप्रकाश (पद्य)→०१–१४८।

चंद्रकला (पद्य)—प्रेमचंद कृत। र का सं १८८१। लि का सं १८९१। वि कामरूप और चंद्रकला की कथा।

प्रा—गो गोवर्धनलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२–११४।

चंद्रकीर्ति—जैन। सं० १६८२ के लगभग वर्तमान।

मृगावती की चौपाई (पद्य)→दि० ३१–१७।

चंद्रकीर्ति—संभवत 'मृगावती की चौपाई के रचयिता चंद्रकीर्ति।

सत्तरामायण (पद्य)→प० २२–१७।

चंद्रघन (गोसाईं)→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंद्रचंद्रिका (गद्य)—रामचंद्र (?) कृत। लि० का० सं० १६०४ से पूर्व। वि० विहारी सतसई की टीका।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२२३।

चंद्रचौरासी (पद्य)—प्रभुचंद्रगोपाल (गोस्वामी) कृत। वि० विविध।

प्रा०—गो० यमुनावल्लभ, विहारीपुरा, वृंदावन (मथुरा)।→३८–२४।

चंद्रदास—नवाब मुहम्मदखाँ (पठानसुलतान, राजगढ) के आश्रित। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान। इन्होंने विहारीसतसई की कुंडलिओं में टीका लिखी थी।

नेहतरंग (पद्य)→०६–३८ ए।

पिंगल (पद्य)→०५–२०।

रामायण (भाषा) (पद्य)→०६–३८ बी।

चंद्रदास—(?)

शृंगारसागर (पद्य)→४१–६५।

चंद्रप्रकाश (पद्य)—चंद्र (कवि) कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १८८६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—लाला विद्याधर, हरिपुरा, दतिया।→०६–१४५ (विवरण अप्राप्त)।

चंद्रप्रकाश रसिकअनन्य शृंगार (पद्य)—चंद्र कृत। लि० का० सं० १६४५। वि० सीताराम विहार।

प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→०६–४२।

चंद्रप्रभु चरित्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६८४। वि० श्री चंद्रप्रभु जी का जीवन चरित्र।

प्रा०—दिगंबर जैन मंदिर, नईमंडी, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१५५।

चंद्रप्रभु पुराण (भाषा) (पद्य)—हीरालाल (जैन) कृत। र० का० सं० १६१३। लि० का० सं० १६१७। वि० श्री चंद्रप्रभु जी का जीवन चरित्र।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१४७।

चंद्रभान—ओड़छा नरेश राजा वीरसिंहदेव के भाई। इनके पौत्र स्वरूपसिंह के नाम पर मतिराम ने 'वृत्तकौमुदी' की रचना की थी।→२०–१०५।

चंद्रभान—धर्मदास ('महाभारत' के रचयिता) के कोइ प्रसिद्ध पूर्वज।→सं० ०१–१७२।

चंद्रमणि (मिश्र)→'कोविद' (ओड़छा निवासी)।

चंद्रलाल→'हितचंदलाल' (वृंदावन निवासी गोस्वामी)।

चंद्रशेखर—पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं १९ २ के लगभग वर्तमान।

रसिक विनोद (ग्रंथ) (पद्य)→ १-१ १।

विवेक विलास (पद्य)→ १-१ २।

हम्मीरहठ (पद्य)→ १-१ ।

हरिभक्ति विलास (पद्य)→ १-१ १।

चंद्रसेन—मिश्र ब्राह्मण। सं १७२१ के पूर्व वर्तमान।

माधवनिदान (पद्य)→ १-४४।

चंद्रायण (चंद्रायणा) (पद्य)—सेवादास कृत। लि का सं १८५५। वि निर्गुण ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२६९ घ।

चंद्रावती—ओड़छा नरेश बलवंतसिंह की रानी। इन्हीं की आज्ञा से बैकुंठमणि शुक्ल ने वैशाख माहात्म्य की रचना की थी।→ ६-५।

चंद्रार्वालि—'कल्पतरुटिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। → २-५७ (सूपाहीत)।

चंद्रवली लीला (पद्य)—नीरमह कृत। वि श्रीकृष्ण की प्रेमलीला।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-१९४ ग।

चंद्रिकादास—नानकपंथी। गुरु का नाम सुखदास। सं १६२१ में वर्तमान।

ताहरा (पद्य)→सं ७-४२।

चंपूसाम्य सामुद्रिक (पद्य)—भूप (भूपति) कृत। लि का सं १७११। वि सामुद्रिक।

प्रा —श्री कृष्णानंद शुक्ल मार्फत ठा मकडआमीर (बस्ती) ।→ सं ४-२६७।

चकत्ता शास→ प्रकाशनामा (रचयिता अज्ञात)।

चकोर पंचक (पद्य)—दीनदयाल कृत। वि चकोर का चंद्रमा के प्रति प्रेम।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-७१।

चक्रावली (पद्य)—सेवीराम कृत। लि का सं १६२६। वि प्रश्नावली चक्र।

प्रा —पं मनदेव सेवापुर ठा सेवगा (कानपुर)।→२९-४१ ए।

चक्रपाणि—सं १८८२ में वर्तमान।

कामायोजनी की टीका (पद्य)→२९-६२।

चक्रपाणि—(?)

लीलावती (भाषा) (पद्य)→सं १-१ ८।

चक्रव्यूह (पद्य)—भीमसेनी कृत । लि० का० स० १६०७ । वि० महाभारत में चक्रव्यूह की लड़ाई का वर्णन ।

प्रा०—ठा० राजारामसिंह, जगतपुर, डा० मरदह (गाजीपुर) ।→स० ०१-२६० ।

चक्राकित—विक्रम की सत्रहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान ।

नृगोपाख्यान (पद्य)→२०-२४ ।

चक्राकेवली (गद्य)—लक्ष्मणप्रसाद कृत । वि० रमल ।

प्रा०—प० शिवनारायण शर्मा, बादली (दिल्ली) ।→वि० ३१-५३ ए, बी । (प्रथम और चतुर्थ खड) ।

चतुरअलि—वास्तविक नाम चतुरशिरोमणिदास । वृदावन भट्टाचार्य के शिष्य । गौड़ सप्रदाय के वैष्णव ।

गऊ दुहावन की व्यवस्था (पद्य)→१२-३८ ए ।

वशीप्रशसा (पद्य)→१२-३८ बी ।

विलास माधुरी (पद्य)→१२-३८ डी ।

व्रजलालसा (पद्य)→१२-३८ सी ।

चतुरअलि—राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव । गो० घनश्यामलाल के शिष्य ।

समय प्रबध (पद्य)→१२-३६ ।

चतुरचद्रिका पिंगल (पद्य)—चतुरदास कृत । वि० पिंगल ।

प्रा०—प० बाबूराम नंबरदार, नटावली, डा० करहल (मैनपुरी) ।→ ३२-४२ ।

चतुरजन→'चतुरदास' (निर्मल सप्रदाय के साधु) ।

चतुरदास—उप० चेतनदास । रतलाम या सलेमाबाद निवासी । पूर्व नाम चतुर्भुज मिश्र । निर्मल सप्रदाय के साधु । सतदास के शिष्य । स० १६६२ के लगभग वर्तमान ।

कूर्माष्टक (पद्य)→३२-४१ बी ।

गुरु अष्टक (पद्य)→३२-४१ एफ ।

गोपेश्वर अष्टक (पद्य)→३२-४१ ए ।

जनकनदिनी अष्टक (पद्य)→३२-४१ जी ।

भागवत (एकादश स्कध) (पद्य)→००-७१, ०२-११०, ०६-१४६, १७-४०, प० २२-२०, २३-७६, २६-७६, २६-६६, ४१-४६४ (अप्र०), स० ०७-४३ क, ख ।

रामाष्टक (पद्य)→३२-४१ सी, एच ।

वृदावन अष्टक (पद्य)→३२-४१ आई ।

सत्यनाराण अष्टक (पद्य)→३२-४१ डी ।

सर्वेश्वरजी का अष्टक (पद्य)→३२-४१ ई ।

चतुरदास—मालवा निवासी । श्री निंबार्क मतानुयायी वैष्णव । हरिव्यासी महत रामदास के पुत्र ।

चतुरर्थीका पिंगल (पद्य)→१२-४२।

चतुरबिहारी—'रसाल दिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ २-५७ (कौरव)।

चतुर भगिनी रहस्य→'परहस्य' (पर्वतदास कृत)।

चतुरमासा तथा स्फुट पद (पद्य)—देवकीनंदन साहब कृत। लि का सं १८८९। वि श्रीकृष्ण चरित तथा अध्यात्म।
प्रा०—महंत राजाराम मठ रामशाला बिरछहागाँव (बलिया)। → ४१-१ ७ क।

चतुरराम—(?)
गढ़पचैनारासी (पद्य)→सं १-१ ६।

चतुरशिरोमणि (गोस्वामी)—हितहरिवंश के वंशज।→सं ४-२१५।

चतुरशिरोमणिदास→'चतुरमणि (वृंदावन महाचार्य के शिष्य)।

चतुरशिरोमणिदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। वृंदावन निवासी। सं १८४१ के लगभग वर्तमान।
भावनासागर (गद्य)→१८-२६।
हिताष्टक (पद्य)→११-४१।

चतुर्थ अष्टयाम→'अनुभवरस अष्टयाम तथा चतुर्थ अष्टयाम' (हितहीरालालजी कृत)।

चतुर्भुज—अकबर बादशाह के आश्रित।
पिंगल ? (पद्य)→सं ४-६१।

चतुर्भुज (मिश्र)—गौतम गोत्रीय शुक्ल ब्राह्मण। रामकृष्ण मिश्र के पुत्र। कुलपति मिश्र के वंशज। भरतपुर नरेश महाराज बलवंतसिंह के आश्रित। सं १८९९ के लगभग वर्तमान।
अलंकार आभा (पद्य)→१७-१९ १८-२७।

चतुर्भुज (मिश्र)—संभवतः औरंगजेब के सेनापति कायस्थों के आश्रित। सं १७ २ के लगभग वर्तमान।
भाषा संग्रह (पद्य)→सं १-१११।

चतुर्भुज (मिश्र)→'चतुरदास (संतदास के शिष्य)।

चतुर्भुजदास—कुंभनदास के पुत्र। गोसाईं विट्ठलनाथ के शिष्य। ये अष्टछाप के कवियों में से हैं।
कीर्तन संग्रह (पद्य)→सं १-१११ क म।
चतुर्भुजदास का कीर्तन (पद्य)→१२-४ ।
चतुर्भुज पदमाला (पद्य)→१५-१७।
द्वादशयश (पद्य)→ ९-२४८ ए।

भक्तिप्रताप (पद्य)→०६–१४८ बी ।
मृग कपोत की लीला (पद्य)→स० ०१–११२ क ।
हितजू को मगल (पद्य)→०६–१४८ सी ।

चतुर्भुजदास—वैष्णव । रामपुर मुड़िया (जहाँगीराबाद, जि० बारानकी) निवासी । स० १६८४ के लगभग वर्तमान । इनके अनुयायी चतुर्भुजी कहलाते हैं ।
दोहावाली (साखी) (पद्य)→२३–७५ ए ।
पद (पद्य)→१२–८० ।
रामचरित्र (पद्य)→२३–७५ सी ।
हरिचरित्र (पद्य)→२३–७५ बी ।

चतुर्भुजदास—सभवत. अष्टछाप के कवि चतुर्भुजदास ।
गोवर्द्धनरूप माधुरी (पद्य)→३८–२८ ।

चतुर्भुजदास—व्रज के प्रसिद्ध हित हरिवश के शिष्य । अष्टछाप के चतुर्भुजदास से भिन्न । स० १६३२ के लगभग वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' नामक सग्रह ग्रथ में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं ।→०२–५७ (सोलह) ।

चतुर्भुजदास (कायस्थ)—निगम कायस्थ । सभवत राजपूताना निवासी । स० १८३७ के पूर्व वर्तमान ।
मधुमालती कथा (पद्य)→०२–४४, प०२२–१६, स० ०१–११० ।

चतुर्भुज पदमाला (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—बाबा मोहनलाल, गौरानी बगीची, मिरजापुर, डा० गोकुल (मथुरा) ।
→ ३५–१७ ।

चतुर्भुज स्वामी (हित)—वनचद जी के शिष्य और राधावल्लभ सप्रदाय के अनुयायी । वृदावन निवासी ।
चतुर्भुज स्वामीजी की बानी (पद्य)→४१–४६५ (अप्र०) ।

चतुर्भुज स्वामीजी की बानी (पद्य)—चतुर्भुजस्वामी (हित) कृत । वि० हितहरिवश जी की प्रशसा ।
प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–४६५ (अप्र०) ।

चतुर्विंसति तीर्थंकर (पद्य)—हरजीनदन कृत । वि० चौबीसवें तीर्थंकर का चरित्र ।
प्रा०—श्री रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलदशहर) ।→१७–१८ (परि० ३) ।
टि० खो० वि० में प्रस्तुत पुस्तक को अज्ञात कृत माना गया है ।

चतुर्विध पत्री (पद्य)—वेणीमाधव (भट्ट) कृत । लि० का० स० १७६८ । वि० पत्र लिखने की रीति ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–३६८ ।

चतुर्वेद षटशास्त्र मत→'अद्वैतप्रकाश' (बलिराम कृत) ।

चतुरश्लोकी टीका (गद्य)—विट्ठलनाथ (गोस्वामी) कृत । वि पुष्टिमार्गी सिद्धांत वर्णन ।
    प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली ।→सं १–२१६ घ ।
चतुरश्लोकी टीका (गद्य)—हरिराय कृत । वि चतुश्लोकी भागवत की टीका ।
    (क) प्रा —बाबा किशोरीदास सिकरौरी डा बरसाना (मथुरा) । → १५–१४६ ।
    (ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं १–४८१ ढ ।
चतुरश्लोकी भागवत (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि चार श्लोकों में भागवत का सार ।
    प्रा —ठा कमलासिंह कूर्म चौगंवी ग्रा नगराम (लखनऊ) ।→२६–२५१ ।
चतुरदास—मोहनप्रसाद के शिष्य ।
    सुकदेवाद (पद्य)→१२–१६ ।
चतुरदास—(?)
    पद (पद्य)→सं ७–४४ ।
चत्रभुजदास→चतुर्भुजदास (अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि) ।
चत्रभुजदास का कीर्तन (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत । वि राधाकृष्ण की शृंगारिक लीलाएँ ।
    प्रा —श्री जमनादास नवामंदिर गुजरातियों का गोकुल (मथुरा) ।→ १२–८ ।
चनश्याम—वास्तविक नाम रामचंद्र । बाँसडीह (बलिया) निवासी । नवनिधिदास (भगवद्गीता के रचयिता) के गुरु । चरणचंद्रिका के रचयिता । आचार्य रामचंद्र शुक्ल कृत 'हिंदी साहित्य का इतिहास (पृ २७२) में इनका उल्लेख है ।→४१–११९ ।
चमत्कार चंद्रिका→भाषाभूषण की टीका (हरिचरणदास कृत) ।
चमत्कार चिंतामणि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि रस चार धातुशोधन विधि ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१६४ ।
चरचरी (पद्य)—धर्मदास कृत । लि का सं १९५१ । वि ज्ञानोपदेश ।
    प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह विशेष कार्याधिकारी हिंदी विभाग सचिवालय लखनऊ ।→सं ७–११ ।
चरचा नामावली (गद्यपद्य)—जिनदास (जैन) कृत । लि का सं १९५६ । वि जैन दर्शन ।
    प्रा —आदिनाथजी का मंदिर बाबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १–८१ ।
चरचाशतक की वचनिका (गद्यपद्य)—हरजीमल्ल (जैन) कृत । र का सं १८८२ । वि जैन दर्शन ।
    (क) लि का सं १९११ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, श्रानूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१८१ क।

(ख) लि० का० सं० १६५५।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, श्रानूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१८१ख।

(ग) प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), वाराणसी।→२३-१४८।

चरचा समाधान (गद्य)—भूधरदास (जैन) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० जैन दर्शन संबंधी अनेक प्रश्नों का उत्तर।

(क) लि० का० सं० १८६८।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, श्रानूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१००क।

(ख) लि० का० सं० १६०४।

प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महाना, डा० इटौंजा (लखनऊ)।→२६-८६ बी।

(ग) लि० का० सं० १६५६।

प्रा०—श्रादिनाथ जी का मंदिर, श्रानूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-१०० ख।

चरणचिन्ह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४१। वि० भगवान के चरणचिन्हों के ध्यान करने का फल।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५११।

चरणचिन्ह→'रामजानकी चरणचिन्ह' (रामचरणदास कृत)।

चरणचिन्ह की भावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १६४६। वि० धर्म।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-८८ च।

चरणदास—टट्टी संप्रदाय के संस्थापक स्वा० हरिदास के अनुयायी। वृंदावन निवासी। सं० १८१० के लगभग वर्तमान। इन्होंने इंद्रकुमारी बाई और श्यामादासी बाई के लिये ग्रंथ रचना की थी।

भक्तिमाला (पद्य)→१२-३७ बी।

रहस्यचंद्रिका (पद्य)→१२-३७ डी।

रहस्यदर्पण (पद्य)→१२-३७ सी।

शिक्षाप्रकाश (पद्य)→१२-३७ ए।

चरणदास—पूरनप्रताप खत्री के गुरु। सं० १८२४ के पूर्व वर्तमान। मुरली के पुत्र प्रसिद्ध चरणदास भी संभवतः यही हैं।→२३-३२४।

चरणदास (स्वामी)—दूसर वैश्य। जन्म सं० १७६०। मृत्यु सं० १८३८। पूर्व नाम रणजीत। पिता का नाम मुरली। सुखदेव के शिष्य। सहजोबाई, श्यामसरन, रामरूप (गुरु भक्तानंद), जसराम और दयाबाई के गुरु। डहरा (अलवर) निवासी। जीवन के अंतिम काल में दिल्ली में रहने लगे थे।→००-१३१, ०५-४१ १७-१५७, २३-१८२।

अनेकप्रकाश (पद्य)→२०-२६ ए, २३-७४ ए।

भ्रमरगीत लीला (पद्य)→ १–२४७ एफ १७–१८ ए; २१–७८ ए, २६–६५ ए, बी।
भ्रमरगीत (पद्य)→ ५–१७ १२–३६ बी २६–६५ सी ई ७–४५।
कालीनाथन लीला (पद्य)→ १५–१६ बी।
कुरुक्षेत्र लीला (पद्य)→ ६–४५।
चरणदासजी के पद (पद्य)→१८–२५ बी।
जागरण महात्म्य (पद्य)→१५–१६ ए।
जोग (पद्य)→२६–६५ पी।
जोगशिक्षा उपनिषद (पद्य)→१८–२५ बी।
ज्ञानस्वरोदय (पद्य)→०१–७ १–२४७ ई १७–१८ सी २०–२६ सी; ई २२–१८ २१–७८ बे से ओ तक; २१–७८ एच एन ओ पी, क्यू २६–६५ डबल्यू से जेड तक ई ४–६१ ग।
तत्वयोग मामोपनिषद (पद्य)→१८–२५ एच।
तेजबिंदोपनिषद (पद्य)→१८–२५ एफ।
दानलीला (पद्य)→ १–२४७ बी।
धमबहाव (पद्य)→१६–६६ एन।
नासिकेत उपाख्यान (पद्य)→ १–१८, २ –२६ सी २६–६५ क्यू, आर एस टी।
निर्गुन बानी (पद्य)→१५–१६ डी।
पंचउपनिषद (पद्य)→२१–७८ एल २६–६५ यू।
पद और कवित्त (पद्य)→१८–२५ ई।
बानी चरनदासजी की (पद्य)→१८–२५ ए।
बाललीला (पद्य)→२६–६५ डी।
ब्रजचरित्र (पद्य)→२६–६५ एल ई ४–६१ क।
ब्रह्मज्ञान सागर (पद्य)→१२–३६ डी २१–७८ डी ई एफ, जी; २२–६५ एल से के तक छ १२–१८ बी ई ४–६१ ख।
भक्तिपदार्थ (पद्य)→ १–२४७ डी १७–२८ बी २१–७४ बी सी डी ई २६–७५ ई से की तक ई १०–१२।
भक्ति सागर (पद्य)→१२–३६ ए, २१–७८ बी सी।
मटकी और देखी (पद्य)→१८–२५ डी।
मनविरक्त करन गुटका सार (पद्य)→ १–२४७ बी २१–७८ एफ बी २६–६५ बी।
माखनचोरी लीला (पद्य)→१५–१६ सी।
योगसंदेह सागर (पद्य)→ ५–१२ २१–७८ आई जे के।
राममाला (पद्य)→ १–२४७ ए।

शब्द (पद्य)→०६—१४० सी, १७—३८ डी, पं० २२—१८ ए, २३—७४ एन, आई २६—५१ एम, दि० ३१—१८ ए।

षटरूप मुक्ति (पद्य)→२६—७८ एल, २६—६५ क्यू।

सर्वोपनिषद (पद्य)→३८—२१ आई।

स्फुट पद और कवित्त (पद्य)→३८—२१ सी।

हंसनाद उपनिषद (पद्य)→२०—२८।

चरणदास के शब्द→'शब्द' (स्वामी चरणदास कृत)।

चरणदासजी के पद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८५०। वि० ज्ञान और भक्ति।

प्रा०—पं० परमानंद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→३८—२१ बी।

चरण बंदगी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८११। लि० का० सं० १६४०। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६—१६२ एच।

चरनायके (पद्य)—लघुमति कृत। वि० संस्कृत 'चाणक्य नीति' का अनुवाद।

प्रा०—लाला कल्याणसिंह मुतसद्दी, मुख्य न्यायाधीश का न्यायालय, टीकमगढ़।→०६—२८६ (विवरण अप्राप्त)।

चरनायिका (पद्य)—देवमणि कृत। वि० राजनीति (संस्कृत चाणक्य की राजनीति का अनुवाद)।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६—६६।

चरपटनाथ—नाथ पंथी। गोरखनाथ के शिष्य। नागार्जुन, गोपीचंद और भरथरी के समकालीन। 'सिद्धों की बाणी' में भी संगृहीत।→४१—५६ (तीन), ४१—६८।

चरपटिका पत्रिका (गद्यपद्य)→सं० ०१—११३ क।

वैद्यकविलास (?) (गद्यपद्य)→सं० ०४—६४।

सबदी (पद्य)→सं० ०१—११३ ख सं० ०७—८६।

चरपटिका पत्रिका (गद्यपद्य)—चरपटनाथ कृत। लि० का० सं० १६८२। वि० वैद्यक।

प्रा०—श्री सरजूकुमार ओझा, सिरसा (इलाहाबाद)।→सं० ०१—११३ क।

चरित्रप्रकाश (पद्य)—झामदास कृत। वि० जगजीवनदास जी की जीवनी आदि।

प्रा०—पं० रामावतार, इसरौली, डा० भानमऊ (बाराबंकी)।→२३—१६१ ए।

चरित्रसारजी भाषा वचनिका (गद्य)—मन्नालाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८७१। वि० श्रावक मुनियों के लिये विहित आचरणों का वर्णन।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०—१०८।

चरित्रोपाख्यानांतर्गत त्रियाचरित्र का भूपमंत्री संवाद→'त्रियाचरित्र' (गुरु गोविंदसिंह कृत)।

प्रा०—पं० चंद्रिकाप्रसाद उपाध्याय, नगराम (लखनऊ) ।→२६–३५५ ।

चाणक्य राजनीति (गद्यपद्य)—अरुणमणि कृत । लि० का० सं० १७१८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२३–२१ ।

चाणक्य शास्त्र (भाषा) (पद्य)—सेनापति (कवि) कृत । वि० चाणक्यनीति की टीका ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–४२२ ।

चात्रक लगन (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० 'चातक लगन' नामक भक्ति का प्रतिपादन ।

प्रा०—श्री रामसिंह वाबा, भानपुर, डा० नंदग्राम (मथुरा) ।→३५–८५ ।

चानक (पद्य)—रामहित (जन) कृत । लि० का० सं० १६१६ । वि० नीति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० रामानंद द्विवेदी, पीडरी, डा० फौंफा (आजमगढ) । → सं० ०१–३५८ ग ।

चार कथा का गुटका (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । लि० का० सं० १६५३ । वि० जैन धर्म विषयक कथाओं का वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→ सं० ०४–२५८ क ।

चार कवीश्वरों की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६०१ । वि० अकबर बीरबल से संबंधित चार कवियों की कहानी ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–५१२ ।

चार दरवेश कथा (पद्य)—नारायण कृत । र० का० सं० १८४१ । लि० का० सं० १८५४ । वि० उर्दू चहारदरवेश का अनुवाद ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१६ ।

चारुलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । लि० का० सं० १६६५ । वि० श्रीकृष्ण के हाथ पैरों की शोभा का वर्णन ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधा वल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→ १२–१५४ एस ।

चारों दिशाओं के सुख दुख (पद्य)—अन्य नाम 'पुरुष स्त्री संवाद' । गोपाललाल कृत । वि० चारों दिशाओं की यात्रा के सुख दुःख के विषय में स्त्री पुरुष संवाद ।

(क) लि० का० सं० १८६६ ।

प्रा०—पं० रामसेवक मिश्र, चीतामऊ, डा० कादरगंज (एटा) ।→२६–१२४ ।

(ख) लि० का० सं० १६११ ।

प्रा०—पं० रामलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६–१४७ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४४ ।

प्रा —पं बद्रीप्रसाद शुक्ल शिवगांव, डा हरगांव (सीतापुर)।→ २६–१४७ बी।

टि खो वि १८-५४ का हस्तलेख ('मुख सुख वर्णन') प्रस्तुत ग्रंथ की ही एक प्रति है।

चाहबेलि (पद्य)—मिवादास कृत। वि राधाकृष्ण की स्तुति।

प्रा —गो राधाचरण वृंदावन (मथुरा)।→१७–११६।

चितम (पद्य)—हरिराम कृत। वि पुष्टिमार्गी ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–८८६ ख।

चितावोध (पद्य)—बालदास (बाबा) कृत। वि सृष्टि उत्पत्ति और योग का वर्णन।

(क) लि का सं १८८६।

प्रा —ठा गंगाबक्सर्सिह बंगलाकोट डा महमूदाबाद (सीतापुर)।→ २६–११ बी।

(ख) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१४।

(ग) प्रा —श्री त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी मानपाडेय का पुरवा डा तिलोई (रायबरेली)।→सं ४–२१२ क।

(घ) प्रा —श्री शंभुनाथ अध्यापक, शुक्लपुर डा मानधाता (प्रतापगढ़)।→ सं ४–२१२ ख।

(ङ) प्रा०—पं चंद्रभूषण त्रिपाठी डा बीह (रायबरेली)।→ सं ७–१११।

चितामणि—प्रसिद्ध कवि मतिराम और भूषण के बड़े भाई। जन्मकाल सं १६८ । तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। नागपुर नरेश के आश्रित।

कविकुल कल्पतरु (पद्य)→ ०–१२७; २३–८ बी सी।

कवित्त विचार (पद्य)→२०–११।

पिंगल (पद्य)→०१–११ ६–२६१ ६–५ पं २२–२१ २३–८ ए, डी ई दि ११–२२।

चिंतामणि—राजा महावसिंह के आश्रित। सं १८१६ के लगभग वर्तमान।

गीतगोविंद सटीक (पद्य)→१७–४१; २६–७१ ए।

रामगीत चिंतामणि (पद्य)→२६–७१ बी।

चिंतामणि—अन्य नाम श्रीपतिसिंह। सं १७०५ के पूर्व वर्तमान।

ब्रह्ममाला और योगबिंदु (?) (पद्य)→सं ४–९५।

चिंतामणि—अकबर महान अथवा अकबर द्वितीय के आश्रित।

रसमंजरी (गद्यपद्य)→०६–१५ ।

चिंतामणि—(?)

कर्मविपाक (४६ वाँ अध्याय) (पद्य)→१८–११।

चिंतामणि—(?)

रागमंडल (पद्य)→४१-६७ ।

चिंतामणि (पद्य)—अन्य नाम 'हरिनाम गुणनाम चिंतामणि' । मनसाराम कृत । वि० गुरु और भगवद्‌महिमा ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२३७ क ।

चिंतामणि (दूबे)—रामदत्त (?) के निवासी । सं० १८७२ के लगभग वर्तमान ।

गणेश कथा (पद्य)→सं० ०४-६९ ।

चिंतामणि गुपाल—अन्य नाम जनिगोपाल ।

ऊषा अनिरुद्ध विवाह (पद्य)→३८-३२ ।

चिंतामणिदास—(?)

अवर्गामनगि (पद्य)→०६-५१ ।

चिंतामणि प्रश्न (गद्य)—रामाराम (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १९३५ । वि० शकुन विचार ।

प्रा०—अलगी राजा, गंभापुर, बहराइच ।→२३-११८ ।

चिंतामणि प्रसंग (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० लोक व्यवहार और परमार्थ ज्ञान ।

प्रा०—श्री गिरजालाल वैद्य, बेलनगंज, आगरा ।→२६-३१८ ।

चिंतामनि (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० १८८४ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री रामचरित्र दूबे, अभदेवा, डा० सेमरी महमूदपुर (मुलतानपुर) ।→सं० ०१-३२ घ ।

चिंतामनि—मिश्र ब्राह्मण । शिवराम के पुत्र । सं० १७८८ के लगभग वर्तमान ।

चिंतामनि पद्धति (गद्यपद्य)→४१-६६ ।

चिंतामनि पद्धति (गद्यपद्य)—चिंतामनि कृत । र० का० सं० १७८८ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-६६ ।

चिंतावणि बोध (ग्रंथ) (पद्य)—सुरतराम (जन) कृत । वि० माया से बचने का उपदेश ।

(क) प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० बलदेव (मथुरा)→३५-९७ ए ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी→सं० ०७-२०१ क ।

चितावणी→'भयचितावनी' (लालस्वामी हित कृत) ।

चितावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—जगजीवनदास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-५२ क ।

चितावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११४ क ।

चितावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवादास कृत । लि० का० सं० १८५५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२६६ क ।

चिकित्सा (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मनुष्यों और घोड़ों की चिकित्सा ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१६५ ।

चिकित्सामृतार्णव (पद्य)—रघुवरसिंह कृत । र का सं १८८६ । लि का सं १६६१ । वि वैद्यक ।
प्रा —ठा प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर कैसरपुर बाजार (बहराइच) ।→२१-११५ ए ।

चिकित्सा सार (पद्य)—वीरबराम कृत । र का सं १८८१ । वि वैद्यक ।
(क) लि का सं १८६८ ।
प्रा —पं बालकिसन वैद्य वेलनगंज, आगरा ।→२६-८७ ।
(ख) लि का सं १६ २ ।
प्रा०—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→०६-७२ ।
(ग) प्रा —श्री चिरंजीलाल वैद्य ज्योतिषी सिकंदराबाद बुलंदशहर ।→१७-४६ ।
(घ) प्रा०—ठा प्रतापसिंह उमरावसिंह अलीपुर, डा कैसरपुर बाजार (बहराइच) ।→२१-१ १ ।
(ङ)→पं २२-२७ ए, बी ।

चिकित्सा सार संग्रह (गद्य)—रघुनाथ कृत । वि वैद्यक ।
प्रा —श्री महादेवसिंह वैद्य मलिकमऊ-चौबारा (रायबरेली) ।→सं ४-११६ ।

चिकित्सा सिंधु (गद्य)—रंगीलाल (पंडित) कृत । मु का सं १६५१ । वि वैद्यक ।
प्रा —श्री भोलानाथ त्रिपाठी मलाकिया डा बिगवास (प्रतापगढ़) ।→सं ४-११४ ।

चितावणी (पद्य)—लालदास कृत । लि का सं १८६१ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ०७-१७५ ।

चितावनी (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञान उपदेश चितावनी और ज्ञानोपदेश' । खेमदास (खेम) कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १८०१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१७ घ ।
(ख) लि का सं १८५६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-४१ ।
(ग) लि का सं १८५६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१७ ग ।
(घ) प्रा —श्री दाताराम महंत कबीरगद्दी मेवली डा बागेर (आगरा) ।→११-१

चितावणी (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। र० का० स० १८३४। वि० रामभक्ति और उपदेश आदि।
 (क) लि० का० स० १८६३।
 प्रा०—पं० वंशीधर चतुर्वेदी, असनी (फतेहपुर)।→२०-१४३।
 (ख) प्रा०—प० हीरालाल शर्मा, स्टेशन मास्टर, रे० स्टेशन टिंडौली (मैनपुरी)।→३२-१७५ बी।
 (ग) प्रा०—प० हुब्बलाल तिवारी, मदनपुर (मैनपुरी)।→३२-१७५ सी।
 (घ) प्रा०—प० पूरनमल, वैजुआ, डा० अरॉव (मैनपुरी)।→३२-१७५ डी।
 (ङ) प्रा०—प० श्यामलाल, आरोंज, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१७५ ई।
 (च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१६५ ग, घ।
 (छ)→प० २२-६१ ए।

चितावणी (पद्य)—रामानंद (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
 प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१६८ क।

चितावणी कौ ग्रंथ (पद्य)—अन्य नाम 'विवेक चिंतावणी'। सुदरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
 (क) लि० का० स० १८५६।
 प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१६३ च।
 (ख) प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६-३११ टी।
 (ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-१६३ छ।
 (घ)→०२-२५ (तेरह)।

चित्तरसिंह—गोपालगंज (सागर) के सहायक पुलिस इंसपेक्टर। स० १६१८ के लगभग वर्तमान।
 ज्योतिष सार नवीन संग्रह (गद्यपद्य)→३५-१८।

चित्तविनोद (पद्य)—रामलाल कृत। लि० का० स० १६४१। वि० स्फुट छंद, भड़ौआ, पहेली आदि।
 प्रा०—ठा० हुकुमसिंह शृंगार हाट, अयोध्या।→२०-१५० ए।

चित्तौड़ के घराने का ब्योरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चित्तौड़ के राजघराने का वर्णन।
 प्रा०—श्री प्रभुदयाल शर्मा, संपादक 'सनाढ्य जीवन' इटावा।→३८-१७०।

चित्तौड़ के राना की पीढी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १७७४। वि० चित्तौड़ के राजा रावल और राणाओं की सूची।
 प्रा०—प० कुमारपाल पचौली, डा०तरामई शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-२४०

चित्तौड़ टूटने का संवत् (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० चित्तौड़ के टूटने का समय और तीन महाराणाओं का उल्लेख।
 प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३६६।

चित्र काव्य (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'चित्र मीमांसा'। जगतसिंह कृत। र का सं १८२७।
वि चित्र काव्य के माध्यम से अलंकार वर्णन।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —ठा तालुकेदारसिंह मझलमऊ (गोंडा)।→२ -६४ सी।
(ख) लि का सं ६१७।
प्रा —भैया तालुकेदारसिंह चोतहा (गोंडा)।→ ६-१२७ बी।
चित्र काव्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६६। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-३६७।
चित्र काव्य (बन्धविलास (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत। लि का सं १९२४।
वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —चौधरी कुन्नूलाल रईस करहल (मैनपुरी)।→१८-४५।
चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—ग्रन्थ नाम चित्रकूट विलास। कृपाराम कृत। र का सं १८१५। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८१।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-१८१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-४।
चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—महीपाल कृत। र का सं १९१८। लि का सं १९१८। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं विष्णुमरोसे पुरा बहादुरपुर डा बेहटागोकुल (हरदोई)।→ २६-२२१।
चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—मोहन कृत। र का सं १८२८। वि नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट अयोध्या।→१७-१११।
(ख प्रा —महंत रामलखनलाल लक्ष्मण किला अयोध्या।→२०-१ ७।
चित्रकूट माहात्म्य (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —महंत मोहनदास स्थान बाबा पितांबरदास का लोनामऊ डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-२६ (परि १)।
चित्रकूट विलास (पद्य)—हृदयराम कृत। वि चित्रकूट का वर्णन।
प्रा —श्री मिश्रा मिश्र बलहर (बस्ती)।→सं ४-६६४।
चित्रकूट विलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १८१५। लि का सं १९२४। वि चित्रकूट माहात्म्य।
प्रा—श्री शिवप्रकाश त्रिवेदी मुन्नूलाल त्रिवेदी का पुरवा डा भंवारा पश्चिम (रायबरेली)। →सं ४-६६७।
चित्रकूट विलास→'चित्रकूट माहात्म्य (कृपाराम कृत)।
चित्रकूट शतक (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत। र का सं १८७४। वि चित्र

कूट माहात्म्य और सीताराम का गुणगान आदि।

(क) प्रा०—प० चुन्नीलाल, बाँदा।→०६–२1३।

(ख) प्रा०—प० रामस्वरूपदास, हनुमानगढी, अयोध्या।→२०–१५२।

चित्रगुप्त की कथा (पद्य)—मुन्नूलाल कृत। र० का० स० १८५१। लि० का० स० १८८५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर खीरी (लखनऊ)।→२६–२३८।

चित्रगुप्त की कथा (पद्य)—मोतीलाल (द्विज कवि) कृत। वि० कायस्थों की उत्पत्ति का वर्णन।

प्रा०—लाला रामगोपाल, बेला, डा० भरथना (इटावा)।→३८–१०१।

चित्रगुप्त प्रकाश (पद्य)—प्रताप कृत। र० का० स० १८७५। लि० का० स० १६१६। वि० कायस्थ वशावली वर्णन।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर।→०६–६२ ए।

चित्रगुप्त प्रकाश (पद्य)—सवसुख कृत। र० का० स० १८७३। लि० का० स० १६११। वि० कायस्थोत्पत्ति वशावली वर्णन।

प्रा०—लाला जगतराज, सदर कचहरी, टीकमगढ।→०६–१०६।

चित्रचंद्रिका (गद्यपद्य)—काशीराज कृत। र० का० स० १८८६। वि० चित्र काव्य वर्णन।

(क) लि० का० स० १६३१।

प्रा०—प० रामशकर, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)। → २३–२०५।

(ख) लि० का० स० १६३१।

प्रा०—प० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० विजनौर (लखनऊ)। → २६–१८६ ए।

(ग) प्रा०—प० रामेश्वर भट्ट, गोकुलपुरा, आगरा।→०६–१४५।

चित्रचद्रिका→'अलकार (ग्रथ)' (ईश्वर कवि कृत)।

चित्रवध काव्य (पद्य)—चैन (?) कृत। वि० चित्र काव्य।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१५३।

चित्र मीमासा→'चित्र काव्य' (जगतसिंह कृत)।

चित्रमुकुट की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८२०। वि० राजा चित्रमुकुट और रानी चद्रकिरण की प्रेम कहानी।

प्रा०—प० मकसूदनलाल, गुड़ की मडी, डा० फतहपुर सीकरी (आगरा)।→ २६–४५३।

चित्रमुकुट (राजा) की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० उज्जैन के राजा चित्रमुकुट की कथा।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४ ७।

चित्रमुकुट रानी चंद्रकिरन की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८५। वि राजा चित्रमुकुट और राजकुमारी चंद्रकिरन की कहानी।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-२११।

चित्रावली (पद्य)—उसमान (मान) कृत। र का सं १६७। लि का सं १८ २। वि नेपाल के राजा धरनीधर के पुत्र सुजान और रूपनगर के राजा चित्रसेन की कन्या चित्रावली के प्रेम की कहानी।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ ४-१२।

चित्रविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १७७२। वि वेदांत के मता नुसार सृष्टि की उत्पत्ति प्रलय आदि।
प्रा०—पं माखनलाल मिश्र मथुरा।→ -७१।

चिदम्भाराम—(?)
तिपदा (त्रिपदवेदांत निर्णय) (गद्य)→१८-२१।

चिन्ह चिंतामणि (पद्य)—पूर्णब्रह्म कृत। लि का सं १७५१। वि तिल मस्सा आदि लाक्षणिक चिह्नों पर सामुद्रिक विचार।
प्रा०—पं राधेश्याम द्विवेदी स्वामीघाट मथुरा।→१२-१७२

चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन)—चिम्मनलाल के पितृव्य का नाम मन्नालाल जिन्होंने चिम्मनलाल (अनुवादक) के कहने पर प्रस्तुत ग्रंथ की वचनिका तैयार की।
प्रद्युम्न चरित (गद्य)→सं १ -११।

चिरजीव—(?)
भयाहर सिंगार (पद्य)→२६-७२।

चिरंजीव (महापात्र)—पिता का नाम शतावधान महापात्र। किसी यदुवंश गौड़ के आश्रित। सं १६०५ के पूर्व वर्तमान।
कुंडलावली (पद्य)→सं ८-६७।

चिरई चलनी (पद्य)—फेंक (द्विज) कृत। वि विरह शृंगार।
प्रा०—श्री विश्वनाथप्रसाद तिवारी मंभना बरहज, डा बरहज (गोरखपुर) → सं १-२२१।

चोखा—(?)
चौखा की बारहमासी (पद्य)→१८-१ ।
खो वि सि १८ (११ -६४)

चोखा की बारहखड़ी (पद्य)—चोखा कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० भक्ति का उपदेश।
प्रा०—पं० सुखदेव शर्मा, शेरगढ़ (मथुरा)।→३८–३०।

चीतानामा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शेर और व्याघ्र को जीवित पकड़ने और पालने की विधि।
प्रा०—महाराजा महेंद्र मानसिंह, महाराजा भदावर, नौगवाँ (आगरा)।→ २६–३५६।

चीर चिंतामणि→'चीरहरन लीला' (उदय कवि कृत)।

चीरहरण लीला (पद्य)—गौरीशंकर कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा नारायणाश्रमकुटी, ग्राम तथा डा० मोहनपुर (एटा)।→ २६–१०२ ए।

चीरहरण लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा०—पं० गंधर्वसिंह, गढ़ी दानसहाय, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→ ३५–१५० ए।
(ख) प्रा०—पं० नेकराम शर्मा, उरमुरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→ ३५–१५० बी।

चीरहरन लीला (पद्य)—अन्य नाम 'चीर चिंतामणि'। उदय (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८७८।
प्रा०—श्री रमन पटवारी, पसौली, डा० तरोली (मथुरा)।→ ३५–१०२ सी।
(ख) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा।→३२–२२३ बी।
टि० खो० वि० ३५–१०२ सी के हस्तलेख के साथ रचयिता की 'देवीस्तुति' भी संकलित है।

चुणकरनाथ—अन्य नाम चौणकनाथ। कोई नाथ या सिद्ध। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६, ४१–७०।
सबदी (पद्य)→सं० १०–३४।

चुन्नीलाल—ब्राह्मण। जयपुर के महाराज सवाई प्रतापसिंह के आश्रित। 'राधागोविंद संगीत सार' की रचना में मथुरा भट्ट, श्रीकृष्ण और रामराय के सहयोगी। सं० १८७१ के लगभग वर्तमान।→१२–१११।

चुरिहारिन भेष (पद्य)—अन्य नाम 'चुरेरिन लीला'। हंसराज (बख्शी) कृत। वि० कृष्ण का मनिहारिन रूप में राधा के पास जाने की लीला।
(क) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→२६–४५ ई।

(ख) प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६-१६५ ए ।

टि प्रस्तुत ग्रंथ 'सनेहसागर' का एक अंश है ।

चुरेरिन लीला→'चुरिहारिन भेष (हंसराज बख्शी कृत) ।

चूकविवेक (पद्य)—रतन (कवि) कृत । लि का सं १८५५ । वि नीति ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-१ ।

चूड़ामणि—(?)

नागलीला (पद्य)→सं १-११४ ।

चूड़ामणि (मिश्र)—ब्राह्मण । मोहनलाल के पिता । चरखारी निवासी । सं १९१९ के पूर्व वर्तमान ।→०१-७ ।

चूड़ामणि शकुन (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । वि शकुन विचार ।

प्रा —पं रघुनाथराम शर्मा गायघाट वाराणसी ।→ ६-१९५ बी ।

चंद्रचंद्रिका (पद्य)—गोकुलनाथ (भट्ट) कृत । र का सं १८२८ । वि अलंकार ।

(क) लि का सं १८८६ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-११ ।

(ख) प्रा —महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय गोंडा । → ६-३६ बी ए -५१ ।

(ग) प्रा —भैया उदयप्रसादसिंह गुठवारा (बहराइच) ।→११-११ ।

चेतन—जैन । ऋद्धि विजय वाचक के शिष्य । संभवतः बंगाल के निवासी । जन्म सं १८ ५ (?) ।

ककका पैंतीसी (पद्य)→४१-३९ क ।

चैत्यवंदन (पद्य)→४१-३९ ख ।

लघुपिंगल (भाषा) (पद्य)→४१-३९ ग ।

चेतनकर्म चरित्र—भगौतीदास (भैया) कृत । र का सं १७३२ । वि ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७८१ ।

प्रा —विशारप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ -१११ ।

(ख) प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं ४-२५१ ग ।

चेतनदास→'चतुरदास (रसलाम या सदेमाबाद निवासी) ।

चेतनदास (स्वामी)—स्वामी रामानंद के अनुयायी । सं १५१७ के लगभग वर्तमान ।

प्रसंग पारिजात (गद्यपद्य)→सं ४-२८ ।

चेतननामा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा॰—हिंदुस्तानी अकादमी इलाहाबाद ।→सं १-११६ च ।

चेतनिचंद→'ताराचंद' ('शालिहोत्र' के रचयिता)।

चेतसार (पद्य)—गूँगाराम कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० भक्ति।
प्रा०—महंत श्री गंगारामदास कुटी, गूँगराम, पँचपेड़ा (गोंडा)। →सं० ०७-३४ ग।

चेतसिंह—काशी नरेश। राज्यकाल सं० १८२७-१८३८। गोकुलनाथ और लाल कवि के आश्रयदाता।→००-२, ०३-११३, १७-१०५, २०-५१।
लक्ष्मीनारायण विनोद (पद्य)→०६-४७।

चेतसिंह (दुल्ली)—दिल्ली निवासी।
बारहमासी (पद्य)→३२-५६।

चेतावनी (पद्य)—धरनीदास कृत। लि० का० सं० १८४१। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१७० क।

चेतावनी→'चितावणी' (स्वामी रामचरण कृत)।

चेतावनी दोहा (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। र० का० सं० १६३१ (?)। लि० का० सं० १८६८। वि० उपदेश।
प्रा०—श्री रामप्रसाद, अध्यापक, फोटला (आगरा)।→२६-३२५ जी[2]।

चैत्यवंदन (पद्य)—चेतन कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० २४ जैन देवताओं की स्तुति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-६६ ख।

चैन—दादू के अनुयायी अथवा शिष्य। सं० १६६१ के लगभग वर्तमान।
चित्रबंध काव्य (पद्य)→सं० ०१-१५३।
सबद फुटकर (पद्य)→सं० ०७-४७।

चैनराम—दूनी (जयपुर) के गोगावत ठाकुर चाँदसिंह के आश्रित। सं० १८८५ के लगभग वर्तमान।
भारतसार (भाषा) (पद्य)→०१-८३।

चैनराय—प्रियादास के शिष्य। सं० १७६६ के लगभग वर्तमान।
भक्ति सुमिरनी (पद्य)→०६-१४३।

चोखन—बालकराम के शिष्य।
प्रह्लादचरित्र (पद्य)→३८-३३।

चोपसिंह—उपनाम चोप।
हरिजस (पद्य)→सं० ०४-६६।

चोरमिहचनी (पद्य)—उदय (कवि) कृत। लि० का० सं० १८८५। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—पं० मदनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८-१५६ बी।

चौबीसा (पद्य)—कबीरदास कृत। वि॰ ज्ञान।
    प्रा॰—पं॰ भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर)।→०९-१४१ ओ।

चौबीसी (पद्य)—जसवंतसिंह कृत। र॰ का॰ सं॰ १८७८। वि॰ उपदेश।
    प्रा॰—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ १-१ बी।

चौअखरी (ग्रंथ)→'चौखरी (ग्रंथ)' (तुरसीदास निरंजनी कृत)।

चौका पर की रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि॰ ज्ञानोपदेश।
    प्रा॰—पं॰ भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिर्जापुर)।→ ९-१४१ एन।

चौखरी (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत। वि॰ निर्गुण ज्ञान।
    (क) लि॰ का॰ सं॰ १८१८।
    प्रा॰—डा॰ वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→१५-१ बी
    (ख) लि॰ का॰ सं॰ १८५१।
    प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं॰ ७-७ ख।

चौणकनाथ→ चुणकरनाथ ('सबदी' के रचयिता)।

चौवास चिंतामणि (पद्य)—कुंदन (द्विज) कृत। वि॰ राम के प्रति विनय और राधाकृष्ण के फाग आदि का वर्णन।
    प्रा॰—पं॰ भागीरथप्रसाद उरका ग्रा॰ भीखौर (प्रतापगढ़)।→२६-२११।

चौवास पचासा (पद्य)—भोरीलाल (शर्मा) कृत। वि॰ राधाकृष्ण विषयक शृंगार एवं लीलाएँ।
    प्रा॰—पं॰ सत्यनारायण त्रिपाठी ग्रा॰ डा॰ गड़वारा (प्रतापगढ़)।→ २६-२।

चौवास रसिक मन भावन (पद्य)—जयराम (द्विज) कृत। वि॰ रासवरन, बारह मासी इत्यादि।
    प्रा॰—सेठ छोटेलाल लक्ष्मीचंद पुस्तक विक्रेता अयोध्या।→९-४२।

चौबीसी (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत। वि॰ ज्ञान।
    प्रा॰—महंत लक्ष्मणलालशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या।→ ९-१२९ सी।

चौथमल (ऋषि)—पाली (राजपूताना) निवासी। सं॰ १८५१ के लगभग वर्तमान।
    मैत्री (पद्य)→दि॰ ११-१९।

चौदह विद्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि॰ का॰ सं॰ १८६१। वि॰ शृंगार वर्णन।
    प्रा॰—श्री रामवल्लभ राजेपुर (उन्नाव)।→२६-१ (परि॰ ३)।

चौपड़ की ख्याल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि॰ चौपड़ के माध्यम से अध्यात्म।
    प्रा॰—पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-११८।

चौबीस अवतार को जस (पद्य)—मनसाराम कृत। वि० चौबीस अवतारों की कथा।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–२७२ ख।

चौबीस एकादशी माहात्म्य (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६७। वि० एकादशी माहात्म्य।

प्रा०—श्रीनाथ पुस्तकालय, सिरसा (इलाहाबाद)।→१७–२० (परि० ३)।

चौबीस तीर्थंकर की विनती (पद्य)—नथमल कृत। वि० जैन तीर्थंकरों की स्तुति।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–१७७।

चौबीस तीर्थंकरो की पूजा (जयमाल) (पद्य)—रामचंद्र (जैन) कृत। वि० चौबीस तीर्थंकरो की पूजा।

(क) लि० का० स० १८५६।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, किरावली (आगरा)।→दि० ३१–१७४ बी।

(ख) लि० का० स० १६४६।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०–११४।

चौबीस पद (गद्यपद्य)—देवचंद्र कृत। लि० का० स० १६०४। वि० चौबीस जैन-तीर्थंकरों के स्तवन।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–२४।

चौबीस महाराज की विनती (पद्य)—चंद्र कृत। र० का० स० १८०७। लि० का० स० १६२५। वि० जैन मतानुसार चौबीस अवतारों की स्तुति।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, रायभा, डा० अछनेरा (आगरा)।→३२–३७।

चौबीसो महाराज की पूजा→'चौबीस तीर्थंकरो की पूजा (जयमाल)' (रामचंद्र जैन कृत)।

चौबोला (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत। लि० का० स० १७७१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ स० १०–२४ ख।

चौबोला—'तरंगभेप मालिन' (प्राणसुख कृत)।

चौरंगीनाथ—गोरखनाथ के गुरुभाई। राजा सालवाहन के पुत्र और मछिंद्रनाथ के शिष्य। 'सिद्धा की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–५६, ४१–७१।

सबदी (पद्य)→स० १०–३५।

चौरासी की टीका (पद्य)—रसिकलाल कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के प्रसिद्ध ग्रंथ 'चौरासी' की भाषा टीका।

प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१५५।

चौरासीजी को माहात्म्य (पद्य)—वृजजीवनदास कृत। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के ८४ वैष्णवों का माहात्म्य।

प्रा —गो गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर तिमुहानी, मिरजापुर।→ ६–३४ डी।

चौरासी पद (पद्य)—अन्य नाम प्रेमलता' हरिवंश चौरासी और हित चौरासी बनी। हितहरिवंश कृत। वि राधाकृष्ण की लीला।

(क) लि का सं १८२४।

प्रा०—पं दीनानाथ पाठक पचौली डा अलीगंज (एटा)।→२६–१५५ ए।

(ख) लि का सं १८९१।

प्रा —पतिवानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १–१७४ (विवरण अप्राप्त)।

(ग) लि का सं १८१।

प्रा —राजा अमरसिंह महरिया डा बिसवाँ (सीतापुर)।→२६–१७१ बी।

(घ) लि का सं १८४१।

प्रा —पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज लखनऊ।→२२–१६८ ए।

(ङ) लि का सं १८६६।

प्रा —भैया संतबख्शसिंह गुठवा (बहराइच)।→२३–१६८ बी।

(च) लि का सं १८६६।

प्रा —पं कन्हैयाप्रसाद दीक्षित मई डा बटेश्वर (आगरा)। → २३–१६८ सी।

(छ) लि का सं १८८६।

प्रा —पं शिवकंठ बाजपेयी बुमरारा डा बैंतीपुर (उन्नाव)।→२६–१०६ ए।

(ज) प्रा —श्री श्रीकृष्ण चौबे पिनाहट (आगरा)।→२६–१५५ बी।

(झ) प्रा —पं वासुदेवसहाय फतेहपुरसीकरी आगरा।→२९–१५५ सी।

(ञ) प्रा —हिंदी साहित्य पुस्तकालय मौरावाँ (उन्नाव)।→सं ४–४४१ क।

टि खो वि सं ७–२१४ में प्रस्तुत ग्रंथ 'हितचौरासी टीका' नाम से सटीक प्राप्त हुआ है।

चौरासी बोल (पद्य)—बायबाब कृत। वि भक्ति तथा परमार्थ विषयक चौरासी उपदेश।

प्रा —पं भूदेव शर्मा छौली डा श्रीबलदेव (मथुरा)।→४५–४१।

चौरासी रमैनी (पद्य)—विश्वनाथसिंह कृत। लि का सं १९ ४। वि ज्ञानोपदेश (कबीरदास की रमैनी पर टीका)।

प्रा०—महंत लक्ष्मणदासशरण लक्ष्मणकिला अयोध्या।→ ६–१२६ डी।

चौरासीवार्ता भाव (गद्यपद्य)—हरिराय कृत। लि का सं १८०१। वि महाप्रभु के चौरासी भक्तों के चरित्र।

प्रा —पं रामावतार शुक्ल (गौड़), प्रधानाध्यापक, मिडिल स्कूल बौंडी (बहराइच)।→२३–१५६ बी।

चौरासी वैष्णवन की वार्ता की भाव टीका (गद्य)—हरिराय कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० पुष्टिमार्गी चौरासी वैष्णवों का जीवन वृत्त।
प्रा०—श्री दीनदयालु गुप्त, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। →स० ०४-४३६।

चौरासी वैष्णवों की वार्ता (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० वल्लभाचार्य की सेवा में उपस्थित होने वाले ८४ पुष्टिमार्गी भक्तों का वर्णन।
(क) लि० का० स० १८४६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१-५५ घ।
(ख) प्रा०—श्री मुरारीलाल केडिया, नदनसाहू की गली, वाराणसी। → ४१-५५ क।
(ग) प्रा०—बाला गोपालदास, चैतन्य रोड, वाराणसी। →४१-५५ ख।
(घ) प्रा०—बाबू बालकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी। →४१-५५ ग।
(ङ) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। → स० ०१-८८ ङ।

चौरासी सटीक (पद्य)—जुगलदास कृत। र० का० स० १८२१। वि० राधावल्लभ सप्रदाय के 'चौरासी' नामक ग्रथ की टीका।
प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)। →१२-८७ ए।

चौरासी सटीक (पद्य)—धरणीधरदास कृत। लि० का० स० १७४६। वि० राधाकृष्ण का अनुराग वर्णन।
प्रा०—गो० मनोहरलाल, वृंदावन (मथुरा)। →१२-५१।

चौरासी सार (पद्य)—वृजजीवनदास कृत। वि० हित हरिवंश जी की आलोचना।
प्रा०—गो० गोर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर। → ०६-३४ सी।

चौर्यलीला (पद्य)—गगसरन कृत। वि० श्रीकृष्ण की माखनचोरी लीला का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली। →स० ०१-६७।

चौसारचक्र (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत। र० का० स० १८३७। लि० का० स० १८४५। वि० हीरा जवाहरात की तौल, दर आदि जानने की रीति।
प्रा०—प० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी। →०६-१६५ बी।

छद गोरखनाथजी का—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में सगृहीत। → ०२-६१ (चौबीस)।

छदछप्पनी (पद्य)—मणिराम कृत। र० का० स १८२६। वि० पिंगल।
(क) लि० का० स० १८५३।
प्रा०—प० सुखनदनप्रसाद अवस्थी, कटरा, सीतापुर। →१२-१०७।
(ख) प्रा०—श्री रामदेव ब्रह्मभट्ट, नुनरा, लम्हा (सुलतानपुर)। → २३-२६७।

छंद दस्तखत (पद्य)—दिग्विजयसिंह कृत । वि प्रार्थियों के पद्यात्मक प्रार्थना पत्र और उनके पद्यात्मक उत्तर ।

प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→२०–४१ ।

छंद पचीसी (पद्य)—उदयनाथ (कवींद्र) कृत । र का सं १८५१ । लि का सं १८६१ । वि पिंगल ।

प्रा —दी पब्लिक लाइब्रेरी भरतपुर ।→१७–१९८ ।

छंद पयोनिधि (पद्य)—हरिदेव कृत । र का सं १८९२ । वि पिंगल ।

(क) लि का सं १९११ ।

प्रा —लाल श्री कंठनाथसिंह बेनुगाँवाँ (बस्ती) ।→सं ४–४११ ।

(ख) लि का सं १९२१ ।

प्रा —श्री रंगीलाल कोसी (मथुरा) ।→१७–७१ ए ।

छंद प्रकाश (पद्य)—बिहारीलाल (ब्रजवाल) कृत । वि पिंगल ।

प्रा —श्री रामचंद्र राधागोविंद दरबीला गोवर्धन (मथुरा) ।→१८–१५ ।

छंद प्रकाश (गद्यपद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । वि पिंगल ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–१२ ।

छंद बंध सूत्र देवपूजा, पद्य (पद्य)—मोहनलाल कृत । र का सं १९१२ । लि का सं १९५ । वि मोक्षज्ञान का वर्णन ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर अहियागंज, डाटवाली मोहल्ला लखनऊ ।→ सं ४–१ ४ ।

छंद मंजरी (पद्य)—मीराम (भट्ट) कृत । वि पिंगल ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ १–११२ (विवरण अप्राप्त) ।

छंदमहोदधि पिंगल (गद्यपद्य)—उत्तमदास कृत । र का सं १९ ४ । लि का सं १९१४ । वि छंद शास्त्र ।

प्रा —श्री चंद्रशेखर (ब्राह्मण) मिश्र भैरोपुर डा करवा (जौनपुर) ।→ सं ८–२१ ।

छंद रत्नाकर (पद्य)—ब्रजलाल (भट्ट) कृत । र का सं १८८१ । वि पिंगल ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१६ ।

छंद रत्नावली (पद्य)—जुगलदास कृत । र का सं १७१ । लि का सं १९ ८ । वि पिंगल ।

प्रा —बाबू हनुमानप्रसाद सहायक पोस्टमास्टर राधा (मथुरा) ।→१९–१७७ ।

छंद रत्नावली (पद्य)—हरिराम कृत । र का सं १७५५ । वि पिंगल ।

(क) लि का सं १८७६ ।

प्रा०—श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, क्राइस्ट चर्च कालेज, लखनऊ ।→ सं ४–४१५ ।

खो सं वि १९ (११ –६४)

(ख) लि० का० स० १६५१ ।

प्रा०—श्री गौरीशकर कवि, दतिया ।→०६–२५७ (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) प्रा०—प० सतानद, धोवापुर (अलीगढ) ।→१२–७३ ।

(घ)→प० २२–३८ ।

छद विचार (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० स० १६४३ ।

प्रा०—प० जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर) ।→०६–३०७ बी ।

(ख) लि० का० स० १६४३ ।

प्रा०—पं० कृष्णबिहारी मिश्र, सपादक 'माधुरी', लखनऊ ।→२३–४१२ जे ।

(ग) लि० का० स० १६४३ ।

प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ ।→२६–४६५ सी ।

छद विचार→'पिंगल' (चिंतामणि कृत) ।

छद विनती (पद्य)—जगजीवन (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८११ । लि० का० स० १६४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर) ।→ २६–१६२ एल ।

छदशास्त्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पिंगल ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–५१३ ।

छद शिरोमणि (पद्य)—भद्रनाथ (दीक्षित) कृत । र० का० स० १८८० । वि० पिंगल ।

(क) लि० का स० १८६० ।

प्रा०—ठा० गणेशसिंह, आदमपुर, डा० टँडियाव (हरदोई) ।→२६–३२ ।

(ख) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—पं० मनिया मिश्र वैद्य, सुभानपुर, डा० बिल्हौर (कानपुर) ।→२६–४७ ।

छदसार (पद्य)—अन्य नाम' तामरूप दीप पिंगल' तथा 'रूपदीप' । जयकृष्ण कृत । र० का० स० १७७२ । वि० पिंगल ।

(क) लि० का० स० १६१० ।

प्रा०—प० नवनीत चतुर्वेदी, मथुरा ।→००–८० ।

(ख) लि० का० स० १६१२ ।

प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगज (बाराबकी) ।→०६–१३८ ।

(ग) प्रा०—प० महावीरप्रसाद अवस्थी, ग्राम तथा डा० निगोहा (रायबरेली) । →२३–१६० ए ।

(घ) प्रा०—प० गुलजारीलाल, गणेशगज, लखनऊ ।→२३–१६० बी ।

(ङ)→प० २२–४६ ।

छंदसार (पद्य)—नारायणदास कृत । र का सं ८११६ । वि पिंगल ।
(क) लि का सं १८८८ ।
प्रा०—पं श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर ।→सं ७-१ ७ ।
(ख) लि का सं १८६६ ।
प्रा०—श्री गौरीशंकर कवि दतिया ।→ ६-७८ ए ।
(ग) लि का सं १६२५ ।
प्रा —पं चंद्रसेन पुजारी जुरखा ।→१७-१२१ ए ।
(घ) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७-१२१ बी ।
छंदसार (पद्य) स्तुति (मिश्र) कृत । वि पिंगल ।
प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर ।→४१-२६१ ख ।
छंदसार पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल' तथा 'वृत्तकौमुदी' । मतिराम कृत । र का सं १७५८ । वि छंदशास्त्र ।
(क) लि का सं १८६२ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१८२ ।
(ख) लि का सं १६५१ ।
प्रा०—पं कन्हैयालाल मह, महापात्र असनी (फतेहपुर) ।→९ -१ ५ ए ।
(ग) प्रा०—पं युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर) ।→१२-१११ ।
(घ)→सं २१-६४ सी ।
छंदसार पिंगल (पद्य)—शिवप्रसाद कृत । वि पिंगल ।
(क) लि का सं १६१६ ।
प्रा०—श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरवा बिश्रामदास डा परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६-४५ ।
(ख) प्रा०—श्री लालूप्रसाद मरेरे, बाउथ डा मकरई (इटावा) ।→ १८-१४१ ।
छंदसार पिंगल→'छंदोनिवास सार' (शुकदेव मिश्र) ।
छंदाटवी (पद्य)—गुमान (द्विज) कृत । वि पिंगल ।
प्रा —श्री हीरालाल चौधरी नवीस सरकारी ।→ ९-४४ बी ।
छंदार्णव (पिंगल) (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । र का सं १७६६ । वि पिंगल ।
(क) लि का सं १८८१ ।
प्रा —बाबू मक्खनलाल श्रीवास्तव भीखसा डा लालगंज (प्रतापगढ़) । → २६-६१ सी ।
(ख) लि का सं १६ ४ ।
प्रा —श्री महाराज भगवानबख्शसिंह अमेठी राज्य (सुलतानपुर) ।→ ११-६५ ए ।

(ग) लि० का० स० १६०६
प्रा०—श्री आशाशंकर त्रिपाठी, कमउर्ला, डा० मरपतहा (जौनपुर) ।→ स० ०४–२६१ घ ।
(घ) लि० का० स० १६४२ ।
प्रा०—पं० लक्ष्मीकांत तिवारी रईस, नमुआपुर, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ) ।→२६–६१ डी ।
(ङ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–३१ ।
(च) प्रा०—श्री बैजनाथ हलवाई, असनी (फतेहपुर) ।→२०–१७ सी ।
(छ) प्रा०—बाबू पद्मनरेशसिंह तालुकेदार, लबेदपुर (बहराइच) ।→ २३–५५ बी ।
(ज) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३–५५ सी ।
(झ) प्रा०—श्री चन्द्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ) । →स० ०४–२६१ ट ।
टि० खो० वि० स० ०४–२६१ ट का हस्तलेख 'छंदार्णव' का तीसरा अध्याय है ।

छंदावली रामायण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० राम कथा ।
(क) लि० का० स० १६०६ ।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–४३२ एफ ।
(ख) लि० का० स० १६११ ।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ ।→२३–४३२ ई ।
(ग) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०३–८२ ।

छदू या छिद्दूराम→'छदूराम' ('लग्नसुंदरी' के रचयिता) ।

छंदोनिधि पिंगल (पद्य)—मनराखनदास कृत । र० का० स० १८६१ । लि० का० स० १६५३ । वि० पिंगल ।
प्रा०—मालवीय शिवदास वाजपेयी, दूलहपुर (मिरजापुर) ।→०६–१८७ ।

छंदोनिवास सार (पद्य)—अन्य नाम 'छंदसार पिंगल' । सुखदेव (मिश्र) कृत । वि० पिंगल ।
(क) लि० का० स० १६२७ ।
प्रा०—पुत्री पं० द्वारिकाप्रसाद त्रिवेदी, द्वारा श्री देवीदीन कुरमी, नंबरदार, लक्ष्मणपुर, डा० सतरिख (बाराबंकी) ।→२३–४१२ एल ।
(ख) लि० का० स० १८७५ ।
प्रा०—श्री गणपतिराम शर्मा, शाहदरा, दिल्ली ।→ दि० ३१–८० बी ।

छज्जू—(?)

बारहमासी ख्याल (पद्य)→वि ११–२ ।

छठी के पद (पद्य)—परमानंददास कृत । वि श्री कृष्ण की छठी का उत्सव ।
प्रा —श्री हरिचरण गोस्वामी रिठौरी डा फरखाना (मथुरा) ।→१५–७१ ए ।

छठी महात्म (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि छठी का माहात्म्य (सूर्यव्रत) ।
प्रा —पं चंडीप्रसाद पंडित, डा चितावी (बस्ती) ।→सं ७–११८ ।

छत्र या छत्र (जैन)—(?)
मंगलाल चरित्र (पद्य)→सं १०–११ ।

छत्तीस अक्षरी (पद्य)—दीनदास (साहब) कृत । र का सं १९२१ । लि का
सं १९५ । वि ज्ञानोपदेश और भक्ति ।
प्रा —बाबा भारतमर्दन दलौकी डा फतहपुर (बाराबंकी) ।→२१–११६ ।

छत्र—संभवतः 'मंगलाल चरित्र' के रचयिता छत्र और छत्र एक ही हैं ।
परमार्थ ठविम प्रकाश (भाषा) (पद्य)→सं १ –१७ ।

छत्र (कवि)—वास्तविक नाम छत्रसिंह । श्रीवास्तव कायस्थ । अमरदास के वंशज ।
गोविंददास के पौत्र तथा भगीरथ के पुत्र । आदि स्थान बीगरमऊ । अटेर
(ग्वालियर) के राजा कल्याणसिंह के आश्रित । सं १७५७ के लगभग वर्तमान ।
विक्रम चरित्र (पद्य)→१२–४४ ।
विजय मुक्तावली (पद्य)→०१–२१ ६–४८ २१–८१ ए से के तक २६ ६८ ए
से इ तक दि ११–२१ ।
सुधासार (पद्य)→२६–६८ एफ ।

छत्रधारी—रामजीवन के पुत्र । सं १९१४ के लगभग वर्तमान ।
बाल्मीकीय रामायण (पद्य)→ ८–६८ ।

छत्रनृपति—संभवतः नरवर (ग्वालियर राज्य) के राजा । रामसिंह के पिता ।
पद रत्नावली (पद्य)→सं ४–१ ।

छत्रपति (चौहान)→भिहिर (कवि) ('समरसार' के रचयिता) ।

छत्रपालसिंह 'नृप'—संभवतः बेहरपाल रियासत (प्रतापगढ़) के राजा । दौलतराम के
आश्रयदाता ।
दौलतराम कृत भर्तृहरि (पद्य)→सं ४–१ १ ।

छत्रप्रकाश (पद्य)—गोरेलाल पुरोहित उप लाल (कवि) कृत । र का
सं १८२९ । वि पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल का यश वर्णन ।
(क) प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय अजयगढ़ ।→०६–४१ बी ।
(एक अन्य प्रति टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ में है ।)
(ख) प्रा०—श्री राममनोहर त्रिपुरिया पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा
(जबलपुर) ।→२६–२५ ।

छत्रसाल—पन्ना नरेश राजा चपतराय के पुत्र। जन्म सं० १७०६। मृत्यु सं० १७८८। राजा विक्रमादित्य साहि के पूर्वज। भूषण, केशवराय, हरिकेश द्विज और गोरेलाल पुरोहित (लाल कवि) के आश्रयदाता।→०३-५८, ०३-७२, ०५-१०, ०६-४६, ०६-८५, २३-६१, २६-६७, २६-१५०।

गीतों का संग्रह (पद्य)→०६-२२ बी।

राजविनोद (पद्य)→०६-२२ ए, ०६-४३ सी।

छत्रसाल—मोथ (झाँसी) निवासी। हितहरिवंश के अनुयायी। सं० १८३३ के लगभग वर्तमान।

प्रेम प्रकाश (पद्य)→०६-२०।

छत्रसाल (मिश्र)—चंदेरी निवासी। गंगाराम के पुत्र। चंदेरी के राजा दुर्जनसिंह के सेनापति। 'कुँवर' उपाधि से विभूषित। सं० १८४४ के लगभग वर्तमान।

औषधि सार (पद्य)→०६-२१ ए।

शकुन परीक्षा (पद्य)→०६-२१ बी।

स्वप्न परीक्षा (पद्य)→०६-२१ सी।

छत्रसाल विरुदावली (पद्य)—नेवाज कृत। वि० छत्रसाल का यश वर्णन।
प्रा०—पं० मगन उपाध्याय, तुलसी चौतरा, मथुरा।→१७-१२६ बी।

छत्रसिंह→'छत्र (कवि)' (अटेर निवासी श्रीवास्त कायस्थ)।

छत्रसिंह (महाराज)—नरवर (ग्वालियर) के राजा। महाराज रामसिंह के पिता। ईसवी खाँ के आश्रयदाता। सं० १८०६ के लगभग वर्तमान।→०६-२१७, ४१-१४।

छदूराम—अन्य नाम छदू या छिद्दूराम। सिद्धपुरी के निवासी। पिता का नाम धरनीधर। बड़े भाई का नाम मनसुखराम। रामचरन (?) के शिष्य। सं० १८७० के लगभग वर्तमान।

लग्न सुंदरी (पद्य)→१२-४३, २३-७८, २६-६७ ए, बी, सी, सं० ०४-१०२।

छद्मचौवनो (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत। वि० कृष्ण जी का छद्मवेश वर्णन।
प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर।→०६-३४ ई।

छद्म लीला (पद्य)—अन्य नाम 'सुनारिन लीला'। रूपहित (हितरूपलाल) कृत। वि० कृष्ण के सुनारिन का वेष रखकर राधा के पास जाने की लीला।
प्रा०—पं० पुरुषोत्तम, छाता (मथुरा)।→३८-१२६ बी।

छद्म षोडसी (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। वि० कृष्ण का छद्मवेश धारण कर राधा के पास जाना।
(क) लि० का० सं० १६०६।

प्रा —श्री राधाकृष्ण गोस्वामी बिहारी जी का मंदिर, महाजनीटोला इलाहाबाद। →४१-५६१ क (प्रप्र)।
(ख) लि का सं १६१४।
प्रा —बाबू विश्वेश्वरनाथ शाहजहाँपुर ।→१२-१६६ श्री।
(ग) प्रा —गो राधाचरण वृंदावन (मथुरा)।→१२-१६६ एल।
छप्पन भोगोत्सव विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १६७४। वि अन्नकूट उत्सव वर्णन।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्या विभाग काँकरोली।→सं १ ५१४।
छप्पय (पद्य)—प्रागम कृत। वि शृंगार और नीति।
प्रा —पं बदरीनाथ भट्ट बी ए लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→ ११-६ ए।
छप्पय (पद्य)—रज्जब कृत। वि दादू पंथ के सिद्धांत।
प्रा॰—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१४१।
टि प्रस्तुत ग्रंथ संभवतः 'ग्रंथ सर्वागी' का एक अंग है।
छप्पय कबीर का (पद्य)—कबीरदास कृत। वि संतों का वर्णन तथा ज्ञानोपदेश।
प्रा॰—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→०६-२४१ एम।
छप्पय नामादास कृत श्री हरिवंशचंद्र के टीका (पद्य)—वृंदावनदास (चाचा) कृत। वि श्री हरिवंश जी की प्रशंसा में बनाए हुए छप्पयों की टीका।
प्रा॰—लाला नानकचंद, मथुरा।→१७-१४ एम।
छप्पय रामायण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि राम कथा (राम जन्म)।
(क) लि का सं १६१ ।
प्रा —पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज लखनऊ।→२३-४१२ बी।
(ख) लि का सं १६९८।
प्रा॰—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६-२४५ एच (विवरण अप्राप्त)।
(सं १६५२ की एक प्रति चरखारी निवासी लाला हीरालाल के पास है)।
छप्पय रामायण (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि सीता का धनुष उठाना और जनक का उनके विवाह के लिये प्रतिज्ञा करना।
प्रा॰—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-२४६ बी।
छप्पै रामायण (पद्य)—रामसखी कृत। लि का सन् १२१६ साल (फसली ?)। वि रामचरित।
छविनाथ—सं १७२४ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (गद्य)→२६-८२।
छविनाथ (कवि)—उपमन्यु गोत्रीय कान्यकुब्ज अवस्थी ब्राह्मण। बगसर (बैसवाड़ा रायबरेली) के निवासी। पिता का नाम गोविंदराम। गुरु का नाम संभवतः

द्वारिकेश । जयपुर नरेश महाराज माधौसिंह (राज्यकाल सं० १८२५ के लगभग) के आश्रित ।
माधव सुयश प्रकाश (पद्य)→सं० ०१–११५ ।

छविराम—(?)
पिंगल (पद्य)→२०–३० ।

छबील (जन)—(?)
हरिभक्ति विलास (उत्तर खंड) (पद्य)→४१–७२ ।

छबीली भठियारो (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १६१४ । लि० का० सं० १६२० । वि० कथा कहानी ।
प्रा०—ठा० नैनसिंह, हरिपुर, डा० माधोगंज (हरदोई) ।→२६–३५७ ।

छबीलेदास—(?)
भक्ति विलास (पद्य)→२६–८१ ।

छविरतनम् (गद्यपद्य)—कालीदत्त (नागर) कृत । लि० का० सं० १६५२ । वि० नखशिख ।
प्रा०—पं० चंद्रशेखर दूबे, बम्हनेवा, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६–२१५ ए ।

छाजु जी—गोरख पंथी ।
पद (पद्य)→सं० ०७–४८ ।

छाजूराम—रावराजा प्रतापसिंह के दीवान । नागरीदास के आश्रयदाता ।→'७–'१८ ।

छाजूराम (द्विवेदी)—कोटा राज्य निवासी । सं० १७६२ के लगभग वर्तमान ।
ताजिक सार (भाषा) (पद्य)→३२–८३ ।

छायाजोग (पद्य)—जानकीदास कृत । लि० का० सं० १६१० । वि० योग ।
प्रा—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४–१२५ ख ।

छिताई कथा (पद्य)—रतनरंग कृत । लि० का० सं० १६८२ । वि० अलाउद्दीन की देवगिरि विजय की कथा का वर्णन ।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–२१२ ।

छितिपाल—(?)
नखशिख (पद्य)→सं० ०'–११६ ।

छितिपाल (क्षितिपाल)→'माधवसिंह (राजा)' ('राग प्रकाश' आदि के रचयिता) ।

छींक और शकुन विचार (पद्य)—श्रीधर (पंडित) द्वारा संगृहीत । वि० शकुन विचार ।
प्रा०—पं० रामनाथ पांडेय, प्राइमरी स्कूल, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ़) ।
→२६–४५६ ।

छींक व शकुन विचार→'सगुनावली' (भड्डलि या भड्डरी कृत) ।

खेतम—संभवतः दादू पंथी। किसी रामदास के शिष्य। राजस्थानी। सं० १८२६ के पूर्व वर्तमान। 'स्वामीजी का पद संग्रह' ग्रंथ में भी संगृहीत। → २-९४ (भाठ)।
  अजड़ी (पद्य)→सं० ४-११ सं० ७-४६ क।
  पद (पद्य)→सं० ७-४६ क सं० १-१८।

खेतरदास—दादूपंथी।
  सवैया मैंर के (पद्य)→सं० ७-८।

खेतरदासजी का सवइया→सवैया मैंर के (खेतरदास कृत)।

खेता को कथा—'कथा खेता की' (मान कवि कृत)।

खेतल (कवि)—अन्य नाम खेतल। सं० १५७५ के लगभग वर्तमान।
  पंचसहेली रा दूहा (पद्य)→ -२१ २-१५ ४१-४२७ (अप्र०)।

खुदकन (द्विज)—(?)
  चौताल चिंतामणि (पद्य)→२१-१११।

खुटक दोहा (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि० भक्ति और उपदेश।
  प्रा० —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ १-११६।

खुटक दोहा मजलिस मंडन→'मजलिस मंडन (नागरीदास कृत)।

खेमदास—पुनावाँ (उन्नाव) निवासी।
  रामचंद्र की बारमासी (पद्य)→२१-७६।

खेदीदास—(?)
  प्रेमपियूष (पद्य)→२६-८४।

खेमराम—उप० रतन कवि (?)। जन्म सं० १६६७। पन्ना निवासी राजा छत्रसाल के वंशज और श्रीनगर (गढ़वाल) नरेश फतेहशाहि के आश्रित। संभवतः पन्ना नरेश सभासिंह और दीवान हिंदूपति के भी आश्रित। सं० १६८५ के लगभग वर्तमान।
  अलंकार दर्पण (पद्य)→ ६-११।
  फतह प्रकाश (पद्य)→ ६-२११ १२-४२ २१-११ प० ही २६-८६।
  टि० खो० वि० १२-४२ के अतिरिक्त रचयिता का नाम सर्वत्र रतन कवि माना गया है। पर यह कवि का उपनाम है। कवि का परिचय भी कुछ संदिग्ध प्रतीत होता है। खो० वि० २१-११ के आधार पर कवि केवल श्रीनगर (गढ़वाल) नरेश फतेहशाहि का ही आश्रित था अन्य का नहीं। खो० वि० ६-११ के रतन कवि प्रस्तुत रचयिता से संभवतः भिन्न हैं।

खेतल→'खीमल (कवि)' ('पंचसहेली रा दूहा' के रचयिता)।

खेडासो (गद्यपद्य)—दौलतराम कृत। वि० जैन धर्मोपदेश और भक्ति।
  प्रा० —श्री जैन मंदिर (नया), सिरसागंज (मैनपुरी)।→१९-४८ बी।
  खो० सं० वि० ४ (११ -६४)

छैढालो (पद्य)—बुधजन (जैन) कृत । र० का० स० १८९६ । लि० का स० १९०३ ।
वि० जैनधर्मानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, श्राहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → स० ०४–२४० ।

छैल—जौनपुर निवासी । सभवत राजाराम कायस्थ श्रौर शेख मुहम्मद के श्राश्रित ।
कवित्त (पद्य)→स० ०१–११७ ।

छोटेलाल—मेड़ग्राम (श्रलीगढ) के निवासी । मोतीलाल के पुत्र । भाई का नाम उदयराज । इक्ष्वाकुवशी जायसवाल जैन । काशी मे ये किसी सेनी की सगति में रहे । एक सिखरचद का इन्होने उल्लेख किया है ।
छदवध सूत्र, देवपूजा पद (पद्य)→स० ०८–१०४ ।

छोटेलाल (गुजराती)—श्रौदीच्य ब्राह्मण । श्रागरा निवासी । स० १९२३ के लगभग वर्तमान ।
व्यजन प्रकार (गद्य)→२६–७० ए, बी, सी ।

छौना (गुरु छौना)—सुप्रसिद्ध स्वामी चरणदास के शिष्य श्रौर 'गगा माहात्म्य' के रचयिता श्रखैराम के गुरु ।→स० ०१–१ ।

जग (पद्य)—सदालाल कृत । वि० राम भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२७५ ।

जगी जी—सभवत 'गुरुचरित्र' के रचयिता जगन्नाथ के बाबा गुरु ।
पद (पद्य)→ स० ०७–५१ ।

जजोरा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । → ३२–१०३ जे ।

जजोरा→ जजीराबद' (कालिदास त्रिवेदी कृत) ।

जजीराबद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५ ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७८ ए (विवरण श्रप्राप्त) ।
(ग) प्रा०—प० बनवारीलाल, ग्राम तथा डा० हरचदपुर (रायबरेली) । →२३–२००टी ।

जत्र (गद्य)—रचयिता श्रज्ञात । वि० जत्रमत्र ।
प्रा०—प० कैलाशपति श्रध्यापक, जरार, डा० बाह (श्रागरा) ।→२६–३६३ ।

जत्रमत्र (गद्य)—रचयिता श्रज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा० –प० रमाकात त्रिपाठी 'प्रकाश', बडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) । → २६–३१ (परि० ३) ।

जत्रमत्र (गद्यपद्य)—रचयिता श्रज्ञात । वि०_नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं गोकुलचंद, प्रधानाध्यापक, महापुरा (आगरा) ।→२६-३६४ ।

जंत्रविद्या (गद्य)—रचयिता अज्ञात वि मंत्रतंत्र ।

प्रा०—पं कन्हैयालाल फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-३६६ ।

जंत्रावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मंत्रपूर्ण ।

प्रा —पं विश्वेश्वरीप्रसाद अध्यापक संस्कृत पाठशाला गोंडा, डा माधोगंज (प्रतापगढ़) ।→२९-३१ (परि १) ।

जंत्रावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि मंत्रतंत्र ।

प्रा०—श्री छोटेलाल गुप्त बाह (आगरा) ।→२६-३६५ ।

जंबू के रेखते (पद्य)—केशव कृत । र का सं १७१२ । लि का सं १७६५ । वि जंबूकुमार के वैराग्य की कहानी ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-३४ ।

जंबूचरित्र कथा (पद्य)—*अन्य नाम 'जंबू स्वामी का चरित्र और 'जंबू स्वामी का रासा ।* जिनदास पांडे (जैन) कृत । र का सं १६४२ । वि जैन धर्मानुयायी जंबू स्वामी का चरित्र ।

(क) लि का सं १७५१ ।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ । → सं ४-११२ ।

(ख) लि का सं १८८८ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर खाबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ -४२ क ।

(ग) लि का सं १६६२ ।

प्रा०—पारसनाथ जी का मंदिर खाबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १०-४२ ख ।

(घ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर खाबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ -४२ ग ।

जंबूरक्षरा (पद्य)—प्राणनाथ और इंदुमती कृत । वि आत्मज्ञान तथा भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२६-३४१ सी ।

जंबूसर की प्रसंग (पद्य)—केशवदास कृत । वि शील और गौरव वर्णन ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-८४ ।

जंबू स्वामी का चरित्र→'जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।

जंबू स्वामी का रासा या जंबू स्वामी की कथा→ जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।

जंबू स्वामी रासा (पद्य)—ब्रह्मरायमल्लरायमल (भाषाव) कृत । र का सं १८८१ । लि का सं १८८९ । वि जंबू कुमार का चरित्र ।

प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि ३१-२ ।

छढाली (पद्य)—बुधजन (जैन) कृत । र० का० सं० १८५६ । लि० का सं० १६०३ ।
वि० जैनधर्मानुसार ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, ग्रहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → सं० ०४–२४० ।

छेल—जौनपुर निवासी । संभवत राजाराम कायस्थ और शेख मुहम्मद के आश्रित ।
कवित्त (पद्य)→सं० ०१–११७ ।

छोटेलाल—मेटग्राम (अलीगढ) के निवासी । मोतीलाल के पुत्र । भाई का नाम उदयराज । इक्ष्वाकुवंशी जायसवाल जैन । काशी में ये किसी सेनी की संगति में रहे । एक सिखरचंद का इन्होंने उल्लेख किया है ।
छदबंध सूत्र, देवपूजा पद (पद्य)→सं० ०४–१०४ ।

छोटेलाल (गुजराती)—औदीच्य ब्राह्मण । आगरा निवासी । सं० १६२२ के लगभग वर्तमान ।
व्यंजन प्रकार (गद्य)→२६–७० ए, बी, सी ।

छौना (गुरु छौना)—सुप्रसिद्ध स्वामी चरणदास के शिष्य और 'गंगा माहात्म्य' के रचयिता अग्नैराम के गुरु ।→सं० ०१–१ ।

जग (पद्य)—सदालाल कृत । वि० राम भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२७५ ।

जगी जी—संभवत 'गुरुचरित्र' के रचयिता जगन्नाथ के बाबा गुरु ।
पद (पद्य)→ सं० ०७–५१ ।

जजीरा (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—लाला बालाप्रसाद, किठौत, डा० सिरसागंज (मैनपुरी) । → ३२–१०३ जे ।

जजीरा→ जजीराबद' (कालिदास त्रिवेदी कृत) ।

जजीराबद (पद्य)—कालिदास (त्रिवेदी) कृत । वि० राधाकृष्ण का प्रेम ।
(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–५ ।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१७८ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ग) प्रा०—पं० बनवारीलाल, ग्राम तथा डा० हरचंदपुर (रायबरेली) । →२३–२००डी ।

जंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० जंत्रमंत्र ।
प्रा०—पं० कैलाशपति अध्यापक, जरार, डा० बाह (आगरा) ।→२६–३६३ ।

जंत्रमंत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा० —पं० रमाकांत त्रिपाठी 'प्रकाश', बडा, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) । → २६–३१ (परि० ३) ।

जंत्रमंत्र (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं गोकुलचंद, प्रधानाध्यापक, मलपुरा (आगरा) ।→२६–१६४ ।
जंत्रविद्या (गद्य)—रचयिता अज्ञात वि जंत्रमंत्र ।
प्रा०—पं० कन्हैयालाल फतेहाबाद (आगरा) ।→२६–१६६ ।
जंत्रावली (गद्य)— रचयिता अज्ञात । वि झाड़फूँक ।
प्रा —पं विश्वेश्वरीप्रसाद, अध्यापक संस्कृत पाठशाला गौड़ा डा मामौर्गज (प्रतापगढ़) ।→३६–११ (परि ३) ।
जंत्रावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि जंत्रमंत्र ।
प्रा०—श्री छोटेलाल गुप्त बाह (आगरा) ।→२६–१६५ ।
जंबू क रेखते (पद्य)—केशव कृत । र का सं १७१२ । लि का सं १७६५ । वि जंबूकुमार के वैराग्य की कहानी ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१४ ।
जंबूचरित्र कथा (पद्य)—अन्य नाम जंबू स्वामी का चरित्र और 'जंबू स्वामी का रासा । जिनदास पांडे (जैन) कृत । र का सं १६४२ । वि जैन धर्मानुयायी जंबू स्वामी का चरित्र ।
(क) लि का सं १७५१ ।
प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ । → सं ४–११२ ।
(ख) लि का सं १८८८ ।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ –४२ क ।
(ग) लि का सं १६६१ ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं १०–४१ ख ।
(घ) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर । → सं १ –४२ ग ।
जंबूरकसरा (पद्य)—प्राणनाथ और इंदुमती कृत । वि आत्मज्ञान तथा भक्ति ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१४९ सी ।
जंबूसर की प्रसंग (पद्य)—देवादास कृत । वि शील और गौरव वर्णन ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–८४ ।
जंबू स्वामी का चरित्र→'जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।
जंबू स्वामी का रासा या जंबू स्वामी की कथा→ जंबूचरित्र कथा' (जिनदास पांडे जैन कृत) ।
जंबू स्वामी रासा (पद्य)—कल्याणसूरीश्वर (आत्माराम) कृत । र का सं १७८१ । लि का सं १८२९ । वि जंबू कुमार का चरित्र ।
प्रा

जकीरा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—पं० अनर्दीप्रसाद, नगरौली कटारा (आगरा)।→२६–३६२।

जखर्ड़ी→'जखड़ी' (छीतम कृत)।

जखडी (पद्य)—छीतम कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८२६।
प्रा०—श्री सुखनंदन (महेशप्रसाद), ओझा का पुरा, डा० पैथौली (प्रतापगढ)।→सं० ०८–१०३।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–४६ क।

जखडी (पद्य)—नहमल जी कृत। लि० का० सं० १७७१। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०–८५।

जखडी (पद्य)—वाजिद कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० भक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१३१ ग।

जखडी→'परमोघ लीला' (हरिकेस कृत)।

जगजीतसिंह—जंबू नरेश। कालिदास त्रिवेदी के आश्रयदाता। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।→०१–६८, ०६–१७८, २०–७१, पं० २२–५२।

जगजीवन (स्वामी)→'जगजीवनदास (स्वामी)'।

जगजीवन अष्टक (पद्य)—अवधप्रसाद कृत। र० का० सं० १६४०। लि० का० सं० १६८०। वि० जगजीवन स्वामी की वंदना।
प्रा०—पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, 'विशारद', पूरेपरान पांडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।→३१–५ ए।

जगजीवनदास—कबीर के शिष्य। संभवतः राजस्थानी। निरंजनी पंथी (?)।
चिंतावणी जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–५२ क।
पद (पद्य)→सं० ०७–५२ ख।
प्रमनामौ जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–५२ ग।

जगजीवनदास—राजस्थानी। दादूदयाल जी के शिष्य।
दृष्टांत की साषी (पद्य)→सं० ०७–५३।

जगजीवनदास—धरणीधर के पुत्र। इन्होंने सं० १७४६ में अपने पिता के ग्रंथ 'चौरासी सटीक' की प्रतिलिपि की थी।→१२–५१।

जगजीवनदास (स्वामी)—सुप्रसिद्ध महात्मा। सतनामी पंथ के प्रवर्तक। सरहदा कोटवाँ (बाराबंकी) के चंदेल क्षत्री। जन्म सं० १७२७। मृत्यु सं० १८१७। गंगाराम के पुत्र। विश्वेश्वरपुरी और बुल्ला साहब के शिष्य। दामोदरदास, दूलनदास, नवलदास तथा देवीदास के गुरु। गुरु भाई गुलाल साहब। कोटवा (बाराबंकी) में अब तक इनके संप्रदाय का प्रधान केंद्र है।→०६–७८,

जगजीवनदास की बानी (पद)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र का सं
१८१२। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १८६५।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-१२२।
(ख) लि का सं १८६५।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-७१।
(ग) लि का सं १८८७।
प्रा —श्री शिवराम मिश्र चिसौली जा *इन्दौमा (रायबरेली)।* →
सं ४-१०५ ड।

जगजीवन साहब→'जगजीवनदास (स्वामी)।

जगतनद→'जगतानद' (वल्लभ सप्रदाय के अनुयायी)।

जगतनारायण (त्रिपाठी)—भैला सरैया (बहराइच) निवासी। स० १६६० के पूर्व वर्तमान।

करुणाष्टक (पद्य)→२३–१७८ ए।
कवित्त सग्रह (पद्य)→२३–१७८ बी।
जानकी वर विनय (पद्य)→२३–१७८ ई।
सीताराम विनय कवित्त (पद्य)→२३–१७८ डी।
सीताराम विनय दोहावली (पद्य)→२३–१७८ सी।

जगतप्रकाश (पद्य)—जगतसिंह (बिसेन) कृत। र० का० स० १८६५। लि० का० स० १८६५। वि० नायक नायिका नखशिख वर्णन।
प्रा०—श्री महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३–१७६ सी।

जगतमणि—स० १७५४ के लगभग वर्तमान।
जैमिनीपुराण (पद्य)→२६–१६६ ए, बी, सी।

जगतमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बदीजन) कृत। र० का० स० १८०७। वि० वेदांत, न्याय, ज्योतिष, वैद्यक, कोक, सगीत, पिंगल और अलकारादि।
(क) लि० का० स० १६११।
प्रा०—श्री छेदीलाल ब्रह्मभट्ट, होलपुर, डा० हैदरगढ (बाराबकी)। →२३–३२६ बी।
(ख) लि० का० स० १६१२।
प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)। →०६–२३५ बी।
(ग) लि० का० स० १६१२।
प्रा०—श्री राधेकृष्ण खत्री, बाबू बाजार, अयोध्या।→२०–१३८।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०३–११२।

जगतरसरजन (पद्य)—जगदीश (कवि) कृत। र० का० स० १८६२। वि० रस और नायिकाभेद।
(क) प्रा०—श्री रामकृष्णलाल वैद्य, गोकुल (मथुरा)।→१२–७८।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१२१।

जगतराइ (राजा)—अग्रवाल वैश्य। कासीदास ('सम्मत्तकौमुदी भाषा' के रचयिता) के आश्रयदाता।→स० ०४–३३।

जगतराज—महाराज छत्रसाल के पुत्र। जैतपुर (बुदेलखड) के राजा। हरिकेश द्विज और वेनीप्रसाद (प्रसाद) के आश्रयदाता।→०६–४६, १७–२१।

जगतराज दिग्विजय (पद्य)—हरिकेश (द्विज) कृत । नि का सं १६५६ । वि जैतपुर के राजा जगतराज की दिग्विजय तथा जीवनी ।
    प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी ।→ ६–८६ ए ।

जगतराम—(?)
    जैन पदावली (पद्य)→११–६४ ।

जगतविनोद→'जगद्विनोद (पद्माकर कृत) ।

जगतविमोहन (पद्य)—रघुनाथ (बंदीजन) कृत । वि राजनीति न्याय आदि ।
    प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा (बहराइच) ।→११–१२६ सी ।

जगतविलास →'रसिकप्रिया तिलक (जगतसिंह कृत) ।

जगतसिंह—चौवहरी (गोंडा) निवासी । भिनगा के महाराज दिग्विजयसिंह के पुत्र ।
    सं १८६२ -१८७७ के लगभग वर्तमान ।
    अलंकारशाठि दर्पण (पद्य)→२१–१७८ ए ।
    उत्तममंजरी (पद्य)→२१–१७८ बी ।
    चित्रमीमांसा (पद्य)→०६–१२७ बी २ –६४ सी ।
    जगतप्रकाश (पद्य)→२१–१७८ सी ।
    नखशिख (पद्य)→ ६–१२७ सी २१–१७८ डी ।
    नायिकादर्श (पद्य)→२१–१७८ ई ।
    भारती कंठाभरण (पद्य)→२१ १७८ जी सं ४–१ ६ क ।
    रसमंजरी कोश (पद्य)→२१–१७८ एल ।
    रसमृगांक (पद्य)→२१–१७८ के ।
    रसिकप्रिया तिलक (गद्यपद्य)→२१ १७८ एच आइ जे; २६–१६१ ए ।
    रामचंद्रिका की चंद्रिका (पद्य)→२१ १७८ एफ जी ।
    साहित्य सुधानिधि (पद्य)→ ६–११० ए, २०–६४ ए, बी २१–१७८ एम एन २६–१६१ बी सं ४–१ ६ ख ।

जगतसिंह—उदयपुराधीश । सं १७९१ में सिंहासनासीन । रसपतिराम (राय) और वंशीधर के आश्रयदाता ।→ ४–११ ११–१८ १२ ८५,२१–८२ ।

जगतसिंह—संभवतः मेवाड़ के महाराणा । राज्यकाल लगभग सं १८ ७ । पंचोली देवकर्ण के आश्रयदाता । →सं १–१६६ ।

जगतसिंह—बीकानेर नरेश महाराज अनूपसिंह के दरबारी । नैनसिंह (मेवासी) के पुत्र । इन्हीं के कहने से लालचंद ने लीलावती भाषाबंध' नामक पुस्तक लिखी थी ।→ २–७६ ।

जगतसिंह—रुभाचंद्र के आश्रयदाता । सं १७ के लगभग वर्तमान ।→ ६–२७ ।

जगतसिंह (सवाई)—जयपुर नरेश महाराज सवाई प्रतापसिंह के पुत्र । राज्यकाल सं १८६ -१८७५ तक । पद्माकर जगदीश कवि और दौलतराम के आश्रयदाता ।

→[illegible] ; [illegible] ।

जगदानंद—[illegible] ।

[illegible] ।

[illegible] (पद्य) → [illegible] ।

[illegible] (पद्य) → [illegible] ।

[illegible] (पद्य) → [illegible] ।

[illegible] वर्णन (पद्य)—सं० ०१-११६ ग ।

जगदानंद→जगन्नाथ ([illegible] के रचयिता)।

जगदीश→जगन्नाथ (श्रीकृष्ण भट्ट के पुत्र)।

जगदीश (कवि)—श्रीकृष्ण भट्ट (कलानिधि) के पुत्र । जयपुर नरेश सवाई जयसिंह के आश्रित । सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

जगद्विलास (पद्य)→१२-७८, सं० ०१-१२२ ।

जगदीश (जैन) —(?)

पद्मश्री कथा (पद्य)→सं० ०१-१२० ।

जगदीश (स्वामी)—जैन ।

भावभावना (आत्मभावना) (पद्य)→सं० ०७-४५ ।

जगदीश नाटक (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत । वि० जगन्नाथ जी की स्तुति ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०६-८२ ।

जगदेव (जैन)—(?)

ध्रुवचरित्र (पद्य)→०६-२५२ ।

जगद्विनोद (पद्य)—पद्माकर कृत । वि० नायिकाभेद और नव रसादि ।

(क) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—लाला हीरालाल चौकीनवीस, चरखारी ।→०६-८२ ए ।

(ख) लि० का० सं० १९१२ ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल भट्ट महापात्र, असनी (फतेहपुर) ।→२०-१२३ ए ।

(ग) लि० का० सं० १९३१ ।

प्रा०—राजा रामनाथबक्शसिंह पुस्तकालय, परसेनी राज्य, डा० परसेनी (सीतापुर) ।→२३-२०७ ए ।

(घ) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा०—महंत रामविहारीशरण, कामदकुंज, अयोध्या ।→२०-१२३ बी ।

(ङ) लि० का० सं० १९४० ।

प्रा —बाबू नारायणप्रसाद रायबरेली ।→११-१ ७ बी ।

(च) लि का सं १६४५ ।

प्रा —ठा हरिहरबक्ससिंह ममरेजपुर डा बेनीगंज (हरदोई) । → २६-११८ सी ।

(छ) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→०२-६ ।

(ज) प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय भिनगा राज्य बहराइच । → २१-१ ७ डी ।

(झ) प्रा —श्री रामनाथलाल 'सुमन' वाराणसी ।→२१-१ ७ बी ।

(ञ) प्रा०—पं मथासीलाल शर्मा ग्रामरा (आगरा) ।→२६-२४७ सी ।

(ट) प्रा —पं प्रभूदलाल पीपलवाला फिरोजाबाद (आगरा) । → २६-२१७ डी ।

अगर्नद→'श्यामानंद (वल्लभ संप्रदाय के अनुयायी) ।

अगम (कवि)—गुरु का नाम संभवतः कृत ।

ज्ञान बत्तीसी (पद्य)→सं १-१२२ ।

अगम बत्तीसी (पद्य)—ज्ञान (कवि) कृत । वि रामचरित ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१२२ ।

अगनिर्वेद पचीसी (पद्य)—किशोरदासनदास (भाषा) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—शाला नानकचंद मथुरा ।→१७-१४ ग्राह ।

अगन्नाथ—उप सुखसिंधु । ब्राह्मण । तैलंग देश के कॉकरवार गाँव के दीक्षित वंश में उत्पन्न । ब्रजनाथ के पुत्र । जन्म सं १६१२ के लगभग । अंतिम समय में वृंदावन में निवास ।

पीयूष रत्नाकर (पद्य)→१२-८ १८-६८ ।

जगन्नाथ—उप जगदीश । श्रीकृष्ण भट्ट के पुत्र । सं १८२६ के लगभग वर्तमान ।

अलंकार प्रकाश (पद्य)→१७-७८ ए ।

बुद्धि परीक्षा (पद्य)→१७-७८ बी ।

माधोविलास विनोद (पद्य)→१७-७८ सी ।

सरस्वती प्रसाद (पद्य)→१७-७८ डी ।

जगन्नाथ—उप कृपालो । मथुराजी के शिष्य । सं १८७१ में वर्तमान ।

गुरु की महिमा के शब्द (पद्य)→पं २२-४१ ।

जगन्नाथ—महाराजपुर (कानपुर) निवासी । बीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।

बारहमासी (पद्य)→२६-१६ ।

जगन्नाथ—संभवतः राजस्थान निवासी ।

चौरासीबोल (पद्य)→१५-४१ ।

जगन्नाथ—(?)

कृष्ण (चंद्र) जी की बारहमासी (पद्य)→२६–१६१ ए, बी ।

जगन्नाथ—(?)

जुगलकिशोर की बारहमासी (पद्य)→२६–१८८ ।

जगन्नाथ—(?)

समय प्रबंध (पद्य)→१२–७६ ।

जगन्नाथ—(?)

सुंदरकांड (पद्य)→सं० ०१–१२३ ।

जगन्नाथ (जन)—अन्य नाम जगन्नाथदास । भाट । किसी तुलसीदास साधु के शिष्य । सं० १७६० के लगभग वर्तमान ।

गुरु महिमा (पद्य)→०६–२६६, ०६–१२६, २३–१७६ ए, बी, सी, २६–१८६ ए, बी, २६–१६३ ए, बी, दि० ३१–३८ ए, बी, सं० ०४–१०७ क, ख, सं० ०७–५८ ।

मन बत्तीसी (पद्य)→०६–२६६ ।

मोहमर्द राजा की कथा (पद्य)→पं० २२–४२, २३–१७७, २६–१६४ बी । २६–१६३ सी, डी, ई ।

होली संग्रह (पद्य)→२६–१६४ ए ।

जगन्नाथ (जन)—कायस्थ । दादूदयाल के शिष्य ।

गजनामा या गुनगजनामा (पद्य)→सं० ०७–५६ क, ख ।

पद (पद्य)→सं० ०७–५६ ग ।

जगन्नाथ (जन)→'गोपाल' ('गुरचौबीस की लीला' आदि के रचयिता) ।

जगन्नाथ (जन जगन्नाथ)—जौनपुर निवासी मिश्र ब्राह्मण । सम्राट अकबर के आश्रित । अकबर की ओर से इन्हें भूमि मिली थी । परंतु ये उसके नवरत्नों में के जगन्नाथ नहीं हैं । सं० १५६० के लगभग वर्तमान ।

हरिश्चंद्र कथा (पद्य)→०६–१२४, सं० ०४–१०८ ।

जगन्नाथ (द्विज)—सुदामापुर (फैजाबाद) निवासी । संभवतः बीसवीं शताब्दी में वर्तमान ।

चौताल रसिक मनभावन (पद्य)→२०–६२ ।

जगन्नाथ (भट्ट) –राम कवि के पुत्र । गोकुल (मथुरा) निवासी । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।

रस प्रकाश (पद्य)→१७–७६ ।

सार चंद्रिका (पद्य)→२६–१६४ ए, बी ।

जगन्नाथ (रिछारिया)—जुगलदास के पुत्र। छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। ई० १८८५ के लगभग वर्तमान।
 इच्छावन (पद्य)→ ३-१२५।

जगन्नाथ (शास्त्री)—(?)
 नायिकाभेद प्रकाश (पद्य)→३५-४४।

जगन्नाथदास—शुक्ल ब्राह्मण। जन्मभूमि बिल्हौर (कानपुर)। फैजाबाद निवासी। ई० १८०२ के लगभग वर्तमान।
 देवीपूजनादि मंत्र (गद्य)→२१-१६५ बी।
 धर्मगीता (गद्य)→२१-१६५ ए।
 वैद्य मंजरी (गद्य)→११-१६५ सी।

जगन्नाथदास→'जगन्नाथ (कवि) ('गुरु महिमा' आदि के रचयिता)।

जगन्नाथप्रसाद—छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। रसनिधि के दोहों के संग्रहकर्ता।दि० ०५-७५।

जगन्नाथप्रसाद (पंडित)—अयोध्या निवासी। उन्नीसवीं शताब्दी में वर्तमान।
 कायशिरोमणि चौताला (पद्य)→२ -११।

जगन्नाथ माहात्म्य (पद्य)—मकरंद कृत। वि० ईश्वर वंदना।
 प्रा० —महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा)।→ ३-१८२।

जगन्नाथसिंह (बिसेन)—रामपुर (बेरवा प्रतापगढ़) के निवासी। धनगढ़ (प्रतापगढ़) राज्य के ताल्लुकेदार। बिसेन वंशी। राजा देवीबख्शसिंह के पुत्र। ई० १८८७ के लगभग वर्तमान।
 कुछ ज्योतिष (पद्य)→ ३-१११; १७ ०७ ई० ४-१ २ क, ख।

जगराम—कोई जैन कवि।
 पद संग्रह (पद्य)→४१-७५।

जगसमाधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राजा युधिष्ठिर और रुक्मांगद भक्त की कथा।
 (क) लि० का० ई० १८७९।
 प्रा०—श्री गुरुबालकप्रसाद गौंठावाल ग्रा० दोहरीघाट (आजमगढ़)। → ४१-११६।
 (ख) लि० का० ई० १९१५।
 प्रा०—श्री गणेशदत्त दूबे वीरपुर, डा० हैंडिया (इलाहाबाद)। → ई० १ -११५ ख।
 (ग) प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ई० १-११५ क।

जगा जी (खड़िया)—मारवाड़ के राजा रत्नसिंह के दरबारी कवि। ई० १७११ के लगभग वर्तमान।
 रतन महेश दासौत वचनिका (गद्यपद्य)→ ९-२१।

जग्यासमाज (यज्ञसमाधि) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६३०। वि० श्वपच भक्त और पाडवों के यज्ञ का वर्णन।
प्रा०—महत रामशरनदास, कबीरपथी मठ, ऊँचगाँव, डा० बाजार शुक्ल (सुलतानपुर)।→स० ०४–४५८।

जजमान कन्हाई जस (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० स० १६६२। वि० श्रीकृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृंदावन (मथुरा)।→१२–४६ ए।

जटमल (जाट)—सभवत चारण। साबोला (राजपूताना) निवासी। पिता का नाम धर्मसिंह। स० १६८० के लगभग वर्तमान।
गोराबादल की कथा (गद्यपद्य)→०१–४८।
गोराबादल की वार्ता (पद्य)→३८–७१।

जटमल (नाहर)—लाहौर निवासी। नाहर गोत्रीय ओशवाल जैन श्रावक। पिता का नाम धर्मसी। सिंधु नदी से लगे हुए प्रदेश के अतर्गत जलालपुर के राजा साहिबाजखाँ के आश्रित। स० १६६३ के लगभग वर्तमान।
प्रेमविलास प्रेमलता कथा (पद्य)→सं० ०१–१२४।
टि० जटमल जाट और जटमल नाहर एक ही प्रतीत होते हैं।

जटाशकर→'नीलकठ' ('अमरेश विलास' के रचयिता)।

जड़चेतन (गद्यपद्य)—धरणीधर कृत। र० का० स० १८५०। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० स० १८८४।
प्रा०—लाला भागवतप्रसाद, सधवापुर, ठा० सिसैया (बहराइच)। →२३–१०१ ए।
(ख) लि० का० स० १६१५।
प्रा०—प० रामजीवन, बिलडा, डा० हसुआ (फतेहपुर)।→२०–४२ ए।
(ग) प्रा०—प० बद्रीप्रसाद मुसिफ, रामसनेही घाट (बाराबकी)। →२३–१०१ बी।

जड़भरथ चरित्र (पद्य)—गोपाल कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १७४०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–३६ ग।
(ख) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी।→००–२८।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–३६ ख।

जतनलाल—स्वा० हितहरिवश के अनुयायी। स० १८६१ के पूर्व वर्तमान।
रसिक अनन्य सार (पद्य)→०६–१३७, स० ०४–११०।

जदुनाथसिंह—प्रयागदत्त ('कवित्त' आदि के रचयिता) के आश्रयदाता। → स० ०४–२१४।

जदुराज विलास (पद्य)—रघुराजसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १६३३। लि० का० स० १६४१। वि० श्रीकृष्ण की स्तुति और चरित्र।

प्रा —महाराजकुमार लाल बलदेवसिंह का पुस्तकालय, रीवाँ।→ –४९।

जनमनाथ→'मनाथदास ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक' आदि के रचयिता)।

जनउमराय→ उमराव' ('भक्त गीतामृत के रचयिता)।

जनकनंदिनी अष्टक (पद्य)—चेतनदास कृत। वि सीताजी की स्तुति।

प्रा०—पं मुंशीलाल नंदपुर, डा सैरपड़ (मैनपुरी)।→१२-४१ बी।

जनकनंदिनीदास—रामानुज संप्रदाय के वैष्णव साधु।

मेदभास्कर (पद्य)→०१-२११।

जनक पचीसी (पद्य)—हरिनामदास (दीवा) कृत। र का सं १८८१।

लि का सं १९१२। वि सीताजी का विवाह और परशुराम संवाद।

प्रा —श्री लक्ष्मीप्रसाद त्रिवेदी मधु' समरमऊ (सागर)।→२९–७०।

जनक पचीसी—(पद्य)—मंडन (मणिमंडन) कृत। लि का सं १८९२। वि श्री रामचंद्र जी की शोभा और उनके मुकुट का वर्णन।

प्रा —लाला देवीप्रसाद मुखतारी छतरपुर।→०१–७१।

(सं १८९४ की एक प्रति लाला कामताप्रसाद बिजावर निवासी के पास है।)

जनकपुर अवतार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि राम कथा।

प्रा —पं पूरनमल शर्मा वैद्य का बरौंध (मैनपुरी)।→१५–१७८।

जनकराजकिशोरीशरण—उप किशोरीशरण रसिकअलि रसिक और रसिकबिहारी। जनकलाडिलीशरण के गुरु। सुदामापुरी (गुजरात) के निवासी। अयोध्या के वैष्णव महंत रामचरदास के शिष्य। अंत में गद्दी के स्वामी हुए। सं १८७५ के लगभग वर्तमान।→१७–८२।

अवधाम (पद्य)→१७–८१ ए।

आंदोलन रहस्य दीपिका (पद्य)→ ९–११४ आई।

आत्मसंबंध दर्पण (गद्य)→ ९–११४ ई।

कवितावली (पद्य)→ ६–१८१ सी ९–११४ डी।

जानकी कर्णाभरण (पद्य)→ ९–११४ के।

तुलसीदास चरित्र (पद्य → ९–११४ एच।

दोहावली (पद्य)→०९–११४ एल।

रघुवर कर्णाभरण (पद्य)→ ६–१८१ ए, ०९–११४ एन।

रासदीपिका (पद्य)→ ६–१८१ बी ९–११४ जे।

ललित शृंगार दीपिका (पद्य)→ ९– ११४ ओ।

वेदांतसार श्रुति दीपिका (पद्य)→ ९–११४ एम।

वर्णमाला पदावली (पद्य)→२०–१६२।

सिद्धांत चौंतीसी (पद्य)→ ४–१ ९–११४ एम।

सिद्धांत मुक्तावली (पद्य)→०६ १८१ डी; ९–११४ ए; १७–८१ बी २ –९९; सं ४–१११।

सीताराम रस तरगिनी (गद्य)→०६–१३४ डी।

सीताराम सिद्धातानन्य तरगिणी (पद्य)→०६–१३४ बी, १७–८३ सी।

होलिका विनोद दीपिका (पद्य)→०६–३१७, ०६–१३४ जी।

जनक राम सवाद→'रामकलेवा रहस्य' (पर्वतदास कृत)।

जनकलाडिलीशरण—अयोध्या के वैष्णव महत। जनकराजकिशोरीशरण के शिष्य। स० १६०४ के लगभग वर्तमान।→१७–८३।

रसिक विनोदिनी (पद्य)→०६–१३३, १७–८२।

जनकवश वर्णन (पद्य)—गणेश (कवि) कृत। वि० नाम से स्पष्ट। प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ)। → ४१–४७ ख।

जनकिशोर—पारिख। मथुरातर्गत रामगढ (रामपुरी) निवासी। सं० १७६४ के लगभग वर्तमान।

उषा चरित्र (पद्य)→४१–२६।

जनकीता→'कीता' ('पद' के रचयिता)।

जनखुस्याल→'खुस्याल (जन)' ('विपिन विनोद' के रचयिता)।

जनगूजर—(?)

कृष्णपचीसी (पद्य)→०६–२७०।

जनगोपाल→'गोपाल' (दादूदयाल के शिष्य)।

जनगोपाल→'गोपाल (जन)' ('भागवत' के रचयिता)।

जनगोपाल→'गोपाल (जनगोपाल ,' ('रासपचाध्यायी' के रचयिता)।

जनछीतम→'छीतम' ('जखड़ी' आदि के रचयिता)।

जनजगन्नाथ→'जगन्नाथ (जन)' ('गुरुमहिमा' आदि के रचयिता)।

जनज्वाला—हजरतगज (लखनऊ) के निवासी। स० १६२७ के लगभग वर्तमान।

प्रश्न मनोरमा (भाषा टीका) (पद्य)→स० ०४–११२।

जनतिलोक—'ख्यालटिप्पा' नामक सग्रह ग्रथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ ०२–५७ (पैंतीस)।

जनतुरसी→'तुरसीदास (निरजनी)' ('चौखरी ग्रथ' आदि के रचयिता)।

जनप्रसाद—अन्य नाम दासप्रसाद।

पद सग्रह (पद्य)→४१–७६।

जनबेगम—गुरु छीना (?) के शिष्य।

बैराग बारहमासा (पद्य)→स० ०४–११३।

जनभुवाल—(?)

भगवद्गीता (पद्य)→०६–१३२, १७–२७, ४१–१७६, स० ०१–२६२ क।

भूगोल पुराण (गद्यपद्य)→सं० ०१–२६२ ख।

जनमकरम लीला (पद्य)—माधोदास कृत । वि० जीवन में कर्मप्रधानता का वर्णन ।
 प्रा०—पं० चंद्रशेखर त्रिपाठी बाह (आगरा) ।→२६–२१५ ए ।

जनमपत्रिका प्रकारा रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत । लि० का० सं० १९८९ । वि० निर्गुण ज्ञान ।
 प्रा०—काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय वाराणसी ।→४१–४९ श्रो ।

जनमबोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञान ।
 प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→०६–१४२ एल ।

जनमुकुंद→'नंद और मुकुंद' ('भ्रमरगीत' के रचयिता) ।

जनमोहन→'मोहनदास' ('धनेहलीला' आदि के रचयिता) ।

जनराज (वैश्य)—वास्तविक नाम केहरराज । जयपुर नरेश पृथ्वीसिंह के आश्रित । आपके गलता निवासी गुरु ने केहरराज से नाम बदल कर जनराज रख दिया था । सं० १८११ में वर्तमान ।
 कविता रस विनोद (पद्य)→१२–८६ ।
 कृष्णचंद्र लीला कवित विनोद (पद्य)→१६–४६ ।

जनलाल (सोती)—सनाढ्य ब्राह्मण । सीसता गाँव शाहाबाद (मथुरा) निवासी । सं० १५१७ के लगभग वर्तमान ।
 भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→१२–८५ ।

जनवृंदा→'वृंदावनदास' ('कृष्णविलास' के रचयिता) ।

जनहमीर—(?)
 रामरहस्य (पद्य)→ ६–२०१ ।

जनहरिया—'जनमलहरिया' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं । → २–५७ (इक्यावनीत) ।

जनाइन (भट्ट)—(?)
 वाक्यविवेक (पद्य)→०६–११७ ए ।
 वैद्यरत्न (गद्यपद्य)→ २–१ ५ ६–११७ बी २–६८ एं २३–८५, २३–१८१ ए, बी २६–२ ए बी सी २६–११८ ए से डी तक ।
 शालिहोत्र (पद्य)→ ६–२१७ सी ।

जनिगुपाल→'चिंतामणि गुपाल' ('ऊषा अनिरुद्ध विवाह' के रचयिता) ।

जनीश—सं० १९२१ के पूर्व वर्तमान ।
 हरिश्चंद्र की कथा (पद्य)→१८–७ ।

जन्मखंड (पद्य)—भगवतसिंह (प्रधान) कृत । लि० का० सं० १९९४ । वि० श्री राम जन्मोत्सव ।
 प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६–७९ डी डी ।

जन्मचरित्र श्री गुरुदयालदासजी का (पद्य)—जगन्नाथदास कृत । लि० का० सं० १९८८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—मुशी सतप्रसाद, प्राइमरी स्कूल, तिलोई (रायबरेली) ।→३५-६ ।

जन्मसाखी (गद्यपद्य)—अगद जी (गुरु) कृत । र० का० स० १५६६ । लि० का० स० १८०४ । वि० गुरु नानक का जीवन और भिन्न भिन्न देशों की यात्रा का वर्णन ।

प्रा०—बाबू जमनादास, छोटी सगत, गुदड़ी बाजार, बहराइच ।→२३-११ ।

जन्मोत्सव के पद (पद्य)—सूरदास आदि कृत । वि० कृष्ण के जन्म की बधाई ।

प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी ।→४१-४४६ (अप्र०) ।

जन्मोत्सव बधाई (पद्य)—व्रजदूलह कृत । वि० कृष्ण की जन्म बधाई ।

प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद शर्मा, छपैटी (इटावा) ।→३८-१८ ।

जप को प्रकार (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । लि० का० स० १६६४ । वि० धर्म ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-८८ घ ।

जपजी (पद्य)—अन्य नाम 'नानकजी का जप ।' नानक (गुरु) कृत । वि० जप महिमा और उपदेश । (सिखो के मूल मत्र) ।

(क) लि० का० स० १८२० ।

प्रा०—महत नानकप्रकाश, बड़ी सगति, बहराइच ।→२३-२६३ ए ।

(ख) प्रा०—श्री जसवतसिंह, सिखों का गुरुद्वारा, अयोध्या ।→२०-६६ ।

(ग)→प० २२-७० ।

जपमगल (पद्य)—भानुजसिंह कृत । लि० का० स० १८८८ । वि० मगल स्तोत्र ।

प्रा०—श्री श्यामसुदर शुक्ल, रेवली, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) । → स० ०४-२५७ ।

जफरनामा नौसेरखाँ का (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत । र० का० स० १७२१ । लि० का० सं० १७७७ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१-१२६ द' ।

जबरेससिंह—वत्सगोत्रीय चौहान क्षत्री । वनउधदेश (सभवत इलाहाबाद जिला में) के अतर्गत पटीपुर के राजा । शिवदत्त त्रिपाठी ('दशकुमारचरित' के रचयिता) के आश्रयदाता ।→स० ०१-४१४ ।

जमनाजी के गीत (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । वि० यमुना जी की महिमा ।

प्रा०—श्री पन्नालाल, सकरवा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) ।→१५-१७६ ।

जमाल—पिहानी (हरदोई) निवासी मुसलमान । जन्म सं० १६०० ।

जमाल पचीसी (पद्य)→१२-८२ ए ।

भक्तमाल की टिप्पणी (गद्यपद्य)→१२-८२ बी ।

स्फुट दोहे (पद्य)→२०-६५ ।

जमाल पचीसी (पद्य)—जमाल कृत । वि० विविध ।

प्रा०—रेतू छन्नूलाल, गोकुल (मथुरा) ।→१२-८२ ए ।

जमुनाजस (पद्य)—आनंदघन कृत । वि जमुना जी की प्रशंसा ।
मा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१ क ।

जमुनादास—वृंदावन निवासी । हितानुयायी । कीरतदास जी के शिष्य ।
शतक (पद्य)→३८-६६ ।

जमुनादास—एक भक्त साधु ।
जमुनालहरी (पद्य)→ ६-२६४ ।

जमुनाप्रताप बलि (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । र का सं १८१७ । लि का सं १८१७ । वि जमुना की महिमा ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२१ सी (विवरण अप्राप्त) ।

जमुना मंगल (पद्य)—परमानंद (हित) कृत । लि का सं १८६६ । वि जमुना स्तवन ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२ ४ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

जमुना माहात्म्य (पद्य)—परमानंद (हित) कृत । लि का सं १८६६ । वि नाम से स्पष्ट ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२ ४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

जमुनालहरी (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत । र का सं १८७९ । वि जमुना जी की महिमा ।
(क) लि का सं १६२ ।
प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय बलरामपुर गोंडा ।→२ -४८ बी ।
(ख) प्रा —श्री ब्रह्मभट्ट मन्नूराम जोधपुर ।→ १-८८ ।
टि ग्रंथाधिकारी के अनुसार यह प्रति रचयिता की स्वहस्तलिखित प्रति है ।

जमुनालहरी (पद्य)—जमुनादास कृत । लि का सं १६१५ । वि जमुना की महिमा ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२६४ (विवरण अप्राप्त) ।

जमुनालहरी (पद्य)—पद्माकर कृत । वि जमुना माहात्म्य ।
प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया ।→ ६-८२ सी ।

जयकृष्ण—पुष्करणा ब्राह्मण । जोधपुर निवासी । भवानीदास के पुत्र । महाराज जसवंतसिंह के मंत्री । सिंघी फतहमल के पुत्र । सिंघी दानमल के आश्रित ।
कवित्त (पद्य)→ २-४८ ।
संस्कार (पद्य)→ ७-८ ; ६-११८ में ११-४६; ११-१६ ए, बी ।
शिव माहात्म्य (भाषा) (पद्य)→ २-८९ ।
शिवगीता भाषा (पद्य)→ १-६ ।

जयकृष्ण—विष्णु स्वामी संप्रदाय के वैष्णव । पुरुषोत्तमदास के शिष्य । श्री बल्लभ तथा बालकृष्ण के वंशज ।
भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→१२-८८ ।

जयकृष्ण (भोजग)—(?)

पिंगल रूप दीप (पद्य)→४१-८६८ (अप्र०)।

जयगोपालदास—काशी (मुहल्ला दारानगर) निवासी। मिरजापुर निवासी संत राम गुलाम द्विवेदी के शिष्य। स० १८७४ के लगभग वर्तमान।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)→०२-१०३, ०४-६, २३-१८६।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'तुलसी शब्दार्थ प्रकाश'। जयगोपालदास कृत। र० का० स० १८७४। वि० तुलसी कृत रामायण पर टिप्पणियाँ और शब्दार्थ आदि।

(क) लि० का० स० १८८३।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६।

(ख) लि० का० स० १९०७।

प्रा०—प० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुढीकटरा, मिरजापुर।→०२-१०३।

(ग) प्रा०—प० श्यामविहारी मिश्र, गोलागज, लखनऊ।→२३-१८६।

जयगोपालसिंह—क्षत्री। वेसहनीसिंह के पुत्र। चैमलपुर, परगना सिकदरा के जमींदार। विष्णुदत्त कवि के आश्रयदाता। स० १८६५ के लगभग वर्तमान।→०८-७०।

जयगोविंद—उप० गोविंद। पलटूदास के गुरु। भीखासाहब के शिष्य। अहिरौली (फैजाबाद) निवासी। स० १८२७ के लगभग वर्तमान।

सत्यसार (पद्य)→२०-७१।

जयगोविंद (वाजपेयी)—सभवत मडन कवि के पुत्र। स० १७६५ के पूर्व वर्तमान।

कविसर्वस्व (गद्यपद्य)→३८-७३।

जयचद—भटनागर कायस्थ। दिल्ली निवासी। स० १६३२ (१६२८) के लगभग वर्तमान।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)→२६-२०३, दि० ३१-८४।

जयचंद (जैन)—जैन धर्मानुयायी। ढूँढाहर देशातर्गत जयपुर (राजस्थान) निवासी। जयपुर के महाराज जगतसिंह के समकालीन। स० १८६६ के लगभग वर्तमान।

अष्टपाहुड ग्रथन की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→स० १०-३६ क, ख, ग, घ।

ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→३२-१८७ ए, स० ०४-११५, स० १०-३६ ङ।

देवागम स्तवन की देशभाषा मय वचनिक (पद्य)→सं० ०७-५६, स० १०-३६ च।

द्रव्यसग्रह ग्रथ की वचनिका (गद्य)→स० १०-३६ छ।

समयसार ग्रथ की वचनिका (गद्य)→२३-१८७ बी, स० १०-३६ ज।

स्वामी कार्तिकेयानुप्रेक्षा (गद्य)→सं १०–१६ क, ख ।

जयचंद वंशावली (पद्य)—सबीप्रसाद कृत । वि राजा जयचंद की वंशावली ।
प्रा०—श्री रामसेवक, मंत्री दरबार, टीकमगढ़ ।→ १–२१ (विवरण अप्राप्त) ।
टि मूल वंशावली कमौली ग्राम (वाराणसी) में ताम्रपत्र पर मिली थी ।

जयजयराम—मित्तल गोत्रीय अग्रवाल वैश्य । सेवाराम के पुत्र । मैडू (अलीगढ़) निवासी । पिता मैडू के राजा रतनसिंह के दीवान थे । कुछ दिनों तक अनूपशहर (बुलंदशहर) में गंगा के किनारे रहे । बाद में हरयाना के राजा मित्रसिंह के दरबार में रहने लगे । अनंतर राजकुमार जसवंतसिंह के आश्रित । सं १८६७ के लगभग वर्तमान ।
ब्रह्मवैवर्त पुराण (पद्य)→१७–८० २६–१०१ ।

जयतराम—वृंदावन निवासी । किसी पयहारी के शिष्य । सं १७६५ के लगभग वर्तमान ।
योग प्रदीपिका (पद्य)→सं ७–६ क ।
भागवत गीता (भाषा) (पद्य)→१२–८५ १७–८८ ।
राम सगुनावली (पद्य)→सं ७–६ ख ।
सदाचार प्रकाश (पद्य)→ ६–१४ ।

जयदयाल—गुरु का नाम कृष्णदास । सं १८७१ के पूर्व वर्तमान ।
ब्रजधाम सेवा मकरंद (पद्य)→सं ४–११६ ।
कृष्णानंद सुधा समुद्र (पद्य)→सं ४–११६ ।
माधुर्य लहरी (पद्य)→सं ४–११६ ।
शिक्षावली (पद्य)→सं ४–११६ ।

जयदयाल—वल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं १६ १ के लगभग वर्तमान ।
प्रेमसागर (पद्य)→१७–८१ २३–१८८; २६–१०२ ए से आइ तक ।

जयदायक (समरसार) (पद्य)—शिवप्रसाद कृत । वि युद्ध ज्योतिष ।
प्रा —पं शंभुनाथ अध्यापक, शुक्लपुर डा मानधाता (प्रतापगढ़) । → सं ८–१८७ ।

जयदेव (?)—संभवतः कंपिला निवासी । सुखदेव मिश्र के शिष्य । फाजिल अली के आश्रित । सं १७५७ के लगभग वर्तमान ।→मि वि संख्या ६ ६ ।
अमृतमंजरी (पद्य)→१२–८१ ।

जयनारायण—(?)
काशी खंड (भाषा) (पद्य)→ ६–१२६ ।

जयमंगलप्रसाद—(?)
गंगाष्टक (पद्य)→ ६–११८ ।

जयमल (ऋषि)—जैन ।

जयकृष्ण (भोजग)—(?)

पिंगल रूप दीप (पद्य)→४१-४६८ (अप्र०)।

जयगोपालदास—काशी (मुहल्ला दारानगर) निवासी। मिरजापुर निवासी गत राम गुलाम द्विवेदी के शिष्य। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)→०२-१०३, ०४-६, २३-१८६।

जयगोपालदास विलास (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'तुलसी शब्दार्थ प्रकाश'। जयगोपाल-दास कृत। र० का० सं० १८७४। वि० तुलसी कृत रामायण पर टिप्पणियाँ और शब्दार्थ आदि।

(क) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६।

(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा०—प० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुढीकटरा, मिरजापुर।→०२-१०३।

(ग) प्रा०—प० श्यामविहारी मिश्र, गोलागंज, लखनऊ।→२३-१८६।

जयगोपालसिंह—क्षत्री। वेसहनीसिंह के पुत्र। चैमलपुर, परगना सिकंदरा के जमींदार। विष्णुदत्त कवि के आश्रयदाता। सं० १८६५ के लगभग वर्तमान।→०४-७०।

जयगोविंद—उप० गोविंद। पलटूदास के गुरु। भीखासाहब के शिष्य। अहिरौली (फैजाबाद) निवासी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।

सत्यसार (पद्य)→२०-७१।

जयगोविंद (वाजपेयी)—संभवत मंडन कवि के पुत्र। सं० १७६१ के पूर्व वर्तमान।

कविसर्वस्व (गद्यपद्य)→३८-७३।

जयचंद—भटनागर कायस्थ। दिल्ली निवासी। सं० १६३२ (१६२४) के लगभग वर्तमान।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)→२६-२०३, दि० ३१-४४।

जयचंद (जैन)—जैन धर्मानुयायी। ढूँढाहर देशांतर्गत जयपुर (राजस्थान) निवासी। जयपुर के महाराज जगतसिंह के समकालीन। सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।

अष्टपाहुड ग्रंथन की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→सं० १०-३६ क, ख, ग, घ।

ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)→३२-१८७ ए, सं० ०४-११५, सं० १०-३६ ङ।

देवागम स्तवन की देशभाषा मय वचनिक (पद्य)→सं० ०७-५६, सं० १०-३६ च।

द्रव्यसंग्रह ग्रंथ की वचनिका (गद्य)→सं० १०-३६ छ।

समयसार ग्रंथ की वचनिका (गद्य)→२३-१८७ बी, सं० १०-३६ ज।

परशुराम कथा (पद्य)→ -१४१ ।
पृथु कथा (पद्य)→ ०-१४७ ।
बलदेव कथा (पद्य)→ -१५१ ।
वामन कथा (पद्य)→०० ४९ ।
व्यास चरित (पद्य)→ -१५२ ।
स्वायंभु मुनि की कथा (पद्य)→ -१४६ ।
हयग्रीव कथा (पद्य)→ -१५१ ।
हरिअवतार कथा (पद्य)→ -१५५ ।
हरिचरित चंद्रिका (पद्य)→ -१४५ ।
हरिचरितामृत (पद्य)→ - ४ ।
हरिचरितामृत (पद्य)→ -१८४ ।

जयसिंह (महाराज या मिर्जा)—प्रसिद्ध जयपुर नरेश । जन्म सं० १६६८ । मृत्यु सं० १७२४ । औरंगजेब द्वारा 'मिर्जा राजा' की उपाधि से विभूषित । प्रसिद्ध कवि बिहारीलाल के आश्रयदाता ।→ -११५, २ -८६ ।

जयसिंह (राजा)—संभवत जयपुर के महाराज जयसिंह (प्रथम) मिर्जा राजा ।
काव्यरस (पद्य)→१८-७४ ।

जयसिंह (रायराजा)—कायस्थ । किसी मुगल सम्राट के आश्रित । अंत समय में अमीआ जाकर सन्यासियों की तरह रहने लगे थे । सं० १८११ के लगभग वर्तमान ।
संवत्सरई (पद्य)→ ६-११९ सं० ४-११७ ।

जयसिंहदास—सारंगपुर के राजा उद्योतसिंह के दीवान देवकीनंदन के आश्रित । सं० १७८९ के लगभग वर्तमान ।
हितोपदेश की कथा (पद्य)→४१-७८ ।

जयसिंह प्रकाश (पद्य)—आत्माराम कृत । र० का० सं० १७०१ । वि० कालिदास कृत 'रघुवंश' का अनुवाद ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-७

जयसिंह प्रकाश→पैरिंग प्रकाश (प्रतापसाहि कृत) ।

जयसिंहसवाई (द्वितीय)—जयपुर के प्रसिद्ध महाराज और (जयपुर के) संस्थापक । महाराज प्रतापसिंह के पितामह । सं० १७५५ में राज्यारोहण । सं० १७९९ में देहावसान । संस्कृत फारसी और ज्योतिष के विद्वान । कृष्ण भट्ट और कृपाराम के आश्रयदाता ।→ -७८ ६-१५१ ६-१ १ ।

जयसुख—(?)
ज्ञानपीता (पद्य)→पं० २१-७७ ए, ११-२ १ ए ।
राधाविनोद (गद्य)→पं० २२-४० बी २१-२ १ बी ।

साधुगुणमाला (पद्य)→दि० ३१-३६ ।

जयमाल (पद्य)—लालचंद कृत । वि० जैन धर्मानुसार जिनदेव की पूजा का वर्णन ।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा मेदिनीगंज, प्रतापगढ़ ।→२६-२६० ।

जयमाल संग्रह (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि० अयोध्या का वर्णन और रामचंद्र विहार ।
प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या ।→०६-२४५ एच ।

जयराम—(?)
भगवद्गीता की टीका (पद्य)→४१-७७ ।

जयराम (भारती)—तुर्रा संप्रदाय के लावनीबाज । सं० १९१४ के पूर्व वर्तमान ।
मनिहारिन लीला (पद्य)→२६-२०५ ।

जयरामदास (ब्रह्मचारी)—(?)
ज्वरविनासन (पद्य)→०६-१३० ।

जयलाल—सेवक भट्ट । वृंद कवि के वंशज । कृष्णगढ़ नरेश के दरबारी कवि । सं० १९१६ के लगभग वर्तमान ।
कठिन औषधि संग्रह (पद्य)→२९-१७४ एफ ।
कृष्णचंद्रजी की विनती (पद्य)→२६-२०४ डी, २९-१७४ जी, एच ।
ख्याल (पद्य)→२९-१७४ ई ।
गर्भचिंतामणि (पद्य)→२६-२०४ ए, बी, २९-१७४ ए, बी ।
रामनाम की महिमा (पद्य)→२६-२०४ ई ।
शिवजी की विनती (पद्य)→२६-२०४ सी ।
संग्रह (पद्य)→२९-१७४ सी, डी ।

जयशंकर सहस्र अवदीच—आगरा निवासी । सं० १९२५ के लगभग वर्तमान ।
व्यंजनप्रकार (पहला भाग) (गद्य)→सं० ०१-१२५ ।

जयश्री (विप्र)—ब्राह्मण । पिता का नाम चेतराम मिश्र ।
स्तोत्र संग्रह (पद्य)→सं० १०-४० ।

जयसिंह (जू देव)—रीवाँ नरेश । शिवनाथ, दुर्गेश और अजबेश के आश्रयदाता । राज्यकाल सं० १८६६-१८९० ।→०१-१५, ०१-१०६ ।
ऋषभदेव की कथा (पद्य)→००-१५१ ।
कपिलदेव की कथा (पद्य)→००-१४६ ।
कृष्णतरंगिणी (पद्य)→००- ३६ ।
दत्तात्रय कथा (पद्य)→००-१५० ।
नरनारायण की कथा (पद्य)→००-१५४ ।
नारद सनत्कुमार की कथा (पद्य)→००-१४८ ।
नृसिंह कथा (पद्य)→००-१४१ ।

जवाहिरदास—नवा बलबीरमदास के वंशज। गिरिवरदास के पुत्र। सतनामी सम्प्रदाय के अनुयायी। सं० १८७९ के लगभग वर्तमान।
 वीरय के वंश (पद्य)→सं० ४ ११६।

जवाहिरदास और गिरवरदास—'वीरय के वंश' की रचना (बहलादरदास कृत) में इनका भी योग है।→सं० ४-११६।

जवाहिरपति—मदनसेन के अनुयायी। गुरु का नाम बूलनपति। नरौना ग्राम (जौनपुर) में मदन साहब की गद्दी के महंत। गुरु के मरने पर निमकपति साहब गद्दी पर बैठे और इनके पश्चात् ये महंत बने।
 शब्द प्रकाश (पद्य)→सं० ४ ११ क।
 साखी (पद्य)→सं० ४ ११ ग।

जवाहिरराय—भाट। बिलग्राम (हरदोई) के निवासी। रतनराय के पुत्र। कहते हैं कि इन्हीं के पूर्वज परशुराम (मलीहाबाद निवासी) को तुलसीदास से स्वहस्त लिखित रामचरितमानस की एक प्रति दी थी। सं० १८२१ के लगभग वर्तमान।
 जवाहिराकर (पद्य)→१२-८४ बी।
 बारहमासा (पद्य)→१९ ८४ ए।
 राधाकृष्ण की बारहमासिका (पद्य)→२१-१८५।
 शिखनख (पद्य)→१२ ८४ सी।

जवाहिरलाल—जौनपुर के अंतर्गत राजाबाजार के राजा महेशनारायणसिंह के आश्रित। सं० १६१५ के लगभग वर्तमान।
 रामचरित्र (पद्य)→१२-७२।

जवाहिरलाल—जैन धर्मानुयायी। पिता का नाम लीलाचंद। अयोध्या के पश्चिम और समीप में भेपुर स्थान के निवासी। सं० १६ ३ के लगभग वर्तमान।
 अढ़ाईद्वीप पूजन (पद्य)→२१-१८६; सं० ४-१२१।
 संमेदशिखर पूजा (पद्य)→१२-८७।
 सहस्रनाम पाठ (पद्य)→सं० ४-१२१।

जवाहिराकर (पद्य)—जवाहिरराय कृत। र० का० सं० १८२१। वि० अलंकार।
 प्रा०—श्री भगवानदास ब्रह्मभट्ट बिलग्राम (हरदोई)।→१२-८४ बी।

जसोधर चरित्र→'यशोधर चरित्र' (मंद ना शकलाल कृत)।

जसवन्तभूषण चन्द्रिका (पद्य)—गतीलाल कृत। र० का० सं० १८७९। वि० पिंगल, अलंकार और महाराज ज्ञानसिंह का यश वर्णन।
 प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-११।

जससूर्पण (पद्य)—मानीराम और गाहराम कृत। वि० श्री जसवंतराम की महिमा।
 प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-११।

जर्राही प्रकाश (गद्य)—अन्य नाम 'वैद्यक जराही'। रंगीलाल कृत। र० का० सं० १६२७। वि० शल्य चिकित्सा।

(क) लि० का० सं० १६१६।

प्रा०—श्री नानकचंद श्रीवास्तव, कमलागढ़ी, डा० बाजिदपुर (अलीगढ़)। → २६–२६३ सी।

(ख) लि० का० सं० १६३६।

प्रा०—पं० शिवनारायण, बड़ैला, डा० मिसरीं (सीतापुर)।→२६–४००।

(ग) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—वैद्य रामभूषण, जमुनियाँ (हरदोई)।→२६–२६३ डी।

जलधरनाथ→'जलध्रीपाव' ('सबदी' के रचयिता)।

जलधरनाथजी रा चरित्र (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत। वि० जलधरनाथजी की जीवनी।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–२६।

जलधरनाथजी रो गुण (पद्य)—दौलतराम कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० जलंधरनाथ की महिमा और महाराज मानसिंह की प्रशंसा।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३०।

जलध्रीपाव (जालध्रीपाव या जलधरनाथ)—सिद्ध कृष्णपाद, मैनामती और राजा गोपीचंद के गुरु। मछिंद्रनाथ के गुरु भाई। कणेरी (कानपाव) के गुरु। 'सिद्धों की वाणी' में भी संगृहीत।→४१–१६, सं० १०–८।

सबदी (पद्य)→सं० १०–४१।

जलकेलि पचीसी (पद्य)—प्रियादास कृत। र० का० सं० १८८०। वि० राधाकृष्ण का विहार।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य, कोठीवाला, लोईबाजार, वृंदावन (मथुरा)।→१२–१३८ ए।

जलभेद (गद्य)—कल्यानराइ कृत। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांत।

प्रा०—श्री रामप्रसाद वैश्य, पुरानी बस्ती जतीपुरा (मथुरा)।→३५–५१।

जलहरण दंडक (पद्य)—चंदनराम कृत। वि० शिव स्तुति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–६१ ख।

जवाहरदास—फिरोजाबाद (आगरा) निवासी। गुरु का नाम रामरत्न। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।

महापद (पद्य)→२६–१७१।

जवाहिर—पिता का नाम परमदत्त त्रिवेदी।

नासिकेत पुरान (पद्य)→सं० ०४–११८।

के सूबेदार। ३ वर्ष तक काबुल में रहे, वहाँ पठानों का दमन किया। काबुल में ही जमुर्रद नदी के तट पर सं० १७१५ में स्वर्गवास हुआ। नरहरि नवीन तथा निवाम कवि के आश्रयदाता और स्वयं अच्छे कवि एवं साहित्य के आचार्य।
→ २-८ ०५ १६ १२-१११।
अनुभव प्रकाश (पद्य)→ १-७२ २ १५।
अपरोक्ष सिद्धांत (पद्य)→ १-७१ २-१४; २६-२ १ ए।
आनंदविलास (पद्य)→ १-७१ २-१७।
प्रबोधचन्द्रोदय नाटक (गद्यपद्य)→ २-२१।
भाषाभूषण (पद्य)→०२-८७ ६-१०६; ६-२५१ २ -७ २१-१८१ ए से एफ तक २६-२ १ बी सो डी ई २६-१७ दि ११-४१ सं ७-११।
सिद्धांतबोध (गद्यपद्य)→ २-१६।
सिद्धांतसार (पद्य)→ २-४६।
जसवंतसूरीश्वर (आचार्य)—जैन। बिरगाँव (दिल्ली ?) निवासी। सं० १७८१ के लगभग वर्तमान।
जंबूस्वामी रासा (पद्य)→वि ११-२।
जसूराम—चारण। अमयपुर (दक्षिण ?) के राजा जीतराय के आश्रित। इन्होंने आलमगीर बादशाह के समय में हुए सोलंकी राजा अजमाल के पुत्र उदवा (उदयसिंह ?) का उल्लेख किया है जिनके लिए कहीं कहीं 'जगजीत' और 'जुगजीत' नामों का भी प्रयोग किया है। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→ १-११ ए ४-११४।
जहाँगीर—सुप्रसिद्ध सम्राट अकबर के पुत्र। राज्यकाल सं० १६६२ १६८४। इन्होंने चित्तौर के राजकुमार कर्णसिंह का बहुत सम्मान किया था और वे पाँच वर्ष तक इनके दरबार में रहे थे। केशवदास के आश्रयदाता।→ -१४ १-४।
जहाँगीर चंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम जहाँगीरजस चंद्रिका। केशवदास कृत। र० का० सं० १६६६। वि० जहाँगीर का यश वर्णन।
(क) लि० का० सं० १७८१।
प्रा०—पं० जवाहरलाल याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-१११।
(ख) लि० का० सं० १८७८।
प्रा० —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ १-४।
जहाँगीर जस चंद्रिका→ जहाँगीर चंद्रिका' (केशवदास कृत)।
जागरण महात्म्य (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—लाला मीनराजमल पटवारी चरवार डा० बकर्ड़ (इटावा)→१५-२१ ए।
जातक (भाषा) (पद्य)—सुजान (दुबे) कृत। वि० ज्योतिष।
खो० सं० वि० ४१ (११ -६४)

जसराम (उपगारी)—भाभर नगरी परगना के अंतर्गत मुवाणा गाँव के निवासी। माता पिता के नाम क्रमशः अनंदी और सीताराम। स्वा० चरणदास के शिष्य। स० १८३४ से १८४१ के लगभग वर्तमान।

भक्तिबावनी (पद्य)→स० ०४–१२३ क।

भक्तिबोध (पद्य)→२३–१८२, स० ०४–१२३ ख।

शब्द (पद्य)→स० ०४–१२३ ग।

हरिगुरु स्तोत्र (पद्य)→स० ०४–१२३ घ।

जसरूपक (पद्य)—भागीराम और गाडूराम कृत। लि० का० स० १८८३। वि० जोधपुर के महाराज मानसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–३३।

जसवत—(?)

दशावतार (पद्य)→०६–२७४ बी।

रामावतार (पद्य)→०६–२७४ ए।

जसवत→ज्ञानी जी' (कबीर पथी साधु)।

जसवत जी (स्थविर)—जैन। सारगपुर (मालवा) निवासी। स० १६६४ के लगभग वर्तमान।

कर्मरेख की चौपाई (पद्य)→दि० ३१–४२।

जसवतराय (लाला)—सक्सेना कायस्थ। एटा जिले के निवासी। स० १८६६ के लगभग वर्तमान।

सगीत गुलशन (पद्य)→२६–१६६।

जसवत विलास (पद्य)—निधान कृत। र० का० स० १६७४। लि० का० स० १८६६। वि० नायिका भेद और अलकार।

प्रा०—सेठ जयदयाल, तालुकेदार, कटरा (सीतापुर)।→१२–१२३।

जसवतसिंह—बघेलवशी क्षत्री। महाराज हम्मीरसिंह के पुत्र। तिरवाँ (फरुखाबाद) के राजा। ग्वाल कवि के आश्रयदाता। स० १८५४ के लगभग वर्तमान।→ ००–८४, ०५–११, २६–१६१, दि० ३१–३४।

शृगार शिरोमणि (पद्य)→०६–१३६, २३–१८४ ए, बी, सी, डी, २६–२०२।

जसवतसिंह—ओड़छा नरेश। महाराज हम्मीरसिंह के पुत्र। रानी का नाम चद्रावती। राज्य काल स० १७३२–१७४१। रघुराम तथा वैकुंठमणि शुक्ल के आश्रयदाता।→ ०६–५, ०६–६८।

जसवतसिंह—हरयाना के राजकुमार। मित्रसिंह के पुत्र। जयजयराम के आश्रयदाता। स० १८६७ के लगभग वर्तमान।→१७–८७, २६–१७३।

जसवतसिंह (महाराज)—जोधपुर के महाराज गजसिंह के पुत्र और सूरसिंह के पौत्र। अजीतसिंह के पिता। जन्म स० १६८३। राज्य काल स० १६६२–१७३५। बादशाह शाहजहाँ के कृपापात्र। कुछ समय तक दक्षिण मालवा और गुजरात

के सूबदार। ६ वर्ष तक काबुल में रहे, वहाँ पठानों का दमन किया। काबुल में ही जमुरँद नदी के तट पर सं १७१५ में स्वर्गवास हुआ। मरहरि, नवीन तथा निधान कवि के आश्रयदाता और स्वयं अच्छे कवि एवं साहित्य के आचार्य। → २-८ ०५ ११ १२-१२१।

अनुभव प्रकाश (पद्य)→ १-७२ २ १५।

अपरोक्ष सिद्धांत (पद्य)→ १-७१ २-१४ २६-२ १ ए।

आनंदविलास (पद्य)→ १-७१ २-१७।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)→ २-२२।

भाषाभूषण (पद्य)→ २-८० ६-१०६ ६-२११ २ -७ ११-१८१ ए से एफ तक २६-२ १ बी सी डी ई २९-१७० दि ११-४१ सं ७-११।

सिद्धांतबोध (गद्यपद्य)→ २-१६।

सिद्धांतसार (पद्य)→ १-४६।

जसवंतसूरीश्वर (आचार्य)—जैन। चिरगाँव (दिल्ली ?) निवासी। सं १७८१ के लगभग वर्तमान।

जंबूस्वामी रासा (पद्य)→दि ११-२।

जसूराम—चारण। अमरपुर (दक्षिण ?) के राजा जीतराय के आश्रित। इन्होंने आलमगीर बादशाह के समय में हुए बुंदेलखंडी राजा जगमाल के पुत्र उदया (उदयसिंह ?) का उल्लेख किया है जिनके लिए कहीं कहीं 'जगजीत' और 'जुगजीत' नामों का भी प्रयोग किया है। सं १८१४ के लगभग वर्तमान।

राजनीति (पद्य)→ १-११ सं ४-११४।

जहाँगीर—सुप्रसिद्ध सम्राट अकबर के पुत्र। राज्यकाल सं १६६२-१६८४। इन्होंने चित्तौर के राजकुमार कर्णसिंह का बहुत सम्मान किया था और वे पाँच वर्ष तक इनके दरबार में रहे थे। केशवदास के आश्रयदाता।→ -१४; १-४।

जहाँगीर चंद्रिका (पद्य)—अन्य नाम जहाँगीरजस चंद्रिका। केशवदास कृत। र का सं १६६९। वि जहाँगीर का यश वर्णन।

(क) लि का सं १७८६।

प्रा —पं मथुराशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→११-१११।

(ख) लि का स १८४८।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)→ १-४।

जहाँगीर जस चंद्रिका→ जहाँगीर चंद्रिका (केशवदास कृत)।

जागरण माहात्म्य (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—लाला भीनारायण पटवारी सरकार का अकबई (इटावा)→१९-११ ए।

जातक (भाषा) (पद्य)—कृपाल (दूबे) कृत। वि ज्योतिष।

खो सं वि ४१ (११ ०-१४)

प्रा०—श्री वासुदेवसहाय, कमास, डा० माधोगज (प्रतापगढ)। → २६-२३८ ए।

जातक चद्रिका (पद्य)—शम्भुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० स० १८८८।

प्रा०—श्री प्रभुनाथ पाडेय, मऊ, डा० वेलवारा (जौनपुर)। → स० ०४ ,७७ ग।

(ख) लि० का० स० १६२३।

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ)। →२६-४२१ बी।

(ग) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→०६—२३४ सी (विवरण अप्राप्त)।

जातकालकार (भाषा) (पद्य)—लोचनसिंह (कायस्थ) कृत। र० का० स० १६१०। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० स० १६३०।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→२६-२६६ ए।

(ख) लि० का० स० १६३०।

प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ।→स० ०४-३५६ क।

(ग) लि० का० स० १६३१।

प्रा०—प० गोमतीप्रसाद, विशुनपुरा, डा० कप्तानगज (बस्ती)। → स० ०४-३५६ ख।

(घ) लि० का० स० १६३२।

प्रा०—प० लालताप्रसाद दूबे, जदवापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)। → २६-२६६ बी।

(ङ) लि० का स० १६४०।

प्रा०—श्री शिवदयाल, ककारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६-२६६ सी।

(च) लि० का० स० १६४१।

प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिसर वलिया, डा० रुद्रनगर (बस्ती)। → स० ०४-३५६ ग।

जातकालकार (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। मु० का० स० १६३०। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री शारदाप्रसाद दूवे, नवगवाँ, डा० लभुआ (सुलतानपुर)। → स० ०४-४५६।

जाति प्रकाश→'जाति विलास' (देव कृत)।

जाति वर्णन→'जाति विलास' (देव कृत)।

कथा रूपमजरी (पद्य)→स० ०१–१२६ ठ ।
कथा सतवती की (पद्य)→स० ०१–१२६ च ।
कथा सीलवती की (पद्य)→स० ०१–१२६ भ ।
कथा सुभटराइ की (पद्य)→स० ०१–१२६ व ।
गूढ ग्रथ (पद्य)→स० ०१–१२६ ट^{1} ।
घूँघटनावा, दरसनावा, अलकनावा (पद्य)→स० ०१–१२६ इ ।
चेतननामा, सिष ग्रथ, (ग्रथ) सुधासिप (पद्य)→स० ०१–१२६ प ।
जफरनामा नौसेरवाँ का (पद्य)→स० ०१–१२६ द^{1} ।
तमीम अनसारी की कथा (पद्य)→स० ०१–१२६ न ।
दरसननावा और बारहमासा (पद्य)→स० ०१–१२६ क^{1} ।
देसावली (ग्रथ) (पद्य)→स० ०१–१२६ च^{1} ।
नाममाला अनेकार्थ (पद्य) स० ०१ -१२६ फ^{1} ।
पदनामा लुकमान का (पद्य)→स० ०१–१२६ थ^{1} ।
पाहन परीछ्या (पद्य)→स० ०१–१२६ थ ।
पैमसागर (पद्य)→स० ०१–१२६ ठ^{1} ।
पैमुनामा (प्रेमनामा) (पद्य)→स० ०१–१२६ प^{1} ।
वलूकिया विरही की कथा (पद्य)→स० ०१–१२६ ध ।
बाँदीनाश (पद्य)→स० ०१–१२६ ग^{1} ।
बाजनामा और कबूतरनामा (पद्य)→स० ०१–१२६ घ^{1} ।
बारहमासा, सवैया त्या झूलना, बरवा, षट ऋतु बरवा वर्णन और ग्रथ पवगम (पद्य)→स० ०१–१२६ छ ।
बुद्धिदाइक, बुद्धिदीप (पद्य)→स० ०१–१२६ स ।
बुद्धिसागर (पद्य)→स० ०१–१२६ श ।
वैदकसत पदनावा (पद्य)→स० ०१–१२६ ञ^{1} ।
भावकलोल (पद्य)→स० ०१–१२६ त^{1} ।
मानविनोद (पद्य)→स० ०१–१२६ ध^{1} ।
रतनमजरी (पद्य) →स० ०१–१२६ग ।
रत्नावती (पद्य)→स० ०१–१२६ क ।
रसकोष ग्रथ (पद्य)→स० ०१–१२६ छ^{1} ।
रसतरगिनी (पद्य)→स० ०१–१२६ ढ^{1} ।
लैला मजनू (पद्य)→स० ०१–१२६ ख ।
वियोगसागर (पद्य)→स० ०१–१२६ ढ^{1} ।
विरही कौ मनोरथ (पद्य)→स० ०१–१२६ न^{1} ।
शृगारसत, भावसत, विरहसत (पद्य)→स० ०१–१२६ द ।
सत्तनावा, वर्णनावा (पद्य)→स० ०१–१२६ ख^{1} ।

जानकीमंगल—(?)
शिव स्तोत्र (पद्य)→२६-१६५।

जानकीमंगल (पद्य)—अन्य नाम 'मंगल रामायण' और 'सीता स्वयंवर'। तुलसी दास (गोस्वामी) कृत। र का सं १६१२ (?)। वि जानकी विवाह।
(क) लि का सं १८२।
प्रा —पं राममवन त्रिवेनी, डा मेढ़ी (एटा)।→२६-१२५ बी[१]।
(ख) लि का सं १८६१।
प्रा —पं मगलानदीन मिश्र बैन बहराइच।→२१-४१२ एक्स।
(ग) लि का सं १८७४।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-१४५ एफ (विवरण अप्राप्त)।
(सं १८७४ की एक अन्य प्रति दतियानरेश के पुस्तकालय में है)।
(घ) लि का सं १८६ ।
प्रा —ठा शिवरत्नसिंह मीनगर लखीमपुर (खीरी)।→२६-४८४ बी।
(ङ) प्रा —महराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १-७१।
(इसी पुस्तकालय में एक प्रति और है)।
(च) प्रा —हिंदी साहित्य समिति भरतपुर।→१७-१६६ सी।
(छ) प्रा —बाबा लक्ष्मणशरण कामद कुंज अयोध्या।→२ -१२८ ई।
(ज) प्रा —पं बद्रीप्रसाद शुक्ल शिवगाँव डा हरगाँव (सीतापुर)।→ २६-४८४ सी।
(झ) प्रा —महंत मोहनदास द्वारा स्वा पीताम्बरदास सोमामऊ डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-४८४ डी[१]।
(ञ) प्रा —पं बिहारीलाल ग्राम तथा डा नीमगाँव (आगरा)।→ २६-१२५ सी[१]।
(ट) प्रा —श्री रामरक्षा त्रिपाठी 'निर्भीक' फैजाबाद।→सं ४-१४२ क।
(ठ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -५१ क।

जानकीरसिकशरण—उप रसमाल। प्रमोदवन (अयोध्या) निवासी। सं १७६ के लगभग वर्तमान।
अवधविलास (पद्य)→१७-८८, २ -८७।

जानकीरसिकशरण—अयोध्या निवासी। सं १६१६ के लगभग वर्तमान।
रसिकप्रबोधनी टीका (पद्य)→ ४-८७।

जानकी राम चरित्र नाटक (गद्यपद्य)—हरिराम कृत। वि नाटक के रूप में रामायण की कथा।
(क) प्रा०—पं रामेश्वर भट्ट गोकुलपुरा, आगरा।→ ६-११६।

पाखडदलन (पद्य)→स० ०४–१२८ ख ।

ानकी पचीसो (पद्य)—रामनाथ कृत । लि० का० स० १६०४ । वि० जानकी जी का अवतार तथा छवि वर्णन ।

प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१५२ ।

ानकी प्रकाश (पद्य)—जानकीबाई कृत । र० का० स० १६३५ । मु० का० सं० १६३५ । वि० व्याकरण ।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी, वैद्य, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगज (रायबरेली) ।→स० ०४–१३१ क ।

ानकी प्रकाशिका (गद्य)—जानकीबाई कृत । मु० का स० १६३५ । वि० गीता की टीका ।

प्रा०—श्री हजारीलाल द्विवेदी वैद्य, कुकहा रामपुर, डा० शिवरतनगज (रायबरेली) ।→स० ०४–१३१ ख ।

ानकीप्रसाद—पँवार क्षत्री । अन्य नाम जानकीसिंह । डलमऊ (रायबरेली) परगने के अतर्गत जमींदारपुर के निवासी । पिता का नाम भवानीसिंह । पितामह का नाम झाऊसिंह । परपितामह का नाम निहालसिंह । स० १६०८ के लगभग वर्तमान ।

भगवती विनय (पद्य)→२६–१६६ ए, स० ०४–१३० क ।

श्रीराम नौरत्न विनय (पद्य)→२६–१६६ बी, सी, स० ०४–१३० ख ।

ानकीप्रसाद—अन्य नाम जानकीदास । काशी निवासी । काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनदनसिंह के पुत्र धनीराम के आश्रयदाता । स० १८६७ के लगभग वर्तमान ।→२३ -६६, २६–१०३ ।

रामभक्ति प्रकाशिका (गद्यपद्य)→०३–२०, स० ०४–१२६ क, ख ।

ानकीप्रसाद—इनको 'युक्ति रामायण' का रचयिता मान लिया गया है । पर वास्तव में 'युक्ति रामायण' के रचयिता धनीराम हैं । ये धनीराम के आश्रयदाता थे ।→४१–८० ।

ानकीबाई—विरक्त वैष्णव । वृंदावन (मथुरा) निवासी । स० १६३५ के लगभग वर्तमान ।

जानकी प्रकाश (गद्य)→स० ०४–१३१ क ।

जानकी प्रकाशिका (गद्य)→स० ०४–१३१ ख ।

ानकीबिंदु (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत । वि० सीता जी का जन्म, विवाह और विनय आदि ।

(क) प्रा०—ठा० हरिबक्शसिंह, कुथारिया (प्रतापगढ) ।→२६–६७ ।

(ख) प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५०५ (अप्र०) ।

ानकी ब्याह चतुर्थ रहस्य (पद्य)—पर्वतदास कृत । लि० का० स० १६०० । वि० जानकी के विवाह के समय का परिहास ।

प्रा०—ठा० भगवानसिंह, ससनी (अलीगढ) ।→२६–२६५ सी ।

जानकीमंगल—(?)

शिव स्तोत्र (पद्य)→२६–१६५।

जानकीमंगल (पद्य)—अन्य नाम 'मंगल रामायण' और 'सीता स्वयंवर'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र का सं १६१२ (?)। वि जानकी विवाह।

(क) लि का सं १८ २।

प्रा —पं रामभजन त्रिलौनी डा मेढ़ी (एटा)।→२९–१९५ बी[२]।

(ख) लि का सं १८६१।

प्रा —पं भगवानदीन मिश्र वैद्य, बहराइच।→२१–४१९ एस।

(ग) लि का सं १८७४।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→ ६–२४५ एफ (विवरण अप्राप्त)।

(सं १८७४ की एक अन्य प्रति दतियानरेश के पुस्तकालय में है)।

(घ) लि का सं १८८९ ।

प्रा —ठा शिवरतनसिंह, भीनगर, लखीमपुर (खीरी)।→२६–४८४ बी ।

(ङ) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। → १–७९।

(इसी पुस्तकालय में एक प्रति और है)।

(च) प्रा —हिंदी साहित्य समिति, भरतपुर ।→१७–१९६ सी।

(छ) प्रा —बाबा लक्ष्मणशरण बामन कुंज अयोध्या।→१ –१९८ ई।

(ज) प्रा —पं बद्रीप्रसाद शुक्ल शिवगांव, डा हरगाँव (सीतापुर)।→ २६–४८४ सी ।

(झ) प्रा —महंत मोहनदास द्वारा स्वा पीतांबरदास सौमामऊ डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६–४८४ टी ।

(ञ) प्रा —पं बिहारीलाल ग्राम तथा डा मौयवाँ (आगरा)।→ २६–१९५ सी ।

(ट) प्रा०—श्री रामरत्न त्रिपाठी निर्मोल फैजाबाद।→सं ४–१४२ क।

(ठ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १०–५१ क।

जानकीरसिकशरण—उप रसमाल। अयोध्या (अयोध्या) निवासी। सं १७५ के लगभग वर्तमान।

अवधविलास (पद्य)→१७–८५; २०–६७।

जानकीरसिकशरण—अयोध्या निवासी। सं १८१२ के लगभग वर्तमान।

रसिकसुबोधिनी टीका (पद्य)→ ४–८७।

जानकी राम चरित्र नाटक (गद्यपद्य)—हरिराम कृत। वि नाटक के रूप में रामायण की कथा।

(क) प्रा०—पं रामेश्वर मठ गोकुलपुरा आगरा।→०६—११६।

(ख) प्रा०—पं० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। →२३-१५६ ए

जानकी राम मंगल (पद्य)—बालकृष्ण कृत। वि० राम जानकी का विवाह वर्णन।

प्रा०—श्री राधारमण, पंडित का पुरवा, डा० चेला रामपुर (प्रतापगढ़)।→ सं० ०४-२३७।

जानकी वर विनय (पद्य)—जगतनारायण (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १९६०। वि० रामचंद्र जी की स्तुति।

प्रा०—पं० मुरलीधर त्रिपाठी, गैलासरैया, डा० चौरी (बहराइच)।→ २३-१७८ ई।

जानकी विजय (पद्य)—बलदेवदास कृत। र० का० सं० १९३६ ('८६')। वि० सीताजी द्वारा दुर्गा रूप में अहिरावण का वध करना ('अद्‌भुत रामायण' के आधार पर)।

(क) लि० का० सं० १९३०।

प्रा०—बाबा रामदास, फरांधा, डा० शाहाबाद (हरदोई)।→२६-२५।

(ख) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—पं० ज्ञानदत्त मिश्र, शंकरपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-३२ ए।

(ग) लि० का० सं० १९५०।

प्रा०—सेठ मगनीराम सौदागर, लखीमपुर।→२६-३२ बी।

जानकी विजय (पद्य)—सिआराम कृत। र० का० सं० १८१३। वि० जानकी जी द्वारा अहिरावण का वध।

(क) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—पं० मधुसूदन वैद्य, पुराना सीतापुर, सीतापुर।→२६-४५३ ए।

(ख) लि० का० सं० १९२९।

प्रा०—ठा० रणधीरसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्सी (लखनऊ)। →२६-४५३ बी।

(ग) लि० का० सं० १९३६।

प्रा०—ठा० चंद्रिकाबक्शसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० तालाब बक्शी (लखनऊ) →२६-४५३ सी।

जानकी विजय (पद्य)—सूर्यकुमार कृत। वि० सीता द्वारा अहिरावण का वध करना।

(क) लि० का० सं० १९००।

प्रा०—राजा भगवानबख्शसिंह, रियासत अमेठी (सुलतानपुर)।→२३-४२१ ए।

(ख) लि० का० सं० १९०३।

प्रा०—पं० महादेव, ओराही, डा० सिसैया (बहराइच)।→२३-४२१ बी।

जानकी विजय रामायण (पद्य)—अन्य नाम 'अद्भुत रामायण'। प्रसिद्ध कृत।
र का सं १८११। वि सीता जी का सहस्रवदन रावण को मारना।
(क) लि का सं १८९८।
प्रा —ठा अचलसिंह लखुरा, डा बहरावाँ (रायबरेली)। → सं ४-२१६ क।
(ख) लि का सं १८९९।
प्रा —पं कामताप्रसाद तिवारी अरेर डा सलपन (लखनऊ)। → सं ७-१२।
(ग) लि का सं १९१२।
प्रा०—पं आशाराम हरबा डा माठ (मथुरा)।→१८-१।
(घ) लि का सं १९१६।
प्रा —भैया हनुमतप्रसादसिंह अठदमा रियासत (बस्ती)। → सं ४-२१६ घ।
(ङ) लि का सं १९३८।
प्रा —श्री ताराप्रसाद हरनी डा उसका (बस्ती)।→सं ४-२११ ङ।
(च) प्रा —श्री चक्रधर त्रिपाठी रामतारा डा लालगंज (प्रतापगढ़)। →सं ४-२११ ख।
(छ) प्रा —ठा कामदेवसिंह भिटारी डा लालाबाजार (प्रतापगढ़)।→ सं ४-२११ ग।
जानकी सनेह हुलास शतक (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि का सं १९२२।
वि श्री राम महिमा और नाम जपने का उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२११ ग।
जानकी सहस्रनाम (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि श्री राम जानकी के सहस्रनाम और उनका माहात्म्य।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-९९ बी।
जानकी सहस्रनाम (पद्य)—श्रीनिवास कृत। लि का सं १८९९। वि सीताजी के हजार नामों का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-११ (विवरण अप्राप्त) वि प्रस्तुत पुस्तक संभवतः कृपानिवास कृत जानकी सहस्रनाम है।
जानकीसहाय—सं १८८१ के लगभग वर्तमान।
मंजन विनोद (पद्य)→२९-१२८।
जानकीसिंह→ जानकीप्रसाद ('भगवती विनय' के रचयिता)।
जानिराजा— कमाल त्रिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→ २-५७ (उन्नइ)।
जायसी→'मलिकमुहम्मद जायसी ('पद्मावत' के रचयिता)।
खो रं रि ४४ (११ ०-६४)

जालधर जुद्ध (पद्य)—नन्दलराय (?) कृत । लि० का० स० १८२५ । वि० जलंधर और वृंदा की कथा ।

प्रा०—प० दीपचद, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर) ।→४१–१२३ ।

जालध्रीपाव→'जलंध्रीपाव' ('सबदी' के रचयिता) ।

जाहरसिंह—(?)

कृष्णफाग (पद्य)→२६–५०६ ।

जिकरी दग राजा की (पद्य)—तोताराम कृत । वि० राजा दग और एक अप्सरा की पौराणिक कथा ।

प्रा०—ठा० महतावसिंह, सींगेमइ, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३२–२२० ।

जिज्ञासबोध (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० स० १८०७ । लि० का० स० १६०४ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—चौबे जमनालाल, अलीगढ ।→२६–२८१ ए ।

जिणराजसूरि (जिनराजसूरि)—जैन । सभवत राजस्थानी ।

गीत या चौबीस तीर्थंकर स्तवन (पद्य)→स० ०७–६२ ।

जिनचौबीसी→'आनदघन चौबीस स्तवन' (आनदघन मुनि कृत) ।

जिनदत्त चरित्र (पद्य)—विश्वभूपन (जैन) कृत । र० का० स० १७३८ । लि० का० स० १६०४ । वि० श्री जिनदत्त जी की जीवनी ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–१२३ ।

जिनदत्त चरित्र (भाषा) (पद्य)—कमलनयन कृत । र० का० स० १८७० (?) । वि० जैनधर्म के अनुयायी जिनदत्त का चरित्र ।

(क) लि० का० स० १६०७ ।

प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →स० ०४–२५ ।

(ख) लि० का० स० १६६० ।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–१० ।

जिनदर्शन कथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । वि० जिन भगवान के दर्शन का फल ।

(क) लि० का० स० १६०० ।

प्रा०—दिगबर जैन पंचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → स० १०–६७ क ।

(ख) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—लाला रघुनाथप्रसाद जैन, नइटौली, डा० कमतरी (आगरा) । → २६–३६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४४ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १०–२७ ख ।
(घ) लि का सं १६५५ ।
प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १०–२७ ग ।
(ङ) लि का सं १६५२ ।
प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ –२७ घ ।
(च) लि का सं १६६६ ।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं १०–२७ ङ ।
(छ) प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→ सं १ –२७ च ।

जिनदास—गोधा गोत्रीय जैन । कुल श्रावक । बुदारक (जयपुर) के निवासी । सुगुरु शतक (पद्य)→सं ७–११ ।

जिनदास—(?)
नेमनाथ राजमती मंगल (पद्य)→४१–८१ ।

जिनदास पांडे (जैन)—जैन धर्मानुयायी । आगरा निवासी । ब्रह्मचारी संतीदास के पुत्र । अकबर बादशाह के समकालीन । किसी टोडर पुत्र पासी साहु (दीपासाहु) के आश्रित । सं १६४९ के लगभग वर्तमान ।
जंबूचरित कथा (पद्य)→ सं ४–११२ सं १ –४१ क ख ग ।
योगी रासा (पद्य)→१७–८३ ।

जिनपद (पद्य)—जगराम (?) द्वारा संग्रहीत । लि का सं १८४४ । वि जैन धर्म विषयक निम्नांकित जैन कवियों का संग्रह —
जगराम (जगतराम राजमती हरखचंद मुनि रूपचंद भीमा धरमपाल प्रेमचंद रामकृष्ण देवराज रामचंद्र लालचंद विनोदी और बालकृष्ण ।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१–७५ (अप्र) ।

जिनरस (पद्य)—बेनीराम कृत । र का सं १७६६ । लि का सं १८ १ ।
वि जैनमत के सिद्धांत ।
प्रा —श्री मूलसिंह आकठसी जोधपुर ।→ १–१ ६ ।

जिनवर (जैन)—(?)
बारहा मासावली (गद्यपद्य)→सं १०–४१ ।

जिनवर हर्षचरी (भैया)—मदेवा (हरिसचंद) निवासी । सं १६ ६ के पूर्व वर्तमान ।
गरजीवा पार्श्वजिन स्तवन (पद्य)→दि ११–११ ।

जिनवर्धमानसूरी—जैन । १७ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा टीका) (गद्य)→दि ११–४६ ।

जिनसिंह (जिमसूरसिंह)—जैन । सं १६७८ के लगभग वर्तमान ।

जालंधर जुद्ध (पद्य)—नवलराय (?) कृत । लि० का० स० १८३५ । वि० जलंधर और वृंदा की कथा ।

प्रा०—पं० दीपचन्द, नोनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर) ।→४१-१२३ ।

जालधीपाव→'जलधीपाव' ('सनदी' के रचयिता) ।

जाहरसिंह—(?)

कृष्णफाग (पद्य)→२६-५०६ ।

जिकरी दग राजा की (पद्य)—तोताराम कृत । वि० राजा दग और एक अप्सरा की पौराणिक कथा ।

प्रा०—ठा० महताबसिंह, सींगेमई, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३२-२२० ।

जिज्ञासबोध (पद्य)—रामचरण कृत । र० का० स० १८४७ । लि० का० स० १६०८ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—चौबे जमनालाल, अलीगढ ।→२६-२८१ ए ।

जिणराजसूरि (जिनराजसूरि)—जैन । सभवत राजस्थानी ।

गीत या चौबीस तीर्थंकर स्तवन (पद्य)→स० ०७-६२ ।

जिनचौबीसी→'आनदघन चौबीस स्तवन' (आनदघन मुनि कृत) ।

जिनदत्त चरित्र (पद्य)—विश्वभूषन (जैन) कृत । र० का० स० १७३८ । लि० का० स० १६०४ । वि० श्री जिनदत्त जी की जीवनी ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-१२३ ।

जिनदत्त चरित्र (भाषा) (पद्य)—कमलनयन कृत । र० का० स० १८७० (?) । वि० जैनधर्म के अनुयायी जिनदत्त का चरित्र ।

(क) लि० का० स० १६०७ ।

प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →स० ०४-२५ ।

(ख) लि० का० स० १६६० ।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-१० ।

जिनदर्शन कथा (पद्य)—भारामल्ल (जैन) कृत । वि० जिन भगवान के दर्शन का फल ।

(क) लि० का० स० १६०० ।

प्रा०—दिगबर जैन पंचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → स० १०-६७ क ।

(ख) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—लाला रघुनाथप्रसाद जैन, नहटौली, डा० कमतरी (आगरा) । → २६-३६ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६४४ ।

जीवदास (आचार्य)—संभवतः कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। पहरी गणेशपुर (राय बरेली) के निवासी। सं० १८४ के लगभग वर्तमान।
दोहावली (पद्य)→सं० ४-११४।

जीवन—पुवायाँ (शाहजहाँपुर) के भाट। जन्म सं० १८ १। चंदन के पुत्र। मेरी (सीतापुर) के रईस बरिबंडसिंह के आश्रित।
बरिबंड बिनोद (पद्य)→१२-८६।

जीवन (मस्ताने)—प्राणनाथ (पन्ना निवासी) के शिष्य। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।
पंचक दहाई (पद्य)→ ६-११।

जीवनदास—(?)
ककहरा (पद्य)→ ६-१४१।

जीवनदास—(?)
नारायण लीला (पद्य)→सं० १-११।

जीवनधन—(?)
सुरतांत लीला (पद्य)→४१-८२।

जीवनधर चरित्र (भाषा) (पद्य)—नथमल (जैन) कृत। र० का० सं० १८३५। लि० का० सं० १६ ४। वि० वैराग्य।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं० १ -१८।

जीवनराम—(?)
ज्ञानचंद्रिका (पद्य)→सं० १-१११।

जीवराज→'चिन्तराज (पुण्यास्रव कथा कोश भाषा के रचयिता)।

जीवराज (सिंगी)—जयपुर के महाराज प्रतापसिंह के दीवान। रामनारायण के आश्रयदाता। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।→ १-६१।

जीवाराम (महंत)—उप० 'युगलप्रिया'। चिरामा निवासी। संभवतः अग्रस्वामी के शिष्य। अयोध्या के प्रसिद्ध महंत युगलनारायणशरण के गुरु। सं० १८८७ के पूर्व वर्तमान।
अष्टयाम (पद्य)→१७-६ बी।
पदावली (पद्य)→१७-६ ए।

जुगतराय—आगरा निवासी। किसी हिम्मत खाँ के आश्रित। सं० १७१ के लगभग वर्तमान।
कुंवररत्नावली (पद्य)→२६-१७७।

जुगतराय—अन्य नाम जगतानंद।
शिख शतक (पद्य)→सं० २२-५, २६-२११; ३१-६१।

जुगतानंद—स्वामी चरणदास के शिष्य। सं० १८२४ में वर्तमान।

शालिभद्र की चौपाई (पद्य)→प० २२–४८, दि० ३१–४५।

जिनसूरसिंह→'जिनसिंह ('शालिभद्र की चौपाई' के रचयिता)।

जिनेंद्रभूषण—जैन भट्टारक। गोपाचल (ग्वालियर) निवासी। सं० १८००–१८३२ के लगभग वर्तमान।

आदि पुराण (पद्य)→३२–१६३ ए।

नेमिनाथ पुराण (पद्य)→३२–१६३ बी।

जियराज भावसिंह (जैन)—जियराज और भावसिंह नामक दो रचयिता। भावसिंह की मृत्यु के बाद जियराज ने किसी भैरोदास के कहने से ग्रंथ को पूर्ण किया।

पुन्याश्रव कथा कोश (भाषा) (पद्य)→सं० ०४–१३३ क, ख, ग, सं० १०–४४।

जीतराय—अभयपुर (दक्षिण) के राजा। जसुराम के आश्रयदाता। सं० १८१४ के लगभग वर्तमान।→०१–१११।

जीमन महाराज की माँ→'श्यामावेटी' (गो० गिरधर लाल या गिरधर जी की पुत्री)।

जीराम—(?)

पद स्वयवर के (पद्य)→सं० ०१–१२६।

जीव उद्धार (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १६६४। वि० गुरु महिमा तथा ईश्वर भक्ति।

प्रा०—महंत श्री आशारामदास, कुटी गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७–३४ ग।

जीवगति (पद्य)—मातादीन (शुक्ल) कृत। लि० का० सं० १६१०। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–२६३ क।

जीव चरित्र (भाषा) (पद्य)—भावसिंह कृत। र० का० सं० १७८२। वि० जैन धर्मानुसार जीव का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८४४।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५३४ (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८६०।

प्रा०—जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१४।

जीवणदास (जन)—संभवत. राजस्थानी।

भरथरी चरित्र (पद्य)→सं० ०७–६४।

जीव दशा (पद्य)—तुलदास कृत। वि० जीव दशा और कृष्ण की भक्ति।

(क) लि० का० सं० १८२७।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–५०७ ग (अप्र०)।

(ग) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर। → ०६–७२ एच।

जीवदास (आचार्य)—संभवतः कान्यकुब्ज त्रिपाठी ब्राह्मण। पहरी महेशपुर (राय बरेली) के निवासी। सं० १८४ के लगभग वर्तमान।
 दोहावली (पद्य)→सं० ४-११४।
जीवन—पुवायाँ (शाहजहाँपुर) के भाट। जन्म सं० १८ १। चंदन के पुत्र। मेरी (सीतापुर) के रईस बरिबंडसिंह के आश्रित।
 बरिबंड विनोद (पद्य)→१२-८६।
जीवन (मस्ताने)—प्राणनाथ (पन्ना निवासी) के शिष्य। सं० १७५७ के लगभग वर्तमान।
 पंचक ब्यारे (पद्य)→ १-११।
जीवनदास—(?)
 ककहरा (पद्य)→ ६-१४१।
जीवनदास—(?)
 नारायण लीला (पद्य)→सं० १-११ ।
जीवनधन—(?)
 सुरतांत लीला (पद्य)→४१-८२।
जीवनधर चरित्र (भाषा) (पद्य)—नथमल (जैन) कृत। र० का० सं० १८१५। लि० का० सं० १६ ४। वि० वैराग्य।
 प्रा० —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर प्रावूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं० १ -६८।
जीवनराम—(?)
 ज्ञानचंद्रिका (पद्य)→सं० १-१११।
जीवराज→भीवराज ('पुण्याश्रव कथा कोश भाषा' के रचयिता)।
जीवराज (सिंगी)—जयपुर के महाराज प्रतापसिंह के दीवान। रामनारायण के आश्रयदाता। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।→ १-६१।
जीवाराम (महंत)—उप० 'जुगलप्रिया'। चिराना निवासी। संभवतः प्रभुस्वामी के शिष्य। अयोध्या के प्रसिद्ध महंत युगलनारायणशरण के गुरु। सं० १८०० के पूर्व वर्तमान।
 अष्टयाम (गद्य)→१७-६ बी।
 पदावली (पद्य)→१७-६ ए।
जुगतराय—आमरा निवासी। किसी हिम्मत खाँ के आश्रित। सं० १७१ के लगभग वर्तमान।
 कुंवरलालावली (पद्य)→२६-१७७।
जुगतराय—अन्य नाम जगतानंद।
 शिव शतक (पद्य)→पं० २२-५ २६-२१२ ३२-६१।
जुगलानंद—स्वामी चरणदास के शिष्य। सं० १८२४ में वर्तमान।

आठ प्रहर मूलचेत प्रसग (भा० १-२) (पद्य)→सं० ०१-१३२।
भक्तिप्रबोध (पद्य)→४१-८३ क।
भगवद्गीतामाला (पद्य)→४१-८३ ख।

जुगलआन्हिक (पद्य)—जुगलकिशोर कृत। वि० राधाकृष्ण की दिनचर्या।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-२७५ (विवरण अप्राप्त)।

जुगलकिशोर—(?)
जुगलआन्हिक (पद्य)→०६-२७५।
लाडलीलाल की विहारपाती (पद्य)→३२-१०१।

जुगलकिशोर की बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत। लि० का० स० १६१४। वि० विरह वर्णन।
प्रा०—प० गयादीन तिवारी, निलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→२६-१८८।

जुगलकिशोरी (भट्ट)→'युगलकिशोरी (भट्ट)' ('अलकारनिधि' के रचयिता)।

जुगलकृत (पद्य)—जुगलदास कृत। वि० राधाकृष्ण की प्रेम लीलाएँ।
प्रा०—प० सकठाप्रसाद अवस्थी, कटरा, सीतापुर।→१२-८७ बी, २६-५०८।
टि० खो० वि० २६-५०८ में ग्रथ को भूल से युगलकिशोर मिश्र कृत मान लिया गया है।

जुगलगीत (पद्य)—उदय (कवि) कृत। वि० भागवत के आधार पर राम और कृष्ण की तुलना।
प्रा०—श्री रामचद्र सैनी, वेलनगज, आगरा।→३२-२२३ जी।

जुगलदास—राधावल्लभ सप्रदाय के वैष्णव। स० १८२१ के लगभग वर्तमान।
चौरासी सटीक (पद्य)→१२-८७ ए।
जुगलकृत (पद्य)→१२-८७ बी, २६-५०८।
जुगलदास की बानी (पद्य)→२६-२११।

जुगलदास (कायस्थ)—रीवाँ निवासी। स० १६०८ के लगभग वर्तमान।
बाहुक प्रकाशिका (गद्यपद्य)→२३-१६६।

जुगलदास की बानी (पद्य)—जुगलदास कृत। लि० का० स० १८७०। वि० श्रीकृष्ण की महिमा और लीला।
प्रा०—सेठ मगनीराम व्यापारी, लखीमपुर (खीरी)।→२६-२११।

जुगल ध्यान (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण का सौंदर्य वर्णन।
(क) प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा)।→३८-४२ बी।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५०७ घ (अप्र०)।
(ग) प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५०७ ङ (अप्र०)।

जुगल ध्यान (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण का शृगार और भक्ति।

प्रा —चौहरे नंदलाल जी, मकबरपुर, डा सुरीर (मथुरा) ।→१२-१ ।

युगल नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'नखशिख रामचंद्रजू को' । प्रतापसाहि कृत । र का सं १८८६ । वि सीताराम का नखशिख वर्णन ।

(क) लि का सं १९ ९ ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद छतरपुर ।→ ५-५ ।

(ख) लि का सं १९ ६ ।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-२१ आई ।

(ग) लि का सं १९१८ ।

प्रा॰—लाला भगवानदीन संपादक 'लक्ष्मी' वाराणसी ।→ ६-२२० ।

युगलपद (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत । वि रामकृष्ण के युगल रूप का वर्णन ।

प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ ६-२५४ बी ।

युगल प्रकाश (पद्य)—ठकिशोरलाल कृत । र का सं १८१७ । लि का सं १८८६ । वि रस वर्णन ।

प्रा —श्री मनोहरलाल याज्ञिक, गोकुल (मथुरा) ।→१२-२२४ ।

युगल भक्ति विनोद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र का सं १८ ८ । वि मिथिला के दो भक्तों-एक ब्राह्मण और दूसरा राजा—की कथा ।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ १-११ ।

युगलमान चरित्र (पद्य)—कृष्णदास (पयहारी) कृत । लि का सं १९११ । वि राधाकृष्ण का परस्पर मान ।

प्रा —पं रामचंद्र शर्मा वैद्य गोकुल (मथुरा) ।→ ६-१ १ ।

युगलरस माधुरी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि कृष्णलीला ।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→ १-१११ (तीन) ।

युगलरस माधुरी→ युगलरस माधुरी' (रसिकगोविंद कृत) ।

युगल विलास (पद्य)—रामसिंह (महाराज) कृत । र का सं १८३६ । वि राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

(क) प्रा॰—गो मनोहरलाल वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१४६ ए ।

(ख) प्रा॰—पं मातचंद्र मिश्र सीतलनगोला डा मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-१६९ बी ।

(ग) प्रा॰—पं याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ सं १-१५७ ।

युगल विहार (पद्य)—मूलचंद कृत । लि का सं १९१४ । वि राधाकृष्ण की लीला ।

प्रा —पं गयादीन तिवारी बिसरैहा डा बानसीथ (सीतापुर) । →२६-३१ ।

युगलशत की व्याख्यायें→'युगलशत' (श्रीभट्ट कृत) ।

आठ प्रहर मूलचेत प्रसग (भा० १–२) (पद्य)→सं० ०१–१३२ ।
भक्तिप्रबोध (पद्य)→४१–८३ क ।
भगवद्गीतामाला (पद्य)→४१–८३ ख ।

जुगलआन्हिक (पद्य)—जुगलकिशोर कृत । वि० राधाकृष्ण की दिनचर्या ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–२७५ (विवरण अप्राप्त) ।

जुगलकिशोर—(?)
जुगलआन्हिक (पद्य)→०६–२७५ ।
लाडलीलाल की विहारपाती (पद्य)→३२–१०१ ।

जुगलकिशोर की बारहमासी (पद्य)—जगन्नाथ कृत । लि० का० सं० १९१४ । वि० विरह वर्णन ।
प्रा०—पं० गयादीन तिवारी, निलरिहा, डा० थानगाँव (सीतापुर)।→ २६–१८८ ।

जुगलकिशोरी (भट्ट)→'युगलकिशोरी (भट्ट)' ('अलकारनिधि' के रचयिता) ।

जुगलकृत (पद्य)—जुगलदास कृत । वि० राधाकृष्ण की प्रेम लीलाएँ ।
प्रा०—पं० सकठाप्रसाद अवस्थी, कटरा, सीतापुर ।→१२–८७ बी, २६–५०८ ।
टि० खो० वि० २६–५०८ में ग्रंथ को भूल से युगलकिशोर मिश्र कृत मान लिया गया है ।

जुगलगीत (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० भागवत के आधार पर राम और कृष्ण की तुलना ।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–२२३ जी ।

जुगलदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । सं० १८२१ के लगभग वर्तमान ।
चौरासी सटीक (पद्य)→१२–८७ ए ।
जुगलकृत (पद्य)→१२–८७ बी, २६–५०८ ।
जुगलदास की बानी (पद्य)→२६–२११ ।

जुगलदास (कायस्थ)—रीवाँ निवासी । सं० १९०८ के लगभग वर्तमान ।
बाहुक प्रकाशिका (गद्यपद्य)→२३–१९६ ।

जुगलदास की बानी (पद्य)—जुगलदास कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० श्रीकृष्ण की महिमा और लीला ।
प्रा०—सेठ मगनीराम व्यापारी, लखीमपुर (खीरी)।→२६–२११ ।

जुगल ध्यान (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि० राधाकृष्ण का सौंदर्य वर्णन ।
(क) प्रा०—पं० भजराम, राल (मथुरा) ।→३८–४२ बी ।
(ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–५०७ घ (अप्र०) ।
(ग) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–५०७ ड (अप्र०) ।

जुगल ध्यान (पद्य)—भगवतरसिक कृत । वि० राधाकृष्ण का श्रृंगार और भक्ति ।

जैजिन पच्चीसी (पद्य)—नवल कृत । वि जिनदेव की स्तुति ।
  प्रा —लाला विद्यानस्वरूप राया (मथुरा) ।→१८- ४ ।
जै दै राम→'जयजयराम ('ब्रह्मवैवर्त पुराण के रचयिता)।
जैतसिंह—असनी (फतेहपुर) के महापात्र नरहरि के वंशज मनिराम के पुत्र । जन्म
  सं १७ १ । मुअज्जमशाह के आश्रित ।→४१-१८५ ।
  प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→४१-८५ घ ।
  भाषाम प्रमाद अलंकार (पद्य)→४१-८५ ग ।
  मुअज्जमशाह के कवित्त (पद्य)→४ -८५ क ख ।
जैदयाल→'जयदयाल' ('प्रेमसागर' के रचयिता) ।
जैदेव (जयदेव)—निरगुन पंथी भक्त ।
  पद (पद्य)→सं १ -४५ ।
जैन चौबीसी (पद्य)—बुलाकीदास कृत । वि चौबीस तीर्थंकरों की स्तुति ।
  प्रा —श्री युगासिंह राजपूत मागरोल गूजर (ममहवीपाटी), डा वनकुवा
  (आगरा) ।→१२-१४ ए ।
जैन छंदावली (गद्यपद्य)—वृंदावन कृत । र का सं १८८१ । वि पिंगल ।
  प्रा —श्री जैन वैद्य जयपुर ।→ -११७ ।
जैन जातक (पद्य)—राधोदास कृत । वि ज्योतिष ।
  प्रा —श्री तुलाराम गवैया बरसाना (मथुरा) ।→१२ १० ।
जैन पदावली(पद्य) —बखतराम कृत । वि जैन स्तुति ।
  प्रा —श्री जैन मंदिर फिरावली (आगरा) ।→१२ ६४ ।
जैन शतक(पद्य)—भूधरमल (भूधरदास) कृत । र का सं १७८१ । लि का
  सं १८३१ । वि जैन आचार शास्त्र ।
  प्रा—लाला कपूरचंद विलोकपुर (बाराबंकी) ।→२१ ५८ ।
जैमिनि अश्वमेध(पद्य)—मुरलीदास कृत । र का सं १७८६ । लि का सं १७८१ ।
  वि नाम से स्पष्ट ।
  प्रा —श्री जमुनाप्रसाद, इमलीवाले ब्राह्मण गोकुल (मथुरा) ।→१५ ६८ ।
जैमिनि पुराण (पद्य)—परमदास कृत । र का सं १६८६ । लि का सं १७८१ ।
  वि संस्कृत जैमिनी पुराण का अनुवाद ।
  प्रा —श्री विश्वनाथप्रसाद मिश्र वाणीवितान भवन ब्रह्मनाल वाराणसी ।
  →४१-१११ ।
जैमिनि पुराण (गद्यपद्य)—शीतांबर कृत । र का सं १८ १ । लि का सं १८३६ ।
  वि नाम से स्पष्ट ।
  प्रा —भारती भवन पुस्तकालय छतरपुर ।→ ६-४६ ।
  खो सं रि ५६ (११ -६४)

जुगलस्वरूप विरह पत्रिका (पद्य) —हंसराज (बख्शी) कृत । र० का० सं० १७८६ । लि० का० सं० १८६२ । वि० राधा का कृष्ण को प्रेम पत्र लिखना ।

प्रा० —बाबू रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ, पन्ना ।→०६-४५ बी ।

जुगलानंद सुधा समुद्र (पद्य)—जयदयाल कृत । लि० का० सं० १८७३ । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

प्रा०—श्री झिन्ना मिश्र, बेलहर (बस्ती) ।→सं० ०४-११६ ।

जुड़ावन→'धर्मदास' (कबीरदास के शिष्य) ।

जुलफिकार खाँ—अलीबहादुर खाँ के पुत्र । शाह आलम द्वारा नजफर खाँ की उपाधि से विभूषित । फारस के राजघराने से सम्बद्ध । कुछ समय तक बुंदेलखंड के राजा गुमानसिंह के यहाँ भी कार्य किया । शिव कवि के आश्रयदाता । सं० १६०३ के लगभग वर्तमान ।→२३-३६१ ।

जुलफिकार सतसई (पद्य)→०४-२० ।

जुलफिकार सतसई (पद्य)—जुलफिकार खाँ कृत । र० का० सं० १६०३ । वि० बिहारी सतसई पर कुंडलियाँ ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-२० ।

जुवराज सिंह→'युवराजसिंह' ('प्रेमपचासिका' आदि के रचयिता) ।

जेठमल (पचोली)—माथुर कायस्थ । लालजी के पुत्र । नागपुर (नागोर ?) निवासी । सं० १७१० के लगभग वर्तमान ।

नरसी मेहता की हुंडी (पद्य)→०१-७७, २६-२०७ ए, बी, सी, २६-१७५ ।

नारद चरित्र (पद्य)→०२-१०० ।

जेठुवा—(?)

जेठुवा रा सोरठा (पद्य)→४१-८४ ।

जेठुवा रा सोरठा (पद्य)—जेठुवा कृत । वि० नीति ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-८४ ।

जेम्स डंकन (डाक्टर)—वाराणसी के एक डाक्टर । दयाल कवि के आश्रयदाता । सं० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→०६-६० ।

जेहली जवाहिर (पद्य)—प्राणनाथ (सोती) कृत । वि० मूर्ख, सुकुमार, व्यसनी और नपुंसक लोगों की लड़ाई का वर्णन ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-२२० ।

जैकृष्ण (जन)—संभवत: हित हरिवंश के अनुयायी । सं० १८२४ के पूर्व वर्तमान ।

वैरागसत (पद्य)→३५-४५ ।

जैकृष्णदास—(?)

ढाढियादान (पद्य)→सं० ०१-१३३ ।

जैकेहरि—पटियाला निवासी । पटियाला नरेश महाराज पृथ्वीसिंह के आश्रित । सं० १८६० के लगभग वर्तमान ।

भूपभूषण (पद्य)→०३-११७ ।

जैमिनी पुराण (पद्य)—भगवन्तसिंह कृत। र का सं १७१४। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८६८।
प्रा —पं नारायणसिंह बाउआ कररा (आगरा)।→२६-१६१ ए।
(ख) लि का सं १८८२।
प्रा —पं केशवलाल पाठक, टूंडला (आगरा)।→२६-१६६ सी।
(ग) प्रा —कुँवर उमरावसिंह जमींदार लतीफपुर डा कोठला (आगरा)।
→२६-१६६ बी।
जैमिनी पुराण (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा —श्री अमरनाथदास देवरा (प्रतापगढ़)।→२६-३६६।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा काशी।→४ -१४१।
जैमिनी पुराण (पद्य)—रतिभान कृत। र का सं १६८८। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८४४।
प्रा —पं लक्ष्मीचंद गौड़ पंसारी डा फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-३६५ ए।
(ख) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य सैंगई डा फिरोजाबाद (आगरा)।
→२६-३६५ बी।
जैमिनी पुराण (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत। र का सं १८ ५। लि का
सं १८८५। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज लखनऊ।→ ६-२५४ ए।
जैमिनी पुराण (पद्य)—अन्य नाम महाभारत (अश्वमेधपर्व)। सरयूराम (पंडित)
कृत। र का सं १८ ५। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८५।
प्रा —पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज, लखनऊ।→२१-३७८।
(ख) लि का सं १६१५।
प्रा —ठा चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार खानीपुर, डा तालाब बक्शी (लखनऊ)।
→१६-४११।
जैमिनी पुराण→ जैमिनि पुराण (पुरुषोत्तमदास कृत)।
जैमिनी पुराण (अश्वमेध) (पद्य)—नंददास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८७१।
प्रा०—पं देवनारायण अलीगढ़।→२६-२८५ बी।
(ख) लि का सं १८८८।
प्रा —श्री गंगाराम गौड़ कमालो (अलीगढ़)।→२६ २८५ सी।
(ग) लि का सं १६ ।
प्रा —पं बालकृष्ण बाजपेयी करखेड़ा (हरदोई)।→२६-२८५ ए।
जैमिनीय सूत्राविस टीक (गद्य)—काशीराम कृत। वि ज्योतिष।
प्रा —पं गणेशप्रसाद व्यास चौंड़सी डा मदान (मैनपुरी)।→१२-११ बी।

जैमिनि पुराण (पद्य)—अन्य नाम 'सुधन्वा कथा'। पुरुषोत्तमदास कृत। र० का० सं० १६५८। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १८५८।
प्रा०—प० कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस, लखनऊ।→२६–३६३।
(ख) लि० का० स० १८८७।
प्रा०—ठा० यदुनाथबक्शसिंह, हरिहरपुर, चिलबिलिया, तहसील केसरगंज (बहराइच)।→२३-३२५ बी।
(ग) लि० का० स० १८६०।
प्रा०—ठा० दलजीतसिंह, जालिमसिंह का पुरवा, डा० केसरगंज (बहराइच)। →२३-३२५ ए।
(घ) लि० का० स० १८६५।
प्रा०—श्री महादेवप्रसाद मिश्र, मिश्रबलिया, डा० रुद्रनगर (बस्ती)। →स० ०४–२११।
(ङ) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—श्री नागेश्वर वैश्य, मथुरा बाजार (बहराइच)।→२३-३२५ सी।
(च) प्रा०—प० कैलासपति तैनगुरिया पुरोहित, बिजौली, डा० बाह (आगरा)। →१६–२७४।
(छ) प्रा०— पं० चंडीप्रसाद, पड़िया, डा० चिताही (बस्ती)।→स० ०७–११५।
जैमिनि पुराण (पद्य)—सेवादास कृत। र० का० स० १७००। लि० का० स० १८५२। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० भवानीभीरु, उत्तर ग्राम, डा० अलीगंज बाजार (सुलतानपुर)। →२३–३८०।
जैमिनि पुराण→'बभ्रुवाहन कथा' (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत)।
जैमिनी अश्नमेव (पद्य)—कूर (कवि) कृत। र० का० स० १८०७। लि० का० स० १६२६। वि० युधिष्ठिर के अश्वमेध यज्ञ का वर्णन।
प्रा० -कुमार महेश्वरसिंह, विश्वनाथ पुस्तकालय, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–२३०।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—खंडन कृत। र० का० स० १८१६। लि० का० स० १८७७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–५६ ई।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—भगवानदास (निरजनी) कृत। र० का० स० १७५५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० करनसिंह हकीम, उदियागढी, डा० बाजना (मथुरा)→३८–१० ए।
जैमिनी अश्वमेध (पद्य)—रामपुरी कृत। र० का० स० १७५४। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—प० रामस्वरूप, परखम, डा० फरैह (मथुरा)।→३८–१२२।

जैमिनी पुराण (पद्य)—बगतमणि कृत। र का सं १७१४। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८६८।
प्रा —पं नारायणसिंह कायस्थ कटरा (आगरा) ।→२६–१६१ ए।
(ख) लि का सं १८८२।
प्रा —पं हीरालाल पाठक, ढूँडला (आगरा) ।→२६–१६१ बी।
(ग) प्रा —ठाकुर उजागरसिंह जमींदार लतीफपुर डा कोटला (आगरा)।
→२६–१६१ सी।
जैमिनी पुराण (पद्य)—प्रेमदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) प्रा —श्री भवानीप्रसाद बेंउप्रा (प्रतापगढ़) ।→२६–३५६।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४ –१४१।
जैमिनी पुराण (पद्य)—रतिभान कृत। र का सं १६८८। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८४४।
प्रा —पं लक्ष्मीचंद गौड़ चवदार, डा फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–२६५ ए।
(ख) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य हैंगर डा फिरोजाबाद (आगरा)।
→२६–२६५ बी।
जैमिनी पुराण (पद्य)—रामप्रसाद (भाट) कृत। र का सं १८ ४। लि का
सं १८८५। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज लखनऊ।→ ६–२५४ ए।
जैमिनी पुराण (पद्य)—अन्य नाम महाभारत (अश्वमेधपर्व) । सरयूराम (पंडित)
कृत। र का सं १८ ५। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८५।
प्रा —पं श्यामबिहारी मिश्र, गोलागंज लखनऊ।→११–१७८।
(ख) लि का सं १६१५।
प्रा —ठा चंद्रिकाबक्ससिंह जमींदार रामीपुर डा ताला बछरावाँ (लखनऊ)।
→२६–४११।
जैमिनी पुराण→ जैमिनि पुराण (पुरुषोत्तमदास कृत)।
जैमिनी पुराण (अश्वमेध) (पद्य)—नंदलाल कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८७१।
प्रा —पं देवनारायण अलीगढ़।→२६–३०५ ए।
(ख) लि का सं १८८८।
प्रा —श्री गंगाराम गौड़ बनारसी (अलीगढ़)।→२६ ३०५ बी।
(ग) लि का सं १६ ।
प्रा —पं बालकृष्ण बाजपेयी करनेहरा (हरदोई)।→२६–३०५ ए।
जैमिनीय सूत्रार्थ्य टीका (गद्य)—काशीराम कृत। वि ज्योतिष।
प्रा —पं गणेशप्रसाद व्यास सैदनी डा मदाम (मैनपुरी)।→११–११ बी।

जैमुनि कथा (पद्य)—कृष्णदास कृत। र० का० स० १६२८। लि० का० स० १८६७।
विं० पाडवों के अश्वमेध का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-४८।

जैमुनि की कथा (पद्य)—राय कृत। र० का० स० १७१३। लि० का० स० १८५८।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला नदलाल मुतसद्दी, कमठाना, छतरपुर।→०५-१०।

जैमुनि पुराण (पद्य)—पूरन (कवि) कृत। र० का० स० १६७६। लि० का० स० १६००।
वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० विजयपालसिंह, रीठरा, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१७१।

जैमुनि पुराण→'जैमिनि पुराण' (पुरुषोत्तमदास कृत)।

जैवत (पाडे)—जैन। सभवत राजस्थानी।
तत्वार्थाधिगमे मोक्षशास्त्र (गद्य)→स० ०७-६५।

जैसिंह प्रकाश (पद्य)—प्रतापसाहि कृत। र० का० सं० १८५२। लि० का० स० १८६४।
वि० राजपूताना के किसी राजा जयसिंह की प्रशसा।
प्रा०—कवि काशीप्रसाद जी, चरखारी।→०६-६१ ए।

जोखूराम (द्विज)—हींगनगौरा (सुलतानपुर) के निवासी। लक्ष्मणपुर निवासी महा-
महोपाध्याय पं० सूर्यनारायण के शिष्य। स० १८६० के लगभग वर्तमान।
छत्रपालसिंह नामक किसी राजा ने इनकी बड़ी प्रशसा की है।
वनदुर्गालहरी (पद्य)→२३-१६५ स० ०४-१३५ ख।
शत्रुसहार (पद्य)→स० ०४-१३५ क।

जोखूराम यश वर्णन (पद्य)—छत्रपालसिंह 'नृप' कृत। लि० का० स० १६५७। वि०
जोखूराम के यश का वर्णन।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हींगनगौरा, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।
→स० ०४-१०१।

जोग (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० योग की विधि और मुद्रादि वर्णन।
प्रा०—श्री ख्यालीराम शर्मा, खौंदा, डा० बरहन (आगरा)।→२६-६५ पी।

जोग कृष्णायण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—श्री बहुरी चिरजीलाल पालीवाल, भैरोबाजार, आगरा।→२६-३६७।

जोगजीत—सुकृत (कबीर का सत्ययुग का अवतार) के गुरु।
पंचमुद्रा (पद्य)→२०-७३, स० ०४-१३६।
टि० कबीर पथी युगों के क्रम में कबीर के चार अवतार मानते हैं—सत्ययुग में सुकृत, त्रेता में मुनींद्र, द्वापर में करुणामय और कलियुग में कबीर। प्रस्तुत रचयिता प्रथम अवतार के गुरु थे।

जोगध्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८४४। वि० योग का वर्णन।

प्रा —महंत रामशरनदास, कबीरपंथी मठ ग्रा बाबार शुम्म (सुलतानपुर)। →र्स ४-४६।

जोगनी दिशा विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि ज्योतिष।
प्रा०—पं रामप्रसाद पांडे, सुरहा ग्रा माधागंज (प्रतापगढ़)।→ २६-११ (परि १)।

जोगप्रदीपिका (पद्य)—जयतराम कृत। र का सं १७९४। लि का सं १८२१। वि योग शास्त्र।
प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→र्स ७-६ क।

जोगमंजरी (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि योग।
प्रा०—डा पीतांबरदत्त बड़थ्वाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी। → ३५-१ डी।

जोगरत्न (पद्य)—शंकर (द्विज) कृत। र का सं १९ १। वि वैद्यक।
प्रा —पं सीताराम मिश्र भरौली ग्रा सलेमपुर (गोरखपुर)। → सं १ ४ १।

जोगरत्न (पद्य)—हरिराय (पुरी) कृत। लि का सं १९२ । वि योग।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१ १२१।

जोगराम—संभवतः बुंदेलखंड निवासी साधु। सं १८२२ के लगभग वर्तमान।
जोग रामायण (पद्य)→ १ ५६।

जोग रामायण (पद्य)—जोगराम कृत। र का सं १८२१। लि का सं १८२६। वि राम का राजतिलक और वनवास।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १-५६।

जोगलीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत। वि कृष्ण का जोगी के वेश में राधा से मिलना।
(क) लि का सं १९ ४।
प्रा —पं माखनलाल मिश्र मथुरा।→ १८।
(ख) प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर। → १-२ बी (विवरण अप्राप्त)।
(ग) प्रा —ठाकुरजी का मंदिर बड़ी बठैन ग्रा कोसीकलाँ (मथुरा)। → ११-१११ एच।
टि खो वि १-२ बी की *प्रति मंदराम के नाम पर है।*

जोगवाशिष्ठ सार→ वशिष्ठसार (कबीर सरस्वती कृत)।

जोगवाशिष्ठ (पद्य)—प्यारेलाल (कटमौरी) कृत। र का सं १८३१। लि का सं १८३१। वि जगत की उत्पत्ति का वर्णन।
प्रा —श्री रामदत्तसिंह मोहमपुर ग्रा बहराइच (प्रस्त)।→२६-३३६ ए।

जोगवासिष्ठ सार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८८२ वि०। नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महत राजाराम साहब, बड़का गाँव (बलिया)।→४१-३७०।
जोग शिक्षा उपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० योग विषयक शिक्षा।
प्रा०—प० प्रभुदयाल, गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८-२५ जी।
जोग सग्रह→'वैद्यक जोग सग्रह' (आधार मिश्र कृत)।
जोग सत (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—प० सीताराम अध्यापक, विरामपुर, डा० एतमादपुर (आगरा)। →२६-५३८।
जोग सुधानिधि (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८५५। वि० योग।
प्रा०—ला० मानसिंह, व्याना (भरतपुर)।→३८-१७६।
जोगिनो दशा विचार (पद्य)—कृष्ण जू (मिश्र) कृत। लि० का० स० १८४४। वि० ज्योतिष।
प्रा०—प० साँवेलाल, साढूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३२-१२४ ए।
जोगीलीला (पद्य)—भोलानाथ कृत। लि० का० स० १९३२। वि० श्रीकृष्ण का योगी के रूप में राधिका से मिलना।
प्रा० —प० रामदीन गौड़, सिरहपुरा (एटा)।→२६-४७ बी।
जोगेश्वरी साखी—गोरखनाथ कृत।→०२-६१ (दो)।
जोड़ा (पद्य)—परसुराम कृत। वि० दशावतार तथा भक्ति आदि।
प्रा०—श्री रामगोपाल अग्रवाल लाला मोतीराम की धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→३२-१६३ बी।
जोधराज—गौड़ ब्राह्मण। नीमागढ के राजा के आश्रित। सं० १८५५ के लगभग वर्तमान।
हम्मीर रायसा (पद्य)→पं० २२-४६।
जोधराज गोदीका (जैन)—वास्तविक नाम साहु या साहो जोधराज गोदीका। साँगानेर (ढूढाहर, जयपुर) के निवासी। सभवत राजा रामसिंह के आश्रित। स० १७२४ के लगभग वर्तमान।
सम्यक्त कौमुदी (भाषा) (पद्य)→२३-१९४, स० ०७-६६, स० १०-४६।
जोमनालाल→'जौहरीलाल जोमनालाल (जैन)' ('पद्मनद पंचविंशतिका' के रचयिता)।
जोरावर प्रकाश→'रसगाहक चद्रिका' (सूरति मिश्र कृत)।
जोरावरमल—माथुर कायस्थ। नागपुर निवासी। स० १८२४ के लगभग वर्तमान।
शनिश्चर (देव) की कथा (पद्य)→२६-५१० ए, बी।
जोरावरसिंह—बीकानेर नरेश। सूरति मिश्र के आश्रयदाता। स० १७९४ में गद्दी पर बैठे थे।→१७-१८६, प० २२-१०६।

जोबनाथ कथा (पद्य)—प्राणनाथ कृत । लि का सं १८६८ । वि जोबनाथ का पाखंडों से युद्ध ।

प्रा —पं शिवकुमारे दूबे हुसेनगंज, फतेहपुर ।→ ६-२२६ ।

जौहरिन तरंग (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १८७१ । लि का सं १८७९ । वि कृष्ण जी के जौहरी रूप में राधा के सामने जौहरी बनकर उपस्थित होने की लीला ।

प्रा —श्री गदाधर वाजपेयी, समथर ।→ ६-७९ एफ ।

जौहरीलाल जोमनालाल (जैन)—जौहरीलाल ग्रौर जोमनालाल नामक दो व्यक्ति । ढूंढाहर देश के अन्तर्गत साँगानेर बाजार (जयपुर) निवासी । महाराज रामसिंह के समकालीन । जौहरीलाल के पिता का नाम ज्ञानचंद । जोमनालाल (खिन्ध गोत्रीय) के पिता का नाम हरिचंद । जौहरीलाल की मृत्यु के बाद ग्रंथ जोमनालाल ने पूरा किया ।

पद्मनंद पंचविंशतिका (गद्य)→सं १ -४७ ।

ज्ञानअली—अयोध्या के महंत । रामानुज संप्रदाय के रसी समाज के वैष्णव ।

शिकार केलि पदावली (पद्य)→ ६-११ ।

ज्ञान अष्टक→ गुरु उपदेश ज्ञान अष्टक (सुंदरदास कृत) ।

ज्ञान कपोत (पद्य)—फकीरेदास कृत । र का सं १८५२ । लि का सं १८८१ । वि ज्ञान और भक्ति ।

प्रा —महंत पुरंदरदास ठाकुर दूब का पुरवा डा जगदीशपुर (सुलतानपुर)। →२१-९८ ।

ज्ञान कबहरा (पद्य)—रघुनाथदास (रामसनेही) कृत । लि का सं १९१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —पं अमरनाथ मिश्र अलवरनपुर डा बौड़ना (जौनपुर)। → सं १-१६५ ।

ज्ञान कथा कर्म निर्णय (पद्य)—गंगागिरि कृत । लि का सं १९१४ । वि ब्रह्मज्ञान का उपदेश ।

प्रा —पं जगदीशप्रसाद शर्मा रामपुर फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं १-९८ ख ।

ज्ञान कथा रहस्य (गद्य)—गंगागिरि कृत । लि का सं १९१४ । वि ब्रह्मज्ञान का उपदेश ।

प्रा —पं जगदीशप्रसाद शर्मा 'रामपुर फूलपुर (इलाहाबाद)। → सं १-९८ क ।

ज्ञानकला (पद्य ?)—सुमतिनाथ कृत । र का सं १७२२ । वि जैनधर्म ।→ पं २१-१ ४ ।

ज्ञान कल्याणक (पद्य)—रूपचन्द्र (जैन) कृत । वि जिनराज का ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—पं० भागवतप्रसाद, सिरसा, डा० इकदिल (इटावा) ।→३८–१२८ डी ।

ज्ञान कवित्त (पद्य)—शिवदीनदास कृत । लि० का० स१ १८६१ । वि० भक्ति ।
प्रा०—ठा० जगदबासिंह, गगापुर, डा० कोहडौर (प्रतापगढ)। → स० ०४–३८३ क ।

ज्ञान कहरा(पद्य)—जानकीदास (गोसाईं) कृत । लि० का० स० १६४४ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—बाबू शिवप्रतापसिंह, मोहनगज, डा० सलोन (रायबरेली)। → स० ०४–१२८ क ।

ज्ञान का बारहमासा (पद्य)—फकीरदास (बाबा) कृत । र० का० स० १८७८ । लि० का० स० १६३० । वि० निर्गुण ज्ञान ।
प्रा०—बाबा किशोरीदास, नरोत्तमपुर, डा० वेहड़ा (बहराइच) ।→२६–११६ जी ।

ज्ञान की गारी→'गारी ज्ञान-की' (बाबा फकीरदास कृत) ।

ज्ञान की बारहमासी (पद्य)—शिवदत्त रामप्रसाद कृत । र० का० स० १६२३ । वि० आध्यात्मिक ज्ञान ।
(क) लि० का० स० १६३३ ।
प्रा०—बाबा मनोहरदास, दकरोर, डा० मवई (उन्नाव) ।→२६–४४३ डी ।
(ख) लि० का० स० २६३३ ।
प्रा०—प० रामदुलारे पाठक, तरोना (उन्नाव) ।→२६–४४३ ई ।

ज्ञान को प्रकरण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि० का० स० १६५८ । वि० ज्ञान ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीचद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६––३२३ सी ।

ज्ञान गीता (पद्य)—जयसुरा कृत । वि० राधाकृष्ण का विहार ।
(क) प्रा०—श्री शिवदयाल, भीखमपुर, डा० सफीपुर (उन्नाव)। → २६–२०६ ए ।
(ख)→प० २२–४७ ए ।

ज्ञान गीता (पद्य)—ठाकुरदास (ठाकुर) कृत । वि० अध्यात्म ।
प्रा० –नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–६० ख ।

ज्ञान गूदरी (पद्य)—अन्य नाम 'गूदरी' और 'ब्रह्मज्ञान की गूदरी' । कबीरदास कृत । वि० ब्रह्म ज्ञान ।
(क) प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ आर ।
(ख) प्रा०—लाला बालाप्रसाद, कीठौत, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→ ३२–१०३ एफ ।
(ग) प्रा०—बाबा सेवादास, गिरधारी साहब की समाधि, नोबस्ता (लखनऊ) । →स० ०७–'' छ ।

ज्ञानचद्र (राजकुमार)—कुमायूँ नरेश महाराज विद्योतचद्र (उद्योतचद्र) के पुत्र । मतिराम के आश्रयदाता । स० १७४७ के लगभग वर्तमान ।→पं० २२–६४ ।

ज्ञान चद्रिका (पद्य)—जीवनराम कृत । वि० नासकेत मुनि की कथा ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-११० ।

ज्ञान चंद्रोदय (गद्य)—देवसिंह (ठाकुर) कृत । र का सं १६१ । वि सामुद्रिक ।
प्रा०—ठा शिवनरेशसिंह, रामनगर, डा मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६-८७३ ।

ज्ञान चंद्रोदय (पद्य)—मुरलीधर कृत । र का सं ८१२ । वि कृष्ण लीला ।
प्रा०—पं लक्ष्मणप्रसाद, मैथामऊ डा हैदरगढ़ (बाराबंकी) ।→२१-२८० ।

ज्ञान चालीसी (पद्य)—महेशनारायणसिंह (महाराज) कृत । वि सीताराम तथा राधाकृष्ण का प्रेम एवं आमोद प्रमोद ।
प्रा —पं शिवाराम कसेरा (इटावा) ।→१८-६१ ।

ज्ञान चूर्णिका (गद्यपद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानवचन चूर्णिका' । मनोहरदास (निरंजनी) कृत । वि वेदांत ।
(क) लि का सं १८२० ।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-५३१ (अप)।
(ख) लि का सं ८११ ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→०१-८४ ।
(ग) लि का सं १८४ ।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया ।→ ६-२६३ ई (विवरण अप्राप्य)।
(घ) प्रा —ठा मौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव) ।→२३-२०२ बी ।

ज्ञान चेतक (पद्य)—प्रसादरदास कृत । र का सं १७२८ (?) । लि का सं १६१६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।→सं -११ ।

ज्ञान चौंतीसी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६-१८१ एम् ।
(ख) प्रा०—पं महादेवप्रसाद चतुर्वेदी डा असनी (फतहपुर) ।→१ -७४ बी ।

ज्ञान चौंतीसी —गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संगृहीत ।
(क)→ २-४१ (सप्त) ।
(ख)→पं २२-११ बी ।

ज्ञान चौंतीसी (पद्य)—शंकरदास राय) कृत । लि का सं १६८८ । वि ज्ञान ।
प्रा —लाला कमलापतिसिंह कुलपती प्रधान मजिस्ट्रेट का न्यायालय टीकमगढ़ ।
→ ६-१२८ बी (विवरण अप्राप्त) ।

ज्ञान तिलक (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १८६६ ।
प्रा पं मथुराप्रसाद मिश्र रामनगर बमेठी (बाराबंकी) ।→११-१६८ बी ।
(ख) प्रा —पं रामावतार चौरीचरा डा बलरामपुर (देवपुरी) ।
→१९- १ एन ।
मो सं वि ४१ (११ —१८)

(ग) प्रा०—पं० गुरुप्रसाद, धरमपुर, डा० परशुरामपुर (बस्ती) ।
→स० ०४-२४ च ।

ज्ञान तिलक—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में सगृहीत ।
(क)→०२-६१ (चार) ।
(ख)→०२-६१ (अठारह) ।
(ग)→प०२२-३३ एच ।

ज्ञान तिलक (पद्य) रामानद (?) कृत । लि० का० स० १८६७ । वि० अद्वैत और योग वर्णन ।
प्रा०—श्री गणपतिराम, शाहदरा, दिल्ली ।→दि० ३ –७१ ।

ज्ञान तिलक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्ञान ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–३२ (परि० ३) ।

ज्ञान दर्पण (पद्य)—दीप (कवि) कृत । लि० का० स० १६२८ । वि० जैन धर्म शास्त्र ।
प्रा०—सरस्वती भडार, जैन मदिर, खुर्जा (बुलदशहर) ।→१७–५२ ।

ज्ञान दर्पण (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि० भक्ति, ज्ञान और उपदेश ।
प्रा०—पं० दौलतराम भटेले, कुतकपुर, डा० मदनपुर (मैनपुरी) ।→ २३–१६६ एच ।

ज्ञानदास –ढेगा (बाराबकी) निवासी । अचलदास के शिष्य । स० १६३३ के लगभग वर्तमान ।
अनुभव ग्रंथ (पद्य)→२६–२०६ ए ।
पचरत्न (पद्य)→२६–२०६ बी ।

ज्ञानदास—दिल्ली निवासी । स० १८६८ के लगभग वर्तमान ।
अपरोक्षानुभव ग्रथ (भाषा) (गद्यपद्य)→दि० ३१–४७ ।

ज्ञानदास रामानुज सप्रदाय के वैष्णव । स० १८७८ के पूर्व वर्तमान ।
तमाल मत्र भाँग मासाना निषेध (पद्य)→४१–८६ ।

ज्ञानदीप (पद्य) – शशिधर (स्वामी) कृत । वि० वेदात ।
प्रा०—महत हरिशरण मुनि, पौरी (गढवाल) ।→१२–१७० बी ।

ज्ञानदीप (पद्य)—शेख नबी कृत । र० का० स० १६७६ । लि० का० स० १६३२ ।
वि० राजा ज्ञानदीप तथा रानी देवजानी की कथा ।
प्रा० - मौलवी अब्दुल्ला, धुनियानटोला, मिरजापुर ।→०२-११२ ।

ज्ञानदीपक (पद्य) दरिया साहब कृत । लि० का० स० १६०७ । वि० अध्यात्म ।
प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–५५ आई ।

ज्ञानदीपक (पद्य) भागवतशरण (पाडेय) कृत । वि० वेदात ।
प्रा०—प० रामनाथ पाडेय, प्राइमरी पाठशाला, कुरही, डा० जिठवारा (प्रतापगढ) ।→२६–५३ बी ।

ज्ञानदीपक→'ज्ञानदीपिका' (तुलसीदास ? कृत) ।

ज्ञानदीपिका (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। र का सं १६११ (?)। वि वेदांत।।
(क) लि का सं १८५४।
प्रा०—बाबा रामदास सीतामऊ, डा मल्लावाँ (हरदोई)। →२६-१२५ एम³।
(ख) लि का सं १८७१।
प्रा —ठा बलजीतसिंह कालिमसिंह का पुरवा डा केसरगंज (बहराइच)। →२३-४११ डब्ल्यू।
(ग) लि का सं १८८१।
प्रा —चरखारीनरेश का पुस्तकालय चरखारी।→ ६-११८ बी (विवरण अप्राप्त)।
(घ) लि का सं १८६८।
प्रा —श्री रामप्रसाद कौन्का (आगरा)।→२६-१२५ एल³।
(ङ) लि का सं १६२।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय मुजफ्फरपुर। →४५-२१।
टि डा सदाशिव लक्ष्मीधर कात्रे एम ए डी लिट ने सिद्ध किया है कि ज्ञानदीपिका मानसकार तुलसीदास की ही मानस पूर्व (र का सं १६१२) की रचना है। (सरस्वती अक्टूबर अंक सन् १६६२ पृ सं ११६)।
ज्ञान दोहावली (पद्य)–मातादीन (शुक्ल) कृत। र का सं १६ १। वि ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १६११।
प्रा —पं कुबेरदत्त शुक्ल, शुक्ल का पुरवा डा अजधरा (प्रतापगढ़)।→२६-२६७ ए।
(ख) लि का सं १६११।
प्रा —श्री मानकराम मौजपुर, डा मिश्रित (सीतापुर)।→२६-२६७ बी।
(ग) लि का सं १६६२।
प्रा —पं केदारनाथ त्रिपाठी लहरा डा मऊआइमा (इलाहाबाद)। →४१-५४ (अप्राप्त)।
(घ) मु का सं १६२२।
प्रा —राज पुस्तकालय किला प्रतापगढ़।→सं ४-२६१ ल।
(ङ) मु का सं १६११।
प्रा —श्री शिवमूरति दूबे, सीमाई डा बरसठी (जौनपुर)। →सं ४-२६१ ग।
ज्ञान त्रिपंचाशिका (पद्य)—हंसराज (जैन) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —पं विश्वनाथप्रसाद मिश्र वाङ्मयविताम भवन ब्रह्मनाल वाराणसी। →४१-१ ८।

ज्ञान पचासा→'अनन्यपचासिका' (अक्षर अनन्य कृत)।

ज्ञान पचीसी (पद्य)—उदय (?) कृत। लि० का० सं० १७३६ (लगभग)। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—पं० मोहनवल्लभ पंत, किशोरीरमण इंटर कालेज, मथुरा। →३८-१५५।

ज्ञान पच्चीसी (पद्य)—बनारसी कृत। र० का० सं० १७५० (?)। लि० का० सं० १८८०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—ठा० रामचरणसिंह, विलारी, डा० विसावर (मथुरा)।→३५-१० ए।

ज्ञान परीक्षा (पद्य)—मलूकदास कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४-२८८ ख।

ज्ञानपाती (पद्य)—ज्ञानी जी कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, वेलनगंन, आगरा।→३२-१०० ए।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—कृष्णदास कृत। वि० वेदांतसार, ज्ञान, भक्ति आदि।
(क) लि० का० सं० १९१०।
प्रा०—श्री बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६-२०३ ए।
(ख) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव, चंदवार, डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-२०३ बी।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १८१३। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९१६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-१०५ छ, ज।
(ख) लि० का० सं० १९२३।
प्रा०—श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, धाता (फतेहपुर)। →सं० ०१-११८ ख।
(ग लि० का० सं० १९४०।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाद, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। →२६-१६२ आर।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—राघवदास कृत। र० का० सं० १७१०। लि० का० सं० १८४२। वि आत्मज्ञान।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-६७।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७५५। वि० आत्मज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८६३।
प्रा०—श्री रामाधीन मुराउ, बदौसराय (बाराबंकी)।→२३-४१२ पी।

(ख) लि० का० सं० १९०२।
प्रा०—बाबा रामचरणदास, चौहमन पत्रागपुर डा० पयागपुर (बहराइच)।→२३–४१२ क्यू।

ज्ञानप्रकाश (ग्रंथ) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६४। वि० कबीर और धर्मदास के संवाद रूप में ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७–२२९।

ज्ञानप्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'धर्मदास बोध'। कबीरदास कृत। लि० का० सं० १८७९। वि० निर्गुण ज्ञान।
प्रा०—श्री गुरुबालकप्रसाद गोठावास डा० दोहरीघाट (आजमगढ़)।→४१–२१ ख।

ज्ञानप्रदीप (पद्य)—गंगाराम (त्रिपाठी) कृत। र० का० सं० १८४१। लि० का० सं० १८५७। वि० ब्रह्मज्ञान।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→०१–११।

ज्ञान प्रभा शतक→'रामाज्ञा शतक' (हरिबक्शसिंह कृत)।

ज्ञान प्रश्नावली (गद्य)—दामोदरदास कृत। लि० का० सं० १९१९। वि० सामुद्रिक।
प्रा०—पं० कृपाशंकर वैद्य सुलतानपुर डा० सिधौली (सीतापुर)।→२९–८७।

ज्ञान फकीरी जोग मत (पद्य)—लालबाबा कृत। र० का० सं० १८१८। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—ठा० रामसिंह रामकोट (सीतापुर)।→२३–२११।

ज्ञान बत्तीसी (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८५१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७–११ भ।
(ख) प्रा०—पं० कोकाराम लालपुर डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।
→११–१ १ के।

ज्ञान बत्तीसी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० उमाशंकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य पुराना शहर वृंदावन (मथुरा)।
→१५–१०१।

ज्ञान बहोत्तरी→'आत्म विचार वैराग्य' (अभयराम कृत)।

ज्ञान बारहमासा (पद्य)—अन्य नाम 'बारहमासा'। रामप्रसाद (भाट) कृत। वि० ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८६९।
प्रा०—श्री शिवविलास परिहार (उन्नाव)।→२६–३९ बी।
(ख) लि० का० सं० १९०२।
प्रा०—लाला प्रभुदयाल आलमनगर (लखनऊ)।→२६–३९ सी।
(ग) प्रा०—लाला कन्हैयालाल मौरिखेड़ा डा० फतेहपुर (उन्नाव)।→
२६–३९ डी।

ज्ञान बारहमासा (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

(क) प्रा०—श्री दौलतराम पांडेय, ग्राम तथा डा० सहिजादपुर (इलाहाबाद) ।→ सं० ०१-१४३ क ।

(ख) प्रा०—श्री अमरनाथ मिश्र, असवरनपुर, डा० ओइना (जौनपुर) । →सं० ०१-१४३ ख ।

ज्ञानबोध (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८८२ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०४-१ क ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-२ डी ।

(ग) प्रा०—लाला तुलसीराम श्रीवास्तव, रायबरेली ।→२३-७ ए ।

ज्ञानबोध (पद्य)—मलूकदास कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १७८४ ।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायन दीक्षित, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-२८८ ग ।

(ख) प्रा०—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→१७-१०६ ए ।

(ग) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदीविभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→सं० ०४-२८८ घ, ङ ।

ज्ञानबोध प्रकाश (पद्य)—हरिकृष्ण (आभा) कृत । वि० जीव की हीनावस्था का वर्णन और दया धर्म का उपदेश ।

प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, कामवन (भरतपुर) ।→४१-३१४ ख ।

ज्ञानबोधामृत (पद्य)—हरिकृष्ण (आभा) कृत । र० का० सं० १८७६ । वि० भक्ति का उपदेश ।

प्रा०—पं० बालमुकुंद भट्ट, कामवन (भरतपुर) ।→४१-३१४ क ।

ज्ञानमंजरी (पद्य)—मनोहरदास (निरंजनी) कृत । र० का० सं० १७१६ । वि० वेदांत ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६३ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३-२७२ ए ।

ज्ञानमल—फतेहमल के पुत्र । जोधपुर नरेश महाराज बख्तसिंह के दीवान । जयकृष्ण कवि के आश्रयदाता । सं० १८२५ के लगभग वर्तमान ।→०२-८६ ।

ज्ञान महोदधि (पद्य)—हरिभक्तसिंह (हरिबख्शसिंह) कृत । र० का० सं० १६०५ । वि० ब्रह्म ज्ञान ।

(क) लि० का० सं० १६१८ ।

प्रा०—बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा) ।→०६-१०६ ।

(ख) प्रा —रा गुरुप्रतापसिंह गुठवा (बहराइच)।→२१-१६१।

ज्ञानमाला (गद्य)—कमलदास (कैम्बा) कृत। र का सं १८८८। वि नीति और सदाचार (शुकदेव परीक्षित संवाद)।

(क) लि का सं १८८८।

प्रा —पं महादेवप्रसाद तिवारी परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-११६ ए।

(ख) प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→२६-२१६ बी।

ज्ञानमाला (गद्य)—मुकुंदराय कृत। लि का सं १९ । वि कृष्ण की अर्जुन को कर्म विपाक शिक्षा।

प्रा —श्री रसूल खाँ काजी गांगीरी डा छलेसपुर (अलीगढ़)।→२९-२३६।

ज्ञानमाला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कर्माकर्म कर्मों का वर्णन।

प्रा —श्री तुलसीदास जी का बड़ा स्थान दारागंज प्रयाग।→४१-३७१

ज्ञान या ज्ञाना प्रश्न मोक्षापाय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि ज्ञान विषयक वशिष्ठ और राम का संवाद।

प्रा —श्री विठ्ठलदास पुरुषोत्तमदास मथुरा।→१७-११ (परि १)।

ज्ञानयोग तत्व सार (पद्य)—पण्डितदास कृत। लि का सं १९२१। वि गणेश स्तुति और गुरु महिमा आदि।

प्रा —श्री कृष्ण छावपुर (बहराइच)।→२१-११८ ए।

ज्ञानयोग सर्व उपदेश (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। लि का सं १९५२। वि उपदेश।

प्रा —श्री राधामोहन गुप्त द्वारा श्री कृपाशंकरप्रसाद 'कुमुद' भारती प्रेस बलरामपुर।→४१ ४ (अप्र)।

ज्ञानयोग सिद्धांत (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि ज्ञानयोग संबंधी सिद्धांत।

प्रा —ठा जगन्नाथसिंह चंद्रावल डा बिजनौर (लखनऊ)।→२६-७ ई।

ज्ञानरतन (पद्य)—दरिया साहब कृत। र का सं १८३७। वि रामायण की कथा।

(क) लि का स १११२ साल।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१५४ ख।

(ख) लि का सं १८६१।

प्रा॰—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-५५ एच।

ज्ञानलोला स्तोत्र (पद्य)—रामानंद कृत। लि का सं १८२६। वि भक्ति।

प्रा —पं महेशप्रसाद भोमपुरा डा कैथोला (प्रतापगढ़)। → सं ४-१४०।

ज्ञानवचन चूर्णिका→ज्ञानचूर्णिका (मनोहरदास निरंजनी कृत)।

ज्ञानविलास (पद्य)—नृपाचारी कृत। लि का सं १८७४। वि गुरु और देवी की स्तुति तथा राधाकृष्ण माहात्म्य।

प्रा —श्री गुलाबरहीम दीक्षित लीकरी डा संडीर (सीतापुर)।→२६-१०८।

ज्ञान विवेक मोह सवाद (पद्य)—लालदास कृत। र० का० स० १७३२। वि० ज्ञानादि वर्णन।
प्रा०—लाला महावीरप्रसाद पटवारी, सराय खीमा, डा० रामनगर (सुलतानपुर)। →२३- ३६ ई।

ज्ञान वैराग्य सपादिनी→ भावप्रकाशिनी टीका' (सतसिंह कृत)।

ज्ञान सबोध (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० वेदात।
(क) लि० का० स० १८६३।
प्रा०—श्री रामाधीन मुराउ, बदाऊ सराय (बाराबकी)।→२३-१९८ एफ।
(ख) प्रा०—बाबा रामवल्लभ शर्मा, श्री सतगुरुसरन अयोध्या।→ ०६-१४३ आर।

ज्ञान सतसई→'भगवद्गीता सटीक' (हरिदास कृत)।

ज्ञान सतसई→'मनोरजनी शिक्षा कौमुदी' (प्रभुदयाल कृत)।

ज्ञान समुद्र (पद्य)—सदाराम कृत। वि० धर्म।
प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय, बलरामपुर (गोंडा)।→२०-१६६।

ज्ञान समुद्र (पद्य)—सुदरदास कृत। र० का० स० १७१०। वि० वेदात।
(क) लि० का० स १८५७।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-३४।
(ख) लि० का० स० १९००।
प्रा०—प० बद्रीनाथ भट्ट, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→२३-४ ५ ए।
(ग) लि० का० स० १९२०।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुनसद्दी, छतरपुर।→०६-२४२ बी (विवरण अप्राप्त)।
(घ) प्रा०—प० गुरुचरन बाजपेयी, भौंदा , रायबरेली)।→२३-४ ५ बी।
(ङ) प्रा०—बाबू चद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ।→२३-४१५ सी।
(च) →०२-२५ (दो)।
(छ) →प० २२-१०७ ए।

ज्ञान सरोवर (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० स० १८१८। वि० श्रीकृष्ण और उद्धव के सवाद में ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८५१।
प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→ स० ०४-१८३ ख।
(ख) लि० का० सं० १८५१।
प्रा०—ठा० भवानीदयालसिंह, ऐतवारा, डा० सतिथन (सुलतानपुर)।→ स० ०४-१८३ ग।
(ग) लि० का० स० १९०४।
प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० साहिमऊ (रायबरेली)।→ स० ०४-१८३ घ।

(ग) लि० का० सं० १२६।
प्रा० —पं० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेफरानपाँडे, डा० तिलोई (रायबरेली)।
→२६–३७७ ए।
(क) लि० का० सं० १२६।
प्रा० —महंत गुरुप्रसादवास बकुरावाँ (रायबरेली)।→सं० ४–१ १ क।
(च) प्रा० —लाला महावीरप्रसाद गौरीगंज (सुलतानपुर)।→२३–१ १ ए।
(छ) प्रा० —श्री प्रतापनारायण मिश्र सिलौधी डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रताप-गढ़)।→सं० ८–१८३ क।
(ज) प्रा०—श्री कृष्णशरण शुक्ल मादी ड० मकुआमीर (बस्ती)।→सं० ४–१८३ छ।
ज्ञानसागर (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८४७।
प्रा० —पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६–१४१ एल।
(ख) प्रा० —श्रीगणेशधर दूबे मीरपुर डा० ईंदिया (इलाहाबाद)।→सं० १–१२ ग।
ज्ञानसागर (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १९१५। वि० गुरु माहात्म्य ईश्वर भक्ति और आत्मधर्म वर्णन।
प्रा० —महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा)।→ ६–३११ ए।
ज्ञानसार→'वशिष्ट सार (कवींद्र सरस्वती कृत)।
ज्ञानसिद्धांत योग—गोरखनाथ कृत।→ १–११ (एक)।
ज्ञानसुदेशा (पद्य)—काशी और चिंतामणि कृत। वि० अध्यात्म।
प्रा० —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर।→ ६–२७० (विवरण अप्राप्त)।
ज्ञानस्तोत्र (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा० —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–१७७ सी (विवरण अप्राप्त)।
ज्ञानस्तोत्र और तत्वसार रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १९५१। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा० —श्री गोपालचंद्रसिंह विशेष कार्याधिकारी (हिंदी विभाग), भारतीय सचिवालय लखनऊ।→सं० ७–११ अ।
ज्ञानस्थिति (ग्रंथ) (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८०।
प्रा० —श्री तिलकचंद महावीरप्रसाद कोठियामी डा० गोसाईंगंज (लखनऊ)।
→२६–१७८ एम।
(ख) लि० का० सं० १८७४।
प्रा० —मुंशी शिवनारायण श्रीवास्तव बालपुर डा० फिरोजाबाद (आगरा)।
→२९—१७८ एल।

ज्ञानसरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० आत्मज्ञान ।

(क) लि० का० स० सन् १२३६ (?) ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-६ क ।

(ख) प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ टी ।

(ग) प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुशीगज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६ -२१४ बी ।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—अन्य नाम 'स्वरोदय' या 'स्वरभेद' । चरणदास (स्वामी) कृत । र० का० स० १८१७ । वि० प्राणायाम, योगाभ्यास आदि ।

(क) लि० का० स० १८३७ ।

प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६-६५ जेड ।

(ख) लि० का० स० १८७५ ।

प्रा०—प० गणेश जी, रकबा, डा० सिमैया (बहराइच) ।→२३-७४ जे ।

(ग) लि० का० स० १८८, ।

प्रा०—प० उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→ २६-७८ एच ।

(घ) लि० का० स० १८८६ ।

प्रा०—मुशी शिवधारीलाल, ममरेजपुर, बेनीगज (हरदोई) ।→२६-७८ एन ।

(ङ) लि० का० स० १८८६ ।

प्रा०—पं० कालिकाप्रसाद दूबे, गौरिया रसूलपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→ २६-७८ ओ ।

(च) लि० का० स० १८६० ।

प्रा०—श्री करणीदान ब्राह्मण, जोधपुर ।→०१-७० ।

(छ) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—प० चद्रसेन पुजारी, गगाजी का मदिर, खुर्जा (बुलदशहर) । → १७-३८ सी ।

(ज) लि० का० स० १६१८ ।

प्रा०—मुशी जोरावरसिंह, मिढाकुर (आगरा) ।→२६-६५ डब्ल्यू ।

(झ) लि० का० स० १६३० ।

प्रा०—प० रामविलास, मदारनगर, बथर (उन्नाव) ।→२६-७८ क्यू ।

(ञ) प्रा०—प० पीताम्बर भट्ट, बानपुरा दरवाजा, टीकमगढ । → ०६-१४७ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(ट) प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण सुनार, नेपालगज, नेपाल ।→२०-२६ बी ।

(ठ) प्रा०—पं० अमोल शर्मा, चदनियाँ, रायबरेली ।→२३-७४ के ।

(ड) प्रा०—बाबू चद्रभान बी० ए०, अमीनाबाद, लखनऊ ।→२३-७४ एल ।

(ढ) प्रा०—श्री गौरीशकर, सिधौली (रायबरेली) ।→२३-७४ एम ।

(ख) प्रा०—पं० गौरीशंकर, पुरवा गजाधर तिवारी ब्रह्मग्राम (सुलतानपुर)। →२३–७४ एल।

(त) प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक बीकानेर। → २३–७४ ओ।

(थ) प्रा०—ठा० बलीसिंह, करौंदी डा० मांधाता (प्रतापगढ़)। → २६–७८ पी।

(द) प्रा०—पं० हरिमोहन मिश्र सिंगरावली डा० शंकरपुर (आगरा)। → २६–१५ एक्स।

(ध) प्रा०—पं० जानकीप्रसाद समरौली कट्यारा (आगरा)।→२६–१५ वाई।

(न) प्रा०—श्री चंद्रमाल मिश्र भोरकटा डा० मेंहदावल (बस्ती)। → सं० ४–२३ म।

(प)→पं० २२–१८ ए, बी।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—दरिया साहब कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८८७।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६–५५ एच।

(ख) प्रा०—पं० हरिहर सरपोका डा० हथवा (बस्ती)। → सं० ४–१५४ ग।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—नानक (गुरु) कृत। लि० का० सं० १९ ८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—ठा० बलभद्रसिंह रईस बंस पुरवा डा० सिसैया (बहराइच)। → २३–२८३ बी।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रणजीत (रणरत) कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० स्वरोदय।

प्रा०—पं० दीपचंद गौनेरा डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→४१–११।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८८४। वि० स्वरोदय।

प्रा०—श्री महावीर पांडे कनेरी डा० फूलपुर (आजमगढ़)।→सं० १–५१६।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८२५। वि० श्वास प्रश्वास विधि से शुभाशुभ विचार।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–३०२।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९३०। वि० स्वरोदय ज्ञान।

प्रा०—पं० गोकरनप्रसाद तिवारी डा० माल (लखनऊ)।→सं० ०७–२१।

ज्ञानागरी (पद्य)—देवसेन कृत। लि० का० सं० १८ १। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—गो० बद्रीलाल वृंदावन (मथुरा)।→१२ ८६।

ज्ञानानंद—संत चरणदास के शिष्य। सं० १९ ५ के पूर्व वर्तमान।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→१२–८६।

ज्ञानानंद श्रावकाचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रावकों के लिये विहित धर्म।
(क) लि० का० सं० १९२१।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१५७ क।
(ख) लि० का० सं० १९५६।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१५७ ख।

ज्ञानार्णव (भाषा टीका)→'ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका' (जयचंद जैन कृत)।

ज्ञानार्णव की देशभाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। र० का० सं० १८६६। वि० ज्ञान।
(क) लि० का० सं० १८८९।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३९ ङ।
(ख) लि० का० सं० १९१४।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१८७ ए।
(ग) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।
→सं० ०८–११५।

ज्ञानावली→'दामोदर हरिदास चरित' (बीठू बाँकीदास कृत)।

ज्ञानी कौ अंग (पद्य)—सुंदरदास कृत। लि० का० सं० १८५६। वि० ज्ञानी पुरुषों के भेद, लक्षण और ज्ञान का माहात्म्य।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–१६३ ज।

ज्ञानीजन कौ अंग→'ज्ञानी कौ अंग' (सुंदरदास कृत)।

ज्ञानी जी—वास्तविक नाम जसवंत। कबीरपंथी साधु। महात्मा कबीरदास के शिष्य।
ज्ञानीजी की साखी (पद्य)→२३–१०० बी, सी।
ज्ञानपाती (पद्य)→३२–१०० ए।
ब्रह्मस्तुति (पद्य)→३८–७१ ए।
शब्दपारखी (पद्य)→२६–२१०, ३८–७१ बी, सं० १०–४८।

ज्ञानीजी की साखी (पद्य)—अन्य नाम 'साखी'। ज्ञानी जी कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा०—पं० चक्रपाणि मिश्र 'विशारद', लाखनमऊ, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२–१०० बी।
(ख) प्रा०—पं० मुंशीलाल, नदपुर, डा० खैरगढ (मैनपुरी)।→३२–१०० सी।

ज्ञानोपदेश (?) (पद्य)—रूप कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१–३६२।

ज्ञानोपदेश→'चितावणी' (खेमदास कृत)।

ज्योतिष (?) (पद्य)—सेवा कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री प्रीसराव, उसकाखुर्द, डा० खलीलाबाद (बस्ती)।→सं० ०४–७४।

ज्योतिष (पद्य)—जानकीदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४–१२५ ग।

ज्योतिष (पद्य)—परशुराम कृत। र का सं १९१७। लि का सं १९४८। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —महाराज श्रीप्रकाशसिंह मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-३४६ ई।

ज्योतिष (पद्य)—सहदेव कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी, भाता (फतेहपुर) ।→ सं १-४४५।

ज्योतिष (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं वासुदेव अमास डा मानोर्गज (प्रतापगढ़)।→२६-१४ (परि १)।

ज्योतिष (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं केशवराम शमशाबाद (आगरा)।→२६-११८।

ज्योतिष (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं देवकीनंदन मन्मनलाल श्री लक्ष्मीनारायण का मंदिर आगरा रोड (आगरा) ।→२६-४ १।

ज्योतिष (भाषा) (गद्यपद्य)—कशीदास कृत। लि का सं १८८४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं शिवकंठ दूबे देवराजपुर (खीरी)।→२६-२२१।

ज्योतिष (भाषा) (पद्य)—शंकरदास (राव) कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८९।

प्रा —पं शिवकुमार पांडेय भाता (फतेहपुर)।→सं १-४ ६।

(ख) लि का सं १८८८।

प्रा —पं प्रभुनाथ पांडेय मक्र, डा केलवार (जौनपुर)।→सं ४-१०४ क।

(ग) लि का सं १९४४।

प्रा—पं मल्लू मिश्र, गौरहार।→०६-१२८ ए (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा —पं यदुनाथ चतुर्वेदी बरसी चौबे का पुरवा (मवाना), डा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं ४-१ ४ ख।

ज्योतिष अष्टमभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९२४। वि ज्योतिष।

प्रा०—पं मधावीलाल शर्मा अछनेरा (आगरा)।→२६-४ ।

ज्योतिष और गोलाध्याय टीका (गद्य)—रामरतन वाहन कृत। र का सं १८७६। मु का सं १८७१। वि भूगोल और खगोल का वर्णन।

प्रा०—श्री महावीर मिश्र ग्राम डा बीबीपुर (इलाहाबाद)।→सं १-११७।

ज्योतिष की सारमी (पद्य)—परमराम (ब्यास) कृत। र का सं १९१७। लि का सं १९१६। वि ज्योतिष।

प्रा —पं शिवकंठ वाजपेयी सुमरपुरा डा कैथीपुर (उन्नाव)।→२६-१६१।

ज्योतिष चाक (पद्य)—महादेव कृत। लि का सं १८२४। वि ज्योतिष।

प्रा —भैया मतिपालसिंह, पयागपुर (बहराइच)।→२६-४४६।

ज्योतिष जन्म विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० कैलाशपति तैनगुरिया पुरोहित, त्रिजौली, डा० बाह (आगरा) ।
→२६–४०१ ।

ज्योतिष पद्धति (पद्य)—रामचद्र कृत । र० का० स० १८५८ । लि० का० स० १८५८ ।
वि० न म से स्पष्ट ।
प्रा०-प० त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी, पूरेपरान पाडे, डा० तिलोई (रायबरेली) ।
→२६–२८० ।

ज्योतिष रत्न (पद्य)—भवानीबख्शराय कृत । लि० का० स० १६१३ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री माताभीख, पनासा, डा० करछना (इलाहाबाद) ।→२०–१५ ।

ज्योतिषराज—(?)
प्रश्न विचार (गद्य)→२९–२१३ ।

ज्योतिष रासि दिन रजस्वला विचार (गद्यपद्य)—पतितदास कृत । र० का० स० १६३१ ।
लि० का० स० १६४८ । वि० स्त्री चिकित्सा आदि ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२९–३४६ जी ।

ज्योतिष लग्न प्रकाश→'ज्योतिष (भाषा)' (राव शकरदास कृत) ।

ज्योतिश विचार (पद्य)—बुध (कवि) कृत । र० का० सं० १८१७ । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० स० १८४० ।
प्रा०—प० रामदुलारे मिश्र, गनेशपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–७३ ए ।
(ख) लि० का० स० १८७० ।
प्रा०—प० मनिया तिवारी, बैजैगाँव, डा० कमालपुर (सीतापुर) ।→२६–७३ सी ।
(ग) लि० का० स० १६२७ ।
प्रा०—श्री गगादीन मुराव, लक्ष्मणपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–७३ बी ।

ज्योतिष विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६२३ । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—श्री चद्रसेन पुजारी, खुरजा ।→१७–३३ (परि० ३) ।

ज्योतिष विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० ज्योतिष ।
प्रा०—प० रामनारायण, अमौसी, डा० बिजनौर (लखनऊ) ।→२६–३६६ ।

ज्योतिष सार (गद्य)—केशवप्रसाद (दुबे) कृत । र० का० स० १६३० । वि० ज्योतिष ।
(क) लि० का० स० १६३३ ।
प्रा०—लाला जयनारायण, नगलाराजा, डा० नौखेड़ा (एटा) ।→२६–१६३ डी ।
(ख) लि० का० स० १६३६ ।
प्रा०—पं० शिव शर्मा, नगगाधीर, डा० सराय अगत (एटा) ।→२६–१६३ ई ।
(ग) लि० का० स० १६३६ ।
प्रा०—श्री रायलाल, रमुआपुर, डा० धौरहरा (खीरी) ।→२६–२३० ए ।
(घ) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा —पं मनीलाल तिवारी गंगापुर, डा मिमिसर (सीतापुर) ।→ २६–२१ बी ।
(ख) लि का सं १६१६ ।
प्रा —पं रामकुमार मिश्र, बसीठ डा कासगंज (एटा) ।→२६–१६१ सी ।

ज्योतिष सार (गद्य)—वृंदावन कृत । लि का सं १८७ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं मनिया मिश्र वैद्य सुभानपुर (कानपुर) । वर्तमान पता—गंगापुर, डा शाहपुर (सीतापुर) ।→२६–५ ऐ ।

ज्योतिष सार (भाषा) (पद्य)—कृपाराम कृत । र का सं १५९२ । लि का सं १६ ६ । वि संस्कृत ग्रन्थ का अनुवाद ।
प्रा०—विजयनगरेश का पुस्तकालय विजावर ।→ ६–१८२ (विवरण अप्राप्त) ।

ज्योतिष सार नवीन संग्रह (गद्यपद्य)—चित्तरसिंह कृत । र का सं १६१८ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं रामकृष्ण तिवारी फफूँद (इटावा) ।→१५–१८ ।

ज्योतिस्सारावली (पद्य)—कान्ह (शिव) कृत । र का सं १६३५ । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं रामबक्स मिश्र उदयीपुर डा मितकिया (जौनपुर) ।→ सं ४–२१ ।

ज्योनार (पद्य)—गोविंददास कृत । वि ब्रह्मज्ञान ।
प्रा —ठा बलभसिंह वर्मा भरतराई, डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→ १२–६६ सी ।

ज्योनार (पद्य)—दौलतराम कृत । र का सं १६ ५ । लि का सं १६०५ । वि राम लक्ष्मण आदि चारों भाइयों की जनकपुर में ज्योनार का वर्णन ।
प्रा —पं सारंगीलाल मिश्र मदेरा डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२–५ ।

ज्वर चिकित्सा प्रकरण (गद्य)—बाबा साहब (डाक्टर) कृत । वि नाम से स्पष्ट । (संस्कृत से अनूदित) ।
प्रा —श्री लक्ष्मीचंद पुस्तक विक्रेता अयोध्या ।→०६–१२ सी ।

ज्वर विनाशन (पद्य)—जयरामदास कृत । लि का सं १८८४ । वि हनुमान की की स्तुति से तिजारी बुखार का दूर होना ।
प्रा०—पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→०६–११ ।

ज्वरांकुश (पद्य)—ब्रह्मदास कृत । वि हनुमान की स्तुति ।
(क) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–११४ ग घ ।
(ख) प्रा—श्री रामकिशन मिश्र कचरा डा हनुमानगंज (इलाहाबाद) ।→ सं १–११४ क ।

ज्वालानाथ—(?)
भक्त चरितावली (गद्य)→११–१ १ ।

ज्वालाप्रसाद (मुंशी)—सिकंदराबाद (बुलंदशहर) निवासी। मुशी लछमनस्वरूप के आश्रित।
  रुद्रमालिनी (पद्य)→३८-७६।

झगड़ा समहू (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्णचंद्रावली, सोनारची और सोने लोहे का झगड़ा।
  प्रा०—श्री राम जी, असरोही, डा० करहल (मैनपुरी)।→३५-१७७।

झगरा राधाकृष्ण→'ढेकी' (सुखश शुक्ल कृत)।

झामदास—अन्य नाम झामराम या रामदास। ब्राह्मण। विंध्याचल (मिरजापुर) निवासी। माडा राजकुल के गुरु। स० १८१८ के लगभग वर्तमान।
  ज्वरांकुश (पद्य)→स० ०१-१३४ ग, घ, ङ।
  पिंगल रामायण (पद्य)→२३-१६२, २६-२०८ ए, बी।
  रामार्णव (पद्य)→०१-२१, २०-७२, स० ०१-१३४ क, ख।

झामदास (बाबा)—क्षत्रिय। झामदासी पथ के प्रवर्तक। रायबरेली जिला के निवासी। ये बाल्यकाल से ही विरक्त रहा करते थे, जिससे घर छोड़ कर जगेसरगंज (सुलतानपुर) के समीप के जंगल में तपस्या करने चले गए। वहीं कुटी स्थापित की जो झामदास बाबा की कुटी के नाम से प्रसिद्ध है। इनके स्थान पर इनके अन्य वंशज महंत होते आये हैं। स० १८३१ के लगभग वर्तमान।
  चरित्र प्रकाश (पद्य)→२३-१६१ ए।
  राम शब्दावली (पद्य)→२३-१६१ बी, ३५-४७, स० ०४-१३७।

झामराम→'झामदास' ('पिंगल रामायण' के रचयिता)।

झुनकूलाल (जैन)—शिकोहाबाद (मैनपुरी) निवासी। स० १८४३ के लगभग वर्तमान।
  नेमिनाथजी के छंद (पद्य)→२६-१७६।

झूलणा (पद्य)—दीन कृत। वि० संसार को असार समझकर शिव से अनुराग करने का उपदेश।
  प्रा०—प० घूरेमल, राजेगढी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८-४३।

झूलना (पद्य)—अन्य नाम 'झूला'। कबीरदास कृत। वि० निर्गुण ज्ञान।
  (क) प्रा०—प० बाँकेलाल शर्मा, कुडावाला मुहल्ला, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-१७८ जे।
  (ख) प्रा०—प० बैजनाथ ब्रह्मभट्ट, अमोसी, डा० बिजनौर (लखनऊ)। →२६-१७८ के।

झूलना (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० सीताराम के झूलना खेलने का वर्णन।
  प्रा०—श्री कपिलदेवप्रसाद, विश्रापार, डा० खलीलाबाद (बस्ती)। →स० ०४-३६ क।

मूलना (पद्य)—जानकीदास कृत। वि ज्ञानोपदेश।
 प्रा —श्री जानकीदास लालगंज बाजार (रायबरेली)।→र्ष ४-१२१।
मूलना (पद्य)—दलिराम कृत। लि का स १८२४। वि ज्ञानोपदेश।
 प्रा —महंत ब्रजलाल जमींदार सिराथू (इलाहाबाद)।→ ६-१७।
मूलना (पद्य)—भीषीदास (गोबरदास) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
 (क) लि का र्ष १६१६।
 प्रा —पं भगवुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-११।
 (ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→र्ष १-२८२।
मूलना (पद्य)—रामचरणदास कृत। वि ज्ञान भक्ति और वैराग्य।
 प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१-२२५।
मूलना (पद्य)-सूर कृत। वि ज्ञानोपदेश।
 प्रा॰—बाबा सेवादास गिरिधारी साहब की समाधि, नाकस्ता (लखनऊ)। →
 र्ष ७-१२८।
मूलना (कवहरा) (पद्य)—प्रज्ञदास कृत। र का र्ष १७१५ (लगभग)।
 वि ज्ञानोपदेश।
 (क) लि का र्ष १८७६।
 प्रा —श्री रामेश्वरप्रसाद टेका (प्रतापगढ़)।→२६-५ ए।
 (ख) लि का र्ष १६१८।
 प्रा —बाबू अमीरचंद गुप्त श्री श्री गुप्त ऐंड कं चौक बाजार बहराइच।→
 २१-६ ए।
 (ग) लि का र्ष १६५१।
 प्रा॰—महंत भगवानदास टट्टी स्थान वृंदावन (मथुरा)।→१२-१।
 (घ) लि का र्ष १६५१।
 प्रा —पं उमाकांत शुक्ल इकरा (बाराबंकी)।→२१-६ बी।
 (ङ) लि का र्ष १६६ ।
 प्रा —ठा बलदेवबक्ससिंह बगुहा डा सिकोई (रायबरेली)। →
 २६-५ बी।
 (च) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→र्ष ४-१ क।
मूला→'मूलना' (कबीरदास कृत)।
मूला पचीसी (पद्य)—प्रियादास कृत। र का र्ष १८५६। वि राधाकृष्ण के मूला
 मूलने का वर्णन।
 प्रा॰—लाला दामोदर वैश्य कोठीवाला लोईबाजार वृंदावन (मथुरा)। →
 १२-१३८ बी।
हहकन—चौपड़ा खत्री। जलालपुर (पंजाब) निवासी। कृष्ण भक्त। रंगीलदास के
 पुत्र। र्ष १ २६ के लगभग वर्तमान।
 अश्वमेध (भाषा) (पद्य)→र्ष २२-११ ए, बी।
 खो र्ष वि ४८ (११ ०-६४)

टिकारी राज्य का इतिहास (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, गया।→२६-३५ (परि० ३)।

टिकैतराय—स० १६०० के लगभग वर्तमान।
गाँजर की लड़ाई (पद्य)→२६-३२३।

टिकैतराय—अवध के किसी नवाब के मंत्री। बेनी कवि के आश्रयदाता। स० १८४६-१८७४ के लगभग वर्तमान।→०६-१४, १२-१६, २३-३८।

टिकैतराय प्रकाश (पद्य)—अन्य नाम 'अलंकार शिरोमणि'। बेनी (कवि) कृत।
र० का० स० १८४६। वि० अलंकार।
(क) लि० का० स० १६४५।
प्रा०—पं० जुगलकिशोर मिश्र, गधौली (सीतापुर)।→०६-१४।
(ख) लि० का० स० १६५५।
प्रा०—श्री कृष्णबिहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर)।→ स० ०४-२४३ ख।
(ग) प्रा०—ठा० मौलानाबख्शसिंह रईस, खजुरी, डा० रानीकटरा (बाराबंकी)।→२३-३८ सी।

टीकम (मुनि)—जैन। स० १७०७ के लगभग वर्तमान।
शीलशती नाम कीर्तन (पद्य)→दि० ३१-८८।

टीका (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत श्री राजकिशोर, रतसड (बलिया)।→४१-२६३ ग।

टीका गीतगोविंद→'गीतगोविंदादर्श' (रायचंद्र नागर कृत)।

टीकामनि—(?)
नवरस निरूपण (पद्य)→स० ०७-६७।

टीकाराम—शाहजहाँपुर निवासी। खुशहालचंद बंदीजन के पुत्र। बिलग्राम (हरदोई) के रईस देवीबख्श कायस्थ के आश्रित। स० १८५१ में वर्तमान।
रसपयोधि (पद्य)→१२-१८८।

टीकाराम—(?)
वैद्य सिकंदरी (गद्य)→१२-१८७।

टीकाराम (अवस्थी)—भवानीप्रसाद के पुत्र।
लघुजातक (भाषा) (पद्य)→२६-३२४।

टीपू सुलतान—दक्षिण भारत के प्रसिद्ध शासक। जन्म स० १८०६। राज्यकाल स० १८३०-१८५६ तक। इनका यह नाम टीपूशाह नामक एक फकीर के नाम पर—जिनके हैदरअली (इनके पिता) बड़े भक्त थे—रखा गया था। श्रीरंगपत्तन के दुर्ग की रक्षा करते हुए सन् १७९९ ई० में इनकी मृत्यु हुई।
मामूल अतिब्बा (गद्य)→४१-८७।

टेकचंद—जैन आचार्य। गाजिपुर के राजा उम्मेदसिंह के आश्रित। सं १८२२ के लगभग वर्तमान।

मतकथा कोश (पद्य)→१७–१८१।

टेकचंद (जैन)—(?)

पंच परमेष्ठी की पूजा (पद्य)→१२–२१५।

टोडरमल्ल—जयपुर निवासी जैन। सं १८१८ के लगभग वर्तमान।

आत्मानुशासन ग्रंथ की भाषा टीका (गद्यपद्य)→ –११४ २६–४८२ सं १ –४९ क ख घ घ।

गोमट्टसार की सम्यक ज्ञानचंद्रिका नाम टीका (पद्य)→११–४२९ ए सं० १ –४९ क।

त्रिलोकसार (गद्यपद्य)→२१–४२९ बी सं ७–९८ क।

मोक्षमार्ग प्रकाश (गद्य)→२१–४११ बी सं ७–९८ ख सं १ –४९ ग छ।

टोडरमल्ल—खत्री। जन्म सं १५५ । मृत्यु सं १६४६। पहले शेरशाह के यहाँ ऊँचे पद पर थे। अनंतर अकबर के शासनकाल में भूमि कर विभाग के मंत्री हुए। इन्होंने शाही दफ्तरों में हिंदी के स्थान पर फारसी का प्रचार किया था।→ ४–९।

टोडरमल संग्रह (पद्य)→१२–२१८।

टोडरमल—कायस्थ। झुनझुना (जयपुर राज्य) के निवासी। जयपुर नरेश महाराज जगतसिंह के आश्रित। सं १८६७ के लगभग वर्तमान।

दंपति मधुकर (पद्य)→सं १–११५।

टोडरमल (मल्ल कवि)—कंपिला निवासी।

रसचंद्रिका (पद्य)→१७–१८४।

टोडरमल संग्रह (पद्य)—टोडरमल कृत रचनाओं का संग्रह। वि नीति और राधाकृष्ण का प्रेम आदि।

प्रा —श्री मयाशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→१२–२१८।

टोडरशाह—जिनदास यति के आश्रयदाता। दीपासाहु के पिता।→सं ८–११२।

टोडरानंद—(?)

टोडरानंद वैद्यक (गद्य)→४१–८८।

टोडरानंद वैद्यक (गद्य)—टोडरानंद कृत। लि का सं १७१७।

प्रा —पं विश्वनाथप्रसाद मिश्र वाणीवितान भवन ब्रह्मनाल वाराणसी।→ ४१–८८।

टोडाराम—गढ़ी पुरुषोत्तम (मथुरा) के निवासी।

श्रीकृष्ण पद (पद्य)→१२–२१७।

ठाकुर (कवि)—कायस्थ। वास्तविक नाम ठाकुरदास। ओरछा निवासी। गुलाबराय

के पुत्र। जन्म संभवत. सं० १८२३। मृत्यु सं० १८८० के लगभग। इतिहास में ये तीसरे ठाकुर के नाम से प्रसिद्ध हैं।

कवित्त फुटकर (पद्य)→३२-२१६।

कूट कवित्त (पद्य)→२३-४२६।

ठाकुर शतक (पद्य)→०५-६८, २०-१९३।

ठाकुर (कवि)—असनी (फतहपुर) निवासी। ऋषिनाथ के पुत्र। धनीराम के पिता और सेवकराम तथा शंकर कवि के पितामह। काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनंदनसिंह के आश्रित। सं० १८६०-१८९१ के लगभग वर्तमान। ये इतिहास में असनीवाले दूसरे ठाकुर के नाम से प्रसिद्ध हैं।→०६-२८६, २६-१०३।

सतसैया बरनार्थ (गद्य)→०४-१८, २६-४७८।

ठाकुर (कवि)—(?)

महाभारत (कर्णार्जुन युद्ध) (पद्य)→४१-८६।

ठाकुर के कवित्तो का संग्रह→'ठाकुर शतक' (ठाकुर कवि कृति)।

ठाकुर की घोडी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रीकृष्ण की घोड़ी का वर्णन।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर। → १७-१०० (परि० ३)।

ठाकुरदास—(?)

रुक्मिणी मंगल (पद्य)→ ६-३३७।

ठाकुरदास→ ठाकुर (कवि)' (ओछड़ा निवासी कायस्थ)।

ठाकुरदास (ठाकुर)—संभवत ग्रंथ स्वामी पं० जगन्नाथ मिश्र (गोसपुर, जि० आजमगढ) के पूर्वज।

ज्ञानगीता (पद्य)→४१-६० ख।

शब्द सतगुरु के (पद्य)→४१-६० क।

ठाकुरप्रसाद (पंडित)—(?)

तिब्ब रत्नाकर (गद्य)→२६ ४७६।

ठाकुर शतक (पद्य)—अन्य नाम 'ठाकुर के कवित्तों का संग्रह'। ठाकुर (कवि) कृत। वि० शृंगार।

(क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।→०५-६८।

(ख) प्रा —ठा० जगदेवसिंह, रामघाट (बुलंदशहर)। अन्य पता—कामदकुंज, अयोध्या।→२०-१९३।

ढगवे पुराण (पद्य)—अन्य नाम 'ढगी' या 'ढगवे कथा'। भीम कृत। र० का० सं० १५५०। वि० महाभारत के अंतर्गत ढगवे कथा का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १७७७।

प्रा —श्री रामभवनंद त्रिपाठी, दरवेशपुर, डा मरवारी (इलाहाबाद)। → सं १-२५८।

(ख) लि का सं १८३७।

प्रा —श्री गयाप्रसाद त्रिपाठी दोस्तपुर (सुलतानपुर)।→सं ४-२६२।

डंगी का डंगवे कथा→'डंगवे पुराण' (भीम कृत)।

डंगौ पव (पद्य)—नलसीर कृत। र का सं १६ ८। लि का सं १८५६। वि महाभारत की कथा।

प्रा —लाला लक्ष्मीनारायण चौरिया, डा करछना (इलाहाबाद)। → १७-११।

डालचंद (राजा)—राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के प्रपितामह। मुर्शिदाबाद के निवासी। रतनचंद्र नागर और मथुरानाथ शुक्ल के आश्रयदाता। सं १८११ के लगभग वर्तमान।→ ६ १६५; १-२१६ १७ १९१।

डालूराम—अग्रवाल जैन। माधवराजपुर के निवासी। सं १८६२ के लगभग वर्तमान।

पंच परमेष्ठी पूजा (पद्य)→२१-८१।

डूँगरलाल—(?)

गोपीचंद का ख्याल (पद्य)→२६-११।

डूँगरसी (साधु)—पुरपट्टन निवासी एक साधु। संभवतः सं १८१७ में वर्तमान।

लालदास की कथा (पद्य)→सं १-११६।

डोंगरसिंह – गोपालगढ़ (ग्वालियर) के राजा। विष्णुदास के आश्रयदाता। सं १४९२ के लगभग वर्तमान।→ ६-२४८।

ढाढियालीला (पद्य)—कैकृष्णदास कृत। वि कृष्ण जन्मोत्सव पर ढाढी का दान माँगना।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कॉकरोली।→सं १-११३।

ढेंक चरित्र (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। र का सं १६ । वि ढेंक नामक खेल का वर्णन।

प्रा —राजपुस्तकालय किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़)। →१७-१७५ सं ४-१८८।

ढेकी (पद्य)—अन्य नाम मगरा राधाकृष्ण। सुर्वंश (शुक्ल) कृत। वि कृष्ण गोपियों का विहार और ढेकी नामक खेल का वर्णन।

(क) लि का सं १८४२।

प्रा —ठा हनुमानसिंह बरकेड डा नैरौपार (बहराइच)।→२१-४१२ ए।

(ख) लि का सं १९४६।

प्रा —पं केदारनाथ पाठक, केतोअलीगंज, मिरजापुर।→ २-१ ७।

(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४-४१६ ख।

ढोला (मूल) (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० सं० १९२५। वि० ढोला मारू की कथा।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन अधिकारी, दतिया।→०६-७९ क्यू।

ढोला मारवणी चउपई→'ढोलामारू रा दूहा' (कुशललाभ कृत)।

ढोलामारू रा दूहा (पद्य)—अन्य नाम 'ढोला मारवणी चउपई'। कुशललाभ कृत। र० का० सं० १६१६। वि० ढोला और मारू की प्रेम कहानी।

(क) लि० का० सं० १६६९।

प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६६।

(ख) लि० का० सं० १७३१।

प्रा०—पं० राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा।→३२-२३३।

(ग) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-५६।

टि० प्रस्तुत पुस्तक को खोजविवरण में भूल से किलोल कृत, यादवराय कृत और हरराज कृत माना गया है।

तंत्रमंत्र जंत्रावली (पद्य)—वनितदास कृत। लि० का० सं० १९४९। वि० इंद्रजाल।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लापुर (सीतापुर)।→२६-१४६ एस।

तंत्रसामुद्रिक टीका (पद्य)—रामफल कृत। मु० का० सं० १९१७। वि० सामुद्रिक।

प्रा०—श्री रग्घू उपाध्याय, निधैया, डा० फूलपुर (इलाहाबाद)। →सं० ०१-३५१।

तख्तसिंह—जोधपुर नरेश। सं० १९०० में सिंहासनासीन। महाराज मानसिंह के निस्संतान मरने पर इनको अहमदनगर (गुजरात) से लाकर जोधपुर की गद्दी पर बैठाया गया था। शंभुदत्त जोशी के आश्रयदाता।→०२-३६।

तख्तसिंहजी की ख्यात (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाराज तख्तसिंह (?) का यश वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३७३।

तत्वउपदेश (पोथी ज्ञानगोष्ठी) (पद्य)—ताराचंद कृत। लि० का० सं० १८१२। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री ब्रह्मदत्त पांडे कनेरी, डा० फूलपुर (आजमगढ)।→सं० ०१-१३९।

तत्व गुन भेद (ग्रंथ) (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८३८।

प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→३५-१०० एफ।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-७० ग।

तत्व चिंतामणि (पद्य)—माधवदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-२८५।

प्रा०—पं० केदारनाथ संस्कृताध्यापक, सनातन धर्म स्कूल, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१५८।

तत्व मुक्तावली (गद्यपद्य)—शितिकंठ कृत। र० का० सं० १८२७। लि० का० सं० १९२६। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० रचनेश मिश्र, कालाकाँकर (प्रतापगढ)।→०६-२६१।

तत्वरत्न दीपक (पद्य)—शान्तीगिरि (परमहंस) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० आत्मज्ञान।

प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-१५१।

तत्वविवेक (गद्य)—शंकराचार्य कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-१०७ क।

तत्वसंज्ञा (पद्य)—चन्दन (कवि) कृत। वि० योग।

(क) लि० का० सं० १८६१।

प्रा०—बाबू कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ।→०१-२६।

(ख) प्रा०—लाला भगवतीप्रसाद, अनूपशहर (बुलंदशहर)।→१७-३७।

तत्वसार (पद्य)—गूँगदास कृत। लि० का० सं० १९०१। वि० भक्ति तथा ज्ञानोपदेश।

प्रा०—महंत अयोध्यारामदास, कुटी गूँगदास, पँचपेड़वा (गोंडा)। → सं० ०७-३४ घ।

तत्वसार (ग्रंथ) (पद्य)—भीषमदास कृत। र० का० सं० १८५०। लि० का० सं० १८६६। वि० तत्वज्ञान (प्रश्नोत्तर रूप में)।

प्रा०—बाबा परागसरनदास, उजेहनी, फतेहपुर (रायबरेली)।→३५-१६ एल।

तत्वसार दोहावली (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० सं० १८२८। लि० का० सं० १९५६। वि० वेदांत।

प्रा०—श्री गुरुप्रसाददास, रमई (रायबरेली)।→२६-१६५ सी।

तत्व स्वरोदय (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १९१८। वि० स्वर द्वारा भविष्य ज्ञान।

प्रा०—श्री जानकीप्रसाद पंडा, पृथ्वीपुरा, डा० फिरावली (आगरा)। → ३२-१०३ बी।

तत्वार्थ प्रदीप→'युक्ति रामायण' (धनीराम कृत)।

तत्वार्थ सूत्र (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९५६। वि० जैन धर्मानुसार तत्वज्ञान।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०७-२३१।

तत्वार्थ सूत्र की टीका या देशभाषा मय टिप्पण (गद्य)—सदासुख (जैन) कृत। र० का० सं० १९१०। वि० जैन दर्शन।

प्रा०—श्री द्वारिकाप्रसाद गुप्त 'शंकर' (अवकाश प्राप्त न्यायाधीश), प्रभुटाउन, रायबरेली ।→सं० ०४–२२० ।

तरंगलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत । वि० राधाकृष्ण की क्रीड़ा ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२–१५४ एल ।

तर्क चिंतामणि (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि० भक्ति की महिमा ।

(क) प्रा०—श्री रामचंद्र सैनी, बेलनगंज, आगरा ।→३२–२११ ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२८७ ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७–१६३ भ ।

तर्क प्रकाश (भाषा) (गद्यपद्य)—सरदार (कवि) कृत । र० का० सं० १६०६ । वि० तर्क संग्रह का अनुवाद ।

प्रा०—ददन सदन, अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं० ०१–४४१ फ ।

तवल्लुद (पद्य)—हमीदउद्दीन (काजी) कृत । वि० मुहम्मद साहब का जीवन चरित्र ।

प्रा०—मियाँ अब्दुलशकूर, पाहूकनगर (प्रतापगढ) ।→२६–१६४ ।

ताजिकसार (भाषा) (पद्य)—छाजूराम (द्विवेदी) कृत । र० का० सं० १७६२ । लि० का० सं० १७६२ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट, मथुरा ।→३२–४३ ।

तानसेन—वास्तविक नाम त्रिलोचन पांडे । मकरंद पांडे के पुत्र । ग्वालियर निवासी । स्वामी हरदास से पिंगल शास्त्र एवं संगीत विद्या सीखी । शेख गौस मुहम्मद से भी संगीत विद्या प्राप्त की । पहले शेरखाँ (शेरशाह) के पुत्र दौलत खाँ के आश्रित रहे । अनंतर रीवाँ नरेश महाराज रामसिंह के आश्रित । सम्राट अकबर के आश्रयकाल में महान भारतीय संगीताचार्य की ख्याति से विभूषित हुए । सं० १६१७ में वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' नामक ग्रंथ में भी इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२–५७ (चौबीस) ।

रागमाला (पद्य)→०२–४१ ।

संगीत सार (पद्य)→०१–१२ ।

तापा (तापन)—(?)

सदाशिवजी को व्याहलो (पद्य)→३८–१५१ ।

तामरूप दोष पिंगल→'छंदसार' (जयकृष्ण कृत) ।

तामसन साहब—संभवत कोई अंग्रेज । सं० १८७६ के लगभग वर्तमान ।

ज्योतिष और गोलाध्याय (टीका) (गद्य)→सं० ०१–१३७ ।

तारक तत्व—उत्तमचंद्र (भंडारी) कृत ।→०१–६६ (दो), ०२–१८ (दो) ।

तारतम्य (गद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० सृष्टि उत्पत्ति, कृष्णावतार तथा उनकी लीलाएँ ।

(क) प्रा —बाबा राममनोहर त्रिपुरिया पुरानी बस्ती कटनी ग्रा मुड़वारा (जबलपुर) ।→२६-१४९ बी ।

(ख) प्रा —मुंशी बंशीधर, मुहम्मदपुर ग्रा ग्रमेठी (लखनऊ) । →२६-२६६ डी ।

(ग) प्रा०—पं घासीराम बाजार सीताराम ११५ कूचापातीरामका मुक्ताराम जी का मंदिर, दिल्ली ।→दि ३१-६५ सी ।

तारपाणि—

भागीरथी लीला (पद्य)→ ६-३११ ।

ताराचंद—ग्रन्य नाम चेतनिचंद । कान्यकुब्ज ब्राह्मण । गोपीनाथ के पुत्र । इंद्रजीत लखमन और मथुराई इनके भाई थे । राजा हुलकरन के पुत्र । कुशलसिंह के ग्राश्रित । उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में वर्तमान ।

शालिहोत्र (पद्य)→ ३-४१ २३-७७ ए, बी २६-८ ए बी २६-६६ १२-२१४ ए बी ४१-४६१ (ग्रप्र) सं १-११८ क, ख ।

ताराचंद—कायस्थ । गिरिधर के पुत्र । रामचंद्र के शिष्य । मूल स्थान मोजपुर । जन्म स्थान मराहिमनगर जहाँ सेहवाल शासक था ।

तत्व उपदेश (पोथी ज्ञानगोष्ठी) (पद्य)→सं १-११६ ।

ताराचंदराव (भाट)—(?)

प्रश्नावलिका (पद्य)→१७-१९ ।

तारानाथ—नरहरि (संभवतः सुप्रसिद्ध कवि नरहरि महापात्र) के वंशज । जयपुर के महाराजा रामसिंह (राज्यकाल सं १७२१-३२) के ग्राश्रित ।

रागमाला (पद्य)→सं ४-११८ ।

तारा विजय (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत । र का सं १६ ८ । लि का सं १६ ८ । वि शुंभ निशुंभ के साथ भगवती का युद्ध ।

प्रा०—ठा ग्रंबिकाप्रतापसिंह पिपरा संग्रामपुर ग्रा बाल्हरगांव (बस्ती) ।→सं ४-१७८ ग ।

तालिका (पद्य)—रचयिता ग्रज्ञात । लि का सं १६ २ । वि फलित ज्योतिषानुसार राशियों का फलाफल ।

प्रा —पं रंगनाथ दूबे, मोहम्मदपुर ग्रा तादियाबाद (गाजीपुर) । →सं ७-११२ ।

ताहिर—वास्तविक नाम ग्रहमद (?) । ग्रागरा निवासी । गुरु का नाम ग्रहमद । बादशाह जहाँगीर के समकालीन । सं १६५५-७८ के लगभग वर्तमान ।

ग्रद्भुत विलास (पद्य)→सं १-२४ क, सं ८- ४ ।

कोकशास्त्र (पद्य)→सं ४-११६ क ।

गुणसागर (कोकसार) (पद्य)→०६-२३५, ०६-३१६, २०-२ ए, बी, सं० ०१-१३६ ख, ग।

मुक्ति विलास (हठ प्रदीपिका) (पद्य)→सं० ०१-१४० ग।

रसविनोद (गद्यपद्य)→२३-५, ४१-४८३ (अप्र०)।

सामुद्रिक (पद्य)→१७-२।

तिथि जोग (ग्रंथ) (पद्य)—सेवाराम कृत। लि० का० सं० १८५५। वि० तिथियों का दार्शनिक वर्णन।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६६ झ।

तिथि निर्णय (पद्य)—प्रियादास कृत। लि० का० सं० १९२३। वि० राधावल्लभ संप्रदाय के अनुसार तिथियों का निर्णय।

प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर।→०६-२३१ डी।

तिथि प्रबंध (पद्य)—गंगादास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-७० क।

तिथि लीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० तिथियों का दार्शनिक विवेचन।

प्रा०—सेठ रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)।→३५-७४ जे।

तिब्ब अहसानी (गद्य)—वंशीधर (पंडित) कृत। लि० का० सं० १९५०। वि० यूनानी चिकित्सा।

प्रा०—श्री भोलानाथ त्रिपाठी, मलकिया, डा० झींगुर (प्रतापगढ)।→सं० ०४-३६१ क।

तिब्ब रत्नाकर (गद्य)—ठाकुरप्रसाद (पंडित) कृत। लि० का० सं० १९४३। वि० यूनानी चिकित्सा।

प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र, रतनपुर, डा० अलीगंज (खीरी)।→२६-४७६।

तिब्ब सहाबी (पद्य)—मलूकचंद कृत। वि० वैद्यक (फारसी ग्रंथ का अनुवाद)।→पं० २२-६३।

तिमिर दीप (पद्य)—अन्य नाम 'तिमिर प्रदीपिका'। श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७६८। वि० ज्योतिष।

(क) लि० का० सं० १९१२।

प्रा०—पं० दयाशंकर पाठक, मंडी रामदास, मथुरा।→१७-१८०।

(ख) लि० का० सं० १९१३।

प्रा०—सेठ जयदयाल तालुकेदर, कटरा, सीतापुर।→१२-१७८।

(ग) लि० का० सं० १९२६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२६८।

तिमिर प्रदीपिका→'तिमिर दीप' (श्रीकृष्ण मिश्र कृत)।

तिरजा टीका (पद्य)—परिपूरनदास कृत। वि ज्ञानोपदेश (कबीर के शब्द, हिंडोला और साखी की टीका)।
मा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६–२२१।

तिरजा की साखी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १६१। वि प्रकृति और ब्रह्म आदि का विवेचन।
मा —श्री बालमुकुंद मुराव रायपुर, डा बेनहका (बहराइच)।→ २१–१६८ बी।

तिल शतक (पद्य)—अन्य नाम 'तिलसत'। जुगतराम (जगतानंद) कृत। वि शरीर के तिलों की शोभा का वर्णन।
(क) लि का सं १८८६।
मा —ठा विक्रमसिंह रायपुर खाउन डा तौरा (उन्नाव)।→२६–२१२।
(ख) प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन मथुरा।→१२–९१।
(ग)→पं २२–५।

तिल सत→'तिल शतक' (जुगतराम कृत)।

तिलोक—वास्तविक नाम त्रिलोकदास। सेवक जाति के कवि। मेड़ता (मारवाड़) निवासी। सं १७२९ के लगभग वर्तमान।
भवनावली (पद्य)→ ६–१९।
मान बत्तीसी (पद्य)→ २–१७ ४१–८१६ (अप्र)।

तिलोक (सुनार)→'पर्वौनतिलोक (पद के रचयिता)।

तिलोचन—विष्णु स्वामी संप्रदाय के अनुयायी। सुप्रसिद्ध संत नामदेव के गुरुभाइ। ज्ञानदेव के शिष्य। जाति के महाजन।→सं ४ १ –७१।
पद (पद्य)→सं ७–१६ सं १ –५।

तिलोचनजी को परिचयी (पद्य)—अनंतदास कृत। लि का सं १ ५६। वि भक्त तिलोचन जी का परिचय।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–१ ल।

तीजा की कथा (पद्य)—हम्मदराम कृत। र का सं १७१। वि हरतालिका व्रत।
प्रा०—रसियानरेश का पुस्तकालय रसिया।→ ६–१४ ए।

तीनों स्वरूपों को पुस्तक (पद्य)—प्राणनाथ कृत। र का सं १८५१। वि स्वामी संप्रदाय के सिद्धांत।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६–१४९ एच।

तीरंदाजी रिसाला (गद्य)—मुहम्मदफाजिल (ख्वाजा) कृत। लि का सं १८२६। वि धनुर्विद्या।
प्रा०—पं कैलाशनारायण चतुर्वेदी मथुरा मार्दला मथुरा →१८–९५।

तीरथ के पडा (पद्य)—अहलाददास जवाहिरदास और गिरवरदास कृत। र० का० सं० १८७६-१८८४। लि० का० सं० १६२२। वि० तीर्थ यात्रा वर्णन।
प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानीकटरा (बस्ती)। →सं० ०४-११६।

तीर्थंकर राजमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-५१५।

तीर्थ महात्म्य(पद्य)—रामदास कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० तीर्थों की महिमा।
प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →२६-३८०।

तीर्थयात्रा (पद्य)—रामचरणदास कृत। लि० का० सं० १६०७। वि० तीर्थ माहात्म्य।
प्रा०—महंत जानकीदासशरण, अयोध्या।→०६-२४५ एल।

तीर्थराज—शाक द्वीपी ब्राह्मण। अलीपुर (बुंदेलखंड) के राजा अचलसिंह के आश्रित। पं० महावीरप्रसाद द्विवेदी के अनुसार डौंडियाखेरा के मर्दनसिंह के आश्रित। सं० १८०७ के लगभग वर्तमान।
समरसार (पद्य)→०६-११५, २०-१६४ ए, बी, २३-४२८, २६-४८१ ए, बी, सी, डी, दि० ३१-८६।

तीर्थराज→'प्रयागीलाल' ('रसानुराग' के रचयिता)।

तीर्थानंद (ग्रंथ) (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत०। र० का० सं० १८१० वि० ब्रजयात्रा वर्णन।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी।→०१-१२३।

तीसाचक्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६२२। वि० भगवत प्राप्ति के उपाय।
प्रा०—महंत रामचरित्र भगत, मठिया मनिअर, डा० मनिअर (बलिया)। →४१-२७४।

तीसाजंत्र (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० अध्यात्म।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ के।

तीसायंत्र (पद्य)—तुलसी कृत। लि० का० सं० १६०३। वि० संतमतानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री गुरुप्रसाद मिश्र, हीगनगांग, डा० फादीपुर (सुलतानपुर)। →सं० ०४-१४७।

तुकाराम—गुजरात निवासी।
शिव स्तुति (पद्य)→३८-१५२।

तुरसी—साह फकीरपंथी मत।
नवधाभक्ति विधान (पद्य)→सं० ०४-१४१।

तुरसीदास (निरंजनी)—उप० चनगुरुजी। लालदास के शिष्य। संभवतः गुलाब।
सं० १७७५ के पूर्व वर्तमान। इनके पंथ की गद्दी शेरपुर (राजस्थान) में है।
करनीसार जोग ग्रंथ (पद्य)→१५-१ सी; सं० ७-७ क।
चौरासी ग्रंथ (पद्य)→१८-१ बी सं० ७-७० ख।
तत्त्व गुन भेद जोग ग्रंथ (पद्य)→१५-१ एफ सं० ७-७ ग।
तुरसीदास की साखी (पद्य)→१५-१ इ बी ४१-६१।
पद (पद्य)→१५-१ ए, सं० ७-७ घ।
साखी (पद्य)→सं० ७-७ ब सं० १-५१।
साधु सुलच्छन जोग ग्रंथ (पद्य)→१५-१ डी सं० ७०-७ च।
तुरसीदास की साखी (पद्य)—तुरसीदास (निरंजनी) कृत। वि० निर्गुण उपदेश।
(क) लि० का० सं० १७७५।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, मंदिर गोकुलनाथ जी का गोकुल (मथुरा)।→
१५-१ बी।
(ख) लि० का० सं० १८१८।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व
विद्यालय वाराणसी।→१५-१ ई।
(ग) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-६१।
टि० खो० वि० १५-१ बी की प्रति का नाम अनुमित है।
तुरसी बानी→'तुरसीदास की साखी (तुरसीदास निरंजनी कृत)।
तुलसी—रामपुर (बुंदेलखंड ?) निवासी।
हनुमान टीका (पद्य)→२१-२११ सं० ४-१४५।
तुलसी—सं० १६ १ के पूर्व वर्तमान।
व सार्वभ (पद्य)→सं० ४-१४०।
तुलसी (बाब)—रागकल्पद्रुम पद नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।
→ १-६४ (तेरह)।
तुलसी कुंडलिया (पद्य)—तुलसी साहब कृत। वि० आपापंथ के सद्गुरु की महिमा
तथा सुरति नाम का प्रतिपादन।
प्रा०—श्री धर्मपाल चौहरे, नसीमपुर डा० लालाबाद (मथुरा)।→१२-२२१ ई।
तुलसी चरित्र (पद्य)—रघुनाथदास कृत। वि० गो० तुलसीदास जी का जीवन चरित्र।
(क) लि० का० सं० १९१६।
प्रा०—पं० मूलचंद तिवारी मगर डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-८९ ए।
(ख) लि० का० सं० १९२१।
प्रा०—अ० मोहनसिंह रईस विश्वनाथ पुस्तकालय डिकौलिया डा० बिसवाँ
(सीतापुर)।→२१-८४।

(ग) प्रा०—महाराजा श्री प्रकाशसिंह, राज्य मल्लाँपुर (सीतापुर)। → २६–८६ बी।

तुलसी चरित्र (पद्य)—रघुवरसिंह कृत। र० का० सं० १६१०। लि० का० सं० १६५५। वि० गो० तुलसीदास जी का जीवन चरित्र।

प्रा०—ठा० हरशरणसिंह, सरायअली, डा० केसरगंज (बहराइच)।→२३–३३५ बी।

तुलसी चिंतामणि (पद्य)—हरिजन कृत। र० का० सं० १६०३। वि० रामकथा।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६–४८।

तुलसीदास—सं० १६०६ के लगभग वर्तमान। कोई निर्गुण मतानुयायी संत।

ज्ञानदीपिका (पद्य)→०५–२१, ०६–३३८ बी, २३–४३२ डब्ल्यू, २६–३२५ एल,[3] एम[3]।

तुलसीदास की बानी (पद्य)→०६–३२३ आई, सं० ०१–१४२ क, ख।

तुलसी शब्दादि प्रकाश (पद्य)→सं० ०४–१४३ क, ख, ग।

भगवद् गीता (भाषा) (पद्य)→०६–३३८ ए।

रत्नसागर ज्योतिष (पद्य)→०३–३०, सं० ०१–१४२ ग, सं० ०४–१४३ घ।

तुलसीदास—संत। संभवतः हाथरस वाले तुलसी साहब।

पदुमसागर (पद्य)→सं० ०७–७३।

तुलसीदास—राज्यपुर (बुंदेलखंड) के निवासी।

हनुमान अष्टक (पद्य)→३८–१५३ ए, बी।

हनुमान विनय (पद्य)→दि० ३१–६१, ३८–१५३ बी।

तुलसीदास—सं० १७११ के लगभग वर्तमान।

रस कल्लोल (पद्य)→०६–३३६ ए।

रस भूषण (पद्य)→०६–३३६ बी।

तुलसीदास—सं० १६३६ के पूर्व वर्तमान।

मोहमुद्गर (गद्यपद्य)→सं० ०४–१४४।

तुलसीदास—संभवतः ब्रज निवासी।

मल्ल अखारी (पद्य)→३५–१०७।

तुलसीदास—(?)

अंकावली (पद्य)→०६–३२३ ए।

आरती (पद्य)→२०–१६६ सी।

उपदेश दोहा (पद्य)→०६–३२३ जे, पं० २२–११० एफ।

कवितावली रामायण (पद्य)→०३–८०, २३–४३२ ई, एफ।

छप्पय रामायण (पद्य)→०६–३१५ एच, २३–४३२ जी।

त्रिभंगी स्तुति (पद्य)→२६–३२५ के[3]।

दोहावली सतसई (पद्य)→२०–१६८ बी, २३–४३० बी[3]।

धर्मराय की गीता (पद्य)→२६–४८४ एन।

भुव प्रश्नावली (पद्य)→ ६–१२१ एम।
पदावली रामायण (पद्य)→ ६–१२१ बी।
बरवैरामायन (पद्य)→११ ४८४ एच।
बाहुसवाग (पद्य)→ १ ११।
मैंवरगीता (पद्य)→११–४१२ डी।
रामचंद्र की बारहमासी (पद्य)→२६–१२५ आई।
रामजी स्तोत्र (पद्य)→२६–१२५ बं[१]।
राममंगल (पद्य)→१२–२२१ बी।
राममंत्र मुक्तावली (पद्य)→ १–६७ १७–१६६ ए २१–४१२ एम[२] एन।
रामायण (लवकुशकांड) (पद्य)→२६–१२५ एल ओ।
विजय दोहावली (पद्य)→२६ ४८४ डब्ल्यू एक्स २६–१२५ एक्स[१];
दि ३१–६।
शिवरीमंगल (पद्य)→१२–२२१ डी।
संकटमोचन (पद्य)→२६–४८४ आर।
सतमक उपदेश (पद्य)→२६–४८४ एस।
साखी (गोसाँई तुलसीदास की) (पद्य)→२१–४१२ टी।
सूरज पुराण (पद्य)→ ६–१२१ एम १७–१६७ २–१९९ ए, बी
२१–४१२ डब्ल्यू[१] एक्स वाई बाइ २६ ४८५ बी से आई तक
दि ३१–६२।
हनुमतपंचक (पद्य)→२१–४१२ बी।
हनुमानचालीसा (पद्य)→पं २२–११२ सी २६–४८४ एक्स आर[२]
२६–१६ बाइ १२–२२१ ए।
हनुमानत्रिभंगी छंद (पद्य)→२६–२२५ एच।
हनुमान सात्विक (पद्य)→२६–४ ४ आई डब्ल्यू जेड।
हनुमान स्तोत्र (पद्य)→२६–४८४ ए।
टि उपर्युक्त ग्रंथों के रचयिताओं के विषय में विशेष जानकारी न होने के कारण
सभी ग्रंथ किसी संदिग्ध 'तुलसीदास (?)' कृत मान लिये गए हैं।

तुलसीदास—(?)
ज्ञान बारामासा (पद्य)→सं १–१४१ क, ख।
रामक्रम (पद्य)→सं १–१४१ ग।

तुलसीदास—(?)
हजारा (पद्य)→सं ४ १४६।

तुलसीदास—(?)
शालिग्राम माहात्म्य (पद्य)→सं ४ १४८।

तुलसीदास—(?)
रामचंद्र अवतार (पद्य)→१८–१५४।

तुलसीदास—(?)

विज्ञानगीता (पद्य)→स० १०–५३ ।

तुलसीदास→'तुलसी साहब' (हाथरस निवासी आपापंथी साधु) ।

तुलसीदास (गोस्वामी)—सुप्रसिद्ध महात्मा और भारतीय संस्कृति के अप्रतिम कवि । जन्म सं० १५८६ । मृत्यु सं० १६८० । राजापुर (बाँदा) निवासी । पिता का नाम आत्माराम दूबे और माता का नाम हुलसी । स्वामी रामानंद जी की शिष्य परंपरा के नरहरि । काशी के शेष सनातन जी के शिष्य । बाबा बेनीमाधवदास के गुरु ।

कवितावली (पद्य)→०३–१०५, २०–१६८ एफ, २३–४३२ वाई, जेड, ए[२], बी[२], २६–४८४ डी, ई[१], एफ[१], २६–३२५ आर[२], ४१–५०० क (अप्र०) ।

कृष्ण गीतावली (पद्य)→०४–१०७, ०६–३२३ ई २०–१६८ जी, पं० २२–११२ डी, २३–४३२ सी[२], २६–४८४ एन[१], २६–३२५ टी[२], यू[२], वी[२] ।

गीतावली (पद्य)→०४–६०, १७–१६६ ई, २०–१६८ आई, पं० २२–११२ बी, २३–४३२ क से पी तक, २६–४८४ आर, एस, २६–३२५ एस[२], ४१–५०० ग (अप्र०) ।

जानकीमंगल (पद्य)→०३–७६, ०६–२४५ एफ, १७–१६६ सी, २०–१६८ ई, २३–४३२ एक्स, २६–४८४ बी[१], सी[१], टी[१], २६–३२५ बी[३], सी[३], सं० ०४–१४१ क, सं० १०–५२ क ।

तुलसीसतसई (पद्य)→०६–२४५ सी, २३–४३२ ए[३], ३२–२२१ सी, सं० ०१–१४१ च ।

दोहावली (पद्य)→०४–६२, ०६–३२३ बी, २०–१६८ सी, पं० २२–११२ ए, २३–४३२ एच, आर, जे, २६–४८४ ओ, पी, क्यू २६–३२५ डब्ल्यू[१] ।

पार्वतीमंगल (पद्य)→०३–१२७, ०६–३२३ एफ ।

बरवै रामायण (पद्य)→०३–८०, ०६–२४५ ए, १७–१६६ जी, २३–४३२ ए, बी, सी, २६–४८४ एम ।

रामचरितमानस (पूर्ण) (पद्य)→००–१, १७–१६६ टी, ४१–५०० ड (अप्र०), सं० ० –१४१ च, ड ।

(खंडित)→२६–४८४ ओ[१], पी[१], सं० ०१–१४१ ग ।

(बालकांड)→०१–२२, २०–१६८ ए, २३–४३२ ओ[१], डी[१], २६–४८४ जे, के, एल, २६–३२५ ए से एफ तक, ४१–५०० घ, ज (अप्र०), सं० ०१–१४१ क, सं० १०–५२ ख, ग ।

(अयोध्याकांड)→०१–२८, २६–४८४ बी से एफ तक, २६–३२५ जी से जे तक, ४१–५०० च (अप्र०) सं० ०१–१४१ ख, सं० १०–५२ घ, ड ।

(अरण्यकांड)→२६–४८४ ए २६–३२५ के से पी तक, सं० १०–५२ च, छ, ज ।

(किष्किंधाकांड)→२३–४३२ पी , क्यू[२] , २६–४८४ जी[१] , २६–३२५ क्यू से

कश्मयू तक; सं १ -५२ म म, ट।

(सुंदरकांड)→२६-८८४ यू ; २६-१२५ एफ्स से डी[१] तक ४१-५ ह

(ग्राम) सं १ -५२ ट, ड ड।

(लंकाकांड)→२६-८८४ आई[१] जे के[१] २६-१२१ई[१] एफ[१] बी[१]; सं १ -५२ब त।

(उत्तरकांड)→२१-४१२ आर[१], एस[१] २६-४८४ बी[१]; २६-१२५ एम से एम[१] तक सं १ -५२ब ह।

रामलला नहछू (पद्य)→ १-१२६।

रामाज्ञाप्रश्न (पद्य)→ १-८७ १-६८ ६-२४५ डी ६-१२१ एच २०-१६८ एच पं २२-११९ ई २३-४१२ टी से वे तक २३-४१२ एल यू २६-८८४ एल[१] एम एन क्यू २६-१२१ डी[३] ई[३] एफ।

रामाज्ञा (पद्य)→सं ४-१४२ ख।

विनयपत्रिका (पद्य)→ ६-२४५ बी ६-१११ एल; १७-१६६ एफ २ -१६८ क २१-४१२ सी २६-४८४ बाइ जेड ए बी[१] सी २६-१२५ पी[१] क्यू ४१-१ क (ग्राम) सं १ -५२ब।

वैराग्य संदीपनी (पद्य)→ —→ १-८१ ६ २४५ ई १०-१६८ जे २६-४८४ डी[१] २६-१२५ए सं ४-१४२ ग।

सतसई चौपाई (पद्य)→२३-८१२डी[१]।

हनुमान बाहुक (पद्य)→ १-६ ६-२४५ बी ६-१११ डी के १०-१६८ डी २३-४१२ क्यू से पू तक २६-४८४ बी टी यू, बी २६-१ ५ जेड ; सं १-१४२ख सं ७-७१।

तुलसीदास (गोस्वामी)—संभवतः काशी निवासी। मानसकार से भिन्न।

राम मुक्तावली (पद्य)→सं ७—७१।

तुलसीदास की बानी (पद्य)—तुलसीदास कृत। वि ज्ञान वैराग्य उपदेश आदि।

(क) लि का सं १८६६।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ ६-१११ आइ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१४२ क।

(ग) प्रा —श्री रामदेव शुक्ल राजापुर डा गौराबादशाहपुर (जौनपुर)। →सं १-१४२ ख।

तुलसीदास चरित्र (पद्य)—बलरामकिशोरीशरण कृत। लि का सं १६६ । वि गो तुलसीदास जी की जीवनी और प्रशंसा।

प्रा —बाबू मैथिलीशरण गुप्त चिरगाँव (झाँसी)।→ ६-१२४ एन।

तुलसी भूषण (पद्य)—रसरूप कृत। र का सं १८११। वि छंद और अलंकार।

(तुलसी कृत 'मानस' आदि ग्रंथों के उदाहरण व्यवहृत)।

(क) लि का सं १८६७।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-११।

(सं १८८६ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–३२८ ।

तुलसी शब्दादि प्रकाश (पद्य)—तुलसीदास कृत । वि० ज्योतिष ।

(क) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—श्री इन्दुमणि शर्मा, चन्द्रजीतपुर, डा० सुजानगंज (जौनपुर) ।→ स० ०४–१४३ ख ।

(ख) लि० का० स० १६१२ ।

प्रा०—श्री बटेश्वरप्रसाद मिश्र, बगरिया (बस्ती) ।→स० ०४–१४३ ग ।

(ग) प्रा०—श्री आद्याशंकर त्रिपाठी, रुधउली, डा० सरपतहा (जौनपुर) । →स० ०४–१४३ क ।

तुलसी शब्दार्थ प्रकाश→'जयगोपालदास विलास' (जयगोपालदास कृत) ।

तुलसी सगुनावली→'रामशलाका' (गो० तुलसीदास कृत) ।

तुलसी सतसई (पद्य)—अन्य नाम 'राम सतसई' और 'सप्त शतक' । तुलसीदास (गोस्वामी कृत । वि० राम भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १८३६ ।

प्रा०—श्री रामशंकर बाजपेयी, बहोरी के बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–४३२ ए[3] ।

(ख) लि० का० स० १६०१ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–२४५ सी (विवरण अप्राप्त) ।

(ग) लि० का० स० १६०६ ।

प्रा०—श्री मोहनलाल, एदलपुर, डा० सादाबाद (मथुरा) ।→३२–२२१ सी ।

(घ) लि० का० स० १६११ ।

प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरघा, डा० पीरनगर (गोरखपुर) ।→ स० ०१–१४१ च ।

तुलसी सतसई सटीक (गद्यपद्य)—गोपीनाथ (पाठक) कृत । लि० का० स० १६२१ । वि० तुलसी सतसई या दोहावली के १०१ क्लिष्ट दोहों की टीका ।

प्रा०—पं० रमाशंकर बाजपेयी, बहोरिका बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३–१३५ ।

तुलसी साहब—अन्य नाम रामराव । हाथरस (अलीगढ) निवासी । जन्म स० १८१६ । आपापंथी साधु । इनके पिता पूना के राजा थे । स्त्री का नाम लक्ष्मी । कबीर पंथ से मिलते जुलते आपा पंथ के प्रवर्तक ।

घट रामायण (पद्य)→१२–१६०, २६–३२६ ए, बी ।

तुलसी कुंडलिया (पद्य)→३२–२२२ ई ।

तुलसी साहब की बानी (पद्य)→३२–२२२ एफ ।

रतनसागर (पद्य)→३२–२२२ ए, बी ।

रेखता (पद्य)→स० ०७–७४ क ।

चावनी की बारहमासी (पद्य)→सं ७—७४ ख।
शब्द या चेतावनी (पद्य)→सं ७—७४ ग।
संवाद फलकराम नानकपंथी और तुलसी साहब (पद्य)→२६–३२६ डी।
संवाद फूलदास कबीरपंथी और तुलसी साहब (पद्य)→२६–३२६ सी।
सतगुरु साहब की साखी (पद्य)→१२–२२२ सी।
सवैया तुलसी (पद्य)→१२–२२२ डी।

तुलसी साहब की बानी (पद्य)—तुलसी साहब कृत। वि कबीर और गोपाल की महिमा तथा अन्य संतों के वचन।
प्रा —श्री धर्मपाल बोहरे सलीमपुर डा सादाबाद (मथुरा)।→ १२–२२२ एफ।

तुलसी सिद्धार्थ (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि ज्योतिष तथा शकुन।
प्रा —पं नवकिशोर कोक्का (आगरा)।→२६–४१६।

तेज (कवि)—(?)
भ्रमरगीत (पद्य)→४१–८२ सं १–१४४।

तेजनाथ—सपहाँ गाँव के निवासी। सं १८६२ के पूर्व वर्तमान।
सामुद्रिक (पद्य)→२१–४१५।

तेजराम—कबीर के अनुयायी।
मौनिकी (पद्य)→सं ७ ७५ क ख ग।

तेजबिंदोपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि परब्रह्म ज्ञान विषयक तेजबिंदु उपनिषद् का अनुवाद।
प्रा —पं मथुरादास गोवर्द्धन (मथुरा)।→१८–२५ एफ।

तेजसिंह—कायस्थ। बालकृष्ण के पुत्र। फारसी के अच्छे ज्ञाता। सं १८२७ (?) के लगभग वर्तमान।
दफ्तरनामा (पद्य)→ ५–१४ ६–११४।

तेजसिंह (ठाकुर)—खिरिया (आगरा) निवासी। सं १६१ के लगभग वर्तमान।
ज्ञान चंद्रोदय (गद्य)→२६–४७७।

तेरह द्वीप पूजापाठ (पद्य)—लालचीत (जैन) कृत। र का सं १८७ । वि जैन धर्म के पूजा पाठ का विधान।
(क) प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→११–२४ ।
(ख) प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी मुजफ्फरनगर।→सं १ –११६।

तेरिज काव्य निर्णय (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत। लि का सं १६१५।
वि काव्य निर्णय का संक्षेप।
प्रा —प्रतापगढ़ नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़।→११–८१ डी।

तेरिज रस साराश (पद्य)—भिखारीदास (दास) कृत । लि० का० स० १६१४ ।
वि० रस साराश का सक्षेप ।
प्रा०—प्रतापगढनरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ ।→२६-६१ पी ।

तोवरदास—रायबरेली जिला के निवासी । सोमवशी क्षत्री । दूलनदास के शिष्य ।
सतनामी सप्रदाय के अनुयायी । स० १८८७ के लगभग वर्तमान ।→०६-७८, २३-१०८ ।
कुडलिया (पद्य)→स० ०४-१५० ।
शब्दावली (पद्य)→०६-३१८, २०-१६५, २६-४८३ ।

तोता मैना की कहानी (गद्य)—रगीलाल कृत । र० का० स० १८६६ । लि० का० स० १६०७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामा पुराऊ, बढमीरपुर, डा० मौरावाँ (उन्नाव) ।→२६-३६६ ।

तोताराम—(?)
जिकरी दंग राजा की (पद्य)→३२-२२० ।

तोफतुलगुर्बा→'क्लेश भजनी' (अब्दुलमजीद कृत) ।

तोषनिधि (तोष)—शुक्ल आस्पद के कान्यकुब्ज ब्राह्मण । स० १८३० में उत्पन्न । चतुर्भुज शुक्ल के पुत्र । कालपी निवासी । स० १७६४ के लगभग वर्तमान ।
दीनव्यग सत (पद्य)→१२-१८६, ३२-२१६ ।
रतिमजरी (पद्य)→२०-१६६ ।
सुधानिधि (पद्य)→०६-३१६ ।

तोषमणि→'तोषनिधि (तोष)' ('दीनव्यग सत' आदि के रचयिता) ।

त्रिकाडबोध (पद्य)—हजारीदास कृत । र० का० स० १८६६ । लि० का० स० १६४० ।
वि० कर्म, उपासना और ज्ञान का विवेचन ।
प्रा०—अनत श्री महत चद्रभूषणदास, उमापुर, डा० मीरमऊ (बाराबकी) ।→३५-४० बी ।

त्रिकाड वल्ली ज्ञानदीपिका (गद्यपद्य)—नारायण श्रमस्वामी परमहसकाचार्य कृत । र० का० स० १६०४ । लि० का० स० १६४८ । वि० आर्य ग्रथों और आर्य सस्कृति का वर्णन ।
प्रा०—श्री देवशकर पाडेय, भगवानपुर बढैया, डा० खैरहनी पहाड़गढ । (रायबरेली) ।→स० ०४-१६१ ।

त्रिताप अष्टक (पद्य)—केसवराई (केसौराइ) कृत । वि० विंदुमाधौ, विश्वनाथ और गगा की स्तुति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२५ ।

त्रिदेव स्तुति (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । वि० ब्रह्मा, विष्णु, महेश तथा गगा जी की स्तुति ।
प्रा०—प० दुर्गाप्रसाद, फतेहाबाद (आगरा) ।→२६-३२५ के[3] ।

त्रिपदा (त्रिपदपेदांत निर्णय (गद्य)—शिवदासाराम कृत। लि० का० सं० १८५१। वि० वेदांत।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→१८–२६।

त्रिमूर्ति आरती (पद्य)—शिवानंद (स्वामी) कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० स्तुति।
प्रा०—पं० रामस्वरूप शर्मा, पंडित का पुरवा मऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६८४४७।

त्रिया चरित्र (पद्य)—गोविंदसिंह (गुरु) कृत। र० का० सं० १७५१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला पुरुषोत्तमदास बर्फवाले, कालाकाँकर (प्रतापगढ़)।→११–१५५।

त्रियाभोग (पद्य)—सुंदरदास कृत। वि० रतिशास्त्र।
प्रा०—ठा० गिरवरसिंह जमींदार, बिहुली, डा० करनाहल (मैनपुरी)।→१२–२१।

त्रिलोक दर्पण (पद्य)—अन्य नाम त्रैलोक्य दीपक सार। खड्गसेन (जैन) कृत। र० का० सं० १७ १। वि० स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल लोक का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १६६।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→११–२ ८।
(ख) लि० का० सं० १६१।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १ –१६ ख।
(ग) प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १ –१६ क।

त्रिलोकदीप की चौपाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म के अनुसार सृष्टि क्रम और जगत की उत्पत्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३७१।
टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक किसी खरतरगच्छ के शिष्य की कृति है।

त्रिलोकमंगल पूजा पाठ (पद्य)—नंदराम जैन) कृत। र० का० सं० १६ । लि० का० सं० १६३७। वि० जैन प्रतिमा का पूजा विधान।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६६।

त्रिलोकसार (गद्य)—टोडरमल कृत। वि० जैन धर्मानुसार तीनों लोकों का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८८।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।→सं० ७–६८ क।
(ख) लि० का० सं० १६ १।
प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→११–१६६ सी।

त्रिलोकसिंह—बुंदेलखंड के क्षत्री। संभवत: कुँवर गोपालसिंह के पिता। अनुमानत: १८ वीं शताब्दी में वर्तमान।→०६–४२।

सभाप्रकाश (पद्य)→०६–३२१।

त्रिलोकसिंह—(?)

राजनीति चंद्रिका (पद्य)→४१–६३, सं० ०१–१४५।

त्रिलोचन (पांडे)→'तानसेन' (अकबर के समकालीन सुप्रसिद्ध संगीतज्ञ)।

त्रिलोचनदास—वैष्णव संप्रदाय के आचार्य। अनंतदास ने इनके नाम की परिचयी बनाई थी।→०६–५।

त्रिलोचनदास की परिचई (पद्य)—अनंतदास कृत। वि० त्रिलोचनदास की भक्ति का वर्णन।

प्रा०— महंत व्रजलाल जमींदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६–५ सी।

त्रिविक्रमदास—सं० १६०२ के पूर्व वर्तमान।

बसंतराज (भाषा) (गद्य)→१७–१६५, सं० ०४–१५१।

त्रिविक्रमसेन—राजा हमीरसिंह (?) के पुत्र। सं० १६६२ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (पद्य)→०६–३२२, २०–१६७, २३–४३०।

त्रिविध अंत:करण भेद (पद्य)—सुंदरदास कृत अनुपलब्ध ग्रंथ।→०२–२५ (चौदह)।

त्रिविध भावना (भाषा) (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। वि० वल्लभ संप्रदाय की सेवाभावादि का वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग कॉंकरोली।→सं० ०१–८८ क।

त्रिवेणीजू के कवित्त (पद्य) अन्य नाम 'पचासिका'। गणेश (कवि) कृत। वि० त्रिवेणी वर्णन।

प्रा०—श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, लखनौर, डा० रामपुर (आजमगढ)। → ४१–४७ ग।

त्रेपनक्रिया (भाषा) (पद्य)—किसनसिंघ (कवि) कृत। र० का० सं० १७८४। वि० अफीम, हलदी आदि विविध विषयों का वर्णन।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर→सं० १०–१४ क।

त्रैलोकनाथ श्रीलाल लाडिलीजू की चौसठ घडी को शृंगार (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७८२। वि० राधाकृष्ण की सेवा विधि।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली।→सं० ०१–५ ७।

त्रैलोक्य दीपक सार→'त्रिलोक दर्पण' (खगसेन या खड्गसेन जैन कृत)।

थान (कवि)—डोंडियाखेड़ा (बैसवारा) के निवासी। पिता का नाम निहाल, पितामह का महासिंह और परपितामह का लालराय। नाना का नाम धर्मदास, मामा का चंदन (प्रसिद्ध कवि और बंदीजन)। संभवत: गुरु का नाम सेवक। चंदरा (बैसवारा) के राजा दलेलसिंह के आश्रित। सं० १८४८ के लगभग वर्तमान।

दलेल प्रकाश (पद्य)→०६–३१७, २३–४२७, २६–४८०, सं० ०४–१५२।

थानमल (जैन)—फौजसिंह के पुत्र । टोंक (राजस्थान) के नवाब इब्राहीम अली खाँ के आश्रित । संभवतः पूर्वज अजमेर निवासी । टोंक चले जाने पर भी अजमेराकुल के नाम से ख्यात रहे ।

बीस विहरमान पाठ (पद्य)→सं १ -५४ ।

दृढ़िमद्र चौपाई (पद्य)—शीलदेव (जैन) कृत । वि जैन मुनिदेव का चरित्र ।→ रि ११-८ ।

देगनाथ—ग्वालियर के राजा कीरतसिंह के पुत्र मानुकुँवर के आश्रित । सं १६५ के लगभग वर्तमान ।

गीता (भाषा)→सं १-१४१ ।

दुर्गा पुराण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६ ६ । वि महाभारत पुराण की एक कथा ।

प्रा —चौधरी माताहीन लखुना (इटावा) ।→१५-१५२ ।

दंडक संग्रह (पद्य)—प्रभुदयाल कृत । वि शृंगार भक्ति और विनय ।

प्रा —पं बलमसिंह दिलखौली डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१२-१६६एक ।

दंपतावार्य—स्वामी रामानंद के अनुयायी ।

रस मंजरी (पद्य)→ ९-५४ ।

दंपति प्रस्तुपुर (पद्य)—जौहरमल कृत । र का सं १८६७ । वि भारत में पाए जाने वाली वस्तुओं का वर्णन ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१६१ ।

दंपति मानासुख (पद्य)—मुरलाल (गोसाईं) कृत । लि का सं १८६ । वि राधाकृष्ण की सेवा का विधान ।

प्रा०—पं मोहनलाल मधुखेड़ा डा गोमत (अलीगढ़) ।→१८-१४६ ।

दंपति रसिक तरंग (बारहमासा) (पद्य)—बनवारीदास कृत । मु का सं १६४४ । वि विरह शृंगार वर्णन ।

प्रा०—राजपुस्तकालय किला प्रतापगढ़ (प्रतापगढ़) ।→सं ४-२२८ ।

दंपति वाक्य विलास (पद्य)—अन्य नाम 'दंपति संवाद' । गोपालराय (भाट) कृत । र का सं १८८५ । वि परदेश का मुलमुल भ्याह बाबा सवारी और अन्यादि प्रबंध ।

(क) लि का सं १६०५ ।

प्रा —सेठ बनरयाल तालुकेदार कटरा सीतापुर ।→१२-६२ ए ।

(ख) पं २१-१२ बी ।

दंपति विलास→'रस सागर (बलबीर कृत) ।

दंपति संवाद →'दंपति वाक्य विलास (गोपालराय भाट कृत) ।

दयस→ मदनमुक्ता ('दयस विलास के रचयिता) ।

दयस विलास (पद्य)—मदनमुक्ता (दयस) कृत । र का सं १७३६ । लि का सं १८२४ । वि नायिकाभेद ।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर ।→१७-३ ।

दत्तसखि—गौड़ीय सम्प्रदाय के वैष्णव । स० १८३६ के लगभग वर्तमान ।

अष्टकाल की लीला (पद्य)→स० ०१-१४७ ।

दत्त—वास्तविक नाम देवदत्त । जाजमऊ (असनी और फन्नौज के बीच), कानपुर (?) के निवासी । टिकारी (गया) के कुँवर फतहसिंह और चरखारी के महाराज खुमानसिंह के आश्रित । स० १७६१-१८३० के लगभग वर्तमान ।

लालित्यलता (पद्य)→०३-५५, ०६-१६ ।

सज्जन विलास (पद्य)→०३-३६ ।

दत्त—वास्तविक नाम देवदत्त । भट्ट (काश्मीर) निवासी । जम्मू नरेश रणजीतसिंह के पुत्र कुँवर व्रजराज के आश्रित । स० १८१८ के लगभग वर्तमान ।

महाभारत (द्रोणपर्व) (पद्य)→०१-६३, २०-३४ बी ।

व्रजराज पचाशिका (पद्य)→२०-३४ ए ।

दत्त—संभवतः सुप्रसिद्ध अवधूत दत्तात्रेय । गोरखनाथ के समकालीन ।

सबदी (पद्य)→स० १०-१५ ।

दत्त→'गोपाल (जन)' (मऊ रानीपुर निवासी) ।

दत्त→'दत्तलाल' (गुलजार ग्राम के निवासी) ।

दत्त (कवि)—भरतपुर नरेश सूरजमल (सुजानसिंह, राज्यकाल स० १७१२-१७२० वि० तक) के आश्रित ।

सूरजमल की कृपाण (पद्य)→स० ०१-१४८ ।

दत्त गोरख सवाद—गोरखनाथ कृत ।→०२-६१ (पाँच) ।

दत्त जी—अन्य नाम दत्तात्रेय ।

आरती (पद्य)→सं० ०७-७६ ।

दत्तदास—(?)

समलनेत्र (भगवान) (पद्य)→२६-६१ ए, बी ।

रामाष्टक (पद्य)→२६-६१ सी ।

दत्तराम (माथुर)—सभवतः आगरा निवासी । स० १६२१-४३ के लगभग वर्तमान ।

अजीर्ण मजरी (गद्य)→२६-६२ ए २६-७६ ए ।

नाड़ी प्रकाश (गद्य)→२६-६२ बी, सी, २६-७६ बी ।

रमल नवरत्न दर्पण (गद्य)→२६-६२ डी ।

दत्तलाल—उप० दत्त । गौड़ ब्राह्मण । दयाराम के शिष्य । दिल्ली और हरियाना के बीच गुलजार ग्राम के निवासी । स० १७६० के लगभग वर्तमान ।

सतबारहखड़ी (पद्य)→१२-४८, १७-४५ ए, बी, प० २२-२३, स० १०-५६ ।

दत्तलाल की बारहखड़ी→'सतबारहखड़ी' (दत्तलाल कृत) ।

दत्त स्तोत्र (पद्य)—शुक्राचार्य कृत । लि का सं १८१८ । वि दत्त (दत्तात्रेय) की स्तुति ।

प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । →१५-६६ ।

दत्तात्रय—कोई सिद्ध । सिद्धों की बाणी' में संगृहीत ।→४१-५६ (छब्बीस) ४१-६४ ।

दत्तात्रय कथा (पद्य)—बलसिंह जू देव कृत । लि का सं १८८६ । वि दत्तात्रय अवतार का वर्णन ।

प्रा०—संपदेश भारती भंडार (रीवानरेश का पुस्तकालय), रीवाँ । → -१५ ।

दत्तात्रय की गोष्ठी (पद्य)—कबीरदास कृत । वि दत्तात्रय कबीर संवाद ।

प्रा —पं बैजनाथ ब्रह्मभट्ट ग्रमौली डा बिजनौर (लखनऊ) । → २६-१७८ बी ।

दत्तात्रय के चौबीस गुरु (पद्य)—जनगोपाल (गोपाल) कृत । लि का सं १८०५ । वि दत्तात्रय के चौबीस गुरुओं का वर्णन ।

प्रा —ठा वेनुसिंह, उमरा डा सिधौली (सीतापुर) ।→२१-१८ ए ।

दत्तात्रय लीला (पद्य)—मोहनदास कृत । लि का सं १८५१ । वि दत्तात्रय की लीला का वर्णन ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१ ८ ।

दत्तात्रय शब्द अविनासी (पोथी) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि तत्वज्ञान का उपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-११ ।

दत्तात्रेय→'दत्त जी ('आरती' के रचयिता) ।

दत्तात्रेय सत्संग उपदेश सागर(पद्य)—नायक कृत । र का सं १६२२ । वि दत्तात्रेय और उनके चौबीस गुरुओं की कथा ।

प्रा०—महंत रामचरित्र भगत मनियार (मठ), (बलिया) ।→४१-११८ क ।

दधिलीला (पद्य)—करनाराम कृत । वि श्रीकृष्ण की दधिलीला का वर्णन ।

(क) प्रा —बरम सदन अमेठी (सुलतानपुर) ।→सं १-११ ।

(ख) प्रा —श्री रामप्यारे भोरकटा डा मेंहदावल (बस्ती) ।→सं १-२७ ।

दधिलीला (पद्य)—अन्य नाम 'दानलीला । परमानंददास कृत । वि राधा का कृष्ण के प्रेम में दही बेचने जाना और मार्ग में कृष्ण का दही माँगना ।

(क) लि का सं १८७५ ।

प्रा —पं रमाकांत त्रिपाठी कुंडा डा गड़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-३४१ ए ।

(ख) लि का सं १८८३ ।

प्रा०—पं शशिकाप्रसाद दीक्षित, सौकरी डा तंबोर (सीतापुर) । → २६-३४१ सी ।

(ग) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—प० शत्रुघ्न जी, सिकदरपुर, डा० गिरौया (बहराइच) ।→२३-३१० जी ।

(घ) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा —प० उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →२६-३४१ डी ।

(ङ) प्रा०—श्री शिवनारायणलाल, रायबरेली ।→२३-३१० ए ।

(च) प्रा०—श्री कृपानारायण शुक्ल, मुशीगजकटरा, मलीहाबाद (लखनऊ) । →२६-३४१ बी ।

(छ) प्रा०—नागरीप्राचरिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५१४ (अप्र०) ।

दधिलीला (पद्य)—प्रभादास कृत । वि० श्रीकृष्ण और गोपियों की दधि लीला का वर्णन ।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग ।→स० ०१-२१६ ।

दधिलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि० श्रीकृष्ण का गोपियों से दूध दही माँगना ।

प्रा०—महत भगवानदास, टट्टी स्थान, वृंदावन (मथुरा) ।→१२-१०४ जी ।

दधिलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० श्रीकृष्ण की दधिलीला ।

प्रा०—चौधरी मातादीन, लखुना (इटावा) ।→३५-१५१ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—गणेश कृत । र० का० स० १८५२ । लि० का० स० १६३१ । वि० देशी राज्यों में कार्यालय सचालन विधि ।

प्रा०—लाला देवीदीन, अययगढ ।→०६-३२ बी ।

दफ्तरनामा (पद्य)—गुलालसिंह (बख्शी) कृत । र० का० स० १७५२ । लि० का० स० १८१३ । वि० कार्यालयों का हिसाब किताब रखने की विधि ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद , छतरपुर (बुदेलखड) ।→०५-२२ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—अन्य नाम 'दफ्तररस' । तेजसिंह कृत । र० का० स० १८२७ (?) । वि० देशी राज्यो के कार्यालयों में हिसाब किताब रखने की विधि ।

(क) प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर ।→०५-३४ ।

(ख) प्रा०—लाला कामताप्रसाद एकाउटेंट आफिस, बिजावर ।→०६-११४ ।

दफ्तरनामा (पद्य)—हिम्मतसिंह कृत । र० का० स० १७७४ । लि० का० स० १६०४ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला विद्याधर, होरीपुरा (दतिया) ।→०६-५२ ।

दफ्तररस→'दफ्तरनामा' (तेजसिंह कृत) ।

दमजरी कौ गुन (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दमजरी नामक जड़ी का गुण वर्णन ।

प्रा०—श्री परशुराम बोहरे, नगलाधीर, डा० बरहन (आगरा) ।→२६-३६० ।

दमयती नल की कथा (पद्य) - केवलकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत । वि० नल और दमयती की कथा ।

प्रा०—प० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी) ।→३८-८४ एन ।

दयाकुमार—श्रीधर शास्त्री (गौड़ा) कृत। वि नाटक।→पं २२-११६।

दयाकृष्ण—श्रविवासी ब्राह्मण। बलदेव (मथुरा) निवासी। सं १८६८-१६ २ तक वर्तमान।

कवित्तादि (पद्य)→१७-४६ ए।

पिंगल (पद्य)→१७-४६ बी।

बलदेव विलास (पद्य)→१७-४६ सी।

दयाकृष्ण—संभवत बुंदेलखंड निवासी।

फुटकर कविता (पद्य)→ ६-२१ ए।

पदावली (पद्य)→ ६-२१ बी।

दयाकृष्ण—लखनऊ के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के दीवान। नवलराय के पिता बेनी प्रवीन के आश्रयदाता। सं १८७४ के लगभग वर्तमान।→२०-११।

दयाकृष्ण—मथुरा निवासी। ठाकुर जी के मंदिर के पुजारी। नवीनराय के आश्रयदाता। →१२-११२।

दयाघन—'कवित्त टिप्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचाएँ संग्रहीत हैं।→ २-५७ (श्रज्ञातनाम)।

दयादास—संभवत बुंदेलखंड निवासी।

विनयमाल (पद्य)→ ६-२५।

दयादीपक (पद्य)—दयाल (कवि) कृत। र का सं १८८७। लि का सं १८८८। वि धर्म और नीति।

प्रा —माननीय रघुनाथराम शर्मा सर्वोपकारक पुस्तकालय गायघाट बाराणसी।→०१-९।

दयादेव—(?)

कवित्त (दयादेव के) (पद्य)→४१-२५।

दयानंद (स्वामी) का जीवन चरित्र (गद्य)—दयानंद सरस्वती (स्वामी) द्वारा स्वयं लिखित। र का सं १९३२। वि स्वामी दयानंद की आत्मकथा।

प्रा —प भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→०१-११५।

दयानंद सरस्वती (स्वामी)—प्रसिद्ध महापुरुष और आर्य समाज के संस्थापक (सं १९३१)। जन्म काल सं १८८१। मृत्यु काल सं १९४ । मोरवी (काठियावाड़) निवासी ब्राह्मण। अनेक ग्रंथों के प्रणेता। थियोसोफिकल सोसाइटी के संस्थापक कर्नल अलकाट से भारतेंदु जी एवं राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद के सामने इनकी बात चीत हुई थी।

दयानंद (स्वामी) का जीवन चरित्र (गद्य)→०१-११५।

दयानिधि—डौंडियाखेरा (अवध) के राजा अचलसिंह के आश्रित। सं १८५ के लगभग वर्तमान।

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→ १-४१; २९-८९ ए, बी; सं ४-१५१।

दयाबाई—चरणदास की शिष्या। प्रसिद्ध भक्त। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान। → दि० ३१-१८।

दयाबाई की बानी (पद्य)→२६-६२।

दयाबाई की बानी (पद्य)—दयाबाई कृत। लि० का० स० १६२७। वि० ईश्वर और गुरु की महिमा।

प्रा०—बाबा मनीरामदास, अरगाँव, डा० इटौजा (लखनऊ)।→२६-६१।

दयाबोध—गोरखनाथ कृत।→०२-६१ (दस), प० २२-३३ ए।

दयाबोध (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० स० १७६४। वि० अध्यात्म।

प्रा०—श्री महत जी, डिडवाना (जोधपुर)।→२३-३८१ ए।

दयाराम—(?)

केवल भक्ति (पद्य)→३८-२६ ए, बी, सी।

दयाराम—(?)

सदाशिवजी को ब्याहलो (पद्य)→३८-३८।

दयाराम— (?)

सामुद्रिक (पद्य)→०६-१५४।

दयाराम—ज्योधरा (आगरा) के जमींदार। अनिरुद्धसिंह और दलेलसिंह के भाई। कुशल मिश्र के आश्रयदाता। स० १८२६ के लगभग वर्तमान।→००-५७।

दयाराम (तिवारी)—प्रयाग निवासी। लच्छीराम (लक्ष्मीराम) के पुत्र। वदन कवि के पितामह। बेनीराम के गुरु। दिल्ली के चतुरसेन के आश्रित। स० १७७६-१७६५ तक वर्तमान।→०१-१०६, ०५-५७।

दया विलास (पद्य)→०१-५०, ०२-११४, ०६-६३, २०-३७, २३-८७ ए, बी, सी, २६-६४, ३८-३७, ४१-५०१ (अप्र०)।

योगचद्रिका की टीका (गद्य)→२०-३८।

दयाराम (पडित)—बख्तार कवि के आश्रयदाता और गुरु। स० १८६० के लगभग वर्तमान।→०१-५६।

दयाराम भाई—नर्वदा तट पर बसे चडीग्राम (अब चाणोद, गुजरात) के निवासी। नागर ब्राह्मण। वल्लभ सप्रदाय के अनुयायी। स० १८७० के लगभग वर्तमान।

अनन्य चद्रिका (पद्य)→स० ०१-१४६ घ।

कृष्णनाम चद्रिका (पद्य)→स० ०१-१४६ क।

दयाराम सतसई (टीका सहित) (गद्यपद्य)→स० ०१-१४६ ख।

वस्तु वृद नाम दीपिका (पद्य)→स० ०१-१४६ ड।

श्रीमद्भागवतानुक्रमणिका (भाषा) (पद्य)→स० ०१-१४६ ग।

दयाराम सतसई (टीका सहित) (गद्यपद्य)—दयाराम भाई कृत। र० का० सं० १८७२। लि० का० स० १८६५। वि० भक्ति, नीति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरौली । सं १-१४६ क ।

दयाल—(?)

मंत्री चरित्र (पद्य)→३८-३१ ।

दयाल (कवि)—गुजराती ब्राह्मण । वाराणसी निवासी । सं १८८७ के लगभग वर्तमान । श्री क्षेम शंकर के कहने से इन्होंने ग्रंथ की रचना की थी।

दयादीपक (पद्य)→ ६-६ ।

दयाल (कवि)—संभवतः भरतपुर के महाराज सुजानसिंह के आश्रित । सं १८१२-१८२ के लगभग वर्तमान ।

शिव महिम्न (पद्य)→४१-९६ ।

दयाल (जन)—(?)

धर्म संवाद (पद्य)→२६-१६१ २६-१६७ दि ११-४ ।

प्रेम लीला (पद्य)→ ६-११८ ।

दयाल (जन)—किसी बलराम के शिष्य ।

नासकेत पुराण (पद्य)→सं ७-७७ ।

दयालजी का पद (पद्य)—संग्रहकर्ता अज्ञात । वि ज्ञानोपदेश ।

इसमें निम्नलिखित कवि संगृहीत हैं—

१ हरीदास २ तुलसीदास ३ मीराँ ४ रामगोविंद ५ कृपानंद, ६ परमानंद, ७ सूरदास ८. जन श्रीतम ९. कबीर १ कबीर ११ भीम १२ नंददास १३ जन तुलसी ४ सुंदरदास १५. ब्रह्मदास १६ व्यास १७ मरवी १८. रामा १९ कृपा २ मनोहरदास २१ दादू २२. माधोदास ।

प्रा —जोधपुर नरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ ९-६४ ।

दयाकृष्णदास—उदयपुर के राणा जगतसिंह के आश्रित । सं १६७१-१६७६ के लगभग वर्तमान ।

राजप्रशस्ति (पद्य)→ -६४ १-१ ६-६१ ।

दयालदास—लालदास के गुरु ।

सुखसागर पुराण (पद्य)→सं १-११ ।

दयालदास—सं १८८२ के लगभग वर्तमान ।

हनुमत भभीकर रात विजय (पद्य)→२ -१६ ।

दयालदास—सूरजदास के गुरु । खेड़ापा के महंत । सं १८८५ के लगभग वर्तमान । →०१-६१ ।

दयालनेमि—(?)

भागवत दशमस्कंध (पद्य)→४१-९७ ।

दयालाल—(?)

प्रेमबत्तीसी (पद्य)→४१-९८ ।

दया विलास (पद्य)—अन्य नाम 'वैद्यक विलास'। दयाराम (तिवारी) कृत। र० का० सं० १७७६। वि० वैद्यक।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—पं० श्रीचंद्र, घुसवापुर, परगना बहराइच खास (बहराइच)। →२३–८७ सी।
(ख) लि० का० सं० १८७३।
प्रा०—महाराज भगवानबक्शसिंह, अमेठी (सुलनतापुर)।→२३–८७ ए।
(ग) लि० का० सं० १९१३।
प्रा०—श्री मथुराप्रसाद शिवप्रसाद साहु, आजमगढ।→०६–६३।
(घ) लि० का० सं० १९७५।
प्रा०—पं० रामदत्त शर्मा, ब्रह्मनीपुरा (इटावा)।→३८–३७।
(ङ) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता।→०१–५०।
(च) प्रा०—पं० पुरुषोत्तम वैद्य, ढुंढीकटरा, मिरजापुर।→०२–११४।
(छ) प्रा० भैया तालुकेदारसिंह, गोंडा।→२०–३७।
(ज) प्रा०—पं० मूलचंद वैद्य, छावनी बाजार, बहराइच।→२३–८७ बी।
(झ) प्रा०—पं० रामदुलारे मिश्र वैद्य, सरावाँ, डा० हमीदपुर (सुलतानपुर)। →२६–९४।
(ञ) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–५०१ (अप्र०)।

दया विलास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक, ओषधियाँ, मंत्र आदि।
प्रा०—स्वा० बाँकेलाल, गढमुक्तेश्वर।→१७–२१ (परि० ३)।

दया विलास (सभाजोत) (पद्य)—रामदया कृत। वि० ज्योतिष, वैद्यक, शालिहोत्र आदि।
प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह, तालुकेदार, कौरेठराफलाँ (सुलतानपुर)। →२३–३४२ ए।
टि० इसमें 'सर्वनीति प्रथमखंड, ज्योतिष भाषा, सामुद्रिक खंड, रागमला खंड, वैद्यकखंड और शालिहोत्र खंड संगृहीत हैं।

दयासागर सूरि—जैन।
धर्मदत्त चरित्र (पद्य)→००–११०।

दरजोधन—गोरखनाथ के शिष्य उदादास के शिष्य।
नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–७८ क, ख, ग, घ,।

दरस→'हरिदेव (भट्टाचार्य)' ('रंगभाव माधुरी' के रचयिता)।

दरसणदास (जन)—निरंजनी पंथी। मुकुंदास के गुरु। अमरदास के शिष्य।
पद (पद्य)→सं० ०७–७६।

दरसननावा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० शृंगार।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६क'।

हरसमझाव—महाराज ईश्वरीप्रसादनारायणसिंह (काशी नरेश) के आश्रित। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान। इन्होंने रामायण में से मुख्य मुख्य भावों का संग्रह किया है।

रामायण तुलसी कृत (पद्य)→ ६–५६।

हरसनावा (पद्य)—खान कवि (न्यामतखाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० शृंगार।

प्रा० —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं० १–१२६ इ।

हरियावराय (दौआ)—शाहनगर (?) निवासी। सं० ९८ के पूर्व वर्तमान।

कनक पचीसी (पद्य)→११–७७।

हरियारसिंह—कुरमी। मीबीपुर (कानपुर) निवासी। सं० १९८ के लगभग वर्तमान।

कोकशास्त्र (गद्य)→११–७८सी।

वैद्यक विनोद (गद्य)→११. ७८ए, बी।

हरियासागर (पद्य)—हरिया साहब कृत। लि० का० सं० १८८१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६–५६ई।

हरिया साहब—महात्मा। द्वारकंधा निवासी। सं० १८३७ में मृत्यु। ये अपने को कबीर का अवतार कहते थे।

अग्रज्ञान (पद्य)→सं० ४–१५२ख।

अनुभव बानी (पद्य)→१७–८१।

अमरसार (पद्य)→ ६–५५ए।

अक्षिफ्नामा (पद्य)→११–८८।

गोष्ठी हरिया साहब और गणेश पंडित (पद्य)→ ६–५६ सी।

ज्ञानदीपक (पद्य)→ ६–५५ आइ।

ज्ञानरत्न (पद्य)→ ६–५५एच सं० ४–१५२ग।

ज्ञानस्वरोदय (पद्य)→०६–५५ एफ सं० ४–१५ ग।

हरियासागर (पद्य)→ ६–५५ ई।

तीसक (हरिया साहब) (पद्य)→ ६–५५ डी।

ब्रह्मविवेक (पद्य)→०६–५५ बी।

भक्तिहेतु (पद्य)→०६–५५ सी सं० ४–१५४ घ।

रेखता हरिया साहब (पद्य)→ ६–५५ जे।

शब्द हरिया साहब (पद्य)→ ६–५५ के।

शब्दलीला (पद्य)→सं० १–१५१ क।

सतसैया हरिया साहब (पद्य)→ ६–५५ एल।

साखी (पद्य)→सं० १–१५१ ख।

हरिपविशोक पर्व (पद्य)—भक्तिदेव कृत। वि० महाभारत विशोक पर्व की कथा।

खो० सं० वि० ५१ (११–५४)

प्रा०—ठा० बद्रीसिंह जमींदार, खानीपुर, डा० बख्शी तालाब (लखनऊ)। →२६-२६३ बी।

दर्शन→'सुदर्शन' ('एकादशी माहात्म्य' के रचयिता)।

दर्शन कथा→'जिनदर्शन कथा' (भारामल्ल जैन कृत)।

दलजीत—(?

सुदामाचरित्र (पद्य)→स० ०'-१५२।

दलथभनसिंह—हथिया राज्य (नैमिषारण्य से चार योजन) के अधिपति। बलदेव द्विज ('श्रृंगार सुधाकर' के रचयिता) के आश्रयदाता।→सं० ०४-२३१।

दलपत (दौलतविजय)—(?)

खुमानरासो (पद्य)→४१-६६।

दलपति (मथुरिया)—मथुरा निवासी। स० १८४७ के पूर्व वर्तमान।

कालिकाष्टक (पद्य)→१२-४४।

दलपतिराम (राय)—अहमदाबाद निवासी। उदयपुराधीश महाराज जगतसिंह तथा बनरामपुर नरेश महाराज दिग्विजयसिंह के आश्रित। वंशीधर के समकालीन और सहलेखक। स० १७६८ के लगभग वर्तमान।→२०-४३।

अलकार रत्नाकर (गद्यपद्य)→०४-१३, १२-१८, १२-४५, २३-८२ ए बी, २६-८६ ए, बी।

श्रवणाख्यान (पद्य)→०६-५२।

दलपति राव—दतिया नरेश। कुँवर पृथ्वीसिंह या पृथ्वीचद (रसनिधि) के पिता। राज्यकाल स० १६४०-१७६४ (?)। इनकी दो रानियाँ थीं—गुमानकुँवरि (पृथ्वीसिंह की माता) और चदकुँवरि (रामचद्र की माता)। शिवदास के आश्रयदाता।→०६-१०८, २०-४।

दलसाहि (नृपति)→'दलेलसिंह' (चौहान क्षत्रिय राजा)।

दलसिंघानद प्रकाश (पद्य)—दास (दलसिंह) कृत। र० का० सं० १८६०। वि० विविध।

प्रा० महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०३-११०।

दलसिंह→'दास (कवि)' ('केदारपंथ प्रकाश' के रचयिता)।

दलेलपुरी—(?)

ग्रहभाव फल (पद्य)→३८-३४।

मुहूर्त चिंतामणि (पद्य)→३५-१६ ए बी, सी।

दलेल प्रकाश (पद्य)—थान (कवि) कृत। र० का० स० १८४८। वि० साहित्य शास्त्र।

(क) लि का सं १९४६।
प्रा —पं जुगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ९–११७।
(ख) लि का सं १९४६।
प्रा पं कृष्णबिहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ।→२६–४८ ।
(ग) लि का सं १९४६।
प्रा०—पं कृष्णबिहारी मिश्र ब्रजराज पुस्तकालय गंधौली (सीतापुर)। → सं ४–१५१।
(घ) प्रा —पं विपिनबिहारी मिश्र ब्रजराज पुस्तकालय गंधौली डा सिधौली (सीतापुर)।→२३–४२७।

दलेलसिंह—क्षत्री। स्योधरा (आगरा) के जमींदार। अनिरुद्धसिंह और दयाराम के भाई। कुशल मिश्र के आश्रयदाता। सं १८२६ के लगभग वर्तमान।→ ०–५७।

दलेलसिंह—चंद्रनगर के राजा। धानराम (धान) के आश्रयदाता। सं १८४८ के लगभग वर्तमान।→ ९–११७।

दलेलसिंह (राजा)—अन्य नाम दलशाहि नृपति। चौहान क्षत्रिय। करणपुर के राजा हेमंतसिंह के पौत्र और रामसिंह के पुत्र। करणपुर निवासी। बाद में रामगढ़ में निवास। शिवगढ़ और रामगढ़ के स्वामी। प्रद्युम्नदास के आश्रयदाता। सं १७१८ के लगभग वर्तमान।→ ४–१४ २६–११९ ४१–१११।
सुक्ति रत्नाकर (पद्य)→४१–१ क ख।
रामरत्नार्णव (पद्य)→४१ १ ग घ ङ।
शिवसागर (पद्य)→२०–१२ ए, बी ४१–१ च छ ज।

दवाओं की किताब (गद्य)—सुनिसिबा साहब (डाक्टर) कृत। वि चिकित्सा।
प्रा —डा जनकसिंह सुराखती फरहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी)। → १२–३५।

दश अवतार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि दशावतार वर्णन।
प्रा०—पं भागीरथीप्रसाद शुक्ला डा कौठौर (प्रतापगढ़)। → २६–३६ (परि १)।

दशकुमार चरित (पद्य)—बलदेव (कवि) कृत। वि संस्कृत ग्रंथ दशकुमार चरित का अनुवाद।
प्रा —ईश्वर लक्ष्मणप्रतापसिंह गाजिपुर (नीलगंगा) डा रैंदिया (इलाहाबाद)।→सं १–२११।

दशकुमार चरित (पद्य)—शिवदत्त (त्रिपाठी) कृत। वि संस्कृत ग्रंथ दशकुमार चरित का अनुवाद।

प्रा०—कुँवर लक्ष्मणप्रतापसिंह, आदिपुर (नौलगा), डा० हँडिया भाष (इलाहाबाद)।→सं० ०१–८१८।

दशमलव दीपिका (गद्य) – रचयिता अज्ञात। र० का० सं० १६३३। वि० गणित।
प्रा० – पं० बाबूराम शर्मा, धरवार, डा० भलरई (इटावा)।→३५–१५३।

दशम स्कंध (संक्षेप लीला) (पद्य)—माधवदास कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रज लीलाओं का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–२८६ ग।

दशरथ—महापात्र नरहरि के बंधु। सद्बंधु के पुत्र। चतुर्भुज (चतुर्भुज) के वंशज। असनी (फतेहपुर) निवासी। सं० १७६२ के लगभग वर्तमान।
नवीनाख्य (पद्य)→०६–१८, ४१–१०१ ख, ग, घ, सं० ०७–८०।
वृत्तविचार (पद्य)→०६–१५३, ०६–५७, ४१–१०१ क।

दश लाक्षणिक धर्मपूजा (गद्य)—रघू (जैन) कृत। वि० जैनधर्म विषयक धर्मपूजा।
प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ) ।→२६–२७७।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ अपभ्रंश की रचना है।

दशशीश—पाटन (आगरा) निवासी। सं० १७७५ के लगभग वर्तमान।
कोकसार (गद्यपद्य)→१७–४४।

दशावतार (पद्य)—जसवंत कृत। लि० का० सं० १८४०। वि० दस अवतारों का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२७४ बी (विवरण अप्राप्त)।

दशावतार (गद्यपद्य) – शंकराचार्य कृत। वि० दशावतार वर्णन।
(क) लि० का० सं० १७६५।
प्रा०—पं० शिवबालकराम, कपुरीपुर, डा० करहिया (रायबरेली)। → सं० ०४–३७५।
(ख) लि० का० सं० १८०४।
प्रा०—पं० अमरनाथ, दातापुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–४२४ ए।
(ग) प्रा०—श्री मन्नीलाल गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६–४२४ बी।

दशावतार कथा (पद्य)—पर्वतदास कृत। र० का० सं० १७२१। लि० का० सं० १७६६। वि० दस अवतारों का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–८७ ए।

दस विध पचखाँण सम्झाय (पद्य) रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७४० (लगभग)। वि० जैन धर्म।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२३३।

दस्तूर अमल (पद्य)—मुरलीलाल कृत । र का सं १९ ८ । वि राजनीति ।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-१११ ए ।

दस्तूर चिंतामणि (गद्यपद्य)—वीरसिंह कृत । वि गणित ।
प्रा०—पं पीतांबर भट्ट बानपुरा दरवाजा टीकमगढ़ ।→ ६-२ बी ।

दस्तूर मालिका (पद्य)—रामसिंह कृत । वि लीलावती के आधार पर गणित के सिद्धांतों का वर्णन ।
प्रा —लाला बख्तावरसिंह मुतसदी टीकमगढ़ ।→ ६-१ १ ।

दस्तूर मालिका (मालिका) (पद्य)—फतेहसिंह कृत । र का सं १८ ७ । वि व्यापार गणित ।
(क) लि का सं १८९८ ।
प्रा —राजा जगदंबाप्रसादसिंह अयोध्या ।→२ -४८ ए ।
(ख) लि का सं १९ ७ ।
प्रा —लाला देवीप्रसाद, छतरपुर ।→ ५-५४ ।

दस्तूर मालिका (पद्य)—कमलनयन (कमल) कृत । र का सं १८४७ । वि महीजाते की शिक्षा ।
(क) लि का सं १८९ ।
प्रा०—अजयगढ़नरेश का पुस्तकालय अजयगढ़ ।→ ६-५७ ।
(सं १९१२ की एक प्रति लाला देवीप्रसाद छतरपुर के पास है) ।
(ख) प्रा —लाला गयाप्रसाद, सिपाही परियावाँ (प्रतापगढ़) । → २१-२१८ ।

दस्तूर मालिका (गद्यपद्य)—वंशीधर कृत । र का सं १७९५ । वि भूमि और लेनदेन तथा व्यापारादि में प्रयुक्त होनेवाला गणित ।
(क) लि का सं १७८९ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ ६-१ ।
(ख) लि का सं १९ २ ।
प्रा —श्री रामशरणलाल श्रीवास्तव पूरेरामदीन शुक्ल (मझरिया इंदरिया), डा बाजार शुक्ल (सुलतानपुर) ।→सं ४-११ ।

दस्तूर शिकार का (गद्य)—रतनअली खाँ कृत । र का सं १८१९ । लि का सं १८१९ । वि शिकारी पक्षियों को पकड़ने पालने और उनके रोगादि का उपचार ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-८८९ ।

दस्तूर सागर (पद्य)—परमेश्वरीदास कृत । र का सं १८७९ । वि लीलावती के अनुसार गणित की क्रियाएँ ।
प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर ।→०५-४५ ।

दहमजलिस (हिंदी) (पद्य)—हरप्रसाद (भट्ट) कृत । लि० का० स० १७६२ । वि० इमाम हुसेन और मजीद के संग्राम की कथा ।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२-७० सी ।

दाताकर्ण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कर्ण के दान का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-५१८ ।

दाताराम—उप० दीनदास । बदल शुक्ल के पुत्र । चतुर नगर (परगना चाइल, इलाहाबाद) निवासी । बैजनाथ के शिष्य । सं० १९७४-३२ के लगभग वर्तमान ।

कविता (पद्य)→२६-९० बी ।

गोकुलकांड (पद्य)→०६-१६१ ।

गोपीविरह माहात्म्य (पद्य)→२६-९० ए, २९-९० डी ।

प्रेमविहारी (पद्य)→२६-९० सी ।

मदचरित्र (पद्य)→२९-९० सी, २९-९० बी ।

संग्रहीत लतिका (पद्य)→२६-९० डी, २९-९० ए ।

दादू→'दादूदयाल' (सुप्रसिद्ध संत) ।

दादू की बानी (पद्य)—अन्य नाम 'दादूदयाल की बानी' और 'दादूदयाल कृत संग्रह' । दादूदयाल कृत । वि० निर्गुण भक्ति ।

(क) लि० का० सं० १८१० ।

प्रा०—चौधरी गंगाराम, इगलास, अलीगढ ।→२९-७३ ।

(ख) लि० का० सं० १८२१ ।

प्रा०—एसियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-३७ ।

(ग) लि० का० सं० १८३४ ।

प्रा०—श्री लालताप्रसाद खजांची, सिधौली (सीतापुर) ।→२६-८५ ।

(घ) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-४२ ।

(ङ) प्रा०—पं० रतन जी, सिकंदरपुर, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-८१ ।

(च) प्रा०—श्री राधागोविंद जी का मंदिर, प्रेमसरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) । →३२-४७ ए ।

(छ) प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी । → ४१-५०२ (अप्र०) ।

दादूदयाल—दादू पंथ के प्रवर्तक प्रसिद्ध महात्मा । जन्म अहमदाबाद (?) में सं० १६०१ में । नराना (जयपुर के निकट) में सं० १६६० में मृत्यु । जनगोपाल, जगजीवनदास और सुंदरदास के गुरु ।→००-२८, ०२-६३, ०२-६४, ०६-१७५, ०६-२४२ ।

कायाबेलि (पद्य)→स० ०७-८१ क ।

दादू की बानी (पद्य)→०१-३७, १७-४२, २३-८१, २६-८५ २९-७३, ३२-४७ ए, ४१-५०२ (अप्र०) ।

पद या शब्द (पद्य)→१२-४७ बी सं ७-८१ ग ग घ सं १ -५७ क ख।

साखी पद्य)→सं ७-८ क ख ग स १ -५७ ग घ।

दादूदयाल की बानी→ दादू की बानी (दादूदयाल कृत)।

दादूदयाल कृत सबद→ दादू की बानी (दादूदयाल कृत)।

दादूदयालजी को जन्म लीला (पद्य)—जनगोपाल कृत। वि दादूदयाल का जन्म वृत्त।

(क) लि का सं १७४ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१६ क।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१६ घ।

दादू सबद→'पद या शब्द (दादूदयाल कृत)।

दानकथा (पद्य)—मारामल्ल (जैन) कृत। लि का सं १९ १। वि जैन धर्म की कथा।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर छविरामगंज टाटपट्टी मोहल्ला लखनऊ। → सं ८-२५८ ख।

दानचौंतीसी (पद्य)—माखन (लखेरा) कृत। लि का सं १६५२। वि कृष्ण की दानलीला।

प्रा —लाला कुंदनलाल बिजावर (बुंदेलखंड)।→ ६-१८।

(एक अन्य प्रति दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया में है)।

दानपचासी (पद्य)—कृपानिधि कृत। र का सं १८४८। वि कृष्ण जी की दानलीला।

प्रा —पं श्रीधर पाठक लूकरगंज इलाहाबाद।→१७-१ १।

दानपद (पद्य)—कुंभनदास कृत। राधाकृष्ण की दानलीला।

प्रा —पं तुलसीराम वैद्य माट (मथुरा)।→१२-१९८।

दानमाधुरी (पद्य)—माधुरीदास कृत। र का सं १६८७। वि कृष्ण की दानलीला।

(क) लि का सं १८११।

प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत जोधपुर।→४१-५४२ क (अपूर्ण)।

(ख) प्रा॰—पं केदारनाथ पाठक, बेसोआरीगंज, मिरजापुर। → २-१ ४ (नाठ)।

(ग) प्रा —बिजावरनरेश का पुस्तकालय बिजावर →६ १६१ (विवरण अप्राप्त)।

(घ) प्रा —बाबू विश्वेश्वरप्रसाद शाहआलँपुर।→१२- ४।

दानलीला (पद्य)—आनंद कृत। र का सं १८४ । लि का सं १८४१। वि कृष्ण का गोपियों से गोरस का दान माँगना।

प्रा॰—मालवीय रघुनाथराम सर्वोपकारक पुस्तकालय, गायघाट, वाराणसी। → १-४ बी।

दानलीला (पद्य)—उदय (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री रामचद्र सैनी, नेलनगज, आगरा ।→३२-२२३ सी ।

दानलीला (पद्य)—कुभनदास कृत । वि० कृष्ण और गोपियों की दानलीला ।
(क) लि० का० स० १६१८ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ० -४४ क ।
(ख) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१-४४ ख ।

दानलीला (पद्य)—कृष्णदास (पयहारी) कृत । वि० कृष्ण का गोपियों से दही माँगना, नखशिख और ज्ञानप्राप्ति ।
(क) लि० का० स० १८८१ ।
प्रा०—प० रामप्रसन्न मालवीय वैद्य, सुलतानपुर ।→२३-२१६ ए ।
(ख) लि० का० स० १६१३ ।
प्रा०—श्री वासुदेव पाडेय, कमास, डा० माधोगज (प्रतापगढ) ।→२६-२४७ ए ।
(ग) लि० का० स १६३० ।
प्रा०—प० शिवबिहारी दूबे, जाजमऊ, डा० राजेपुर (उन्नाव)।→२६-२४७ बी ।
(घ) लि० का० स० १६५३ ।
प्रा०—प० यशोदानद तिवारी, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-२१६ बी ।
(ङ) प्रा०—प० कृपानारायण शुक्ल, मुशीगज कटरा, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) ।→२६-२४७ सी ।
(च) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६-२४७ डी ।
(छ) प्रा०—महत मोहनदास, द्वारा बाबा पीताबरदास, सोनामऊ,डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→२६-२४७ ई ।

दानलीला (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि० का० स० १६२२ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा० –श्री छीतरमल, पिथौरा, डा० सिकदरराऊ (अलीगढ) ।→२६-१०७ सी ।

दानलीला (पद्य)—गिरिजेंद्रप्रसाद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—श्री शिवनारायणलाल, भोन (रायबरेली) ।→२३- २७ ।

दानलीला (पद्य)—गिरिधरचद्र कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महत मोहनदास, सोनामऊ, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→२६-१३६ ।

दानलीला (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—महत जगन्नाथदास, कबीरपथी, मऊ (छतरपुर) ।→०६-१४७ जी (विवरण अप्राप्त) ।

दानलीला (पद्य)—ध्यानदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर (बुदेलखड) ।→०६-१६ ए ।
(विवरण अप्राप्त) ।

दानलीला (पद्य)—अन्य नाम 'दानविनोद' । ध्रुवदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 (क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल राधारमण का मंदिर मिरजापुर ।→ ६-७१जे ।
 (ख) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर । ।→४१-११७ ब ।

दानलीला (पद्य)—परमानंद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलौत जोधपुर ।→४१-१३३ ।
 वि० प्रस्तुत ग्रंथ की भाषा गुजराती मिश्रित है ।

दानलीला (पद्य)—प्रियादास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—लाला दामोदर वैश्य कौंतीवाला लोई बाजार वृंदावन (मथुरा) ।
 →१२-१३८ सी ।

दानलीला (पद्य)—मनचित्त कृत । वि० ब्रजगमन के अवसर पर वासुदेव द्वारा दान करना ।
 प्रा०—भारत भवन पुस्तकालय छतरपुर ।→ ६-७१ ।

दानलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-१६५ ।

दानलीला (पद्य)—माधवदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्या विभाग कौंकरौली ।→र्स० १-२८७ ।

दानलीला (पद्य)—रसखान कृत । वि० कृष्ण के गोपियों से दही लेने की संक्षिप्त कथा ।
 प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-२११ ग ।

दानलीला (पद्य)—रसिक कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 (क) लि० का० सं० १८८८ ।
 प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→र्स० १-३३७ ।
 (ख) लि० का० सं० १९ १ ।
 प्रा०—पं० बाबूलाल दूबे कठिया डा० काकोरी (लखनऊ) ।→र्स० ७-१६२ ।

दानलीला (पद्य)—राधेप्रसाद कृत । लि० का० सं० १८२१ । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—पं० बंशीधर चतुर्वेदी असनी (फतेहपुर) ।→२ -१४१ ।

दानलीला (पद्य)—रामदत्त कृत । र० का० सं० ७५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—ठा० जगदेवसिंह गुबौली डा० बौंडी (बहराइच) ।→२३-१ १ ।

दानलीला (पद्य)—रामसखे कृत । वि० नाम से स्पष्ट
 (क) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान प्रबंधकर्त्ता (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर ।→ ४-८१ ।
 (ख) प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७-१५८ ए ।

दानलीला (पद्य)—वंशीधर कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
 प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→र्स० १-३८१ ।
 खो० सं० वि० ५२ (११ -५४)

दानलीला (पद्य)—व्रजभूषण (गोस्वामी) कृत । लि० का० सं० १८४८ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४०२ क ।

दानलीला (पद्य)—व्रजराज (पंडित) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १९११ ।

प्रा०—बाबू मुंशीलाल, कटरा, इलाहाबाद ।→४१–२६० क ।

(ख) लि० का० सं० १९३९ ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सोरॉव (इलाहाबाद) ।→४१–२६० ख ।

दानलीला (पद्य)—श्यामलाल (माथुर) कृत । र० का० सं० १८९१ । लि० का० सं० १९०० । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—पं० रामभरोसे गौड़, बीधापुर, डा० टप्पल (अलीगढ़) ।→ २६–३२२ बी ।

दानलीला (पद्य)—सूरदास कृत । लि० का० सं० १८४० । वि० श्रीकृष्ण की दानलीला ।

प्रा०—ठा० फतेहबहादुरसिंह, क्षत्रियपुर, डा० मझगवाँ (जौनपुर) ।→ सं० ०१–४६१ छ, ज ।

दानलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री रामस्वरूप शर्मा, पंडित का पुरवा, मधु, डा० परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६–३७ (परि० ३) ।

दानलीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३७६ ।

दानलीला→'उदय ग्रंथावली' (उदय कवि कृत) ।

दानलीला→'ग्वारिनी झगड़ा' (रामकृष्ण कृत) ।

दानलीला→'दधिलीला' (परमानंददास कृत) ।

दानलीला→'श्रीकृष्ण ग्वालिनि को झगरा' (संगम कृत) ।

दानलीला का बारहमासा (पद्य)—रामनाथ कृत । लि० का० सं० १९२७ । वि० कृष्ण जी का गोपियों से दही दान लेना ।

प्रा०—पं० जगतीप्रसाद, गोसाँईखेड़ा, डा० चमयानी (उन्नाव) ।→२६–३८४ए ।

दान लोभ संवाद (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । वि० दान और लोभ का विवाद ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६–७९ (सी सी) ।

दानविनोद→'दानलीला' (ध्रुवदास कृत) ।

दान विलास (पद्य)—विचित्र (कवि) कृत । र० का० सं० १७४० । लि० का० सं० १८२८ । वि० कृष्ण का गोपियों से दान माँगना ।

प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६–३१२ (विवरण अप्राप्त) ।

दामरी लीला (पद्य)—गौरीशंकर (चौबे) कृत । र० का० सं० १९४० । लि० का० सं० १९४० । वि० यशोदा के कृष्ण को ऊखल से बाँधने की कथा ।

प्रा —गो मधावानदास श्यामबिहारी लाल का मंदिर, पीलीभीत।→१२—४१ ए।

दामरी लीला (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि श्रीकृष्ण की दामरीलीला का वर्णन।

प्रा —पं शिवलाल सोनई (मथुरा)।→१८—१०१।

दामो—सं १५१६ के लगभग वर्तमान।

लक्ष्मणसेन पदमावती कथा (पद्य)→ ०—८८।

दामोदर (चौबे)→'उदराम (उदराम प्रकाश' के रचयिता)।

दामोदर (पंडित)—(?)

वाक्यर्सग (गद्य)→२६—२५५ ए; वि ११—११ सी।

दामोदर (वैद्य)—(?)

वैद्यक (गद्य)→२६—७६।

दामोदरदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। लालस्वामी के शिष्य। सं १६८७-१६६१ के लगभग वर्तमान।

गुरुप्रताप (पद्य)→१२—४१ बी ४१—५ १ ख (अप्र)।

वर्तमान कन्हाई यश (पद्य)→१२—४१ ए।

नेमबत्तीसी (पद्य)→१२—४१ डी; २६—७४ ४१—५ १ क ग (अप्र)।

पद (पद्य)→१२—४१ एफ ४१—१ १ क।

रासलीला (पद्य)→ १—४६ आई।

रास विलास (पद्य)→१२—४१ एच।

राधाकृष्ण वर्णन (पद्य)→४१—१ २ क।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→१२—४१ जी।

वसंत लीला (पद्य)→१२—४१ ई।

समय प्रबंध (पद्य)→ ६—६१।

सद्गुरु प्रताप (पद्य)→१२—४१ सी।

हरिनाम महिमा (पद्य)→४१—१ २ ग।

दामोदरदास—स्वा जगजीवनदास के शिष्य। सं १८८० के पूर्व वर्तमान।

मार्कंडेय पुराण (गद्यपद्य)→ १—६१।

दामोदरदास—परमानंददास के शिष्य। सं १७७७ के लगभग वर्तमान।

मोहविवेक की कथा (पद्य)→२६—७५ ए, बी।

दामोदरदास—(?)

ज्ञान प्रश्नावली (गद्य)→१ —८७।

दामोदरदास→ नाथूराम और दामोदरदास (जैन)।

दामोदरदास(गोस्वामी)—प्राणनाथ और रसिकसुजान के गुरु। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव।→१२-१३०, १२-१५८।

दामोदरदेव—दक्षिणी ब्राह्मण पद्मदेव के पुत्र। ओड़छा के महाराज सम्मीरसिंह के गुरु। सं० १८८८-१९२२ के लगभग वर्तमान।

उपदेश अष्टक (पद्य)→०६-२४ सी।

बलभद्र पचीसी (पद्य)→०६-२४ ई।

बलभद्र शतक (पद्य)→०६-२४ बी।

रससरोज (पद्य)→०६-२४ ए।

वृंदावनचद्र शिखनख ध्यान मंजूषा (पद्य)→०६-२४ डी।

दामोदर लीला (पद्य)—उदय (उदयराम) कृत। र० का० सं० १८५२। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२५।

दामोदर लीला (पद्य)—देवीदास कृत। वि० श्रीकृष्ण चरित्र (कृष्ण के ऊखल में बाँधने का वर्णन)।

(क) लि० का० सं० १८६५।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, सहायक विद्यालय निरीक्षक, बीकानेर।→२३-८६ ए।

(ख) लि० का० सं० १८८५।

प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-६८।

दामोदर स्वामी के पद→'पद' (दामोदरदास कृत)।

दामोदर हरसानी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वल्लभाचार्य और दामोदरदास की भक्ति विषयक वार्ता।

प्रा०—पं० श्यामलाल, भरोठा, डा० सोनई (मथुरा)।→३८-१७२।

दामोदर हरिदास चरित (पद्य)—अन्य नाम 'ज्ञानावली'। बाँकीदास (बीठू) कृत। र० का० सं० १८८३। वि० गुरु शिष्य का चोरों को उपदेश देकर चोरी के कर्म से मुक्त करना।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-१६०।

दाराशिकोह→'दारासाहि' ('दोहासार संग्रह' के रचयिता)।

दारासाहि—अन्य नाम दाराशिकोह। शाहजहाँ बादशाह के बड़े पुत्र। लालबाबा के आश्रयदाता। सं० १७१० के लगभग वर्तमान।→२३-२३६।

दोहासार संग्रह (पद्य)→०६-१५२, सं० ०४-१५५।

दाशरथिदास—उप० दिव्य। अयोध्या निवासी। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

रामलीला सहायक (पद्य)→२०-३३।

दाशरथि दोहावली (पद्य)—रत्नहरि कृत। र० का० सं० १६२०। लि० का० सं० १६२१। वि० रामचरित्र।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१६२ ए।

दास—दादूपंथी।

पंचपारख्या (पद्य)→सं १-१५१।

दास—संभवतः कबीर के अनुयायी।

पद (पद्य)→सं ७-८२ क।

भक्त विरुदावली (पद्य)→सं ७-८२ ख।

दास (?)—संभवतः भिखारीदास।

रघुनाथ नाटक (पद्य)→११-२।

दास—(?)

ब्रजमहारस चंद्रिका (पद्य)→सं १-१५५।

दास—(?)

राग निर्णय (पद्य)→सं १-१५४।

दास→ भिखारीदास (हिंदी के सुप्रसिद्ध कवि)।

दास—(कवि)—पूरा नाम दलसिंह। पटियाला नरेश महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। सं १६१ के लगभग वर्तमान।

नेहारचंद प्रकाश (पद्य)→ १-१ ६।

दलसिंघानंद प्रकाश (पद्य)→ १-११।

दासगिरंद—क्षत्रिय। नवाब रामपुर (मुरादाबाद) के निवासी।

हरिभजन (पद्य)→२६-११६।

दासगोपाल→'गोपाल' (दासगोपाल)' ('रामरसिक रागमाला' के रचयिता)।

दासमनोहरनाथ—गुजराती कवि के गुरु। 'स्याल टिप्पा नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-५७ (सैंठोल) ८-२८।

दासराम—सं १७७१ के लगभग वर्तमान।

भक्ति उक्ति कृष्ण आज्ञा (पद्य)→सं ४-१५६।

दासराम—(?)

सर्वकांड (पद्य)→सं १-१६७।

दासानुदास—गो तुलसीदास जी के परम भक्त।

तुलसी चरित्र (पद्य)→२१-८४ २६-८९ ए, बी।

दिग्गज (कवि)—महाराज उद्योतसिंह के पुत्र दीवान पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं १७६६ के लगभग वर्तमान।

भारत विलास (पद्य)→ १-१८।

दिग्विजय चंपू (पद्य)—गिरधरदास मयाचर कृत। र का सं १६१। लि का सं १६१२। वि महाराज दिग्विजयसिंह का यश वर्णन।

प्रा०—श्री लक्ष्मीदेव द्विवेदी ब्रह्मौनगर, गोरखपुर।→सं १-४१६।

दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत । र० का० सं० १६२५ । लि० का० सं० १६२५ । वि० अलंकार ।
प्रा०—बाबू ओंकारनाथ टंडन, तालुकदार और ऑनरेरी मजिस्ट्रेट, सीतापुर ।→ २६–१४३ बी ।

दिग्विजय भूषण (गद्यपद्य)—रामस्वरूप कृत । वि० गोकुल कवि कृत 'दिग्विजय भूषण' की टीका ।
प्रा०—श्री उर्वीधर त्रिवेदी, पुरहिया, डा० निगोहाँ (लखनऊ)। → सं० ०४–३४४ ।

दिग्विजयसिंह—बलरामपुर (गोंडा) के राजा । राजा अर्जुनसिंह के पुत्र । दलपतिराम, गोकुल और शिवदास गदाधर के आश्रयदाता । सं० १६२० के लगभग वर्तमान ।
→०६–५२, ०६–६५, २६–१४३, सं० ०१–४१६ ।
छंद दस्तखत (पद्य)→२०–४३ ।
नीति रत्नाकर (पद्य)→सं० ०१–१५८ ।

दिग्विजयसिंह—सुजाखर (प्रतापगढ) के क्षत्री । तालुकेदार । दुर्गालाल कायस्थ के शिष्य । बीसवीं शताब्दी में वर्तमान । →२६–१११ ।
अनुराग विलास (पद्य)→२६–१०६ ।

दिग्विजयसिंह—भिनगा नरेश । जगतसिंह के पिता । सं० १८२० के लगभग वर्तमान ।
→०६–१२७, २०–६४ ।

दिन नापने का कायदा (गद्यपद्य)—लेखराजसिंह कृत । वि० ज्योतिष के अनुसार दिन नापने की विधि तथा जन्म विचार ।
प्रा०—श्री मोहरमन, गढनान, डा० उरावर (मैनपुरी) ।→३५–५७ ।

दिनमनि वंशावली गुण कथन (पद्य)—सिंधु (कवि) उप० आनंद कृत । वि० उदयपुर के महाराणाओं की वंशावली ।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→सं० ०१–४४८ ।

दिनेश—बैजनाथ के पिता । संभवत अच्छे कवि भी । सं० १६२४ के पूर्व वर्तमान ।
→२६–२४ ।

दिनेश (पाठक)—मगपुरपट्टन के निवासी । दामोदर के पुत्र । राजा अमरसाहि के अनुज प्रबलसिंह के आश्रित । सं० १७२४ के लगभग वर्तमान ।
रसिक सजीवनी (पद्य)→४१–१०३ क, ख ।

दिल बहलाव (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १६४० । वि० संगीत ।
प्रा०—लाला बालकराम, गोविंदपुर, डा० मोथोगंज (हरदोई) ।→२६–३६६ ।

दिल बहलाव (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० गजल ख्याल और भजनों का संग्रह ।
प्रा०—लाला सूरजदीन महाजन, लदपुरा, डा० जसवंतनगर (इटावा)।
→३५–१६० ।

दीक्षामंगल (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। लि० का० सं० १८२५। वि० गुरु दीक्षा लेने का माहात्म्य।
प्रा०—गो० कुंजीलाल, बरसाना (मथुरा)।→३२–२३२ बी।
दीतवार की कथा (पद्य)—बनारसी कृत। वि० रविवार व्रत की कथा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, अछनेरा (आगरा)।→३२–१८ बी।
दीतवार की कथा (पद्य)—मनोहरदास कृत। लि० का० सं० १९१५। वि० जैन धर्मानुसार रविवार की कथा का वर्णन।
प्रा०—डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→सं० ०७–१४६।
दीन—(?)
झूलणा (पद्य)→३८–४३।
दीन→'हितललित' ('हिताष्टक' के रचयिता)।
दीनदयाल (गिरि) हिंदी के प्रसिद्ध कवि। दशनामी सन्यासी। काशी निवासी। सं०१८५९ में जन्म और सं० १९२२ में मृत्यु।
अंतर्लापिका (पद्य)→०४–९९।
अनुरागबाग (पद्य)→ ४–४०, २३–१०४ ए, बी।
अन्योक्तिमाला (पद्य)→२३–१०४ सी, डी, सं० ०४–१५७ क।
काशी पंचरत्न (पद्य)→०६–९१, सं० ०४–१५७ ख।
कुंडलिया (पद्य)→२३–१०४ ई।
चकोरपंचक (पद्य)→०४–७१।
चित्रकाव्य (उदधिबंध) (पद्य)→३८–४५।
दीपक पंचक (पद्य)→०६–९२।
दृष्टांत तरंगिणी (पद्य)→०६–७७, ०९–७६ ए २०–४६, २३–१०४ एफ, जी।
फुटकर रचनाएँ (पद्य)→सं० ०४–१५७ ख।
भगवती पंचरत्न (पद्य)→सं० ०४–१५७ ख।
विश्वनाथ नवरत्न (पद्य)→०४–४४, सं० ०४–१५७ ख।
वैराग्य दिनेश (पद्य)→०९–७४ बी, २३–१०४ एच।
दीनदास—(?)
फलग्रंथ (पद्य)→सं० ०४–१५८।
दीनदास→'दाताराम' (चतुरनगर, इलाहाबाद निवासी)।
दीनदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। बछरावाँ (रायबरेली) के निवासी। जाति के कुर्मी। गुरु का नाम बाबा रामसहाईदास।
अघनासन (पद्य)→सं० ०४–१५९ ख।
बानी (पद्य)→सं० ०४–१५९ क।
दीनबंधु (कुर्मी)—अनिखा निवासी।

रामचरन दर्शन (पद्य)→१८-४४ ।

दीनव्यंग शत (पद्य)—भवानीप्रसाद (शुक्ल) कृत । लि का सं १९१९ । वि व्यंग वचनों द्वारा ईश्वर विनय ।

प्रा —पं बनवारीलाल लखपति मुहल्ला द्वारा श्री केशवदेव रोरीवाले हाथरस (अलीगढ़) ।→१७-२४ ए ।

दीनव्यंग सत (पद्य)—दीपनिधि (दोप) कृत । वि ईश विनय ।

(क) लि का सं १९२ ।

प्रा —पं ज्वालाप्रसाद मिश्र दीनदारपुर (मुरादाबाद) ।→११-१८६ ।

(ख) लि का सं १९३१ ।

प्रा —पं लक्ष्मीलाल सहपऊ (मथुरा) ।→१२-२११ ।

दीनानाथ—बालकृष्ण ब्राह्मण । सं १८८४ के पूर्व वर्तमान ।

अयोध्या खंड (भाषा) (पद्य)→२६-१ ७ ।

दीनानाथ (?)—ज्ञानानंद के शिष्य ।

विनय दर्शन (पद्य)→२६-६१ ।

दीनानाथ—(?)

भक्त मंजरी (पद्य)→०६-७१ ।

दीनानाथ—पुष्करणा ब्राह्मण । लक्ष्मीनाथ के पिता । बालकृष्ण के पुत्र । सं १८८१ के पूर्व वर्तमान ।→ २-२१ ।

दीप (कवि)—वास्तविक नाम दीपचंद । जैन वैश्य । १८वीं शताब्दी में वर्तमान ।

अनुभव प्रकाश (गद्य)→२६-६१ सं १ -५८ क ख ।

ज्ञानदर्पण (पद्य)→१७ ५१ ।

दीपक पंचक (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । वि दीपक संबंधी उत्प्रेक्षाएँ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४ ६२ ।

दीपचंद—कृष्ता निवासी । स १८२५ के लगभग वर्तमान ।

स्त्री चिकित्सा (गद्य)→पं २२-२६ ।

दीपनारायणसिंह—काशी नरेश महाराज उदितनारायणसिंह के अनुज । ब्रह्मदत्त कवि के आश्रयदाता । सं १८६६ के लगभग वर्तमान ।→ १-८९ ।

दीपप्रकाश (पद्य)—ब्रह्मदत्त (उपाध्याय) कृत । र का सं १८६६ । लि का सं १८६६ । वि नायिकाभेद ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-५२ ।

दीप रामायण (पद्य)—भगवतदास कृत । लि का सं १८८६ । वि रामचरित्र ।

प्रा —ठा बलरामसिंह सिरिया का महमूदपुर सेमरी (सुलतानपुर) ।→सं १-२४० ।

दीपविजय—जैन । सं १८८१ के लगभग वर्तमान ।

सिद्धांत पच्चीसी (पद्य)→वि ११-३ ८, वी ।

खो सं वि ६४ (११ -६४)

दीपा जी—कोई संत।

नौनिधि (पद्य)→सं० ०७–८३।

दीपासाहु—टोडरशाह के पुत्र। जिनदास पांडेय के आश्रयदाता।→सं० ०४–१३२।

दीरघ—(?)

वंशी वर्णन (पद्य)→०६–७६।

दीरघ पचीसी→'वंशी वर्णन' (दीरघ कृत)।

दुकूल चितावनी (पद्य)—लाल (कवि) कृत। र० का० सं० १८६८। लि० का० सं० १६०७। वि० शृंगार।

प्रा०—श्री साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय, गूढ, डा० खजुरो (रायबरेली)।→सं० ०४–३५४ क।

दुखभंजन—बबुरी गाँव (बाराबंकी) निवासी।

अपने भाई महामहोपाध्याय पं० भोजराज के शिष्य। सं० १६०७ के लगभग वर्तमान।

कवि कौतुक (पद्य)→२३–१०६।

दुखहरन—कायस्थ। गाधीपुर (गाजीपुर) निवासी। पिता का नाम घाटम। गुरु का नाम मलूकदास। संभवत: शिवनारायण स्वामी के गुरु। औरंगजेब बादशाह के समकालीन। सं० १७२६ में वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→४१–१०५ क।

पुहुपावती (पद्य)→४१–१०५ ग।

प्रह्लाद चरित्र (पद्य)→सं० ०१–१५६ क, ख, ग।

भक्तमाल (पद्य)→४१–१०५ ख।

दुखीराम (बरनवाल)—गोठनी गाँव, परगना चौवरमी (सारन, बिहार) के निवासी। सं० १८५३ के लगभग वर्तमान।

बोलार चरित्र (पद्य)→सं० ०१–१६०।

दुनियापति—सेमरी (?) ग्राम के निवासी। प्रपौत्र का नाम जगन्नाथबक्स। सं० १८८७ में वर्तमान।

रामायण (रामलघुचरित्र) (पद्य)→सं० ०४–१६०।

दुनियामणि—(?)

भजन मुक्तावली (पद्य)→२०–४७।

दुरजोधन (दुर्योधन)→'दरजोधन' ('नौनिधि' के रचयिता)।

दुर्गाकवच (भाषा टीका) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४३। वि० दुर्गा जी की भक्ति।

प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, ज्योतिष रत्न, बनजारान मुजफ्फरनगर।→सं० १०–१५६।

दुर्गाचालीसा (पद्य)—देवीदास कृत। लि० का० सं० १९६ । वि० दुर्गा की स्तुति।
प्रा०—पं० इच्छाराम मिश्र, करहरा डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→१५-२१।

दुर्गादत्त—काशी निवासी। पं० अंबिकादत्त व्यास के पिता। १९ वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।
कवित्त संग्रह (पद्य)→ ६-७९।

दुर्गादत्त (द्विवेदी)—रायबरेली के निवासी। इनके पौत्र पं० मार्तंड द्विवेदी इस समय उक्त स्थान में हैं। २० वीं शती के पूर्वार्द्ध में वर्तमान।
वैद्यदर्पण (गद्य)→सं० ४-१११।

दुर्गादास—(?)
स्याल बारहखड़ी (पद्य →१२-५७ बी।
स्याल शिवाजी का (पद्य)→१२-५७।

दुर्गादास→ दुर्गाप्रसाद ('प्रबीनसिंह फते ग्रंथ' के रचयिता)।

दुर्गादेवी—(?)
नाटिका (गद्य)→४१-१ ६।

दुर्गापाठ (टीका भाषा सहित) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १९४५। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रघुनाथप्रसाद कौशिक, सद्गोविरत्न बनवारान मुजफ्फरनगर।→ सं० १०-१९।

दुर्गापाठ (भाषा)(पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। र० का० सं० १७७९। वि० दुर्गा सप्तशती का अनुवाद।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→ १-४।

दुर्गापाठ (भाषा)→ उत्तम चरित (अक्षरअनन्य कृत)।

दुर्गाप्रसाद—अन्य नाम दुर्गादास। किसी राजाराम पंडित के आश्रित। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।
प्रबीनसिंह फते ग्रंथ (पद्य)→ -४१ सं० ४-१६२।

दुर्गाप्रसाद—मनसाराम के पुत्र। हसनापुर (अलवर) निवासी। सं० १९१७ के लगभग वर्तमान।
बाराह पुराण (पद्य)→१९-३४ ए, बी।
लीला नरसिंह अवतार (पद्य)→१९-३४ सी।

दुर्गाप्रसाद—सं० १९११ के लगभग वर्तमान।
लिंगपुराण (भाषा) (गद्य)→२६ ११२ ए, बी सी डी।

दुर्गाप्रसाद (कायस्थ)—भवानीलाल के पुत्र। गयाप्रसाद, देवीप्रसाद और महेशप्रसाद इनके भाई। सं० १९९८ के लगभग वर्तमान।→ ५-५१।

गजेंद्र मोक्ष (पद्य)→०५–५२ ।

दुर्गाप्रसाद (त्रिपाठी)—सखरेज (मालवा) निवासी ।

वैद्यविनोद (पद्य)→२६–११३ ।

दुर्गाप्रसाद (द्विवेदी)—याकूतगज (फर्रुखाबाद) के निवासी ।

विवाह पद्धति (गद्य)→३५–२३ ।

दुर्गाप्रसाद (वाजपेयी)—कहीं के सिपाही ।

सग्रह (पद्य)→३८–४६ ।

दुर्गाभक्ति चद्रिका (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । र० का० स० १७४६ । लि० का० स० १८५१ । वि० शुभ निशुभ और दुर्गाजी का युद्ध ।

(क) लि० का० स० १७६६ ।

प्रा०—रत्नाकर सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४८० (अप्र०) ।

(ख) लि० का० स० १८५१ ।

प्रा०—श्री वशीधरलाल, टेगरा, गोकुल (मथुरा) ।→१२–१०० ।

दुर्गाभक्ति तरगिणी (पद्य)—श्रीकृष्ण (भट्ट) कृत । वि० देवी चरित्र और माहात्म्य ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–४२७ ।

दुर्गालाल (कायस्थ)—प्रतापगढ के महाराज दिग्विजयसिंह के शिक्षक । जन्मकाल स० १८८० । मृत्युकाल स० १६५४ ।→२६–१०६ ।

औषधि वर्ग नाममाला (पद्य)→२६–१११ ए ।

कलाधर वशावली विधान (पद्य)→२६–१११ बी ।

नाममाला (पद्य)→२६–१११ सी ।

दुर्गाशतक (पद्य)—विष्णुदत्त कृत । र० का० स० १६१७ । वि० देवी की कथा ।

(क) लि० का० स० १६१७ ।

प्रा०—ठा० जयगोपालसिंह ताल्लुकेदार, रामपुर, तह० कादीपुर (सुलतानपुर) →स० ०१–३६० ।

(ख) प्रा०—श्री लक्ष्मीचद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या ।→०६–३२८ ।

(ग) प्रा०—ठा० महावीरसिंह तालुकेदार, कोथराकलाँ (सुलतानपुर) । → २३–४४३ ।

दुर्गासवाद→'देवी विलास' (हरिआनद कृत) ।

दुर्गा सप्त शती→'उत्तमचरित्र' (अक्षरअनन्य कृत) ।

दुर्गासिंह→'आनन्द' ('प्रहलादचरित्र' के रचयिता) ।

दुर्गा स्तुति (पद्य)—सुखदास कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १८६६ ।

प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ) । → २६–२३४ बी ।

(ख) लि० का० स० १८६७ ।

प्रा —बाबा रामदास, दहीनगर डेरा (उन्नाव)।→१६–२१४ डी।

दुर्गेश—रीवाँ नरेश महाराज अजीतसिंह के पुत्र महाराज जयसिंह के आश्रित। सं १८८२ के लगभग वर्तमान।

हैताहैतवाद (पद्य)→१७–५१।

दुर्जनदास—कोई साधु।

रागमाला (पद्य)→ ६–१६१।

दुर्जनसिंह – बखार के जागीरदार। महाराज छत्रसाल के पौत्र। नोने ब्यास के आश्रयदाता। सं १७२० के लगभग वर्तमान।→ ६–८१।

दुर्जनसिंह—चंदेरी के राजा। कृष्णदास मिश्र के आश्रयदाता। सं १८४४ के लगभग वर्तमान।→ ६ २१।

दुर्जनसिंह—सुखदेव मिश्र के आश्रयदाता। अठारहवीं शताब्दी में वर्तमान।→०५–६७।

दुसरी टीका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७४। वि कृष्ण की एक लीला।

प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१–१७७।

दुखारेदास→दूलनदास (जगजीवनदास के शिष्य)।

दुहा श्री ठाकुराँ रा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि श्रीकृष्ण जी की स्तुति।

प्रा॰—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–८६।

दुहासार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७२ । लि का सं १७५१। वि भक्ति और वैराग्य।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–४।

दूत—(?)

देवी स्तुति (पद्य)→१८–१७।

दूधाधारी—मैदा मनामसिंह नामक किसी रईस के आश्रित।

ज्ञानविलास (पद्य)→२६–१ ८।

दूराकूटार्थ दोहावली (पद्य)—रतनहरि कृत। र का सं १६२१। वि शब्दों के अनेक अर्थों का वर्णन।

प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१६२ बी।

दूलनदास (बाबा)—स्वा जगजीवनदास (सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक) के शिष्य। दौवरदास विष्णुदास नवलदास और पहलवानदास के गुरु। सोमवंशी क्षत्रिय। रामसिंह के पुत्र। समीपुर (रायबरेली) जन्मस्थान। जन्मकाल सं १७१७। मृत्युकाल सं १८३५।→ ६–२११ ६–११८; १७–१११; २ –१६५, २१–१ १; २२–१८६; २६–४३७ २६–५८१।

कवितावली (पद्य)→२६–२१ प।

कवित्त (पद्य)→सं ४–१६१ क।

दोहावली (पद्य)→२३–१०८ ए, बी, २६–६३ सी ।

महछुर निर्गुन (पद्य)→०६–७८, २०–४६, २३–१०८ डी, २६–१०६, २६–६३ बी, स० ०१–१६१, स० ०४–१६३ ख ।

महावीर की स्तुति (पद्य)→२३–१०८ सी ।

रतनमाल (पद्य)→स० ०४–१६३ ग ।

विनय सग्रह (पद्य)→१५–२२ ।

दूलह—कालिदास त्रिवेदी के पौत्र । उदयनाथ (कवींद्र) के पुत्र । अतर्वेद (बानपुर) निवासी । स० १८०७ के लगभग वर्तमान ।→१७–१६८, २०–७५, २३–४३५ ।

कविकुल कठाभरण (पद्य)→०३–४३, ०६–१६२, ०६–७७, २०–४५ ए, बी, २३–१०७ ए, बी, सी, डी ।

दूषण दर्पण→'कविदर्पण' (ग्वाल कवि कृत) ।

दूषण भूषण (पद्य)—रघुनाथ (बदीजन) कृत । वि० काव्याग ।

प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच) ।→२३–३२६ ए ।

दूषण विलास (पद्य)—गोपालराय (भाट) कृत । लि० का० स० १६०७ । वि० काव्य दोष ।

प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–६२ एच ।

दूषणोल्लास (पद्य)—अमीरदास कृत । लि० का० स० १६५१ । वि० काव्य दोष ।

प्रा०—लाला परमानद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ ।→०६–१२४ बी (विवरण अप्राप्त) ।

दृगकज→'कजदृग' (मैनपुरी निवासी) ।

दृढध्यान (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० स० १८१० । लि० का० स० १८८३ । वि० ईश्वर में ध्यान दृढ करने के उपाय ।

प्रा०—महत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगज (सुलतानपुर) ।→२१–१६२ सी ।

दृष्टात (दशम स्कध) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० दशमस्कध के दृष्टांतों का संग्रह ।

प्रा०—श्री रामजी शर्मा, करहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी) ।→३२–२४२ ।

दृष्टात की साखी (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । वि० गुरु और ईश्वर की महिमा ।

(क) लि० का० सं० १८४७ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–५३ ।

(ख) लि० का० स० १८५० ।

प्रा—पं० शिवनदन, गोसाईंगज, डा० अयगज (अलीगढ)→२१–१६२ एस ।

दृष्टांत तरंगिणी (पद्य)—दीनदयाल (गिरि), कृत । र का सं १८७६ । वि ज्ञान और उपदेश ।
(क) लि का सं १९ ४ ।
प्रा —भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२१-१ ४ एफ ।
(ख) लि का सं १९ १ ।
प्रा —श्री गंगाधर त्रिवेदी, छपरगंज बाराबंकी ।→२१-१ ४ जी ।
(ग) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४ ७३ ।
(इसी पुस्तकालय में एक प्रति और है) ।
(घ) प्रा०—पं रघुनाथराम मालवीय, सर्वोपकारक पुस्तकालय गायघाट वाराणसी ।→ ६-७४ ए ।
(ङ) प्रा —पं मातादास ५६ असनी (फतेहपुर) ।→२०- ४ ।
दृष्टांत बोधिका (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि राम महिमा ज्ञान, वैराग्य आदि ।
(क) लि का सं १८६६ ।
प्रा —महंत जगदेवदास पटरी गनशपुर (रायबरेली) ।→सं ४-११७ ख ।
(ख) लि का सं १८८६ ।
प्रा०—सैदान मुराव धरिया का पिपरी (बहराइच) ।→२१-११६ बी ।
(ग) लि का सं १८६६ ।
प्रा —राजा अवधेशसिंह तालुकेदार कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→२६-३७८ ई ।
(घ) लि का सं १९ १ ।
प्रा —राजा अवधेशसिंह तालुकेदार कालाकाँकर (प्रतापगढ़) । → २६-३७ एफ ।
(ङ) लि का सं १९ ४ ।
प्रा —बाबा रामचरनदास चंद्रमन पयागपुर (बहराइच) । → २१-११६ सी ।
(च) लि का सं १९४१ ।
प्रा —महंत जानकीदासशरण अयोध्या ।→ ६-२४५ के ।
(छ) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया । →०६-२११ (विवरण अप्राप्त) ।
(ज) प्रा —सद्गुरु सदन अयोध्या ।→१७-१४१ ए ।
(झ) प्रा —श्री रामवल्लभाशरण सद्गुरु सदन अयोध्या । →१७-१४१ ई ।
(ञ) प्रा —साहित्यसदन सार्वजनिक पुस्तकालय गूढ़ का बाबुरी (रायबरेली) ।→सं ४-११७ क ।
दृष्टांतबोधिका वैराग्य शतक→वैराग्य शतक (रामचरणदास कृत) ।
दृष्टांतसागर (पद्य)—रामचरण कृत । वि ज्ञान वैराग्य और भक्ति ।

प्रा०—पं० घूरेमल्ल, राजेगढी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८–११६ ए।

दृष्टातसागर की टीका (गद्यपद्य)—रामभजन कृत। र० का० स० १८३६। वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति विषयक रामचरण कृत 'दृष्टात सागर की टीका।'
प्रा०—प० घुरेंमल्ल, राजेगढी, डा० सुरीर (मथुरा)।→३८–११८।

दृष्टातसार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६१। वि० उपदेश।
प्रा०—प० लक्ष्मीकात कोठीवाल, वसुआपुर, डा० लक्ष्मीकातगज (प्रतापगढ)। →२६–३८ (परि० ३)।

दृष्टिकूट के पद (गद्यपद्य)—बालकृष्ण (वैष्णव) कृत। वि० सूरदास कृत कूट पदों की टीका।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखम्भा, वाराणसी।→००–६।
(ख) प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी।→४१–५७३ (अप्र०)।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–२३७।
(घ) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०२–४६१ घ।

देव→देवकृष्ण' (रामाश्वमेध' के रचयिता)।

देव→'द्यानतराय' (आगरा निवासी)।

देव→'विद्यारण्यतीर्थ देव' ('युगलसुधा' के रचयिता)।

देव (कवि) वास्तविक नाम देवदत्त। जन्म स० १७३०। जन्म स्थान घोसरिया (इटावा)। समेन गाँव (मैनपुरी) निवासी। फफूँद (इटावा) के राजा कुशलसिंह के आश्रित। ७२ ग्रथों के निर्माता। →०२–१६ (तात)।
अष्टयाम (पद्य)→००–५३, २०–३६ बी, २३–८६ ए से एफ तक, २६–६५ ए, २६–८० ए से डी तक।
काव्य रसायन (पद्य)→०५–२६, ०६–१५६, ०६–६४ ई, २०–३६ ई, २३–८६ ओ से क्यू तक, २६–६५ डी।
कुसलविलास (पद्य)→०४–३७।
कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन (पद्य)→०४–१०५, प० २२–२४ बी, ४१–५०४ (अप्र०)।
गण विचार (पद्य)→२३–८६ के।
जातिविलास (पद्य)→०६–६४ सी, २३–८६ एल, एम, एन, २६–६५ सी।
देवमाया प्रपच नाटक (पद्य)→०४–३१, प० २२–२४ सी, २६–६५ बी, २६–८० एफ।
नखशिख (पद्य)→२६–६५ ई।
प्रेमतरग (पद्य)→०६–६४ बी।
प्रेमतरग चद्रिका (पद्य)→०३–२८, १२–५० बी, २३–८६ एस, टी, २६–६५ एफ।
प्रेम दर्शन (पद्य)→०६–६४ए, २०–३६ एफ, पं० २२–२४ ए।

मानविलास (पद्य)→०१- १ १-६४ पद्; २ -१६ प; २१-८१ बी से जा तक ११-८ ई।

रसरत्नाकर (पद्य)→११-८१ बी।

रसविलास (पद्य)→ २-७ ११-८६ यू।

रागरत्न प्रकाश (पद्य)→२ -१६ मी।

राग रत्नाकर (पद्य)→११-५ ए।

वैद्यक (गद्यपद्य)→२१-८१ बाई।

वैराग्य शतक (पद्य)→२१-८६ जड।

शृंगार विलासिनी (पद्य)→२१-८ श्री।

शृंगार सुखसागर तरंग (पद्य)→२१-८१ एम्यू।

सुखसागर तरंग (पद्य)→ १-६८ डी १ १६ टी २१-८१ एस।

सुजानविनोद (पद्य)→ १ १ ८।

देव (कवि)—अमीर खाँ के आश्रित। दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के समकालीन। सं १७८७ के लगभग वर्तमान।

रागमाला (पद्य)→ ६-१५५।

देव कवि या देव स्वामी→ काष्ठजिह्वा (स्वामी)।

देवकीचरित्र (पद्य)—सालग्राम (बाबा) कृत। वि कृष्ण की माता देवकी का चरित्र।

प्रा — नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१७८।

देवकीनंदन—शुक्ल ब्राह्मण। मकरंदनगर (फर्रुखाबाद) निवासी। शिवनाथ कवि के पुत्र। गुरुदत्त शुक्ल के भाई। उमरावगिरि के पुत्र कुँवर सरफराज तथा रुद्रमऊ के राजा अवधूतसिंह के आश्रित। सं १८४१ के लगभग वर्तमान।

अवधूत भूषण (पद्य)→ १-६१ बी २१ १ ए।

शृंगार चरित्र (पद्य)→ १-६५ ए, ११- डी।

सरफरा चंद्रिका (पद्य)→ १ ५७।

समुरारि क्वीशो (पद्य)→११-१ बी सी २६-८१ ए, बी १-५ १ (अप्र)।

देवकीनंदन —सं १६२० के लगभग वर्तमान।

राम संग्रह (पद्य)→२६-८६।

देवकीनंदन तिवारी→'रुक्मैया बरनार्थ (ठाकुर कवि कृत)।

देवकीनंदनदास→'रूपमंजरी (बंशीअलि के शिष्य)।

देवकीनंदन साहब—कौशिक क्षत्रिय। चिरकडार्गाव (बलिया) के निवासी। हरलाल साहब (गुलाल साहब के शिष्य) के वंशज तेजधारी साहब के पुत्र। सं १८८६ के पूर्व वर्तमान।

कुंडलियाँ (पद्य)→४१-१ ७ ए।

चतुरसाखा तथा स्फुट पद (पद्य)→४१-१ ७ क।

खो सं वि ५५ (११ -६४)

शब्द (पद्य)→४१–१०७ ख, ग ।

देवकीनंदनसिंह—महाराज बनारस के राज परिवार के रईस। रामरतनसिंह के पिता। धनीराम, सेवकराम और ठाकुर के आश्रयदाता। सं० १८६७ के लगभग वर्तमान। →०३–११६, ०४–१८, ०६–२८६, २३–६६, २६–४७८।

देवकीसिंह—चंदेरी नरेश देवीसिंह के आश्रित। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।→ ०६–२८।

देवीसिंह (महाराज) की बारहमासी (पद्य)→२६–८६।

देवकृष्ण—उप० देव। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।

रामाश्वमेध (पद्य)→सं० ०१–१६२।

देवचंद्र—हरिदास या हित हरिवंश के शिष्य। वृंदावन निवासी। पुराने गद्य लेखक। १६ वीं शताब्दी में वर्तमान।

महाकारण (गद्य)→२३–८८।

देवचंद्र—संभवत जैन।

चौबीस पद (गद्यपद्य)→दि० ३१ २४।

देवचरित्र→'कृष्ण गुण कर्म सूक्ष्म सूदन' (देव कृत)।

देवतों की प्रकमा (परिक्रमा) (पद्य)—गणपत (पांडा) कृत। वि० भजन।

प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग, १०, खटीकान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–२३।

देवदत्त—(?)

इंद्रजाल (गद्य)→४१–१०८।

देवदत्त→'दत्त' ('महाभारत द्रोणपर्व' के रचयिता)।

देवदत्त→'दत्त' (सज्जनविलास' के रचयिता)।

देवदत्त→'देव (कवि)' (हिंदी के सुप्रसिद्ध रीतिकालीन कवि)।

देवदत्त (कवि)—दीक्षित ब्राह्मण। अटेर निवासी। संभवत सं० १८४० के लगभग वर्तमान।

उत्तरपुराण (पद्य)→सं० ०१–१६१।

देवदास→'देवीदास' ('सूमसागर' के रचयिता)।

देवनाथ—सं० १८४० के लगभग वर्तमान।

शिवसर्गुण विलास (पद्य)→२३–६१।

देवपूजा (पद्य)—छोटेलाल कृत। लि० का० सं० १६५०। वि० जिनदेव की पूजा का वर्णन।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → सं० ०४–१०४।

देवपूजा (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैन पूजन की विधि।

प्रा०—श्री नाथूराम जैन, फरहल (मैनपुरी)।→३२–१८ डी।

देवपूजा (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० देव पूजा विधान।

प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→र्द १०–१९१ ।

देवपूजा विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात । र का० सं १७ २ । लि का सं १७ २ । वि पूजा विधान ।

प्रा —प वासुदेव शर्मा कौरखा (आगरा) ।→२६–३९१ ।

देवमणि—(?)

परनायिका (?) (पद्य)→ ९–११ ।

देवमणि—(?)

राजनीति के भाव (पद्य)→ ९–१५७ ।

देवमाया प्रपंच नाटक (पद्य)—अन्य नाम देवमाया मोह विवेक नाटक'। देव (देवदत्त) कृत । वि ज्ञानोपदेश ('प्रबोधचंद्रोदय का छै अंकों में अनुवाद)।

(क) लि का सं १८८१ ।

प्रा —श्री गणेशप्रसाद गुप्त बाह (आगरा) ।→२६–८ एफ ।

(ख) लि का सं १९८२ ।

प्रा —पं मातादीन द्विवेदी कुसुमरा (मैनपुरी) ।→२६–९५ बी ।

(ग) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) । → ४–३५ ।

(घ)→पं २२–२४ सी ।

देवसुंदरदास—(?)

फरर्वदलेखा (पद्य)→ ४–९६ ।

देवस्वामी—अन्य नाम देवसनाथ । कोई नाथ सिद्ध । मरीचदास के पूर्ववर्ती । सिद्धों की बानी में भी संगृहीत ।→४१–५६; ४१–१ ६ ।

सबदी (पद्य)→सं १ –५६

देवशक्ति पचीसी (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत । वि दुर्गा स्तुति ।

(क) लि का सं १८२५ ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्मलेखक (हेड एकाउंटेंट), छत्रपुर । → ६–२ बी ।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→९–८ सी ।

देवसिंह—रामपुर (सहारनपुर) निवासी । सं १८८८ के लगभग वर्तमान ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→२१–६१ ।

देवसेन—(?)

ज्ञानावली (पद्य)→१२–४६ ।

देवस्तुति संग्रह (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत । लि का सं १९१८ । वि विभिन्न देवताओं की स्तुतियों का संग्रह ।

प्रा०—श्री किशनसहाय स्वामनी का कमाली (अलीगढ़) ।→२९–१ ७ बी ।

देव स्वामी→ काष्ठजिह्वा (स्वामी)' ।

देवागम स्तवन की देश भाषा मय वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८६६ । वि० तीर्थंकरों की स्तुति ।

(क) लि० का० सं० १८६० ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मन्दिर, शाहूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-३६ च ।

(ख) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मन्दिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→सं० ०७-५६ ।

देवागम स्तोत्र की वचनिका→'देवागम स्तवन की देश भाषा गद्य वचनिका' (जयचंद जैन कृत) ।

देवादास—(?)

जबूसर को प्रसंग (पद्य)→सं० ०८-८४ ।

देवानुराग सतक (पद्य)—बुधजनदास कृत । लि० का० सं० १८६७ । वि० ईश्वर विनय ।

प्रा०—पं० वेनीराम पाठक, मानिकपुर, डा० निलराम (एटा) ।→२६-६१ ।

देवाराम (बाबा)—महात्मा । जन्म स्थान कारजा ग्राम (आरा) ।

पद (पद्य)→४१-११० ।

देवाष्टक (पद्य)—शंकराचार्य कृत । वि० राम कृष्णादि अवतारों की प्रार्थना ।

प्रा०—पं० बैजनाथ, जसवंतनगर (इटावा) ।→३८-१३६ ।

देवी अष्टक (गद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कृत । र० का० सं० १८६८ । वि० देवी जी के अष्टक की व्याख्या ।

प्रा०—पं० भवदेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी) ।→३८-८४ बी ।

देवी अष्टक (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० देवी जी की स्तुति ।

प्रा०—पं० सीताराम, खेड़ा, डा० धनुवाँ (इटावा) ।→३५-१५४ ।

देवीचंद—(?)

हितोपदेश (गद्य)→०६-६७ ।

देवीचंद (महात्मा)—विविध कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं ।→०२-७२ (नौ) ।

देवीचरित सरोज (पद्य)—माधवसिंह कृत । र० का० सं० १६१८ । लि० का० सं० १६३४ । वि० देवी का चरित्र और नखशिख ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह तालुकेदार, दिकौलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→१३-२५६ ।

देवीचरित्र (पद्य)—आनंदलाल कृत । र० का० सं० १८०६ । लि० का० सं० १६०२ (?) । वि० देवीचरित्र वर्णन ।

प्रा०—वैद्य पं० चंद्रभूषण त्रिपाठी, डीह (रायबरेली) ।→सं० ०७-७ ।

देवीचरित्र (अनु) (पद्य)—शिवदास कृत। वि दुर्गासप्तशती का अनुवाद।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं १–४१५।

देवाजी की स्तुति (पद्य)—पतिदास कृत। लि का सं १६४६। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —महाराज श्री प्रतापसिंह मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६–३४६ बी।

देवीजी का छप्पय (पद्य)—रघुनाथ कृत। वि देवी स्तुति।
प्रा —श्री महेश्वरप्रसाद वर्मा, सल्मौर डा रामपुर (आजमगढ़)। →
४१–२०७।

देवीदत्त—भाट। जैपुर नगर के निवासी। सं १८११ के लगभग वर्तमान।
भरकपचीसी (पद्य)→ ४–८५; पं २२–२६।
बैतालपचीसी (पद्य)→ ५–२७ पं २२ २६।

दवीदत्त (शुक्ल)—उप पंडित और धीर। ईस्सराबपुर (इलाहाबाद) के निवासी।
पिता का नाम रामदत्त। होलागढ़ (इलाहाबाद) के राजा महेश्वानसिंह और
उनके पुत्र शिवप्रतापसिंह के आश्रित। सं १६ ४ के लगभग वर्तमान।
अलंकार दर्पण (पद्य)→सं –१६३ ल।
हनुमत वीर रक्षा (पद्य)→सं १–१६३ क।

दवीदास—संभवतः कायस्थ। बुंदेलखंड निवासी। करौली (राजपूताना) के राजा
रतनपाल के आश्रित। सं १७४२ के लगभग वर्तमान।
प्रेम रत्नाकर (पद्य)→ १ २२ ७–७० बी २३–८६ बी; २६–६८
रि ११–९५।
राजनीति रा कवित्त (पद्य)→ २–१ २–८३ ६–६७ १७–७० ए।
सोमवंश की वंशावली (पद्य)→सं १–१६५।

देवीदास—कायस्थ। गाजीपुर के निवासी। सं १६ ६ के पूर्व वर्तमान।
करीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)→सं ४–१६५ क।
मामकीमा का हिंदी अनुवाद (पद्य)→सं ४–१६५ ल।

देवीदास—ऊधादास के शिष्य। संभवतः गोरख और कबीर दोनों के मतों से प्रभावित।
नौनिधि (पद्य)→सं ७–८६।

देवीदास—जैन। किशना (जयपुर) निवासी। सं १८७४ के लगभग वर्तमान।
पुकार पचीसी (पद्य)→२६ ६६।

दवीदास—सीताराम कुल के वैश्य। मीर क्षेत्र के निवासी। सं १८८७ के पूर्व
वर्तमान।
उपाहरण (पद्य)→१८–३६।

देवीदास—कायस्थ। सं १८ ७ के पूर्व वर्तमान।
रामायण (बालकांड) (पद्य)→२१–८७।

देवीदास—उप देवदास। सं १७८४ के लगभग वर्तमान।

सूमसागर (पद्य)→२०-४०, २३-६४।

देवीदास—(?)

दामोदर लीला (पद्य)→०६-६८, २३-६६ ए।
भागवत (द्वादश स्कंध) (पद्य)→०४-८३।

देवीदास—(?)

अगदनीर (पद्य)→४१-११२।

देवी दास—(?)

फजानामा (पद्य)→सं० ०१-१६४।

देवीदास—(?)

दुर्गाचालीसा (पद्य)→३५-२१।

देवीदास—(?)

बालचरित्र (पद्य)→२६-८३।

देवीदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक स्वा० जगजीवनदास के शिष्य। देवीदास का पुरवा (रायबरेली और बाराबंकी की सीमा पर स्थित) के निवासी। सं० १८४७ के लगभग वर्तमान।
गुरु उपदेश और गुरु वंदना (पद्य)→सं० ०४-१६६ क।
मंत्र संग्रह (पद्य)→२३-६५।
लीला (पद्य)→२६-१००, २६-८२ ए, सं० ०४-१६६ ख, ग, घ, सं० ०७-८५।
विनोद मंगल (पद्य)→२६-८२ बी।
सुखसनास (पद्य)→सं० ०४-१६६ ङ।

देवीदास (व्यास)—महाराज करौलेश के पुत्र राजकुमार अनूपसिंह के आश्रित। सं० १७२० के लगभग वर्तमान।
नारद नीति (गद्य)→४१-१११।

देवीदित्ताराय—पटियाला के महाराज नरेंद्रसिंह के आश्रित। महाभारत के नौ अनुवादकों में से एक ये भी हैं। सं० १६१६ के लगभग वर्तमान।→०४-६७।

देवीदीन—माथुर वैश्य। कागारोल (आगरा) के निवासी। इटावा के अध्यापक। सहायक विद्यालय निरीक्षक की आज्ञा से इन्होंने पुस्तक की रचना की थी। सं० १६३० के लगभग वर्तमान।
माप विधान (गद्य)→३८-४०।

देवी पूजनादि मंत्र (पद्य)—जगन्नाथदास कृत। लि० का० सं० १६३२। वि० देवी जी की पूजा विधि।
प्रा०—श्री रामभरोसे गौड़ बीघापुर, डा० टप्पल (अलीगढ़)।→२६-१६५ बी।

देवीप्रसाद—वैश्य (?)। बेला (इटावा) निवासी। बैजनाथ के पुत्र। सं १९ ५ के लगभग वर्तमान।
बारहमासी किरहनी (पद्य) →१६–८४ ए।
राग फुलवारी (पद्य)→१६–८४ बी।
राम विलास (पद्य)→१६–८४ सी।
सांगीत सार (पद्य)→२१–८४ डी।

देवीप्रसाद—कबीर पंथी। सरिगवाँ निवासी। सं १८६२ के लगभग वर्तमान।
परलबोध (पद्य)→११–६०।

देवीबक्स—कायस्थ। बिलग्राम (हरदोई) के रईस। टीकाराम के आश्रयदाता। सं १८६१ के लगभग वर्तमान।→१२–१८८।

देवीबक्शसिंह (राजा)—रामपुर केरवा के बिसेन ठाकुर। अमान्नाथसिंह के पिता। सं १८८७ के पूर्व वर्तमान।→१७–७०।

देवी माहात्म्य (पद्य)—मक्खन (कवि) कृत। लि का सं १८२१। वि 'दुर्गासप्त शती' का अनुवाद।→पं २२–६२।

देवी विनय (पद्य)—कान्ह (कवि) कृत। वि दुर्गास्तुति।
प्रा – टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६–२७७ (विवरण अप्राप्त)।

देवीविलास (पद्य)—अन्य नाम 'दुर्गाविलास'। हरिआनंद कृत। र का सं १८४९। लि का सं १८७०। वि देवी चरित्र।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १–४७९।

देवीसहाय (बाबा)—कान्यकुब्ज। मीरासराँय (फरूखाबाद) में सं १८६८ में जन्म। काशी निवासी। भक्त और गायक। माखनलाल के पुत्र। पुन्नूलाल के पिता। महेशदत्त के पितामह। ये काशी में आत्मा विश्वेश्वर के पास एक शिवालय में रहते थे। ७६ वर्ष की अवस्था में सं १९४४ में मृत्यु।
भजन (पद्य)→०६–१६।
महेश महिमा (पद्य)→२६–८५।

देवीसिंह—मुरारमऊ के राजा। पुरुषोत्तम मिश्र के आश्रयदाता। सं १७२७ के लगभग वर्तमान।→सं ७–१९६।

देवीसिंह (महाराज) की बारहमासी (पद्य)—देवकीसिंह कृत। लि का सं १९ ६। वि श्रीकृष्ण राधिका संबंधी बारहमासी।
प्रा —पं कैलाशनाथ अध्यापक, प्राइमरी पाठशाला खेरागढ़ (आगरा)।→२६–८६।

देवीसिंह (राजा)—ओड़छा नरेश मधुकरसाहि की पाँचवीं पीढ़ी के वंशज। चंदेरी के राजा। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।
 अर्बुद विलास (पद्य)→०६–२८ ई।
 आयुर्वेद विलास (पद्य)→०६–२८ बी।
 कौशिल्याजी की बारहमासी (पद्य)→२६–१०१, सं० ०४–१६७।
 देवीसिंह विलास (पद्य)→०६–२८ डी।
 नरसिंह लीला (पद्य)→०६–२८ ए।
 बारहमासी (पद्य)→०६–२८ एफ।
 रहस लीला (पद्य)→०६–२८ सी।
देवीसिंह विलास (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० वैद्यक निदान।
 प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२८ डी।
 (एक प्रति लाला देवीप्रसाद, छतरपुर के पास भी है)।
देवी स्तुति (पद्य)—दूत कृत। लि० का० सं० १८६०। वि० नाम से स्पष्ट।
 प्रा०—पं० रेवतीनंदन, बेरी (मथुरा)।→३८–४७।
देवी स्तुति→'चीरहरन लीला' (उदय कृत)।
देवी स्तुति और रामचरित्र (पद्य)—गंगाराम (त्रिपाठी) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
 प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६–८८।
देवी स्तोत्र (पद्य)—शंकराचार्य कृत। लि० का० सं० १८८०। वि० नाम से स्पष्ट।
 प्रा०—श्री चंद्रशेखर पांडेय, मनुहार, डा० करहिया (रायबरेली)। → सं० ०४–३७६।
देवेश्वर (माथुर)—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के पुत्र पहौपसिंह के आश्रित। सं० १८३६ के लगभग वर्तमान।
 पहौपप्रकाश (पुष्पप्रकाश) (पद्य)→सं० ०१–१६६।
देशराज (चौहान)—हसनपुर (जार ?) के निवासी। सं० १८६६ में वर्तमान।
 रामचंद्र स्वामी परार्द्ध चरित्र (पद्य)→३२–५२।
देसावली (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० सं० १७७७। वि० सृष्टि का भूगोल वर्णन।
 प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं० ०१–१२६ च।
देह→'काष्ठजिह्वा (स्वामी)'।
देहला (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० ज्ञानोपदेश।
 प्रा०—श्री गणेशधर दूबे, बीरपुर, डा० हँडिया (इलाहाबाद)। → सं० ०१–३२ ख।
दैन्यामृत (पद्य)—रसिकिशोरमणि (हरिराय) कृत। वि० पुष्टिमार्ग के मतानुसार भक्ति का निरूपण।

प्रा —पं रामकिशनदास राऊ जी का मंदिर कालीदह वृंदावन (मथुरा)। →१५–१८८ ए।

देवाभरण (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। वि ज्योतिष।

प्रा —श्री विपिननारायण पांडेय गंगिवा डा महँसो (बस्ती)। → सं ४–१७८ क।

दोष निवारण (पद्य)—बिहारीलाल (अग्रवाल) कृत। र का सं १९२१। वि पिंगल।

प्रा —श्री मदनलाल आत्मज श्री पन्नालाल हवेलियाँ अग्रवाल कोसीकलाँ (मथुरा)।→१२–१ ए।

दोष बयालीस (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १७४ । वि जैन धर्म के अनुसार दोष वर्णन।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७–२१४।

दोहनानदाष्टक (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि कृष्णलीला।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→ १–१२१ (द्वे)।

दोहरा चतुर्वेदी (पद्य)—विविध कवि (बिहारी रहीम तुलसी आदि) कृत। लि का सं १८८१। वि नीति सदाचार भक्ति आदि।

प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१५–१६१।

दोहा (पद्य)—गौतमदास कृत। लि का सं १६२२। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री हरिशरणदास एम ए कमोली डा रानीकटरा (बाराबंकी)। →सं ४–८५ ख।

दोहा (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत। लि का सं १९५ । वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बछरावाँ (रायबरेली)।→सं ४–२ १।

दोहा (पद्य)—अन्य नाम रतनिधि के दोहों का संग्रह' और 'रतनिधि के दोहा वा दोहरा। पृथ्वीसिंह (राजा) उप रतनिधि कृत। वि विविध।

(क) लि का सं १८७८।

प्रा०—गो गोविंददास दतिया।→०५–७४।

(ख) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अध्यापक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→०५–७५।

(ग) प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ १–२५ ए से औ।

दोहा (पद्य)—रतन (कवि) कृत। लि का सं १८४१। वि शृंगार।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–१ १।

दोहा और कवित्त (पद्य)—भगवदास कृत। लि का सं १९५ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —महंत गुरुप्रसाददास बछरावाँ (रायबरेली)।→सं ४–१ क।

दोहा कवित्त (पद्य)—रघुनाथदास (बाबा) कृत। लि० का० स० १९४६। वि० रामभक्ति।
प्रा०—भैया ठाकुर यदुनाथसिंह, रेहुआ के रईस, डा० बौंड़ी (बहराइच)।→ २३–३२८ बी।

दोहा को पुस्तक (पद्य)—शशिधर (स्वामी) कृत। वि० वेदांत।
प्रा०—महंत हरिशरण मुनि, पौरी (गढ़वाल)।→ १२–१७० ए।

दोहा पचीसी (पद्य)—विश्वेश्वर (कवि) कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—पं० देवीप्रसाद, हरनाथपुर (इटावा)।→ ३८–१६२ ए।

दोहा व पद (पद्य)—सुखनिधान कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→ ०६–३३३ (विवरण अप्राप्त)।

दोहावली (पद्य)—गंगादास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ सं० ०१–७० ख।

दोहावली (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १७८५ के लगभग। लि० का० सं० १९४०। वि० उपदेश, भक्ति, ज्ञान आदि।
प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर)। → २६–१८७ ए।

दोहावली (पद्य)—जनकराजकिशोरीशरण कृत। लि० का० सं० १९३०। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—बाबू मैथिलीशरण गुप्त, चिरगाँव (झाँसी)।→ ०९–१३४ एल।

दोहावली (पद्य)—जीवदास (आचार्य) कृत। र० का० सं० १८४०। लि० का० सं० १९१०। वि० भक्ति, वैराग्य और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—महंत जगदेवदास पड़री गनेशपुर, डा० रायबरेली (रायबरेली)। → सं० ०४–१३४।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'दोहावली रामायण'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। वि० नीति, उपदेश और राम भक्ति।
(क) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय, प्रतापगढ़।→ २६–४८४ ओ।
(ख) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—ठा० हनुमानसिंह, बरदहा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। → २३–४३२ आई।
(ग) लि० का० सं० १८६२।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→ २६–४८४ पी।
(घ) लि० का० सं० १८९४।

प्रा —पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज लखनऊ।→०१–१११ बी।

(क) लि का सं १८६४।

प्रा —पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज लखनऊ।→२१–४१२ के।

(ग) लि का सं १९२८।

प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय मिनगा (बहराइच)।→११–४१२ एल।

(ङ) प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४–६१।

(च) प्रा —पं रामभरोसे त्रिपाठी तिवारीपुर हुसेनगंज (फतेहपुर)। → १–१८८ सी।

(फ) प्रा —प उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६–४ ४ क्यू।

(म) प्रा —पं देवीप्रसाद शर्मा फतहाबाद (आगरा)। → २६–११५ डब्ल्यू[1]।

(ट)→पं २१–१११ ए।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम साखी। दूलनदास कृत। र का सं १८१५ (लगभग)। वि योग ज्ञान भक्ति और राम नाम महिमा आदि।

(क) लि का सं १९० ।

प्रा —श्री परागीदास मुराऊ बदलापुर डा बरनापुर (बहराइच)। → २१–१ ८ ए।

(ख) लि का सं १९८१।

प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरे परान पांडे डा तिलोई (रायबरेली)। →२६–९१ सी।

(ग) प्रा —श्री मंगलबहादुर अध्यापक, हरगाँव डा परवतपुर (सुलतानपुर)। →२१–१ ८ बी।

दोहावली (पद्य) पतितदास कृत। लि का सं १९४८। वि नीति और उपदेश।

प्रा —महाराज श्रीप्रकाशसिंह मल्लापुर (सीतापुर)।→२६–३४६ सी।

दोहावली (पद्य)—भुवनदास कृत। लि का सं १९१५। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री देवता महाराज कानपुर डा कठिया बाजार (रायबरेली)। → सं ४–२६६।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'आत्म प्रकाश'। मंगलदास (बाबा) कृत। वि भक्ति।

प्रा —श्री मन्नू मुराई हरिदासपुर (रायबरेली)।→सं ४–२ १ क।

दोहावली (पद्य)—माधवदास कृत। लि का सं १८३१। वि ज्ञान भक्ति और वैराग्य।

प्रा४—हिंदी साहित्य संमेलन इलाहाबाद।→४१–२६२।

दोहावली (पद्य)—अन्य नाम 'रामसखे की दोहावली'। रामसखे कृत। वि० सीताराम की महिमा।
(क) लि० का० स० १८६१।
प्रा०—पचायती ठाकुर द्वारा, सजुहा (फतेहपुर)।→२०-१५८ ए।
(ख) प्रा०—लाला देवीप्रसाद मुतसद्दी, छतपुर।→०५-८०।
दोहावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री गोविंदप्रसाद, हिंगोट खिरिया (आगरा)।→२६-१६७।
दोहावली→'भक्ति विनय दोहावली' (गिरवरदास कृत)।
दोहावली (साखी) (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। लि० का० स० १८६३। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री रामाधीन मुराव, बर्दासराय (गोंडा?)।→२३-७५ ए।
दोहावली रामायण→'दोहावली' (गो० तुलसीदास कृत)।
दोहावली सतसई (पद्य)—अन्य नाम 'रामदोहावली सतसई'। तुलसीदास (?) कृत। वि० नीति, भक्ति और उपदेश।
(क) लि० का० स० १८६३।
प्रा०—ठा० विश्वनाथसिंह, तालुकेदार, अग्रेसर, डा० तिरसुंडी (सुलतानपुर)। →२३-४३२ बी[3]।
(ख) प्रा०—बाबा सुंदरदास आचार्य, गोंडा।→२०-१६८ बी।
दोहा संग्रह (पद्य)—नजीर कृत। लि० का० स० १६०७। वि० नीति, ज्ञान और उपदेश।
प्रा०—पंडा रामलोटा महाराज, सोरों (एटा)।→३२-१५६।
दोहा साखी (पद्य)—जगतानंद कृत। लि० का० स० १६१४। वि० स्तुति।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-११६ ख।
दोहासार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१३। वि० उपदेश।
प्रा०—बाबू सुदर्शनसिंह रईस ताल्लुकेदार, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकांतगंज प्रतापगढ)।→२६-३६ (परि० ३)।
दोहासार संग्रह (पद्य)—दारासाहि कृत। र० का० स० १७१०। वि० ६१ भावों पर १७७१ दोहे।
(क) लि० का० स० १८६४।
प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। →स० ०४-१५५।
(ख) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५२ (विवरण अप्राप्त)।
दोहे (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञानचर्चा और उपदेश।
(क) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-५४।

(ख) प्रा०—श्री राधेश्याम द्विवेदी, स्वामीघाट मथुरा ।→१२-१ १ भाई ।

दोहे (पद्य)—सुंदरदास कृत । लि का सं १८८५ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१९१ भ ।

दोहा का संग्रह (पद्य)—लक्ष्मणदास कृत । लि का सं १८८६ । वि देवी की आर धना । (एक सौ दोहों का संग्रह) ।
प्रा —श्री गदाधर चौबे (समथर) ।→ १-२८४ (विवरण अप्राप्त) ।

दौलत खाँ—शेरशाह सूरी के पुत्र । त्रिलोचन पांडे (तानसेन) के प्रथम आश्रयदाता । सं १११७ के लगभग वर्तमान ।→ १-१२ ।

दौलतनामा (गद्य)—अन्य नाम 'बाजनामा' । रचयिता अज्ञात । र का सं १९ ७ (लगभग) । वि पक्षी चिकित्सा ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-४१ ४-२६ ।
टि इस ग्रंथ की रचना बादशाह फिरोजशाह की आज्ञा से कई हकीमों ने की थी ।

दौलतराम—खंडेलवाल वैश्य । अल्ल कासलीवाल । पिता का नाम आनंदराम । बसवे (आगरा ?) निवासी । पीछे जयपुर चले गए जहाँ रायमल्ल और रतनचंद (राज्य के दीवान) नामक मित्रों के साथ रहने लगे । जयपुर नरेश महाराज माधवसिंह (राज्यकाल सं १८ ८-२५ वि) और पृथ्वीसिंह (राज्यकाल सं १८२५-३१ वि) के आश्रित ।
अध्यात्म बारहखड़ी या मरुधरबारमासिका बावनी स्तवन (पद्य → सं १ -१ क ।
आदिपुराण की वचनीय भाषा वचनिका (गद्य)→११-८६ ए, सं ४-११८ क, ख सं १०-१ ख ।
क्रियाकोष (गद्यपद्य)→१२-४८ बी ।
पद्मपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)→२१-८५ सी स ४- ६८ ग सं १०-१ ग घ ङ ।
पुण्याश्रव कथाकोश (भाषा) (गद्य)→सं ४-११८ घ ङ च छ, सं १०-१ च छ, ज ।
पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय (टीका) (गद्य)→१२-४८ ए, सं १ -१ झ ।
हरिवंशपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)→११-८९ बी सं १ -१ म ।

दौलतराम—जैन धर्मानुयायी । पिता का नाम चतुर्भुज । पितामह का नाम धनपाल । प्रपितामह का नाम साह ध्यानाचार । पुत्रों के नाम हरदेराम और तखाराम । पापड़ीवाल गोत्र के खंडेलवाल जैन । बूँदीगढ़ निवासी । राजा बुधसिंह (बूँदी नरेश) के समकालीन । सं १७९७ के लगभग वर्तमान । इन्होंने मूलसंघ सरस्वतीगच्छ

के भट्टारक जगतकीर्ति, रुद्रामुनि ब्रह्मचारी और प० तुलसीदास नामक व्यक्तियों का उल्लेख किया है।

व्रतविधान रासो (पद्य)→स० ०४-१६६।

दौलतराम—असनी (फतेहपुर) निवासी। शिवनाथ के पुत्र और मटनेम के पिता। स० १८६७ के लगभग वर्तमान।

अलकारबोध सग्रह (गद्य)→२०-३५ ए।

कविप्रिया की टीका (गद्य)→२०-३५ बी।

दौलतराम—सेवक जाति के मारवाड़ निवासी कवि। मारवाड़ नरेश महाराज मानसिंह के आश्रित। स० १८६० के लगभग वर्तमान।

जलधरनाथजी रो गुण (पद्य)→०२-३०।

दौलतराम—कायस्थ। सूरजपुर (मैनपुरी) निवासी। स० १६०५ के लगभग वर्तमान।

ज्योनार (पद्य)→३२-५०।

दौलतराम—सभवत जयपुर के सुप्रसिद्ध दौलतराम। स० १८२३-२६ के लगभग वर्तमान।

परमात्म प्रकाश (गद्य)→स० ०७-८७।

दौलतराम—जयपुर निवासी। राजा जयसिंह और मानसिंह के आश्रित।

रसचद्रिका (पद्य)→३२-४६।

दौलतराव (सिंधिया)—ग्वालियर नरेश। राज्यकाल स० १८५१ से १८८४ तक। लक्ष्मणराव और शिव कवि के आश्रयदाता।→०६-१८७, ०६-२३६।

दौलतविजय→'दलपत (दौलतविजय)' ('खुमानरासो' के रचयिता)।

दौलतसिंह—(?)

ख्याल त्रियाचरित्र (पद्य)→३२-५१।

द्यानतराय—उप० देव। अग्रवाल (जैन)। आगरा निवासी। जन्मकाल स० १७३३। स० १७८० के लगभग वर्तमान।

अढाई पर्व पूजा (भाषा) (पद्य)→३२-५८ ए।

अध्यात्म पचासिका (पद्य)→३२-५८ बी।

एकीभाव (भाषा) (पद्य)→००-१०१, दि० ३१-३१।

गुटका पूजन (पद्य)→३२-५८ ई।

चर्चाशतक (पद्य)→२३-११० प० २२-२५, स० १०-६१ क।

देवपूजा (पद्य)→३२-५८ डी।

धर्मविलास (पद्य)→स० १०-६१ ख।

पचमेरु पूजा (भाषा) (पद्य)→३२-५८ एफ।

पार्श्वनाथ स्तुति (पद्य →दि० ३१-३१।

प्रतिमा बहत्तरी (पद्य)→स० १०-६१ ग।

बावन अक्षरी छै ढाल (पद्य)→३२-५८ सी।

मंगल आरती (पद्य)→२६-११७।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत। लि का सं १८४१। वि पुष्टिमार्गी सिद्धांतानुसार वस्तुओं की शुद्धि।
 प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२ ७ ख।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्पर्शास्पर्श का विचार।
 प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-५११।

द्रव्य संग्रह (गद्य)—रामचंद्र कृत। लि का सं १७११। वि जैनधर्मानुसार मोक्ष ज्ञान।
 प्रा०—पं सुखदेव शर्मा शेरगढ़ (मथुरा)।→१८-११५।

द्रव्य संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। (मूल रचयिता नेमिचंद्र)। वि जैन दर्शन।
 (क) लि का सं १८५२।
 प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १०-१६१ख।
 (ख) लि का सं १९५४।
 प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १०-१६ क।

द्रव्य संग्रह ग्रंथ की वचनिका (गद्य)—जयचंद (जैन) कृत। लि का सं० १६५६। वि जैन दर्शन।
 प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १०-१६ ख।

द्रोणपर्व→ महाभारत (द्रोणपर्व भाषा) (कुलपति मिश्र कृत)।

द्रोणपर्व (भाषा)→ महाभारत (द्रोणपर्व) (वंश कृत)।

द्रोणाचार्य—त्रिवेदी ब्राह्मण। प्रियादास के शिष्य। रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह के आश्रित। सं १९१ के लगभग वर्तमान।
 प्रियादास चरितामृत (पद्य)→ १-११।

द्रोपति टेर (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि द्रोपदी चीर हरण।
 प्रा —पं बच्चा पांडेय कुसनपुर डा बलनिया (गाजीपुर)। → सं ७-२१५।

द्रोपदी अष्टक (पद्य)—हनुमान कृत। वि द्रोपदी चीरहरण।
 प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं -४७६ क।

द्रोपदी इतिहास (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि द्रोपदी की कथा का वर्णन।
 प्रा —ठा कामदेवसिंह मिसारी डा लाला बाजार (प्रतापगढ़)।→ सं ८-४६१।

द्रोपदी की स्तुति (पद्य)—रघुवर कृत। लि का सं १८८ । वि द्रोपदी चीर हरण।
 प्रा०—लाला जगन्नाथप्रसाद नजायची तहसील राजनगर (छतरपुर)। → सं १-११६ ख।

द्रोपदी के भजन (पद्य)—लालदास कृत। वि द्रोपदी की कृष्ण से प्रार्थना।

प्रा०—पं० ओंकारनाथ, रुनकुता (आगरा)।→३२-२१२ डी।

द्रौपदी चौपाई (भाषा) (पद्य)—कनककीर्ति कृत। र० का० सं० १६६३। लि० का० सं० १७३९। वि० द्रौपदी का चरित्र।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१-८८।

द्रौपदीजी की बारहमासी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० स्तुति।

प्रा०—ठा० हरीसिंह रघुवंशी, रामगढ़, डा० दतौली (अलीगढ़)।→२६-३६८।

द्रौपदी स्वयंवर (पद्य)—रघुनंदन कृत। र० का० सं० १६८०। लि० का० सं० १६८०। वि० द्रौपदी स्वयंवर की कथा।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-३१२।

द्वादश महा वाक्य विचार (पद्य)—वनमाली कृत। वि० वेदांत।

(क) प्रा०—चौधरी रुस्तमसिंह, धर्मांश्रा (मैनपुरी)।→३२- ७।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→३८-४ नी।

द्वादश महा वाक्य विचार (पद्य) -रचयिता अज्ञात। वि० वेदशास्त्र संबंधी द्वादश महा वाक्यों की व्याख्या।

(क) प्रा—पं० लालताप्रसाद ओझा, छपैटी, इटावा।→३५-१६२ ए।

(ख) प्रा०—श्री सुंदरदास शर्मा, ग्राम तथा डा० मढ़ेपुरा (इटावा)।→३५-१६२ बी

द्वादश यश (पद्य)—चतुर्भुजदास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० भक्ति, धर्म, उपदेश आदि।

प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, बिजावर (बुंदेलखंड)।→०६-१८८ ए (विवरण अप्राप्त)।

द्वादश राशि विचार (पद्य)—श्यामराम कृत। लि० का० सं० १८६३। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री रामनरेश गिरि, हुरहुरी, डा० बेराकत (जौनपुर)।→सं० ०१-४२५।

द्वादश राशि विचार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-४० (परि० ३)।

द्वादश शब्द (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६२१। वि० आत्म निरूपण।

प्रा०—श्री बालगोविंद, रायपुर, डा० खैरीघाट बेहरा (बहराइच)। → २३-१६८ डी।

द्वारकादास—(?)

माधव निधान (भाषा) (पद्य)→००-१३६।

द्वारिकादास (जन)—मुहम्मदपुर (कानपुर) निवासी। इनके कोई मित्र शुकदेव थे। सं० १६३१ के लगभग वर्तमान।

तत्वज्ञान की बारहमासी (पद्य)→२६-११५ ए, बी, २३-६५ ए, बी, सी।

द्वारिकादास की बानी (पद्य)→सं० ०१-१६७।

द्वारिकादास की बानी (पद्य)—द्वारिकादास (जन) कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री वशिष्ठ उपाध्याय, चिरियाकोट (आजमगढ़)।→सं० ०१-१६७।

द्वारिकाधीश के विचित्र विलास (पद्य) —प्रवीन (कवि) कृत । र का सं १८१७ । वि कौंकरोली स्थित द्वारिकाधीश मंदिर के ठाकुर और राय समुद्र तालाब का वर्णन ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कौंकरोली ।→सं १–२२० ख ।

द्वारिकाधीश के शृंगार (गद्य)—पुरुषोत्तम कृत । र का सं १८६५ । लि का सं १८६५ । वि पुष्टिमार्गीय सेवा पद्धति का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कौंकरोली ।→सं – ७ घ ।

द्वारिकानाथजी के घर की उत्सव मालिका (रीति) (गद्य) —गिरिधरलाल (गोस्वामी) कृत । र का सं १६११ । वि वर्ष ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कौंकरोली ।→सं १– ६ क ।

द्वारिकाप्रसाद—हरदोई के सारस्वत ब्राह्मण ।

राधा विलास (पद्य)→२६–११४ ए, बी सी ।

द्वारिकाप्रसाद→ द्वारिकादास (जन) (उत्सवान की बारहमासी के रचयिता) ।

द्वारिकाप्रसाद (तिवारी)—(?)

रसमंजूषा (गद्य)→२६–६१ ए बी ।

द्वारिका विलास (पद्य) —रामनारायण कृत । र का सं १८ । लि का सं १८८२ । वि कुरुक्षेत्र के पर्व पर राधाकृष्ण मिलन वर्णन ।

प्रा —श्री बालाप्रसाद तिवारी बैनगवां डा राधा फतेपुर (रायबरेली) । → सं ४–१११ ।

द्वारिकेश—ब्रज निवासी । वल्लभ सम्प्रदाय के अनुयायी । वल्लभाचार्य जी के वंशज मथुरानाथ के पुत्र । सोलहवीं शताब्दी के मध्य में वर्तमान ।

कृत्य (गद्य)→१२–५१ ।

द्वारिकेशजी की भावना (पद्य)→ १–१६४ ।

मूलपुरुष (पद्य)→१८–४८ ।

सात स्वरूप के कीर्तन (पद्य)→सं १–११८ ।

द्वारिकेशजी की भावना (पद्य)—द्वारिकेश कृत । वि वैष्णवों की कीर्तन पद्धति ।

प्रा —पं रामसेवक टीकमगढ़ ।→ ६–११४ (विवरण अप्राप्त) ।

द्विपटिका (पद्य)—सुवंश (शुक्ल) कृत । र का सं १ ८१ । वि ज्योतिष ।

प्रा —पं मुरलीधरनप्रसाद वाजपेयी कसरा (सीतापुर) ।→१२–१८ ।

द्विज (कवि)—काशी निवासी 'द्विज कवि । संभवतः ये वाराणसी (बनारस) वाले मन्नालाल उप 'द्विज' कवि हैं ।

शृंगार सुधाकर (पद्य)→सं १ –११ ।

द्विज (कवि)—सं १८६१ के लगभग वर्तमान ।

सभा प्रकाश (पद्य)→ १–१६५ ।

द्विज (कवि)—(?)

लो सं नि १७ (११ ०–६४)

राधा नखशिख (पद्य)→०३–२७ ।

द्विज छुटकन→'छुटकन (द्विज)' ('चौताल चिंतामणि' के रचयिता) ।

द्विजदेव→'मानसिंह' (अयोध्या नरेश) ।

द्विज बलदेव→'बलदेव (द्विज)' ('प्रताप विनोद' आदि के रचयिता) ।

द्विजराम→'राम (कवि)' ('पिंगल' के रचयिता) ।

द्विजलाल—(?)
सौंदर्यलहरी टीका (पद्य)→स० ०१–३७५ ।

द्विज सामरथी→'सामरथी (द्विज)' ('प्रेममजरी' के रचयिता) ।

द्वैतप्रकाश (पद्य)—मधुसूदनदास कृत । र० का० स० १७४६ । लि० का० स० १८७२ ।
वि० वेदात ।
प्रा०—प० लक्ष्मीनारायण वैद्य, बाह (आगरा) ।→२६–२१८ ।

द्वैताद्वैतवाद (पद्य)—दुर्गेश कृत । लि० का० स० १८८६ । वि० विशिष्टाद्वैत के निरूपण के साथ द्वैताद्वैत का प्रतिपादन ।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–५३ ।

धनजय—(?)
विषापहार (भाषा) (पद्य)→दि० ३१–२६ ।

धनतर→'धन्वतरि' ('औषधि विधि' के रचयिता) ।

धनतर सहिता (धनतरि सहिता) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६०२ ।
वि० धन्वतरि सहिता का अनुवाद ।
प्रा०—श्री रामशरनलाल श्रीवास्तव, पूरेरामदीन शुक्ल (मजारिया इदरिया), डा० बाजारशुक्ल (सुलतानपुर) ।→स० ०४–४६३ ।

धनधन (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत । वि० वृंदावन की प्रशसा ।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६८ ए (विवरण अप्राप्त) ।
(ख)→प० २२–६६ ए ।

धनपति—अन्य नाम धन्नूलाल । सं० १६२८ के लगभग वर्तमान ।
सागीत बदरेमुनीर (पद्य)→२६–१०२ ।

धनपाल—माप्सर (गुजरात) निवासी एक धाकड़ वैश्य । स० १००० के लगभग वर्तमान ।
भविष्यदत्त कथा (पद्य)→स० ०१–१६६ ।

धनवतरि स्तुति (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत । र० का० स० १६१६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—प० शिवरतन पाडेय, मिटारी, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→२६–३६० ।

धनाजी—सभवत स्वामी रामानद के शिष्य ।
पद (पद्य)→स० ०७–८८ स० १०–६३ ।

धनाजी की परिचई (पद्य)—अनतदास कृत । वि० धनाजी का परिचय ।

(क) लि का सं १८५६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२ ।
(ख) लि का सं १८५६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-३ ग।
टि को वि ४१-२ की प्रति में 'रोंका बोंका की परिचई' और 'सेऊ समन की परिचई' भी संगृहीत हैं।

धनीजी के चेले की चौपाई (पद्य)—माधवनाथ कृत । वि श्री देवचंद जी की माया का वर्णन ।
प्रा —बाबू राममनोहर विश्वपुरिया पुरानी बस्ती कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६-१४९ ए।

धनीराम—ब्रह्म । ठाकुर (असनी निवासी) के पुत्र । सेवक तथा शंकर कवि के पिता । काशी नरेश के भाई बाबू देवकीनंदनसिंह और उनके पुत्र बाबू रतनसिंह और जानकीप्रसाद के आश्रित । सं १८६७-१८८८ के लगभग वर्तमान ।
काव्य प्रकाश (गद्यपद्य)→११-६६ ।
रामगुणोदय (पद्य)→ १-११६ २६-१ १ ए।
मुक्तिरामायण (पद्य)→२६-१ १ ी ६- ६ ४१-८ ।

धनुर्मास भावना (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वल्लभ संप्रदाय के अनुसार भगवान की सेवा और शृंगार का वर्णन ।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली ।→सं १-५९ ।

धनुर्विद्या (मूल और टीका) (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।
(क) लि का सं १९११।
प्रा —माधवेश भारती भंडार रीवाँ ।→०० -८० ।
(ख) प्रा —दरबार पुस्तकालय रीवाँ ।→ १-२ ।

धनुर्वेद (पद्य)—बलवंतसिंह कृत । वि धनुर्विद्या ।
प्रा —लाला परमानंद पुरानी देहरी टीकमगढ़ ।→ ६-१२ ।

धनुर्वेद (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि धनुर्विद्या का वर्णन ।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-६२१ ।

धनुषपैज (पद्य —हरपाल (पारवाले) कृत । वि राजा जनक के धनुषयज्ञ का वर्णन ।
प्रा०—चौधरी माताबीन चौक, डा कुचेला (मैनपुरी) ।→११ ७६ ।

धनुष यज्ञ (पद्य)—रामनाथ (प्रधान) कृत । र का सं १८१ । वि राम के द्वारा धनुष का तोड़ा जाना और सीताराम विवाह की कथा ।
प्रा —पं बलभद्र स्वामी आचार्य मंदिर अयोध्या ।→२ -१६१ ए।

धनुष विद्या (पद्य)—जोगे (ग्वाल) कृत । र का सं १७९८ । लि का सं १८११ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—लाला परमानद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ ।→०६–८१ ।

धनुष विद्या→धनुर्विद्या (मूल और टीका)' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत) ।

धनेसरसूरि—जैन । स० १६८२ के लगभग वर्तमान ।

सेतुरजनरास (पद्य)→दि० ३१–२७ ।

धन्ना भगत—अनतदास कृत 'नामदेव आदि की परची सग्रह' ग्रथ में इनका परिचय है ।→०१– ३३ (आठ) ।

धन्नूलाल→'घनपति' ('सागीत बदरेमुनीर' के रचयिता) ।

धन्यकुमार चरित्र (पद्य)—खुशालचद कृत । वि० किसी जैन महापुरुष का जीवन चरित्र ।

प्रा० श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३–२११ बी ।

धन्यधन्य→'घनघन' (नागरीदास कृत) ।

धन्वतरि—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६२१ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री परशुराम चौहरे, नगला धीर, डा० बरहन (आगरा) ।→२६–३६२ ।

धन्वतरि (धनतर)—(?)

औषधि विधि (गद्य)→०६–७० ।

धन्वतरि शतक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—प० रायकृष्ण शर्मा, धरवार, डा० बलरई (इटावा) ।→३५–१५७ ।

धमार (धमा) पदों का सग्रह (पद्य)—विभिन्न कवि (जनगोविंद, नददास, चतुर्भुज, राधिकाकृष्ण आदि) कृत । वि० कृष्ण लीलाएँ ।

प्रा —श्री बालकृष्णदास, चौखबा, वाराणसी ।→४१–४५१ (अप्र०) ।

धमार सग्रह (पद्य)—विविध कवि (व्रजपति, कृष्णजीवन, लछिराम, रामदास आदि) कृत । वि० बसत, धमार और होरी आदि ।

प्रा०—श्री कन्हैयालाल रहसधारी, मगुर्रा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा) । →३५–१५६ ।

धमार सागर (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य कृष्णभक्त) कृत । वि० होरी आदि ।

प्रा०—श्री हरिदेव जी के मदिर के अधिष्ठाता, आनदभवन पुस्तकालय, गोवर्द्धन (मथुरा) ।→३५–१५५ ।

धमारि (पद्य)—कृष्णचद्र (हित) कृत । वि० कृष्ण जी की धमारि लीला ।

प्रा०— नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३१ क

धमारि व चरचरी (पद्य)—गोविंददास कृत । वि० राधाकृष्ण की होली एव सौंदर्य वर्णन ।

प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह शर्मा, असवाई, डा० सिरसागज (मैनपुरी) । →३२–६६ बी ।

धरणीधर—संभत कान्यकुब्ज ब्राह्मण । स० १८५० के लगभग वर्तमान ।

कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→१ -४२ डी ।
षड्चेतन (गद्यपद्य)→१ -४२ ए, २१-१ १ ए, बी ।

धरणीधरदास—राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव । प्रस्तुत पुस्तक के प्रतिलिपिकार जगजीवनदास के पिता ।
चौरासी सटीक (पद्य)→१२-५१ ।

धरनीदास—अन्य नाम धरनीधर । कायस्थ । माझी (सारन बिहार) के निवासी । पिता का नाम परशुराम और पितामह का नाम टिकैतराय । संभवतः विनोदानंद के शिष्य । पीछे गोसाईं होगए ।
उमका प्रसंग (पद्य)→४ -११४ ग ।
ककहरा (पद्य)→४ -११४ घ ।
चेतावनी (पद्य)→सं १-१७० क ।
धरनीदासजू को संकट मोचन (पद्य)→४१-११४ क ।
निर्गुन लीला (पद्य)→सं १-१७ ख सं ७-८१ ।
पद (पद्य)→४१-११४ घ ।
बोध लीला (पद्य)→४१-११४ ङ ।
महराई गोसाईं धरनीदास (पद्य)→४१-११४ ख ।
शब्द प्रकाश (पद्य)→ ६-७१ ।

धरनीदासजू को संकट मोचन (पद्य)—धरनीदास कृत । लि का सं १८१८-४ । वि प्राचीन तथा अर्वाचीन भक्तों का गुणगान । प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-११४ क ।

धरनीधर→धरनीदास ('उमका प्रसंग' आदि के रचयिता) ।

धरम समाधी (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि संस्कृत के 'धर्मसंवाद' का अनुवाद । प्रा —पं प्रभुदयाल शर्मा संपादक 'समाज जीवन' इटावा ।→१५-१५८ ।

धरमसिंह (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १९११ । वि धर्मसिंह की उदारता मितव्ययता और सद्व्यवहार विषयक तीन कथाओं का संग्रह । प्रा —पं बाबूराम शर्मा बरथर डा बसरई (इटावा) ।→१६-१५६ ।

धरमसिंह (कवि)—(?)
कोकसंचार (गद्य)→१२-५४ ।

धरमसी जी—कोई संत ।
पद (पद्य)→सं ७०-६ ।

धरमादास—मानिकपुर शहर निवासी । पिता का नाम माधौ । गुरु का नाम गंगाराम ।
धरमीनामा (पद्य)→सं १-१७१ ।

धरमोनामा (पद्य)—धरमादास कृत। लि० का० सं० १८६६। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१-१७१।

धर्मकुँवरि (धर्मराज कुँवरि)—राजा बाजार के महाराज महेशनारायण की धर्म पत्नी।
गीत शतक (पद्य)→३८-४१।

धर्मगीता (गद्य)—जगन्नाथदास कृत। लि० का० स० १८७२। वि० धर्मराज का युधिष्ठिर को उपदेश देना।
प्रा०—प० राममोहन वैद्य, बलभद्रपुर, डा० मेरची (एटा)।→२६-१६५ ए।

धर्मचरित्र (पद्य)—जवाहरलाल कृत। र० का० स० १६३५। वि० राजाबाजार (जौनपुर) के महाराज महेशनारायणसिंह की धर्मपत्नी धर्मराज कुँवरि के धर्मचरित्रों का वर्णन।
प्रा०—श्री सियाराम हलवाई, बकेबर (इटावा)।→३८-७२।

धर्मचरित्र (पद्य)—हृदयराम कृत। लि० का० स० १८३७। वि० धर्मराज और युधिष्ठिर के आतिथ्य सत्कार का वर्णन।
प्रा०—प० दीपचद, नौनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→४१-३२४।

धर्मजहाज (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। लि० का० स० १६०१। वि० सासारिक मुक्ति का उपाय।
प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा)।→२६-६५ एन।

धर्मदत्त—जैन। स० १५६१ के लगभग वर्तमान।
अजापुत्र राजेंद्र की चौपाई (पद्य)→दि० ३१-२८।

धर्मदत्त चरित्र (पद्य)—दयासागर सूरि कृत। लि० का० स० १८६३। वि० जैन सप्रदाय के महात्मा धर्मदत्त का चरित्र।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-११०।

धर्मदास—वास्तविक नाम जुड़ावन। वैश्य वशीय। बाधवगढ (मध्यप्रदेश) निवासी। नारायणदास और चूड़ामणि के पिता। कबीरदास के शिष्य। इनकी गद्दी धमखेड़ा (छत्तीसगढ) में है। स० १४१७ के लगभग वर्तमान। कुछ लोगों के मतानुसार अकबर और राजा रामचद्र बघेला के समकालीन।
कबीर के द्वादश पथ (पद्य)→०६-१५८।
कायापाखी (पद्य)→२३-१०० ए।
कुमावली (पद्य)→२३-१०० बी।
चरचरी (पद्य)→स० ०७-६१।
शब्द रैदास कौ वाहु (पद्य)→३२-५३।

सुमिरन नाम भाखी (पद्य)→११-१ सी।

धर्मदास—मऊ (बढ़ार देरा, बघेलखंड) के निवासी। गंग, लड्गलेम, दलपति और श्रीपति नाम के इनके चार पुत्र थे। बढ़ारदेरा (बघेलखंड) के राजा प्रतापसाहि सेंगर के आश्रित। ७ १६६४ से सं १७११ तक काव्यकाल। इनके कुल में हरिहर और चंद्रमान दो प्रसिद्ध पुरुष थे। इनके पुत्र गंग बड़े प्रसिद्ध कवि थे। इन्होंने भगवानदेव नाम के एक प्रसिद्ध कवि का भी उल्लेख किया है, जो उपर्युक्त प्रतापसाहि सेंगर के आश्रय में रहते थे।

महाभारत (पद्य)→१७–१८, १ -४१ ए, बी सं १-१७२ क, ख ग घ सं -१७ ।

धमदास बोध→'ज्ञानप्रकाश (कबीरदास कृत)।

धर्मदत्त—जैन। आगरा निवासी। सं १७८२ के लगभग वर्तमान।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य)→११-१ ४।

धर्म परीक्षा (पद्य)—मनोहरदास (जैन) कृत। र का सं १७ ५ (१०७५)। वि विविध धर्मों का गुण दोष वर्णन।

(क) लि का सं १८४ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१ ७ क।

(ख) लि का सं १८५६।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ। →सं ४-२८४ क।

(ग) लि का सं १८७ ।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→११–२७१।

(घ) लि का सं १६७६।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१ ७ ख।

(ङ) लि का सं १८८७।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ। →सं ४-२ ४ ख।

(च) लि का सं १६ ६।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं ४-१८४ ग।

(छ) प्रा०—श्री जैन वैद्य जयपुर।→ ०–१२२।

(ज) प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।→सं ७-१४०।

धर्मपाल—(?)

विष्णुपुराण (पद्य)→२६-२११।

धर्मप्रकाश (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र० का० स० १६०४ । वि० वर्ण और श्रेणी का धर्म वर्णन ।
प्रा० —बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर (बुंदेलखंड) ।→०६–६५ डी ।

धर्ममंदिरगणि—जैन । सं० १७४१ के लगभग वर्तमान ।
प्रबोध चिंतामणि (मोह) विवेक (पद्य)→००-१२० ।

धर्मराज कुवरि→'धर्मकुँवरि' ('गीत शतक' की रचयित्री) ।

धर्मराज गीता (पद्य)— रघुवरदार (रघुवरसखा) कृत । र० का० स० १६०३ । वि० पापियों के दंड और धर्मिष्ठों के मोक्ष आदि का वर्णन ।
प्रा०—श्री विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच) ।→२३–३३३ ए ।

धर्मराय को गीता (पद्य)--तुलसीदास कृत । लि० का० स० १८६१ । वि० धर्मराज के दूतों का स्वरूप, नर को यमपुर लाने के विषय में दूतों के प्रश्न तथा धर्मराय के उत्तर ।
प्रा०—पं० रमाकांत शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ) । →२६–४-४ एन ।

धर्म विलास (पद्य)—द्यानतराय कृत । र० का० स० १७८० । लि० का० स० ८८० । जैन धर्मानुसारी भक्ति ।
प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–६' ख ।

धर्मसंपद की कथा→'धर्मसंवाद' (कृष्ण कवि कृत ।

धर्म संवाद (पद्य)—अन्य नाम 'धर्मसंपद की कथा' और 'धर्मसमाधि कथा' । कृष्ण (कवि) कृत । र० का० स० १७७५ । वि० धर्मराज और युधिष्ठिर का संवाद ।
(क) लि० का० स० १८३३ ।
प्रा०—पं० शीतलाप्रसाद, फतेहपुर (बाराबंकी) ।→२३–२२२ बी ।
(ख) लि० का० स० १८५५ ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–६३ ए ।
(स० १८७४ की एक प्रति चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी में है) ।
(ग) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर ।→०५–८ ।
(घ) प्रा०—ठाकुरद्वारा खजुहा, फतेहपुर ।→२०–८६ ।
(ङ) प्रा०—पं० रामभरोसे, द्वारा पं० मनपोखन, दबहा, डा० चंद्रेपुरा (इटावा) । →दि० ३१-५१ ।

धर्म संवाद (पद्य)—खेमदास कृत । र० का० स० १७७७ । लि० का० स० १८३६ । वि० पांडवों के यज्ञ में श्रीकृष्ण के उपदेशानुसार चांडाल भक्त का समान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०–२१ ।

धर्म संवाद (पद्य)—दयाल (दास) कृत। वि युधिष्ठिर और यमराज का धर्म विषयक संवाद।

(क) लि का सं १८३१।

प्रा —महंत मोहनदास स्थान स्वामी पीताम्बरदास सौनामऊ डा परिआवाँ (प्रतापगढ़)।→२६-१२१।

(ख) लि का सं १८१६।

प्रा०—बाबू छोटेलाल गुप्त क्लर्क डी टी एस कार्यालय दिल्ली। →दि ३१-४।

(ग) प्रा —पं बाबूराम वैद्य जिला बोर्ड का दवाखाना कोटला (आगरा)। →२९-११७।

धर्म संवाद (गद्य)—मुलदास कृत। लि का सं १८८२। वि महाराज युधिष्ठिर और धर्म का संवाद वर्णन।

प्रा —लाला रामकिशन कुरमी अतरौली (अलीगढ़)।→२६-३३४ ए।

धर्म संवाद (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नारद वैशंपायन का संवाद तथा धर्मराज और युधिष्ठिर की महिमा का वर्णन।

(क) लि का सं १७६७।

प्रा —पं रामनाथ मिश्र इमलिया डा तरदारपुर (सीतापुर)। →२६-४१ (परि १)।

(ख) लि का सं १७७२।

प्रा०—श्री रामलाल रसूलपुर डा मौरहरा (खीरी)।→२६-४१ (परि १)।

(ग) लि का सं १६ १।

प्रा —वैद्य राजभूषण कामतापुर डा दरौंवा (लखनऊ)। →२६-४१ (परि १)।

(घ) प्रा०—श्री मन्नीलाल गंगापुर तिवारी मिसिख (सीतापुर)। →२६-४१ (परि १)।

धर्म संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९ १। वि धर्म और युधिष्ठिर संवाद।

प्रा —पं मन्नालाल ब्राह्मण आंकावली डा ताजगंज (आगरा)। →२९-३११।

धर्म संवाद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि धर्म और युधिष्ठिर का संवाद।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-५३१।

धर्म संवाद या धर्म समाधि (पद्य)—हृदयदास (स्वामी) कृत। लि का सं १९०८। वि धर्म विवेचन।

प्रा —पं शिवकुमार धर्मानन्द शाह (आगरा) →१२-८३।

लो सं वि ५८ (११ —५४)

धर्म सवाद सत्य तिलक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६७। वि० धर्म की व्याख्या और महत्त्वा।
प्रा०—ठा० विजयबहादुरसिंह, सैतापुर, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)। → २६–४१ (परि० ३)।

धर्म समाधि कथा→'धर्म सवाद' (कृष्ण कवि कृत)।

धर्मसार (गद्यपद्य)—मनरगलाल (जैन) कृत। र० का० स० १६११। वि० जैन धर्म का वर्णन।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ। → स० ०४–२८०।

धर्मसार (पद्य)—शिरोमनिदास (जैन) कृत। र० का० स० १७५१। वि० जैन धर्म का सार वर्णन।
(क) लि० का० स० १८६४।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →स० ०४–३८०।
(ख) प्रा०—श्री जैन मदिर, कठवारी, डा० रुनकुता (आगरा)।→३२–२००।

धर्मसिंह (राजा)—अनूपशहर (बुलदशहर) के राजा। निधान कवि के आश्रयदाता। स० १८३३ के लगभग वर्तमान।→१७–१२७।

धर्म सुबोधिनी (गद्यपद्य)—लाड़लीदास कृत। र० का० स० १८४२। वि० राधावल्लभ सप्रदाय के सिद्धात।
प्रा—गो० गोवर्द्धनलाल जी, हरदीगज (झाँसी)।→०६–१६४।

धर्मादर्श (पद्य)—रणजीतसिंह (महाराज) कृत। लि० का० स० १६३६। वि० व्रत, उपवास और प्रायश्चित आदि का वर्णन।
प्रा०—श्री शिवदयाल, कफारा, डा० ईशानगर (खीरी)।→२६–३६७।

धर्मादास—(?)
विदग्ध मुखमडन (पद्य)→स० ०१–१७१।

धवलपचीसी (पद्य)—बाँकीदास (आसिया) कृत। वि० बैलों की प्रशसा।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१५४ क।

धातुनाम शोधन मारण विधि सटीक (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० वैद्यक।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–१०३।

धातुमारन विधि (पद्य)—आधार (मिश्र) कृत। लि० का० स० १८६०। वि० धातुओं का भस्म तैयार करने की विधि।
प्रा०—लाला स्वामीदयाल, ताहरपुर, डा० मुरसान (अलीगढ)।→२६–२ ए।

धातुमारन विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आयुर्वेद।

प्रा —श्री कामताप्रसाद प्रधानाध्यापक कुंडौल डा शौकी (आगरा)। →
२६-११८।

घाल—(?)

कवित्त (पद्य)→सं ४-१७१।

घिरजाराम—शाकद्वीपी ब्राह्मण। पिता का नाम मुरलीधर तथा पितामह का नाम दामोदर। रामगढ़ नगर के निवासी। राजा विष्णुसिंह के आश्रित। सं १८८७ के लगभग वर्तमान।

सुदामाचरित्र (पद्य)→सं ०४ १७२।

धीर—राजा धीरकिशोर के आश्रित। सं १८५७ के लगभग वर्तमान।

कविप्रिया का तिलक (गद्यपद्य)→ १-२६।

धीर→'देवीदत्त (शुक्ल)' ('हनुमत धीर रजा' के रचयिता)।

धीर→'धीरसिंह (महाराज)' ('अलंकार मुक्तावली') के रचयिता।

धीर की समया→'पृथ्वीराजरासो' (चंदबरदाई कृत)।

धीरज का अंग (पद्य)—सेवादास कृत। वि धैर्यवानों का माहात्म्य।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१ १ ख।

धीरजराम—सारस्वत ब्राह्मण। कृपाराम के पुत्र। सं १८१ के लगभग वर्तमान।

चिकित्सासार (पद्य)→ ३-७२ १०-४१ पं १२-३७ २१-१ १ २६-८७।

धीरजसिंह—श्रीवास्तव कायस्थ। हिम्मतसिंह के पुत्र। पूर्वज गोरखपुर (उसका बाजार) निवासी। अनंतर धौरहरा (औवाहा राज्य) में रहने लगे।

गणित चंद्रिका (गद्यपद्य)→ ६-१ ८।

वस्तुर चिंतामणि (गद्यपद्य)→ ६-१ बी।

धीरजसिंह—क्षत्रिय। यशामाथी नामक गाँव के अधिपति। मोतीराम के आश्रयदाता।
सं १ १७ के लगभग वर्तमान।→१२-११६।

धीर रस सागर (पद्य)—मोतीराम कृत। र का सं १८२७। लि का सं १८१७।
वि नायिकाभेद।

प्रा०—लाला दामोदर वैश्य कोठीवाला लोईबाजार वृंदावन (मथुरा)।→
१२-११६।

धीरसिंह (महाराज)—कोई राजा। सं १८४१ के पूर्व वर्तमान।

अलंकार मुक्तावली (पद्य)→०५-१६ २१-१ २; सं ४-१७४।

धुँधलीमल—कोई सिख। धौलेर निवासी। गरीबनाथ के पुत्र। सं १७४१ के लगभग वर्तमान। 'सिखों की वाणी' में भी संगृहीत। →४१-५६; ४१-११६।

सबदी (पद्य)→सं १ -६४।

धूचिरत→'ध्रुवचरित्र' (गोपाल या जन गोपाल कृत)।

धौंकल (मिश्र)—भरतपुर नरेश पुहुपसिंह के पुत्र तेजसिंह के आश्रित। स० १८५६ के लगभग वर्तमान।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)→सं० ०१-१७२।

शकुंतला नाटक (पद्य)→३२-५५।

धौंकलसिंह—स० १८०५ के लगभग वर्तमान।

रमल प्रश्न (पद्य)→'७-१०।

ध्यान चिंतामणि (पद्य)—रामसेवक (महात्मा) कृत।→०६-२५८।

टि० ग्रंथ अनुपलब्ध है, पर खोज विवरण में इसकी सूचना है।

ध्यानदास—कोई संत। गुरु का नाम गोपाल।

गुणमाया संवाद जोग ग्रंथ (पद्य)→४१-११६, स० ०७-६२ क।

गुणादिबोध जोग ग्रंथ (पद्य)→४१-११६, स० ०७-६२ ख।

पद (पद)→०७-६२ ग।

हरिचंद संत (पद्य)→०१-१०७, प० २२-२८, २६-८६, ४१-११६, स० ०७-६२ घ, ङ, च, छ।

टि० खो० वि० ४१-'१६ में 'गुणमाया संवाद जोग ग्रंथ', 'गुणादिबोध जोग ग्रंथ' और 'हरिचंद संत' तीनों ग्रंथ एक ही हस्तलेख में संगृहीत हैं।

ध्यानदास—(?)

दानलीला (पद्य)→० -१६० ए।

मानलीला (पद्य)→०६-१६० बी।

ध्यानमंजरी (पद्य)—अन्य नाम 'राम ध्यानमंजरी'। अग्रदास कृत। वि० रामस्तुति और भजन।

(क) लि० का० स० १८५१।

प्रा०—प० सुखदेवप्रसाद, पुरा सेवकराम, डा० लक्ष्मीकांतगंज (प्रतापगढ)।→ २६-४ ए।

(ख) लि० का० स० १६०२।

प्रा०—प० बाँकेलाल शास्त्री, डा० खेरागढ (आगरा)।→२६-३ ए।

(ग) लि० का० स० १६०७।

प्रा०—बाबा विट्ठलदास महंत, मिरजापुर (बहराइच)।→२३-४।

(घ) लि० का० स० १६५१।

प्रा०—पं० माखनलाल मिश्र, मथुरा।→००-७७।

(ङ) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१२१ ए (विवरण अप्राप्त)।

(च) प्रा —पं० बाबादीन ठाकुरद्वारा लखुहा (फतेहपुर)।→२–१ बी।

(छ) प्रा —पं रामावतार शर्मा किशनदासपुर डा परिवाओं (प्रतापगढ़)। →२६–४ बी।

(ज) प्रा —श्री मानिकलाल बनवारीलाल चौकी मवीस चरखरी। → २६–४ सी।

(झ) प्रा —पं देवकीनंदन मम्मनलाल कागारोल, खेरागढ़ (आगरा)। →२६–१ बी।

(ञ) प्रा —पं लक्ष्मीनारायण पचवान डा फिरोजाबाद (आगरा)।→ २६–१ सी।

(ट) प्रा —पं धन्नू महराज चिरखा डा शाहदरा (दिल्ली)। →दि ३१–१।

(ठ)→पं २२–१ ए।

ध्यानमंजरी (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। र का सं १७२६। वि अयोध्या में रामदरबार और सीताराम की युगल मूर्ति का वर्णन।

(क) लि का सं १ ६५।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६–६ ए।

(ख) लि का सं १८९८।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७–१६ ए।

(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→३१–३१।

ध्यानमंजरी (पद्य)—वृंदावनशरणदेव कृत। लि का सं १६७२। वि राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा —बाबा माधवदास महंत निंबार्क पुस्तकालय मामपारा (महाराष्ट्र)। → ३१–४४८।

ध्यानलीला (पद्य)—गदाधर (भट्ट) कृत। वि श्री कृष्ण का ध्यान करने की विधि।

प्रा०—महंत भगवानदास खाकीस्थान वृंदावन (मथुरा)।→१२–५४।

ध्यानलीला (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि राधाकृष्ण की ध्यान विधि।

प्रा —महंत भगवानदास जी खाकीस्थान वृंदावन (मथुरा)।→ ९–१५४।

ध्रुव की कथा→'ध्रुवचरित' (गोपाल या बनगोपाल कृत)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—अन्य नाम ध्रुव की कथा। गोपाल (बनगोपाल) कृत। वि ध्रुव की कथा।

(क) लि का सं १७८ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ०७–१६ क।

(ख) लि का सं १८६७।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ०७–१६ ख।

(ग) लि का सं १८ १।

प्रा०—श्री रामदास वैरागी, कुटी नइका नगला, डा० मुरसान (अलीगढ)। →२६–१२३ बी।

(घ) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०,–१७५ (विवरण अप्राप्त)।

(ङ) लि० का० सं० १६००।

प्रा०—पं० जनार्दन जी, भिटौरा, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३–१८० बी।

(च) प्रा - बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी।→००–२५।

(छ) प्रा०—पं० हरिप्रसाद, जौनई, डा० ककुआ (आगरा)।→२६–१२३ सी।

(ज) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–३६ छ।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—जगदेव (जन) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२७२ (विवरण अप्राप्त)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—परमानददास कृत। र० का० सं० १,८६। लि० का० सं० १७६६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०३ (विवरण अप्राप्त)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—मधुकरदास कृत। र० का० सं० १७८२। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री लक्ष्मीप्रसाद दुकानदार, अगरपाल, डा० शेरगढ (मथुरा)। → ३८–६४ बी।

(ख) प्रा०—पं० भजनलाल, सौंख (मथुरा)।→३८–६४ ए।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—मलूकदास कृत। लि० का० सं० १७८४। वि० ध्रुव की कथा का वर्णन।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।→सं० ०४–२८८ च।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—साधुजन कृत। वि० ध्रुव की कथा।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–४४७।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत। र० का० सं० १८१२। लि० का० सं० १८६५। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१७६ बी।

ध्रुवचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—मुशी लालसिंह, नारखी (आगरा)।→२६–३६५।

ध्रुवचरित्र (ध्रूचरित्र) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० श्यामसुदर दीक्षित, हरिशकरी, गाजीपुर।→सं० ०७–२३६।

ध्रुवदास—राधावल्लभी सप्रदाय के प्रवर्तक हित हरिवश जी के शिष्य। सुप्रसिद्ध भक्त कवि। वृंदावन निवासी। कविता काल सं० १६६० से १७०० तक।

अनुरागलता (पद्य)→०६–७३ बी, सं० ०१–१०४ क।

रसमुक्तावली लीला (पद्य)→००-२०, ०६-१५६ बी, ०६-७३ ओ, ४१-५०७ ढ (अप्र०)।

रसरत्नावली लीला (पद्य)→००-१०, ०६-७३ क्यू।

रसविहार लीला (पद्य)→००-१३ (पाँच), ०६-१५६ ए, ०६-७३ वाई।

रसहीरावली लीला (पद्य)→०६-७३ पी, ४१-५०७ ग (अप्र०), स० ०१-१७४ च।

रसानंद लीला (पद्य)→०६-७३ ए, स० ०१-१७४ ड।

रहसिमंजरी (पद्य)→००-१२, ०६-७३ डी।

रहसि (रहस्य) लता लीला (पद्य)→००-१३ (ग्यारह), ०६-७३ इ।

वनविहार लीला (पद्य)→००-१३ (तीन), ०६-७३ जेड।

विवाह (पद्य)→१२-५२ जी।

वृंदावनसत (पद्य)→००-८, ०६-७३ सी, १६-१०५ ए, बी, २६-८८ सी से एच तक, दि० ३१-२६, ४१-५०७ न (अप्र०), स० ०७-६३।

वैद्यकलीला (पद्य)→०६-७३ आई, स० ०१-१७४ झ।

शृंगारमणि (पद्य)→४१-११७ ग।

शृंगारसत लीला (पद्य)→००-६, ०६-१५६ ई, ०६-७३ एस।

सभामंडली (पद्य)→००-२१, ०६-७३ एन, ४१-५०७ त (अप्र०)।

सिद्धांत विचार (पद्य)→०६-७३ आई, १७-५१ बी।

सुखमंजरी लीला (पद्य)→००-१३ (एक), ०६-७३ के।

हितशृंगार लीला (पद्य)→०६-७३ टी, स० ०१-१७५ ञ।

ध्रुवदास की बानी (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० सं० १८१०।

प्रा०—महाराज महेंद्रसिंह जी, भदावर राज्य, नौगवाँ (आगरा)।→२६-८८ ए।

(ख) प्रा०—श्री रामचंद्र वैद्यरत्न, भारत औषधालय, मथुरा।→१७-५१ ए।

ध्रुव प्रश्नावली (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि० ज्योतिष।

प्रा०—पं० गणेशदत्त मिश्र, द्वितीय अध्यापक, इंगलिश ब्रांच स्कूल, गोंडा।→०६-३२३ एन।

ध्रुवलीला (पद्य)—महादेव कृत। वि० ध्रुव की कथा।

(क) लि० का० सं० १६५०।

प्रा०—पं० रामभद्र पुजारी, कलाबघा, डा० मौरावाँ (उन्नाव।→२६-२८०।

(ख) लि० का० सं० १६४०।

प्रा०—लाला रामदीन, अतरौली (हरदोई)।→२६-२१६ ए।

ध्रुवलीला (पद्य)—सुंदरलाल कृत। र० का० सं० १६०१। वि० नाम से स्पष्ट।

(क) लि० का० सं० १६१८।

प्रा०—श्री शालिग्राम चौबे, मुन्नागढी, डा० दादोन (अलीगढ)। →२६-३१८ ए।

(ख) लि का सं १९२६।
प्रा —लाला रामनारायण नसीरपुर डा लखीमपुर (खीरी)।→२६-४१९ ए।
टि खो वि २६-८९९ ए पर भूल से रचयिता को मुंदरदास मान लिया गया है।

ध्रुवाष्टक नीति→'उत्तमनीति चंद्रिका' (महाराज विश्वनाथसिंह कृत)।

ध्वनि प्रकाश→ उत्तम काव्य प्रकाश (महाराज विश्वनाथसिंह कृत)।

ध्वनि विलास (पद्य)—गोपालराम (भाट) कृत। र का सं १९ ७। वि रीति ग्रंथ।
प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा)।→१२–६२ ई।

नंद—'कोकसार' के सहयोगी रचयिता। मुकुंद के बड़े भाई।→सं ४–१७६।

नंद→केसरीसिंह ('सगारथ लीला' के रचयिता)।

नंद (नंदलाल)—जैन। आगरा के निवासी। गोयल गोत्रीय अग्रवाल। पिता का नाम भैरों। माता का नाम चंदन। गुरु का नाम त्रिभुवनकीर्ति। जहाँगीर बादशाह के समकालीन। संवत् १६६१–७ के लगभग वर्तमान।
यशोधर चरित्र (पद्य)→सं ४–१७८ ग सं १०–६६।
सुदर्शन चरित्र (पद्य)→सं ४– ७८ क ख।

नंद (व्यास)—सं १७८९ के पूर्व वर्तमान।
मानलीला (पद्य)→ ६–१ ए।
पत्रलीला (पद्य)→ ६–१ बी।

नंदईश्वर→ईश्वरनंद (बानी के रचयिता)।

नंदकुमार लीला→'नंदोत्सव लीला' (व्यासीदास कृत)।

नंद और मुकुंद—दो भाई। नंद का अन्य नाम अनंद या आनंद और मुकुंद का अन्य नाम धनमुकुंद और मुकुंददास। भटनागर कायस्थ। पिता का नाम चिंतामनि। हिसार (पंजाब) के अंतर्गत कनार कैथी स्थान के निवासी। सं १६६ के लगभग वर्तमान। 'राजस्थान में हिंदी के हस्तलिखित ग्रंथों की खोज' (भा १; पृ १४२) में आनंद या नंद को मानसकार तुलसीदास का शिष्य बतलाया गया है।
भाषनमंजरी सार (पद्य)→२६–२२ एच।
इश्कनामा (पद्य)→२२–२२ ए।
कोक (भाषा) (पद्य)→ ९–१८३ ए, बी; २३–२९५; २६–२२४; सं ४–१ १।
कोकसार (पद्य)→०१–५; ६–१२१ ए; १७–७ २०–६ ए, बी; पं २२–८; २३–२१ बी से जे तक; २६–१ ए से के तक दि ३१–७; सं १–३६ क ख सं ४–११ क से ङ तक; सं ४–१७६; सं १ –४।

खो सं वि ५९ (३३ –६४)

भागवत (महापुराण) (पद्य)→३५–६५।

भ्रमरगीत (पद्य)→०२–१०४ (दो), ०६–२७३, ०६–१८४, २०–११३ एफ, २३–२८१, २६–२४८ डी, सं० ०८–११४।

टि० नंद और मुकुंद ने कामशास्त्र विषय पर जहाँ सम्मिलित रूप से ग्रंथ रचना की है, वहीं पृथक पृथक भी रचना की है। 'काकसार' संभवतः सम्मिलित रचना है जब कि अन्य ग्रंथों की रचना पृथक पृथक हुई है।

नंदकिशोर—सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।

पिंगल प्रकाश (पद्य)→१७–१२०, २०–११४।

नंदकिशोर—लखनऊ निवासी। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।

सत्यनारायण कथा (पद्य)→२६–३१७।

नंदकुमार (गोस्वामी)—गो० नवलकिशोर के पुत्र। संभवतः १६वीं शताब्दी में वर्तमान।

प्रेमजंजीर (पद्य)→१२–१२१।

नंदगाँव बरसाने की होरी (पद्य)—सहदेव कृत। वि० होली का वर्णन।

प्रा०—पं० रामविलास, मदारनगर, डा० बथर (उन्नाव)।→२६–४१४।

नंदगोपाल—उप० सुखपुंज। कायस्थ। काशी निवासी। सं० १८१६ के लगभग वर्तमान।

विनयविहार (पद्य)→२३–३६६।

नंदजी की वंशावली (पद्य)—किशोरीदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→२३–२१४ ए।

नंदजी की वंशावली (पद्य)—सदानंददास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम, रायबरेली।→०६–२७१, २३–३६५।

नंददास—अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। सनाढ्य ब्राह्मण। जन्म सं० १५५८। संभवतः गो० तुलसीदास जी के चचेरे भाई। गो० विट्ठलनाथ जी के शिष्य। निहारूदास के गुरु भाई। वास्तविक नाम जनमुकुंद (?)।

अनेकार्थ मंजरी (पद्य)→०२–५८, ०६–२०८ डी, २०–११३डी, ई, २३–२६४ ए, बी, सी, डी, २६–३१६ ए से एच तक, २०–२४४ ए, बी, सी।

कृष्णमंगल (पद्य)→३५–६७।

नाम चिंतामणि (पद्य)→०६–२०० सी, ४१–११८ ख।

नायक नायिकाभेद (पद्य)→४१–११८ क।

पदों की बानी (पद्य)→३२–१५२।

भागवत (दशम स्कंध) (पद्य)→०१–११, ०६–२०० बी, ४१–५०८ग (अप्र०)।

मानमंजरी (पद्य)→०६–२०८ बी, सी, १७–११६ ए, २०–११३ ए, बी, सी,

२१–२१४ ई से जे तक १६–२४८ ई एफ बी वि ११–११ ए, ४१–५ ८ क, ख (प्रम)।

रसमंजरी (पद्य)→ १–१ ८ ई सं १–१७५ ख।

रानीमंगी (?) (पद्य)→२६–२४४ आइ।

रासपंचाध्यायी (पद्य)→ १–३६ ६–२ ए, १७–११२ बी; प २२–७२ बी; २६–२४४ के के वि ११–११ बी ४१–५ ८ च ८ च (प्रम) सं ४–१७७।

रुक्मिणी मंगल (पद्य)→१२–१२ , २६–२४४ एल।

रूपमंजरी (पद्य)→ १ १ १ पं २२–७२ सी सं १ १७५ च।

विरहमंजरी (पद्य)→ २–७ ६–२ ८ एफ; पं २२–७२ बी २६–२४४ एम एम।

श्याम सगाई (पद्य)→ ६–२ ई १७ ११२ सी सं १–१७५ ग।

नंददास—(?)

नासिकेत पुराण (भाषा) (गद्य)→ १–२ ८ ए।

नंददास—(?)

राजनीति (पद्य)→०५–३६ २६–३१६ आई, बे।

नंदराम—सांडेह नगर (मलीहाबाद लखनऊ) के निवासी। मावर के राजा रघुनाथ सिंह के आश्रित। अन्य भाइयों के नाम देवराम और भास्कर। भास्कर के वंशज पं रामभरोसे और पं विश्वनाथ नामक दो भाई वर्तमान हैं।

शृंगारदर्पण (पद्य)→सं ०७–६४।

नंदराम—खंडेलवाल वैश्य। अंबाजी निवासी। बलिराम के पुत्र। सं १७४४ के लगभग वर्तमान।

नंदराम पचीसी (पद्य)→ –१२६।

नंदराम (जैन)—राजगंज (भामरा) निवासी। उमेदीमल अग्रवाल के आश्रित (?)। संभवतः सं १६ में वर्तमान।

त्रिलोकमंगल पूजा पाठ (पद्य)→सं १ –६५।

नंदराम पचीसी (पद्य)—नंदराम कृत। र का सं १७०८। वि कलियुग वर्णन। प्रा —श्री जैन मैद जयपुर।→ –१२६।

नंदलाल—शाहाबाद के निवासी। पिता का नाम मलिराम। सं १८७२ के पूर्व वर्तमान।

मैमुनिपुराण (अश्वमेध) (पद्य)→२६–२४५ ए बी सी।

नंदलाल—मलीहाबाद निवासी। सं १८४४ के लगभग वर्तमान।

रागप्रबोध (पद्य)→२६ ११६।

नंदलाल—सं १६११ के पूर्व वर्तमान।

बारहमासा (पद्य)→२३-२६६ ।

नदलाल—(?)

पनघट की रगत लँगड़ी (पद्य)→२६-३१८ ।

नदलाल→'ग्रानदलाल' ('देवीचरित्र' के रचयिता) ।

नदलाल और ऋषभदास—जैन । जयपुर निवासी । महाराज जयसिंह तृतीय (राज्यकाल स० १८७१-६२) के समकालीन । नदलाल ज ति के छावड़ा । पिता का नाम जयचद, जो सभरत राज्य के दीवान ग्रमरचद के आश्रित थे ।

मूलाचार (भाषा) (गद्य)→१७-१२१, स० १०-६७ ।

नदीराम—जगरो (लुधियाना) के निवासी । पुस्तकाधिकारी प० हरभगवान जी के पितामह । स० १८६४ के लगभग वर्तमान ।

भगवद्गीता (गद्यपद्य)→१७-१२२ ।

नदीश्वरद्वीप पूजा (पद्य)—मनरगलाल (पल्लीवाल) कृत । वि० नदीश्वर की पूजा का महत्व ।

प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि० ३१-५७ ।

नदोत्सव (गद्य)—रचयिता ग्रज्ञात । लि० का० स० १६१८ । वि० कृष्ण जन्मोत्सव ।

प्रा०—पं० कन्हैयालाल, फतेहाबाद (ग्रागरा) ।→२६-४३७ ।

नदोत्सव (गद्य)——रचयिता ग्रज्ञात । लि० का० स० १६३६ । वि० कृष्ण के जन्म पर नद के घर उत्सव वर्णन ।

प्रा०—श्री विहारी जी का मदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-३८० ।

नदोत्सव लीला (पद्य)—ख्यालीदास कृत । र० का० स० १६२३ । वि० कृष्ण जन्मोत्सव ।

(क) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा०—ठा० रतनसिंह, भरथा, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२६-२४० ए ।

(ख) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा० — ठा० गगासिंह, मभगवाँ, डा० ग्रोयल (खीरी) ।→२६-२४० बी ।

नकुल (पाडव)—(?)

शालिहोत्र (गद्यपद्य)→००-६६, ०६-२०४, २६-३१४, स० ०४-१७६ क,ख ।

नक्षत्र प्रकाश (पद्य)—रचयिता ग्रज्ञात । र० का० स० १८८३ । लि० का० स० १८८५ । वि० ज्योतिष ।

प्रा०—श्री उमाशंकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई ।→२६-४२ (परि० ३) ।

नक्षत्र राशि चरण कुडली फलाफल ज्योतिष (पद्य)—पतितदास कृत । र० का० स० १६३७ । वि० ज्योतिष ।

(क) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—ठा० दिग्विजयसिंह, तालुकेदार, दिकौलिया, डा० विसवाँ (सीतापुर) ।
→२०-२१४ सी ।

(ख) लि० का० सं० १६४८ ।

प्रा०—महाराज श्री प्रकाशसिंह, मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→२६–१४६ एफ ।

नक्षत्रलीला (पद्य)—परसुराम कृत । वि० नक्षत्रों का दार्शनिक विवेचन ।

प्रा०—सेठ रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला शाहाबाद (मथुरा) । →१५–७४ बी ।

नखशिख (पद्य)—अब्दुर्रहमान (मिर्जा) कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० नायिका का नखशिख वर्णन ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ १–५ ।

नखशिख—उम्मेदसिंह कृत अनुपलब्ध ग्रंथ ।→१७–५६ ।

नखशिख (पद्य)—कलानिधि (भट्ट) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १ ५१ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मसेवक (देव एकार्डरेंट) छतरपुर । → १–४ ।

(ख) लि० का० सं० १६ ८ ।

प्रा०—ग० नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव) ।→२१–१६६ ।

(ग) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→ –११२ ।

(घ) प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१७९ बी ।

नखशिख (पद्य)—कान्ह (कवि) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) । → १–६ ।

(ख) प्रा०—श्री मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा) ।→१२–१ ७ बी ।

नखशिख (पद्य)—कालिकाप्रसाद कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—मिनगानरेश का पुस्तकालय मिनगा (बहराइच) ।→२१–२ १ ।

नखशिख (पद्य)—कुलपति (मिश्र) कृत । लि० का० सं० १६१५ । वि० राधाकृष्ण का नखशिख ।

प्रा०—लाला लक्ष्मीप्रसाद, वन विभाग दतिया ।→ ६–१८५ बी (विवरण अप्राप्त) ।

नखशिख (पद्य)—केशवदास (?) कृत । लि० का० सं० १८५१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–२६ ।

नखशिख (पद्य)—अन्य नाम शोभादर्पण । गुलामनबी (रसलीन) कृत । र० का० सं० १७९४ । वि० राधिका जी का नखशिख ।

(क) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—ठा० त्रिभुवनसिंह हैदरपुर डा० मीसगाँव (सीतापुर) ।→२१–१४ ८ ।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर ।→०५–१५ ।

नखशिख (पद्य)—गोकुल (कवि) कृत । वि० श्रीकृष्ण का नखशिख वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–८६ ।

नखशिख (पद्य)—छितिपाल कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–११६ ।

नखशिख (पद्य)—जगतसिंह कृत । र० का० स० १८७७ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) प्रा०—बाबू महादेवसिंह बी० ए०, वकील, फैजाबाद ।→ ६–१२७ सी ।
(ख) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–१७६ डी ।

नखशिख (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—बाबू सुदर्शनसिंह रईस, सुजाखर, डा० लक्ष्मीकातगज (प्रतापगढ)।→२६–६५ ई ।

नखशिख (पद्य)—प्रतापसाहि कृत । लि० का० स० १६२५ । वि० बलभद्र कृत नखशिख की टीका ।
प्रा०—भारती भवन पुस्तकालय, छतरपुर ।→०६–६१ के ।

नखशिख (पद्य)—अन्य नाम 'रामजानकी को नखशिख' और 'सीताराम नखशिख' । प्रेमसखी कृत । वि० रामजानकी का नखशिख वर्णन ।
(क) लि० का० स० १६२३ ।
प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२३० ए ।
(ख) प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या । →०६–२३० बी ।
(ग) प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७–१२० सी, डी ।
(घ) प्रा०—प० रघुनदन, अलावलपुर (फैजाबाद) ।→२०–१३४ बी ।

नखशिख (पद्य)—बलभद्र कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० स० १८०२ ।
प्रा०—प० रघुवीरचरण मिश्र, बिल्हौर (कानपुर) ।→२६–२६ ए ।
(ख) लि० का० स० १८०२ ।
प्रा०—प० शिवकुमार, अहनापुर, डा० बसोरा (सीतापुर) ।→२६–२६ बी ।
(ग) लि० का० स० १८०७ ।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा जयपुर ।→००–१११ ।
(घ) लि० का० स० १८७२ ।
प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला, आजमगढ ।→०६–१५ ।
(ङ) लि० का० सं० १८८५ ।

प्रा —पं सतवरुश तिवारी, तिवारी का पुरवा डा महाराजगंज (महाराष्ट्र)।
→१९-२८।

(ख) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-८१।

(ग) प्रा —श्री राधेचरण गोस्वामी घेरा श्री राधारमण जी वृंदावन
(मथुरा)।→१६-२१।

नखशिख (पद्य)—भीष्म कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १६११।

प्रा —पं कुकुमचंद्र चतुर्वेदी, मर्कंडगंज (प्रतापगढ़)।→२६-११।

(ख) प्रा —श्री मकरलाल तिवारी राजाताश डा लालगंज (प्रतापगढ़)।
→सं ४-२११।

नखशिख (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १६ १।

प्रा —पं बदरीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→२१-१८८ ए।

(ख) लि का सं १६ १।

प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक प्रांतीय हाईजिन इंस्टीट्यूट, मेडिकल कालेज,
लखनऊ।→सं ४-१ १ क।

(ग)→पं २१-६८।

नखशिख (पद्य)—शिवनाथ (द्विवेदी) कृत। लि का सं १६११। वि नाम
से स्पष्ट।

प्रा —श्री बालगोविंद हलवाई मवायगंज (बाराबंकी)।→ ६-१६१।

टि खोज विवरण में कृपालसिंह को रचयिता माना गया है जो भ्रामक है।
पुस्तक संभवतः प्राप्तदाता के सहयोग से लिखी गई है।

नखशिख (पद्य)—श्रीगोविंद कृत। लि का सं १८२४। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —श्री धुमीलाल वैद्य दंडपाणि की गली वाराणसी।→ ६-२ बी।

नखशिख (पद्य)—संतबख्श (वंदीजन) कृत। वि सीताराम का नखशिख।

प्रा —श्री बजरंगबली ब्रह्मभट्ट रौतपुर डा हैदरगढ़ (बाराबंकी)।→
२१-१७४।

नखशिख (पद्य)—सुकवि (मिश्र) कृत। वि शृंगार।

(क) लि का सं १८५१।

प्रा०—ठा मौलिहालसिंह सेंगर कौंथा (उन्नाव)।→११-४१६ बी।

(ख) लि का २ वीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-४५६।

नखशिख (पद्य)—सेवादास कृत। र का सं १८४। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८५५।

प्रा —श्री भवानीशंकर याज्ञिक, गोकुल (मथुरा)।→१२-१६७ सी।

(ग) लि० का० सं० १८८१ ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१–१८८ ग ।

नखशिख (पद्य)—हरिवंश (पर्वाटा) कृत । र० का० सं० १७८१ । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—श्री गोपालराम ब्रह्मभट्ट, बिलग्राम (हरदोई) ।→१२–७२ ।

नखशिख→'कृष्णचन्द्रजू का नखशिख' (ग्वाल कवि कृत) ।

नखशिख→'शिखनख' (हनुमान कृत) ।

नखशिख ब्रजराजचन्द्रजू→'कृष्णचन्द्रजू का नखशिख' (ग्वाल कवि कृत) ।

नखशिख राधाजी को (पद्य)—मदन कृत । र० का० सं० १८२५ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० सं० १८८४ ।

प्रा०—पं० लालमणि वैद्य, पुवायाँ (शाहजहाँपुर) ।→१२–३१ ई ।

(ख) लि० का० सं० १९०२ ।

प्रा०—राजा लालताबख्शसिंह, नीलगाँव (सीतापुर) →२३–७३ बी ।

नखशिख रामचन्द्रजू को (पद्य)—विरागी कृत । र० का० सं० १८२० । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) प्रा०—श्री बालगोविंद हलवाई, नवाबगंज (बाराबंकी) ।→०६–३० ।

(ख) प्रा०—गो० रामचरण, वृंदावन (मथुरा) ।→१०–७५ ।

नखशिख रामचन्द्रजू को→'जुगल नखशिख' (प्रतापसाहि कृत) ।

नखशिख वर्णन→'उपमालंकार नखशिख वर्णन' (बलबीर कृत) ।

नखशिख सटीक (गद्यपद्य)—मणिराम कृत । र० का० सं० १८४२ । वि० बलभद्र कृत 'नखसिख' की टीका ।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल टँगार, गोकुल (मथुरा) ।→१२–१०८ ।

(ख) प्रा०—पं० परशुराम चतुर्वेदी एम० ए०, एल० एल० बी०, बलिया ।→४१–१३५ (अप्र०) ।

नजीर—प्रसिद्ध मुसलमान कवि । अकबराबाद (आगरा) के मुहल्ला ताजगंज के निवासी । जन्मकाल सं० १७९७ । मृत्युकाल सं० १८७७ । ये सेठों और अमीरों के लड़कों को पढाया करते थे । सूफीमत के अनुयायी । मृत्यु होने पर ताजगंज में गाढे गए ।

कन्हैयाजू का जन्म (पद्य)→२९–२५१ ए ।

दोहा संग्रह (पद्य)→३२–१५६ ।

नजीर की रचनाएँ फुटकर एवं सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०१–१७६ ।

बंजारानामा (पद्य)→२९–२५१ सी ।

बाँसुरी (पद्य)→२९–२५१ बी ।

हंसनामा (पद्य)→२६–३३३ ए, बी, २९–२५१ डी ।

नजीर की रचनाएँ पुटकर एवं सुदामाचरित्र (पद्य)—नजीर कृत । वि उपदेश और सुदामा की कथा ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-१७६ ।
नटनागर विनोद (पद्य)—रतनसिंह कृत । वि शृंगार रस ।
प्रा —श्री प्रभाराम कायस्थ पनेराव गोरवार (जोधपुर) ।→ १-१ १ ।
नथन—संभवत १६ वीं शती में वर्तमान ।
बारहमासा (पद्य)→सं ४-१८ ।
नत्थासिंह—गौड़ ब्राह्मण । परीक्षितगढ़ (मेरठ) निवासी । संभवत सं १८८६ के लगभग वर्तमान ।
पद्मावत (पद्य)→१२-१२२ ।
नथमल—जैन मतावलंबी । पिता का नाम शोभाचंद । पितामह का नाम जेठमल और पितृव्य का नाम गोकुलचंद । बिलालागोत्रीय खंडेलवाल वैश्य । इनके पुरखे आगरा में रहते थे वहाँ से वे पहले भरतपुर में आकर बसे । पर पीछे रायपुर चले गए । भरतपुर में किन्हीं केसौराय (खोंडकोड प्रसिद्ध) के पौतदार मामाराम के खजांची । १६ वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान ।
जीवनधर चरित्र (भाषा) (पद्य)→सं १ -६८ ।
नागकुमार चरित्र (पद्य)→सं ४-१८१ ।
सिद्धांतसार (पद्य)→सं ७-६५ ।
नथमल (?)
चौबीस तीर्थंकर की विनती (पद्य)→सं १-१०७ ।
नथमल (जैन)—ढूँढाहर देश (राजस्थान) के अंतर्गत जयपुर निवासी । साधी (दोसी ?) गोत्रीय । पिता का नाम शिवचंद और पितामह का नाम तुलीचंद । जयपुर नरेश महाराज रामसिंह (राज्यकाल सं १८९२-१९३७) के समकालीन ।
महीपालचरित्र की देशभाषा मय वचनिका (गद्य) →सं १ -६६ क ख ।
ननवाँ (शुक्ल)—गिरधारीसिंह के मित्र । ख्याल लिखने में सिद्धहस्त । बीसवीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध में वर्तमान ।→वि ११-११ ।
लावनी ख्याल (पद्य)→वि ११-१२ ।
नबीरोशन—मऊ (जौनपुर) निवासी । सं १६७६ के लगभग वर्तमान ।
ज्ञानदीप (पद्य)→०२-१११ ।
नयचक्र की वचनिका बालबोध→'नयचक्र मूल टीका (हेमराज जैन कृत) ।
नयचक्र की सामान्य वचनिका→'नयचक्र मूल टीका (हेमराज जैन कृत) ।
नयचक्र मूल टीका (गद्य)—अन्य नाम 'नयचक्र की वचनिका बालबोध' अथवा 'नयचक्र की सामान्य वचनिका' । हेमराज जैन कृत । र का सं १७२६ । लि का सं १६३१ । वि जैन न्यायशास्त्र ।
खो सं वि ६ (११ ०-६४)

प्रा०—श्री ज्योतिप्रसाद जैन, यूनियन मेडिकल स्टोर, कैसरबाग, लखनऊ। → सं० ०७–२१६ क।

नयनसुख—अन्य नाम नैनकवेस्वर। केशवराज के पुत्र। सरहिंद (पजाब) निवासी। स० १६४६ के लगभग वर्तमान।
वैद्यमनोत्सव (गद्यपद्य)→००–३४, ०६–२१४, १७–१२५, २०–११६ ए, बी, सी, प० २२–७५, २३–२६२ ए, बी, सी, डी, २६–३३२ ए, बी, सी।
वैद्यशास्त्र (गद्यपद्य)→२३–२६२ ई।
सारगधर वैद्यक (गद्यपद्य)→स० ०१–१७८।

नयनसुख—(?)
सागीत ध्रुवचरित्र (पद्य)→२६–३३१।

नयनसुख (ग्रथ)→'वैद्यमनोत्सव' (नयनसुख कृत)।

नरद—'ख्याल टिप्पा' नामक सग्रह ग्रथ में इनकी रचनाएँ सग्रहीत हैं। → ०२–५७ (त्रेपन)।

नरक के पापी (गद्य)—कालीप्रसन्न कृत। वि० ब्रह्म वैवर्त पुराण के अनुसार ८६ नरकों और उसमें रहने वाले पापियों का वर्णन।
प्रा०—ठा० विश्रामसिंह, रहीपुर, डा० बारहद्वारी (एटा)।→२६–१८०।

नरकोड़ा पार्श्वजिन स्तवन (पद्य)—जिनवर हर्षधारी (भैया) कृत। लि० का० स० १६०६। वि० पार्श्वनाथ की स्तुति।
प्रा०—श्री महावीर जैन पुस्तकालय, चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–१२।

नरनारायण की कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत। वि० भगवान के नरनारायण रूप का वर्णन।
प्रा०—राघवेश भारती भडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१५४।

नरपति नाल्ह—अजमेर के चौहान राजा बीसलदेव (विग्रहराज चतुर्थ) के समकालीन। सभवत उन्हीं के राज कवि। स० १२१२–१२२० के लगभग वर्तमान।
बीसलदेवरासो (पद्य)→००–६०।

नरवायबोध→'नरवैबोध' (गोरखनाथ कृत)।

नरवैबोध (पद्य)—गोरखनाथ कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८३६।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–३६ छ।
(ख)→०२ ६१ (सात)।
(ग)→०२–६१ (ग्यारह)।

नरसिंह—(?)
भानुमती कबूतर कला चरित्र (गद्य)→२६–२८६।

नरसिंह—पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के धर्मपुत्र। केशवराय के आश्रयदाता। सं० १७५० के लगभग वर्तमान।→०५–१।

नरसिंह अवतार कथा (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २–६१।

नरसिंह चरित्र→नृसिंह चरित्र (गुमान वा मान कवि कृत)।

नरसिंहजू को अष्टक (पद्य)—मोहन (कवि) कृत। लि० का० सं० १६५१। वि० नरसिंह जी की स्तुति।
प्रा०—ठा० रतिभानसिंह रुस्तमपुरकलाँ डा० अकौन (उन्नाव)। → २६–३ ५ बी।

नरसिंह पचासिका (पद्य)—मुकुंद (कवि) कृत। र० का० सं० १७१ । वि० नृसिंह भगवान की स्तुति।
प्रा०—पं० कृष्णवल्लभ राजनगर तहसील (छतरपुर)।→सं० १–४६६।

नरसिंह पचीसी→नृसिंह पचीसी (गुमान मान कृत))

नरसिंहपुराण (गद्यपद्य)—महेशदत्त कृत। वि० नरसिंह की कथा।
(क) लि० का० सं० १६६६।
प्रा०—ठा० भगवानसिंह राठौर गोपालसिंह का पुरवा डा० कासगंज (एटा)। →२६–१२ बी।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० रामनारायण मिश्र बिलैनपुर डा० उमरायद (एटा)। → २६–१२ सी।
(ग) लि० का० सं० १६४ ।
प्रा०—पं० रामदत्त पाठक बिहानी (हरदोई)।→२६–१२ डी।

नरसिंहलीला (पद्य)—देवीसिंह (राजा) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६–२८ ए।

नरसिंहलीला (पद्य)—मायीदास कृत। लि० का० सं० १८३१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० गोपालदत्त, शीतलापायी मथुरा।→१८–६२।

नरसिंहसहाय (चौबे)—हनुमन्त लाला के आश्रयदाता। सं० १६६२ के लगभग वर्तमान।
→सं० १२–१११।

नरसी (मेहता)—प्रसिद्ध मरसी भक्त। गुजरात के निवासी। भयालजी का पद नामक संग्रह ग्रंथ में भी संग्रहीत।→ ९–१४ (छाइ)।
नरसी मेहताजी माला (पद्य)→सं० १–१०८।
पद (पद्य)→सं० १ —० ।

नरसी (मेहता)—(?)
हारसमय (पद्य)→४१–११६।

नरसी की हुंडी (पद्य)—बसत (कवि) कृत। वि० प्रसिद्ध नरसी भगत की हुंडी की कथा।
(क) लि० का० स० १८७३।
प्रा० – प० रामस्वरूप शुक्ल, सरैयाँ, डा० विसवाँ (सीतापुर)→२६-४६१।
(ख) प्रा०—प० होरीलाल शर्मा, निहुली, डा० अरनाहल (मैनपुरी)।→३८६।

नरसी मेतानी माला (पद्य)—नरसी (मेहता) कृत। वि० भक्ति।
प्रा०—श्री ओंकारनाथ मिश्र, अर्का, डा० करारी (इलाहाबाद)।→ स० ०२-१७६।

नरसी मेहता→'नरसी की हुंडी' (बसत कवि कृत)।

नरसी मेहता की हुंडी (पद्य)—जेठमल (पन्चोली) कृत। र० का० स० १७१०।
वि० नरसी मेहता की हुंडी की कथा।
(क) लि० का० स० १८१४।
प्रा०—श्री गगाबख्शसिंह, नगलाकोट, डा० महमूदाबाद (सीतापुर)। → २६-२०७ ए।
(ख) लि० का० स० १८४८।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, रामपुर मथुरा, डा० नसोरा (सीतापुर)। → २६-२०७ बी।
(ग) प्रा०—श्री पुजारी जी, मदिर वेरू, वेरू (जोधपुर)।→०१-७७।
(घ) प्रा०—प० रामकात शुक्ल, पुरवा गरीबदास, डा० गड़वारा (प्रतापगढ)। →२६-२०७ सी।
(ङ) प्रा०—प० विश्वेश्वरदयाल चतुर्वेदी, पुरा कनैरा, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६-१७५।

नरसी मेहता को माहरो (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१४। वि० नरसी मेहता की प्रशसा।
प्रा०—पुस्तकालय मक्खन जी का, बाबूलाल प्यारेलाल, सतगढ (मथुरा)।→ १७-४७ (परि० ३)।

नरसीलौ (पद्य)—लक्ष्मण कृत। वि० नरसी भक्त की कथा।
प्रा०—चौधरी सरनामसिंह, नगलासभा, डा० कुचेला (मैनपुरी)→३२-१२६।

नरहरि—भाट। असनी (फतेहपुर) निवासी। बादशाह अकबर के आश्रित। स० १६०७ के लगभग वर्तमान। इन्हीं की प्रार्थना पर अकबर ने गोवध बद करा दिया था। सभवत रामदत्त और उनके पुत्र विष्णुदत्त इन्हीं के वशज थे। शिवनाथ कवि और उनके पुत्र अजवेश भी इन्हीं के वशज थे।
नरहरि के कवित्त (पद्य)→४१-१२० क, ख।
रुक्मिणी मगल (पद्य)→०३-११

नरहरि के कवित्त (पद्य)—नरहरि कृत। वि नाना सोहा और वाली तमोली का मताहा आदि।

(क) प्रा —संग्रहालय, हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१–१२ क।

(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–१२ ख।

नरहरिदास—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ संप्रदाय के वैष्णव। सरसदास के शिष्य और रसिकदास के गुरु। सं १७ ७ के पूर्व वर्तमान।→ १–११८, ६–२९२ १२–१२४ १७–१६ ।

नरहरिदास की बानी (पद्य)→ ६–१ २।

नरहरिदास (बखरी)—बुंदेलखंड निवासी।

बारहमासी (पद्य)→ ९–७०

नरहरिदास (बारहट)—बारहट जाति के चारण। टहलेगाव(?)ना मेड़ता (जोधपुर) के निवासी। गुरु का नाम गिरिधर दीक्षित। जोधपुर नरेश सूरसिंह गजसिंह और जसवंतसिंह के आश्रित। सं १७११ के लगभग वर्तमान।

अवतारगीता (पद्य)→ २–८८, ६–२१ सं १–१८ क, ख।

अहिल्या पूर्व प्रसंग (पद्य) १–१ ।

नरसिंह अवतार कथा (पद्य)→ २–१ ।

भागवत (दशमस्कंध भाषा) (पद्य)→ २ ४८।

रामचरित्र कथा काकभुशुंड गरुड़ संवाद (पद्य)→ २–४१।

वशिष्ठ संहिता (पद्य)→१२–१२१।

नरहरिदास की बानी (पद्य)—नरहरिदास कृत। वि राधाकृष्ण के कार्यों का वर्णन। प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान सर्वसेवक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर।→ ६–१ २ (विवरण अप्राप्त)।

नरीदास—कोई संत।

पद (पद्य)→सं ०–२६।

नरेंद्रभूषण (पद्य)—ईश्वर (कवि) कृत। र का सं १६११। वि वरियावा नरेश महाराज नरेंद्रसिंह की प्रशंसा।→पं २१–११७ बी।

नरेंद्रभूषण (पद्य)—हरिप्रसन्न (भान) कृत। लि का सं ८१२। वि अलंकार। प्रा०—ठा नौबिहारसिंह ईमर, कौंधा (उन्नाव)।→२१–१५२।

नरेंद्रसिंह—पटियाला नरेश। सं १९१ के लगभग वर्तमान। मृत्यु सं १९१९। भीमसेन भ्रातुराम, रामनाथ अमृतराय चंद, कुबेर निहाल ईसराव, गंगाराम उमादत्त देवीदत्तराय रत्नसिंह (याद), ईश्वर कवि और वीर कवि के आश्रयदाता। इन्होंने रामनाथ अमृतराय चंद कुबेर, निहाल ईसराव गंगाराम उमादास और देवीदत्तराय से महाभारत का अनुवाद कराया था।→ १–८१ १–१ १–१ ६ ४–१ ४–६७ पं २१–१५; पं २२–११७।

नरोत्तमदास—बाड़ी ग्राम (सीतापुर) निवासी। सभवत' स० १६०२ में वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→००–२२,०६–२०१,१७–१२४,२०–११७,२३–३०० ए, बी,२६–३२४ ए, बी, सी, २६–२३८, ४१-५२५ (अप्र०), स०७–६७।

नरोत्तमदास—गौड़ीय सप्रदाय के वैष्णव।
नाम सकीर्तन (पद्य)→३२–१५५।

नरोत्तमपुरी—अनाथदास के मित्र। इन्हीं के कहने से अनाथदास ने 'विचारमाला' की रचना की थी।→प० २२–७।

नर्मदासुदरी (पद्य)—मोहनविजय कृत। लि० का० स० १८५१। वि० जैनधर्म की एक आख्यायिका।
प्रा०—प० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुरा, डा० असनी (फतेहपुर)। →२०–१०८।

नलचरित→'नलोपाख्यान' (मुरलीधर मिश्र कृत)।

नलचरित्र (पद्य)—राम (कवि) कृत। लि० का० स० १६१२। वि० नल दमयती की कथा।
प्रा०—प० बलदेव शुक्ल, नगीना (बिजनौर)।→१२–१४३।

नलचरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'नैषध (ग्रथ)'। सेवासिंह कृत। वि० नलदमयती की कथा।
(क) लि० का० स० १६३३।
प्रा०—प० विश्वनाथप्रसाद मिश्र, वाणी-वितान भवन, ब्रह्मनाल, वाराणसी। →४१–३०१।
(ख) लि० का० स० १६५०।
प्रा०—ठा०अर्जुनसिंह, सडीला डा० मछरहट्टा (सीतापुर)।→२६–४३६।

नलदमयती चरित→'नलपुराण' (सेवाराम कृत)।

नलपुराण (पद्य)—अन्य नाम 'नलदमयती चरित'। सेवाराम कृत। लि० का० स० १८५३। वि० नलदमयती की कथा।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–४६६।

नलोपाख्यान (पद्य)—भरसी मिश्र और रामनाथ (पडित) कृत। वि० नल चरित्र।
प्रा०—श्री देवराज पाडेय, नौनरा, डा० रामपुर (गाजीपुर)।→स ०१–२५५।

नलोपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नलचरित'। मुरलीधर (मिश्र) कृत। र० का० स० १८१४। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० स० १८६७।
प्रा०—गो० सोहनकिशोर, मोहनबाग, वृंदावन (मथुरा)।→१२–११७।
(ख) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—भारती भवन, पुस्तकालय, इलाहाबाद।→स० ०१–३०४ क।

नल्हु (कवि)—संभवतः सुप्रसिद्ध वीरगाथाकालीन कवि नरपति नाल्ह। सं १७७२ के पूर्व वर्तमान।
उरगनी (पद्य)→१९–१५ ।

नवग्रह आकार (नवग्रह पूजन प्रकार) (गद्य)—हरिराम (गोस्वामी) कृत। वि पुष्टिमार्गी नवग्रह पूजा वर्णन।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–८८१ ख।

नवग्रह पूजा (पद्य)—मनसुखराम (जैन) कृत। वि नवग्रह पूजन।
प्रा आदिनाथजी का मंदिर, आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ –१ ६।

नवग्रह सगुनावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं ९ २। लि का सं १९ २। वि शकुन।
प्रा —सेठ अमृतलाल गुलजारीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→१९–४१९।

नवधाभक्ति विधान (पद्य)—तुरसी कृत। वि नवधाभक्ति का वर्णन।
प्रा —श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय मौरावाँ (उन्नाव)।→सं ४–१४१।

नवलदास—साधु। किसी गंगादास के गुरु। सं १८१७ के पूर्व वर्तमान।
गीतासार (पद्य)→ १–३४ ।
भक्तसार (पद्य) →१९–२५

नवनागरी के पद (पद्य)—विष्णुदास कृत। वि राधाजी की कीर्ति और शृंगार।
प्रा॰—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली। →सं १–३११।

नवनिधिदास—कायस्थ। लखालिया (रसड़ा बलिया) निवासी। जनकराम (रामचंद्र) के शिष्य। सं १९ ५ के लगभग वर्तमान।
मंगलगीता (पद्य)→४१–१२१।
संकटमोचन (पद्य)→ ९–२ १।

नवनीत (कवि)—संभवतः ये मुं नवनीतराय हैं।→सं १–१८२।
मनोरथ मुक्तावली (पद्य)→सं १–१८१।

नवनीत नवसई (पद्य)—नवनीतराय (मुंशी) कृत। र का सं १८७०। वि शृंगार विषयक नौ सौ दोहों का संग्रह।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–१८२।

नवनीतप्रियजी की सेवा विधि (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८५१। वि श्रीकृष्ण की नित्य सेवा विधि।
प्रा॰—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–३८१।

नवनीतराय (मुंशी)—(?)
नवनीत नवसई (पद्य)→सं १–१८२।

नवपदी रमैनी (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८४०। वि माया आत्मा परमात्मा आदि का दार्शनिक विवेचन।
प्रा —काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय वाराणसी।→१५–४९ आर।

नवरग—जाति के कायस्थ।

नवरग विलास (पद्य)→२६–३२८, स० ०४–१८२।

नवरग (स्वामी)—(?)

भगवद्गीता के प्रश्न (गद्य)→२६–३२६।

नवरगदास (स्वामी)—धामीपथी। स्वा० प्राणनाथ के शिष्य।

लीलाप्रकाश (पद्य)→स० ०१–१८३।

नवरग विलास (पद्य)—नवरग कृत। वि० नायिकाभेद और नवरस वर्णन।

(क) प्रा०—श्री मन्नूलाल पुस्तकालय, मुरारपुर, गया।→२६–३२८।

(ख) प्रा०—श्री सीताराम दर्सौधी, मईडीह, डा० मड़ियाहूँ (जौनपुर)।→ स० ०४–१८२।

नवरत्न (पद्य)—उमादास कृत। वि० नीति।

प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४–६५।

नवरत्न (भाषा) (पद्य)—श्यामलाल कृत। वि० राधाकृष्ण की लीला और प्रेम वर्णन।

(क) लि० का० स० १६०८।

प्रा०—प० शिवकुमार मिश्र, हरदोई।→२६–३२१ ए।

(ख) लि० का० स० १६१६।

प्रा०—श्री मन्नीलाल वैश्य, नगरा हरदयाल, डा० धुमरी (एटा)। → २६–३२१ बी।

नवरत्न कवित्त (पद्य)—उमादास कृत। लि० का० स० १८८८। वि० नीति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–२७।

नवरत्न माला (गद्य)—मल्लिकानाथ कृत। वि० आयुर्वेद।

प्रा०—श्री दयाराम दूबे, साहपुर, डा० पर्वतपुर (सुलतानपुर)।→स० ०४–२८६।

नवरत्न सटीक (गद्य)—विट्ठलनाथ कृत। वि० स्तुति और वल्लभ सप्रदाय के सिद्धात।

(क) लि० का० स० १८७१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→१२–२८ बी।

(ख) लि० का० स० १६०६।

प्रा०—प० तोताराम, फरहैला, डा० बरसाना (मथुरा)।→३२–७२ सी।

नवरस→'विक्रय विलास' (नेवजीलाल दीक्षित कृत)।

नवरस चतुर्वृत्ति वर्णन (पद्य)—रूपसाहि (सभवत) कृत। लि० का० स० १८६६ के लगभग। वि० नवरस और काव्य वृत्तियाँ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२३३।

टि० प्रस्तुत रचना सभवत, 'रूपविलास' का एक अश है।

नवरस तरंग (पद्य)—बेनीप्रवीन कृत। र का॰ सं १८७४। वि रस और नायिका भेद आदि।
(क) लि का सं १९१७।
प्रा —ठा विभिन्नसिंह दिकौलिया डा मिसरौं (सीतापुर)।→११-४ ।
(ख) लि का सं १९४१।
प्रा॰—पं जुगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→०६-१६।
(ग) लि का सं १९४१।
प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र, माडल हाउस लखनऊ।→१६-८६।
(घ) लि का सं १९७९।
प्रा —पं उमाशंकर मेहता रामघाट वाराणसी।→२ -११।
नवरस निरूपण (पद्य)—चीकामनि कृत। वि नवरस निरूपण।
प्रा॰—पं हीरालाल तिवारी कन्हारी (लखनऊ)।→सं ७-६७।
नवरस वर्णन (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १९०२। वि नवरस और श्रीकृष्ण चरित्र वर्णन।
प्रा॰—श्री वल्लभ सैरगढ़ (मथुरा)।→१८-१८८।
नवरात्रि के कीर्तन (पद्य)—हरिराम (गोस्वामी) कृत। वि नवरात्रों में गाये जाने वाले पदों का संग्रह।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-४८६ ख।
नवल—गुरु का नाम पूरन।
अनुभव सागर (पद्य)→सं ०७-६८।
नवल—(१)
बैकिन पच्चीसी (पद्य)→१८-१ ४।
नवलभंग प्रकाश (पद्य)—जुगलानन्यशरण कृत। लि का सं १९२२। वि रामचंद्र जी का वर्णन।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१ १ घ।
नवलकिशोर—उप आनंदकिशोर।
रागमाला (पद्य)→पं २२-७६ ।
नवलकृष्ण—दयाकृष्ण के पुत्र। लखनऊ के नवाब गाजीउद्दीन हैदर के दीवान। बेनीप्रवीन के आश्रयदाता। सं १८७८ के लगभग वर्तमान।→ ६-११।
नवलजी—बयन्नाथ (कृपाली) के गुरु। शाहपुरा (राजपूताना) निवासी। मृत्यु सं १८४९। रामचरण (रामसनेही संप्रदाय के संस्थापक) के शिष्य। → पं २२-४१।
नवलदास—सतनामी संप्रदाय के प्रवर्तक तथा जगजीवनदास जी के शिष्य। चनेता ग्राम के निवासी। गोमती के किनारे इन्होंने कुछ दिन जगजीवनदास की भी साधना को सं वि ६१ (११ ०-६४)

की थी, जिससे इन्हें थोड़ी सिद्धि प्राप्त हुई थी। सं० १८१७–२५ के लगभग वर्तमान।

फहरनामा (फक्कड़रानामा) (पद्य)→२६–२४६ बी, सं० ०१–१८४।

ज्ञानसरोवर (पद्य)→२३–३०१ ए, २६–३२७ ए, सं० ०४–१८३ ग्ग से छ तक।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→०६–२१३, २०–११८, सं० ०४–१८३ ज, सं० ०७–६६।

भागवत भाषा (जन्म, मध्य और पारायण कांड) (पद्य)→०६–२१६, २३–३०१ डी, सं० ०४–१८३ झ।

रत्नज्ञान (पद्य)→२३–३०१ बी, सं० ०४–१८३ ञ।

रामगीता (पद्य)→सं० ०४–१८३ ट।

शब्दावली (पद्य)→२६–२४६ ए, सं० ०४–१८३ ठ।

सुखसागर कथा (पद्य)→२३–३०१ सी, २६–३२७ बी, सं० ०४–१८३ ड, ढ, ण।

स्तुति श्री बजरंग की (पद्य)→सं० ०४–१८३ क।

नवलदास—कड़ा नगर निवासी। रामनुजी संप्रदाय के अनुयायी। मलूकदास के शिष्य। सं० १७२८ के लगभग वर्तमान।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)→३८–१०५।

नवलदास—नागरीदास (टट्टी संप्रदाय) के शिष्य।

नवलदास की बानी (पद्य)→०५–३८।

नवलदास (साहि)—जैन। सं० १८२५ में वर्तमान।

वर्द्धमान पुराण (पद्य)→४१–१२२।

नवलदास की बानी (पद्य)—नवलदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५–३८।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० सं० १७२८। लि० का० सं० १८६८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, जतीपुरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८–१०५।

नवलनेह (पद्य)—धनदेव (वैष्णव) कृत। र० का० सं० १८५४। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१–१०१।

नवलरस चंद्रोदय (पद्य)—शोभा (कवि) कृत। र० का० सं० १८१८। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१७८।

नवलराम—रामचरण जी (रामसनेही पंथ के संस्थापक) के शिष्य। सं० १८३४ के लगभग वर्तमान। मृत्यु सं० १८४२।

नवलसागर (पद्य)→०१–६४, पं० २२–७७ ए।

सर्वांगसारार (पद्य)→पं०२२–७७ बी।

नवलराय—(?)

सारंगधरप्रबंध (पद्य)→४१–१११।

नवलराय—दयाकृष्ण के पुत्र। कवीप्रवीन के आश्रयदाता। सं० १८७४ के लगभग वर्तमान।→१०–११ २१–४।

नवलसागर (पद्य)—नवलराम कृत। वि० ज्ञानोपदेश और भक्ति।

(क) प्रा० —श्री ललितराम, जोधपुर।→ १–६४।

(ख)→पं० २२–७० ए।

नवलसिंह—भरतपुर नरेश। सोमनाथ कवि के आश्रयदाता। सं० १८१८ के लगभग वर्तमान।→१७–१७८।

नवलसिंह (नवल)—संभवतः सगुणोपासक वैष्णव और बाराबंकी के निवासी।

मंगलगीत और शब्दावली (पद्य)→सं० ४–१८४।

नवलसिंह (प्रधान)—उप० रामानुजदासदास। श्रीवास्तव कायस्थ। झाँसी निवासी। रामानुज संप्रदाय के वैष्णव। समथर नरेश महाराज हिंदूपति के आश्रित। दतिया और टीकमगढ़ राज्य के दरबार से भी संबद्ध। र० का० सं० १८७१–१९१५।

अद्भुत रामायण (पद्य)→ ५–२८।

अध्यात्म रामायण (पद्य)→०१–७१ एल।

आल्हा भारत (पद्य)→ १–७१ ओ।

आल्हा रामायण (पद्य)→ १–७१ एन।

कविजीवन (पद्य)→ १–७१ एम।

जन्म खंड (पद्य)→ १–७१ डी डी।

जौहरिन तरंग (पद्य)→०१–७१ एच।

दोना (मूल) (पद्य)→ १–७१ क्यू।

दानलोभ संवाद (पद्य)→ १–७१ सी सी।

नाड़ी प्रकरण (पद्य)→ १–७१ यू।

नाम चिंतामणि (पद्य)→ ५–२६ १–७१ बी।

नाम रामायण (पद्य)→ ५–१; १–७१ ए।

पूर्वशृंगार खंड (पद्य)→ १–७१ ए ए।

ब्रजदीपिका (पद्य)→ १–७१ ई।

भारत कवितावली (पद्य)→ १–७१ के।

भारत (मूल) (पद्य)→ १ ७१ आई।

भारत वार्तिक (पद्य)→ १ ७१ एफ।

भारत सावित्री (पद्य)→ १–७१ जे।

भाषा सप्तशती (पद्य)→ १–७१ एक्स।

मिथिला खंड (पद्य)→ १–७१ बी बी।

रसिकरंजिनी (पद्य)→०१–७१ सी।

की थी, जिसमे इन्हें थोड़ी सिद्धि प्राप्त हुई थी। सं० १८१७–२५ के लगभग वर्तमान।

फहरनामा (फफहरानामा) (पद्य)→२६–२४६ नी, स० ०१–१८१।

ज्ञानसरोवर (पद्य)→२३–३०१ ए, २६–३२७ ए, सं० ०४–१८३ ए से छ तक।

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→०६–२१३, २०–११८, स० ०४–१८३ ज, स० ०७–६६।

भागवत भाषा (जन्म, मध्य और पारायण कांड) (पद्य)→०६–२१६, २३–३०१ डी, स० ०४–१८३ झ।

रत्नज्ञान (पद्य)→२३–३०१ बी, स० ०४–१८३ ञ।

रामगीता (पद्य)→स० ०४–१८३ ट।

शब्दावली (पद्य)→२६–२४६ ए, स० ०४–१८३ ठ।

सुखसागर कथा (पद्य)→२३–३०१ सी, २६–३२७ बी, स० ०४–१८३ ड, द, ण।

स्तुति श्री बजरंग की (पद्य)→स० ०४–१८३ क।

नवलदास—कड़ा नगर निवासी। रामनुजी संप्रदाय के अनुयायी। मलूकदास के शिष्य। स० १७२८ के लगभग वर्तमान।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)→३८–१०५।

नवलदास—नागरीदास (टट्टी संप्रदाय) के शिष्य।

नवलदास की बानी (पद्य)→०५–३८।

नवलदास (साहि)—जैन। स० १८२५ में वर्तमान।

वर्द्धमान पुराण (पद्य)→४१–१२२।

नवलदास की बानी (पद्य)—नवलदास कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५–३८।

नवलदासजी की वाणी (पद्य)—नवलदास कृत। र० का० स० १७२८। लि० का० स० १८६८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद, जतीपुरा, डा० गोवर्द्धन (मथुरा)।→३८–१०५।

नवलनेह (पद्य)—घनदेव (वैष्णव) कृत। र० का० स० १८५४। वि० कृष्ण लीला।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१०१।

नवलरस चंद्रोदय (पद्य)—शोभा (कवि) कृत। र० का० स० १८१८। वि० नायिकाभेद।

प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७–१७८।

नवलराम—रामचरण जी (रामसनेही पंथ के संस्थापक) के शिष्य। स० १८३४ के लगभग वर्तमान। मृत्यु स० १८४२।

नवलसागर (पद्य)→०१–६४, प० २२–७७ ए।

सर्वांगसागर (पद्य)→प०२२–७७ बी।

नसरुल्ला खाँ—उप रस याहक। दिल्ली के दरबार। सुरति मिश्र के आश्रयदाता। सं १७७० के लगभग वर्तमान।→ ६-२४३; १७-१८९।

नसीरशाह—(?)
    रागकाली→पं २२-७४।

नसीहतनामा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १७१६। वि उपदेश।
    प्रा —श्री रामचंद्र सैनी बेलनगंज, आगरा।→१२ १ १ आर।

नसीहतनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८५६ (लगभग)। वि सांसारिक ज्ञान का उपदेश।
    प्रा —श्री बालीराम चतुर्वेदी बड़लराव पाड़ी मथुरा।→४१-१८२।
    टि प्रस्तुत हस्तलेख के साथ वेद कृत 'मदनाम' और रहीम खानखाँना कृत 'रहीम सत मी संग्रहीत है। ग्रंथ की रचना लुकमान हकीम के नाम पर हुई है।

नसीहतनामा (पद्य)—मुल्लालाल कृत। र का सं १९०८। वि आचार वर्णन।
    प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-११२ बी।

नहछूर निर्गुन (पद्य) अन्य नाम 'शब्दावली' और 'मंगलगीता। बूलनदास (बाबा) कृत। र का सं १८१० (?)। वि ज्ञानोपदेश।
    (क) लि का सं १९ ७।
    प्रा —श्री हरिहरप्रसाद एम ए कन्नौजी ग्रा रानीकटरा (बाराबंकी)।
    →सं ४-२६६ ल।
    (ख) लि का सं १९१८।
    प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरानपांडे ग्रा सिसोई (रायबरेली)।
    →२६-१०६।
    (ग) लि का सं १९२३।
    प्रा —श्री भोलानाथ (भोरेलाल) ज्योतिषी खाता (फतेहपुर) । →
    सं १-२३३।
    (घ) लि का सं १९३३।
    प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा) ।→ ९-७८
    १ -४६।
    (ङ) लि का सं १९८५।
    प्रा —पं त्रिभुवनप्रसाद त्रिपाठी पूरेपरानपांडे ग्रा सिसोई (रायबरेली)।
    २६-९३ बी।
    (च) प्रा —श्री बालबहादुर अध्यापक हरगाँव ग्रा परवतपुर (सुलतानपुर)।
    २३-१ ८ डी।

नहछूर (कवि)—(?)
    चौकसांकरी (पद)→२६-२४२।

रहसलावनी (पद्य)→०६–७६ आर ।
रामविवाह खड (पद्य)→०६–७६ डब्ल्यू ।
रामायण सुमिरनी (पद्य)→०६–७६ वाई ।
रुक्मिणी मगल (पद्य)→०६–७६ पी ।
रूपक रामायण (पद्य)→०६–७६ टी ।
विज्ञान भास्कर (पद्य)→०६–७६ डी ।
विलास खड (पद्य)→०६–७६ जेड ।
शकामोचन (पद्य)→०६–७६ बी ।
शुकरभा सवाद (पद्य)→०६–७६ एफ ।
सीता स्वयवर (पद्य)→०६–७६ वी ।

नवसई (पद्य)—कलानिधि (भट्ट) कृत । वि० शृंगार रस ।
प्रा०—श्री मगनलाल भट्ट तुलसी चौतरा, मथुरा ।→१७–६३ एच ।

नवीन—वास्तविक नाम गोपालराय । जाति के कायस्थ । वृंदावन निवासी । जयपुरवाले ईश कवि के शिष्य । नाभा के महाराज जसवतसिंह तथा उनके पुत्र देवेंद्रसिंह के आश्रित । इनके वशज अब भी अलवर राज्य के आश्रित हैं । स० १८६५ के लगभग वर्तमान ।
नेहनिदान (पद्य)→०५–३६ ।
प्रबोधरस सुधा सागर (पद्य)→३५–६६ ए सं० ०४–१८५ ।
शृंगार शतक (पद्य)→२६–३३० ए, बी ।
सुधासार (पद्य)→३५–६६ बी ।

नवीन ललाम→'नवीनाख्य' (दशरथ कृत) ।

नवीन सग्रह (पद्य)—हफीजुल्ला खाँ कृत । र० का० स० १६३६ । मु० का० स० १६४८ । वि० विविध ।
प्रा०—श्री शिवनारायण तिवारी, जनई (रायबरेली) ।→स० ०४–१२६ ।

नवीनाख्य (पद्य)—अन्य नाम 'नवीन ललाम' । दशरथ कृत । र० का० स० १७६२ । वि० नायिकाभेद ।
(क) लि० का० स १७६२ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०१ ग ।
(ख) लि० का० स० १७६२ ।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा, सदावर्ती (आजमगढ) ।→४१–१०१ ख ।
(ग) लि० का० स० १८६६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–१०१ घ ।
(घ) प्रा०—पं० महावीर मिश्र, गुरुटोला (आजमगढ) ।→०६–५८ ।
(ङ) प्रा०—पं० श्यामसुदर दीक्षित, हरिशकरी, गाजीपुर ।→सं० ०७–८० ।

की राजधानी रूपनगर में जन्म। वृंदावन में सं० १८२१ में मृत्यु। वैष्णवभक्त एवं उच्चकोटि के कवि। इन्होंने पारस्परिक कलह से दुःखी होकर सं० १८१४ में गद्दी छोड़ दी थी और वृंदावन में जाकर रहने लगे थे। उसी समय इन्होंने अपना नाम नागरीदास रखा। इन्होंने कुल ७५ ग्रंथों की रचना की थी जिनमें से ७ ग्रंथों का संग्रह 'नागर समुच्चय' नाम से प्रकाशित हो चुका है।

अरिल्लाष्टक (पद्य)→ १–१२१ (ग्यारह)।
इश्कचमन (पद्य)→ १–१११ २१–२९ ।
उत्सवमाला (पद्य)→•१–१११ ४१–५ ९ (प्रथम)।
गोकुलाष्टक (पद्य)→१८–१ १ डी।
गोधनआगमन (पद्य)→ १–१२१ (पाँच)।
गोवर्धनधारन के कवित्त (पद्य)→१८–१ १ सी।
ग्रीष्म विहार (पद्य)→ १–१२१ (नौ)।
छूटक दोहा (पद्य)→ १–१ ९।
जुगलभक्ति विनोद (पद्य)→•१ १२ ।
जुगलरस माधुरी (पद्य)→ १–१११ (तीन)।
तीर्थानंद (ग्रंथ) (पद्य)→ १–१२१।
दोहनानंदाष्टक (पद्य)→ १–१११ (छै)।
बनजन (पद्य)→•६–१९८ ए, पं० २२–४९ ए।
नागरीदास की स्फुट कविता (पद्य)→ १–११ ।
नागरीदास के पद (पद्य)→ ६–२ १।
नागरीदासजी की बानी (पद्य)→१२–१४५।
निकुंज विलास (पद्य)→ १–११६; सं० ४–१८६ बी।
पद प्रसंगमाला (पद्य)→ ६–१९८ सी।
पद मुक्तावली (पद्य)→१२–११८ सं० ४–१८६ क।
पावस पचीसी (पद्य)→ १–१२१ (दस)।
भाव रस मंजरी (पद्य)→ १–१२१ (एक)।
भोजनविलास (पद्य)→ १–१२१ (आठ)· १८–१ १ ई।
फूलविलास (पद्य)→ १–१११ (चार)।
ब्रजजन प्रशंसा पद (पद्य)→•१–११७।
बनविनोद लीला (पद्य)→ १–११२।
बालविनोद (पद्य)→ १–११८।
बैनविलास (पद्य)→पं० २२–६९ बी।
ब्रजसंबंध नाममाला (पद्य)→•१–११८।
भक्तिमग दीपिका (पद्य)→ १–११४।
भक्तिसार (पद्य)→ ६–१९८ बी।

–

नहुष नाटक (पद्य)—गिरिधरदास कृत। र० का० स० १६२० (लगभग)। लि० का० स० १६२३। वि० नहुष राजा की कथा।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–७७।

नाँवनिरूपण जोग (ग्रथ) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० स० १८३८। वि० दर्शन।
प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्व-विद्यालय, वाराणसी।→३५–३६ ई।

नाँवप्रताप→'नामप्रताप' (स्वा० रामचरण कृत)।

नाँवबत्तीसी (पद्य)—सूरतराम (जन) कृत। वि० नाम माहात्म्य।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–२०१ ख।

नाँव महमा (ग्रथ) (पद्य)—सुदरदास कृत। लि० का० स० १८५६। वि० नाम माहात्म्य।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१६३ ट।

नाँवमहमा जोग (ग्रथ) (पद्य)—सेवादास कृत। वि० नाम की महिमा।
(क) लि० का० स० १८५५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी। →४१–२६६ अ।
(ख) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७–२०३ ग।

नाइन भेष (पद्य)—सुदामा (?) कृत। लि० का० स० १६२६। वि० कृष्ण के नाइन के वेष में राधा के पास जाने का वर्णन।
प्रा०—ठा० ब्रजभूषणसिंह, झुकवारा, परियावाँ (प्रतापगढ)।→२६–४६१ बी।

नाग—सभवत. चौदहवीं शताब्दी में वर्तमान।
पिंगल (पद्य)→२०–११२।

नागकुमार चरित्र (पद्य)—नथमल कृत। लि० का० स० १६८६। वि० जैनधर्मानुयायी एक नागकुमार के चरित्र का वर्णन।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→स० ०४–१८१।

नागड़ा—संभवत राजस्थान निवासी।
नागड़ा रा दूहा (पद्य)→४१–१२४।

नागड़ा रा दूहा (पद्य)—नागड़ा कृत। वि० नीति।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–१२४।

नागनौर की लीला→'नागलीला' (चद कृत)।

नागर सभा (पद्य)—भगवत कृत। लि० का० स० १६३२। वि० इंद्रजाल इत्यादि।
प्रा०—लाला सीताराम, दीनापुर सगीतशाला, डा० गोला गोकर्णनाथ (खीरी) →२६–५०।

नागरीदास—कृष्णगढ नरेश महाराज सावंतसिंह का उपनाम। सं० १७५६ में कृष्णगढ

की राजधानी रूपनगर में जन्म। वृंदावन में सं १८२१ में मृत्यु। वैष्णवभक्त एवं उच्चकोटि के कवि। इन्होंने गृहकलह से दुःखी होकर सं १८१४ में गद्दी छोड़ दी थी और वृंदावन में जाकर रहने लगे थे। उसी समय इन्होंने अपना नाम नागरीदास रखा। इन्होंने कुल ७५ ग्रंथों की रचना की थी, जिनमें से ७ ग्रंथों का संग्रह 'नागर समुच्चय' नाम से प्रकाशित हो चुका है।

अरिल्लाष्टक (पद्य)→०१-१२१ (ग्यारह)।
इश्कचमन (पद्य)→ १-१११; २१-१६ ।
उत्सवमाला (पद्य)→०१-११२; ४१-५ १ (प्रथ)।
गोकुलाष्टक (पद्य)→१८-१ १ डी।
गोपनप्रामम (पद्य)→ १-१२१ (पाँच)।
गोवर्द्धनलसन के कवित्त (पद्य)→१८-१ १ सी।
ग्रीष्म विहार (पद्य)→ १-१११ (नौ)।
छूटक दोहा (पद्य)→ १-१ १।
जुगलभक्ति विनोद (पद्य)→०१ १२ ।
जुगलरस माधुरी (पद्य)→ १-१११ (तीन)।
तीर्थानंद (ग्रंथ) (पद्य)→ १-१२१।
दोहनानंदाष्टक (पद्य)→ १-१११ (छै)।
बनजन (पद्य)→०६-१६८ ए, सं २१-६१ ए।
नागरीदास की स्फुट कविता (पद्य)→ १-११ ।
नागरीदास के पद (पद्य)→ १-२ १।
नागरीदासजी की बानी (पद्य)→११-१४६।
निकुंज विलास (पद्य)→ १-१११ सं ४-१८६ ब।
पद प्रसंगमाला (पद्य)→ १-११८ सी।
पद मुक्तावली (पद्य)→११-११८ सं ४-१८६ क।
पावस पचीसी (पद्य)→ १-१२१ (दस)।
प्रात रस मंजरी (पद्य)→ १-१११ (एक)।
फागविलास (पद्य)→ १-१२१ (आठ) १८-१ १ ई।
फूलविलास (पद्य)→ १-१११ (चार)।
बनजन प्रशंसा पद (पद्य)→०१-११७।
बनविनोद लीला (पद्य)→ १-१११।
बालविनोद (पद्य)→ १-११८।
बैनविलास (पद्य)→२ १२-६१ बी।
ब्रजबैकुंठ नाममाला (पद्य)→०१-११८।
भक्तिमग दीपिका (पद्य)→ १-११४।
मझिवार (पद्य)→ १-११८ बी।

भोजनानद अष्टक (पद्य)→०१–१२१ (दो) ।
भोरलीला (पद्य)→०१–११४ ।
मजलिस मडन (पद्य)→०१–११५ ।
रासपचाध्यायी (पद्य)→२०–३१३ ।
रासरसलता (पद्य)→०१–११६ ।
रीझचतुर (पद्य)→३८–१०३ बी ।
रैनरूपारस (पद्य)→०१–१२६, प० २२–६६ सी ।
लगनाष्टक (पद्य)→०१–१२१ (सात) ।
विविध विषय के कवित्त (पद्य)→३८–१०३ ए ।
विहारचद्रिका (पद्य)→०१–११३ ।
वैराग्य सागर (पद्य)→सं० ०४–१८६ ग ।
व्रजसार (ग्रथ) (पद्य)→०१–१२५ ।
स्वजनानद (ग्रथ) (पद्य)→०१–१२७ ।

नागरीदास—हित सप्रदाय के अनुयायी । हितहरिवशजी के ज्येष्ठ पुत्र स्वर्गीय वनचद्रजी के शिष्य । ये पहले वृदावन में रहते थे । पीछे बरसाने में रहने लगे । बरसाने में इनकी बनाई हुई कुटी मोरकुटी के नाम से अभी है । सं० १६५० के लगभग वर्तमान ।
अष्टक (पद्य)→१२–११६ ए ।
नागरीदास की बानी (पद्य)→१२–११६ बी, सी, ४१–५१० क (अप्र०) ।
नागरीदास के पद (पद्य)→१२–११६ डी, ४१–५१० ख (अप्र०) ।
समय प्रबध सेवा सात समें की भावना (पद्य)→स० ०१–१८६ ।

नागरीदास—स्वामी हरिदास जी (टट्टी सप्रदाय) की शिष्य परपरा में बिहारिनदास के शिष्य । वास्तविक नाम शुक्लाबरधर । स० १६०० के लगभग वर्तमान ।
नागरीदासजी की बानी (पद्य)→०५–३१, २३–२६१ ।
हरिदासजी को मगल (पद्य)→०५–४० ।

नागरीदास—रावराजा प्रतापसिंह के दीवान शाह छाजूराम के आश्रित । १६ वीं शताब्दी के आरभ में वर्तमान ।
भागवत (पद्य)→१७–११८, २६–२४१ ।

नागरीदास—(?)

नागरीदासजी के कवित्त सग्रह (पद्य)→स० ०१–१८५ ।

नागरीदास की बानी (पद्य)—नागरीदास कृत । वि० राधावल्लभ सप्रदाय के सिद्धात ।
(क) लि० का० स० १८२५ ।

प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-५१ (अप्र)।

(ख) प्रा —पं गोविंदलाल भट्ट मठलखा वृंदावन (मथुरा) ।→ ११-११६ बी ।

(ग) प्रा —गो कुलवल्लभजी राधावल्लभजी का मंदिर वृंदावन (मथुरा) । →१२-११६ सी ।

नागरीदास की स्फुट कविता (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । लि का सं १९९२ । वि विविध ।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी ।→ १-१ ।

नागरीदास के दोहा → नागरीदास की बानी' (नागरीदास कृत) ।

नागरीदास के पद (पद्य)—नागरीदास कृत । वि राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत और राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा पं गोविंदलाल भट्ट मठलखा वृंदावन (मथुरा) ।→ १२-११९ ग्री ।

(ख) प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→५१-५१ ख (अप्र)।

नागरीदास के पद (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि राधाकृष्ण का विहार ।

प्रा —पं शिवबिहारीलाल वकील गोलागंज लखनऊ ।→ ३-२ १ ।

नागरीदासजी की बानी (पद्य)—नागरीदास कृत । वि स्तुति और राधावल्लभ संप्रदाय के सिद्धांत ।

(क) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान धर्म लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→ ६-११ ।

(ख) प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→२१-२३१ ।

नागरीदासजी की बानी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । वि राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा —पं रामलाल सिरोह का कोठीकलाँ (मथुरा) ।→१२-१४६ ।

नागरीदासजी के कवित्त संग्रह (पद्य)—नागरीदास कृत । लि का सं १८७२ । वि भक्ति और शृंगार ।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली ।→सं १-१८५ ।

नागलीला (पद्य)—गंगाधर कृत । र का सं १८९ । वि श्रीकृष्ण की नागलीला ।

(क) लि का सं १६ ६ ।

प्रा —पं रामसरन गौड़ सीपापुर ग्रा डाक (अलीगढ़) ।→२६-१ ३ ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४-५६ ।

नागलीला (पद्य)—अन्य नाम 'नागनाथ की लीला' । चंद कृत । र का सं १९१५ । वि श्रीकृष्ण के कालीनाग नाथने की लीला ।

→ो सं वि ६१ (११ —१४)

(क) लि० का० स० १८०२ ।

प्रा०—प० रघुवीरचरण मिश्र, बिल्हौर (कानपुर)→२६–७६ ।

(ख) लि० का० स० १८४४ ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१८ ।

नागलीला (पद्य)—चूड़ामणि कृत । लि० का० स० १८६० । वि० श्रीकृष्ण की कालीनाग लीला ।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–११४ ।

नागलीला (पद्य)—प्रयोग (प्रयाग) द्विज कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-११३ ।

नागलीला (पद्य)—राघोदास (राघवदास) कृत । लि० का० स० १८५३ । वि० श्रीकृष्ण की नागलीला का वर्णन ।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) । →स० ०१–३३१ ख ।

नागलीला (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १६०३ ।

प्रा० - प० अमरनाथ, दातारपुर, डा० मिश्रिख (सीतापुर) ।→२६–४७१ एफ ।

(ख) लि० का० सं० १६३१ ।

प्रा०–प० चद्रभूषण, राही (रायबरेली) ।→स० ०४–४२० क ।

(ग) लि० का० स० १६३४ ।

प्रा०—लाला राधिकाप्रसाद, मुतसद्दी, छतरपुर ।→०६-२४४ ई (विवरण अप्राप्त) ।

नागलीला (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण की नागलीला ।

प्रा०—श्री एल० पी० त्रिवेदी 'मधु', अमामऊ (सागर) ।→२६–४३५ ।

नागा अरजन—कोई सिद्ध । 'सिद्धों की वाणी' में सग्रहीत ।→४१–५६,४१-१२५ ।

नाटक उषाहार—लाल कवि (नेवजीलाल दीक्षित) कृत अनुपलब्ध रचना । → स० ०४–३५५ ।

नाटकदीप (पद्य)—अन्य नाप 'पचदशी (भाषा)' अनेमानद (स्वामी) कृत । र० का० स० १८३७ । वि० वेदात ।

(क) प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बगाल, कलकत्ता ।→०१–४६ ।

(ख)→प०३२–८ ए ।

नाटकदीपका (पद्य)—सदाराम कृत । लि० का० स० १८७३ । वि० तत्वज्ञान ।

प्रा०—प० रघुनाथराम शर्मा, गायघाट, वाराणसी ।→०६–२७२ डी ।

नाटक समयसार→'समयसार नाटक' (बनारसीदास कृत) ।

नाडीज्ञान प्रकाश (पद्य)—जगन्नाथ (शास्त्री) कृत । वि० नाड़ी पहचानने का विज्ञान ।

प्रा०—श्री सुखनदन शर्मा, चदरपुर, डा० जसवतनगर (इटावा) ।→३५–४४ ।

नाड़ी परीक्षा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।
प्रा०—पं कामताप्रसाद वाजपेयी मार्की डा नेवटनी (उन्नाव) । → २१-४१ (परि १) ।

नाड़ी प्रकरण (पद्य)—कमलसिंह (प्रधान) कृत । लि का सं १११२ । वि वैद्यक ।
प्रा०—श्री बाठोला उपाध्याय नलवरीपुर समथर । → ६-७६ बू ।

नाड़ी प्रकाश वा नाड़ी परीक्षा (पद्य)—रूपराम (माथुर) कृत । र का सं ११३७ । वि नाड़ी ज्ञान ।
(क) लि का सं ११४ ।
प्रा —हकीम रामदयाल मुबारकपुर डा लहरपुर (सीतापुर) । → २६-११ बी ।
(ख) लि का सं ११४६ ।
प्रा —पं शिवरत्न मक्कू का पुरवा, डा महमूदाबाद (सीतापुर) । → २६-६२ सी ।
(ग) लि का सं ११४८ ।
प्रा०—लाला शिवप्रसाद बरखेड़ा डा टड़ियाँव (हरदोई)।→२६-७६ बी ।

नाथ—सं १८४ के पूर्व वर्तमान ।
कामरत्न (गद्य)→सं ४-१८७ ।

नाथ→'धनानंदराव ('प्रबोधचंद्रोदय नाटक के रचयिता) ।

नाथ (कवि)—सं १८६ (?) के लगभग वर्तमान ।
बावन पचीसी (पद्य)→४१ ११६ ।
भागवत पचीसी (पद्य)→ ३-९ ६ ।
रंगभूमि (पद्य)→२६-३१५;४१-४ ।
रामविहार (पद्य)→सं १-१८७ ।

नाथ(कवि) संभवत २ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→सं १-१८८ ।

नाथगुलाम (त्रिपाठी)—रामपुर (प्रतापगढ़) निवासी । इनके पूर्वज रीवाँ के राजाओं द्वारा सम्मानित हुए थे । सं १८६४ के लगभग वर्तमान ।
रामाश्वमेध (पद्य)→२१-३११ ।

नाथचंद्रिका (पद्य)—उत्तमचंद (भंडारी) कृत । वि जलंधरनाथ के गुणों का वर्णन ।
(क) प्रा -पुरोहित गुलाबसिंह जोधपुर ।→ १-३६ ।
(ख)→ १-१८ (एक) ।

नाथचारित (पद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत । वि जलंधर नाथ जी का यशोगान ।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ १-११ ।

नाथजी की तिथि—गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संग्रहीत ।→ १-६१ (हकीत) ।

नाथनजी भट्ट→'नयनसिंह' (नेतसिंह के पिता)।

नाथप्रशंसा (गद्यपद्य)—मानसिंह (महाराज) कृत। वि० चार ऋतुओं का वर्णन।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-७८।

नाथलीला (पद्य)—परसुराम कृत। वि० नाथ संप्रदाय के महात्माओं की नामावली।
प्रा०—लाला रामगोपाल अग्रवाल, मोतीराम धर्मशाला, सादाबाद (मथुरा)। →३५-७४ ए।

नाथूराम (जैन)→'नाथूलाल' ('सुकुमाल चरित्र' के रचयिता)।

नाथूराम और दामोदरदास (जैन)—प्रथम रचनाकार और दूसरे वचनिकाकार।
रत्नत्रयधन की कथा (गद्य)→सं० १०-७१।

नाथूलाल—अन्य नाम नाथूराम। जैन मतावलंबी। पिता का नाम शिवचंद और पितामह का नाम दुलीचंद। दोशी गोत्र के वैश्य। ढूँढाहर (जयपुर) के निवासी। जयपुर के महाराज रामसिंह (सं० १७६२-१६३७) के समकालीन। दीवान अमरेश (अमरचंद) के आश्रित।
आत्म दर्शन (पद्य)→सं० ०७-१००।
सुकुमाल चरित्र (गद्य)→सं० ०४-१८८, सं० १०-७२ क, ख।

नादार्णव (पद्य)—अन्य नाम 'नादोदधि'। पूरन (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७७०। वि० संगीत।
(क) लि० का० सं० १८५६।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-४३।
(ख) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—पं० चक्रपाल त्रिपाठी, राजातारा, डा० लालगंज (प्रतापगढ)।→ सं० ०४-२१३।

नादोदधि→'नादार्णव' (पूरन मिश्र कृत)।

नानक (गुरु)—सिख धर्म के संस्थापक। वेदी खत्री। सं० १५२६ में तिलवडी (लाहौर) में जन्म। सं० १५६६ में मृत्यु। पिता का नाम कालूचंद खत्री, जो तिलवडी के सूबा बुलार पठान के कारिंदा थे। सं० १५४५ में सुलक्षिणी के साथ इनका विवाह हुआ। नामदेव छीपी के समकालीन।
अष्टांगयोग (पद्य)→०६-१६६।
गुरुनानक वचन (पद्य)→३२-१५१।
जपजी (पद्य)→२०-६६, पं० २२-७० ए २३-२६३ ए।
ज्ञान स्वरोदय (पद्य)→२३-२६३ बी।

नानक प्रकाश (पद्य)→ ५ ८ ८६ ।
वैद्यक (नानकजी ग्रंथ का मत) (गद्यपद्य)→ सं १-१८६ ख ।
सतसुमिरनी (नाम) (पद्य)→२३-२६३ पी ।
सतनाम (पद्य)→२६-२६१ एफ ।
सलोक महलानो (पद्य)→सं १-१८६ क ।
साखी (ज्ञानकांड) (पद्य)→२३-२६१ ई ।
सिहरफी (पद्य)→पं २२-७ बी ।
सुखमनी (पद्य)→ ६-२ ७ २३-२६१ सी डी २६-३१५, २६-१६ सं ७-१ १ ।

नानकजी का जप→ जपजी (गुरु नानक कृत) ।

नानकजी की सुखमनी→ सुखमनी (गुरु नानक कृत) ।

नानकदास—सं ७४९ के लगभग वर्तमान ।
प्रबोधचंद्रोदय (पद्य)→पं २२-७१ ४१-११७ ।

नानक प्रकाश (पद्य)—नानक (गुरु) कृत । वि गुरुभक्ति ।
प्रा०—श्री जगन्नाथदास महाधीश मनकेगौर डा कादीपुर (सुलतानपुर) ।
→सं ८-१८६ ।

नाना कवि कृत शंकरपचीसो→ शंकरपचीसी ।

नानार्थ नव संग्रहावली (पद्य)—नाताधीन (शुक्ल) कृत । र का सं १८८६ ।
वि शब्दकूट पहेली आदि ।
(क) लि का सं १६२५ ।
प्रा —प्रतापगढ़ नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़ ।→२६-२६७ आई ।
(ख) लि का सं १६१ ।
प्रा —बाबू ओंकारनाथ टंडन तालुकेदार, सीतापुर ।→२६-२६७ जे ।
(ग) लि का सं १६११ ।
प्रा —ठा विश्विनाथसिंह तालुकेदार विकौसिया डा बिसवाँ (सीतापुर) ।
→२६-२७४ ।
(घ) लि का सं १६११ ।
प्रा —पं कुंवरदत्त शुक्ल शुक्ल का पुरवा डा अमगरा (प्रतापगढ़) । →
२६-२६७ के ।
(ङ) लि का सं १६११ ।
प्रा—पं रामदुलारे दूबे रामनगर डा औरंगाबाद (सीतापुर) । →
२६-२६७ एल ।
(च) मु का सं १६११ ।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसठी (जौनपुर)।→म० ०४–२६३ घ।

नान्हूराम (कवि)—ग्रामेरगढ के निवासी। सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है। →स० ०४–४०६।

नापा—ग्रन्य नाम नापै या नापौ। सभवतः दादूपथी राघोदास के भक्तमाल में उल्लिखित नापा। जाति के माली।

पद (पद्य)→स० ०७–१०२।

नापे या नापौ→'नापा' ('पद' के रचयिता)।

नाभादास—उप० नारायणदास। स्वामी अग्रदास के शिष्य। सभवत ध्रुवदास के समकालीन। जनश्रुति के अनुसार डोम या क्षत्रिय। स० १६३२–१६५२ के लगभग वर्तमान।→००–१५, ००–७७, ०६–१२१, १७–१, पं० २२–१, दि० ३१–३।

अष्टयाम (पद्य)→२०–१११, २३–२८६ ए।

भक्तमाल (पद्य)→०६–२११, २३–२८६ बी, १७–११७।

रामचरित के पद (पद्य)→०६–२०२, २३–२८६ सी।

नाभिकुँवरिजी की आरती (पद्य)—लालचद कृत। वि० जैन देवी नाभि कुँवरि की आरती।

प्रा०—प० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलदशहर।→१७–१०६ ए।

नामउर्वशी→'नाममाला' (शिरोमणि मिश्र कृत)।

नाम कुसुममाला (पद्य)—नारायणसिंह (नृप) कृत। र० का० स० १७२०। वि० कोश।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याभाविग, काँकरोली।→स० ०१–१६३।

नाम चक्र (पद्य)—लक्ष्मणप्रसाद (उपाध्याय) कृत। र० का० स० १६००। वि० वैद्यक कोश।

प्रा०—बाबू मनोहरदास रस्तोगी वैद्य, ढुढीकटरा, मिरजापुर।→०६–१६२।

नाम चिंतामणि (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० स० १६०३। वि० कोश।

(क) लि० का० स० १६४१।

प्रा०—लाला जगन्नाथ, कानूनगो, समथर।→०६–७६ जी।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५–२६।

नाम चिंतामणि माला (पद्य)—नददास कृत। वि० कृष्ण नाम माला।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–२०० सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१–११८ ख।

नामदेव—जाति के छीपा। महाराष्ट्र के सतारा जिलांतर्गत नरसिवामणी गाँव के निवासी। पिता का नाम रामसेठ। माता का नाम गोणाबाई।

पंढरपुर में बिसोबा खेचर या खेचरनाथ नामक नाथपंथी के शिष्य बने। ज्ञानदेव (जन्म सं० ११४०) के समकालीन।

नामदेव की बानी (पद्य)→ ६-२ ५; ४१-५११ (प्रथम); सं० ७-१ ४ म।

नामदेव की साखी (पद्य)→ २-३५।

नामदेव की आरती (पद्य)→सं० ७-१ ४ क।

नामदेवजी (स्वामी) का पद (पद्य)→२६-२४३।

पद और साखी (पद्य)→सं० ७-१ ४ ख।

पद या सबद (पद्य)→सं० १ -७३।

शब्द या पद तथा साखी (पद्य)→सं० ७-१ ४ ग।

नामदेव—राम संप्रदाय के अनुयायी। संभवतः उदयदास के शिष्य।

मौनिधि (पद्य)→सं० ७-१ ३।

नामदेव—सं० १७८२ के पूर्व वर्तमान।

महाभारत (पद्य)→सं० ४-१६।

नामदेव—(?)

ककहरा (पद्य)→सं० १-१६।

नामदेव आदि की परची संग्रह (पद्य)—अन्य नाम 'नामदेव की कथा तथा 'नामदेवजी की परिचयी। अनंतदास कृत। र० का० सं० १६४५। वि० नामदेव कबीर रैदास सेउसमन बिठोबन अंगद राका बाँका तथा धनामगत का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१ च।

(ख) लि० का० सं० १७८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१ छ।

(ग) प्रा० —श्री ललिताराम जोधपुर।→ १-१११।

(घ) प्रा० —पं० भरावनदत्त, भरावनपुर डा० तिलौली (सीतापुर)।→ २१-१८ बी।

नामदेव की कथा→'नामदेव आदि की परची संग्रह (अनंतदास कृत)।

नामदेव की परिचयी (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १७४। वि० नामदेव का वृत्त।

प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१११।

नामदेव की बानी (पद्य)—नामदेव कृत। वि० ब्रह्मज्ञान।

(क) लि० का० सं० १८५६।

प्रा० —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-५११ (प्रथम)।

(ख) लि० का० सं० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ७-१ ४ म।

प्रा०—श्री शिवमूरति दूबे, सोनाई, डा० बरसठी (जौनपुर)।→स० ०४-२६३ घ।

नान्हूराम (कवि)—आमेरगढ के निवासी। सागर कवि ने इनका उल्लेख किया है। →स० ०४-४०६।

नापा—अन्य नाम नावै या नापौ। सभवत. दादूपथी राघोदास के भक्तमाल में उल्लिखित नापा। जाति के माली।

पद (पद्य)→स० ०७-१०२।

नापे या नापौ→'नापा' ('पद' के रचयिता)।

नाभादास—उप० नारायणदास। स्वामी अग्रदास के शिष्य। समवतः ध्रुवदास के समकालीन। जनश्रुति के अनुसार डोम या क्षत्रिय। स० १६३२-१६५२ के लगभग वर्तमान।→००-१५, ००-७७, ०६-१२१, १७-१, प० २२-१, दि० ३१-३।

अष्टयाम (पद्य)→२०-१११, २३-२८६ ए।

भक्तमाल (पद्य)→०६-२११, २३-२८६ बी, १७-११७।

रामचरित के पद (पद्य)→०६-२०२, २३-२८६ सी।

नाभिकुँवरिजी की आरती (पद्य)—लालचद कृत। वि० जैन देवी नाभि कुँवरि की आरती।

प्रा०—प० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद, बुलदशहर।→१७-१०६ ए।

नामउर्वशी→'नाममाला' (शिरोमणि मिश्र कृत)।

नाम कुसुममाला (पद्य)—नारायणसिंह (नृप) कृत। र० का० सं० १७२०। वि० कोश।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याभाविग, काँकरोली।→सं० ०२-१६३।

नाम चक्र (पद्य)—लक्ष्मणप्रसाद (उपाध्याय) कृत। र० का० स० १६००। वि० वैद्यक कोश।

प्रा०—बाबू मनोहरदास रस्तोगी वैद्य, ढुढीकटरा, मिरजापुर।→०६-१६२।

नाम चिंतामणि (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। र० का० स० १६०३। वि० कोश।

(क) लि० का० स० १६४१।

प्रा०—लाला जगन्नाथ, कानूनगो, समथर।→०६-७६ सी।

(ख) प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक, छतरपुर।→०५-२६।

नाम चिंतामणि माला (पद्य)—नददास कृत। वि० कृष्ण नाम माला।

(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०० सी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर।→४१-११८ ख।

नामदेव—जाति के छीपा। महाराष्ट्र के सतारा जिलातर्गत नरसिवामणी गाँव के निवासी। पिता का नाम रामसेठ। माता का नाम गोणाबाई। सं० १३२७ में

नामप्रकाश (पद्य)—मदन साहब कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि का सं १८१५।
प्रा —श्री जगन्नाथदास मठाधीश मनकेगाँव, डा० कादीपुर (सुलतानपुर)।
→सं ४-२७७ क।
(ख) प्रा —श्री चंद्रभूषणदास उदासीकुटी जगनीपुर डा अमातालों
(प्रतापगढ़)।→सं ४-२७७ ख।
नामप्रताप (पद्य)—रामचरण (स्वामी) कृत। वि रामनाम की महिमा।
(क) प्रा —पं दुर्गाप्रसाद तिवारी मदनपुर (मैनपुरी)।→१२-१७५ पं।
(ख) प्रा —पं पूरनमल मैकुआ डा करांव (मैनपुरी)।→१२-१७५ क्यू।
(ग) प्रा —ईश्वर गुलाबसिंह रईस शेरपुर ग सिरसागंज (मैनपुरी)।
→१२-१७५ आर।
(घ) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१६५ ङ घ।
(ङ) लि का सं १८१४।→पं २२-९१ डी।
नामबत्तीसी (पद्य)—बानबीदास कृत। र का सं १८६६। वि रामनाम
की महिमा।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२१ बी।
नाममंजरी→ मानमंजरी (नंददास कृत)।
नाम महातम की साखी (पद्य)—अन्य नाम नाममहिमा की साखी। कबीरदास
(?) कृत। वि परमेश्वर के नाम की महिमा।
प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→ ६-१४१ ए।
नाम महिमा की साखी→नाम महातम की साखी (कबीरदास कृत)।
नाममाला (पद्य)—गुलाबदास (कायस्थ) कृत। वि पर्याय शब्द कोष।
प्रा —श्री रामबिहारीलाल शाक्त ग्राम डा लाँगीपुर (प्रतापगढ़)।→
२६ १११ सी।
नाममाला (पद्य —अन्य नाम उर्वशी नाममाला या उवशीमाला और नाम
उवशी'। शिरोमणि (मिश्र) कृत। र का स १९८ । वि कोश।
(क) लि का सं १८४६।
प्रा —पं रामनिधि शुक्ल लोहरपश्चिम डा बंधुआ कलाँ (सुलतानपुर)।→
सं १-४११।
(ख) लि का सं १ १।
प्रा —ठा चंद्रसिंह मंत्री राजपूत सभा बंदू।→२ १७८।
(ग) लि का सं १८३६।
प्रा०—लाला परमानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→ ६-२११ (विवरण
अप्राप्त)।
खोज वि ६२ (११ –६४)

नाममाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० निर्गुण साहित्य के पारिभाषिक शब्दों का तात्पर्य।

(क) लि० का० स० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–३८३।

(ख) लि० का० स० १८५६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७ २३७।

टि० खो० वि० ४१–३८३ के हस्तलेख में 'प्रश्नोत्तरी' और 'साध को व्यौरा' भी समिलित हैं।

नाममाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रामनाम की महिमा।

प्रा०—प० रामलाल, कौंढर, डा० जसराना (मैनपुरी)।→३५–२१५।

नाममाला→'मानमञ्जरी' (नददास कृत)।

नाममाला (ग्रथ) (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० स० १८६१। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री विंदेश्वरीप्रसाद जायसवाल, मँड़ियाहूँ बाजार, जौनपुर।→स० ०४–२४ ह।

नाममाला अनेकार्थ (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। वि० कोश।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१–१२६ फ।

नाम माहातम (पद्य)—कबीरदास (?) कृत। वि० परमेश्वर के नाम की महिमा।

प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६–१४३ बी।

नाम माहात्म्य→'नामप्रताप' (स्वा० रामचरण कृत)।

नाम माहात्म्य योग ग्रथ (पद्य)—सेवादास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।→प० २२–६६ सी।

नाम रत्नमाला कोष→'अमरकोष (भाषा)' (गोकुलनाथ भट्ट कृत)।

नामरत्न स्तोत्र विवरण भाषा में (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० गो० विट्ठलनाथजी का यश वर्णन।

प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–३८६ भ।

नाम रत्नाकर (पद्य)—गोकुल (कायस्थ) कृत। र० का० स० १६००। वि० ईश्वर के अवतार और उनके नाम की महिमा।

प्रा०—प० गनेशदत्त मिश्र, सहायक अध्यापक, इगलिश ब्राच स्कूल, गोंडा।→०६–६५ ए।

नाम रहित ग्रथ (पद्य)—अवधविहारीलाल कृत। वि० विरह वर्णन। (फारसी मिश्रित हिंदी में)।

प्रा०—पं० महावीरप्रसाद मिश्र, भँगवा (प्रतापगढ)।→२६–११ डी, ई।

नाम रहित ग्रथ (पद्य)—बलिराम कृत। वि० आध्यात्मिक ज्ञान।

प्रा —पं मुन्नीलाल, नेवगाँव ग्रा नेवगाँव (मथुरा) ।→४१–१५१ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—मुरलीदास कृत । वि प्रार्थना ।
प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–११६ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—शिवनारायण (स्वामी) कृत । वि उपदेश ।
प्रा —श्री नक्छेदीराम चर्मकार सरैयाँ ग्रा कुरंटाडीह (बलिया) ।→ ४१–१६१ क ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—हंस कृत । वि निर्गुण ब्रह्म के प्रति विरह ।
प्रा —पं चंद्रशेखर पाठवाड़ी ।→१७–६७ ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध कवियों का विविध विषयक संग्रह ।
प्रा —पं शालिगराम कलाली (अलीगढ़) ।→१७–११ (परि १) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि जरासंध और कृष्ण युद्ध ।
प्रा —श्री प्यारेलाल हलवाई भलसौली ।→१७–१११ (परि १) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध कवियों द्वारा लिखित होली वर्णन ।
प्रा—पं शालिगराम कलाली (अलीगढ़) ।→१७–११२ (परि १) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।
प्रा —कुँवर भैरोसिंह हरीपुर ग्रा मानधाता (प्रतापगढ़) । → २६–११८ (परि १) ।

नाम रहित ग्रंथ (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि वैद्यक ।
प्रा —श्री रामप्रसाद मुराऊ पुरवा विभामदास ग्रा परियावाँ (प्रतापगढ़) । →२६–१२८ (परि १) ।

नाम रामायण (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत । र का सं १९ १ । वि कोश ।
(क) लि का सं १९४१ ।
प्रा —लाला जगन्नाथ अग्रवाल समथर ।→ १–७६ ए ।
(एक अन्य प्रति दतिया के कवि गौरीशंकर के पास है) ।
(ख) प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्जीनवीस, छतरपुर ।→०६–३ ।

नामराशि लक्षण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं वासुदेव पांडे, कमान ग्रा मायोगंज (प्रतापगढ़) ।→ २६–४४ (परि १) ।

नामशतक (पद्य)—रामचरणदास कृत । वि रामनाम माहात्म्य ।
प्रा०—पं रामकिशोरशरण रसूलाबाद (फैजाबाद) ।→१०–१८६ बी ।

नाम संकीर्तन (पद्य)—नरोत्तमदास कृत । वि महाप्रभु कृष्ण चैतन्य की स्तुति ।

प्रा०—प० रामनारायण गौड़, कामी (मथुरा)।→३२-१५५।

नामसागर (पद्य)—अचलदास कृत। र० का० स० १६०५। वि० भगवन्नाम महिमा और भक्तों की कथाएँ।
प्रा०—बाबा साहबराम, भवानीदेवी का मंदिर, सआदतगंज (लखनऊ)।→२६-२ सी।

नामावली→'प्रियाजू की नामावली' (ध्रुवदास कृत)।

नायक—(?)
दत्तात्रेय सत्संग उपदेश सागर (पद्य)→४१-१२८ क।
सर्वसिद्धांत श्रीराममोक्ष परिचय (गद्यपद्य)→४१-१२८ ख।

नायकनायिका भेद (पद्य)—नंददास कृत। वि० नाम से स्पष्ट। (भानुदत्त कृत 'रसमंजरी' के आधार पर)।
प्रा०—नगरमहापालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-११८ क।

नायकरायसा (रासो)→'अजीतसिंहफत ग्रंथ' (दुर्गाप्रसाद कृत)।

नायिकादर्श (पद्य)—जगतसिंह कृत। र० का० सं० १८७७। वि० नायिका भेद, नखशिख आदि।
प्रा०—महाराज राजेंद्रबहादुरसिंह, भिनगा (बहराइच)।→२३-१७६ ई।

नायिकादीपक (पद्य)—खरगराय कृत। र० का० सं० १६७५। लि० का० सं० १७८१। वि० नायिका भेद।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य, वृंदावन (मथुरा)।→१२-६२ बी।

नायिकाभेद (पद्य)—गिरधरलाल कृत। वि० नायिकाभेद।
प्रा० ठा० नौनिहालसिंह सेंगर काँथा (उन्नाव)।→२३-१२३।

नायिकाभेद (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १६०७।
प्रा०—लाला देवीप्रसाद, छतरपुर।→०५-७७।
(ख) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० जी।

नायिकाभेद (पद्य)—यदुनाथ (बुध) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० विश्वंभरनाथ पांडेय, जीवा, डा० बाँसी (बस्ती)।→सं० ०७-१५७।

नायिकाभेद (पद्य) रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—मास्टर छिद्दूसिंह, सिहाना, डा० जैंत (मथुरा)।→३८-१८६।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-४६४।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री भारद्वाज मिश्र, बरगदवा, डा० मेंहदावल (बस्ती)।→सं० ०४-४६५।

नायिकाभेद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं छेदीलाल तिवारी काकोरी (लखनऊ)।→सं ७–२१८।

नायिकाभेद (अनु) (पद्य)—नीलकंठ (कंठ) कृत। वि नायिकाभेद।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४–१६५।

नायिकाभेद (बरवाछंद) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नायिकाभेद।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १–७६।

नायिकाभेद और अलंकार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं जगन्नाथप्रसाद, उतरहा, डा शिवरतनगंज (रायबरेली)। → सं ४–४६६।

नायिका लक्षण (पद्य)—हरदेव कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर। → ६–१७१ (विवरण अप्राप्त)।

नारदचरित्र (पद्य)—जंगमल (पंचोली) कृत। र का सं १८४१। वि नारद का चरित्र।
प्रा —मुता जोधराज जी जोधपुर।→ २–१ ।

नारदनीति (गद्य)—देवीदास (व्यास) कृत। र का सं १७२ । लि का सं १८६८। वि नीति।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय प्रयाग।→४१–१११।

नारद सनत्कुमार की कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —भावदेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय) रीवाँ। → –११८।

नारायण—श्रीकृष्ण के सेवक। किसी लक्ष्मीदास के पुत्र मीलादास के आग्रह पर इन्होंने टीका की। सं ६१ के लगभग वर्तमान।
गीतगोविंद की टीका (गद्य)→सं ७–१ ६।

नारायण—सं १६१६ के लगभग वर्तमान।
राजनीति (पद्य)→२६–१२१ ए, बी सं ७– ५।
हरिचंद की कथा (पद्य)→ ६–१ १।
हितोपदेश (पद्य)→ ४–६ २ –११५ ए, बी ११–२१७ ए, बी सी डी २६–१२२ ए, बी सी।

नारायण—(?)
विवेकामृत (पद्य)→पं २२–७१।

नारायण—बालमुकुंद के पुत्र और गोविंद के भतीजे। इन्हीं के लिए इनके चाचा ने 'गोविंदानंदघन' की रचना की थी। सं १८५८ के लगभग वर्तमान।→ ११ ६५।

नारायण (स्वामी)—वृंदावन निवासी। सं० १६२८ के पूर्व वर्तमान।
अनुरागरस (पद्य)→२३-२६६ २६-२४७ ए, बी।
गायन संग्रह (पद्य)→२६-२४७ सी।
गोपाल अष्टक (पद्य)→२६-३४७ डी।
व्रजविहार (पद्य)→२६-२४७ एफ।
संग्रह (पद्य)→२६-२४७ ई।

नारायणदास—रामानुजी वैष्णव। गुरु का नाम संभवत. श्रीनिवास। चित्रकूट निवासी सं० १८२६ के लगभग वर्तमान।
छंदसार (पद्य)→०६-७८ ए, १७-१२३ ए, बी, सं० ०७-१०७।
पिंगलछंद (पद्य)→०६-७८ सी, २६-३२३।
भाषाभूषण की टीका (पद्य)→०६-७८ बी।

नारायणदास—पूर्व नाम उग्र। वशिष्ठ गोत्री ऋग्वेदी माथुर ब्राह्मण। इटावा निवासी। रामानुजी वैष्णव। सं० १७३६ के लगभग वर्तमान।
रामाश्वमेध (पद्य)→सं० ०१-'६१।

नारायणदास—हरिचरणदास के समकालीन। सं० १८२८ के लगभग वर्तमान।
रहस्य प्रकाशिका (पद्य)→२०-११६।

नारायणदास—(?)
गोपीसागर (पद्य)→२३-२६८।

नारायणदास—(?)
पद (पद्य)→२६-३२०।

नारायणदास→'नाभादास' ('भक्तमाल' के रचयिता)।

नारायणदास→'रसमंजरी' ('अष्टयाम' के रचयिता)।

नारायणदास (ब्रजवासिया)—व्रज के निवासी।
गोवर्द्धन लीला (पद्य)→सं० ०१-१६२ क।
स्वामिनीजी को ब्याह (पद्य)→सं० ०१-१६२ ख।

नारायणदेव—सं० १४५३ के लगभग वर्तमान।
हरिचंदपुराण कथा (पद्य)→००-८६।

नारायणप्रसाद—(?)
कान्यकुब्ज वंशावली (गद्यपद्य)→३२-१५४।

नारायण लीला (पद्य)—जीवनदास कृत। वि० नारायण के अवतारों का वर्णन। प्रा०—श्री महादेवप्रसाद चतुर्वेदी, मदेगवा, डा० मरदह (गाजीपुर)। → सं० ०१-'३०।

नारायण लीला (पद्य)—माधवदास कृत। वि० अवतारों का वर्णन।

(क) प्रा —पं भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर) ।→ ६–१७७ ए ।

(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग कांकरोली ।→सं १–२८९ ग ।

नारायण शकुनावली (पद्य)—गोपाल कृत । लि का सं १९२१ । वि शकुन विचार ।

प्रा —पं देवीदयाल मिश्र ठाकुरद्वारा, ललुहा (फतेहपुर) ।→२ –५२ बी ।

नारायण प्रमस्वामी परम हंसकाचार्य—एक रमतेराम साधु । कुछ दिन बेरहनी पहाड़ गढ़ (रायबरेली) में रहे । सं १९ ४ के लगभग वर्तमान ।

शिक्षावल्ली ज्ञानदीपिका (गद्यपद्य)→सं ४–१९१ ।

नारायणसिंह (नृप)—सं १७२ के लगभग वर्तमान ।

नामकुसुममाला (पद्य)→सं १–१११ ।

नारायण स्तोत्र (पद्य)—शंकराचार्य कृत । लि का सं १८९७ । वि स्तुति ।

प्रा —श्री रामदयाल पिहानी ग्रा बानगाँव (सीतापुर) ।→२६–४२४ सी ।

नारिविरचि→'विरंचिकुँवरि' ('सतीविलास' की रचयित्री) ।

नासकेत→'नासिकेत उपाख्यान (स्वा चरणदास कृत) ।

नासकेतपुराण (पद्य)—दयाल (कवि) कृत । र का सं १७१४ । लि का सं १८११ । वि नासकेत मुनि की कथा ।

प्रा नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–७७ ।

नासकेतपुराण (पद्य)—सेवाराम (सेवादास) कृत । लि का सं १९१८ । वि 'नासिकेत' की कथा ।

प्रा —पं मन्नालाल कठेला ग्रा श्री बलदेव (मथुरा) ।→१८–११९ बी ।

नासकेतोपाख्यान (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८९४ । वि पौराणिक कथा ।

प्रा०—प कृपारामीराम कुंडौल ग्रा गोह श्री (आगरा) ।→२९–४१८ ।

नासिकेत उपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेतपुराण' । चरणदास (स्वामी) कृत । वि उद्दालक के पुत्र नासिकेत की कथा ।

(क) लि का सं १८८४ ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद मर्चेंट (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०६–१८ ।

(ख) लि का स १९१ ।

प्रा —प मुरलीधर मिश्र बड़ागाँव ग्रा कमतरी (आगरा) ।→ २९–६५ आर ।

(ग) लि का सं १९११ ।

प्रा०—श्री किशनलाल पुजारी राधाकृष्ण मंदिर, फिरोजाबाद (आगरा) ।→ २९–६५ एस ।

(घ) लि का सं १९१० ।

प्रा —पं रूपनारायण भगवत्पुरा ग्रा मस्तावाँ (हरदोई) ।→२९–६५ टी ।

का सं १८८३। वि नासकेत मुनि की कथा।
प्रा —श्री रामनरेश गोसाई दुरदुरी डा बेराकत (जौनपुर)।→ सं १-१४९ ख।

नासिकेत पुराण→'ज्ञानचंद्रिका' (जीवनराम कृत)।

नासिकेत पुराण→'नासिकेत उपाख्यान (स्वा चरणदास कृत)।

नासिकेत पुराण→'नासिकेत की कथा (प्रेमदास कृत)।

नासिकेत पुराण (भाषा) (गद्य)—नंददास (?) कृत। लि का सं १८११। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं प्यारेलाल हिंदी अध्यापक मावव विद्यालय निमराना।→ ६-२ ८ ए।

नासिकेत पुराण (भाषा)→'नासिकेतोपाख्यान (बमचंद कृत)।

नासिकेतु की कथा (पद्य)—माधवदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८७।
प्रा —पं विष्णुमरोसे दूबे लखुहना डा बालामऊ (हरदोई)।→ २१-२१६ बी।
(ख) लि का सं १९ ८।
प्रा —पं भागवतप्रसाद ककरामऊ डा बिलग्राम (हरदोई)।→ २६-२१६ ए।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम नासिकेत पुराण (भाषा)। बमचंद कृत।
र का सं १६१२। वि नचिकेता द्वारा देखे गए नरक का वर्णन।
(क) लि का सं १८११।
प्रा —श्री युवनाथ कवौरा डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२६-२ १।
(ख) लि का सं १८७ ।
प्रा —पं रामभरोसे द्वारा पं मनपौलनजी दरदरा डा बबेपुरा (इटावा)।→वि ११-४४।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)—रघुबीर कृत। वि नासिकेत मुनि की कथा।
प्रा —पं दौलतराम पांडेय सरिबालपुर (इलाहाबाद)।→सं १-११९।

नासिकेतोपाख्यान (गद्य)—सदल (मिश्र) कृत। र का सं १८६ । वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता।→ १-१४।

नासिकेतोपाख्यान→'नासिकेत कथा प्रसंग (भगवतीदास द्विज कृत)।

निंदक तिलकदिका (पद्य)—पुरुषोत्तमदास कृत। लि का सं १९२५। वि निंदकों की स्तुति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१ ६ ख।
खो सं वि ६४ (११ —६४)

(ट) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०-२६ सी ।

(च) प्रा०—श्री वंशीधर माथुर वैश्य, अमरोली कटारा (आगरा) । →२६-६५ क्यू ।

नासिकेत कथा (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १७६५ । वि० नासिकेत कथा का वर्णन ।
प्रा०—पं० गयादीन, जगन्नाथपुर, डा० रानीगंज कैथौला (प्रतापगढ)। →सं० ०४-४६७ ।

नासिकेत कथा प्रसंग (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेत गरुड़पुराण' और 'नासिकेतोपाख्यान'। भगवतीदास (द्विज) कृत । र० का० सं० १६८८ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८७४ ।
प्रा०—पं० चंद्रदीप पांडे, पिंड़ोथ, डा० अमिला (आजमगढ ।→४१-१७० ।
(ख) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—पं० लालताप्रसाद, पंडित का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→ २३-४८ ए ।
(ग) लि० का० सं० १६१४ ।
प्रा०—पं० शिवदयाल, जौनपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-४८ बी ।
(घ) लि० का० सं० १६१६ ।
प्रा०—बाबू शिवकुमार वकील, लखीमपुर (खीरी) ।→२६-३८ ।
(ङ) प्रा०—पं० भागीरथी, पीपरपुर, सुलतानपुर ।→२३-४८ सी ।
(च) प्रा०—ठा० व्रजभूषणसिंह, भुकनारा, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→ २६-१५ ।

नासिकेत की कथा (पद्य)—प्रेमदास कृत । र० का० सं० १८३५ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८६० ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-६३ बी ।
(ख) प्रा०—बा० रघुनंदनप्रसाद खरे, मुहल्ला हटवास (राज्य छतरपुर ।→ सं० ०१-४२१ ङ ।

नासिकेत गरुड़ पुराण→'नासिकेत कथा प्रसंग' (भगवतीदास द्विज कृत) ।

नासिकेत पुराण (पद्य) घनश्याम कृत । र० का० सं० १६१५ । वि० ८४ नरकों का वर्णन ।
प्रा०—सेठ शिवप्रसाद साहु, गोलवारा सदावर्ती (आजमगढ) ।→४१-६२ ।

नासिकेत पुराण (पद्य)—जवाहिर कृत । वि० नासिकेत ऋषि की कथा ।
प्रा०—श्री श्रीधर दूबे, वैष्णवपुर, डा० कलवारी (बस्ती) ।→सं० ०४-१८ ।

नासिकेत पुराण (पद्य)—रामप्रगाश (गिरि) कृत । र० का० सं० १८८३ । लि०

का सं १८८३। वि नासिकेत मुनि की कथा।
प्रा —श्री रामनरेश गोसाई हुरहुरी डा केराकत (जौनपुर)।→
सं १-१४९ ख।

नासिकेत पुराण→'ज्ञानचंद्रिका' (जीवनराम कृत)।

नासिकेत पुराण→नासिकेत उपाख्यान (स्वा चरणदास कृत)।

नासिकेत पुराण→'नासिकेत की कथा (प्रेमदास कृत)।

नासिकेत पुराण (भाषा) (गद्य)—बखदास (?) कृत। लि का सं १८११।
वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं प्यारेलाल हिंदी अध्यापक माध्य विद्यालय निमराना।→
३-२ ८ ए।

नासिकेत पुराण (भाषा)→'नासिकेतोपाख्यान (जयचंद कृत)।

नासिकेतु की कथा (पद्य)—माधवदास कृत। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८८७।
प्रा —पं विष्णुस्वरूप दूबे लखुहना डा बालामऊ (हरदोई)।→
२६-२१६ बी।
(ख) लि का सं १९ ८।
प्रा —पं भागवतप्रसाद कफरामऊ डा बिलग्राम (हरदोई)।→
२६-२१६ ए।

नासिकेतोपाख्यान (पद्य)—अन्य नाम 'नासिकेत पुराण (भाषा)'। जयचंद कृत।
र का सं १९१२। वि नचिकेता द्वारा देखे गए नरक का वर्णन।
(क) लि का सं १८३१।
प्रा०—श्री पूरननाथ कथौरा डा परियावाँ (प्रतापगढ़)।→२९-२ १।
(ख) लि का सं १८७ ।
प्रा —पं रामस्वरूप द्वारा पं मनफोलनजी ववहरा डा बबेपुरा
(इटावा)।→वि ११-४४।

नासिकेतोपाख्याम (पद्य)—रघुवीर कृत। वि नासिकेत मुनि की कथा।
प्रा —पं दौलतराम पाठेय सहिजादपुर (इलाहाबाद)।→सं १-३१९।

नासिकेतोपाख्यान (गद्य)—सदल (मिश्र) कृत। र का सं १८६ । वि नाम
से स्पष्ट।
प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता।→ १-१४।

नासिकेतोपाख्यान→'नासिकेत कथा प्रसंग (मनसाराम द्विज कृत)।

निंदक विसर्तिका (पद्य)—पुरुषानन्दशरण कृत। लि का सं १९२५। वि निंदकों
की स्तुति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२ ६ घ।

निंदक विनोदाष्टक (पद्य)—गुलालचन्द्र कृत । लि० का० सं० १६२१ । वि० निंदक वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२०४ ड ।

निंद (कवि)—ग्वाल कवि के शिष्य । सं० १८२१ के पू० वर्तमान ।
शृंगारमंजरी (पद्य)→२६–[illegible] बी ।
रसरत्नाकर (पद्य)→२६–२१० ए ।

निकुंज रस माधुरी (पद्य)—कुंजलाल (कुंजसखि) कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति, चरित्र और विहारादि ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–२८८ ग ।

निकुंज विलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत । र० का० सं० १७६४ । वि० श्री राधाकृष्ण की निकुंजलीला ।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→०१–२१६ ।
(ग) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाइजीन इंस्टीट्यूट, लखनऊ । →सं० ०४–१८६ ग ।

निगुरी सगुरी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० भक्ति का उपदेश (निगुरी सगुरी दो स्त्रियों के माध्यम से) ।
प्रा०—पं० भूदेव, छौली, डा० श्री बलदेव (मथुरा) ।→३१–२१५ ।

निघट (पद्य)—लाड़िलीप्रसाद कृत । वि० औषधियों के गुणों आदि का वर्णन ।
(क) लि० का० सं० १६३० ।
प्रा०—ठा० हरदनसिंह, फजापुर, डा० पटियाली (एटा) ।→२६–२०८ बी ।
(ख) लि० का० सं० १६३६ ।
प्रा०—ठा० मानसिंह, पाली (हरदोई) ।→२६–२०८ ए ।

निघट मदनोदै (पद्य)—महाराज (कवि) कृत । लि० का० सं० १६०२ । वि० निघंटु ।
प्रा०—श्री हरपनारायण द्विवेदी, बढ़ैया, ऊपरहार, डा० शंकरगढ़ (इलाहाबाद) । →सं० ०१–२७६ ।

निघंटु (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० भोजराज शुक्ल, एतमादपुर (आगरा) ।→२६–४४० ।

निघंटु (भाषा) (गद्य)—बालमुकुंद कृत । वि० मदनपाल कृत संस्कृत के प्रसिद्ध वैद्यक ग्रंथ 'मदनविनोद निघंटु' का अनुवाद ।
प्रा०—श्री ललिताप्रसाद दीक्षित, जगनेर (आगरा) ।→२६–२८ ।

निघंटु (भाषा) (गद्य)—अन्य नाम 'मदनविनोद निघंटु' । मदनपाल कृत । वि० औषधियों के नाम और गुण ।
(क) लि० का० सं० १६१२ ।
प्रा०—लाला जोगनाथ, कुशहरी, डा० योहान (उन्नाव) ।→२७–२७३ ए ।
(ख) लि० का० सं० [illegible]

प्रा —पं शिवदुलारे, ललनपुर डा मगरैर (उन्नाव) ।→२६-२७१ बी ।

(घ) लि का सं १८२६ ।

प्रा —सेठ गोविंदराम भगतराम मारवाड़ी अभिसिहा (उन्नाव) । → २६-२७१ सी ।

(प) लि का सं १६११ ।

प्रा —महाराजा पुस्तकालय प्रतापगढ़ ।→२६-२७१ डी ।

(र) प्रा —राजा साहब बहादुर प्रतापगढ़ ।→ ६-१७६ ।

निघंटु हाराव (गद्यपद्य)—कवारमल्ल कृत । वि औषधियों के पर्यायवाची शब्दों की सूची ।

प्रा —पं विट्ठलनाथ शर्मा वैद्य पुराना शहर, शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → १२-१११ ।

नयनपाय (पद्य)—करमप्रली कृत । र का सं १७२६ (१ ८८दि) । वि वैद्यक ।

प्रा —श्री बासुदेव वैद्य हकीम बजार डा धौलपुर (आगरा) ।→२६-१८४ ।

निम्बमत सिद्धांत (पद्य)—किशोरदास कृत । लि का सं १८८१ । वि निंबार्क संप्रदाय के सिद्धांत ।

प्रा —महंत भगवानदास की टट्टी स्थान वृंदावन (मथुरा) ।→१२-२१ ।

निजस्वरूप लीला (पद्य)—परशुराम कृत । वि परमात्मा के स्वरूप का दार्शनिक विवेचन ।

प्रा —लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला शाहाबाद (मथुरा) । →११-७४ एच ।

निजामत खाँ—संभवतः औरंगजेब बादशाह के सूबेदार । कालीराम के आश्रयदाता । → १-७ ।

नितपद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८१७ । वि कृष्णभक्ति ।

प्रा —बाबू कैलाशनाथ अग्रवाल रईस बाह (आगरा) →२६-४४२ ।

नित्य (त्या) नंद—मथुरा निवासी संभवतः भगमिशारण के रचयिता नित्यानंद । → ५ ४१ ।

नित्य (त्या) नंद के भजन (पद्य)→१२-१२८ ।

नित्य (त्या) नंद के भजन (पद्य) – नित्य (त्या) नंद कृत । लि का सं ११ ४ । वि निर्गुण सिद्धांत और भक्ति ।

प्रा —श्री श्रीचन्द्रनाथ जैन कनकुआ (आगरा) ।→१२-१२८ ।

नित्य कर्म (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १६११ । वि वल्लभ संप्रदाय के अनुसार चंद्रमा मंदिर की नित्यपूजा विधि ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१८४ ।

नित्य कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (हरिस्वामी रसिक, नंददास आदि) कृत । वि कृष्ण भक्ति ।

(क) लि० का० स० १८४३ ।
प्रा०—श्री श्यामदास, महाप्रभून की बैठक, परेला, डा० बरसाना (मथुरा) । →३२-२६० ।
(ख) प्रा०—श्री जगन्नाथदास कीर्तनिया, नागमंदिर, गोकुल (मथुरा) । → ३२-२६२ ।

नित्य कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप) कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० श्री कृष्णलीला ।
प्रा०—लाला छोटेलाल, पुस्तकविक्रेता, रंगीलदास का फाटक वाराणसी । → ४१-४५३ (अप्र०) ।

नित्य (नित्त) कीर्तन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के) कृत । वि० राधाकृष्ण की नित्य सेवा के भजन ।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी । → ४१-४५२ (अप्र०) ।

नित्य कृत (पद्य)—विविध कवि (परमानंद, व्यास, विट्ठल आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—श्री प्रेमविहारी का मंदिर, प्रेमसरोवर, बरसाना (मथुरा) । → ३२-२६१ ।

नित्य कृत (गद्य)—हरिराय कृत । वि० वल्लभ संप्रदाय के अनुसार भगवान की सेवा का वर्णन ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । → ४१-३२२ ।

नित्य के पद (पद्य)—व्रजाधीश (आदि) कृत । लि० का० स० १८१२ वि० कृष्ण लीला ।
प्रा०—पं० परशुराम, विमला, डा० राया (मथुरा) । → ३२-३२१ ।

नित्य के पद (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत । वि० श्रीकृष्ण लीलाएँ ।
प्रा०—प० गोपाल जी गोस्वामी, नंदग्राम (मथुरा) । → ३२-२२६ सी ।

नित्य के पद (पद्य)—अष्टछाप के तथा श्रीभट्ट आदि विविध कवि कृत । लि० का० स० १८६४ । वि० राधाकृष्ण की भक्ति और शृंगार ।
प्रा०—श्री हरिराम वैश्य, विजौली, डा० माट (मथुरा) । → ३२-२२६ डी ।

नित्य के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । लि० का० स० १८८७ । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, गोकुल (मथुरा) । → ३५-२२० ।

नित्य के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—ठा० करनसिंह, जमनावतो, डा० गोवर्धन (मथुरा) । → ३५-२१६ ।

नित्य के पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० स० १६३३ । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—श्री अश्विनीकुमार वैद्य, बलदेव (मथुरा) । → १७-४६ (परि० १) ।

नित्य चरित्र के कीर्तन (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि० श्री कृष्ण का

जन्म गोचारण और माखनचोरी आदि।

प्रा —श्री बालकृष्णदास, चौखंभा वाराणसी।→४१-८५४ (प्रम)।

नित्य चिंतामणि पारसनाथ पूजा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८२५। वि पार्श्वनाथ की पूजाविधि।

प्रा —श्री रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-८८ (परि ३)।

नित्यनाथ—रचयिता के कथनानुसार पार्वती पुत्र। सं १६५६ के पूर्व वर्तमान।

उड्डीशतंत्र (गद्य)→१७-१२६ २६-२४५ ई सं ४-१६२।

रसरत्नाकर (गद्य)→२६-२४५ सी डी वि ३१-६१ बी।

वीरभद्र (गद्य)→२६-२४५ बी वि ३१-६१ ए।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (हीत स्वामी रसिक विट्ठल गिरधारी) आदि कृत। वि कृष्णभक्ति।

प्रा —श्री शंकरलाल रामचानी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→३५ २१७।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (परमानंद कुंभनदास चौथी हितहरिवंश आदि) कृत। वि कृष्णभक्ति।

प्रा —श्री गोकुलेश जी का मंदिर वल्लभपुर डा गोकुल (मथुरा)।→३५-२१८।

नित्यपद (पद्य)—विविध कवि (गिरधर गिरधर, रामगोपाल आदि) कृत। वि कृष्णभक्ति।

प्रा०—श्री गोकुलेशजी का मंदिर, वल्लभपुर गोकुल (मथुरा)।→३५-२११।

नित्यपद (नि पद) (पद्य)—रच्छाराम कृत। वि भक्ति।

प्रा०—पं गोविंदराम अधिष्ठाता मंदिर नंदगाँव जिला मथुरा (मथुरा)।→३६-४२।

नित्यपदन की पुस्तक→ नित्यकीर्तन' (विविध कवि कृत)।

नित्यपद संग्रह (पद्य)—परमानंददास कृत। वि कृष्णभक्ति।

प्रा०—श्री बहोरीलाल मारवाड़, अछनेरा (आगरा)।→३२-१६२ सी।

नित्यभावना (सेवा तथा स्वरूप की) (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि *पुष्टिमार्गी सेवा प्रकार।*

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली।→सं १-४८६ म।

नित्यभावना लीला (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि दानलीला।

प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→४१ १४१।

नित्यलीला (पद्य)—हरिराय कृत। वि वल्लभ संप्रदायानुसार कृष्ण की सेवा विधि।

(क) प्रा०—बाबू काशीप्रसाद जी वाराणसी।→ -६८।

(ख) प्रा —ठा नैनिहालसिंह कौंथा (उन्नाव)।→११-१६ ।

नित्यलीला और जन्माष्टमी आदि के पद (पद्य)—विविध कवि कृत । लि० का० सं० १८७० । वि० नित्यकीर्तन, जन्माष्टमी, विजयादशमी, गोवर्द्धन और अन्नकूट आदि ।

प्रा० डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।→स० ०७–२६२ ।

नित्यविहार युगल ध्यान (पद्य)—हित रूपलाल कृत । वि० राधाकृष्ण के शृंगार रूप आदि का वर्णन ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा) ।→१२–१५८ जी ।

नित्यविहारी जुगल ध्यान (पद्य)–भगवतरसिक कृत । वि० राधाकृष्ण की युगल मूर्ति तथा वृंदावन समाज का ध्यान ।

(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंबा, वाराणसी ।→००–३० ।

(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–३० ।

नित्यसेवा के पद (पद्य)–विविध कवि (अष्टछाप के तथा प्रेमदास, गोकुलनाथ आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति ।

प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नया मंदिर, गोकुल (मथुरा) । →३२–२६३ ।

नित्यसेवा विधि (आन्हिक) (गद्य)—व्रजराय (गोस्वामी) कृत । वि० नित्य कर्मों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–४०४ ।

नित्यसेवा शृंगार की भावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत । लि० का० सं० १९५६। वि० धर्म ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–८८ ञ ।

नित्यानंद—श्यामशरण (भगभागी) के शिष्य । सं० १८०७ के लगभग वर्तमान । संभवत 'नित्यानंद के भजन' के रचयिता भी यही हैं ।→३२–१५८ ।

भ्रमनिवारण (पद्य)→०५–४१ ।

सतविलास (पद्य)→पं० २२–७८ ।

नित्यानंद सं० १८८५ के लगभग वर्तमान ।

कूर्मचक्रम (पद्य)→२६–३३७ ।

नित्यानंद—(?)

माया को अंग (पद्य)→स० ०१–१६४ ।

नित्यानंद (सुकवि)—(?)

कवित्त सुकवि नित्यानंद के (पद्य)→४१–१२६ ।

निद्राविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि० का० सं० १८४५ । वि० राजकुमार मेक की कथा का वर्णन ।

प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेदहावरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद) ।→४ –३८ , स० ०१–५२४ ।

निधान—कान्यकुब्ज ब्राह्मण। अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी। नंदराम के पुत्र। माधो राम के छोटे भाई मुरलानंद के शिष्य। अनूपशहर के बर्मसिंह के आश्रित। दीवान केवल कृष्ण के कहने पर इन्होंने ग्रंथ की रचना की थी। सं० १८३३ में वर्तमान।
 सालिहोत्र (भाषा) (पद्य)→१७ १२७।

निधान—राजा जसवंतसिंह (?) के आश्रित।
 बलवंत विलास (पद्य)→१२–१२१।

निधान (सुकवि)—दीक्षित ब्राह्मण। सैयद अकबर अली (?) के आश्रित। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
 शालिहोत्र (पद्य)→१२–१२४; २३–२ ४ ए, बी २६–३३४ सं० ४–१९१, सं० ७–१ ६।

निपरानी—रणवीत पुरवा (उन्नाव) के जमींदार राजा गिरिजाबख्शसिंह की पत्नी। १८ वीं शताब्दी में वर्तमान। शालिग्राम परमहंस की शिष्या।→२६–४१७।
 रामबिलास (पद्य)→२६ ३३५।

निपटनिरंजन—औरंगजेब (सं० १७ ४–६४) के समकालीन।
 कवित्त (निपटजी के) (पद्य)→१७–११८।
 निपटनिरंजन के छंद (पद्य)→२६–२५३।
 शांतरस वेदांत (पद्य)→२१ १ १।
 टि० खो० रि० १७ १२८ में मिश्रबंधु (मा० ब० वि०) के आधार पर इनका जन्म सं० १६५३ माना गया है। पर श्री किशोरीलाल गुप्त ने इसका खंडन किया है। (हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास पृ० ११५ संख्या १२६ की टिप्पणी)।

निपटनिरंजन के छंद (पद्य) निपटनिरंजन कृत। वि० आत्मज्ञान।
 प्रा०—डा० लक्ष्मीदत्त शर्मा फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–२५३।

निरंजनदास—अयोध्या से पश्चिम मील दक्षिण गोमती नदी के किनारे आनंदपुर के निवासी। पिता का नाम दर्शन। गुरु का नाम पीतांबर। सं० १७८६ के लगभग वर्तमान।
 कृष्णकांड (पद्य)→१९–१२५।
 हरिनाममाला (पद्य)→ ६ १ २।

निरंजनपुराण—गोरखनाथ कृत।→पं० २२–३१ के।

निरंजनपुराण (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १८२४। वि० सृष्टि की उत्पत्ति आदि।
 प्रा०—श्री महंत जी विडलाना (जोधपुर)।→२१–१८१ डी।

निरंजनलीला जोग ग्रंथ (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८१८। वि० निरंजन का स्वरूप वर्णन।
 प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→१६–११ एफ।

निरनेसार (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६८४। वि० ज्ञानोपदेश।

नित्यलीला और जन्माष्टमी आदि के पद (पद्य)—विविध कवि कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० नित्यकीर्तन, जन्माष्टमी, विजयादशमी, गोवर्द्धन और अन्नकूट आदि।
प्रा० डा० वासुदेवशरण अग्रवाल, भारती महाविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी।→स० ०७-२६२।

नित्यविहार युगल ध्यान (पद्य)—हित रूपलाल कृत। वि० राधाकृष्ण के शृंगार रूप आदि का वर्णन।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, अठखंभा, वृंदावन (मथुरा)।→१२-१५८ जी।

नित्यविहारी जुगल ध्यान (पद्य)—भगवतरसिक कृत। वि० राधाकृष्ण की युगल मूर्ति तथा वृंदावन समाज का ध्यान।
(क) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→००-३०।
(ख) प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव)।→२३-३०।

नित्यसेवा के पद (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा प्रेमदास, गोकुलनाथ आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनियाँ, नया मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३२-२६३।

नित्यसेवा विधि (आन्हिक) (गद्य)—व्रजराय (गोस्वामी) कृत। वि० नित्य कर्मों का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-४०४।

नित्यसेवा शृंगार की भावना (गद्य)—गोकुलनाथ (गोस्वामी) कृत। लि० का० स० १९५६। वि० धर्म।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-८८ ञ।

नित्यानंद—श्यामशरण (भगभागी) के शिष्य। स० १८०७ के लगभग वर्तमान। संभवत 'नित्यानंद के भजन' के रचयिता भी यही हैं।→३२-१५८।
भ्रमनिवारण (पद्य)→०५-४१।
संतविलास (पद्य)→पं० २२-७८।

नित्यानंद स० १८८५ के लगभग वर्तमान।
कूर्मचक्रम (पद्य)→२६-३३७।

नित्यानंद—(?)
माया को अंग (पद्य)→स० ०१-१६४।

नित्यानंद (सुकवि)—(?)
कवित्त सुकवि नित्यानंद के (पद्य)→४१-१२६।

निद्राविलास (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८४५। वि० राजकुमार मेक की कथा का वर्णन।
प्रा०—श्री महेशप्रसाद मिश्र, लेवढ़ाबरा, डा० अटरामपुर (इलाहाबाद)।→४ -३८, सं० ०१-५२४।

निधान—जम्बूद्वीप ब्राह्मण। अनूपशहर (बुलंदशहर) निवासी। नंदराम के पुत्र। भाखी राम के छोटे भाई मुकुंद के शिष्य। अनूपशहर के धर्मसिंह के आश्रित। दीवान केशव कृष्ण के कहने पर इन्होंने ग्रंथ की रचना की थी। सं० १८११ में वर्तमान।
कर्तराज (भाषा) (पद्य)→१७ १२७।

निधान—राजा जसवंतसिंह (?) के आश्रित।
जसवंत विलास (पद्य)→१२-१२१।

निधान (सुकवि)—दीक्षित ब्राह्मण। ठैनर अकबर अली (?) के आश्रित। सं० १८१२ के लगभग वर्तमान।
शालिहोत्र (पद्य)→१२-१२४ ११-१ ४ ए, बी २६-३१४ सं० ४-१६१, सं० ७-१०६।

निधिरानी—रायबरेली पुरवा (उन्नाव) के जमींदार राजा गिरिजाबक्शसिंह की पत्नी। १८वीं शताब्दी में वर्तमान। शालिग्राम परमहंस की शिष्या।→२६-४१७।
रामभिलन (पद्य)→२६ ३१५।

निपटनिरंजन—औरंगजेब (सं० १७१४-६४) के समकालीन।
कवित्त (निपटजी के) (पद्य)→१७-१२८।
निपटनिरंजन के छंद (पद्य)→२३-२९१।
शांतरस वेदांत (पद्य)→२१ १ १।
दि० खो० रि० १७ १२८ में ग्रियर्सन (मा० व० हि०) के आधार पर इनका जन्म सं० १६५१ माना गया है। पर श्री किशोरीलाल गुप्त ने इसका खंडन किया है। (हिंदी साहित्य का प्रथम इतिहास पृ० ११५ संख्या १३६ की टिप्पणी)।

निपटनिरंजन के छंद (पद्य) निपटनिरंजन कृत। वि० आत्मज्ञान।
प्रा०—डा० लक्ष्मीदत्त शर्मा फिरोजाबाद (आगरा)।→२३-२९१।

निरंजनदास—अयोध्या से पचास मील दक्षिण गोमती नदी के किनारे आनंदपुर के निवासी। पिता का नाम बसंत। गुरु का नाम पीतांबर। सं० १७८१ के लगभग वर्तमान।
कृष्णकाव्य (पद्य)→१२-१२५।
हरिनाममाला (पद्य)→ ६ १ १।

निरंजनपुराण—गोरखनाथ कृत।→पं० २२-११ के।

निरंजनपुराण (पद्य)—सेवादास कृत। लि० का० सं० १७६४। वि० सृष्टि की उत्पत्ति आदि।
प्रा०—श्री महंत जी डिडवाना (जोधपुर)।→४१-३८१ डी।

निरंजनलीला जोग ग्रंथ (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८३८। वि० निरंजन का स्वरूप वर्णन।
प्रा०—श्री वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→१६ ३१ एफ।

निरभैसार (पद्य)—कबीरदास कृत। लि० का० सं० १६८४। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री सत्यनारायण उपाध्याय, नेवढिया, डा० सग्रामगढ (प्रतापगढ)।
→स० ०८–२८ क्ष।

निरपषा मूल (ग्रथ) (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० स० १५२० से १५८० के बीच में। वि० उपदेश।→प० २२–३७ ई।

निरमल (कवि) – कायस्थ। चडेस (सभवत चनेल, गोरखपुर) ग्राम के निवासी। स० १७७३ के लगभग वर्तमान।
रसरत्नाकर (गद्यपद्य)→स० ०१-१६५।

निरोधलक्षण (गद्य)—हरिराय कृत। वि० वल्लभ मतानुसार सासारिक विषयों का निरोध।
प्रा०—प० रामदत्त, हौंतिया, डा० नदग्राम (मथुरा)।→३१–३८ बी।

निर्गुणप्रकाश (पद्य)—बल्लूदास कृत। वि० विभिन्न देवताओं की कथाएँ।
प्रा०—श्री देवीदीन, बल्लूदास का पुरवा, सबलपुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। २३→-३५।

निर्गुन बहछुर→'बहदुर निर्गुन' (दूलनदास कृत)।

निर्गुनबानी (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० निर्गुणोपाख्यान।
प्रा०—प० चुन्नीलाल उपाध्याय पुजारी, नगला आसा मजरे, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→१५–१६ डी।

निर्गुन लीला (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १६०७।
प्रा०—पं० राजनारायण आचार्य, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, डा० पीरनगर (गाजीपुर)।→स० ०७–८६।
(ख) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर (गोराबाजार) (गाजीपुर)।
→स० ०१–१७० ख।

निर्त विलास→'नृत्य विलास' (ध्रुवदास कृत)।

निर्त्य राघव मिलन (पद्य)—अन्य नाम 'नृत्यराघव (ग्रथ)'। रामसखे कृत। र० का० स० १८०४। वि० राम की महिमा, ज्ञान, भक्ति आदि।
(क) लि० का० स० १६११।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।
→०५–७८।
(ख) लि० का० स० १६४६।
प्रा०—लाल सूरजप्रसाद, तुलसीपुर, डा० मिलकीपुर (बहराइच)।→२३–३५१।
(ग) प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१५८ डी।

निर्भयज्ञान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० स० १८६२।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ४ २४ क।

(ख) लि का सं १६४५।

प्रा —कबीर साहब का स्थान मगहर (बस्ती)।→ ६-१८१ जी।

(ग) प्रा — महंत जगन्नाथदास मऊ (छतरपुर)।→ -१७७ आर (विवरण अप्राप्त)।

निमलदास—सं १८३१ में वर्तमान।

हरतालिका व्रत कथा (पद्य)→सं १-१६६।

निर्मलप्रकाश→ उधोतसिंह (महाराज) (गौंडा के राजा)।

निर्वाणकांड (पद्य) भगौतीदास (भैया) कृत। र का सं १७४१। वि जैन धर्म के प्राकृत ग्रंथ निर्वाणकांड का अनुवाद।

(क) लि का सं १८२१।

प्रा —लाला कपूरचंद जिलौकपुर (बाराबंकी)।→२३-८७।

(ख) प्रा —श्री वेदप्रकाश गर्ग १, लयीबान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं १०-६४ क।

(ग) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १-६४ ख।

(घ) प्रा —श्री वेदप्रकाश गर्ग १ लयीबान स्ट्रीट, मुजफ्फरनगर।→सं १-६४ ग।

निर्वाण रमैनी (पद्य)—रामदास (जक्किमन) कृत। वि तत्व ज्ञान।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२८३ (विवरण अप्राप्त)।

निर्वाण लीला (पद्य) परसुराम कृत। वि संसार से विरक्ति और भगवद्भक्ति का उपदेश।

प्रा —लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला सादाबाद (मथुरा)।→१४ ७४ आई।

निर्वाणि सुधा (पद्य)—अजीतसिंह (महाराज) कृत। वि भक्ति।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-८४।

निर्विरोध मन रंजन (पद्य)—भगवतीरसिक कृत। वि उपदेश और वैष्णव मत के सिद्धांत।

प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→ ०-११।

निवाज→निवाज (?) (सुजान विनोदावली के रचयिता)।

निशि मोजन त्याग व्रत कथा (पद्य) —भारामल्ल (जैन) कृत। वि जैनधर्म के अनुसार रात में भोजन न करने का उपदेश।

प्रा —श्री जैनमंदिर (बड़ा) बाराबंकी।→११-५१ ए।

निश्चलदास—(?)

श्री महाप्रभुजी के स्वरूप चिंतन को पद (पद्य)→सं १-१६७।

प्रा०—श्री सत्यनारायण उपाध्याय, नेवढ़िया, डा० संग्रामगढ़ (प्रतापगढ़)।
→सं० ०८-२४ छ।

निरपख मूल (ग्रंथ) (पद्य)—हरिदास कृत। र० का० सं० १५२० से १५४० के बीच में। वि० उपदेश।→प० २२-३७ ई।

निरमल (कवि) - कायस्थ। चंडेस (संभवत चनेल, गोरखपुर) ग्राम के निवासी। सं० १७७३ के लगभग वर्तमान।
रसरत्नाकर (गद्यपद्य)→सं० ०१-१९५।

निरोधलक्षण (गद्य)—हरिराय कृत। वि० वल्लभ मतानुसार सांसारिक विषयों का निरोध।
प्रा०—पं० रामदत्त, हौंतिया, डा० नंदग्राम (मथुरा)।→३१-३८ बी।

निर्गुणप्रकाश (पद्य)—बल्लूदास कृत। वि० विभिन्न देवताओं की कथाएँ।
प्रा०—श्री देवीदीन, बल्लूदास का पुरवा, सबलपुर, डा० चरनापुर (बहराइच)।
२३→-३५।

निर्गुन नहछुर→'नहछुर निर्गुन' (दूलनदास कृत)।

निर्गुनबानी (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० निर्गुणोपाख्यान।
प्रा०—पं० चुन्नीलाल उपाध्याय पुजारी, नगला आसा मजरे, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→१५-१६ डी।

निर्गुन लीला (पद्य)—धरनीदास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९०७।
प्रा०—पं० राजनारायण आचार्य, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, डा० पीरनगर (गाजीपुर)।→सं० ०७-८९।
(ख) लि० का० सं० १९१०।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर (गोराबाजार) (गाजीपुर)।
→सं० ०१-१७० ख।

निर्त विलास→'नृत्य विलास' (ध्रुवदास कृत)।

निर्त्य राघव मिलन (पद्य)—अन्य नाम 'नृत्यराघव (ग्रंथ)'। रामसखे कृत। र० का० सं० १८०४। वि० राम की महिमा, ज्ञान, भक्ति आदि।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउटेंट), छतरपुर।
→०५-७८।
(ख) लि० का० सं० १९४९।
प्रा०—लाल सूरजप्रसाद, तुलसीपुर, डा० मिल्कीपुर (बहराइच)।→२३-३५१।
(ग) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-१५८ डी।

निर्भयज्ञान (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क) लि० का० सं० १८९२।

प्रा —श्री राव साहब बहादुर, बरसारी ।→ १–७ एफ।

नीतिपचीसी (पद्य)—केशवकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि नीति।
प्रा —पं मवदेव शर्मा कुरावली (मैनपुरी)।→१८–८४ भार।

नीतिप्रकाश (पद्य)—बलदेव (माथुर) कृत। वि शेखसादी कृत 'करीमा' का अनुवाद।
प्रा —श्री रामचंद्र वकील, मोलपुरा, डा फिरोजाबाद (आगरा)।→१२–१४।

नीतिमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र का सं १८५२। वि भर्तृहरि के नीतिशतक का अनुवाद।
(क) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया।→ १–२ ५ की (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं –२११ ख।

नीतिरत्नाकर (पद्य)—दिग्विजयसिंह (राजा) कृत। र का सं १९१। वि राजनीति रस और अलंकार।
प्रा —श्री भगवतीप्रसादसिंह प्रधानाध्यापक, डी ए वी स्कूल बलरामपुर (गोंडा)।→सं १–१५८।

नीतिविनोद (भाषा) (गद्य)—ब्रजभूषण (गोस्वामी) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग, काँकरोली।→सं १–४ २ ग।

नीतिविलास (पद्य)—मधुरादास (कवि) कृत। लि का सं १९१९। वि नीति।
प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–२७।

नीतिसंदोह (पद्य)—महादेवसिंह कृत। र का सं १९२४। वि नीति और उपदेश।
(क) लि का सं १९३७।
प्रा —पं भगवतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा डा भगवंतनगर (उन्नाव)।→२६–२८१।
(ख) मु का सं १९३७।→सं ४–२१२।

नीलकंठ—वास्तविक नाम जटाशंकर। उप कंठ। चिंतामणि भूषण और मतिराम के भाई। तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। सं १६८८ के लगभग वर्तमान।
→ –४।
अमरेश विलास (पद्य)→ १–१।
नायिकाभेद (अनु) (पद्य)→सं ४–१९४।

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)—बैजनाथ कृत। वि नीलकंठ महादेव की स्तुति।
प्रा—श्री महादेव मिश्र बरहरा डा कसिया (गोरखपुर)।→सं १–२११।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि चिकित्सा।
प्रा —वैद्य गुलजारीलाल जी विशारद फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–४४१।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि चिकित्सा।
प्रा —पं रामेश्वरदयाल इटावली (इटावा)।→११–२१५।

निश्चयात्मक ग्रथ (उत्तरार्ध)→'अनन्य निश्चयात्मक (ग्रथ)' (भगवतरसिक कृत)।

निश्चलदास—दादूपथी साधु। किड्डौली (दिल्ली) के निवासी। स० १६०१ के पूर्व वर्तमान।

विचार सागर (पद्य)→२६–२५४।

टि० श्री मुनिकातिसागर (उदयपुर) के अनुसार ये स० १८८५–१६१५ तक वर्तमान थे।

निष भोजन की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० धर्म।

प्रा०—जैनमदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६–४४१।

निश्चलसिंह—बेनी कवि के आश्रयदाता। स० १८१७ के लगभग वर्तमान।→०३–६२।

निहालदास—गो० विट्ठलनाथ के शिष्य और नददास के गुरु भाई। स० १६०७ के लगभग वर्तमान।→प० २२–१६।

निहाल (कवि)—पटियाला नरेश महाराज कर्मसिंह और नरेंद्रसिंह के आश्रित। स० १८६३–१६१६ के लगभग वर्तमान।

महाभारत (भाषा) (पद्य)→०४–६७।

साहित्य शिरोमणि (पद्य)→०३–१०५।

सुनीतिपथ प्रकाश (पद्य)→०३–१०६।

सुनीति रत्नाकर (पद्य)→०३–१०७।

निहालदास—विंध्याचल (मिरजापुर) के निकट के निवासी। स० १८५२ के लगभग वर्तमान।

भागवत (दशमस्कध) (पद्य)→२३–३०५।

निहालदास—(?)

राधाकृष्ण रासलीला (पद्य)→२६–३३६ बी।

राधाकृष्ण हिंडोला (पद्य)→२६–३३६ ए।

सग्रह (पद्य)→२६–३३६ सी।

नीति की बात—उत्तमचद (भडारी) कृत।→०१–६६ (तीन), ०२–१८ (चार)।

नीति कुडलियाँ (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स० १८१०। वि० नीति।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–२५७ ग।

नीति के दोहे (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नीति।

प्रा०—नगरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–५२५।

नीतिनिधान (पद्य)—खुमान (मान) कृत। लि० का० सं० १६५७। वि० दीवान पृथ्वीसिंह का गुण गान।

प्रा —श्री राव साहब बहादुर, बरखारी।→ १–७ एफ।

नीतिपचीसी (पद्य)—केशवकृष्ण शर्मा (कृष्ण) कृत। वि नीति।

प्रा —पं महादेव शर्मा, कुरावली (मैनपुरी)।→१८–८४ भार।

नीतिप्रकाश (पद्य)—बलदेव (माथुर) कृत। वि शेखसादी कृत करीमा' का अनुवाद।

प्रा —श्री रामचंद्र वकील, शीशपुरा, डा फिरोजाबाद (आगरा)।→१२–१४।

नीतिमंजरी (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र का सं १८५२। वि भर्तृहरि के नीतिशतक का अनुवाद।

(क) प्रा —श्री गौरीशंकर कवि दतिया।→ १–२ ५ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं –२१२ ख।

नीतिरत्नाकर (पद्य)—विश्वनाथसिंह (राजा) कृत। र का सं १८२ । वि राजनीति रस और अलंकार।

प्रा —श्री भगवतीप्रसादसिंह प्रधानाध्यापक, बी ए बी स्कूल बलरामपुर (गोंडा)।→सं १–१५८।

नीतिविनोद (भाषा) (गद्य)—व्रजभूषण (गोस्वामी) कृत। वि ज्ञानोपदेश।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १–४ २ ग।

नीतिविलास (पद्य)—मधुरादास (कवि) कृत। लि का सं १९२९। वि नीति।

प्रा —श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १ २७ ।

नीतिसंदोह (पद्य)—महादेवसिंह कृत। र का सं १९२४। वि नीति और उपदेश।

(क) लि का सं १९१७।

प्रा —पं भवतीप्रसाद, गोसाईंखेड़ा डा चामबानी (उन्नाव)।→२६–२८१।

(ख) मु का सं १९१७।→सं ४–२१२।

नीलकंठ—वास्तविक नाम जटाशंकर। उप कंठ। चिंतामणि भूषण और मतिराम के भाई। तिकवाँपुर (कानपुर) निवासी। सं १६९८ के लगभग वर्तमान।

→ –४ ।

अमरेश विलास (पद्य)→ १–१।

नायिकाभेद (अनु) (पद्य)→सं ४–१६४।

नीलकंठ स्तोत्र (पद्य)—वैजनाथ कृत। वि नीलकंठ महादेव की स्तुति।

प्रा०—श्री महादेव मिश्र बडरहा डा कसिया (गोरखपुर)।→सं १–२४१।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि चिकित्सा।

प्रा —वैद्य गुलजारीलाल जी विशारद फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–४४१।

नुस्खा संग्रह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि चिकित्सा।

प्रा०—पं रामेश्वरदयाल रतावली (इटावा)।→२६–३२६।

नुस्खे (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० औषधि ।
प्रा०—पं० ख्यालीराम, सहायक अध्यापक, चमरौला, ठा० बरहन (आगरा)।
→२६–४४४ ।

नुस्खों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।
प्रा०—पं० राजाराम शर्मा, साढूपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→३५–२२४ ।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।
प्रा०—पं० रामचंद्र वैद्य, करहल (मैनपुरी)।→३५–२२२ ।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।
प्रा०—श्री रामजी दूबे, भदान (मैनपुरी)।→३५–२२३ ।

नूरमुहम्मद—भादों गाँव (आजमगढ़) के निवासी । इनके वंशज अब भी उक्त गाँव में रहते हैं ।
इंद्रावत (पद्य)→०२– ०६, सं० ०१–१६८ ।

नृगोपाख्यान (पद्य)—चक्रांकित कृत । वि० राजा नृग का चरित्र ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०–२४ ।

नृत्यराघव (ग्रंथ)→'नित्य राघव मिलन' (रामसखे कृत)।

नृत्य विलास (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंबा, वाराणसी । →००–१३ (आठ)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर (मिरजापुर)। →०६–७३ बी ।

नृपनीति शतक (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र० का० सं० १६०० । लि० का० सं० १६०१ । वि० राजनीति ।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–६५ ए ।

नृसिंह कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत । वि० नृसिंह अवतार की कथा ।
प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००–१४१ ।

नृसिंह चरित्र (पद्य)—खुमान (मान) कृत । र० का० सं० १८३६ । वि० नाम से स्पष्ट ।
(क) लि० का० सं० १८६३ ।
प्रा०—पं० हरीशंकर, खैरगढ (मैनपुरी)।→३२–१४० सी ।
(ख) लि० का० सं० १६१८ ।
प्रा०—लाला हीरालाल, चौकीनवीस, चरखारी ।→०६–७० एच ।
(ग) लि० का० सं० १६५४ ।
प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, चरखारी ।→२६–२३७ सी ।
(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। →०४–४५ ।

नृसिंहनु को अष्टक→'नरसिंहनु को अष्टक' (मोहन कवि कृत)।
नृसिंह पचीसी (पद्य)—सुमान (मान) कृत। लि का सं १६५१। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला हीरालाल काची नवीस वारमारी।→०१-७ आई।
नृसिंह लीला→ नरसिंह लीला (राजा देवीसिंह कृत)।
नेवसिंह—भाट। नयनसिंह (नायन जी) के पुत्र। सं १८०८ के लगभग वर्तमान।
सारंगधर संहिता (पद्य)→ ०– १८; ६–२१५।
नेतिदास—कबीरपंथी। गिगला (मथुरा) निवासी। वंशज अभी भी उक्त स्थान में वर्तमान हैं।
भ्रमविध्वंस मन रंजन (पद्य)→११–१६७।
नेमचंद्रिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १७५१। लि का सं १८८१।
वि नेमिनाथ तीर्थंकर की कथा।
प्रा —डा वासुदेवशरण अग्रवाल, भारतीय महाविद्यालय काशी हिंदू विश्व विद्यालय वाराणसी।→सं ७–२१६।
नेमधर (पंडित)—सं १८ १ के लगभग वर्तमान।
वर्षराज ज्योतिष (पद्य)→२१–१ २।
नेमनाथजी के कड़े (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि भजन।
प्रा —श्री वेदप्रकाश गर्ग लाहिस्टरम १ सदीकलम मुजफ्फरनगर।→सं १०–१६४।
नेमनाथजी को बारामासो (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि जैन तीर्थंकर नेमिनाथ का वृत्त।
(क) लि का सं १८ ६।
प्रा०—पं रेवतीनंदन बेरी का बरसी (मथुरा)।→३८–१६ ।
(ख) लि का सं १८८४।
प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–२४६।
नेमनाथ ब्याहुला (पद्य)—मोहनलाल (जैन) कृत। वि नेमिनाथ के ब्याह का वर्णन।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२ १।
नेमनाथ राजमती मंगल (पद्य)—किनदास कृत। लि का सं १८०२। वि नेमनाथ और राजमती का विवाह तथा वैराग्य।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–८१।
नेमनाथ री धमाल (पद्य)—मावानंद कृत। वि जिन भगवान नेमिनाथ के विरक्त होने पर उनकी पत्नी राजमती का विरह वर्णन।
प्रा —श्री महावीरसिंह गहलोत पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१–८१।
नेमपुराण की कथा वचनिका (गद्य)—भागचंद (जैन) कृत। र का सं १९ ७। लि का सं १६५६। वि: नेमिनाथजी का जीवन चरित्र।

नुस्खे (पद्य) — रचयिता अज्ञात । वि० औषधि ।

प्रा०—प० ख्यालीराम, सहायक अध्यापक, नमरौला, ठा० बरहन (आगरा) । →२६–४४४ ।

नुस्खों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—प० राजाराम शर्मा, साहपुर, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→३५–२२४ ।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)— रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—प० रामचद्र वैद्य, करहल (मैनपुरी) ।→३५–२२२ ।

नुस्खों की पुस्तक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० चिकित्सा ।

प्रा०—श्री रामजी दूबे, भदान (मैनपुरी) ।→३५–२२३ ।

नूरमुहम्मद—भादों गाँव (आजमगढ) के निवासी । इनके वशज अब भी उक्त गाँव में रहते हैं ।

इद्रावत (पद्य)→०२–१०६, स० ०१–१६८ ।

नृगोपाख्यान (पद्य)— चक्राकित कृत । वि० राजा नृग का चरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२०–२४ ।

नृत्यराघव (ग्रथ)→'नित्य राघव मिलन' (रामसखे कृत) ।

नृत्य विलास (पद्य)—ध्रुवदास कृत । वि राधाकृष्ण विहार ।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखबा, वाराणसी । →००–१३ (आठ) ।

(ख) प्रा० – गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मदिर (मिरजापुर) । →०६–७३ बी ।

नृपनीति शतक (पद्य)—लक्ष्मणसिंह (राजा) कृत । र० का० स० १६०० । लि० का० स० १६०१ । वि० राजनीति ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६–६५ ए ।

नृसिंह कथा (पद्य)—जयसिंह (जूदेव) कृत । वि० नृसिंह अवतार की कथा ।

प्रा०—बाघवेश भारती भडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ ।→००–१४१ ।

नृसिंह चरित्र (पद्य) — खुमान (मान) कृत । र० का० स० १८३६ । वि० नाम से स्पष्ट ।

(क) लि० का० स० १८६३ ।

प्रा०—प० हरीशकर, सैरगढ (मैनपुरी) ।→३२–१४० सी ।

(ख) लि० का० स० १६५४ ।

प्रा०—लाला हीरालाल, चौकीनवीस, चरखारी ।→०६–७० एच ।

(ग) लि० का० स० १६५४ ।

प्रा०—श्री जवाहरलाल प्रधान, पेशकार, चरखारी ।→२६–२३७ सी ।

(घ) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) । →०४–४५ ।

नेवजीलाल (दीक्षित)→'लाल' (विक्रमविलास के रचयिता)।
नवलसिंह—क्षत्रिय। सं० १९८८ के पूर्व वर्तमान। संभवतः ये नवलसिंह प्रधान हैं।
मंगलगीता (पद्य)→१५–७ ए।
शब्दावली (पद्य)→१५–७० बी।
नवाज—उप० निवाज। त्रिपाठी ब्राह्मण। आगरा निवासी। औरंगजेब के पुत्र आजम शाह के आश्रित। सं० १७१७ के लगभग वर्तमान।
करुणाविलासावली (पद्य)→१७–१२५ बी।
शकुंतला नाटक (पद्य)→ १–७१, १७–१२६ ए, २०–११; २१–१ १।
नेवास—ब्राह्मण। बुंदेलखंड निवासी। संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं० १८९ के लगभग वर्तमान।
भक्तावली (पद्य)→ ६–२१७।
नेवासदास—संभवतः बुंदेलखंड निवासी नेवास।→ ६–२१७।
नेवंद लीला (पद्य)→सं० ४–१६५।
नेहतरंग (पद्य)—चंद्रदास कृत। लि० का० सं० १८२१। वि० नायिकाभेद।
प्रा०—निमराना राज्य का पुस्तकालय निमराना।→ ९–१८ ए।
नेहनिदान (पद्य)—नवीन कृत। लि० का० सं० १९ ७। वि० स्नेह का स्वरूप वर्णन।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान ग्रंथ लेखक (हेड एकाउंटेंट) छत्रपुर।→०५–१९।
नेहनिधि (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र० का० सं० १८१७। वि० राधाकृष्ण विहार।
प्रा०—बाबू निर्मलदास वेरू (जोधपुर)।→ १ ६७।
नेहप्रकाश (पद्य)—राधाकृष्ण (नायक) कृत। र० का० सं० १७०९। वि० राम जानकी की शृंगारिक लीलाओं का वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८८५।
प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं० ४–२१८।
(ख) लि० का० सं० १८२८।
प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७–१९ बी।
(ग) प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→० –१५।
(घ) प्रा०—पं० वरणप्रसाद, हरेटी (फैजाबाद)।→२ –९।
टि० खो० वि० ०–१५ में भूल से पुस्तक को चरणदास कृत मान लिया गया है।
नेहप्रकाशिका→'नेहप्रकाश' (राधाकृष्ण नायक कृत)।
नेहप्रकाशिका (टीका)→'रसिक मनोरंजिनी' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।
नेहमंजरी (पद्य)—हरिदास कृत। वि० राधाकृष्ण की प्रेमलीला।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी।→००–११।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६६ सी।

नेमबत्तीसी (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० वृंदावन माहात्म्य।

(क) लि० का० सं० १८२६।

प्रा०—बाबा वंशीदास, श्री नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा)।→४१-५०३ ग (अप्र०)।

(ख) लि० का० सं० १८३४।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-५०३ क (अप्र०)।

(ग) प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→१२-४६ डी।

(घ) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, श्री राधारमण का घेरा, वृंदावन (मथुरा)।→२६-७४।

नेमिचंद्रिका (पद्य)—मनरंगलाल (पल्लीवाल) कृत। र० का० सं० १८८३। वि० नेमिनाथ जी की जीवन कथा।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ।→२६-२६१।

नेमिनाथ के रेखते (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि० नेमिकुँवर के वियोग में राजकुल का शोक प्रकाश।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-२०२ बी।

नेमिनाथजी का मंगल (पद्य)—अन्य नाम 'नौमंगल (नवमंगल)'। विनोदीलाल कृत। र० का० सं० १७४२ (१७००)। वि० नेमिनाथ जी और राजमती के विवाह तथा वैराग्य का वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२४० क।

(ख) लि० का० सं० १८८४।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२४० ख।

(ग)→पं० २२-१६ ए।

नेमिनाथजी के छंद (पद्य)—भुनकलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८४३। लि० का० सं० १६१३। वि० नेमिनाथजी के रथ आदि की शोभा का वर्णन।

प्रा०—जैनमंदिर, नगला सिकंदर, डा० नारखी (आगरा)।→२६-१७६।

नेमिनाथ पुराण (पद्य)—जिनेंद्रभूषण कृत। र० का० सं० १८००। लि० का० सं० १८६०। वि० नेमिनाथ पुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-१६३ बी।

नेमिनाथ राजुल विवाह (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि० का० सं० १८२४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-२०२ सी।

नेवलीलाल (दीक्षित)→'लाल ('विक्रमविलास' के रचयिता)।
नेवलसिंह—क्षत्रिय। सं. १६८८ के पूर्व वर्तमान। संभवतः ये नवलसिंह प्रधान हैं।
मंगलगीता (पद्य)→१५-७ ए।
रामचालीसी (पद्य)→१५-७० बी।
नेवाज—उप. निवाज। त्रिपाठी ब्राह्मण। आगरा निवासी। औरंगजेब के पुत्र आजम शाह के आश्रित। सं. १७१० के लगभग वर्तमान।
छत्रसाल विरुदावली (पद्य)→१७-१२६ बी।
शकुंतला नाटक (पद्य)→ १-७५, १७-१२६ ए, २०-११, २३-१ १।
नेवाज—ब्राह्मण। बुंदेलखंड निवासी। संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी। सं. १८८२ के लगभग वर्तमान।
भक्तावली (पद्य)→ ६-२१७।
नेवाजदास—संभवतः बुंदेलखंड निवासी नेवाज।→ ६-२१७।
मेत्रय लीला (पद्य)→सं. ४-१६५।
नेहतरंग (पद्य)—चंद्रदास कृत। लि. का. सं. १८२१। वि. नायिकाभेद।
प्रा.—निमराना राज्य का पुस्तकालय निमराना।→ ६-१८८ ए।
नेहनिदान (पद्य)—नवीन कृत। लि. का. सं. १९ ७। वि. स्नेह का स्वरूप वर्णन।
प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान प्रबंध लेखक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर।
→ ५-१६।
नेहनिधि (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत। र. का. सं. १८१७। वि. राधाकृष्ण विहार।
प्रा.—साधु निर्मलदास वेद (जोधपुर)।→ १ ६७।
नेहप्रकाश (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। र. का. सं. १७७६। वि. राम जानकी की श्रृंगारिक लीलाओं का वर्णन।
(क) लि. का. सं. १८८५।
प्रा.—डा. त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→सं. (-११८।
(ख) लि. का. सं. १८२८।
प्रा.—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-११ बी।
(ग) प्रा.—बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→ -१५।
(घ) प्रा०—पं. वरजूप्रसाद त्रिवेदी (फैजाबाद)।→२०-६।
टि. खो. वि. ०-१५ में भूल से पुस्तक को चरणदास कृत मान लिया गया है।
नेहप्रकाशिका→'नेहप्रकाश' (बालकृष्ण नायक कृत)।
नेहप्रकाशिका (टीका)→'रसिक विनोदिनी' (जनकराजकिशोरीशरण कृत)।
नेहमंजरी (पद्य)—भगवान कृत। वि. राधाकृष्ण की प्रेमलीला।
(क) प्रा.—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंबा वाराणसी।→०० -११।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–९६ ख।

नेमबत्तीसी (पद्य)—दामोदरदास कृत। र० का० सं० १६८७। वि० वृंदावन माहात्म्य।

(क) लि० का० स० १८२६।

प्रा०—बाबा वंशीदास, श्री नित्यानंद बगीचा, गऊघाट, वृंदावन (मथुरा)।→ ४१–५०३ ग (अप्र०)।

(ख) लि० का० स० १८३४।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद।→४१–५०३ क (अप्र०)।

(ग) प्रा०—गो० किशोरीलाल, अधिकारी, वृंदावन (मथुरा)।→ १२–४६ डी।

(घ) प्रा०—श्री अद्वैतचरण जी गोस्वामी, श्री राधारमण का घेरा, वृंदावन (मथुरा)।→२६–७४।

नेमिचंद्रिका (पद्य)—मनरंगलाल (पल्लीवाल) कृत। र० का० स० १८८३। वि० नेमिनाथ जी की जीवन कथा।

प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ।→२६–२६१।

नेमिनाथ के रेखते (पद्य)—विनोदीलाल कृत। वि० नेमिकुँवर के वियोग में राजकुल का शोक प्रकाश।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७-२०२ बी।

नेमिनाथजी का मंगल (पद्य)—अन्य नाम 'नौमंगल (नवमंगल)'। विनोदीलाल कृत। र० का० स० १७४२ (१७००)। वि० नेमिनाथ जी और राजमती के विवाह तथा वैराग्य का वर्णन।

(क) लि० का० स० १८६६।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४० क।

(ख) लि० का० स० १८८४।

प्रा०–नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–२४० ख।

(ग)→पं० २२–१६ ए।

नेमिनाथजी के छंद (पद्य)—झुनकलाल (जैन) कृत। र० का० सं० १८४१। लि० का० स० १९१३। वि० नेमिनाथजी के रथ आदि की शोभा का वर्णन।

प्रा०—जैनमंदिर, नगला सिकंदर, डा० नारखी (आगरा)।→२६–१७६।

नेमिनाथ पुराण (पद्य)—जिनेंद्रभूषण कृत। र० का० स० १८००। लि० का० सं० १८६०। वि० नेमिनाथ पुराण का अनुवाद।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–१९३ बी।

नेमिनाथ राजुल विवाह (पद्य)—विनोदीलाल कृत। लि० का० स० १८२४। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—पं० रामगोपाल वैद्य, जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७–२०२ सी।

नेवजीवास (हीहित)→'लाल' ('विक्रमविलास' के रचयिता) ।
नेवलसिंह—क्षत्रिय । सं. १९८८ के पूर्व वर्तमान । संभवतः ये नवलसिंह प्रधान हैं ।
मंगलगीता (पद्य)→३५-७ ए ।
शब्दावली (पद्य)→३५-७ बी ।
नवाज—उप. निवाज । त्रिपाठी ब्राह्मण । आगरा निवासी । औरंगजेब के पुत्र आजम शाह के आश्रित । सं. १७१७ के लगभग वर्तमान ।
कुरआन विरदावली (पद्य)→१७-१२६ बी ।
शकुंतला नाटक (पद्य)→ १-७१, १७-१२६ ए, २-१२ ; २३-२ १ ।
नेवाज—ब्राह्मण । बुंदेलखंड निवासी । संभवतः चैतन्य महाप्रभु के अनुयायी । सं. १८९ के लगभग वर्तमान ।
भक्तरावली (पद्य)→ ६-२१७ ।
नेवाजदास—संभवतः बुंदेलखंड निवासी नेवाज ।→ ६-२१७ ।
मैमंथ लीला (पद्य)→सं. ४-१६१ ।
नहवरंग (पद्य)—चंद्रदास कृत । लि. का. सं. १८२१ । वि. नायिकाभेद ।
प्रा.—निमराना राज्य का पुस्तकालय, निमराना ।→ ६-१८ ए ।
नेहनिधान (पद्य)—नवीन कृत । लि. का. सं. १९ ० । वि. स्नेह का स्वरूप वर्णन ।
प्रा.—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान प्रथम लेखक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर । →०१-३६ ।
नेहनिधि (पद्य)—सुंदरकुँवरि कृत । र. का. सं. १८१७ । वि. राधाकृष्ण विहार ।
प्रा.—बाबू निर्मलदास वेद (जोधपुर) ।→ १ ६७ ।
नेहप्रकाश (पद्य)—रामकृष्ण (नायक) कृत । र. का. सं. १७८९ । वि. राम जानकी की शृंगारिक लीलाओं का वर्णन ।
(क) लि. का. सं. १८८५ ।
प्रा.—डा. त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→सं. ८-११८ ।
(ख) लि. का. सं. १८१८ ।
प्रा.—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-१६ बी ।
(ग) प्रा.—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→००-३५ ।
(घ) प्रा.—पं. सरजूप्रसाद, सरेठी (फैजाबाद) ।→२ -९ ।
वि. खो. वि. ०-३५ में भूल से पुस्तक को चरणदास कृत मान लिया गया है ।
नेहप्रकाशिका→'नेहप्रकाश' (रामकृष्ण नायक कृत) ।
नेहप्रकाशिका (टीका)→'रसिक विनोदिनी' (जनकराजकिशोरीशरण कृत) ।
नेहमंजरी (पद्य)—ब्रजदास कृत । वि. राधाकृष्ण की प्रेमलीला ।
(क) प्रा.—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी ।→००-११ ।

(ख) प्रा०—प० चुन्नीलाल वैद्य, दण्डपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ एम।

नैंनूदास —वैरागी। संभवत. पजाब के निवासी।
पद (पद्य)→स० ०७–११०।

नैकान्य कथा (सपतविचार) (पद्य)—सर्वेश्वरदास (गोसाँई) कृत। र० का० स० १८८१ वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क , लि० का० स० '६०७।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर, गोरा बाजार (गाजीपुर)।→ स० ०१–४४४ क।
(ख) लि० का० स० १६०७।
प्रा०—आचार्य प राजनारायण जी, पवहारी बाबा की कुटी, कुरथा, गाजीपुर। →स० ०७–१६०।
(ग) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर गोराबाजार (गाजीपुर)।→ स० ०१–४४४ ख।

नैन (कवि)—(?)
अगदरावण सवाद (पद्य)→४१–१३० ख।
कवित्त हजरत अली साह मरदान सेरे खुदा सलदातुलाह अले हवाल ही वोसलम की हाल गढ खैबर की लड़ाई का तथा कवित्त हजरत अली के माजिजा के (पद्य)→४१–१३० क।

नैनकवेस्वर→'नयनसुख' ('वैद्यमनोत्सव' के रचयिता)

नैननामो (पद्य) वाजिद (बाबा) कृत। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—श्री दाताराम महत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० जगनेर (आगरा)।→ ३२–२२७ बी।

नैनागढ की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आल्हा का विवाह।
प्रा०—धर्मपत्नी स्व० प० रामनारायण दूबे, नगराम (लखनऊ)।→२६–४३६।

नैनायोगिनी—(?)
साँबरतत्र (गद्यपद्य)→०६–२०२।

नैमिषारण्य माहात्म्य (पद्य)—गोकरणनाथ कृत। र० का० स० १६११। लि० का० स० १६१८। वि० नैमिषारण्य तीर्थ का माहात्म्य।
प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ)।→ २६–१२६।

नैषध (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० स० १८०३। लि० का० सं० १६३४। वि० सस्कृत नैषध के आधार पर नलदमयती की कथा।

प्रा —राजा लालतावप्रसादसिंह राज नीलगाँव (सीतापुर) ।→११–१४१ बी ।
पम (ग्रंथ)→ नलचरित्र (सेवासिंह कृत) ।
ोनाथ रक्षा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८५९ । वि रक्षा के लिये
    मी नाथों की स्तुति ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ३–२४ ।
ाने (व्यास)—कंपीर के राजा भुवनसिंह के आश्रित । सं १७ के लगभग वर्तमान ।
    मनुष विद्या (पद्य)→ १–८१ ।
ोनेशाह—अप्रसव । भुव ग्राम (मऊँठी) निवासी । सं १८५१ के लगभग वर्तमान ।
    मुक्तिप्रभाकर (पद्य)→ १–८ बी ।
    वैद्यमनोहर (पद्य)→ १–८ ए ।
    संजीवनसार (पद्य)→१–८ सी ।
ोसेरवा के दास्तान (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि उपदेश ।
    प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–५१६ ।
ोहरदास—साधु । १६ वीं शताब्दी में वर्तमान ।
    अनुभवज्ञान (पद्य)→२ –१२२ ।
    सतीबानी (पद्य)→१७–११ ।
नौनिधि (पद्य)—सेवराम कृत । वि संत मतानुसार ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —पं श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर ।→सं ७–७५ क, ख,ग ।
नौनिधि (पद्य)—उदादास कृत । वि संत मतानुसार ज्ञानोपदेश ।
    (क) प्रा —पं श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर ।→सं ७–६ क ।
    (ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–६ ख ग घ ।
नौनिधि (पद्य)—कबीरदास कृत । वि ब्रह्म ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–११ ड ।
नौनिधि (पद्य)—कान्हजी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१५ ।
नौनिधि (पद्य)—हरजीवन कृत । वि शब्द और सतनाम माहात्म्य ।
    (क) प्रा —पं श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर ।→सं ७–७८ क, ख ।
    (ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७ ७८ ख ग ।
नौनिधि (पद्य)—दीपाजी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–८१ ।
नौनिधि (पद्य)—देवीदास कृत । वि ज्ञानोपदेश ।
    प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–८६ ।
नौनिधि (पद्य)—नामदेव कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
    प्रा०—श्यामसुंदर दीक्षित हरिशंकरी गाजीपुर ।→सं ७–१ १ ।
नौनिधि (पद्य)—भरथजी कृत । वि संत मतानुसार भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
    खो सं मि ९९ (११ –९८)

(ख) प्रा०—प० चुन्नीलाल वैद्य, दण्डपाणि की गली, वाराणसी। → ०६–७३ एम।

नैनूदास —वैरागी। संभवत. पजाब के निवासी।
पद (पद्य)→स० ०७–११०।

नैकाव्य कथा (सपतविचार) (पद्य)—सर्वेश्वरदास (गोसाँई) कृत। र० का० स० १८८७ वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।
(क , लि० का० स० १६०७।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर, गोरा बाजार (गाजीपुर)।→ स० ०१–४४४ क।
(ख) लि० का० स० १६०७।
प्रा०—आचार्य प राजनारायण जी, पत्रहारी बाबा को कुटी, कुरथा, गाजीपुर। →स० ०७–१६०।
(ग) लि० का० स० १६१०।
प्रा०—श्री भागवत तिवारी, कुरथा, डा० पीरनगर गोराबाजार (गाजीपुर)।→ स० ०१–४४४ ख।

नैन (कवि)—(?)
अगदरावण सवाद (पद्य)→४१–१३० ख।
कवित्त हजरत अली साह मरदान सेरे खुदा सलदातुलाह अले हवाल ही वोसलम की हाल गढ खैबर की लड़ाई का तथा कवित्त हजरत अली के माजिजा के (पद्य)→४१–१३० क।

नैनकवेस्वर→'नयनसुख' ('वैद्यमनोत्सव' के रचयिता)

नैननामो (पद्य) वाजिद (बाबा) कृत। वि० तत्वज्ञान।
प्रा०—श्री दाताराम महंत, कबीरगद्दी, मेवली, डा० अगनेर (आगरा)।→ ३२–२२७ बी।

नैनागढ की लड़ाई (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० आल्हा का विवाह।
प्रा०—धर्मपत्नी स्व० प० रामनारायण दूबे, नगराम (लखनऊ)।→२६–४३६।

नैनायोगिनी—(?)
साँबरतत्र (गद्यपद्य)→०६–२०३।

नैमिषारण्य माहात्म्य (पद्य)—गोकरणनाथ कृत। र० का० सं० १६११। लि० का० स० १६१८। वि० नैमिषारण्य तीर्थ का माहात्म्य।
प्रा०—लाला छीतरमल, रायजीत का नगला, डा० लखनौ (अलीगढ)।→ २६–१२६।

नैपध (पद्य)—गुमान (मिश्र) कृत। र० का० स० १८०३। लि० का० सं० १६३४। वि० सस्कृत नैपध के आधार पर नलदमयती की कथा।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२१-४४७ ।

पंचकल्याणक व्रत (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का ई १८२५ । वि जैन महापुरुषियों के चौबीस गुरुओं के गर्भ जन्म तप, ज्ञान और निर्वाणकाल की तिथ्यात्मक सूची ।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-५४ (परि १) ।

पंचकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का ई १८७८ । वि अध्यात्म ।

प्रा०—बाबा रामसनेहीदास कुटी सेलमल लालपुर चौहमा डा बहानागंजरोड (आजमगढ़) ।→ई १-५२७ ।

पंचदशी (भाषा)→'नाटकदीप (स्वा अनेमानंद कृत) ।

पंचपरमेष्ठी गुण (गद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का ई १८०४ । वि जैन दर्शन ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→ई १ -२६६ ।

पंचपरमेष्ठी की पूजा (पद्य)—टेकचंद (जैन) कृत । लि का ई १९२५ । वि पंचपरमेष्ठी की पूजा का विधान और माहात्म्य ।

प्रा —श्री मुरलीधर जैन साधु नहटौली डा पंत्रपुर (आगरा) ।→१२-११५ ।

पंचपरमेष्ठी पूजा (पद्य)—डालूराम कृत । र का ई १८६१ । लि का ई १९४२ । वि जैनियों की पूजा विधि ।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा) बाराबंकी ।→२१-८१ ।

पंचमंगल→ पंचकल्याणक (रूपचंद जैन कृत) ।

पंचमसिंह—महाराज छत्रसाल के भतीजे । पन्ना नरेश हृदयसाहि के समकालीन । प्राणनाथ के शिष्य । ई १७६२ के लगभग वर्तमान ।

कवित्त (पद्य)→ ६-८५ ।

पंचमसिंह—कायस्थ । ओड़छा नरेश पृथ्वीसिंह के आश्रित । ई १७६९ के लगभग वर्तमान ।

गौरजा की कथा (पद्य)→ ६-८६ ।

पंचमात्रा (गद्य)—रामनंद (स्वामी) कृत । लि का ई १९२६ । वि संमार्ग ।

प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक, आइ टी कालेज लखनऊ ।→ ई ४-२४५ ख ।

पंचमात्रीजोग - गोरखनाथ कृत । 'गोरखबोध' में संपादित ।→ २-९१ (आठ) ।

पंचमुद्रा (पद्य)—कबीरदास कृत । लि का ई १८४० । वि पंचमुद्रा का सिद्धांत ।

प्रा —काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय वाराणसी ।→१५-८९ एन ।

पंचमुद्रा (पद्य)—*कबीरदास कृत । वि यथा शीर्षस्थ ।*

(क) लि का ई १८२६ ।

प्रा०—पं रंगनाथ महमूदीपुर (सींढा) ।→२०-७१ ।

(ख) प्रा०—श्री देवगिरि तिलोई (रायबरेली) ।→ई ४-१६६ ।

प्रा०—प० श्यामसुदर दीक्षित, हरिशकरी, गाजीपुर।→सं० ०७-११३ क, ख।

नौनिधि (पद्य)—विंद्रावन कृत। वि० जगत की उत्पत्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—प० श्यामसुन्दर दीक्षित, हरिशकरी, गाजीपुर।→स० ०७-१३४।

नौनिधि (पद्य)—मना जी कृत। वि० सतगुरु और भक्ति की महिमा।

प्रा०—प० श्यामसुदर दीक्षित, हरिशकरी, गाजीपुर।→स० ०७-१४४।

नौबतिराय—(?)

भजन महाभारत (उद्योगपर्व) (पद्य)→३५-६८।

नौमगल (नवमगल)→'नमिनाथजी का मगल' (विनोदीलाल कृत)।

नौमसमय प्रबध शृखला पचीसी (पद्य)—हितवृदावनदास (चाचा) कृत। र० का० स १८३०। वि० कृष्ण भक्ति आदि।

प्रा०—लाला नान्हकचद, मथुरा।→१७-३४ ई।

नौरता की कथा (पद्य)—पचमसिंह कृत। र० का० स० १७६६। वि० नवरात्र व्रत की कथा।

प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-८६।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

नौसेर पातसाह की दस ताज की बात (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नौसेर (नौशेरवाँ ?) बादशाह के दस ताजों पर लिखे नीति वाक्यों का वर्णन।

प्रा०—प० परमानद, नौनेरा, डा० पहाड़ी (भरतपुर)।→३८-१०७।

न्यामत खाँ→'जान (कवि)' ('कद्रपकलोल' आदि के रचयिता)।

न्याय निरूपण ककहरा (पद्य)—भागवतदास कृत। लि० का० स० १६५६। वि० ईश्वर भक्ति और राम की महिमा आदि।

प्रा०—प० अयोध्याप्रसाद, शिवगढ, डा० सिसइया (बहराइच)।→२३-४६।

पच उपनिषद (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत। वि० पच उपनिषदों का सस्कृत से अनुवाद।

(क) लि० का० स० १८८८।

प्रा०—प० शिववश शुक्ल, जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-७८ एल।

(ख) प्रा०—बाबा रामदास, जहाँगीरपुर, डा० फरौली (एटा)।→२९-६५ यू।

पचकहाई (पद्य)—जीवन (मस्ताने) कृत। वि० आत्मज्ञान और उपदेश।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, छतरपुर।→०५-३३।

पचकल्याणक (पद्य)—अन्य नाम 'पचमगल'। रूपचद (जैन) कृत। वि० जैन तीर्थंकर की स्तुति।

(क) प्रा०—श्री जैनमदिर, कटरा मेदिनीगज प्रतापगढ।→२६-४१०।

(ख) प्रा०—प० रामदत्त जी, कोसी (मथुरा)।→३८-१२८ बी।

पचकल्याणक पूजा (पद्य)—वृंदावन कृत। वि० जैनधर्म के विभिन्न देवताओं की पूजा।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२१-४४७ ।

पंचकल्याणक व्रत (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८२५। वि जैन महावलंबियों के चौबीस गुरुओं के गर्भ जन्म, तप, ज्ञान और निर्वाणकाल की तिथ्यात्मक सूची।

प्रा —पं रामगोपाल वद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७-५४ (परि १) ।

पंचकोश (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७८। वि अध्यात्म।

प्रा०—बाबा रामसनेहीदास कुटी सेलमत खानपुर मोहना डा बहानार्गंबरौव (आजमगढ़) ।→सं १-५२७।

पंचदशी (भाषा)→'नाटकदीप (स्वा अनेमानंद कृत)।

पंचपरमेष्ठी गुण (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८७४। वि जैन दर्शन।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -१६५।

पंचपरमेष्ठी की पूजा (पद्य)—टेकचंद (जैन) कृत। लि का सं १९२५। वि पंचपरमेष्ठी की पूजा का विधान और माहात्म्य।

प्रा —श्री सुलतचंद जैन साधु नहाली डा चंद्रपुर (आगरा) ।→१२-११५।

पंचपरमेष्ठी पूजा (पद्य)—डालूराम कृत। र का सं १८९२। लि का सं १९७६। वि जैनियों की पूजा विधि।

प्रा —श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी। →२१-८१।

पंचमंगल→'पंचकल्याणक (रूपचंद जन कृत)।

पंचमसिंह—महाराज छत्रसाल के भतीजे। पन्ना नरेश हृदयशाहि के समकालीन। प्राण नाथ के शिष्य। सं १७९२ के लगभग वर्तमान।

कवित्त (पद्य)→ १-८५।

पंचमसिंह—कायस्थ। ओड़छा नरेश पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं १७८९ के लगभग वर्तमान।

भौरता की कथा (पद्य)→ १-८९।

पंचमात्रा (गद्य)—रामनंद (स्वामी) कृत। लि का सं १९२६। वि मंत्रादि।

प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक आई सी कालेज लखनऊ।→ सं ४-१४९ ख।

पंचमात्रायोग – गोरखनाथ कृत। गोरखबोध में संग्रहीत।→ १-६१ (आठ)।

पंचमुद्रा (पद्य)—कबीरदास कृत। लि का सं १८४ । वि पंचमुद्रा के सिद्धांत।

प्रा —काशी हिंदू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय वाराणसी।→ १५-८९ एच।

पंचमुद्रा (पद्य)—जोगजीत कृत। वि ब्रह्म ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १९२९।

प्रा०—पं रंगनाथ भक्तमीयाँ (गोंडा) ।→२०-७१।

(ख) प्रा —श्री देवगिरि, सिधौई (रायबरेली) ।→सं ४-१११।

पचमुद्रा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०३। वि० ज्ञान आध्यात्म।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मण काट, अयोध्या।→१७-५५ (परि० ३)।

पंचमेरु जयमाल (पद्य)—विनोदीलाल द्वारा अनूदित। वि० जैनधर्म विषयक भूधर कृत प्राकृत के ग्रथ का अनुवाद।
प्रा०—प० रामगोपाल, जहाँगीराबाद (बुलदशहर)।→१७-२०२ डी।

पचमेरु पूजा (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैन धर्म की एक पूजन विधि।
प्रा०—श्री जैन मदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२-५८ एफ।

पचयज्ञ (पद्य)—उमादास कृत। वि० राजधर्म का उपदेश।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, राममगर (वाराणसी)।→०४-६७।

पचयज्ञ विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गो ग्रास, हतकार, अतिथिपूजन, अपसव्यम, स्वावनलि और वैश्य, देव कर्म विधि का वर्णन।
प्रा०—ठा० बद्रीनाथसिंह, खरांही, टा० मानधाता (प्रतापगढ)।→२६-४५ (परि० ३)।

पचरत्न (पद्य) – उमादास कृत। वि० नीति और सिद्धात।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६६।

पचरत्न (पद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० राजा ईश्वरी नारायणसिंह की वीरता तथा ग्रूस साहब की प्रशसा सबधी पाँच पाँच कवित्तों का सग्रह।
प्रा०—श्री भवदत्त शर्मा, एकाउटेंट, रियासत सुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ के, एल।

पचरत्न (ग्रथ) (पद्य)—ज्ञानदास कृत। र० का० स० १६३३। लि० का० सं० १६३३। वि० गणेश, दुर्गा आदि की स्तुति।
प्रा०—बाबा साहबदास जी, गणेशमदिर, डा० सह्रादतगज (लखनऊ)।→२६-२०६ बी।

पचविंशति (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्मानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→सं० ०४-४६८।

पंच सहेली रा दूहा (पद्य)—छीहल (कवि) कृत। र० का० स० १५७५। वि० पाँच स्त्रियों का विरह वर्णन।
(क) लि० का० स० १८४४।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-३५।
(ख) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६३।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-४६७ (अप्र०)।

पंचाग दर्पण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-४६ (परि० ३)।

पंचांग दराम (गद्य)—रघुनाथ (शुक्ल) कृत । र का सं १८५७ । वि ज्योतिष ।
(क) लि का सं १८८७ ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १–१९९ ।
(ख) लि का सं १९०५ ।
प्रा०—पं देवीदत्त शुक्ल संपादक 'सरस्वती' प्रयाग ।→४१–५४८ (प्रम) ।
(ग) प्रा०—पं रघुनाथराम शर्मा मायघाट वाराणसी ।→ ६–१११ ए ।

पंचाध्यायी (पद्य)—सुंदरसिंह कृत । र का सं १८१६ । वि श्रीकृष्ण की रासलीला ।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४–७१ ।

पंचाध्यायी ? (पं ध्या०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि श्रीकृष्ण की रासलीला ।
प्रा —पं बनारसीदास चतुर्वेदी कुँआवाली गली मथुरा ।→१८–१६ ।

पंचाध्यायी रासपंचाध्यायी (कृष्णदास कायस्थ कृत) ।

पंचाध्यायी→ रासपंचाध्यायी (नंददास कृत) ।

पंचाध्यायी (भाषा)→'रासपंचाध्यायी सटीक (गोपालराव भाट कृत) ।

पंचाध्यायी (रासलीला) (पद्य)—सूरदास कृत । लि का सं १८४ । वि श्रीकृष्ण और गोपियों के रास का वर्णन ।
प्रा —ठा फतेहबहादुरसिंह कपिलपुर डा मछलीशहर (जौनपुर) ।→ सं १–४९१ क ।

पंचायत का न्यायपत्र (गद्य)—फकीर (मिश्र) कृत । र का सं १७ १ । लि का सं १७ १ । वि पंचायत निर्णय वर्णन ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–२२५ ।

पंचासिका→'मिथेलीज के कवित्त' (यशोदा कवि कृत) ।

पंचास्तिकाय (गद्य)—अन्य नाम 'पंचास्तिकाय वचनिका । हेमराज पांडेय (जैन) कृत । वि जैन दर्शन विषयक कुंदकुंदाचार्य कृत प्राकृत के 'पंचास्तिकाय' की टीका ।
(क) लि का सं १९५१ ।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ –१४८ ।
(ख) प्रा —सरस्वती भंडार जैन मंदिर खुर्जा ।→१७–७५ ।

पंचास्तिका वचनिका→'पंचास्तिकाय' (हेमराज पांडेय जैन कृत ।

पंचीकरण (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञान ।
प्रा०—पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) । → १०–५६ (परि १) ।

पंचीकरण मनबोध (पद्य)—पृथ्वीलाल कृत । लि का सं १९१४ । वि अष्टांग-योग वर्णन ।
प्रा०—श्री महाराज मोहनमानसिंह की मसावर राज्य नौगावाँ (आगरा) ।→ १२–१७ ए ।

पचमुद्रा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०८। वि० ज्ञान अध्यात्म।
प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मण काट, अयोध्या।→१७-५५ (परि० ३)।

पचमेरु जयमाल (पद्य)—विनोदीलाल द्वारा अनूदित। वि० जैनधर्म विषयक भूधर कृत प्राकृत के ग्रथ का अनुवाद।
प्रा०—प० रामगोपाल, जहाँगीराबाद (बुलदशहर)।→१७-२०२ डी।

पचमेरु पूजा (भाषा) (पद्य)—द्यानतराय कृत। वि० जैन धर्म की एक पूजन विधि।
प्रा०—श्री जैन मदिर, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी)।→३२-५८ एफ।

पचयज्ञ (पद्य)—उमादास कृत। वि० राजधर्म का उपदेश।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६७।

पचयज्ञ विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गो ग्रास, हतकार, अतिथिपूजन, अपसव्यम, स्वाबलि और वैश्य, देव कर्म विधि का वर्णन।
प्रा०—ठा० बद्रीनाथसिंह, ग्वरौही, डा० मानधाता (प्रतापगढ)।→२६-४५ (परि० ३)।

पचरत्न (पद्य) – उमादास कृत। वि० नीति और सिद्धांत।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→०४-६६।

पचरत्न (पद्य)—केवलकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० राजा ईश्वरी नारायणसिंह की वीरता तथा ग्रूस साहब की प्रशसा सबधी पाँच पाँच कविर्ता का सग्रह।
प्रा०—श्री भगदत्त शर्मा, एकाउटेंट, रियासत मुजरई, डा० कुरावली (मैनपुरी)।→३८-८४ के, एल।

पचरत्न (ग्रथ) (पद्य)—ज्ञानदास कृत। र० का० स० १६३३। लि० का० सं० १६३३। वि० गणेश, दुर्गा आदि की स्तुति।
प्रा०—बाबा साहबदास जी, गणेशमदिर, डा० सआदतगज (लखनऊ)।→२६-२०६ बी।

पचविंशति (ग्रंथ) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन धर्मानुसार ज्ञानोपदेश।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ।→स० ०४-४६८।

पंच सहेली रा दूहा (पद्य)—छीहल (कवि) कृत। र० का० स० १५७५। वि० पाँच स्त्रियों का विरह वर्णन।
(क) लि० का० स० १८४४।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२-३५।
(ख) प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-६३।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-४६७ (अप्र०)।

पंचाग दर्पण (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।
प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, हरदोई।→२६-४६ (परि० ३)।

प्रा —ठा यदुनाथसिंह, मटेरी ग्रा करारा मेविमीबेव (प्रतापगढ़)।→ २६-२१५।

पक्षीप्रश्न (पद्य)—रचयिता ग्रज्ञात। लि का सं १८८८। वि शकुन।

प्रा —श्री यमुनाथ पांडेय, मऊ ग्रा बेलवार (कानपुर)।→सं ४-८६९।

पद्मीमंजरी (पद्य)—गोपा कृत। र का सं १६१६। वि पद्मिनी के श्लेष से नायिका का विरह वर्णन।

प्रा —मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ खैरगढ़ (मैनपुरी)।→११-३१ बी।

पद्मीविलास (पद्य)—गुरुदत्त (शुक्ल) कृत। वि पक्षियों के रूप गुण का वर्णन।

(क लि का सं १९४१।

प्रा -पं कृष्णबिहारी मिश्र संपादक 'समालोचक' लखनऊ।→२१-१२८ ए।

(ख) प्रा —पं शिवनारायण वाजपेयी वाजपेयी का पुरवा ग्रा सिरौंवा (बहराइच)।→२१-१४५ बी।

पद्मीविलास (पद्य) काशीराम कृत। वि गोपी उद्धव संवाद, हंस चंपक, कोकिल मराल ग्रादि का वर्णन।

(क) लि का सं १९४४।

प्रा०—पं कृष्णबिहारी मिश्र संपादक 'समालोचक' लखनऊ।→११ १२१।

(ख) प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र ब्रजराज पुस्तकालय गंधौली (सीतापुर)। →सं ४-८७।

(ग) प्रा —पं युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ६-६१।

(घ) प्रा —कृष्णबिहारी मिश्र मॉडल हाउस लखनऊ।→२६-२१६।

पंचोसी (पद्य)—किशोरदास कृत। लि का स १९६९। वि समस्या पूर्ति।

प्रा —बाबा ग्रयोध्याप्रसाद मौजा ग्रा काकोरी (लखनऊ)।→११-२११।

पवनकुँवरि—बुंदेलखंड की रहनेवाली।

बारहमासी (पद्य)→ ६-८१।

पवन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)—पवनसिंह कृत। लि का सं १९५ । वि ज्योतिष।

प्रा —श्री गौरीशंकर कवि बलिया।→ ६-८४।

पवनसिंह—कायस्थ। मदनसिंह के पुत्र।

पवन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)→ ६-८४।

पजनेस—सुप्रसिद्ध कवि। जन्मकाल सं १८७१। पन्ना निवासी।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)→ ५-६१।

पठान (मिश्र)—

मदनाष्टक (पद्य)→१५-७६।

पतित→'युगलप्रसाद' ('विनयवाटिका' के रचयिता)।

पतितदास (स्वामी)—गिरिधरपुर (बैसवाड़ा रायबरेली) के निवासी। अंतिम समय ग्रयोध्या में बीता जहाँ इनके नाम का एक मंदिर है। संभवत १९ वीं शताब्दी में वर्तमान।

पंचेद्रिय निर्णय (पद्य)—सुदरदास कृत। र० का० स० १६६१। लि० का० स० १८६०। वि० वेदात।
प्रा०—प० व्रजनाथ, मियाँ साहब की गली, मुरादाबाद।→१२–१८४ ए।

पचोली देवकर्ण—महाराणा जगतसिंह के श्रामात्य। लच्छीराम के शिष्य। स० १८०७ के लगभग वर्तमान।
वाराणसी विलास→स० ०१–१६६।

पछीचरित्र→'पंछीचेतवनी' (रचयिता अज्ञात)।

पछीचोतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण के शृगार के साथ साथ पक्षियों का नामोल्लेख।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नगरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–५२८।

पछीचेतवनी (पद्य)—अन्य नाम 'पछीचरित्र'। रचयिता अज्ञात। वि० विरह शृगार के साथ साथ पक्षियों का नामोल्लेख।
प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग।→स० ०१–५२६।

पछीचेतावनी (पद्य)—हरिवशराय कृत। वि० पक्षियों के माध्यम से नायिकाभेद।
प्रा०—प० गोविंदप्रसाद, हिंगोटखिरिया, डा० बमरौली कटारा (श्रागरा)।→ २६–१४८ जी।

पछीनामा (पद्य)—बाजिंद (वजदी) कृत। वि० सूफी रहस्यवाद।
प्रा०—डा० एम० एच० सैयद साहब, चैथमलाइन, इलाहाबाद।→४१–२५०।

पडित→'देवीदत्त (शुक्ल ,' 'हनुमत वीर रत्ता' के रचयिता)।

पडित कवि गगा→'गगाराम (यति)' ('भावनिदान' श्रादि के रचयिता)।

पथपारख्या (पद्य)—दास कृत। वि० दादूपथ के सिद्धातों का वर्णन।
प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–१५६।

पदनामा लुकमान का (ग्रथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० स० १७२१। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग।→स० ०१–१२६ य[१]।

पद्रह तिथि (ग्रथ) (पद्य)—गोरखनाथ कृत। लि० का० स० १८५६। वि० योगी को प्रत्येक तिथि के उपयोग का ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।।→स० ०७–३६ ज।

पद्रहपात्र की चौपाई (पद्य)—बनारसी कृत। वि० पद्रह पात्रों, कुपात्रों और ज्ञान आदि का वर्णन।
प्रा०—श्री जैन मदिर, कठवारी, डा० रुनकुता (श्रागरा)।→३२–१८ ए।

पत्तीचेतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृगार वर्णन।
प्रा०—चौ० केहरीसिंह, नयाबाँस (इटावा)।→३८–१८६।

पत्तीचेतावनो (पद्य)—क्षेमकरन (मिश्र) कृत। वि० विरह वर्णन एव श्लेष से पक्षियों का नामोल्लेख।

प्रा —ठा रघुनाथसिंह, मोरी ग्रा सरा मेदिनीगंज (प्रतापगढ़)।→ २६-११५ ।

पक्षीमरन (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८८८ । वि शकुन ।

प्रा —श्री रघुनाथ पाडेय मऊ ग्रा बेलवार (जौनपुर)।→सं ४-८१ ।

पक्षीमंजरी (पद्य)—ग्रीता कृत । र का सं १९११ । वि पक्षियों के श्लेष से नायिका का विरह वर्णन ।

प्रा —मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ खैरगढ़ (मैनपुरी)।→१२-११ बी ।

पक्षीविलास (पद्य)—गुरुदत्त (शुक्ल) कृत । वि पक्षियों के रूप गुण का वर्णन ।

(क) लि का सं १९४१ ।

प्रा –पं कृष्णविहारी मिश्र संपादक 'समालोचक' लखनऊ।→२१-१०५ ए ।

(ख) प्रा –पं शिवनारायण वाजपेयी वाजपेयी का पुरवा ग्रा सिरैया (बहराइच)।→२१-१०५ बी ।

पक्षीविलास (पद्य) पालीराम कृत । वि गोपी उद्धव संवाद लक्ष्मी चंपक, कोकिल मराल आदि का वर्णन ।

(क) लि का सं १९४४ ।

प्रा०—पं कृष्णविहारी मिश्र संपादक 'समालोचक' लखनऊ ।→२१ १२२ ।

(ख) प्रा —पं कृष्णविहारी मिश्र ब्रजराज पुस्तकालय गंधौली (सीतापुर)। →सं ४-८७ ।

(ग) प्रा —पं युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ९-२१ ।

(घ) प्रा —कृष्णविहारी मिश्र माडल हाउस लखनऊ।→२६-३३६ ।

पचोसी (पद्य)—किशोरदास कृत । लि का स १९५९ । वि समस्या पूर्ति ।

प्रा —बाबा अयोध्याप्रसाद मौवा ग्रा काकोरी (लखनऊ)।→१२-२११ ।

पजनकुँवरि—बुंदेलखंड की रहनेवाली ।

बारहमासी (पद्य)→ १-८१ ।

पजन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)—पजनसिंह कृत । लि का सं १८५ । वि ज्योतिष ।

प्रा —श्री गौरीशंकर कवि वलिया ।→ १-८४ ।

पजनसिंह—कायस्थ । मदनसिंह के पुत्र ।

पजन प्रश्न ज्योतिष (पद्य)→ १-८४ ।

पजनेस—सुप्रसिद्ध कवि । जन्मकाल सं १८७१ । पन्ना निवासी ।

मधुप्रिया की टीका (गद्यपद्य)→ ५-२१ ।

पठान (मिश्र)—

भरमायक (पद्य)→१५-७१ ।

पंडित→ युगलप्रसाद' ('विनयपत्रिका के रचयिता)।

पतितदास (स्वामी)—गिरिधरपुर (बैसवाड़ा रायबरेली) के निवासी । अंतिम समय अयोध्या में रहे जहाँ इनके नाम का एक मंदिर है । संभवतः १९ वीं शताब्दी में वर्तमान ।

गगाजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ डी ।

गुप्तगीता (पद्य)→१७–१३३ ।

ज्योतिष (पद्य)→२६-३४६ ई ।

ज्योतिषरासि दिन रजस्वला विचार (गद्यपद्य)→२६–३४६ जी ।

ज्ञानयोगतत्व सार (पद्य)→२३–३१४ ए ।

तत्रमत्र जत्रावली (पद्य)→२६–३४६ एम ।

देवीजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ बी ।

दोहावली (पद्य)→२६–३४६ सी ।

नक्षत्र राशि चरण कुडली फलाफल ज्योतिष (पद्य)→२३–३१४ सी, २६–३४६ एफ ।

भजन सर्व सग्रह (पद्य)→२०–१२७ ।

महावीरकवच (पद्य)→२३–३१४ बी ।

यात्रागुण (पद्य)→६–१३४६ पी ।

रजस्वला रोग दोष (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन, आई , २६–१६७ ।

रमल (पद्य)→२६–३४६ के ।

विश्वरूप विनय (पद्य)→२६–३४६ ओ ।

वैद्यकफल्प (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन , सं० ०४–१६६ क ।

शरीर भोग सार गीता (पद्य)→२३–३१४ डी ।

शिवस्तुति (पद्य)→२६–३४६ एल ।

सर्व अर्थोक्ति (गद्य)→स० ०४–१६६ ख ।

पतितदास, दासपतित या पतितानद→ पतितपावनदास' ('पतितपावनदास की कविता' के रचयिता) ।

पतितपावनदास—क्षत्रिय । चकौली ग्राम के निवासी । स० १६३६ के पूर्व वर्तमान ।

पतितपावनदास की कविता (पद्य)→२६–२६८ बी ।

विवेकसार (पद्य)→२६–२६८ ए ।

पतितपावनदास की कविता (पद्य)—पतितपावनदास कृत । वि० गुरु महिमा आदि । प्रा०—मुशी जानकीप्रसाद मुख्तार, बाबू बिहारीलाल नम्बरदार, समेसी, डा० नगराम (लखनऊ) ।→२६–२६८ बी ।

पतिमिलन (पद्य)—वृद (कवि) कृत । वि० विदेश से पति के आने पर पत्नी का शृंगार वर्णन ।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→०१–२५६ क ।

पत्तल (पद्य)—कुजमणि (कुजनन) कृत । र० का० स० १८३३ । लि० का० स० १६१५ । वि० राम विवाह ज्योनार ।

प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ) ।→२६–२५२ ए ।

पचाि (पद्य)—मोहनलाल (द्विज) कृत । र का सं १८   । वि श्रीकृष्ण जी के विवाह की ज्योनार का वर्णन ।
  प्रा —पं श्यामलाल शर्मा मंत्री श्री बलराम पुस्तकालय बलदेव (मथुरा) । →१०–११६ ।

पथरीगढ़ की लड़ाई (पद्य)—अन्य नाम 'मलिखान का ब्याह' । भोलानाथ कृत । र का सं १९ ०। लि का सं १९११ । वि गजमालिन और मलिखान के ब्याह का वर्णन ।
  प्रा —लाला गेंदालाल सोरों (एटा) । → ९–४ ई ।

पर्मैनारासो → गढ़पर्मैनारासो' (चतुरराम कृत) ।

पथ्यापथ्य विचार (गद्यपद्य)—केशवप्रसाद (दुबे) कृत । र का सं १९१२ । वि वैद्यक ।
  (क) लि का सं १९१० ।
  प्रा —पं कुंदनलाल सफीपुर (उन्नाव) । →२६–२१ ए ।
  (ख) लि का सं १९१२ ।
  प्रा —पं रामदुलारेलाल मरफुरवा डा वेथर (उन्नाव) । →२६–२१ एफ

पद (पद्य)—अंगद जी कृत । लि का स १८५६ । वि भक्ति ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं ७–१ ।

पद (पद्य)—अग्रदास कृत । लि का सं ८५६ । वि भक्ति ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं ७ २ ।

पद (पद्य)—अयोध्या (गिरि) कृत । वि शृंगार ।
  प्रा —श्री मुन्नी चौबे हुरमुजपुर डा सादात (गाजीपुर) । →सं १–६ ।

पद (पद्य)—आशानंद कृत । लि का सं १ ७ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं १ –७ ।

पद (पद्य)—कमा कृत । वि भक्ति ।
  प्रा —पं चुन्नेमल जी रामेवाड़ी डा सुरीर (मथुरा) →१८–१५७ ।

पद (पद्य)—कबीरदास कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
  (क) लि का सं १७७१ ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं –६ क ।
  (ख) लि का सं १७६७ ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं ७–११ ठ ।

पद (पद्य)—कमाल कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
  (क) लि का सं १७७१ ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →सं १ ।
  (ख) लि का सं १८५६ ।
  प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । →सं ७–१२ ।

पद (पद्य)—कान्हाँ जी कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति ।

गगाजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ डी।

गुप्तगीता (पद्य)→१७–१३३ ।

ज्योतिष (पद्य)→२६ -३४६ ई।

ज्योतिपरासि दिन रजस्वला विचार (गद्यपद्य)→२६–३४६ जी।

ज्ञानयोगतत्व सार (पद्य)→२३–३१४ ए।

तत्रमत्र जत्रावली (पद्य)→२६–३४६ एम।

देवीजी की स्तुति (पद्य)→२६–३४६ त्री।

दोहावली (पद्य)→२६–३४६ सी।

नक्षत्र राशि चरण कुडली फलाफल ज्योतिप (पद्य)→२३–३१४ सी, २६–३४६ एफ।

भजन सर्व सग्रह (पद्य)→२०–१२७ ।

महावीरकवच (पद्य)→२३–३१४ बी।

यात्रागुण (पद्य)→६–१३४६ पी।

रजस्वला रोग दोष (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन, आई, २६–`६७ ।

रमल (पद्य)→२६–३४६ के।

विश्वरूप विनय (पद्य)→२६–३४६ ओ।

वैद्यकल्प (गद्यपद्य)→२६–३४६ एन, सं० ०४–१६६ क।

शरीर भोग सार गीता (पद्य)→२३–३१४ डी।

शिवस्तुति (पद्य)→२६–३४६ एल।

सर्व ग्रथोक्ति (गद्य)→स० ०४–१६६ ख।

पतितदास, दासपतित या पतितानद→ पतितपावनदास' ('पतितपावनदास की कविता' के रचयिता)।

पतितपावनदास—क्षत्रिय। चकौली ग्राम के निवासी। स० १६३६ के पूर्व वर्तमान।

पतितपावनदास की कविता (पद्य)→२६–२६८ बी।

विवेकसार (पद्य)→२६–२६८ ए।

पतितपावनदास की कविता (पद्य)—पतितपावनदास कृत। वि० गुरु महिमा आदि। प्रा०—मुशी जानकीप्रसाद मुख्तार, बाबू बिहारीलाल नम्बरदार, समेसी, डा० नगराम (लखनऊ)।→२६–२६८ बी।

पतिमिलन (पद्य)—बृद (कवि) कृत। वि० विदेश से पति के आने पर पत्नी का शृगार वर्णन।

प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→०१–२५६ क।

पत्तल (पद्य)—कुजमणि (कुजजन) कृत। र० का० स० १८३३। लि० का० स० १६१५। वि० राम विवाह ज्योनार।

प्रा०—लाला गजाधरप्रसाद, कूराडीह, डा० परियावाँ (प्रतापगढ)।→ २६–२५२ ए।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५.१ ।

पद (पद्य)—जगजीवनदास कृत । लि का सं १८५५ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५२ ख ।

पद (पद्य)—जगन्नाथ (जन) कृत । लि का सं १८२६ । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५६ ग ।

पद (पद्य)—जनगोपाल कृत । लि का सं १७०७ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ७–१६ क ।

पद (पद्य)—जैदेव (जयदेव) कृत । लि का सं १७७१ । वि रामभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –४५ ।

पद (पद्य)—त्रिलोचन कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७७१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । सं १ –५ ।

(ख) लि का स १८२६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–६१ ।

पद (पद्य)—ग्रन्थ नाम 'तुरसीदास के पद । तुरसीदास (निरंजनी) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १८३८ ।

प्रा०—डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदूविश्व विद्यालय वाराणसी ।→१५–२ ए ।

(ख) लि का सं १८५६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–७ घ ।

पद (पद्य)—दरसनदास कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–७९ ।

पद (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि होली आदि राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

(क) प्रा —गो किशोरीलाल अधिकारी वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४६ एफ ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१ २ क ।

पद (पद्य)—दास कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । सं ७–८१ क ।

पद (पद्य)—देवाराम (बाबा) कृत । वि भक्ति ।

प्रा —पं साधुशरण तिवारी सिहाकुड (सीताकुंड) डा हलदी (बलिया) ।→४१–११ ।

पद (पद्य)—धना जी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७ १ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –६१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१६ ।

पद (पद्य)—कीता कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-१५ ।

पद (पद्य)—कृष्णानद कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-१६ ।
(ख) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२२ ।

पद (पद्य)—कोविद कृत । वि० राम और सीता का शृगार एव विहार ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३७ ।

पद (पद्य)—गरीबदास (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-२४ ग ।
(ख) लि० का० स० १८९७ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-३० ख ।

पद (पद्य)—गैबी जी कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-३५ ख ।

पद (पद्य)—गोविंददास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-४० ।

पद (पद्य)—ग्यानतिलोक कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-२८

पद (पद्य)—चतुर्भुज (स्वामी) कृत । वि० रास और सिद्धात निरूपण ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल, वृदावन (मथुरा) ।→१२-४० ।

पद (पद्य)—चत्रदास कृत । लि० का० स० १८५६ वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-४४ ।

पद (पद्य)—छाजु जी कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-४८ ।

पद (पद्य)—छीतम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि० का० स० १७७१ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-३८ ।
(ख) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारीणी सभा, वाराणसी । स० ०७-४६ ख ।

पद (पद्य)—छोटेलाल कृत । लि० का० स० १६५० । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, अहियागज, टाटपट्टी मोहल्ला, लखनऊ । → स० ०४-१०४ ।

पद (पद्य)—जगी जी कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ३–५१ ।

पद (पद्य)—कार्ष्णजनदास कृत । लि का सं १८५५ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५१ ग ।

पद (पद्य)—जगराम (कवि) कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–५६ ग ।

पद (पद्य)—जनगोपाल कृत । लि का सं १७६७ । वि॰ भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–६१ क ।

पद (पद्य)—जैदेव (जयदेव) कृत । लि का सं १७७१ । वि रामभक्ति ।

प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –८५ ।

पद (पद्य)—तिलोकचन्द कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७७१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । सं १ –५ ।

(ख) लि का सं १८५६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–६६ ।

पद (पद्य)—अन्य नाम तुलसीदास के पद । तुलसीदास (निरंजनी) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १८८८ ।

प्रा॰—डा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदूविश्व विद्यालय वाराणसी ।→१५–१ घ ।

(ख) लि का सं १८५६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→६ ७–७ प ।

पद (पद्य)—दरियावदास कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–७२ ।

पद (पद्य)—दामोदरदास कृत । वि होली आदि राधाकृष्ण की लीलाएँ ।

(क) प्रा —गो किशोरीलाल अधिकारी वृंदावन (मथुरा) ।→१२–४६ एक ।

(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१ १ क ।

पद (पद्य)—दास कृत । लि का सं १८५६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी । सं ७–८२ क ।

पद (पद्य)—देवाराम (बाबा) कृत । वि भक्ति ।

प्रा —पं साधुशरण तिवारी सिंहाकुंड (सीताकुंड), डा दलदी (बलिया) ।
→४१–११ ।

पद (पद्य)—नगा जी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७७१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –३१ ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-८८ ।

पद (पद्य)—धरनीदास कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-११८ घ ।

पद (पद्य)—धरमसी जी कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-९० ।

पद (पद्य)—ध्यानदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-९२ ग ।

पद (पद्य)—नरसी (मेहता) कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-७० ।

पद (पद्य)—नरीदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-९६ ।

पद (पद)—नापा कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१०२ ।

पद (पद्य)—नारायणदास कृत । लि० का० स० १८६६ । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—श्री अरगदिया बाबा, हिंडोलने का नामा, लखनऊ ।→२६-३२० ।

पद (पद्य)—नैंनूदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-११० ।

पद (पद्य)—पदमदास (पदम स्वामी) कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह और कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४-१६७ ।

पद (पद्य) —परमानद कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-११२ ।

पद (पद्य)—परस जी कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-७५ क ।

पद (पद्य)—परसन (विप्र या द्विज) कृत । र० का० और लि० का० स० १८८० से १८९० तक । वि० राम, कृष्ण और शिवभक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-२०३ क, ख, ग, घ ।

पद (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री शभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । → स० ०४-२०५ ।

पद (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-७८ क ।

पद (पद्य)—पूरणदास कृत । लि० का० सं० १८५६ । वि० भक्ति।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ७-११७ ।

पद (पद्य)—परम जी कृत । लि का सं १८८६ । वि संप्रदायानुसार भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-११८ ।

पद (पद्य)—मदनसागर जी कृत । लि का सं १७७१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं १ -८१ ।

पद (पद्य)—बनारसी कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ७-११८ ।

पद (पद्य)—बहादरी (जैन) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७७१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ -८९ ।

(ख) लि का सं १८८६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-११ ।

पद (पद्य)—बाहिर कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१११ ग ।

पद (पद्य)—भीखा जी कृत । लि का सं १७७१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ ९ ।

पद (पद्य)—भागचंद (जैन) कृत । वि जैन धर्म ।

प्रा —श्री जैन मंदिर (मथा) मिरजागंज (मैनपुरी) ।→१२-१६ ।

पद (पद)—भीम जी कृत । लि का सं १७७१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ -६६ ।

पद (पद्य)—मगनानंद कृत । वि ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ८-२७५ ।

पद (पद्य)—मधुविमान कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि का सं १७७१ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ -१ १ ।

(ख लि का सं १८८६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१४१ ।

पद (पद्य)—मनसुंदर कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति ।

प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१४१ ।

पद (पद्य)—महम्मद (काजी) कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१४६ ।

पद (पद्य)—माधोदास कृत । लि का सं १८८६ । वि भक्ति ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१५ ।

पद (पद्य)—मुकुंदमापर्दी कृत । लि का सं १८८६ । वि योगानुकूल ज्ञान ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–८८ ।

पद (पद्य)—धरनीदास कृत । वि० ज्ञान और भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–११८ ग ।

पद (पद्य)—धरमसी जी कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–६० ।

पद (पद्य)—ध्यानदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–६२ ग ।

पद (पद्य)—नरसी (मेहता) कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–७० ।

पद (पद्य)—नरीदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–६६ ।

पद (पद)—नापा कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–१०२ ।

पद (पद्य)—नारायणदास कृत । लि० का० स० १८६६ । वि० राधाकृष्ण विहार ।
प्रा०—श्री बरगदिया बाबा, हिंडोलने का नामा, लखनऊ ।→२६–३२० ।

पद (पद्य)—नैंनूदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–११० ।

पद (पद्य)—पदमदास (पदम स्वामी) कृत । वि० कृष्ण रुक्मिणी विवाह और कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४–१६७ ।

पद (पद्य) –परमानद कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७–११२ ।

पद (पद्य)—परस जी कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–७५ क ।

पद (पद्य)—परसन (विप्र या द्विज) कृत । र० का० और लि० का० स० १८८० से १८६० तक । वि० राम, कृष्ण और शिवभक्ति ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–२०३ क, ख, ग, घ ।

पद (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—श्री शभुप्रसाद बहुगुना, अध्यापक, आई० टी० कालेज, लखनऊ । → स० ०४–२०५ ।

पद (पद्य)—पीपा कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–७८ क ।

पद (पद्य)—पूरणदास कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति ।

पद (पद्य)—हीरालीन कृत । वि कृष्णभक्ति ।
प्रा —श्री हरिनारायण मिश्र, सिकंदरा (इलाहाबाद) ।→सं १–४२ ।

पद (पद्य)—श्रीभट्ट कृत । वि राधाकृष्ण विषयक प्रेम शृंगार और भक्ति ।
प्रा —पं वंशीधरलाल गोस्वामी (मथुरा) ।→१२–२ ४ बी ।

पद (पद्य)—सघना कृत । लि का सं १७७१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१२८ ।

पद (पद्य)—सीहा की कृत । लि का सं १८५९ । वि भक्ति ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१९२ ।

पद (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७५७ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं ७–१९१ ठ ।
(ख)→ २–९५ (पंजाब) ।

पद (पद्य)—सुखानंद कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७७१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१११ ।
(ख) लि का सं १८५९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७ १९७ ।

पद (पद्य)—सुखराम (मन) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२ १ ग ।

पद (पद्य)—सेवादास कृत । वि निर्गुण ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १८८५ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२९९ ड ।
(ख)→सं २२ ९९ बी ।

पद (पद्य)—सैना की कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७७१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ १२५ ।
(ख) लि का सं १८५९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२०५ ख ।

पद (पद्य)—सोभा की कृत । लि का सं १७७१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –११० ।

पद (पद्य)—सोम की कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७७१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –११८ ।
(ख) लि का सं १८५९ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२ १ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१५२ ।

पद (पद्य)—मुरारीदास (मुरार जी) कृत । लि० का० स० १८१६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१५४ ।

पद (पद्य)—मोहनदास (भंडारी) कृत । वि० ईश्वर स्तुति ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२६६ (विवरण अप्राप्त) ।

पद (पद्य)—रहोचा जी कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-११२ ।

पद (पद्य)—राणा जी कृत । लि० का० स० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०-११३ ।

पद (पद्य)—रामचरण कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—प० घूरेमल, राजेगढी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३८-११६ बी ।

पद (पद्य)—रामदास (मौनी) कृत । लि० का० स० १८५६ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१६७ ख ।

पद (पद्य)—रामसखे कृत । वि० रामचद्र की स्तुति ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद, प्रधान अर्थलेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर ।→०५-.६ ।

पद (पद्य)—रामानद (स्वामी) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १७७१ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-११५ ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१६८ ख ।

पद (पद्य)—नैलीनराम कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१७७ ग ।

पद (पद्य)—वशीअली कृत । वि० राधा जी की वदना ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृदावन (मथुरा) ।→१२-१६ ।

पद (पद्य)—वनचद (गोस्वामी) कृत । वि० शातरस के पद ।

प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, वृदावन (मथुरा) ।→१२-१५ ।

पद (पद्य)—विद्याधर (विद्यादास) कृत । लि० का० स० १८१६ । वि० भक्ति ।

प्रा० - नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१७६ ।

पद (पद्य)—वेणी कृत । लि० का० स० १८५६ । भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-१८१ ।

पद (पद्य)—शिवदीनदास कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—ठा० जगदबासिंह, गगापुर, डा० कोहडौर (प्रतापगढ) । →सं० ०४-३८३ ख ।

पद (पद्य)—शीतलदीन कृत । वि कृष्णभक्ति ।
प्रा —श्री हरिनारायण मिश्र सिकंदरा (इलाहाबाद) ।→ई १–४१ ।
पद (पद्य)—श्रीभट्ट कृत । वि राधाकृष्ण विषयक प्रेम शृंगार और भक्ति ।
प्रा —पं बसंतलाल नौहझील (मथुरा) ।→१२–२ ४ बी ।
पद (पद्य)—सधना कृत । लि का सं १७०१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१२८ ।
पद (पद्य)—सीहा जी कृत । लि का सं १८६६ । वि भक्ति ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१६२ ।
पद (पद्य)—सुंदरदास कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७६७ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–१६१ ठ ।
(ख)→ १–२५ (पंद्रह) ।
पद (पद्य)—सुखानंद कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७०१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१३१ ।
(ख) लि का सं १८५६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७ १६७ ।
पद (पद्य)—सूरदास (मदन) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२ १ य ।
पद (पद्य)—सेनदास कृत । वि निर्गुण ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १८६६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–२६६ ब ।
(ख)→पं २२–६६ बी ।
पद (पद्य)—सैना जी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७०१ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१३५ ।
(ख) लि का सं १८६६ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२०५ ख ।
पद (पद्य)—सोझा जी कृत । लि का सं १७०१ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १ –१३० ।
पद (पद्य)—सोम जी कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
(क) लि का सं १७ १ ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १०–१३८ ।
(ख) लि का सं १८६६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७–२ १ ।

पद (पद्य)—हरिदास कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-१४४क ।

पद (पद्य)—हरिदास (जन) कृत । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-४८४ ।

पद (पद्य)—हरिनाम कृत । लि० निर्गुण भक्ति और ज्ञान ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३२० ग ।

पद (पद्य)—हित वृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति ।
(क) प्रा०—लाला नान्हकचंद, मथुरा ।→१७-३८ एन ।
(ख) प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोत्तीगढी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-२३२ डी ।
(ग) प्रा०—शाह जी का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) ।→३२-२३२ ई ।

पद (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि० राधाकृष्ण का गुणानुवाद ।
प्रा०—श्री भूदेवप्रसाद स्वर्णकार, परसोचीगढी, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-२२६ जे ।

पद (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० होरी आदि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-५० (परि० ३) ।

पद (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० कृष्ण भक्ति आदि ।
प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-५१ (परि० ३) ।

पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाकृष्ण की रासलीला और होली ।
प्रा०—चतुर्वेदी उमरावसिंह पांडेय विशारद, टंकक (टाइपिस्ट), कलेक्टरी कचेहरी, मैनपुरी ।→३५-२२६ ।

पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राम और कृष्ण की भक्ति ।
प्रा०—ठा० शिवसिंह, दिहुली, डा० बरनाहल (मैनपुरी) ।→३५-२२७ ।

पद→'गोविंद स्वामी के पद' (गोविंद स्वामी कृत) ।

पद→'नागरीदास के पद' (नागरीदास कृत) ।

पद और कवित्त (पद्य)—चरणदास (स्वामी) कृत । वि० आरती, झूलना, ज्ञान और होली आदि ।
प्रा०—पं० मूलचंद, बुखरारी, डा० छाता (मथुरा) ।→३८-२५ ई ।

पद और रमैणी→'ग्रंथ मोंड्यो' (हरिदास कृत) ।

पद और साखी (पद्य)—काजी महमूद कृत । लि० का० सं० १७७१ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १०-१३ ।

पद और साखी (पद्य)—नामदेव कृत । लि० का० सं० १८७२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१ ८ क।

पद और साखी या शब्द (पद्य)—रैदास कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १६९६।

प्रा —बाबा हरिदास कुर्रा (अलीगढ़)।→२९-२७८ बी।

(ख) लि का सं १७ ९।

प्रा •—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २ ६७।

(ग) लि का सं १७७१।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -११६।

(घ) लि का सं १७८७।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१७१ क।

(ङ) लि का सं १८७२।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-१७१ ख।

(च) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २ ९५।

पद कबीरजी का अरथ सहित टीका (पद्य)—रघुविता प्रसाद। लि का सं १८७५। वि कबीर के १११ पदों की टीका।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-२४१।

पद गुटका (पद्य) -लक्ष्मीदास कृत संग्रह। लि का सं १९ ५। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-१६७।

पद चयन (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। वि अष्टछाप तथा अन्य वैष्णव कवियों के पदों का संग्रह।

प्रा —श्री श्री का मंदिर, बरसाना (मथुरा)।→१२-२२६ ई।

पद चयन (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्ण भक्ति।

प्रा —श्री जवेरमल प्रधान, कड़ेपाली का बरसाना (मथुरा)।→१५-२२८।

पद नामावली (पद्य)—हरिदास (?) कृत। वि भक्ति के पद।

प्रा —श्री रेवतीराम चतुर्वेदी बुली फिरोजाबाद (आगरा)। → १६ १४ एफ।

पद परमानंदजी के→'परमानंद सागर' (परमानंददास कृत)।

पद पुष्पलिया (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्ण भक्ति।

प्रा —पंडा मुरलीधर समाधान कानूनगो की गली रामदास की मंडी मथुरा। →१२-२१५।

पद प्रसंग माला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि वैष्णव कवियों के पदों तथा जीवन घटनों का संग्रह।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-११८ सी (विवरण अप्राप्त)।

पदमदास—अन्य नाम पदस्वामी और पदुमभगत या पदमैया। जाति के तेली। सम्भवत राजस्थान के निवासी। स० १६६६ के लगभग वर्तमान।

पद (पद्य)→स० ०४–१६७।

रुक्मिणीजी को ब्याहलो (पद्य)→००–२४, ००–६२, प० २२–८०, १६–२५६

पदमाड्या (पद्य)—चलना जी कृत। लि० का० स० १७६७। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७–१२६ ख।

पदमाला (पद्य)—ललितकिशोरी (दास) कृत। वि० राधाकृष्ण की भक्ति और प्रेम।

प्रा०—प० रामलाल, गिड़ोह, डा० कोसीकलाँ (मथुरा)।→३२–१३४ डी।

पदमाला (पद्य)—श्रीभट्ट कृत। लि० का० स० १८११। वि० राधा कृष्ण की भक्ति।

प्रा०—श्री नत्थाराम पुजारी, गढी परसोत्ती, डा० सुरीर (मथुरा)। → ३२–२०४ ए।

टि० प्रस्तुत ग्रथ में नददास, मीरा, वल्लभरसिक, शिवराम, सदानद, सूरदास और परमानद के भी पद सगृहीत हैं।

पदमाला (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्ण विषयक प्रात. काल, मगला, शृगार आदि के गीतों का सग्रह।

प्रा०—श्री जयरामदास बनिया, सौंख, डा० माट (मथुरा)।→३५–२३१।

पदमाला (अनु०) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण का शृंगार और प्रेमलीला।

प्रा०—श्री अमोलकराम, घोसेरस, डा० गोवर्धन (मथुरा)।→३५–२३०।

पदमाला श्री जगन्नाथजी (पद्य)—सिपहदार खाँ (वेगुनदास) कृत। र० का० सं० १६१२। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४–४१०।

पदमालिका (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (गोविंदप्रभु, जगजीवन, भगवान, हितरामराय आदि) कृत। वि० भक्ति और शृगार।

प्रा०—प० मयाशकर याज्ञिक, अधिकारी, मदिर गोकुलनाथजी, गोकुल (मथुरा)। →३५–२३२।

पदमावत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० रानी पदमावती की कथा।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, माडलहाउस, अमीनाबाद पार्क, लखनऊ। → २६–४७ (परि० ३)।

पदमावती→ पद्मावत' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत)।

पदमावती समयो खड→'पृथ्वीराजरासो' (चदबरदाई कृत)।

पदमुक्तावली (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० श्रीकृष्ण की ब्रजलीला।

(क) लि का सं १८२८।

प्रा०—गो राधाचरन जी वृंदावन (मथुरा)।→१२-११८।

(ख) प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक, प्राचीन हाईबीन इंस्टीट्यूट लखनऊ।

→सं ४-१६८ क।

पदमैया→'पदमदास ('रुक्मिणीजी को ब्याहलो' के रचयिता)।

पद या शब्द (पद्य)—दादूदयाल कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) लि का सं १६६ ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-८१ क।

(ख) लि का सं १७०१।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -५७ ख।

(ग) लि का सं १७५७।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-८१ ग।

(घ) लि का सं १८ ६।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-८१ घ।

(ङ) प्रा —श्री राधा गोविंदचंद्र का मंदिर, प्रेम सरोवर डा बरसाना (मथुरा)।

→१२-४७ बी।

(च) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -५७ क।

पद या शब्द (पद्य)—नामदेव जी कृत। लि का सं १७०१। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १ -७१।

पद रत्नावली (पद्य)—छत्रपति कृत। वि संगीतशास्त्र।

प्रा —बाबू नवलकिशोर, द्वारा श्री मुरारीदास पुस्तक विक्रेता सुलतानपुर।→

सं ४-२ ।

पद रत्नावली (पद्य)—प्रियादास कृत। वि ज्ञान और भक्ति।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२ -११५ डी।

(ख) प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-५१६ ख (अप्र)।

पद रामामाक्षावली (पद्य)—मधुवन (विक्रमादित्य) कृत। वि भक्ति। (मुकुंद ब्रह्मचारी के संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद)।

प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़।→ ६-१७ सी।

पद रामायण (पद्य)—अमरदास (बाबा) कृत। वि राम महिमा।

(क) लि का सं १९४ ।

प्रा —बाबा अमरदास हुसेनगंज लखनऊ।→१६-२२१ ए।

(ख) लि का सं १९५१।

प्रा —लाला जानचंद वैश्य चौरिया डा सफीपुर (उन्नाव)।→१६-२२१ बी।

(ग) प्रा —पं ठाकुरप्रसाद शर्मा फिरोजाबाद (आगरा)।→१६-२२१सी।

पद वधावणा (पद्य)—सूरतराम कृत । वि० गुरु की स्तुति ।
प्रा०—पं० भूदेव शर्मा, छोली, डा० श्री बलदेव (मथुरा) ।→३५-६७ सी ।

पद विलास (पद्य)—छेमकरन (मिश्र) कृत । वि० रामकथा ।
प्रा०—पं० अवधविहारी मिश्र, धनौली (बाराबंकी) ।→२३-२२७ बी ।

पद विलास निकुंज→'महारानी अष्टकाल सेवासुख' (हरिव्यासदेव कृत) ।

पद संग्रह (पद्य)—इन्द्रदत्त कृत । वि० कृष्ण चरित्र ।
प्रा० - नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-१३ ।
टि० प्रस्तुत ग्रंथ में सूरदास के पद भी संगृहीत हैं ।

पद संग्रह (पद्य)—कृष्णदास आदि कवियों के राधाकृष्ण संबंधी विविध पदों का संग्रह ।
प्रा०—पं० बसंतलाल, नोहझील (मथुरा) ।→३२-२२६ के ।

पद संग्रह (पद्य)—जगराम कृत । वि० जिनदेव की भक्ति ।
प्रा० —नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-७५ ।

पद संग्रह (पद्य) - जनप्रसाद कृत । वि० राम भक्ति ।
प्रा०—श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, सोरॉव (इलाहाबाद) ।→४१-७६ ।

पद संग्रह (पद्य)—बलिहारी कृत । वि० राधाकृष्ण का प्रेम तथा दान मान और रासादि लीलाएँ ।
प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-१५३ ।

पद संग्रह(पद्य)—व्यास जी कृत । वि० ज्ञान, वैराग्य और भक्ति ।
प्रा०—श्री बालकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी ।→४१-२५६ ग ।

पद संग्रह (पद्य)—सूरदास (?) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
(क) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-२४४ बी (विवरण अप्राप्त) ।
(ख) प्रा०—ठा० रामलाल, जावरा, डा० माट (मथुरा) ।→३२-२१२ ई ।

पद संग्रह (पद्य)—सूरदास आदि अनेक कवियों के कृष्णभक्ति विषयक पदों का संग्रह ।
प्रा०—बाबा मानदास, रिठौरा, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३२-२१२ एफ ।

पद संग्रह (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति ।
(क) लि० का० सं० १८८६ ।
प्रा०—श्री प्रेमविहारी जी का मंदिर प्रेम सरोवर, डा० बरसाना (मथुरा) ।→३२-२३२ एफ ।
(ख) प्रा०—पं० रामदत्त रहसधारी, हौंतिया, डा० बरसाना (मथुरा) । ३२-२३२ जी ।
(ग) प्रा०—श्री विहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद ।→४१-२५७ ज ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (स्वामी हरिदास हितहरिवंश कृष्णदास कुंभनदास घासीराम अग्रस्वामी व्यास परमानंद, सूरदास गोविंदप्रभु गदाधर, कल्याण, नंददास माधवदास, रामदास लछिराम कुंभदास रामराई, कमलनैन तथा जगन्नाथदास) कृत। वि भक्ति।
प्रा —पं रामदत्त, सुरीर (मथुरा)।→१२-७८ सी।

पद संग्रह (पद्य —संग्रहकर्ता अज्ञात। वि हरिदास ध्रुवदास बिहारीदास सूरदास भगवदास नरहरिदास कृष्णदास रसिकदास ललितकिशोरी नागरीदास किशोरीदास आदि कवियों के भक्ति विषयक पदों का संग्रह।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-५१६ (अ) ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (व्यास हितहरिवंश और कृष्णदास आदि) कृत। लि का सं १८९५। वि कृष्णलीला।
प्रा —श्री बिहारी जी का मंदिर बिहारीपुरा का कोठीकलाँ (मथुरा) । →१२-२६४।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त) कृत। वि भक्ति और शृंगार।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया नवा मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-२६५।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्णभक्त कवि) कृत। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —श्री जमुनादास कीर्तनिया नवामंदिर गुसाइयों का गोकुल (मथुरा)। →१२-२६६।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा चौबे रामदास और रसिक प्रीतम आदि) कृत। लि का सं १८८७। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —कीर्तनमंडल द्वारकाधीश जी का मंदिर मथुरा।→१२-२६७।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (नंददास हरिदास और व्रजपति आदि) कृत। वि भक्ति।
प्रा —श्री जमनादास कीर्तनिया नवामंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-२६८।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा कृष्णजीवन लछिराम आदि) कृत। वि हिंडोला और मल्हार।
प्रा०—पं नंदराम दारावार (मथुरा)।→१२-२६९।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (हित कृष्णदास हितअनूप दामोदरहित आदि) कृत। वि होरी राधोत्सव चाँदनी वर्णन और जलविहार आदि।
प्रा —पं हंस मिश्र मधुपुरी का कोठी (मथुरा)।→१२-२७०।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —श्री शंकरलाल समाधानी श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →१२-२७१।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णभक्ति विषयक मल्हार गीतों का सग्रह।
प्रा०—श्री भगवानदास वैश्य, सिहोरा, डा० राया (मथुरा)।→३५–२४३।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० कृष्णलीला।
प्रा०—प० रामचरण, भरतिया, डा० विसावर (मथुरा)।→३५–२४५।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० श्रीकृष्ण भक्ति।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५–२४८।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (परमानद, तुलसीदास, अग्रदास आदि) कृत। वि० रामकृष्ण भक्ति।
प्रा०—प० कृष्णमुरारी वकील, परिगवाँ (मैनपुरी)।→३५–२४६।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि० स्फुट।
प्रा०—प० दुर्गाप्रसाद, छपैटी इटावा।→३५–२५०।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, मीरा आदि) कृत। वि० राम कृष्ण की लीलाएँ।
प्रा०—पं० बगालीलाल, अहलादपुर (इटावा)।→३५–२५१।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० राधाकृष्ण के बाल चरित्र।
प्रा०—श्यामाचरण कपाउडर, अजीतमल (इटावा)।→३५–२५२।

पद सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य की वदना आदि।
प्रा०—श्री गोकुल विहारी का मदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा)।→३५–२५३।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—मा० छिद्दूसिंह, सिहाना, डा० जैंत (मथुरा)।→३५–२५६।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (कबीर, ग्वाला, देवदास, आदि) कृत। वि० उपदेश।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद ब्रह्मभट्ट, लाल दरवाजा, लक्ष्मी देवी की गली, मथुरा।→३५–२६०।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (नागरीदास, व्यासदास, हितहरिवंश, आनंदघन, नददास और गरीबदास आदि) कृत। वि० सोहर, भूलना और कजली।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१–४५५ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (गोविंदप्रभु, कृष्णदास, आनदघन, विहारिनदास और नागरियादास आदि) कृत। वि० राधाकृष्ण सबधी उत्सव वर्णन।
प्रा०—श्री विहारी जी का मदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१–४५६ (अप्र०)।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (भवानीदास, सूरदास, बैजूबावरा, औरंगजेब और चतुर्भुजदास आदि) कृत। वि० विविध।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० १०–१६६।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (ग्रामदास कृष्णजीवन लछीराम सूरदास, स्वामीदास आदि) कृत। वि कृष्णभक्ति।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→र्श १ -१६७।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कवि) कृत। वि हिंडोरा होली, फाग और रामनवमी आदि का वर्णन।
(क) प्रा —श्री तुलसीराम गुसाईं, नंदलाल का मंदिर नंदग्राम (मथुरा)।→ १२-२२६ बी।
(ख) प्रा —श्री शिवचरणलाल वैश्य शेरगढ़ (मथुरा)।→२६-२२६ एक्स।

पद संग्रह (पद्य)—विविध भक्त कवियों का संग्रह। वि रामकृष्ण की भक्ति।
प्र —पं बलराम मिश्र गौरपुर डा निजामाबाद (आजमगढ़)। → ४१-४१० (अप्र)।

पद संग्रह (पद्य)—राधावल्लभी तथा उसी संप्रदाय के कवियों का संग्रह। वि नित्य सेवा उत्सव और ऋतु वर्णन।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-४५८ (अप्र)।

पद संग्रह (पद्य)—अष्टछाप के कवि कृत। लि का सं १८७८। वि नित्य के पद यमुना जी राजभोग शयनकीर्तन और आरती वर्णन।
प्रा —बाबा गोपालदास चैतन्यदेव वाराणसी।→४१-४६ (अप्र)।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विविध।
प्रा०—गो राधाचरण जी वृंदावन (मथुरा)।→१७-५२ (परि १)।

पद संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —महाराज महेन्द्रमानसिंह जी महाराजा भदावर नौगावाँ (आगरा)। →२१-४४१।

पद संग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (तुलसी सूर हितहरिवंश वृंदावन आदि) कृत। वि भक्ति।
प्रा —डा किशनलाल परसाधीगढ़ी सुरीर (मथुरा)।→१२-२०१।

पद संग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्णभक्ति।
प्रा श्री मूला बोहरे, मढ़ौरा डा गोवर्द्धन (मथुरा)।→१५-२४२।

पद संग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि विविध।
प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)। →१५-२४४।

पद संग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्ण भक्ति।
प्रा —मथुरेश जी का मंदिर बलाबर, डा महाबन (मथुरा)।→१५-२४६।

पद संग्रह (अनु) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत। वि कृष्णलीला।
प्रा —श्री गोकुलिया मास्टर कौशला, डा महाबन (मथुरा)।→१५-२४७।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति विषयक मल्हार गीतों का सग्रह ।
प्रा०—श्री भगवानदास वैश्य, सिहोरा, डा० राया (मथुरा) ।→३५–२४३ ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्णलीला ।
प्रा०—प० रामचरण, भरतिया, डा० विसावर (मथुरा) ।→३५–२४५ ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० श्रीकृष्ण भक्ति ।
प्रा०—श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामदिर, गोकुल (मथुरा) ।→३५–२४८ ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (परमानद, तुलसीदास, अग्रदास आदि) कृत । वि० रामकृष्ण भक्ति ।
प्रा०—प० कृष्णमुरारी वकील, परिगवाँ (मैनपुरी) ।→३५–२४६ ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० स्फुट ।
प्रा०—प० दुर्गाप्रसाद, छपैटी इटावा ।→३५–२५० ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (तुलसी, सूर, मीरा आदि) कृत । वि० राम कृष्ण की लीलाएँ ।
प्रा० –प० बगालीलाल, अहलादपुर (इटावा) ।→३५–२५१ ।

पद सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाकृष्ण के वाल चरित्र ।
प्रा०—श्यामाचरण कपाउडर, अजीतमल (इटावा) ।→३५–२५२ ।

पद सग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० महाप्रभु वल्लभाचार्य की वदना आदि ।
प्रा०—श्री गोकुल विहारी का मदिर, वल्लभपुर, डा० गोकुल (मथुरा) ।→ ३५–२५३ ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—मा० छिद्दूसिंह, सिहाना, डा० जैंत (मथुरा) ।→३५–२५६ ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (कबीर, ग्वाला, देवदास, आदि) कृत । वि० उपदेश ।
प्रा०—पं० दुर्गाप्रसाद ब्रह्मभट्ट, लाल दरवाजा, लक्ष्मी देवी की गली, मथुरा ।→ ३५–२६० ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (नागरीदास, व्यासदास, हितहरिवश, आनंदघन, नददास और गरीबदास आदि) कृत । वि० सोहर, झूलना और कजली ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–४५५ (अप्र०) ।

पद संग्रह (पद्य)—विविध कवि (गोविंदप्रभु, कृष्णदास, आनदघन, विहारिनदास और नागरियादास आदि) कृत । वि० राधाकृष्ण सबधी उत्सव वर्णन ।
प्रा०—श्री विहारी जी का मदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद । → ४१–४५६ (अप्र०) ।

पद सग्रह (पद्य)—विविध कवि (भवानीदास, सूरदास, बैजूबावरा, औरगजेब और चतुर्भुजदास आदि) कृत । वि० विविध ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० १०–१६६ ।

पद हिंडोरा (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि कृष्ण भक्ति ।
प्रा —पं पूना कोनाई दा राधाकुंड (मथुरा)।→१४-२२१ ।

पदार्थकल्प दीपिका (गद्य)—शेखरावसिंह कृत । वि भूगोल, रसायन और वाक्शास्त्र आदि ।
प्रा —पं चतुर्भुज श्री भौबापुर डा गढ़वारा (प्रतापगढ़) ।→११-२१८ ।

पदावली (पद्य)—आत्मसिद्ध (स्वामी) कृत । र का सं १८२७ । लि का सं १८६८ । वि बालकांड आदि सात कांडों में रामकथा वर्णन ।
प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ ।→ १-१४ ।

पदावली (पद्य)—केवलराम वृंदावन जीवन कृत । वि राधाकृष्ण तथा अन्य देवताओं की भक्ति ।
प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१-११ ।

पदावली (पद्य)—गोविंद स्वामी (गोविंदप्रभु) कृत । वि राधा कृष्ण की लीला ।
प्रा श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१-६ ख ।

पदावली (पद्य)—सीताराम महंत (युगलप्रिया) कृत । वि सीताराम का प्रेम ।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-६ ए ।

पदावली (पद्य)—दयाकृष्ण कृत । वि बलदेव जी की स्तुति ।
प्रा —लाला कामताप्रसाद बिसावर ।→ ६-२१ बी ।

पदावली (पद्य)—परसराम कृत । वि उपदेश तथा परमात्मा की अनन्य भक्ति ।
प्रा —लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला सादाबाद (मथुरा) । →१६-७४ बी ।

पदावली (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुना अध्यापक गर्ह डी कालेज, लखनऊ ।→ सं ।-२ ५ प ।

पदावली (पद्य)—प्राणनाथ और इंद्रमती कृत । वि स्फुट ।
प्रा॰—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ ६-२२५ ।

पदावली (पद्य)—माधोदास कृत । लि का सं १८ ७ । वि रामकृष्ण भक्ति ।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१६७ ।

पदावली (पद्य)—अन्य नाम राम पदावली । रामचरणदास कृत । वि राम का बाल्य जीवन और नायिका भेद ।
(क) लि का सं १६११ ।
प्रा —महंत जानकीशरणदास अयोध्या ।→०६-२४७ एम ।
(ख) प्रा॰—सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७-१४१ डी ।
(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२१-११६ बी ।

पदावली (पद्य)—रामप्रकाश (गिरि) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
लो सं वि १६ (११ -१४)

पद सग्रह (अनु०) (पद्य) —विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—श्री विहारीलाल ब्राह्मण, नई गोकुल, गोकुल (मथुरा) ।→३५-२५४ ।

पद सग्रह (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, कल्यान, परमानद आदि) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।
प्रा०—श्री चद्रघमडी, धनिगाँव, डा० भैंसई (मथुरा) ।→३५-२५५ ।

पद सग्रह (गुटका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण का शृगार एव लीलाएँ ।
प्रा०—श्री शकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।
→३५-२५७ ।

पद सग्रह (गुटका) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० राधाकृष्ण की लीलाएँ ।
प्रा०—श्री शकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।
→३५-२५८ ।

पद समुच्चय (पद्य)—विविध कवि (सूरदास, पुरुषोत्तम, देवदास आदि) कृत । वि० कृष्ण विषयक होरी, फाग, बाँसुरी, शृगार आदि ।
प्रा०—श्री हीरालाल बोहरा, पालई, डा० गोवर्धन (मथुरा) ।→३५-२४० ।

पद सागर (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० कृष्णभक्ति विषय होरी धमार आदि ।
प्रा० - प० शिवचरण, सीही, डा० राधाकुड (मथुरा) ।→३५-२३८ ।

पद सागर (पद्य) - विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि० राम और कृष्ण की लीलाएँ ।
प्रा०—प० रामकुमार, धरवार, डा० फरै (मथुरा) ।→३५-२३९ ।

पद सागर (अनु०) (पद्य —विविध कवि (हरिदास, विहारीदास, नागरीदास आदि) कृत । लि० का० स० १७१७ । वि० कृष्णभक्ति विषयक होरी, धमार, वसत आदि ।
प्रा०—श्री शकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा) ।
→३५-२३६ ।

पद सागर (अनु०) (पद्य) —विविध कवि (छीत, चतुर्भुज, कृष्णदास, परमानद आदि) कृत । वि० कृष्ण की बाललीला, वसत सौंदर्य आदि ।
प्रा०—श्री मुशीलाल कायस्थ, मितावली, डा० राया (मथुरा) ।→३५-२३७ ।

पद सिद्धात के (पद्य)—हित रूपलाल कृत । वि० राधावल्लभी सप्रदाय के सिद्धात ।
प्रा०—गो० पुरुषोत्तमलाल जी, अठखभा, वृदावन (मथुरा) ।→१२-१५८ बी ।

पद सिद्धात के→'सिद्धात के पद' (कृष्णचद्र हित कृत) ।

पद स्वयवर के (पद्य)—जीराम कृत । वि० सीताजी का स्वयवर ।
प्रा०—श्री विश्वनाथ तिवारी, नदना, डा० बरहज बाजार (गोरखपुर) । →
स० ०१-१२९ ।

पदस्वामी→'पदमदास' ('पद' के रचयिता) ।

पद हिंडोरा (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप आदि) कृत । वि कृष्ण भक्ति ।
प्रा —पं पूना कोनई द्वा राधाकुंड (मथुरा) ।→३५-२२९ ।

पदार्थतत्व दीपिका (गद्य)—शेखरावसिंह कृत । वि भूगोल रसायन और वाकशास्त्र आदि ।
प्रा —पं चतुर्भुज जी मौजापुर द्वा गढ़वारा (प्रतापगढ़) ।→२६-२६८ ।

पदावली (पद्य)—काष्ठजिह्वा (स्वामी) कृत । र का सं १८२७ । लि का सं १८२८ । वि बालकांड आदि सात कांडों में रामकथा वर्णन ।
प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ ।→ १-१४ ।

पदावली (पद्य)—केवलराम वृंदावन जीवन कृत । वि राधाकृष्ण तथा अन्य देवताओं की भक्ति ।
प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१-११ ।

पदावली (पद्य)—गोविंद स्वामी (गोविंदप्रभु) कृत । वि राधा कृष्ण की लीला ।
प्रा श्री बालकृष्णदास चौखंभा वाराणसी ।→४१-६ ख ।

पदावली (पद्य)—सीताराम महंत (युगलप्रिया) कृत । वि सीताराम का प्रेम ।
प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या ।→१७-९ ए ।

पदावली (पद्य)—दयाकृष्ण कृत । वि बलदेव जी की स्तुति ।
प्रा —लाला कामताप्रसाद, बिसावर ।→ ६-२६ बी ।

पदावली (पद्य)—परशराम कृत । वि उपदेश तथा परमात्मा की अनन्य भक्ति ।
प्रा —लाला रामगोपाल अग्रवाल मोतीराम धर्मशाला लाडाबाद (मथुरा) ।→१६-७४ बी ।

पदावली (पद्य)—पानपदास (बाबा) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा —श्री शंभुप्रसाद बहुगुणा अध्यापक डाइ डी कालेज लखनऊ ।→ सं ८-२५ घ ।

पदावली (पद्य)—प्राणनाथ और इंद्रमती कृत । वि स्फुट ।
प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→ १-२१५ ।

पदावली (पद्य)—भावीदास कृत । लि का सं १८ ७ । वि रामकृष्ण भक्ति ।
प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१-१६७ ।

पदावली (पद्य)—अन्य नाम राम पदावली । रामचरणदास कृत । वि राम का बाल्य जीवन और नायिका भेद ।
(क) लि का सं १६११ ।
प्रा —महंत जानकीवरशरण अयोध्या ।→ २-२४५ एस ।
(ख) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मण कोट अयोध्या ।→१७-१४१ डी ।
(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→२३-३१२ डी ।

पदावली (पद्य)—रामप्रकाश (गिरि) कृत । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
को सं वि ६१ (११ —१४)

प्रा०—श्री रामनरेश गिरि, हुरहुरी, डा० बेगाफा (जौनपुर) । → स० ०१-३४६ ग ।

पदावली (पद्य)—रामसखे कृत । वि० भक्ति ।

(क) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-२५७ बी ।

(ख) लि० का० स० १८६१ ।

प्रा०—पचायती ठाकुर द्वारा, रजुहा (फतेहपुर) ।→२०-१५८ बी ।

पदावली (पद्य)—त्रैकुट (जन) कृत । वि० रावण की कथा का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-३६६ ।

पदावली (पद्य)—व्यास जी कृत । लि० का० स० १६१६ । वि० कृष्णभक्ति और कृष्णलीला ।

प्रा०—निमरानानरेश का पुस्तकालय, निमराना ।→०६-३३२ बी ।

पदावली (पद्य)—सरयूदास (सुधामुखी) कृत । वि० कजरी और मल्हार आदि ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१६६ ए ।

पदावली (पद्य)—हरिदास (जैन) कृत । र० का० स० १८७६ । वि० भक्ति ।

प्रा०—प० बद्रीप्रसाद, सिहोरा, डा० महावन (मथुरा) ।→३१-३७ बी ।

पदावली (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० भक्ति ।

(क) लि० का० स० १६३१ ।

प्रा०—प० राधेकृष्ण, जाव, डा० कोसी (मथुरा) ।→३२-२३२ आई ।

(ख) प्रा०—प० हरिदत्त, चिकसौली, डा० बरसाना (मथुरा) । → ३२-२३२ एच ।

(ग) प्रा०—प० चुन्नीलाल, जमो, डा० सुरीर (मथुरा) ।→३२-२७२ जे ।

पदावली (पद्य)—विविध कवि (सूर, वृंदावनहित, कृष्णदास आदि) कृत । वि० भक्ति ।

प्रा०—प० केशवदेव, माट (मथुरा) ।→३२-२७२ ।

पदावली (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप तथा अन्य) कृत । वि० कृष्ण भक्ति ।

प्रा०—श्री गुलजारीलाल अग्रवाल, औंजनो, डा० छाता (मथुरा) ।→ ३५-१०८ ।

पदावली रामायण (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत । लि० का० स० १६१४ । वि० राम कथा ।

प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागज, लखनऊ ।→०६-३२३ जी ।

पदितनामा (गद्य)—फरीद (सेख) कृत । वि० सतमतानुसार ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० स० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-१४८ ।

(ख) लि० का० स० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-१२१ ।

पदुम कृत विवाहलो→'रुक्मिणीजी को ब्याहलो (पदमदास कृत) ।

पदुमनदास—कायस्थ । दामोदरदास के पुत्र । हरिशंकर लालमणि और कृष्णमणि के भाई । चाचपनगर के राजा दलेलसिंह के आश्रित । सं १७१६ के लगभग वर्तमान ।

काम्बरी (पद्य)→ ४-१४ ।

भक्ति कल्पतरु (पद्य)→४१-१११ ।

हितोपदेश (पद्य)→२६-३११ ।

पदुमभगत→ पदमदास (रुक्मिणीजी को ब्याहलो' के रचयिता) ।

पदुम सागर (पद्य)—तुलसीदास कृत । लि का सं १६ १ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —महंत श्री मथुरारामदास कुटी गूँगदास पंचपेड़वा (गोंडा) । → सं ७-७१ ।

पदों का बृहत संग्रह (पद्य)—अष्टछाप के तथा अन्य कवि कृत । वि राधाकृष्ण की भक्ति ।

प्रा०—श्री गोपाल गोस्वामी जी नंदगाँव (मथुरा) ।→११-२२१ एफ ।

पदों का संग्रह (पद्य)—केशवकृष्ण (शर्मा) उप कृष्ण कवि कृत । वि विविध ।

प्रा —मु तुवरसिंह जी वर्नाक्यूलर मिडिल स्कूल करहल (मैनपुरी) ।→ १८-८४ एफ ।

पदों का संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८८५ । वि कृष्णलीला ।

प्रा —श्री फूलचंद साधु रिठुली डा बरनाहल (मैनपुरी) ।→१५-२१४ ।

पदों का सार (अनु) (पद्य)—विविध कवि (परमानंद आनंदघन सूरदास आदि) कृत । वि कृष्णजन्म छठी पालना आदि ।

प्रा —पं रामेश्वर, कोसीकलाँ (मथुरा) ।→१२-१७१ ।

पदों की पोथी (पद्य)—विविध कवि कृत । वि रामकथा ।

प्रा —ठा फूलमसिंह रजौरा डा मदनपुर (मैनपुरी) ।→१५-२११ ।

पदों की पोथी (अनु) (पद्य)—विविध कवि (सूरदास चतुर्भुजदास परमानंद आदि) कृत । लि का सं १८८६ । वि वर्षोत्सव जन्माष्टमी की बधाई आदि ।

प्रा —श्री प्रेमबिहारी जी का मंदिर प्रेमसरोवर डा बरसाना (मथुरा) । →१२-२७४ ।

पदों की बानी (पद्य)—नंददास कृत । वि होली और धमार ।

प्रा०—पं केशवदेव माट (मथुरा) ।→१२-११२ ।

पद्मनंद पंच विंशति (गद्य)—जौहरीलाल चोमनलाल (जैन) कृत । लि का सं १६११ । वि संस्कृत ग्रंथ पंचविंशतिका का अनुवाद ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०–४७ ।

पद्मनाभ—संभवत. वल्लभाचार्य के अनुयायी ।

पद्मनाभजी के पद (पद्य)→३२–१५६ ।

पद्मनाभजी के पद (पद्य)—पद्मनाभ कृत । वि० राधाकृष्ण की भक्ति और प्रेम ।

प्रा० –श्री जमनादास कीर्तनिया, नवामंदिर गुजरातियों का, गोकुल (मथुरा) । →३२–१५६ ।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)—गुलालकीर्ति (भट्टारक) कृत । वि० 'पद्मनाभि' नामक भावी तीर्थंकर के अवतार का वर्णन तथा ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–१३६ ।

पद्मनाभि चरित्र (पद्य)—मनशुद्धसागर (जैन) कृत । लि० का० सं० १६१३ । वि० जैन तीर्थंकर महापद्मनाभि का चरित्र वर्णन ।

प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४–२८१ क ।

पद्मपुराण→'गीतामाहात्म्य' (भगवानदास निरंजनी कृत) ।

पद्मपुराण (भाषा) (पद्य)—खुशालचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८८३ । लि० का० सं० १८४८ । वि० राम कथा ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–२० ख ।

पद्मपुराण की भाषा वचनिका (गद्य)—दौलतराम (जैन) कृत । र० का० सं० १८२३ । वि० राम कथा ।

(क) लि० का० सं० १८६३ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–६० ग ।

(ख) लि० का० सं० १६१४ ।

प्रा० - श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ । →सं० ०४–१६८ ग ।

(ग) लि० का० सं० १६२२ ।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी ।→२३–८१ सी ।

(घ) प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी, मुजफ्फरनगर । → सं० १०–६० घ, ङ ।

पद्मरंग--(?)

रामविनोद (पद्य)→२६–२५८ ।

टि० श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार ये श्री जिनराजसूरि के प्रशिष्य तथा पद्मकीर्ति के शिष्य थे । पद्मचंद्र और रामचंद्र के गुरु थे और सं० १७२० के पूर्व वर्तमान थे ।

पद्माकर—तैलंग ब्राह्मण। सं १८१ में सागर (बाँदा) में जन्म। मृत्यु सं १८८६।
मोहनलाल भट्ट के पुत्र। पूर्वज मथुरा निवासी। जयपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह सवाई और महाराज जगतसिंह सवाई के आश्रित। अनूपगिरि हिम्मतबहादुर और ऊदा जी भी इनके आश्रयदाता थे।
ईश्वरपचीसी (पद्य)→ १–८५; ४१–५१२ (भ्रम)।
गंगालहरी (पद्य)→ ६– २० बी २६–११८ ए, २६–२५७ ए बी।
जगद्विनोद (पद्य)→ २–६ ६–८२ ए; २ –१२१ ए बी २१–२ ७ ए बी सी डी २६–११८ सी; २६–२५७ सी डी।
जमुनालहरी (पद्य)→ ६–८२ सी।
पद्माभरण (पद्य)→ ५–८४; ६–७२ बी २१–२ ७ ई।
प्रबोधपचासिका (पद्य)→ ६ ९२ ए।
राजनीति (गद्यपद्य)→ ५–४१।
रामरसायन रामायण (पद्य)→ १–१ १–२ १–३ १–४; १–५।
शिवहारी लीला (पद्य)→२६–२५७ ई।
विरुदावली (पद्य)→ ६–८२ डी।
हिम्मतबहादुर विरुदावली (पद्य)→ ५–४२ २६–११८ बी।

पद्माभरण (गद्यपद्य)—पद्माकर कृत र का सं १८७७। वि अलंकार।
(क) लि का सं १८७८।
प्रा —श्री गौरीशंकर कवि रठिया।→ ६–८२ बी।
(ख) लि का सं १९११।
प्रा —ठा रामसिंह रामकोला(सीतापुर)।→२१–२ ७ ई।
(ग) लि का सं १९१९।
प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद छतरपुर।→०५–४४।

पद्मावत (पद्य)—जवाहिर कृत। र का सं १८२५। वि चित्तौड़ की रानी पद्मिनी की कथा।
प्रा०—श्री मुकुंदलाल हकीम हापुड़ (मेरठ)।→१२–१२१।

पद्मावत (पद्य) मलिकमुहम्मद जायसी कृत। र का सं १५९७ (१५८७)। वि चित्तौड़ के राजा रत्नसेन और सिंहलद्वीप की राजकुमारी पद्मावती की कथा।
(क) लि का सं १७५८।
प्रा —महामहोपाध्याय पं सुधाकर द्विवेदी वाराणसी।→ १–२५।
(ख) लि का सं १८४२।
प्रा —एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल कलकत्ता।→ १–५१।
(ग) लि का सं १८५८।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परतपुर (सुलतानपुर) । → २३-२८४ ए ।

(घ) लि० का० सं० १८५८ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-२२५ ।

(ङ) लि० का० सं० १८७६ ।

प्रा०—महामहोपाध्याय पं० सुधाकर द्विवेदी, वाराणसी ।→०२-२८ ।

(च) लि० का० सं० १६१५ ।

प्रा०—बाबू कुंजबिहारी, चिहुटा (रायबरेली) ।→२३-२८४ बी ।

(छ) लि० का० सं० १६२८ ।

प्रा०—पं० प्रयागदत्त शुक्ल, चौक बाजार, अयोध्या ।→२०-१०६ ।

(ज) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—अहमद मिर्जा साहब, गढी सँजर खाँ, मलीहाबाद (लखनऊ) । → २६-२८६ बी ।

(झ) लि० का० सं० १६३५ ।

प्रा०—श्री अहमद मिरजा साहब, गढी सँजर खाँ, डा० मलीहाबाद (लखनऊ)। →सं० ०७-१४८ ।

(ञ) प्रा —श्री कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ ।→००-५८ ।

(ट) प्रा०—सरस्वती भडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-११५ ।

(ठ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-५३७ (अप्र०) ।

(ड) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→सं० ०४-२८७ ख । टि० खो० वि० सं० ०४-२८७ ख मे 'अखरावती', 'कहरानामा' और 'मसला' भी संगृहीत हैं ।

पद्मावती→'पद्मावत' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत) ।

पद्मिनी चरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'गोराबादल रणजय' । लालचंद (लब्धोदय) कृत । र० का० सं० १७०७ । वि० पद्मिनी की कथा ।

(क) लि० का० सं० १७५७ ।

प्रा०—पं० मयाशंकर जी अधिकारी, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१३१ ।

(ख) लि० का० सं० १७५७ ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०१-३७६ ।

पद्य की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार वर्णन ।

प्रा० – पं० रामचंद्र वैद्य, करहल (मैनपुरी) ।→३५-२५६ ।

पद्यावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि० का० सं० १८५० । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधवल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२-५२ ए ।

पद्यावली (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्रृंगार, प्रेम, उपालंभ आदि।

प्रा०—पं० रघुबरदयाल, सिरसा डा० इकदिल (इटावा)।→२५-२६१।

पनघट की रंगत लँगड़ी (पद्य)—नंदलाल कृत। लि० का० सं० १६११। वि० पनघट पर कृष्ण का गोपियों से परिहास।

प्रा०—लाला रामभरोसे लखमीखेड़ा डा० कामबानी (उन्नाव)।→२६-११८।

पनाहअली (मीर)—दिल्ली निवासी। सं० १६४५ के पूर्व वर्तमान।

व्यर्थन प्रकार (गद्य)→२६-१ ४।

पनिहारिन वर्णन (पद्य)—भैरवकृष्ण (शर्मा) उप० कृष्ण कवि कृत। वि० नायिका की प्रेमकथा का वर्णन।

प्रा०—पं० भगवत्त शर्मा अर्जीनवीस (एकाउंटेंट), रियासत मुबर्रई, डा० कुरावली (मैनपुरी)।→१८-८१ सी।

पन्ना वीरमदे की वात (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पन्ना की कहानी।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर।→१७-५१ (परि० १)।

पन्नालाल—जैन मतावलंबी। पिता का नाम रतनचंद। गुरु का नाम सदासुख (कासलीवाल)। सं० १६११ के लगभग वर्तमान।

रत्नकरंड (वचनिका सहित) (गद्य)→सं० ८-१६८।

पन्नालाल—नूरीदरवाजा (आगरा) निवासी।

ख्याल (पद्य)→१२-१६ ।

पन्नालाल (वैश्य)—(?)

हंसदूत (पद्य)→१२-१११।

परखबोध (पद्य)—देवीप्रसाद कृत। र० का० सं० १८६२। लि० का० सं० १६१४। वि० कबीर पंथ के सिद्धांतों का वर्णन

प्रा०—श्री संताम मुराऊ आहरिया पिपरी (बाराबंकी)।→२१-६८।

परख विलास (पद्य)—रामरहस्यदास कृत। लि० का० सं० १८७८। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—बाबा रामसनेहीदास कुटी खेमरवाला (खानपुर बाहना), डा० बहानार्यांव रौव (आजमगढ़)।→सं० १-१५५।

परशुराम पद (पद्य)—आत्माराम कृत। वि० कृष्ण भक्ति।

प्रा०—श्री गयाप्रसाद पाठक अध्यापक मिडिल स्कूल कुंडा (प्रतापगढ़)। → सं० ४-११ क।

परतत्त्व प्रकाश (पद्य)—मनोध कृत। वि० वेदांत।

(क) लि० का० सं० १६२८।

प्रा०—लाला मनोहरदास दरवीर डा० मवई (उन्नाव)।→२३-१२४ ए।

(ख) लि० का० सं० १६१ ।

प्रा०—पं० दीनानाथ मिश्र फतेहपुर चौरासी डा० सफीपुर (उन्नाव)। → २३-१२४ बी।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० परतपुर (सुलतानपुर) । → २३-२८८ ए ।

(घ) लि० का० स० १८५८ ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगदरगंज (सुलतानपुर) । → २६-२२५ ।

(ङ) लि० का० स० १८७६ ।

प्रा०—महामहोपाध्याय प० सुधाकर द्विवेदी, वाराणसी ।→०१-२४ ।

(च) लि० का० स० १६१५ ।

प्रा०—बाबू कुंजविहारी, चिहटा (रायबरेली) ।→२३-२८८ बी ।

(छ) लि० का० स० १६२४ ।

प्रा०—पं० प्रयागचन्द्र शुक्ल, चौक बाजार, अयोध्या ।→२०-१०६ ।

(ज) लि० का० स० १६३५ ।

प्रा०—अहमद मिर्जा साहब, गढी सँजर खाँ, मलीहाबाद (लखनऊ) । → २६-२८६ बी ।

(झ) लि० का० स० १६३५ ।

प्रा०—श्री अहमद मिरजा साहब, गढी सँजर खाँ, डा० मलीहाबाद (लखनऊ) । →स० ०७-१४८ ।

(ञ) प्रा —श्री कृष्णबलदेव वर्मा, कैसरबाग, लखनऊ ।→००-५८ ।

(ट) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१११ ।

(ठ) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१-१३७ (अप्र०) ।

(ड) प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, बछरावाँ (रायबरेली) ।→स० ०८-२८७ ख ।

टि० खो० वि० स० ०८-२८७ ख मे 'अखरावती', 'कहरानामा' और 'मसला' भी संगृहीत हैं ।

पद्मावती→'पद्मावत' (मलिकमुहम्मद जायसी कृत) ।

पद्मिनी चरित्र (पद्य)—अन्य नाम 'गोराबादल रणजय' । लालचंद (लब्धोदय) कृत । र० का० स० १७०७ । वि० पद्मिनी की कथा ।

(क) लि० का० स० १७५७ ।

प्रा०—प० मयाशंकर जी अधिकारी, गोकुल (मथुरा) ।→३२-१३१ ।

(ख) लि० का० स० १७५७ ।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१-३७६ ।

पद्य की पोथी (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० शृंगार वर्णन ।

प्रा०—प० रामचंद्र वैद्य, फरहल (मैनपुरी) ।→३५-२५६ ।

पद्यावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत । लि० का० स० १८५० । वि० राधाकृष्ण विहार ।

प्रा०—गो० जुगलवल्लभ, राधवल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । → १२-५२ ए ।

(ग) लि० का० सं० १६३२ ।

प्रा० —पं० रामदत्त ज्योतिषी, नील का पुरा, डा० सिढपुरा (एटा)। → २६-१०५ बी ।

(घ) प्रा०—पं० शिव शर्मा, धूमरा, डा० सरोढ (एटा) ।→ २६-१०५ ए ।

परतीत परीक्षा (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत । वि० कृष्ण का स्त्री वेष में राधा के प्रेम की परीक्षा लेना ।

(क) प्रा० दतिया नरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-६ डी ।

(ख) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, मिरजापुर ।→०६-२४८ ।

(ग)→पं० २२-६३ ए ।

परद्युम्न चरित्र (भाषा) (पद्य)—बूलचंद (जैन) कृत । र० का० सं० १८४३ । लि० का० सं० १६०८ । वि० प्रद्युम्न जी का चरित्र ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-६२ ।

परधान—सभरत. रामनाथ प्रधान ।→सं० ०१-३४८, सं० ०४-३३४ ।

अंगद रावण संवाद (पद्य)→सं० ०१-२१३ ।

परधाम बोधिनी (पद्य)—रामदयाल कृत । लि० का० सं० १६२६ । वि० अध्यात्म ।

प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१४४ ए, सी ।

परबत—'फुटकर कवित्त' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं । → ०२-५६ (तीन) ।

परब्रह्म की बारहमासी (पद्य)—सेवादास कृत । वि० परमात्मा के मिलने की उत्कंठा ।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६-३२७ ए (विवरण अप्राप्त) ।

परम ग्रंथ (पद्य)—जगजीवनदास (स्वामी) कृत । र० का० सं० १८१२ । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १६२३ ।

प्रा०—श्री हरिशरणदास एम० ए०, कमोली, डा० रानी कटरा (बाराबंकी) । →सं० ०४-१०५ झ ।

(ख) लि० का० सं० १६४० ।

प्रा०—महंत गुरुप्रसाददास, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । → २६-१६२ पी ।

(ग) प्रा०—मुंशी जगबहादुर अध्यापक, हरिगाँव, डा० जगेसरगंज (सुलतानपुर) । →२३-१७५ ई ।

परमतत्व प्रकाश (पद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । र० का० सं० १८६२ । वि० ज्ञान, योग, भक्ति आदि ।

(क) लि० का सं० १८६४ ।

प्रा०—महंत रामलखनलाल, लक्ष्मण किला, अयोध्या ।→२०-२०५ ए ।

(ख) प्रा०—बांधवेश भारती भंडार (राजकीय पुस्तकालय), रीवाँ । → ००-४८ ।

परमानद (हित)—हित हरिवश के अनुयायी । हित खुलाव के शिष्य । मथुरा निवासी । स० १८३३ के लगभग वर्तमान ।
गुरुभक्ति विलास (पद्य)→०६–२०४ बी ।
गुरुप्रताप महिमा (पद्य)→०६-२०४ सी ।
जमुनामगल (पद्य)→०६–२०४ एफ ।
जमुनामाहात्म्य (पद्य)→०६–२०४ जी ।
रसविशाह भोजन (पद्य)→०६–२०४ ई ।
राधाष्टक (पद्य)→०६–२०४ डी ।
हितहरिवश की जन्म बधाई (पद्य)→०६–२०४ ए ।

परमानदकिशोर—(?)
कृष्ण चौंतीसी (पद्य)→०६–३०६ ।

परमानंददास—उप० विष्णुदास । अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि । कन्नौज निवासी । बाद में गोकुल में रहने लगे थे । संभवत. कान्यकुब्ज ब्राह्मण । स० १६०६ के लगभग वर्तमान । 'ख्याल टिप्पा' और 'दयालजी का पद,' नामक सग्रह ग्रंथों में भी सगृहीत ।→०२-५७ (सात), ०२–६४ (छै) ।
छठी के पद (पद्य)→३५–७२ ए ।
दधिलीला (पद्य)→२३–३१० ए, बी, २६–३४१ ए, बी, सी, डी, ४१–११४ (अप्र०) ।
ध्रुवचरित्र (पद्य)→०६–२०६ ।
नित्यपद सग्रह (पद्य)→२३–१६२ सी ।
परमानददासजी का पद (पद्य)→०२–६२ ।
परमानद विलास (पद्य)→२३–३४२ ए, बी, २६–२६३ ए, बी ।
परमानद सागर (पद्य)→३५–७२ बी, स० ०१–२०१ क, ख, ग, घ ।
ब्रजलीला के पद (पद्य)→३२–१६२ ए ।
लालजी को जनमचरित (पद्य)→३२–१६२ बी ।
विरह के पद (पद्य)→सं० ०१–२०२ ङ ।

परमानददास—मुक्तसर (पंजाब) के निकट दौदा ग्राम के निवासी । स० १६३५ के लगभग वर्तमान ।
कबीरभानु प्रकाश (पद्य)→२६–२६२ ।

परमानददासजी का पद (पद्य)—परमानददास कृत । लि० का० स० १७६३ । वि० ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–६२ ।

परमानद प्रकाशिका टीका (गद्य)—आनदगिरि (स्वामी) कृत । र० का० २०वीं शताब्दी । वि० गीता की टीका ।

प्रा —श्री हरिशंकर वैद्य कैराना कायस्थ वाड़ा मुजफ्फरनगर।→सं १ —५।

परमानंद प्रबोध→भगवद्गीता सटीक (आनंदराम कृत)।

परमानंद विलास (गद्य)—अन्य नाम चतुरंगीसार। परमानंददास कृत। र का सं १८८८। वि भजन और स्तुति।

(क) लि का सं १९

प्रा —लाला सीताराम, विनोदगांव डा खर्रा (अलीगढ़)।→२६-३४३ बी।

(ख) लि का सं १९६१।

प्रा —ग्रा विक्रमसिंह रामपुर डा तरीथा (एटा)।→२६-३४३ ए।

(ग) लि का सं १९१३।

प्रा —बाबा मनोहरदास रुकरौर डा मवाई (उन्नाव)।→२९-२४२ ए।

(घ) लि का सं १९११।

प्रा —पं दीनानाथ मिश्र, फतेहपुर चौरासी, डा सफीपुर (उन्नाव)। → २९-२४२ बी।

परमानंद सागर (पद्य)—अन्य नाम 'पद परमानंदजी के'। परमानंददास कृत। वि कृष्ण भक्ति।

(क) प्रा —पं फतेहराम जी नंद ग्राम (मथुरा)।→१५-७१ बी।

(ख) प्रा —सरस्वती भंडार विद्याविभाग कांकरोली। → सं १-२ २ क, ख ग घ।

परमार्थ वचिन प्रकाश (भाषा) (पद्य)—हंस (जैन) कृत। र का सं १९२१। लि का सं १९२१। वि परमार्थ संबंधी उपदेश।

प्रा —आदिनाथ जी का मंदिर, पातूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ ३७।

परमार्थ सारी (पद्य)—विनोदीलाल कृत। र का सं १७८७। वि अध्यात्म।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर)।→१७—२ २ ए।

परमार्थ रमनी (पद्य)—शिवदास कृत। वि ईश्वर भक्ति।

प्रा•—प्रतिवानरेश का पुस्तकालय प्रतिया।→ ६-३२७ बी (विवरण अप्राप्त)।

परमेश्वरदत्त—ब्राह्मण। पिता का नाम कुंजविहारी। पितामह का नाम शीतल। परमा का पुरवा (ग्राम गौरा प्रतापगढ़) के निवासी। सं १३१ के लगभग वर्तमान।

रामप्रदीप (पद्य)→सं ८-१

परमेश्वरीदास—कायस्थ। कालिंजर (बाँदा) निवासी। मायासुन्त के पुत्र। शिवप्रसाद के पिता। जन्म सं १८८९। मृत्यु सं १९११।

कवितावली (पद्य)→१७-१३१।

दस्तूर सागर (पद्य)→ २-८५।

मानद (हित)—हित हरिवश के अनुयायी। हित खुलाव के शिष्य। मथुरा निवासी। स० १८३३ के लगभग वर्तमान।

गुरुभक्ति विलास (पद्य)→०६–२०४ बी।

गुरुप्रताप महिमा (पद्य)→०६–२०४ सी।

जमुनामगल (पद्य)→०६–२०४ एफ।

जमुनामाहात्म्य (पद्य)→०६–२०४ जी।

रसविशाद भोजन (पद्य)→०६–२०४ ई।

राधाष्टक (पद्य)→०६–२०४ डी।

हितहरिवश की जन्म बधाई (पद्य)→०६–२०४ ए।

मानदकिशोर—(?)

कृष्ण चौंतीसी (पद्य)→०६–३०६।

मानददास—उप० विष्णुदास। अष्टछाप के प्रसिद्ध कवि। कन्नौज निवासी। बाद में गोकुल में रहने लगे थे। सभवत कान्यकुब्ज ब्राह्मण। स० १६०६ के लगभग वर्तमान। 'ख्याल टिप्पा' और 'दयालजी का पद,' नामक सग्रह ग्रथों में भी सगृहीत।→०२-५७ (सात), ०२–६४ (छै)।

छठी के पद (पद्य)→३५–७२ ए।

दधिलीला (पद्य)→२३–३१० ए, बी, २६–३४१ ए, बी, सी, डी, ४१–११४ (अप्र०)।

ध्रुवचरित्र (पद्य)→०६–२०६।

नित्यपद सग्रह (पद्य)→२३–१६२ सी।

परमानददासजी का पद (पद्य)→०२–६२।

परमानद विलास (पद्य)→२६–३४२ ए, बी, २६–२६३ ए, बी।

परमानद सागर (पद्य)→३५–७२ बी, स० ०१–२०३ क, ख, ग, घ।

ब्रजलीला के पद (पद्य)→३२–१६२ ए।

लालजी को जनमचरित (पद्य)→३२–१६२ बी।

विरह के पद (पद्य)→सं० ०१–२०२ ङ।

परमानददास—मुक्तसर (पंजाब) के निकट दौदा ग्राम के निवासी। स० १६३५ के लगभग वर्तमान।

कबीरभानु प्रकाश (पद्य)→२६–२६२।

परमानददासजी का पद (पद्य)—परमानददास कृत। लि० का० स० १७६३। वि० ज्ञानोपदेश।

प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर।→०२–६२।

परमानद प्रकाशिका टीका (गद्य)—आनदगिरि (स्वामी) कृत। र० का० २०वीं शताब्दी। वि० गीता की टीका।

परसराम→परसुराम ('उषाचरित' के रचयिता)।

परसराम कथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। लि का सं १८८९। वि परशुरामावतार की कथा।

प्रा —बाघेलेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → -१४२।

परसुराम (देव)—ब्राह्मण। ब्रज निवासी। श्रीभट्ट और हरिव्यास के शिष्य। निम्बार्क संप्रदाय के वैष्णव। निर्गुण मत से भी प्रभावित। जन्म सं १६६ ।

अमरबोध लीला (पद्य)→१२-१११ ए।
चौड़ा (पद्य)→११-१११ बी।
तिथि लीला (पद्य)→१५-७८ जे।
नक्षत्र लीला (पद्य)→१५-७४ बी।
नाम लीला (पद्य)→१५-७४ एच।
निजरूप लीला (पद्य)→१५-७८ एम।
निर्वाण लीला (पद्य)→१५-७४ आई।
पदावली (पद्य)→१५-७४ बी।
परशुराम सागर (पद्य)→१२-१२६।
बावनी लीला (पद्य)→१५-७४ एल।
रागसागर (पद्य)→१२-१११ सी।
रोमरत्न नाम लीला निधि (पद्य)→१५-७८ सी।
लीला समझनी (पद्य)→१५-७८ एफ।
वार लीला (पद्य)→१५-७८ के।
विप्रमतीसी (पद्य)→१५-७८ एम।
वैराग्य निर्णय (पद्य)→ -७८।
श्रीनिरोध लीला (पद्य)→१५-७४ डी।
साखी (पद्य)→१०-११६।
हरि लीला (पद्य)→१५-७४ ई।

परिक्रमा प्रकरण (पद्य)—महामति (प्राणनाथ) कृत। वि धामी पंथ के सिद्धांत।

(क) लि का सं १८७२।

प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१ ८ ए।

(ख) लि का सं १९५५।

प्रा —श्री हरिवंशराय, नक्शौली डा सिरसी (बस्ती)।→सं ४-११८ क।

(ग) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१ ८ बी।

परिचयी बाबा मलूकदासजी (पद्य)—सुथरादास कृत। वि बाबा मलूकदास का जीवन वृत्त।

(क) लि का सं १८८४।

परमोघ लीला या जखड़ी (पद्य)—हरिकेस या रषीकेस कृत । नि० का० स० १७४० । वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०७-२०८ ।

परशुराम—संभवत काँगड़ा निवासी । स० १६११ के लगभग वर्तमान ।
शिवस्मरण (पद्य)→प० २२-८२ ।

परशुराम—(?)
भागवत (षष्ठ और सप्तम स्कंध) (पद्य)→३५-७३ ।

परशुराम (?)
सगुनौती प्रश्न (पद्य ?)→प० २२-८१ ।

परशुराम→'परसुराम (देव)' ('अमरबोध शास्त्र' आदि के रचयिता) ।

परशुराम (परसराम)—सं० १६६० के लगभग वर्तमान ।
उषाचरित्र (पद्य)→१२-१२७, २३-३११, २६-३४४, २६-२६४ ए, बी ।

परशुराम सवाद (पद्य)—काशीराम कृत । लि० का० स० १६४० । वि० धनुष टूटने पर राम और परशुराम का सवाद ।
प्रा०—ठा० गणेशसिंह, फटैला, डा० फखरपुर (बहराइच) ।→२३-२०१ ।

परशुराम सागर (पद्य)—परसुराम(देव) कृत । लि० का० स० १८३७ । वि० राम, कृष्ण, सुदामा, प्रह्लाद आदि के चरित्र और ज्ञानोपदेश ।
प्रा०—महत बालकृष्णदास, आचार्य निंबार्क संप्रदाय, वृंदावन (मथुरा) । → १२-१२६ ।

परस जी—बढई । पीपा जी के शिष्य । राजस्थान के अंतर्गत फलरू गाँव के निवासी । →स० १०-७८ ।
पद (पद्य)→स० १०-७५ क ।
साखी (पद्य)→स० १०-७५ ख ।

परस जी—साध सप्रदाय के प्रवर्तक ऊदादास के शिष्य । सभवत राजस्थानी ।
नौनिधि (पद्य)→स० ०७-११३ क, ख ।

परसन (विप्र या द्विज)—भार्गव गोत्रीय चौबे ब्राह्मण । चौबोली (फूलपुर, आजमगढ) गाँव के निवासी । इनके वशज अभी तक उक्त गाँव में रहते हैं । स० १८८० से १८६० के लगभग वर्तमान ।
कवित्त (पद्य)→स० ०१-२०३ ङ, च ।
पद (पद्य)→स० १०-२०३ क, ख, ग, घ ।

परसनदास (पाडेय)—पडितपुर (अयोध्या के निकट) के निवासी । स० १६२० के लगभग वर्तमान ।
सोनबीजक (पद्य)→२६-३४३, स० ०४-२०१ ।

परसराम→'परशुराम' ('उषाचरित' के रचयिता)।

परसराम कथा (पद्य)—नवसिंह (क देव) कृत। लि का सं १८२९। वि परशुरामावतार की कथा।

प्रा०—बाघवेश भारती भंडार (रीवाँनरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। → -१४१।

परशुराम (देव)—ब्राह्मण। ब्रज निवासी। श्रीभट्ट और हरिव्यास के शिष्य। निंबार्क संप्रदाय के वैष्णव। निर्गुण मत से भी प्रभावित। जन्म सं १६६।

अमरबोध लीला (पद्य)→१२-१३३ ए।
बीड़ा (पद्य)→१२-१३३ सी।
तिथि लीला (पद्य)→१५-७४ के।
नक्षत्र लीला (पद्य)→१५-७४ बी।
नामलीला (पद्य)→१५-७४ ए।
निजरूप लीला (पद्य)→१५-७४ एच।
निर्वाण लीला (पद्य)→१५-७४ आई।
पदावली (पद्य)→१५-७४ सी।
परशुराम सागर (पद्य)→१२-१२९।
बावनी लीला (पद्य)→१५-७४ एल।
रागसागर (पद्य)→१२-१३३ सी।
रोगरण नाम लीला निधि (पद्य)→१५-७४ डी।
लीला समझनी (पद्य)→१५-७४ एफ।
वार लीला (पद्य)→१५-७४ के।
विप्रमतीसी (पद्य)→१५-७४ एम।
वैराग्य निर्णय (पद्य)→ -७५।
सौंचनिषेध लीला (पद्य)→१५-७४ जी।
साखी (पद्य)→२ -१३३।
हरि लीला (पद्य)→१५-७४ ई।

परिक्रमा प्रकरण (पद्य)—महामति (प्राणनाथ) कृत। वि धामी पंथ के सिद्धांत।

(क) लि का सं १८७२।

प्रा०—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→१७-१ ८ ए।

(ख) लि का सं १६६५।

प्रा —श्री हरिगोविंद, नकरौली डा सिरसी (बस्ती)।→सं ४-२१८ क।

(ग) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१ ८ बी।

परिचयी बाबा मलूकदासजी (पद्य)—सुथरादास कृत। वि बाबा मलूकदास का जीवन वृत्त।

(क) लि का सं १७८४।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ क ।

(ख) प्रा—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→१७–१६० ।

(ग) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ ख ।

(घ) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ ग ।

परिपूरनदास—कबीरपंथी साधु ।

तिरजा टीका (पद्य)→०६–२२३ ।

परिमल्ल (कवि)—जैन मतावलंबी । पिता का नाम आसकरन । पितामह का नाम रामदास । प्रपितामह का नाम चंदन । आगरा निवासी । मूल स्थान ग्वालियर । जाति के बरहिया । अकबर बादशाह के समकालीन । इन्होंने ग्वालियर के राजा मान का भी उल्लेख किया है । स० १६५१ के लगभग वर्तमान ।

श्रीपाल चरित्र (पद्य)→२३–३०६, २६–२६१, स० ०४–२०२ क, ख, ग, घ, ड, स० ०१–७४ क, ख ।

परीक्षा बोधिनी (गद्यपद्य)—रूपकिशोर (मुशी) कृत । र० का० स० १६२५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री दरबारीलाल प्रधानाध्यापक, फागारोल (आगरा) ।→३२–१६२ ।

परीक्षित (राजा)—दतिया नरेश । राज्यकाल स० १८५७–१८६६ । शिवप्रसादराय, जानकीदास, गणेश कवि, खेतसिंह और सीताराम के आश्रयदाता ।→०६–३२, ०६–५३, ०६–६०, ०६–१०६, ०६–१११ ।

पर्मल—(?)

कोकशास्त्र (पद्य)→स० ०१–२०४ ।

पर्वतदास—सुनार । ओड़छा निवासी । राजा सुजानसिंह के समकालीन । स० १७२१ के लगभग वर्तमान ।

जानकी ब्याह चतुर्थ रहस्य (पद्य)→२६–२६५ सी ।

दशावतार कथा (पद्य)→०६–८७ ए ।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)→०६–८७ बी, २०–१२५ ए, २३–३१२ ए, बी, २६–३४५ ए, बी, २६–२६५ डी ।

विनय नव पंचक (पद्य)→२०–१२५ बी ।

षटरहस्य (पद्य)→२३–३१२ सी, डी, ई २६–३४५ सी, डी, ई, २६–२६५ ए, बी ।

पर्वत धर्मार्थी (जैन)—(?)

समाधितंत्र बालाबोध (गद्य)→सं० १०–७६ ।

पलटूदास—बावरी पंथी । जयगोविंद या गोविंद साहब के शिष्य । मत समय में

अयोध्या में रहने लगे थे। सं १८२७ के लगभग वर्तमान। →१ -१८; २०-७१।

आत्मकर्म (पद्य)→२ -१२४ ए, सं ४-२ १ क।

ककहरा अरवा के (पद्य)→सं ४-१ १ ख।

कुंडलिया (पद्य)→ ६-१२२।

पलटू साहब की बानी (पद्य)→२ -१२४ बी; १८-१ ६ सं १-२०५।

राम कुंडलिया (पद्य)→ ६-१२४ सी।

पलटू साहब→'पलटूदास' (बावरीपंथी प्रसिद्ध संत)।

पलटू साहब की बानी (पद्य)—पलटूदास कृत। वि भक्ति और ज्ञानोपदेश।

(क) प्रा —महंत त्रिवेनीदास पलटूदास का मंदिर, अयोध्या।→२ -१२४ बी।

(ख) प्रा —ठा रामस्वरूपसिंह, ग्रा छाता (मथुरा)।→१८-१ ६।

(ग) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२ ५।

पवंगम (ग्रंथ) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि का सं १७७८। वि शृंगार।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→सं १-१२६ ङ।

पवनपचीसी (पद्य)—वृंद (कवि) कृत। वि षट्ऋतु वर्णन।

प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-२५६ ख।

पवनपरीक्षा (पद्य)—शिवप्रसाद कृत। र का सं १८७५। वि संक्षिप्त राम कथा।

(क) लि का सं १८७७।

प्रा —श्री उमाशंकर दूबे साहित्यान्वेषक नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→ २६-४४१।

(ख) लि का सं १८८२।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-२६५।

पवनविजय स्वरोदय (पद्य)—मोहनदास कृत। र का सं १६८०। वि योग प्राणायाम आदि।

(क) लि का सं १८६५।

प्रा —रविवानरेश का पुस्तकालय रतिया।→ ६-१६७ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि का सं १८६६।

प्रा —राजा भगवेशसिंह साहब कालाकाँकर, प्रतापगढ़।→२६-१ १।

(ग) प्रा —भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय चौखंभा वाराणसी।→ -१।

पवनविजय स्वरोदय (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्वरोदय।

प्रा —ठकुराइन जानकी कुँवरि धर्मपत्नी स्व ठा विश्वनाथसिंह, अमेठर, ग्रा बिजुड़ी (सुलतानपुर)।→सं १-५१।

प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ क ।

(ख) प्रा—बाबा महादेवदास, कड़ा (इलाहाबाद) ।→१७–१६० ।

(ग) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्व-विद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ ख ।

(घ) प्रा०—डा० त्रिलोकीनारायण दीक्षित, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्व-विद्यालय, लखनऊ ।→स० ०४–४१७ ग ।

परिपूरनदास—कबीरपंथी साधु ।

तिरजा टीका (पद्य)→०६–२२३ ।

परिमल्ल (कवि)—जैन मतावलम्बी । पिता का नाम आसकरन । पितामह का नाम रामदास । प्रपितामह का नाम चंदन । आगरा निवासी । मूल स्थान ग्वालियर । जाति के बरहिया । अकबर बादशाह के समकालीन । इन्होंने ग्वालियर के राजा मान का भी उल्लेख किया है । स० १६५१ के लगभग वर्तमान ।

श्रीपाल चरित्र (पद्य)→२३-३०६, २६–२६१, स० ०४–२०२ क, ख, ग, घ, ङ, स० ०१–७४ क, ख ।

परीक्षा बोधिनी (गद्यपद्य)—रूपकिशोर (मुशी) कृत । र० का० स० १६२५ । वि० वैद्यक ।

प्रा०—श्री दरबारीलाल प्रधानाध्यापक, फागारोल (आगरा) ।→३२–१६२ ।

परीक्षित (राजा)—दतिया नरेश । राज्यकाल स० १८५७-१८६६ । शिवप्रसादराय, जानकीदास, गणेश कवि, खेतसिंह और सीताराम के आश्रयदाता ।→०६–३२, ०६–५३, ०६–६०, ०६–१०६, ०६–१११ ।

पर्मल—(?)

फ कशास्त्र (पद्य)→स० ०१–२०४ ।

पर्वतदास—सुनार । ओड़छा निवासी । राजा सुजानसिंह के समकालीन । सं० १७२१ के लगभग वर्तमान ।

जानकी व्याह चतुर्थ रहस्य (पद्य)→२६–२६५ सी ।

दशावतार कथा (पद्य)→०६–८७ ए ।

रामकलेवा रहस्य (पद्य)→०६–८७ बी, २०–१२५ ए, २३–३१२ ए, बी, २६–३४५ ए, बी, २६–२६५ डी ।

विनय नव पचक (पद्य)→२०–१२५ बी ।

षटरहस्य (पद्य)→२३–३१२ सी, डी, ई, २६–३४५ सी, डी, ई, २६–२६५ ए, बी ।

पर्वत धर्मार्थी (जैन)—(?)

समाधतंत्र बालाबोध (गद्य)→सं० १०–७६ ।

पलटूदास—बावरी पंथी । जयगोविंद या गोविंद साहब के शिष्य । मत समय में

पहाड़ (कवि)—काल प । मुबारकपुरी (चंदेरीवाला) । इन्होंने रामदास कृत 'उषा अनिरुद्ध की कथा (उषाचरित)' में ग्रंथ को सरस बनाने के लिये बीच बीच में विश्राम छंद मिलाए हैं ।→२६–२५६ ।

पहाड़सिंह—ओड़छा नरेश सुजानसिंह के पिता । रायचदास और चिंतामणि के आश्रयदाता । राज्यकाल सं १६६८ १७ तक ।→ ५–८७ ६–९७ १७–४१ ।

पहाड़ सैयद→'सैयद पहाड़' (रसरत्नाकर के रचयिता) ।

पहिलमान (द्विज)→पहलवानदास (सतनामी संप्रदाय के अनुयायी) ।

पहेली संग्रह (पद्य —रचयिता अज्ञात । वि पहेलियाँ और उनके उत्तर ।

प्रा०—पं देवताप्रसाद, ग्राम और डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१२–२०५ ।

पदीप प्रकाश (पुष्प प्रकाश) (पद्य)—देवेश्वर (माथुर) कृत । र का सं १८१६ ।
लि का सं १८१६ । वि कृष्ण राधिका का गुणगान ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १–१६६ ।

पदीपमंजरी→'पुष्पमंजरी (पुरुषोत्तम कृत) ।

पदीपसिंह—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के पुत्र । देवेश्वर माथुर और सुजानसिंह गौड़ के आश्रयदाता ।→सं १–१ ६ ।

पांडवगीता की टीका (गद्य)—हरिवंश (?) कृत । लि का सं १६११ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं रामाराम शर्मा सिरपुरा डा बरनाहल (मैनपुरी) ।→१२–८५ ए ।

पांडवगीता सटीक (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि ज्ञानोपदेश (गीता) ।

प्रा —पं वासुदेवसहाय मुनीम फतहपुरसीकरी (आगरा)→२६–८४६ ।

पांडवचरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि पांडवों की कथा ।

प्रा०—भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ।→४१–१८७ ।

पांडवपुराण (गद्य)—शुभचंद्राचार्य कृत । र का सं १६ ८ । लि का सं १९ ६ । वि पांडवों की कथा ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर अहियागंज, डालमंडी मोहल्ला लखनऊ । →सं ४–१६१ ।

पांडवपुराण कथा (पद्य)—बुलाकीदास कृत । र का सं १७५४ । वि जैन धर्मानुसार पांडवों का चरित्र वर्णन ।

(क) लि का सं १८७४ ।

प्रा —श्री जैन मंदिर कछौरा (आगरा) ।→१२–१४ सी ।

(ख) लि का सं १८८४ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर भाबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १०–९१ क ।

(ग) लि का सं १९ ६ ।

प्रा — श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।
→सं ४–२४१ ।

पवित्रामडल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८७४। वि० वल्लभ संप्रदाय के संस्कृत ग्रंथ 'पवित्रामदल' का अनुवाद।
प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण, नईगोकुल, गोकुल (मथुरा)।→३५-२६४।

पशु चिकित्सा (पद्य)—केशरसिंह कृत। र० का० स० १९३१। वि० पशुओं विशेषतः बैलों की चिकित्सा।
(क) लि० का० स० १९३६।
प्रा०—लाला गेंदालाल, सोरों (एटा)।→२९-१९४ सी।
(ख) लि० का० स० १९३६।
प्रा०—ठा० रामदेवसिंह, कुकुरादेव, डा० धूमरी (एटा)।→२९-१९४ डी।
(ग) लि० का० स० १९४०।
प्रा०—ठा० जैरामसिंह, वजीरनगर, डा० माधोगंज (हरदोई)।→२९-१९४ ए।
(घ) लि० का० स० १९४०।
प्रा०—बाबा रामदास, रामकुटी, डा० सिकंदराराऊ (अलीगढ)। → २९-१९४ बी।

पशुजाति नायिका नायक मथन (पद्य)—गोपा कृत। लि० का० स० १८३६। वि० नायक नायिकाभेद।
प्रा०—मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ, खैरगढ (मैनपुरी)।→३२-३१ ई।

पशुमर्दन (भाषा) (गद्य)—सुखानंदनाथ कृत। लि० का० स० १८८७। वि० शैव दर्शन।
प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-४५५।

पहरा (पद्य)—रैदास कृत। लि० का० स० १८८५। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-१७१ घ।

पहलवानदास—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी। जन्म स्थान बल्दू पांडे का पुरवा (सुलतानपुर)। पिता का नाम दुजई पांडेय। बाबा सिध्यादास के शिष्य और दूलनदास के पोता शिष्य। भीखीपुर (रस्तामऊ, रायबरेली) निवासी। सं० १८५१ के लगभग वर्तमान।
अरिल्ल (पद्य)→२६-३४० ए।
उपाख्यान विवेक (पद्य)→०९-२२१, १७-१३१, २३-३०८, २६-३४० सी, सं० ०४-२०४ क, ख, ग।
ख्याल पचासा (पद्य)→२९-२६० ए।
गुरुमहातम (पद्य)→३५-७१।
भजन पचासा (पद्य)→२९-२६० बी।
मुक्तायन (पद्य)→२६-३४० बी।
विरहसार (पद्य)→०६-३४० डी, सं० ०४-२०४ घ।
शब्द (पद्य)→सं० ०४-२०४ ड।

पहाड़ (कवि)—कायस्थ । सुलतानपुरी (चंदेरीवाला)। इन्होंने रामदास कृत 'उषा अनिरुद्ध की कथा (उषाचरित्र) में ग्रंथ का सरल बनाने के लिये बीच बीच में विश्राम छंद मिलाए हैं।→२६-२५१ ।

पहाड़सिंह—ओरछा नरेश सुजानसिंह के पिता । रामदास और चिंतामणि के आश्रयदाता। राज्यकाल सं० १६२८ से १७ शक।→ ५-८७ १-६७ १७-४१ ।

पहाड़ सैयद→सैयद पहाड़ (रसरत्नाकर के रचयिता)।

पहिलमान (द्विज)→ पहलवानदास (सतनामी संप्रदाय के अनुयायी)।

पहेलो संग्रह (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पहेलियाँ और उनके उत्तर।
प्रा०—पं० देवताप्रसाद शर्मा ग्रा० शिकोहाबाद (मैनपुरी)।→१२-२७५ ।

पहौप प्रकाश (पुष्प प्रकाश) (पद्य)—देवेश्वर (माथुर) कृत । र० का० सं० १८१६।
लि० का० सं० १८१६। वि० कृष्ण राधिका का गुणगान।
प्रा०—साहित्य संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १-१६१ ।

पहौपमंजरी→पुष्पमंजरी (पुरुषोत्तम कृत)।

पहौपसिंह—भरतपुर नरेश बहादुरसिंह के पुत्र । देवेश्वर माथुर और सुजानसिंह गौड़ के आश्रयदाता।→सं० १-१ ६ ।

पांडवगीता की टीका (गद्य)—हरिवंश (?) कृत। लि० का० सं० १६११। वि० नाम से स्पष्ट ।
प्रा०—पं० रामदास शर्मा सिरपुरा ग्रा० बरनाहल (मैनपुरी)।→१२-८५ ए।

पांडवगीता सटीक (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्ञानोपदेश (गीता)।
प्रा०—पं० वासुदेवसहाय मुनीम फतहपुरसीकरी (आगरा)→२१-४४९ ।

पांडवचरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—भारत कला भवन काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी।→४१-१८७।

पांडवपुराण (गद्य)—बुलचंद्राचार्य कृत । र० का० सं० १६ ८। लि० का० सं० १६ ६। वि० पांडवों की कथा।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर, अहियागंज, यहियागंज मोहल्ला लखनऊ। → सं० ८-१११ ।

पांडवपुराण कथा (पद्य)—बुलाकीदास कृत । र० का० सं० १७५४। वि० जैन धर्मानुसार पांडवों का चरित्र वर्णन।
(क) लि० का० सं० १८७४।
प्रा०—श्री जैन मंदिर अछनेरा (आगरा)।→१२-१४ बी।
(ख) लि० का० सं० १८८४।
प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६१ क।
(ग) लि० का० सं० १६ ६।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ। →सं० ४-२११ ।

पाडव यशेंदु चंद्रिका (प्रद्य)—स्वरूपदास (रसाल) कृत । र० का० स० १८६२ । वि० अलकार, पिंगल और महाभारत की सक्षिप्त कथा ।
(क) लि० का० स० १८४६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→२६–४७६ ।
(ख) लि० का० स० १६२६ ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१–३०७ ।
(ग) प्रा०—श्री गनेशविहारी मिश्र, गोलागज, लखनऊ ।→२३–४२३ ।

पाडवसत (पद्य) - त्रिसनदास (जन) कृत । लि० का० स० १६१२ । वि० पाडवों की कथा ।
प्रा०—प० चिरजीवलाल, राधाकुंड (मथुरा) ।→३८–१६१ ।

पाडुचरित्र (पद्य)—राघवदास कृत । लि० का० स० १७३६ । वि० पाडवों की कथा ।
प्रा०—प० मोहनवल्लभ पत, किशोरीरमण कालेज, मथुरा ।→३८–११३ ।

पाडेलीला (पद्य)—मानिक कृत । लि० का० स० १७११ । वि० श्रीकृष्ण लीला ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, कॉंकरोली ।→स० ०१–२६३ ।

पा० (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० अकबर और बीरबल के चुटकुले ।
प्रा०—प० बालमुकुंद भट्ट, कामा (भरतपुर) ।→४१–३८८ ।
टि० प्रस्तुत हस्तलेख शिवराम कृत 'कवित्त' के साथ लिपिबद्ध है ।

पाक सग्रह (पद्य)—कामदानाथ कृत । र० का० स० १६०० । लि० का० स० १६०० । वि० पाकशास्त्र ।
प्रा०—प० शिवप्रसाद मिश्र, मजूमाबाद, फतेहपुर ।→२०–७६ ।

पाखड खंडिनी (गद्यपद्य)—विश्वनाथसिंह (महाराज) कृत । वि० कबीरदास के कुछ ग्रथों की टीका ।
प्रा०—कबीर स्थान, सुहावल ।→०८–२४६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

पाखड दलन (पद्य)—जानकीदास (गोसाईं) कृत । लि० का० स० १६४४ । वि० कठी लेने और मास मछली न खाने का उपदेश ।
प्रा०—बाबू शिवप्रतापसिंह, मोहनगज, डा० सलोन (रायबरेली) । → स० ०४–१२८ ख ।

पाठकदास (द्विज)—रूकमनगर निवासी । स० १८३१ के लगभग वर्तमान ।
शालिहोत्र (पद्य)→४३–३१३ ।

पातजलि (भाषा) (पद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र० का० स० १८४६ । वि० योग ।
प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१६५ डी ।

पातजलि टीका (गद्यपद्य)—मथुरानाथ (शुक्ल) कृत । र० का० स० १८४६ । वि० योग ।
प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१६५ ई ।

पादशाही कवित शाहिजहाँ के (पद्य)—मनीराम कृत। वि शाहजहाँ और उसके दरबारियों की प्रशंसा।

प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१–८५ ख।

पाताल खंड (पद्य)—रत्नसिंह प्रसाद। वि सीता का पाताल गमन।

(क) लि का सं १७२१।

प्रा —श्री गोरख पांडेय मनप्रेही, ग्रा सादात (गाजीपुर)। →

सं १–५११ क।

(ख) लि का सं १८ २।

प्रा —श्री दुख पंडित तिवे, ग्रा बदरसिंहपुर (सुलतानपुर)।→सं १–५११ ख।

पातीराम—सरैंधी (आगरा) निवासी। श्या प्रसाद के पिता। छत्रपाल के पितामह। सं १९१ के लगभग वर्तमान।

गुरुलीला (पद्य)→१२–१६४ बी।

पातीराम के भजन (पद्य)→२६–२६६ बी।

भक्तावली (पद्य)→१२–१६४ ए।

रसुसागर (पद्य)→२६–२६६ ए।

पातीराम के भजन (पद्य)—पातीराम कृत। र का सं १९१। वि गजेन्द्र शारदा राजा हरिश्चंद्र परीक्षित आदि विषयक भजन।

प्रा —श्री सोनपाल पाराशर सरैंधी ग्रा कानेर (आगरा)।→२६–२६६ बी।

पानपदास—अमीनाबादपुर (बिजनौर) की ओर के निवासी। निर्गुणमार्गी संत। पानप दासीपंथ के प्रवर्तक। संभवतः १८वीं शताब्दी में वर्तमान।

हरफनामे (ग्रंथ) (पद्य)→सं ४–२ ५ क।

ककहरे (पद्य)→सं ४–२०५ ख।

पद (पद्य)→सं ४–२ ५ ग।

पदावली (पद्य)→सं ४ –२ ५ घ।

बानी या शब्दी (पद्य)→सं ४–२ ५ ङ।

शब्द (पद्य)→सं ४–२ ५ च।

सोरठे (पद्य)→सं ४–२ ५ छ।

होली (पद्य)→सं ४–२ ५ ज।

पार्थबेग—इंगीबेग के पुत्र। कवाला सिक्खी संप्रदाय के अनुयायी। औरंगजेब के आश्रित। १८वीं शताब्दी के अंत में वर्तमान।

श्री रामेश विलास (पद्य)→पं २२ ८१

पारबती—कोई सिद्ध। 'सिद्धों की बानी में भी संगृहीत।→४१ १६, ४१–११४।

सबदी (पद्य)→सं १०–७०।

पारस पुराण→'पार्श्वनाथ पुराण (भूधरदास जैन कृत)।

(ग) लि० का० सं० १९९६।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)।→ १–१६।
(घ) प्रा०—निमराना राज पुस्तकालय निमराना।→ १–५।
(ङ) प्रा०—महाराज रामेश्वरप्रतापसिंह, मिनगा नरेश मिनगा (बहराइच)।
→२३–८ ए।
(च) प्रा०—ठा० गौनिहालसिंह कौंधा (उन्नाव)।→२३–८ ई।
(छ) प्रा०—महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली।→दि० ३१–३२।
(ज)→पं० २२–२१।
पिंगल (पद्य)—कविराम कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी असनी (फतेहपुर)।→२–३।
पिंगल (पद्य)—रसाकृष्ण कृत। र० का० सं० १८९८। लि० का० सं० १८८८। वि०
नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० परमानंद शर्मा बलदेव (मथुरा)।→१७–४६ बी।
पिंगल (पद्य)—लाल कृत। लि० का० सं० १७१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—पं० महादेवप्रसाद चतुर्वेदी अश्विनीकुमार का मंदिर, असनी (फतेहपुर)।
→२–११२।
पिंगल (पद्य)—प्रवीणराय (लालराय) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा)।→ २–११२।
पिंगल (पद्य)—मकनाथ कृत। र० का० सं० १७३१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८८७।
प्रा०—रतियानरेश का पुस्तकालय रतिया।→०६–१४२ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा०—पं० कामताप्रसाद उपाध्याय ग्रा० शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं० ६–१०२।
पिंगल (पद्य)—मर्कंद कृत। लि० का० सं० १९१८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री वेदप्रकाश गर्ग १ लक्ष्मीकान्त स्ट्रीट मुजफ्फरनगर।→सं० १–१५।
पिंगल (पद्य)—मुकुंदलाल कृत। वि० छंद शास्त्र।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं० १–२६८।
पिंगल (पद्य)—रसिकगोविंद कृत। वि० छंद शास्त्र।
प्रा०—बाबू रामनारायण विशारद।→ १–१२२ ई (विवरण अप्राप्त)।
पिंगल (पद्य)—राम (कवि) कृत। वि० छंद शास्त्र।
प्रा० याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० १–११७ क।
पिंगल (पद्य)—रामचरणदास कृत। र० का० सं० १८४१। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत जानकीशरन अयोध्या।→ ६–२४५ ए।
पिंगल (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८७०। वि० नाम से स्पष्ट।

पावस पचीसी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० पावस में कृष्ण विहार।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी।→०१-१२१ (दस)।

पावस पच्चीसी (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० स० १६३७। वि० वर्षा ऋतु वर्णन।

प्रा०—प० परशुराम चतुर्वेदी एम० ए०, एल० एल० बी०, वकील, बलिया। →४१-१२६।

पाँसाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८६०। वि० शकुन।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लकावली, डा० ताजगज (आगरा)। →२६-४५०।

पासाकेवलो (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८१५। लि० का० स० १८१५। वि० शकुन।

प्रा०—प० द्वारकाप्रसाद प्रधानाध्यापक, बमरोली कटारा (आगरा)।→२६-४४७।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८७१। वि० शकुन।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४४६।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१७। वि० शकुन।

प्रा०—श्री जैन मदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-४४८।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६६६। वि० शकुन विचार।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-३८६।

पाहन परीछ्या (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० स० १७८४। वि० मूल्यवान पत्थरों की परीक्षा का वर्णन।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ थ।

पिंगल (पद्य)—गगदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।→प० २२-३०।

पिंगल (पद्य)—गगादास कृत। लि० का० सन् १२७६ साल। वि० छद शास्त्र।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→स० ०४-५४ ख।

पिंगल (पद्य)—चद्र (चद्रदास) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर।→०५-२०।

पिंगल (?) (पद्य)—चतुर्भुज कृत। वि० छद शास्त्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-६२।

पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'छदविचार', 'पिंगल छदविचार' और पिंगल भाषा'। चिंतामणि कृत। वि० छद शास्त्र।

(क) लि० का० स० १८३६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५१ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० स० १८८५।

प्रा०—प० रामाधीन, गगादीन का पुरवा, डा० चरदा (बहराइच)। →२३-८० डी।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ । →सं ४-२६६ प ।

(प) लि का सं १६ ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ । →सं ४-२६६ ड ।

(ट) लि का सं १६६१ ।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर, नई मंडी मुजफ्फरनगर ।→सं १०— प ।

(थ) लि का सं १८७१ ।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, श्रावृपुरा, मुजफ्फरनगर । → सं १ –१ ब ।

(द) लि का सं १८७९ ।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर नई मंडी मुजफ्फरनगर ।→सं १ –१ च ।

(ध) लि का सं १८७७ ।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर श्रावृपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं १ –१ छ ।

(न) प्रा —लाला भगवानदास जैन, महोना डा इटौंजा (लखनऊ) । → २६–४६ सी ।

(प) प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ ।→सं ४–२६६ ख ग ।

पारसनाथ स्तुति (पद्य)—द्यानतराय कृत । लि का सं १८५६ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं० रविदत्त शर्मा अरोला दिल्ली ।→दि ३१–३१ ।

पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा) (टीका) (गद्य)—जिनवर्धमान सूरि कृत । लि का सं १७ १ । वि पार्श्वनाथ जी की स्तुति ।

प्रा —महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली ।→दि ४१–४६ ।

पार्श्वपुराण (भाषा)→'पार्श्वनाथ पुराण (भूधरदास जैन कृत) ।

पालने के पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि कृष्ण को सुलाने की लोरियाँ ।

प्रा —श्री बिहारीलाल ब्राह्मण महीगोकुल गोकुल (मथुरा) ।→१५–२६१ ।

पावस (पद्य)—मधुरमाल कृत । वि वर्षा वर्णन ।

(क) प्रा०—पं बलभद्रसिंह मुनीम सिकरौली डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) । →१२–१६६ आई ।

(ख) प्रा —पं सियाराम शर्मा करहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→ १२–१६६ के ।

पावस (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर, देव धमानंद आदि) कृत । वि वर्षा वर्णन ।

प्रा —पं इच्छाराम मिश्र करहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी) ।→१२–२६१ ।

पाराशरी (भाषा)→'लघुपाराशरी सटीक' (सुखराम कृत)।

पाराशरी जातक (गद्य ,—अन्य नाम 'उडुदायप्रदीप'। परसुख दैवज्ञ कृत। र० का० सं० १८६८। वि० ज्योतिष।
(क) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-२००।
(ख) प्रा०—पं० शिवगोविंद शुक्ल, गोपालपुर, डा० असनी (फतेहपुर)। →२०-२०४ ए।
(ग) प्रा०—पं० पुत्तूलाल, अटवाँ, डा० सडीला (हरदोई)। → सं० ०७-१११।
टि० खो० वि० २०-२०४ ए पर रचयिता को भूल से विष्णुदास माना गया है।

पारासरी (भाषा)—अन्य नाम 'उडदायप्रदीप'। हनुमत (कवि) कृत। र० का० सं० १६३५। वि० ज्योतिष (संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद)।

पाराशरी जातक की भाषा टीका (गद्य)—रामगुलाम कृत। लि० का० सं० १६०१। वि० ज्योतिष ग्रंथ पाराशरी की टीका।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद तिवारी, रहीमाबाद (लखनऊ)।→सं० ०७ १ ४।

पार्वती पुत्र→'नित्यनाथ' ('उड्डीसतंत्र' के रचयिता)।

पार्वती मंगल (पद्य)—अन्य नाम 'मंगल रामायण'। तुलसीदास (गोस्वामी) कृत। र० का० सं० १६३६ (?)। वि० महादेव पार्वती विवाह।
(क) लि० का० सं० १६०६।
प्रा०—ठा० महाराज दीनसिंह, प्रतापगढ।→०६-३२३ एफ।
(ख) प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी)। → ०३-१२७।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य) —धर्मदेव कृत। र० का० सं० १७८६। लि० का० सं० १८५५। वि० जैन पुराण।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, कटरा, प्रतापगढ।→२६-१०४।

पार्श्वनाथ पुराण (पद्य)—भूधरदास (जैन) कृत। र० का० सं० १७८६। वि० पार्श्वनाथ पुराण का अनुवाद।
(क) लि० का० सं० १८१८।
प्रा०—श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ। →सं० ०४-२६६ क।
(ख) लि० का० सं० १८७७।
प्रा०—दिगंबर जैन पचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर। → सं० १०-१०० ग।
(ग) लि० का० सं० १८८२।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ।
→र्द ४-२६६ प।

(प) लि का सं १६ ।

प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक लखनऊ।
→र्द ४-२६६ क।

(फ) लि का सं १६६१।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर नई मंडी मुजफ्फरनगर।→र्द १०— प।

(ब) लि का सं १८७१।

प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।
सं १ –१ क।

(भ) लि का सं १८७६।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर नई मंडी मुजफ्फरनगर।→र्द १ –१ प।

(म) लि का सं १८७७।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→र्द १ –१ छ।

(य) प्रा —लाला ऋषभदास जैन महोना डा इटौंजा (लखनऊ)। →
२६–४६ ती।

(र) प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→र्द ४-२६६ ख ग।

पारसनाथ स्तुति (पद्य)—द्यानतराय कृत। लि का सं १८५६। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —स्व रघुवरदत्त शर्मा मरोला दिल्ली।→दि ३१–३१।

पार्श्वनाथ स्तोत्र (भाषा) (टीका) (गद्य)—विजयवर्धमान सूरि कृत। लि का सं१ १७ १। वि पार्श्वनाथ जी की स्तुति।

प्रा —महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली।→दि ४१–४६।

पार्श्वपुराण (भाषा)→'पार्श्वनाथ पुराण (भूधरदास जैन कृत)।

पालने के पद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि कृष्ण को सुलाने की लोरियाँ।

प्रा०—श्री बिहारीलाल ब्राह्मण नईगोकुल गोकुल (मथुरा)।→१५-२६२।

पावस (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि वर्षा वर्णन।

(क) प्रा०—पं रघुवरसिंह मुनीम रिजवाली डा शिकोहाबाद (मैनपुरी)।
→१२-१६६ आई।

(ख) प्रा —पं सियाराम शर्मा करहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→
१२-१६६ बी।

पावस (पद्य)—विविध कवि (पद्माकर देव, घनानंद आदि) कृत। वि वर्षा वर्णन।

प्रा०—पं दयाराम मिश्र, करहरा डा सिरसागंज (मैनपुरी)।→१५-२६३।

पावस पचीसी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावतसिंह) कृत। वि० पावस में कृष्ण विहार।

प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखम्भा, वाराणसी।→०१-१२१ (दस)।

पावस पच्चीसी (पद्य)—नाथ (कवि) कृत। र० का० स० १६३७। वि० वर्षा ऋतु वर्णन।

प्रा०—प० परशुराम चतुर्वेदी एम० ए०, एल० एल० बी०, वकील, बलिया।→४१-१२६।

पाँसाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८६०। वि० शकुन।

प्रा०—श्री भगवतीप्रसाद उपाध्याय, लफावली, डा० ताजगज (आगरा)।→२६-४५०।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८१५। लि० का० स० १८१५। वि० शकुन।

प्रा०—प० द्वारकाप्रसाद प्रधानाध्यापक, बमरोली कटारा (आगरा)।→२६-४४७।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १८७१। वि० शकुन।

प्रा०—श्री नौबतराय गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६-४४६।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६१७। वि० शकुन।

प्रा०—श्री जैन मदिर, कायथा, डा० कोटला (आगरा)।→२६-४४८।

पासाकेवली (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६६६। वि० शकुन विचार।

प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-३८६।

पाहन परीछ्या (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। लि० का० स० १७८४। वि० मूल्यवान पत्थरों की परीक्षा का वर्णन।

प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।→स० ०१-१२६ थ।

पिंगल (पद्य)—गगदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।→प० २२-३०।

पिंगल (पद्य)—गगादास कृत। लि० का० सन् १२७६ साल। वि० छद शास्त्र।

प्रा०—श्री दुर्गाप्रसाद कुर्मी, सेहरी, डा० इटवा (बस्ती)।→स० ०४-५४ ख।

पिंगल (पद्य)—चद्र (चद्रदास) कृत। लि० का० सं० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—लाला माधवप्रसाद, छतरपुर।→०५-२०।

पिंगल (?) (पद्य)—चतुर्भुज कृत। वि० छद शास्त्र।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-६२।

पिंगल (पद्य)—अन्य नाम 'छदविचार', 'पिंगल छदविचार' और 'पिंगल भाषा'। चिंतामणि कृत। वि० छद शास्त्र।

(क) लि० का० स० १८३६।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१५१ (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० स० १८८५।

प्रा०—प० रामाधीन, गगादीन का पुरवा, डा० चरदा (बहराइच)।→२३-८० डी।

(ग) लि का सं १९२६।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→ १-१६।
(घ) प्रा —निमराना राज पुस्तकालय निमराना।→ १-५ ।
(ङ) प्रा —महाराज राजेंद्रप्रतापसिंह, भिनगा नरेश भिनगा (बहराइच)।
→११-८ ए।
(च) प्रा —रा नौनिहालसिंह काँथा (उन्नाव) ।→२३-८ ई।
(छ) प्रा —महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक दिल्ली ।→दि ११-१२।
(ज)→पं २२-२१।
पिंगल (पद्य)—हरिराम कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं शिवलाल वाजपेयी असनी (फतेहपुर) ।→२ -१ ।
पिंगल (पद्य)—रसाकृष्ण कृत। र का सं १८६८। लि का सं १८८८। वि
नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं परमानंद शर्मा बलदेव (मथुरा) ।→१७-८६ बी।
पिंगल (पद्य)—नाग कृत। लि का सं १७१ । वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —पं महादेवप्रसाद चतुर्वेदी अश्विनीकुमार का मंदिर असनी (फतेहपुर)।
→२ -१११।
पिंगल (पद्य)—प्रवीणराय (नागराज) कृत। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —लाला बद्रीदास वैश्य वृंदावन (मथुरा) ।→ २-११२।
पिंगल (पद्य)—नवनाथ कृत। र का सं १७१२। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८६७।
प्रा —बलियानरेश का पुस्तकालय बलिया।→ ६-१२१ (विवरण अप्राप्त)।
(ख) प्रा —पं जगन्नाथप्रसाद ठकुराइ का शिवरतनगंज (रायबरेली)।
→सं ८-१७२।
पिंगल (पद्य)—मकरंद कृत। लि का सं १६१८। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा —श्री वेदप्रकाश गर्ग १ बारीकान स्ट्रीट मुजफ्फरनगर।→सं १ -१ ५।
पिंगल (पद्य)—मुकुंदलाल कृत। वि छंद शास्त्र।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→सं १-१६८।
पिंगल (पद्य)—रतिभानसिंह कृत। वि छंद शास्त्र।
प्रा०—बाबू रामनारायण बिकानेर।→ ६-१२२ ई (विवरण अप्राप्त)।
पिंगल (पद्य)—राम (कवि) कृत। वि छंद शास्त्र।
प्रा - याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-११७ क।
पिंगल (पद्य)—रामचरणदास कृत। र का सं १८४१। वि नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महंत जानकीशरन अयोध्या।→ १-२४५ ए।
पिंगल (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। लि का सं १८७०। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—श्री राधाकृष्ण शास्त्री, भदोगी, डा० गड़वारा (प्रतापगढ़)। →
२६-४६५ एफ।

पिंगल (पद्य)—सुवस (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १८६१। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—श्री ब्रजभूषण, दानपालपुर, डा० तबौर (सीतापुर)।→२६-४७१ सी।
(ख) लि० का० सं० १८६४।
प्रा०—महाराज प्रकाशसिंह जी, मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-४७१ डी।
(ग) प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय, बलरामपुर।→०६-३०६।

पिंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-४७०।

पिंगल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-४७१।

पिंगल→'छंदसार पिंगल' (मतिराम कृत)।

पिंगल→'छंदसार पिंगल' (शिवप्रसाद कृत)।

पिंगल→'पिंगल रामायण' (झामदास कृत)।

पिंगल→'वृत्तविचार' (दशरथ कृत)।

पिंगल (भाषा)→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र कृत)।

पिंगल काव्य विभूषण (गद्यपद्य)—समनसिंह बख्शी (समनेश) कृत। र० का० सं० १८७६। वि० छंदशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८८६।
प्रा०—बख्शी हनुमानप्रसाद, रीवाँ।→००-४२।
(ख) प्रा०—श्री गयाप्रसाद कायस्थ, नौबस्ता, डा० लालगंज (प्रतापगढ)।
→सं० ०४-४०३।

पिंगल चिंतामणि→'पिंगल' (चिंतामणि कृत)।

पिंगल छंद (पद्य)—नारायणदास कृत। वि० छंदशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १८४५।
प्रा०—पं० शिवरतन पांडे, रामनगर, डा० मिश्रिख (सीतापुर)।→२६-३२३।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-७८ सी।

पिंगल छंद विचार (पद्य)—अन्य नाम 'पिंगल हिम्मतसिंह' और 'वृत्तविचार'। सुखदेव (मिश्र) कृत। वि० पिंगल।
(क) लि० का० सं० १८७१।
प्रा०—पं० शिवनारायण बाजपेयी, बाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच)।
→२३-४१२ के।
(ख) लि० का० सं० १६०७।

प्रा —मिनगानरेश का पुस्तकालय, मिनगा, बहराइच।→११-४१२ एफ।

(ग) लि का सं १९२।

प्रा —ठा लालबहादुर सिंह नगवानपुर का बिसवाँ (सीतापुर)।→११-४१२ एच।

(घ) प्रा —महाराज बनारस के पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)। → १-१३१।

(क) प्रा —लाला कुंदनलाल बिजावर।→ ६ २४ बी (विवरण अप्राप्त)।

(च) प्रा —श्री मगन जी उपाध्याय मन्द मथुरा।→१७-१८३ डी।

(छ) प्रा —बख्शी गयाप्रसाद जी उपरहटी रीवाँ।→सं -११।

पिंगल छंद विचार→ पिंगल (चिंतामणि कृत)।

पिंगल छंद कोश (पद्य)—शिव (कवि) कृत। लि का सं १९२१। वि पिंगल।

प्रा —ठा अमरामसिंह, मिरजापुर का महमूदाबाद (सीतापुर)।→२१ १६१।

पिंगल भाषार्णव (गद्यपद्य)—रघुवीरसिंह (राजा) कृत। र का सं १८८४। वि पिंगल।

(क) लि का सं १८५१।

प्रा —लाला परमानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→ ६-११६ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि का सं १९२१।

प्रा —ठा मोहनलालसिंह का विश्वनाथ पुस्तकालय बिकौनिया का बिसवाँ (सीतापुर)।→११ ११२ सी।

(ग) मु का सं १९२।

प्रा —श्री रविशिवनारायण शुक्ल मीरपहाँपुर, डा भिवारा (इलाहाबाद)।→ सं १-११८।

पिंगल पीयूष (पद्य)—मुरलीधर (मिश्र) कृत। र का सं १८११। वि छंदशास्त्र।

(क) लि का सं १९ १।

प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ।→२१-१८८ बी।

(ख) लि का सं ११ १।

प्रा —डा भवानीशंकर याज्ञिक प्राचीन हाइजीन इंस्टीट्यूट, मेडिकल कालेज लखनऊ।→सं ४ १ १ ल।

पिंगल प्रकरण (पद्य)—गोप (कवि) कृत। लि का सं १९५८। वि छंदशास्त्र।

प्रा —लाला परमानंद पुरानी टेहरी टीकमगढ़।→ ६ ३६ बी।

पिंगल प्रकाश (पद्य)—नंदकिशोर कृत। र का सं १८५८। वि पिंगल।

(क) प्रा—सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१३ ।

(ख) प्रा —महंत रामवल्लभलाल लक्ष्मणकिला अयोध्या।→२ -११४।

पिंगलबैल की कथा (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि पंचाख्यान के अंतर्गत पिंगल बैल की कथा का वर्णन।

लो सं वि ७२ (११ -६४)

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→ग० ०१-१३२।

पिंगल मंजरी (पद्य)—रामसिंह (पंडित) कृत। लि० का० सं० १६१६। वि० छंदशास्त्र।
प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८-१२३।

पिंगल मनहरन (पद्य)—बलवीर कृत। र० का० सं० १७४१। वि० छंदशास्त्र।
प्रा०—सेवक मदनमोहनलाल, जोधपुर।→०१-८२।

पिंगल मात्रा→'पिंगलछंद' (नारायणदास कृत)।

पिंगलमात्रा प्रस्तार (पद्य)—गुरुदीन कृत। वि० छंदशास्त्र।
प्रा०—श्री देवीप्रसाद मिश्र, मोहनलालगंज, लखनऊ।→सं० ०४-६६।

पिंगल रामायण (पद्य)—श्यामदास कृत। र० का० सं० १८९८। वि० रामायण की कथा और छंदशास्त्र।
(क) लि० का० सं० १६०१।
प्रा०—पं० शिवदत्त वाजपेयी, मोहनलाल गंज (लखनऊ)।→२६-२०८ ए।
(ख) लि० का० सं० १६३६।
प्रा०—पं० शिवकंठ वाजपेजी, बुफारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-२०८ बी।
(ग) प्रा०—पं० शिवदयाल दीक्षित, द्वारा पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३-१६२।

पिंगल रूपदीप (पद्य)—जयकृष्ण (भोजग) कृत। लि० का० सं० १७७६। वि० पिंगल।
प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →४१-४६८ (अप्र०)।

पिंगलवृत्त विचार→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र)।

पिंगलसार (पद्य)–गिरिधारीलाल कृत। लि० का० सं० १७६६। वि० छंदशास्त्र।
प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचौराघाट (आगरा)।→२६-११८।

पिंगल हिम्मतसिंह→'पिंगल छंद विचार' (सुखदेव मिश्र कृत)।

पिऊ (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अध्यात्म रूपक में ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० १०-१६६।

पिय पहचानवे को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ सी'।

पीतमदास—किसी बैजनाथ के आश्रित। सं० १८८८ के लगभग वर्तमान।
अकफौतूहल (पद्य)→सं० ०४-२०६।

पीतमवीर विलास (पद्य)—चंदन कृत। र० का० सं० १८६५। वि० नायिकाभेद और रस।

प्रा —कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, सीतापुर ।→१९-१४ डी ।

पीतांबर—नंदलाल के पुत्र । छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) निवासी । सं १७ २ के लगभग वर्तमान ।

रसविलास (पद्य)→१२-१२८ ।

पीतांबर—सं १८ १ के लगभग वर्तमान ।

जैमिनिपुराण (गद्यपद्य)→ ५-४१ ।

पीतांबर—(?)

रामकलेवा (पद्य)→सं ४-२ ७ ।

पीतांबरदास—स्वा हरिदास के शिष्य । वृंदावन निवासी । सं १८ १ के पूर्व वर्तमान ।→पं २२-३७ ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)→ ५-४७ ११-२२९ २१-३१५ बी ।

रसपद (पद्य)→१२-१३५ बी ।

समयप्रबंध (पद्य)→२१-३१५ सी ।

हरिदासजी के पदन की टीका (पद्य)→२१-३१५ ए, १२-१३५ ए ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)—पीतांबरदास कृत । वि गुरुमहिमा राधाकृष्ण का अष्टयाम केश लीला और प्रेम आदि ।

(क) लि का सं १९३ ।

प्रा —बाबू भगवानप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर । → ५-४७ ।

(ख) प्रा —महंत भगवानदास टट्टी स्थान वृंदावन (मथुरा) । → ११-२११

(ग) प्रा —बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→२१-३१५ बी ।

पीतांबरराय—सं १८२९ के पूर्व वर्तमान ।

स्वप्न विचार (पद्य)→सं ४-२ ८ ।

पीपा—स्वामी रामानंद के शिष्य । गागरौनगढ़ के राजा । विरक्त भक्त । १५वीं शताब्दी में वर्तमान ।

चितावणी जोग (ग्रंथ)→सं ७-११४ क ।

पद (पद्य)→सं १ -७८ क ।

पीपाजी की बानी (पद्य)→ ६-२१४; ४१-५११ (प्रथम); सं ७-११४ ख ।

साखी (पद्य)→सं १ -७८ ख ।

पीपाजी की कथा (पद्य)—प्रियादास कृत । र का सं १७६९ । लि का सं १८७६ । वि पीपा जी की जीवनी ।

प्रा —रा कामसिंह संगागोत्र का राजा का रामपुर (एटा) । → २१-२७१ सी ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉकरोली।→स० ०१-१३२।

पिंगल मंजरी (पद्य)—रामसिंह (पंडित) कृत। लि० का० स० १६१६। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८-१०३।

पिंगल मनहरन (पद्य)—बलबीर कृत। र० का० सं० १७४१। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—सेवक मदनमोहनलाल, जोधपुर।→०१-८२।

पिंगल मात्रा→'पिंगलछंद' (नारायणदास कृत)।

पिंगलमात्रा प्रस्तार (पद्य)—गुरुदीन कृत। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—श्री देवीप्रसाद मिश्र, मोहनलालगंज, लखनऊ।→स० ०४-६६।

पिंगल रामायण (पद्य)—श्यामदास कृत। र० का० स० १८१८। वि० रामायण की कथा और छंदशास्त्र।

(क) लि० का० स० १६०१।

प्रा०—पं० शिवदत्त बाजपेयी, मोहनलाल गंज (लखनऊ)।→२६-२०८ ए।

(ख) लि० का० स० १६३६।

प्रा०—पं० शिवकंठ बाजपेजी, बुझारा, डा० जैतीपुर (उन्नाव)।→२६-२०८ बी।

(ग) प्रा०—पं० शिवदयाल दीक्षित, द्वारा पं० भगीरथप्रसाद दीक्षित, मई, डा० बटेश्वर (आगरा)।→२३-१६७।

पिंगल रूपदीप (पद्य)—जयकृष्ण (भोजग) कृत। लि० का० स० १७७६। वि० पिंगल।

प्रा०—भारत कला भवन, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। →४१-४६८ (अप्र०)।

पिंगलवृत्त विचार→'वृत्तविचार पिंगल' (सुखदेव मिश्र)।

पिंगलसार (पद्य)—गिरिधारीलाल कृत। लि० का० स० १७६६। वि० छंदशास्त्र।

प्रा०—पं० छोटेलाल शर्मा, कचौराघाट (आगरा)।→२६-११८।

पिंगल हिम्मतसिंह→'पिंगल छंद विचार' (सुखदेव मिश्र कृत)।

पिंड (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अध्यात्म रूपक में ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० १०-१६६।

पिय पहचानवे को अंग (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ज्ञान।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ सी।

पीतमदास—किसी बैजनाथ के आश्रित। स० १८८८ के लगभग वर्तमान।

अंकफौतूहल (पद्य)→स० ०४-२०६।

पीतमवीर विलास (पद्य)—चंदन कृत। र० का० स० १८६५। वि० नायिकाभेद और रस।

प्रा —कुँवर रामरवरसिंह जमींदार सीतापुर ।→१९-१४ डी ।

पीतांबर—नंदलाल के पुत्र । छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश) निवासी । सं १७ २ के लगभग वर्तमान ।

रसविलास (पद्य)→१२-१३८ ।

पीतांबर—सं १८ १ के लगभग वर्तमान ।

जैमिनिपुराण (गद्यपद्य)→०५-४१ ।

पीतांबर—(?)

रामकलेवा (पद्य)→सं ४-२ ७ ।

पीतांबरदास—स्वा हरिदास के शिष्य । वृंदावन निवासी । सं १८ १ के पूर्व वर्तमान ।→पं २२-१७ ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)→ ५-४७ १२-१३६ २१-३१५ बी ।

रसपद (पद्य)→१२-१६५ बी ।

समयप्रबंध (पद्य)→२१-३१५ सी ।

हरिदासजी के पदन की टीका (पद्य)→२१-३१५ ए, १२-१६५ ए ।

पीतांबरदास की बानी (पद्य)—पीतांबरदास कृत । वि गुरुमहिमा राधाकृष्ण का ब्रजधाम सेवा लीला और प्रेम आदि ।

(क) लि का सं १६९२ ।

प्रा०—बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान अर्थ लेखक (हेड एकाउंटेंट), छतरपुर । → ५-४७ ।

(ख) प्रा —महंत माधवदास टट्टी स्थान वृंदावन (मथुरा)। → १२-१३६

(ग) प्रा०—बाबू श्यामकुमार निगम रायबरेली ।→२१-३१५ बी ।

पीतांबरराय—सं १८२६ के पूर्व वर्तमान ।

स्वप्न विचार (पद्य)→सं ४ १ ८ ।

पीपा—स्वामी रामानंद के शिष्य । गागरौनगढ़ के राजा । विरक्त भक्त । १५वीं शताब्दी में वर्तमान ।

चितावणी जोग (ग्रंथ)→सं ७-११४ क ।

पद (पद्य)→सं १ -७८ क ।

पीपाजी की बानी (पद्य)→ ६-२२४ ४१-५११ (घास) सं ०७-११४ ख ।

साखी (पद्य)→सं १ -७८ ख ।

पीपाजी की कथा (पद्य)—प्रियादास कृत । र का सं १७६९ । लि का सं १८७६ । वि पीपा जी की जीवनी ।

प्रा —ठा बालसिंह गंगावंश ग्रा पत्रा का रामपुर (एटा)। → २६-२७१ सी ।

पीपाजी की कथा→'पीपाजी की परिचई (अनतदास कृत) ।

पीपाजी की परिचई (पद्य)—अन्य नाम 'पीपाजी की कथा'। अनतदास कृत। र० का० स० १६४५। वि० पीपा जी का जीवन वृत्त।

(क) लि० का० स० १७४०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२ न।
(ख) लि० का० स० १७८६।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-६।
(ग) लि० का० स० १८२६।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ।→०६-१२८ प (विवरण अप्राप्त)।
(घ) लि० का० स० १८५६।
प्रा०— नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२ छ।
(ङ) प्रा०—श्री ज्ञानसिंह, माधोपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-१८ सी।

पीपाजी की बानी (पद्य)—पीपा कृत। वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश।

(क) लि० का० स० १८५५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-५१५ (अप्र०)।
(ख) लि० का० स० १८५५।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-११४ ख।
(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६-२२४।

पीयूष प्रवाह (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० पशु चिकित्सा और वैद्यक।

प्रा०—प० भगवतीप्रसाद त्रिगुणायत, तरदहा, डा० पट्टी (प्रतापगढ)। → २६-४८ (परि० ३)।

पीयूष रत्नाकर (पद्य)—जगन्नाथ (सुखसिंधु) कृत। वि० नायिकाभेद।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल, टिगोरा, गोकुल (मथुरा)।→१२-८०।
(ख) प्रा० श्री घुर्रीमल लटूरचद मोदी, गोकुल (मथुरा)।→३८-६८।

पुकार (पद्य)—कबीरदास कृत। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—प० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर)।→०६-१४३ डी।

पुकारपचीसी (पद्य)—देवीदास कृत। वि० जिनराज की स्तुति।→२६-६६।

पुण्यपचीसी→'पुन्यपचीसिका' (भगौतीदास भैया कृत)।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (पद्य)—जियराज भाधसिंह (जैन) कृत। र० का० स० १७६२। वि० जैनग्रथ 'पुण्याश्रव कथा कोश भाषा' का अनुवाद।

(क) लि० का० स० १७६६।
प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→स० १०-४४।
(ख) लि० का० स० १८३६।

प्रा॰—दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।
→र्द ४-१११ ग।
(ग) लि का सं १८६४।
प्रा —उपर्युक्त।→र्द ४-१११ क।
(घ) लि का सं १९११।
प्रा —उपर्युक्त।→र्द ४-१११ ख।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (गद्य)—दौलतराम कृत। र का सं १७७७। वि जैन रचना पुण्याश्रव कथा कोश का अनुवाद।
(क) लि का सं १८८६।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।
→र्द ४-११८ च।
(ख) लि का सं १५९।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→र्द १ -९ छ।
(ग) लि का सं १८८०।
प्रा॰—उपर्युक्त।→र्द ४-११८ ङ।
(घ) प्रा॰—उपर्युक्त।→र्द ४-११८ च।
(ङ) प्रा —उपर्युक्त।→र्द ४-११८ छ।
(च) प्रा॰—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→र्द १ -९ च छ।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (गद्यपद्य)—रामचंद्र (मुमुक्षु) कृत। र का सं १७७२। वि जैनधर्म की विविध कथाएँ।
(क) लि का सं १९१४।
प्रा —श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३-११८।
(ख) प्रा —श्री जैनमंदिर रायमल्ल का अकबरा (आगरा)। → ३२-१७४ ए।

पुन्यपचीसिका (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत। र का सं १७५१। वि ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा — श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।→र्द ४-२५३ ख।
(ख)→२६-५४।

पुन्यशतक (पद्य)—गोपालदास (चारण) कृत। वि राजाओं को प्रजा पर न्याय पूर्वक राज्य करने का उपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा बाराणसी।→४१-१७ ग।

पुन्याश्रव वचनका→ पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (दौलतराम कृत)।

पीपाजी की कथा→'पीपाजी की परिचई' (अनंतदास कृत) ।

पीपाजी की परिचई (पद्य)—अन्य नाम 'पीपाजी की कथा' । अनंतदास कृत । र० का० सं० १६४५ । वि० पीपा जी का जीवन वृत्त ।

(क) लि० का० सं० १८४० ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३ न ।

(ख) लि० का० सं० १७८६ ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कॉकरोली ।→सं० ०१-६ ।

(ग) लि० का० सं० १८२६ ।

प्रा०—टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→०६-१२८ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(घ) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-३ क ।

(ङ) प्रा०—श्री ज्ञानसिंह, माधोपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर) ।→२३-१८ बी ।

पीपाजी की बानी (पद्य)—पीपा कृत । वि० निर्गुण मतानुसार ज्ञानोपदेश ।

(क) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-५१५ (अप्र०) ।

(ख) लि० का० सं० १८५५ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० ०७-११४ ख ।

(ग) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-२२४ ।

पीयूष प्रवाह (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० पशु चिकित्सा और वैद्यक ।

प्रा०—पं० भगवतीप्रसाद त्रिगुणायत, तरदहा, डा० पट्टी (प्रतापगढ़) । → २६-४८ (परि० ३) ।

पीयूष रत्नाकर (पद्य)—जगन्नाथ (सुखसिंधु) कृत । वि० नायिकाभेद ।

(क) प्रा०—श्री जगन्नाथलाल, टिगोरा, गोकुल (मथुरा) ।→१२-८० ।

(ख) प्रा० श्री घुर्रीमल लटूरचंद मोदी, गोकुल (मथुरा) ।→३८-६८ ।

पुकार (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ईश्वर विनय ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६-१४३ डी ।

पुकारपचीसी (पद्य)—देवीदास कृत । वि० जिनराज की स्तुति ।→२६-६६ ।

पुण्यपचीसी→'पुन्यपचीसिका' (भगौतीदास भैया कृत) ।

पुण्याश्रव कथा कोश (भाषा) (पद्य)—जिवराज भाधसिंह (जैन) कृत । र० का० सं० १७६२ । वि० जैनग्रंथ 'पुण्याश्रव कथा कोश भाषा' का अनुवाद ।

(क) लि० का० सं० १७६६ ।

प्रा०—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-४४ ।

(ख) लि० का० सं० १८३६ ।

प्रा —दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ।
→सं ४-१११ ग।
(घ) लि का सं १८६४।
प्रा —उपर्युक्त।→सं ४ १११ क।
(ङ) लि का सं १९११।
प्रा —उपर्युक्त।→सं ४-१११ ख।

पुण्यास्रव कथा कोश (भाषा) (गद्य)—दौलतराम कृत। र का सं १७७७। वि जैन रचना। पुण्यास्रव कथा कोश का अनुवाद।
(क) लि का सं १७८६।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर) चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ।
→सं ४-११८ घ।
(ख) लि का सं १९१ ।
प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→सं १ -९ छ।
(ग) लि का सं १८८०।
प्रा —उपर्युक्त।→सं ४-११८ क।
(घ) प्रा०—उपर्युक्त।→सं ४-११८ ख।
(ङ) प्रा —उपर्युक्त।→सं ४-११८ ङ।
(च) प्रा —दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर।→
सं १०-९ घ च।

पुण्यास्रव कथा कोश (भाषा) (गद्यपद्य)—रामचंद्र (मुमुक्षु) कृत। र का सं १७५२। वि जैनधर्म की विविध कथाएँ।
(क) लि का सं १९१४।
प्रा —श्री जैनमंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→११-११८।
(ख) प्रा०—श्री जैनमंदिर रायभा का अछनेरा (आगरा)। →
१२-१७४ ए।

पुन्यपचीसिका (पद्य)—भगौतीदास (भैया) कृत। र का सं १७११। वि ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा — श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ामंदिर), चूड़ीवाली गली चौक लखनऊ।→सं ४-२५१ ख।
(ख)→२१-५४।

पुन्यशतक (पद्य)—दीवालदास (कायस्थ) कृत। वि राजाओं को प्रजा पर न्याय पूर्वक राज्य करने का उपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-५७ ग।

पुन्यास्रव वचनिका→'पुण्यास्रव कथा कोश (भाषा) (दौलतराम कृत)।

पुरंदर (कवि)—रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह और उनके पुत्र राजा रघुराजसिंह के आश्रित। सं० १९१०-४१ के लगभग वर्तमान।

रघुराजविनोद (पद्य)→सं० ०४-२०६।

पुरदरमाया (पद्य)—मणिमडन (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १९४७। वि० इद्रजाल

प्रा०—बाबू सीताराम समारी, कला अध्यापक, हाई स्कूल, पन्ना। → ०६-२६१ (विवरण अप्राप्त)।

पुरातन कथा (पद्य)—व्रजवासीदास कृत। वि० यशोदा का श्रीकृष्ण को रामावतार की कथा सुनाना।

(क) प्रा०—लाला देवीराम पटवारी, अगर्साली (अलीगढ)।→२६-४६०।

(ख) प्रा०—प० छोटेलाल, भाऊपुरा, डा० जसवतनगर (इटावा)। →३५-१०६।

टि० प्रस्तुत पुस्तक को खो० वि० २६-४६० में भूल से अज्ञात कृत मान लिया गया है।

पुराने समय की प्रारंभिक शिक्षा की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—प० लाडिलीप्रसाद, धरवार, डा० बलरई (इटावा)।→३५-२७३।

पुरुषविलास रमैनी (पद्य)—मलूकदास कृत। वि० अध्यात्म।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-१९४ सी (विवरण अप्राप्त)।

पुरुष स्त्री की परीक्षा (गद्य)—अन्य नाम 'सामुद्रिक की टीका'। रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८६७। वि० सामुद्रिक।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०१-५३३।

पुरुष स्त्री सवाद→'चारों दिशाओं के सुखदुख' (गोपाललाल कृत)।

पुरुषार्थ सिध्युपाय टीका (गद्य)—दौलतराम कृत। र० का० सं० १८२७। वि० मोक्ष प्राप्ति का उपाय।

(क) लि० का० सं० १८८०।

प्रा०—दिगबर जैन पचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०-६० झ।

(ख) लि० का० सं० १८८३।

प्रा०—श्री सुखचद, जैन साधु, बहरौली, डा० चद्रपुर (आगरा)।→३२-४८ ए।

पुरुषोत्तम—वल्लभ सप्रदाय के गोस्वामी। सं० १८४१ के लगभग वर्तमान।

उत्सवनिर्णय (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ ह।

उत्सवमालिका (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ क।

उत्सव सेवा प्रणाली (उत्सवनिर्णय सहित) (गद्य)→१२-१३९ ए, सं० ०१-२०७च।

ख्याल (पद्य)→सं० ०७-११६।

द्रव्यशुद्धि (भाषा) (गद्य)→सं० ०१-२०७ ख।

द्वारिकाधीश के शृंगार (गद्य)→सं० ०१-२०७ घ।

भक्तमाल माहात्म्य (पद्य)→११-११२ बी।
वनयात्रा (पद्य)→सं० १-२ ७ ग।
टि० संभव है ये सभी रचनाएँ एक ही पुरुषोत्तम की न हों।

पुरुषोत्तम—फतेहचंद कायस्थ के आश्रित। सं० १७ ५ के लगभग वर्तमान।
रामविवेक (पद्य)→ १-८८।

पुरुषोत्तम—(?)
फूलमंजरी (पद्य)→सं० १-२ ९।

पुरुषोत्तम—(?)
[पिंगल तथा रसुरुद्र रतायन (पद्य)→सं० १-२ ९ सं० ४-२१।

पुरुषोत्तम (शुक्ल)—भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र की आज्ञा से इन्होंने सं० १९२१ में एक संग्रह तैयार किया था।
सुंदरीतिलक (पद्य)→२६-३६४।

पुरुषोत्तमदास—क्षेमानंद के पुत्र। अयोध्यांतर्गत गोमती के किनारे स्थित दावर के निवासी। किसी रघुनाथ के शिष्य। दावर ग्राम के वैसवंशी धनी राजा रूपमाल के समकालीन। सं० १६५८ के लगभग वर्तमान।
जैमिनिपुराण (पद्य)→२३-३२९ ए, बी सी २६-३६३; २९-२७४ सं० ४-२१ सं० ७-११५।
वैताल्सार (पद्य)→२६-२७५।

पुरुषोत्तमदास—संभवतः माधवदास के गुरु।
रागकल्पतरु (पद्य)→२ -११६।

पुरुषोत्तमदास—सं० १९५ के पूर्व वर्तमान।
दोहा (पद्य)→सं० ४-२११।

पुरुषोत्तमदास—(?)
सिंहासनबत्तीसी (पद्य)→सं० -३०८।

पुष्टिदृढ़ा (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० ८११। वि० भक्ति।
प्रा० —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→२०-१।

पुष्टि दृढ़ाव की वार्ता (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत। वि० पुष्टिमार्गी धर्मोपदेश।
(क) लि० का० सं० १९११।
प्रा० —श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा)।→१२-८१ बी।
(ख) प्रा० - सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरौली।→सं० १-८९ ड, ठ।

पुष्टिप्रवाह मर्यादा (गद्य)—हरिराय कृत। वि० वल्लभीय सिद्धांतों का वर्णन।
प्रा० —श्री प्रेमबिहारी जी का मंदिर, प्रेम सरोवर डा० बरसाना (मथुरा)।
→१२-८१ सी।

पुष्टि भगवद्दीय गुण मणिमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० ८६७। वि० चौरासी वैष्णवों की वार्ता।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कांकरोली।→स० ०१-५३४।

पुष्टिमार्ग के वचनामृत (गद्य)—गोकुलनाथ कृत। लि० का० स० १६०५। वि० पुष्टिमार्ग के सिद्धांत।
प्रा०—श्री राधेश्याम पुजारी, चौकी मोवर, डा० एतमादपुर (आगरा)। → ३२-६१ ए।

पुष्टिमार्गीय सेवा विधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—बाबा गोपालदास अग्रवाल, मंदिर चैतन्य महाप्रभु, चैतन्य रोड, वाराणसी।→४१-४३८।

पुष्पदंत पूजा (पद्य)—भाऊ (कवि) कृत। वि० जैन धर्म के तीर्थंकर पुष्पदंत की पूजा।
प्रा०—श्री जैन मंदिर, फिरावली (आगरा)।→३२-२२।

पुष्पवाटिका (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० शृंगार।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०४-४७२।

पुष्पांजलि पूजा जपमाल (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैन मतानुसार पंचपूजा विधान।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-११३।

पुहकर—कायस्थ। प्रतापपुर (मैनपुरी) निवासी। मोहनदास के पुत्र। इनके छै भाई थे—सुंदर, राघवरत्न, मुरलीधर, शंकर, मकरंदराय और सकतसिंह। स० १६७३ के लगभग वर्तमान।
रसरतन (पद्य)→०१-४८, ०६-२०८, १७-१४०, २०-१२८, प० २२-८४।

पुहुपावती (पद्य)—दुखहरन कृत। र० का० स० १७२६। लि० का० स० १८६७। वि० प्रेम कथा।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-१०५ ग।

पुहुपावती (पद्य)—हुसेनअली कृत। र० का० स० ११३८। वि० सूफी शैली पर लिखी गई प्रेम कथा।
प्रा०—श्री गोपालचंद्रसिंह, जिला न्यायाधीश, मेरठ।→सं० ०७-२१५।

पूजाजोग (ग्रंथ) (पद्य) —हरिदास कृत। र० का० सं० १५२०-४० के बीच। वि० आत्मिक ज्ञान।→प० २२-३७ जी।

पूजाविधि (?) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० भगवत पूजा विधान।
प्रा०—पं० खेमचंद, मेहरारा, डा० जलेसररोड (मथुरा)।→३५-२७२।

पूजाविधि (रामानुजीय संप्रदाय की) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८५५। वि० रामानुजीय संप्रदाय की सेवा पद्धति का वर्णन।
प्रा०—सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, कांकरोली।→सं० ०१-५३५।

पूजा विमास→'पूजाविलास (रसिकदास कृत)।

पूजा विलास (पद्य)—अन्य नाम 'पूजाविमास'। रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि पूजा भावना आदि के नियम।

(क) लि का सं १८५६।

प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२१८ बी (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि का सं १९२६।

प्रा०—पं राधाचंद्र बड़े चौबे मथुरा। १७-१६।

(ग) प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-९६।

पूजा विलस स→ पूजा विलास (रसिकदास कृत)।

पूतना विधान (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि स्त्रियों एवं बालकों की चिकित्सा।

(क) लि का सं ९४२।

प्रा —पं रामप्रसाद पांडे पुरहा डा माधोगंज (प्रतापगढ़)। → २९-४१ (परि १)।

(ख) प्रा०—पं वासुदेवसहाय कमालपुर डा माधोगंज (प्रतापगढ़)। २९-४१ (परि १)।

पूरणदास—बुरहानपुर के महंत के शिष्य। कबीरपंथी साधु। नागझिरिया निवासी। सं १८३४ के लगभग वर्तमान।

कबीर के बीजक की टीका (गद्यपद्य)→ ९-२ ए।

पूरणदास—कैराणा के महंत। दयाल जी के पश्चात् सं १८८१ में गद्दी पर बैठे थे।

पूरणदास की बानी (पद्य)→ १-३५।

पूरणदास—निरंजनी पंथी। ममोर निवासी।

पद (पद्य)→सं ७-११।

पूरणदास की बानी (पद्य)—पूरणदास कृत। वि भक्ति ज्ञान उपदेश आदि।

प्रा —श्री मारुवाद जोधपुर।→ १-३५।

पूरन—(?)

वाणीभूषण (गद्यपद्य)→२६-३६२ ए, बी।

पूरन (कवि)—सं १६७२ के लगभग वर्तमान।

वैमुनिपुराण (पद्य)→११-१७१।

पूरन (कवि)—(?)

यमुना लहरी (पद्य)→सं १-२१।

पूरन (मिश्र)—सं १७०० के लगभग वर्तमान। कोई दत्त नामक व्यक्ति इनके पुत्र के शिष्य थे।

माधवार्दव (पद्य)→ ८-४१ सं ४-२११।

राम निरूपण (पद्य)→ ४-४२।

पूरनप्रताप (खत्री)—जमालपुर (पंजाब) निवासी। चरणदास के शिष्य। सं० १८२४ के लगभग वर्तमान।
आनंदसागर (पद्य)→२३–३२४।

पूर्णब्रह्म—पिता का नाम नागेश। सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान।
चिन्ह चिंतामणि (पद्य)→३२–१७२।

पूर्णमासी और शुक की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री पूर्णमासी और श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु के एक सेवक शुक पक्षी की वार्ता।
प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७–५७ (परि०३)।

पूर्णमासी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गुरुमाता के यहाँ राधाकृष्ण मिलन और विवाह का वर्णन।
प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–२७४।

पूर्वशृंगार खंड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १९५५। वि० राम विहार।
प्रा०—लाला परमानंद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ़।→०६–७९ (एए)।

पृथुकथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि० राजा पृथु की कथा।
प्रा०—राघवेश भारती भंडार (राज पुस्तकालय), रीवाँ।→००–१४७।

पृथ्वीचंद→'पृथ्वीसिंह (राजा)' (दतियानरेश दलपतिराव के पुत्र)।

पृथ्वीचंद गुणसागर गीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म के ऋषि पृथ्वीचंद गुणसागर का चरित्र।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००–९५।

पृथ्वोजस (पृथुयश)—वराहमिहिर के पुत्र।
षट्पंचाशिका ज्योतिष (पद्य)→२६–३५६।

पृथ्वोनाथ—गोरखपंथी। दरजी (सूत्रधार)। नामदेव और कबीर के पश्चात् वर्तमान। ये 'सिद्धों की बाणी' में भी संगृहीत हैं।→४१–१६, ४१–१३५।
भक्तिबैकूँठ जोग (ग्रंथ) (पद्य)→सं० ०७–११८ क।
सबदी (पद्य)→सं० १०–७९ क।
साधप्रष्या (पद्य)→सं० ०७–११८ ख, सं० १०–७९ ख।

पृथ्वीपालसिंह—पटियाला नरेश। जैकेहरि कवि के आश्रयदाता। सं० १८९० के लगभग वर्तमान।→०३–१०७।

पृथ्वीराज—चौहान वंश के अंतिम भारत सम्राट। दिल्ली और अजमेर में इनकी राजधानी थी। चंदबरदाई इनके मंत्री और राजकवि थे। महोबा के चंदेल राजा

परमाल और सम्भलपुर तथा कलिंजर के राजाओं को इन्होंने पराजित किया था। सं १२५ में मुहम्मद गोरी के द्वारा ये पराजित हुए थे और उसी के साथ युद्ध में इन्हें वीरगति प्राप्त हुई थी।→ -५६ -६२ •-६१ १-१८ १-१६; १४; १-४१ १ ४२ १-४३ १-४६ १-४७ २-७१ ६-१४६।

पृथ्वीराज—दतिया के राजा दलपतिराय के पुत्र। अक्षर अनन्य के आश्रयदाता। सं १७५४ १७६६ तक वर्तमान।→ ७५-१ १-२।

पृथ्वीराज (प्रधान)—बुंदेलखंड निवासी।

शालिहोत्र (पद्य)→ ९-६४।

पृथ्वीराज (राठौर)—बीकानेर नरेश कल्याणमल के पुत्र। महाराज रामसिंह के भाई। जन्मकाल सं १६ ६। बादशाह अकबर के दरबारी। इन्होंने महाराणा प्रताप सिंह को अकबर की अधीनता स्वीकार न करने के लिए कहा था। सं १६३७ के लगभग वर्तमान।

श्रीकृष्णदेव रुक्मिणी वेलि (पद्य)→ -८७ दि ११-६६ सं १-२११।

पृथ्वीराज (साँदू)—चारण। डिंगल भाषा के प्रवीण कवि। जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' में भी संग्रहीत।→ २-७२ (पंद्रह)।

अभयविलास (पद्य)→ ११-११६।

पृथ्वीराजराय पदमावती समयो→'पृथ्वीराजरासो (चंदवरदाई कृत)।

पृथ्वीराजरासो (पद्य)—चंदवरदाई कृत। वि भारत के अंतिम हिंदू सम्राट महाराज पृथ्वीराज चौहान का जीवन वृत्त। (इस ग्रंथ में ६९ खंड हैं, जो समयो के नाम से प्रसिद्ध हैं)।

(क) लि का सं १८६९।

प्रा —पं मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या मथुरा।→ - २।

परमाल और पदमावती समयो

(ख) लि का सं १९११।

प्रा —ठा शिवकेशुसिंह हरिहरपुर के पास मरायमपुर तथा डा चितरसिया (बहराइच)।→११-७२ सी।

पदमावती समयो

(ग) लि का सं १८२२।

प्रा•—पं शिवलाल वाजपेयी असनी (फतेहपुर)।→१ ९५ बी।

(घ) लि का सं १९१५।

प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र गंधोली भारत हाउस लखनऊ। → १९ ७५ बी।

(ङ) लि का सं १९३४।

पूरनप्रताप (खत्री)--जगातपुर (पजाब) निवासी। नरसुनारा के शिष्य। सं० १८२४ के लगभग वर्तमान।
आनदसागर (पद्य)→२३-३२४।

पूर्णब्रह्म--पिता का नाम नागेश। सं० १७६६ के पूर्व वर्तमान।
चिन्ह चितामणि (पद्य)→३२-१७२।

पूर्णमासी और शुक की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० श्री पूर्णमासी और श्री वल्लभाचार्य महाप्रभु के एक सेवक शुक पक्षी की वार्ता।
प्रा०—श्री देवकीनदनाचार्य पुस्तकालय, कामवन, भरतपुर।→१७-५७ (परि०३)।

पूर्णमासी की वार्ता (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० गुरुमाता के यहाँ राधाकृष्ण मिलन और विवाह का वर्णन।
प्रा०—श्री शकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५-२७४।

पूर्वशृगार खड (पद्य)—नवलसिंह (प्रधान) कृत। लि० का० सं० १९५५। वि० राम विहार।
प्रा०—लाला परमानद, पुरानी टेहरी, टीकमगढ।→०६-७६ (एए)।

पृथुकथा (पद्य)—जयसिंह (जू देव) कृत। वि० राजा पृथु की कथा।
प्रा०—बाधवेश भारती भडार (राज पुस्तकालय), रीवाँ।→००-१४७।

पृथ्वीचद→'पृथ्वीसिंह (राजा)' (दतियानरेश दलपतिराव के पुत्र)।

पृथ्वीचद गुणसागर गीत (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० जैनधर्म के ऋषि पृथ्वीचद गुणसागर का चरित्र।
प्रा०—विद्याप्रचारिणी जैन सभा, जयपुर।→००-९५।

पृथ्वोजस (पृथुयश)—वराहमिहिर के पुत्र।
षट्पंचाशिका ज्योतिष (पद्य)→२६-३५९।

पृथ्वीनाथ—गोरखपथी। दरजी (सूत्रधार)। नामदेव और कबीर के पश्चात् वर्तमान। ये 'सिद्धों की वाणी' में भी सगृहीत हैं।→४१-१६, ४१-१३५।
भक्तिबैकूँठ जोग (ग्रथ) (पद्य)→सं० ०७-११८ क।
सबदी (पद्य)→सं० १०-७६ क।
साधप्रष्या (पद्य)→सं० ०७-११८ ख, सं० १०-७६ ख।

पृथ्वीपालसिंह—पटियाला नरेश। जैकेहरि कवि के आश्रयदाता। सं० १८९० के लगभग वर्तमान।→०३-११७।

पृथ्वीराज—चौहान वश के अतिम भारत सम्राट। दिल्ली और अजमेर में इनकी राजधानी थी। चंदबरदाई इनके मत्री और राजकवि थे। महोबा के चंदेल राज

धीरज्ञ समयो

(ग) प्रा टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ़ ।→ ६–१४६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

गाजर युद्ध समयो

(ज) प्रा —श्री रघुनाथप्रसाद चौधरी, दर्शन पथ ।→ ६–१४९ बी (विवरण अप्राप्त) ।

रासो के अंतिम सात खंड

(ख) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–४४ ।

पीराम खंड

(ग) लि का सं १६१६ ।

प्रा•—ठा भिकसिंह, नरायनपुर तथारा हरिहरपुर के पास, डा भिलविसिया (बहराइच) ।→२६–७२ डी ।

पैंसठ पर्व

(ख) लि का सं १६४ ।

प्रा —पं मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या मथुरा ।→००–११ ।

प्रकटातीत पर्व

(म) प्रा•—एशियाटिक सोसायटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–४६ ।

पैंतीस पर्व

(म) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–४५ ।

बत्तीस पर्व

(ब) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–४३ ।

छब्बीस पर्व

(ट) प्रा एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–४२ ।

बीस पर्व

(क) लि का सं १८७० ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता । → १–४१

अठारह पर्व

(म) लि का सं १८७० ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १–१८ ।

(छ) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१–४६३ क (अप्र) ।

बारह पर्व

(म) लि का सं १८७० ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→०१–४ ।

दस पर्व

(क) लि का सं १८७० ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-७२ बी ।

(च) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—श्री बाबूलाल प्यारेलाल, माखन जी का पुस्तकालय, सतगढ (मथुरा) । →१७-३५ ।

(छ) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-१४६ डी (विवरण अप्राप्त) ।

कैमासवध समयो

(ज) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ । →०६-१४६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

कन्नौज समयो

(झ) लि० का० स० १६२५ ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-८७ ।

(ञ) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, नरायनपुर तपरा, हरिहरपुर के पास, डा० चिलबलिया (बहराइच) ।→२३-७२ ई ।

(ट) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२-७१ ।

धीर को समयो

(ठ) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-१४६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

बड़ी बेड़ी को समयो

(ड) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६-१४७ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(ढ) लि० का० स० १८२२ ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०-२५ ए ।

महोबा को समयो

(ण) लि० का० स० १८७८ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ा बाजार, कालपी ।→००-५६ ।

(त) लि० का० सं० १६२४ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२३-७२ ए ।

(थ) प्रा०—श्री रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ, पन्ना ।→०६-१४६ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

आल्हाखंड समयो

(द) लि० का० स० १६१६ ।

प्रा०—प० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ । → २६-७५ ए ।

मोरछा समयी

(प) प्रा टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ ।→ ६-१४६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

गाजर पुष्ट समयो

(न) प्रा —श्री रघुनाथदास चौधरी सर्राफ पन्ना ।→ ६-१४६ सी (विवरण अप्राप्त) ।

रानी के अंतिम लाल खंड

(प) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-४४ ।

पीराम खंड

(फ) लि का सं १६१६ ।

प्रा•—ठा विक्रमेन्द्रसिंह नरायनपुर उवारा हरिहरपुर के पास, डा बिलासिया (महाराष्ट्र) ।→२३-७२ डी ।

पैंसठ पर्व

(ब) लि का सं १६४ ।

प्रा —पं मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या मथुरा ।→• ६६ ।

भड़तालीस पर्व

(भ) प्रा•—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-४६ ।

पैंतीस पर्व

(म) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-४५ ।

बत्तीस पर्व

(य) प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-८३ ।

छब्बीस पर्व

(र) प्रा एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-४२ ।

बीस पर्व

(ल) लि का सं १८७७ ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता । → १-४१

अठारह पर्व

(व) लि का सं १८७७ ।

प्रा —एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→ १-३८ ।

(श) प्रा —पुस्तक प्रकाश जोधपुर ।→४१-४६६ क (प्राम)।

बारह पर्व

(ष) लि का सं १८७७ ।

प्रा•—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल कलकत्ता ।→•१-४ ।

दस पर्व

(स) लि का सं १८७७ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह, काँथा (उन्नाव) ।→२३–७२ बी ।

(च) लि० का० स० १६२६ ।

प्रा०—श्री बाबूलाल प्यारेलाल, माखन जी का पुस्तकालय, सतगढ (मथुरा) । →१७–३५ ।

(छ) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–१४६ डी (विवरण अप्राप्त) ।

कैमासवध समयो

(ज) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ । →०६–१४६ बी (विवरण अप्राप्त) ।

कन्नौज समयो

(झ) लि० का० सं० १६२५ ।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१–५७ ।

(ञ) लि० का० स० १६३६ ।

प्रा०—ठा० चित्रकेतुसिंह, नरायनपुर तपरा, हरिहरपुर के पास, डा० चिलवलिया (बहराइच) ।→२३–७२ ई ।

(ट) प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय, जोधपुर ।→०२–७१ ।

धीर को समयो

(ठ) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–१४६ ए (विवरण अप्राप्त) ।

बड़ी वेड़ी को समयो

(ड) प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–१४७ ई (विवरण अप्राप्त) ।

(ढ) लि० का० स० १८२२ ।

प्रा०—पं० शिवलाल वाजपेयी, असनी (फतेहपुर) ।→२०–२५ ए ।

महोबा को समयो

(ण) लि० का० स० १८७८ ।

प्रा०—लाला राधाकृष्ण, बड़ा बाजार, कालपी ।→००–५६ ।

(त) लि० का० स० १६२४ ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) ।→२३–७२ ए ।

(थ) प्रा०—श्री रघुनाथदास चौधरी, सर्राफ, पन्ना ।→०६–१४६ एफ (विवरण अप्राप्त) ।

आल्हाखंड समयो

(द) लि० का० स० १६१६ ।

प्रा०—पं० कृष्णविहारी मिश्र, नयागाँव, माडल हाउस, लखनऊ । → २६–७५ ए ।

रिंगौरा (पद्य)→ ६–८५ एम।
पेम—'कमाल दिम्पा' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संग्रहीत हैं। →
२–१७ (पचात)
पेमसागर (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का० सं १६६४। लि
का सं १७७८। वि प्रेम की विवेचना।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं १–१२६ ठ।
पेमुनामा (प्रेमनामा) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७५।
वि प्रेम वर्णन।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं १–१२६ प।
पोथी औषधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८२। वि वैद्यक।
प्रा —श्री बद्रीप्रसाद खारे ग्रा शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं ४–४७१।
पोथी नासकेत→ नासिकेत कथा प्रसंग (भगवतीदास द्विज कृत)।
पोथी प्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८७। वि शुभाशुभ फल
निर्णय।
प्रा — श्री रतिपाल द्विवेदी पश्चिम बिहारा, डा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।
→सं ४–४७४।
पोथी मैनसत के उत्तर (पद्य)—गंगाराम कृत। लि का सं १८१२। वि प्रेम
कथानक।
प्रा —श्री रामअनंद तिवारी हरखेरापुर, डा मरवारी (इलाहाबाद)।→
सं १ ७१।
पोद्दार→'पुष्कर' (रसरतन के रचयिता)।
प्यारेलाल (कश्मीरी)—कश्मीरी ब्राह्मण।
योगवाशिष्ठ (गद्य)→१९–२७१ ए।
शिवपुराण (भाषा) (गद्य)→१९–२७१ बी सी।
प्रकरण सागरन का (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट अयोध्या।→ ० १ ८ ई।
(ख) प्रा —बाबू राममनोहर त्रिपुरिया पुरानी बस्ती डा कटनी मुड़वारा
(जबलपुर)।→२६–३४२ ई
प्रकाशनिवास→'कृपानिवास' ('मूलना आदि के रचयिता)।
प्रकाशभक्ति रहस्य (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि का सं १६२२। वि
रामनाम की महिमा और उपदेश।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२ १ ब।
प्रगटप्रमाण (पद्य)—मलूकदास कृत। वि ज्ञान और वैराग्य। (संस्कृत ग्रंथानुवाद)।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन संग्रहालय इलाहाबाद।→ ४१–१८८।

प्रा०—एशियाटिक सोसाइटी आफ बंगाल, कलकत्ता ।→०१-३६ ।

तेईस प्रस्ताव

(ङ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ग (अप्र०) ।

बारह प्रस्ताव

(क') प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४ -४६३ ग (अप्र०) ।

आठ प्रस्ताव

(ख') प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ग (अप्र०) ।

तीन प्रस्ताव

(ग') प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१-४६३ ट (अप्र०) ।

पृथ्वीलाल—कायस्थ । भिंड (ग्वालियर) के निवासी । सं० १९१७ के लगभग वर्तमान ।

धन्वतरि स्तुति (पद्य)→२६-३६० ।

पन्चीकरन मन वोध (पद्य)→३२-१७० ए ।

वशविख्यात (पद्य)→३२-१७० बी ।

वृत्तरत्नाकर (पद्य)→३२-१७० सी ।

पृथ्वीसिंह—अन्य नाम पृथ्वीराज । महाराज उद्योतसिंह के पुत्र । ओड़छा नरेश । राज्यकाल सं० १७६२-१८०६ । दिग्गज, गोप कवि, कोविद और हरिसेवक मिश्र के आश्रयदाता ।→०३-३८, ०५-६०, ०६-३६, ०६-६२ ।

पृथ्वीसिंह—सोमवशी क्षत्री । अरवर (प्रतापगढ) के राजा । भिखारीदास के आश्रयदाता हिंदूपति के भाई । सं० १८०३ के लगभग वर्तमान ।→२०-१७ ।

पृथ्वीसिंह—कोटा नरेश । छत्रसाल के वशज । बदन कवि के आश्रयदाता । सं० १८०८ के लगभग वर्तमान ।→०५-१७ ।

पथ्वीसिंह (राजा)—अन्य नाम पृथ्वीचद । उप० रसनिधि । दतिया के राजा दलपतिराय के पुत्र । सेडँहा के जागीरदार । अक्षर अनन्य के आश्रयदाता । सं० १७१७ में वर्तमान ।→२०-४ ।

अरिल्लें (पद्य)→०५-७३, ०६-६५ एल ।

कवित्त (पद्य)→०६-६५ बी, एम ।

गीत संग्रह (पद्य)→०६-६५ डी ।

दोहा (पद्य)→०५-७४, ०५-७५, ०६-६५ ई, जे, ओ ।

बारहमासी (पद्य)→०६-६५ सी ।

रतनहजारा (पद्य)→०३-६४, २६-४०२ ।

रसनिधि की कविता (पद्य)→०६-६५ एच, आई ।

रसनिधि सागर (पद्य)→०६-६५ एफ, जी, पी ।

रससागर (पद्य)→१२-१५३ ।

विष्णुपद (पद्य)→०६-६५ के ।

विष्णुपद और कीर्तन (पद्य)→०६-६५ ए ।

हिंडोरा (पद्य)→ ९–६५ एन।

पेम—'रूपक दिप्या' नामक संग्रह ग्रंथ में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं। → १–६७ (पचात)

पेमसागर (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६६४। लि का सं १७५६। वि प्रेम की विवेचना।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं १–१२६ ठ।

पेमनामा (प्रेमनामा) (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र का सं १६७६। वि प्रेम वर्णन।
प्रा —हिंदुस्तानी एकाडमी इलाहाबाद।→सं १–१२६ प।

पोथी औषधि (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८६२। वि वैद्यक।
प्रा —श्री बद्रीप्रसाद खारे ग्रा शिवरतनगंज (रायबरेली)।→सं ४–४०१।

पोथी मासमेल → नासिकेत कथा प्रसंग (भगवतीदास रचित कृत)।

पोथी प्रश्न (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८७। वि शुभाशुभ फल निर्णय।
प्रा — श्री रविपाल द्विवेदी पश्चिम विसारा ग्रा मुसाफिरखाना (सुलतानपुर)।→सं ४–४७४।

पोथी मैनसत के उत्तर (पद्य)—गंगाराम कृत। लि का सं १८१२। वि प्रेम कथात्मक।
प्रा —श्री रामचंद्र तिवारी हरवेशपुर, ग्रा मरवारी (इलाहाबाद)।→सं १ ७१।

पोहकर→ पुष्कर' (रसरतन के रचयिता)।

प्यारेलाल (कश्मीरी)—कश्मीरी ब्राह्मण।
योगवासिष्ठ (गद्य)→२६–२७५ ए।
शिवपुराण (भाषा) (गद्य)→१६–२७१ बी सी।

प्रकरण सागरम का (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत। वि ज्ञानोपदेश।
(क) प्रा —सरस्वती भंडार लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→ ० १ ८ ई।
(ख) प्रा —बाबू रामनोहर मिश्रपुरिया पुरानी बस्ती ग्रा कटनी मुड़वारा (जबलपुर)।→१६–१४६ ई

प्रकाशनिवास→ 'कृपानिवास' (भावना आदि के रचयिता)।

प्रकाशभक्ति रहस्य (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि का सं १९२२। वि रामनाम की महिमा और उपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२ १ ब।

प्रगटज्ञान (पद्य)—मनूकदास कृत। वि ज्ञान और वैराग्य। (संस्कृत ग्रंथानुसार)।
प्रा —हिंदी साहित्य संमेलन संग्रहालय इलाहाबाद।→४१–१८८।

प्रगट बानी (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत । वि० कृष्ण लीला ।

(क) लि० का० स० १७९७ ।

प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर ।→०६-९० बी ।

(ख) प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या ।→१७-१०८ सी ।

(ग) प्रा०—मु० वशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ) । → २६-२९९ सी ।

(घ) प्रा०—प० घासीराम, बाजार सीताराम, ४६५ कूचा शरीफबेग, मुक्ताराम जी का मदिर, दिल्ली ।→दि० ३१-६१ ए ।

प्रगटविहार (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० कृष्ण की व्रज लीलाएँ ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-३९१ ।

प्रताप—कायस्थ । झाँसी निवासी । राव रामचद्र के समकालीन । स० १८७५ के लगभग वर्तमान ।

चित्र गुप्त प्रकाश (पद्य)→०६-९२ ए ।

श्रीवास्तवन के पटा को अष्टक (पद्य)→०५ ९२ बी ।

प्रताप (जैन)—(?)

मोक्षमार्ग निरूपण (पद्य)→२६-३५० ।

प्रतापकुँवर (बाई)—(?)

रामपदावली (पद्य)→४१-१३७ ।

प्रतापनारायण सेन→'मानसिंह (द्विजदेव)' ('शृंगार लतिका' के रचयिता) ।

प्रतापराय—स० १७७२ के लगभग वर्तमान ।

वैद्यकविधान (वैद्यक ,→२९-२७१ ।

प्रतापविनोद (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत । र० का० स० १९२६ । वि० पिंगल ।

(क) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर, डा० जैनबाजार (बहराइच) । →२३-३१ बी ।

(ख) प्रा०—श्री रामनाथबख्शसिंह, परसेंडी (सीतापुर) ।→२३-३१ सी ।

प्रतापशाह—धर्मदास के आश्रयदाता । स० १७११ के लगभग वर्तमान ।→१७-४८ ।

प्रतापसाहि—बंदीजन । रतनेश कवि के पुत्र । र० का० सं० १८८२-१८९६ । चरखारी (बुदेलखड) नरेश विक्रमसाहि और रत्नसिंह के आश्रित ।

अलकार चिंतामणि (पद्य)→०६-९१ ई ।

काव्यविनोद (पद्य)→०६-९१ एच ।

काव्यविलास (पद्य)→०५-८९, ०६-९१ बी, २६-३५१ ए, बी, सी, डी, ई, ४१-५१६ (अप्र०) ।

युगल नखशिख (पद्य)→ ५–५ ६–६१ आई ९–२७३।
जैसिंहप्रकाश (पद्य)→ ६ ६१ ए।
नखशिख (पद्य)→ –६१ के।
रतनचंद्रिका (गद्य)→ १ ६१ एफ।
रसराज तिलक (गद्यपद्य)→ १–६१ बी।
श्रीमद्भाग कौमुदी (गद्यपद्य)→ १–५२ १–६१ जे २०–१३२ २१–१३१ ए, बी सी डी।
शृंगारमंजरी (पद्य)→ १–६१ सी।
शृंगार शिरोमणि (पद्य)→ १–६१ डी।

प्रतापसाहि (सेंगर)—हरदेश (बघेलखंड) के राजा धर्मदास और प्रासादेव के आश्रयदाता। इनके पुत्र का नाम महासिंह था।→सं १–१७२।

प्रतापसिंह—छतरपुर (बुंदेलखंड) नरेश। फाजिलशाह के आश्रयदाता। सं १६ ९ के लगभग वर्तमान।→ ५–५६

प्रतापसिंह (महाराज —भरतपुर नरेश। महाराज बदनसिंह के पुत्र। सोमनाथ चुन्नीलाल रामराम और कृष्ण भट्ट (कलानिधि) के आश्रयदाता। सं १७९९–१८२४ के लगभग वर्तमान।→ ९–२९८ १२–१११; १७–६१ पं २२– १ २१–३११।

प्रतापसिंह (राजा)—(?)
राधागोविंद संगीतसार (पद्य) →१७ १९६।

प्रतापसिंह (सवाई)—उप ब्रजनिधि। जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के पौत्र और महाराज जगतसिंह के पिता। राज्यकाल सं १८३५ १८६ तक।
अनंतराम पद्माकर और रामनारायण (रसराशि) के आश्रयदाता→ १ १ १–६१ ६–६।
अमृतसागर (पद्य)→११–१२२ ए २६–३५२ ए, बी सी टी २९–२७२।
नीतिमंजरी (पद्य)→ १–२ ३ बी सं १–२१२ ल।
प्रेमप्रकाश (पद्य)→सं ? २१२ क।
मरकरीशतक (पद्य)→२१ १२२ बी।
वैराग्यमंजरी (पद्य)→ १–२ ५ सी सं १–२१२ ग।
शृंगारमंजरी (पद्य)→ १–२०५ ए, सं १–२१२ ल।
सनेह संग्राम (पद्य)→ –७८।
स्नेहविहार (पद्य)→पं २२–८१ सं १–२१२ म।

प्रतापसिंह (सवाई)—भरतपुर नरेश। शिवराम के आश्रयदाता। सं १८८० के लगभग वर्तमान।→१७–१७९।

प्रतिमा बहत्तरी (पद्य)—पामकराम कृत। र का सं १७८१। लि का सं १८८८। वि मूर्तिपूजा मंडन और पत्र।
खो सं वि ७४ (११ ६४)

प्रगट बानी (पद्य)—प्राणनाथ (महामति) कृत। वि० कृष्ण लीला।
(क) लि० का० स० १७६७।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-६० बी।
(ख) प्रा —सरस्वती भंडार, लक्ष्मणकोट, अयोध्या।→१७-१०८ सी।
(ग) प्रा०—मु० वंशीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ)। → २६-२६६ सी।
(घ) प्रा०—पं० घासीराम, बाजार सीताराम, ४६५ कूचा शरीफबेग, मुक्ताराम जी का मंदिर दिल्ली।→दि० ३१-६५ ए।

प्रगटविहार (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० कृष्ण की ब्रज लीलाएँ।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-३६१।

प्रताप—कायस्थ। भाँसी निवासी। राव रामचंद्र के समकालीन। सं० १८७५ के लगभग वर्तमान।
चित्र गुप्त प्रकाश (पद्य)→०६-६२ ए।
श्रीवास्तवन के पटा को अष्टक (पद्य)→०५ ६२ बी।

प्रताप (जैन)—(?)
मोक्षमार्ग निरूपण (पद्य)→२६-३५०।

प्रतापकुँवर (बाई)—(?)
रामपदावली (पद्य)→४१-१३७।

प्रतापनारायण सेन→'मानसिंह (द्विजदेव)' ('शृंगार लतिका' के रचयिता)।

प्रतापराय—सं० १७७२ के लगभग वर्तमान।
वैद्यकविधान (वैद्यक ,→२६-२७१।

प्रतापविनोद (पद्य)—बलदेवप्रसाद (अवस्थी) कृत। र० का० सं० १६२६। वि० पिंगल।
(क) प्रा०—ठा० प्रतापसिंह उमरावसिंह, अलीपुर, डा० जैनबाजार (बहराइच)। →२३-३१ बी।
(ख) प्रा०—श्री रामनाथबख्शसिंह, परसेंडी (सीतापुर)।→२३-३१ सी।

प्रतापशाह—धर्मदास के आश्रयदाता। सं० १७११ के लगभग वर्तमान।→१७-४८।

प्रतापसाहि—बंदीजन। रतनेश कवि के पुत्र। र० का० सं० १८८२-१८६६। चरखारी (बुंदेलखंड) नरेश विक्रमसाहि और रत्नसिंह के आश्रित।
अलंकार चिंतामणि (पद्य)→०६-६१ ई।
काव्यविनोद (पद्य)→०६-६१ एच।
काव्यविलास (पद्य)→०१-८६, ०६-६१ बी, २६-३५१ ए, बी, सी, डी, ई, ४१-५१६ (अप्र०)।

कुमार नखशिख (पद्य)→ ६-५ १-६१ आई ६-२२ ।
बैरीसिंहप्रकाश (पद्य)→ १ ६१ ए ।
नखशिख (पद्य)→० -६१ के ।
रसनर्चद्रिका (गद्य)→ १ ६१ एफ ।
रसराज तिलक (गद्यपद्य)→ १-६१ जी ।
मंगलाय कौमुदी (गद्यपद्य)→ १-५२ १-६१ जे २ -११२ २१-१११ ए, बी सी डी ।
शृंगारमंजरी (पद्य)→ १-६१ सी ।
शृंगार शिरोमणि (पद्य)→ १-६१ डी ।

प्रतापसाहि (सेंगर)—बहारखेरा (बघेलखंड) के राजा धर्मदास और आसामदेव के आश्रयदाता । इनके पुत्र का नाम महासिंह था ।→सं १-१७२ ।

प्रतापसिंह—छतरपुर (बुंदेलखंड) नरेश । फाजिलशाह के आश्रयदाता । सं १६ ५ के लगभग वर्तमान ।→ ५-५१

प्रतापसिंह (महाराज)—भरतपुर नरेश । महाराज बदनसिंह के पुत्र । सोमनाथ चुन्नीलाल रामराम और कृष्ण भट्ट (कलानिधि) के आश्रयदाता । सं १७६६-१ ६४ के लगभग वर्तमान ।→०१-२६८ १२-१११ १७-६१ पं २२- १ २१-१६६ ।

प्रतापसिंह (राजा)—(?)
राधागोविंद संगीतसार (पद्य) ०१७ १६६ ।

प्रतापसिंह (सवाई)—उप ब्रजनिधि । जयपुर के महाराज सवाई जयसिंह के पौत्र और महाराज जगतसिंह के पिता । राज्यकाल सं १८३५ १८६ तक ।
अनंतराम कवाकर और रामनारायण (रसराशि) के आश्रयदाता→ १ १ १-६१ ६-१ ।
अमृतसागर (गद्य)→२१-१२१ ए, २६-१५२ ए, बी सी डी २६-२७२ ।
नीतिमंजरी (पद्य)→ १-२ ५ बी सं १-२१२ ख ।
प्रेमप्रकाश (पद्य)→सं १-२१२ क ।
मत्करीशतक (पद्य)→२१ १२२ बी ।
वैराग्यमंजरी (पद्य)→ १-२ ५ सी सं १-२११ ग ।
शृंगारमंजरी (पद्य)→ १-२ ५ ए, सं १-२१२ ङ ।
सनेह संग्राम (पद्य)→ -७८ ।
स्नेहविहार (पद्य)→पं २१-८१ सं १-२१२ घ ।

प्रतापसिंह (सवाई)—भरतपुर नरेश । शिवराम के आश्रयदाता । सं १८४० के लगभग वर्तमान ।→१७-१७६ ।

प्रतिमाँ बहुतरी (पद्य)—बालकराम कृत । र का सं १८८१ । लि का सं १८८ । वि मूर्तिपूजा मंडन और फल ।
खो सं वि ७४ (११ -६४)

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–६१ ग।

प्रतीत परीक्षा→'परतीत परीक्षा' (बालकृष्ण नायक कृत)।

प्रदोषव्रत कथा (पद्य)—शंभुनाथ (द्विज) कृत। लि० का० सं० १६१४। वि० प्रदोष की कथा का वर्णन।

प्रा०—पं० दशरथप्रसाद, वेलघाट, डा० पैकवलिया (बस्ती)।→सं० ०४–३७६।

प्रद्युम्नचरित्र (पद्य) -अगरवाल कृत। र० का० सं० १४११। लि० का० सं० १७६५। वि० प्रद्युम्न की कथा।

प्रा०—श्री जैन मंदिर (बड़ा), बाराबंकी।→२३–२।

प्रद्युम्नचरित्र (गद्य)—चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन) कृत। वि० प्रद्युम्न कुमार मुनि की जीवनी।

प्रा०—आदिनाथ जी का मंदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर।→सं० १०–३२।

प्रद्युम्न चरित्र (भाषा)→'परदवनचरित्र (भाषा)' (बूलचंद जैन कृत)।

प्रद्युम्नदास→'पदुमनदास' (काव्यमंजरी' आदि के रचयिता)।

प्रधान—(?)

कवित्त (पद्य)→सं० ०१–२१४।

प्रधान→'रामनाथ (प्रधान)' (रीवाँ नरेश के आश्रित)।

प्रधान नीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत)।

प्रनालिका (गद्यपद्य)—प्राणनाथ कृत। लि० का० सं० १६५५। वि० धामी पथानुसार ज्ञानोपदेश।

प्रा०—श्री हरवंशराय, रजनौली, डा० सिरसी (बस्ती)→सं० १४–२१८ ख।

प्रपन्न गणेशानंद→'प्रपन्न गैसानंद' ('भक्तिभावती' के रचयिता)।

प्रपन्न गैसानंद—अन्य नाम प्रपन्न गणेशानंद। स्वामी रामानंद की शिष्य परंपरा अनंतानंद के शिष्य। मथुरा निवासी। सं० १६०६ के लगभग वर्तमान।

भक्तिभावती (पद्य)→०१–१३६, २६–२७०, सं० ०७–११६।

प्रपन्न प्रेमावली (पद्य)—इच्छाराम कृत। र० का० सं० १८२२। वि० भक्तों की कथा और ज्ञान।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०६–१२' ए।

प्रबंध रामायण (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत। लि० का० सं० १६३७। वि० राम चरित्र।

प्रा०—पं० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी।→०६–१४७ बी।

प्रबलसिंह—भोजपुर के राजा अमरसिंह के अनुज। दिनेश पाठक के आश्रयदाता सं० १७२४ के लगभग वर्तमान।→४१–१०३।

प्रबोधचंद्र नाटक→'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' (नानकदास कृत)।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—अन्य नाम 'सर्वसार उपदेश'। अनाथदास कृत। र० का० सं० १७२६। वि० संस्कृत के 'प्रबोधचंद्रोदय नाटक' का अनुवाद।

(क) लि का सं १७१६।

प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१-१ क।

(ख) लि का स १८३८।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट, वाराणसी।→ ६-१११।

(ग) लि का सं १९ ८।

प्रा —महंत श्री रामचरित मानस मनिधर (मठिया), बलिया।→४१-१ क।

(घ) लि का सं १९९५।

प्रा —महंत भगवानदास मणिरत्नकुंज श्रयोध्या।→२ -८ घ।

(ङ) लि का सं १९११।

प्रा —श्री भवानीलाल हकीम वैद्य बसई श्रा तहसीलपुर (आगरा)। → २६-१५ एच।

(च) लि का सं १६५८।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४ क।

(छ) प्रा —पं शंकरप्रसाद अवस्थी कमरा (सीतापुर)।→१२-५।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—आनंद कृत। र का सं १-४। लि का सं १८४१। वि संस्कृत नाटक का अनुवाद।

प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट, वाराणसी।→ ६-४ डी।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि चंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-२२।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—जनसिंह कृत। र का सं १७६२। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-८२ घ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। वि संस्कृत ग्रंथ प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१०३।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—नानकदास कृत। र का सं १७०६। वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १८८९।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११७।

(ख)→पं २२-७१।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र का सं १८१६ ७। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।

(क) लि का सं १८८१।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-८।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–६१ ग ।

प्रतीत परीक्षा→'परतीत परीक्षा' (बालकृष्ण नायक कृत) ।

प्रदोषव्रत कथा (पद्य)—शभुनाथ (द्विज) कृत । लि० का० स० १६१४ । वि० प्रदोष की कथा का वर्णन ।

प्रा०—प० दशरथप्रसाद, वेलघाट, डा० पैकवलिया (बस्ती) ।→स० ०४–३७६ ।

प्रद्युम्नचरित्र (पद्य) - अगरवाल कृत । र० का० स० १४११ । लि० का० स० १७६५ । वि० प्रद्युम्न की कथा ।

प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३–२ ।

प्रद्युम्नचरित्र (गद्य)—चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन) कृत । वि० प्रद्युम्न कुमार मुनि की जीवनी ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०–३३ ।

प्रद्युम्न चरित्र (भाषा)→'परदवनचरित्र (भाषा)' (बूलचद जैन कृत) ।

प्रद्युम्नदास→'पदुमनदास' (काव्यमजरी' आदि के रचयिता) ।

प्रधान—(?)

कवित्त (पद्य)→स० ०१–२१४ ।

प्रधान→'रामनाथ (प्रधान)' (रीवाँ नरेश के आश्रित) ।

प्रधान नीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत) ।

प्रनालिका (गद्यपद्य)—प्राणनाथ कृत । लि० का० स० १६५५ । वि० धामी पथानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री हरवशराय,रजनौली, डा० सिरसी (बस्ती)→स० १४–२१८ ख ।

प्रपन्न गणेशानद→'प्रपन्न गैसानद' ('भक्तिभावती' के रचयिता) ।

प्रपन्न गैसानद—अन्य नाम प्रपन्न गणेशानद । स्वामी रामानद की शिष्य परपरा में अनतानद के शिष्य । मथुरा निवासी । स० १६०६ के लगभग वर्तमान ।

भक्तिभावती (पद्य)→०१–१३६ २६–२७०, स० ०७–११६ ।

प्रपन्न प्रेमावली (पद्य)—इच्छाराम कृत । र० का० स० १८२२ । वि० भक्तों की कथाएँ और ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६–१२' ए ।

प्रबध रामायण (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत । लि० का० स० १६३७ । वि० राम चरित्र ।

प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६–१४७ बी ।

प्रबलसिंह—भोजपुर के राजा अमरसिंह के अनुज । दिनेश पाठक के आश्रयदाता । स० १७२४ के लगभग वर्तमान ।→४१–१०३ ।

प्रबोधचद्र नाटक→'प्रबोधचद्रोदय नाटक' (नानकदास कृत) ।

प्रबोधचद्रोदय नाटक (पद्य)—अन्य नाम 'सर्वसार उपदेश' । अनाथदास कृत । र० का० स० १७२६ । वि० सस्कृत के 'प्रबोधचद्रोदय नाटक' का अनुवाद ।

(क) लि का सं १७२६।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१-१ ख।
(ख) लि का सं १८८८।
प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी।→ ६-१११।
(ग) लि का सं १९ ५।
प्रा —महंत श्री रामचरित मगत मनिअर (मठिया), बलिया।→४१-१ क।
(घ) लि का सं १९२५।
प्रा —महंत भगवानदास भवहरनकुंज अयोध्या।→२ -८८ ए।
(ङ) लि का सं १९३१।
प्रा —श्री भवराप्रसाद हकीम वैद्य बसई डा सौंतपुर (आगरा)। →
२९-१५ एच।
(च) लि का सं १९५८।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४ क।
(छ) प्रा —पं रुकठाप्रसाद अवस्थी कसरा (सीतापुर)।→१२-७।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—आनंद कृत। र का सं १-४। लि का सं १८४१। वि संस्कृत नाटक का अनुवाद।
प्रा —पं रघुनाथराम गायघाट वाराणसी।→ ६-४ सी।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि चंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा०—जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ २-२२।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—जैतसिंह कृत। र का सं १७९२। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-८३ घ।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—नीलकंठ (मिश्र) कृत। वि संस्कृत ग्रंथ प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१७१।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—मानकदास कृत। र का सं १७७६। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८४९।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-११७।
(ख)→पं २२-७१।
प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र का सं १८१६ ७। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
(क) लि का सं १८८२।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-८।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-६१ ग ।

प्रतीत परीक्षा→'परतीत परीक्षा' (बालकृष्ण नायक कृत) ।

प्रदोषव्रत कथा (पद्य)—शभुनाथ (द्विज) कृत । लि० का० स० १६१४ । वि० प्रदोष की कथा का वर्णन ।

प्रा०—प० दशरथप्रसाद, वेलघाट, डा० पैकवलिया (बस्ती) ।→स० ०४-३७६ ।

प्रद्युम्नचरित्र (पद्य) -अगरवाल कृत । र० का० स० १४११ । लि० का० स० १७६५ । वि० प्रद्युम्न की कथा ।

प्रा०—श्री जैन मदिर (बड़ा), बाराबकी ।→२३-२ ।

प्रद्युम्नचरित्र (गद्य)—चिम्मनलाल और वचनिकाकार मन्नालाल (जैन) कृत । वि० प्रद्युम्न कुमार मुनि की जीवनी ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-३३ ।

प्रद्युम्न चरित्र (भाषा)→'परदवनचरित्र (भाषा)' (बूलचद जैन कृत) ।

प्रद्युम्नदास→'पदुमनदास' (काव्यमजरी' आदि के रचयिता) ।

प्रधान—(?)

कवित्त (पद्य)→स० ०१-२१४ ।

प्रधान→'रामनाथ (प्रधान)' (रीवाँ नरेश के आश्रित) ।

प्रधान नीति→'राजनीति कवित्त' (रामनाथ प्रधान कृत) ।

प्रनालिका (गद्यपद्य)—प्राणनाथ कृत । लि० का० स० १६५५ । वि० धामी पथानुसार ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री हरवशराय,रजनौली, डा० सिरसी (बस्ती)→सं० ०४-२१८ ख ।

प्रपन्न गणेशानद→'प्रपन्न गैसानद' ('भक्तिभावती' के रचयिता) ।

प्रपन्न गैसानद—अन्य नाम प्रपन्न गणेशानद । स्वामी रामानद की शिष्य परपरा में अनतानद के शिष्य । मथुरा निवासी । स० १६०६ के लगभग वर्तमान ।

भक्तिभावती (पद्य)→०१-१३६, २६-२७०, स० ०७-११६ ।

प्रपन्न प्रेमावली (पद्य)—इच्छाराम कृत । र० का० स० १८२२ । वि० भक्तों की कथाएँ और ज्ञान ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→०६-१२' ए ।

प्रबध रामायण (पद्य)—रामगुलाम (द्विवेदी) कृत । लि० का० स० १६३७ । वि० राम चरित्र ।

प्रा०—प० रघुनाथराम, गायघाट, वाराणसी ।→०६-१४७ बी ।

प्रबलसिंह—भोजपुर के राजा अमरसिंह के अनुज । दिनेश पाठक के आश्रयदाता । स० १७२४ के लगभग वर्तमान ।→४१-१०३ ।

प्रबोधचंद्र नाटक→'प्रबोधचद्रोदय नाटक' (नानकदास कृत) ।

प्रबोधचद्रोदय नाटक (पद्य)—अन्य नाम 'सर्वसार उपदेश' । अनाथदास कृत । र० का० स० १७२६ । वि० सस्कृत के 'प्रबोधचद्रोदय नाटक' का अनुवाद ।

(क) लि का सं १७१६।
प्रा०—हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग।→४१-१ ख।
(ख) लि का सं १८६८।
प्रा —पं रघुनाथराम गालपाद, वाराणसी।→ ६-१११।
(ग) लि का सं १९ ४।
प्रा —महंत श्री रामचरित भगत मनिअर (मनियार), बलिया।→४१-३ क।
(घ) लि का सं १९२५।
प्रा —महंत भगवानदास मथुरानकुंज अयोध्या।→९ -८ ए।
(ङ) लि का सं १९११।
प्रा —श्री मनसुखलाल हकीम वैद्य कसई डा तांतपुर (आगरा)।→ २९-११ एच।
(च) लि का सं १९१८।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७-४ क।
(छ) प्रा —पं शंकरप्रसाद अवस्थी कटरा (सीतापुर)।→१२-७।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—आनंद कृत। र का सं १-४। लि का सं १८४१। वि संस्कृत नाटक का अनुवाद।
प्रा —पं रघुनाथराम गालपाद, वाराणसी।→ ६-४ बी।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (गद्यपद्य)—जसवंतसिंह कृत। वि चंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा —जोधपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर।→ १-२२।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—जैतसिंह कृत। र का सं १७६२। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-८७ घ।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। वि संस्कृत ग्रंथ प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१७३।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—मानकदास कृत। र का सं १७४६। वि नाम से स्पष्ट।
(क) लि का सं १८४६।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१-१६७।
(ख)→पं २२-७१।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—ब्रजवासीदास कृत। र का सं १८१६ वि। वि संस्कृत के प्रबोधचंद्रोदय नाटक का अनुवाद।
(क) लि का सं १८८२।
प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ ४-८।

(इसी पुस्तकालय में दो प्रतियाँ और हैं—एक सं० १६१३ की और दूसरी अपूर्ण)।

(ख) लि० का० सं० १६३१।

प्रा०—ठा० शिवनरेशसिंह, बख्तावरसिंह का पुरवा, डा० खैरीघाट (बहराइच)। →२३–६६।

(ग) प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–१४१ (विवरण अप्राप्त)।

प्रबोधचंद्रोदय नाटक (पद्य)—सूरति (मिश्र) कृत। लि० का० सं० १८८६। वि० नाम से स्पष्ट।

प्रा०—महंत श्री राजाराम, चिटबड़ागाँव मठ रामशाला, डा० चिटबड़ा गाँव (बलिया)।→४१–२६३ क।

प्रबोध चिंतामणि (मोह) विवेक (पद्य)—धर्ममंदिरगणि कृत। र० का० सं० १७४१। लि० का० सं० १८७४। वि० जैनधर्म का ज्ञान।

प्रा०—श्री जैन वैद्य, जयपुर।→००–१२०।

प्रबोध पचाशिका (पद्य)—अन्य नाम 'प्रबोध पचासा'। पद्माकर कृत। वि० ईश्वर विनय।

प्रा०—पं० लक्ष्मीदत्त त्रिपाठी, नवाबगंज, कानपुर।→०६–२२० ए।

प्रबोध पचासा→'प्रबोध पचाशिका' (पद्माकर कृत)।

प्रबोध पारिजात (पद्य)—शंभुनाथ (शुक्ल) कृत। र० का० सं० १६०७। वि० दुर्गाचरित्र।

प्रा०—ठा० अंबिकाप्रसादसिंह, पिपरासंसारपुर, डा० वाल्टरगंज (बस्ती)।→ सं० ०४–३७८ च।

प्रबोधरस सुधा सागर (पद्य)- अन्य नाम 'सुधारस' या 'सुधासर'। नवीन कृत। र० का० सं० १८६५। वि० शृंगार वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८६६।

प्रा०—श्री लालराम, जनरल मर्चेंट्स, छत्ताबाजार (मथुरा)।→३५–६६ बी।

(ख) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)।→३५–६६ ए।

(ग) प्रा०—डा० भवानीशंकर याज्ञिक, प्रांतीय हाईजीन इंस्टीच्यूट, लखनऊ। →सं० ०४–१८५।

प्रभाती (पद्य)—हुकुमराज कृत। वि० धामी संप्रदाय के सिद्धांत।

प्रा०—बाबू रामनोहर बिचपुरिया, पुरानी बस्ती, कटनी मुड़वारा (जबलपुर)। →२६–१८१।

प्रभाती भजन (पद्य)—सीताराम (शुक्ल) कृत। लि का सं १६१ । वि
सुप्रसिद्ध कवियों के प्रभात में गाने योग्य भजन।
प्रा०—पं रामशंकर वैद्य धनराजपुर डा मल्लाँवा (एटा)।→२६–१ क।
प्रभानाथ—सं १८३८ के लगभग वर्तमान।
प्रबीणसागर (पद्य)→४१–१३८।
प्रभुचंद्रगोपाल (गोस्वामी)—अकबर के समकालीन। रामराय के छोटे भाई।
पंच देशीय राजा रसिकमोहन राय के गुरु। गीतगोविंद के कर्ता जयदेव के वंशज।
→३८–१६५।
चंदचौरासी (पद्य)→१८–२१।
प्रभुता रैदास गोष्ठी (पद्य)—सैनदास (सैंना) कृत। वि कबीर रैदास के संवाद में
निर्गुण भक्ति वर्णन।
प्रा —डा त्रिलोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय
लखनऊ।→सं ४–४२१।
प्रभुदयाल—गुलहरे महाजन (कलवार)। मैनपुरी जिलांतर्गत सिरसागंज निवासी।
सं १६१७ के लगभग वर्तमान।
कवित्त विरह (पद्य)→३५–७७ डी।
ज्ञानदपण (पद्य)→१२–१६६ एच।
ज्ञानसतसई (दोहावली) (पद्य)→१२–१६६ के ३५–७७ ए, बी सी।
दंडक संग्रह (पद्य)→१२–१६६ एफ।
पावस (पद्य)→१२–१६६ आई जे।
प्रभुदयाल के कवित्त (पद्य)→१२–१६६ एल।
प्रभुदयाल के पद (पद्य)→१२–१६६ एम।
प्रभुदयाल के फुटकर कवित्त (पद्य)→१२–१६६ एन।
बारहखड़ी (पद्य) १२–१६६ ए।
बारहमासी (पद्य)→१२–१२६ बी।
बारहमासी (पूर्वी में) (पद्य)→१२–१६६ डी।
बारहमासी (पूर्वी) मल्हारों की (पद्य)→१२–१६६ ई।
बारहमासी लावनी की (पद्य)→१२–१६६ सी।
मानकवित्त (पद्य)→१८–१ ८ ए।
वनगुरु ज्ञान (पद्य)→१८–१ ८ सी।
होलीउपादि (पद्य)→१८–१ ८ बी।
होली गजल आदि (पद्य)→१२–१६६ जी।
प्रभुदयाल—रिजालगिरि के शिष्य। चहमद खाँ गोपालसिंह और भवानीसिंह के मित्र।
कमाल वियोग (पद्य)→दि ११–५० बी।
कमाल रूपवनाम (पद्य)→दि ११–५४ ए।

प्रभुदयाल के कवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० ज्ञानोपदेश, भक्ति, मान, स्तुति, विरह, पावस आदि।

प्रा०—ठा० महिपालसिंह, फरहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी)। → ३२-१६६ एल।

प्रभुदयाल के पद (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० भक्ति, द्रौपदी, राधा, चीरलीला तथा रुक्मिणी आदि का वर्णन।

प्रा०—ठा० महिपालसिंह, फरहरा, डा० सिरसागज (मैनपुरी)। → ३२-१६६ एम।

प्रभुदयाल के फुटकर कवित्त (पद्य)—प्रभुदयाल कृत। वि० नखशिख, षट्ऋतु आदि।

प्रा०—श्री बलदेव पुस्तकालय, सिरसागज (मैनपुरी)।→३२-१६६ एन।

प्रभुपूर्ण पुरुषोत्तम को रूप तथा गुण नाम वर्णन (पद्य)—व्रजाभरण (दीक्षित) कृत। लि० का० सं० १८३०। वि० श्रीकृष्ण चरित्र।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-४०३ क।

प्रभुलाल—(?)

बारहखड़ी (पद्य)→सं० ०१-२१५।

प्रभुसुजस पचीसी (पद्य)—रामदास कृत। वि० भगवान का सुयश वर्णन।

(क) प्रा०—पं० भवासीलाल, फिरोजाबाद (आगरा)।→३५-८० ए।

(ख) प्रा०—पं० बच्चूलाल अध्यापक, कुरावली (मैनपुरी)।→३५-८० बी।

प्रमसार (पद और साखी) (पद्य)—हरिदास कृत। लि० का० सं० १८७२। वि० भक्ति और ज्ञानोपदेश।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२१० ख।

प्रमादास (?)

दधिलीला (पद्य)→सं० ०१-२१६।

प्रयाग (सेवक)—जोधपुर नरेश महाराज अभयसिंह के आश्रित। विविध कवि कृत 'शंकर पचीसी' में संगृहीत।→०२-७२ (तीन)।

प्रयागदत्त—त्रिपाठी ब्राह्मण। संभवतः बाहाजोत (बस्ती) के निवासी। जदुनाथसिंह के आश्रित।

कवित्त (पद्य)→सं० ०४-२१४ क।

सरजूशतक (पद्य)→सं० ०४-२१४ ख।

प्रयागदत्त—(?)

रामचंद्र के विवाह का बारहमासा (पद्य)→१२-१३३।

प्रयागदत्त (पाठक)—बिल्हौर (कानपुर) निवासी। सं० १९३० के लगभग वर्तमान।

काशिराज वंशावली (गद्यपद्य)→२६-३५४।

प्रयागदास—भाट। बसरी (छतरपुर राज्य) निवासी। मानदास के पुत्र। चरखारी

नरेश राजा सुमानसिंह और विजय विक्रमाजीत तथा बिजावर नरेश महाराजा रतनसिंह के आश्रित । सं १८७७ के लगभग वर्तमान ।
यौवन विलास (पद्य)→ ६–८३ बी ।
शब्द रत्नावली (पद्य)→ ६–८३ ए; ६–२२८ ।
हितोपदेश (पद्य)→ १–६१ ।
प्रयागदास (स्वामी)—फैजाबाद के निकट रामपुर के निवासी । अंत समय सई नदी (प्रतापगढ़) के तट पर रहने लगे थे ।
प्रयागविज्ञानविजय (पद्य)→२६–३५३ ।
प्रयागविज्ञान विजय (पद्य)—प्रयागदास (स्वामी) कृत । वि वेदांत ।
प्रा —बाबू सुंदरप्रसाद, नायब रजिस्ट्रार तहसीलसदर प्रतापगढ़ ।→२६–३५३ ।
प्रयागशतक (भाषा) (पद्य)—भगवतदास (भागवतदास) कृत । वि प्रयाग माहात्म्य ।
(क) मु का सं १९१९ ।
प्रा —श्री भगवतीप्रसाद त्रिपाठी सूरापुर बीरर डा होलागढ़ (इलाहाबाद) ।→सं १–१४८ ।
(ख) प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४–२२६ ।
प्रयागीलाल—उप तीर्थराज । कायस्थ टीकमगढ़ निवासी । माधिकलाल के पुत्र । ईश्वरीलाल के पौत्र और दुर्गाप्रसाद के पिता । चरखारी नरेश के आश्रित । सं १९१ के लगभग वर्तमान ।
रत्नानुराग (पद्य)→ ५–५१ ।
प्रयोग (प्रयाग) द्विज—(?)
नागलीला (पद्य)→४१–१ १ ।
प्रवचनसार परमागम अध्यात्म विद्या भाषा कृत (पद्य)—वृंदावन अग्रवाल जैन) कृत । र का सं १९ ५ । लि का सं १९ ७ । वि अध्यात्म ।
प्रा•—दिगंबर जैन पंचायती मंदिर आबूपुरा मुजफ्फरनगर ।→सं ? –११८ ।
प्रवचनसार सिद्धांत की भाषाविचार टीका (गद्य)—हेमराज कृत । र का सं १७ ९ । लि का सं १८८९ । जैन सिद्धांत सार ।
प्रा —श्री दिगंबर जैन मंदिर (बड़ा मंदिर), चूड़ीवाली गली चौक, लखनऊ । सं ७–२१६ क ।
प्रवीणराय (?)—संभवतः रसदेवविलास के रचयिता भी यही हैं ।
एकादशी माहात्म्य (भाषा) (पद्य)→३१–७१ ।
प्रवीणराय→ लालराय ('नायिकादीपक' आदि के रचयिता) ।
प्रवीण सागर (पद्य)—प्रमाणाव कृत । र का सं १८१८ । वि विविध ।
प्रा•—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१– १८ ।
प्रवीण→ 'कलाप्रवीण ('प्रवीण सागर' के रचयिता) ।

प्रवीन→'लाल (भट्ट)' ('कवित्त संग्रह' के रचयिता)।

प्रवीन→'वेणीमाधव (भट्ट)' ('विविधालंकार' के रचयिता)।

प्रवीन (कवि)—हित हरिवंश जी के वंश में गो० चतुरशिरोमणि के पुत्र गो० आनंद-
लाल के आश्रित। सं० १६६० के लगभग वर्तमान।
सार संग्रह (पद्य)→सं० ०४-२१५।

प्रवीन (कवि)—सं० १८१७ के लगभग वर्तमान।
कृष्णवृत्त चंद्रावली (पद्य)→सं० ०१-२१७ ग।
द्वारिकाधीश के विचित्र विलास (पद्य)→सं० ०१-२१७ क।

प्रवीन सागर (पद्य)—प्रवीन (कलाप्रवीन) कृत। र० का० सं० १८३८। वि० अलंकार।
प्रा०—अजयगढनरेश का पुस्तकालय, अजयगढ।→०६-३०७ (विवरण अप्राप्त)।

प्रश्न (गद्य)—व्यास कृत। लि० का० सं० १८३५। वि० शकुन विचार।
प्रा०—पुजारी रघुवर पाठक, बिसवाँ (सीतापुर)।→१२-१६७।

प्रश्नचौर (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६४५। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० रामकरण पांडे, पुरेसनाथ, डा० पट्टी (प्रतापगढ)।→२६-५४ (परि० ३)।

प्रश्नज्ञान (गद्य)—भट्टोत्पल कृत। लि० का० सं० १८६१। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा)।→३८-११।

प्रश्नतंत्रमाला (पद्य)—श्रीकृष्ण (मिश्र) कृत। वि० ज्योतिष।
प्रा०—आनंदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-४५७।

प्रश्नपोथी (गद्य)—रामाधार (त्रिपाठी) कृत। लि० का० सं० १८१७। वि० शकुन विचार।
प्रा०—श्री लल्लूलाल मिश्र, मवइया (फतेहपुर)।→२०-१४७।

प्रश्नपोथी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८४८। वि० ज्योतिष।
प्रा०—पं० श्यामसुंदर पांडे, ब्राह्मनपुर, डा० पट्टी (प्रतापगढ)।→२६-५० (परि० ३)।

प्रश्नफल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० ज्योतिष।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-५३ (परि० ३)।

प्रश्न मनोरमा (भाषा टीका) (गद्य)—जनज्वाला कृत। र० का० सं० १६२७। वि० शकुन वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०४-११२।

प्रश्नरमल (भाषा) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६५०। वि० जैन धर्म।
प्रा०—लाला ऋषभदास जैन, महोना, डा० इटौंजा (लखनऊ)→२६-४५६।

प्रश्नरमल (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७२। वि० ज्योतिष।
प्रा०—ठा० प्रतापसिंह, रतौली, डा० होलीपुरा (आगरा)।→२६-४५७।

प्रश्नरमल (रमली प्रश्न) (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि रमल ।
प्रा —पं गणेशप्रसाद पुरा कनेरा डा होलीपुरा (आगरा) ।→२६–४५८ ।

प्रश्नविचार (पद्य)—कृष्णलाल (मिश्र) कृत । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं बाँकेलाल ताहपुर डा शिकोहाबाद (मैनपुरी) ।→१२–१२४ बी ।

प्रश्नविचार (गद्य)—ज्योतिषराज कृत । वि ज्योतिष ।
प्रा —पं रामस्वरूप मिश्र अर्जुनपुर डा अंतू (प्रतापगढ़) ।→२६–२११ ।

प्रश्नसंहार→ प्रश्नछत्तीसार (सेवादास कृत) ।

प्रश्न सब कारज (पद्य)—रचयिता अज्ञात । लि का सं १८७२ । वि ज्योतिष ।
प्रा राजा अवधेशसिंह रईस ताल्लुकेदार कालाकाँकर (प्रतापगढ़) ।→ २६–५५ (परि १) ।

प्रश्नावली (गद्यपद्य)—रघुनाथ (बन) कृत । लि का सं १६ १ । वि शकुन विचार ।
प्रा —पं रामस्नेही, देवप्रसाद कर्ता डा मारहरा (एटा) ।→२६–२७८ बी ।

प्रश्नावली (पद्य) – हरीसिंह कृत । र का सं १८२८ । वि प्रश्नोत्तर ।
प्रा —टीकमगढ़नरेश का पुस्तकालय टीकमगढ़ । → ६–२५६ (विवरण अप्राप्त) ।

प्रश्नावली (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि शकुन ।
प्रा —पं बिहारीप्रसाद दीक्षित अगनेर (आगरा) ।→२६–४६६ ।

प्रश्नोत्तर (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि उपदेश ।
प्रा•—गो गोवर्द्धनलाल जी वृंदावन (मथुरा) ।→११–११ ।

प्रश्नोत्तर विहग्य मुखमंडन (पद्य)—धर्मराम कृत । र का सं १८६७ । वि भक्ति तथा ज्ञानोपदेश ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ४ ६१ क ।

प्रश्नोत्तर सार्द्धशतक (गद्य) – क्षमाकल्याण गणि (वाचक) कृत । र का सं १८५१ ।
वि सार्द्धशतक (जैनधर्म) विषयक प्रश्नोत्तर ।
प्रा —श्री महावीर जैन पुस्तकालय चाँदनी चौक, दिल्ली ।→दि ११–८ ।

प्रश्नोत्तरी→'नाममाला (रचयिता अज्ञात) ।

प्रश्नोत्तरी प्रकाश (पद्य)–पुरुषानन्दशरण कृत । लि का सं १६११ । वि अध्यात्म विषयक संस्कृत ग्रंथ का अनुवाद ।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१–१ ६ ख ।

प्रश्नोत्तर रत्नमाला (पद्य)—रचयिता अज्ञात । र का सं १६१७ (?) लि का सं १६१७ । वि ज्ञानोपदेश ।
प्रा —बा वासुदेवशरण अग्रवाल भारती महाविद्यालय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी । → सं ७–२८१ ।

खो सं वि ७२ (११ –६४)

प्रश्नोत्तरी माला (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५६। वि० प्रश्नोत्तर रूप में ज्ञानोपदेश।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२८३।

प्रसंगपारिजात (गद्यपद्य)—चेतनदास (स्वामी) कृत। र० का० सं० १५१७। लि० का० सं० १६६६। वि० स्वामी रामानंद जीवन वृत्त।
प्रा०—श्री केवलबहादुर श्रीवास्तव, उप 'मलूक', पूरेविधाप्रसाद दीवान, डा० तिलोई (रायबरेली)।→सं० ०८-६८।

प्रसणसीवार (प्रश्नसहार) (पद्य)—सेवादास कृत। वि० नाम माहात्म्य।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-२४।

प्रसाद→'बेनीप्रसाद' ('रसशृंगार समुद्र' के रचयिता)।

प्रसाद (कवि)—संभवत सं० १८८६ के लगभग वर्तमान।
मदनविनोद (पद्य)→२०-१३१।

प्रसादलता (पद्य)—रसिकदास (रसिकदेव) कृत। वि० विष्णु के प्रसाद का फल।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२१८ ए (विवरण अप्राप्त)।

प्रसिद्ध—सं० १८१३ के लगभग वर्तमान।
जानकीविजय रामायण (पद्य)→३८-११०, सं० ०४-२१६ क से ड तक, सं० ०७-१२०।

प्रस्तारप्रकाश (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० पिंगल शास्त्र।
प्रा०—पं० बालमुकुंद चतुर्वेदी, मानिक चौक, मथुरा।→३८-५५ ए।

प्रस्तावक कवित्त→'कवित्त संग्रह' (ग्वाल कवि कृत)।

प्रस्ताव रत्नाकर (गद्य)—हरिदास कृत। वि० ईश्वर स्तुति, राजनीति और उपदेश आदि तथा सामाजिक विषयों की निंदा और स्तुति।
प्रा०—डी० ए० वी कालेज, लाहोर।→२०-६०।

प्रह्लाद—संभवत सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
बैतालपचीसी (पद्य)→पं० २२-८५।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—आनंद (दुर्गासिंह) कृत। र० का० सं० १६१७। लि० का० सं० १६२०। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—ठा० महेश्वरसिंह, दिकोलिया, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-१०६।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—गोपाल (जनगोपाल) कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
(क) लि० का० सं० १७४०।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→सं० ०७-३६ अ।
(ख) लि० का० सं० १७६७।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→०७-३६ ट।
(ग) लि० का० सं० १८०६।
प्रा०—ठा० रामसिंह पँवार, दौदापुर, डा० सलेमपुर (अलीगढ)। → २६-१२३ डी।

(ख) लि का सं १८३५।

प्रा —पं जनार्दन मिश्र ग्रा बिसवाँ (सीतापुर)।→११-१८ बी।

(ग) लि का सं १८७२।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं ७ ३९ ठ।

(घ) प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ -२२।

(ङ)→पं २२-४४।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—जोधन कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —पं किशोरीशरण भाऊ ग्रा छादाबाद (मथुरा)।→१८-११।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—तुलसरस कृत। वि प्रह्लाद की कथा।

(क) लि का सन् १२४ हि।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१५६ क।

(ख) लि का सं १९१४।

प्रा —श्री बिंद्राप्रसाद रामाराम मुहम्मदाबाद गोहना (आजमगढ़)।
→सं १- ५६ ख।

(ग) प्रा —श्री व्रजमनारायण त्रिपाठी बलम्मनपुर ग्रा मऊगाँव (इलाहाबाद)
→सं १-१५६ ग।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—देवसिंह कृत। र का सं १८८८। लि का सं १९४९।
वि नाम से स्पष्ट।

प्रा —प रामआसरे मऊगाँवाँ ग्रा केसरगंज (बहराइच)।→११-९२।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—माधवचंद (चौहान) कृत। लि का सं १८८८। वि
नाम से स्पष्ट।

प्रा लाला सरजूप्रसाद श्रीवास्तव रमसराई ग्रा सरायग्रकिल (इलाहाबाद)।
→सं १-२१८।

प्रा —लाला सरजूप्रसाद श्रीवास्तव रमसराई ग्रा सरायग्रकिल (इलाहाबाद)।
→सं -२१८।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—भगवान विठ्ठलराम राव कृत। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा॰—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-२२२ ख।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—अन्य नाम प्रह्लाद संगीत। लछिमनदास कृत। र का
सं १६ । वि नाम से स्पष्ट।

(क) लि का सं १९१२।

प्रा —पं गंगासेवक पुरापुर, ग्रा कोयरा (खीरी)।→२६-२५५ सी।

(ख) लि का सं १९२६।

प्रा —लाला सीताराम कागीतापाला सीतापुर, ग्रा गोलामौकरननाथ (खीरी)।
→२६-२५५ डी।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—लीलीदास (बाबा) कृत। र का सं १८४८। लि का
सं १९५१। वि नाम से स्पष्ट।

प्रा०—ठा० ईश्वरी मुराऊ, उदवापुर, डा० बरनापुर (बहराइच)। →
२३–२४८ डी।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—ब्रजवल्लभदास कृत। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—महत ब्रजलाल, जमीदार, सिराथू (इलाहाबाद)।→०६–३५ ए।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—सहजराम कृत। वि० प्रह्लाद की कथा।
(क) लि० का० स० १८६४।
प्रा०—श्री पुचूलाल शुक्ल एम० ए०, पैंदापुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)। →
स० ०४–४०५ क।
(ख) लि० का० स० १८८३।
प्रा०—ठा० जगदीशसिंह, महरूडीह, डा० मलाक हरहर (इलाहाबाद)। →
४१–२७६।
(ग) लि० का० स० १६०६।
प्रा०—श्री शिवराम, माधोपुर, डा० खैराबाद (सीतापुर)।→२६–४१५ बी।
(घ) लि० का० स० १६१७।
प्रा०—ठा० शिवरतनसिंह, गगापुरवा, डा० औरगाबाद (सीतापुर)। →
२६–४१५ सी।
(ङ) लि० का० स० १६१७।
प्रा०—श्री कृष्णविहारी मिश्र, ब्रजराज पुस्तकालय, गधौली (सीतापुर)।
→स० ०४–४०५ ख।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १८६४। वि० प्रह्लाद की कथा।
प्रा० —श्री वासुदेव त्रिपाठी, चौखड़ा (बस्ती)।→स० ०४–४७६।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६०८। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—श्री रामनारायण मिश्र, सैबसी, डा० शाहमऊ रायबरेली)। →
स० ०४–४७५।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६४२। वि० प्रह्लाद की कथा।
प्रा०—श्री कल्पनाथ दूबे, गजहड़ा, डा० मुबारकपुर (आजमगढ)। →
स० ०४–५३७।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रह्लाद की कथा।
(क) प्रा०—श्री बद्रीप्रसाद दीक्षित, कोपा, डा० दुधौड़ा (जौनपुर)।→
स० ०१–५३६ क।
(ख) प्रा०—श्री पतरू उपाध्याय, रैनी, डा० मऊ (आजमगढ)। →
स० ०१–५३६ ख।

प्रह्लादचरित्र (रघुवशदीपक)→'प्रह्लादचरित्र' (सहजराम कृत)।

प्रह्लादचरित्र इतिहास (पद्य)—सहजराम कृत। वि० प्रह्लाद की कथा।
(क) लि० का० स० १८००।

प्रा —श्री रघुनंदन पंडित, चौकिया डा सैंभुआ (सुलतानपुर)। →
सं ४-४ ॰ ग।

(ख) लि का सं १९११।

प्रा —श्री राममनोरथ पंडित भवरहरा, डा अमरगढ़ (प्रतापगढ़)।→
सं ४-४०५ घ।

(ग) लि का सं १९५५।

प्रा —लाला तुलसीराम श्रीवास्तव रायबरेली।→२३-१६७ बी।

(घ) प्रा —भैया संतबक्ससिंह गुरवा (बहराइच)→११-१६७ सी।

(ङ) लि का सं १८८१।→१२-१६२।

महलारचरित्र नाटक (गद्यपद्य)—केदारनाथ (और लछमनदास) कृत। वि
मल्लार की कथा।

प्रा —श्री बबकऊ वैश्य सौंगारघाट अयोध्या।→२०-८।

महलारदास पाठक (अन)—अज्ञात।

हनुमतबल लीला (पद्य)→४१-१३६।

महलारलीला (पद्य)—घनश्याम (श्यामदास) कृत। लि का सं १८ २। वि
महलारचरित्र।

प्रा०—याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-१ ४।

महलारलीला (पद्य)—रामदास कृत। लि का सं १७०७। वि महलार चरित्र।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया। → ६-२१२ बी (विवरण
अप्राप्त)।

(सं १७८२ की एक प्रति इस पुस्तकालय में और है)।

महलारलीला (पद्य)—रैदास कृत। वि महलार चरित्र।

प्रा —श्री रामचंद्र सैनी केलमगंज, आगरा।→२६-३८२ ए।

महलारसंगीत→'महलारचरित्र' (लछमणदास कृत)।

महलारोपाख्यान (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि विश्वामित्र का रामचंद्र से सांसारिक
दुखों से मुक्ति पाने के उपाय का वर्णन।

प्रा —श्री माखनलाल मिश्र मथुरा।→ —७।

माहतर्पचाख्यान (भाषा पंचतंत्र) (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८८५।
वि पंचाख्यानक की टीका।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार विद्याविभाग काँकरोली।→सं १-५१६।

मागदास—कोई कबीरपंथी।

कबीर स्वरोदय (पद्य)→१२-१६७ बी।

शब्द कामना वंद (पद्य)→१२-१६७ ए।

मगन (प्रगनि)—(?)

भैंबरगीत (पद्य)→२१-२१६ ए से ई तक; २६-२४७ ए, बी; ४१-५१० क
ख (अप्र)→सं ४-२१७ क ख ग, घ।

प्राणविलास (पद्य)—चंदन कृत । र० का० सं० १८२१ । लि० तत्काल ।

(क) प्रा०—कुँवर दिलीपसिंह, मड़गवाँ (सीतापुर) ।→१२-२४ सी ।

(ख) प्रा०—पं० शिवनारायण वाजपेयी, वाजपेयी का पुरवा, डा० सिसैया (बहराइच) ।→२३-७३ बी ।

प्राणकिशन—कश्मीरी ब्राह्मण । दिल्ली निवासी । सं० १६२१ के लगभग वर्तमान ।

मोहिनीचरित्र (गद्य)→२६-३४८ ए, बी ।

प्राणचंद (चौहान)—चौहान क्षत्रिय । सं० १६६७ के लगभग वर्तमान ।

प्रह्लादचरित्र (पद्य)→सं० ०१-२१८ ।

रामायण महानाटक (पद्य)→०३-६५, १७-१३४, २३-३१७ ।

प्राणनाथ—उप० श्रीजी, इंद्रावती और महामति (महाराज)। धामीपंथ के प्रवर्तक । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के गुरु। सं० १७३७ के लगभग वर्तमान ।→ ०५-२३, ०६-८१, २६-१८१ ।

अर्जुनरास (पद्य)→२०-१२६, २३-३१८, सं० ०१-२१६ ।

कीर्तन (पद्य)→०६-६० ए ।

जबूरकलश (पद्य)→२६-३४६ सी ।

तारतम्य (गद्य)→२६-३४६ जी २६-२६६ डी, दि० ३१-६५ सी ।

तीनों स्वरूपा की वृत्तक (पद्य)→२६-३४६ एच ।

धनीजी के चेले की चौपाई (पद्य)→२६-३४६ ए ।

पदावली (पद्य)→०६-२२५ ।

परिक्रमा प्रकरण (पद्य)→१७-१०८ ए, बी, सं० ०४-२१८ क ।

प्रकरण सागरन का (पद्य)→१७-१०८ ई, २६-३४६ ई ।

प्रगट बानी (पद्य)→ ६-६० बी, १७-१०८ सी, २६-२६६ सी दि० ३१ ६५ ए ।

प्रनालिका (गद्यपद्य)→सं० ०४-२१८ ग ।

प्रेमपहेली (पद्य)→२६-२६६ ए, दि० ३१-६५ बी ।

फरमान (पद्य)→सं० २६-२४६ बी ।

बीतक (पद्य)→सं० ०४-२१८ ग ।

बीस गिरोहों का बाब (पद्य)→०६-६० सी ।

ब्रह्मबानी (पद्य)→ ६-६० डी ।

रसतरंगिणी (पद्य)→३२-१६८ ।

राजविनोद (पद्य)→०६-६० ई ।

रामत रहस की (पद्य)→२६-३४६ एफ ।

लीला नौतनपुरी (पद्य →२६-३४६ डी ।

विराट चरितामृत (पद्य)→३८-१०६ ।

वेदांत कीर्तन (पद्य)→१७-१०८ एफ ।

वेदांत के प्रश्न (गद्य)→२६-२५६ ई।
श्रीधाम की पहली (गद्य)—२६-२५६ बी।
श्रीप्रकाश किताब की प्रकरण (पद्य)→सं ४-२१८ च।
संवेद (पद्य)→ ७-१ ८ डी।
प्राणनाथ—श्री दामोदरदास के शिष्य। रसिक सुजान के गुरु भाई। सं १०२४ के लगभग वर्तमान।
प्रश्नोत्तर (पद्य)→१२-११ ।
प्राणनाथ—राजाराम के पुत्र। महोबा (बुंदेलखंड) निवासी। सं १८०७ के पूर्व वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→ ५-५१।
प्राणनाथ—(?)
योगनाथ कथा (पद्य)→ ६-२५६।
प्राणनाथ (त्रिवेदी)—कान्यकुब्ज त्रिवेदी ब्राह्मण। सं १०५५ के लगभग वर्तमान।
कल्किअवतार कथा (पद्य)→ १-२६ २१-१२ ।
वज्रवाहन कथा (पद्य)→११-१५१ ४१-१४ सं ४-२१६।
प्राणनाथ (भट्ट)—कवनाथ भट्ट के पुत्र। सं १८७७ के लगभग वर्तमान।
रसप्रदीप (पद्य)→२ -११ ए।
वैद्यदर्पण (गद्यपद्य)→१०-११५, २ -११ बी २१ ११६ ए, बी।
प्राणनाथ (सोती)—(?)
जहलीबगारिर (पद्य)→सं १-२२ ।
प्राणप्यारी (पद्य)—सूरदास (?) कृत। वि कृष्ण विवाह का वर्णन।
प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर।→१०-१८६ एफ।
प्राणसाँकली—गोरखनाथ कृत। गोरखबोध में संगृहीत।→ २-११ (सोलह)।
प्राणसुख—श्रीप्रधान (कठेरावारे) या प्रानसुखकवि नाम से भी प्रसिद्ध। वल्ल मोची। कठेरा (ओड़छा) के निवासी। ओड़छा नरेश राजा विक्रमाजीत के आश्रित। सं १८५० के लगभग वर्तमान।
तरंगमेघमालिन (पद्य)→सं ४-२१ ।
प्राणसुख (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र का सं १ ११ (?)। वि वैद्यक।
प्रा —भट्ट दिवाकरराव गुबेर (कौंमिका)।→ १-१।
प्राण रसमंजरी (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि कृष्णलीला।
प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ १-१२१ (एक)।
प्रान (सुकवि)→'प्राणसुख ('तरंगमेघमालिन के रचयिता)।
प्रानचंद—(?)
मरणविलाप (पद्य)→सं ७-१२१।
प्रार्थना (पद्य)—आनंदीदीन कृत। वि राम स्तुति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२६-११ बी।

प्रर्थना (पद्य)—मोतीराम कृत । वि० विष्णु की स्तुति ।
प्रा०—पं० गजाधर महाराज, नकती, डा० चुलवारिया (बहराइच) । → २३–२८३ ए ।

प्रार्थना पचीसी (पद्य)—हितवृंदावनदास (चाचा) कृत । वि० राधाकृष्ण की स्तुति ।
प्रा०—लाला नान्हकचंद जी, मथुरा ।→१९–३४ जे ।

प्रियाजी की वधाई (पद्य)—व्रजजीवनदास कृत । लि० का० सं० १९३० । वि० राधा जी का जन्मोत्सव ।
प्रा०—गो० गोवर्धनलाल जी, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । → ०६–३१ जे ।

प्रियाजू की नामावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत । र० का० सं० १७वीं शताब्दी । वि० राधा के विभिन्न नाम ।
(क) लि० का० सं० १८३१ ।
प्रा० – नारायण दंडी, नारायणगढ तथा श्रीनगर, डा० श्रीनगर (बलिया) ।→ ४१–११७ च ।
(ख) प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद ।→४१–११७ ह ।
(ग) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर ।→४१–११७ छ ।

प्रियादास—वृंदावन निवासी । रसजानिदास के गुरु । वैष्णवदास के पिता । गौड़ीय संप्रदाय के अनुयायी ।ये वृंदावन में राधारमण जी के मंदिर में रहते थे। सं० १७६६–१९१३ के लगभग वर्तमान ।
अनन्यमोदिनी (पद्य)→२६–२७३ ए, ४१–५१६ क (अप्र०) ।
पद रत्नावली (पद्य)→२०–१३५ डी, ४१–५१६ ख (अप्र०) ।
पीपाजी की कथा (पद्य)→ ६–२७३ सी ।
प्रियादास संग्रह (पद्य)→२६–३६१ सी ।
भक्तमाल रसबोधिनी टीका (पद्य)→०१–५५, १७–१३८, २०–१३५ ए, बी, २३–३२३ ए, बी, सी, डी, २६–३६१ ए, जी, २६–२७३ बी, दि० ३१–६७ ।
भक्तिप्रभा श्री सुलोचनी टीका (पद्य)→२०–१३५ सी ।
भागवत सुलोचना टीका (पद्य)→४१–१४१ ।
रसिकमोदिनी (पद्य)→२६–२७३ डी, ४१–५१६ घ (अप्र०) ।
संग्रह (पद्य)→२६–२७३ जी ।
सांगीतमाला (पद्य)→२६–२७३ एफ ।
सांगीतरत्नाकर (पद्य)→२६–२७३ ई ।

प्रियादास—राधावल्लभ संप्रदाय के साधु । स्वामी हितहरिवंश के अनुयायी । सं० १९०५ के लगभग वर्तमान ।
नाहवलि (पद्य)→१७–१३६ ।
तिथि निर्णय (पद्य)→०६–२३१ टी ।

प्रियादास की बानी (पद्य)→ ६–२११ ए।
भक्तिरस निर्णय (भाषा) (पद्य → ६–२११ ई।
सेवकजू की जन्म बधाई (पद्य)→४१–१४२।
सेवादर्पन (पद्य)→ ६ २११ बी।
स्फुटपद टीका (पद्य)→ ६–२११ सी।

प्रियादास—संभवतः बीकानेर नरेश महाराज सूरतसिंह के पुत्र। सं १८७५–८ के लगभग वर्तमान।
बसंतकेलि पचीसी (पद्य)→१२–१३८ ए।
मूलापचीसी (पद्य)→१२–१३८ बी।
रासलीला (पद्य)→१२–१३८ सी।
लीलासंगह (पद्य)→१२–१३८ डी।

प्रियादास—रुंधोर (बुलंदशहर) के निवासी। श्रीनाथ तिवारी के पुत्र। माता का नाम नम कुँवरि। शिवदास जी के छोटे भाई। स्वामी रसिकानंदलाल के शिष्य। सं १८२७ के लगभग वर्तमान।
अष्टक (पद्य)→११–११७ बी।
सेवकचरित (पद्य)→११ ११७ ए।

प्रियादास (?)—सं १२ ४ के पूर्व वर्तमान।
व्यवहारपाद (गद्य)→सं ४–२२१।

प्रियादास—उप कृष्णदत्त। महाराष्ट्र ब्राह्मण। वासुदेव के पुत्र। रीवाँ नरेश महाराज विश्वनाथसिंह और प्रोशाचार्य के गुरु। सं १६? के लगभग वर्तमान।→ १–१६।

प्रियादास की बानी (पद्य)—प्रियादास कृत। लि का सं १६५ । वि हित हरिवंश जी की वंदना।
प्रा —गो गिरधरलाल जी हरदौलिया मढ़ौंठी।→ ६–२११ ए।

प्रियादास चरितामृत (पद्य)—प्रोशाचार्य कृत। र का सं १११ । वि प्रियादास जी का जीवनचरित।
प्रा०—रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ।→ १–१६।

प्रियादास संग्रह (पद्य)—प्रियादास कृत। र का सं १६११। वि कृष्ण लीला।
प्रा —पं कालीप्रसाद गोसाईखेड़ा डा भामपामी (उन्नाव)। → २६–३६१ सी।

प्रियाध्यान (पद्य)—शिवरूपलाल कृत वि श्री राधिका जी का शृंगार।
प्रा –गो पुरुषोत्तमलाल अठखंबा वृंदावन (मथुरा)।→१२–१६८ ई।

प्रियाभक्ति रसबोधिनी रागासंगह (पद्य)—रसिकसुंदर कृत। लि का सं १६११। वि राधा चरित्र।
प्रा०—पं लक्ष्मीनारायण मौचर कुँवरीमदान का रास्ता जयपुर।→ ०– २८।

प्रियासखी—वृंदावन निवासी। राधावल्लभ समाज के सखी संप्रदाय के अनुयायी।
खो सं वि ७१ (११ –१४)

प्रियासखी की गारी (पद्य)→०६-२०७ बी।

प्रियासखी की बानी (पद्य)→०६-२०७ ए।

प्रियासखी→'जानकीचरण' ('प्रेमप्रधान' आदि के रचयिता)।

प्रियासखी→'बसंतकुँवरि' ('बानी' की रचयित्री)।

प्रियासखी की गारी (पद्य)—प्रियसखी कृत। लि० का० सं० १८५४। वि० उत्सवों में गाये जानेवाले पदों का संग्रह।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०७ बी (विवरण अप्राप्त)।

प्रियासखी की बानी (पद्य)—प्रियासखी कृत। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६-२०७ ए (विवरण अप्राप्त)।

प्रीतम→'अलीमुहिब्ब खाँ' ('खटमल बाईसी' के रचयिता)।

प्रीतिचौवनी लीला (पद्य)—अन्य नाम 'प्रीतिचिवनी'। ध्रुवदास कृत। वि० राधाकृष्ण विषयक प्रेम वर्णन।

(क) लि० का० सं० १८३६।

प्रा०—श्री बिहारी जी का मंदिर, महाजनी टोला, इलाहाबाद। →४१-५०७ च (अप्र०)।

(ख) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००-१६।

(ग) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६-७३ जे।

(घ) प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-५०७ छ (अप्र०)।

प्रीतिपावन (पद्य)—आनंदघन कृत। वि० पावस और कृष्ण क्रीड़ा।

(क) लि० का० सं० १६५८।

प्रा०—श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय, कामबन, भरतपुर।→१७-८।

(ख) प्रा०—महाराज महेंद्रमानसिंह, महाराज भदावर, नौगवाँ (आगरा)। →२६-११५ ए।

प्रीतिप्रार्थना (पद्य)—कृपानिवास कृत। वि० ईश्वर विनय और उपदेश।

प्रा०—महंत लखनलालशरण, लक्ष्मण किला, अयोध्या।→०६-१५४ सी।

प्रेतमंजरी (गद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० अंत्येष्टि और श्राद्धकार्य का वर्णन।

प्रा०—श्री गोकुलसिंह जमींदार, अदियापुरा, डा० बनकटी (इटावा)।→३५-२७१।

प्रेम—संभवत गुरुगोविंदसिंह के अनुयायी। सं० १८५२ के पूर्व वर्तमान।

उत्पत्ति अगाध बोध (पद्य)→३२-१६६।

प्रेमगीतावली (पद्य)—गणेशप्रसाद कृत। लि० का० सं० १६७४। वि० कृष्णलीला और राग रागनियाँ।

प्रा०—मौलाना रसूल खाँ काजी, गोंगीरी, डा० सलेमपुर (अलीगढ)। →२६-१०७ एच।

प्रेमचंद (सेवक)—जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित। विचित्र कवि कृत 'शंकर पच्चीसी' में इनकी रचनाएँ संगृहीत हैं।→०२-७२ (दस)।

प्रेमचंद्र—नागपुर निवासी। गौड़ सुलतान के प्राश्रित। सं० १८८१ के लगभग वर्तमान।
चंद्रकला (पद्य)→१२ ११४।
प्रेमचंद्रिका (पद्य)—रसिकअलमअरख कृत। लि० का० सं० १८३३। वि० वंदना।
प्रा०—सद्गुरु सदन अयोध्या।→१७-१५६ बी।
प्रमचंद्रिका→'प्रेमतरंग चंद्रिका' (देव कृत)।
प्रेमजंजीर (पद्य)—नंदकुमार (गोस्वामी) कृत। लि० का० सं० १९१६। वि०
गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम।
प्रा०—पं० ज्वालाप्रसाद मिश्र दीनदारपुर (मुरादाबाद)।→११-१२१।
प्रेमतरंग (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि० प्रेम और नायिकाभेद।
प्रा०—पं० युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→ ६-६४ बी।
प्रेमतरग चंद्रिका (पद्य)—देव (देवदत्त) कृत। वि० राधाकृष्ण प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८८०।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी)।→ १ ९८।
(ख) लि० का० सं० १९ २।
प्रा०—राजा शशिधरसिंह का पुस्तकालय नीलगाँव (सीतापुर)। →
२१ ८९ एच।
(ग) लि० का० सं० १९४१।
प्रा०—श्री युगलकिशोर मिश्र गंधौली (सीतापुर)।→११-५ बी।
(घ) लि० का० सं० १९४१।
प्रा०—पं० श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज, लखनऊ।→११-८९ डी।
(ङ) प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी मल्लाँपुर (सीतापुर)।→२६-६९ एफ।
प्रेमतरंगिणी (पद्य)—लक्ष्मीनारायण कृत। लि० का० सं० १९ १। वि० ऊधो और
गोपियों का संवाद।
प्रा०—राजा साहब बहादुर, प्रतापगढ़।→ ६-१६६ १७-२ ४।
प्रेमदर्शन (पद्य)—अन्य नाम प्रेमपचीसी। देव (देवदत्त) कृत। वि० श्रीकृष्ण के
प्रति गोपियों का प्रेम।
(क) लि० का० सं० १८८८।
प्रा०—महंत मनोहरप्रसाद बड़ी जगह अयोध्या।→२०-३९ एफ।
(ख) लि० का० सं० १९११।
प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी चुनार (मिरजापुर)।→०६-६४ ए।
(ग)→पं० १२-२४ ए।
प्रेमदास—अग्रवाल वैश्य। अवधगढ़ (बुंदेलखंड) निवासी। रामानुज संप्रदाय के
अनुयायी। सं० १८२७ के लगभग वर्तमान।
कृष्णलीला (पद्य)→ १ ६१ डी।
गोरखलीला (पद्य)→ १-६१ सी ४१-५२ (प्रथम) सं० १-२११ ए ए।

नासिकेत की कथा (पद्य)→०६-६३ बी, सं० ०१-२२१ ट।
प्रेमपरिचय (पद्य)→०६-२२६ ए।
प्रेमसागर (पद्य)→०६-६३ ए, सं० ०१-२२१ ग।
फूलचेतनी (पद्य)→२०-१३३।
बिसातिन लीला (पद्य)→०६-२२६ बी, २६-३५५ ए, बी।
भगवतविहार लीला (पद्य)→०६-२२६ सी।
मनमोहन लीला (पद्य)→सं० ०१-२२१ फ।

प्रेमदास—राधावल्लभी संप्रदाय के अनुयायी। सं० १७६१ के लगभग वर्तमान।
अरिल्लें (पद्य)→०६-२२० बी।
रससार संग्रह (पद्य)→१२-१३५।
हितचौरासी की टीका (गद्य)→०६-२२० ए, सं० ०८-२१२।

प्रेमदास—महागाँव (गोरखपुर) के निवासी।
जैमिनीपुराण (पद्य)→२६-३५६, ४१-१८३।

प्रेमदास (प्रेम)—निरंजनी पंथी।
सिद्धवंदना (पद्य)→सं० ०७-१२३।

प्रेमदास (प्रेम)—(?)
कवित्त (पद्य)→सं० ०७-१२२।

प्रेमदासचरित (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रेमदास जी का चरित्र वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश, जोधपुर।→४१-३६२।

प्रेमदासि→'प्रेमदास' (अरिल्लें' आदि के रचयिता)।

प्रेमदीपिका (पद्य)—अक्षर अनन्य कृत। वि० ऊधो के ब्रज आगमन की कथा।
(क) लि० का० सं० १८४६।
प्रा०—पं० शिवकंठ गौड़, आंबागढ (एटा)।→२६-७ एफ।
(ख) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—चरखारीनरेश का पुस्तकालय, चरखारी।→०६-२ सी।
(ग) लि० का० सं० १८६८।
प्रा०—पं० महावीरप्रसाद दीक्षित, चंदियाना, फतेहपुर।→२०-४ ए।
(घ) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—पं० मन्नीलाल तिवारी गंगापुत्र, मिश्रिख (सीतापुर)।→२६-१४ बी।
(ङ) लि० का० सं० १८७०।
प्रा०—पं० रामभजन मिश्र, चौगवाँ, डा० मल्लावाँ (हरदोई)।→२६-७ बी।
(च) लि० का० सं० १८६७।
प्रा०—ठा० विक्रमसिंह, टहवा, डा० हदामऊ (उन्नाव)।→२६-१४ सी।
(छ) लि० का० सं० १६१०।
प्रा०—लाला जानकीप्रसाद, छतरपुर।→०५-१।

(ख) प्रा —लाला गंगाधरप्रसाद कुलीन का परियावाँ (प्रतापगढ़) ।→ २१-१४ बी ।

(ग) प्रा०—पं शिवकुमार शर्मा द्वारा श्री बद्रीप्रसाद वकील बाह (आगरा) । →२६-७ एच ।

प्रेमदीपिका (पद्य)—मीर (कवि) कृत । र का सं १८१८ । लि का सं १८३१ (प्रथम खंड का) लि का सं १८४ (तृतीय खंड का) । वि रुक्मिणी और कृष्ण का विवाह आदि वर्णन ।

प्रा०—श्री रामकृष्ण ज्योतिषी गौरहार ।→ ६ १४ (विवरण अप्राप्त) ।

प्रेमधार→प्रेमधार सागर (रघुबरलला कृत) ।

प्रेमधार सागर (पद्य)—रघुबरलला (रघुबरदास) कृत । वि श्रीकृष्ण चरित्र ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२१ क, ख ।

प्रेमनाथ (पाँडे)—सं १८२७ के लगभग वर्तमान ।

महाभारत (आदिपर्व) (पद्य)→१२-११६ ।

प्रेमनामा→पैमुनामा (काम कवि कृत) ।

प्रेमनामी जोग (ग्रंथ) (पद्य)—जगजीवनदास कृत । लि का सं १८५५ । वि भक्ति और ज्ञानोपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं ७-५२ ग ।

प्रेमनिधि (?)

कृष्णाष्टपदी (पद्य)→११-१५७ ।

कवित्त (पद्य)→१८-१११ ।

प्रेमपंचासिका (पद्य)—पुरुषार्थसिंह कृत । लि का सं १९१९ । वि भक्ति और प्रेम वर्णन (तुलसी तथा जायसी आदि के उदाहरणों से युक्त) ।

प्रा०—ठा गुरुप्रतापसिंह गुठवा (बहराइच) ।→२१-१२७ सी ।

प्रेमपचीसी (पद्य)—शिवराम कृत । वि उद्धव और गोपियों का संवाद ।

प्रा —श्री देवकीनंदनाचार्य पुस्तकालय कामवन भरतपुर ।→१०-१७६ ।

प्रेमपचीसी→'प्रेमदर्शन' (देव कृत) ।

प्रेमपच्चीसी (पद्य)—सोमनाथ (शशिनाथ) कृत । वि कृष्ण भक्ति ।

प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं १-४७१ ख ।

प्रेमपदारथ (पद्य)—भगवानदास कृत । वि कृष्ण भक्ति की महिमा फल और लक्षण ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-१६७ ।

प्रेमपयोनिधि (पद्य —मृगेंद्र कृत । र का सं १९१२ । लि का सं १९१८ । वि बनात प्रभाकर और राजा रत्नपाल की कन्या की कथा ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ ४-४९ ।

प्रेमपरिचय (पद्य)—प्रेमदास कृत । वि राधा का कृष्ण की प्रेम परीक्षा लेना ।

प्रा —पं शिवदुलारे दूबे चुनेमर्गज फतेहपुर ।→ ६-२२६ ए ।

मपरीक्षा (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० राधा द्वारा कृष्ण की प्रेम परीक्षा।
(क) प्रा०—श्री विद्याधर, होरीपुर (दतिया)।→०६-६ सी।
(ख)→प० २२-६३ बी।

प्रेमपहेली (पद्य)—अन्य नाम 'श्रीधाम को वर्णन'। प्राणनाथ कृत। वि० ईश्वर प्रेम।
(क) प्रा०—श्री मुरलीधर, मुहम्मदपुर, डा० अमेठी (लखनऊ)। →२६-२६६ ए।
(ख) प्रा०—प० घासीराम, बाजार सीताराम, ६३५, कूचा शरीफ बेग, बा० मुक्ताराम जी का मदिर, दिल्ली।→दि० ३१-६५ बी।

प्रेमपियूष (पद्य)—छेदीलाल कृत। लि० का० स० १६४४। वि० शृगार।
प्रा०—श्री उमाशकर दूबे, साहित्यान्वेषक, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→२६-८४।

प्रेमप्रकाश (पद्य)—छत्रसाल कृत। र० का० स० १८३३। लि० का० स० १८३६। वि० राधा और कृष्ण का प्रेम।
प्रा०—लाला छोटेलाल, कुडर, समथर।→०६-२०।

प्रेमप्रकाश (पद्य)—प्रतापसिंह (सवाई) कृत। र० का० स० १८४८। वि० प्रेम।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१-२१२ क।

प्रेमप्रधान (पद्य)—जानकीचरण कृत। र० का० स० १८७६। लि० का० स० १८६०। वि० सीताराम विवाह, विहार और भक्ति आदि।
प्रा०—लक्ष्मण कोट, अयोध्या।→१७-८४ ए।

प्रेमप्रबोध (पोथी) (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १७८०। वि० प्रेम, भक्ति और कबीर रैदास आदि की परिचयी।
प्रा०—अनदभवन पुस्तकालय, बिसवाँ (सीतापुर)।→२६-५७ (परि० ३)।

प्रेमप्रमोद (पद्य)—रघुवर कृत। र० का० स० १६२६। वि० राधाकृष्ण के प्रेम का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६।

प्रेमबत्तीसी (पद्य)—दयालाल कृत। वि० गोपी उद्धव सवाद।
प्रा०—नगरपालिका सग्रहालय, इलाहाबाद।→४१-६८।

प्रेमबोध (पद्य)—रचयिता अज्ञात। र० का० स० १७५०। वि० भगवद्भक्ति।
प्रा०—प० गोपालप्रसाद उपाध्याय, सिरसागज (मैनपुरी)। →२६-५६ (परि० ३)।

प्रेममजरी (पद्य)—खेमदास कृत। र० का० का० सं० १७१६। लि० का० स० १७४०। वि० प्रेमभक्ति का वर्णन।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०७-२६ क।

प्रेममंजरी (पद्य)—सामरथी (द्विज) कृत। वि० कृष्ण लीला।
प्रा०—प० रामआनद, चिलबिला रजीतपुर, डा० माधोगज (प्रतापगढ)।→२६-३२०।

प्रेमरंग—नागर ब्राह्मण। ये काशी में रामघाट पर स्थित राममंदिर में ठाकुर जी को गाना सुनाया करते थे तथा हनुमान जी के भी भक्त थे। सं २८५८ के लगभग वर्तमान।
    भ्रामरस रामायण (पद्य)→४१-१४४ सं १-२२२ क ल।
    गरवावली रामायण (पद्य)→सं १-२२२ ग।
प्रेमरत्न (पद्य)—फाजिलशाह कृत। र का सं १६ ५। लि का सं १६१७।
    वि नूरशाह और माहमुनीर की कथा।
    प्रा०—दीवान शत्रुजीतसिंह छतरपुर।→ ५-५६।
प्रेमरत्न (पद्य)—रत्नकुँवरि कृत। र का सं १६४४। वि राधा और कृष्ण का कुरुक्षेत्र में मिलन।
    (क) लि का सं १८६७ (?)।
    प्रा —बाबू पद्मनकशसिंह सवेदपुर मिनगा (बहराइच)।→२१-१५६।
    (ख) लि का सं १८७२।
    प्रा —लाला रामलरूप समौरा ग्रा रामपुर (एटा)।→२६-२६७ ए।
    (ग) लि का सं १६ ७।
    प्रा —पं शिवदीन गंगापुत्र कटका ग्रा मरावन (हरदोई)।→२६-२६७ बी।
    (घ) लि का सन् १२८१ साल (?)
    प्रा —पं रामनारायण दा कोहरा (बस्ती)।→सं ७-१११।
    (ङ) प्रा —पं बद्रीनाथ शर्मा वैद्य भिमुहानी मिरजापुर।→ ६-२६७।
    (च) प्रा —नगरपालिका संग्रहालय इलाहाबाद।→४१-२११।
    टि को वि ११-१५६ २६-२६७ ए, बी पर प्रस्तुत पुस्तक को भूल से रतनदास कृत मान लिया गया है।
प्रेमरत्नाकर (पद्य)—देवीदास कृत। र का सं १७४२। वि प्रेम की विविधता।
    (क) लि का सं १८ १।
    प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-२२ (विवरण अप्राप्त)।
    (सं १८२६ की एक प्रति इसी पुस्तकालय में और है।)
    (ख) लि का सं १८६६।
    प्रा —लाला गयाप्रसाद कुराडीह ग्रा परियावाँ (प्रतापगढ़)। → २६-६८।
    (ग) लि का सं १६ ६।
    प्रा —श्री रमनलाल हरिचंद चौधरी कोसी (मथुरा)।→१७-४० बी।
    (घ) प्रा —पं बद्रीनाथ भट्ट लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ। → २१-२६ बी।
    (ङ) प्रा —बाबू छोटेलाल जी गुप्त, डी सी एम कार्यालय दिल्ली। → दि ३१-२६।

प्रेमरस सागर (पद्य)—अखैराम कृत। लि० का० स० १८६६। वि० कृष्ण विरह (सात्विक, राजसी तथा तामसी नायिकाओं का)।
प्रा०—प० रेवतीरमण (रेवतीनदन मिश्र), बेरी, डा० बरारी (मथुरा)।→ ३८–१ सी।

प्रेमरसाल (पद्य)—गुलाम मुहम्मद कृत। वि० प्रेम कथा।
प्रा० - याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी, वाराणसी।→स० ०१–८५।

प्रेमराय—चदन कवि के पुत्र। इन्होंने अपने पिता कृत 'कृष्णकाव्य' की प्रतिलिपि की थी। →१२–३४।

प्रेमलता (पद्य)—ध्रुवदास कृत। वि० हित सप्रदायानुसार कृष्णभक्ति और लीला का वर्णन।
(क) प्रा०—बाबू हरिश्चद्र का पुस्तकालय, चौखभा, वाराणसी। → ००–१३ (बारह)।
(ख) प्रा०—गो० गोवर्धनलाल, राधारमण का मदिर, मिरजापुर। → ०६–७३ एफ।
(ग) प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→स० ०१–१७४ ग।

प्रेमलता→'चौरासीपद' (हितहरिवश कृत)।

प्रेमलीला (पद्य)—दयाल (जन) कृत। लि० का० स० १८८७। वि० कौशल्य का सीता और राम के प्रति प्रेम।
प्रा०—श्री रामप्रसाद गौतमियाँ, अजयगढ।→०६–२६८ (विवरण अप्राप्त)।

प्रेमलीला (पद्य)—मुहम्मदजान (मिरजा) कृत। लि० का० स० १९०६। वि० प्रेम वर्णन।
प्रा०—श्री गोपालचद्रसिंह, सिविलजज, सुलतानपुर।→स० ०१–१२७।

प्रेमविनोद (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि० प्रेम वर्णन।
प्रा०—प० उमाशकर द्विवेदी आयुर्वेदाचार्य, पुराना शहर, वृदावन (मथुरा)। →३५–२७०।

प्रेमविलास प्रेमलता कथा (पद्य)—जटलमल (नाहर) कृत। र० का० स० १६६३। लि० का० स० १९९९। वि० प्रेम विलास और प्रेमलता की प्रेमकथा।
प्रा०—हिंदी साहित्य समेलन, प्रयाग।→स० ०१–१२४।

प्रेमविहारी (पद्य)—दाताराम (दीनदास) कृत। र० का० स० १९३२। लि० का० स० १९३६। वि० श्रीकृष्ण और गोपियों का विहार।
प्रा०—बाबा हरिदास, सरावल, डा० गजडुडवारा (एटा)।→२६–९० सी।

प्रेमसपुट (पद्य)—सुदरिकुँवरि कृत। र० का० स० १८४५। वि० राधाकृष्ण का विहार।
प्रा०—साधु निर्मलदास, वेरू (जोधपुर)।→०१–६५।

प्रेमसखी—सखी सप्रदाय के वैष्णव। जन्म स० १७९१ के लगभग। अयोध्या निवासी। कवित्तादि प्रबध (पद्य)→१७–१३७ बी।

मकरिया (पद्य)→ ६–२१ ए वा; १७– १७ सी डी २ –११४ बी।

प्रेमवली की कविता (पद्य)→ –१६।

हारी (पद्य)→ १–१ ८ १७–११ १ ए; २ –११ १ ए।

प्रेमसखी की कविता (पद्य)—प्रेमसखी कृत। वि सीताराम की लीला।

प्रा —बाबू काशीप्रसाद जी वाराणसी।→ –१६।

प्रेमसागर (पद्य)—अमरदास कृत। र का सं १६ १। वि कृष्णावतार एवं कृष्णलीलाओं का वर्णन (गर्गसंहिता का अनुवाद)।

विज्ञान खंड (कृष्णप्रेम सागर)

(क) लि का सं १६०१।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६ १७२ ए।

(ख) प्रा —पं माधवमनोहर राऊ जी की गली गोकुल (मथुरा)। → १७ ८१।

बलभद्र खंड

(ग) लि का सं १६ ७।

प्रा —बाबा माधवदास महंत, निंबार्क पुस्तकालय मानधारा (बहराइच)।→ २१ १८८।

(घ) लि का सं १६ ६।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ बी।

विश्वजित खंड

(ङ) लि का ६ १६०१।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६ १७२ सी।

द्वारिका खंड

(च) लि का सं १६ ६।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ डी।

मथुरा खंड

(छ) लि का सं १६ ६।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ ई।

माधुर्य खंड

(ज) प्रा०—पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)। → २६– ७२ एफ।

गोवर्द्धन खंड

(झ) लि का सं १६ ६।

प्रा —पं रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य फिरोजाबाद (आगरा)।→२६ १७२ जी।

वृंदावन खंड

(ञ) लि का सं १६ ६।

खो सं वि ७० (११ ०–६४)

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ एन।

गोलोक खंड

(ट) लि० का० सं० १६०६।

प्रा०—पं० रामस्वरूप उपाध्याय वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–१७२ आई।

प्रेमसागर (पद्य)—प्रेमदास कृत। र० का० सं० १८२०। वि० ऊधो और गोपियों का संवाद।

(क) लि० का० सं० १६३५।

प्रा०—श्री रामप्रसाद गोतमियाँ, अजयगढ़।→०६–८३ ए।

(ख) प्रा०—सेठ गुलाबचन्द, मुदाने, छतरपुर।→सं० ०२–२२१ ग।

प्रेमसागर (गद्यपद्य)—लल्लूलाल कृत। र० का० सं० १८६०। वि० कृष्ण लीला।

(क) लि० का० सं० १६०८।

प्रा०—लाला कुंदनलाल, बिजावर।→०६–१६२ ए (विवरण अप्राप्त)।

(ख) लि० का० सं० १६१०।

प्रा०—लाला भोजराज, रुद्रपुर, डा० जमनोई (अलीगढ़)।→२६–२१२ ए।

(ग) प्रा०—पं० लक्ष्मीनारायण आयुर्वेदाचार्य, गैगई डा० फिरोजाबाद (आगरा)।→२६–२१२ बी।

प्रेमसागर—(?)

कुंवरीसंग विहार (बारहमासा) (पद्य)→२६–३१८।

प्रेमसागर→'पेमसागर' (जान कवि कृत)।

प्रेमसुमनमाला (पद्य)—रघुनाथ (त्रिपाठी) कृत। वि० प्रेम वर्णन।

प्रा०—श्री लक्ष्मीचंद, पुस्तक विक्रेता, अयोध्या।→०६–२७४।

प्रेमा (कवि)—राधावल्लभ संप्रदाय के अनुयायी। किसी कल्याणदास के शिष्य

राधाकृष्ण विवाह विनोद (पद्य)→१२–१४५।

प्रेमापराभक्ति (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८७६। वि० भक्ति।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं० ०१ ५३८।

प्रेमावली (पद्य)—ध्रुवदास कृत। र० का० सं० १६७१। वि० राधाकृष्ण का प्रेम।

(क) प्रा०—बाबू हरिश्चंद्र का पुस्तकालय, चौखंभा, वाराणसी।→००–१३ (तेरह)।

(ख) प्रा०—पं० चुन्नीलाल वैद्य, दंडपाणि की गली, वाराणसी।→०६–७३बी।

प्रेमी→'अब्दुर्रहमान (मिर्जा)' ('नखशिख' के रचयिता)।

फकीरदास (बाबा)—जाति के मुराइ या मुराऊ। नरोत्तमपुर (बहराइच) निवासी। संभवत रामानंद के शिष्य और मुरलीदास के गुरु। सं० १८७५ के लगभग वर्तमान।

आनंदवर्द्धिनी (पद्य)→२३–१११ ए, ०६–११६ ए, २६–६७ बी।

गारी ज्ञान की (पद्य)→२६–११६ बी, डी।

ज्ञान का बारहमासा (पद्य)→२३–११२ बी।

बीजक (पद्य)→२३–१११ सी।

शब्दकहरा (पद्य)→२६–२७ सी।

होरी ज्ञान की (पद्य)→२६–११२ ई, एफ २६–२० ए।

फकीरशाह—दिल्ली निवासी। यारी साहब के शिष्य। निर्गुण मतानुयायी।

शाहफकीर के शब्द (पद्य)→४१–१४१।

फकीरसिंह—नगरा नगर (गाजीपुर) के राजा। संभवतः बैस क्षत्रिय। कवि मनिकंठ (मनि) के आश्रयदाता। खो वि सं १–२२१ में इन्हें भूल से बैतालपच्चीसी का रचयिता मान लिया गया है।→४१–१४७ सं १–२२१, सं १–२७१।

फकीरेदास—सरयूपारी ब्राह्मण। जन्मस्थान दुबे का पुरवा (सुलतानपुर)। माधोदास के शिष्य। सं १८५७ में ६५ वर्ष की अवस्था में इनकी मृत्यु हुई।

ज्ञानउद्योत (पद्य)→२६–६८।

फगुआ (पद्य)—विविध कवि (तुलसीदास आदि) कृत। वि रामकथा।

प्रा —लाला शंकरलाल महाजनी (इटावा)।→३२–२६५।

फणि (नृपति)—(?)

नाहसूरस्य (?) (पद्य)→सं १–२२४।

फणीन्द्र (मिश्र)—संभवतः मेवाड़ा (आजमगढ़) ग्राम के निवासी। सं १७ १ के लगभग वर्तमान।

पंचायत का न्यायपत्र (गद्य)→सं १–२२५।

फतेचंद (जैन)—कुरु जांगल देश के अंतर्गत सहारनपुर निवासी। बड़े भाई का नाम टेकराम।

सुक्तावली (भाषा) (पद्य)→सं १ –८ क, ख।

फतेहअली प्रकाश (पद्य)—मुरलीधर (कविराज और कविवर) कृत। वि ज्योतिष।

प्रा —श्री भूतनाथ गुसाईं दाइचीगी गुसाईं का पुरा डा कादीपुर (सुलतानपुर)→सं ४–१ ८।

फतेहचंद—अग्रवाल। भागचंद पंचोली के पुत्र। पुरुषोत्तम के आश्रयदाता। सं १७१५ लगभग वर्तमान।→ ३–८८।

फतेहप्रकाश (पद्य)—केसराम (?) कृत। र का सं १६८५ (?) वि अलंकार।

(क) लि का सं १६ १।

प्रा —ठा हनुमानसिंह गोयनी डा कैथीपुर (उन्नाव)।→२३–७०६।

(ख) लि का सं १६१ ।

प्रा —बलरामपुरनरेश का पुस्तकालय बलरामपुर।→ ६–२६६।

(ग) लि० का० सं० १६१० ।
प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, कौंथा (उन्नाव) ।→२०-१६० ए ।
(घ) प्रा०—कुँवर दिल्लीपतिसिंह, जमींदार, बड़ागाँव (सीतापुर) । → १२-४२ ।
(ङ) प्रा०—ठा० महावीरबख्शसिंह तालुकेदार, कोगराकलाँ (सुलतानपुर) । →२३-६० बी ।
टि० खो० वि० १२-४२ के अतिरिक्त रतन कवि को ही सर्वत्र रचयिता माना गया है । पर वह संभवतः रचयिता का उपनाम है ।

फतेहशाह—अन्य नाम फतेहसिंह । पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के वंशज । श्रीनगर (गढवाल) के राजा । छेमराम (रतन कवि) के आश्रयदाता । सं० १८०० के लगभग वर्तमान ।→०६-२६६, १२-४२, २३-३६०, २६-४०६ ।

फतेहसिंह—कायस्थ । कौंच (जलौन) निवासी । पन्ना नरेश महाराज सभासिंह के आश्रित । सं० १८१३ के लगभग वर्तमान ।
गुणप्रकाश (पद्य)→०६-११ बी २०-२८ बी ।
दस्तूरमालका (पद्य)→०५-५४, २०-४८ ए ।
मतचंद्रिका (पद्य)→०५-५५, ०६-३१ ए, ०६-८० ।

फतेहसिंह—उप० हितराम । कछवाहा क्षत्रिय । रामसाहि नरेश के पुत्र । हितहरिवंश के अनुयायी । सं० १७२२ के लगभग वर्तमान ।
हरिभक्ति सिद्धांत समुद्र (पद्य)→२६-१२० ।

फतेहसिंह—टिकारी (गया) के राजा । दत्त कवि के आश्रयदाता । सं० १८०४ के लगभग वर्तमान ।→०३-३६ ।

फतेहसिंह→'फतेहशाह' (पन्ना नरेश महाराज छत्रसाल के वंशज) ।

फतेहसिंह (राजा)—भरतपुर के अंतर्गत घन (घम) के राजा मानसिंह के पुत्र । राम कवि के आश्रयदाता ।→पं० २२-८८ ।

फतेहसिंह प्रकाश (पद्य)→राम (कवि) कृत । वि० कुलपति मिश्र के 'रस रहस्य' की टीका ।→पं० २२-८८ ।

फरजदखेला (पद्य)—देवमुकुंदलाल कृत । लि० का० सं० १८२१ । वि० राम की बाललीला तथा कृष्ण की ब्रजलीला ।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४-२६ ।

फरमान (पद्य)—प्राणनाथ कृत । वि० खुदा का फरमान और उसके न मानने वालों की बुराई ।
प्रा०—बाबू रामनोहर चिचपुरिया, पुरानी बस्ती, डा० कटनीमुड़वारा (जबलपुर) । →२६-१४६ बी ।

फरसजी—कोई संत।
पद (पद्य)→ ७ १२४।

फरीद (सेख)—पूरा नाम सेख इब्राहीम फरीद। चिश्ती वंश के पीर। पंजाब और राजस्थान की सीमा का किसी स्थान के निवासी। कबीर के पश्चात् और कमाल के पहले विद्यमान। दादू पंथी मुसलमान संत। बारहवीं शताब्दी के लगभग वर्तमान।
बरितनामा (पद्य)→११-१४८ सं ७-१२५।
वा नी (पद्य)→सं १ -८१।

फर्रुखसियर—दिल्ली के बादशाह। राज्यकाल सं १७७ -१७७६। मिर्जा अब्दुररहमान (प्रेमी) के आश्रयदाता।→ १ ५।

फलप्रबंध (पद्य)—धीमदास कृत। लि का सं १६४ । वि विनय।
प्रा —श्री देवराज चुकरौली का नगरीशपुर (बस्ती)।→सं ४-१५८।

फलविनती (पद्य)—रचयिता अज्ञात। वि फलों के माध्यम से ईश्वर वर्णन।
प्रा —ला गुलजारीलाल रीठौर (इटावा)।→१८-१११।

फलित (भाषा) (पद्य)—माधो (मिश्र) कृत। र का सं १८८१। लि का सं १६ ५। वि फलित ज्योतिष।
प्रा —श्री महादेवप्रसाद मिश्र मिश्रवलिया बहमगर (बस्ती)। → सं ४-१६७।

फाग तरंगिणी (पद्य)—ईसराज (बख्शी) कृत। लि का सं १६ २। वि राधाकृष्ण का फाग खेलना।
प्रा —दतियानरेश का पुस्तकालय दतिया।→ ६-४५ डी।
टि प्रस्तुत पुस्तक सनेहसागर का एक अंश है।

फागविलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि कृष्ण का फाग खेलना।
(क) प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंभा वाराणसी।→ १-१११ (आठ)।
(ख प्रा —पं भूदेव शर्मा शिवाना का मदनापुर (मथुरा)। → १८-१ १ई।

फागशिरोमणि कौशल (पद्य)—जयमानप्रसाद (पंडित) कृत। वि राम कृष्ण की लीलाएँ।
प्रा —महंत रामवल्लभशरण अयोध्या।→२ -६१।

फागु (पद्य)—हरिचरन (मिश्र) कृत। वि वियोग शृंगार।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-४८१।

फागुनलोला (पद्य)—वीरभद्र कृत। लि० का० सं० १८८७। वि० श्रीकृष्ण की फागलीला।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२६।

फाजिलअली (मिर्जा)—नवाब इनायतखाँ के पुत्र। औरंगजेब वजीर। सुखदेव के आश्रयदाता। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।→०६-३०७, दि० ३१-८०, सं० १०-१३०।

फाजिलअली प्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। र० का० सं० १७३३। वि० पिंगल।
(क) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० शिवबिहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-३०७ ए।
(ख) लि० का० सं० १६१६।
प्रा०—पं० शिवदयाल, जौनपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४१२ एम।
(ग) लि० का० सं० १६२६।
प्रा०—राजा बलरामपुर का पुस्तकालय, गोंडा।→२०-१८७ सी।
(घ) लि० का० सं० १६४०।
प्रा०—ठा० हरिबख्ससिंह, जमींदार, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)। → २६-४६५ डी।
(ङ) प्रा०—श्री दुर्गादत्त अवस्थी, कपिला, फर्रुखाबाद।→१७-१८३ सी।
(च) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। → २३-४१२ एन।
(छ) प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटेला, डा० फखरपुर (बहराइच)। → २३-४१२ ओ।
(ज) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६-४६५ ई।

फाजिलशाह—शाह करीम के पुत्र और करम करीम के पौत्र। छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। मदारबख्श और अलाबख्श इनके भाई थे। छतरपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह के आश्रित। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।
प्रेमरत्न (पद्य)→०५-५६।

फारसी वरनमय मूलना (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० सं० १६२२। वि० रामचरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ अ।

फीरोजशाह—मुगल बादशाह बहादुरशाह के द्वितीय पुत्र। सं० १६०० के लगभग वर्तमान। बाजनामा (दौलतनामा) इन्हीं की आज्ञा से लिखा गया था। → ०३-६६।

फीलनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १६३६। वि० गज चिकित्सा।

प्रा —महाराजा पुस्तकालय, प्रतापगढ़ ।→२६–६८ (परि १) ।

फुटकर कविता (पद्य)—रघाकृष्ण कृत । वि विविध ।

प्रा —लाला कामताप्रसाद बिजावर ।→ ६–२६ ए ।

फुटकर कविता (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विनय भक्ति प्रेम आदि ।

प्रा —पं अक्षयमल शर्मा बाउथ डा ककराई (इटावा) ।→१५ २६७ ।

फुटकर कवित्त (पद्य)—गंगाराम (तिवारी) कृत । वि विविध ।

प्रा —पं देवीदत्त शुक्ल, 'सरस्वती' संपादक, प्रयाग ।→४१–८६ क ।

फुटकर कवित्त (पद्य)—रामदयाल (रामानंद) कृत । वि देव स्तुति आदि ।

प्रा —पं बागीश्वरानंद पांडेय मंडलसहर (इटावा) ।→१३–१७७ ।

फुटकर कवित्त (पद्य)—विविध कवि (मकरंद रघुनाथ पर्वत किशोरी महाराज गंग देव) कृत । वि शृंगार ।

प्रा —श्रीजयपुरनरेश का पुस्तकालय जोधपुर ।→ २–६१ ।

फुटकर कवित्त (पद्य)—विविध कवि (देव सेन आलम आदि) कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं छोटेलाल उपाध्याय माऊपुरा डा चक्रनगर (इटावा) । → १५–२६६ ।

फुटकर कवित्त (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध ।

प्रा —श्री भूपसिंह किठवारा डा किरावली (आगरा) ।→२६–४७१ ।

फुटकर कवित्त→'कवित्त संग्रह' (ग्वाल कवि कृत) ।

फुटकर छंद (भाषा) (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि विविध ।

प्रा —स्व० श्री मगन उपाध्याय तुलसीचौतरा मथुरा ।→१७–१४ (परि १) ।

फुटकर दोहे (पद्य)—ग्वाल की कृत । वि ज्ञान वैराग्य और वृंदावन माहात्म्य आदि ।

प्रा —श्री बालकृष्णदास चौखंभा काराणसी ।→४१–२६१ ग ।

फुटकर नुस्खों की किताब (गद्य)—रचयिता अज्ञात । वि चिकित्सा ।

प्रा०—पं बंशीधर शर्मा सिरौली (इटावा) ।→१५–३६८ ।

फुटकर पद (पद्य)—विविध कवि (कृष्णजीवन लछिराम आनंदघन हीरालाल आदि कृत । लि का सं १९ ८ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं मयाशंकर याज्ञिक अधिकारी गोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) ।→१५–२६६ ।

फुटकर पदों का संग्रह (पद्य)—विविध कवि परमानंद गोविंद छीतस्वामी नंददास नागरीदास तुलसी ब्रजमदास जीवन गिरधर मुरलीधर, दयासखी विचित्रसखी, राधाकृष्ण मनोहरसहित मधुकर और प्रद्युम्न) कृत । वि कृष्णभक्ति ।

प्रा —बाबू बालकृष्णदास चौखंभा काराणसी ।→४१–४६१ (क्रम) ।

फुटकर बानी (पद्य)—हितहरिवंश कृत । वि राधावल्लभी संप्रदाय के सिद्धांत और शृंगार ।

फागुनलीला (पद्य)—वीरभद्र कृत। लि० का० स० १८८७। वि० श्रीकृष्ण की फागलीला।
प्रा०—दी पब्लिक लाइब्रेरी, भरतपुर।→१७-२६।

फाजिलअली (मिर्जा)—नवाब इनायतखाँ के पुत्र। औरंगजेब वजीर। सुखदेव के आश्रयदाता। सं० १७३३ के लगभग वर्तमान।→०६-३०७, दि० ३१-८०, स० १०-१३०।

फाजिलअली प्रकाश (पद्य)—सुखदेव (मिश्र) कृत। र० का० स० १७३३। वि० पिंगल।
(क) लि० का० स० १६१६।
प्रा०—पं० शिवविहारीलाल वकील, गोलागंज, लखनऊ।→०६-३०७ ए।
(ख) लि० का० स० १६१६।
प्रा०—पं० शिवदयाल, जौनपुर, डा० बिसवाँ (सीतापुर)।→२३-४१२ एम।
(ग) लि० का० स० १६२६।
प्रा०—राजा बलरामपुर का पुस्तकालय, गोंडा।→२०-१८७ सी।
(घ) लि० का० स० १६४०।
प्रा०—ठा० हरिबख्ससिंह, जमींदार, ममरेजपुर, डा० बेनीगंज (हरदोई)। →२६-४६५ डी।
(ङ) प्रा०—श्री दुर्गादत्त अवस्थी, कपिला, फर्रुखाबाद।→१७-१८३ सी।
(च) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच)। →२३-४१२ एन।
(छ) प्रा०—ठा० शिवप्रसादसिंह, कटेला, डा० फखरपुर (बहराइच)। →२३-४१२ ओ।
(ज) प्रा०—ठा० रणधीरसिंह, जमींदार, खानीपुर, डा० तालाबबख्शी (लखनऊ)।→२६-४६५ ई।

फाजिलशाह—शाह करीम के पुत्र और करम करीम के पौत्र। छतरपुर (बुंदेलखंड) निवासी। मदारबख्श और अलाबख्श इनके भाई थे। छतरपुर नरेश महाराज प्रतापसिंह के आश्रित। सं० १६०५ के लगभग वर्तमान।
प्रेमरत्न (पद्य)→०५-५६।

फारसी बरनमय मूलना (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत। लि० का० स० १६२२। वि० रामचरित्र।
प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→४१-२०६ ञ।

फीरोजशाह—मुगल बादशाह बहादुरशाह के द्वितीय पुत्र। सं० १६०० के लगभग वर्तमान। बाजनामा (दौलतनामा) इन्हीं की आज्ञा से लिखा गया था। →०३-६६।

फीलनामा (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० स० १६३६। वि० गज चिकित्सा।

फूलचिंतनी (पद्य)—रचयिता अज्ञात। लि का सं १८१६। वि शृंगार।
प्रा —पं गोकुलचंद प्रधानाध्यापक, मलपुरा (आगरा)।→२६-४५१।

फूलचंदनी (पद्य)—अन्य नाम 'रसप्रसून'। गुरुदास कृत। लि का सं १८१।
वि नायिका भेद।
प्रा —श्री मनीरामप्रसाद दीक्षित नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→२ ५१।

फूलबती (पद्य)—प्रेमदास कृत। लि का सं १६ ८। वि नायिकाभेद।
प्रा —पं लल्लूलाल मिश्र मवैया (फतहपुर)।→२-१११।

फूलबत्तीसी (पद्य)—मोहनसुंदर कृत। वि वसंत आदि ऋतुओं के फूलों और कृष्ण
रुक्मिणी संवाद तथा राधा का अंग वर्णन।
प्रा०—पुस्तक प्रकाश जोधपुर।→४१-२ ४।

फूलमंजरी (पद्य)—अन्य नाम पद्दोपमंजरी। पुरुषोत्तम कृत। वि राधा कृष्ण की
भक्ति और शृंगार।
(क) प्रा —पं श्रीराम मीठनपुर डा फतेहाबाद (आगरा)। →
२६-२४४ एच।
(ख) प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-२ ६।
टि प्रस्तुत पुस्तक को खो वि २६-२४४ एच पर भूल से नंददास कृत मान
लिया गया है।

फूलमंजरी (पद्य)—मोहनलाल कृत। र का सं १८७५। वि शृंगार।
प्रा —याज्ञिक संग्रह नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→सं १-११ क।

फूलमाला (पद्य)—दीप कृत। वि वियोग शृंगार।
(क) प्रा —मुंशी शंकरलाल कुलश्रेष्ठ खैरगढ़ (मैनपुरी)।→११-२१ सी।
(ख) प्रा०—महंत रामशरणदास कबीरपंथी मठ ऊँचगाँव डा बाबारगंज
(सुलतानपुर)।→सं ४-२४७।

फूलविलास (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। वि कृष्णलीला।
प्रा —बाबू राधाकृष्णदास चौखंबा वाराणसी।→ १-१२१ (चार)।

फेक (द्विज) – किसी राज सभा के कवि।
विरहचेतनी (पद्य)→सं १-११६।

फेंका—बुंदेलखंड निवासी।
कृष्णविलास (पद्य)→ ६-१ ।

बंगश खाँ—मालवा के सूबेदार। विविध कवि के आश्रयदाता। सं १७८ के लगभग
वर्तमान।→ ६ १४२।

बंजारानामा (पद्य)—नजीर कृत। वि संसार के व्याज से आमोपदेश।
प्रा —पं शालिग्राम अध्यापक देवखेड़ा डा सादाबाद (आगरा)। →
२६-३११ बी

बंशावली (बाँसावली) (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात। वि वैद्यक।
खो सं वि ७८ (११ -६४)

(क) प्रा०—गो० गोवर्द्धनलाल, राधारमण का मंदिर, त्रिमुहानी, मिरजापुर । →०६–१२० ।

(ख) प्रा०—श्री चंद्रभान विद्यार्थी एम० ए०, हिंदी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ । →स० ०४–४४३ ख ।

फुटकर बानी की भावना बोधिनी टीका (गद्यपद्य)—व्रजगोपालदास कृत । र० का० सं० १६०० । लि० का० सं० १६६६ । वि० हित हरिवंश के ग्रंथ 'फुटकर बानी' की टीका ।

प्रा०—बाबा संतदास, राधावल्लभ का मंदिर, वृंदावन (मथुरा) । →१२–३१ ।

फुटकर रचनाएँ (पद्य)—दीनदयाल (गिरि) कृत । वि० विविध ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स० ०४–१५७ ख ।

फुटकर संग्रह (पद्य)—गणेशशंकर कृत । र० का० सं० १८४२ । लि० का० सं० १८४२ । वि० विविध ।

प्रा०—ठा० नौनिहालसिंह सेंगर, काँथा (उन्नाव) । →२३–११३ ।

फुटकर साखी और कायावेली (पद्य)—रज्जब कृत । वि० निर्गुण ब्रह्म निरूपण ।

प्रा०—नगरपालिका संग्रहालय, इलाहाबाद । →४१–२११ ।

फूल (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि० फूलों के व्याज से शृंगार वर्णन ।

(क) लि० का० सं० १८६२ ।

प्रा०—श्री देवनाथ चौबे, पौउरअलवारा, डा० पश्छिम सरीरा (इलाहाबाद) । →स० ०१–१४० ख ।

(ख) प्रा०—याज्ञिक संग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी । →स० ०१–१४० क ।

फूलकुँवर फूलमति की वार्ता (गद्यपद्य)—रचयिता अज्ञात । र० का० सं० १८५२ । वि० फूलमती और फूलकुँवर का प्रेम वार्तालाप ।

प्रा०—श्री महावीरसिंह गहलोत, जोधपुर । →४१–३६३ ।

फूलचरित्र (पद्य)—मनोहरदास कृत । वि० शृंगार ।

(क) लि० का० सं० १८५६ ।

प्रा०—पं० आद्याप्रसाद मिश्र, अचकारी, डा० वेलवार (जौनपुर) । →स० ०४–२८५ ।

(ख) प्रा०—पं० कनौजीलाल, कटरा गोलीखैन, फरुखाबाद । →०६–१६२ ।

(ग) प्रा०—श्री वासुदेव, कमास, डा० माधोगंज (प्रतापगढ़) । →२६–२६६ ।

फूलचरित्र (पद्य)—विश्वंभरदास कृत । लि० का० सं० १८८२ । वि० शृंगार ।

प्रा०—श्री रमाकांत शुक्ल, पूरे गरीबदास, डा० गड़वारा बाजार (प्रतापगढ़) । →स० ०४–३६५ ।

फूलचिंतनो (पद्य)—मिट्ठूलाल कृत । वि० गोपियों का विरह वर्णन ।

प्रा०—पं० जुगलकिशोर, जगसोरा (इटावा) । →३५–६३ ।

के बादशाह मुहम्मदशाह के संकेत पर अभयसिंह ने अपने भाई इन्हीं बख्तसिंह को मार डाला था। ज्ञानमल सिंगी इनके दीवान थे। सं १७७६ के लगभग वर्तमान।→ २–४ २–८१ २–८६।

बख्ता (कविया)—चारण। राजस्थान निवासी। संभवतः जोधपुर के महाराज अभयसिंह के आश्रित।
अभयसिंह रा कवित (पद्य)→४१–४।

बख्तावर—हाथरस (अलीगढ़) निवासी। पंडित दयाराम के आश्रित और शिष्य। सं १८६ के लगभग वर्तमान।
सुन्यसार (पद्य)→ १–५६ १७–१२।

बख्तावर (चतुर्वेदी)—वैद्य। सं १८६६ के लगभग वर्तमान।
औषधियों के नुसखे (गद्य)→२१–२७।

बख्तावरमल या रतनलाल (जैन)—अग्रवाल। मीतल गोत्रीय। संघ काष्ठ आमनाय लोहाचारज और गच्छ पुष्करगच्छ। मित्र का नाम तुलाल। प्रथम नाम बख्तावर और दूसरा नाम रतनलाल। छोटे भाई का नाम रामप्रसाद।
आराधना कथा कोश (पद्य)→सं १–८२ क ख।

बख्तश—राजा रतनेश के भाई। शत्रुजीत के आश्रित। सं १८२१ के लगभग वर्तमान।
रसराज की टीका (गद्यपद्य)→ ६–७ पं २१–१।

बघेलवंश वर्णन (पद्य)—अजबेश कृत। र का सं १८६२। वि रीवाँ के राजा विश्वनाथसिंह का (बघेल) वंश वर्णन।
प्रा —रीवाँनरेश का पुस्तकालय रीवाँ।→ १–५।

बचऊदास—कायस्थ। सलेदू (रायबरेली) निवासी। महात्मा रामबकसदास के शिष्य। जन्म सं १८८८ के लगभग। मृत्यु सं १९६१ के लगभग।
जन्मचरित्र श्री गुरुबकसदासजी का (पद्य)→३५–६।

बजनागर जी—(?)
पद (पद्य)→सं १०–८१।

बजरंगचालीसा→ हनुमानचालीसा (तुलसीदास) कृत।

बजरंगचालीसी (पद्य)- लोकमणिदास कृत। वि हनुमान जी की स्तुति।
प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी।→४१–२४८।

बजरंगबान (पद्य)—तुलसीदास (?) कृत। वि हनुमान स्तुति।
प्रा —पं जगन्नाथप्रसाद ग्रामपरासुर्द डा॰ अकबारा (प्रतापगढ़)। → २६–४८४ एच।

(क) लि० का० स० १६१४ ।

प्रा०—श्री रामदत्त दूबे, मटेहरा, डा० घनश्यामपुर (जौनपुर)। → स० ०४-४७७।

(ख) प्रा०—श्री नौबतराम गुलजारीलाल वैद्य, फिरोजाबाद (आगरा)। → २६-३४३।

बंदीमोचन (पद्य)—रघुवरसिंह कृत। र० का० स० १६०४। वि० देवी माहात्म्य और और स्तुति।

(क) लि० का० स० १६२०।

प्रा०—ठा० रामदौर, भिटौरा, डा० केशरगंज (बहराइच)।→२३-४११ ए।

(ख) लि० का० स० १६५३।

प्रा०—पं० यशोदानंद तिवारी, फौंया (उन्नाव)।→२३-३६१ बी।

बंदीमोचन→'बजरंगबान' (तुलसीदास ? कृत)।

बंशीबीसा (पद्य)—ग्वाल (कवि) कृत। वि० वंशी के प्रति गोपियों की निंदा।

(क) प्रा०—बाबू पुरुषोत्तमदास, विश्राम घाट, मथुरा।→१७-६५ डी।

(ख) प्रा०—पं० जवाहरलाल चतुर्वेदी, कुँआवाली गली, मथुरा। → ३२-७२ ई।

बकस (कवि)—(?)

भागवत (दशमस्कंध) (पद्य)→२६-२१ ए, बी।

बखतकुँवरि—उप० प्रियासखी। दतिया की रानी। श्रीकृष्ण की भक्त स० १८४७ के लगभग वर्तमान।

बानी (पद्य)→०६-८।

बखतविलास (पद्य)—भोगीलाल कृत। र० का० स० १८५६। लि० का० स० १८५७। वि० रस, नायिका भेद आदि।

प्रा०—पं० मातादीन द्विवेदी, कुसुमरा (मैनपुरी)।→२६-६३।

टि० प्रस्तुत प्रति कवि की स्वहस्तलिखित है।

बखतसिंह (राजा)—कोई राजा। पिता का नाम उम्मेदसिंह।

इश्कशतक (पद्य)→स० ०१-२२८।

बखनाजी—दादूदयाल के शिष्य। राजस्थानी। भक्तमाल के अनुसार तुक और तान के तत्ववेत्ता।

आरती (पद्य)→सं० ०७-१२६ क।

पदमाकथा (पद्य)→स० ०७-१२६ ख।

बाणी (पद्य)→सं० ०७-१२६ ग।

बख्तराम—जैन। जयपुर के निवासी। स० १७२१ के लगभग वर्तमान।

मिथ्यात्व खंडननाटक (पद्य)→२३-२६।

बख्तसिंह—जोधपुर नरेश महाराज अजीतसिंह के पुत्र और अभयसिंह के भाई। दिल्ली

रसदीपक (पद्य)→०५–२७ ।

बरनराय—जाति के कठोड़िया भाट । अवध के समीप इडहा परगना के अंतर्गत मकरपुर के निवासी । गुरु का नाम दयाराम । संभवतः पिता का नाम कुन परवीना पितामह का खेमकरन और प्रपितामह का नाम महीप (महीपा) भाट । ई १८७६ के लगभग वर्तमान ।

रामाश्वमेध (पातालखंड) (पद्य)→सं ४–२२५ ।

बरनसिंह (महाराज)—भरतपुर नरेश । महाराज प्रतापसिंह के पिता । कलानिधि के आश्रयदाता । सं १७९९ के लगभग वर्तमान । → ६–१९८; १७–९१ सं २२–१ १ ।

बरसा (पद्य)—रिसालगिरि कृत । वि वियोग वर्णन ।

प्रा —श्री महावीर शुक्ल शाहदरा (दिल्ली) ।→दि ३१–७९ ।

बरसीदास (बाबा)—सतनामी संप्रदाय के अनुयायी । स्वा जगजीवनदास के पुत्र जलालीदास के शिष्य । ये जंगल में कुटी बनाकर रहते थे । सं० १८ ११ के लगभग वर्तमान ।

मनमौप्रकाश (पद्य)→३५ ७ सं १–२११ सं ४–२२६ क, ख ।

भक्तिविलास (पद्य)→सं ४–२२६ ग ।

बद्रीनाथ स्तोत्र (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि स्तुति ।

प्रा —पं रामगोपाल वैद्य जहाँगीराबाद (बुलंदशहर) ।→१७–८ (परि १) ।

बद्रीयात्रा कथा (पद्य)—हुलासनि कृत । र का सं १८८८ । वि यात्रा विवरण ।

प्रा —लाला श्रीकंठनाथसिंह बेनुआँवाँ (बस्ती) ।→सं ४–२२४ ।

बद्रीप्रसाद—सं १८६७ के पूर्व वर्तमान ।

पद्‌रत्नशिक्षा (गद्य)→२३–२२ ए, बी सी दि ३१–६ ।

बद्रीलाल (गुसाईं)—(?)

भगवद्गीता की भाषा टीका (गद्य)→४१–१४२ ।

बधाईगीतसार (पद्य)—विविध कवि (अष्टछाप के तथा अन्य कृष्ण भक्त) कृत । वि कृष्णलीला आदि ।

प्रा०—श्री शंकरलाल लमावानी श्रीगोकुलनाथ जी का मंदिर गोकुल (मथुरा) । →३५–१२१ ।

बधाई संग्रह (पद्य)—विविध कवि (अक्सलाल, कृष्णदास कुंजलाल दामोदरहित प्रेमदास कमलनैन रूपलाल भोरीसखी हित गुलाब, हित वल्लभ) कृत । वि हित हरिवंश जी की कृष्ण बधाई ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी संग्रहालय इलाहाबाद ।→४१–४१२ ।

बधाई सागर (अनु) (पद्य)—विविध कवि कृत । वि कृष्ण भक्ति ।

बजरंगसाठिका→'बकरंगबान'। (तुलसीदास ? कृत)।
बजरंगसाठिका→ हनुमानसाठिक' (तुलसीदास ? कृत)।

बज्रनाभ की कथा (पद्य)—बालकृष्ण (नायक) कृत। वि० हरिवंश की संस्कृत रचना के आधार पर राजा बज्रनाभ की कथा।
प्रा०—बिजावरनरेश का पुस्तकालय, बिजावर।→०६-१०० आई।

बटुकबहादुरसिंह—कमौली (वाराणसी) जमींदार। सतीप्रसाद के आश्रयदाता।→ ०६-२३०।

बटुनाथ या बटुकनाथ—ऋषिराम के पुत्र। श्री मुनिकांतिसागर के अनुसार भरतपुर निवासी, भरतपुर नरेश बलवंतसिंह के आश्रित तथा सं० १८६६ के लगभग वर्तमान।
आनंदरसवल्ली (पद्य)→४१-२५१ ख।
शनिचरित्र (पद्य)→४१-२५१ क।

बटेश्वर माहात्म्य (पद्य)—गंगाप्रसाद (माथुर) कृत। र० का० सं० १९०३। लि० का० सं० १९१०। वि० बटेश्वर नामक धार्मिक स्थान का माहात्म्य।
प्रा०—बाबू रामबहादुर अग्रवाल, बाह (आगरा)।→२६-११० ए।

बड़ीओनम (पद्य)—माधोदास कृत। वि० ब्रह्मनिरूपण, नाम माहात्म्य, भक्ति, गुरु महिमा आदि।
(क) लि० का० सं० १८६६।
प्रा०—पं० अयोध्याप्रसाद, भरथना (इटावा)।→३८-६३ बी।
(ख) प्रा०—पं० महादेवप्रसाद कारिंदा, बसरेहर (इटावा)।→३८-६३ ए।

बड़ी बेड़ी को समयो→'पृथ्वीराजरासो' (चंदवरदाई कृत)।
बड़े छप्पनभोग को क्रम (गद्य)—रचयिता अज्ञात। लि० का० सं० १८५०। वि० पुष्टि मार्गी संप्रदाय में छप्पन भोगों का वर्णन।
प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली।→सं० ०१-५४१।

बत्तीसअच्छरी (पद्य)—गोविंददास कृत। वि० ज्ञानोपदेश।
प्रा०—ठा० रुस्तमसिंह वर्मा, असवाई, डा० सिरसागंज (मैनपुरी)।→ ३२-६६ ए।

बत्तीसलच्छण (भगवदीय वैष्णवों के लच्छण)→'वैष्णवलच्छण (ग्रंथ)' (गो० गोकुलनाथ कृत)।
बत्तीसलच्छण—गोरखनाथ कृत। 'गोरखबोध' में संगृहीत।→०२-६१ (बाईस)।
बदन (कवि)—अग्निहोत्री ब्राह्मण। दामोदर के पुत्र। दयाराम के पौत्र और मनीराम के प्रपौत्र। गिरवाँ (गिरिग्राम) जिला बाँदा के निवासी। गढकोटा के राजा पृथ्वीसिंह के आश्रित। सं० १८०८ के लगभग वर्तमान।

ब्रह्मावस्थ विज्ञान छत्तीसा (पद्य)→२ -११ एल।
ब्रह्मास्त्र शांति सुपुप्ति (पद्य)→२ ११ एम।
भावामुक्तावली (पद्य)→१ -११ एन सं १-२१ ख।
रामकृपा (पद्य)→२ -११ ओ।
विज्ञान मुक्तावली (पद्य)→२ -११ क्री सं १-२१ घ।
विवेकमुक्तावली (पद्य)→२ -११ पी।
समस्यावली (कुमिकावली) (पद्य)→२ -११ ई।
सार शब्दावली (पद्य)→२०-११ क्यू।
हनुमत विजय (पद्य)→२ -११ आर।

बनारसी—कोई संत।

पद (पद्य)→सं ७-१२८।

बनारसी→'काशीगिरि' (लावनी बाज)।

बनारसीदास (जैन —मूल निवास स्थान जौनपुर। पश्चात आगरा निवासी। पिता का नाम खड्गसेन। सं १६४३ में जन्म। लगभग सं १६६१ तक वर्तमान।

अर्द्धकथानक (पद्य)→सं १ -८४ क।
कल्याणमंदिर (भाषा) (पद्य)→ -१ ४ दि ११-११ ए; सं १ -८४ ख।
ज्ञानपच्चीसी (पद्य)→१५- ए।
ध्यानबत्तीसी की कथा (पद्य)→१२-१८ बी।
पंद्रहपात्र की चौपाई (पद्य)→१२-१८ ए।
बनारसी विलास (पद्य)→२३-३४ ए, सं ४-२१२ सं १ -८४ ग घ।
बावन सवैया (पद्य)→२३-३६ ए।
मार्गनाविधान (पद्य)→१७-१६ डी।
मोक्षमार्ग पैड़ी (पद्य)→ -१ १ १७ १६ बी।
वेदनिर्णय पंचाशिका (पद्य)→१७ १६ सी; २३-३६ बी।
वैराग्य अष्टक (भाषा) (पद्य)→१५-१ डी।
शिवपच्चीसी (पद्य)→१५-१ बी।
समयसार नाटक (पद्य)→ -११२ ११-११ बी दि ११-११ बी ४१-१११ (अप्र); सं ७-१२७ क, ख; सं १ -८४ ड च छ, ज।
साधुवंदना (पद्य)→ -१०१ १७-१६ ए।
सूक्ति मुक्तावली (पद्य)→२३-३६ बी।

बनारसी विलास (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। सं का सं १७०१। वि बावनी सवैया वेदनिर्णय शिवपच्चीसी ज्ञानपच्चीसी और कल्याण मंदिर आदि फुटकर रचनाओं का संग्रह।

प्रा०—श्री शंकरलाल समाधानी, श्री गोकुलनाथ जी का मंदिर, गोकुल (मथुरा)। →३५–१२२।

बधाईसार (अनु०) (पद्य)—विविध कवि (गिरधर, ब्रजपति, रसिकप्रीतम आदि) कृत। वि० कृष्ण भक्ति।
प्रा०—पं० मयाशंकर याज्ञिक, अधिकारी, मंदिर गोकुलनाथ जी, गोकुल (मथुरा)। →३५–१२३।

बनजन प्रशंसा पद प्रबंध (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १८१६। वि० बृंदावन की भूमि, गुल्म, लता, पक्षी आदि की प्रशंसा।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→०१–११७।

बनमाली—राठौर क्षत्रिय। महुली परगना (दशरथपुर मंडल, बस्ती) के घोराग ग्राम के निवासी। पुत्र का नाम भवानीशंकर। सं० १८५८ के लगभग वर्तमान।
सुदामाचरित्र (पद्य)→सं० ०४–२२७।

बनमाली—(?)
द्वादस महावाक्य विचार (पद्य)→३२–१७, ३८–४ बी।
षटशास्त्रवेद द्वादस महावाक्य विचार (पद्य)→३८–४ ए।

बनवारीदास (बनवारीलाल)—(?)
दंपति रसिकतरंग (बारहमासा) (पद्य)→सं० ०४–२२८।

बनविनोद लीला (पद्य)—नागरीदास (महाराज सावंतसिंह) कृत। र० का० सं० १८०६। वि० कृष्ण का चने के खेतों से चने चुराकर खाना।
प्रा०—बाबू राधाकृष्णदास, चौखंभा, वाराणसी।→०१–१२२।

बना (पद्य)—रघुवरशरण कृत। वि० रामचंद्र जी के वर रूप का वर्णन।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया।→०६–३०६ बी (विवरण अप्राप्त)।

बनादास—क्षत्रिय। जिला गोंडा के निवासी। विरक्त होकर अयोध्या में रहने लगे थे। काव्यकाल सं० १९०० से १९४७ तक।
अनुराग विवर्द्धक रामायण (पद्य)→सं० ०१–२३० क।
अर्जपत्रिका (पद्य)→२०–११ ए।
आत्मबोध (पद्य)→२०–११ बी।
उभयप्रबोधक रामायण (पद्य)→२०–११ सी।
खंडनखंग (पद्य)→२०–११ डी।
नामनिरूपण (पद्य)→२०–११ एफ।
ब्रह्मायण तत्व निरूपण (पद्य)→२०–११ एच।
ब्रह्मायणद्वार (पद्य)→२०–११ आई, सं० ०१–२३० ग।
ब्रह्मायण पराभक्ति परत्तु (परत्व) (पद्य)→२०–११ जे।
ब्रह्मायण परमातम बोध (पद्य)→२०–११ के।

ब्रह्मचर्य विज्ञान बत्तीसी (पद्य)→२ -११ एल।
ब्रह्मानन्द शांति सुपुप्ति (पद्य)→२ ११ एम।
मानमुक्तावली (पद्य)→२०-११ एन सं १-२१ ख।
रामकथा (पद्य)→२ -११ ओ।
विज्ञान मुक्तावली (पद्य)→२ -११ श्री सं १-२१ घ।
विवेकमुक्तावली (पद्य)→२ -११ पी।
समस्यावली (कुमिकावली) (पद्य)→२ -११ ई।
सार शब्दावली (पद्य)→२ -११ क्यू।
हनुमत विजय (पद्य)→२ -११ आर।

बनारसी—कोई संत।

पद (पद्य)→सं ७-१२८।

बनारसी→'काशीगिरि' (लावनी बाज)।

बनारसीदास (जैन —मूल निवास स्थान जौनपुर। पश्चात आगरा निवासी। पिता का नाम खड्गसेन। सं १६४३ में जन्म। आगमन सं १६९१ तक वर्तमान।

अर्धकथानक (पद्य)→सं १ -८४ क।
कल्याणमंदिर (भाषा) (पद्य)→ -१ ४ दि ११-११ ए, सं १ -८४ ख।
ज्ञानपच्चीसी (पद्य)→१५-१ ए।
दौलतराम की कथा (पद्य)→१२-१८ बी।
पंचपदपाठ की चौपाई (पद्य)→१२-१८ ए।
बनारसी विलास (पद्य)→२१-१६ ए, सं ४-२१६ सं १ -८४ ग घ।
बावन सवैया (पद्य)→२६-१६ ए।
मार्गनाविधान (पद्य)→१७ १६ बी।
मोक्षमार्ग पैड़ी (पद्य)→ -१ ६ १७ १६ सी।
वेदनिर्णय पंचाशिका (पद्य)→१७ १६ डी; २६-१६ सी।
वैद्यक भाषाक (भाषा) (पद्य)→१६-१ डी।
शिवपच्चीसी (पद्य)→१५-१ बी।
समयसार नाटक (पद्य)→ -१११ ११-१६ बी दि ११-११ बी; ४१-५११ (अप्र) सं ७-१२७ क, ख सं १ -८४ क च छ, ज।
साधुवंदना (पद्य)→ ०-१०५ १७-१६ ए।
सूक्ति मुक्तावली (पद्य)→२६-१६ बी।

बनारसी विलास (पद्य)—बनारसीदास (जैन) कृत। र का सं १७०१। लि बावनी सवैया वेदनिर्णय शिवपच्चीसी ज्ञानपच्चीसी और कल्याण मंदिर आदि फुटकर रचनाओं का संग्रह।

(क) लि० का० स० १८४१ ।

प्रा—जैन मदिर (बड़ा), नारानकी ।→२३-३६ प ।

(ख) लि० का० स० १८८१ ।

प्रा०—दिगबर जैन पंचायती मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→सं० १०-८४ ग ।

(ग) लि० का० स० १६६२ ।

प्रा०—आदिनाथ जी का मदिर, आबूपुरा, मुजफ्फरनगर ।→स० १०-८४ घ ।

(घ) प्रा०—श्री दिगबर जैन मदिर, (बड़ा मदिर), चूड़ीवाली गली, चौक, लखनऊ ।→स० ०४-२२६ ।

बबुरवाहन कथा (पद्य)—कृष्णदेव कृत । लि० का० स० १८६७ । वि० बभ्रुवाहन की कथा का वर्णन ।

प्रा०—श्री विंध्येश्वरी तिवारी, बड़गहन, डा० बरदह (आजमगढ)। → स० ०१-५३ ।

बबुरवाहन कथा→'बभ्रुवाहन कथा' (कनकसिंह कृत) ।

बबुरवाहन की कथा (जैमिनिपुराण)→'बभ्रुवाहन कथा' (प्राणनाथ त्रिवेदी कृत) ।

बयालीस लीला (पद्य)—ध्रुवदास कृत । र० का० स० १६८६ । लि० का० स० १६४८ । वि० कृष्ण लीला ।

प्रा०—श्री हिंदी साहित्य पुस्तकालय, मोरावाँ (उन्नाव ।→सं० ०४-१७५ ।

बरजोरसिंह (राजा)—हरिशकर द्विज के आश्रयदाता । स० १६५१ के लगभग वर्तमान ।→०६-२५८, २६-१७२ ।

बरनउमग (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० स० १६११ । वि० सीताकुंड (अयोध्या) की महिमा का वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ ढ ।

बरनचरित्र (पद्य)—मनोहरदास कृत । लि० का० स० १६३५ । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—श्री छोटकधर द्विवेदी, अढनी, डा० सरायममरेज (इलाहाबाद) → सं० ०१-२७४ ।

बरनबोध (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० स० १६२२ । वि० रामभक्ति महिमा ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ द ।

बरनमाला (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । वि० राम माहात्म्य ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ ण ।

बरनविचित्र (पद्य) -युगलानन्यशरण कृत । लि० का० स० १६२२ । वि० राम चरित्र ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→४१-२०६ त ।

बरनविहार (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि० का० स० १६२१ । वि० रामभक्ति का उपदेश ।

प्रा —नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२ ६ घ ।

बरवा (पद्य)—बान कवि (न्यामत खाँ) कृत । लि का सं १७०- । वि शृंगार ।

प्रा —हिंदुस्तानी एकादमी इलाहाबाद ।→सं १-१२९ छ ।

बरवा (पद्य)—रचयिता अज्ञात । वि स्त्रियों का समाज सौंदर्य और विरहोक्तियाँ ।

प्रा —पं हीरालाल शर्मा कुसुमरा (मैनपुरी) ।→१८-१६८ ।

बरवा विश्वास भावना रहस्य (पद्य)—युगलानन्यशरण कृत । लि का सं १६२२ ।

वि श्री सीताराम का प्रेम और रहस्य वर्णन ।

प्रा—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→४१-२ ६ घ ।

बरवै (पद्य)—गोरेलाल पुरोहित (उप लाल कवि) कृत । वि स्फुट ।

प्रा —बाबू जगन्नाथप्रसाद प्रधान धर्मशिक्षक (हेड एकाउंटेंट) छतरपुर ।→ ६ ४१ ए ।

बरवै (पद्य)—मदन (भवानीप्रसाद) कृत लि का सं १८७१ के लगभग । वि शृंगार ।

प्रा —डा भिखोकीनारायण दीक्षित हिंदी विभाग लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ ।→सं ४-२६ ख ।

बरवै नखशिख (पद्य)—सेवकराम कृत । लि का सं १६६१ । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य संकठाजी की गली वाराणसी ।→ ६-२८६ ।

बरवै नायिकाभेद (पद्य)—मतिराम कृत । वि नायिकाभेद ।

(क) लि का सं १६ ४ ।

प्रा —पं कृष्णबिहारी मिश्र ११८, मिश्राबेन लखनऊ ।→२३ २७६ ई ।

(ख) प्रा —श्री मणिशिखर द्विवेदी मझगवा डा मशिपारा (आजमगढ़) । सं १-२६६ ।

टि खो वि २६-२७६ ई में रहीम के बरवै भी सम्मिलित हैं ।

बरवै नायिकाभेद (पद्य)—रहीम कृत । वि नाम से स्पष्ट ।

प्रा —पं चुन्नीलाल वैद्य संकठाजी की गली वाराणसी ।→ ६-१ ।

बरवै रामायण (पद्य)—तुलसीदास (गोस्वामी) कृत । वि रामायण की संक्षिप्त कथा ।

(क) लि का सं १७२७ ।

प्रा —प्रतापगढ़नरेश का पुस्तकालय प्रतापगढ़ ।→२६-४७४ एम ।

(ख) लि का सं १८७१ ।

प्रा —महाराज बनारस का पुस्तकालय रामनगर (वाराणसी) ।→ १-८ ।

(ग) लि का सं १६ १ ।

प्रा —बाबू पद्मनारायणसिंह, सर्वेपुर बहराइच ।→२६-४२२ बी ।

(घ) लि का सं १६०२ ।

प्रा—पं श्यामबिहारी मिश्र गोलागंज, लखनऊ ।→२६-४१२ सी ।

(ङ) लि० का० स० १६४७ ।

प्रा०—गौरहारनरेश का पुस्तकालय, गौरहार ।→०६–२४५ ए (विवरण अप्राप्त) ।

(च) प्रा०—सरस्वती भंडार, लक्ष्मण कोट, अयोध्या ।→१७–१६६ बी ।

(छ) प्रा०—भिनगानरेश का पुस्तकालय, भिनगा (बहराइच) ।→२३–४३२ ए ।

बरवै षटऋतु (पद्य)—अचलस्याम कृत । वि० षट्ऋतु और गोपियों का विरह वर्णन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०१–४३८ ।

बरस दिन के उत्सव को भाव (गद्य)—हरिराय (गोस्वामी) कृत । लि० का० स० १६५६ । वि० पुष्टि मार्गी उत्सवों का वर्णन ।

प्रा०—श्री सरस्वती भंडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–४८६ द ।

बरसाना वर्णन (पद्य)—मुरलीधर कृत । र० का० स० १८१२ । वि० बरसाने की महिमा ।

प्रा०—ठा० उमरावसिंह रईस, उड़ियामई, डा० शिकोहाबाद (मैनपुरी) । → ३२–१४७ ।

बराटिका प्रश्न (पद्य)—हरिवंश (द्विज) कृत । वि० शकुन ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→स० ०४–१४० ।

बरारी मुगल→'वारण (कवि) ('रत्नाकर' के रचयिता) ।

बरिबंड विनोद (पद्य)—जीवन (कवि) कृत । र० का० स० १८७३ । वि० नायिका-भेद और नवरस ।

प्रा०—कुँवर रामेश्वरसिंह जमींदार, नेरी (सीतापुर) ।→१२–८६ ।

बरिबंडसिंह—नेरी (सीतापुर) के रईस । जीवन कवि के आश्रयदाता । स० १८७३ के लगभग वर्तमान ।→१२– ६ ।

बरिबंडसिंह→'बलवंतसिंह' (काशी नरेश) ।

बलख की पैज (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० कबीर और शाह बलख के प्रश्नोत्तर ।

प्रा०—पं० भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४३ आई ।

बलदेव—स० १८४१ के लगभग वर्तमान ।

कादंबरी (पद्य)→०५–५८ ।

बलदेव—संभवत' हाथरस निवासी बलदेवदास जौहरी ।

हनुमानस्तोत्र (पद्य)→३२–१३ ।

बलदेव (कवि)—राजा विक्रमसाहि बघेल (बघेलखंड) के आश्रित ।

दशकुमारचरित (पद्य)→स० ०१–२३१ ।

बलदेव (द्विज)—वास्तविक नाम बलदेवप्रसाद अवस्थी । दसपुर (सीतापुर) के निवासी । इछिया राज्य (नैमिषारण्य से ईशानकोण की ओर चार योजन पर) के राजा दलथंभनसिंह के आश्रित । सं० १६३१ के लगभग वर्तमान ।

प्रतापविनोद (पद्य)→२३–३१ बी, सी ।

सुकमाल (पद्य)→२३–३१ ए ।

बजराज विहार (पद्य)→२१ ११ ई।
शृंगार सुधाकर (पद्य)→२१-११ बी सं ४-२११।

बलदेव (माथुर)—मथुरा निवासी। रामपुर के नवाब के आश्रित।
नीतिप्रकाश (पद्य)→१२-१४।

बलदेव (मिश्र)—औरंगजेब के समकालीन। आजमगढ़ के संस्थापक राजा आजमति खाँ और आजम खाँ के पुरोहित।
आजमति खाँ यश वर्णन (पद्य)→४१-१५ ख।
स्फुट रचना (पद्य)→४१-१५ क।

बलदेव (सनाढ्य)—सं १८११ के पूर्व वर्तमान।
गरुड़पुराण (भाषा) (पद्य)→१५-८

बलदेव कथा (पद्य)—बलसिंह (बलदेव) कृत। लि का सं १८८२। वि श्रीकृष्ण के भाई बलदेव जी की कथा।
प्रा —बांधवेश भारती भंडार (रीवाँ नरेश का पुस्तकालय), रीवाँ। →
०-१९३।

बलदेवदास—श्रीवास्तव कायस्थ। कल्यानपुर परगनांतर्गत दौलतपुर (फतेहपुर) निवासी। दीनदयाल के पुत्र। सं १९११ के लगभग वर्तमान।
जानकीविजय (पद्य)→२१-१२ ए, बी २६-२५।

बलदेवदास—कनौद (पटियाला) निवासी। संभवतः सं १७८८ के लगभग वर्तमान।
बलदेवप्रकाश (गद्य)→पं २२-११।

बलदेवदास (जौहरी)—अग्रवाल वैश्य। जन्म स्थान हाथरस (अलीगढ़)। पिता का नाम बलगोपाल। राधारमणी (माध्व संप्रदाय) के वैष्णव। श्रीनगर नरेश वीरशाहसिंह के आश्रित। सं १९ १-११ के लगभग वर्तमान।
कृष्णलीला (पद्य)→२६-११।
कृष्णलीला (पद्य)→२६-११।
रामचंद्र हनुमान की नामावली (पद्य)→२३-१ बी।
विचित्र रामायण (पद्य)→१७-१४ १२-१५।
श्रीकृष्ण जन्मखंड (पद्य)→२३-१ ए, सं ४-२१।

बलदेवप्रकाश (गद्य)—बलदेवदास कृत। लि का सं १७८८। वि वैद्यक। →
पं २२-११।

बलदेवप्रसाद—अग्रवाल वैश्य। अमरोहा (कानपुर) निवासी। राव शिवबहादुर और चरखारी के मर्दिनसिंह के आश्रित। सं १९३ के लगभग वर्तमान।
विरहिणी बारहमासा (पद्य)→२१-१४।

बलदेवप्रसाद (अवस्थी)→'बलदेव (द्विज)' ('प्रतापविनोद' आदि के रचयिता)।

बलदेव रासमाला (पद्य)—शृगार (सिंगार) कृत । वि० बलदेव जी की रामलीला ।
प्रा०—लाला कामताप्रसाद, बिजावर ।→०६–३३२ (विवरण अप्राप्त) ।

बलदेवविलास (पद्य)—दयाकृष्ण कृत । र० का० स० १८६८ । लि० का० स० १६०० ।
वि० अलकार ।
प्रा०—प० परमानद शर्मा, बलदेव (मथुरा) ।→१७–४६ सी ।

बलदेवपटक (पद्य)—रसनिधि कृत । वि० बलरामजी के यश और महिमा का वर्णन ।
प्रा०—श्री सरस्वती भडार, विद्याविभाग, काँकरोली ।→स० ०१–३२२ ।

बलवीर—दूबे ब्राह्मण । भगीरथ के पुत्र । कन्नौज निवासी । शाह आलम बादशाह के पुत्र शाहजादा अजीम के सेवक । मुहम्मद अनवर एव नवाब हिम्मतखाँ के आश्रित । स० १७४१-१७५६ के लगभग वर्तमान ।
उपमालकार नखशिख वर्णन (पद्य)→०२–२७, २३–३४ बी, २६–३८ ए, बी, २६–२२ सी ।
रससागर (पद्य)→०२–२८, २३–३४ ए, २६–३८ सी, डी, ई, २६–२२ ए, बी ।
पिंगल मनहर (पद्य)→०१–८२ ।

बलबीर—तिरहुत के क्षत्री । स० १६०८ के लगभग वर्तमान ।
दुर्गापर्व (पद्य)→१७–१३ ।

बलभद्र—ओड़छा के सनाढ्य ब्राह्मण । काशीनाथ के पुत्र । प्रसिद्ध कवि केशवदास के बड़े भाई । वृंदावन निवासी । स० १६४१ के लगभग वर्तमान ।→०२–६८ (सात) ।
कवित्त भाषा दूषण विचार (पद्य)→०६–१६, २३–२६ ।
नखशिख (पद्य)→००–१११, ०२–४५, ०६–१५, २३–२८, २६–२६ ए, बी, २६–२३ ।

बलभद्र—क्षत्रिय । केशवदास के पुत्र । सवत् १६६५ के लगभग वर्तमान ।
वैद्यविद्या विनोद (पद्य)→१२–६, स० ०४–२३२ क, ख ।

बलभद्र—(?)
षटनारी षट वर्णन (पद्य)→३२–११ ।

बलभद्र—जयकृष्ण कवि कृत 'कवित्त' नामक ग्रथ में इनकी रचनाएँ सगृहीत हैं । →०२–६८ (सात) ।

बलभद्र नखशिख→'नखशिख टीका' (प्रतापसाहि कृत) ।

बलभद्रपचीसी (पद्य)—दामोदरदेव कृत । र० का० स० १६२३ । लि० का० स० १६२३ । वि० बलराम जी की स्तुति ।
प्रा०—टीकमगढनरेश का पुस्तकालय, टीकमगढ ।→०६–२४ ई ।

बलभद्रप्रकाश (पद्य)—करणेश (महापात्र) कृत । लि० का० स० १८६६ । वि० जसवतसिंह कृत 'भाषाभूषण' की टीका ।
प्रा०—महाराज श्रीप्रकाशसिंह जी, राज्य मल्लाँपुर (सीतापुर) ।→०६–२२५ ।

बलभद्रप्रकाश (पद्य)—राम (कवि) कृत । र० का० स० १८६३ । लि० का०

बलिचरित्र (पद्य)—केशव कृत। वि० राजा बलि और वामन अवतार की कथा।
प्रा०—भानुप्रताप तिवारी, चुनार (मिरजापुर) ।→०६–१४६ ए।

बलिचरित्र (पद्य)—हृदयराम कृत। वि० बलि और वामन की कथा।
प्रा०—प० बाबूलाल शर्मा, लिपिक (क्लर्क), विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय, मेरठ ।→१२–७५।

बलिदेवदास—सभवत. बलदेवदास जौहरी ।→स० ०४–२३०।
कृष्णचद्रिका (पद्य)→स० ०४–२३३।

बलिराम—उप० बली। स० १८८१ के लगभग वर्तमान।
अद्वैतप्रकाश (पद्य)→१७–१८, ३८–१५६ ए, ४१–५२२ (अप्र०), ४१–५२३ (अप्र०)।
झूलना (पद्य)→०६–७।
नामरहित ग्रथ (पद्य)→४१–१५२।
वस्तुविचार (पद्य)→३८–१५६ सी।
षट्शास्त्र विचार (पद्य)→३८–१५६ बी।

बलिराम—सभवत. नदराम के पिता। स० १७३३ के लगभग वर्तमान ।→००–१२६।
रसविवेक (पद्य)→ ०४—२५।

बलिराम—(?)
विवेककली (पद्य)→स० ०१–२३३।

बलिवामन की कथा (पद्य)—लालदास कृत। वि० राजा बलि और वामनावतार की कथा।
प्रा०—दतियानरेश का पुस्तकालय, दतिया ।→०६–१६१ (विवरण अप्राप्त)।

बलिहारी—सभवत पंजाब निवासी कोई वैष्णव।
पद सग्रह (पद्य)→४१–१५३।

बली या बलीराम→'बलिराम' ('अद्वैतप्रकाश' आदि के रचयिता)।

बलूकिया विरही की कथा (पद्य)—जान कवि (न्यामत खाँ) कृत। र० का० सन् १०४४ हि०। लि० का० स० १७७७। वि० नाम से स्पष्ट।
प्रा०—हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद ।→स० ०१–१२६ ध।

बल्लूदास—तमोली। वशज सुतलापुर का पुरवा (बहराइच) में वर्तमान।
निर्गुणप्रकाश (पद्य)→२३–३५।

बसत विहार नीति (पद्य)—ऋतुराज कृत। र० का० स० १६१०। लि० का० स० १६११। वि० गुलिस्ताँ का भाषानुवाद (मौलवी अब्दुलहादी की सहायता से)।
प्रा०—महाराज बनारस का पुस्तकालय, रामनगर (वाराणसी) ।→०४–१।

बसंतराज (पद्य)—कालिदास कृत । वि० शकुन विचार ।

(क) प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी ।→सं० १-४० क ।

(ख) प्रा०—पं० रामदयाल तिवारी, डंग्वापुर, डा० मरारी (इलाहाबाद) । →सं० १-४ ग ।

बसिम्बोध (पद्य)—कबीरदास कृत । वि० ज्ञानोपदेश ।

प्रा०—नागरीप्रचारिणी सभा वाराणसी ।→सं० १-१२ क ।

बहुपकलदास या बहुमकलदास→ बहमल जी ('बनरी' के रचयिता) ।

बहमन—हीरापुर हिंडोन के निवासी । अबलिखामान के शिष्य । बहादुरशाह बादशाह और हीरापुर हिंडोन के नवाब ताजखाँ खाँ के समकालीन । सन् ११२१ हिजरी के लगभग वर्तमान ।

रमल (?) (पद्य)→सं० ४-२१४ ।

बहमल जी—अन्य नाम बहकलदास या बहमकलदास । संभवतः पंजाबी ।

बनड़ी (पद्य)→सं० १ -८५ ।

बहादुरराज→'बहादुरसिंह' (रूपनगर कृष्णगढ़ नरेश) ।

बहादुरशाह—अन्य नाम मुअज्जमशाह । मुगल बादशाह औरंगजेब के पुत्र । आलम के आश्रयदाता । राज्यकाल सं० १७६४-१७६९ ।→ १ ११ ८ ९ ।

बहादुरसिंह—उप० बहादुरराज । रूपनगर (कृष्णगढ़) नरेश । महाराज राजसिंह के पुत्र । सुंदरि कुँवरि के भाई । इन्हीं के व्यवहारों से दुखी होकर इनके भाई महाराज सावंतसिंह (नागरीदास) अपने लड़के को राज्य देकर वृंदावन चले गए थे । बाद में इन्होंने महाराज सावंतसिंह के पुत्र को गद्दी से उतार दिया था । चाचा हितवृंदावनदास के आश्रयदाता । सं० १८२१ के लगभग वर्तमान ।→ १-१ ६; ४-५८ १७-१४ ।

बहादुरसिंह—महाराज बदनसिंह के पुत्र । भरतपुर नरेश । सोमनाथ के आश्रयदाता । सं० १८०६ के लगभग वर्तमान ।→ ४-८७ ६-२६८ ।

बहादुरसिंह—बलरामपुर (गोंडा) के राजकुमार । शिवनाथ के आश्रयदाता । सं० १८५४ के लगभग वर्तमान ।→२ -१८३ ।

बहादुरसिंह (मैया) का रासा (पद्य)—शिवनाथ कृत । र० का० सं० १८५४ । वि० एक शरणागत की रक्षा के लिये युद्ध का वर्णन ।

प्रा०—महाराज बलरामपुर का पुस्तकालय बलरामपुर (गोंडा) ।→२ -१८३ ।

बहाब—किसी मुहम्मद के शिष्य ।

बारहमासा (पद्य)→२६-४८६ प०, बी सी सं० ४-२३५ क ख; सं० ७-१९९ ।

बहावली (सेख)—सैयद जाति के मुसलमान । रामोदास के भक्तमाल में जिनका वर्णन (अधम वर्णन) के अंतर्गत हस्तलिखित सादूपंथी संत 'सेखबहावली' । राजस्थान पंजाब और कुछ अन्य प्रदेशों की सीमा पर किसी स्थान के निवासी ।

पद (पद्य)→सं० ७-११ ; सं० १ -८६ ।

बहुरंगीसार→'परमानंद विलास' (परमानददास कृत)।

बहुला कथा (पद्य)—अन्त नाम 'बहुलाव्याघ्र सवाद'। मानसिंह (सिंह) कृत। र० का० सं० १८०५। वि० भविष्योत्तर पुराणांतर्गत बहुला व्याघ्र सवाद।

(क) लि० का० स० १८३५।

प्रा०—प रामअवतार, नोगहाँ, डा० शाहमऊ (रायबरेली) →२३–२६१।

(ख) लि० का० स० १८४७।

प्रा०—पं० रामेश्वरदत्त शर्मा, सहायक अध्यापक, हाईस्कूल, रायबरेली।→ १७–११०।

बहुला कथा (पद्य)—लोना कृत। लि० का० स० १७०३। वि० बहुला व्याघ्र कथा।

प्रा०—श्री बटेश्वरी तिवारी, बसुका, डा० नबली (गाजीपुर)।→स० ०१–३८०।

बहुला लीला (पद्य)—कल्यानदास कृत। लि० का० स० १८४८। वि० एक पौराणिक कथा।

प्रा०—याज्ञिक सग्रह, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी।→स० ०१–३६।

बहुलाव्याघ्र सवाद→'बहुला कथा' (मानसिंह कृत)।

बहोरन (द्विज)—(?)

अद्भुत रामायण (पद्य)→स० ०१–२३६।

———